

# सम्पूर्ण गांधी वाङ्मय

•

(धिवस्कर १९ ८-सबस्बर १९ ९)



प्रकाशन विभाव सूचना और प्रसारण सम्बाह्य मारत सरकार शिवम्बर १९६३ (मात्रपद १८८५)

नवजीवन ट्रस्ट अहमदाबाद १९६६

साहे जात स्पर्य

कापी एइट मवजीवन ट्रस्टवी खीवन्यपूर्व बनुपितने

निवेशक प्रकासक विमाग विस्त्री— ६, द्वारा प्रकासित और भीवणनी बाह्यामाई वेताई, भवनीवन प्रेष्ठ जहमवाबाद— १४ द्वारा मुद्रित

#### माभार

बनुवंचान और संबर्भकी धुनियाके बिध् बिक्क सारतीय कांग्रेस कमेरी पुस्तकालय गोपी स्मारक संबर्धकय इंडियन कॉलिक साँठ वरडे बरुपर्स दुस्तकालय और सुचना एवं प्रवारक मंत्राक्ष्मके अनुवंचान तथा संवर्ध कियाग गई दिस्की सामरमधी संबर्धकम और गुव एवं विधापीठ प्रमाच्य बहुमदाबाद भी प्यारेखाक नैयर, गई दिस्की और आवजातकी कोले-नक्से तैयार करनेसे सहामताके किए मुचना एवं प्रवारण मन्त्राक्ष्मका छोटो विभाग इसोर बर्ण्यावक पात हैं।

## पाठकॉको सूचना

विभिन्न व्यवकारियोंको किसे यये प्रार्थनागत और निवसन स्वत्तवारोंको भेने गये पत्र और समामोगें स्वीहत किये गये प्रतास को वस खप्पार्थ सीम्मिक्टित किये गये हैं उनकों पांधीनीका किसा माननेके कारण वेंदे ही है बैंदे कि प्रार्थ हो मूनिकार्गे दिसे आ चुके हैं। यही किनी केसको समित्रिक करनेके निर्मेश कारण है बहाँ से पार्थिय्यक्षीन वहा दिसे समे हैं। इंडियन बोरिनियन में प्रकाशित गांधीनीके केसा जिन्दर उनके हस्ताक्षर नहीं है उनकी सामक्वा-सम्बन्धी केसोंकी सामान्य सामी उनके सहयोगी भी कमनकाल मांधी और हैनरी एस एस गोक्करकी सम्मति और सम्य उपस्थव प्रमान-सामग्रीके बामाप्पर पहचाने स्वे हैं।

अपेनी और पुनरातीने अपुनार करानेमें अनुवादको मुक्के समीप रखनेका पूरा प्रमाल किया गया है। किन्तु साथ ही अनुवादको माया गुपाटम बनानेका भी पूरा ध्यान रना गया है। अनुवाद मूळ सामधीकी कारेकी स्पष्ट मुग्नें मुधारानेके बाद किया गया है जीर मूळमें व्यवहत स्पर्धति संनित्त कर मनास्थ्यत पूरे करके दिये यह देव स्थान रखना यहा है कि मार्गोको सामध्यत जैसा हो। जाता है बैसा ही फिक्का वासे। जिन नामीन उक्तारण स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्वत्यान जैसा ही किया प्रमा है बैसा सोधीकी संपन्न गुजराती ऐक्कोंने निक्का है।

मूख सामग्रीके बीचमें बीकोर कोच्छानोंने थी यह सामग्री सम्पादकीय है। यांबीजीने किसी लेख मायम वनतस्य आदिका वो बंध मूम रूपमें बजुद किया है वह हासिया छोड़ कर गहरी त्याहोंने काम माम है केकिन यदि ऐसा कोई बंध बनुषित करके दिया है तो उसके एकिया है। इस बनाइमें उसके प्रतिकृति कर्मा है। इस बनाइमें क्षेत्र क्षा है। इस बनाइमें क्षा हो है किया हारिया कोई पहुरी स्वाहीमें क्षाने वर्ष है।

सीपिककी स्थान-तिकि बहु जिपसम्ब है बहु वार्स कोनेसे उत्तर की नयी है किलू कहाँ वह उपलब्ध नहीं है नहीं उसकी पूर्ति अनुसानते सीर चौकोर को उन्होंने की नई है जीर बहु आवस्यक हुआ है उसका कारक स्थाद कर दिया गुपा है। शीपिकके अन्तर्से सावन-सुबके सावस्यक हुआ है ।

सराना प्रयोगो अपना बारमकना और बिलन बाफिकाना सत्वापहनो इतिहास के बनेक संस्करण होनेसे उनकी पृष्ठ-संत्याएँ विभिन्न ई इसकिए हवाचा देनेमें डेबल उनके मान और बम्मावका ही उनकेब किया नवा है।

सामन-सुनोर्ने एस एन सकेत साबरमती र्ययहास्य शहुमसाबादमें उपकल्य सामयीका बी एन गांची स्थापक निषि बीर र्यवहास्य गई दिल्लीमें उपकल्य कागवपकांका और सी बच्च क्लेक्टेड वर्श्य बीठ महारमा नीथी (समूर्ण नीथी बाक्सम) हारा संपृहीत प्रकोड़ा मुक्क है।

प्रज्ञामिका परिवाद केनेके किए मुकते सम्बद्ध कुछ सामग्री परिकिटोंमें दे वी गई है। अन्तर्मे सावत-मुनोंकी सुवी इस खबादे सम्बन्धित कावका नारीकवार-कृतान्त और इस सम्बद्धी पारिनादिक खब्दावकी भी दी गई है।

#### प्रस्तायना

स्य सम्बम्पे विदानर १९ / से गरामर १९ ९ तक की सामग्री दी गई है। इसका जाएन द्वारमा द्वारमाकके स्वायाद्व-बाल्योकममें तेनी बाने और अन्य क्रन्यको गांधीबीके जाने के धात होता है। वे बार महीने तक द्वारमावाकमी स्वरम्यको नात्रचीत द्वारा सुक्रमाकेचा सनवत्व प्रमान करते रहे। किन्तु बहु विप्यक्र हुवा। राजनीतिक सावर्गको हुछ करनेके लिए सम्बम्धे सावन्याव समझीतेका प्रमान करते रहना मांधीबीके स्थापहुन्यधेनका मूम तथ्य वा। सार्वजनिक नात्रिविधाक प्रमान करते रहना मांधीबीके स्थापहुन्यधेनका मूम तथ्य वा। सार्वजनिक नात्रिविधाक प्रमान करते हुए सार्वजन करते साव स्थापहुन्यधेनका मूम तथ्य वा। सार्वजनिक नात्रिविधाक प्रमान करते हुए सार्वजन करते विराध दृष्टिकोमना भी एक गिरियत स्वरम प्रमुख करते हुए सार्व है।

धन् १९ ८ के अगस्त साहके उत्तरार्थमे पत्नीयगन्नमाणपर्शोंकी को सामृहिक होछी बाधाँ माँ, बलने सरवायहके पुनरारमके लिए एक नाटकीय पुष्ठमूमि दैवार कर दी भी। विस्तर र के सरकार्थ गढन में एपियाई पेत्रीयन संधीमतम प्रकाशित हुआ। पह सर्वितियम सेत्रकार्थ पंत्रीमतको हो वैत्र करता वा लेकिन १९ ७ के उस सोमजनक विशिवम र को रस नहीं करता वा लेकिन १९ ७ के उस सोमजनक वासिनम र को रस नहीं करता वा लिके पांचीमीके सम्पानुसार सम्दर्भ र स करने वास किया वा। सोमिनयमको एक कराने बीर सिक्षित मारतिर्थित छए उपनिवेशमें प्रवेशका विश्व वा। सामिनयमको एक कराने बीर सिक्षित मारतिर्थित छए वानिवेशमें प्रवेशका विश्व वा। सामि साम्याद साराम करनेसे पढ़ित साम्याद सामित साम्याद सामित साम्याद सामित साम्याद सामित सामित सामिताय स्वी साम्याद सामित सामिताय सामिताय सामित सामिताय सामित सामिताय सामित सामिताय सामित सामिताय साम

एक शिक्षित माराजियके नाते अवेशके कपनी अविकारको वृह्यापूर्वक बतानेके विचारते क्षेत्रक एक प्रमुख पाराजी स्वान्यक — सीरावर्वी — मेटाकडी मीमा पार करके द्वाम्यवाकर मिला एए एक प्रमुख पाराजी स्वान्यक से स्वान्यक स्वा

हांक्लेनको बन्धकताने संगठित पूरोपीय श्रमिति यूरोपीयकि एक गेथे वर्वटा प्रतिनिधित्व कर्मी भी को नारतीय समस्त्रके गति जवार दृष्टिकोण कपमानेका समर्थक मा। इस मानितिने ट्राम्यवाकमे सप्तारको हम विभागों बनेक निवेदनयव विशे और विटेनके व्यवसारों से प्रवारित करागे। दिन्तु इन प्रसर्वोंका कोई तोष परिकाग नहीं निकता। सुमानि कीर्य-कीर रियय बारिकाके मुनाबारपत्रोंका एक संत्याग्रह बान्वोळनके प्रति कुछ मुख्यायन पड़ा। मई १९ ९ में जब नामिजी बेमले छुटे उस बक्कारपर विटोरिया मूख ने अपन सम्माबकीयने कहा कि गांधीजी अन्तरात्रपत्रिकों कहा कि गांधीजी अन्तरात्रपत्रिकों कहा कि मेरिका के सित कर के प्रतिके पुद्ध हैं। "क्याने हारणवाल प्रत्याल पत्रपत्र के प्रतिके पुद्ध हैं। "क्याने हारणवाल प्रत्याल पत्रपत्र के प्रतिके प्र

पांचीजी स्वयं सत्याद्ध कारी रहानेके पक्षमें ये किन्तू अपने मन्योगियाँके विनारीका वारर करते हुए उन्होंने जुन १९ ॰ में समझीता-नार्ताकी दिशामें एक और प्रमाम " करना सीकार कर किया। सत्पादकुरा समीव बस्त तो हर हास्तुमें उनके पान वा ही। परि स्वितियों भी समझौता-गार्टाके पक्षमें संगती थीं। दक्षिण आधिकी उपनिवेशांका सन स्मापित करनके प्रस्तावको अस्तिम कप दिया जा रहा था। सम-स्थापनाके इस प्रयत्नको दक्षिम मार्किको भारतीय खकाकी बृध्दिले देख रहे वे । गांधीजीने नी देखा कि यदि माझान्धीय मरकार भारतीयोंको कुछ संवैद्यानिक संस्थल विने जानेका साम्रह नहीं करेगी तो सम्भावना इसी विभाग है कि सब-सरकारके अधीन मास्तीयोंकी क्या और भी सराव हो आयेगी और उन वर बहिड़ निर्देय कान्य योज दिये जामेंगे। इक्षिण लाफिकाक राजनीमक नेता संपर्नवभगवर्क मनिविदेशर विकार-विमार्धेके सिए इंग्लैंड का रहे थे। यह शीव्य ही इंग्लैंडकी संमवर्गे पेस हीनेगाना था। जान ठीएनर यह जनूमन किया जा पहा था कि धालाग्यीय छएछान्छे गैंड-चनाव्ये एक सन्तोपजनक समझोना करात्रेका यह एक मुझबतर हो सक्या है। गाणीजीते पर स्वीकार किया कि परिस्थिति देखते हुए यह ज्वित प्रतीत होता है कि एक सिय्यनपक्त रें मेंड बादें। जून १३ का कि भा शंचने दा शिष्टमवण्क - एक इंग्लैड और एक मारत - मेंबर्नका निरुपय किया। इन धिष्टमण्डकोंका उद्देश्य इत्सैंड और भारतकी अनदाको ट्रीम्नवायके संवर्षका सहस्य बताना और माआन्यीय सरकारको हम्त्रसय करनने क्रिए राजी हरना वा। ट्रान्यवास संस्कारने बाक्सिक बवाबी कार्रवाई करके जिल्लाक्डमोंके ज्यानातर निर्शिष्ठ मदस्योंको गिरत्नार कर सिया। गामीजीने धरस्यांका पैराकपर सुकातके प्रयत्न हिंव पर विकार हुए। बस्त जून २३ को वांधीजी और हाती हवीच दन ना मदस्योंका एक नियमग्रह इंग्वेडके क्रिए रवाना हुया। बुमरे शिष्टमण्डलमें एक ही गदस्य था-धी रीक्ट ।

वहानार पांचीनीकी छार रिवर्ड सीनीमन भी मरिर्देन भी भारता और भी मीवर नीत्र विकास नाजिन निर्माण करिया है। मीर उपने मनमें भारतीय संवर्ष प्रति प्रमृत्तृति व्राव्य निर्माण करिया में स्वर्ता मीत्र प्रति प्रमृतृत्ति व्राव्य निर्माण करिया में मान्य प्रति करिया ने मान्य प्रति करिया ने मान्य पर्दे प्रति करिया मान्य पर्दे प्रति करिया ने मान्य पर्दे प्रति करिया करिया मान्य पर्दे प्रति करिया मान्य प्रति करिया मान्य पर्दे प्रति करिया मान्य मान्य मान्य मान्य करिया मान्य मित्र करिया मान्य मान्य करिया मान्य करिया मान्य मान्य करिया मान्य मान्य करिया मान्य मान्य करिया मान्य मान्य करिया मान्य करिया मान्य करिया मान्य करिया मान्य करिया मान्य करिया मान्य मान्य करिया मान्य मान्य मान्य करिया मान्य करिया मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य करिया मान्य मा

विचार-विचार्य किया। काँहें ऐंस्टिहिकके गुक्तावरर गांधीबीने छंकिया वनताव्य" का प्रकायन स्पणित कर विचा छात्र ही यह भी तथ किया कि जनतक निजी तौरपर होनेबाकी सम सीता-वार्तिकेंका परिणाम स्पन्ट न हो बाये तबतक के सार्व-विनक्ष करते कोई काम न करेंगे। गांधीजीको काँहें ऐंस्टिहिकसे वसीगर विचक्ता सा और वैधा कि इस दोनोंते बीच हुए पत्र स्ववहारोंद्र पत्रकट होता है समझारोंद्र पत्रकट होता है समझारों साम काँडे ऐंस्टिहिककी वी गई समझत मीति विचक्त समझको सम्बोत कर्यों क्या होता है समझत मार्विक वारोंग काँडे एंस्टिहिककी वी गई समझत मीति

यह दागीनान हो बानेके बाद कि बांधीबी बीर उनके छलाधही बनुसामियोंका प्राराज सतिवासियित कोई रावन्य नहीं है काँहें एंट्रिक्सने पूरी धिलावे द्वारायाक्सी रामस्याक्त कोई हम निकावनेका प्रसाप सुरू किया। उन्हें विश्वान में कि नाराओं बढ़ते हुए बखलीए और प्राप्तान्यीय हिटोके विश्वार प्रमासाकों हक करना बलावस्यक है। ऐसे कोटे-कोटे मामसोमें निवाद किया पर प्रमास कही वा उन्होंने पांधीबीको समझौदा करनेके किए एजी पाया। काँहें एंट्रिक बनरस्व बोबा बीर बनरक स्वरूप्त भी मिक्ने को संबन्धियों कर एजी पाया। काँहें एंट्रिक बनरस्व बोबा बीर बनरक स्वरूप्त भी मिक्ने को संबन्धियों कर सम्बन्धियों हो हो नाराज्य का प्रमास के समझौद प्रमास के समझौद प्रमास के समझौद स्वरूप्त के स्वरूप्त पहुंचे हा गांधीबीके पहुंचे हमानका मान की गई दो साराज्य का समझौद स्वरूप्त कहा कि संबन्ध निर्माणकी बड़ीमें इन मोगोंको स्वीकार करके विश्व साराज्योंको निकार कर विश्व सार्थ निर्माणकी बड़ीमें इन मोगोंको स्वीकार करके विश्व साराज्योंको निकार कर

ही यह ठीक है कि बादभीत धांबीजोते ही बलाई थी। वे कॉर्ड ऐंस्टिहक्से बरावर सम्मकं बनामे "बकर काम करते रहें घर संवरची मावनगरी और न्यायमूर्ति जमीर क्यों-वैदे मार्ट्याय नेदा घर रिवर्ष शंकीमन घर विकियम की-बीरणर जीर नियोंजोर मॉरिस्टन-वैदे प्रमावधाली बीचन जायिक्टी जीर बचेब राजनायिकों जीर देवरैंब एक वी मायर तथा कुमारी प्रकरिस्ट किंद्रव्योद्य-वेदे निकास मिले।

चरकारी स्वरूपर गांत्रीजी उपनिश्व मन्त्राक्यमें काँडे कू और इंडिया जॉल्क्सिं काँडे मर्निस ही ज्यादा निक्ष-कुछ। काँडे कू को समझीदेकी काँडे काला गड़ी की और उन्होंने निपकोच क्यांडे स्थ्रीक्सार किया। १९ ७ के बाधिनियम २ के बार्टेम मार्थाजी आयानियांकी अपनिश्वेक मन्त्रकारी १८ कारत १९ ९ को क्रिकी गई एक टिप्पणीये इंटिक गांतिहांकी भावकार्यों बताया यथा। गांधीजीके इस बायहका कि सामान्यके नागरिककी है सिपतंद मार्थीजंका एक निवंद वक्सार्ये ही एडी इत्याक्षमार्ये प्रकेष करनेका कानूनी अधिकार मार्य क्षिया बाये सार्व्यते हटपूर्वक विरोध किया। वे ज्यावासे-न्याया इस बावके बिय् रीयार वे कि भारतीय प्रमास्थिति एक शीमित संस्थाको क्याये विश्वासका प्रमाण्यक दिया जारे। उप निवंध मन्त्राक्यमें काचारी प्रकट करते हुए कहा कि संवैधानिक दृष्टिसे उसके बिय् मार्थ संस्थाकार करनेक्या काचारी काचारी काचारी कान्त्रस्था संस्थाकार करनेक्य संस्थाकार करनेक्य संस्थाकार करनेक्य संस्थाकार करनेक्य संस्थाकार करनेक्य संस्थान कानून मुझारा काम संस्थाक संस्था कानून संस्था सामान्यक रहे।

नवस्तर ३ को यह विल्हुस राष्ट्र हो यमा कि समझौता-भावी विषय्य हो गई है। उपित्रेब मध्यास्परी गामीजीको सुनित किया कि वह उन्हें ऐसा कोई नास्तासन देनेसे बसमर्थ है कि प्रवास-सम्बन्धी सैदालिक समानताको मान्यता विकार वा समेनी। नवस्तर ५ को वीपीशीने ननमत तैयार करनके निष् व्यविषान सन्य करते हुए विटेनके समावारपर्शेमें वपता (६ जुमाईका वस्त्रस्य "प्रकासनार्य सेवा विश्व वे सवत्रक साँवे पैराहितक कहनेते रोके हुए वी उन्होंने इसके सक्तर्य "प्रकासनार्य सेवा विश्व वे सवत्रक साँवे पैराहितक कहनेते रोके हुए वी उन्होंने इसके स्वयं स्वाप्त सेवा विश्व वे तित्र साधित क्षेत्र सेवा कि स्वयं समाध्या और जनार्य उनका समर्थन करनेता अनुरोध किया। बोधीशीन ट्राल्याकर संप्याकर संपादिस्ति नहानुभूति रसनेवार्य वेश्व के सेवा केवा करनेता के स्वयाधिया नहानुभूति रसनेवार्य वेश्व केवा केवा करनेता करनेता केवा करनेता केवा करनेता केवा करनेता करने

नवस्यर १ को यांबीबीने बेकी एक्छप्रेट के संवाद्यश्वाको बवाया कि सरयायह पूरे रखाहरू साव जारी रहेगा। अगये बिन उन्होंने किनेके समाचारपर्यास्ट अपीन की कि व इम्म्याक्षके सबर्पकी अनुना समर्थन प्राप्त करे। नवस्यर १२ की अपनी निवाहके अवगरपर सार्थीनन एक समार्थ उन्होंने किटेनक नदावाँसे अनुरोप किया कि वे ट्राम्यवालके आस्थोलनको उसर इस्टिस समझनेका प्रयास करें।

कण्यमें सपने स्रति चारत कार्यसमारे बावनूर गोधीशी आत्ममें पाणवक गाव बरावर पारक कार्य ऐं। उत्तक कार्यसमारे पाणि निर्म्ह वे बहुत मुद्द बोककर निप्तकों से पूरी मेर्पियर उत्तरी पद्म डोलै-डोले क्यांनीका व्यान राजनी समया और सभी मामकार्ये सम्बंध पत्रक वृत्ति विला प्रष्टा होती है।

मांबीजीके मनमें ट्राम्सवासके सेवर्वके व्यापकतार परिवामीका विस्कृत स्वय्ट वित्र था। भारतकी बनता द्वारा संवर्षके ब्यापकतर महत्त्वको समझनेमें बेरका कारण गांधीजीके अनुसाद मांक्षिक क्यारे उनका आत्म-सन्तिका सज्ञान था। उनकी निविधत कारका की कि क्या के यह नहीं देख सकते कि टान्सवासमें चसनेवाधे प्रयत्नों और तदमुख्य भारतमे किये चानेवाके

प्रमाधींका स्वरूप ही ऐसा है कि वे सारतको उसके कायके अविकाधिक निकट के बार्पेसे भीर सो मी बहुत निस्तृत सरीहेसे? (पूछ ४६२)। पोलक्को सिंह सराने एक पर्मी उन्होंने हैरत प्रकट करते हुए पूछा कि स्था ने सही बेस एकते कि इस क्याकि हारा हम

मातुम्मि भारतकी सेवामें मविष्यके सिए एक बनुषासित सेना तैनार कर ऐ है। यह सेना ऐसी होगी को वहींसे-बड़ी बहुवी संकटका सामना होनेपर भी अपना बौहर दिखा सकेयी (पुरु ४६२) । हिंसात्मक वरीकसि भारतकी स्वतंत्रता-प्राप्ति गांबीबी असम्भव और अवांस्मीय मानते है। एन्होंने पोसक्के माध्यमधे बतिवादियोंको बतामा कि है जो स्वतन्त्रता वाहते हैं

या उनका स्वयास है कि उन्हें बिसकी बरूरत है वह स्वतन्त्रता सीमोंकी मारने या हिसा न रने से न मिकेगी। (पष्ठ ४८) मह काक इस बृष्टिसे भी महरकपूर्ण है कि गोबीबीने इसी समय क्सी विभागक कार्यट कियो टॉन्स्टॉमसे मामके स्थापित किया। टॉन्स्टॉमको योबीबीने "इस सिकान्तका सबसे

में दे और प्रसिद्ध स्थास्थाकार भागा। सत्यावड सान्दोक्तके बारेमें टॉन्स्टॉमको गांबीबीने क्सि "मेरी यममें टान्सवासमें भारतीयोंका यह संबर्ध बाधनिक ययका सबसे महान मंधर्ष यदि यह आन्दोलन एकक होता है तो वह न सिर्फ अपने बसत्य और विशेषपर 

इस त्यापर्ने इस बाधुनिक कामताके बारेने गांधीवरीके विधारोंको स्तर होते हुए देवते हैं। मिलागढ गांधीको किन्ने वरणे रशोंने और दीविश बोधितवल को किन्ने वर्ष बरने देवारपत्रोंने वे इस विश्ववर्ध वर्षों करते हैं। किन्तु पोकक्को किसे पने अपने बक्तूबर १४ के पत्रमें उन्होंने बागेने उन विशिवस रिफक्तों को स्पण्ट करते ध्यक्त हिया चौ बाहें सन्पापहकी सक्यी मावना से प्राप्त हुए के और जिल्हें उन्होंने सीम ही अपनी

पुस्तक हिन्द स्वराज्य में विस्तारशे किया। यह पुस्तक उन्होंने इंग्वैडसे इक्षित्र आफ्रिका बापस कौरते हुए बहाजपर किनी।

# विषय-सूची

भूमिका	
भागार	
पाउकीं हो भूवता	
वित्र-सूची	
१ बोहानिसबमकी विट्ठी (३१-८-१९ ८)	
र साम्राग्य-मरकारके विचार (५-९-१९ ८)	\$
क्षिकी स्विति (५-९-१९ ८)	- 1
¥ भारतके राष्ट्रियामहरू। बन्मदिन (५~९~१९ ८)	ţ.
५ रादामाईनी जमली (५-९-१९ ८)	₹•
६ जोहानिसदगकी विरुटी (७–९–१९ ८)	7.7
<ul> <li>प्रार्वनायक उपनिवेश-सम्बोको (९~९-१९ ८)</li> </ul>	10
८.तार द का वि मा समितिको (९~९–१९ ८)	२८
९ मेंट स्टार के प्रतिनिधिको (९-९-१९०८)	75
यापय नार्ववित्र सभाम (१ -९-१९ ८)	18
१ प्रस्ताव सावजनिक समामें (१ −९~१९ ८)	₹?
२ रविरोपा मुक्तमा (१२-९-१९ ८क पूर्व)	18
१ नटासकी समाएँ (१२-९-१९०८)	žΧ
४ ईमी या रोबन १ (१२-९-१९ ८)	94
१५ मगहनको ससाम करें (१२-९-१९ ८)	34
१६ हमारा झूठ (१२-९-१९ ८)	3.6
१७. प्राथनापत्र उपनिवेश संजीको (१४-९-१९ ८)	şø
रें ने मी मू बगम तना बन्य सोगोंका मृक्यमा (१५-९-१९ ८)	15
१९ बोहानिसबर्यक्री (१९-९-१९ ८)	¥.
रे में रामटरको (१६-९-१९ ८)	*4
२१ पर जल-तिरेग्रहको (१०−९−१९ ८)	*4
ररे पत्र स्नार की (१७-१-१९८)	*
रे भेंट स्नार का (१७-९-१९ ८)	42
२४ पत्र जन-नि*गतको (१८१९ ८)	4.1
र्शं पर स्टारंको (१८-९-१ ८)	da
२६ <sup>र</sup> मा मिया और उनक उत्तराधिकारी (१९─९─१°८)	*
<ul> <li>नगरका मामला (१९-९-१९०८)</li> </ul>	* 5
२८ पर अगरवार्रोडी (१९-९-१९ ८)	40
२६ पर जम-निरोक्ता (१९-९-१९ ८)	43

३ पत्र इसम्यू इॉस्लमको (१९-९-१९ ८)	44
३१ पत्र उपनिवेश-संविवको (२१-९-१९ ८)	13
३२ जोहानिसनर्गकी चिट्ठी (२६-९-१९ ८)	43
६६ पत्र अले-निवेदकको (२४-९-१९ ८)	<i>u</i>
३४ पत्र जीक-निवेशकको (२५-९-१९ ८)	• १
	⊌ <b>₹</b>
३५ शटाम करे शहायता कर सकता है? (२६११९ ८)	
इद पत्र उपनिनेध-संविधको (२८-९-१९ ८)	4
३७ पत्र चील-निर्देशकको (१ -९-१९ ८)	WY.
इ.८. पत्र इंडियन वोपिनियन को (३ -९-१९ ८)	<b>₩</b> 4
३९ बार द मा कि॰ मा समितिको (३ –९-१६८)	94
४ मेंट नदास मर्चुरी को (३०९-१९ ८)	84
¥१ शार उपनिवेध-समित्रको (२-१०-१९ ८)	<b>د</b> و
¥२ तार द का कि मा समितिको (२—१ ∼१९ ८)	८२
४३ पावरियाके सिए ससविदा (२-१ -१९ ८)	6
४४ नेरासके गिरिमिटिया (१-१ -१९८)	૮૧
४५ सन्त्री विकास (३–१ –१९ ८)	64
४६ इमास काम (३-१ -१९ ८)	64
४७ बोह्यनिसबगरी चिट्ठी (३—१०—१९ ८)	69
¥८.तार द आस क्रि.मा समितिको (३—१ –१९ ८)	65
४९ तार व वा कि भा समितिको (५−१०⊷१६८)	3
५ पत्र जे य बाइको (८–१ –१९ ८)	3.2
५१ चेठ चीम क्यों नहीं झूटते । (१०-१ -१९ ८)	\$3
५२ नटाक्ट कुछ प्रधन (१ –१ –१९ ८)	4.5
५३ कैदियोंकी स्थिति (१ -१ -१५ ८)	48
५४ प्रार्थनापत्र रैनिकट समिसन्द्रका (११-१०-१९ ८)	e?
५५ मन्देश मत्याग्रहियों और बूसरे मारणीयोंको (१६–१ –१९ ८)	96
५६ तुलमी≱न रामायण का सार (१४–१ –१९०८के पूर)	55
५७ सवर्ष (१७–१ –१९ ८के पूर्व)	1.1
५८ दुष्ठ मारतीर्योका (१७−१ −१९ ८व पूर्व)	1 1
५९ पत्र ज में बोइका (१४~१ ~१९ ८)	1 3
६ सन्दर्भ मास्तीय सन्वाके नाम (१४–१ −१ ८)	? ?
६१ शाजनी मामात्र जीर दूलरांका मुक्तपमा (१४१०१९ ८)	<b>१३</b>
६२ फास्मरम्प्से सुरुदमा (१४-१ -१९ ८)	2 4
६३ सल्पेस जारतीयींका (१४-२०-१९ ८)	2 0
१४ नार उपनिवेग-मन्त्रीको (७-११-१९ ८)	t o
६५ पत्र ए एव वेस्टबो ( -११-१ ८)	1 6
१६ पत्र भीमती वस्तूरवा गांधीको (१-११-१ ८)	
the an armarilem manual or a sal	•

## ६९ मापच बोहानितवर्गके स्वागत-समारोहमें (१२-१२-१९ ८) घ मापच हमीतिया वस्तानिया बंदुमानकी स्वागत-समार्गे (१३-१२-१९ ८) धर भाषच तमिस स्वागत-समार्गे (१४-१२-१९०८) घर नायदू सन्त्रमो और हुसरोहत मुकरमा (१८-१२-१९ ८)

७४ नेक्सनको पुस्तक मेंट दो सन्द (२३–१२−१९ ८) ७५ वर्षका क्षेत्रा-जोला (२६–१२−१९ ८)

७६ पत्र मगुनमास गांबीको (२८-१२-१ ८)

पटाल भानेवाले जारतीय यात्री (२-१-१९ ६)
 सर्वाबद्वते सक्क (२-१-१९ ६)

८१ मेरा यकका दूसरा अनुभव [-१] (२-१-१९ ९)

८६ मेरा जसका दूसरा अनुमव [-२] (९-१-१९०९)

९३ मरा जनका बूनरा बनुभव [-१] (१६-१-१९ ९)

८ मेंट नटाल महर्याची के प्रतिनिधिका (२१-१-१९ ९)

९ काप्रसिवाद केनदारानी बैठकमें पैरबी (२२-१-१९ ९)

रैंड इसी मेल को (२२-१-१९ ९)

रे ? मेरा बनका दूनरा अनुभव [-४] (२३-१-१९ ९)

<sup>९४</sup> पत्र सीमती चनस्त्रन वाभीको (१६-१-१९ ९)

५ पत्र इक्षिमन कोपिनियम को (१९-१-१९ ९)

९० पत्र रेड इसी सम्र की (९-१-१९ ९)

९१ नटासमें भारतीयोकी विका (१६-१-१९ ९)

८२ मेंट नेटास मन्परी को (५-१-१९०९)

८१ दुकानगर बनाम परीबाके (९-१-१९ ९)

८४ नेटासके सप नता (१-१-१९ ९)

८५ हिन्दू-मुस्सिम बगा (९-१-१९ ९) ८६ बैद्बरके मारतीय (१-१-१९ ९)

८८- उच्चार विद्याख्य (९-१-१९ ९)

९२ प्रवासी-बाबोन (१६-१-१९०९)

९६ पत्र अगबारीको (२०-१-१९ ९)

९३ पत्र क्षेत्रशरोंको (२ ~१~१९ ९)

रे र नहारेंचा अर्थ नया है ? (२३-१-१९ ९)

रे रे पर केनदासक नाम (२३-१-१९ ९)

८० प्रीनिक्सकी पाठमास्त्र (१-१-१९ ९)

७८ फीनिरसकी पाठग्राका (२-१-१९०९)

६८. मेंट जमिस्टन स्टबनगर (१२-१२-१९ ८)

६७ जसम सन्दर्भ (५-१२-१ ८)

**७१ मारी सक्यें (१९-१२-१९०८)** 

७७ नया वर्ष (२-१-१९ ९)

920

٠ ٢

\* \*

11

**१११** ११⊀

₹₹4 ₹₹**\$** 

286

११८ १२

\$28

**१२२** 

**१**२२

122

121

१२०

111

**१३५** 

225

210

181

182

**\$**¥¥

188

186

280

१५१

१५२

244

244

१५७

140

144

25

112

255

250

275

१७

101

205

۹१

317

१०४ पत्र अलगरॉको (२३-१-१९ ९)

१६ पत्र सर चारसे बूसको (२७-१-१९ ९)

१ ७ पत्र सॉर्ड कवनको (२७-१-१९ ९)

१०५ मेंट रैड डेसी भन्न के प्रतिनिधिको (२५-१-१ ९)

```
१ ८ पत्र हरिकाक गांधीको (२७-१-१९ ९)
                                                                 Yeş
१ ९ पण भीमधी चंत्रकान भाषीको (२८-१-१९ ९)
                                                                 144
११ पत्र मगनसाल गांचीको (२९--१--१९ ९)
                                                                 105
१११ भी काश्रक्षियांका बारमन्याय (३ ~१~१९ ९)
                                                                 149
११२ अग्रेजी हवा (३०-१-१९ ९)
                                                                100
११३ तुर्कीका उवाहरण (३०-१-१९ ९)
                                                                105
११४ मेरा अकका दूसरा अनुभव [-५] (व -१-१९ ९)
                                                                25
११५ ट्राग्सवाक्की कड़ाई (६-२-१९ ९)
                                                                163
११६ भी काछक्रियाका विशेष आरमस्याग (६-२-१९ ९)
                                                                124
११७ सम्मेलन (१३-२-१९ ९)
                                                                104
११८. हारे इए सोयोके किए (१३-२-१९ ९)
                                                                160
११९ भी रविरिमाकी बंपील (१३--२-१९ ९)
                                                                166
१२ क्वनके विकार (१६-२-१९ ९)
                                                                166
१२१ थी बाउब मुहम्मदकी वेस-सेवा (१६-२-१९ ९)
                                                                25
१२२ रोबवियाली कीत (११--२-१९ ९)
                                                                175
१२६ ट्राप्सनाससे बाहरके भाग्द्रीयोंका कर्तव्य (१६-२-१९ ९)
                                                                121
१२४ संबर्भ (२०-२-१९ ९)
                                                                199
१२५ संविधान (२०-२-१९ ९)
                                                                197
१२६ पार्पसमोंकी बहाबुरी (२ -२-१९ ९)
                                                                122
१२७ नया भारतीय झुक जायेने ? (२०--२-१९ ९)
                                                                197
१२८ इवा वसी (२०-२-१९ ९)
                                                                155
१२९. फोक्सरस्टर्मे मुख्यमा (२५-२-१९ ९)
                                                                225
     सन्देश दक्षिण आफिकाके वारतीयोंको (२५-२-१९ ९)
                                                                190
१३१ सन्देस तमिल बाइयोंको (२५-२-१९ ९)
                                                                196
१३२ पत्र यीमती वंबमनेन नागीको (२६-२-१९ ९)
                                                                223
१व३ एम एकी परीक्षा (२७-२-१९ ९)
                                                                ₹
१३४ नेटाससं सहायता (२७-२-१९ ९)
                                                                ર ₹
१३५, वक्ष ए एक बेस्टको (४-३-१९ ९)
                                                               ₹ ₹
१३६ मसविदा अकके गर्नारको किले प्रार्थनापत्रका (११-३-१९ ९ क काट)
                                                               २ ₹
१३७ पत्र मिललास गांधीको (२५-३-१९ ९)
                                                               2 X
```

१३८. तार व बा वि मा समितिको (७-४-१९ ९)

१४ वत्र एच एस एक पोलक्रको (२६-४-१९ ९)

१३ नारतीय और शराब (१०-४-१९ ९के पूब)

१४१ मापन प्रिटोरियाकी समानें (२४-५-१९०९)	२१४
१४२ मापण प्रिटोरियामें (२४-५-१९ ९)	₹१६
१४३ मेंट प्रिटोरिया स्पूत्र के प्रतिनिधिको (२४-५-१९ ९)	२१७
१४४ मायन जोहानिसक्येंकी समामें (२४-५-१९ ९)	२१८
१४५ मापम जोड्रानिसबगकी समार्ने (२४-५-१९ ९)	₹₹•
१४६ पत्र बारवारोंको (२६-५-१९ ९)	228
१४७ सत्यावही कीन हा सकता है? (२९-५-१९ ९)	रर५
१४८. पेरा जसका तीसरा अनुसव [१] (२९-५-१९०९)	२२७
१४९, मायम अस्तात और विश्वनकी स्वामन-ग्रमामें (२-१-१९ ९)	5 <b>\$</b> Y
१५ मापन चाय-पार्टीमें (२-६-१९ ९)	२३५
१५१ बेस कीन था सकता है? (५-६-१९ ९)	२३६
१५२ मेरा जलका तीसरा जनुमय [२] (५-६-१९ ९)	२३८
१५३ मायन वॉनस्टनमें (७-६-१९ ९)	585
१५४ पत्र ट्रान्सवाल लीडर को (८-१-१९ ९के पाद)	588
१५५ कुछ विवार (१२-६-१९०९)	584
१५६ केनके भारतीय (१२-६-१९०९)	२४६
१५७. बोहानिसबमकी बिटडी (१२-९-१९०९)	58.6
१५८ नामह् और अन्य सोगोंका मुकदमा (१६–६–१९ ९)	२५१
१५९ मापण माववनिक समार्मे (१६−६−१९ ९)	२९२
१६ प्रस्ताद सार्वजनिक समामें (१६-६-१९ ९)	548
1९१ पत्र स्टार'को (१८–६–१९ ९)	२५५
१६२ मिप्टमण्ड (१९-६-१९ ९)	२५७
1६३ पत्र ट्रान्सवासके भारतीयींको (२१-६-१९ ९१ पूर)	२५९
१६४ स्वरींय श्रीमती गुमवाई (२१~६-१९०९वे पूर्व)	₹₹
१९५ जोद्दानिसकाँकी चिट्टी (२१-६-१९ के पूर्व)	₹६
१९६ पत्र हवीब मोल्तको (२१-६-१९ ९के पूर्व)	₹%
१६७- पत्र मणिलास गांचीको (२१-६-१९ ९)	२६५ २६६
१९८ पत्र की ई बाह्यको (२६-६-१९ ९)	744
१६८ मेंट देप द्यादाना की (२३-६-१९ ९)	346
रेण मिय्यमग्रसकी यात्रा [-१] (२१-६-१९ ९६ बाद)	₹७₹
रेणरे भी पोलक और जनशा कांग (१-७-१९ ९)	704
रेपर पत्र रामशास पांचीको (७-७-१९०९)	201
रिक्षे विष्टमन्त्रसभी मात्रा [-र] (९-७-१९ के पूर्व)	804
(७४ पत्र मगनसाम गोधीको (९०७–१९ ९)	₹•\$
१७५ में रायटरके प्रतिनिधियों (१०-७-१९ )	24
रिष्, मेंग ग्रेड एक्सीके प्रतिनिवादी (१०-७-१९ ६)	₹¢ <b>₹</b> ¢•
रेक्ट विष्टमसत्त्रकी यात्रा [-व] (१०-७-१९०९के बाद)	760

१७८ पत्र एक एस एस पोसकको (१४-७-१९ ९)

(वट पन पन पव पक नाक्नका (१०-व-१९ ४)	२८२
१७९ ट्रान्सवासवासी मारतीयोंके मामलेका विवरण (१९-७१९ ९)	२८७
१८ सन्दर्ग (१६–७–१९ ९के बाद)	•
१८१ पत्र मॉर्बकृक निजी-सणियको (२ –७–१९ ९)	<b>₹</b> २
१८२ पत्र साँढे ऍस्टहिकको (२१–७–१९ ९)	* *
१८३ पत्र साउथ वाफिका को (२२–७–१९ ९)	* X
१८४ पत्र एव एस एस पोसकको (२२-७-१९ ९)	3 4
<b>१८५ पत्र मो अः योक्सेको</b> (२३ <del>०७०</del> -१९ ९)	<b>1</b> 9
१८६ पत्र सीमती वॉयक्रको (२६–७–१९ ९)	16
१८७ सन्वन (२१-५-१९ ९)	16
१८८ पत्र उप-उपनिवेख-सन्तीको (२४-७-१९ ९)	1.5
१८९ सिप्टमम्बसमी यात्रा [-४] (२४-७-१९ ९)	777
१९ पत्र कॉर्ड ऍस्ट <b>हिकको</b> (२१ <del>-७</del> -१९ ९)	9 5 9
१९१ पत्र सार्वे मार्मेके निजी सचिवको (२६—७–१९ ९)	124
१९२ सिय्टमम्बक्की यात्रा [-५] (२६-७-१९ ९के बाद)	725
१९३ पत्र कॉर्डऍस्टहिसको (२८—७—१९ ९)	<b>४१</b> ७
१९४ पत्र सर्विऍन्टइस्किको (२९—७—१९ ९)	116
१९५ पत्र एव एक पोक्रकको (३ –७–१९ ९)	१२१
१९६ सन्वन (६ <del>० ७-</del> १९ ९)	121
१९७ पत्र कॉर्बऐस्टिहिकको (३-८-१९ ९)	*74
१९८. पत्र इंक्सिशमैत को (१–८–१९ ९)	*24
१९९. पत्र कॉर्ब ऍस्टहिसको (४-८-१९ ९)	\$ <b>?</b> '8
२ पत्र मॉर्डऍस्टब्रिकको (५—८–१९९)	*24
२ १ पत्र चपनिवेश उपस्त्रीको (९-८-१९ ९)	***
२२ पत्र चाँड ऍस्टहिलको (९-८-१९९)	着着人
२ ३ पत्र एच एस एक पोक्सकको (६-८-१९ ९)	事事件
२ ४ कन्तन (६-८-१९ ९)	***
२ ५ विष्टमम्बस्ती मात्रा [-६] (७-८-१९ ९के पूर्व)	775
२ ६ पत्र असीर अलीको (७—८—१९ ९)	785
२ ७. यत्र ऑर्ज ऍस्टक्किको (९~८~१९ ९)	625
२८. पत्र कॉर्ड ऍम्टिशिसको (९-८-१९ ९)	#,4.5
२ ९. तेटासवासी मारतीयोंके कम्टॉका विवरण (१०-८-१९ ९)	4.8.4
२१ पत्र <b>क्रॉर्ड</b> ऍम्ट <b>ड्रिकको</b> (१०—८—१९ ९)	184
२११ तार एव एत एक पोक्कको (१०—८–१९ ९)	*4
२१२ तार बिटिय मारतीय संबको (१०-८-१९ ९के बाब)	\$4 J
२१३ पत्र मण्डिक यांदीको (१०—८−१९ ९)	148
२१४ पत्र कॉर्ड कूके निजी समितको (११-८-१९ ९)	*42
*	

```
141
२१५ पत्र साँव ऍम्टहिसको (११-८-१९ ९)
                                                              348
२१६ सम्बन (१२-८-१९ ९के बाद)
२१७ पत्र एव एस एस॰ पीतकतो (१३-८-१९ ९)
                                                              144
                                                              144
२१८ विष्टमण्डसकी यात्रा [-७] (१३-८-१९ ९)
२१९. पत्र साँड रॉम्टहिसको (१४-८-१९ ९)
                                                              140
२२० तार एक एस एस पोसकको (१६-८-१९ ९)
                                                              146
२२१ पत्र ऑर्ड क क निजी समिनको (१६-८-१९ ९)
                                                              140
                                                              35
२२२ पत्र कॉर्ड ऐंन्टडिकको (१६-८-१९ ९)
२२३ पत्र एक एस एस पोसकको (२ -८-१९ ९)
                                                              348
                                                              353
२२४ सन्दन (२ -८-१९ ९के बासपास)
२२५ शिष्टमध्यसकी यात्रा [-८] (२१-८-१९०९के बाद)
                                                              153
२२६ पत्र डॉ अलुर्स्ट्यानको (२३-८-१९ ९)
                                                              144
 २२७ पत्र साँड कु के निजी समिनको (२४-८-१९ ९)
                                                              384
 २२८ पत्र साँड एँग्टिइसको (२४-८-१९ ९)
                                                              388
 २२९ तार एम एस एल पोसकको (२५-८-१९ ९)
                                                              338
 २१ पत्र एक एन एस पोलकको (२६-८-१९ ९)
                                                              150
 २३१ शिष्टमध्यसमी बाना [-९] (२७-८-१९ ९)
                                                              788
                                                              155
 २१२ करतन (२७-८-१९ ९के बाद)
 २३३ पत्र धीमती बाधी गांधीको (२८-८-१९ ९)
                                                              808
 २६४ पत्र साँड एस्टहिसको (३०-८-१९ ९)
                                                              308
 २३५ पत्र अमीर ससीको (३०-८-१९ ९)
                                                              108
 रेश्र पत्र स्वामी शंत्ररानम्बको (१०-८-१९ ९)
                                                              ₹05
 २३७. पत्र मधिसास गांबीको (बगस्तका जन्त १९ ९)
                                                              300
 २१८ पत्र काँढं ऍस्टब्रिकको (१-९-१९ ९)
                                                              109
 २३% पत्र मणिकास योबीको (१-९-१९ ९)
                                                              300
 र्भ वार एक एठ एल पोतकको (२-९-१९ ९)
                                                              309
  रे पर सार्व के निजी समितको (२-९-१९ ९)
                                                              16
  २४२ पत्र कोई रोम्टहिसको (२-९-१९ )
                                                              16
  रेभी पत्र एक एस एस पोलक्को (२-०-१९ ९)
                                                              $62
                                                              141
  २४४ पत्र एक एम एस पोसहको (३- -१९ ९)
  २४९ विष्टबन्डसमी बाबा [-१] (१-१-१९ १के बाब)
                                                              14
  २४६ सम्बन्ध (४-९-१९ ९मे पूक्)
                                                              144
  २४० पत्र साँद्रै कृके निजी सचिवको (६-९-१९ ९)
                                                              144
  २४८ पर समीर समीको (६-५-१९ ९)
                                                              11
                                                              178
  २४९ पत्र स्मासमाई वाबीको (०-९-१९०९)
  रे९ पर सारगरान गांगीको (७-०-१९ ९)
                                                              197
  २५१ पर भीमनी कागी मांधीको (७-९-१९ ९)
                                                              1 :
```

151

YH

YIC

YRS.

111 14 61 60 60 11040 (0-1-11)	111
२५३ पत्र सॉर्ड ऍस्टहिलको (९-९-१९ ९)	150
२५४ पत्र मनिकाक गांबीको (९-९-१९ ९)	150
२५५ पत्र सॉर्ड कृके निजी सचिवको (१००९०१९ ९)	156
२५६ पत्र कॉर्व मॉर्बेके निजी सचिवको (१ -९-१९ ९)	728
२५७ पत्र कॉर्स ऍस्टिहिकको (१०-९-१९ ९)	727
२५८ कल्पन (१०-९-१९ ९)	¥
२५९ विष्टमच्यळनी यात्रा [११] (११-९-१९ ९से पूर्व)	ΥĘ
२६ पत्र लॉड ऍम्टहिसको (१३-९-१९ ९)	YY
२६१ पत्र कॉर्ड कुन्ने निजी समिनको (१४११९ ९)	¥ 4
२६२ पत्र आर्थि मॉर्सेके निजी समित्रको (१९-९-१९ ९)	Y 4
२६३ पत्र ऑर्ड ऍस्टहिकको (१६-९-१९ ९)	X @
२६४ सोर्ड कू के साथ घेंटका सार (१६-९-१९ ९)	Y 6
२६५ पत्र कॉर्ड ऍस्टहिकको (१६-९-१९ ९)	<b>X</b> \$\$
२६६ पत्र एस एस एक पोलकको (१६-५-१९ ९)	885
२६७ विस्टमफान्डी सामा [-१२] (१६-९-१९ ९के वार)	*{4
२६८ पत्र मिललक गांबीको (१७-९-१९ ९)	¥\$@
२६९ पत्र नारवदास गांबीको (१७-९-१९ ९)	886
२७ भारतीय मुस्किम कीमकी अन्यन साकाको किसी पत्रका मधीवया	
(१७-९-१९ ९% बाब)	256
२७१ मन्यन (१८-९-१९ ९से पूर्व)	8.4
२७२ पत्र कॉर्डकूके सिनी सनिकको (१८—९—१९ ९)	266
२७३ पत्र कॉर्ड गॉर्क्के निजी समिनको (१८-९-१९ ९)	<b>A</b> 58
२७४ पन कॉर्ड ऍस्टक्किको (१८-९-१९ ९)	Adil
२७५ पत्र चपनिनेश-उपधित्रको (२००९-१९ ९)	848
२७६ पत्र कॉर्डकृकेनिनीसमिनको (२३—९—१९ ९)	264
२७७ पत्र एच एच एक पोक्कको (२१∼९−१९ ९)	264
२७८ सम्बन (२५-९-१९ ९के पूर्व)	A.I
२७९ क्रिप्टमच्यक्तमी यामा [-१३] (२५-९-१९ ९के पूर्व)	2.45
२८ तार क्रिटिश माध्यीय संबको (२७─९-१९ ९)	*#5
२८१ पत्र अमीर अवभीको (२७—९—१९ ९)	अव्हर
२८२ पत्र मुमिसाक गांचीको (२७—९∼१९ ९)	264
२८३ पत्र ऍडवोकेट व्यॉफ इंडिया की (२८-९-१९ ९)	AÁA
२८४ पत्र सार्वकृके निजी समितको (२९-९-१९ ९)	2.56
-	100

२८५ पत्र एक एस एक पोककको (२९-९-१९ ९)

२८६ पन कॉर्ड मोर्लेक निजी शचिनको (१०-९-१९ ९)

२८७ पत्र एक एस एस पोक्कको (१०-९-१९ ९)

# इस्तीप

२८८ पत्र निम्नो टॉन्फ्टॉवको (१-१०-१९ ९)	AAS
२८९. सन्दर्ग (१-१०-१९०९क बाद)	***¢
२९० पत्र मारयहाम गांधीको (३-१०-१९०९)	४५२
रश पत्र मुमानवरू सांगीको (१-१०-१००९)	261
२९२ पत्र नार्ड गॅम्टहिसको (५-१०-१ ०९)	242
२९१ मारण मूजरानियाँची नमार्ने (५-१०-१९०९)	144
२९४ पत्र नोह ऐस्ट्रीहरूको (६-१ -१९ ९)	246
२९५ पत्र एव एव एक वोजनको (६-१०-१९ )	415
१९६ ित्यवसनकी वाका [१४] (८-१ -१९ की पूर)	144
२९० वक चानिकेए उपसन्तीको (८-१ -१° ९)	463
२९८ वत्र मोंड मॉनके नित्री सम्बन्तों (८-१०-१९ )	278
२ ९. पत्र साँड (ग्यहिमको (८-१ -१९ ९)	278
lee वर मुजयदी र्वच को (८-१०-१ ९)	*44
३ १ जारम इमर्गन बन्धमें (८-१ -१९ °)	Y3+
१०२ मिय्यमसमसी यात्रा [-१५] (८-१ -१९ ९के बार)	Ya
रे मन्दर्भ (८-१०-१९ ९के बार्ड)	Fe3
३ Y पत्र मणिनाल गांधीरो (१२-१ -१९ ९)	¥3¥
रे ५ माराम जिस्सानम्बर्गे (१३-१०-१९ ९)	Y5Y
रेश्द पत्र साँदै ऍस्टिश्मिको (१४-१०-१००९)	758
३०३ पत्र एव० एस एस पालपती (१४-१०-१९ ९)	¥33
१ ८. जिल्मानम् काता (-१६) (१५-१०-१९ ६)	YCP
३ ९ पत्र माउच आख्तिका को (१६-१ ∼१९०९क पूर)	461
३१० चर नवनवाल गांधीको (१८-१०-१९०९)	YCH
रेश पत्र बतीयो (१८-१०-१९ ९)	YCH
वेरेर पर जानिवेश जनमगीको (१९-१+-१९ ९)	724
रेरर पत्र मार्ड एंग्ट्रहिल्यो (१९-२०-१९० )	YCa
देश राज्य (२००१००१० १के पूर)	***
रे१५ पर एन एम बूजरको (२१-१०-१९ ९)	Add
रें!६ पर साँकें के निजी गविरको (२२~१०~१९ ६)	463
रेडिज पंत्र राज एल राज योजस्यो (२५~१०~१९०६)	423
रेरेट रिप्यमपानो वाना [-१०] (२^-१०-१ ९)	AAA
रेरिक पर मधिनाम दांगीको (२२-१ -१९ )	Sad
12 Fre (31-10-14 48 At)	dt
121 mrs (1 c-1 -14 3: arc)	***
१३२ पर नार्टकूने निजी नुस्तिका (६-१ -१६ )	* *
रेगे पर मार्थ के के निही मुनियही ('६-१ -१६ ६)	*
रेटेड सम्म्य (२९-१ -१ + <del>३</del> बार)	* *

```
३२५ पत्र कॉर्ड पॅस्टडिसको (२८-१०-१९ ९)
                                                                   4 4
३२६ पन सॉर्ड ऍस्टहिसको (२९-१ -१९ ९)
                                                                   4 4
३२७ पत्र एस्पर मॉबको (२९-१ -१९ ९)
                                                                   4 %
इ२८ पत्र एक एस एस पोसक्को (२९-१०-१९ ९)
                                                                   4 🐞
इ२९ शिष्टमप्रक्रकी यात्रा [-१८] (२९-१ -१ ९)
                                                                   4 *
     पत्र जी ए मटेशनको (२९-१ --१९ ९के बाद)
11
                                                                   41
३३१ पत्र साँड ऍस्टडिसको (३०-१०-१९ ९)
                                                                   482
३३२ मायम स्व रिफॉर्म क्लबमें (३ -१ -१९ ९)
                                                                   484
३३३ मायच मारतीयोंकी समामें (२-११-१९ ९)
                                                                   424
३३४ पत्र उपनिवेस-उपमन्त्रीको (३-११-१९ ९)
                                                                   480
३३५ पत्र साँवं पॅन्टहिसको (४-११-१९ ९)
                                                                   480
इ३६ पत्र एक एस एस पोलकको (५-११-१९ ९)
                                                                   484
३३७ पत्र जलवारींको (५-११-१९ ९)
                                                                   47
३३८. पत्र   चपनिवेच-उपमन्त्रीको (६-११-१९ ९)
                                                                   428
          टान्सवाकके वितिश माध्यीयोंको (६-२११-१९ ९)
                                                                   434
     क्रिन्टमन्द्रसकी काखिरी निद्धी (६-११-१९ ९के बाब)
                                                                   426
३४१ सम्बन (८-११-१९ ९के पूर्व)
                                                                   48
१४२ मेंट रामराके प्रतिनिधिको (९-११-१९ ९)
                                                                   488
३४३ पत्र एस्मर मॉडको (१०-११-१९ ९)
                                                                   437
इ४४ पत्र साँबं ऍस्टडिखको (१ ~११-१९ ९)
                                                                   483
३४५ पत्र क्रिको टॉस्स्टॉयको (१०-११-१९ ९)
                                                                   483
इ४६ पत्र एच वस्टको (१०-११-१९ ९)
                                                                   414
१४७ पत्र उपनिवेध-उपमन्त्रीको (१०-११~१९ ९)
                                                                   414
३४८ मेंट बेकी एक्सप्रेस के प्रतिनिविको (१०-११-१९ ९)
                                                                   486
३४९ पत्र को क्र गोखलेको (११-११-१९ ९)
                                                                   483
      पत्र एव एक पोसकको (११-११-१९ ९)
                                                                   416
३५१ पत्र वपनिवेच-उपमन्त्रीको (११-११-१९ ९)
                                                                   48
 ३५२ डेडी टेलीबाफ को (११-११-१९ ९)
                                                                   482
 143 पत्र चपनिवेश-उपसम्बीको (१२-११-१९ ९)
                                                                   488
 ३५४ पत्र मारतीय जखनारींको (१२-११-१९ ९)
                                                                   444
 ३५५ भावन विदाई-सभार्गे (१२-११ १९ ९)
                                                                   484
      परिशिष्ट
         र परिवाद रेंबीका संबोधन वरिनेसम (१९ ८)
                                                                   448
         र, सन् १९०७ के जांसी अठिवासक वावितिसाके कार्य के सामग्रीत
               मिसी व्यक्तिक मिन्द्रासमीत किने गार्थ
                                                                   442

    रक्ते प्रकार श्री दी० वंद्रमदा माका

                                                                   446
         ४ पंजीबन कामूनडी गंध्यांकि बारेमें वक्कमाने
                                                                   449
```

#### ni6

५, मनास सर्पेटनिस समामे	423
६ त्परियोद्या क्षिमा बारती के वे कारका वन	453
थ, देवने शतन सुन्त बंदता	YĮY
८ करने दुर्वरात (६) देशियों श्रीतामी वैटन व पाप को	450
(स) इवर्राहरी पानास वैरूट करवा नम	124
५. १४ देशी मेठ की जियानी	५०२
१ स्टिस्स गणना	403
११ क्ष्मण का प्रविभोग ना	402
१६ ल्पीरीह रूप होंगे क्षीतह वर्ग	<b>₩</b> 100
र्श रेडको सर्वेश्यो जून १३ १६ ६ को झ	400
१४ वर्भविद्या वर्षे वस्तिकता पत	4:35
१५ शमान्य वर्तमाँव गर्भनाव	%6
१६ र भेर्टरीस सम बाँहे गेंग्टरिक्टा पर	461
१७. गोर्शासीड साम स्पेटे वॅस्टिकिस <b>प</b> र	400
१८. ध्य के गांधी दन शहरान चेर्युगर सन हाज्य ब्यक्तिसात।	
कोई रॅस्ट्रिंड इस्त विरोक्त कृषिका	44
१६. बहाब नेटक दिश्मगानही हरून	466
१० ऍक्क्ट्रिक के और स्थानक बीन कान्यास्त्र	44
२१ मदल्यः प्रतिनिक्तिरी नामने बचलप्रिक्षी १४	458
२३, व और राधनंत्र तथ होई ईराहित्य पर	484
२३ <i>र</i> भीरीक सम्ब र <sup>हत</sup> वीरहिकका पत	490
२४ थेरे मुक्ते विचर्ता	480
२५. गर्नवंत्रः सम सोरे रॅस्ट्रियाः १२	455
१६ दर्निया-कर्नाद रूप एवं परिल्लास का	8,
१७. वर्षात्रिक सम ग्रीसर्वेषका वर्ष	
२८ र्र्भावीय सम्म स्मितित्वा ११	4.1
२५ ब्याप्तर्भ द्वाराज्यिकी स्था	1, 1
रे मुक्त बारिया में संदर्शन समापर	4.7
1१ अनिया वर्णास्य भीर वीराधिकारी भारत वर	20%
१५ कर्निया धर्मान्यको स्थिती	
।। र्जनम्म दर्शनारी (रहते	1.0

47

10

गम्बर्धेक सारमञ्जूष गारीववार जीवन-मृतास वरिक्षाचिक ग्रह्मावनी

दे रेक मार्ग देश

ereffer

# चित्र-सूची

वांबीजी — खंबनमें	
<b>ठार चपनिवेध स्त्रीय</b>	
व्यक्तिकर योजी	
प्रामेगायक रेजिबेंट मजिस्ट्रुटको	
पृशियाई साजिका	
पत्र मधिकाल गोबीको	

संस्थित विवरणका भूकविव

₹७ "

₹ ८ "

3 5 ... .. RCC , "

## १ बोहानिसबर्गको चिटठी'

सीमधार [समस्त ३१ १९ ८]

#### समर्वे फिस एकार करें?

यदि समावार देनेके पहले करारके सवाक्ष्मा बवाव वे विदा वार्य हो पाठक ज्यापा समझ सकेंगे। मासपास बेलनेसे जान पड़ता है कि इस बार संवर्षके बहुत सके और सम्बा होनेकी सम्मावना है। सरकार बहुत बुक्त करेगी। ऐसा नहीं क्याता कि सारे पारतीय मिल-कर एक साथ सक्ति क्यासेंगे। बकानेके लिए कितने प्रमावपन बावे व्यक्तिए में उतने नहीं साथे। कुक मिलाकर २३ प्रमावपन बकावे समें हैं। यह संबता वृत्ती नहीं है, किन्तु संपर्यका बन्त करीं। सानेके क्याकों क्या है।

किए, यह भी वेद्या सवा है कि तुक कोग पंजीयन कराने पंजीयन कार्योक्स (रिजिस्ट्रीयन सॉफिस) बाठे खुटे हैं। बोहानितवनों ये सुक्तारको क्यानग २५ प्रारतीय गये। इस संप्रकारको यह अनुमान कगानेका निकार है कि बहुत से प्रारतीय कानुमकी कवीनता स्वीकार कर करें।

जिन्हाल सूनी कानुनको माननेकी बात दो नहीं बची है किर मी नये कानुनको म माननेपर ही हमारे धेन संबदकी बीत निमर है। नया निवेचक (विक्र) समीतक दो बानुन नहीं बना है। उत्तर क्षमाहक हस्ताखर नहीं हुए हैं। किन्दु इस्ताखर ही बानेपर भी उक्का निरोध करना बानस्थक है।

बार हमें यह भी मात्र केना है कि विक्तिन बकानेके किए ममायपन नहीं दिये वे धेमपर्स घामिल नहीं होंगे। इसकिए संबर्ध २ है मारतीबॉनर बानारित पहा। यह भी मान केना बाहिए कि एउमें ये हुछ कुठ बावेंने होती तरह यह भी मान केना बाहिए कि बिल्हें ममायपन नहीं मिले हैं वे संबर्ध मात्र केंने। इस प्रकार हम बनुमान कर इसके हैं कि ये हमार भारतीय कृषेंगे। उनमें से बाँचा भाग तो केवल तमिल झोनॉंका ही है। बहुँगें कमाल कर बिला है। इस संबर्धि निराद होंगेजी बावस्थकता नहीं है। बिर्फ देखें यो मारावर्ध २ मारतीय बनवरहरू काम कर सकते हैं किन्तु ये २ खण्डे मंत्रा है ऐता मानमा किन्त है। प्रमाणपार्थित ककारोका सम्बाध में बहु है किन्तु ये २

र वीर्यक्ता बानियह अर्थ है " लेक्सरन"। वे करीते हर इच्छे इंडियन बोरिनियममें "हमरी मोहान्तिकर्त छात्रहरूत हम्हा लेखि" क्यों क्याबित सिने बाते ने । क्या करीता यार्थ ह १९ इ.ची क्या महिच्य क्या प. एक ११०-१६ ।

२. पीकाई बाहुन एंड्रोक्स अधिन्तस (चडिनाटिड को अमेट्रॉस ऐस्ट), वो हुम्लाक चिमाने शंकीनम गरिनेसम (हुम्लाक परिचारिक एक्सिएस ऐसा) के शामधे भी प्रशिक्ष था। देविन क्या ए, इड १५-५५; मंगई ३४ ०००० मीर वरिक्षित है।

राज्याक विश्वाद ।
 राज्याक विश्वाद संबोधन अधिकार १९ ८ (शास्त्रक वित्रारिक स्थित्रेष्ट्रम अप्रेम्पेर रेफ, १९०८); पास्क विश्व देखिल व्यक्तिक १ ।

प्रमाणवर्षीकी परबाह गही करते। वे प्रमाणपर्विति मिक्तेवाका काम कोड़ देवे वे न परवाना बढावेंगे न सेंगे और न सरकारके कानूनको किसी प्रकार मार्नेगे तथा सवासम्भव प्रमल करके लेक वार्येने।

सब में यह चानता हूँ कि ये २ आरतीय एथे खाइयो नहीं हैं। उनमें ये कुछ तो परवानी (काइयेंड) केकर बैठे हैं। वे परवानीना उपयोग करते हैं बीर जब कोई बिषकारी पूछता है तो उसे परवाना विवादी हैं। इस कीटिक विन कोगीने मानवपत्र बामामें हैं उन्हें में न कानतीनशाकीक नरावर भागता हूँ। अर्कात् २ में से प्रकृत्वार और निकाब देनेशे बाकरत मानता हूँ। वव को एक हुआर बच्च पत्र वे न्या कर सकते हैं? जवाब नह हैं कि वे परकारको हिंवा सकते हैं बीर स्थाय प्राप्त कर सकते हैं। उनके संबंध करनेते जूनी कानून रह होगा अरूप विवाद मानवपत्र कोगीके किए बरवाना सुका रहेगा की प्रकृत की विवाद पास मामपण्ड नहीं हैं उनने की सकते हैं उनके की बीकारोंका प्रयक्त होंगा। किन्तु क्या अरूप कोगीके पीछ हट सानेपर भी एक हजार व्यक्ति काईन ों तेरी मामपा है कि कड़ेंगे। बरवातक कानेपाकी को हरेगा बोड़े हो होते हैं। यह समझकर कि संबर्ध सक्या है स्विधिय सकना चाहिए, वे एक-सुसरेते वहा नहीं करते। वे हुएरे क्या करेंने सक्या करेंने सक्या करेंने सकते। वे हुएरे क्या करेंने सक्या करेंने स्वाप्त करेंने सक्या करेंने स्वाप्त करेंने सक्या करें हैं।

इत एक ह्वार कोर्योको बसरदस्त हुन्य उठाना पहेगा। पैसा बादगा सना होगी। देस तिकाका होगा मार जागी पहनी किन्तु इस सबसे बचा होगा है। सब बच्चा जाये बात नहीं बाती चाहिए। प्रकेडी बौर सब उन्हें कोड़ वें किन्तु देस्वर उन्हें नहीं कोड़गा।

वाना चाहरू। पेब हुं कार पन जन्न काह ने व लिन्नु दूसरे उन्हें काहरा।

को जुनीन नहीं देते उनका साथ ने बन्नर राष्ट्र कर राष्ट्र कराये कारादी बहुनी चा रही है।

प्रिटीरियामें प्रेसा ही हुआ हाइबेन्समें ऐसा ही हुआ और वेपीनिर्शयमें नी एसा ही हुआ है।

प्रिटीरियामें प्रेसा ही हुआ राइबेन्समें ऐसा ही हुआ और वेपीनिर्शयमें नी एसा ही हुआ है।

प्रिटी कुनारार विशा परवानीके ही उत्त तो कोई अकुण म ही और सामान नीकाम

हिस्म नार्य से हमें उन्हों किया न करनी पड़े। किन्नु कना-क्या ख्वानरोंके माकत्री

नीकामीखे होनेवानी हानिको सहन करनेकी स्थित अभी भारतीयोंमें नहीं बाद है। वैद्यो खिल्ट

स्थान है। इस वार सामान सामेनीखी है। सुनने प्राप्योगिक पात पूरे परका

परवाना है इसिक्य बोह हो कीयोंक गामेनीखी है। सुनने प्राप्योगिक पात पूरे परका

परवाना है इसिक्य बोह हो कीयोंक मार्योगिक स्थान करनो कुमन गोरीको नेव दें और

स्थानर उनके नामत्र करीं। भी वीवित्रक बाइबक ऐसा करनेके बाद यो मारदीम स्थानरोंको

कन्निकों कीई बात ही गड़ी क्यांती। बुद हुक सहत्रेके व्ये और गरीम देशी स्थान होने सम्य केरी समा

कर बेन आमा मारिए निक्निकों है। है काने स्थान प्राप्योगिक सम्य काना मारिए मारिक सामा स्थान सामानीयोगिक स्थान काना मारिए निक्निकों है। हकानवारोंक। ऐसा करने काम क्यांति है। देशीकारोंको भी

ईस्मीक्य उपर्मुल स्थानरा मही करना चाहिए। चेन जानेवाल स्थानिक कीरोंको मी ईस्मीका सामित है। देशाकोंको भी

ईस्मीक्य उपर्मुल स्थानरा मही करना चाहिए। चेन जानेवाल स्थानक को सामे सा है। वेप मारिक सी मारिक सीवित्र कि सामान साहिए। कि वह स्थानक की साहिए। वित्र के स्थाने सामान साहिए। कि वह स्थानक की साहिए। वित्र के स्थान साहिए। वित्र के स्थान साहिए। वित्र की साम सामानीयों की साहिए कि वह के स्थाने साहियां की सामान साहियां । वी वेक साहियां साहिय

<sup>।</sup> बर्चाद्र, बाममात्रहो एत इन्हामीको रक्षणेक किए ।

वे जनागे हैं। इसके अतिरिश्त बुकानवार सवर्षमें पैसेकी मच्च कर सकते हा हमारा ध्येय बैंस बने बैसे सरकारको थका बासना है। सरकारको प्रकान अर्थात जैक बानक दो रास्ते है। एक हो यह कि येरीवाले विना परवानंकि फेरी क्या कर मिरफ्तार हों। उनका माम नीसाम करनेती बात नहीं है इसकिए उनपर तो जुमीना ही होगा। इसरा रास्ता यह है कि सीमापर अँगठेकी निकाशी अँगुक्रियोंकी काप हस्ताक्षर आपि न देकर गिरफदार हों भीर चेल नायें। बहत पैसा पास रखकर किसीको भी फेरी नहीं सगानी चाहिए। सापमें बेनर बादि भी नहीं रक्षन चाहिए। सैंगूठाँके निवान न देनेवाकींके ऊपर मुक्दमे कराये वाने सर्वे हैं इसकिए गिरफ्तारी सहज ही हो सकती हैं। ट्रान्सवासमें प्रवेश करनेके किए सब विष्कृत सच्चे सनुमित्यवासे कीम ही चाहिए। जिनके पास वचेकि बमानेके पास हैं उन्हें किंग्राच नहीं वाना चातिए। इसी प्रकार चिसित कीर्योको मी फिल्डाल नहीं आना चाहिए।

मरि उपर्युक्त पद्धतिसे सम्हें तो अक्तुबर महीने एक सक्या रंग निकार सकता है। महि काफी सक्ति बता क्षकें तो युवका जन्त उसके पहले भी हो सकता है। किन्तु सदि असी ऐसा न हुना तो नक्तवरमें ही सकता है। उस समय तक बहुत-से मास्तीयोकि फेरीके परवाने (कारबेंच) बत्म हा जामेंगे। हम जम्मीय करते हैं कि वैकड़ों भारतीम अपने परनाने फिर नहीं केंने। इसकिए सरकारको पकने बिना भारा ही न रहेगा। बिनके प्रमाधपत्र बक्त चुके है उन्हें तो परवाने निकनेवाले हैं ही नहीं। इसकिए नहीं बासा है कि इतने मास्तीय यो मिना परवानके खेंसे ही।

#### मेराबर्ड गेर

भी बाउद मुहम्मद थी पारती बस्तमनी तना थी जांगलिया बहुत परिश्रम कर रहे हैं। उन्हें नोहानिष्ठवर्षेसे गुरुवार' हारीज २६ को गिरफ्हार नहीं किया नया इसिम्प वे हार केन्द्र १२ वर्षकी नाझेसे प्रिटीरिया गये। उनके साथ बी रविरो भी से। वे अंजुनन इस्का मिमाके सकानमें प्रमासभन इकट्ठे करलेकी बात कर रहे थे। उसी समय सुपरिटेडेंट बेट्सने नाकर बारेट दिखाया और उन बारों सरकरोंको गिरफ्तार कर किया। उन्हें बमानतथर कारतेचे इनकार कर दिया। बायने यह जानुम हुआ कि उन्हें देय-निकालका बारट दिया पदा है। बन्तिम नाहींचे भी गांवी जिटोरिया यथे। बन्नोक भी उन्हेंन्सी मारफन उन्होंने पुलिसको नोटिस दिया कि सरकारका इस प्रकार बारट निकालकर के जानेका अधिकार नहीं है।' इस नीन्सिका उद्दरन सर्वोक्त्य स्थायाकयमें बाना महीं वा केवल शरकारका कुस्स विज्ञाना वा । नीटिमका कोई प्रमाण विकार गहीं पड़ा। पुक्रिस उनत सेठींको सबेरेकी गाड़ीसे नेहाल से वहै। काहै बात खुराकर नहीं रसी यहैं थी तथा जो जिसना चाहते में उन्हें जिसने दिया बाता था। स्टेसनपर कुछ मारतीय इन्हें विवाह देवके किए पहुँच गये था।

एतके १२ वर्गे अंज्यान इस्लामियाके सकानपर समा हुई और फिर प्रमाणपन इकट्ठे करनको बाद चन्छ। हाजी काशियने कहा है कि वे रविवारको विचार कर बतायेंसे कि मेमन प्रमामपत्र हेंने या नहीं। बाकी कोंगोंने शुरन्त बेनेका निर्मय किया।

१ मधी "नुबराद" होना बाहिए ।

C BER BE C 18 YO !

रे देश-निकांक्षेत्र साहा-मुख्येत किट देखिए गरिशिक ए ।

#### समूर्वे यंत्री वाज्यव

## त्तार्वेद्यांगक समा

पूजनारको प्रिटोरियामें सार्वजीक सभा हुई। भी वश्य जनसङ्घ ने । बहाँ काफी छोन उपस्थित में जीर उनमें बहुत जोच था। जून अच्छी ताशवमें प्रमाणपत्र जकामें ममें फिर मी मुझे कहना पाहिए कि जितने प्रभाजपत्र जाने पाहिए ने उतने मही जाने । महास्त्रिकोंको छोड़कर प्रिटोरियासे केनक १७ प्रभाजपत्र जाने को काफी महीं कहे आ सकते। समाका विकरण इस्सी चयह विमा जानेगा इस्तिस्य मही नहीं के उसा है।

#### महासियोंकी समा

त्रसिक मारतीयोंकी पत्रा रिकारको अकन हुई। उत्तर्थे भी मांबी उपस्थित थे। महाधिती कमाक कर दिया है। बान पहता है, उनमें दे वीवाई कोम जेड हो बाने हैं। उनमें बहुत बोध था। उपने बहा कि हुधरे कई अधवा न कड़े वे अवस्य समेगे। उन्होंने पैता इकटा करना भी निश्चित किया है।

## हो कॉकणी सुटै

पिछण हत्ते जो वी कॉक्सी मांस-विकेश योक गर्य ये वे कृट गर्य है। उनके कहनेके मुदाविक मामून होटा है कि सब बेकके सविकारी तकलीक नहीं देते। वे समाचार नामें हैं कि सी मुक्ती परेक तथा थी हरिकाल सोबीकी तबीयत संब्वी है।

## सपेर चौरेची

भी समेर रिवेरी स्नेनीको जिन्होंने अपने बरमायो जनुमतिपम (परिमन) की समित समान्त होनेपर मी ट्राम्यमास नहीं कोड़ा था एक महीनेकी केरकी समा हुई है। सपने नयानमें उन्होंने कहा कि मुद्दी जनुमतिपमकी अमित समान्य हो मानेपर उसका निपार जातेका सौर नारमें सिमित स्मितकी हैस्वितके सामस नामका कि कुत होंगे सेत उन्हें एकड़ किया सपा। भी परिपेरी सपने स्थानमें कहा कि यह मेरा सीमाय्य है।

#### नारक ध्यानितयाँकी हैक-निकाका

भी घेठत भी कोशी भी भीकावाका भी नेड भी दवाहीम दुवेग वर्गेट् पनाई वर्गे हैं भीर उन्हें देव-निकालका हुवम हुवा है। ये फिर वापस प्रदेश करेंगे। जभी उन्हें समाव बदवा दुर्जिनोंकी भीरते जुराक नहीं खुंचाई वा रही है। उन्हें उनकी दक्ष्यांत येख हो की जुराक मिल्ली है। उन्हें रोटी बालू दत्यादि विये गये थे। आव रातको वे फास्सरस्ट के कारो वार्गेश ।

#### इवाहीम सस्मान

सी इदाहीम उत्मानके जेल जानेते यहाँ नहीं प्रयक्ता हुई है। के पेमन समानके मुख्या कहे जा सकते हैं। जनकी बहादुरी सेमन समाजके किए सोमाकी बात है। उन्होंने ट्रेनमें जीर बातें जीविसमें मेंपूर्वका निसान केनेते साफ रामका कर दिया। दुस्तिके जवानने बयान केते हुए स्वीकार किया कि बहु भी इवाहीसको पहुष्णनता है। भी पौक्षको जवानने कहा कि भी इदाहीसको जनुमतित्वन विस्तानेता से में जी भी बवाहीसको न पहुष्णननेता रामा

त्रेवीडीके कोड पतः वैधिय सम्बद्ध र पत्र प्रश्नी- २९९-३ और ४३७ ।

नहीं चा। बँगुठेका निवास देना ही व्यवसाथ मिना गया। यह कोई छोटी-मोटी ज्यादती नहीं है। किन्तु मुझे बादा है कि ऐसे मामसंके बाद कोई मारतीय समझौता होने तक सँगूठेकी छार नहीं देवा।

#### नाहिस्ता कामा

सी नाबिरता कामाको सरकारन बरलास्त कर विया है। यदि विचार करें दो मह कोई साबारन बात नहीं है। यो कामाक मनमें ऐसी बनरबन्त पून की कि उन्होंने पिछमी सार्वजनिक समामें नाम लिया। इसपर सरकारने उनसे सम्प्रीकरण माना। यो कामाने माम को निया ही या इस्रिक्ट उन्हें बरलास्त कर दिया यथा। यो कामाने इस वरसावसीकों मुखी नुर्यो स्वीकार किया है। इसना मुख्य कारण विशिवकि लिए किया जानकाल संचय है। सिकिटोंमें यो कामाके इस बनियानके बाद दस गुना जोस बहुना चाहिए। समाजने भी मौकामाको बरलास्त्रपत्ति किए उनकाया इस्तिए अब बहु भी वैदारी पीछे हर नहीं सकता। मैं भी कामाको बरलाई रही है। सरकार का प्रवास के स्वास दिया है। सरकार वा उन्होंन उनको राजा हो सह मिलता वा उन्होंन उनको राजाइ नहीं की। यह आरक्ष सकता अपनाना चाहिए।

#### नेटास्वासियोंका सन्देश

भी पाउर मुहस्मर श्रीर उनके साथी निर्वाहनके बाद वाद वारसँटाउन पहुँचे तब उन्होंने विभिन्न स्वालांको भीचे क्रिके कनुसार तार प्रथा

हैरवारार पूरा मरोबा रक्षकर हमने कलकी यात प्रिटोरियामें कैबियोंकी कोठरीमें भुजारी हैर-खेर हम ट्रान्यवानके जेक-महक्तमें बा गहुँचेंगे और इस तरह रेगके प्रति अपने फर्मको हुक हर तक बदा करेंगे। हमें बाधा है कि प्रत्येक भारतीय कठिन दुःचा उठाकर भी बरना कठींचा पूरा करेगा। जेक गहुँचनेके गहके हम अपने भाइयों तक यह सलेख गहुँचा रहे हैं।

मुझे बाचा है कि प्रत्येक भारतीय इस सम्बद्धको ब्यानमें रखेगा।

#### रमस्यीय तार

वद भी शतद मुहम्मद और गैटासके मध्य नेतायय फोस्सरस्ट पहुँचे तद भी उस्मान वहमरने निम्नतिक्षित तार दिया

में मार सरको बचाई बेटा हूँ। हिम्मस्य मरोता स्थिए। बचको नन्तरी कीतिए। निम भूपते गुरुको बाहुई मुग्यको जराउनसे इमाहीमको बागसे अस्पूरको संसद मृत्को सकतिक देटसं मृतुकको कुर्येक बीर रीमस्य साहको पुकार्मे स बचाया बही कुरा हुरारे साम है और यह सवा इन्साक करता है।

यह तार बहुत बरमाहबर्बक है। भें भी उस्मान मुहम्मक्को समाह बेता 🚪 कि भेती दिम्मत बरहोंने मेटॉको बंबाई है, वे स्वयं भी हमेशा बैती हिम्मत रखेंगे। क्रपर जो उसाहरम

रे नरीय, ज्याद्धा स्टाश निर्शतनकी जालाचा कर्त्यन करते पुनः कानिवेदार्थे अनेक बरने और स्ट स्वार केक मनेद्धा था।

<sup>%</sup> वा सम्बद्ध अंग्रेजी पानेक किए देखिए हुवियान क्रीरिशियान, ५-९-१९ ८ ।

#### सन्पूर्ण गांगी गाक्रमण

## त्तार्वेद्यनिक तमा

शुक्रमारको प्रिटोरियामें सार्वजनिक समा हुई। यी वनस जम्मक थे। बही नाफी जोन स्वात्तित से जीर उनमें बहुत जोक था। चून जन्मी सादावसें प्रमानात्व समामे गये किर मी मुझे कहाना चाहिए कि जिटने प्रमान्यन बाने साहिए ने उटने मही नामे। महास्त्रिकों कोहकर प्रिटोरियासे केनक ६७ प्रमान्यन बाने की काफी नहीं कहे था सकते। समाना निकरण हुएसे नगह दिया चानेना स्वात्तिम सुधी मही के यहा हैं।

#### मधारियोकी समा

तिमल मार्क्तावाँकी स्था रविवारको बच्चा हुई। उसमें भी मांची उपस्थित से। महादिवरीते कराव कर दिया है। बाग पहता है, उनमें से पौचाई कोम जेक हो बावे हैं। उनमें बहुत जीए था। सबसे कहा कि हुएते मई सपना म कहें ने सबस्य कहेंसे। उन्होंने देना इक्टर करता भी निविच्य किया है।

## ही कॉकमी सुटे

रिक्त पुरते को वो कॉककी मांच-विकेता चेक गये के कूट करे हैं। उनके कालेके मुद्राविक सामूम होता है कि अब खेकके अधिकारी उक्कीच नहीं देते। वे समाधार कामें हैं कि भी मुक्की पटेक तका भी हरिकाल गांवीकी उदीयत शक्की है।

## सर्वर चौरेची

भी क्षत्र रहिरी संत्रीको जिल्होंने अपने अस्त्राया अनुसरिपन (पर्यम्द) की समाज समाज होनेपन मी ट्राम्सनाक नहीं कोड़ा या एक महीनेकी कैवकी सना हुई है। अपने नमानमें उन्होंने कहा कि मुद्दी बनुमरिपनकी अविधि समाज हो आयेपर उनका विभार सातका बीर साम्में पिखिल व्यन्तिकी हैसियतके सायस नातेन मा किन्तु एसी साथ उन्हें पकड़ किया गया। भी स्तिरिने अपने बसानमें कहा कि यह प्रेस सीवास्य है।

#### भारक व्यक्तियाँकी हेश-निकासा

भी बेक्ट भी जोगी जो जीकानाका भी मेब भी इवाहीन हुनेन वर्गेट्ट पकड़े गये हैं स्रोत उन्हें देश-निकालिय हुन्य हुना है। वे फिर बाएस प्रदेश करते। जानी उन्हें सनाज जवता दुर्शिमोंका बोर्टेस दूरक मही पहुँचाई ना रही है। उन्हें उनकी हुक्सारे जेक हैं। की सुराक निक्ती है। उन्हें रोडी/ जानू हरनादि विशे गये थे। जान रातको वे फोलस्टरट के बारे नार्यने।

# इत्राहीम वस्मान

भी इबाहीन उस्मानके वेक जानेते नहीं नहीं प्रशासता हुई है। वे रेकन उमानके मुक्तिया कहें मा एकते हैं। उनकी बहाहरी सेमत समावके मिए सोमाकी बात है। उनहींने ट्रेनमें बीर नार्क बीरिडमों मैंपूर्वका निकास कार्य है। उनहींने ट्रेनमें बीर नार्क बीरिडमों मैंपूर्वका निकास कार्य है। उनहींने ट्रेनमें वैद्देश निकास कार्य है। उनहीं कार्य कार्य है। उनहीं कार्य कार्य कार्य है। उनहीं कार्य कार्य

ह चोनीबीके कोड इक्त वेदिक खन्य ८ शह ४ १-०२, ४९९३ और ४३०।

#### वीद्यानिसर्गानी विद्यी

नहीं चा। बेंब्टेश नियान बैना ही बचराथ पिना गया। यह कोई छोटी-मोटी ज्यादती नहीं है। किन्नु मुसे बाया है कि ऐसे मानकींचे बाद कोई मारतीय समझौता होने तक बेंब्टेश छाप नहीं देगा।

#### भादिएमा कामा

#### नेटा बबासिबीका सन्त्रेच

भी वातर मुहम्मद और तनके शापी निचीतके बाद जब जास्टेंटाउन पहुँचे तब पहोंने विभिन्न स्वातंत्रेत्रे शोचे क्षित्रे अनुवार तार येजा हैस्तरपर पूरा मरोशा रणकर हमने कलकी रात प्रिजीरियामें कैबियोंकी कोठरीमें चुजारी हैस्स्तर हम हास्वासके जेक-मुक्कों का गहुँचेंने और इस स्टब्स् वैचके प्रति अपने

देर-सचेर हम ट्राम्यवालके जेल-महक्यों का पहुँचेंगे और इस तरह दैपके प्रति जपने फर्मको हुछ हर तक जहां करेंगे।' हमें बाधा है कि प्रत्येक भारतीय करिल दूर्ण उठाकर भी जरना कर्येच्य पूरा करेगा। जेल पहुँचनेके पहुछे हम जपने माहमों तक यह सब्देस पहुँचा रहे हैं।

मुत्ते भाषा है कि प्रस्वेक मारतीय इत तताहकी व्यानमें रखेगा।

#### स्मरपीय वार

पत्र सी शहर मृहम्मद और नंटाकके शत्य नेतागन फोल्मरस्ट धर्रेचे तब सी उस्मान

न भा चार्च मूहस्पद कार पटाकर काम प्रधान कारपार प्रभूप चर्च था उस्सान बहस्पद निम्नविश्वित तार् दिया

में बार सबको बबाई देना हूं। ईस्वरण गरीसा रिक्य। उसकी बन्दमी कीनिय। जिस पुराने मुक्को समुद्री भूगाको कराउनसे इश्वद्रीमको बारसे सम्मुक्को रीगस मूनको मकरीके पेटस पुगुक्को कूपेंस और नैगन्दर शाहकको पूकामें स बचाना बड़ी पुरा हमारे साम है और यह सना इस्वाइ करता है।

मह बार बहुत उत्पाहबर्षक है। मैं भी धस्मान मुहस्मवका खकाह देता हूँ कि जैसी दिस्मव प्रमृति गर्ठीको बेबाई है, वे स्वयं मी हमेदा वैगी हिस्मव रखेंगे। अपर मा उदाहरण

र वर्तम् काका सराहा निर्योजनकी लाहाका कर्णनन अरके पुत्रः काविनेक्षमे अनेच करने और १७ निर्मार के बातेका बा

% वप वस्क भंदेशी प्रक्रोत किए देखिए इंडियम अधिपनियम, ५-९-३९ ८ :

बिये गये हैं मैंस उदाहरण सभी चारवींग प्राप्त होते हैं। यह बमाना हुड ऐसा हो का है कि हम अपने सारवाके किले हएको किलावाँमें व्यक्ति चीटियाँकी होन समहते है और पेंछे नारधीको केवल भूक्षाचे बोसनार रह जाते हु। हम ईक्वरको इतना द्वर मानते हैं कि इन उदाहरनीका नसर हमारे कामोंपर बहुत कम होता है। मारतीमोके किए यह बदसर बहुत के मर्पमा करनेका है। यदि वृश्यरपद सक्या विश्वास रजकर सारे याखीन कर्ने तो १४ वटीने पटकारा हो जाये।

## क्षेत्रियोक्त संवर्षे

मगस्य १४ को यो सहासी देसके लिए लेख यमें में आमतक उनके नाह स्वी है

पागा। वे नाम अप मीचे वे रहा है

वर्षमी क्या सामी पित्ने सामेरी पित्ने बार पढ़ीरी मुदकी राजु नावव सुराम्यू नावक एस पावके नावक मुखरामुन पत्तर, एमक नावेशन अवासामी मूनधामी बानी की बरबन एस रंगासामी नायब, बॅक्टसामी बपुड, रंगा पड़ियाची बार कमिसन रहे नेम् प्रतिमानी एक मृतरामुगु रिस्के की नोशियसीमी प्रतिमानी सी क्रेंस मुक्ते नासुमान रंका पडिकाकी नावना नामक रामा नागप्यन नामकृत

करने हे बहुदाकि पास परवाने (काइसेंस) वे फिर की सन्होंने बिना परवार्वी

चेरी क्याई।

चनमें ये जनकपर केलके अधिकारियोंने खुल्म किया और उनसे इतना सन्त काम किस कि रनको पीठार काले नाथकारियान शुरुष किया और उनक इतना धरण गण इतारा तो लेख नामें के क्यों किया किया विकास की की परवाह नहीं की वै इतारा तो लेख नामें किया तैयार है। मेक्के युक्ताविकारीके नाम इतके वार्षि हैं क्यांतिका काले हर्णिक्या बतात जेवा श्रेषा है और स्थान है कि जब विषकारीयण हस प्रकार बरवाब मुक्री मंत्रि करें भी तो करा होता है। जिल्ली सन्तिक बोट करेबी ततनी करनी क्रूकारा होता।

किविचवावार्ती

भी इस्माहक मैंसर वेशिक्षपर विकार परमाना कारातर करनेके खुमेंसे १५ पींड बुमेंस बीर न हेतेपर एक प्रहेलिको केलको छवा सुनाई पई। सी वेलिस केल करे सर्थ। स पर्याच नहीं हुना इसकिए तथ उनके गीकर भी दशहीय नावननी सीमज़ाकों भी निरस्पार हिना है। भी जीमहाको तजा हो सकेपी ऐसा नही सबता। स्थापि [स्वांक्य] स्थापालकी किया है। जा जानहाजा अन्य के अन्य प्राप्त ग्रह सब्दाः। प्राप्त कृतिका है कि तीकरपट विना परमाना स्थापत करनेका कपटा नहीं स्थापत सा सब्दाः।

हें ० प्रस**्पट** प्रदेश

वेदीनिर्मिगमें सी पटेकका साक नीकास किया क्या है। तंत्रपर १ पीक ७ सिकिन ६ र्येत जर्माता हुना नाः दतना जूमीना नमुक करनेके किए २ रोकका माम पेवा पमा और पति पुनाता हुन। अर्ज-नमीननी ६ पींड ५ सिक्षिय ६ पेंस नेहनताना दिमा सथा। वह टी मेठेका सौडा क्षण जारामां कार्य हुई। में भी प्रवेकको अवाई वेता हूँ। कर एक देव स्टब्स् कारी वरफसे नकसान बठावेंके तनी इसे मुनित निसेची। जन बीन कह सफदा है कि स्मदस साहब मटेरॉक दक्के शरदार नहीं है ?!

र गांबीबीमे स्वास्थ्य शारा वेरोनिर्वितके काराधिव व्यासारिवेकि मानवा बीकामीको " कार्यक्रसम्बद्ध कार्य न क्या ना वेक्टि क्या द इह भएड़, अरह नीर आकारत ह

र्मयक्षवार [सित्रमर १ १९८]

## नेटालके भन्य ग्यारह ध्यपित

मटामयाग्रियों सी बीर भी नवर बाई है। इस रातको ११ स्पित वानवाले वे उन्हें भी वर्तीन स गत है। उन्हें रेननक सिए विवर ही भीग पाई रेटेबन वह गम य बीर हुए वेचक का गम । उन्हों ने बाहरते नृगक नहीं भी वचकी ही नृराक की । ने मक्त नत उन्हें नी वचकी ही नृराक की। ने मक्त नत उन्हें नी वचकी ही नृराक की। ने मक्त नत उन्हें नी वचकी ही नृराक की। ने मक्त नत उन्हें नी मौदा नत विवर के किए वेचना हो। यह विवर के प्रति ही। इन सब मानवानि वेचमें ही रहतका निषय किया है। बीर साथ ही। बीर न की वेचना वाकी है कि नौतना सिपीयों समया मोवा तथा पत्र नहीं हुनों है। वेरी साथ है वन ना वाकी है कि नौतना सिपीयों समया मोवा श्रम की नहीं है साने साथ साथ साथ ना वाह से साथ सिपीयों की साथ साथ साथ साथ से साथ सिपीयों की साथ साथ से साथ से साथ साथ से साथ से साथ साथ से साथ से साथ से साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ से

#### इमीदिया इस्थामिया जैसुमनकी सभा

सनस्त ११ को [तुक्कि] मानतीय मुख्यानको स्वीमधीत हुए १२ वय हो गये और उद्यो याँगैनको तक प्रश्नेता है साथ रेलव कोली गई थी स्थिमए उसकी यादमें इस अंद्रुमतने एव नवरस्त्व धमा की। उसमें बहुत-से मुश्किम नाई क्यस्तित वे। धोरे की सामन्त्रित से। पुरुष्कि हुए मा बुष्क्रोंग फरेल तथा उनके मित्र भी थी सार काउन को तुष्क्रियानमें नौकरी कर पूरे हैं और जिनको पुरुष्कि हुत्य हर्गका तथना विका है, उपस्थित हो। भी क्षेत्रनिक च्या भी बाहबक मी वे। इनके मित्रित्य भी गोंडके थी क्यास भी कामा भी नायद्व यवा भी पांची भी वहाँ उपस्थित के।

भागक बहुद उल्लाह्मुक और यहुद वक्छे ढंगन सम्यन्त हुवा। छ प्रस्ताद पान क्यिं में। हेमान रेनदेके लिए उर्जा समय करा। यो पुरू हुवा। यो हानी हुवीदन १ पीड विचा में हैमामेंने ९ पीड से सिंह इस्ट्र किये। श्री नकान कीन उर्जा समाई पीड दिया। मेरे एक गांप्रस्ताने तासियोंनी महम्महाइन्डे बंग करानी दिन परकी कमाई ५ मिलिय दे थे। मई स्थानीन तार बात के। सम्मह्माद्यान मुक्तमानीकी कुमने क्या कर दो गई बी। मार्टी यो नगरीको कार जातन याय है। यो नगरीने कहर वो वी कि गोरे नीर पुनू बन्योंकी मिलाई और पानिसीयक कीन यथे। यह बहुत ही कन्या वात है। इससे मार्टीय और पूर्व मंग्रांग नेतन कर होता है। यो दे दुर्जाने की कार करते हैं कि पी मार्यावृत्यने बारांगम उनने करवीडा मिलाई बी। यह बात उन्धेननीय और स्वृत्य स्थापित है। यह ती स्थाप मार्गां स्थापन करने करवीडा मिलाई बी। यह बात उन्धेननीय और स्वृत्य स्थापित है। यह ती स्थाप मार्गां स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन करते हैं। स्थापन स्थाप

र भूचने वर्षी "हजीविया" शब्द है।

ियाँ गये हैं मैं के जवाहरण सभी खारगों में पान्त होते हैं। यह बमाना कुछ ऐसा हो गया है कि हम अपने सारगोंक किसे हुएको किसागोंमें मेंकिस जीटियोंको टॉन समझते हैं मौर ऐसे मारगोंको केवल मुखते नोसकर पह जाते हैं। हम ईस्वरको हसाग हर मामसे हैं कि सम उदाहरणोंका मतर हमारे कामीपर बहुत कम होता है। भारतीयोंकि थिए यह बयसर खहनेकी समेखा करनेका है। यदि ईस्वरपर सच्चा निस्तास रखकर सारे मारगीय कई तो २४ मंटोंमें इटकारा हो जाये।

#### कीदियोंका संवर्षे

अपस्त १४ को को सहाठी वैश्वके किए वेक गरें में आजतक उनके नाम नहीं है पासा के नाम बद नीचे दे एका हैं

छवंभी कंपा छापो पिल्ले धावेगी पिल्ले बार पकीरी मुदब्धी राजू नायब धुकरायम् नायब् एउ पादके नायब् मृत्यसमु पत्तर, एम नावेवन क्षेत्रखानी मृत्यामी नायब् वी वरणन एव रंगाछाभी नायब् वेंकट्यामी बसुद्ध, पंता पविध्याची बार बेनियल एव नेसू पविध्याची एव गृत्यसमुद्ध पिल्ले वी गोविल्लामी पविध्याची थी कंदा गृदके नरसुपूल्ल, पंता पविध्याची नायना नायब् राजा नाष्ट्रणन नायबः।

इनमें से बहुतीके पास परवाने (काइसेंस) वे फिर भी सन्होंने विना परवानीके

केरी ज्याई।

जनमें से अनेकरर बेचके अविकारियोंने कृत्य किया और उनसे इंडना एक्ट काम किया कि उनकी पोठरर काले पढ़ नवे किया किर भी उन्होंने उनकी कोई परवाह नहीं की र हुगारा भी चेक बानेने लिए दौयार हैं। बेचके नृष्याधिकारीके नाम दक्के नारेने एक इस्पीदमा अमान मेंना गया है और समन्त है कि वह विकारिय इस अकार बराते न करें। विदे करें भी तो नमा होता है। विजनी विविक्त नोट क्योंने उत्तमी वस्ती सूटकारा होना।

#### किविचयानार्ने

भी इस्ताइक हैकर वेकिनपर विना परवाना व्यापार करनेके वृशें में १५ पींड वृशीना और न दैनेंगर एक महिनेकी खेळती हवा चुनाई पहें। यी वेकिस खेळ पढ़े गये। यह पर्याण नेहीं हुआ हाथक वक को नीकर थी दखाहीम वादमवी की मानहाजी मी गिरफ्ता किया है। मी लीपहाकी छवा हो छकेगी ऐंगा नहीं क्याता। क्योंकि [सर्वोच्च] न्यामालयका फैडका है एक निकारण विवाद करी का मानहाजी का सामालयका फैडका है कि नीकरण विवाद वा एकता।

#### ईं० एम० गटेस

केरीनियंक्सें भी पटेलका साथ मीधान किया गया है। छनपर १ पीड ७ छिलिए ६ पेंस भूमीना हुआ था। इतना चूर्माना बगुल करणेंके किए २ पीडका साल बेचा गया बीर कुर्क-मीतको ६ पीड ५ धिलिय ६ पेंस मेहातामा दिया बचा। यह तो पेंग्रेका चोड़ा पिनीको मनास्थाली बात हुई। में बी पटेलको बचाई तेता हूँ। चच इस इस उर उरद्ध चारों तरफ पुण्यान उठायेंने तमी हुई भूमित मिनेकी। सब कीन कह एकता है कि स्मर्य साइंब सुदेरिक बच्चे सरसार मही है?

१ पांचित्रीते अञ्चल्य क्षारा वेदीविक्तिके कारतीय न्यासारितीक वाल्यो नीकावीको " कारूव स्थानित बाह्या " इसा या, ऐकिए कार्य ८ इत्त ४३१, ४४१ और ४४०-४८ ।

## २ साम्राज्य-सरकारके विचार

हमने जपने अंदेवी विमागमें विदिश्य संसदमें दिये गये भागमांका विवरण हाणा है। उनमें उपनिवेध उपनानी कर्नक तीलोका भागमा पत्नीय है। उन्होंन कहा है कि हाम्यवास सरकारत शावनीत पत्न रही है। भागमां यह भी करान गया है कि जिन सोगोंको मत्निवधीन परिवेश निविध्याल संप्त है, उन्हों नोरोंकि समाग हुक दिये वाने चाहिए और पूर्ण नामरिक मानमा चाहिए। वक्त स्वान्त हुक सकते हैं कि बिन कोगोंको मही रहनेका अभिकार प्राप्त है उनके दिल्ली पृथ्य ने अपना हुक सकते हैं कि बिन कोगोंको मही रहनेका अभिकार प्राप्त है उनके दिल्ली पृथ्य ने क्या शिक्ष प्राप्त मार्च मार्चीयोंको भी उपनिवेधमें प्रवेश नरको सूर सै बातों बाहिए। किर, हुम करक सीकीके भाषमध्य यह भी वेस सन्दे हैं कि यदि हम पूर्ण उन्नोध करें से सोगों साला मार्चिय सरकार हमार्च सुरा स्वान कर मन्नवी है। वृंनी हमारे हायमें है। इंगे क्ष्य सरवाद्यी जनने की आव्यवकार है।

[नुजरातीचे] इंडियन औपिनियन ५-९-१९ ८

## ३ रिचकी स्विति

भी रिषके' जो पन आहे हैं जनने बड़ा हुआ होता है। ध्याज बहुत-हुछ करता है, लेकिन [काफ़ी] कर नहीं करता। थी रिष को काम कर रहे हैं उसे बहुत कोड़े हो मोरे और मार्त्यान कर एक्से हैं। थी रिषको बेतनकी पनवाह नहीं है। एसे मनूब्यकी स्था पैसेनी वैभीने 'मनता हमारे किए एमंडी बात है।

भी (रिषको पहुँचे है थींक मेजनीकी जाद थी। यहमें से कैवल १ पाँड मेंने समें हैं। बालिके २ ० पींड मेंने जा हो जमन बान उनके वाद घर-चर्चके किए भी पैंसे नहीं मेंने वा पहुँचे हैं। मही नहीं कामिनवका धर्म बकाता तो मृश्किक हो पहा है। हमें सीसंमुख्याकी बारत है, जीर दसने हम इसरोंके करनेंका भी लगान नहीं करने। एवी निवासिंग नीमित विकित हमें तिहा बच्चे वाता पहारी काम पहारी। इसरोक्ष प्रारोक मार्यायका करोंका है कि उससे पितान ने जनती महा नहीं बाना पहारी। इसरोक्ष प्रतिकार पैंसे हे ऐसा महान संबंध बाता करते हैं वे बच्ची करते हैं। यूने उस्मीर है कि उसमा भी रिवाके सिए विका प्रकार करेगा करना करना हो पह बच्चे करते हमारे कि उसमा सिंग कि साम् हमारे कि उसमा सिंग हिंका हो साम करते हैं। यूने उसमा सिंग हमारे कि एक्सी करना हो पह बच्चे हो हमारे कि साम हमार्थ हमारे कि एक्सी हमारे कि एक्सी हमारे हमारे कि एक्सी हमारे हमारे

[पुनस्तीति ]

इंडियन बौचिनियन ५-९-१९ ८

चित्र वार्विका निर्मिय पारतीय वारति (वाज्य वाधिका निर्मित विच्या वाधिका निर्मित विच्या वाधिका स्थापी) क्यानक समी एक वस्ती दिवा त्रितिका स्वावता व्यक्तित्र वार्विकामि वते हुद वारतिकोत्री विका नीत सामार्थे स्ववस्त प्राप्त वरस्तक विद्रण १९ ६ में हुई वी है विश्व क्षाव्य द वृत्त १९१९ ४४) सम्ब ७, १७ २०१-८ ; ४१०-८१; वस्त्र ८ १९ ६६ वर्षित १ २-७१

बुक्बार [सितम्बर २ १९८]

#### हरि करे सी होप

भी बावर मुहम्मब तथा भाष माहर्षोको निकास विधा नया था किन्तु वैधा कि होना वा नायन ने एक्टे-यन बाविक हो नवें हैं। यहाँ नहीं भी बावर पुरुष्तर भी पारती सरतानी तथा यो सांगधिया बोहानिक्वरों मा गये हैं और उन्होंने कम पुरुष्तर हो है हि उन्हें जोहा है। दूसरे मार्स फोल्यरस्ट चेक्करी हवा का पहें हैं। इक्टम बच्चे दतना ही है कि उन्हें जोहा निवयन सानेकी वकरत महीं बची। मंगकवारको यवपर मुक्कमा चकनेशाज वा किन्तु सरकारने आहारी मंगकवार जारीक ७ को मुकस्या चकाना तथ किया है। इस सक्टारका काम उठाकर तीन सेठ जोहानिक्वर्य वा पहुँचे हैं। सब जपना-वपना फर्म बचा कर पहे हैं। उनकी बोहानिक्वर्यों सावस्थलता है। दूबरे कोच चेक्मे पहुष्ट वपना क्वक्स पूरा कर रहे हैं।

## सोपवयीका क्या इवा !

भी सीरावनी नारत मानेवाले में किर भी उपाय उठ पहा है कि ने बापन करों नहीं मा पहे हूं। मुसे यह कहना है कि भी सीरावनी तो किरते वासिल होनेके किए बहुत तकर पहें हैं किन्तु किसहाल मार्लेटावनमें ही पहना उनका उन्ने हैं। इस प्रकार ने बनिक हेना कर पहें हैं। इसेने उन्ने रोक बात है। संबने उस विवयमें को प्रताब किसा है, उत्तक्षाओं मेरेटे अमीराक उस प्रताबका स्तर नहीं सावा। इस कारण तथा बन्य कारावित ने बनी दुरच नहीं बुकारे परे हैं। कह समय मारेगा तक ने बाबिल होंगे। सनी एक ही स्रवह कर्यस्थ पूरा नहीं कर सकते। करोस्थ करना ही सबका काम है, बीर भी सोरावनीका कर्यस्थ करने उत्तक्षकों बनाकर प्रतीक्ष करना है।

## भूता ईत्तर भाडिया

भी मृद्धा ईशंत्र जावियांको विदेशियांमें एक गाँव जूर्यांग हुना। उनका साक बक्त करते हुए सान कुर्क-मानेने शारी हुकागर सुरूर क्या थी। यह गैरफानूनी बात है। कुर्क नमीनको स्वका कोई अधिकार गई। है। स्वधित् संबने भी बावियांको कुकान खोकने भीर कुर्क-मानिक नाम गोधिश निकलानेकी स्ववाह शी है।

## शिक्षवार काँ

सी दिलतार को एक गोरेके यहाँ गीकर थे। गोरेले वन्हें शरकास्त कर दिया है सर्वोक्ति के कानुसके विरोधनें हक्कक करते हैं और उन्होंने कल हेवान रेकके [हमारोहा]के सन्तन्तर्में कुर्टी मौगी थी। यो दिलवार लोकी हिम्मतपर म उन्हें बचाई देता हूँ।

#### चन्दर

भी दाउद मुहस्मद भी क्रतानी तथा भी बांगिबनाने बाते हैं। काम गुरू कर दिया है। के चन्दा करने निकास थे। जिन्होंने रुकम दी हैं उनके नाम बपसे हमते देनेकी बात सांच दहा हैं।

[गुजरावीवे]

इंडियन भौपिनियन ५-९-१९ ८

## २ साम्राज्य-सरकारके विभार

इसने बदने बोबेबी विधानमें ब्रिटिस संसदमें विधे गये आपसीका विवरण कामा है। उनमें उपनिवेध-उपनयी करीस सीखीका सामय पठनीस है। उन्होंने कहा है कि द्वारावाक सरकार कराजीय कर रही है। मामवर्ष सह भी बतामा गया है कि जिल क्षेणीको वर्षान्वसर्थों प्रदेशित विधान प्राप्त है, उन्हें पोर्टाके समान हक दियं चाने वाहिए बीद पूर्ण नागरिक मानता चाहिए। वस इसपर हम यह कह समसे हैं कि बिन कोगोंको यही रहानेका विकार प्राप्त है, उनके दिल्की दुस्ति उच्च विधानभाष्य भारतीयोंकी भी उपनिवेधमें प्रवेश करनेकी कूट मी बातो चाहिए। किए, इस कर्मक बीकीक भाववाले यह भी वेस सकते हैं कि मिट हम दूध उद्योग कर सा साम्राजन सरकार हमारी सहायका कर सकती है। बुंजी हमारे हावमें है। इन वेसस सरवाही वननेकी बायकका है।

[नुजरातीते] इंडियन जोपितियम ५-९-१६ ८

## ३ रिजकी स्थिति

भी रिक्कें जो पत्र आहे हैं उन्तरं वड़ा दुःच होटा है। समाच बहुत-हुंछ रूपता है लेकिन बिनकों | कद नहीं करता। यो रिच को काम कर रहे हैं उसे बहुत बाबे ही मीने और मार्टीम कर सकते हैं। यो रिचको बैतनकी परवाह नहीं है। ऐसे अनुस्थको स्वा रैसिकी

पंपीमें रचना हमारे किए समेंकी बात है।

सी रिपको पहुले १ पीड लेक्पेकी बात थी। उसमें से केक्प १ पीड मने पर्ने हैं। बाक्षेके २ पीड मनना तो कछग बाज उनके पात बर-बर्चके किए सी पेस नहीं ने के बा ऐहें हैं। बही नहीं कार्याक्रका कर्ण चनागा भी मुचिकल हो एहा है। हुने वीचेतुनताकी कारत है, जीर इसमें हम शुन्दिक कर्णनेता भी बसाल नहीं करने। ऐसी रिचतिय किसिंद पिति के बाद के से करनी यह नहीं बाग पहता। इस्तिय प्रतिक मार्ताक्रका कर्जन्म है के उस्ते विद्यान कर्ण अकेती यह नहीं बाग पहता। इस्तिय प्रतिक मार्ताक्षका कर्जन्म है के उस्ते विद्यान क्षेत्र के अध्यो करते हैं। यूथे उन्मीय है कि स्वास मी रिचक क्रिए एसेंग प्रतास करना कोषा करते हैं। यूथे उन्मीय है कि स्वास मी रिचक किए सेंगर कार्यों के प्रतास कोषा करते हैं। यूथे उन्मीय है कि स्वास मी रिचक किए सेंगर केंगर हो है है उस्ते हैं है उस्ते केर नहीं करोपी जीर पीछे हमारे किए क्षेत्र होड़ प्रकात हो एह क्ष्मी हां।

(मुक्रराजीके) इंडियम मोलिमियन ५-१-१९ ८

<sup>े</sup> रिवेण वारिका निर्मित्र वारतीए तमिति (शास्त्र नामिता निर्मित रिवेश वारिमी), व्यत्तन सनी एक वेण्यु दिशा तिरिक्षित राजसा "राम्निय नामितामें यह झर नारतिर्मित्न विशेष मोर मान्यूरी सम्बद्ध सन्य करनेके किर" १९ १ में झूर्र बीड़ सेकिर सम्बद्ध हुए सम्बद्ध प्रकार कर झहर रुप्त-८ ; ४१०-११, सम्बद्ध ८ इर वार्टि १ २-७॥ १

# ४ भारतके राष्ट्रपितामहका जन्मदिन'

[बंद्रेनीसे]

इंडिपन बोपिनियन ५-९-१९ ८

# ५ बाबामाईकी जयन्ती

क्स भारतके पितामह बाबामाई नीरोजीकी बसली नी। उन्होंने ८४ वें पपमें प्रवेष हिमा है। गायत निनको बनली छने छानैजीनक छलानके रूपमें मानो भारी हैं। बहाने छनरत सार्वजनिक छन्वाएँ अपला उत्साहमूने समारोह क्याहै बीप उनको उनके पीने जीनतके छन्य सुजकामनाएँ मेजती हैं। बहिन्न भारिक्या है मारदोत्यों को छानैजनिक छंत्वामांकी जीरते वो छन्ये छने पमें हैं उनका निनप्त हम जम्म वे पहे हैं। छन्ति में छन्ये मेनकर [मान] जनने क्यान पालन किया है। हम उनके पीने-जीवनकी कामना करते हैं यार संसारके छिप्तनहारके प्रार्थना करते हैं कि वह हमें बीर दश पनते निकास स्वयन्त है वन सकते उनके स्वयन पुरू हम्म प्रवार पितामहना सन्या पायक से हैं कि वे उनके देख मेमका बनुकरन करें यही हम जमर पितामहना सन्या पार्य है। हमस्यक्रके मारदीर्थों के यह सार रतना है कि इन जमर पितामहने हमारी कमारे चीर के पार्थ है वे उनके किए

र देखिए बनाम वर्षिक मी ।

**३. किल्पर ४ को** ।

क्षताना हिंग्सी क्षतम् वीर मी वामे आर्ये तो मी कम होमा। और व्यवस्थ ऐसे छोग [यमीच संकामें] वासे नहीं वाले तबसक राजनैतिक और अन्य क्षेत्रों में हम प्रपति न कर सकेंगे।

हम बपनी यत वर्ष ही गई सूचनाके अनुसार इस अंकर्ने दावामाई नौरोजीका चित्र दे रहे हैं।

[पुपरातीसे]

इंडियन मोपिनियन ५--१-१ ८

# ६ सोहानिसमर्गको चित्ठी

सोमचार [सितम्बर ७ १९०८]

#### वक्रवका सायण

मृत्यूर्व उपनिषेश-प्रिय भी बंकनले आवण करते हुए यह विचार व्यक्त किया है कि मन्त्रपोलसा कांक कोरोंको राज-कांचम हिस्सा थिये विचा काम नहीं पकेसा। यदि ऐदा न हुआ दो मोरे और कांक बोनोंका नुकलान होता। ऐसे विचार वे गोरे व्यक्त करने कमे ह ची पहुँच करे-वह ओहरोंपर रह चुके हैं। इससे वाहिर होता है कि कुछ ही वर्षोमें विधन वाकिकार्म करे-वह परिसर्तन होते।

#### रटेक्चेंके विचार

भी रिकर्षनी मिनती बहुत होधियार वर्षाकॉर्में की वाती है। उन्हें हम कोगींसे विशेष मेव नहीं है, किर मी उन्होंने [बदने एक मारपपर्य] यह विवार व्यक्त किया है कि मारतीयोक्ति बाव वेवर्षमें वनरक स्पद्ध हर बार हारे हैं। वास्तवर्ष हुवा भी ऐसा हो है। वब को कड़ाई पाड़ी है, उपमें भी यदि हम पूरा बोर कमा वें तो वे विकर हारेंगे।

#### माया रामची

भी पाचा रामनी नोटिस मिळनेपर भी उपनिषेत्रस न चानेके बारोपमें समिनारको निरस्तार कर निर्म सने। उनके मुक्तमेकी निरस्तार कर निर्म सने। उनके मुक्तमेकी निरस्तार कर निर्म सने। उन्होंने उपनिषेत्रसे बातेसे साफ इनकार कर दिया और स्थासाधीस हाए सिया नाएक महीनेका सपरियम काराबाद स्वीकार किया। वे इस समय क्षमों निराव रहे हैं। मारतीय इस प्रकार निर्मन्त होकर बेज बाना तील पर्य हैं यह हमारे निर्म पीमामको बात है।

#### गीचाधिपाका वार

दी गोराजियाने जो सन्य जारतीयोंके शाल कोक्यरस्टकी जेकने हैं तार दिया है कि गारतीय केरी पूर्व [जक्किका दक्षिया] नहीं जा सकते इसक्तिय ने मुनक्के नास्तेने निता रह वार्ते हैं। इसके नाममून भी जीसक्तिया तथा नाथ धारतीय जेक नहीं काइने भीर कहीं रह हुए हैं इससे उपको देशमधित तथक होती है। सुराकके नारेसे सरकारके साथ सन भी किसा

र देशिय सम्बद्ध शहर १ १ १

के रेदिव बंकर कक स्थार १९ इ से १९ ६ तक रहे । बाजनेक पानेक किय देखिए परिचन है ।

ŧ٦

पक्की चार रही है। जिनते करूट नहीं सद्दा बाता उन्हें भी तिक्कालां उसाहरण साथ रहना बाहिए। वे सादी जूराकपर क बच तक अंध रह सकेंगे? उसकी अवस्था भी बुक्रोफी है। वे मुरोपीय होते तो बात बातकके पत्पर बैठे होते एसे कहकर में मुरोपीयों होत नहीं करता मारतीय उनकी उसह पाप करके राबसुक भोगे ससते तो सब्बाह है कि वे पापमुक्त रहुकर स्वी-मुक्षीपर ही पुकारा करें। को भी ही कहरीक साथ स्वाह है कि हमें बो करूट भोगन पढ़ रहें हैं वे महान भी तिक्काले करती को के कहा नहीं हैं।

मंगलवार [सिराम्बर ८, १९ ८]

# नेटाइके चेठींका काम

थी पाउच नृहस्मय थी पारधी सरक्षमत्री एका थी आंधानिया कोक्सरस्टरे वापस जानेके बाद हावपर-हाल क्षारक बीटे नहीं रहें। उन्होंने कोहानित्वयंगें कर्ता उन्नाहनेका छाम नृहस् किया और २ प्रीडिये उन्नर इक्टरा भी कर किया। वे हुए जगह यये और कहीं भी गये उनने निमिन्नें पैठे वियो उनके धान बमान खाहर बम्बुक काश्वर बावनीर, भी काशितया थी स्मान भी कामा जाति भी जाते थे। वे सुक्तारको नमानके बाद कुलर्डकी गये। उनके धान भी कामा जाति भी जाते थे। वे सुक्तारको नमानके बाद कुल्डेकी गये। उनके धान भी कामा भी थे। कुर्यवंचित्र व वटेके भीवर क्षान्य ६४ पीडकी रुक्त किसी गयें और ६ पीड नक्स मित्रो। वहर्षिये उत्तरको बायस कीटे।

धनियारको पुनद्दकी गाड़िये वे हादनेध्यर्य गये नहीं श्री सावाराने प्रारम्तर्में ही १६ पींक देकर बस्तरण उत्साह प्रवर्गित किया विचाने जनस्वकर ४५ पींक बना हुए। हादनेकवरित वर्धी तिन रातको नाड़िये ने देवर्टन पये। औं काश्रीकर्णा वर्षी पावार उनके सान थे। वर्धी मी कामा भी उत्ती गाड़िय उनके जान हो किये। प्रदेश्टेनमें बहुत रातक १ वसे मुहेन्दी है किर भी उनको सगवानी करनेके किए बहुत-से नाचरिक उपस्थिति हुए थे। प्रारद्धीयिको न नागरिक कह रहा हूँ इत्तर क्रितीको सानगुर नहीं होना चाहिए। नारतीय जब पृकास नहीं नामरिक हो हैं। हुएँ उपनिकाके सावनर्गे चाहेत्रार पेका स्विकार है और हुए उद्यी स्विकारके किए संवर्ष कर यो हैं। 'स्टेटरेना भेष वीक्की काम प्रवटती करें।

नागरक कह रहा हूँ इधपर किशान शान्य न गृह होगा चाहपूर। गारावान वन गृहान मही नागरिक हो हैं। हमें उपनिकेषके शानतों आहेदारिका सिकार है और हम उधी सिकार के किए सेवर्ष कर रहे हैं। 'स्टेडरेनमें भेग पीक्की रक्ता एक्ट्रो हुई। इतने कामने बाद मुक्ता चक्को तक इन देशेंकी बाराम करनेका हक वा किन्तु वहाँन मिटोरियामें ने मिटारियामें ने मिटारियामें ने निप्ता प्रकार कामने बाद कर देशोंकी बाराम करनेका हक वा किन्तु वहाँन मिटोरियामें वामनावित्र माता क्या पाइका प्रकार कर दिया। [मिटोरियामें वाम रहा कामने की सालगा करनेक वाद के करने दिया। [मिटोरियामें वनुमें मेनवानी सीर्थ एस मुक्तानिक की सालगा करनेक वाद के करनेति हहर गहुँके और कामों मेनवा दिरादरीन करना सेना गुरू किया। यो हाथी काशियन भ्रात किकाय। वो को यो पानी सीर्था की सालगा करने वाद के सालगा सीर्थ हमा सीर्थ की सालगा करने वाद की सीर्थ माता की सीर्थ माता सीर्थ की सीर्थ कामों सीर्थ की सीर्य की सीर्थ की सीर्य की सीर्थ की सीर्य की सीर्थ की सीर्थ की सीर्य की सीर्य की सीर्य की सीर्य की सीर्थ की सीर्य की सीं सीर्य की सीं सी्य की स

र तालके बाज संबाजर तिकामी है। वेकिए कन्म ८ एक ४१० रहा ।

<sup>3.</sup> यातांच बार्गांच त्यां थे, क्योंकि करें राक्योंकि कालिकार वर्धों था। और इस्कारके विराम-समझ्यें वर्ध में प्रतिविक्त त्राच था। काक व्यवस्था के विवक्त मान या वर्षाक व्यवस्था में हैं विवक्त त्राच था। वर्धांचिक वर्षांच के प्रतिविक्त व्यवस्था में हैं दिया विक्र विक्र विक्र व्यवस्था में हैं दिया विक्र विक्र विक्र व्यवस्था के विक्र विक्र व्यवस्था के विक्र विक्र विक्र विक्र विक्र व्यवस्था के विक्र विक्

चार करें करतीयों समा हुई। धी काल सम्मक्ष के। उन्होंने उनका स्थानत किया चौर कारमें हेंग्रेंन उनका उपित उत्तर दिया। करतीयों चना करूटता करनके किए समन नहीं पहां किन्तु करतीक पारद्वार्थीने चन्ना इकट्टा करनेका चनन दिया है। प्रिटोरियामें २६ पौचत स्विक एकन उनाकी गई।

प्रिटोरियाको समितको देवते हुए यह रकम बहुत कम है। किन्तु मेमन सन्दर्गने सहामता कर रुत्ता दी हाल बेटाया इसते आहित होता है कि वे जी समावके साम ह और इस कामुके विद्य है। उनकी मत्रकल असर सरकारणर पी होना चाहिए। उसकी समझमें पह बात वाचारी कि सामीयों काठी मारावसे पानी फड़वा नहीं और सारवनासी मी एक पानी

—एक यह है।

छठोंने प्राप्तको बस्तोछे बबंन बानवाको गाड़ी पकड़ी। उनसे मिकन मीर उन्हें विवाह केन्द्रे विषय मंदिस्तनमें हमाम खाहूब थी हुवाड़िया और छैन्द्री भी बीवनजी भी उनस्की खा भी स्थास बारि उपस्थित थे। व्यक्तिस्तम क्यायग ४५ मिनट बक्ना पड़ता है। इस्का काम उठावर उन्हें संस्थरन [स्टेबन] के हीटक्स बावत थी गई। हीटक्का माहिक बक्का मादवी था। उसन बानाकागी नहीं की किन्तु हीटकके कमरके परवे पिरा दिय खाड़ि इसरे क्षेत्र न वेद पार्थ। बुधीके नारिक बीवर फोनक्सरकती नाड़ी वक पढ़ी और सेठ कीन बोक बानके सिय बिदा हो परे। जिस समाजके नाता ऐसी बहाबुरी ऐसी स्वदेश मस्ति और ऐसा बसाइ विकार नह समाज केंडे हार सकता है?

# क्रुगर्धेडॉर्थकी फहामी

क्यवंडों के मारवानोंके बोच बकारकी कूट-काट दिखाई यह रही है, और महाँकी एकार उन्नका मानायन कामवा उठाना चानती है। यहाँके वायकारवर्गों सबस्र है कि कूनवें वीमें नाप्याय बगानारियोंन बोर-जूबन बीर आरपीट कर मारवाय करीवालीय उनके प्रमाम यह किये। वन देशीवालीयर ऐसे जूबन किने गये उन्होंने विकारत की हूँ और व्यव विन व्यानारियोंने जूबन किना वा उनसर मुक्तवें चनावे वायेंने।

किर भी ऐसी मक्काइहिंका महत्य यह होता है कि मास्त्रीपीके करके दिन तिकित और भीकि ही नाते हैं। हरफ्क मास्त्रीपको यह बात प्यानमें रखनी चाहिए कि यह बज़ाई स्टीर किमी नहीं है। हमें क्यांके सकता मास्त्रीटिने काम नहीं बेना हैं। सरीर-कक्का उपयोग नहीं करता है। यही नहीं कि उसका उपनीप सरकारके विवक्त नहीं करना है अपने भाइबीके किस्त है। यही नहीं कि उसका उपनीप सरकारके विवक्त नहीं करना है अपने भाइबीके विद्य में नहीं करना है।

यह कहाई भारमबक्की है। इसकिए नह इंस्वरीय है। हम जानते हैं कि सरीरको सपेशा मन अविक सभवान है, और आरावक मनोबसके भी बढ़कर है। वह सर्वोपरि है। हम इस विचारको मानते तो है किन्तु उसके बनुसार पचले नहीं हैं। हम उसी हब तक दुःवी है और दुःख मोयते हैं विख हब तक हमने बारमाको नहीं पहचामा है।

## स्टेंबर्टभका परवामा

स्टेडर्टमके भारतीय स्थापारियोंसे परणामा-जिमकारियोंने पूछा है कि उन्होंने बैपूठोंके निभाग देनेंटे क्यों इनकार किया है। समितिये उसका अवाव देते हुए कहा है

(१) सँगूठोंके निसान चूनी कानूनकी क्से साँगे जा रहे हैं इससिए मारतीय सँगठोंके निसान नहीं क्षेते।

(२) कातून चूना है, क्वोंकि उससे वार्मिक मावनाको कोट पहुँकती है और

वह भारतीयाँकी हीमताकी निचानी है।

(१) कामूनके बाहर बेंगूठीके निवास देने हों तो भी को कोन हस्तालर कर एकड़े हैं वे परानते के सम्बन्धमें बेंगूठीके निवास नहीं देंगे। विश्व हस्तालर करना लाता हो और फिर भी बेंगूठिके निवास वें तो बेंगूठका निवास देना वमशीका बपमान माना बादेगा। हस्तालरके बदके बेंगूठका निवास देना बौर हस्तालर कर सकतक बावनूव बेंगूठका निवास देना इस बोनों बातों सकतर है।

# शामको तीम वनै

बमी-बभी फोल्सरस्टस तार मिला है कि [नटायक] तीन सेठों तथा भी रविरियाको तीन-तीम महीनेकी सकत केवकी सवा हो पर्द है। सेव स्वारह व्यक्तियोंको छ न्छ स्प्याहकों बेस मैं गई है। इस स्वका भी सवा सकत में गई है। इस समावारते मुखे मस्तवा भी होती है बोर क्याई भी बातो है। प्रस्तवात स्वक्रिय होती है कि सरक्षीयोग्ध निवास सिकेस सुम्म होगा में [बन्तमें] बतल ही सुझी होने बोर मुस्ति बतनी हो नक्से मिलेगी। स्वार्ध स्वक्रिय नाती है कि ऐसे क्ष्य बुखी साध्योगीको केलने वह रहे हैं।

#### और फैरी

भी मुक्नात हुएत नात्रक एक खेरीबाकको कृपर्ववर्धिमें विना परवातके खेरी नागतेक बपराकमें पांच धिक्ति जूनोनेकी जनवा एक दिनकी केरकी खना वी गई है। उन्होंने श्रेष्ठ बाता परान्य किमा है।

भी जनी ईसपनी निना अनुमतियत्र (परिमट) के वपनिवेसमें रहनेके अपराजमें गिरस्तार

किये गये हैं। जनका मुकबया ११ शारी केको अकेशा।

िकिषियानारों भी दशाहीन किमादाकों बुकान चलानेके अपरावर्षे १५ पीड जुमीने कमना ६ हुएकेले कैंकों और भी कारिय इदाहीनको छेरी क्यानेके अपरावस धीन पीड जुमीने कचना ६ एन्साइकी कैंको छना थी नहीं। योगों ही गर-रलोंने जेक जाना पराव्य किया ! दोनोंकी एवा छात्री कैंकी है।

#### विदिश भारतीय संबकी समितिकी बैठक

निरम्भ कार्यान चन्या चारायाच कार्यान चन्या निर्माण कार्यान कार्यान चन्या कार्यान कार्यान चन्या कार्यान कार्या कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान

र सुकार, **"सिम्ला**री" है।

प्रिप्तिक राज्यिक नामीरिकाल करियो ।

यो नानह, यो बोंक्ट की व्यास यो उमरजी साखे यो आवन मुसाजी यी हुनके जीर अप्य सम्बन्ध वरिवल के। चन्या इकट्ठा करनेचे किए बीरा करनेका निश्चय किया गया और बहुत-में कोगोंके नाम किखा गये। यी रिचको १ पाँड भेजनका निश्चय किया गया। यो गांचीने फिलाइस्क जपना वकास्तरका पत्त्र्या वाद कर रखा है इससिए उन्होंन समके कार्या समझ किराया चुकाने जीर यी पोळकला चार्च देनेकी तथा इंडियन सापिनियन कि विकल कगारित यो माटा होता है उसको पूरा करनके किए, बावतक संदय पढ़े सबक प्रति मास १ पाँड क्या करनकी सनुभित योगी। इस प्रकापर सीमवारको निषय मही हो सका इससिए इस्तर दिवार स्वित्त कर दिया गया।

नैन्तको सुरक्तोंके जोक वालोका समाचार मिकते ही संबन्धवारको तुरन्त समितिकी हुस्यी हैन्क हुई। उसमें भी ईसन मिसी उपस्थित से। पिककी बैठकमें माग केनेबाले बहुतन्त सन्दर्भ मी उपस्थित थे। नेटाकने सन्दर्भाका सम्मान करनेन किए मुक्तारको ४ समें सामेजनिक प्या करने तथा सारी हुकाने बीन कारोबार वन्य स्वनेका निर्मय किया गया। विकायत मारत वैनीसाद असन हरवादि स्वार्गोंको तार मेजनेका थी निष्यम किया गया।

भी देखन मियांको हुन करने जाता है, दशकिए उन्होंने [शंबरे अध्यस-स्वयं] इस्तीका रेनेको सुचना दी। किन्तु वे फिकहाल तो सार्वजनिक समाकी अन्तिस बार अध्यक्षता करेंगे ही।

नामा पुनना था । ।कृत्यु न ।कृष्ण्युश्य या यान्यानक यमाका नाम्यम नार नम्पन्नया करा हा। नैक्कमें जनके बाद श्री सङ्गत मृङ्ग्यद काळकियाको नम्पन्नम्य सौपनेका प्रस्ताव पास किया तथा।

इस विषयमों अभी अधिक महानेकी चुनाइस नहीं है। भी ईसर मिमाने समाजकी जो सना जी है उस्का पार नहीं है। बहुत-हुछ उनके साहस्यर चस उहा है। समाज उन्हें निक्ता सन है कम हो माना साथेशा। वे का शायिकों स्टीमरसे हक्ता किए रामाना होंगे। नामा है समाज उसके पहले ही [सनके प्रति] बपना क्ष्यण पूरा करेगा।

सी काक्रमियाको यो पर मिला है, बह महान है। मिस्तानेह उन्होंन समावकी बहुत सेवा को है, वे क्रोक्रमिय भी है जीर जेक भी बा चुके हैं। इसकिए उनमें यूरी सीम्यत है। क्रम्यान्य स्वीकार परिकृत करने परि सम्बद्ध करने वहाँ परिकृत स्वीकार कर किया। भी इवाहीस कुवाहियाका नाम भी पेच किया प्या वा किया प्रा का किया प्रा वा किया परिकृत परिने के का किया स्व समावकी के सिकार कर किया। भी क्रम्य का निम्म तक किया की किया समावकी के सिकार कर किया। भी करा किया और कहा कि भी का का किया समावकी के सिकार कर किया। अपने करा कर कर किया और करा किया का किया समावकी किया कर कर किया कर सकते।

यी काष्ट्रियाका उत्तरशाधित्व बहुत बड़ा है। शीका मेंझवारमें है, उसकी प्रवचार होंगों केंगा कोई मामूकी बात नहीं है। किन्तु ईस्वरपर अरोहा रचकर वर्षेने तो वे स्वीकृत पण्डो सेंमाक के बामेंने।

भी हैंगा मियाँ तथा थी काङ्गियाने विषयमें संगत्ने घलाह विधेष रूपस किस्तेकी नामा करता हैं।

#### स्वर्थसेवक

भी गोतीका बकानतका काश अपमध बन्द ही जानेके कारण भी मुहम्मर सौ भ्यापारमें बुट ममें हैं और भी जेम्स बीरावामीने संबका काम अमैतनिक रूपते करनेके किए कार्याक्य बाना बारम्स कर दिया है। मुझे शाखा है कि भी बीरावामीकी तरह क्रम्य स्वयं

#### सन्दर्भ गांधी नावस्थ

सेवक मी सामने जायेंने और काममें भवब पहुँचायेंगे। यदि समाज नेटाकके बीटॉको सीम ही मुक्त करवानेके किए कुससंकरण हो सो जिसने कार्यकरों मिलें सबके किए कार्य है!

# भाइबस्दूम

भी मोदी रवा पटेक नाइल्ड्रममें विशा परवाना (काइसेंस) फ्रेसी कवानेके अपरापमें भार दिनकी सक्त कैंदकी सभा पाकर भेक वर्षे हैं। भी नगदीके नाम समस्य आरी किने का रहे हैं।

#### क्रमचेंबॉर्पेमें गिरफ्तारी

क्रमर विश्व आरोपकी वायर वे पूका हूँ उसमें कृतवंडोरेंने भी हस्माहक कावी भी पांडोर, यो बाजा भी बानिया थी कृत्यदेवी देखाई, भी दारकानी भी मृहम्मद नामूकी बाहु बीर भी पारधी करमाबीपर बार्टट निकाके मये हूँ। इनमें भी करमाबीके दिखा बाकी एक्को जानतपर कोड़ विया गया है, भी करमाबी यो पहलेसे ही बेक महक्रमें विराज खे हैं क्षतिय जब देखाना बाह है कि उनका क्या होता है।

कुषबार [सितम्बर ६, १९ ८]

#### सोरावसी

कल [संयक्ष्यारकी] सामको यी घोरावजी ट्रान्यवाक्रमे प्रविष्ट हो गये। उनका मुरुदमा १५ तारीबको च्लेका। यो घोरावजी यी कामाके साथ चौहानिसदर्यको रवाना हो गये हैं।

स्वस्कृत *नगी* सबर मिसी है कि भी क्वसूक गंगीने कोस्परस्टमें बाग्ड वाते हुए बेंगूटेका गियान प्रिया है। बहि वह बाट एक हो वो बहुत ही सेर्डमक है।

[प्यरातीसे]

ž£.

इंडियन बोपिनियन १२- -१९ ८

# ७ प्रार्थनापत्र उपनिवेश-मन्त्रीको

भोहानिसम्म सितम्बर ९, १९०८

सेवामें परमयाननीय उपनिवंध-मरंत्री क्रम्यन

ट्रान्सराक्षके बिटिस भारतीय संबक्ता प्रार्वेनापत्र

नम निवेदन है कि

१ बिटिस भारतीय संयो पिछक को नवाँचे ट्रान्स्वालमें बालू बिटिस भारतीय संवयके सन्वयन विस्तात हारील २ के ट्रान्स्वाल बकट में प्रकाशित एवियाई पंत्रीयम संयोजन बीवीनवनके सन्वयममें सम्बादकी सरकारने प्रार्थमा करता है।

२ सब दान्सवासमें खनेवांके बिटिय भारतीयोंका प्रतिनिधित्व करता है।

३ वैद्या कि महामहिमको एरकारको मध्यौ मंत्रि बात है, पिछमे वप ट्रान्सवाम निमान मण्डल हारा वो एसिमाई कानून एकोवन विविच्य (एरियाटिक को बसेंदमेंट एक्ट) वाप किया पता है उद्यक्ष ट्राम्यवाकके विदिध भारतीयोंको बहुद कट एहुँपा है बीर क्रांचिक हिन्दू है होता ३५ छ अधिक आरोपीको जिल्होंने बपनी अपनारामा है हुए कारावादम कट एहा है जेल जाना पता है।

कान्त बनामेमैं उतावधी

Y बी कानून बमी गवट में प्रकाशित किया गया है उसका विश्वयक (विल) में क्यानें रहमा पापन २ अवस्त्रका हुमा था और २१ जारको ही वह विवाननमा और तिवान सीएस दोनोंने उसस्त मवस्त्रामाँचे गुवरकर पार ही गया। विषयक पवट में क्सी प्रकाशित नहीं किया गया और प्राची संघ विश्व समावका प्रतिनिधित्त करता है उसको तो वह नीचे नियमें कार्में प्रकाशित होनेंके बाद ही भिन्ना। विधानसभी ऐक सरस्यके सीवस्पी हुए ग्राप्तिय तो जेन सब मबस्वामाँने गुक्तफें सुरंत बाद गया होते ही देग मके य परस्यु मारबंद कार मोगोंको इस महस्वी २ तारीभा तक दुम्सवानके समावारपत्रोंने प्रकाशित उसके सारोग ही संदीय करना गया।

#### कामूम सामान्यतः स्त्रीकार्ये

५ प्राप्ती सम्र इन निर्माकोच भावने स्वीचार करता है कि जिन कानूनकी चर्चा यहाँ की जा रही है वह १९ ७ के एतियाई कानून नीचिन वीपित्यम २ से अधिक अच्छा है अर्घात

रं स्व १९-५-१९ ८ वे इंडियन ओपिनियनने "र्मन्ताच्ये जनतीयोंडा क्षण्यान सरकार हो अर्चनात्त्र १७ पम " बीरेडने सरामित किया क्षण कः ।

६ विदिन्न रहित्तम् वर्तप्रित्यस्य ।

3 uferife effetzen miteite ber :

वह सब दृष्टिये योपपूर्ण है कि उसके अनुसार उन एषियासपाँको जो द्राप्तवाकमें है किन्यु किन्ते कर नेतिक पंत्रीयन प्रमाणपण (पणिवृद्धिन सर्विधिक्षेट) नहीं मिके हैं यह सिक करनेकी नामक परिकेट दे वह सिक करनेकी जायक परिकेट दे वह सिक करनेकी जायक परिकेट दे दे में किन्तु है । उसके प्रमाणत करने हैं। यह एक स्वार्थिक जायक परिकेट दे दे में किन्तु को दे निर्माण परिकेट दे दे में किन्तु उन्हें परिवासपाँके उताहरण भी है जो द्राप्तवाक्षमें मूक्के पूर्व एक वर्षिक ज्यादा नहीं रहे ने किन्तु उन्हें पंत्रीयन प्रमाणपण मिक मने ही । सावर जन्तुर्विक है कि जिन एपियमदाँको करीतक प्रमाणपण नहीं मिके हैं किन्तु जो द्राप्तवाक्षमें है नक्के साव मुक्केट पहले तीन वर्षके विशास प्रमाणपण नहीं मिके हैं किन्तु जो द्राप्तवाक्षमें हमने साव मुक्केट पहले तीन वर्षके विशास प्रमाणपण नहीं मिके हैं किन्तु जो द्राप्तवाक्षमें काल स्वार्थ हमें किमा बाना चाहिए जो उन एपियमदाँगर नामू होता है, जो अनीतक द्राप्तवाक्षमें वाहर है।

६ परवाना (बाइएस) देनेसे सम्बन्धित बाराका ठीक-ठीक काममें बाना अमुठा

निधानी सम्बन्धी सर्वेकि उदारतापूर्व जनकपर ही निर्वेद होया।

14

# बैमुक्रिपॉके निशाय

७ विचेयकको दूसरे बाचनके किए पेस करते हुए उपनिषेत-सविचन कहा वा कि सेंदुबियों या नैंदुबियों विद्यान देनके मानकीम नारित नहीं है। मार्थी संस्ती नक्ष सम्मतिम मानित मा

#### १९०७ के कानून ? की रह करनेके विषयमें

८ जैसा कि स्वानीन सरकारको येवामें निवेदन किया था पूका है १९ ७ छे एक्सिमाई कानूनके मुकाबके वह कानून तके ही स्वीकार्य हो प्राची संव किछ समावका प्रतितिक्षित्व करता है, वह समाव हराके कामको स्वतक स्वीकार नहीं कर सकता यवसक

र गोबीशीस १ करवरी १९०८को प्रशास किया वया था। देखिए क्वाब ८, छ। छड और ९७-९१ ।

कानुतकी फिटाबसे १९ ७का विधिनयम २ हटा नहीं दिया जाता और तिकिय एपियाहर्योकी स्थिति उपित्र और स्थायसंगत कपसे स्थप्ट नहीं कर वी वाती। प्राची संघकी नम्र रायमें सरकारकी प्रतिष्ठाके किए ही सही कानुनका रह किया जाना जकरी है।

#### रह करनेका बचन

९. बावरपूर्वक त्रिवेदन है कि मानगीय उपनिवेध-समिवने निध्वित कपसे वावा किया वा कि यदि एसियाई बातियाँ चमात्रीतेका अपना हिस्सा पूरा कर वें तो कानून पर कर दिया वायेता। यह मान किया वया है कि एथियाइमीने सम्प्रतिके अन्तर्गत अपना कर्तव्य अभी मीति पूर्व कर दिया है।

१० किल्यू मह स्कील पेश की गई है कि स्वेच्छ्या पंत्रीयन (बॉक्टरी प्रीस्ट्रेशन) के मानेतारबाँडी नापनीकी नरक्वालापर फैसकां नेत हुए न्यायानीक सांभोननने कहा था कि कानूनको एर करनेका चनन दिस्त नहीं ही पाया है, और इस्तिए देश कोई बचन नहीं सिया पता ना। प्रानों सेन महामहिन स्वास्ट्रिकी सरकारका स्थान देश कोई बचन नहीं सिया पता ना। प्रानों सेन महामहिन स्वास्ट्रिकी सरकारको स्वाप्त निर्मे ना नी मही ना बौर केत्यापित क्या है कि कानूनको एर करनेक स्वाप्त विश्व का सांकि कानूनको एर करने स्वाप्त माने कि ना नहीं वा बौर केत्या पता ना कि कानूनको एर करने स्वाप्त माने पता ना कि कानूनको एर करने स्वाप्त माने पता ना सांकि पता से पता ना सांकि ना नी कि ना ना सांकि सांकि से पता ना सांकि सांकि से पता ना सांकि सांकि से पता ना सांकि स

११ उपनिषेत-निवासको कियो समे २९ बनवाधीक पत्रमें इस्ताक्षर करनेवासोंका ज्योदन कानुमको एव करनाना ही वा यह बात स्वयं पत्रते समझी वा सकती है। उसका एक बंध यह है

इन परिश्वितयों ह्य एक बार फिर सरकारके सामने विमाध सुनाथ रहाँगे कि सोमह वर्षने अधिक उनके सभी एपियाहरोंको एक निर्मेश्वत अमिके नीतर, उसा-हर्भामें तीन महीनेके बीतर, पंजीवन (रिकार्ड्सण) करा केनेकी सुविधा यो साथे; इस मकार पंजीहत कोर्योगर कानुन कानु न हीं।

रे देशिय क्षण्ड ८ वृक्ष ३४ - वृह्द-क्षिपशीयः।

<sup>3- 4(</sup>h 96 2<del>04-00</del> 1

<sup>1 44 98 35-92 1</sup> 

₹

१२ किन्तु बात नहीं करम नहीं हुई। इस आर्थनायत्रके बूधरे हस्ताक्षरस्वीको भिधन सन्दिन्त्व पत्रपर मी हस्ताकर किये के मिटोरिया बुकावा बया और मानतीय उपनित्तक्ष-पत्रिक्ते उनकी बातचील हुई। उस बातचीतमें उनके महत्त्वहा बया चा कि यदि एसियाई जपना इकरार ईमानदारीये दूरा कर की तो कीचिनम पर करा दिया जायेथा। यह बात १० कपनरीति है। उपनिवेश-स्थितके साथ अपनी इस बातचीतके बात एसियाई पंत्रीयक ( राजस्ताद बौक एसियादिक्स) ने चर्चा करानेप उत्तर सुरोह स्थासरक्षतिक मध्य एसियाई कानूनके पर क्रिय सानेके बारेसे सन्तेह उत्तरल हुजा। इसकिए उन्होंने यत १ फरवरीको अपना सन्तेह स्थवन करते हुए उपनिवय-स्थितको एक पत्र मिला। है

करवारी ६ को उन्हें तारसं सन्देश मिका कि वे उपनिषेश-स्थिषकी मिलें । वे उनसे मिले भी भीर मेंता कि ने सर्वोच्च व्यायानसके सामने बपने इक्तिया बयानमें कह चुके हैं उपनिषेश स्विपने एपियाई पंत्रीयककी उपनिस्तियें कानुसको रह करनेका बचन दिया और इस प्राचेना पनक पहले हत्तासरकार्ति चानकारीयें उत्तर मेंटेंच बाद कहें सनावार्ति विदिश पारतीयिक विद्याल अनुस्तृतकों हुन बचनेसे बचनत करासा थया।

१३ फिल्मी ५ करवरिको रिचमवर्गे की यह एक समामें वर्गनवंत-सचिवन यह कहां मैंने उनसे कह दिया है कि कानून तवतक रव नहीं किया था सफता जबतक वेसमें एक मी एमियाई ऐसा है जिवसे पंत्रीमान न कराया हो। छन्होंने यह भी बहुत कि 'बबतक देसका प्रत्येक मात्रीम पनोयम नहीं करा केता कानून रव न किया बायेगा। उन्तर उदरम नत ६ स्टाबर्स में स्

१ देशिए राज्य ४ प्राः ४३-४६ ।

क्षांत्री का प्रदे∸नहीं ।

<sup>1</sup> रहिस्मित से लगेरमेर देश १ ।

v रेक्सी रह रह रीज्य ।

बीप पंजीयक द्वारा विये गये भौकिक जावनावर्गाका वांकित परिकास हुना और पंजीयत जनाप वितिते द्वीन क्या। इसकिए पंजीयकर्न बूधरे हस्तावरकत्ति बुनारा मिकनेपर पूछा कि न्या सुन्ताको जय भी प्रकाशित करना बाबवयक है और बूधरे हस्तावरकताने यह भाननेपर कि पंजीयन स्वान गतिते हो रहा है नियंत्रात्मक उत्तर दे विया।

- १५ फरमरीकी २२ तारीक्षकी बुबरे हस्ताक्षरफतिनै उपनिवेदा-सचित्रकी स्वीकृतिके किए और उनकी अनुमतिके प्रवादी प्रतिकृतक अभिनित्रम (इमिन्नेयन रेस्ट्रिक्तन ऐस्ट्रोका संघीपन करने और एसिसाई कानुनको रह करनेके किए एक विशेषकता ससविता (इग्रप्ट विका) विकाश इस प्रकार गुर्ने वाकायना सेवी गई, किन्तु कानुनको रव करनेके उस्टेमका सेवी गई, किन्तु कानुनको रव करनेके उस्टेमका की वाकायना सेवी गई, किन्तु कानुनको रव करनेके उस्टेमका की वाकायना सेवी गई, किन्तु कानुनको रव करनेके उस्टेमका की वाकायना सेवी गई। किना गता।
- १६ अन्तमं यश्चीर उपित्रवेश-शिवान श्वर्णां क्यांच्यां शासने व्याने हृष्टिया बयानमं वृद्ध है कि उन्होंने कानुक्ती रह करनेका वक्षा कभी नहीं विश्वर और स्वामि एपिमाई पीतर्कार तथा व्यानका श्वर्थका किया है। किर से उपित्रवेश-शिवानिकी नामित्रकों मानिकी मानिकी मानिकी मानिकी का स्वाप्त किया है। कि विश्वरक कुरी वावनमं विश्वर पान किया स्वाप्त प्रमुख्य का स्वाप्त किया है। कि वृद्ध के स्वाप्त स्वाप्त किया है। कि वृद्ध मानिकी स्वाप्त प्रमुख्य का स्वाप्त किया है। कि वृद्ध है हि कि वृद्ध है हि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त की किया है। विश्वर स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त की की।

१७ जिन डिटिस मारतीयोंको एपियाई पंत्रीयकने कानूनको रद करनका आश्वापेन दिया वा अनके कक्क सक्तकर्यं इसके साथ संक्रमन है।

१८ स्तके विवा प्राची तब महामहिम वकादकी सरकारका न्यान स्व तम्मको बोर कार्कार करता है कि रह करनेवाले विशेषकती करनेवा बस्तुत बना की गई की और उनिवेद-प्रियनों कुछ कोगोंने इसे निजी तौरार वृत्ताकों किए उसे क्षापनेका हुक्त भी दे रिपा वा। वह दूसरे हरवालरकतींकी विकास गया वा बीर उसे विकं स्वक्तिय वापन के विचा बना वा कि दूसरे हरवालरकतींने उसमें कुछ वक्षोपन करनेकी प्राचेता की थी। वे वह पंत्रीवन कुछ परिवातनोंक साथ उस कानूनमें सामिक कर किये गये हैं विचकी मही वह पंत्रीवन कुछ परिवातनोंक साथ उस कानूनमें सामिक कर किये गये हैं विचकी मही कर्म की बा रही है। उनमें वयवाव केवल वह संयोचन है वो शिक्षित एसियाइमंत्रि वर्जेंकी मगावित करवा है।

#### कानुनको परकरार रखना धनावश्यक

रे **टेकर स**न्धाट शुक्त र ⊸र। २ मीर३ मदी परिविद्याणा

४ **देशि**य परिक्रिक ४ ।

प्राची संचको यह कहनेकी इजाजत दी जाने कि दूसरे कानुमरे १९ ७ के कानुम २ का प्रमान समाप्त नहीं होता । सरकारकी मनींसे उन बोनों कानुनोंमें से किसीको भी एसियाई समाजके विदय कामने काया जा सका है। इसी प्रकार एपियाइयोंको भी छट है कि यदि उनसे कोई लाम हो तो वे दोनोंमें से किसीसे भी साम उठा सें।

२१ चटाहरकके किए सम्रापि सबे कानुसके अन्तर्गत तुकाँके मुसलमान पंजीयम (राजि-स्ट्रेजन) की परेवानी-मरी पढिरवें मुक्त हैं फिर भी ट्रान्सवासमें बानेवासे किसी हुई मुस्क-मानके निक्य १९ ७के अधिनियम २ के अन्तर्गत कार्रवाई की था सकती है। इसकिए मिटिस भारतीय समावको एक मुक्य कापति जब भी ऐसी रह वाती है विसका निराकरन नहीं होता। उपनिवेश-संविवने इस सन्वर्ममें बो-कुछ बड़ा वह असंगत है। वे कहते हैं

वे (पशियाई) इन कठिनाइयोंको इस तरह मस्यूत करते हैं कि १९ ७ के कानून २ के जन्तर्गत पंचराज्यकी संसवके १८८५ के कानूच ३ में वी वई एसियाइयाँकी परि-ाज नाज्यता नाराज्यका व्यवस्त (८८१७ कानून १ म रा मा प्राथमश्रवाधि परि भाषा कायस रखी वहीं और वह यरिजलामें तुर्जी साधात्मके प्रवासन तुर्जी सुस्तमात इस देखने तिवाधी नहीं पाने यथे। यह बहुर व्याधि इस व्यवस्थाने हारा तुर्जीको देसमें न जाने देशा वहित्य नहीं है किन्तु यह इस्काल-वर्णपर केवल एक लोक्स और करने कागता है। किसी भी चौरोका या सरकारका वैसा करनेका रंजनाम मी हराहा नहीं जातात है। जिस तो वारण या सरकारका परा कराजा प्याप्त की है। यही हुने कैसान परा है कि बन यही हुने ही हो नहीं और म इंग्रे हुने हो नहीं और कमसे-कम तुर्जित इस पेयमें कनके किसी वड़ी संस्थाने अमेरी कोई सब नहीं है। हुन्जित को मकाका यहाँ वाले हैं के केस्म हिसाई है त्या हुन सामांत्र बारमोर्ने किमा देवड तोक वालीक्यों है के विराह्म की कम सोमारी है। किन्तु कि हैसाई हैं और दुन्जी लाकान्यके मुलिक्स मुक्कन इस देवमें कर कमिंगे ऐसा बतरा कभी पैदा नहीं हवा और न कभी पैदा होनेकी सन्दावना है। उस मापतिको औ भावनारमञ्ज बाबारपर की गई की और बिसवा निराकरण कियारमक बाबारपर करनेमें कोई माराति व वो हुनने हुए कर दिया है। मानानीय सबस्य वेखेंने कि स्टरनके सामने प्रस्तुत विजेतक (विका) से वह प्रतिवाल हुत वाता है वो किसी अपितके प्रदेशपर केवल दर्व साम्राज्यका प्रकारक होगेरे लयता या।

२२ इसके अदिरिक्त सक्षपि विकाराचीन कामगरे अवयस्क व्यक्तिपत पंजीवनसे सक्त हो बाते हैं किन्दु १९ ७ का कानून २ शतुमानतः समयस्कृषि विस्त प्रयुक्त किया बा एकता है सौर उत्तरे मेडब तकसीकें पैवा हो एकती हैं।

खकता है नार उपये पहल तकराक पता हा चकता है। २६ नमें कानूनमें चरान-काकानी समामास्य बारा कहीं गहीं रखी नहें किन्तु पुराने कानूनने जन्मांत कोई भी एधिमाई बूटने अनुमतिएक (परिमट)की नमीं दे चकता है। क्यांत्रित यह कहा बारेगा कि नह तो स्थय है। एक पुमिता है। किन्तु मानी प्रेतको नम स्थमतिय गह किया हुना सरमान उपनिवेशको कानूनकी पुरस्कारों मेगीकर निस्तिए कर पहुँ है। २४ सरकार सर्पनीकृत पश्चिमारिक विषय शेनीमें से किसी भी कानूनके नमत्त्रीय कार्याह

कर सकेगी और इस तरह ऐसे एकियाईकी कदम-कदमपर तन कर सकेगी!

१ पूर्वी सम्बद्धानको होतों जीर प्रदोशक देवोंके निकसी । २, देखिल सम्बद्धान १, द्वा १२५ ।

२५ पुराने कानमको बरकरार रखनेसे बेईमान एशियाइगोके छए जानसाजीका भाग बुक्ता है। मद्यपि नय कानूनमें उपनिवेधके बाहर यक्तिय वाफिकाके किसी स्वानस पंजीयन प्रार्थनापत्र देनेकी स्पन्नत्वा है फिर भी उत्तर्ग ऐसी कोई स्पन्नत्वा नहीं है जिससे फिसी एसिमाईको उत्तरिवसमें जाते कातृनके बन्तर्गत सात दिन तक रहनेका दावा करने सौर उस जर्गामें समाजमें मुक्तमिसकर जनपहचान हो चानसे रीका जा सके।

२६ औसा उदाहरण कपर दिया गया है जैसे उवाहरण जनगिनत दिय वा सकते है. फिन्दू हमारा विद्धांस है कि उपर्युक्त बदाहरमसे यह पर्याप्त रूपसे प्रकट ही बाममा कि यदि वपनिवसको कानुनको किलावमें पूराने कानुनको रहने विधा गया हो बिटिस मारतीयोंकी स्थिति कितनी अनिध्यत हो आयेगी।

२७ यद्यपि कमी मंग कानून महासहिसकी शरकारके विकासकीन ही है फिर मी स्थातीय सरकारने वन कोनोंपर मुक्तमें सकान सुक कर विश्व हैं को उस कानुमक बायरेंमें बादे हैं और बिन्हें उसके बन्तर्यत सुरक्षा प्राप्त हैं। इस प्रकार एक क्षिटिस प्राप्तीय 'यो सुपिक्रिय है और इसकिए विश्वकों कासानीसे विमास्त की का सकड़ी हैं विमने सीर्ट निक्तरकी समाहके अनुसार स्वेच्छमा पंजीयन (बॉक्टरी रविस्ट्रेशन) कराया था जीर जिसके पार धान्ति-रक्षा अध्यादेश अनुमतिपत्र (पीछ प्रिवर्षेयन वॉक्निंत परिमट) भी है तया कान्त पास क्षोलेके बाद गिरक्तार कर किया गया और उसपर संपंत्रीकृत (जनरिवस्टड) एथियाई होनके बपरावर्ने पुराने कानुनके बन्तर्गत मुकदमा चलाया गया । मण्डीप न्यायाधीशने रमपर मार्चिय प्रकट किया किन्तु उन्नके सम्पूच उन्ने सात बिनके भीतर वपनिवेससे सक्ते बानेंंंं नोटिस देनेंके सिवा कोई सम्य मार्ग न था। इस प्रकार नये कानुनसे सुरसित होनेपर बी पुराने कानुनके सन्दर्भत बनेंक परिवाहसाँकी को उपनिवेशके वैच निवासी हैं मुक्तमा पकार उपनिवेषसे निकास बाहर करना सन्त्रव है।

२८ एक इसरे भारतीयपर जिसे अधिकादी सभी गाँति जानते हैं जो पीट रिटीफ्का स्तीकार किया कि वह उस व्यापारीको दास्त्रवासके निवासीक कपर्ये जानदा है और उस वकीकर्त भी जो अनुमिद्धपत्र (परिमिट) सेनके समय उसके साथ का उसकी गवाही दी और निर्माण की प्रभावित्य (परिनट) कान्य वस्त्र वक्त विकास वाच वा वक्त अस्त्र माने हो नो स्वित्तर होने से ह्वाहोम उसाम (काराविका सहि गई होने में सूर्योग होने से स्वेश महामहिसकी में पिकानूनी नाम्मी मानते हैं कैंद नोमाना क्यादा प्रयाप किया और ये अन महामहिसकी भेमसार-नेकर्म करनी वजा काट रहें हैं। भी इवाहींग उस्ताम कोंग्री एक नीर सिख एकते हैं बीर रोमा किससे मुक्त हसामा करना कार्योग पत्र नीर सिख एकते हैं बीर रोमा किससे मुक्त हसामाह कर वक्त हैं। २९ इप परिस्थितियों मानी विकास कियाश है कि महामहिसकी एरकार नये कानूनको

स्मीकृत करनेसे पहले पूराने काननको राह करवायेगी।

र ने ब्रूपनी मार्च बरेक के देखिया बाल्ड ८ वृत्र ४१५-१६ ।

क देशिए क्षम है, यह शेरट ।

वे देखिन <sup>भा</sup>नेहानिस्तर्गकी विद्यो<sup>स्तर</sup> वृद्ध ४ ३

#### शिक्षित भारतीयोंका दर्जा

- कानुनकी किराबसे मधि पुराना कानुन हटा किया जाये तो ऐसा करता है कि
  वहींकर प्रवासका सम्बन्ध है, बिटिय मारवीयोंको समानके क्या प्रजावनोंके समान वर्षो
  केमें कीई बाबा नहीं रहेती।
- ११ सन् १९ ७ के प्रवासी प्रतिवस्थक अधिनियम (इमिग्रेशन रेस्ट्रिक्सन ऐक्ट) १५ में सामान्य चैद्रापिक कसीरीका विकास है। और उसके अन्तर्वस को एक्षियाई सैक्सिक कसीरीमें करा नतरता है उसके उपनिवेशमें प्रवेध करनेपर अध्यक्त कोई रोक नहीं खती। तब नह एशियाई कानुनके जनुसार पंजीयनका जानी हो जाता है और यदि यह उसकी सर्वे पूरी नहीं करे तो मी वह निपित प्रवासी नहीं होता अर्थवीहल (बनर्यवस्टर्ड) एसियाई हो नाता है। इस प्रकार भी धोराववी सापूरणी प्रवासी प्रतिवश्वक अविनियमके अन्तर्गत उप-निवेदामें सामे। उनको बिना रोक-टोकके यहाँ जाने दिया गया। सात बिन उपनिवेदामें रहनके बाद उनपर १९ ७ के कानून २ के जन्तर्वत अपनीकृत होनेके आरोपमें मुरुदमा चलावा नया। भी धोरावशीने स्वेच्छ्या पनीयन (बॉक्टरी राजस्ट्रेजन) के लिए प्राचनापत्र दिया था। वह मस्त्रोकार कर दिया बया था। वे १९ ७ के अधिनियम २ की माननके छिए तैमार न ये। वार्ल्यहातनके टावन नकार्क तथा उस नगरके क्षम्य अविकारियांके बहुत ही बच्छे प्रमानपन उनके पास वे। फोक्सरस्टके स्वामाकीशने उनके प्रार्वनापकपर विफारिश की थी। वे सुरतके हाई रक्तवर्ने सातवें वर्ने तक पढ़े हैं और चार्स्स्टातनकी बदासतमें उन्होंने नतसर हुमापिमेका काम किया है। एविवाहें काननके अन्तर्गत अधियोग चलाये जानेपर उन्हें उपनिवेश्तरे जानेका नौटिस दिमा नपा। बिटिस प्रजाजनकी हैसियतसे बन्होंने उस नोटिसको माननेसे इनकार कर दिया। इप्रिक्ट उत्पर मुक्तमा चकाया बया और उन्हें एक महीनेकी एक्ट कैसकी एकादी नहीं, विपन्ने जिए जुनतिका विकल्प न वा। जी शोरावजीने अपनी एका पूरी की भौर नीमादके भन्तिम दिन के गोपनीय हक्ते जिल्लासिन कर विसे वसे।

३२ प्राची संच सावर कीर नमतापूर्णक निवेदन करता है कि किसी भी बिटिस उपनिवेसमें निर्मेग बिटिस प्रवासनीके साथ इस इंक्का करताय किसे बागका कोई इसरा क्याइरण नहीं है।

३३ मी पीराववीके मामलेथे यह चाहिए होता है कि प्रवाणी प्रतिक्षणक विवित्यस्य (इतिहास प्रतिक्षणक रिप्ट्रचन ऐस्ट) से दंगके लाएण कोई रोका लही चनती। ऐसा कारता है कि पिक्रकी २२ कुलाईको हुएल्यासके सर्वोच्च म्यासाववर्ते साथ नगाम स्वस्कृता भी मुख्यमाँ भूता ना उससे भी उपर्यक्त विक्रिकोच लाग तिक होता है।

३४ वह एथिमाई कानून ही है जिसका उद्देश लाहिएमें केवल उनकी विनासन करना है जिनकी अन्यवा मासानीसे सिनास्त नहीं की या सकतो किन्तु वो सिमित मारतीयोक भारे जाता है।

। देखिल क्रम्ब ८ वड देवेल ४ ।

- २. वहीः इत १४०-११ । १ वहीं पुत्र १७०-७१ ।
- Y 100 10 101-00 1

३५ प्राची संब मादर यह माँग करता है कि शिक्षित एकियाइमोंको स्वतन्त्र रूपसं प्रदेग करतेका वैसा ही अविकार होना शाहिए जैंगा उन्हें दूसरे उपनिवेशोंमें प्राप्त है। इममें उत्पर केवस एक ऐसी सबसामान्य रौक्षणिक बचौनीकी पावणी की जो सबपर कार्य होनी हो। ऐसे एक्सियाइसेंसि विनास्तकी ऐसी विविधोंका पाछन करने और जिन प्रमान पत्रों (सर्टिफिनेट्स) की तिनक भी भागस्थकता नहीं है जनको सवा साथ रसनकी अपेसा करना बहुत अनुवित अपमानअभक्त और पतनकारी है।

३६ प्राची मंत्र सहामद्विमकी सरकारका व्यान इस सम्पन्नी और बाकपित करता है कि विदेशी यदि वरोजीय हों और बक्षिण आफिकाक बननी यदि सैक्षणिक कसीटीमें उत्तीश हो त्राय तो दास्पशासमें आ सकते हैं। इस्रमिए शिक्षित विशिध भारतीय उपर्यक्त दानों नगीन

गीचे रत्वे गये हैं।

३७ यह ठीक है कि संसायी सोगॉपर, जो दक्षिण माकिकाके निवासी हैं टान्सवाबमें प्रमेश करनगर कोई प्रतिकृष्ण न हो किन्तु प्राची संघ यह नहीं समग्र पाठा कि दक्षिण मफिकामें उत्पन्न हुए मारकीय भी उसी न्यांमें क्यों न एप्रे कार्ये। ऐसे बहुत-मे मारकीय मुरफ हैं जिनके मिए बनिया आफिया ही जनका देश है और भारत परदेश।

रेंद्र, यह ग्रहा नवा है कि सिखित भारतीयोंका उपनिवसमें प्रवेश लक्षा रखनेसे उप निष्मार्थे अर्थ-भिर्मात्र आस्त्रीय कड्ड पर आयंग बीर वे उपनिवेदसासी साम पूरोरीयाँस सर्वी करेंते। प्रार्थी संपने यह तक भी उपस्थित नहीं किया है। सैशमिक कसीरीको कठोरता-पर बापति न की जायगी। जिस बातपर नम्रतापुर्वक जापति की जागी है वह है वाननमें निहित यन और रंग-सम्बन्धी भवनाय जो धिशित भारतीयोंके साथ भी विमा जाता है। पैप्रीचेक कसीरीके अन्तर्गत बहुत कम भारतीय प्रतिकृप नटासमें प्रवेश कर पाते हैं।

१९- प्राची संच को यह चाहता है कि अत्मन्त सुसंस्कृत और पिक्षित मार्ग्याय ऊँचे करों राते सीम और विश्वविद्यासमें मि उपावियाँ-प्राप्त कीम अधिकृत रूपसे उपनिवेशमें प्रवेश कर महें। ऐसे मोय स्वभावतः अधिवामी गुनानकी आवस्थकताओंके किए अकरी है।

 यह भी कहा गया है कि नमें कानुकड़े लग्ड १६ में पुराने कानुकड़ी तरह ही मिश्रित मानीयोंकी राहत देनेकी व्यवस्था बरकाय है। किन्तु ऐसी बात नहीं है। वस सरकार कैश्य स्थापी बन्नित्यत (बरक्रित) की ग्रेजाया है बीर तमके बाबारणर तमार स्थापी कोई स्थाप स्थापी बन्नित्यत (बरक्रित) की ग्रेजाया है बीर तमके बाबारणर तमार स्थापी कोई स्थापत प्रमा नहीं कर सरना। प्राची संबंधे विचारण उस लक्क्स प्रधा एपियाहसीकी चाँदे वे गिशित हों या अशितिल उपनिकामें अल्वायी निवासकी सुविधा देता है और चममें वर्गानी वनुमनिएत्रों (परमिटों)के बल्लांत व्यापारियोंकी अपने सिए आवश्यक मनीम और इसरे गौकर मानेकी मुविधा देशकी जी व्यवस्था है।

<sup>3</sup>रे प्रार्थी सप भी राहत प्राप्त करना शहता है। यह दूसरी तरहकी है। यह विशिव मार्गाव परोमामें सक ही वह फितनी ही नवी हो उत्तीय ही धवने हु उन्हें गामान्य प्रवासी कन्दुनके सन्तर्गन साना चाहिए और उत्तर कोर्ट रोक आदि न समाई जानी चाहिए।

 नी विधित भारतीय उपनिकाम है यदि उन्हांन पंजीयन कराया है ता फेक्स रगिना कि वे उराहरण प्रस्तृत कर सकें शरकारको सहायता है गर्छ और जिन पाइ-मे नौनौंडी प्रातिवेशमें प्रवशकी अनुमति वा जाये जनकी व्यक्तियन स्वतन्त्रतानी अपमानप्रकृत

भीर भगावस्था प्रतिवर्ग्यमि मुक्त कर सहें।

४३ यहाँ यह कह वें कि वहसे पहले एसियाइमोंके प्रवासपर कोई रोक न वी । क्रान्ति-स्वापनाके बाद प्रवास सामान्यतः शान्ति-एका बच्यादेश (पीस प्रिवर्षेशन बाँडिनेस) के सन्तर्पत नियन्तित चा। एडियाइयाँका प्रवास १९ ७ के एडियाई काणून द्वारा नियन्तित मही होता वा किन्तु उत्तमें उपनिवेशमें जो एधिकाई वस कुके वे उनके पंजीयन (रजिस्ट्रुसन) की स्मवस्था भी। तब भी बित वरह गान्ति-रखा बच्यावेसके बन्धर्यंत गरोपीय अनुमतिपत्र हे सकते ये उसी प्रकार एसियाई भी अनुसतिपत्र के सकते ने और उनमें से बहुतोंने नस्तुतः ऐसे अनुमतिपत्र लिये भी वे। इसके बाद प्रवासी-प्रतिकृत्वक अधिनियम आया उसने चान्ति-रखा सम्मादेशका स्थान किया और उसमें नवागनाकीके किए एक सामान्य विका-परीकाकी व्यवस्था की गई। इस तरह एकियाई काम्मके बतिरिक्त सपनिवेशमें शिक्षित एथियाह्यांके प्रवेशमाँ कभी कोई कानूनी बाबा नहीं रही है। इस्तिए यह सही नहीं है बैसा कि स्वामीय मधिकारियोंने कहा है कि बिटिय मार्खीय कोई नया विवाद उठा रहे मह प्रश्न पहले-पहल माननीय उपनिषेध-एषियने उठाया वा अब वे पूर्व-इस्लिखित निरसन-विजेपकके हारा प्रवासी-प्रतिकथक जीवनियमको सब सिक्षित भारतीयोके प्रवेशपर रोक सगानेकी विस्तित संस्रोधित करना भारते थे।

#### भगावासक प्रतिरोध

४४ प्राची संबको इन्त है कि महामहिनकी सरकारने शंव और १९ ६ में अन्दन मेने गर्मे विष्टप्रपालको प्रार्थना नहीं सनी और १९ ७ का कानून २ स्वीकार कर किया। ४५ प्राची सब सहासहित्रको सरकारका व्याप इस तब्यकी जोर बारुवित करता है

कि विच्टमच्डलने उसके सामने सितम्बर १९ ६ को एम्पायर नाटकवरमें हुई विदिस मारदीयाँ-की सार्वजनिक समाका चीवा प्रस्तान प्रस्तत किया ना। नह प्रस्तान इस प्रकार है

विवास सभा स्वामीय सरकार और साम्राज्य-अविकारियों द्वारा भत्तविदा-स्य ऐसिमाई मधिनियम संबोधन अध्यादेश (ब्राक्त एशियादिक की क्येंदर्मेंड ऑडिनेंस)के सम्बन्धमें दान्सवाबके विदिश्व धारतीय समाजकी विनीत अर्चना अस्वीहत कर दी बानेकी अवस्थानें विदिश जारतीयोंकी वहाँ समयेत यह सार्वकांतक समा पन्नीरतापूर्वक और क्षेत्रपूर्वक एक निष्याम करती है कि इस मस्विदान्त्रम अस्माविशके अपमानवन्त्र अत्याचारपूर्व और अविद्धिश्च विवालकि सामने मुख्येकी अपेका द्वासवलका प्रत्येक विदिश्च मारतीय अक्ते-आपको चेल कार्नेके लिए पैश करेगा और तबतक ऐसा करना कारी रखेश जबतक अत्यन्त वयाल महामहिन सम्राट क्रमा करके राहत नहीं बये।

४६ महामहिसकी सरकारपर स्पष्ट ही इस प्रस्तावका बहुत कम ससर पड़ा। किन्तु उसके बाद जो कुछ हुआ। उससे प्रकट हो बना है कि समाकी कार्रवाई संजीवगीत की गई थी।

- १ त्रीमोधन रेटिकान केस ।
- . aftenne eine for iffer, we out utilbe to
- । सिरीक्रिंग शिक्ष ।
- y देविर कवा थ, १४ १९०-३५ ।
- withing them to the year i

४७ जिस्त बंब स्थानीय सरकारको १९ ७ में दिये गये सामान्य प्रार्थनापणका है को विषय स्थिति जरपन्न ही पह है जसका प्रतिकार केवल इस मधिनियमको प्ररी तरह रद करनेंद्रे भी हो सकता है. उससे कम किसी कार्रवाईसे नहीं। हमारी विभीत सम्मतिमें अविनियम ब्रमारे आरमसम्मानको थिराने तथा अमारे बर्मोपर प्रहार करनेवाला है और इसको कारनाक सक्रविसेंकि सम्बन्धमें ही काय करनेका क्रयान किया जा सक्ता है। इसके सतिरिक्त हमने को पश्तीर सपय की है जसके कारण हमारै किए, सामान्यके सन्दे नायरिकों और इंडबरसे जब करनेवाले कोगेंकि कपमें अधिनियमकै विधानके सम्मूच न सुकता आवस्यक हो। यसा है। यसे ही हमें इसके परिवास कुछ भी वर्यों न भूगतम पड़ें। जौर को इस सुमझते हैं जेल जिर्वासन और हमारी बायवायकी बरवायी या जली था इनमेंसे कोई भी हो सकता है।

YC इस सक्यकी प्राप्तिके लिए ३५ से अधिक भारतीयोंने कैरकी एना मोगी है। क्लेक कीनोंने अपना मास-असवाब नीकाम होने दिया है। कुछ सोगोंने अपनी अस्टरारमाकी वारानको दनानेके बजाय शरकारी जवना निजी नौकरियोंसे बर्कास्त्रयी संजर की है और मानम समीने माठी मुकसान स्थाया है। कुछ तो सचमूच वरित हो नये हैं।

४९ प्राची संवते अपने प्रति किये यसे बोर अन्यामको और व्यान बारुवित करनेको यह निवि इसकिए चुनी है कि यह उनके बिटिस प्रभावनके दर्वे और प्रमुख्योचित सारमसम्मानसे

बरविक मेल खाती है।

५ इस भान्योक्तको बनाकानक प्रतिरोप (पैसिव रैजिस्टेन्स) का गाम अभिक अच्छे नामके समावमें दिया यहा है। किन्तु वह वास्तवमें उस कान्तका सदितय विरोध है जो विदिध मारतीयोंको बहुत गायसन्त है और जिसे बनानेमें उनका कोई हाच नहीं है।

५१ तम निवेदन है कि मसिरीय सन्दर्श सामान्यत को अब समझा बाता है, उस वर्षकी कोई करपता उस जन-समयामके प्रतिरोधसे नहीं मिलती को व्यक्तिमत कृप्ट उठा

का है।

५२ प्राची संबने अनुभवते बाना है कि कमते-कम बिटिय साम्राज्यमें समादके प्रमा वर्गोंकी सिकायतें बास्तवमें केवल तभी बूर होती हैं अब ने यह दिशा देते हैं कि ने राहत मान्त करनेके वहेक्ससे कव्ट तठानेके किए सैयार है।

५३ वचपनसे ही बिटिस नारतीयोंको यह सिकामा गया है कि बिटिस संविधानमें कानुरुकी वृष्टिसे सब प्रवासन समान हैं किन्तु बंद ने दूस चपनिवेदमें समानता समिते हैं तो जनकी विस्सी तदाई बाती है या वे वृष्ट माने बाते हैं।

५४ विटिश मारक्षीमोंको सराविकार प्राप्त नहीं है और वे सोगंकि वर्तमान सनीमानोंको देखते हुए, कोई मलाधिकार भाइते जी गहीं । इसकिए उनके सामने केवल यही उपाय रह बाता है कि वे सासकास प्रार्वना करें और अपनी सवाह बतानेके सहस्वस अपने विवारोंके क्रिए **४**ण्ड भोगनेको तैयार शहें।

५५ मार्ची संग भारतीय माननाको बहातक समझ सका है, अधिकतर मारतीय दढ प्रतिज हैं कि चवतक उनके हारा माँगा गया सावारण न्यान प्राप्त गही हो जाता तनतक वे

१ देखिल सम्बद्ध क इस २३४ ।

सन्त्रने गांधी वाकमच

तमें कानुतके सन्तर्यंत प्राप्त लागोंको स्वीकार करनेसे इनकार करते रहेंगे और मझतापूर्वक कप्ट सबसे खेंगे।

# (Areas)

५६ जन्तमें प्राची संव जिनसपूर्वक निवेदन बीर प्राचेना करता है कि यदि महामहिसकी चरकार ब्रिटिश संविधानके सिकारलेकि बनुरूप उपनिवेशमें रहुनेवाले ब्रिटिश मारतीयाँकी १९ ७ के कानून २ की एवं करनाकर और शिक्षित भारतीयोंका दर्जी निश्चित करनाकर, न्याय नहीं दिमा सक्ती तो १८५८ की मीरकपूर्व कोपका कापस के सी बाये और उनसे कह दिया नामें कि विटिश प्रजा' राज्योंका क्यें उनके किए उससे विश्व होता है को पूरी-पीपॅसि किर होता है। और इस कार्यके किए इस सनयहीत होंचे साथि आहि।

> रीसप इस्माइल मियाँ बिटिस भारतीय संब

भो० क० गांधी विभिन्न जातनीय संब

[बरेबीसे]

30

क्कोनियल ऑफिस रेकर्बस २९१/१२८

८ सार वर्धार विरुभार समितिको

बोहानिसबमें <del>विकासर १ १९ ८</del>

पत्त्रह निर्मोतित ब्रिटिश बारठीयोंको पून प्रवेश करनेपर मारी संवादे। बावव वस्त्रमंत्री बोमक्रिया रहिरियाको तीम महीनेकी बक्त केंद्र या ५ पाँड चुमाना। कुसरॉनो छ शप्ताहकी शक्त केंद्र या २५ पाँड जुमीना। सरका युद्ध-पूर्व निवासी होते या पैसनिक योग्यताके जानारपर ट्राम्सनावमें प्रवेपके विकारका दाना। क्षात्र व प्रधानक पुरू अधिमानके तीन बाजेंट सात मुसक्त्यान को पारती छ केरियोर्ने हालके पुरू अधिमानके तीन बाजेंट सात मुसक्त्यान को पारती छ हिन्सू ग्रामिक। अस्तत्त्व सनसनीः संवर्षपुत्र प्रारम्भ होनेके समयसे सब वर्गीके सोयों]को सब स्वानींसे १७५ विरण्यारिया। संत्यी बंहर तकतीयका कारण विवि-पुस्तकमें ऐसा कानून बनाये रखना जो सरकार बारा निकास बोधित और क्षेत्रे-के जनक विज्ञा प्राप्त भारतीयोक पूरा प्रवेशपर प्रतिवरण जो सर्वेश

a. रही क्रोडिक प्रियति वासीन संव (अवस्त विवन वर्तेक्षियतः), किन्नेने मी एक सह वेक बा । होतें हारोंची प्रतियों भी रिफो १. किटमाओं क्वीनेस-मन्त्रीको मेरिय कर ही थीं ।

कताबस्तक और अविटिशः। जागा है कोंड एस्टहिक तथा करूप राहठ प्राप्त करानेके किए अधिकतम प्रयस्त करेंगे। मारतीयोंको सहय व्यायसे निरास म होते दिया वास।

[मो० क० गांभी]

[बंप्रवीते] कमोतियक साँकित रेकाइत २९१/१६२

# ९ भेंट 'स्टार'के प्रतिनिधिको

[बोहानिसंबम] सितम्बर ९, १९ ८

हार्वाफ यह खड़ी है कि इस मारतीयोंन जो सीना जा यह हमें मिल यस है, किन्तु इसमें सरकारते निष्य सेवकी कोई बात है एवा नहीं सकता है क्योंकि वह स्वाक्योंने किए लगनय कामगी-या नर देती है कि के उन व्यक्तियोंने जी बन्दत सरकारके राजनीतिक लगनय कामगी-या नर देती है कि के उन व्यक्तियोंने जी बन्दत सरकारके राजनीतिक लगित मिलि होंने परियों है ऐसी मारी उनारी है में है से सरकारकों वी वहीं स्विक्त एक महिनिविव्यक्तित वक्ते में है के सरकारकों की वहीं स्विक्त काम महिनिव्यक्तित के महिन्दि व्यक्ति में स्विक्त स्वयक्ति होंगा निज्यात हैं। मेरी रावमें इन कामगों का होंगा निज्यात है स्वयातियोंने मत्रीद साम सरका करना सारी रावमें मीर विद्या मार्मीद करनी कारी एक सिन मेरी प्रविच्यात मार्मीद प्रविच्यात करनी सारी रावमें मीर विद्यात मार्मीद करनी होंगा से मीर कार करना सारी रावमें मीर विद्या मार्मीद करनी है। सारी मीर सार विद्या मार्मीद करनी है। सारी मीर कार कारी स्वयं करना के सारी सारी मीरी पढ़ी वर्षीक पर की है। मेरी समार्मी नहीं है। कारी है। सारी है। सह विभागत मेरा सीराय

यह नहीं है कि उपनिवेशोंको अपने यही बाकर बसनेवाकोंको संबया सीमित करनेका बीधकार
गहीं होना चाहिए। स्वर्णीय सर हेनरी पार्कके कवनपर संका गहीं की वा सकती किन्त बव बाप एक बार कोरोंको उपनिवेशमें वाविक कर केते हैं तब उनके साब कानुकती दृष्टिये एक-वैसा बरावा होना चाहिए। बरपवा की भी के बनने बसी हाक में ही बहा है, बाप गृजामीकों सिति वैदा करेंने विकास परिवास यह होगा कि बनामितों जबाँत साक-वर्ष को का करने पुमानेति सी बरतर हो बायेगी। इतिहासमें ऐसे एक भी बेसका उबाहएम नहीं मित्रका क्यार कोग एक स्वर्णक राष्ट्र बननेके बाद सी मुबामीके स्वामी बने रहे हीं। मित्र हमारे साब गृजामों वैसा बरावाब नहीं किया चाना है तो हमें ऐसे कोन चाहिए बिनकी उपनिवाद हमारे स्वर्णक विकासमें सहायक हो। ये कोन जिसनेकह ने हैं को मुबासकर बार सित्र हैं। हम जहीं कोनोंकी एक जनकर सीमारे उपनिवेशमां साब प्रवेशकों प्राप्त हो। ये कोन जिसनेकी साब प्रवेश की

यह पूक्रनेपर कि यदि उपर्युक्त रिद्धान्त स्थीकार कर तिमें यदे तो क्या भारतीय कठिन भैभागिक करोडीकी शर्त माननेको तैयार होंचे थी गोधीने कहा :

स्नेसिंग्य स्वादीयों सही जालमंत्री तियार होये की वादीयों बहा।
यदि वर्तमान प्रवादी-परिवरणक कानुनमें (इपियेदन रैपिट्रव्यन की एक्ट) उत्तिवस्ति परीसांके
सम्पर्तत एक उपित्य और कड़ी गरीकारी वृद्धारक नहीं है हालकि में नहीं तातरा कि बाद
ऐसी है, दो उदमें प्रेसीयन किया वा सकता है बीता सारहीस्मामें की किया गया है। इस
प्रवादी-परिवरणक स्वितियमके सन्तर्गत कानुनी समानता होयी किन्तु उस विधित्यमके
प्रवादानमें स्विकारियोंको सूट होगी कि स्थितिको यक्तता वेसती हुए परीसाकी कड़ाईमें
सर-वस्त्र कर हैं। उसाहरणाने बाल की स्वादी की स्वयम विना पुक्ताक मनेत करने
दिया बाता है, बनकि भारतीयोंको कड़ी गरीसा की बाती है। यह प्रवादिनक मेदसान
दवतक ऐसा ही स्वतक वेस्ताव मीज़र है।

सह बतासे जानेपर कि जी पांचीके पक्तकाले निवासि पुचार नहीं होता उन्होंने बहा कि इनकी इस स्थितिका जावार काँग्रे निकानरका किरकारों विधा क्या यह माया वा कि वेचेटर बीटों [सुटकेंडरों] को जीर वाधिक तंत्र न किया जागे।

धीर भी पांचीने नामें कहा। बाद इस पटलैंडर -- अपने डी वेचमें परवेची हैं।

[बंग्रेबीसे]

स्टार १-१-११ ८

र देहिद बंद्रकर प्रविका संत (बीन बोद फिन) ही रोजॉद बन्यांने रीक्ये हुए बदा था। दिही देते देही। बही जाना बात है कि एजनीविद करकहा है, जानविद सामे के लिएको एक्नीविद् करिकारित विक्रुप परिच्य रहना यह बढ़ा है। बहुन जाकर है। यह बढ़ान परिच्ये दिस करा है। हानिकर है किया हो। बारिक स्थित। "

र, हेक्टि इस्कर प्रवास ४ रा

# १० भाषण सावजनिक सभामें

[बोहानितवर्य सितम्बर १० १९०८]

इंडियन बोपिनियन १९-९-१९ ८

रे व्यापना मिदिन मारानि संस्क रास्त्रानामें सरवाजीकोंके अपि स्वानुति प्रकासरनेत किए बार्वेरिका भी भी वी । सम्बन्धि सेकर्जी अस्त्रीय कारिका ने । सम्बन्धा भी हिता विविध की भी ।

# ११ प्रस्ताव सार्वजनिक सभामें

[बोहानिसम्प सितम्बर १ १९४]

[प्रस्तान ६ ] बिटिय मास्तोपाँकी यह समा भी ईएस मियांकी निर्होंने इस उन् तिनेगरे निनासी चारतोपाँक करार भीषणतम संकटके समय बिटिय चारतीय संच (विधिय इंडियन मसीसिएसन) के सम्यानमञ्जी संमाला और सम अपनी मनका सरीका मानिस्मा पानाके कारण उन्त परते इस्तीका वे दिया है बहुमूच्य सेवामांके लिए हार्कि जानार सन्त करती है और संस्थितवान मनुदे पानना करती है कि उनकी महासिस पाना स्कृति हो और ने मसासम्बन्धीय सन्ते वेदमाहर्योंकी सेवाके किए उनका क्षीच सास्य कीरें।

हा बार न प्रभावनक पात्र बराव प्रधाहनका छवाक हक्यू उनके बाद वाप्य प्रधान [अस्ताव ४ ] यह छमा छंवकी समिति बारा एवंके बादाब-दरपर भी बहुमद मुहम्बर्ध काछक्तियाकी नियुक्तिका छंवकी करती है और भी काछक्तियाकी दिया पर्ये दस अर्थे समातके सिस्, और वार्सों कोर उठले हुए तकानमें स्थायकी बौकाको ले के बातेंकी उपकी

समजान स्पत्त किये गये विस्तातके बिए उन्हें बचाई देती है।

[संबेगी से]

इंडियन कोपिनियन १९-९-१९ ८

### १२ रविरोका मुक्तदमा"

[जोहानिसबर्ग सितम्बर १२, १९ ८ के प्रवे

बाव "वी" व्यानतमें वी एव एव वार्डनके शायने रविरी मानक एक वारतीयगर अस्वादी निवासके अमुमिरितम (परिमाः) की जविष श्रमाण होनके बाद और विकारिसों हारा वर्ष आनेकी विधाननी वी वार्मिक वादअूद वर्षनिवेशमें वर्ष रहनेके बारीयमें विभाग सिमान काला। स्था।

क्लोंने क्रयरेको निर्वीय बताया और की गांबीने प्रश्नकी परबी की :

र हिलाबर १ की बाय स्थाने योच मधान वास किये को थे। कमने से शंतरे और जीने मधानका भनुनीहत संवीकीने किया का, जीर खनान है, कमका मधानिया जो कमीने वो रोचल किया था। वाले, दूसरे और टीक्ट सहामोत्र किया देशिया परिशिव था।

र, बद्र प्रस्तान यय श्री कैसीने केन किया था। बी भी श्री- व्यातमे सहसा अञ्चापन चौर वर्णनी आमोद सुद्वानी द हैं बस्तात भीर योगीमीने सम्बेच किया था।

3 वह प्रकास इमार्टिम कुमारिकारे के किया ना । इसाम कब्बुक कारिए नसामीरने सकता कनुमीवन और एवं बीक बच्च एका प्रांतीकीर एक्सेंब किया ना ।

अ व्यक्तिया कोपिविकाके पर निस्तानर आवादित है। का रिपोर्ट कालने कहत की वर्ष थै।

नुपारिंदेंद्र में ची। चरनॉनने कहा कि मेन १५ सागतको मिस्प्तती वह सपिकार-पक्ष रिखानेंट तिए कहा जिसके बकार यह प्रीतपाई पंत्रीयक (प्रीतरहार क्रॉफ एगिपारियम्) द्वारा चेत्र अरावधे खेताचनो वी मानेके सावजूद पुग्तचानमें ठहुरा हुन्न है। पतने चत्राव दिया कि अनेक पान चीह मिस्सार्यक नहीं है किन्तु जसने जपनिचेताम च्हानेंटे निए एक और सर्वी वो है। निर्देश निनवरण सैने समिन्यवसको विरचार कर सिखा।

दिशीरिया शिवत पृथ्वियाई पंजीयक कार्यात्रयके [कर्मबारी] जैन्स कोजीने कहा कि है।
प्रार्थको पृणियाई पंजीयकन अधिपुरतको तीन गहीने तक दूरस्यातमें रहनेना एक अस्वायी
अनुनित्तव दिया था। जीनपुरतने ९ जूनको इतकी अवधि बहाई जानके तिए अर्जी वी भी
वज हारा २४ कर्नाईको आर्थोइन्स कर वी गई।

म्यायाचीय: बाएने उसे सबतक ठहरनेकी इश्रामत की भी?

महाह: उतन कुछ कारच बनाये थे कि यह वर्षी क्र्राना चाहता है। हमने उन कारचोंकी जीव की, और तथ किया कि अनुसतितत्र (वर्रावट) नहीं देना चाहिए।

या पारंत पत्रा आपको मानूब है कि अभिमुख्यक पिता जोद्दानिसमयेम है ? पनाड में निश्चित करते नहीं कह सकता।

[गवरमो ] मुसे पढा चना है कि बारका घटवा मनुवक्षितककी सबीध समस्य हानेपर राग्यसण्य चने मारे जानी जीतकावक संविधियन (इपिययन टिस्ट्रियन एका) के

भारत्व किर प्रयोग करतका था? रहिरी मवाहके करपरेंगे खडे हुए।

[मनियुरर :] हाँ किन्तु सीमान्यत्रा मुझे वहीं विरक्तार कर लिया गया।

समित्राने एक छोडा-सा बननाम बेनेसी अनुसरि सीपी किन्तु स्थायाचीमने बताया कि बक्ती नेती एक आसन्त सीन्य बढील कर रहे हैं।

[यांगांत्री ] इसने कोई अन्तर नहीं पहता।

भीर मनिवृत्त करियंकि कटचरेनें नानस बता नया।

चरकारी बजीनने कहा कि आनियुवनकी स्थिति ऐसी है भागी असामतने जसते नान दिनके भीतर बश्रीनवधने भागेके नियु यहां ही और उसने चेता करनेते दनकार कर सिना हो।

ंग्यायाचीमने अभिपृत्तको एक शासको सदत कंपको सबा है बी। [अप्रेमीन]

[HINIT

र्वेडियन मोपिनियम ११-०-१९ ८

# १३ मेटासकी सभाएँ

नेटालमें सार्वमिक समाएँ हो पही हैं। उनमें अस्ताव भी पास निये वा पहे हैं। सरकारको अन्तिमी मेनी कामेंथी। यह सब ठील हो पहा है। एसा करनेकी आवस्पकता है। किन्तु नटालके सारव्योगोंको यह साव रखना है कि उनमें जनतक अविशोध मुताबिक चलनेकी सारित मही है तबतक अविशो निर्चक हैं। हमें बीरे-बीरे सभी वसह ऐसा ही सनुभव हो रहा है।

हुमारी धनिय धालायह है, और नेटाक्यें उत्पावह यह है कि प्रत्येक प्रास्तीय निवा परवाना (बारवेंग्र) व्यापार करणेका निक्षय करें। यह तो हम बानते हैं कि नमें निवसकें (विक) पात नहीं होंने किन्यु वाश्वयक यह है कि पुराना कानून — १८९० का कानून — एक किया नारों। यदि मार्जीयों के कबून ही पतिक या नहीं हो जा नहीं होती कार्नि की नाहिए कि बहातक १८९७ के कानूनके बन्यांत [बचाधिक निर्माणिक विकट वर्षोच्च स्वायाकमार्थे] अपीक करनेका अभिकार नहीं दिया जाता पुराने परवानोंकी रखा नहीं की बाती और गिर्धामिट्यों पर से तोन-माँगों करों नहीं बृदाया जाता तबलक हम परवानोंकी विना व्यापार करनका

इसते बोनों अमं विक्ष होने हैं — स्वार्य भी और परमाव भी स्वाप इस प्रकार कि परवानेकी परेक्षानी खत्म हो वायेगी और परमाव इस प्रकार कि यरीन पिरानिटवॉगर से इस हट वायेगा और जनका हुवन नाशिय देगा। यदि भारतीय स्थान प्रतिका कर के कि बातक पिरानिटवॉक कर्य हुए नही होते तबकर बहु थी पुढ़ते नहीं देनेगा और कर्य दक्षानेथा ती इसका वर्ष बहुत पर्मीस होना। यदि भारतीय समाव सक्ने पनते एसा करे तो यह राज्य सिक्ष नानेके स्थान होगा। ऐसा करनेका वर्ष स्वायन समा वाया।

और सभी देस सकते हूँ कि ऐसा करनेके सिमा कोई रास्ता भी नहीं है। किन्तु मह पूछा वा सकता है कि सन कोन ऐसा कम करने और कह हमारी थीत होगी। ऐसा पूछना एकत होगा। यह बान करनेकों कीन आरममें थोड़े हैं। हुना करने हैं। हमस्य मुहस्मर पहले मृहस्में यह कर्माक्तरोंकों केकर जुमी। ऐसा मसीहके पत्नमें पहले का-मार व्यक्ति हो था। हैम्परतन अके हो बहान-कर देनेते सनकार किया था। उसके मनमें यह विचार भी न साथा कि कोन ऐसा करने या नहीं। क्योंच भी बैकताने सारी कोकसमाने हिला दिया था। माराके पिसामह सामाने पत्नाय साम प्रिमाकर यह कहनेकोंक बहुत है। योई कोम ने दिश्विस किया। उनकी मानाकर्ग सामान मिसाकर यह कहनेकोंक बहुत है। योई कोम ने दिश्विस

१ मेळक बरव जा-विकेशक (जेशक कारलेंकिंग विक); देखिर खल्क ८ वृष्ट २३+-३१ ।

यः, विद्वेता क्याना कृत्युः, ( वीक्तं क्यासीय देखः); देखिर कृत्य यः, एक १८४-८६ । १ वह व्यक्तिकः, निर्दानिका जातविर्देशः, विश्विती वर्गय तथा देतियः क्याना वारा वा ।

४ योगीले स्टार देनावना व्याम एक बादते श्रीक्य बिटिनोक कार्ने विचा है; विकेट कार्य ५, इस ४८८-८६ ।

५, देखिर सम्ब ८ १६ ८५की राष्ट्र-निगरी ।

राज्यमें क्या खासियों हैं। आण उनके रोपे हुए पृक्षके फसका रसास्वावन सारी भारतीय कनता कर रखी है। और कितने ही कोय उनसे भी आये आनेको पैयार हैं।

हम उचाहरमाँको प्यानमें रखते हुए नैटाकके भारतीयाँको अपने मनमें ऐसा कमनोर विचार न माने देना चाहिए कि सभी करेंगे तभी बात बनेगी प्रस्मृत उन सभी स्थापा रिजों और फेरीबालॉको जो साहध करें समय केनी चाहिए।

[पूजरातीय] इंडियन कोपिनियन १२--९--१९ ८

# १४ मेंसी या रोवन?

थी बाजर मुहम्मय थी पारणे क्लामबी बीर थी बांगक्षिमा में दीतों छण्डन देखकी बातिर जीन-दीन महीनेकी कैद भोग रहे हैं। उनके साब कम बारतीय भी हैं। दे पहे-सिखे केंग हैं। इसका जर्म कमा है। में पूर्व ऐसी घटना पत बनवरी मासके पहले हुई होती दो मारतीय समावमें रीए फैक बाता। उस समय दी बटना होती ही नहीं। कह समय का पमा है स्टक्टिए एसी बटना हुई है। किर भी यह बाब बाक्स है।

रन बीर बांडुरोंके त्यो अच्यों और समे-सम्बाधियोंके विषयमें अवदा स्वम उनको जिसमें मां क्य सेकने पढ़ रहे हैं उनके बारेमें सोचकर सनी भारतीयोंको रोना बायेमा सभी दुन्ती हैंपे। इस उनके समे-सम्बाधियोंके प्रति सहानुमृति प्रकट करते हैं।

िन्तु में पत्रबहु छोग बेक्को खातिर, बेक्को प्रतिष्ठाकी खातिर बेक गमे हैं और इंकोन्हेंबर्ड नमे हैं। यह बानकर तब पारतीय वर्गवर्में प्ररुप्तर हुँसेंगे। इस साहस्पर इन मारतीयोंको इनके सम्बन्धिको बीर भारतीय समाबको बचाई बेगी चाहिए।

इम हुँवे और रोवे बाएका बन्त हुमें इवनेवे ही न मान केना साहिए। जो मार्कीय बेनवे बाहर हूँ वनका कर्यव्य और भी कठोर होता बा खा हुए है। उनको बन्दी बेन्से मुक्त करान हमारे हावमें हैं। कोई परवाना (काइवेंघ) न के कोई मेंनुदेती मा कियी बीर उद्युक्ती निधानों न वे उत्या बनना होच्या बनाये रखे तो ताजबूत होते के हैं इन करा किया मार्कीय कार्य रखे तो ताजबूत होते के हैं इन इसमें ही खिड़ा कर विने आयें। भिन के कुट तो इसमें भारतीय बाविकी होतता है उसके उदाने ताक करेगी। हमें बावा है कि वास्तीय बीय इन बीरोक रीके पूर्ण-पूर्ण बीर कार्यों किया है करा होते।

[युवरातीस]

वैवियन मोपिनियन १२-९-१९ ८

# १५ अवालतको सलाम करें

पर हेन से बेबने खड़ान करने को नावत नहीं सबस राम बाहिर की है। उनके कारमें मनक पड़ी को कि उनकी वसाबवारों अबेड करते समय निक्री मारतीयरे खड़ान नहीं किया। स्वीमए उन्होंन कहा कि मारतीयों को को हुमेखा सम्म शिले बाते हैं नवावतके वसकेत ब्याक करना बाहिर। वहीं स्वावतके सम्मानमें जा दो पड़ा बबबा कुठे उठारते चाहिए या दरनाने ते नावर बाते समय सबाम करना बाहिए। निंद में वीगों में से कुछ नहीं करते हैं तो उन्हें पड़ा दा बायेगी। सर हेनरीने [नोबंबी] माडाका सनुवाद करनाकर समस्त उनस्वत मारतारों हो पुलवाया। हुएएक पारतीयको यह पेवाननी याद पड़ानी है। हर बगह ग्यामानसम प्रवेश करते हुए [ज्यावादीयको] सबस करने प्रवाद नियान करने है।

[गुजयवीसे]

इंडियन बोपिनियन १२-९-१९ ८

# १६ हमारा झूठ'

धर हैन्द्री बेलने बारतीय चूनके मानवेगों दो बाबोचना की है वह नवर-जन्मान करने सीम्म नहीं है। घर हैन्द्रिने कहा कि कुछ मारतीय काने सामवेको सबस खुँचताके किए सुठ नीक्टे हैं। इसियद बहुत बार खच्चे मुक्किको मी चक्का खुँचता है। यह बात करें तोक उद्यों है। यदि कीई भारतीय देवी बात कहकर बचना क्याब करे कि क्या गीर बरने मामजीमें देवा नहीं करते तो वह बचान ठीक नहीं माना चायेगा। बीरे बेरक कुठ बोक्टे हैं किन्दु स्वकिए इसे भी बीती ही बातत बातना बास्त्रफ नहीं देश की देन कि नहीं देवा विचार करने के बस्ते हम उचके दियान बीर कुछ नहीं कहीं यही निवार खोनांगा है। बस्ते बच्चा पत्ता तो यह है कि हम इस तरह करें कि हमें कियी वजीकता पर बचना बरासनाक बरवाना न बेबना एके ऐशा वर्षों नहीं है तकना कि भारतीचीरर कोई सीचानी मा जीजरारी मानवा बातनार्म हो। देश वर्षों नहीं है तकना कि भारतीचीरर कोई सीचानी

[पुत्ररातीये]

इंडियन मोदिनियन १२-९-१९ ८

१ के चिर बच्चा४ पृत्र ४९० नशासी।

र, बारतीरों क्षमा सुनै बनही देनेते क्रवरीका क्षेत्रक किर रेकिर क्षण ७ का ११ ।

# १७ प्रायनापत्र उपनिवेश-मात्रीको

जोज्ञानिसधर्य सिवस्थर १४-१९-८

[परमनाननीय उपनिवेश-सणी करतन]

> द्वान्सवास्त्रासी पठानों जीर पंजाविमें कि निम्न हस्तासरकर्ती प्रतिनिधियोंका प्रार्थनापन

नम निवेदन है कि

१ प्रसिवाई कानून संयोक्त समिनिया (प्रशिवादिक को समेंडमेंट ऐस्ट) के प्रसंसमें बीर प्राविदांकी उनके विकास प्रतिवासके कवावमें २६ माण १९ ८की दिये गये निम्नविविव उत्ताके सम्यासमें प्रावी महामहिस समाहकी सरकारचे सावरपूर्वक निवदन करते हैं

मुसे जो जावेश विया भया है जतके जनुसार आपको यह पुषित करनेका सम्मान प्राप्त हुना है कि जगनिवेश-मानीकी जापके १३ कनवरीके पक्षके साथ एशियाई पंजीयन सिंगियमके जन्मपंत जापको तथा अग्य कोगोंकी रिवतिके सम्बन्धित प्रार्थनाएन प्राप्त हो। पना है। जोई एकशियने प्रत्यसेष्ठ जोई सेवशीनेंसे जापको यह पुष्टित करनेका अनुरोध जिला है कि उन्होंने जापके प्रार्थनाथनको व्यानपूर्वक पहा है। किन्तु विशास करते कानुमके जन्मपंत पंजीयन-सम्मानी क्रियास केविक श्रीक है। सुए निरास्त्रको देखा है।

सर परको उतके सम्यन्त्रमें कोई कार्रवाई करणेकी आवस्यकता प्रतीत नहीं होती।

र विस प्रार्थनायनका उपर्युक्त कत्तर मेना नया है उसमें अधिवर्योंने इस प्रकार निवेदन किया का

सहानिद्विमके भारतीय चैनिक चैनिक प्रतिस्वाका खयान रखते हुए इस बयते वामित करते पंत्रीयन (रिकाइकेम) करवाकर अपनेको अवसानित सही करा तर है। बीर पाद महामहिनकी सरकार सम्बार्क दुगलबाक-चिनत आरलीय चैनिकाँको न्यापीयत स्वरहार दिला सकनेवें अवसन्तर्व हो तो के अनुत्वको क्यापें जीर पत्र विदिधा जात्तरीय चैनिकाँके नात्री आर्थे ह्याचान्त्र-रसाके सिद्ध अपने आभोकी बाओ क्याने जीर युवके क्यार तहनेवर गर्व है अनुरोग करते हैं कि कार्यें कारवास वा निफाससके अपमानते नवास जात्रे और के सुनी क्षाने करते हैं कि सम्बाद आरास वें सि कार्य सम्बद्ध स्वरहा स्वर्ध स्वर्ध स्वरह्म स्वरह्म हारा सोकीत प्रवास करते हमाने स्वरह्म हमारा सोकीत प्रवास करते हमाने स्वरह्म स

र नद में निर्देश्य प्रार्थनात्त्र स्त्रीतेष्ट्रों काता तथा तर और समान्त्र है कि रहका महान्द्रा गोरीजीने देशर दिया था । हेस्टिर कम्म ७ वस १८४८-४५ भी ।

<sup>3.</sup> Baufen effregun ber i

36

रिया जाये जहाँ चन्होंने सम्राट और जितिया शाम्राज्यकी सेवा करते हुए मौतियोंकी बीचार सेकी है।

- जैसा कि हालकी पटनाओंने साथित कर दिया है। जवाबमें विस निराकरणका उस्तेष किया गया है, वह असफल रहा है और वह सम्पूर्व भारतीय समाज कानूनको रद करनके किए महामहिम सम्रादकी सरकारके पास प्रतिवेदन भेज एका है क्योंकि ऐसा सभी भारतीयोंको बताया गया था कि समझीतेमें उसे एवं करनेकी बात सामिक है।
- ४ चुँकि पूरे मारवीय समाजको जिसका आपके प्राची प्रतिनिविश्व करते हैं समझौते पर सरिदरात या और कानन रह होनेकी अनिविध्यताके कारण वह बस्पवित उडिम्म या नीर चूँकि माराजीय तमानके मेराजोंने वेंतुकित्योंके नियान केटर पंत्रीयन (र्यावर्ट्सक) करानका विवास स्वीकार कर किया था इसीक्ष्य उन्न वर्गके कुछ कोमोंने निवका प्रतिनिधित्व व्यापके प्राची करते हैं यारीरिक हिलाना स्वाप्य केवर उन्न कामेंक प्रति व्यापना रोप विवास था। हालों कि रोप-अवस्त्रों के इस तरिकेका आपके पार्थी सवर्षन नहीं कर तकते किन्तु बाहिर है कि उन छोगोंका मन्देह बहुत उचित वा।

५ शापके प्रार्थियोंकी स्थिति संक्षेपमें इस प्रकार है

- (क) आपके प्रावियोंकी रायमें १९ ७ के परिवाह कानन संयोगन अविनियम २ (एशियाटिक को सर्वेडबेंट ऐक्ट मं २) की सम्पूर्व भावना उसके मन्तर्वत कानेबाक्षे किन्नी भी व्यक्तिके किए अपमानवनक है, विश्लेष रूपये उन सैनिकोंके बिए, जिन्हें महामहिम सम्राहको वर्षी पहनचेका बीरव मान्त है, बीर जिन्होंने मपने सम्राटके किए एक्त बहासा है।
  - (स) जापके प्राची इस चम्मीर सपनसे बैंचे इए हैं कि
    - (१) वे उपर्यक्त कामन स्थीकार नहीं करेंचे और उसे रह करवायेंचे
    - (२) आरतीय समावके सन्य सहस्य क्या करना परान्य करेंगे इसका समास्र किये बर्पर अपनी विनास्तके किए वैयुक्तिमंकि निवान कभी नहीं बेंचे।
- ६ आपके प्रार्थियोंने तत्काबीन पुलिस क्रियानर तना बन्य उन्नाधिकारियोंकी सुठाहको मानकर और यह कई वानेपर कि कानून पर कर दिया वानेवाका है, देवल बान्तिकी बादिर स्वेच्छमा पंजीयन करा क्यिं। इससे जाने जानेमें बापके प्रार्थी बसमर्थ है। उनकी राममें कोई अपूरपोचित क्या अपनाना और केवळ इसकिए कि वे स्पनिवेसमें एक सकें अपनान सकत करना सैनिक-वर्गते सर्ववा विवय आवरव शोधा।
- आपके प्राची यह निवेदन करनेका साहच करते हैं कि उनकी वहीं और उनके सेवा-प्रशासनक विदिश्व साम्राज्यके कियी जी प्राचनें बा-चा सकनेक किए प्रवीप्त पाएक समझे बाने चाडिए, और उन्होंसे उनकी पूरी विनाक्त होगी चाडिए।
- ८. बापके प्राची कानुनी वारीकियों और कानुनी तकींको नहीं समझते। उन्होंने परिवार्ड अवस्था निर्माण वर्षाया नार जाएं मान्य वर्षाया कर कार्य के कार्य के बाद के की वर्षाया के कार्य के क

५. सत्र आपके प्राची विनासतापूर्णक प्राचेना करते हैं कि दियं गय बचनके बनुसार एरियार्ग कानून रह कर दिया जाये और पंत्रीचन करानेंग या अपने किया प्राचेन उन्हें सामानित न किया जाय । किन्तु यदि महामादित बसाइकी स्वकार उन्हें एनी राहत दिवार्ग के सामानित हो तो है अपनी यह प्राचेना बुहरति हैं कि उन्हें पित्रण साधिकाके नियी एस समस्य इत्तर कार्यों के समस्य कार्या प्राचेना के स्वकार प्राचेनी के इक्त विभा नामे नहीं उन्होंने समाद नोर क्रिया सामान्य कार्य कार्यों करते हुए पोक्रियों की बोधार असी है। और आपने प्राची गर्दे प्राचेन स्वकार कार्यों के स्वाचेन प्राची प्य

जमादार भवाव की मुक्तम्बर गुरु मुक्तम्बर शाह भीर आजम खी नुरु अली

[बंदगीस] इंडियन बोपिनियन १९~९–१९ ८

# १८ वली मु॰ बगस तथा अन्य सोर्गोका मुक्तदमा

[प्रिगेरिया विकस्यर १५, १९०८]

इंडी १५ तारीज़ को नर्वभी वर्षी नृतृत्वस वयस इस्माइल खूपा एस वहलमदास और इस्माइल ईसरमी ब्राडिया मिडोरियामें मेजर विवसनकी जदालतमें येस हुए। उनपर सामान्य पंतारी-परवानेके किम स्थापार करने जीर इस तरह नयपके उपनिवसीका उत्तक्षम करणका स्वीत या। प्रिडीरिया नगरपालिकाको सोरसे जी वीदिवने और तकाई पत्नकी भोरसे भी मीडी तथा निज्योत्वस्थानन वरकी को।

सबसे पहले भी इस्माइक जुनाके मानकेकी मुनवाई हुई। भी गांवीने बहुत गुरू करनसे पहले सन्मादर प्राप्ति की वर्षोंकि उससे १९ व के सम्मादेश ५८ के बीर्य प्राप्ति की वर्षोंकि उससे १९ व के सम्मादेश ५८ के बीर्य प्राप्ति की वर्षों का निवास मानविक्त स्वाप्ति के स्वाप्ति प्राप्ति के स्वाप्ति प्राप्ति के स्वाप्ति के स्वप्ति के स

इसके बाद की बादी मुहत्यन बमलका की बिटिश भारतीय सीम (बिटिश संदिय समितिएएए) की दिव्हीयिया झावाके अध्यक्ष हैं मामका पेख हुआ। सी बतता अवता अवता "निर्देष" जताया। परचाना-अधिकारी औ दौसहकी पश्चिति बाद भी बादने देत जाताक बयान दिया कि उनके पास पूरे वर्षका सामान्य विकेत-परचार्या ना और उन्होंने विकेत परचानेका सुन्क भी वे दिया चा किन्तु नह इस कारक अवशिक्षा कर दिया गया हि चन्होंने में मुकेत निष्ठाम केनेते इनकार कर दिया। न्यायाचीकाने उन्हें भी चौ सबा वी सी व्यवदे विकड यो हुआरोंके किमलिकों वी अधियोग से। प्रत्येक मामकेवें सवा एवं ही ची। वे भी क्यो-अब्बी केन्न कोन्न गरी।

सर्वेची इस्माइक जाविवा और पूछ वस्कवदासपुर भी इसी तरह मुक्कमे वकस्ये गये प्रवक्ती भी तका भी भई और वे भी खेळ चले जये।

एक चौती व्यापारीको पुकार हुई किन्तु वह हाकिर नहीं हुवा और चूँकि वह समानतः पर वा स्तकिए उसकी समानतमें से एक पाँडकी रक्ता करत कर की गाँ।

[बंग्रेजीसे] प्रेडियन कोपिनियन १९-९-१९ ८

# १९ भोहानिसबगकी चिटठी

# ईस्तप नियाने इस्तीका के दिया और सार्वजनिक समार्थे उनकी सेवार्जेका जाता।

माना प्या । भी देखर नियांकी देशकाँकी कह भीय-विधे समय मुक्तिमा जनिक होती:
जन्दिन कठिन प्रसंकर जारवीय स्वासको कहानका नेतृत्व हानमें सिना था। उन्होंने सम्पन्नके महान महान महान मा। उन्होंने सम्पन्नके पर भीव स्वीका है। या। उन्होंने सम्पन्नके स्वासको स्वीका है। या। उन्होंने सम्पन्नके स्वीका स्वीका था। उन्होंने स्वासको स्वीका प्रस्ता वा। उन्होंने स्वासको स्वीका स्वीका उन्होंने स्वासको महान कुछ उन्होंने स्वास स्वासको स्वासको है। इंकिंग वा। उन्होंने वैद्या साह दिखाया और (इंकिंग) शारीय विधास प्रस्ता विधास कर दिया और। विधास स्वीका स्वीका स्वीका स्वासको स्वासको स्वीका स्वीक

- १ करफ शिक्से कारोग्य । २ वह बारोज गोपीओंने १४ सिजनसको क्षियांना भारतन विचा चौर १६ सिजनसको पूरा किया ।
- इ देखिए "प्रधान समें क्षेत्रक समाने पुर १९ :
- ४ डिजनर, १९ व के मरामधी; वेकिए क्षण ५, एक ४६४ । भ, १७ महेबो; वेकिए क्षण ८ क्षा १४३, १४९, १६१ और ६०५ ।

सनावको प्रतिका सुरक्षित रह सहती है। अब यो वण रहा है वह वड़ा महस्वपूर्व है उन्हें किये विना समावका काम चक्र महीं सहता और उसके क्षिप जबरदस्त समय करना बावस्पक है।

किन्तु ऐसे अवसरपर अहाबका मेतृत्व छोड़नीके लिए थी हैया मियोंको कोई दोप नहीं दे सकता। मयजित मदरसा तथा सरकारके विवस सप्त इन दोन वहें कामिके लिए उन्होंने तीन बार हवकी यात्रा छोड़ी। अब उन्हें जानेका हुक है। वो हुछ यी हैसर मियोंने किया है, वैसा ही यदि क्या भारतीय अस्पत भी कर विचार्य तो समावकी जीठ निरिचन है।

## भइमङ् मुहम्मङ् काछसिपा

छनी ऐसी आसा अनाये हुए हैं कि समानको मैंसे भी ईस्त नियाँ मिले में मेंसे ही यो फालबिया मिले हा। भी कालबियाला इराला लम्पसन्यर स्पीकार करनका मा नहीं। नेहा ना सकरा है कि उनको यह पर बनरदस्ती दिया गया है। मने सो देना कि सबका नहीं दिनार मा कि भी कालबिया ही भी ईस्त नियंकी चयह लें।

सी काश्रीक्या लेश हो लाये हैं। जुलाई ११ १९ ७ को कहे पये उनके उन्होंकी सेकार कर लो मेरे कालीमें लूंबती पहुंची है। उन्होंने कहा था में लेश वार्टमा मेरा दिए प्रके उतार किया लावे केकिन में बूरी कान्यन के प्रकार नहीं करना। उन्होंने लेने उतार किया है। वे जेश तो हो ही बाये हैं काम करने के निए मी हमेशा चैपार एदते हैं। कोश्रीम भी ने बहुत है। उन्होंने वैदेनी हाति सहनमें कोई कमा नहीं केंगा है। वे जुला है। उन्होंने वैदेनी हाति सहनमें कोई कमा नहीं की। इस प्रकार यो काश्रीक्याने जनक बुझ सकुनोंमें बम्मस-पद पासा है।

िन्तु माध्यीय जलवान अब जी जीपय पूछानमें हा है। [जूकानथे] बीच धमुक्रमें विजना गठरा होगा है किनारेपर पहुँचने अस्य उससे हमेशा प्याय होता है। असीत् रास्ता यद्यपि मोगा ही काटना है किर भी काम बहुत बांकी है। धम्म है हमारे बलावी पम पह है। ये जीवनवने जमरीका जा पहुँचनका चन्हा सामा उसी हमारे बलावी पम पित्रोह कर दिया। किन्तु बतडी हिम्मक्षेत्र जामे वे पुना जान्य पह नये बीर अमरीका महादीय उसके हैंग असा। ऐवा ही हाक माध्यीय अस्यानको है। किनारा पास बा नवा है, किन्तु बद्दानें ये रही है। उनते योगमें म वस्थानको से वाला किसी धिन्तााची करवानका काम है। मै साथा करवा है कि भी काइकिया नेती धनित्र विकारों में

कम्मराजा वर्षे होगा है समावका सबसे बेट्ट व्यक्ति । उसके गृणीय ही समावके पूर्वी वर्षावा करावा जायेगा। किर विदे वह प्रमुख समावकी कार्ममें मान के रहा है वह तो उसके में मान के रहा है वह तो उसके में मान के रहा है वह तो उसके में मान के रहा हो वह तो उसके में मान के स्वाध्य कर के मान के स्वाध्य कर के मान के म

म तो पुरा — देशर — ने सीवता हूँ कि वह यी कावलियाको व गमान मूर्ण / में वारे वारतीय समावको ऐसी ही प्रार्थमा करनेको तकाह देता हैं।

#### कुछ पुरानी सावरें

मिनिक कामके कारन कुछ सबरें देनेको यह गई है। सपने कामन उत्तरते हुए भो सामने बा उदी हैं उन्हें यहाँ वे उदा हैं।

भी इस्माइल मुखा जीन तथा भी इसप मामव कानमवानाको हाइडेक्कममें जुमीना हुमा और मगर वे जुर्मीता न वें तो उनका साम वेचलेकी बात थी। भी जीगत जुर्माता वे दिया है। श्री ईसप जामक्ते नहीं विया । उन्होंने धरकारस कह विया है कि यदि माल वेचना

हो वो नेप दिया जाये। समोतक उनका मास नेपा नहीं यमा है।

वेरीनिर्गिगमें बिस तरह सी पटेकका माल बेचा गया उसी तरह भी इबाहीम इस्माइकका माम भी बेचा गया है। उनके मालका भी अधिकांच माग बच दिया गया। ऐसा मन्त्रेर है। एक चयह कोई परवाह नहीं करता वीर इसरी वयह माछ वेच दिया जाता है। बन्बर नगरी भीवट राजा-जैसी बात है।

# कुगचेंबॉर्पेके मारतीय

मृग्रवेडों का मुक्तमा विभाज हो या है। मुक्तमा युक्तमारकी हुवा था। वी कावी तथा सी पोडीरका मुक्तमा यमान्त होनेके बाद सरकारी वकीककी हिम्मत हुपरे मुक्तमे कनानकी नहीं हुई इसमिए उसने अन्हें बापस के किया। यो काबी तथा भी पांडोरके मुक्यमं दी मंटे चने । उन रोनोंके बमान शुन चुकनेके बाद त्यावाचीयने कहा कि मुक्तिमें सम नहीं है और भी कानी प्रचा थी पोबोर निरूप्तम हैं। भी काचीने बचनी गणाही बंधेजीमें बी। मुक्तमा समान्य होनके बाद थी छोटामांकि यहाँ समा थी गई। उसमें भी पांचीने बंधरीके विश्वमें समप्ताया। उन्होंने कहा अब सब माध्यीय प्रक्रमत ही बचे हैं। भी बादकानीने भी पांचीको दानत दी। उस समय अवसय २५ भारतीय पंतरमें सम्मिक्ति हए।

# कॉक्स और सामग

पुरमारको जिल सबस सार्वजनिक सना समाप्त हो पहि यो तमी समापार मिका कि बाहर कुछ टंटा हो पहा है। उसपर भी पोलक नहीं दौड़े गये। भी जगहून ननी मी सम । देनवे नगा है कि लाडियोंको आर तथा परधरोंकी वर्षों हो रखी है। उन्होंने वसा अस्य माहर्गने बोध-बनाव किया इसकिए जोगोंको ज्यारा चौट नही बाई। अनगाने भी शोकक ज्यारा पिट जाते फिल्यु को मोरावजी तथा था गीमावा दग वे पारमी नाहसने चौटोंको बरम ऊपर सेक किया। बी सोरावजी तथा था गीमावा दग वे पारमी नाहसने चौटोंको बरम ऊपर सेक किया। बी सोरावजीकी बरंग वच गई, फिल्यु कपालपर गकर चाट बाई है। दी कॉक्सी बाइयोंकी भी सानी बोट सबी है। यो कानमियोंको भी बोडी बॉट सबी है। यो पापकरे पहुँचेपर सामनी चोट बाई है। समझा केवल गीववागोंके बीच मामली-सी बात पर हमा पा उत्तका रूप दलना बड़ा हो गया।

#### समझीवा

किरने दौतों समाजेंकि नेतालेंकि दौच संवर्णना हा जाये यस प्रदूरमन रविवारको भी हाजो इरोबके घर नशाजोंको बैठक को गई। भी याचीन बैठकको जन्मधता की बी।

१ चरान्त्रोत्र द्वासदी राजीन बरानेशी । य धेक्ट " नोहान्तिस्मेंबी निही" वह १६ १

<sup>)</sup> स्त्र संपद्धी रिपोर्ट क्वान्य नहीं है।

भी हानी हवांव भी मौनवी साहब भी काछनिया थी बण्डून गरी थी भाईनी भी सहन बुरीन इस्तारिके मायन हुए और दानों समाजीके प्रतिनिधियान नीचे दिसे एव दस्तावेत्रपर दस्तपत किये।

#### इस्तावेश<sup>9</sup>

हम कोंडमी तथा कालिया कोमक नेतायण जुराको साधी रखकर किसाते हैं कि इन वानों कोनींट नीजवानींक बोल तकरार होनेका हमें बुध है और हम एर-पूनरेंसे माफी मीपते हैं और साफी चाहते हैं। हम काली-अपनी कीमक नीजवानींका समझानकी निम्मेलारी को है और उनके [कावींक] किए अपनको ज्ञारवामी मानत ह। हम जुड़ें स्थाह देने हैं कि सबि उनका कोई सपमान हो आसे तो ने हमें पावर में किन्तु एक-पूनरेंसे महें नहीं।

में इस सन्तारेकको बहुत यहस्वपूर्ण मानता हूँ। यदि नेतागण इन प्रकार काने नतस्वको पनया हूँ तो करनमें किसीका मन्य होता हो चाहिए। तदबाँकी बोना इस यानमें है कि व नवामों के लीका पासन करनके लिए लड़ाई-सचड़ा विस्कृत बन्द कर हैं। यदि पठाण कौंकपी सीर निर्मित्र सानेको बड़ा बहादूर मानते हैं ता उन्हें करनी यदिक्य उपयोग कींकपी एता करनेने करना चाहिए। नेताबाँको याद एकता चाहिए कि करफा वस्तोक सुदाको सामी एरकर किया यया है और इस्तिए कनपर बहुत वक्यरस्व विम्पेसारी है। जवानोंकी हमेगा स्थान एरना चाहिए कि वे विक्रहुक न लग्ने। में आया करता हूँ कि कानियम कोंचिमारी विकर्त हुए पहले समाम करेंगे और कौंकणी कानियाँवि विकर्त हुए बैसा ही करेंसे। बैठफ स्थान हरिके बाद थी हाजी हवीको सभी सम्बन्धांका वाय-विक्रुटेस सरनार दिमा तथा भी उत्सान सहस्यने मुक्टूस सम्माम्यत शीत सुनाये।

#### धार्वक्रमिक सभा

#### भर्मी ईसप

भी अनी दैनापर सात्र मुक्तमा चना। उत्तर पंत्रीयन रिबस्ट्रान न कार्यना सारीय समाचा गया था। इन मुक्तमेमें श्री बोचक हाजिर में । श्री अनी दैनाको शान निजमें देश फेरनकी दिशामत श्री गर्द है।

रे रत स्थारेक्स १६ इकिस्टेर खंदों की भी भीर स्थोद ४ नवल में जिससे बढ़ यांपीजी बीचे ३ १८ सेवर र मोर्सन्तर्वाही विद्वीरण इस १६ ।

# मसनीमाई पटेस

थीं परेत एकशरको सुरतेशते में इससिए बहुत-में स्पन्ति उन्हें तेतने सिए मेत तक गरे। किन्तु तथा मानुस हुआ कि भी पणका देशा बाहर निकास जायगा। करों जरा स्टेंगनन के जाया गरा भीर वे सनिवास्को चार्ल्यटाउन पहुँचे। कुछ भारताम उनसे सिमनके तिर् अमिस्टन गर्व थ । या पटसकी सवायत अच्छा है और उनका साहस बरकरार है। वे यादा हर अविभी बारम प्रदेश करेंग लगा और जो कटा भीवना प्रदेशा जरे भावेंगे। उनके माम पनिसदा बरताव ठीक चरा।

#### शोरावजी छापरकी

थी माराबजी पापरजी यहाँसे बढ़त साहमके साब बाज संवेरिकी वाहांसे जेल घोरनके निर फोरवरम्त गर है। उन्होंने सार्वजनिक समामें ही बना दिया था कि चाहे जितनी सजा क्यों कही के कानके किए नैयार हैं। उन्हें दुव्य देवना ही रहा कि संपन उन्हें उनका हुक होनरर मानराके नरीन पहुँच वेक कही जान दिया। भी काश्रक्तिया औं अस्ताउ भी स्वास मी पीउम और बीतनमी भी नायह भी गांची बादि उनकी बिहाईंगे समय उपस्थित थ।

मा इवार्ताम उत्मान राजगारको यहाँ था गय । थो शास्त्रीतवा इरवादि उन्हें छैने गय ये। वे थांकाछलियाचे नेप्रमान है।

#### नटासके केरी

भी बाउद मृत्रसद तथा जा अस्य नेतानण जनने इ वे हद कर रहे हैं। सरनार उनकी पूर्ण कनीरी करता चाहरी है जनन खबन महत्त्र लेशे है उन्हें राश्मीरर परवर ताहर है लिए बाहर निकासती है। वे इन कामका भी उल्लासन करते हैं। उनका यस सरसा है कि चराक निर्मय मही होता तरतक व जनमें बहुतर सारे करन बरावन । पर गरन महत्त्वसा बाम दिया बाता है रिक्तू उसम में बुनो नहीं हैं। यह सब इब मापेंग तमा हममें बान्तविक बारवता बारेवा । मिराई।का बाम मारे कच्ट उठाना है । मन्यावटक निराह के दिए छ। यहा पाठ है यहा या है। नम्बा लयन हो ता परबर ताइना भी नमकर बन जाता है।

#### हरनामसीक्ष्र चय

थी बरावजीने नजा विताके बाट निम्तनिधित पर भजा है

भावत्य भागभारतिसँको नीत-तात वर्धातेको समा हर्द है। इसन हम बहत नम है। मुद्रको जिल्ला चैनाइने। काई जिली भी नरत न प्रचाप। यदि लाग हमारे करिए राजाकी कह करना चारत ही ना सार्वजनिक नवामें करिए कि गुनी मार्द बार्ल कीम इवन्द्रा नहें।

# सठ महा क्षे छुटे।

इत्यद्भ भारतीयश जनमें यह प्रश्न बगा हुता है। अशब नाम है

- (१) [नरहात (नाइमेंन) हा तर मी] कोई परशादन स्थातान स करे।
   (२) परशात स िया जार।
- (1) बरनर दिनी ही तुग्ग देव-वादा की जाते।

- (Y) नटाकके जिल भारतीयोंका [इस उपिनिवेसमें बसनेका] हक हम मानते हैं वे नेटाकमें गाविक हों।
- (५) शक्तिह होर्नवाक भारतीय भैगूठके निधान कवापि न वें।

(६) मान बेचा चाये तो उसकी परवाह न करें।

#### मानापमानपा सनास

देवता हूँ जो सोग हमारी सड़ाईमें घामिल होतके विचारते ट्रास्त्रमाम प्रमेष करते हैं उनने म कियो निर्माहे मनने महत्र मानाप्रमामण विचार रह जाता है। यह सम्बद्ध मानाप्रमान विचार रह जाता है। यह सम्बद्ध मानाप्रमान विचार रह जाता है। यह सम्बद्ध मानाप्रमान विचार का स्वाद्ध स्ववको हिंदाना सामें । बादर-धराका समय नहीं है। यो सा कर रहे हैं उनके पास सक्तार्थ महीं है। यो साराव्या साथ। उन्ह जिदना पान दिया बाता कम मा। किंदु कियोलो समझाक नहीं था। हमारे बीच सब जोल जाना एक सावार्य सात हो महैं है। यो से देव के स्वाद्ध मानाप्रमान किया बाता हो महैं है। यो से देव के स्वाद्ध मानाप्रमान किया बाता हो महैं है। यो से देव किया यह एसा ही कठिन प्रसंग है सीर यदि एसा ही का उना जा मी कोई हमें नहीं है।

हम एक्के अपना अच्छ आरमोको सान वेते हैं। यदि वेका लागे तो नास्तवमें हमनें धनावको नाई-नहुत होनता हो है, क्योंकि इचका सत्कव है हममें अच्छ और एक्के बादमी स्तिने कम है कि हम उनका कुम-बामते स्वामत करते हैं। जिन बस्तुवाँकी कमी होती है, उनका नाम बहुता है। यदि ऐसा अवस्य साथे कि समावमें सभी अच्छे हो लागे तो फिर मछे ही किन्दों असिकको सान न विया जाये वह समाव संसारमें तो सान पायेगा हो। बांच के फिर्मी सामस्येवम बावनीपर करहू हो बाते हैं। इक्के वो वर्ष हैं—एक तो यह कि उनमें वाराविक सामस्येको कमी हो गई है बुसरा यह कि के लोग स्वरीर-वक्को बहुत सहस्व देते हैं।

इसिक्य हमारा कर्म तो यह है कि सभी मारतीय अच्छे सस्यवादी चैन्यान और स्वदेशा नियानी देस-देवक बनें। बदि ऐसा ही गया तो सामाप्यानका प्रस्त नहीं बचेता। मेरी क्सिने कीनद नहीं की ऐसा नियार ती भनमें नहीं बादगा। कीमत तो इसीमें है कि विस्त समय बो-कुछ पिके और जनतके रचयिताको बो-कुछ देना बने उसीमें सम्तोध मानकर सरक्रमीनें दिन प्रवारे आयें।

गंगकवार [सिस्टम्बर १५, १९ ८]

#### गक्रतप्रद्रमी

भी मृत्रभार बाँड भी गांधीके कार्याक्ष्मक बागके कारण कुछ कोग ऐसा समझ खूं है कि के तिमुक्त सार्वक्षिक कार्यक पीछे हुट गया। ऐसा समझना ठीक मही है। में गृह्मभार रानि मर्देशिक कार्यक भी स्थानक वार्यक मी गृह्मभार रानि मर्देशिक कार्यक भी स्थानक वार्यक कार्यक मान्यक पार्वक पार्वक पार्वक कार्यक का

र देखिर "मोदानिन्तर्गदी विद्री वृक्ष १६ ।

Y1

## भगितिकी कैतक

ब्रिटिच मारतीय संव (ब्रिटिस इंडियन अधीसियुसन) की समितिकी बैठक बुवबार तारील ९ को हुई । उसमें भी इंसप निर्माणी गैरहाचिरीमें भी इश्राहीन कुवादिवाने अध्यक्षता को। इसार संसुक्त कादिर बावबीर, यो फैंची श्री करोड़िया श्री उत्तरणी यो क्रकीएस सी वी बी महाराव वाधि हाशिर वे। चूँकि भी गोचीने कार्याकरक काम कारण वन्त्र कर दिया है और भी पोलक पूरी तरह सार्वजनिक कामने मून हुए है, इसलिए क्रास्ट्रेस चनका [औ पोलकका] सर्व तथा कार्याक्ष्मक किराया संबने स्थन करर क्रेनेका निजय किया के।' ऐसा करमें से टाइपिस्ट काविके कर्षके बकावा फिक्काक संबका कर्ष प्रति मास ३५ पौड बह प्रमा है। भी गांबीका सारा निजी क्षर्य भी कैनेनबैक उठाते हैं। वे रहते भी उन्होंके साय है।

### भवनद वंसप दासव

कुछ मुद्रीन पहुंचे भी सहसद ऐसप बाउदपर विना परवाने (काइसेंस) के फेटी लगानेका हुए से हालिए मिलटुंटमें उनकी बमानत एवं कर थी। बावर्से भी बहुमद सा एड्रीके किन्तु हुए से हालिए मिलटुंटमें उनकी बमानत एवं कर थी। बावर्से भी बहुमद सा एड्रीके किन्तु मुजस्टेटने मुक्तिर न होतेके कारण जमानतके अपने हुक्ममें छेरकार नही किया। इसिसए भागपुरुष भागपर ए पुरान जारा नागायण नाग हुगान करकार नाथ (क्या ) हासाथ स्टर्सी बनरकड़ों दरस्थारत दो गई। उन्होंने समानत वायक करनेका हुग्त किया बौर सुकदाता सकानकी साक्षा दे दो। सनिवार (सरीका १२) को मुकदाय चला कियु यो नोसरे यह कदुकर मुकदमा बारिक कर दिया कि थी सहस्य दो दिना परवानेके फेटी करके थे। मक्दमा परवाना न दिखानेकै बारेमें वा इसकिए वह बापू नहीं होता। इस मुकरमेर्ने कोई भुकरमा परमाना न स्थानक मारण ना परान्य नव काडू गृहा होता हुए गुरुरान काडू सार नहीं है। रेक्नको नात इतनो ही है कि भी मुहम्मर दायद जेक पाना चाहते है। सन्दोंने अस्त मानके सिंग कररको कोणिया की किन्दु तया नहीं विकी।

### पिटोरिपाके शुकरमे

मगरपाणिकाने प्रिटारियाके प्रमुख भी वजी मुहम्मद बबर भी इस्माइन जाडिया भी इस्माइन जुमा भी लालबाह बल्लभदास उर्क नेगक्याई पटेल स्वय पुरू चीनीपर दिना परवाना पतारी (बीहर) का व्यापार करनेकी बावत मुकबमा चलाया है। उनके मुकस्मे आज है। इसके किए भी गांबी प्रिटारिया यथे हैं। इनमें के कहिक पास पूरे वर्षके लिए सामान्य विकेता परवाता है, किन्तु नगरपासिका बसके विवा पंचारीके कारीवारका परवाना मौनती है। पिकले छ मुहीमारि सामान्य विकता परवाना ती इनमें से कईके पास वे किन्तु अब वे बेंगुटेकी ।पक्त ७ सहागार रामान्य राज्या राज्या राज्या राज्या करण करण पार्च पार्च वा व बावुरुहा छाप देनसे इमझार करते हैं और इसीकिए उन्होंन परवाने नहीं सियं। इसमें बचाव-प्रक्री सीरसं दन्नील सह दो जानवाती है कि नगरपालिकाको पंसारीका परवाना सौगनका इक ही मही है। नपरगासिकाको बुसरे प्रकारका परवाना साँगमेका हक 🐔 किन्यु फिलहास वह उनके

र विकास बेडको या विश्वसर विश्वास्तिको स्थापित गर दिया गया था। विकार व मोदानिकार्यकी विद्वीत सम्बद्धाः स्थापः क्रिकेट विकास स्थितः स्थापः

अस्य कीर्ज कालेला ।

निवसोंनें नहीं है। यदि यह बक्तील ठीक हो तो मुकबना स्वारित हो नाना चाहिए। सी नकी मुहस्मद बगतके ठगर दो तस्मन्त हैं नगींकि उनकी यो हुकानें हैं।

बुधबार [सिवन्बर १६ १९ ८]

प्रिटोरियाके मार्खायांका मुक्तमा सेवर विस्तुतके सामने हुआ। भी मांत्री समा मी किया मी किया स्वरंग्याक वर्गास्थत से। बिस स्वीकका कर र कि कर पूका हूँ वह येस को महै। स्वरंग स्वीका कर र कि कर पूका हूँ वह येस को महै। स्विक्त स्वांगित महित विसा कि मार्ग्यामकाको पंतारीका परवार्गी प्रीस्त कार्यों मार्ग्यामका हुक है। पहले भी हस्मास्क मुम्मका मुक्तमा हुका। पूर्णि वर्गुल स्वीक पर के या चुकी भी हर्वाध्य स्विक्त का मार्ग्य पर प्रमा। नगर परिकास को बहुत बोरदार नहीं या इतिकर मार्ग्यमंत्री सोरदे स्वाही मही सो नहीं परिकास व्यावार्थीको पांच विस्तिय पूर्मामा स्ववा तीन दिनकी स्वक्त केशको सता है। सी स्वाहमको से एक केशको सता मी स्वाहमको से एक केशको सता मी स्वाहमको से प्रमाणका परिकास केशको सता मार्ग्यमको सार्ग्य सार्थी मार्ग्य पर केशको सार्ग्य सार्थी मार्ग्य स्वाहमको से प्रमाणका परिकास है। सार्गिको मार्ग्य स्वाहम सार्ग्य स्वाहम स्वाहमको स्वाहम सार्ग्य स्वाहम सार्ग्य स्वाहम सार्ग्य स्वाहम सार्ग्य स्वाहम सार्ग्य स्वाहम सार्ग्य सार

यद्यपि उन्तर एकानीको सेककी एका हो गई है, फिर भी को बसीस दी गई मी उसके विपस्त करील करनेको कार कर खी हैं क्योंकि उसके से कुछ कायदा निक्कमको एकामानत हैं। सिर पंसरीका परवाना लेना निक्क्य हो हो वो दश मकार कुछ एमम एक छोग उस परवान एकाना लेना निक्क्य हो हो वो दश मकार कुछ एमम एक छोग उस परवान है। इस के ही। यदि ऐसा हो सका वो दो कार निक्क्यों। हम जेन भी बा एकों मीर फिलहान कान्नका दिया हुना एक बहाना हमारे हान जो जायेगा। भी बकी मूहस्म प्रिटोरियामें वस्मक हो। इसकिए प्रवाप एको वामानकी ही बेककी एका निक्क्य हो हो कि सम्बार के सब गयं। में भी बकी मूहस्मय बीर एकी महास्मा करा नहीं है कि सम्बार कार गया हमार कार कि हो।

पाठकोंको साथ होगा कि भी इस्साइक जुमा बदतक यो बार जेक जा चुके हैं। यह यो समी-समीची बात है कि भी आदियाको एक पीडका जुमीना हुवा चा मीर उनका साक्ष गीलाम दिसा समा बा।

ु बब्दी बात यह है कि तबत परम्मागण तो लेक गये किन्तु पाम्मन्त निरुक्तने हैं हुछ स्वयं मारतीय हर गये। उन्हें माक्की शीकागीका वर हुआ इपिन्छ उन्होंने अंदुर्क्ती निपानी देशर तत्काल पदमाने के किने। कहा जाता है कि ऐते र क्षेण है। ऐती परमाम्बर्धि ही स्वयं क्षेत्र हो। विद्यान है। यदि सभी भारतीय हिम्मत रखें तो हम बीन है। विद्यानि मारतीय हिम्मत रखें तो हम बीन है। है। विद्यानि मेराक्षेत्र क्ष्माणारियोकि क्षमामके किए यह इसमें बच्च कराजी बात वसी तब बहुतीने हुकानें बच्च नहीं की। यह मानाके किए यह इसमें बच्च कराजी बात बसी तब बहुतीने हुकानें बच्च नहीं की। यह मानाके स्वर्ण कराजी बात की। तब बहुतीने हुकानें बच्च नहीं की। यह सामाने स्वर्ण कराजी बात हुती है। स्वर्ण वृद्ध हुन हुए बारोगा। बच्च बारतीय की। से स्तर्ण कर्म मानाके सोन येक

र रमन्त्र फिन कोरोकि बाग कियांके गते ने बढ़ नार प्रकर्म राज नहीं है।

.,

गमें तब कुछ भारतीयाँसे एक दिनके किए भी व्यापार बन्द करते नहीं बना । कहा वा सकता है कि अमी हम छोगोंको बहत-कछ शीवाना है।

कर्गर्सडौँ में दो मदासा थी संगरन और आइकट दोवी विना परवाना काम करनेके अपरायम एकड़े गये थे। जनपर मुक्तवश चन्ना। स्थायाधीसने उन्हें एक पाँड जुर्माना अवसा दीन दिनको जनकी सना थी। उन्होंने जेन जाना कबूस किया। उनकी शरफ़से पैरकी करनके बिर कोई भी कहा पती हमा था। वे सपनी हक्कासे ही बोस करे गर्जे।

### **इक्षाचीम सरमान**

[भी इहाहीम सस्मान] पीट रिटीफ यसे हैं आहाँ उनकी दुकान है। यदि काई सन्हें गिरपतार करे. तो वे विश्वनाशीके किए चैवार है।

### मेराबके केरियोंका सन्देश

की भोजक मंदकशरको की शाउध मुहम्मद कादिसे मिले ने। ने सब मजेमें है। भी बाउद महत्त्रमं तथा क्रत्यमंत्रीके बदनपर बान गोम्य कपड़े पक्रमें न होनके कारण उनके किए कास करडे तैयार किये जा रहे है। बाकी कोगोंको काम सीप दिया गया है। समीमें बहुत सरसाड और साहस है। वे बाबा करते हैं कि हम बाहुरवाले कोन बराबर काम करते छते।

[ नुबरातीसे ]

इंडियन ओपिनियन १९-९-१९ ८

## २० भेंट रायटरको

जोडानिसवर्व विवस्तर १६ १९ ८

बाज रायटरके एक प्रक्षितियते थी पांचीते मेंड की। वी पांचीते प्रचते कहा कि बार तीय एक ऐता प्रवाही कानुन स्वीकार करनेके लिए तैयार है जितमें किसी गरीपीय नावाने शिला-परीकाकी व्यवस्था हो। यह परीका कितनी कड़ी ही इसका निर्णय वे कनश्ल स्प्रदसकी नर्जीवर छोड़ देवेको सँथाए हैं। वरन्तु जब एक बार कोई जारतीय प्रपतिवेशमें बा बार्वे तब प्रसे कानुनी समानता मिलनी चाहिए। इतका अर्थे है कि १९ ७ का कानुन पर किया जाता चाहिए । थी पांचीने कहा कि जारतीन इस बातसे हनकार करते हैं कि वे जिलाके स्टब्स्वमें कीई नवा नहा बढ़ा रहे हैं।

[बंदेबीसे ]

इंडिया, २५-९-१९ ८

# २१ पत्र सेल-निवेशकको

[भाहामिसमग] सितम्बर १७ १९ ८

चेत-निवेशक प्रिटोरिया

महोदय

आपका इस सहीलेकी १६ तारीवका हपान्यन सक्या ६६७ मिछा। मेरे संबक्ते इस शतका अस्पत्त बोद है कि उसने जो मुद्दा उठाया है वह अमीतक पक्त समझा जा रहा है।

मेरा यह जानता है और स्वीकार करता है कि स्वास्त्यकी वृध्यि मक्कीका प्रवेच प्रीय्वक बाह्यर है कि लाहर विकंध मुद्दे करता है कि बाहर निकंध संवेच तो यह पूढ़ा उठाया है कि बाहर निकंध संवेच प्राया विकास के बाहर्जेक कान्यक पही है। सक्कीका विकास भारती मेंका राष्ट्रीय मोदान नहीं है। निचलेड बाहर्जे कान्यक विविद्य है कि स्वाहर नहीं है। निचलेड वृद्धिक उपयुक्त है उनाएं वैदियों उपयुक्त स्वीवद्यों में बातों है। रीटी निक्ष्य ही स्वास्त्यकी वृद्धिक प्रयास करता नहीं है। बाद स्वास्त्यकी क्षित्यों की सक्की वैद्युक्त स्वास करता नहीं है। बाद स्वीवद्या ही स्वास्त्यकी वृद्धिक वज्यक्त है कि वजी वैदियों की सक्की वैद्युक्त के बाद स्वास करता नहीं है। बाद स्वास्त्यकी वृद्धिक उपयुक्त है कि यो सिमितिन जो बातकारों उक्की स्वास करता नहीं होगी उत्तरे सावारण्य, पारतीय विद्युक्त होत्यक्ति हो प्रवास कारता सावारण्य स्वास क्षातिक स्वास क्षातिक स्वास स्वास कारता स्वास कारता स्वास कारता स्वास कारता स्वास कारता स्वास कारता स्वास स

यरि मारतीय बीक्योंकी जोजन-ताकिकाके विकास व्यवक विकासत नहीं की यहै, यो इंद्रका कारन यह है कि बही भारतीय ननी नहत कर खेहें। किन्तु इस समर सिकायत करता केवल स्वक्तिय हैं। उचित नहीं है कि द्वार्थवक्ती थेकें भारतीयीत भरी हुई है बीक्ट हरिए यो उचित है कि करतुत ये भारतीय अपराध नहीं है बीर मेरे नवके विचारमें दक्षिय बारिकाके मारतीय समावती उच्चतुत येशाके कोग है।

यदि मेरे संबक्त बार-बार क्रिये गये निवेशनीयर व्यान नहीं दिया गया है तो इससे बारतीय समाय केशन सहि निकार निवास खरता है कि मेरे संबक्ते तरिका सम्बंत राजना राजनीतिक कारमित कुतानी लाती है, और इसका उद्देश मारतीय समायको मुखा रसकर एक एसा बानुन स्वीकार करनेके सिए स्ववहुर करना है जी उसे मारावल है।

१ केम्पिसिंस्स बारोस्टर चोड विकला। वर तथा १८ मीर १५ किस्पारों केम्पिसिंस्स्यों क्लि री क्ला १६ १६ मीर १८ किम्पारों कारिकेस स्थितक बाग किसे ही कार्विक तम इंडियन बोरितियकों स्थानित कि को थे। बोर्निस पा, "क्ला नारतीय गुर्वी मास्त्रर हास्त्रे वर्षिये केम्ब्री मोक्स्टाव्यिकों स्थिते वर्षि"।

### समुजै वांची नाकमन

इसकिए में यह भाषा करनेकी पुष्टवा करता हूँ कि आप कृपया मांगी गई राहत रेकर इस प्रकारके कियी भी सम्बेहको हुए कर वेंगे।

> नापका माजाकारी सेवक स्व. मू. कास्त्रिया नम्पस विदेश पारतीय संव

[जंग्रेजीसे] इंडियन जोरिनियन ३—१०—१९ ८

२२ यम 'स्टार'को'

्वीद्वानिसवर्ग सिसम्बर १७ १९ ८

वेवाम सम्मादक 'स्टार' महीदव

कराजिय भार मुझे यह कहनेकी अनुमति वेंगे कि बाप को घारतीय वृध्यिक्षको कमा तार पत्त कममें मलुद्ध करते रहे हैं वह अब ऐसा प्रतिष्ठ देशा है अवसानमें होनेकी वर्षका बातमुख्य कि कमा पता है। बाद बहे हैं वि में कियों मी वीशालिक करोणेको जाहे वह कियाँ हो कही बमों न हो स्वीकार करनेके किए तैयार हैं वसले कि वह मुरोपीयों और पृक्षिमाइयोंचर निपाल मानस्र कानू की बाते। में अवस्क की कुछ कहात बाता हूँ यह एकते विक्कुत सम्प्रीत है। मेरा कहान वह है कि कानूनमें एक सामान्य स्वैद्धालिक करोणे हो कियु बसकों यह निपाल सामस्र नहीं बहिक परिवार से सामान्य से बाते । कानुनमें मानिको सन्ती विकेक्ष्रिका प्रयोग वैसे काहे वैसे करनेका पूरा सविकार है। सरि सस्त विवेदस्तिके

दे वह रब २६-५-१९ ८ के इंडिक्स जीविवियमने "भी गांधीका जार" ग्रीकेरी स्वाहित किया । स्वाहित कर स्वाहित स्

प्रयोगका स्विकार न हो तो नह उसे वे दिया बागे। यारतीय इसके किए निम्कुक रैपार

है। सने यह बाद बनता और जायके प्रतितिकिक सम्मूख एक बार नहीं समेक बार नहीं

है। इसमें कोई बाक होनेका प्रका भी नहीं है अंदा सापने यहने एक दिए समेह है। हिंदी कोई कार करा है।
बत्त पूर्व सीय जो एक ही स्तरक नहीं है एक ही संबेक नीचे रहते हैं दे दवक प्राधानिक स्वयानता एका रही।
बत्त सीय सीय प्रति की सहास कराई न किया जाना चाहिए। साप दाहम्म का प्रमान देते है
किन्तु यहि बाप पूने यह कहनेके किया साना करें तो दाहम्स विकी उसके साम देते है
विदा है विदे बतरक स्वयास साम करें तो साम कर उसके एक साम देता है।
इस स्वया दाहम्म के पाल एक सामकेके साम कर का का साम है हो साम दिया है।
इस स्वया दाहम्म के पाल एक सामकेके साम कर का चार साम है है।

में हर बातका चोरांट करका करता हैं कि मेरे देवताओं अब एक नमा प्रका उठा है हैं। इसेनमें तम्म निर्मा है युवसे पूर्व भारतीयोंका प्रवास वेरोकटोक होता वा। सिन्ध हैंगें के बार प्रवास कामान्यत सामित्र होता का। सिन्ध हैंगें के बार प्रवास सामान्यत सामित्र होता का। सिन्ध हैंगें के बार प्रवास सामान्यत सामित्र होता का। सिन्ध है तमें के कर सकते में। इन १९०० के रिवाना कानुनमें के का उन कोगोंक पंत्रीयन ( रिवार्ड्डक्म) की व्यवस्था की निर्मा देवस प्रवास कानुनमें के का उन्हें कर समस्य प्रवास कानुनमें के का उन्हें कर समस्य का स्थाप का विकास का वित

कानुसको रद करनेका धमरा बानेपर बपना धकन पूरी तरह बंध करके बार धरोंकर कानुसको रद करनेका धमरा बरनेपर बपना धकन पूरी तरह बंध करके बार धरोंको उन्होंने कानुसको रद करनेका धमराम करनेबाके अवस्थ स्माट हो में दममें थे तीन धरोंको उन्होंने बनामम प्रतिदेवके धनामों आकर बीर वर्ण कानुनके प्रधानको उप होने देवकर बापस के किया। चौरी धर्पकों वे बापस नहीं की बीर बनक पह बात स्वेतकर नहीं की बीर अवस्थ प्रधानकों वृद्धिमें वे वेदिमानीके बारी उन्होंक व्यवस्थ ही बिटिस भारतीयों बीर बन्म एश्वियाधमेंची वृद्धिमें वे वेदिमानीके बारोगिक बरपाथी प्रति।

मुझे मह कहते हुए कुछ होता है कि आप और प्रविधानी लेता जा कहते हैं कि वर्षे सामान्य-हित हुदससे प्रिय है और जो एक प्रयक्तिपील शक्का लेताल करलेका दावा करते

<sup>ें</sup> गांदी बन्दर बाहरने स्वाहने किया था। हम सह मारिका बोरहार कुलन करते हैं कि हक्ते जो हांची या बनक समारती अनेतृहस्त क्या करने मस्तृत दिशा है। अन्दर्भ महाने क्यार में स्वाहन स्वाहन महीं भी नैदिशन मा मानी हारा बाती किया गांग नोपस संदाय कार्युक्त एवड परानोंकी दरिकार उसी इस स्वागा। बाहुत मानन्ते कालेंक किर समने नाने हैं। वहिंद सरकार, जा मानन्ते रेसी गराजित कार्युक इस से पड़ते रहते हैं। हो का दह सेती संदाहन करने में शहर स्वाहन स्वाहन हों है। नार्याजन

रे. देवर कर ४ वह १९७-९९ और इस ३ ८-१ ।

र विविद्य माराजिति प्रदेशके सन्तर्भते ।

है नेहैंगानीका पक्ष के रहे हैं। त्या मैं ऐसा ही एक बन्य उदाहरव दे सकता हैं? यनरह

बोबाने बेरोनिर्गिग (फ्रांनिसन) की सन्धिके सम्बन्धमें 'बतनी' सब्दकी व्यास्था यह की बी कि उसके मन्त्रगत एसिवाई भी भाते हैं। कॉर्ड मिळनर बौर सर रिधर्ड सॉक्सेमनने इसको मजद बताया किन्तु चनरक बोबाने को स्थास्या की वी उसको उन्होंने मान किया और उस स्थास्थाके कारण ही जान एधियाई क्रोग नगरपाधिका-मताविकारसे वॅचित है। फिर जनरक बीबाने कहा कि साँड किवनरने उनके कोगोंको तत्काल स्वसासन प्रदान करनेका नवन दिया है। इस सम्बन्धमें मी: बंग्रेजॉकी प्रतिष्ठाको बेदाय रचनेके किए साम्राज्य-सरकारने उस बजरको उसी अर्थमें स्वीकार कर किया जिसमें अनरल बोबाने उसे समझा ना। स्मा एक्षियाई काननको रद करनेके सम्बन्धमें और ब्रिटिश मारतीयोके सम्बन्धमें अंग्रेबॉकी प्रतिष्ठा या उपनिवेशको प्रतिष्ठा जलग-अलग तरीकाँचे नापी जागेगी?

> सापका जाहि मो० क० ग्रीमी

[अंग्रेवीचे ] स्तार १७--१--१९ ८

44

२३ मेंट 'स्टार'को

विद्यातिसवर्वे

**चित्रमार १७ १९ ८** 1 बी पांचीने स्टार के प्रतिनिधिको भेंडके बीरान कहा कि जिल्लारियोंने निरे प्रवदे निर्वाधित करके मेरे साब कठीर वरताव किया है। मैं क्रम उत्तसे निक्रमेंके लिए ब्यव था और मैंने प्रसंके बारेमें सम्बन्धित अधिकारीको जनी वैकर पुक्रताक को बी। अधिकारीने कस समय बतामा कि करतक करें इस नियमनें कोई जानकारी नहीं मिली है और सत्तावारी क्सके सम्बन्धने स्था चार्रवाई करना चाहते हैं यह समाचार वह बगले दिन प्राप्तः देगा। बाज प्रताः बद मैं बैन गया तब मुझे समाचार मिला कि हरिसासको ७ वजे के स्थे।

भी गांबीने कहा कि सबि शरकारको मुसते यह बचन केना वा कि किसी प्रकारका प्रदर्शन न किया जायेना तो में अतको ऐसा जनन गड़के वे जुका हैं। में सब भी उत्ते बेता बबन देनेंके लिए तैयार था। हरिलास चेपी स्टेशनवर पाड़ीने बार किस्तु भाड़ीकी खिड़कियी बस्य भी और वे व्यक्तिस्टनमें भी बन्त ही रखी गई। लीगोंने बिड़क्सिंकी दरारेंसि वार्त की और ऐसा बान पहता का कि समामग्रीनोंको वे वार्ते वडी सबेदार सब रही है। धी गांबीने तार द्वारा अपने पुत्रको सुवित किया है कि वै उपनिवेसमें फिर ग्रीश 👭 प्रवेश करें। यह

तार पनकी सीनापर मिल कायेगा। [गणरातीसे ]

इंडियन ओपिनियन १९-९-१९ ८

र देखिए सम्बन्ध साम्राज्य-५०। 2. इरिकाक चारी १७ सिलमार, १९०८ को निर्मारित किमे गमे ने ।

 इरिक्टक १९ शिलमर १९ ८को कानिवामें पुनः अधिक हुए और कनकी ६१ सिलमर एक के किए भिर केंद्र केंद्र दिया गया । का विद्यानाको क्यार वे शहरमा कम क्या क्या

## २४ पत्र क्षेल मिडेशकको

विशासिसम्मै ] Hinrac 16 15.06

जेल-निवेशक<sup>8</sup> **क्रिक्रोडियर** 

यहो य

मारनीय करियों ही माजन-सासिकाके सम्बन्धमें बायका कार सबया ४५६ प्राप्त हवा। मंदि जाप इरापूर्वक छाटी बीर सम्बी सवा पाने हुए मारतीय बीर बन्म कैंदिपींके निए स्तीहत वाकिकाको एक प्रति मेरे पास भेज देंगे तो मैरा संग जामारी होमा।

इमके मतिरिक्त में बावका च्यान इस तब्मकी बोर बाइच्ट करना बाइटा है कि इस मार्गामनके सिमसिकेमें में स्थय प्रिटोरिया बेकमें या मीर तब कीदियोंकी किमी सास प्रार्थनांके विना थी मिलडा था। मेंने यह मो देखा कि भारतीय कैटिवॉकी जो हमें प्रिटोरिया जलमें मिले व वी मिनना का। बोडानिसवर्षके केवियोंका भी कहना 🛙 कि उन्हें प्रारम्मसे ही भी निजना वा और तब मारतीय कैदियाँको जी एवियाई कानूनके बन्तर्गत मुक्दमा बारम्म हैं। के सबस बौहानिस्तरों जेकसे में भी निक्का था। एक केरीका कहना है कि उसने सास्वयमें यह जोते हुई तामिका पढ़ी भी जितमें सक्कीके दक्तिये और वर्षीकी कपह ४ मीस भावन नीर १ मीर की दिया जातका उल्लेख भा! मेरे संबक्ता यह भी कहता है कि मोनन वाकिकाका जो छपी हुई की जोड़ानिसवर्गमें जेलके अधिकारियों हारा इतनी कवाईने पासन किया बाता का कि कीमी कैदियोंको सक्कीका दक्षिया और कहीं दी जाती यो क्यांकि के चारकको उस तालकामें धामिल नहीं किये गय वे जो बारतीय कैरियोंके किए निर्दिचत की मई मी। र इसमिए मदि नाप क्रयापुर्वक जीच करके आवश्यक शहरके किए आजा जारी करें वा मेरा सब इत्तव होगा।

में बारका स्थान एक बार फिर इस तस्यकों और रिसादा हूँ कि किसी सुसलसान या माकाहारी हिम्मुके प्रति उनके योजनमें बसुकों वर्षी सामिल करनेने बड़ा कोई और अपराध नहीं हो नकता। में इतता और कहता चाहता हूं कि हालमें ही बाहातिगवमें जेतने दिहा हीकर आपे कैदियोंन नरे संघडो बसाया है कि उन्हें अपनी चारचडी स्टाडके साथ र ऑस

भी मिलता थाः

आपचा साजापारी सबस ब॰ म कार्ध्यसमा and a बिटिंग भारतीय संघ

[ अवेजाने ] हेरियन मोधिनियन २-१ -१ ८

र बलोसर बॉक शिक्स । L PORT BY & TE EVE VE I

## २५ पत्र 'स्टार'को'

नीहानिसंबर्ष मितम्बर १८-१९-८

मदामें सम्यादक स्टाद महोदम

मेरे इस अधनका कि सावद आपने मुझे जानवृक्तकर यसन रूपमें पेस विया है आपन औरसे सन्दर्भ किया है। इससे मूझ प्रसन्तता हुई है। आपके इस सन्दर्भ मूझ जामा होती है कि शायर में आपको जब भी बहु विश्वास विका सकता हूँ कि भारतीयोंकी सौम न्यायपूर्व है। मद में मानता हूँ कि जरून शिक्षा प्राप्त भारतीयोंके मिए हार लुसे रखनेमें आपको काई एतसम्बद्धी है। यदि ऐसा द्वासो समाल द्वीयाना कान होकर कैसे काहै। भाप मेरे हकतो यह कहकर अल्पीकार करते हैं कि यह एक एमी अईमानी है जो राजनिवकोंके उपयुक्त नहीं है। बीर फिर भी संसार-भरके राजनिवकोंने उसीका सहारा किया है। ग्रान्ति-एसा बच्चारेस (गीम प्रिवर्गेसन ऐक्ट) की रूपी नवर्गरको बनुमतिएस (परमिट) जारी करनेक सम्बन्धमें पूर्व विवेदाविकार प्राप्त है। बीरे बिटिस प्रवादनीको वह साँगने-भरसे मिल बाठा है इसरे मुद्रोपीयोंका उतनी बांधानीचे दो नहीं किन्तु बहुत कम कठिनाईंसे प्राप्त हो बादा है केकिन ब्रिटिश मारतीयोंका अस्पविक कठिनाइयों ब्रेस्टरके बाद विकता श्वर्गरमे भारतीयोके सम्बन्धमें उस अभ्यादेसके अम्बन्धी गरवने यहाँदक किया कि एक पुषक विमान है। सोल दिया। इसमें बन्यान तो का किन्तु वेदेनानी नहीं की क्योंकि ऐसा लुकेजाम किया गया था। गुवर्गरको निवेकानिकार प्राप्त ना नौर पैसा कि उन्होंने स्वयं कहा उन्होंने प्रमुख समाजके हिलके किए बसका इस प्रकार प्रथमतपूर्ण उपयोग किया। यदि विभागमें कभी अप्टाबार न रहा होता और शास्त्रविक घरवावियोके दावीके सम्बन्धमें संदा ही भरमधिक इपनतास काम न सिया नया होता तो मारवीय पन्नपत्तपूर्ण प्रसासनकी बीर बेंगुकी न उठाते।

मारने चनरक स्मद्रगपर सासन-भेवाकै रिक्न स्वार्गीपर बीवरीकी निवृत्तिक करनके सन्दर्भमें विवेकाभिकारके बनुषित करवीमका आरोप बनाया 🖟 परन्तु यह राजनयिकोषित

है समना नहीं यह परिकार्योंसे प्रकट होया।

मेटालमें रीजिमिक क्योटीके श्रस्तामामें प्रमाणी निकारी (विधयश्वन वॉक्सिर) को विवेकानिकार प्राप्त है। में यपनपूर्वक कह सकता हूँ कि यूरोपीयोंकी तो परीक्षा की ही नहीं वादी। जारतीयोंकी परीक्षा की वादी है और वह भी कड़ी। दुख नर्य पूर्व नेटाकर्से

१. वह २६-५-१९०८ व इंडियन ऑसियियम "समायन सम्बन्ध" सीरीसी स्वस्तरित दिया करा था। ५. वहिताई उत्तरिका, यह १९.६ में रूप घर दिया मानु देखिए सम्बन्ध ४ वृत्त १०

बर्युट्स बावन' नामरू एक बायिराकी परीका की गई थी वर्योक्ति वह तुकी टोगी पहने हुए बा परन्यु उसके स्वय गोरे साबी विल्डुल छोड़ दिये गये वे। बायने स्वरीम सी एकस्व कीर भी बावन इस बावगर जूब हुँये। भी बावनको इस हास्यास्यद स्वितिस पहसास दो हुआ किन्यु उन्होंने यह स्वयास मुद्दी किया कि परीकार्स हुछ बीस्तानी है।

मान यहाँ कंपमें हो रहा है।

तय्य यह है कि कान्यी अवनातना एक सन्यूर्ण प्रजातिके निए वपमानजनक होगी।
प्रमाननिक पेदमानका मत्त्रकत होगा पूर्वप्रदुको तरह देना और आरखीमों हारा उसकी स्वाहतिका
वर्ष होना इस प्रकारक पूर्वप्रदुको उदारतापूर्वक और में सी कहता हूँ राजनिकिशियत
मार्ग्यना देना कहसायेगा। साथ ही इसका वर्ष इस सम्बद्धि मान सना मी होगा नि यदि
हम समें देवमें रहना चाहते हैं तो हमें यूरोपीय प्रजातियोंकी प्रवानताके सामने सिर
महाना पदेशा

हुन्न भी हो यदि बाप इस बागत उहान है कि मूदूरी पर सुधिसित एपियाइयोंको दिना बतानित दिनी मुस्सित रूपते बागे विद्या बावें की मिश्यय ही सरकार बीर प्रमानवादी दनकी विस्तित बुढिने कोई ऐसा हुन मिक्से दिना गृहीं पर सकता यूरोपीयों बीर मृह्योंयीं क्षोनोंको मान्य हो बीर विस्ति एक ऐसी स्थित समान्य हो बायें विद्या समान्यका

कोई भी धुमेल्य उदासील मानसे नहीं देख सकता।

जापका मादि मौ० क० गांधी

[मंदगीते] स्टाट १८-९-१९ ८

## २६ ईसप मियाँ और उनके उसराधिकारी

विदिय भारतीय लंबके अध्यक्ष-परदे भी ईयर दियदि स्थायन वे बेनके कारण मौद्रानित्रवर्षमें हुई १ तारीनकी सार्वेवनिक समा सम्मेननीय मी । वह ही कदिन अवस्पर मी दिन प्रितान ने प्रकार करने हैं वह ही कदिन अवस्पर मी दिन प्रितान के प्रकार करने में दिन प्रितान के प्रकार में दिन प्रतान के प्रकार में दिन प्रतान के प्रकार में दिन में मार्विय स्थायनर महान नंकट और स्वतान का परवा सा । भी दिन प्रतान मिश्तानों की प्रतान के प्रतिनित्र है, विभी सहसी कहा हुए । ज्यानीय स्वतान कि सीतानी सक्तोंकों प्रतिनित्र है, विभी सहसी सहसी सहसी क्षायों कर कर दिया । उन्होंने कपनी देनमें कहाने के सिए प्रमुक्त निवास के अपने स्वतान कर कर दिया । उन्होंने कपनी देनमें सहसी स्वतान के प्रतान के प्रतान कर कर दिया । उन्होंने कपनी देनमें महाने स्वतान के प्रतान करने स्वतान करने कि स्वतान के प्रतान करने हैं प्रतान मान्य है प्रतान मान्य है प्रतान मान्य है प्रतान मान्य है प्रतान मान्य स्वतान स्वतान करने स्वतान स्वत

र बन्छ १९ ८में तीओ वस बनिके प्रवा मकन्यालाहीस और महारीर विश्वीपना प्रियेश बन्ध ४ १२ १९२९८) २५ वाला-मानेवास कावाला लिये मेराको व्यवसारीया न्यापर केवच दिल्ही तह होतिल वर क्रिया मलार वा ४

<sup>%</sup> देखिर "क्टालः नर्पेत्रीयः संगत्ति" वृत्र ३२ ।

रे रिंग्स क्रम ८ वह सम्बद्ध और स्थार

विमित्तमा ( रिक्ट्रिइन ऐक्ट) के वेच किये वालये उन्होंने यह विचा दिया है कि बपने उद्देश्य पूर निष्पाद बीर साहस्ये क्या किया जा सकता है। बी दैपन प्रियो निक्क द्वार्य कालके ही नहीं बक्ति कार्य रोक्क बारिकाके आरतियिक व्यवस्थक पात्र है। उनका भार भी कालकिया के योग्य कत्योंगर वा पड़ा है। भी कालकिया भारतीय वनके उन्हे हुए सैनिक हैं उन्होंने क्याने भ्येयके किए कारावास भोगा है। उन्होंने पूरे अगरे काम दिला है बीर वे पदा भी दैपन मियकि योग्य सहयोगी रहे हैं। सभी यानरे हैं कि यो देशन मियकि स्वान केनेके किए ने सबसे विकार उपयुक्त व्यक्ति हैं। हम बास्ता करते हैं कि वे समावकी बरिया मियकि योग करेंगे। उनका काम बहुत किल है। भारतीय गौका कब मी गुकानी समुख्य केरी हुई है। बीर उन्हें कानी स्वस्त्य स्वित वर्ष और सानिकी तथा बनसामा प्रकेत सन्दार्थ केरी हुई है। बीर उन्हें कानी स्वस्त्य सिन्त वर्ष और सानिकी तथा बनसामा प्रकेत

[नरीबीसे]

इंडियन मोपिनियन १९-९-१९ ८

### २७ मेटालका मामला

नेटासके मारदीयोंको बहुत क्षोच विचार कर चळना. चाहिए**ु प्रार्थनापत्रों सौर समा**र्थीक

दिम बदसनेवाने नहीं हैं। प्राचनायणिक पीछे वस होना चाहिए।

स्पूर्वसङ्का परकारे (काइसँच)का सामका विचार करने बीम्स है। उसके अनुसार नगर पात्रिकासोंको अनुक प्रकारके ही परकारे देनेका हुक है। कनरे वे निम प्रकारके परकारे सन् १८५७ के कानून [१८]के बालगांग मिक सकते हैं। बन ऐसा कहा वा सकता है कि १८५७ का कानून नगरपानिकासोंकी सत्ता वहा नहीं घडना । बागी नगरपानिकासोंकी सप्ता कर ही गई। इस्ते हमें कुछ नुविचाएँ निक सकती है।

इस कारण नेटाककी सरकारने एक नया विधेयक (विक्र) तैयार किया है जिसका उद्देश्य म्यूक्टेसके इस मुख्यमें [ये भारत काल] को को बानणा है। इसका कहा विरोध करनेकी सावस्थरता है। नेटामको संस्थ तो [स्थारे] वार्षमाणमको रहीकी डोकरोमें फेंक दर्या। वश्चे सावस्थरता है। नेटामको संस्थ होने हो। साली ऐसे दिन सावे हैं कि एक उसका सालको से से सावण इसे किया निके तो करती तरफ संस्थ हानारी उस विस्वयर पानी ऐसे है।

इनका एक ही क्लान है कि हमें अपने बनपर सकता चाहिए। यह बन है सत्यावह ।

नटालके स्थापारियोंको परनाना सिथे विना स्थापार करना चाहिए।

[गुजागुर्तामे]

इंडियन जीविनियन, १९- -१९ ८

र सन् १८५ के मन्यारेश ३ के अध्यक्षि । ६ विक्रेस रामास्थ्रास्थ्रास्त्र (बीकर्त कार्सस्थ्र देख) ।

३ को कानून वमाध्य ।

### २८ पत्र असाबारोंकी

**मीहानिस्था** सिवस्बर १९ १९०८

सेवामें सम्पादक महोदय

मने बेल-निरेशकको एक पन विका है जिसकी प्रति प्रकाशनार्थ जाएको सेवामें मज प्दा है। बिटिस बारतीय संबने स्वेच्छ्या क्ष्य सहना तय किया है और ब्रिटिश बारतीयोंकी मी बैसी हो सजाह वी है। छेकिन में नहीं बानता कि सायके पत्रमें बिस अस्तावका निवरण दिया हमा है, बढ़ उनिवेधियोंकी मनव्यक्तको योगा देता है या नहीं । हम नहीं पाहते कि इमारे साथ विधय कैवियाँ-असा स्ववद्वार किया आये सेकिन इतना दी चाहते ही है कि इस प्रमुख बरामें किटिया भारतीय कैवियोंने बोडी बानवताका वरतान हो।

> बाएका बादि ब॰ म॰ काछिलया

[बंदनीसे ] रेंब बेसी सेंस २१-५-१९ ८

सम्बद्ध विद्धि भारताय संब

## २९ पत्र जेल-तिरेशकको

[बोद्यानिसमय] विवासार १९ १९ ८

बेल-निवेशक प्रिटोरिया महोदय

मेरे संबको सैंबद सकी शामक एक ब्रिटिश भागतीयका विकासि हासमें बॉस्प्रवयमें वेसकी धना भूपती है गुकरातीमें किसा पन मिसा है। में तीने इस प्रवेश महत्त्वपूर्ण बंधका स्वतन्त्र मनुवाद है रहा है। यह पत्र इसी १७ तारीवको स्त्रिप्यासे किता गया है।

में मपने मीर मापके बीच ईरवरको सासी बनाकर यह फिल्राचा है। १५ समस्त १९०८ को मजिस्तेटक परवाने (लाइसेंस)के विका व्यापार करनके जसमें मुझ १ [सि ]

१ वर केंग-निरेश्वरके मान किसे को पक्षेत्र साथ अवस्थित किया करा था: शिक्षय भगवा ग्रीवेंड । हैं ह चेजरी मेकने को "बेक्स बोतन वस बस्तरीकडी शिक्सका काकिरोंते मी पूरा करतम" स्रोकिसे २१-५-२५ ८ के मंद्रमें प्रवारित किया था । एक-स्थाहर २६-९-१९ ८ के श्रीवियल श्रीरिप्तियवारे श्री द्वारा वा । र. कारोक्ट व्येष्ठ शिक्स ।

भूमतिकी अनवा सात वितकी सक्त कैंवकी सजा दी। मैंने कैंदकी सजा मंबर की। मैं चन जेसमें दाकिल हजा तब एक काफिर मेरे पास जाया और ससने मझसे कपड़े उदारकर नेवा हो भागके किए कहा। मने वैसा ही किया। प्रसके बाद मुझे उसी बबस्वामें कुछ कुर नंबे पैर बबाया नया और काफिरोंके शाय २५ मिनट तक ठंडे पानीमें चड़ा रखा गया। फिर मुझे बाहर निकास्त गया और एक इफ्टरमें से बाया थया। उसके बाब मुझे पहलनेके किए कुछ कपड़े तो दिये वसे किन्तु कपालें नहीं दी पर्रे। इसमिए सेंगे वेकरसे वापकोंकी भाँग भी। पहुछे तो उतने इनकार कर दिना पर नावमें मुझे फटी हुई कप्परूँ है वी गईं। मने मोने माँगे को उसने मुझे पाकियाँ हीं (जो अनुवाद योग्य नहीं हैं)। मने अपनी माँग फिर बुहाएई हो उसने कहा

देखों म तुम्हें कोड़े क्याऊँमा।" तब मैं हर गया और यदि म स्वारा बोसता तो

च्छने मझे **जरू**र पीटा झीता।

•

अवस्त २ को मुखे पासानेकी बास्टियों के बाने और बाक्षी करनेका कान विया गुमा। मैंने बेकरके इस कामके बारेमें किकायत की ता मुझे ठोकरें और तमाने मिके। फिर मी मैने अपनी शिकायत वारी रखी और कहा कि पत्वर तोइनेका काम सुचीते करूँया लेकिन युत्ते इस बास्टियोंको के बाते बीर बाडी करनेके कामये मुक्त कर दिया बाये। युद्धे खिर ठोकरें भाषी गईं। मैं खाबार हो पना बीर मुझे में बास्टियाँ के बानी प्रशी।

वितवाद, २२ जयस्तको मुझे फिर करीव बाबे बंदे सक ठवे पानीमें रखा नमा। पानी बेहद ठंडा था। में कृपि एका था। ईंस्वर ही भानता है कितना ठंडा था वह। इसके बाद मुझे कुछ ज्वर ही बावा। गेरे सीतेमें वर्ष होते लगा। २५ वारीबकी मुझे दिला कर विश्व गया। पिला करते क्का केसरने गुझसे कहा विदे तुन सरता विहे वी फिर का सकते हो। मेने तुरल कावत दिया कव्की बात है नदि दुन सर सकी तो मार बालना। इसके बाद में ११ बनेकी पाड़ीसे रिमन्त कीट सामा। बौर तमीचे में बीमार हूँ मेरी छातीचे जुन आता है और मै बॉक्टरकी समाहके बनुसार वन एता है।

मेरे साब काफिर केंद्रियाँस भी ज्याबा वृद्य व्यवहार किया गया। सीमाम्बसे में एक ही हिन्दुस्तानी वा। देशवरकी वस्थान है कि मैं वस वया छोनीसर ने रा को नी पैटा निकला ना वह सब कुब नमा है छेकिन में उठकी परवाह मही करता। में बादा करता है कि समाब बपनी प्रतिकाकी रसा कर सकेगा।

मेरा संब नहीं जानता कि कपर दिया गवा विवरण कहाँतक सही है। केकिन मेरी नाम नार पर पर पहुंच नाराया एक कार रक्षा याचा राजा जा राष्ट्रपार पहुंच है कारण निर्देश जाते. रायमें देशके हो गड़ी करता है कि बदनाकों पूरी बोच नोकरीय है और मुझे इसमें कोई सनेह नहीं है कि बाप जीच करायेंगे हो। इस बीच में आपके हारा सरकारकों सह सूचिय कर देनेकी पृष्टता करता हूँ कि अपर्यक्त विवरणको सच मानकर मेरे संपने यहाँ सखाइ वी है कि जिसे संब मैतिक सिद्धान्त मानता है उसकी रक्षाते किए सारी कठिनाहर्योंके मानजब कृष्ट सहना चारी रत्ना जाये।

में इतना और कह है कि उस्त पत्रका क्षेत्रक जैसा कि उसके नामसे मकट है वैगान्तरका सीचा बंधज है जीर जब मसकमानोंको यह भानम होगा कि बॉन्सबर्व जेनमें ऐसे व्यक्तिते बस्यन्त गच्या काम कराया गया है तब उनके मनमें वो कड़वाहट और नास्त्री वहा होंगी उतार कुछ कहनेकी वरूरत गहीं।

वापका बाह्यकारी संबद्ध अ० मु० कार्ड्यस्थ्या बच्चस विटिश मारवीय संब

[जंगेगीसे] रेंग वेली मेगा २१--९--१९ ८

# ३० पत्र *डब्स्यू०* हॉस्केनको

चौहामिसबम सितम्बर १९ १९ ८

मी विश्वियम हॉस्केन संसद-सदस्य' बोहानिस्वर्ग प्रिय महोदय

एपियाई इस समय जिस मारी संवर्षमें रह है सबसें बार सामान्य-नेमी तथा स्मिर्ड सन्बन होनेके नाते जो इसपूर्ण विकासनी से रहे हैं उसके किए हम नीचे इस्तामारणाई सोग बापने बहुत बामारी हैं।

भारते जान अपने काणीकपर्य बुकाई गई बैठकरों विकास यी कार्टराइट की पोक्क ठवा इस कील उरिस्तर वे हुने बताया था कि एक्सियाई बीसे विकास विकास मान विटिश् स्वावत है को उरिशास कह रही है उन्ने कारत स्वत्यको स्वायुव दुवाई। इस इस भावताई सराहम करने हैं। जाएने या भी कहा वा कि वनरक स्वत्यका स्वायुव है के उन्हें इसारी

भोषको पूरा करनेमें कोई वार्याखार्य करिनाई न होगी। इसकिए हम निग्न निवेदन करते हैं

कराख स्वद्ध तथा प्रगतिवासी किरोधी सकते निवासोंको यह बकर देना चारिए कि

खराख स्वद्ध तथा प्रगतिवासी किरोधी सकते निवासोंको यह बकर देना चारिए कि

खराके सामानी सिक्षेत्रकों एपिश्राई कानुन रह कर दिया वारोगा और विदिध नारतीय

स्व (विटिध इंडियन संगीसिएयन) के हारा की गई प्रार्थनाके सनुसार उच्च छिसा प्राप्त

नारतीयोका दनौं सरिवार कर दिया वारोगा।

न्याना है। इस पुरस्का कर किया नामाना बहुँकि हु पुरंदे अस्पनी बात है अपनी प्रासाणिकता सिद्ध करनेके किए मान कीसिए वर्षेसे कैनक के ही ऐसे भारती जोंके प्रवेश दिया नवा तो वी हमें पूरा सस्त्रीय हो बारता। इसिक्, पदस्का मृद्दा ती यह है कि वे सामान्य वैलाकिक क्यांति के स्वपन्नीय असे पानेसे पसर्व हीं। किसी प्रकारक कानानी मेहनाव साही होना साहिए। पति कानान्यर कथक रहा टाउट किया नाम कि

रे. सम्बन्धनं संबन्धे एक सामाजिता क्षा व

र रिवन मानियों भागर यानक संव (असीसिश्तन बॉज कैनर बॉफ बॉमरे मॅंड सम्ब नारिया) के पुरुष परात्र । स्वित आविश्येष विदेश नार्योजीक माननेते जनकी खासुन्ति यो । रेकिर सम्ब ८, १३ रेक्ट भीर प्रन्ते बॉर क्वर ८ प्रत्य १६

नैवन उन्त संस्थामें हो प्रवेश मिल शके तो थी हमें कोई बायित न होगी। इस प्रकारके समयक मिए पूर्वोदाहरणका समाव नहीं है। क्या बीर नैटानमें बाजकल ऐसा ही किया वा रहा है। हमारे विवासमें प्रवासी प्रतिकृत्यक सीमित्रमा (हमिष्यत रिस्ट्रक्टन ऐस्ट) के सम्प्रतीन इस प्रकारका स्वेकाधिकार दिया गया है। किन्तु यदि जनस्क सम्द्रकड़ बयाक इसरा हा तो सम्बन्ध के सम्बन्ध के स्वास के स्वास कर स्व

में से मूनन प्रान्त सेच हैं। बास्तवस में बोनों प्रान्त एक मी है नसीति विद १९ ७कां कानून २ एक कर दिया प्रया वो प्रवाची प्रतिवत्यक स्वितियम उपनिवेशमें प्रवेश करवनते हैं कि इन स्वान्त र एक स्वान्त स्व

हुंचरे प्रत्न सर्पात् उन मोजोंको पुन पंजीयन प्रमाणवन (रजिस्ट्रेपन स्टिप्तिनेट) प्रदान करना जिन्होंने उन्हें क्षमा दिया है नका भी भीरावजीको बहाल करना हुनारे मठने प्रधासन यानाची छोटो बाउँ है जो मृदय मुदेने हम हो जानेवर बाखानील तम की बा धरती है।

प्रभावना शहा बाद हूं भा भूवन मुहिर हुए हैं जानवर बाहाना विकास का बहुत हूं।

हम यह निक कर है कि बहुत ना अनुन निकास हुए ही में उमाहरणाये जन अंगोंका
में में मिनी उपनिवास है और जो बंद करन उपिक्वम में प्रभावन जो जानेने उपनिवास है और जो बंदने रहा उपनिवास है और जो बंदने रहा उपनिवास है और जो बंदने रहा उपनिवास है और जो बंदन नियास निवास निवास निवास निवास है।

हुए गैरे मोमोकी भी जीवन-समाध्यम जयस्य ही जुक है जिल्होंन तमें सहस नही बिये है। यह भी महमून किया जाता है कि बंदि परवासों (भारतेंच) में प्रायंत्रपासी में प्रमुख्य किया जाता है कि बंदि परवासों (भारतेंच) में प्रायंत्रपासी में प्रमुख्य का प्रमुख्य का प्रमुख्य का प्रमुख्य का प्रमुख्य का स्वास्त्रपासी का प्रमुख्य का प्

हम नमते हैं हि जिन गमती की बान चन रही है तगका परिचान महि मुझ निरम्त तो नमती त हानके नाव-नाव ही वे लाग छाड़ दिये जायेंगें जो इस गमय असरी मना

बाट ग्दे हैं।

ŧ

१ रिवामों वेरीमान वंतीसन वासून १९ ८ (प्रिवासीसन वेरिनेशन शीमान सेन १९ ८)। शानकार तहाँ सन वासून विशेष प्रतिकृति वासून के इर भी श्रीकेरने वासून वासून में साइकों में साइकों मिरितास वासून के इर भी श्रीकेरने वासून के सिंदा के दिए में कि मान में मिरितास के माने वासून के मिरितास के माने के मिरितास के मिरतास के मिरितास के मिरितास के मिरितास के मिरितास के मिरितास के मिरतास के मिरितास के मिरतास के मिरितास के मिरितास के मिरतास के मि

इराया नहीं है, बौर इस इस देसमें सान्ति एवं सत्सामके साम जपनिबेसके बाम कानुनीका पामन करते हुए रहना बाहते हैं। हमें बहुत हो बनिष्कासे किन्तु कर्तम्यकी पुकारपर एपियाई कानुनार तोवतम विरोध करना यहा है। हमें इस वस्त इसके कारणींकी छानसीन करनकी सादयकता नहीं। किन्तु हम निवेदन करते हैं कि कानुनके प्रति हमारे विरोधका बनकाके कर्मों म किया बाते।

इस इतना और कहना चाहते हैं कि उन नेताओंने जो इस समय फ़ीकसरट मेडमें हैं भीर जो रक्षिण आफिडाफे मारतीय समाजके भेष्ठ कोगोंका प्रतिनिधित्व करते हू सजा हानेके बार तुरक्त हमें सन्देस भेषा जा कि वे बांबकते-बांबिक करट उठानके किए रोगार हु किन्तु हम उनके करतेंडों कोई फिला क करें और संपर्धकों उदाक बादी रखें बवकत हु। बार कि हासिक न हो जाये बिसके हम अपने-सापको समुचित आपकारी मानते हु। बारकी इच्छानसार कम इस पत्रकों बारक्त गोरतीय रखेंगे। बाय हमें को सरीस रखें

उसे भी ऐसा ही सम्होंपे। सापने वो क्राप्यून दिस्त्रकरी की है जसके किए तथा बनरक स्मद्सन को बास्तासन बापके द्वारा मेने हैं जनके किए सापको यहा सम्बन्धा

ापक हार्य सब ह उनके । छए आएको पुनः यस्थवाद। आपके उपने स्वय मुन काछिकिया हैसप हस्साहक मियाँ कागार सन को ठासासी

हैसप हस्माइक मियाँ इसाम अ० का० वाबबीर क्रिया विवत सी० के० टी० मामबू फू किम्सम मो० क० गांधी

टाइए की हुई मूख कोनी प्रतिकी फारी-नकछ (एस एन ४८७९) छ।

# ३१ पत्र उपनिवेदा-सचिवको

[बोड्डानिसवर्ग] सितम्बर २१ १९ ८

मानतीय उपनिवेध-छिषक प्रिटीरिया

म**ह**ोदम

से आपकी सेवामें इस पत्रके साथ येक-निरेशक (आयरेक्टर बॉक प्रियन्त) को सेने परे बपने पत्र' और उनके उत्तरकी नक्कों सेच पहा हूं। यदि आप कृपया निरेशकको सेपित पत्रमें की गई प्राचना स्वीकार कर केंग्रे तो नेपा संग अनुगतिस होता।

> शापका बादि अ• मु॰ काछिमा वस्मक विक्रित सारतीय संब

[बंधेजीसे] इंकिस्त ओपिनियन ३—१०—१९ ८

### ३२ कोहानिसभर्गकी चिटठी<sup>९</sup>

#### वेवके कम्द

१ देखिए "पत्र केक-निरेक्कको " इत ४९-५ ।

२. वानी की वह करीता २. शिवनगरको विकास शुक्त किमा और २३ शिवनगरको समान्य किसा ।

a hiller on the fellower?" HE YS-No I

धव धहनेको सनित का भागा ही शक्यों भीत है। यह भेद भाग केनेके बाद सरकार माहे बितनो बामाएँ शरीक्यत करे हम उनका प्रतिकार कर सकते हैं। इशिक्षर, में आधा करता हैं कि मारतीय थी सैयद सक्षीके कप्तीत वदानेके बवास आवश्यकता पढ़नेपर येक बातके किए अनुद रहोंगे।

### मेटासके केंद्री

बद नेटावके कैरियोंको सक्कोंपर परमर छोड़गेके किए बाहर महीं के माना माता। सबसे मुझे तो निरासा हुई है। सिंद उन्हें परमर दोड़गेका करूट [आगे भी ] उठाता पड़ता दो मुक्ति बसर रिक्यों। वे सम्येग मेमहे खुते हैं कि उनकी पिस्ता न भी बाये। उन्हें माहे बितनी कर से बाये वे मोगरोके किए तैयार हैं भीर उउसे प्रधम होंगे। हुई उनका समाह करके उत्तरमोत्ते कोई समझीता नहीं करना माहिए। उनके किए मही कहना जमत है केहिन हागरे मिए उन्हित यह है कि हम उन्हें बन्दरासे एक निगट भी बेलमें न एहने में भीर उन्हें बनयी मुन्दर करानेके किए, बीचे बने बैसे हुसरे कीम बनिकस्त बोक पायें।

### अक्ष्यवर्गे उच्या वयतर

थों कोग अपने बहुपुर नेताबाँको मुक्ति चाहते हैं उनका कराव्य वीधा-सामा है। वस्तू-बप्ते बहुत-से प्राच्योकों प्रानीको गरीका हो व्यापेशी। विद्यावरके कारतक अनेक सेरीबाज़िक ररवानों (बाहर्सेस)को व्यविष्य स्वाद्य होंगी। फिर ये क्या करेंगे? उनका कर्षाव्य है कि मित्र बेनुको निवान दिये दिना मांत्रने भरते ही परवाने मिल बायें तो भी वे उत्तरक परवाने न के बनतक हनारों मोर्ने पूरी नहीं को बायों और विचा परवानोंके वेकक करेंगे कार्यायों पदि ऐसा किया बायेना दो नह सरकारको सहन न होगा। निदान उसे सेरीबाजोंको लेक मेंबना ही पहचा। यदि सेरीबाज़ोंने हतनी हिम्मत दिवाद दो मुस्सि क्या ही तिकेमी सेरिक में दो सोके साम कहता हूँ कि बननुवरके मध्यक हम निविचन होला देलोंकी विविधित वोक्ष बायेने और भी कोम हमारे मिल्र के स्थान हो वहाँ दिवा करा करेंने

### धेरीवासींका संसर्व

यह संघर्ष वास्तवमें व्यावारियोके किए है और व्यावारियों में घेरीवालोके किए।

केरीवालोकी मान्नत बीत भी बस्त हो सबसी है। हम इस वेसमें इस तरफ़ा संघर्ष करके यह

पित कर दे सबसे हैं कि केरी लगानेमें अगतियालों कोई बात नहीं है उसमें मरीमा मंदि

हैं हो। बेकिन यह चीचकर कि परिवार्ग गोप्त है जब्दें बनना दिए जैंग रखना चाहिए,

विद्या मी मान्त करनी चाहिए, व्यवना रहत-सहन लेंगा रखना चाहिए, और बायसमें कहा

नहीं करना चाहिए। में चाहुता हुँ वे सभी बनमें पितिस्त बने। यह उससे हाममें है।

सीयन बालिकामें उन्हें समी बहुत-बुख वरना भीय है। में उन्हें तथा आरतीय सामान्यों समाना वास्तान चाहता है कि इस संघरों के स्वावतानीकी मतिया मार्ग कर सभी है।

#### क्ष्मकारीकी भावश्यकता

प्रतेताकोंने जनवरीमें बीराता रिलारी वी। इस समय भी उन्होंने बीराता रिलारी है। पिट मी इस नमी कायर है। हमार नजर रजनेकी जरूरत है। इसमें जरूरतको कोई बाद नहीं है। जठ इरएक गीवमें बस्तेवार नियुक्त किये जाने वाहिए। उन्हें परवाना स्तार ŧ¥

(भाइपेपिय मॉफिस) की मौकसी करनी है और यह देखना है कि कोई भी स्पन्ति परवाना (काइसेंस) केने न जाये। इसे सम्भव करनेके विचारसे हर वगह कीमी नेताबोंको चौकसीके काममें बट जाना चाहिए। यदि इतना हा जाये तो शायद ही कोई परवाना सेमें वायेगा।

# धरवेदारीका कर्तस्य

भारनेदारोंको यह स्थरण रखना चाहिए कि उन्हें न किसीपर अवरदस्ती करनी है नौर न किसीको नमकी वेती है। उन्हें अपनी खाठियाँ परमें ही खोडकर जाना है। हमारी शनित तो इमारी जिल्लामे है। जिल्लामा उपयोग भी उचित हो। यासी-महीच नहीं करमा है। समझ-बझाकर मझताके साथ प्रत्येक जारतीयको उसका कर्यव्य बलाया जाने। असर्वेडॉर्पका मामका याद रखें। हमें अपना स्थवहार ऐसा रखना चाहिए कि कोई हमपर बीर-सदरहरी करनेका मुठा आरोप भी न खवा सके।

जिनके पास पूरे वर्षके परवाने हैं वे अपने परवानोंका उपयोग न करे. वस्कि उन्हें

संबद्धों सीप हैं।

को जैसकी जोशिय गही उठा उक्ते उनके किए दो अधिक अध्या यही है कि वे फुछ दिन फेरी न कमायें। किन्तु परवाना केने बाना तो वरी बात है।

## फिर महासी

भी चोकतिगम जिला परवाना स्थापार करनेके वर्गमे किरफ्तार कर किये गये थे। वे ब्रतिबारको साठ दिलको जैडकी सजा भोगने चेक पर्य । उन्होंने चर्मांग देनेसे इनकार कर दिसा था। भी गाँउके उनकी पैरवी करने सबे थे।

भी इंसपनी कानसियापर नया पंजीयन-प्रमाणपत्र (एजिस्ट्रेयन सर्टिफिकेट) न केनेका आररेर वा। उन्हें [उपनिवेश क्षीतकर चस जानेके किए] सात विनका नीटिस मिला। चनका मुक्दमा शामिकारको पेश हुना। उसमें भी गाँवधे भी गीनक के।

### कैंग्वियोंकी लयक

वैदियोंकी सरावने बारेमें किया-पड़ी नभी चम ही रही है ! नभी पूर् [ मकर्दने दक्षिये ] की शिकायत भी बूर नहीं हो पाई है। इसी बीच जेड-निवेसक (डायरेक्टर बॉफ प्रियम्स) सिखता है कि बनवरी महीनेमें भारतीय कैदियोंकी की की दिया काता का वह एक खास रियायत की। बारामें बीकी इकावत नहीं है। बोहानिसवर्ग जिली में वब मी वी दिमा बाता किन्तु फोल्चरस्टमें नही दिया भाता। इसीकिए यह सवाल चठा। भी काम्रक्रियान इस विषयमें एक कहा पत्र किला है और देल्लीको तार मी येने गय है। देखें त्या होता है। कुराक अच्छी मिलती है बनना नहीं इससे हमारा कोई सन्वन्य नहीं है। हमने एसा संरक्त होना चाहिए कि यदि सरकार यह जुस्य भी डायेगी सो इस इस भी बरदास्त करेंने।

#### ईसा डामी समार

स्टैबर्नेमके पुराने स्थापारी सी देशा हाजी सुमार विकायत समन करके बापस का वये हा मझे बाह्या है कि वे समर्पमें पूरा मान केकर मदद पहुँगायेंगे।

१ देखिद "बोदानिक्तलडी निही" पत्र हुई १४ । र. हेक्टिस "पत्र: चेक-विदेशकरों" पत्र ५६ ।

#### मचा विदेशक

नने विश्वेयकपर सम्माद्ध इस्ताबर हो यमे हैं। यह कानून कामवासक है। परन्तु, बनवह हो सवासाँका के स्वान वहीं हो जाता तबतक विश्व मकार हमने काम कानूनके मरमान नहीं यहे, उसी मकार हम नमें कानूनका काम भी गहीं उठायेंगे। [इसके जितिरका] निम्हें हमने के में को है वे बनवक हुट नहीं जाते तबतक हमें गमें कानूनका मान मनस्य हो नमीं उठाया है।

### चाडी मेडमान

बोहानितवर्गके भी मतन जीवन भी कुनावन भी वेटी पराग — ये तीन भारतीय सात दिनोंको फैरको सना भोगनेके लिए बाज केक गये। वे परवानों (कारसेंड) के दिना स्थानार कर रहे थे। इन सबको पैरणी भी जीवें यॉक्कने की। कड़ीपूरीसे समितिने सार दिया है कि भी बाह्या रजाको भी विना परवाना केरी क्यानके बुमंगे सात दिमकी समा यो पहुँ है।

#### र जन्मे पात

मुश्चे पुष्पके ताथ पूषिण करणा पढ़ प्या है कि धरकारने थी मुकतीमाई पटेक तथा भी इरिकाल गांधीपर से मुकतमा उठा किया है। इन बोनों उक्बोंका दुर्माय्य है कि में मेटालके बहुदुर बक्बिमेंकी देवामें उपस्थित नहीं हो सके।

### विक्षेप दुः चकी बाव

मुद्ये समाचार मिका है कि भी इतन नियान कर्यनसे भारों समय फीस्सरस्टमें अपने मैंपुटेकी नियानी कथाई।

#### भावम मुहम्मद गुख

[केंगणी] ब्रिटिस भारतीय जीतके कच्यत भी बायभ मुद्दम्बर पूज गहां बासे हैं। एम्हेंसे बरना प्रमाणपत्र वकानेके किय समझे सींप विचा है। खेसस्टरस्ट पहुँचनेपर पुक्तिसने वनते बेंगुटेका निसाल नहीं साँगा और सबि सांगा भी होता तो वे बेट तहीं।

#### director.

भी बेकिम किरिक्यानामें एक महीनेकी सक्त कैरकी स्था भोगनेके बाद १९ टारीकड़ी करें। उन्हें क्यांकि तार मिले हैं। पाठकोंको याद होगा कि भी वेकिमके सामेदारकों मी एक महीनेकी स्था हुई की स्टाबिस्ट उन्होंने हुलान [का स्थामित्य] एक पोरेके नाम करके और पकासा फिट्यू क्या गहीं किया।

र परिनामें पंचीचन संबोधन निवेतक (बक्रिशाविता रविध्येवान वर्गेबर्गेट लिंक)।

२. (क) परिवार्त पंतीयन कानुनाती, जो १९०० के कानुन गाँव नामसे विरिष्ठ है पर व करवा गौर (क) सभी मनातिर्भेश्य कर्यू किसी एक सामान्य कानुनांव जननां किना-मास व्यक्तिमाने के निरुद्ध भीव और मनास्थी व्यक्ता करवा ।

र रेक्टिर "में बार को पुत्र भरा और सम्बाट पुत्र ॥ १-०२ और ४२९-३ और।

ार हैला सिन्दिक दुन । ९⊶५ tt

### प्रक करूप प्रश

नाननके कप्टोंसे पीड़ित एक गरीन भारतीय - नामसे एक भारतीय किसता है अब यदि किसी तरह इस कानुवसम्बन्धी समस्याका हस्र निकल बामे दो हम चेंसे-तैंसे मारत पहुँच चार्ये अन्यमा मृतप्राय ही हैं। वर्तमान स्वितिमें अधिक कट मध्यमवर्गीमोंको है। बढ़े-बढ़े व्यापारियोंको भो पैजीवाक्ष हैं उचार मिक्का जमी वर्ष महीं हवा है किन्तु [ सम्मानगर्क स्थापारियोंको ] को नोरे पहले बो-बार सौका साक में मा देते के के का पाक सिक्षिकका साम देनेसे भी इनकार कर देते हैं। वे कहते है कि वरतक कानुसके सम्बन्धमें समझीता नहीं हो बाता तरतक वे हमारे साव न्यापार बन्द रखेये। ऐसी शास्त्रामें यदि हम वरीवेंकि हिलके खयालसे किसी प्रकारका समझीता हो जाये दो हमें चीवित राजनेका अवसर मिले। कपया श्रम ऐसा उपाय करें विस्ते हमें और लविक क्या सकत न करने पडें।

इस पत्र प्रेयकते सहानगति हए बिना नहीं रह सकती। फिर भी हमें करना चाहिए कि ऐसा फिसना मूक है। यह मानना विक्कुल वसत है कि पूँबीवारोंकी कोई हानि नहीं है। वहाँकी नहीं हानि हुई है जीर छोटाँकी छोटी। इसी प्रकार [इस संवर्षके] हर मास्तीव सैनिकको हानि उठानी पड़ी है। यदि योरे साथ नहीं क्षेत तो [कोन उनके पास न वार्य ] उनके कोई सुबाबके पर तो क्ये नहीं हैं। हमें गोरॉके डारा बड़े किये गये यहंगीके मुकाबकेटे किए चैमार रहना ही चाहिए। देखके किए पैसेका नुकसान सठानेमें पुष्प नहीं भानना चाहिए। किन्तु स्तान कहतेके बाद में स्वीकार करता हूँ कि अपने पत्रमें को विभार स्वस्त किया समा हूँ वह बहुत-से भारतीकोंका विभार है। संबर्ष स्थी बातको स्वानमें स्वकर मनामा का पहा है। प्रमान विवास केन कहा सकता है गेता उच्चर उपना हो सोर जानने हैं। पहा है। प्रमान विवास केन कहा सकता है गेता उच्चर उपना हो सोर जाननेसे सम्बन्ध रूप्ते हैं। ऐसा सोचकर किसी भी नारतीयको हिम्मत नहीं तारनी चाहिए।

## मुगर्चबॉर्ग

कुनवंडोंपेके फेरीबालोंके विवयमें समाचारपत्रोंमें यह कवर प्रकाशित हुई है कि ने फेरी समानेके किए नहीं निकस्तो : इस्पर थी कुरवेदनी देशाई पृथित करते हैं कि यह सबर विस्कृत सठी हैं। बहकि भारतीय फेरीवाले विमा परनामा (काइसेंस)अपना स्वापार कर खे हैं।

## नचे काननके विपयमें

बाजसे नमा कानून लायू हो गया है। वय उसके बनुसार पंजीयन (रजिस्ट्रधन) करानेके बारेमें नोटिस निकाला कामेगा। कहा जाता है कि नोटिसमें हैं नवस्वर तक की मीयाद ही नार्या हो व वार्ता व व्यवस्था कार्या हो हो जाता वस्त्रक हुए कार्या कार्य केना विस्तृत मुनासिय नहीं है। इसके किए जनीते जन्मतियत कार्याकपर वस्ता देवेकी चकरत होगी। बदि ऐसा किया जाने और परवाने न किये वार्ये तो सनायान दुस्त हो जायेना।

#### **उ***छ* **अन**

द्वान्यवाक सौडर में प्रकाषित हुत्या है कि यदि प्रतिचय केवल ६ सिक्षित भारतीय वा सकें तो भारतीय तुष्ट हो कामेंगे। इतपर बहुत पूक्ताक की वा रही है। कोई कहता है कि संवर्ष [प्रतिवर्ग] केवल क पारतीयोंके प्रवेशके किए किया वा रहा है कोई कहता है कि यह तो विस्कृत नहें बात है। किन्तु यह गनवकहमी है। हमारी माँग यह है कि कमवे-कम कानुनमें तो सभी विश्वात कोमोंकी एक-सा हुक हाविल होना वाहिए। हम कह ार्चका कार्युर्व पार्चका व्यावका कार्याक कुरूरण दुश द्वाराज्य दुशा निवास है। पुर्वे हैं कि [सब प्रवास्थिक किए] कार्युत एक ही ही अपने ही [व्यविकारियोंकी क्ष्णानुसार] पर्यसा क्षत्री कठित की कार्य कि एक भी साध्यीय त वा सके। कहनेका व्याप यह हुवा कि कानुक मुताबिक विविधानिकों को परीका की बायेगी उनमें यदि के उसी में हो बायेगे यो प्रविद्य हो सकेंगे। किर गोरोंकी सरक परीका के अवना एकवन के ही नहीं बौर भारतीयोंकी कठिन परीक्षा कें -- उसका निरोच नहीं किया जा सकता। यदि ऐसा 🜓 यो हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। तब सवाल चठता है कि इसमें फायदा क्या है? इसके उत्तरमें हम कह एकते हैं कि यदि एक सीमित संस्थामें मास्तीयोंक प्रवेशकी सनुमति ार पान पुरा गर्द प्रस्ता हुए हा पान पुरा शामा प्रस्ता पान प्रसान वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार् इसे हो हो में कानूनमें प्रतिकारका कर्कन इसारे किए छोमरीय नहीं हैं, किन्तु, मरि हर् सी इंग्ले छोचा वन हो छन्मन है एक भी भारतीय न मा पामें स्वक्ते वसके छन्का माना वन के भारतीयोंको उपनत वरीका जेकर प्रकिट होने हैंने। इसकिए को छ भारतीयोंके मनेयकी बात कही वह है वह उपनिवेशके कोवोंको संतीप वने बीर मारतीय समावके रेनका बीतिया बतानेहे निय कही गई है। कानून एक पर उचका प्रधानन क्वान्यक्या
—यह हुवा वर्ण्नुल प्रोतका वर्ष। इस प्रकार इस प्रीतमें और यो मीन सार्वजनिक समाने की नहें यो तथा विसे भी स्प्रदेशने वर्षा है। मनार नहीं है।

र जिप्पार १२ के दुम्पावणक पीकजी हकार्युरेकों प्रवासित हुण गा कि " भी प्रांतिने बहा दे पर जरकर अनेपर्व क जिल्हिन पारतीमीची — प्रीवक्की वर्त्य — प्रोच करनेकी चनुपति है होती हो, व्योग्ड मार्गोक का विद्योद्ध स्थान है, त्यार्थ ने और काद्य हमाण क्यारेग करनेके किए क्यान्य ही वर्षीय । वरि प्रीवर्ष हो क्योच्छा कार्य नी मां वर्षों हो भी का क्यारक क्यान्य पुम्लाक कार्य हो प्योगा को दे तरीह है। प्रीवर्ष कोर्योद्ध भागांत्र स्थानक क्यान्य कार्य स्थानक क्यान्य हमाण्या कार्य क्या करना हो । "हिंदिय "का श्रीकेसानी" हुए क्यान्य भी ।

s. Her are a ga magag I

### चीनिर्योक्ती भीरते महरू

भी स्वतनने चीनी संबक्षी बोरसं बन्दनकी [य जा वि भा ] समितिकां मेवनेकें किए ५ पीट सिने हैं। पाठकींकी मान होगा कि पहले भी चीनी-संबक्षी जोरसे हतती हैं। एकम भी रिचको मेट की गई ची। भी बन्दातकी बोरसे चो सामकों समेंकर स्वामावनमें बचाया पाया पा सक्के कर्चमें जी चीनी-संबने समामता है। सी।

## क्षोग्रेसकी बोरसे महत

[पारतीय राष्ट्रीय] कांग्रेसका तार आया है कि उत्तर्थ सन्दनकी [द वा वि मा ] तमितिको तारसे १ पाँड मेचे हैं। यह पहले ही हो बाना वा। अब भी ठीक समयनर ही हवा है।

**बुबबार [सितम्बर २३ १९ ८]** 

## फोक्सरस्टके केंद्री

हरिसास यांची फोलसरस्ट जेक्से कुटकर ना यथे हैं। वे [बंकरों ] नेटालनास्थिति सान तीन रात रहे। वे बनर काने हैं कि कैरियोंना स्वास्थ्य नकता है। उन्हें जो भी जान तींचा जाता है उन्हें वे नहीं कुसीने करते हैं। जब ने [सक्तर एक्सर तोहनेले किए] बाहर नहीं मेने बाते वस्ति उन्हें बेक्से मीतर ही नयीचा नावि सात करनेना सान दिया जाते किसन वैती एस्क क्रमेन स्ताय एक मंत्री हैं 'यह बीत नाते हुए सन्त रहते हैं।

#### नथे कान्त्रके अन्तर्गत विनिधय

गरे कानुसदे बस्तवाद विभिन्न (रिपूक्तिका) प्रकाधित किये वा चुके हैं। इतका विशेषण सन्ते हस्ते किया बायेगा। फिक्त्यल तो इतमा ही कर्ता हूँ कि पहले नितियमिक मुकाब्ते में मितियम बहुत क्लाब्दे हैं। किर भी तनने कुछ बामियों हैं। इनका निराम्बरण वन समझीता होता तभी किया का स्वेणा। किन्तु में जासा करता हैं कि प्रयोग मारतीय वीरण रखेता। विश्वीको भी त्रताबकों में सर्वों देनेको करूता नहीं हैं।

### त्तमिकॉका काम

सकाधिसीका काम सरमन्त्र अच्छा है। दिवना ही नहीं कि वे जेव जाते पहते हैं, इसिक में पैठ इक्टूठ करनेमें भी नहीं नुकते। उनहींने संबंधि ८२ पीट है सिक्सिका मेक दिवा है। इस प्रकार हम बेसते हैं कि नो जेन जाते हैं वे उदाराजी पैठ भी देते हैं। की एक दिवानों सिक्त कराते हैं वे सभी पितानोंने किस्त कमा सकते हैं।

#### वैचप वस्मावक **वे**किम<sup>प</sup>

भी देकिन जिरिचनाताचे निकार है कि जेकमें पहले इनते वन्हें पोचन बनानेका कार दिया गया दूसरे इनते कुटकर काम दिया गया जीर अन्तिय इनतेमें बाहर चड़कपर काममें

- १ समिन भाषिका निर्देश मासीन समिति (सम्बन माहिका निर्देश रेकिन कविदी)।
- २, रोष्क्रमा वंजीयम (गॉर्थकरी रजिरदेशना) के फालनात जीवनेके सल्यानी ।

३ बुक गुक्ताती का लग्नर है।

- किस केरी स-दःक्यंकन स्टाम का कारो "। सर्वे "स्टाम" कप् साराः करती सरामनीके किर सरक बना है ।
- च के क्षित्रकर १९ को शोध भिने को थे। वैकिय शाक्ष का

लगाया गया। मोत्रन दूसरी बगहों नेसा ही बा। तकशीक उन्हें सिर्फ इस बातने हुई कि साना नाते समय टोपी उत्तरवा की बाती बी। वे सिकाते हैं कि मने स्वदेशके मिए कप्ट उठाकर मात्र बपना क्रतेंच्य ∰ निमाया है यदि फिर कप्ट उठाना पढ़ेगा तो उसके मिए भी तमार हैं।

### चमझीता !

### विकायतके समाचारपत्र

विधायतरे स्थावारम इमें सलाह विया करते हैं कि वब हुनें चून के जाना चाहिए, बागीत नहीं करनी चाहिए और कानूनको स्वौकार कर लेला चाहिए। यह सीण तो बड़ो उपस्तारीकों है, किन्तु साम्य करने सोम्य नहीं है। इसकी साम्य करनेकी आवस्तकता भी नहीं है। इस तर्हकों चार्चे पहुके भी कही जा चूकों हैं। इसारा कत्य एक ही है हमारी मांग योचन है इसकिए वसतक वह स्वौकार नहीं की चार्ती त्वस्तक हुनें जूमते रहना है, मेपे कानूकता साम नहीं दकाना है और जैकाको मर देना है।

### पशी मुहम्बद

यो बनी मुहस्मद बिटोरिवाफी बेमने योच दिन गुजारकर बुग-बामने बाहर बा गये हैं।
उन्होंने बाजा है कि बेमने बुगू [बकर्रफा दिनया) दिया गया किन्तु अने चर्ची मिना हुया
दैनिके बयो किनीत नहीं नाला। बारे करियोंको एक बतारमें बहा कर दिया गया। औ
स्मित क्यों किनीत नहीं नाला। बारे करियोंको एक बतारमें बहा कर दिया गया। औ
स्मित क्यों कर्म वर्ग सामिन कहा स्वीतिक एक हैंगित स्वीति वर्ग अव बर्गरेरेंक पामन महा
विशायन करोंका बरफ स्राया तब मुख्य वार्वर्ग विकासन नहीं करने थी। सरमामन्त्रें कर्मात्रें भीन करदेको बाल्यों जाने और करड़ा कांनक क्याय बताया पान था। एमें नर्ट हुन्नेयर
यो प्रदक्त आरडीस्को जेन जानके लिए तरहर स्वृत्त है। बिटोरियाके कारतीस क्रियोंन क्योंने क्या के स्वीतिक स्वातिक स्वात

[पुनरातीते]

इंडियन बोरिनियन २६-९-१९ ८

रे रिका मका बच्चा होश्येतको पृष्ठ भएन्छ।

### ३३ पत्र घेल-निवेशकको

[कोहानिस्वर्ग] सितम्बर २४ १९ ८

चेक-निरेशक प्रिटोरिया महोक्य

मेरे हवी पृश्वादीबाके पत्रके कतारमें बापका २३ तादीबाका पत्र संबंधा १ ७७/८/ ८६५, मिला । उदकी प्राप्ति सावर स्वीकार करता हूँ । विकासवके सम्बन्धमें बापने की योज की है उसके मिए सम्बन्ध स्वीकार करें।

ना के हु उद्योग कर निर्माण करने विकास कर । सम में दिखारण करने को व्यवस्थित इसकिया बयान पनके राज पेज रहा हूँ। येगा कि बार देवेंगे नह माने निर्माण माने हुए उपने निर्माणियां प्रीकृत है। इसके प्रस्ट होता है कि देह कियू नह बनने रिला किया माने हुए उपने निर्माणियां प्रीकृत है। इसके प्रस्ट होता है कि उपने यह मीमारी मनक्ष्म हो बोन में हुई होगी। परा बीर कही विदिष्ट मारदीमारों में येग सरी हात हैं। के पूरावकर बाने हैं यह बन्दान है कि पानरित पिकारण करना बातान बात नहीं है वर्गीक एक तो कैसे बहुत परमीत रही हैं और बुधरे, उनकी बरेबी या ती जातों नहीं या काफी नहीं माती। विकासन करनेवांक व्यक्तिक कहाता है कि पदि मोर्ड परावरों या सार्वक्रिक क्षेत्र की बादे तो यह उसमें देख होने और पराही देनेके किए विस्कृत दैवार है।

> बापका बाबाकारी देवक बंध यु कार्ड्यसम्मा सम्मक्ष विदेश सार्याचीय संब

[मॅप्रजीवे] इंडियन मोधिनियन ६—१ —१९ ८

र केम्प्रेनिक्क (समाराज चौंक पित्रक) के नाम किया नह रश किया अंदमें "दुखानंद नहीर । जीवनी जनस्वदात " योर्पको महावित्र के १, हेर्स्स मन्नीका दक्तमानाः चौ मुगी वहीं दिशा कारहा है; हेबिस पन

## ३४ पत्र जेल निवेशकको

[भोहानिसमर्ग] सिवम्बर २५, १९०८

चेच-नियेशक प्रिटोरिया महोदय

ट्रान्सवासको जेकोंमें भारतीय कैवियोंके स्थि को भोजन-शास्त्रिका साधू है, उससे सम्बन्धित

प्रस्तके बारेमें बापका इसी २४ तारीसका पत्र शिका।

यह बाद मुझे प्रकार बार मालूम हुई कि चारे ट्रान्यवालमें बवाय एक मोबन-ठाकिका है नेले के छा कि मेरे संकड़ा अगुमान बा बनेक घोषन-धाकिकाएँ छात्र हु को विभिन्न सेसोनें एक हुए के छात्र छात्न

इस क्यानके विक्क कि बीका विधा बाता एक क्ष्माका कार्य है और बुराक-सम्बन्धी निवसका विवय नहीं में किर जापति प्रकट करता हूँ क्योंकि में इस सम्प्रको बातता हूँ कि गत बनवरोरों बोहानिस्तर्गको खेकमें उसी हुई भोजन-सार्क्तिकारों की सम्बन्धित था। सार्क्तीय कैरियोंक सम्बन्धमें जहां नियमीं में बची देनेकी स्थासना है वहीं वर्षी बानेमें मार्क्तीयोंकी सामिक बापतिको बेबते हुए, क्या विकारियोंका इस्तर वर्षीक बनाय सन्तरा औं देनेका है यह समिल करें तो मेरे संबन्धी प्रस्तरा होती।

सारेणे जिस पणका जत्तर वे रहा हूँ जससे इन धनेत्रीकी पुष्टि होती है कि सरकार पार्योगोंकी एक ऐसा भीजन जिसके में जीवनमें जिल्कुल बस्मस्त नहीं रहे स्थीकार करने किए बाध्य करके उन्हें जुलों सारकर उनसे बारसस्मर्थण कराना चाहती है। नेरे

चंपको गई देखकर दुःग्र होता है।

बापका बाजाकारी देवक वंग मुंग काछलिया

बन्धव विदिध भाष्ट्रीय संघ

[अंबेगीस] इंक्टियन बोलिनियन व्-१०--१९ ८

## ३६ पत्र खेल-निवेशकको

[मोहानिसम्ब] सितम्बर २४ १९ ८

चे<del>ड नि</del>देशक प्रिटोरिया सहोदय

मेरे इसो २१ तारीक्षके पत्रके स्तरभं आपका २१ तारीक्षका पत्र संक्या १ ७७/ ८/ ८६५, मिला १ स्तरकी मास्ति सावर स्वोकार करता हूँ। सिकायतके सम्बन्धमें आपने की कौंग की से सक्के सिए कम्पनार स्वीकार करें।

जम में विकायत करनेवाले व्यक्तिका हुक्किया बमान पनके छात्र भेक यह हूँ। बैछा कि
नाउ देवेंचे बहु बरने स्थानपर कायम है। उनके लिए गनाइ पेक करना निस्तनीह सरसन्त करिन है कियु यह बदये दिहा किया गमा है उनके निम्मीनियाध पीड़ित है। इन्छे प्रकट होता है कि ठकते मह सीमारी स्वतम ही जेकमें हुई होगी। नेपा बीए कई विदिक्ष भारतीयोंका में ने समी हाल ही के पूजरकर जाये हैं वह सन्तम है कि पाननेपरि विकास करना बादान नात नहीं है न्योंकि एक तो सेनी बाहत सम्मीत पहते हैं बीए इन्छरे, उनको लेकेनी मा तो समी नहीं या काफी लाही जाती। शिकायत करनेवाले व्यक्तिका कहना है कि पदि सोई स्वती नहीं या काफी लाही जाती। शिकायत करनेवाले व्यक्तिका कहना है कि पदि सोई स्वती नहीं या काफी लाही की सीच तो नह उनमें पेक होने और पनाही देनके किए दिस्कुक दैनार है।

> वारका वासाकारी वेक्क स॰ मु॰ कार्कक्रमा बच्चस विदेश प्रारतीय संब

[बंदेबीसे]

इंडियन बोपिनियन १-१ -१९ ८

१ केन-विदेशम (बालरकार चोक निकार) के बान निकार कर न में विकास सीरिनियमके ३-२०-१९ ८ के बंदने "दु:बानन बारीर ४-चैनशी बालरवारमा" बीचेंकरे स्थापिक निवार क्या था। ३- मेरा महीचा हरकामा को स्थी नहीं स्थार मारशा है। वैविष्ट पन केन-विदेशकारों " यह ५०-५९।

## इ४ पत्र जेल-निवेशकको

[भोहातिस्वर्गं] सित्तम्बर २५ १९०८

**बेल-**निरेशक प्रिटोरिया

महोदय

ट्रान्सवातको वेकॉमें मारतीय वैदिवोंके किए वो मोजन-शाकिका कामू 🕏 उससे सम्बन्धित

प्रस्तके बारेमें बापका इसी २४ तारीसका पन मिला।

यह बात सुन्ने प्रवस बार आकृत हुई कि छारे ट्रान्यवाक्षमें बवाय एक जोजन-शाकिका हैनके बंदा कि नेरे लंबका अपूनान बा बनेक प्रोचन-शाकिकाएं आप है वो विनिध्य सेकोरें एक-पूनरेटी निध्य हैं। मेरे लंबकी राग है कि वेवनावर्ष इस दिखालटे उन कोनोंगर वह उन्दर्भ तोई विनयं सेकार किया चारा है और प्रविद्य आप मेरे लंबको यह बतानेंगे यो प्रवस्ता होगी कि क्या छारे ट्रान्यवाक्षमें भारतीय किया होगी कि क्या छारे ट्रान्यवाक्षमें भारतीय किया किया चारा है को प्रवस्ता के स्वस्ता में मन्त्र प्रवस्ता किया वित्तव करनेका एक्कारका इराबा है। बीर यह प्रवस्त बुराककी स्वस्ता में प्रवस्त विश्वक वाह्न वोहानियवममें निक्ता है बौर जिसकी बार नेरा घंच वार-वार प्यान साकपित कर पुत्र है विवक्तन सकता है।

इत कमनके विकट कि बीका दिया बाता एक क्याका कार्य है बीर सूराक-सम्बन्धा नियमका विषय नहीं में फिर बापति प्रकट करता हूँ क्योंकि में इस राम्यको बानता हूँ कि सब जनवंसे बोहानिश्ववंकी खेळमें छता हुई गोजन-बाकिकामें वी सम्मित्तव ना। मास्त्रीय कैरिसीक सम्बन्धमें जहाँ नियमोंने बीहे देनेकी क्यान्या है वही वर्षी बानेने सास्त्रीयोंकी बानिक बारानिको देनते हुए, नमा जनिकारियोंका इस्पता व्यक्ति बवाय सन्तरा भी दैनेका है यह पूचित करें तो मेर खेडको प्रसम्बा होगी।

आपके जिस वकता उत्तर है पहा हूँ उससे का सन्देशीओं पूरित होती है कि सरकार आप्तीबीको एक ऐसा भोजन जिसके ने पीचनर्जे विक्कृत सम्मस्य नहीं परे स्वीकार कंपने किए साध्य करके उन्हें भूजों मारकर उनसे आरमसमर्थन कपना नाहती है। मेरे

वंतको यह देखकर बच्च होता है।

जापका शासकारी वेदक वर्ण मुण्डाछिया

अप्यत्त विदिध बारतीय संघ

[बंदेगीय] इंडियन जीपिनियन ६-१०-१९ ८

## ३३ पत्र खेल-निवेधकको "

[ बोहानिसवत् ] धिवम्बर २४ १९ ८

**बेक-**निवेशक

प्रिटोरिया

महोदय

मेरे इसी २१ तारीक्षके पवके उत्तरमें आपका २३ तारीक्षका पत्र संस्था १ ७७/ ८/ ८१५, मिला । उसकी प्राप्ति सावर स्वीकार करता हूँ । सिकायतके सम्बन्धमें बापने जी र्मीय भी है उसके किए अध्यक्त स्वीकार करें।

बाद में शिकायत करनेवाके व्यक्तिका हककिया बंधान पनके साथ प्रेम रहा हूँ । पक्षा कि बाप देखेंने वह बपने बयागपर कामम है। उन्ने किए चवाह पेस करना निस्तानेह बायन्त कठिन है किन्तु वह बबसे फिल किया गया है सबसे निमीनियासे पीड़ित है। इससे प्रकट होता है कि

उसको यह बीमारी जनश्य की खेळमें हुई होयी। येरा और कई ब्रिटिय मारदीयोंका भी बी बंधी हाम ही कैद भूगतकर बाये हैं यह अनुभव है कि गवर्गरसे दिकायत करना नासान बाद नहीं है क्योंकि एक दो केंद्री बहुद चबमीत खुदे हैं और दूसरे, उनको बंदेवी या दो नाती नहीं या काची नहीं आती। शिकायत करनेवाले व्यक्तिका कहना है कि यदि कोई सरकारों या सार्वजनिष्ट जीव की जाये तो वह उसमें पेस डीने जीर यनाही बेनेने किय

विस्कृत सैवार है।

भापका शासाचारी पेदब **ब**० मु० का**छ**स्मिया विदिस मास्तीय संव

[बंग्रेगीसे]

इंडियन सीचिनियम ३-१०-१ ८

 क्षेत्र-विदेशक (काम्पुनार चौंक पिकल) के जान किया नह पत्र इंडियन मीरिनियमके ४-१--१९ ८ के बंदमें " दश्य नगढ़ भारीर ३ श्रीवड़ी भागरणस्था " श्रीवेंब्से अवस्थित किया क्या था। व. तेरा बनीवा समझाता को वहीं नहीं दिवा आ रहा है। देखिर वत्र श्लेक निरेशकरों " वह भण्या ।

## ३४ पत्र क्षेत्र निवेधकको

(बोहामिसम्य ] सितम्बर २५, १९ ८

चेल-निवेशक प्रिटोरिक

महोत्रम

टान्सवासको बेकॉमें मारशीय कैदियोंके किए को मोबन-ठाकिका काग है, उससे सम्बन्धित प्रस्तके बारेमें जापका इसी २४ वारीकका पत्र मिला।

यह बात मुझे प्रथम बार सामृत 💶 कि सारे ट्रान्सवाधमें बजाय एक मोजन-दासिका होनके जैसा कि मेरे संबंधा अनुसान या अनेक गोजन-सामिकाएँ कागू है जो विभिन्न जैसॉनें एक-पूनपैट मिम है। मेरे संबक्ती राम है कि मेदनावके इस सिखान्तसे उन मोगॉपर बड़े रूट नारे हैं जिनके निरुद्ध मेवमान किया जाता है और यदि जाप मेरे संचको यह बतायेंगे तो प्रसम्बद्धा होनी कि क्या शारे टाल्सनाकमें भारतीय कैवियोंके लिए एक नियत मोजन-शासिका निरिचत करनेका सरकारका इराहा है। बीर यह प्रस्त बरावकी स्वस्थताके प्रस्तस विसका उदाहरण बोहानिसबर्पमें मिलता है और विसकी और मेरा संच बार-बार ब्यान मारुपित कर पूका है विस्तृत संसग है।

इस करनके विरुद्ध कि बीका दिया जाता एक क्षपका कार्य है और खुराक-सम्बन्धी नियमका मियम नहीं में फिर बापति प्रकट करता हूँ क्योंकि में इस तब्यकी जानता हूँ कि यत वनवरीमें बोद्धानिसवर्गकी बेक्में क्यो हुई गोजन-शक्तिकामें की शस्मिकित था। मारतीय कैरिनोंके सम्बन्धमें बहाँ नियमोंने कहीं देनेको श्वतस्था है वही कहीं कानेमें भारतीयोंकी कापिक मापितको देखते हुए, क्या अधिकारियोंका इरावा क्वींके बनाय अन्ततः थी देनेका

है यह समित करें तो मेरे संबक्ती असमता होगी।

नापके विस पत्रका बत्तर दे रहा हूँ वससे इन सम्बेहींकी पुष्टि होती ै कि सरकार नारतीयोंको एक ऐसा योजन जिसके वे जीवनमें विस्तृत बज्यस्य नहीं स्वे स्वीकार करतके किए बाध्य करके उन्हें नखों आरकर उनसे बारमसमर्थन कराना चाहती है । मेरे

र्थमको यह देखकर एक होता है।

आपका कालाकारी सेवक अ॰ मु**॰ काछ**रिज्या

विटिपा मास्तीय लंब

नवे नोसे |

इंडियन बोपिनियन १-१०-१९ ८

# ६५ मेटाल फैसे सहायता कर सकता है

ट्रान्यमानकी कड़ाईमें नेटालने यत वर्ष भारी सहायता की थी। इस बार तो हर कर दी है। नेटालके प्रमुख और सिक्षित मास्तीय येकमें था वर्ड है।

किन्तु ऐसा होनेने नेटाकका इस जान्योकमधे गहरा सन्यन्य हो समा है। सन इस्पर भी ट्रान्डवाकके समान ही बोसा जा पड़ा है। नेटाकके विवसीका सीमताने वन्यन-भूत्व करवाना विदान द्वारवासका कर्मका है जवता हो नेटाकका भी हो गया है। ट्रान्टवाकका कर्मका है वह इसारी बोद्वानिकवर्षकी विद्शीमें बताया यया है। इसकिए बन नेटाकका विकार करें।

नेटाकचा एक क्टॉब्स दो यह है कि वह सम्बन्धी [ स भा कि मा ] सिनिहका का बातने किए नियमित कमने पैसे मेजता पूरे। इस उद्देशपाई पूर्विक किए की स्ताधे प्राची करूरी किए की स्ताधे प्राची करूरी किए की स्ताधे प्राची कर कि यह कार्य बाराना कर दिया नया है।

हुएए अर्द्रिय यह है कि हुएरे मेठा को ट्रान्यवाक से सविवादी एइ पूके हैं और विरिट्ट, वॉक्टर साबि उपन विका-भाज मार्ग्याय हाल्यवाक में प्रेश करें और भी वाजय मुहस्पवका वाज में 1 फिर, बिनके पास व पाँची पंत्रीय मान्यवाय हिस्केट ना सिंटिकेट मा अनुसरिपन (एएसिट) हैं उनको हाल्यवाक नेवा वाये। इस्में हे कोई मी सी सीमाप्त अपने बंदुठेडी काप न में और वह प्रकार के [आर्यायोक] विश्वय विश्वयारीकी प्राध्यक्ष किए वेसेंकी मार में। महि इस जवायका बदकलन किया वाये है इस है विनों में संवयक बन्द हो वायेना और बहुठ-छे मार्ग्याय वयने समावयें वाई हुई नई यन्तियों परीका कर क्षेत्रों।

ऐसा करतेसे तिस्सान्देह मेटाकका बहुत काम होगा। वसे वधी ब्याद मोर्च केने हैं। उसे स्थानारिक कानुतानों रह करतेना है, जिर्दामिटियोंक कुम्मीका करत कराना है जीर सरकाकारपूर्व है पीडी करको समार्थ कराना है। यदि इस सब कार्यमें बहुतन्ते मेरा सम्मी नहें सत्तिकी सामग्राहण करेंसे दो वह निवच्यों बहुत काथ जायेगी। वस योरे वह देख कीने कि इसमें ऐसी सतिस का यह है दो ने इससे केन्द्रकारी करतेने पूर्व रोजिये सकस्य।

मेटाको अन्दरराहमें कारी ही बन्दरिंत एक बहाव कारोगा। वसमें बहुन-से आस्त्रीय ट्रान्सवाको है। उन्हें समझाना थारी विवासि वाकिक कराना और ऐसा इन्तवास करना कि वे ट्रान्सवाकों अनेब करते समय बेंगूटेकी निकासी कार्ड स कें — यह सब मेटाको सम्बोधीका

१ देकिर क्षण ७, १४ १४४ और १११-१६ । ९. शहर सुरुवा, गरसी स्कारण जीर जीवीना ।

इंबिए मोशानिसकाँकी चिही " वृष्ट दर-दथ ।

४ रक्षिण मामिका निर्देश भारतीय संगिति (साम्य नामिका निर्देश रेक्पिन कमिनी)।

म्, पेटाव बारतीत कांपेस्ये समितियी १ - वींड मेमे ने; देखिए " बोहाविस्तरनेती निद्धी " एक १५ ।

होंस्य है। इस कामले बिए युरस्य रचयंश्रेयक निपृष्ठ कर दिये जाने चाहिए। इस इस ब्रावॉकी बोर प्रत्येक भारतीयका स्थान बार्कीवत करना चाहते हैं।

[नुबरातीये]

इंडियन झोपिनियन २६-१-१९०८

# १६ पत्र उपनिवेश-सचिवको

[बोहानिसर्गा] सितम्बर २८ १९०८

म<del>ाननी</del>य उपनि<del>वेश-उन्तिव</del> प्रिटोरिया

महोदय

भाषका ता २४ का पन सक्या ९/६/४४६७ मिला विसमें भाषने मेरे संबक्ते सुचित किया है कि भाष दुरस्वसामधी नेपीकी मोजन-साक्रिकांस सम्मस्यित विसमोकि मनासनमें भाषकारियोंकि कामने हस्तकेष करनेमें असमक हैं।

निर्माण करिन हुएसार करिन साम की निर्माण करिन मां प्राप्त करिन मिल प्रियम किया कि प्रियम किया कि प्रियम किया कि प्रियम किया कि प्रियम किया मेरे विकास किया गया है कि अनेक मोजन-वानिकाएँ कार है सो दिसिक केनेने निक निक्ष हैं। मैं बहुत इन्द्रक होकीया सदि जाप इपाइकी किया किया किया कि मानके उस प्राप्त किया मह उसर है उस्कितिक नह विधिष्ट मैंगिन-वासिका कीन-सी है।

भाषका बाजानारी धेनक, व्यंत सुरु काछलिया सम्मद्ध विक्रिय भारतीय संब

[बंदबीसे] इंक्रियस कोचिनियक १८०१

र्वेषियन बोपिनियन ६-१०-१९ ८

## ३७. पत्र जेस-निवेशकको<sup>\*</sup>

[भोक्।तिसम्पै] सिवन्बर ३ १९८

चेक-निर्वेशक प्रिटोरिया

महोदय

भी बावन रमकोकुने मुखे सुचित्र किया है कि वे बारी-बारी वासिस्टन बेक्से कूटे हैं। वहीं उन्होंने वे दिनकी सकत कैरको सबा काटी। वे मेरे संबको सुचित करते हैं कि उस व्यक्तियें वनहें नो भावन दिया बया उसनें नास्केक सबस मकरीका सकिया बोमहरके मोजनमें वर्षीनें पन्हों हुई या क्यों निकास हुई मकड़ें और सामके मोजनमें मकरीका बीक्या होता था। इस मोजनका कोई विकृत्य नहीं था।

सिंद में बारीप सही पाये बार्स को मेरे संबक्त बापसे तत्काव यह बारवादन पाकर हुएँ होगा कि बही-बही वर्षीका उपयोग किया बाता है वही उसकी वयह वो का कराने किया बानेगा। मुझे बापको यह स्वरण दिखानेकी बावस्वकता नहीं है कि कहर मुख्यमान वा हिन्दुने किए वर्षिक ताव पत्रामा हुवा भोजन वार्षिक वृष्टित व्यक्ति है। मुख्यमान किसी ऐस पहुंची का सकता है को विविध्न के हुण्या किया गया हो बौर हिन्दू से ही एस पहुंची वर्षी वा सकता है को विविध्न के हुण्या किया गया हो बौर हिन्दू से ही सकता है वर्षी विव्युक्त बाने ही नहीं।

कापका नाताकारी धेवक ज॰ मु कास्त्रिया संस्थास

बिटिय भारतीय संग

[बंग्रेगीये]

इंडियन श्रीपिनियन १०-१०-१९ ८

## इट पत्र 'इक्टियन ओपिनियन'को<sup>५</sup>

बोहानिसबय सितम्बर ३० १९ ८

सम्पादक इंडियन मोपिनियन

महोरव जेन-निरेचक (डायरेस्टर बॉॅंड प्रिजन्ड) की औरसे मेरे संबन्धी नीचे दियें गय कुछ बौर सन्देस प्राप्त हुए हैं

हती दुध तारीखरे आपके जस पत्रकें सम्बन्धमें वितसे साथ आपने सेवर अमीका ब्रॉस्सरमें मेलने उसके साथ हुए व्यवहारसे तम्बन्धमा हक्कामा भेजा है मुझे यह कहना है कि इंसर रेडके बोलेंकि पधनराज जामकेकी कांच कर की है और मुझे उनसे उसका विवरण मिल सवा है।

मुने इस बातको प्रविति हो वह है कि सैयद अलीके लाग खेलके निमर्गेक अनुसार स्पन्नहार किया गया था और गर्तमान स्थितियोंने मामलेकी और क्यांवा खाँच रूपनेका नेरा करावा नहीं है।

ड्रान्समासकी बेलॉमें केड बिटिश नारक्रीयंकि सिए द्रान्यसासमें लापू मीजन तासिकाके विषयमें सिन्ने हुए आपके इशी १५ शारीका बुधरे पकते सालाग्यमें मुझे सापको यह धुपना देगों है कि फिलगुरक निकी हुई सलाहके बनुसार मौजन-सापको यह धुपना देगों है कि फिलगुरक निकी स्वास्त्री करणेकी सैयार गर्दी हैं।

रियाई देता है कि सैमद बलीने कानी विकायतींकी सूसी अदालदी बॉक्की को मानगा की है वह सब्लीकुट कर की मोनेंगे। मात्यीम केरियोंके किए ट्राल्यकको चेकोंनें जान मोमन-तालिमाके सम्बन्धों मेरे संबंकी जब यह निरुचन हो बाना साहिए कि साय्योध केरियोंको मुखों मारकर मुक्तनेंके किए बास्य करना और एस तरह सिटिया मात्योध समामपर देवा कामनका प्रयोग करना हासवास सरकारकी निरिच्छ नीति है।

भारका भाषारारी वेक्क अ० मु० काछतिया अध्यक्ष विध्य भारतीय सम

[बंदेगीते] इंडियन मोर्पिनियन १--१०--१९ ८

१ पर "रिष् प्रक्रमेत्रके भारीतः अविद्यो जायस्यक्रा" सीर्वको प्रसारित दुना या । १. रिजर "पर वेत्र विरोधको " इत्र ०० ।

<sup>1</sup> Cat "er: unfiltent" in at 1

Y Car " 41: Belittel" YE 4045 1

# ३७ पत्र जेल-निवेशकको

[चोहानिसक्ते] सित्तम्बर ३० १९ ८

**भेक-निर्दे**शक प्रिटोरिया महोदय

भी बावन रमकोड़ने मुझे सुभित किया है कि दे सभी-सभी वॉमस्टन बेक्से छूटे है। वहीं उन्होंने हे दिनकी एक्ट कैंदको स्वा काटो। वे मेरे संबको सुन्दित करते हैं कि उस समिसें उन्हें को भावन दिया ज्या उसमें मारकेंड स्थाप मकईका बक्ति के बेमहर्तक मोजनमें क्वीनें स्वाई हुई या वर्षी मिकाई हुई मकई बोर सामके मोजनमें मकईका ब्रिजा होता होता था। इस भीजनका कोई विकस्प मुझे था।

यदि ये बारोप धड़ी पाये वार्ये तो येरे धंवको आपसे तत्काच बहु बारवायन पाकर हर्षे होमा कि वही-नहीं वर्षोका उपयोग किया चाता है वहाँ उसकी काह को का उपयोग किया बारोग! मुखे बापकी यह स्थाप रिकानको वायसकता नहीं है कि कहर मुख्यमान या हिस्सूके किए वर्षीक साथ प्रकास हावा योजन वासिक द्रिप्टेस धपश्चिम है! मुख्यमान किया ऐसे पहुंचे अपनी का सकता है को विविद्धांक हकाक किया गया हो और हिन्दू सो ही सकता है करी विवक्तक बारों हो नहीं।

> आपका आज्ञाकारी चेवक वार्व सुरू का<del>ष्ट्रवि</del>या

जम्मक विटिश पारतीय सम

[सबेजीसे] इंडियन सोपिनियन रं•−१ ∽१९ ८

# B८ पत्र 'इक्रियन कोपिनियन'को'

बोहानिधवर्ग विवस्तर ३० १९०८

सम्पादक इंडियन बोपिनियन

महोदम

वेक-निरोधक (बायरेक्टर मॉफ प्रिक्ष) की ओरस मेरे संबक्ती नीव विसे गर्म कुछ बार समोस प्राप्त वर्ष हैं

इसी रूर लारीकड़े आपके उस पत्रके लाजन्यमें जितके साथ आपने सैयह मणीका बांस्वर्य जैकरों उसके साथ हुए व्यवहारसे सम्बन्धित हरूकमामा मेजा है मूझे यह कहना है कि हैंदर रेडके बेसीके सर्वांपने सामकेकी बांच कर सी है और मूझे छनते उसका विकारण निक्त पता है।

भूमें इस बातकी प्रतीति हो यह है कि सैयह प्रशीक्ष साम क्षेत्रके नियमेंकि अनुसार स्पष्टार किया यथा था और गर्वमात्र रियसियोंमें भागकेकी और ज्यांग कॉम करनेका

मेरा इराश महीं है।

ड्राग्सनास्त्री बेलोंने के ब्रिटिश भारतीयोंके लिए द्राग्यनासमें छापू भीवल-सारिकाके विषयमें किन्ने हुए आपके इसी १५ सारीकाके दूसरे पत्रके सम्बन्धमें मेसे आपको पह सुन्दा देती है कि फिस्स्ट्राल विक्ती हुई सम्बन्धिक अनुसार में मीजून सारिकामें परिवर्षन करानेश्री इस्टिट कोई किसान्सी करानेशे वैदार गर्दी हैं।

दिखाई देता है कि सैयद कांगिने बागी पिकायतीकी जूनी बातामती जीवकी जो प्राचना की है वह सम्बोद्धन कर यी नामेगी। मार्त्यीय कैंबियोंकि निए द्वाचवालकी खेकोंकें गार पीजन-वाकियाने सम्बन्धन मेरे बेंबको वह यह निरुप्य हो बांगा चाहिए कि आस्त्रीय कैंदियोंकी पूर्वों मारकर मुक्तेने निए बाध्य करणा और इस तर्स्य हिटिया भारतीय समावपर प्याप बाननका प्रयान करणा द्वाच्याक सरकारकी निश्चित नीति है।

> भापका भारतकारी सेवड भ० भु० शास्त्रिया

मध्यत विनियं मारतीय संप

[बंग्रेजीसे] इंडियन मीनिनियन १~१०-१९ ८

र पर "रिक परक्रनेशके वारीशः वीवधी जाशस्त्रकार" वीकिने वस्तिको हुना वा ह २. देनिय "रशः जेन निरंत्रकरी" पत्र ४० ।

t ber "er finfeinen in nt :

४ क्षेत्रर "काः सेन्यतिहेत्रका" वृत्र नुजन्त ।

## 3 ९ सार **व**० आ० वि० आ० समितिको <sup>१</sup>

**बोहा**निसवर्ष सिलाम्बर १ १९ ८

क्ष एक मारतीयको उपनिवेश न स्वापनेपर एक महीतेकी कही कैंद इसरेको सात दिनमें स्पनिवेश-स्थायकी आजा सवा वैशीकस्य सामन इसकीस सितान्वरसे जाम और अन्तुवरमें धवीयनकी दर्जास्त देते और पंजीयकके निर्णयके विक्त अपीक्षका समिकार किर मी बोनों एक्षियाई कानमचे अर्फार्यस समित: माच एक विश्वित भारतीय एथियाई काननके बसार्यस एक महीनेकी बैद मुगतकर रिक्षा। एकियाई कामुनके अन्तर्गत बेक्के दरवानेपर फिर मिरस्तार। समाय रंग। बात हुना पुराना कानून प्रसासनिक वृश्यिते प्रमानहीन। पविभागें वैवीकरण कानन जान होनेवाजा। सनावका पुराने कानूनको रह करनेका नावड १

सिरे० क० योभी०]

[बबेबीसे] कमोनिवस वॉफिस रेकर्बस २९१/१३२

### ४० मेंट 'नेटाल भवर्युरी'की

[ इर्वन

पितम्बर १० १९ ८1

हारसवातवाती बारतीयोंके हिताँके बोरशार समर्थक जी मी क नांवी सामक्क वर्षन माने हुए हैं। कल उनसे इस पणके एक मतिनिधिने जेंड की।

मह पुड़ा भागेपर कि इस समय में उनंग किस उद्देश्यने माने हैं अनूर्गि नताना कि में यहाँ जन भारतीयोंके प्रश्नके शिकसिकेमें आया हूँ जिन्हें युक्त पहले हाल्सवाकके निवासी होत्के कारच शुन्तवाक्षमें बावस जानेका अधिकार है। में विशेषकर यन नारतीपॉसि निसने आया हैं को कर्मन कहान गमर्नर से मानेवाले हैं। यह कहान अच्छी संस्थामें प्राप्तवाकके क्रिय बारतीय माबी का पता है।

द्वान्सवासमें भारतीयोंकी वर्तमान रिपतिके सम्बन्धमें किये धर्मे एक प्रशनके उत्तरमें भी पांचीते कहा कि कहाईकी शक्त जब यह यह यह है कि किट दान्तवासमें रहतेका निर्माट है.

विक्त व्यक्तिका विक्रित नारतीय समिति या साव्य नाविका विक्रिय सॅक्सिय क्रियो क्रम्पन ।

र, ज्यू वैक्षिकेशन देखा।

<sup>ा</sup> रविस्टेक्षम् ।

वर्षे वरनिषेत्रमें प्रवेश करनेको अनुमति होगी; किन्तु वे सरकारको लिनाक्तके सम्बन्धमें तबतक कोई तहायता न वेंने कबतक को पुक्ष प्रकृत तथ नहीं हो आते।

भेंटकरांने परन किया विद्या भारतीयों कानुन-सातक स्पमाधि इस वसकी संपत्त की बेटती है? " जो गांधोने उत्तर दिया कि मेरे मतसे भारतीयोंक वसमें कोई भी विद्या नृति है। यस यह रक्तमा जाहिए कि इस्तावनकी संवयों विद्या मारतीयोंका कोई भी विद्या नृति है। यस यह रक्तमा जाहिए कि इस्तावनकी संवयों विद्या मारतीयोंका कोई मतितित्तित्त गृति है। और अपनी आवाज युनानका उनके पास एकमाण कारणर तरीवा कानुन्ते प्रति नित्तित्त नित्ति है। अपने अपने कान्य मारतीयोंकी नामता पह है कि सामतीयों इन्होंने कान्य मारतीयोंकी नामता पह है कि अपने अपने सामतीयोंकी नामता पह है कि अपने स्वत्य प्रति कानुन के रच करने किए ज्यानक हैं किन्तु के कहते हैं कि वे उसे प्रत्यावहीन कानुन "सानकर जानेंने कारतीय पह है कि प्रवादित कानुन "सानकर जानेंने कारतीय कहते हैं कि प्रवादित कानुन "सानकर जानेंने कानुन्ती प्रति होते हैं कि प्रत्य कार्या प्रति कार्या प्रति कार्या प्रति कार्या प्रति कार्या प्रति कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या है। इन विद्या कार्या है कि स्व को प्रति कार्या कार्या कार्या कार्या है कि स्व कार्या प्रति कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार कार्य का

इतके बाद प्रान्त यह किया गया: परण्यु विशा-सन्वन्ती प्रश्नके विवयमें आप क्या करते हैं?" यो गांवीन करा कि इसका उत्तर बहुत सीया-दावा है। यदि कामून रह कर दिया बाता है से हुम्सवासका प्रवादी कामून कामनय वही होया जो नदासका है। बिद्धा नारतीय कहते हैं कि सावास्य-सरकार और के स्रोग की सावास्यक्ष प्रेम करते हैं दुम्सवासको केवल बाति नीर रेवें आवास्यर पृथकरपकी नई नीति स्वाधित करनेती व्यन्तवित न दें। दुम्सवासका वर्षवान प्रशास करते हैं दुम्सवासका करते नहीं स्वाधित करनेती व्यन्तवित न दें। दुम्सवासका वर्षवान प्रशास करते हैं। दुमस्यासका वर्षवान प्रशास करते हैं। इसका प्रस्तुत करता है। इसका प्रशास करता वर्षवान वर्षवान वर्षवान प्रशास करता वर्षवान वर्यवान वर्षवान वर्षवान वर्षवान वर्षवान वर्षवान वर्षवान वर्षवान वर्षवान

उन्होंने कहा द्वालमालके लीग लेडालके अर्थ-विश्वित पुष्किक साकनलके प्रधानसे वर सर्थे हैं। किन्तु इतका कारण केवल जलान है। मारतीव सवने अर्थ शिक्तित वेद्यलम्बेकि समिकारिके लिए नहीं कहु रहे हैं। किन्तु इतका कारण केवल जलान है। मारतीव सवने अर्थ शिक्तित वेद्यलम्बेकि समिकारिके लिए नहीं कहु रहे हैं — उदी की कि मारतिक लिए मारतिक में की बीर वह यह वा कि प्रतिकान की विश्व जावारपर लगाया जाना वाहिए, र्रम या प्रजातिक ने मारतिक मारतिक ने मारतिक मारतिक ने मारतिक मारतिक ने मारतिक मारतिक ने मार

र देशिए सम्बन्ध म, बुध प्रमृह १८ ।

मार्थपर बाने बनुनेमें हुए प्रकारों शील्वाहित भी किया वाये। वब में यह बात बहुता हूँ हो में देवल दुख दिल पहुंचेने वी पेड़िक बेंकाके इस कपनको ही कुरासत हूँ कि स्वतान बोर स्वसासित दक्तिय आदिकामें किसी ऐसे बनतमुदायकी करना करना करना नहान होता वो दास्त्राकी सरक्तानें यहता है। या विद्यवी पिनार और कानुनकी दुविस्त हो।

इसके बाद की गांबीने इस प्रक्रमका कि सामान्यतः वारपीयॉपर संबीकरणका न्या प्रभाव होया निस्त जलर दिया यह बही पदन है विसका जलर में बोहरनिस्टर्गमें बवाई प्रतिस्तर ऐस्य संबदी' सैठक में के चका हैं।" मैंने बड़ा कहा का कि संबोधन प्रक्रिय बाहियाया वर्ष सदतव केवल पोरी वातियाँका ही नहीं वरिष्य कर सब रंपदार और स्वेत विदिश्व प्रवासकोंका एकीकरण नहीं होता. जिन्होंने रक्षिण जाकिकाको अपना देश बना किया है. सबस्य विश्वित सारवीयोपि किए संबोधत पश्चिम वाधिकाचा वर्ष पत्रको स्मतप्रतापर और भी अधिक प्रतिवन्त क्यांना होगा । ऐंग्रे संबोक्यनमें सभी यह अपेशा करते हैं कि आरतीयोंसे सम्बन्धित कानमके निर्माणमें प्रवाद तिखान्तींको सम्मुख रक्षा वागे किन्तु वहाँ तो प्राप्तः कैपमें बारतीयोंको महाविकारते विभिन्न करणेकी और नेडालमें बनपर और समिक विधोनकाएँ स्तारनेकी चर्चा सनाई देती है। वहाँतक एजियाई कानुनका सम्बन्ध है ऑर्रेंब रिवर कालोनी संबोधरयके सन्यके अधिकते-अधिक लगीय गहुँकी नाकुत होता है। उस अपनिवेसमें पृतियाई केवल भरेत् नीकरके क्यमें हैं। नहीं बनका कन्य कोई साबार विसन्तर नहीं है। प्रत्येक व्यक्तिको सह स्पन्न हो जाना जाहिए कि जिन मारतीयीके विद्वित स्वार्थ हैं जिनको सपने बाल-बक्के पहाने हैं और परिवारीका जरब-गीयब करना है वे ऐसी स्थितिसे चैती मैंने बताई कि कभी सन्तर्य न होंगे और असको ने तबतक स्वीकार न करेंचे कनतक एक बोरवार तक्ष्मी न तर सेंगे। मेरे सवासमें नहीं भाता कि सामाज्य-सरकार ऐसी संबीकरण बोकनाको केंग्रे बसल कर सकती है जिलका वर्ष पुशियात्वों और बतनियोंकी क्षयनन बाहताओं स्थितिने बहुँचा केल होगा।

१ क्लीबर वृत्तिका शीसक्यी ।

१. देखिर बार्च ४ "मारण वास्तितर देशन र्यमें एक ४५९-६१ ।

इसके बाद जिस बूसरी बातशी वाली है। 'दुामानासमें स्वानीय मेता जेल मेले गये हैं, इस सम्बन्धमें विश्विस मारतीयोंकी मावना मेती है?

भी यांबीने उत्तर विया कि बो-कुछ में देख सकता हूँ उसते तो भाषना बहुत करू प्रतीत होती है। मेरे बेमबासी यह समझवेंमें असमर्थ हैं कि एक विश्विस अपनिवेशमें विदिश्व भारतीयोंको द्राप्तदासमें प्रदेश करनेका साहत करनेके कारण कारावासक कव्य वर्मी भीगने पहते हैं। तीलों नेता दुम्सवासको सवाईसे पूर्वके अधिवासी हैं। इससे स्थिति और अविक रूकवायी करती हैं। जनके ताब तीन बिक्तित मारतीय भी काराबास भीय रहे हैं। ये अून् विमीहके समय मैकीनाहरू में बीर लावेंग्सके पहचर नियुक्त में । यह स्मरमीय है कि इनकी सेवाएँ इतनी भूरवरात मानी नई की कि सर हेनरी मैककॉलमले बनकी विधेय करते सराहता की बी। और ने मृतपूर्व सामेंन्ट सपने परकारि अविकारी हो हैं हैं। जिन्हें ने दिहा होनेपर प्राप्त करेंपे। पर हर किसीको अबीव लगेगा कि ऐसे लोगोंको केवल द्वान्सवालमें अवेशका साहस करनेपर कड़ी भेरकी सना दी कार्ये । बेलमें मेने धर्य नेताओं में से एक -- बी वाउद मुहुम्मद -- की प्रायेक प्रमुख वर्षन-निकासी बाजता है और दे गेंडाल भारतीय कांग्रेसले अम्पल हैं । इसरे भी चारती चरतमंत्री भी उक्षने ही असिब हैं। बीट, सीसरे थी एन शी अमिनिया एक अमूल भारारी भीर कांग्रेसके मन्त्री हैं। इसके अतिरिक्त कन्होंने अंग्रेबी और फेंबमें बहुत सक्छी ग्रिसा मान्त की है। इससिए वर्षनके भारतीय यह अनुभव करते हैं कि उन्हें इससिए कर्ट सहन करने हैं कि में मेहा अपनी बार्शवकी समास्तित पूर्व मुक्त करायें का सकें। इसलिए दे दूरस नामनें प्रदेश करनेंके लिए ऐसे और अधिक भारतीय मेतनेंकी बपप्नततापर विचार कर रहे है जिन्हें वहीं बानेका अविकार है जाकि वे जन कम्टॉमें हिस्सा बेंटा तर्जे जो पनके नेताओंको स्थान करने पढ़ रहे हैं। यह जिल्कुल ल्याय है कि समस्य स्मत्याने श्रीताम आफ्रिका-भरमें बिदिया माराजीनोंकी एक अमरणल तेवाकी है। मैं एक-इनरेके इतने करीब कर दिये पर्य हैं जितने करीब वे पहले कमी नहीं को; और वे अपनी रिक्तिको समार्ग एवं यह अनुभव करने सप है कि यदि उन्हें सपने-जापको दक्षिण जाकिकाणें जात्म-शम्माणी सीयोक्ति वपमें मान्य कराना हैं तो उन्हें करवेंते-करवा निवृत्तकर काम करना और बहुत करवे सहन करना होगा।

भी गांधीने कहा कि भी बादी शुक्त हुए हैं। उनको गार्थत दन नेतामींहे दस मामयको यारे निकी हैं कि वे विवक्त कथा हैं यद्याप सरकार करतें ऐता योजन देकर जो नारतीयोंकी नारतीं के अनुकृत नहीं है विवक्त कर भूखों नार रही है। गेता कहते हैं कि वे वदतक के करें रहेंगे मनतक नालीतन समाप्त नहीं हो। बाता भीर द्वारमवानवादी भारतीयोंके जियत अविकारोंको नामता नहीं वो बाती। कपो ने अविकार सार्यक्रतीयक सक्कारों परवार तोई की कारी। कपो ने अविकार सार्यक्रतीयक सक्कार राव्य ताही की करा है के दिस्त क्षित्र के विकार पूर्ण के हिए में जान किए में जान विकार मुद्दानक पूर्ण के व्यवस्थात नेता नामता है जो की की कि वहां कि क्यादातर नेता नहीं कर करने हैं होर की विकार कहां कि वहां का करते हैं। कि वहु उन्हें नाम दे जाने दिसा मान दिशा बाता है जिस के नायका प्रतास तामता विकार करते हैं।

र रेविर सम्ब ५, इस ३०-८०५ ।

٠. भेंडकर्तान फिर प्रश्न किया: यथा बायका क्षत्राक है कि यहाँकी इसक्तका भारतनें मी कीई बतर होता है । जी गांबीने प्रचार विदा बेंसक भेरा कवाल है कि बसर होता है। पिक्रमी जनवरीमें बस्वईमें सर जानावाकि समापतित्वमें को समा हुई को उसमें कोय बहुत बड़ी सक्यामें उपस्थित हुए में। इस प्रश्नपर सोम्त-भारतीय और भारतीय पूर्वत- एक हैं भीर इसी प्रकार मुसलमान हिल्हु, ईलाई जीर पारसी भी एक हु। बन्जईकी इस समार्जे की विरोध-अवर्धन किया यथा वह जोरवार और सर्वतन्त्रत था। अभी हालमें को सुबना निती है बससे मकट होता है कि बुल्सवालमें जायतीयोंके प्रति व्यवहार और तक्जिति कष्टसे ब्रिटिस मारतपर नहरा प्रमान पड़ा है। भी डी जें न वेनेडने की भारतके एक प्रमुख समामाराजके मालिक हैं प्रश्न दिन बहुते जन्दन बाहुन्त की एक पत्रमें किया वा कि उन्होंने सबी हास्त्री मपनी भारत-मानामोंमें यह वैका है कि समीर और धरीय महाराजा और मामुमी कोन इस व्यवहारपर पोर रोप प्रकट करते हैं और सब बाववर्ष करते हैं कि लामानय-सरकार इसकी छूट देकर साबिर कर गया रही है। इतमें कोई सन्देह गर्ही है कि इस प्रश्नके सम्बन्धमें साँव मार्लेवर चारतके कई नावाँति बबाब काला का रहा है। मारतके की लीव ताकात्र्यके मत्मन्त पहरे मित्र हुँ वे द्वान्तवासमें और विश्वच बाखिकामें भी मारतीयोंको उचित ब्यवहार प्राप्त करानेके प्रदेश्यते वाकामान्याताक एक कर छो है। अब भारतीयाँको जनानित करनेवाले स्वानीय जन्मींपर वाले हुए हुमारे प्रतिनिधिने

की प्रांत्रीसे पूका कि पिक्की अधिकेसमर्गे स्वीकृत भाषतीयाँसे सम्बन्धित विधेयकोके बारेमें मापका जवाल नदा है। इस प्रानके अक्तरमें जन्तीने कहा कि यदि भारतीयाँति सम्मन्यत इन विवेमकींपर सम्प्राहकी स्थीहति मिल बादे हो बस्तुतः मुझे बहुत जातवर्ष होया । उनमें एक सिजान्तको स्वापना की नई है जो नुजानजेका नहीं जरिक जन्तीका शिवास्त है। विदेनके क्षरांव परवाना-कानून (सिकर साइसेंसिय केश्विसकेशन) और व्यापारिक परवाना कागूनको समान क्ताया गया है। निष्यम ही दोनोंकी कोई तसना नहीं की जानी जाहिए। घरावके परवानोंको एक बुराई मीर राष्ट्रीय वतनका कारच शाना जाता है। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि घराव-बर मंदि वितकुत समान्त न किये कार्ये ही सीमित कर दिसे कार्ये। इसकिए स्वानाविक 🛊 कि इन परकारोंके सम्बन्धनें कानून बनावा जानेता वा बनाया ही जाना चाहिए। बहुत-से घराय वरोंको बन्द कर दिया जाये इस सम्बन्धमें सभी वक्त एकमत है। किन्तु स्थापारिक-परवानों (द्रेड काइतेंत) के सम्बन्धमें रणानीय पूर्वपह की भी हों कोई भी नम्बीरतापूर्वक यह नहीं कह सकता कि इनकी शराब परवानोंके लगान मानना चाहिए। मेरे विकारमें बदतक नारतते पिर्णातिया सम्बद्धरोंको प्रतीमन वेकर बुलानेकी अंचाली चारी है सबतक, अहाँतक भारतीयाँका सम्बन्ध है, निरुवय ही नटासमें कीई शान्ति न होनी। परवाना कार्नुन केवल एक बेंग्रार क्रवरी जवकार है। यदि निर्दानियोंका प्रवास रीक दिया वासे तो हुम वेखेंने कि भारतीयोंकी समस्या स्वतः हक हो जामेनी। नेंडाकमें वर्तमान बाबाबीके निय काकी मुंबाइस है और यूरोपीयोंकी आवादी स्वतन्त्र भारतीय आवादीके मुंहकी रीडी छीने विना निश्चित करते वहँगी। किन्तु यदि गिरनिटकी प्रथा कारी रखी गई तो मदाय ही भारतीय





बनातेमें बदरस्ती वृद्धि होती और कमस्वरूप मान्तोमन होया। निसानेह नेताकरे कुछ वर्षेनेकी मिर्तमद-प्रवा बन्द होनेसे प्रारम्भमें कुछ सति पहुँचेगी; किन्तु में यह सोवे बिना वर्षे ए कस्ता कि उपनिवेशमें एक स्वापी बुजाद बृद्ध मौजूद पहुँ इसकी सपेसा तो यन उपनिवेश सति पहुँचने देना स्रविक सच्छा है। उन विचाय उद्योगोंकी सुभावजा दे दिया वामें यू मी एक तरीका हो सकता है। किन्तु पिर्तमिटिया मजदूरोंकी काना जितनी बासी हो सके पन करना वर्षात्वा

सन्तर्भे सौ गांबीने कहा कि इस मामसेमें भारतीयोंपर सर्वव मरोसा किया जा सरुता है वे इत प्रवादी बाद करनेके लिए जतने ही व्याप्त हैं जितना कोई जपनिवेसी ही सकता है। में केश्व यहाँ जाता करता हूँ कि वी ईवास्त जिन्होंने इस प्रवादे विवद अपना जिहार नारुव किया है सरुतक सम्बुद्ध होकर न बेडेंगे जबतक यह प्रवासमाध्य नहीं कर वी जानी।

[बंबेजीसे]

मेहात सम्बर्दरी, १-१०-१९ ८

### ४१ तार उपनिवेश-सचिवको

[डर्गन] अस्तवद्यास्थ्य

माननीय उपनिवेश-समित पी एक कर्षे

रेतक जायोग कांग्रेसको जात हुआ है कि कुछ विदिश्य मारतीय सर्वार में वारे हैं। उनके पास ट्रास्टवाक विवासके प्रमान हैं। प्रवासी प्रविकारी बहावपर पृत्ति जाया है। प्रवासी प्रविकारी बहावपर पृत्ति जाया-पिदा प्रिकार करें हैं विवास प्राप्त मिला है। प्रविकारी कानूती स्वादकारोंकी याग्रियोंने तिकनेकी क्षियों है। कांग्रिय हस कुटा और अस्पाय प्राप्त है। प्रविकार कुटावपर पहनेके कुटावपर वार्य है। कांग्रिय हम कुटावपर वार्य है। क्षारिय कुटावपर वार्य है। क्षारिय क्षारवार वार्य है। क्षारवार वार्य है। क्षार्य हम कुटावपर वार्य है।

लाइसकी <sup>ह</sup>

पॉर्वाजीके स्वाकरोंने मूळ बंधेजी महविदेकी फोटो-नकक (एस एन ४८८९) छ ।

े गरस "नेक्की बाले" बरके पंचीकीच स्वाहर है। स्त्रकी यह प्रति यह बच्चू रिक्ले भिष्मपरित कर्मिक्स कामग्रीको प्रेष्टित कर सी ही।

% राज्योसिक्ती ।

२ च्याच्या कम ४ नेयक महतीय ब्रोग्रेसका सारका पदा ।

9-1



बातामीमें बदादस्ती वृक्षि होगी और, कामस्वकय, आयोकन होगा। निस्तवेह नेटानक दुक्क उन्नोमोंकी गिर्दानद-प्रवा बच्च होनीत प्रारम्भमें कुछ सति पहुँचेगी; किन्तु में यह सीचे बिना नहीं एह सकता कि उपिनेवामें एक स्वामी हुक्कर वृक्ष्य मोनूव एहे इसकी अपेसा दी दन उन्नोमोंकी अति पहुँचने बेना विषक्ष मध्या है। उन विशेष उन्नोमोंकी नुआवना है दिया जायें यह भी एक तरीका हो सकता है। किन्तु गिर्दानित्या मनुदर्शिको कामा वितनी बानों हो सके बन्द करना वाहिए।

सन्तर्भे थी गांकीने कहा कि इस जायतेमें भारतीयाँवर सबैव भरोचा किया का सकता है वे इस प्रपाती बन्द करनेके लिए उतमें ही क्या हैं वितना कीई वयनिवेशी हो सकता है। में केवक यही बाधा करता हूँ कि भी ईवान्य निव्होंने इस प्रवाके विवक्त सपना विहास बाराम क्या है ततवक सन्तुष्ट होकर न वेंडेंगे बवतक यह प्रवा समाप्त नहीं कर थी काती।

[मंत्रेगीसे ]

नेडाल पर्स्यूरी १-१०-१९ ८

### ४१ तार उपनिवेश-सचिवको

[क्पेंन] बक्तवर, २, १९ ८

দালনীৰ ক্বানিক্স-প্ৰস্থিব

पी॰ एम **वर्ष**े

नैटाण भारतीय कारवेशको जात हुना है कि मुख्य विदिश्व सारतीय सनर्गर में दे बार्च हैं। तमके पात ट्राण्याम विमावके प्रमाय हैं। प्रवाणी विकास व्यवस्थार फ्लीके बगुमतियम नहीं देता। वाणियों हुक गावाधिक वक्के हैं चिनके माता-पिता ट्राण्याकमें के दग्हें केने नामें हैं। जाविकारी कानूनी श्ववाहकारोंको वाणियों कि सिक्नेकी बगुमति नहीं देता। कार्येश क्ले क्लारता और सम्माय मानती है। प्रापंता है, योपियंति मिल्कोकी सनुभति में बीर विषकारीको सावेश में कि वहाकार पढ़ानेके बगुमतियम है। कार्येश सावशास्त्र देशी है में कीम द्राण्याक कर श्री हैं।

माइसकी <sup>8</sup>

भौबीबीचे स्वाकरोंचें मूख बंधेबी मसनिवेकी फोटो-नकक (एस एन ४८८९) छ।

र पारसर "भेक्को शहरे" करके व्यंतीयोज सरावर में । समग्री यक शति एक मण्यू रिक्ते ६ मण्युरको कार्यिक क्यान्सीको भेषित कर थी थी ।

६ रोक्योरिकरो ।

६ महाबद्धा सम्प ४ मेराक मास्त्रीय बांगेसका सारका प्रताः

<sup>9-8</sup> 

### ४२ सार द० ला० ब्रि० मा० समितिको'

श्वन

बक्दूबर २, १९ ८

धिका भाष्टिका विटिश भाषतीय समिति।

सन्दन

कायेव स्तव्य। कोमानीपूर्वयं ८ वे विधिक विरस्तार। मावाकिन वन्त्रों सिंहत बन्दारेंसे सार्वे द्वान्यकाक प्रमाणपत्र-वारी तेरक् बारतीयोंको द्वान्त्रवाक्ष्मे निकासी पास (द्वाविट पास) देनेसे इनकार। कारण वे तथा कानून न मानेसे। द्वान्तवाक्र सरिकारी

उन्हें बमका रहा है। नेटाक अधिकारी उनको सहायता कर रहे हैं। कानूनी समाहकारको उनने मिकनेकी बनुमति नहीं की नहीं कोलेख हुने माजमन बकाव मानदी है। नदीजा होया कोण ट्राच्यवाककी अधाकांनि स्विकारके किए सन्त्रेणे समकरते विका हो वाले।

नेराच कारतीय बांग्रेस

मांचीबीके स्वाहरोंनें बंधेबी अविधिष्ठी फोटी-पक्क (एस एव ४९१६) बीर क्कोनियक बीडिस रैकॉस २९१/१३२ से।

१ रहिल मानिया निविद्य नारानित प्रतितित (पालन मानिया निर्देश रहिल्य मानेविद्य नारानित्य नारानित्य नारानित्य नारानित्य नारानित्य नारानित्य क्ष्मा नित्य क्ष्मा क्ष्मा पहल प्रत कल्का के नारानित्य क्ष्मा क्ष्मा पहल प्रत कल्का के नारानित्य क्ष्मा के नारानित्य क्ष्मा है । स्त्र क्षमा के नेविया क्षमा है । स्त्र ग्रामित क्ष्मा नित्य क्षमा क्षमा नित्य क्षमा क्षमा नित्य क्षमा क्षमा नित्य क्षमा क्षमा

२. वर्डनेड एड मिरिट वाडीण रोगर रॉलियाओ र लाह्युक्ट, १९०८ के लाग्ने कार्य मार्टाम अपनी धरिलाका विकास (१९०८ के लाग्ने कार्य मार्टाम अपनी धरिलाका विकास (१९०८ के लाग्ने कार्य मार्टाम अपनी धरिलाका कार्यों कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्

# ४३ पाररियोंके लिए मसविवा

[अक्टूबर २, १९ ८]

बेलायोशान्यें कोमाटीपूरिक रास्ते ट्राल्यवाक्यें लगने वर्षीके किए बाते हुए बहुत-से भारतीय शावियोंके साथ किये गये कवित कुर्ध्यवहारसे खुव्य होकर हुम बोहानिस्वगवाती पारंटी बग और मानवराके मामगर, ट्राल्यवाक सरकारसे अनुरोध करते हैं कि वह इन कारोगीडी सकाल सावधानीपूर्वक लीच कराये और प्राप्त प्रधावकि आवारपर ऐसी कार्यवाई करें विस्ते स्थायकी रक्षा हो।

हम यह प्राचेता भी करते हैं कि चेक्के मीजनकी कुछ चीजोंके सम्बन्धमें एविपाहर्सोकी वर्रिमक ब्रावसियोंका क्यांक रहा। वाचे तथा बर्जमान कठिनावर्सिक सन्दोस्पननक समाधानके

किए एक बार फिर सम्बा प्रवास किया आये।

होक फिछिप्स हॉवर्ड टिटकम्ब कॅमम बेरी डॉ॰ इंटर बेरो ĕंडर स्टॉप

पॅरिकटे किसे मूल बंदेशी महस्ति (एस एन० ४८८५) है।

#### ४४ नेटासके गिरमिडिया

कर्मनका नेहाक ऐक्सटीइवार भामक क्षमानारणन निषित्व कपये मारदीय समावका वाहुँ है किन्दू उसके सम्मावकसे मी भारतीय मिरमिटिमॉका बुध्य सहन करते नहीं बनता। उसने पर हो। दिन्दी में प्रश्निक मार्थ के स्वाद करते नहीं बनता। उसने पर हो। दिन्दी में प्रश्निक मार्थ के स्वाद मार्थ निष्का है। कि निर्माण कर कार मार्थ निष्का मार्थ मार्थ है। यह निर्माण करीया स्वादान्यास (विभिन्ने के स्वाद मार्थ निष्का करीया स्वादान्यास (विभिन्ने के स्वाद है। मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ निष्का है। यह मार्थ में प्रश्निक हों प्रश्निक स्वाद है। विभाव होन्यों मेरियिटियों के स्वाद है। विभाव स्वाद स्वाद

रे पर संप्रमित व्यामानकः क्यान कर्ता स्थल किया गता वा व्या गांतीकीने क्यांत्रीक-स्थितको स्थल भेता था। प्रेपित एक ८१ और विक्रण वीर्षका

<sup>े</sup> स्ताक्ष्यकोशीक नाम क्षेत्रीकोको सिकानको है ।

स्वतन्त्र विभार प्रकट नहीं कर सकते। उदाहरणके किए, यदि कोई बॉक्टर ऐसा कहे कि मनक मास्तीय काम करनके बोग्य नहीं है, तो उस विस्मिटियाके माध्किको न केवस बीमारीकी उस अविभिन्ने उसके भागके भागसे नेपित रहुना पहेगा निक उसकी धवा-बाहका वर्ष भी जठाना पढेवा । इस चप्त यदि कोई बॉक्टर अपने कर्तव्यका पासन करता है, तो उसपर मासिकी नानस हो वारेकी सम्यावना है। और बन वपने कर्राव्यक्षे साथ वपने स्वावका सवाव बड़ा हो जाता है, तब बहद-से बादमी कर्यभाको तिलांबिक देकर स्वार्व सामने लगते हैं। इसकिए ग्रेडचर्राडकर का कहना है कि जैनगरोंको निर्दानिटियोंके मालिकोंके बंकससे बाहर रखना चाहिए। यो घारतीर्गोका संरक्षक (प्राटेक्टर) कहलाता है। उसकी स्विति भी लगभन वैसी ही विपम है वर्ती कि वॉक्टरोंकी। यह संस्तरक स्वाती-सम्बक्त (ट्रस्ट कार्ड) का सदस्य होता है और चूँकि उसके विवक्तर संदस्य गिरमिटियोंके मासिक हैं इसकिए संस्कृतको भावाज नक्कारकानमें तृतीकी जावान-वैती हो वाली है। इसके बितिएका ऐडवर्टीहकर कहता है कि यदि गिरमिटिये काम कोड बैठें तो उन्हें जेक भीगनी पड़ती है। शाबारण मौकर नौकरी भोडता है हो उसका माधिक उसपर फक्त बीबानी बाबा बायर कर सकता है किन्तु गिर मिटिवेके बाममें तो कैरकाना ही है। ऐक्क्टौरवर कहता है कि इस स्वितिका नाम बासता है। बीर फिर उसके सम्पादक उपनिवेचके पोर्चेको सकाह वेते हुए कहते हैं कि पायानिकी गिरमिटके समान लागा नन्य किया आसे और विरमिटके कानुवर्गे केरफार किया खासे। गिर्सिटियोंकी स्वितिकी सुकारनेका यह बहुत उपयुक्त अवसर है। सेकिन हम मानते हैं कि गिरमिटियोंको स्वितिमें बास्तविक सवार बसम्भव-सी बात है। गिरमिट को प्रवा । बन्द करना ही उसका बास्यविक उपाय है। मॉरियसके एक भारतीयकी विर्यागटविरीका अनुमन हिन्दस्तानके किसी समाचारपत्रमें प्रकाशित हजा है। इस उस संक्षेपमें बसरी चगह दे रहे हैं। सम्भव है कि उस मेचमें कुछ अदिश्वोपित हो। फिर भी इतना तो निश्चित है कि गिरमिट बहुत समानक बस्त है और सतारके कियी नी नावनें गिर्यामीटिया बाय्यीमीकी हाक्य बच्छी नहीं पाई पादी। यसारका इतिहास देखतेसे मामम होता है कि पहुँच गुकामीको सामान्यन पर्याकी समह और पर्श्वोंकी तरह रखा जाता ना और ज्यों ही बंदेवी जनताके प्रयानते कानमहत्त्वत गुजानी बन्द हुई, त्यों ही वह बूछरे क्यनें वाचिल हो गए। फिल्हाच बही-नहीं मास्तीन क्षत्रवा दूसरी कोमके गिरमिटिये वेणे जाते हैं वही-वही जनवा उसके जासपास पहले गुलाम रने जाते व । सम्मारिसाली व्यक्तिको अनुति दूसरे व्यक्तियोंको जनरवस्त्री दवाकर रखनेकी हीती है। इसकिए इस प्रवृतिते जलक बुन्नोंको हा करनेका एक ही इसाज है कि कानन बनके अधिकारोंडी 📳 बाँध के भागी निर्मानक हारा लोगोंडी मजदूरीस नाम उठातेका रास्ता कानुवर्ग वन्त कर विदा बावे। इसिंबर् नेटाक्के बारसीयोंका इस विदयमें मुख्य क्टोंबर दो बहु है कि बड़े जान्योजन डास-सरवायहरून मी प्रयोग करके — विरित्तिरका रिवाज करम करें।

[सूत्ररातीचे] इंडियन मीपिनियन ३--१ --१९ ८

र बडेक्टी स्थित वासाई

### ४५ सच्ची शिक्षा

सोग हमें कितती ही बार कह बीर जिला चुने हैं कि द्वान्यवालमें सस्यापहरा को संवर्ष चल रहा है, क्सि इस प्रीस्पाइत के रहे हैं तथा विश्वके लिए इस व्यवती कुर्यितमी कर रहे हैं उसकी सारीकी-सारी मेहतत केकार है। हमारे ये सामाइकार इसके यह भी कहते हैं कि सीसन बारिकामें मुद्दी-मन मारतीय निलास करते हैं उनके किए ऐसा प्रयास करना ठीक नहीं करता। बीर किर किसीन-किसी दिन मारतीयोंको यह देख कीकृता ही पढ़ेगा। इसकिए यह सब चुनाहै बाकुक पायेपर की गई चुनाई-मेसी मानी बामेगी।

ऐसे विचारोंसे हमारे जनेक पाठकाँक मनमें संका उत्पन्न हो गई है। बता इसके बारेमें

नीम विचार करें।

क्यरका तर्क निवाल भागक है ऐसा हम निर्चकोष कह सकते हैं। इस प्रकारकी स्क्रीक रेस करनेवाल स्वापक्षिक सम्भाव वर्ष और उसकी बुदीको गहीं समझते । यह विचार कि वर्षावेतव्या हिम्म स्वीपक स्वापकाल भारतीयाँको किलकता ही पढ़ेगा कोरी निरास कि है। ऐसा हैनेत्र हमें कोरी किरास कि हमें स्वीपकार के स्वापकार कि स्वीपकार कि स्विपकार कि स्वीपकार कि स्

यदि तेय कीकृता पढ़ें तो जी संस्थावहरा काय तो पिक ही चुंका होगा। सरवायह स्विच्य की तो परियास है स्वच्य की स्वच्य की

इसके सिवाय यदि सरवाहको नहीं तेकी बाँच करें, तो बहु सुनेसा एक ही होता है — बानो बच्छा। यह उसका कोई परिचाय न मिकले तो समझना चाहिए कि वैसा सरवाहको कमनोरीके कारण नहीं विक्ति हम सरवाहकों चरत नहीं चहते इसकिए हमा है।

[पुनरातीते]

इंडियन बोपिनियत १-१०-१९ ८

यो लोग इस समाचारपत्रके प्रकाधनमें सब हुए हैं वे कोरे हों चाहे भारतीय उनका खहेरन मनुष्यमात्रकी सेवा करना है। चारतीय समाधकी सेवा करना मोर्री सौर फीनिक्समें रहनेवाके मारतीयों दोनोंका पहला काम ही यथा है। सक्का कारण स्पष्ट है। मारतीमें किए तो भारतीयकी सेवा जनित ही है यदि ने उसे न करें और मन्त्र्य मानकी सेवाका बाँच करें तो वह बाँच ही होगा सेवा नहीं हीयी। उसे सेवा नहीं कहा का भक्तेपा। जो बोरे हमारे साब हो गये हैं वे पहले अपना बन्ना करते थे। अनके सामने गौरे समावको सेवा करनकी कोई बात नहीं यी। उनका इरावा स्वाबमय जीवन क्रोडकर परमार्थमम जीवन व्यतीत करनेका था इस्तिए उन्होंने इस समाधारपत्रमें सहमोग देना निरिष्ठ किया । इसारी ऐसी हो बारवा है।

किन्तु इसारा काम केवस बसवार निकासकर बैठ खुनेका नहीं है। वो सीम फीनिक्सन विचारपूर्वक रह रहे हैं जनका हेत् अपनेको विकित करना तथा उस विसाका बाम मार वीय जनवाको देना है। इस कारच समाचारपत्रका काम करनेवाकोंमें को कोग पढ़ानेका काम कर सकते हैं वे अपना अमृद्ध समय उन बन्वींकी विकास बनाते हैं जिनका कावन-शावन कर प्रत्य है । इस अकारका प्रवत्त कुछ सहितीचे चल द्वा हिनाका कालानाका फेलिस्टमें हो दूर्व है। इस प्रकारका प्रवत्त कुछ सहितीचे चल द्वा है। यह दिस्ता देतके फिए वर्ष्ट कोई देवत नहीं निक्का ने नेवनकी बाया भी नहीं रखये। फीलिस्टमें फिलहाक हतने बोड़े बच्चे हैं कि वनके किए स्वरचेकी निजी इसाया बनाना बानस्यक नहीं है। सी कोडिब्हों इस कालके किए बच्चा सकार से रखा है।

विज्ञा यूक्यती तथा बंधेवी. दोनों माध्यमंति दी वाली है। बीर वारोरिक विकासकी बीर भ्यान दिया बाला है। बच्चोंमें नीतिकी माननाका पोपच ही इस नातपर निश्चेम म्यान दिया काठा है।

हमारा उद्देश्य यह है कि ऐसी पिका चनी माय्यीय बाक्कोंको दी वा सके। बनी विश्वेषत उन्होंको सिक्स देनेका विचार है वो फीनिक्समें रहते हैं क्योंकि बक्कोंका व्यवहार पाठ्यालामें एक प्रकारका बीर करमें बुख्यी प्रकारका रहे, तो उच्छे उनका द्वित-सावन नहीं होता।

. इस पाठशाखाकी बात जिन क्रोवॉने सुनी है, उनमें 🖹 कुछ कोप अपने भण्योंको फ्रीनिक्समें रक्षतेकी सीम कर रहे हैं। किन्तु हमारे पांच काणावास अवना पाठणावाकी बनारतकी सुविचा न होनेके कारण इस उनकी सौबको स्वीकार गहीं कर पांचे हैं।

पेसे मकान बनानेकी सुविचा हुने विचाई नहीं वेदी। यन दमारटोंको बनानेके किए पैसेकी चकरत है। इसकिए हमारे पाठकोंने से की उक्त प्रतिके बनुसार पाठणानाकी स्वापनाकी बावस्पकता मानते हों उन्हें चाहिए कि वे हमें वपने विचार किया मेर्वे और यदि

 क्य करेब क्लिसेक्सिय की धारीमींस प्रति मेथ-माथ एको वे और कुछ समय एक पीनिस्त सम्मेव असम्बद्धारक हो ने । कनकी स्था तर १९६ में तेनाव्ययमें औं ।

हमें उनसे पैदेशी मरह मिने तो हम पाठमाला बीर छात्रावास बनानेके छिए तैयार हूँ। उनमें होनेवाले कर्षके सिए त्यासी (हुस्पी) नियुक्त किये जा सकते हूँ और हमारतके बर्षकर सारा हिताब प्रकाशित किया जा सकता है। यह काम बढ़ा है, इसकिए हम बहुत सीप क्विसरके सार कपने पाठक-वर्णके सामने इसे एक पहें हैं।

[युगरातीये]

इंडियन ओपिनियन, ३-१ -१९ ८

# ४७ **चोहानिसबर्गकी चिट**ठी

#### <del>दस्तमधीका सन्देश</del>

कैरियोंकी तरफने भी क्लामबीने कहकाना है। समझीतेके विध्यमें उताबकी म कैरिएमा। सबकी सही के लीविएमा। ये उन्हेंकि धक्त हैं। इनसे बेकबासियोंकी हिम्मस मुक्त होती है और यह भी बाहिए होता है कि भारतीयोंका बपना कर्तव्य क्या है।

#### चैतावबी

बात हुना है कि पनर्नर नामक जहान मार्कीम मुवाकिरोंकी केकर क्षेत्र वात्राक्षा है. यहां भी मैनने वन मुवाफिरीसे बहाक्षर ही वर्जी की। इस्तर डेकानोज्ञानके मुवाफिरोंकी मैवानती देनेके किए दी इस्ताहक मंगा की इस्ताहक हुकीमताहै, वी होराकरी एक्समी भी गानदी हुकमदास तका भी मुबबास काक्सम्बक्त नाम कीरन तार विशे वर्षे कि वे मुवाफिरोंकी ग्रावसान कर में कि वे एकारी कालमें न क्षेत्र वे कतन उत्तरें वीर बहुति संयर करते के निय इस्त्यसक वार्षे। हिसाबर्ग एक विनका कर्क यह नाम स्वर्धिक प्रवास क्यान्तिको विश्वस करसे मैवा समस मुद्दी हुका भी काम तथा भी नाम तथी आरोके किए वैदार हो चुके वे।

# **विकियोंकी सुरा**क

#### 'ਕੋਸ਼ੀ ਸੋਸ਼'ਤ ਈਜ਼ਰ-ਵਿਧਾਰੀ

उन्तर विषयपर गत समिवारके केनी थेख में टिप्पनों सी है कि कारावार्स मार्ट्यायोंकों मैं बानेबाजी नुरावके बारेसें सारे उपनिवेषमें कोई एक निविचत प्रवृति नहीं है। यह बहुत नार्वयननक बात है। एक बेबमें भार्ट्यायोंकों उनकी नपनी सुराक में बाता है बीर दूपरे स्वानपर उन्हें स्वकोका बाता बीर वर्षों में वार्टी है बीर सबि व इसे स में ठो उन्हें भूता

र मंत्रीय का तनव कांकों ने इतकि क्युमन्ताः तुष पत्नी पत्ति ने करूर ने कांको बाहर वरित इते पी, क्यारी किसी नहीं मानी वा राख्यी । नयुपारने चित्रीके का नंबाँको क्षेत्र दिना त्या है । रह बाता पड़ना है। बेकी येल कहता है, इमें बनता है कि वो विकासत की नाई है वह सवावेंसे म्यान देन सीम्य है। एक सब्बा हिन्दू बर्चीको सूनेने बचने अपनी मीठ पस्ट करेंसा । हम स्वावेंस हम दिस बेकती सजा देते हैं उसे वहीं मुखा कारोंने स्वाय करें तथा वह ता वह त बाये की सीरा सामहारों हो और उसे हम सीसाहार करनेते किए बाव्य करें तथा वह त बाये तो उस मुखा रहनेको बच्चें बचना किसी सहसीसे ऐता बच्चें कि पुन्हें वर्षी बानी हो तो बावों भीर हुक नहीं निकेशा तब तो बचनतरत को सहस उस कहा होगा। सबका को सोजा-हिस्सी म पीता हो बसस कहें हि तुम्हें पीनेके किए सोजा या हिस्सी निकेशी और सबर नहीं निकीशे तमक सामक स्वाय की तो बहु सारपूक्त स्वायं वार्यामा आपतीस वाह विश्व बेकतें हों उन्हें सनका बातक और की तो दिला हो बाता वारिता ।

#### चैनचे नाम्यविध?

सी चैनने वर्ग परके किए विक्कृत करोग हैं ऐसा भी गांधी बनरण स्पर्रणों करें बार ना चुके हैं। भी गांधीकों एक प्रहीनेंकी केकी एका हुई, यह तो ठोक हुवा। में स्पष्ट किए भी गांधीकों कार्य एक प्रहीनेंकी केकी एका हुई, यह तो ठोक हुवा। में स्पष्ट किए भी गांधीकों कार्य हैं। किन्तु चव भी भूकनी पटेक तमा भी हरिकाक सांधीकों छोड़ दिया पणा तक भी पांचीकों कात किए बमाकों यो गाँधीकों पास में मनुमित्य (परितट) और पंचीका प्रमाणक (पिनट्रेक्ट करिटिफिकेट) हैं। विकास स्पर्ट करिकेट हैं। विकास स्पर्ट करिकेट हैं। विकास सांधीकों भी है। भी माहनी वर्गी देनेवाके नहीं हैं यह दूवरी बात है। किन्तु छाड़ी कहा सामें प्रतिकास के सांधीकों के सामें परित्र कर करें। विकास के सामें परित्र के सामें के साम करने परित्र कार मही साम गांधा किन्तु के साम के सामे के साम करने साम कार के साम कार के साम कार के साम कार के साम के पर के साम कर साम कर साम के साम के साम के साम कर साम कर साम के साम के साम के साम कर साम कर साम कर साम के साम के साम कर स

हुसरी और वेसे हो ऐहा बान पहता है कि सी मैननेकी वेबक्की कारण मास्तीन समाजको काप हुआ है। यदि उन्होंने सम्बीद मूर्ते न की होती तो हनारा कुरकारा वितरी सीझताते हुआ है उतनी सीझताने कशांप न होता। और जोनुष्म बाको रह पया है, उससे

मी भी चैमनकी बुलेकि कारच हमको जल्दी ही क्षटकारा निकेगा।

#### हिम्मतसे भए पत्र

कार्यके पुलाने पीकित एक परीक्ष साध्यांस नो निकारण पत्र में पहले हैं पूरत हूँ हैं इस बार सपना नाम जर्दों की परवाह न करके सप्याहाँ जुल जानेताका रक्कर किसा है कि प्रकार करने हैं सरकर नहीं किसा उनने सहन में कीयों के विवारों को विकास कर किसा है। बह किसाई है कि मनके साथ हम तल बीर जनका नाता नहीं बोड़ है। भी करम बार

र देशिए क्षण ६, वह ४९८-५९ बाग ७ वह ३५९-६ - चीर ४०६१

<sup>8.</sup> ST 204 \$ 1

<sup>ा</sup> स्थार क्षेत्रानिकार्गेनी विद्री प्रस्त ।

उठायने बहु समीके किए हैं ऐसा मानकर वानेबाधी आध्याँका स्वागत करते हुए में उनहें स्वीकार करेंगा। जो हिम्मतके साथ सरवपर विश्वास रखकर सरवागड़का अवसम्ब किये रखता है वह दिवसी होता है।

में इस सरपाप्रहीको बचाई देता हूँ थीर बाधा करता हूँ कि वह बन्ततक वपने बापह

पर कटा छोगा।

[नुबरावीचे ]

इंडियन कोपिनियन १-१ -१९ ८

४८ सार ६० आ० वि० भा० समितिको

जोड्डानिसम्य अन्द्रबर १ १९ ८

रविक बाकिका दिटिस भारतीय समिति<sup>ह</sup> [क्रमता]

कर्शकन भारतीमॉपर मोमाटीपूर्टमें मुक्तसा चकाया थया है। उपिनिश्च कार्य साइते मने कार्य कार्

मो॰ ४० गंघो

[नंग्रेगीसे ]

कर्णातिमक बॉफिल रेक्ट्रैस २९१/१६२ सबर्वरकी दफ्तरी फाइक १८/१/१९०८— माग ३ बॉर १०-१७-१९ ८के इंडियन मोपिनियन से।

१ च्यान्य नाविका निविद्य होतिसम् समिती । १८ पीट निवर्णेक्य कार्तिकः ।

### ४९ तार द० मा० वि० भा० समितिको

बोड्रानिसवर्ष अक्तवर ५, १९ ८

इक्षिय साक्षिका द्विटिश भारतीय समिति⁴ क्षम्यम

माप्त-यामारे बेकागोबा-बेके पास्ते धपरिवार द्वाल्यवाक कीटले भारतीयों धेवके पूठपूर्व सम्प्रसके मार्ड, पत्ती बच्चे ८ वर्षको ककवेले वीमार सूढ़ी वां ग्रामिक। कोमाटोपूट्वें १७ मावासिमा रेकगाड़ीले उतारे पये। वहाँ ८ स्वी-पूदर बच्चे एक कोटे गर्मे कमारेगें दूंश विशे वर्षे थे। स्वी-बच्चे लागे पत्त सारे किए कुकेंगें रहे गये। छव वी विश्व विना मोकने मार्ग पत्त सारे विना कुकेंगें रहे गये। छव वी विश्व विना मोकना मूखे स्वी-चच्चे रोजिए कारक वाचे वानेकी अनुमति। धेय काजिएके मोटर देखेंगें वास्तरम मेने गये। पूनिसम् वहाँके वारावीवींको उन्हें बाना देवेले रोजिंग कर्तेक कारण पड़ा। मार्गाविण वहाँके वारावीवींको उन्हें बाना देवेले रोजिंग कर्तेक कारण पड़ा। मार्गाविण वहाँके वारावीवींको उन्हें बाना देवेले रोजिंग वहाँके कारण पड़ा। मार्गाव्य-एकारले वर्षे वारेन, बानानुपिक व्यवहार रोकनेके विषय प्रतान वा बेक। साम्राव्य-एकारले वर्षेन, बानानुपिक व्यवहार रोकनेके विषय प्रतान वा बेका। साम्राव्य-एकारले वर्षेन वार्गिक वृद्धिले वसून मोनेन प्रवान। प्रकल वार्षिक मूक्सरी।

मो० क० गोंबी

## [बंग्रेकीसे]

कलोनिमक कॉफिस रैकर्ब्स १९१/१६२ तथा अनर्गरकी बन्तरी काइक १८/१/१९ ८-भार ॥ से।

## ५० पत्र क्षे० ले० डोकको

किंग युक्किस होटम<sup>1</sup> फोक्सरस्ट युक्कार, विक्तुबर ८ १९ ८]

प्रियंकी क्षेत्र

मुन्ने बापका पन्ने फीनिक्समें सिक्या। बिस्तकी बास्ता की बही हुना। मेरे विकारमें मह कक्या ही है। में ठीक समयपर ही बासा हूँ। यहाँ की वर्षोमें गम्मीर मतमेव का। वह समी निक्ष्य ही समाप्त नहीं हुना है। बाप कहेंचे कि मने बामोनन पूरा होगत पहले ही बादियम स्वीकार कर किया। मेरे विकारमें ऐसा करना बायोजन की बासिर सामान्यम सर्वीकार करने बोसा स्वीक कक्ष्या था। बीर सामिर मेंने कुछ किया मी दो नहीं है।

में अ दिन एक प्र-स्परहार कर शकता हूँ। यदि जाप सीचें कि मुझे किन्हीं प्रश्नोंका उद्दर देना कारिए, हो किसी।

नेन यह पत्र चनाप्त करना होगा क्योंकि मुखे नैंपुक्षिमोंके निखान देनेके किए बुनामा नमा है।

ू. सर्वेचित्रको मेने पत्र नहीं किस्ता इसविए इपया उससे मेपी औरसे समा-माचना कर

> बापका हृदयस मो० क० गांधी

गोंपीबीफे स्वालरॉमें मूख बंधेबी प्रति (की एन ४९३) छे। धीबस्य धी एम क्षेत्र

र संपीती हारा कोल्ट्स केलवो दिशा गया थाग; वे वस्तूकर ७ १९ ८ को केरकी छन्। मॉल्लेके किर को केलो किंग को ने ।

<sup>%</sup> बोक्स ६ क्षिप्रमास वर । देखिए वृश्वित ६ ।

<sup>ं</sup> क्षेत्रकों क्ष्यों, वो शहरे करही (विक्रियाने मिस्रवरी हो को 1 करने ३. रिटानरफ) प्रांचीको क्षांत्र क्ष्यांत्र कांड कम्पनीरण (२ कार्युक्त)के क्ष्यारक्त वह शुर्वचारमा करते हुद वन क्ष्या या कि न्यास द्वाव दिन राज्यार वाहेन

# ५१ सेठ सीध्य क्यों नहीं सूटते?

बहुत-से मारतीय उपर्युक्त प्रका कर रहे हैं। उत्तर यह है कि हमारे सत्यापहरों कधर है। सरपादहरा संपर्य कैपरिक-स्वा है। वाही विकास मानतु है। उत्तरा ही नेष्ठ हमार उपर बार उक्ती है। वाहि को सामार दें या सा उक्ती है। उत्तरा हमार इस्तर उपर बार उक्ती है। उत्तरा इस्तर पाइने कि विकास करते हमार उपर विकास करते हैं। उत्तर इस्तर विकास करते हमार उपर वेल वर्ष है। उत्तर दुर्जा वाहि का सा पाइने कि वह सा उत्तर पाइने कि वह सा उत्तर का सा उपर वह की कि हमार कि वह सा उत्तर वह सा उत

नेटालमें देठींको दिवा देनेके किए खैकड़ों मारतीय गये। वनके पीछे बानेके किए उनमें से बहुठ-स उतार है। किन्नु अस बस धारत का गुर्ज़ेश हैं तब नेटाल से सेवल तेरह भारतीय सामने बाते हैं। काम रूपीके किए बहुठ और वैदार में किन्नु सरक सामने प्रतिक्र सामने कि स्तु का उत्तर के स्तु का सुधी नहीं हुए एक ऐसा सामने कि स्तु का उत्तर है। कि स्तु के सह भारत मुख्य का उत्तर है। उत्तर करना भाग मी सामक है। यह स्थान एकते की करना नहीं है। नेटाकने ऐसा नहीं किया। इसमें नेटालका दौर हो। है दि हमें समी पूरा अनुसन मही है। सह स्वत्र का दि हो के स्वत्र का ही कि सुधी है कि स्तु समी पूरा अनुसन मही है। स्वत्र प्रतिक्र सामने से साम स्वत्र हैं। सेटाकने ऐसा नहीं किया। इसमें नहीं है। स्वत्र प्रतिक्र सामने से साम सुपा अनुसन मही है। स्वत्र स्वत्र सामने से साम स्वत्र है। स्वत्र सामने सामने

नाक्य राज्यान हानम काम जम पा हुन नवार गढ़। हाना चाहुण। इस बीच नी कीम सरमाहकृष्टे स्वतनते हैं उन्हें उसमें चूस्य रहना चाहिए। सकेमां मनुष्य भी सरपायही यह सकता है। बीर महि वह ऐता करे तो कहा बायेगा कि उसने वसने कर्मणका पुरा सामन कर सिंगा। इससे विकास गरीकी बाद ही नहीं है।

[ वनरातीये ]

द्रीहयम बीचिनियम १०--१ --१९ ८

### ५२ नेटासके कुछ प्रश्न

नेटाबक्के याख्यौयोंकी स्विति इस तिनोंदिन विसङ्गी देख रहे हैं । यहाँकी वतमान सरकार पुक्रम श्वराद जिना पेंदोको और मारतोयोक सम्बन्धमें आपरवाह 🕻।

श्यापारियोंको परवानों (काइसेंस)की शककीफ सुरू होगी। मुक्त गिरमिटियोंको कर देना पड़ता है, इससे ने पिसे का रहे हैं।

जो विर्मिटीमें गुकामी मोग रहे हैं उनके गाकिक उनका बुरा हाट कर रहे हैं। नमें बुस्मी कानून बनते था खे हैं।

पाठवासाबोंको जो यन दिया साथा करता या उससे कम दिया जाने सगा है।

भौरह वर्षेत्रे अधिक उन्नवाके अञ्चोंको प्रवेश नहीं दिया भारता।

इस सबके क्रिए क्या उपाय किया जाये ? बर्जी कें या नहीं ? जर्जीने फायका होगा ? नगर न हुआ तब नया किया जाये ? सत्यायहकी अवाह खेवनेकी बात की जामे ती सब वस्य-मस्य सर्वे मा साय-साव ?

इन तमाम सवामंत्रि अवाव हमें वैर्यपुरक लोज निकायने चाहिए। अवीं तो देनी ही नाहिए, किन्तु उपके पाँके वक नाहिए। वह वस सरवायहरो प्राप्त होता है।

किन्तु सरपामक तो नहीं व्यक्ति कर सकता है, बिसने सरपको जान बिमा है। मंदि इस

परमध्ये बातकर उसके मुताबिक बाचरन करते हों तो उपर्युक्त दुःस हो ही गहीं सकता। तो मन यह है कि सत्पाधहकी कड़ाई कैंसे बड़ी जाने। उत्तर यह है कि सत्पाधहकी सनाई

करतेका अब यह है कि हम बीरे-बीरे सत्य शहण करते रहें। जिस हब तक हम उसे प्रक्रम कर्णे उसहर तक [इमारे] बृचका नाम होगा।

प्रत्येक विषयपर सत्वाप्रक किस प्रकार किया का सकता है, इसपर वादमें विचार करिये।

[ब्बरावीसे]

इंडियन जोपिनियन १०-१०-१९ ८

# ५१ सेठ बीझ क्यों नहीं छूटते?

नेटालमें छेटोंको निका येगेके किए एडिक्डों मार्च्याय परे। उसके पीछे बानेके किए उसमें से बहुद-ए दोनार के। किन्तु जब कब चन्नय का ग्रुडेवा है तब नेटाक्ट केवल ते यह नाय्योग्य सामने जामे हैं। काम करनेके किए बहुद कीए दोनार के किन्तु सम्म कान्यता है किन्नु मही बातें। हरएक ऐसा उचाक करना मान्यम होता है कि नुसे हस्थ क्या भावता है किन्नु से यह बात मूक बाते हैं कि सरनायह बुस्टिक ही सामके लिए वक सकता है। उसमें सनना साम भी खानिक है यह स्थान स्वतिकों सकरता नहीं है। नेटाक्नो ऐसा नहीं किमा। इसमें नेटाक्का और नहीं है। इसके किन्न हरना ही बाहिर होता है कि हमें जभी पूर्व बनुमन नहीं है सहस्त्वतिन नहीं है जान नहीं है। वे सब बार्वे हमें समस पाकर बार्वेभी। तबतक साकित परिनाम होन्से समस कने तो हमें कमीर नहीं होना चाहिए।

इस बीच को कोन सम्पादको सम्प्रते हैं नहीं चलमें मुख्य खुना बाहिए। बर्केश मनुष्म भी स्थावहीं यह संक्ला है। जीन परि वह पूर्ण करे सो कहा बारेगा कि उसने अपने स्टोन्स्क्रम परा पासन कर स्थित। इससे बिधिक करनेकी बात ही नहीं है।

[ब्बरातीय]

इंडियन बौचिनियल १ -१ --१९ ८



## ५३ कवियोंकी स्थिति<sup>9</sup>

सनिवार, [बस्तूबर १ १९८]

विद्य तरह यनवरीमें बीहानिधवर्ष जेक भारतीयोंसे घर गयी वी उसी तरह इस समय फोनसरस्ट वेक मी घर गई है। मारतीय उसमें बाते ही वा रहे हैं। इस समय वेक्स

३७ मार्च्यीय हैं। इनमें से निम्नकिश्वित १७ कोग सका काट रहे हैं

धर्ममो बाज्य मृहस्मय पारणी बर्जमानी एम थी। बांपणिया छापुरनी राविरिया छोएनकी धापुरनी। जावम छेडू परेच — बनमेंट इरएककी जीन-जीन महीलेकी छवा हुई है। छर्ममी कासी काळामिली बांदामिली जार उस्थान मृक्वी ज्वा मायावयी। इद्याहोम हुनेन इस्पादक देंचर वही मामरनी रिरिरवाका मोहस्काक परमानश्वदास कीकाशका हरिखंदर हेट्सर बोसी मोहस्काम नरनेपान बोखिया मुक्तप्यव बायुनाई येड बीर जिम्मावंकर मंझराम योक्ट — इनमेंचे हरएक क क इस्पेकी छवा काट रहे हैं।

ारीचेके १९ कोनॉपर मुक्काने चक्कोको हैं। बमानसपर क्ट बानेके बबाय ने इवाकाटमें

पढ़े [बहांकी हवा का रहे हैं।

धर्वभी नावनी करतननी कैरागरी राजनती मुक्तमी लेका खत्री वागोवर हुक्त गण्येगी खत्री बाह्य गरां बीमानाई बक्तमानाई उपी शीमानाई क्याणनी उपी वाकनाई नहमाई बहुतनी लाकमाई मुन्तानी हेंग्री मुक्ती राजनी हीरा पूर्वमी राजवारी मुन्तान सहा रिकृष्य राजिनंतरिष्ट्र वावनी बहुतव करतन शोधी क्याच वर्ताचकर मीरार सकत

पक्षीरी नामकृतीर मी क नांती।

इत्तरीय सी मानवी करधानी कोठारी जाव ही जमानवपर क्रकर धवणी बनुमिरिड छहर यहें हैं। उद्देश्य यह है कि बर्गनेसे आनेवाकी माहीपर व्यान रखा जाये। ऐसा समझा है कि पास्टाउनमें तीन मशास्त्रिमेंने कानुकती शरकों बानेका प्रार्थनापक दिया है। ऐसे कोरोंकी डीक-डीक जानकारी देनेकी जावस्थनता होनेके कारण भी मानवीय व्यानवर दिकाना निश्चित सन्ता। उनके बेख जानेके बाद कीई हुएटा प्रस्क करना पड़ेगा!

#### रमधान शरीफ

सनी मुख्यमान नीयी विनियुमेंक उपनान एकते हैं। उनके नियर यो काजी विश्वेय कपने मोजन बनाकर काठी हैं। मनन्तर्य यह मोजन जानेकी बाद स्वान्त्व वे दी है। इसके दिसाय नर्षे कमरेंचे नहीं एकते और कायदेन व्यान्त्रेची स्वान्त्व थी नियों हुई है। यह निवसित क्यों नामान पहते हैं और चैनसे एक्टे हैं।

१ वर फोलहरू केव्हे किया का काम कारा है। पंतीयों ए कार्युएको पिरावार होनेके नार वर्षे करना शहरूना फानेकी जात्रिता कर रहे है। कर बीतवरक-किया "विदेश संगादका करा शिक्ष " क्यों कार्यास्त्र हुना था।

#### चेत्रमें काम

रोना रखनेबाओं बोर उसी तरह बन्य मास्तीय कैवियोंको फिलहाल बहुत बोड़ा काम निया बाता है। यी पेसल तथा यी मेड रखोईमें स्थारत रहत हूँ। बाकी कोप कमरे साफ करनेका बनवा ऐसा ही कोई कुन्कर काम करते हैं। इस कामोंमें किसी प्रकारकी मेहतत सबसा तर-कोफ महसूत नहीं होता। बीद कोई बीमार बीख पहता है, तो उस कामध सिकहुत मुक्त कर दिया बाता है। पेसर बादि सभी अधिकारी ठीक बस्ताव करते है। ठीपी उताराने बदले सखाम करतने काम चक बाता है। बीस यह तुच्छ बात है। बीजी बंगकी ठोपी क्यानेबाक ठोगी उतारनको क्यादा मुविधाननक मानते हैं। फिर भी इस विधयम अधिकारी परधान नहीं करते यह बतानके किए उचन सबस दे रहा हैं। पारसियोंकी अपना विधय कुरता जोर बनेड (नदरा सौर कस्त्री) पहनने बीर यनन ही बंगकी ठागी समानेकी इनाजत मिस्र एई है।

#### चेक्ष्में लुएक

नुराक्त संदेर पूत्र, बांगहरको पर्यान्त कारक और हुएँ एकवी (बेल कारमकरका सादि) और पामडो काकी चाकक और सेम निकटे हैं। योजन कपने ही हापका बना होनेके कारक पाने योग्य होना है। पूत्रोंने होने बाकी मुक्किकको निक्क कार में दो मोजनमें केतक पी-पानन्त्री क्या हो कही जा एकती है। महाकी जेकके निवसीके कर्युवार वी कपना चर्ची हुक भी मारानीय कैशेका नहीं निक्स एकता। इसकिए बोकिटरस पिकायल की यहे है और बॉक्टरने इस विपयमों में करनेके किए कहा है। जल जाता की या एकती है कि थी दिने जानेका हुक्स हो वारोग। को मानान्त्रत पुत्र प्राय क्षती कैशे ला केशे हैं।

#### संपनास

हैनक भी रतनमी लाग कुछ भी नहीं जाते हैं। वे बौर उनके लावी भारतीय बूपबारको सीतक हुए ये। बूबनारका उन्होंने रेकमाझीमें लाया ना उसके बाद कुछ भी नहीं लाया है। उन्होंने कैनक बोड़ी मूंगक्की एक दिन खाड़ें थी। व नह उपबाल करनी हक्काल कर रहे हैं। किनाम स्व हुए और लाय तक बकाते रहनेका दरारा रुपले हैं। व इसका कारण यह नहीं करों कि जारें सहींकी सुराक नायत्वल है वालक उपबाल नवतक किया जा तकता है इसे माननेक तिल प्रमीम कर रहें हैं।

#### **बेडकी प्रभावट**

जेममें मारतीय ऐता बारामन रहते हैं कि उने यहन ही माना वा सकता है। जेमकी बसार भी बहुत अच्छी है। इसारन परपत्की बती हुई है। काठियों बही-बही हैं। इसा मेरे मकाश्मी टीक मुनिया है। बीचमें चीक है जिसमें कास परस्पता क्यों है। नहान के लिया तीन क्यारे हैं दिनमें न पानी पूढ निक्कता है। उनने नीचे बन्धेक स्थान किया या माना है। दिनके मुक्तम चन्ने नहीं हैं उनहें दोगें बीर चीची थी मिलनी है। चीक्पर चरिवार वार्षिते जाते हैं। बन्दोबक्त होंने हुए यो दो हम्मी हुए बार] टीनवा छपर तीनकर नाम परे। स्थानिए यह मोहीस मनवृत्त छउ बना दों पहुँ है। ९६ छन् में मीनी शास्त्रन

हैका-विकास हुआ भी श्रीजामाई बस्थममाई, भी भीचा करनाच तथा मुहम्मद हुवेनको देव-निकार्कन हुत्स हुना है, कर पुरुवाको उन्हें निकाशित किया गया। इससे यह उन्हें के दूर दिश तक पेस्टी सर्मा है। उसा गया। कार्मी से भी सोवामाई करना सी जीवाली जीवाली करना

हुना है। इस चुन्ननारको उन्हें निष्कासिक किया गया। इसके पहुने उन्हें हैरह देश कर बेसमें स्वयं ही रखा गया। इसमें से भी सीचामाई तथा भी मीखामाई सीमाने उस पार पहुँचाने सामें चुटला बाद मागरा था गये। कमानी पार उन्होंने फोलसरस्टमें पुलिस स्टेकनपर निजाई। स्वतं उनका स्वास्त किया गया। भी मुहत्याद हुसेन कॉक्सी बर गये बीर चास्तंत्राठनमें क्षी रक गये।

#### सोरावसी तथा बासम

उन्त होनों सरकान सन्त्री कैंद्र मोगकर क्षप यथे हैं। उन्हें बाब तीन वने तीमार्थे निष्कातित किया परा। इतका केंद्र बरा भी धमक्षमें नहीं बाता। यो हो ने बाते ही तुस्त बारास जा बार्येमें इतकिए ऐसा होकर यह वाबेना मानों सरकारने विस्तानी की है।

रनिवार [बक्तूबर ११ १९ ८]

मारतके उन्हा दोनों नहादुर विपादी को क्येक पंक्योंमें कृत कुछ है जीमाने उन्ह पार सानेने हुएन्त बाद बाएड जा गये। वीमाने उन्ह पार होनेने बाद दुरन्त ही एक एक लोगे दिया। के दुरन्त बाद बाएड जा गये। वीमाने कुष्य पड़ कोर की गये हैं विद्या वीमा पार करानेने किए गये ने उन्होंके हाद गिरस्तार हो गये दावा किए फिक्ट पड़े की। कहें तिराब होना पड़ा। वहीं उनकी मेहनानी हार दिस्माने किए फिक्ट पड़े की। कहें तिराब होना पड़ा। वहीं उनकी मेहनानी हरने दोसाने पार कर दिया गया वा। उने वासर्वाटनका विकास की वासर्वाटन हरने बाहिर होता है कि माय्यीयोंका सम्मान वह पया है। वोरोंको उनसे कुछ पय करने बा। है। सदाबाट उनका वीमोना कुछ नहीं कर सक्ती बीर प्रवादी विकास है। (इसिपेटन कान्तिसर) सी उन्ह रोका है

[ चुजरावीसे ]

चंबियन औषिनियन १७-१०-१९ ८





# ५४ प्रार्थनापत्र रेजिडेन्ट मजिस्ट्रेटको।

फोनसरस्ट बेस सन्दर्भर ११ १९ ८

बाबासी *मन्दिस्ट्रेट*<sup>8</sup> फोक्सरस्ट

नीचे हस्ताक्षर करनेवाले फोक्सरस्ट वेसके वन्धिनीका प्रार्थनापत्र

सविनय मिनेदन है कि

आपके प्रार्थी सम्राट्की फोक्सरस्ट-स्थित वेषके वन्ती है और या तो सवा काढ़ रहे हैं या उत्पर मकस्या चक्रनेवाला है।

बापके प्राची बिटिश भारतीय हैं।

विटिश मारदीयोके क्षिप निरिचन बाहार-नान्किकाका अवकोक्त करनेपर मापके प्रापियोकी

मार्म हुवा कि वाहें वालेके साथ विकताई विक्तूल मही दी बाती।

प्रवादास्ता कैदियोंको बाहार-वाक्तिकार्ने केवल सकरेका दक्तिया शन्तियाँ तथा चावल होता है। मुक्तमेकी मतीला करनेवाले बन्तियोंके आहारमें रोटी बीर जोड़ ही बाती है। आपके प्रामी देवते हैं कि बत्तियोंको नियमित करने चर्ती दी बाती है बीर मूरोगीयोंको

मांच दिया जाता है, जिसमें चन्नी पर्याप्त जानामें होती है।

बापडे प्राविसीचे तम विचारके अनुसार को बाहार विदिश सारतीय विस्योंको दिया सता है वह स्वास्पकी वृध्वित अपूर्ण है, क्योंकि सारतीय आहारमें पिकनाहिला बंभाव रहा करता है।

स्मेडे बमावा आपके प्राची वामिक कारणीये सामिए मोजन अववा प्राच्छे प्राच्य स्मित्र स्मार्च बानमें बस्तमें हूँ स्मीलए जिस दिन गोसकी वारी होती है उस दिन वे मीस सा उनकी बनद सेने योग्य साहारके विना ही रह बाते हैं।

रे पॉडी-फ्रेने महामने वह मकेताल जले हावते किया और फिर, वेहा कि लड़ है पूछ सुचर करते हुव चित्रक वा को नार्त्रों लोकर किया कहा । कहनू वह तुनहां मनविदा थी मेम्बेक हुई संक्ष्मेंक किया कहा वा ।

🗞 रैतिहेंट मिलरेट्ट 🛊

३ परने ममुचिमे बहु ने शब्द ने १ व्यवहरू वार्थी देखते हैं कि बूदेशीओं और ब्यानिवादी निवृतित प्रांति के प्रांति है।

< पावे मन्तिमें "धवना मांतरे तास स्थित नवाने "-- ने सन्य नहीं है ।

भाग को वा नगरिएमि वही अभिक्षेत्र अनुव्याह के किन्तु जनिनन स्वर्थिमि कहें क्रिन दिया गता था। "मारेक मुख्य-मान स्वर्मिक्की एनान्यका अहीना क्षमिक कारण गता बुख हिस्सेंत्र पेतानों क्षेत्रम अपेकी कार्यक्री कार्यक्री के दिया के हैं। या है व

"कार जनुरिके परिवासरकार वर्षों तथा जांतकी कार के नकोशके नासारके नवास्ते करण करिन्ती चीमें-र लोगों एक ही तीरिक रह को है ।

"फिन् पर गाम क्रोह वीरवींके वा बड़ीने करियारें वह सी है।"

समर्थ गांधी

\*

भारके प्राविधोंने उपर्यक्त क्रमोंके बारेमें कई बा मन्द्र भारतायांकि वा जानके कारण कठिनाई वड

इसकिए बापके प्राची निवेचन करते हैं कि

(१) सामान्य भारतीय बाह्यर-ताबिकामें की (२) फिन विनों सोसकी बारी होती के उन क

वास या हरी समित्रयाँ — देनेका आदेश बापने प्रार्थी एक बीर प्रार्थना करते है कि यदि

की अनुमति जानस्यक मानी जाये तो माँगी पर्ध तार या देशीफोन हारा भेज विवा बावे।

इस स्यासके क्रिय

इस्तकिकित मूळ दप्ताचे बंदेगी

५५ सम्बेद्धाः

बेक्सी एवा होनेके बाद सवाकी काम नहीं मिलेका इसकिए संस्वाप्रक्रियों

चाहका हैं। बेक्स रहतेवालॉकी वर्गका वाहर ५०० ।एँ चन्हें उठाना है जो बाहर एक्टर सच्नी सेवा क्षिकांचर एक अस है। यहाँ तो में सब कोबोंको ि

कृती-कृमी बुरे अधिकारी कृष्ट वेते हैं किन्तु उसका । आसा करता है कि देखके लिए जेल आनेमें कोई भारतीय

सल्यापन सरक भी है और कठिन भी । सल्यका ही आ है अब मह बात सबकी समझमें बासानीसे का जानी जाहिए

र नद कराय्येच १६७ शतानिरेमें वहाँ गाः संबोधन करते सान २. इक्टाब्स्ट क्रूटनेगांचे ३७ व्यक्तियोंगे ते ११ ने मंग्रेथीगे, १ <sup>व</sup> हिने थे; नामी गाँको केंगूर्टेक निकार कराने ने । म्य औरव क्षेत्रीचीने ११ नक्ष्युक्तको नक्ष्मे हुक्तकेकी श्रुन्तार्थे



जारके प्राविमोंने उपर्वृत्त कमोचे बारेमें कई बार शिकायत की है। किन्तु बड़ी संस्थामें अन्य मारतोयिक जा जानके कारण कठिनाई कर गई है।

इससिए आपके प्रार्थी विवेदन करते हैं कि

34

(१) सामान्य मारतीय वाहार-तास्किममें भी सामिस किया वाये।

 (२) जिन दिनों मांसको जारी होती है उन दिनों मांसकी जगह कोई साकाहार — जैसे यात या हरी स्वित्यों — देनेका आवेश किया जामे।

बायके प्राची एक बीर प्राचना करते हैं कि यदि चेक-निवेदक (बायरेक्टर बाँठ जियन्य) की बनुसरि बायरक मानी वाने दो मोनी यदै राहतके किए इस पणका विवरण [उन्हें] तार बार्टनीफोत बारा मेक दिया वाये।

इस न्यायके किए मावि मावि

वाउव मुह्म्मव पारती रुस्तमजी एम० सी० आंगस्मिमा मो० क० गांभी और ३३ काव<sup>1</sup>

हस्तिकित मूळ वपत्री बंधेनी प्रति की फोटो-नक्क (एस एन ४८९३) से।

# ५५ सन्देश सत्याप्रहियों और दूसरे भारतीयोंको

[फोनसरस्टबेस बन्दवर १३ १९ ८]

मेडकी एवा होनेके बाद स्वाकी व्यक्तिक मुझे इंडियन मौपिनियन में क्रियनेका साम नहीं मिछेगा इसकिए सरसायहियों और काय भारतीयोंने दो सम्य कहनेकी जनुमति चाहता हूँ।

बेंबमें युनेनाओंकों बपेला बाहर प्रतेनाओंकों विश्मेवारियों अधिक हैं। उचना कच्छ दो उन्हें उठाता है जो बाहर प्रकृष्ट उच्ची तेवा करना ध्यापेट हैं। चेनमें कच्छ है वह बाह अधिकारण एक प्रमान है। यहाँ पो में यह कोनोंकों दिल-नर आपोर-अमेर कच्छे देवता हैं। क्यों-कमी बूरे बनिकारी कच्छ देते हैं किन्तु उपका उपाय तुरूत हो सकता है। हराविए में बाहा करता है कि देवले किए जेल बातेनें कोई बारतीय पीले नहीं हरोग।

साधा करता हूं का राज्य विश्व सामा कार नार्या कर कार्या हुए हुए।। सरमाप्त सरक्ष भी की कित कित भी। संस्था ही मागह राजनेते सारे हुआ हूर ही सकते हैं जब यह बात सबको संग्रम में मासामीस मा बागी चाहिए। संस्था पासन — मुज्ज हूर करने

सब गर्द बात सबका संवक्षात्र आसामा आसामा आहर । सत्वका पालव — कुन्स दूर क १ स्ट समस्योज प्रति मानिमें सर्वी वाः संवित्त स्राते समस्य समिति मीता क्या वा ।

 इक्टाइट क्टोलाने ६० व्यक्तियोंने से ११ में बंदियोंने, १ में प्रमातियें, और राजने तरिममें स्थाप्तर (कोर में) वाली में को मार्ट्सिक स्थितन काले में।
 इक्ट किंद्र मार्टिमीने १६ व्यक्तियांकों काले हुक्टमेंकी तुल्लाईक यह दिन मार्च मीलारकों मेरा था। सिए दुःस सहुता — कठिन संगता है। फिर मी ज्यों-ज्यों विचार करता हूँ त्यों-त्यों विचा सरवायहरू काई दूनरा उपाय अपने अवना किया हुतरिक दुःचिन [निवारक है] किए युप्त नहीं पहुता। मुझे हो ऐसा भी संगता है कि उसके सिवाय कोई सच्चा इसाब दुनियामें है ही नहीं। ऐसा हो या न हो किन्यू हम हो अब यह समसने को हैं कि सरयायहम दिनय पाना [ज्याका] केक रात्या है। महि बात ऐसी हो सी में वाधा करता हूँ कि जो-कुछ युरू किया है उस सारे मारतीय सानके साच पूरा करेंगे और इस फिरस आरम्मगूर 'की उसामिया वायों।

भो-जो राष्ट्र केंने उठ हैं बन्होंने पहले नष्ट सहन किय हैं यह बार-बार स्मरम रहता

नाहिए। यदि हम क्रेंचे उठना चाहुने हों ता हमारे किए भी यही उपाय है। हमें सोचना चाहिए कि नेटाल उद्योगपतियोंको खेल अवनय हम तदने क्यने तिरायर फितनी बड़ी विस्मेदायों के की है। उनका जनुसरण करते हुए अपना सबस्य अपित कर देना

बहुत बड़ी बाद मही है। ने जब अपने स्वापेन किए नहीं मये हैं।

को मारवीय केल बाठे हैं उन्हें चमछना चाहिए कि इत्तर उन्हें कोई स्वरित्रात स्वाध मही सापना है। यह स्वानमें रखना चाहिए कि केल बानपर मी सायद वे ट्रान्टवासमें न यह सकें। सनीको कुछ बस्टियन करके समामके साथ सम्मान बीर नामकी रहा करनी है।

इस संबर्धमें हिन्दू, मुख्यमान पारणं देशहैं, बंधायां मत्रावी गुजरातों पंजाबी—दस प्रकारक जह नहीं हैं। हम सभी भारतीय हैं और बाराके किए कह रहे हूं। जो ऐसा नहीं समस्ता वह देसका सबक नहीं अन् हैं?

पुत्रस्**ती** है ।

में हूं सरवाहही भोड़नदास करमचन्द्र गांधी

इंडियन और्जिनियम १७-१०-१९०८

# ५६ तुलसीकृत 'रामायण'का सार

[सस्त्रार १४ १९ ८ के पूर्व]

सामक्रण भारतीय प्रमाने पुत्र विदेश प्राणा बहुत करते हैं। विदेशमें अपने वर्षके स्थान रागा वके लिए कठिन होता है। परम्नू, हिन्दूबीके निए तो और भी कठिन है। कैरक्का भन है कि सावारण हिन्दू अभका यहरा जानता केवक सब हिन्दूबीका ही नहीं सर भारतीयों जा सब है।

सावारण हिन्दू वर्ष सबको साम्य होने कानक है। उनका रहस्य गीतिमें समाया हुना है। रन इस्टिय कहा जा सकता है कि सभी वय सब्बे और समान हैं परोंकि नीतिस अपना कोई वर्मे हो ही नहीं सकता।

रै कान परधा है जूनने नहीं बाज मेसकी मुख्य हुए नमा है जिसके पिता अल्पन्यहर हान्द्रका मनीन वर्षी डीक नहीं देशना।

र. वह इंडियम ऑपिनियमचे विहानस्थानमें प्रकारत हुमा था । स्त्रुप सर्वदार गाँची तेवा देवस् विमा यान परणा है । रक्ता, वह और जातेके ही वेदा गाँची तेने ४४ जन्मुपारी वसने ही विदा कि हिंदे

पर्रोडि क्यो दिन बनार सुद्रहमा बळावा लग्न और करों ही वाजियी गांन ही गाँ र

बात जो भी ही साबारण हिन्दू वर्मका क्य रामायवर्मे हवह वेका का सकता है। मुख रामायम संस्कृतमें है। उसे बोड़े ही लोग पहते हैं। उसका अनुवाद कृतियाकी बहुत-सी नापानोंने हमा है। यह रचना भारतकी सभी प्राकृत नापाओंने भी उपसम्ब है। इन सभी भनुवाबोंको परबों तो तुम्बीवाधनीकृत हिल्ही। रामामण के सामने कोई अनुवाद टिकने मीम्म नहीं है। सब पूछा बाये को तुषसीबासबीकी मनित ऐसी अनत्य की कि उन्होंने अनुवाद करनेके बदले दसमें अपने ही भावोंको नाया है सहासके समाना मारतका पैसा एक भी हिस्सा नहीं है. बहाँ तुकसीवासनी की पामायम से कोई डिन्ड सर्वना जनजान निकले। ऐसी पामायन भी विदेशोंने और स्वदेशमें भी सभी सीम पूरी नहीं पहले। पहनेका अवकास नहीं मिम्ना। ऐसी पस्तर्शे संकिन्त अपने प्रकाशित की बावें तो बारतीयोहि किए वही अस्वामकारी हीं। इसी जहेरपते हमने पुरुषको चंडोपने प्रकाशित करनेना इरावा किया। उसका पहणा काय हम तरन्त ही जनताकी सेवामें पेश कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य यह नहीं है कि वह संस्कृत्य मूल रामायन के बदलेंगें काम नाये। हम नाहते हैं कि सार पढ़ मेनेपर जिन्हें अवकास हो और जो मनित रसमें भीने हो पने 🜓 वे मूळ भी पहें। इस सारोधमें बजाका मुख्य मान दोड़ा नहीं यमा है। केविन क्षेपक करने नर्पन बीर पैटेकी कुछ वारों छोड़ दी गई हैं।

हम पाइते हैं कि को धारोध करताको सेवामें येख किया का रहा है, उसे हर भारतीय पढे उसका मनन करे और विस मैतिकताका विषय इसमें सनीवतासे दिया गया है, उसे पहल करे। यदि रातको तमा जवकाय की बुखरी बहियोंमें भारतीय वर-वरमें रामायब का

पाठ करें तो हम बपना प्रयत्न सफल मानेंगे।

बसरे काव्य वैसे-वैसे अपने वार्वेये वैसे-वैसे इस प्रकाशित करते वार्वेगे। बन्तर्वे सन समीका एक साथ बँचवाया जा सकता है। मस्य सोच-विचार कर वर्तान्य हो सका है क्स रका गया है, ताकि पुस्तक सत्री नाय्तीय बरीद सुद्धे।

डिम्बी किपि बौर माना जानमां हर मारतीयका फर्ब है। उस भावाका स्वकप जाननेके किए रामायन और्ता इसरी पुस्तक सायद ही मिलेमी।

मह्म १ सिक्तिय। शक्याचे १ पेती। इंटरनेशनक प्रिटिय प्रेस फीनिक्स नेटाक

[ वृजयवीसे ]

ŧ

इंडियन मोपिनिमन १७-१ -१९ ८

[बस्तूबर १४ १९ ८के पूर्व]

बात पहता है, संबर्ध अब फितारे खपता का रहा है वधींकि घरकारणे विषक बूस्स काता बूक कर दिया है। श्री कीरावजी सवा श्री जावमका शहर निकास बाता उनका तुन्ति सामस बाता उनकी दुरत्व ही सबा होना वारवर्दने पे पर सारकोत्रीका जैस सेता बाता उन्हें रेम-निकास वेदा — इस सबसे साब्य होता है कि सरकारको वो बीर बातमाना है उसका बन्द बाता का रहा है। उसका सबाता बुटनपर का पया है। वह बचना सास गोका-बाकर बच किसे बाल यही है। परन्तु यह साब रकता चाहिए कि बन्दाका समय बड़ा किन होता है। सब कर सेसे बात करते हैं गरन्तु बन्दों कर दिवास की करने कि सेता विश्व है । इसकिए हम सामा करते हैं कि भारतीय बन्दों करनि नहीं वर्षी

[मुक्यवीसे]

इंडियन मोपिनियम १७-१ -१९०८

# ५८ कुछ भारतीयोंको

[बस्तूबर १४ १९०८ के पूर्व]

[ गुजधतीसे ]

वैक्रियन भौपिनियम १७--१०--१९ ८

## ५९ पत्र भे० चे० डोकको

[फोनसरस्ट] नुमनार [बस्तुवर १४ १९ ८]

प्रिय सी डोड

मैं भारको यह पत्र जवाकसन्ते किन्द्र यहा हूँ। मुझे बाधा थी कि व्यन्ता फैलका होगेंसे पहले में बाएको कुछ मेन सर्द्या। किन्दु स बूतरे कार्योमें बहुत स्वस्ट यहा हूँ। सून-साम्तानोके किया आपको बहुत-बहुत वन्त्रवास । नेरा विश्वास केवल हैंश्वास है। स्वतिस्त्र में विश्वास प्रकल हूँ।

बापका सम्बा सो० क० गांची

गांचीजीके स्वाक्षरींमें मूल बंदीजी प्रति (जी • एन ४९२) से । सीयन्य सी एम डोक ।

६० सम्बेद्धाः भारतीय सदगेकि माम'

[पोलस्टस्ट अस्तुवर १४ १९ ८]

में नहीं जानता कि जिनते मेरा व्यक्तिपत सम्पर्क कभी नहीं हुवा उन कोरोकि नाम सन्तेष भेयनेका मुखे कोई विश्वार है या नहीं जेकिन जीवोंकी नहीं इच्छा वी भीर मैने उसे मान जिया है। तो मेरे विजार से है

- अनवी पुरतक (इक १५) में कोको नरियन यो नरुव बजुर किसे हैं जीए कहा है कि वे नरुव १४ जन्मवर १९०८ को वोधीनीक हाकारोजी वैद्योश कुछ काले किसे पने थे।
- ्र भी बोहने करनी पुराप्त-भी क गांकी: वृक्षिण वाधिकारों एक समरानि वृद्धमन्त (यस-के तार्पती: ऐन वृद्धिपत पेर्ट्सिक्ट इन साराव वाधिकार) के र ने क्यानरे क्षेत्र कहा करते हुए क्या है कि दीने बोटीक्टी का पुरावकी किया करिया गाँउविक कारांत्रिकिया क्या क्या क्या किया क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
- ४ जी बोहडी पुरावर्ध का स्थेतवर्ध सिवि " नवायर १९०८" रखी को है। हो स्वयंत है कि का १४ क्यापरको, जिस दिन गाँगीनीको सन स्थान को गी. विचा नवा हो।

द्राम्पदालमें चरनवान नवपन्य भागनको कोर्ने मनलब ही न हा ऐसी बान नही है। इस एन ब्यक्तियंक्टि निर्माणमें लग्न है जा संसानके प्रतेन भागमें व्यान सापको सूचीम्य सिंग्र कर सर्वे। इस भार संपर्धने यह भानकर चन गरे हैं कि

(१) मारीरिक प्रतिरोपक प्रकार जनाकामक प्रतिराध हर हाल्लमें बेहर अच्छा है। (२) यरोगीयों भीर भारतायीक बांच कही कार्ड प्राकृतिक शावार नहीं है।

ड्रालशक्ते बचने राने गरंगन किए अनास्त्रस्य प्रतिरोधका नर्धरा आनाना स इनमें ग प्राप्त विचारके आदारपर उचिन मानता हूँ। युम्मिन है। यह आँगिप देरने नाम काणी हा पर से देश दन मुनीहत्तीहिन्स हो गरी। जिन्हा प्रते हाल्यान्यमें वासना बरना पह प्रा है। बच्नि सार्णांद दननाता वीहित करनवार्ड। एक्सांडिक और सभी प्रदारका अन्य बीसार्ग्यिक निष्

[महर्गाम]

गम के मापी ऐन इडियन पेनियत इन साउब माकिका

## ६१ बावजी आमीद भीर बूसरॉक्स मुफदमा

(प्रोक्तरग्द

वस्तूबरं १८ १ ८]

मन वधवारणे महायक आवानी लिलाइट (जिन्छंद देखिंद महिताइट) थी औं
रिम्पर्यंदी बदानमां दावजी आनंत्रका नामाना देना हुआ। सरकारथी सरको मुन्दावेदी देखा भी मेंब वर रहे थे। आरोप वह चा कि बारती आरोध निपंक प्रवासी है और नेरिया में वंजीयन (पिताइसन) बातुन (१०८ वं १६) के अनुसार प्रविक्तास महाने पाने अर्थी दिये जिला प्रवेश निया है। भी गांचीन अभिन्त्रकारों तरको बचाव पाने पाने अर्थी दिये जिला प्रवेश निया है। भी गांचीन अभिन्त्रकारों तरको पाने पाने मन्त्रकार्य (पर्रात्म) और वंजीयन जनामपा भी मा। किर भी जन निर्मान्तर वर निया ना। इनके बाद जनन जरितवा ग्रीड देखा और कथ नामुक्त अन्तर्यंत्र प्रतिक्र मी। इनके बाद जना प्रतिक्र जनी

1 Y

सर्वोद्या नमना बताया तब असमें अपनिवेशके बाहर आगेसे बनकार कर दिया और इतपर वह पुनः विरक्तार कर लिया गया।

निराके बीच कॉरपीरक कैंगरॉनने स्वीकार किया कि अधिपुरतपर प्रवासी कानुनके क्षम्ब २ के बपक्षम्ब ३ ५, ६, ७ और ८ काम् नहीं होते और न उसको उपनिवेसके बाहर निकास देनोंके विषयमों कोई हरम है। यह माननेके लिए भी कोई कारब नहीं है कि अभियक्तने जो दस्तावेज पेश किये हैं वे काननके अनुसार जसके नहीं है।

की पांचीलें कहा कि अधियनतको अधिकार है कि वह १९ ७ के एसियाई कानन एके अनुसार, को रह नहीं किया गया है उपनिवेशमें वा सकता है। मीर चूँकि उत्तने अपना अनुमतिपत्र (परमिक्ष) बता दिया है इसलिए वह निविद्ध नवासी भी नहीं माना का सकता। प्रवासी कानुबंधे खब्द ४ के वपस्तवके माराहरा की उसने कोई अपराच नहीं किया है।

निकार होने अभियन्त्रको दोषी कराए दिया किन्तु कहा कि प्रसप्त प्रपतिकेत क्षेत्रकर न कार्नेके किए प्रसाय डाला गया है। वसे १५ पींड अर्थाने जबवा एक शहीबा स्टोर कारावासकी सजा धना वी गई।

करसम कोबी और अन्य बाठ व्यक्तियोंपर थी किनमें दी नावासित में यही झारोप कपाया पया और हीरबी मुक्तवीको क्रीड़कर उन्हें भी यही सवाएँ दी पर्द । हीरबी मुक्तवी एक बार्फ वर्षका सरका है। यस गाँच गाँउ जुरुवाने था जीवड दिनकी साथो करकी तथा चनती गरी।

रक्तजो कोडा मानको करतनमा रविकृत्य तक्षेत्रीतिक बीर रक्तनमा रमुनावपर बी निविद्व प्रवासी होनेका अभियोग क्याया थया। अभियुक्तीने अपनेको निरपराव बताया। पाके शीनने कहा कि वर्षों सैशाणिक करीटीके अनुसार वयनिवेशमें प्रवेशका अधिकार है। और प्रक्री को तका रतनजी रचनावर्ग कहा कि के सक्क्षी प्रक्री दुल्सवासमें प्रक्री के मारबी करसनबीने कहा कि वे समावकी स्वपंतिक सेनाके ज्यापूर्व सदस्य है और बन्होंने धत बोश्रर यहमें को धैवाएँ की उनके लिए उन्हें एक पहक भी दिया गया था, तबा इस इतिमत्ते जी उन्हें प्रवेशका अधिकार है। रविश्वश्यका जन्म ही पश्चिम जानिकार हवा था।

वंश्वियुक्तोंकी तरफ्छे नवाही वेते हुए की शांबीने कहा कि अभियुक्तोंको उपनिवेद्यमें आतेकी सम्राह्म देनेकी सारी किन्मेवारी जनकी है। अधिकांसमें अधिपुन्त उन्होंकी सम्राहते प्रभावित हुए हैं प्रचपि कर्त्वोंने निन्धलैह अपनी स्वतन्त्र बुद्धिसे जी काम किया है। बिरी पांत्रीने यह जो कहा कि | प्रवृत्ति निवयुक्तीकी की यह तकाह थी। वत्तमें राज्यके तक्षे वहे तितीका पूरी तरहते विचार कर किया जा।

बिरहमें भी योबीने स्वीकार किया कि चन्होंने अधिनुस्तोंकी एक सार्वक्रिक सवामें भौर सकत-असम थी [चपनिवेसनें] प्रवेश करनेके लिए कहा ला। पर समर् सिता अन्य अधिपुरत्कि सनमें धरनिवेशमें प्रवेश करनेकी हैं **धन्त्रीये यह भी स्वीकार किया कि धन्त्री**में अतियुक्तींकी प्रवे<sub>र</sub>

प्रदेश करनेके निए उन्हें प्रोतसाहित किया और सहायता भी दी। और हमेशाकी मौति इस बार भी वे भवने इस कार्यके परिचामोंकी जीवनके लिए लैयार हैं।

समियकत दीवी वार्षे गर्ने भीर उन्हें बील पीड अूर्माने या छ हरनेकी कठिन कारा-

बाहकी सन्ता गुना की गई।

इनके बार बया नरलीका भागता पेण हुआ । जनपर नचे पंजीयन अधिनियम (रजिस्ट्रेशन ऐरट) के मातहन जैवहकी छाप देनते इनकार करनेका मारीप वा सम्रपि उन्होंने मधना अनुमनितन (परमिष्ट) पेता कर विवा था। जग्होंने (अलके निवर्गोरी मनुमार) अपनी भेविनियों ही साथ भेतमें है ही भी आहाँ कि बह अपने मामसेकी सुनवाईकी राह एक हरतेते देश रहे थे। प्राष्ट्रे इस यौण्ड नुर्मान अथवा एक महीना सपरियम कारानामधी सजा नुना दी गई। मुत्रताची प्रश्नदीवर भी यही सांभयोग चा। उन्हें भी यही सबा सुनाई गई।

श्रीतामाई और श्रीवामाईपर, जिन्हें देशने बाहर निराण दिया गया पा किंचु जो जारी राजर किर लीड आने थे निविद्य प्रवाली होनका व्यभियोग मगाया गया। बन्हें बीस बीड

मुर्माने या छ हुनी कठोर कारावासकी सवा सुनाई गई।

[बर्गांसे ]

इंडियन ब्रोपिनियम १३-१०-१९०८

### ६२ फोबसरस्टमं मुकदमाः

**काल्यरस्य** 

महार १४ १९०८)

इतके बाद स्वयं की गांबीपर नने कानुनके अन्त्रगंत यह आरोप तथाया गया कि क्षंद्रोंने अविद्यारियोंके सांतनकर भी नाम अंतृतों और अंतृतियोंकी छाद नहीं दी। उन्होंने यह मनिरोग स्वीकार कर निया और कोई वादमनम वैश नहीं क्या है और सब प्रमान विभिन्न ६ (देनुकेशन ६) के मानहन शिनाका केन करनेके लिए कहा थाना तो बन्होंन इनशार कर दिया।

थी गार्थन बगान देशहर रहा

में नमारता हूँ कि इस क्यारामाचा एक अधिकारी द्वारक माते. भून चेत्रीयन प्रभागतक (धॅनररूपत परिकाट) पेस करना और आने अंपूर्ण या अंपूर्णियोंनी राल देनने इपनार करने करेंग कार्ता कछ नहाँ कराय देती चारिए। १९ ३ वे राणियाँ बानव २ वो रेकर गरकार और बिटिंग भारतिकों बैंग्व बुछ बाजेर गरे हैं। बिटिंग भारतीय सुपक मन्त्रीय मान में ब्रिटिश बारवीयांश प्रतिनिधित्व बार्या हैं। ब्रीए न्या धारप्रदेश नुस्तर

रं रचने मन्त्रों, और कम स्वतिगरिंद हुन्दरक बन्द अधिकीयां मान्यर अहम्मदे देश हुन। बा s t at from eite a

६ मध्यम वर्गच रोशो है।

सर्वीका नमृता बताया तक उत्तर्भ उपनिवेशके बद्धर आगेते इनकार कर दिया और इसकर बहु पून' पिरफार कर किया यया।

जिरहरे बीच कॉरपोरल चेनरोंनने स्थीकार किया कि ब्रांतिमून्तपर प्रवासी कानूनके बच्च र के उपबच्च है पू, इ, 9 जोर ८ कागू नहीं होते जोर ल उसको जरनिवेजके बाइर निकास देगेंके विवयमें कोई हुच्च हैं। यह मानलेके लिए भी जोई बारण नहीं है कि मनिवस्तों को वस्ताकेक देश किये हैं के बालाकके जनवार वसके नहीं हैं।

सी पांचीले कहा कि समिप्यतंत्रों अविकार है कि वह १९ ७ के एसियाई कानून एके अनुसार जो रह नहीं किया जबा है उपनिवेशमें वा सकता है। और पुँकि कसने अपना अनुसतित्य (परिस्ट) बता दिया है इसकिए वह निधिद्ध स्थाती भी नहीं पाना जा सकता। सन्तरि कानले कम्प ४ के उपकारक सरावार भी उत्तरों कीई मंपरान नहीं किया है।

मसिस्हेटने मसियुक्तको बीची बरार दिया किन्तु कहा कि प्रस्तर उपनिवेस छोड़कर न बार्लेके सिप् प्रसाद बाका गया है। वसे १५ पीड वृशनि अववा एक सहीना कठोर कारावासकी स्वा सना दी पाँ।

करपत मोनी जीर जन्य नाठ ध्वरित्वर्गेरर मी, जिनमें दो नावासिन में यही आरोप समाया प्या और हीएकी गुरूबीको छोड़कर उन्हें थी गई। वावारें दो नाँ। हीएकी गुरूबी एक बायह वर्षका सड़का है। वसे गींव गींड मुरुराते वा चीयह दिनकी साबी बंदकी वजा समझे गई।

प्राप्ता होका भावजी करतावी एपिक्रम्य तक्षेत्रतियु सीर एताची रचुनावरर में
निरिद्ध प्रवाही होनेका अधियोग क्याया था। असिक्तुन्तीये स्वतंत्रेको निरस्तात हामार्थ पहुंचे तोगने कहा कि कहाँ सैक्षानिक क्याँतिकी स्तृतात प्रतिकेत्राते प्रवेशका स्विकार है। सीर पहुंचे हो तथा एतावी एकुनावये कहा कि वे सक्ष्मी यहुंचे दुग्धिनाको पहुंचे थे। भावजी करसावीये कहा कि वे समझकी स्वयंधिक देनाके मुस्तून सदस्य हूँ और व्यक्ति सत्त बीमर पुत्रमें की सेवाएँ की काले किए उन्हें एक वक्ष्य भी दिवा म्या वा, तथा इस हैस्यित्सते भी कहाँ अवेशका वाविकार है। रिवाह्मक्यका वस्य ही प्रविकार साहिकारों हुना वा।

क्षिप्यून्टॉक्सी तरफ्की कथाड़ी हैते हुए थी पांचीन कहा कि व्यक्तियुक्तॉको दनिक्षेवर्में बारोबी तमाह देनेकी धारी क्रियोबारी जनकी है। अधिकांकर्ने व्यक्तियुक्त प्रमुक्ति सक्क्ष्टें प्रमाणित हुए हैं क्यापि जन्होंने निज्ञानेक अवनी स्ततन्त्र बृद्धिये भी कथा क्षिया है। [सी पांचीने पह सी कहा कि ] चन्होंने अधिकुन्तोंकी की यह तकाह दी, क्याने राज्यके सबसे बड़े हिसेंकर दूरी तासुक्ते विकार कर किया था।

बिरपूर्वे भी पांचीने स्वीकार किया कि जबूंचि सनिवृत्योंकी एक पार्वकांतक एनार्ये सीर सका-सका की [अपनिवेक्कों] प्रदेश करनेके किए कहा था। यस समय सास्य एकके प्रिया साथ सनिवृत्योंके सक्ये जयभिवेक्कों प्रवेश करनेकी बात नहीं बाद थी। निस्तर्यहें क्यूनि सुर भी स्वीकार किया कि जबूंचिन सीम्युग्योंको प्रवेश करनेमें पदय थे, इनस्यक्तने



अधिकरा करनेके बाद अपने देशवासियोंको यह सखाह देनेकी विस्मेशारी प्रेने बपने ऋगर के सी है कि ने इस कानम क्षारा नोने नये नित्यादी बन्चनींको तो स्वीकार न करें पर कानम सानकर बसनेवाकी प्रवाकी तरक इसके उल्लंबनके फलस्वरूप मिसनेवाकी सवाको स्वीकार कर में। बाद सबी हो या यसत पर अस्य एशियाश्योंकी सीति मेरा भी सबी विकार है कि और वार्तिक धान-साथ यह कानन हतारे अन्त करणको चोट पहुँचाता है। और मही क्रमा — बाब भी महे ऐसा ही करता है — कि इस काननके बारेमें अपनी भावना प्रकट करनेका एकियाइमें कि सामने केवल एक यहाँ मार्ग एह गया है कि वे इसके वन्तर्गत वी गई सजाको स्वीकार करते

वर्षे और म मानता हैं कि मैंने उस नीतिके जनुसार इससे पहले जानेनाले अभिनुकारिको इस काननके बार्गे सिर सकानेसे इनकार करनेकी सलाह दी थी। मैंने सनको १९ ८ के कानून १६ के बारेमें भी यहां सकाह दी थीं। सौ इसकिए कि बिटिख मारतीमोंकी रावमें सरकारने विचनी राहत देनेका बचन दिया या चतनी दी नहीं यह। अब म न्यायाकमचे हावमें हूँ और वह जो सवा है मुझे स्वीकार्य होगी । अभिगोक्ताओं और जनता समीने मेरे

साब जो सिप्टाचार बरता है. उसके किए में जनको बन्यवाद देता है। भी मेंबने कहा कि इस मामलेको कुत्तरै मामकाँतै मिल मानना चाहिए। उन्हाँने कहा चैकि की पांचीने स्वयं स्वीकार किया है कि धनका सपराच सन्य अनियस्तेति सर्विक है इस्तिए प्रवसी अविकास बच्च (१० पींड सर्वाता था सील वहीनेका सपरिश्रम कारावास)

विवा चाना चाहिए। मसिस्ट्रेडमें भी गांचीको बोची करार विथा। उन्होंने अपना निर्मय रेते हुए कहा कि वर्मके बायारपर चठाई गई बागिताकि प्रकार विचार करना गैरा काम नहीं है। मेरा काम दी केवल कानुनके मुताबिक काम करना है। कानुनका बाम तीरपर उल्लंबन किया गया है। भी पांचीको उस क्यमें वैक्रनेका मजिस्हेटने जांक बढ़ा इंच माना और कहा कि चिर मी उनमें और अन्य जनिवृश्वीमें अन्तर किया जाना बकरी है। स्विद्धेटने भी श्रीको

९५ पाँड वर्माने या दो महीनेकी संपरिकास कारावासकी सजा थी। बेद्धक कितीने भी कर्मानेकी राख्यि क्या नहीं की और सभी नुसकराते हुए केल करे

गर्ये। भी धांची विक्रेत प्रतम से।

विषेत्रीमे |

इंडियन सीपिनियन १७-१०-१९ ८

## ६३ सन्देश भारतीयोंकी

[फाल्मास्ट जल्दुवर १४ १९०८]

सम्मनक दुइ रहें। मेकन सेमना ही हमारा उत्तय है। बौन दनना करनने बान हम मीत हुए ही है।

[मंद्रेगीस]

इंडियन कोपिनियन २४-१०-१९ ८

## ६४ तार उपनिवेश-मात्रीको ध

फीस्यग्स्ट नदम्बर ७ १९०८

षेशार्थे बार्तिशा-नरी

[177]

कोरहरप्यन्दे पसद्भार बिश्नि भारतीय कीरी जिनमें नदाल मार्शिय सांवेदको संभात उताराम और सन्धे श्वीदिया द्रष्ट्यांत्रिया समुस्तके संभ्या [सीर] विदिश्त साराज सरके सन्धा धानित है जग्म द्वान महासांकि राजगावस्तरमें नेवामें निर्माहर्षद स्थादयों मेजा है और संजित होणारीमें बन बाट रहे हैं उनकी और गयादार्गाहरू चात सार्वाण करने है।

कोननगरक बिटिश भारतीय वैशे

[मदर्गात]

क्षानियन अधिक रेकर्डन २९१/१३२

र वा संपीतंत्र नदीलायार्थे जाते वेण्यापते वावे व्यंत्व होता ग्रेस पाने देश या। त्यार हिंदन वीरिविश्व में नदा रही नदीविश आराप्ति वेश विशा नदाया। या लीत वा उसले दिन में वी विशिष्ट दूर्व वा वाद वार्त्वाचा वार्त्वाचारेत्री वाद वही वर्ते देशित दूरते हात का ना का ना देशा मुंबाद वार्त्वाचार्यों वर्ति लागा नदावश स्त्री के क्रिया के किस्सा देशी परिते ने तावा वा वार्त्वाचार्या त्यार व्यवशा के के क्रमा वा है का द्वार स्वस्ता के का वा विशा के त्यार के व्यव दर्गा वार्त्वाचे वीराम्य हो वह का क्रमान्य वार्त्वाचार का क्रमान्य व्यवस्था का व्यवस्था क्रमान्य वार्त्वाचार के

#### ६५ पत्र ए० एच० वेस्टको

कैरीका नाम मी क योगी

[फोक्सस्ट बेस्र] ट्रान्सवास तकस्यार ९, १९ ८

प्रिय वेस्ट

आपका वार मिला। इसने मुझे हुन्त तो हुआ किन्तु आक्षणों मही हुआ। में विना चुमीना दिये यहाँच नहीं निकल सकता और बेदा में कटेंगा सही। अब मेंने तंत्रमें सुक किना वादव मह समय किमा ना कि इसकी क्या कोयत की। यही। यदि यही होना है कि मीनदी साको मुझे छोड़कर चकी बागें और स्तेतरील पति साहै सालकान देनेके किए मी न पहुँच सक

तों किर ऐसा सहो।"

मार सम उनके किए मोन्कुक कर सकते हूँ। मनस्य करें। में हरिलानको नहीं मानेके किए

सार कर उनके किए मोन्कुक कर सकते हूँ। मनस्य करें। में हरिलानको नहीं मानेके किए

सर पर पहा हूँ। में चाहता हूँ कि बाग या नोई मीर दीन एक कुमेरिन निकारों — स्वका

सह जर्म नहीं है कि तन में कुछ नरर कर सकूमा। कुरवा मुझे तारते कर दे कि मौनार्ध

मैक्किक क्या है। म उनहें भी किस रहा हूँ।" में बाधा किने हूँ कि में यह पन निकार तक

सीनित हैंगी मीर हतने होकमें हॉगी कि पत्रको सनस एक बाँ। सीमकार्यपन मेरे पन मुझे

सैकिकिकों करा है। सीमार्थ नांबीक नाम पन गरबी है। सीमकार्य मह पन उन्हें एकसर

सुना है।

हृदयसे जापका सी का सांसी

भीए एच वेस्ट मैनेवर

इडियन बोपिनियन फीनिक्स नेटाल

> गाणीजीके स्वाक्तरोंनें मूल बंदेणी प्रतिकी फोटो-मक्क (धी वण्स्यू ४४ ९) से। चीवस्य ए एथ वेस्ट

र सीमदी क्यूएरा योगो एकबामते पीरित याँ और कस्त्री सम्बद्ध कियामका थी। कैसा कि १५-५-१९ ९ के इंडिक्स मीरितियमते तात दोता है, कमारी १ १९ ९ को सम्बद्ध मेरिकेन ह्या था। वैक्रिय माहमस्त्रा स्वर्भ नक्या १८ थी।

६ वर तर काल को है।

<sup>।</sup> देखिल समझ्य परिचा ।

## ६६ पत्र श्रीमती कस्तूरवा गांधीको

[फीस्पास्ट बल] मनम्बर १ १९ ८

पारी इस्तर,

मुश्नार वरीयवर्क बारेगें बाज यी बेस्टका तार मिला। मेरा हुया छटा जा रहा

मैं मेरे रहा हूं। मेकिन मुन्दारों पृथ्वा करने आके एकी कियति नहीं है। सत्यायह तंपपको

मने मता तब हुछ करित कर दिया है। इसिक्य मुक्ते थाना ही ही नहीं सन्ता। पूर्णाना

दै वर्षा जा सक्ता हूँ जो ज्यांना मृतव दिया नहीं वारेगा। तुम करा दिस्मत रखे और

रित्मूचक सामो-पिन्नों हो कक्षी हो बाकोयी। फिर भी मेरी बरनमीतित क्यूँ। एका हो कि

पूप कर बड़ी तो में इतना ही बहुँगा कि मेरे जीठे-जी तुम मरे वियोगमें भी मर नाओ दो

प्रमा कुछ बुरा नहीं है। मुनयर मेरा इतना त्यह है कि तुम मरकर भी मेरे भनमें जीवित

रहोगी। तुग्हारों सातम दो जमर है। में तुमले विकासपूर्वक कहता है कि मीर मुन की वित् हो नाकोयों ता में हान्दार तीक हुमले पात्री नहीं कर्षा। ऐका में कह बार कह मी कुता

है। तुम र्चकर्म कारवा तामर प्राप्त प्राप्त प्रमुख कर्षा हो हो तो बह मो सत्यायहों

किए ही होगा। हुनार नपये भाग राजवीगित नहीं है। यह संप्य पानित है हवित्

मारवत्य पुत है। उसमें मर लायें तो करा और जावित रहें तो करा स्था में सुम मेरे हे हातिए

हैं। सीक्षर तनिक सी वित्त नहीं होगी। इतना में दसन सीवे नहीं है। यह संप्य प्राप्त हो हो।

मोहनदास

[मूजरातीस]

बारूना बान पत्री इंडरलेशनक ब्रिटिन प्रेम फॉर्निक्स १९४८

### ६७ जससे सन्देश

हम गो एक हाँ उम्मीद करन है कि हरएक आश्यों इस सहाईमें पूरी दार मुख्य रोगा बीर ना प्रच सिया है उछे कमी नहीं छोड़वा — किर चाहे सहार दिन चले चाहे बाठ पहुँचा चाहे बाठ वर्ष मीर चाहे उसते थी ब्यादा। बा शीय हरकर नहाईको छोड़ हैं उनार किया दाइका जूनक करना हपारा नाम नहीं है। जो जूनक करना वह इस नहाईका नियान मही एना में बानता हूँ। सहाई दननी तनी हो गई है हमके बार भी हम हो है। हम विचार करके इस बारणीकी हुर कर में ती यह बाज ही गाय हो जाने।

[ब्बगर्गामे]

इंडियन ओपिनियन ५-१२-१९ ८

रे का बोज निज्ञानी १९ ८ के व्हिएने वंशिक्त हंगीका व्हानुत (व्हिप्तरिक राशिक्त कोरते। रेक्ट) के तुर्ग कि वंशिक्त जीवार क्या होतेते वहते कुछते वह जानती वेदी क्योंकीक कारते दहा नहां था।

### ६८ भेंड व्यमिस्टन स्टेशनपर'

[वर्मिस्टन विसम्बर १२ १९ ८]

[मी यांपीने कहा ] मैंने एव बारोपॉके सम्बन्धमें सुना है किन्तु मुसे वो योडीसी बाद कहनों है वह बारों कहाँगा। वेकमें एक-एक भिनट मैंने सकसे विद्यासा है।

वार्य कर्या के नव नार्य नहीं। चक्का प्रक्रप्त स्थान कर पूचन साथाय करा [इवरे स्वामके वार्यामें कहा ] चेममें मेरे साव वच्छा बरताव किया बया। मेरी विकासत चेसके नियमोंके विश्व है । विविद्यारियोंका दी नियमोंके बनुशर चक्ना कर्मका है।

[पुजरावीसे]

इंडियन सोपिनियन १९-१२-१९ ८

## ६९ भाषण बोहानिसबर्गके स्वागत-समारोहमें

[बोहानिसवर्ग

विसम्बर १२ १९ ८]

अभ्यक्त महीदम मेटाकके प्रतिनिविधी तमिक तथा अन्य मादयी आब में बारते वो महीने दल दिन नाव मिक एता हूँ। मैं दो समझता हूँ में बेकमें महीं बादद हैं। या बीर बाव अपनेकों केकमें बादा मानता हूँ। बादवाके कोरोंको बेच-सालींद ज्याद सिमोदारियों निमानी हैं। अवतत्व बादवाके पूर्व कोर नहीं कमाते तबके बेदिन केवियों दूरते के सिम् मुकारकारी हैं। यो स्वादकार केवियों दूरते के सिम् मुकारकारी हैं। दो ते से मी मेरी मही बताया कि जेकमें तो में बाब ही प्रवेच कर एता हूँ बब मेरे मारवे बेककी बीराव्या बहुत ज्यादा सकता मान ही हैं।

जिस देसमें लोगोंगर जण्याम जीर जुगम बरणा ही जाई जपने नाजिब हुक भी न मिर्चे [बहु] कोरोंका सच्या कर्तम्य जेवलं सुना ही है। और में मानता हूँ व्यवस्थ प्रतिवृत्त्र क्यों बेड़ी नहीं दुर्जी त्वत्रक बेललं ही राहकर विचय विद्याना सच्चे और जुदागर मरोसा करनेवाले कोरोंका सप्तती नमें हैं।

करनाय कार्याक्ष स्वाध तम है। आन दरिनाय को बुद्ध होता उसके बारेसे दो शाध कहना बाहुगा है। मैंने पारधीयों की दो सेवा की बुद्ध होतको पसल बादें। मैंने एक दिन पत्थर दोहनेका काम किया जैनमें पहा तवा नीर भी जो-कुछ किया उसकी अगर कह करते हैं और दहीं हिए सही रहती बहुत तहां नीर भी जो-कुछ किया उसकी अगर कह करते हैं और दहीं हिए सही रहती है। बहुत तहां कर है। कनेवाल आरमी हैं। मैं सम्बन्ध है जाहा हा है होशित पूरा मेरे तह है।

र गरंपीकी बस्ती विश्वकि पार का १२ विध्यवाची कील्टरको बोहान्तितर्थ वा हो ने एवं उसने केची कि सने दर्जवहरूके सम्बन्ध का मेंड की जी थी। भरवर्षा राहु भसना कीवका पगर" न भी ही एकिन खुदाको पगरद है। इमिलए, कीम विषय हो दो भी भी नहीं कर्ण्या जी खुहाको पराम्न है। आजका उत्साह ठीक पा। उससे बाहिर हाता है कि हमने सरपायहकी जा सड़ाएँ गुरू की है उसमें आप सब और जा मही मही जा पाव है व भी भागित है। मैं तो स्टबर्टन हाइडलवन आदि जगहोंमें करता बाया हूं कि सबोंक्य न्यायालवर्षे हार हो या जीव चनार हजारी सड़ा" निर्मर नहीं करवी। हमें वी मन्त्रके निय स्त्री-वर्णे भान-निस्कियत -- सबका त्यांग बचना पहे तो हम वह मी करेंसे। बाहे का भी तहनोड़ बाब हम भावेंने और सरवकी भावाज स्टाक दश्वार तर पहुँबायेंगे। चन बाबाबड़ी बंब जब बनरल स्मदनके कार्नावें पहुँचेनी तो उनके दिलमें गुरा उत्तरण और क्हेमा किय मोग इकशर है हुए प्राप्त करनके मिए दुग्र सहने हैं और भव तो बहुत हो पुरा । तब जायर हमारी मौगें पूरी होंगी । आपके हक बड़ी मरकार नहीं बेगी बीराण आधिकां बिटिश भारतीय ममिति भी नहीं वेगी। विन्तु गुनाकं दरवारमें और उन बीयमें एएकर यदि मार सनाईते रास्त्रेन सहाई महेंथे ती अध्यक्ष महात्रयका कहना है जापके क्यान बाठ दितमें ट्ट जारेंगे लेरिन म तो कहना हूँ उसमें २४ में? भी मही अगेंगे। खुदा सब जगह है वह सर प्रम देखता है, सर प्रम सुनता है। में ता कहता हूँ कि पर्यो ही वह गुदा उनक दिशमें उत्तरमा हमारा छुन्हारा हो नामगा। जिननी तरुपीछ उठानी पाहिए, उननी हम नहीं उराहे बठारेंगे ता तुरम्न बेडियां दृढ बार्येयी । कस और नहुँमा इमसिए साब अब ज्याना नहीं बहुता । बाब ननी माई एकब हुए हैं इसके छिए में बाबार मानता हूँ बार बाहना है कि मेरे राज्योंकी बान मनमें बंदित कर सब खबास माने कि जा नरे दिसमें है, वही सबसे दिसमें हो।"

[बुबरावीने |

इंडियन मोपिनियम १९-१२-१९ ८

७० भाषण हमीबिया इस्लामिया अजुमनकी स्वागत समामें

[ बोह्यनिमबय

रिगम्बर १६ १९ ८]

मनं वार कहा था कि हमें जील किया है। हमारी जीन त्रवारी शरूपीटीकी क्रेसेल्ड मिर्ची दे मनावक प्रश्न भी मान जन ही बाज दे यह बाग नित्त वास्तर है। मान हजारमें न वर्ष्ट भी भाग जब बार बाये देशे में जीन ही भागता है। गरूपारों हमने जा औता मुद्द मही मिर्चा इमिन्स्य दुरियकी वृष्टिकारने तो सही बारा जायेगा कि जीन मही मिर्ची।

चैर नहीं मिर्गा हमीनण पुनिचली चृष्टिकारिंगों नी यहीं मध्य जारेगा कि जीत नहीं कियी। जेम्पा महीरापत बगा के कि न गमाजका नता हूँ दर्गाच्या मंत्रों कहें जाव वहीं वर्षे । सीका चंत्रों महीरापत बगा के स्वाचित्र के स्वाचित्र के किया जो पूर्व मूल जीता नूरी आराश कर्य चंद्र दूँ और [किर] मार जमा करें वसा कर्ये। मेरे बहुतक मुत्ताविद्याचना-स्वयत्ता ज्ञाकी

१ तम्ब वाद नांवामा चंत्रेलीये वांते । चंद्रेजी मानाव्यी दिशोई क्ल्प्प्य न्यूरी है ।

र. पोर्वाची और स्थान बस्तुन काहिर क्षण तिक लेकरे हुस्तेन्द्र केनक नामान्ये १३ डिन्स्टर, १९ ८की वर्ष दर मन्त्रिते वह सना की श्री हो। ttt

मर्जीपर है। हम बाज भी हरएक बातमें बीते ह और इसीते विमनित नहीं हैं। नियमित ही जान ता हर काम जरूनी कर सर्वेते। में तो वाले मर्ज करता हूँ एक तो मह कि हरें पहुंच कुमार सम्मुक्तरस गरू की और दूसरी सोसवर्गस। भी सोसवर्गको जैसा किंगा बता मैन दूसरोंको भी किया। उत्तरमें सबसे पहुछा पत्र सीरावजीका थाया। म सीरावजीकी इतना नहीं जानता या जितना कि रामगुन्दरको, और इस बारेमें सन्दिम वा कि वे बन्त दर भैसा निमार्यये । में सो सावनी जैसा कहता है बैसा मान सेवा हूँ । सोरावर्याने का किया सी समाजन बता। फानसरस्ट जेसमें मेरे शाय ७५ वेदी थ। मेने पापा कि शोधानी वनमें सबन भगिक नरम | पान्त प्रहृति और दृढ़ स्पन्ति हैं। कोई आहे वनते कुछ करें कुछ बात व जगर्का परवाह न करक सह तेव ने। उनके साथ पहकर मन उनकी कीमत बहुई भग्जी तय्द्र भोड़ की है।

बुमरे, इमाम साह्य मुखानी तथा जन की मशासियोंमें से जिन्हें छ न्छ सप्ताहमी सम हुई मां में इनाम साइक्के साथ काफी रहा हूं। में विश्वित या कि [एमी] वेहत और पर्रार क्षेत्रर में [सब-पूछ ] केंसे नर्यात कर पार्वेने । अकिन सन देशा कि जी मां कट आया जरहीं द्वठाया जा भी बाब भागा उन्होंने किया । ह्योदिया इस्लाविया संस्थान और कीयमी बी वारीर बुरार है कि सनुसनको ऐसे सच्चल मिले हैं। एक बार कर जेसरने [की जॉको] पार नाटन पिए चननेता हुन्य दिया ता कार्य नहीं उठा। क्याम शाहनकी छमा कि स्ट हमारा कर्र है। जब वे गुरू ज्ये तो हुनरे लोग नहने रूप कि ये हमान है इतिगर सर्हे न व जारी बहिक उस समय ने लीग सरका बये। हमारी वृक्षी ही बार्य हमारी मंत्री मार्य करना है। हुएरों हे छूट जानेपर हम बोड़ ही मीन रह थय। मूना इतारजीने मोजन बनानेका बाम अपन मार्च किया। इसाम शाहबने नाच देना यंत्रर शिया। राष्ट्री वीत वर्वे राष्ट्रर के माजन पहाने काठे के। समावमें तेन भारतीय हैं ती म जीत बिन गर्र ही मानजी हैं। जैस बातराजों हो मेरी साम संचाद है कि ब जसर बानूब-साय के मुताबिक बनेंबे। सराकों मानन राजर नाम करेंन ही नेही दूरी देर नहीं एचती। गोरे बतुमीरावकानोंडे रिए ही इसे बिन्द्रन नहता ही नरी है। बरूपडी नहाई गमान ही बुडी है। बब ही यह नगाई बारपर्ने एक्स करोड़ी बारभोजीडी नाड राजक कि है। वासारा-गरनार ही बारपीर्ने हे राधन बाकिसमें निरान बाहर करनेता जाम कर रही है। वर नाहती है कि हम नहीं रदे प्रतीरी बाबारस बच्छी गरी है। इसलिए सरसारको जानी बर्सनसे बार देना में नक्सी गममार्ग है। हम भव मूड लोगोंने लिए नहीं रावता है। लोबन गुण्य प्रथम गियानको पहेनिता सीम मात्र भारत राज्याने रह मारी है। जी जराफ हम रामा भी नहीं जानी तजार जीत जर्र हा सर्वात देवता हैं पुछ नोम नामर सुधे हैं। मर्ग बात उसने दिनमें पर्यो सी मार्ग दा राज्येश नाना बाहो है थुनारर बरांगा गाउड़े जह बाब विन्तार बरा बीर म विने तो कारी वर्णने समायशिको हाणी वर्णमानशी होती। बरणी वर्ण वाल कार्या नार्या है। नेरामचे सुरक्षीं कृत नहार्षेट अन्तरण वाल देवेडा क्षत्र दिया है। और वही क्षत्र अन्तर्जनी नेरामान में किए सांगा हूँ। यह सुरक्षीते को नक्षण प्राप्ती की भी। वि

हें अपना स्माप्तह तहारे बाने और हुआरे होंदी है । है जिस कार त हम देशहें गई और पान व diller livel age tomb

[इसके बाद हमीदिया इश्लामिया अंजुनगडी औरसे यांचीकीकी साला पहनाई गई। उन्होंने वन्यवाद देते हुए कहा:]

इस हारको में हीरेका हार भानता हूँ। मैं समस्या हूँ बापने यह हार मुझे भान देनेके किए नहीं बीक किस पहुनाया हूँ और यही समस्या में नहीं है। दावर सेक्स किस मुझे अब पहुनाया है कि समर्थे एक्स व्यो नहीं है। हमीदिया इस्मामिया में मुक्त नक्सानां है। उपको बोरें मुझे हार पहुनाया पर है, देसे में बपना सम्मान प्रमास है। हो में बपना सम्मान प्रमास है। हो में बपना सम्मान प्रमास है। हिन्दू बीर मुस्तमान में दोनों बीकों समस्य हुए में में बपना सम्मान प्रमास है। हिन्दू बीर मुस्तमान में दोनों बीकों स्थान पुखी पहुँचे। बार देख हिन्दू भारती है। हा स्थान प्रमास स्थान है। हिन्दू बीर मुस्तमान में दोनों बीर स्थान है। हा स्थान स्थान स्थान स्थान है। हो स्थान स्

[यूजयवीचे]

इंडियन कोपिनियन, १९-१२-१९ ८

रं नदं २९ शतनरको हुई वी। १८ समेंने शत्र बद्धनाः

#### ७१ भाषण तमिल स्वागत-सभामें

[जोड्डानिसमर्ग विसम्बद्ध १४ १९ ८]

यह हार तिमल कौनको निवाने अच्छा काम किया है, घोषा देवा है। इसिनए में इस हारको जो पूत्र पहनाया थया है, आपके जम्मसको पहनाता हूँ। मूछे ज्यारा कुछ नहीं कहना है। यदि आपको ऐसा बगता हो कि समिल कौनने बहुत अच्छा काम किया है है। साप मी उसके नेवा कर दिवानें। यदि बाग पीछे खूँगे तो आपके निवह जिलना कहा जाय कम होगा।

[पुत्रयवीस]

इंडियन सोचिनियन १९-१२-१९ ८

७२ नामहु-सज्जनों और दूसरोंका मुकदमा'

[ चोहानिसवर्ग

विसम्बद् १८, १९०८]

द्रानसाल लीकर में लिखा है कि प्राप्त समाचारिक सनुसार कम सुक्ष (शारीए १८की) यर बहुत-से माराधीय सन् १९०० के कानून संस्था १६ के पालनाये बीन के दिल स्पेत्रपरी रिवत पंत्रीपन वार्यालय (प्रीवाहेंग्रन सांधित) की कोर का एरे के तब सामाचानक " माराधीवर्षीत [यनका प्रवेश रोह तहर] तुरस्त वहाँ बराना है दिया। दुनितको बुलायो यदा निताने वहाँ पर्वेश हो वार्यवाहरीको डोतामें से कारको निरक्तार कर लिया। इनमें सी० के डी० नावड़ भी थे। यती सन्य इन बारको जनहरूर दूनरे बार आवर यहे हो यर्थ किन्तु के भी धारक्तार कर तिया यां। तब वहाँ भारतीयोंकी औड़ एकन हो गई। विकर सीर वी निरक्तारिया हुई सीर सन्तर्भ कोई एक सार्यानयोंका द्रनपर पंत्रीयन-स्थानक्षत्र (पीताहोत्रन सर्वितिकोट) स्थानीये और सेंपूर्व तथा वंगानियोंकी धार वेशने इनकार करमान सीरोग मगाकर बातान कर दिया नया।

<sup>्</sup> नांगीय न का मालन कर लाप्तनस्त्राहोहमें दिया था को काढ़ स्थान अन्युक काहिर गणनीर, और कुछ नेटक आरोजिंक सम्यागने जावाँका दिया करा था ।

६ मक्त रहे यंशियेश सर सहारा का या।

<sup>्</sup> वी के ही अनवु बच्छ नाह ताबहु एक वी जावह और व वी वेडिके हुटरेका दिल्ला हुटियम अस्तिनियमचे "कामेर्ड निरुशास — मेशा महत्वाचे " बीचका कामील हुना वा ।

उसी दिन बादमें गिरपनार चारतीयोंको गवर्गमेंट स्वदेवरमें युक्रमेकी गुनवाईके लिए से बाया प्या : इनको गिरफ्तारीको खबर बाहर चैल गई थी और वब सी गांधी जनकी सरफरे परवी करनेके सिए कहुँचे तब जनके साम कोई २ ० भारतीय में 1

पत्ते चार अभियुक्तोंने ची॰ के बी [नायड्] एस॰ आर॰ [नायड्] भीर एस॰ मी

नायह तथा ए॰ बी॰ चेड़ी थे। अभियुक्तींने कहा कि वे निरंपरान हैं।

सरकारकी तरफाते पैरकी करते हुए भी सैन्युएकने कहा कि यह मनियोग रविरियाफे मामले-बैला है। सारी परित्यितियाँ बैली ही हैं। और सवाल यह है कि व्यवतक रविरियाकी वर्गांडका फैतना नहीं हो जाता तबतक शरकार इस मामनेको मार्च वहाये या महीं।

थी जॉर्बन इन्हें विरक्तार वर्षी किया गया है?

भी तैन्युएस: इन्हें तो कपरते मिली हिवायतेंकै बनुसार निरफ्तार किया गया है। यह भी आरोप है कि वें बरना है रहे थे और को एशिवाई लोग कानूनका पासन करना चाहते वे अहें बाबा पहुँचा चहे ने। में ऐसा केवल एक पसकी संस्कर्त ही कह रहा हूँ मीर यम्बद है कि यह सही व हो।

भी बॉर्डनने कहा कि भी कबरें मिली हैं के बचर सही हैं ती [बिमियुन्तींका] यह प्यवहार सत्यन्त विनय है। इस कवनते चान पहता है कि "मेरे सामने नारतीयोंने अपवप्रवंक इस बाह्यवड़े जो बयान विसे हैं कि इन भरनेवारीके कारण पंजीयन (रजिस्ट्रेंग्रन) करानेमें चार्ट बर काला है वे सत्य हैं। मेरे शामने जिन अभियुक्तोंके मुकरने पेश हुए है जनमें से कईने मुससे कहा है कि उन्हें कर विद्याया गया है और सब उनकी कहानियाँ मुझे सब्बी अपने त्तपी है।"

मी बांधी जगर कानुनका पाछन करनेके किए उत्सुक बाध्वीयोंको से कठवरेमें खड़े कोन कराते पहे हैं तो निरमय ही कानुसमें ऐसी कोई बारा जरूर मिल बायगी निसे मंग करनेका बारीप इनपर कमाया जा सके। यरुनु इनपर सन् १९ ८ के कानून ३६ की बारा S में मन्तर्नेत भागियाय गयाँ जगाया जा रहा है? जनतक अहाई चल रही है तनतर चौकसी यो होती ही पहेगी। हाँ अगर में बुसरे जोगोंडी बर विश्वादे पहे हैं तो इन्हें अवस्य शता दी जाये। परन्तु मेरे विद्यान मिन भी सम्बूएक तो कहते हैं कि उन्हें इस बातपर विस्वास ही नहीं होता।

भी जॉर्डन: मेरे तामने तीयोंने आकर सामपूर्वक कहा है कि वर्रहें उनके स्वरेस वातियाँने कराया है।

भी भोगी कुछ लोग दो ऐने उन्ने की की कुछ ची कह देने।

बी बॉर्डन : बीर नुसे अब है कि बिसे बाव बिना सीवे-समसे चीकसी बहते हैं (हुँसी) पह जबतक मारके निजीको फरने की जावेगी तकतक मै ऐसा बहना चारी रखेंगे।

भी नांची जो भी ही इन चार शाहमियाँगर तो इस याराके मातहत कोई अभियाप नहीं संवापा वा सकता व्यांकि कानुनमें एशियाई वजीयक (चनिस्ट्रार नहें एशियाटिक्स) वेंसे किसी विभिन्नार्थका उक्तेच ही शही है।

की काँदेन : अक्छा । अवर जारतीय वंजीवन करा ही नहीं सकते ती आपने यह बरवा

क्यों लगका एका है?

भी नांची हम तो उन कोर्योंको जो वपनी मनुष्यताको मूस काते हैं केवछ यह गांव रिकारत कारते हैं कि संसारमें सामाजिक बीडकार नामको भी कोई पीज है।

रिकारा बाहुते हैं कि संसारमें सामाजिक नहिष्कार नामको भी कोई भीज है। भी बॉर्डन: में नहीं मानता कि यह सामाजिक वहिष्कार है। घेरा तो जनाव है कि

सोदीको इस बातका वासिक कर है कि कहीं उनके हाथ-गाँव न तोड़ विभे वार्षे। भी गांभी अनर ऐंखा होता दो गाँव थी बावभी अपना गंजीवन (प्रीवाहेकन) नहीं करका सकते में और खब समावके साथ के हतनी अच्छी तरह हिब-निस्कर नहीं रह सकते

में जीर न सड़ाईके सिए चन्या ही वेरे यह एक्से में । की वर्षित टीक हैं। यो अभिगुक्तोंको अगिरिकत कासके लिए हवासातमें मानस नेना

की वर्षित ठीक है। तो अभिगुन्तोंको अगिरियत कास कारत है।

भारत है। श्री गांची सपर कही यी आरोक्छे काम क्रिया का रहा हो और एंनके अविकारियोंका स्थान उत्तर दिका दिया वाये तो वे सपतो एक्टिनर एंरकारकी सबस करेंसे।

इसी प्रकार हुतरे गिरक्तार गारतीयोंको भी बायत ह्वाकात मेच दिया गया।

[बंग्रेबीसे] इंडियन बोधिनियन २६-१२-१९ ८

### ७३ भारी संघव

 रहे हैं उस मुस्करों आवाद बारधीयोंको बीरे-बीरे निकास बेता भाहिए। इसिलए ट्रास्थवाकके मारधीयोंको समर उठाना है। इसकी उठाना सहुव काम है और ट्रास्थवाकके मारधीय इसे उठावेंचे यह सुम बादमें बतावेंचे। कर्मक सीलीके विचार विद्यार निर्मेश सीलीके विचार विद्यार मीलिके रिवार विद्यार मीलिक उठावेंचे स्वकर स्वार काम बारेगा तो में बिटिश सामाव्यको बनाविक स्वरम है। इसकिए नारधीय को उकार के रहे हैं उसमें बिटिश सामाव्यका हित मी आ आता है। को बिटिश सामाव्यका हित मी आ आता है। को बिटिश सामाव्यक्त सामे के निवारका समयन करेंगे। यह उपनिवेद हो है। इसकिए ने बिटिश सामाव्यक्त समू हैं। मारधीय सरसामधी स्वर्धी है को सामाव्यक्त समर्थी काम स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है और स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है और स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है और स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक्त स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक्त सामाव्यक्त स्वर्धी है की सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक स्वर्धी है की सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक्त सामाव्यक्त सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक सामाव्यक्त सामाव्यक्त सामाव्यक्त सामाव्यक सामाव्यक्

इस तरह विचार करनपर हमारे पाठक सहब ही समस सकते हैं कि ट्रान्सवासका संपर्य गुष्क बनुनतिपत्रों (परिमट)के किए नहीं है बोड़े-से मारतीय था सकें इसके किए नहीं है बोक्क यह दो महान कहाई है। यह बड़ाई साही है। मारतीयोंने बजीसे टक्कर को है फिर मी हम कह सकते हैं कि हमारी जीत हो सकती है। किसीको यह न सीचना चाहिए कि यह तो ऐसी ही बात है जैसे बीटा राजकी अटकी उठाये। ऐसा कहनेवाला सत्यायहका --- सत्यका --- बक्त नहीं समझ सकता। को काम करीड़ोंसे नहीं हो सकता उसे मुटडी-भर कोग कर सकते हैं एँसे उदाहरण हम हमेहा आधिस देखते एहते हैं। ऐसी ही बात ट्रान्समानके मारदीयोंकी है। महौं भारतीय बोडे हैं इसीकिए ठीक तरह संबर्ध कर सकते हैं ! बहुत-से भारतीयोंको समझाने उनको सरवाप्रद्रको विसेपता एकाएक बताने और उनका विरोध मिटानेमें समय छग सकता है। राजा वर्षामहूँको स्विधित दुनारू राजा सार किन्तु तरि कोई हो दे कोपोर्ग सरपका बोक पढ़कर कूट निकले तो बादने उन्त पीरेको साहित्यको दूपरे स्वामीमें 'पेपकर उनसे सर्वाचत पीरे पैडा किन्ने का उक्ती है। यह न समझना बाहिए कि प्रदेश पहाड़ नहीं बनेना। यह भी होता पहता है। यही सजकते जानिककी कडी है। पर्वत रजक्रमींस ही बना है। कीस बना है यह धीचें तो हम पायल हो कार्येसे। किन्तु हाइ बना है मह हम देख सकते हैं। जैसे हम यह मानते हैं कि बोड़े-से मारतीबॉसे ही यह काम पूछ पड़ वायेगा वेंसे ही यह काम शरक है हम यह भी कह चुके हैं। यह शरक है, अब हम यह कहनके कारचरर विचार करें। शरवासहकी जगहीं बैसे-बैसे बनती वाती है वैसे-बैसे हम देवते बाते हैं कि यह लड़ाई ऐसी है किसे गरीब भी तह सकते हैं। पैसवाके पैसेका बोसा बरावे उठाते पक बाते हैं इसकिए उनसे सत्यका बीक्षा कठाया नहीं बाता । इसकिए टाल्स भावके मारतीयोंको गरीबी इक्तियाए करणी है। वह कैसे हो सकता 🖁 यह धोचें तो हार वैठेंने। इसमें क्या है? पेंशा बाज है कक्ष नहीं है। वह तो वारी भी वक्त जाता है इसकिए बसे हम हो क्षोड़ वेंगे और उसके बहक सरमकी सककार हावमें के लेंगे। इस तरह रधान्तर, वस हुत हुए छात्र वस बार उत्तर बहुन करना राज्यार हायान से सार्ग हुत ठाउँ धीमोनी धानित मीर उन्हों नहारा राज्याती धीमेर क्यांत्रिय ही मिन्दी है। दिस्त इस हुत मूर्ति हैं कि बहारी चापू रहेगी ही। वर्षों स चालू रहेगी है की से हुत विकासर एकता दिसाई वैतों है। सक्हों भारतीय जीनों बहुनी समाहर पित्र हो मुद्दे हैं। उन्होंने जेस-जीहनड़ी मुख्यता देशों है इस्तिय उनका पीछे हुटनी स्वाप्त की है। और उन्होंने काल्यता प्रतिक ही है। कार स्वाप्तीयोंक मारतीय परीज ही है इस्तिय उनका पीछे हुटनी साहर वर्षी है। कोर स्वी रहे मारतीयोंकी सम्मुब हम कोई सीमोदे आवनको रखते हैं जीर उनसे सामीन करते हैं कि सार इस सारी संबर्गके यशको मृत्यू-पर्वेश्व हावसे न जाने वें और जपना माम और भारतका नाम सारी

दुनियामें असर कर हैं।

[गुजरावीसे]

\*\*\*

इंडियन बौदिनियन १९-१२-१९ ८

७४ नेससमको पुस्तक मेंढ को शब्द'

[बोहातिसवर्ग] विसम्बद्धाः १९८८

योक कर गांधी

औ जी नेससनकी

फोक्सरस्टमें मेरी केंद्रके बीरान कानूमकी धीमाओं में खुदे हुए की गई उनकी सनेक क्याओंके मिए !

मोबीजीके स्वासरीमें मूख बधेजीसे । सीजस्य अंबी स्टारक संप्रतास्य नई दिल्ही

#### ७५ वयका लेका-कोका

संबेती वर्ष अन समाप्त हो पहा है। हमारी क्षिमित ऐसी है कि इस अपना संबद अंबेजी संवद् के बरावर महत्त्वपूर्ण गहीं मानते। हमारे कार-कार संबेदी बवाना मुरेपीय वर्षपर साथा-दित होंगे हैं। इस यह जामास नेता नहीं नाहते कि हा निर्माण के स्वीतन के ति निक्त स्वातन तो इससे हमारी परितादक्ता हो जब्द होती है। सींद हम स्वत्ने स्वीतन होने दो यह बाद सदासारण म मानी जाती। इस संसादक सम्बद्धि स्वत्न अपने-मारित मिलनुम कर पहला बाहते हैं इसकिए पारस्परिक सुविचाकी वृध्येत मुरेपीय वर्षका स्वयंत्री कर तो मह बुछ म माना साथेया। किन्तु यह सब एक समार्थ विचय है। इस केसका स्वृद्ध सर्थका केश-मोता

मेटालको स्वितिको बीचें तो हम वेचते हैं कि मेटाल-सरकार हमारे विचक्ष बहुत-से कामूल बनावा बाहती थी। किन्तु सामाध्य-सरकारने जनकी मंत्रु ये मही थी। विरामित्या मत्रदूर लंब बमों कार्य कार्य मा नहीं इसपर विचार करनेके किए एक बनीवन मुकरेर किया पता है। सम्बद्ध है इसका परिवास कुक ठीक निकके किन्तु विवेयक मानव्यू कर दिये गये हैं यह कोर्ड विदेश प्रसासतीक नात नहीं है। अपनी वालपीरक स्वितिको चूरिको विदाक मारकीय] कार्यस्ति बच्चा कार किया है। किया केर्यका आधिक संवत्य करा ही पहता है, वह स्विति करके कर्मवारोक किए विचारत्यीय है। कोरोमें कार्यों बोच मार्यों है। व्यापार कर सहसे स्वत्य है। वास है। सारकीय संवत्य संवत्य है। कोरोमें कार्यों बोच में हैं। वीकरोंको भी कप्ट सहसे पढ़ते हैं। मारतीमोंनें

् दांचीनीने कोलारण केलें (जो करों) चानी कैस्सी एक बसी थी। पार्टरको डॉक्टॉक्सी हरी---किंगहम नोंक पात हुई निवित्व यूची कर नींत सेंग्रें दी थी। कारर करोंने कर्युक्त कर्या किंव तिवे थे। हसाएँ वह गई हैं। पुलिस कुछ कर नहीं सकती और भारतीयों में बपता बचाव करनेकी ताकत है ऐसा बान नहीं पहता। इन सम्बोध मकर होता है कि पारतीय स्वतन नहीं हैं— सनमें स्वतन होनेकी योगाता भी नहीं हैं। इस्ट तरक सरकार विवाध सामन सिन्द इस्टीरेट मिन्नेट रहते हैं। उनमें विकाशी कनी है। एक तरक सरकार विवाध सामन सीनती का खी है। हायर देन स्कूलिको हाकत बराव है। दूसरी तरफ हम स्वयं वपनी विकाशों कोई व्यवस्था नहीं करने और पुस्तकाव्यन्त्रीयों संस्था बन्ध हो जाती है तो भी परवाह नहीं करने। सन्तरीयकी बात हतनी ही हैं कि कुछ सुकाकों उनके मी-वानने विकाश किए समें मोन दिना है। इसमें मी-वानने तो करना करना पूरा कर दिना किन्दु मह कोई मी नहीं कह सरकार कि जनका स्था बनेया — पड़ा या गगरा बनी तो सिट्टीका क्षेत्र वाकर पड़ा है।

कंपमें एवं मामका उच्चा दिवाई बेता है। वहीं मारतोयोंको वो मीका है उन वे की रहे हैं। वहीं दो दिरोबी वर्क हैं के बागवर्गे सबने रहते हैं। इस रिवलिंड टीचरा पक वा बेगोंका दक्त है साम उठा एक्टा है। बहीका व्यापारिक कानून और प्रवासी कानून बहुत हानिकर

हैं। नहीं भी आन्तरिक स्विति वयनीय है।

- रोडेवियामें द्रान्तवाल-जैसा कानून बनगेका कतरा बार वह खतरा विलक्तन मिटा वी

नहीं है, किन्तु उत्पर सामाज्य-परकारकी मंत्री निकानी बहुत कम सम्मानना है।

बेलामीबा-चेकी हास्त्व चैयी ही खराब है, यैथी बहांकी हुवा। मारतीय समान सी रहा है। वहाँ वो कानून बनाया भाग है वह केसा है, यह कोई पूछनेवाला विखाई नहीं देश। वहाँ कोगोंका विचार यह विखाई देशा है कि बपना व्यापार ठीक वस्ता रहे बीर हमें पैसा मिलता रहे हतना काफी है।

पुँचा जान पढ़दा है कि नॉरेंच रिवर काबोनीमें भारतीय महीके नरावर है। वहाँकी

स्वितिमें कोई परिवर्तन नहीं हुना है। फेरफार कम होना यह भारतीयोंके हानमें है।

ऐया बान पहला है कि धवकी बाबी ट्राल्यवाकके हावमें है। मेटाल और ट्राल्यवालमें कानून कमनेंग्रे रूप रखका मुक्य कारण ट्राल्यवालम धवर्ण ही माना जा पहला है। इस धवर्मन कम ऐया कर किया है कि उसकी प्रमंत कार धवर्म है है। आपाता जा पहला है। इस धवर्मन कर ऐया कर किया है कि उसकी प्रमंत कार धवर्म है है। आपाता जा मानकी प्रतिक्र के कारणी किया विकास की है। बार महीनेंगें उपनम में हवार कीन के बार पूर्व है। बोर बारी में प्रमंत में में प्रमंत की बोर कारणी किया पहें हैं। बोर बारी कीर किया पहें हैं। बोर बारी कीर किया पात्री किया धवर्म किया किया कीर किया पात्री किया धवर्म किया किया कीर किया धवर्म किया की किया धवर्म किया कीर किया किया की प्रियंत्र की है। इसे इस बक्की मिध्येयता क्यो विकास महिनार किया है। बार कर समा की है, बीर्कन कुछ मानकी धवर्म किया किया किया किया किया कीर के सम्मान किया किया किया है। उसके सम्मान कर स्वार कीर बक्ती के वह सरको मीम प्रमान कीर किया किया है। उसके सम्मान कीर बन्ती होती बाती है व्यान्ती मीम प्रमान कीर वक्ती किया है। इसे कारणी कीर किया कीर है। इसे कारणी कीर किया है। इसे कारणी कीर किया कीर है। इसका कारण कीर किया कीर कीर कीर कीर है। वे उसका वेदन विकास कीर कीरणा करने उसका कर उसना ही बड़ा।

[प्यस्तिषे]

इंडियन मीविनिजन २६-१२-१ ८

#### ७६ पत्र भगनसास गांधीको

सोम**वारकी रात** [विश्वम्बर २८ १९ ८]

वि मननज्ञास

तुमहारे पत्र मिके। जगतसिहका मामका बुकाद है। मेरे विकारणे इसमें विश्वेष यौप हिनुबॉका है। कारण जनका कराव्य निश्चेष वा बौर वे उसमें पूक समे हैं।

जनवर्धिहत्रे ब्रह्मभर्येपर मोहित नहीं होता है। जनमन तथा इन्त्रजीत दोनों ब्रह्मचारी और निधानीत ने । इसीकिए नोनों पराकशी भी ने । किन्त एकका पराक्रम वासरी ना नौर इसरेका देवोचित । मतकब यह कि बहाचनीरि कर भारमार्थ हों तभी वे पनित्र और सुबकर होते है। असुरीते हाचमें पढ़कर दी ने दु:चकी ही वृद्धि करते हैं। यह बात बहुत गम्मीर है, फिर भी इसमें तनिक भी सन्देह नहीं कि यह है गंधार्थ। भगवान् परावक्ति जपने बोगदसन में यह बहुत मुच्छी तरह सम्भाषा है। स्वारे वर्गकी सीख भी तो वही है। अवनुप्रहास खब्द कंटरन कर केने कायक है। गवि इसमें कुछ समझमें न आये अनवा कोई संका ही वो पूजना।

दुम्हें बावेश का काता है इसमें मुखे बारवर्ष नहीं होता। वैशे-वैशे गहरे स्टरोपे बौर बतुनव प्राप्त करोये वैशे-वैशे पुन्हारा मन बान्त होता वायेना और पुन्हारे मतीवेयके धर्मित हो बानेपर पुम्हारा बारमबस्र निबरेगा। हर पय उठाते समय हर हास इस्ते समय विचारपूर्वक उसका निश्केषण करी और सोणो कि बसा यह बारमीशिविके किए हैं? और यह प्रथम कि उन्ने हिल्हू वर्ग केंचा उठेना था नहीं देख उन्नति करेगा या नहीं पहले प्रश्नके मीतर ही वा बाता है। वो कवम उठानेसे बारमोधित नहीं होती हो उससे म देश पढ़ सकता है न वर्ग वढ़ सकता है।

यह स्वामीजीकी ज्वानकी अक्रतिका परिणाम कान पड़वा है। बाव वड़े खेदकी है। ऐसे ही परिणानोंकी दुन्टियत करके कविभी मुखसे बार-बार कहा करते वे कि इस मुपर्ने पर्मनदर्भोंसे करकर चक्ना चाहिए। मनुभव जी ऐसा ही ही रहा है। सजी अपने-अपने मर्चको बुढ़ करनेका आधा रखते हैं। यही जायह यदि आरमवर्धनके किए रखें तो जपना भी कस्थान ही और बन्तमें दूधर्रीका भी। अन्यवा बोनों अवोनिवको प्राप्त होंगे।

भीमती पोक्रफ करू वर्षेती। यह पत्र भी उसी दिल मिल वायेता। प्रेम मरित्सवय गर्वे

होंगे तो बेरचे भी मिल सकता है।

क्षेप इसरै वनमें।

मोहतवासके आशीर्वाव

गांबीजीके स्वासरोंमें मूल पंजराती प्रतिकी फोटो-मुक्क (एस एन ४७८१) से।

१ वह रत्र कृती १९०८ के जलिए दिसीये किया तथा था।

२. लामी शंक्रपणन्य ।

अपन्य राजनार, प्रेक्टिय सन्त १ वह ११-१२

### ७७ मया वर्ष

इस वर्ष ट्रान्सवाछ और मेटालपर बहुत-कुछ निर्मर होगा। ट्रान्सवासको सहाई यस पूर्व है। नेटाकमें परवाने (काहतेंछ)का स्वताल कहा होनेबास्त है। यदि ट्रान्सवासमें मारतीय नमारि हट बाते हैं तो नेटालपर उपका तुरत्व ही कराव सवर होगा। क्योंकि सम्मानमा एँची है कि नेटालमें इस बंग बहुत-कुछ बहुत कहारिएर निर्मर पहेंचा। मेटालमें सरकारके पास करियाद करनेसे कुछ निस्तरेबाला नहीं है। उब किए कैसे मिलेवा? इस प्रस्तका उसर प्राप्ताक हैता है। पानो इस वर्ष क्या होगा। इस प्रस्तका उसर इस बात्यर बावारित है कि

द्राप्तवासके मारतीय अन्तत्क सर्वेचे या नहीं।

हा परात्त न नात्यां के बाद बढ़ियाँ हैं कि जिस की तर्ज का बता ये हवार कीय के कहा हारि दे मह कीन हरिनों हरिनेज नहीं तके ही उक्तें कुछ देवतीही भी क्यों न सीवृद हों। हम तरह जिसा करिनेश सर्वेक शास्त्रीय देण सकता है कि यह वर्ष कैया निक्तिना वह बाद उनीके हाक्त्रों है।

[गुजरातीये] इंडियन मौपिनियन २--१--१९ ९

#### ७८ फीनिक्सकी पाठशासा

इस पाठवासामें [बण्योंक] प्रवेशके किए हमारे पांध कितने ही माता-पिताओंके पत्र आये हैं। पहालें किए इस रीयार हैं। परन्तु वण्योंको उत्तरमें क्रुक बाविक कठिलास्यों जाती हैं। उन्हें दूर करनेको इस कोविय कर रहे हैं। इस सम्बन्धमें जाता है, हम बाके बंकमें सिधेय बारकारी से सम्बन्ध।

इस बीच जो जीप बच्चोंको पाठवालामें सेवता चाहते हैं ने हमें उठकी मिसित सूचना है। इसी तरह यदि ने यह भी सूचित करेंगे कि वे वार्षिक सहायता कितनी वे सकते हैं तो निर्मय नरस्त किया वा सकेवा।

नुवराजीसे ।

इंडियन बौचिनियन १-१-१९ ९

#### ७१ नेटाल आनेवाले मारतीय वाजी

[बुबरातीये]

इंडियन जीपिनियम २-१-१९ ९

#### ८० सस्याप्रहसे सबक

मेरिस्सबरों में बात नामके एक नोरं सन्तर है। उन्होंने व्यक्तिकर वेनेचे इनकार कर दिया। इस्तर के स्थायानी एक सामने पेक किये पये। उन्होंने आफ-नाफ समल दिया कि यह कर क्यायानू के इसकिए से बहु बेगा नहीं नाइटे। स्थायमी एक प्रेस प्रेस दिया कि उन्होंने हैं उन्होंक एक देते हैं मेर के इस समस यह समा योग रहे हैं। यह समझ का निल्हा है। यी धीन बुतरोंकों नहीं उन्होंते। के व्यक्तिकरणे मध्यायपूर्व मानते हैं। उन्हों के क्येति प्रकार के साथापूर्व मानते हैं। उन्हों के क्येति एक देते। एक समझ एक एक हैं कि समस प्रकार कहा कि से एक प्रकार के स्थायपूर्व मानते हैं। उन्हों के स्थायपूर्व मानते हैं। इसके समस प्रकार के स्थायपूर्व मानते हैं। इसके समझ के समस प्रकार के स्थायपूर्व मानते हैं। इसके समझ के स्थायपूर्व मानते एक स्थायपूर्व मानते हैं। इसके समझ के स्थायपूर्व मानते एक स्थायपूर्व मानते हैं। इसके समझ के स्थायपूर्व मानते एक स्थायपूर्व मानते प्रकार के समझ स्थायपूर्व मानते हैं। इसके स्थायपूर्व मानते समझ समझ स्थायपूर्व मानते प्रकार के स्थायपूर्व मानते प्रकार स्थायपूर्व मानते प्रकार स्थायपूर्व मानते स्थायपूर्व स्थायपूर्व मानते स्थायपूर्य स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर स्थायपूर्य स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर्व स्थायपूर स्थ

[बुजरातीसे] इंडियन श्रीपनियन २~१~१९ ९

## ८१ मेरा जेलका दूसरा अनुभव [१]

#### प्रस्ताचना

मुझे छन् १९ ८ को जनवरीमें जेवका को बनुमब हुआ था उसकी पुसनामें में इस बारके अनुमवको ज्यादा अवजा समजना हैं। इसमें मुझे बहुव-कुछ सीवनेकी निष्म है और में मानदा हैं कि इससे दूसरे बारतीयोंकी भी साम होगा।

सायाबहुको लड़ाई कई ताजुने लड़ी का सकती है। केकिन राजनीतिक कुर्चीको टाकनेका मूक्य ज्याय जेम जाना ही दिखकाई पड़ता है। में मानता हूँ कि हमें समय-समयपर जेम जाना पड़ाा और सो केकल पर्तमान एड़ाकि किए ही नहीं बरिक सामे हमार करर को हुनरे कण सामेंग उनके किए भी पही उताब है। हमिक्य जेम्मे विषयमें जानने नैसा को भी हो कह यह जान केना हम भारतीयोंका कर्ज है।

#### मैं पणका गया

क रंग जानेमें मेरा बहुस्व नेटालम पहे-किये वार्ध्यायों को दहालमां के पूरान वार्ध्याय निवासियों के साना था। ऐसी उम्मीस की कि मैदालके मेरालों के पीक मार्स्यायों की सानी नहीं बंद्या नेनानने आनके लिए तथार हो जारेगी। सरकारका भी यही प्रसास था। इस-निर्द कील्सर नेनाने नेलाने कहा की मेरा अवाध प्रार्थायों कि लिए स्वयन्त्रा कर राजना हुम्ब मिला था। और मिनोरियाने सम्बु कम्बल वर्षन बालि भेने पने थे। बिश समय हुम्ब मार्गायाले साने कोलार स्टिन्सर रोजना उस स्वयन बर्द पूर्तिन भी काड़ी थी। नेवित्र यह सारा प्रयास कार्य गया। वसर सौर पुलिस बोर्नेको निरास होना पड़ा नीवित्र वरतन मेरे साम बहुन हो थो। सार्थ्याय वर्षे । वस मार्गित नो निर्द छ ही थे। जान क्यीन मेरा उसी निन्दी दूसरी बाहीय वर्षेत्रम चले। इस प्रस्ता नेलिक एही थी। कार क्यीन सुर सहस्वे परहार पेल से बाता गया। हुस्टेरिक मिलार रेसे स्वित्य प्रसाद हम प्रपेति ने स्वान रिन्दे लिए मुल्ली कर रिन्या मार्गा स्वापीय नेति होते हुए पी इस्वार कर दिया। सी नास्त्री करस्वार्त कोनारीको जो काली बीसारीय गीरिक होते हुए पी

र चेन्द्र बार्ट वर्षे अनुसार क्रिने गर्रानंत्र केनेंकि निव देखिर बात्र ८ ।

वेस मार्थ में बीमारी वह बानेके कारण और फोक्सरस्टमें बरलेवारोंकी बकरत होनेके कारण दी दिन बाद ज्यानतपर कवा किया वया।

#### Burt Parte

हम जेकमें पहुँचे एस समय भी बाजब मुहम्मद श्री बस्तमकी श्री आंगुरिया — जिनसे नदाईका बुछरा दौर खुक हुवा था--मी सोरावजी सदावनिया तथा बछरे मारतीय करीन पन्नीराकी संक्यामें नहीं थे। उस समय प्रमानका महीना शक्त रहा ना इसकिए मुस्त्रमान माई रोजा रचले थे। उनके किए सामने स्वयं भी ह्विष्ट शुक्रेनार कार्यों में। मुस्त्रमान माई रोजा रचले थे। उनके किए सामने स्वयं भी ह्विष्ट शुक्रेनार कार्यों में। से साना बाता था। इस शुक्रियाके किए जैक-अधिकारियोंसे निर्मेष वर्तमित प्राप्त कर की महै मी। इसकिए वे रोजा ठीइसे रख सकते वे। यद्यपि बाहरकी जेकोंमें बत्तीकी सुविधा नहीं होती फिर भी रसवानके कारण बसी तवा वड़ी रखनेका हुन्स वे दिया गया वा। सब कीय थी नागनिवाके नेतृत्वमें नमाज यहते ने। रोजा रचनवार्नोको सुकने दिनोंमें तो सक्त कास दिया गया का लेकिन बाहमें उन्हें ऐसा काम नहीं दिया गया।

वाको भारतीय कैरियोंक किए इसारे हैं कोर्योंकी रहीहै बनानेकी इसाबत थी। यह बाम भी द्वीरतार्यकर छेक्द और भी सुरुचरार मेक्ने करवाका वा और बाहमें वब कैरियोंकी एक्सा बड़ो तब भी बोक्षों जी उनके साब कम यमें थे। वब इन नाइसोंको देश-निकास हो गमा तब रसोईका काम भी रतन्त्री सोवा भी राजवनी तका भी माननी कोठारीपर बाबा। क्षत्रण बाद फिर बब बादमी बहुत क्याचा हो पर्ये तब उसमें भी सालगाई और उसर उस्मान भी यामिछ हो गये। इन रहोई बनानेशाओंको मुबह दो या तीन बने उठना पहता वा नीर चानके तीन है। त्यार वार्त वार्ता वार्ता वार्ता वार्ता वार्त वार्त वार्त वार्त वार्त वार्त वार्त वार्त वार् बीर चानके तीन है के नवेदक उन्होंने को पूर्त का वार्त वार्त वार्त वार्त वार्त के किया है। दिया नया तृत रही हैंता काम यो मुखा है बाकनी बीर क्लाम चानक वार्त्त के किया है। उप्ह जिन भारतीयोंने हुयी बिया हुस्कामिया ने बूतन (हुयी दिवा इस्कामिक घोषाहरी) के सम्मक्त बीर एक ब्यापारीके — जिनमें है किसी ने ती रसी हैंका काम चन पूक्ति हों कमी किया ही नहीं वा -- हाबकी रखोई वसी उनको में बहुत नाध्यवान मानवा हूँ । जब हमाम सहब और उनके सामके स्रोग सूटे तब रसोईके कामका यह उत्तराधिकार मुझे निका। मुझे उसका कड़ सनुनव वा इश्विष् विलुक्त समुविवा नहीं हुई। मुझे यह कान कुछ चार हो दिन करना पढ़ा। बय (बानी वह यह लेख विश्वा वा पढ़ा है) इस कामको थी हरिलास मीपी करते हैं। इस खेसमें दासिल हुए तंस समय रही है नीन करता वा यह वार करर दिये वसे उपयोजको सन्दर जाती नहीं है हो भी पाठकोंकी जानकारीके किए यहाँ है से है।

हमारै चेलमें वासिल होनेके समय सीनेकी तीन कोठरियाँ थी। भारतीय केंद्रियाँका समावेदा उन्हींमें किया गया था। इस जेकमें जारतीयों और नवनियाँको सलग-अबद ही रखा

क्षाता का ।

#### भोजकी स्वयंत्राच्या

पुरसोंडी जेलने में विज्ञान हैं एक मुरोगीयोंने लिए और टूपरा चलियोंने लिए, जिसमें गोरोंसे निम्म बाकी केंदियोंकी जगड़ दी जाती है। इसलिए वर्णर नारतीयोंकी बतनियोंके विभागमें रखा जा धनना वा जी जी जेलरने उनके रहनेकी व्यवस्था गोरोंके विज्ञानमें कर री थी।

कैरियोंके सिए कोरो-छोटी कोठरियों होती है भीर हरएक कोठरीमें वध-मजह अवना ज्यारा हैंगे राजनेको स्वनन्या होती हैं। अवस्वामा पूरा परफरका नना हुआ है। कोठरियों जैयो हैं। वोधारीपर पकरतर है और कर्य हमेशा बोगा जाता है इसिक्य नुन पाछ खुता है। वैश्वारीपर मो अकतर चुना पोता जाता है इसिक्य हमेशा पीया पाता है इसिक्य नुन पाछ खुता है। वैश्वारीपर मो अकतर चुना पोता जाता है। उपमें ठीन जावगी एक धाय नहा एकें ऐसे पुदारे पार मकरी ध्यानला है। यो पाताते हु और बेठनेकें किए मेंचें हैं। जनर कैटीके तारीके बनी हुई चानों चड़ी है। यो पाताते हु और बेठनेकें किए मेंची वीधारण रक्कर माग न जाये। इस्प कराये मेह पाता चुन से स्वाराण कराये मेह पाता है। उपमें केंचियोंकी धामके के तमे बन्ध कर है है है। येद स्वेरी एकेंचियोंकी धामके के तमे बन्ध कर है है है। येद स्वेरी एकेंचियोंकी धामके के तमे बन्ध कर है है है। येद स्वीरीप पाता है। यदि स्वीरीप पाता है। स्वीर स्वीरीप पाता है। स्वीरीप पाता है। स्वीरीप स्वीरी

#### खुएक

कोनेंने कर्यों से और उसका परिणान यह हुआ कि हुयें एक जीस की और मांसके दिन उसकी एकमें आदा पेंड देमकी दांक बेनेका हुग्म हुआ। इसके स्वाय पेंड से मोर्ग में बीकाईकी जो मानी अपने नाए उसकी वां के बीकाईकी जो मानी अपने नाए उसकी मोर्ग के आपने के सामि के सिकाई के मानी अपने नाए उसके हिम्म के सिकाई के मानी के सिकाई के मानी के सिकाई के सिक

१ दशकरो जनग विकासकीय देशी ।

९ देक्टि "मार्चनाताः रेमिकेस समितेत्वही" वृष्ट ९७-९८ ।

उप सम्प्रमं ब्रायकण काम दे सकता है। सेकिन तु बकी बात यह है कि इस ऐसे स्वार-सोक्ष्म हो। यह है और हमाने बारते आरोडीओ ऐसा विवाहा है कि हमें सपनी बारते नुवाकित एक में मिले को हम बारा बो बैठते हैं। ऐसा अपून्य हाता गृसे फोक्सरस्म बीर एसी प्रकृत प्रकृत के सिक्त हो। साम का स्वार को सिक्त एसी प्रकृत प्रकृत के सिक्त हो। साम का नाम कि किए ही बीर एसी बीर एसी की समय हो। साम का नाम कि किए ही बीर हैं। ऐसा बावरण स्वारामहोको सोमा कहा है। इस बार बीर है। साम का नाम हो। साम का नाम हो। साम का नाम हो। साम का साम का

#### प्रस्थी केंग्र गियी

बैता में करर कह चुना हूँ हम यह बोनोंका मुक्तमा थात दिन तक मुन्तवी खा इसिन्द १ अन्तुवरको एका मिक्रमा चका। उसमें कुछ बार्धानिको एक माहको और कुछनो छ खताहिए १ अन्तुवरको एका मिक्रमा चका। उसमें कुछ बार्धानिको एक माहको और कुछनो छ खताहि । वेद मिक्रमा में इस प्रवंध मिक्रमा एक वाककको को स्थाय कर्षोका था। १४ दिनको छोत में का प्रवंध मिक्रमा हम क्रिक्तमा छन में इसिक्रमा छोत कर्षो मिक्रमा छोत कर्षा हम किस्पुटेंगे मुक्तमा छुछ स्वयंखे किए मुन्तवी एका इसिक्रम में प्यादा चनका। पहके तो बात ऐसी चक्त खुण की कि मेरे उसर स्वेच्छ्या गंत्रीपन प्रमापन न बताने और स्वेमुक्तिकोंको छाप न बेच्छा बुली ही विक्र हुएने क्रामिकारी प्रायदान न बताने और स्वेमुक्तिकोंको छाप न बेच्छा बुली ही विक्र हुएने क्रामिकारी प्रायदान न बताने और स्वेमुक्तिकोंको छाप न बेच्छा हुएन ही विक्रमा मेरिकारी इस्तावनिकारों प्रायदान न बताने स्वाविक करनेको चुना बीर क्रामिकारी प्रवाव हुएने सुन्तव सुन्त हुना हुना और पर स्वयं स्था सम्बन्ध मेरिकारी हुन्तव सुन्त हुना और पर स्वयं स्था सम्बन्ध मामाना स्वयंधनी स्वाविकार स्वयं गंदिन सम्बन्ध मामाना स्वयंधनी स्वयंधन स्वयंधन सम्बन्ध मामाना स्वयंधनी स्वयंधन स्वयंधन स्वयंधन सम्बन्ध मामाना स्वयंधनी सम्बन्ध स्वयं प्रायद्धनी स्वयंधन स्वयंधन स्वयंधन सम्बन्ध मामाना स्वयंधनी सम्बन्ध स्वयंधन स्वयंध

#### बेक्के फरडे

सेंब्रमें पहुँचनीयर होने बैदीके करहे दिये गये। एक कोटा परण्डु मधबुत पानामा मोटें कपहेंको कमीन उन्नकें कमार पहनतेंका एक डीका बानेट एक दोनी एक दीकिया मोने नौर हैंकब — एक्सी बीजें मिकी। यूझे कमार है कि ये कपहें काम करने के किए बात बात है है टिकाट मीर सारे हैं। ऐसे बपहों कि साथ कोई बीकामत नहीं हो एक मध्ये हैंने सा पहने पड़ें मी पी एसे मध्ये हैंने सा पहने पड़ें मी भी एसे मध्ये हैंने सा पहने पड़ें मी भी एसे मध्ये हैंने सा पहने पड़ें मी भी एसे मध्ये हैंने सा पहने पड़ें में पोर्ट मध्ये हमें सा पहने पड़ें में पड़ें मंत्रकानें की कोई बात नहीं है। भोरोंको हुक स्वका किसके कपने सिक्स हैंने सा पहने हैं। स्वन्हें पीचीवार टोपी शिक्सी है जोर बुक्तो उक पहुँचावार में मीने तथा दी तीकियों के नाम क्या प्राप्त भी सिक्स है। स्वन्हें पीचीवार है। इमाक पार्टीय भी विगीजी में ने नी करता नाम पड़ी है। स्वार्क पार्टिय मी

(क्यबः)

[मूजरावीसे] इक्षियत मोधितियन २०१०१९ ९

## ८२ मेंट 'नेटास मन्युरी'को

[डर्बन जनवरी ५, १९ ६]

नहासवाती भारतीयोके पुत्रसिक्ष नेता थी गांधी जिल्होंने पिछले वर्ष द्रान्तवालवाती भारतीयोके आन्दोलनमें प्रमुख माय लिया है इस लयय वर्षन आये द्वप है और कस वनते नेदाल जदर्रारी के प्रतिनिधिन मेंट की जी।

द्धने भी पांचीने हान्तवालको वर्तमान श्वितिको क्यरेका बताने और विश्वेषत यह क्यानेबी शर्वना को कि सान्तीलनका दूसरा चरण किले समानामक प्रतिरोग सान्तीलन <sup>97</sup> कहा बाता है, किन कारचेंकि सारण्य हुआ। 1 मी योगीने कहा

इन सिद्धान्तींकी संबंधमें परिनाया पूछी बानेवर भी नांनीने कहा :

हम बन प्रकारको हिंताके ननकमनते हुए रहे हैं बीर स्वयं क्रांट वहकर सरकारको क्रेन्नस्म स्वानिका प्रस्त कर रहे हैं कि इस उस कर नात्रिकों ना मानियं भी हमारे क्यासके हमारें निवान ने नवियोक्ता है उस हमारें क्यासके हमारें हमारें क्यासके हमारें हमारें क्यासके हमारें क्यासके हमारें हम

मिकारी भी नहीं हो हकते। उनको वहाँ जानका अधिकार है क्योंकि मधे कातनके अन्तयह को मारवीम सबाईसे पहुंचे वीन सास्त्रक ट्रान्सवालमें रहा है वह वहाँ वापस बानेका सिकारी है। म देखता हूँ यह भी कहा थया है कि हम सबदेने इस बुसरे दौरमें ऐसा काम उठानेका प्रमत्त मी कर रहे हैं विसका अधिकार अनाकामक प्रतिरोध आरम्भ करनके मा गत बनवरीका समझौता किया जानेके समय हमें ब्राप्त नहीं था। यह भी गकत है। समझौतेके समय स्विति र्धमंत्रात क्या नाव प्रवास हुए आपा गृह नाव नाव नाव नाव का प्रवास कर विकास कर विकास कर विकास कर के से से । पूर्वत: स्वास्त की । माराव्या पर १६ के स्वित्यार्थ कातृत्वकों रह करानेके किए वह रहे से । इसका सम्बंद नहीं है कि हुने देवसे रहनेके स्वित्या का सह सी १९ कके कानृत्मी निहित एतराज ना। इनने विश्व बातवर एतराज किया ना नह सी १९ कके कानृत्मी निहित भावना और उसके कुछ आपछिजनक बच्छ। हमने बरमसङ तरीकॉपर एतराज किया था। उदाहरमके किए बॅनिश्चिमेंक निवानोंके प्रकार - विसके किए मुझे शस्त्रत यारीरिक नार्टे ज्यारुपान एक मुम्बास गावाराज स्वाप्त करापा विश्व करा है। यह विश्व करा हुन पहिल्ला करा हुन है। स्वाप्त करा यह नहीं क्या के बँदुनियोंकि निधान देना स्वतः स्वापत्तिस्वतः है। संपर्ध सहुतः दुशीलए क्या स्वाप्त का नाट्योतीके प्रदेश सादेशर निवेदनकी सीट उनसी प्रत्येक पोतिय सावगाकी पूरी स्ववृंक्ता की गई थी।

इसके बाद की यांत्रीने को समझीता किया बया था उसका उसकेब किया और बड़ा वडाँतक समझौतेका सम्बन्ध है यक्षि यह सब है कि उसमें १९ ७ के एसियाई कानगढ़ी रह करनेके सम्बन्धनें स्पन्न चन्योंने कुछ नहीं कहा पता है फिर भी उसकी किसित सर्वोंके गरित अर्थ से कोई जी यह निष्कर्ष निकाल सकता है। किन्तु वैसा मैंने प्राप कहा है खड़ी के पानत बनाव काह जो यह ताकन तकन विकास है। इन्हें क्या नेत प्राप्त कहा है की स्पेत प्रक्रित कहा है करने कर स्वदेश ने कार्युवन के नित्त प्रविक्त करने यह करने दिया का कि नित्त कि नित्त का न बच्चन कमी नहीं किया और न उधनें कोई जिन्तु-गरन्तु हो बोकों है। बाद यह कानून एवं कर दिया पया होता वो नित्तवय ही कियी व्यक्षका बाल्बेकन ॥ होता और न विचिव माध्योत्रीक दर्वेद्या प्रका हो वटेदा वयोंकि बैचा द्वायक्य क्लॉक्य स्थायसक्यके हासके शास्त्रपाल बनका तथा है। पठता परााल चया द्वारपालक प्रवास स्वासकती होकलें स्वेदने दिन हो गया है पिछित गास्त्रीय हासकतें स्वेदने दिन हो है। उनका प्रतेषका व्यवस्थान स्वेदन १९ ७ के पृष्टिपार्द कानुनके हारा प्रशासित हुवा है हो जो पार है। इसकिय १९ ७ के पृष्टिपार्द कानुनके हारा प्रशासित हुवा है वोद की प्रशासित हो प्रशासित है। उनका प्रतिकार है। उनका प्रशासित हो कि स्विकार प्रायत हो बाता।
प्रदेशका : आह्वा नतकत तो वस्त्रक नमें अमेराओं कोनीत है।

भी वाची हाँ और यह बाद खें कि वे थिकित मारतीय अवाही पहले या उसके बाद 

<sup>्</sup>रोक्टक्च८, प्रीका८।

वृक्षरी सर्वीही पुरा करनके सम्बन्धमें उठाया नया है जिनका जनवरीके समझीतेके बनत कोई स्रयास नहीं या। इन शर्तोंमें एक सर्व यह वी कि हम सिसित मार्टीसीके मिकारोंको खोड़ हैं और ट्रान्सवाल प्रवासी कानुनक बन्तगत जनका निधिब प्रवासी माना बाना संकर कर लें। में बाबा करता हैं कि इस प्रकारका सीवा कोई भी स्वामिमानी मारतीय स्वीकार महीं कर सकता। बहाँतक इस मामसेकी खनियाँ और बामियोंका सम्बन्ध है इस समय इस निवासका स्वरूप विशुद्ध सैकाल्सिक हो समा है। समी स्वीकार करते हैं कि १९ ७ का कानून उपनिवेसीय वृश्विकोणसे भी सबि प्रत्यक्ष झानिकर नहीं तो स्वय सबस्य है। सबॉच्य न्यासालयने अपने नभी हाकमें बिये नये बोनो फसकॉर्मे ऐसा ही बड़ा है। जारतीयोंकी शिताकत या उनके पंजीयन (रविष्टुश्वन)के किए इसकी आवश्यकता नहीं है। यह बात चिक्रने सालके नये कानुनसे सन्तोपबमक क्यमें पूरी ही बाती है। इन शिलित मारदोवोंसे सन्तरूपमें यह मान बिया गया है कि यदि हमें इस बेसमें एक प्रमतिशील समाबके कपमें रहता है तो हमें अपनी बावस्यकताएँ पूरी करनेके किए नूक अस्पन्त उन्न विक्या-मान्त भारतीयोंको कानेका विवकार है। विविद्य मारतीयोंके सम्मन्त्रमें एकमान कठिनाई यह है कि जहाँ बनरस स्मद्ध कहते हैं ने केवल रियायको तौरपर और अस्वार्या मनुमितपत्र (परिमेट) केकर ही सा सकते हैं वहाँ इस यह मानते हैं कि उनकी झायका का सकें। यह बासानीसे किया जा सकता है, यह बाद नेटाक केप बीर आस्ट्रीट्टिंट चानु स्थानमारे पिछ ही चाती है। बास्ट्रेकियामें बर्ततक में बानता हैं विका*न्या* कर एक मी एधियाई नहीं जाने विया गया है।

भी गांधीने आये कहा :

काफी न होता है किसी प्रकारके उपहानका सायय किये सिना चुपचाप बैठे रहते बीर कर देनेस हककार करते रहते। इसलिए मेरी सम्मतियें बीक्रण वास्त्रकाके स्वपनिवेधियोंको नक-प्रयोगके स्वानमें जनाकामक प्रतिरोगका तो स्वामत करना चाहिए। और आबिए, नमा बह मसाने बौतके बदछे बौतके कानुसकी अवह ईसाके बुराईका प्रतिवाद बुराईसे ल करनेके कारानकी स्थापना गड़ी है?

मेंटकर्ता : सार-क्यमें कहें तो मेरा क्रयात है कि यदि बादा किया यथा या तो जान श्रम वादेपर जोर दे रहे हैं। या वादा किया यथा हो या न किया गया हो आप १९ ७ के एकियाई कानुसको एक करनेका साम्रह कर रहे हैं क्योंकि आप केवल यह चाहते हैं कि दान्सवासमें शिक्षित यारतीयोंके आनेके अवाध अधिकारकी स्वापना कर वें । येथी बात है न ?

भी गांची निष्णय और यदि वे परीका पास कर सर्के।

मेंटकर्ता केविन साम्राज्य-सरकारने यह वय इक्तियार किया है कि एक स्वश्नासित चपनिवेशको सरकार जिसे चाहे अवेश करनेंसे रोक सकती है; कमसे-कम मोटे तौरपर मही हिनति पहल की यह है। हुतरी सोर साथ एक ऐसे इकका शंश करते हैं किसे साझानय-करकार त्यसासित क्यतिवेदका अस बतादी है। और बहते हैं कि बढ़ एक वर्ष-विह्नेपको कार्वेसे नहीं रोच सकती।

श्री बांबों मेरे बागांकसे साम्राज्य-सरकारने किसो भी श्रवस्थामें यह दल इक्सिमार नहीं भी कोषी भी कि स्वचावित व्यक्तिकारी विशेष बाहे सामने रोकनेता पूरा बरिकार है। केफिन किया है कि स्वचावित व्यक्तिकारी विशेष बाहे सामने रोकनेता पूरा बरिकार है। केफिन क्यर ऐसी बात बड़ी पहें है, तो यह क्यत्वक कासने साई गई व्यक्तिकेडीए मीतिका स्वाद है। मेरा वह क्यांक नहीं है कि सामान्य-सरकार कियी ऐसे कानूनकी पास कर देगी। सामान्य-इ। मध्य पड्ड चया जाता है एक धाम्मान्य स्वार एक घा एवं कानुकार पांच कर देती। वामान्य बरकार ने हाम्यवाकने प्रवारी-कानुक वामान्यमें मूक की— व्यवस्त उदाने कियो भी क्यार्य एकिया-इसोंका उन्हेंचे नहीं था विष्के कामान्य कारताव करते वालेका या केकिन द्वारावाक वरकार पे एक बच्चकी ऐसी व्यारमा की है, जिसका यह परिचाम होता है। धामान्य वरकार को उसे स्वोकार करने बाद बढ़ ममानकारी इस्ताहेत करने में बहुत करिनाई हो खो है। सगर वामान्य सरकार अब यह कहे कि स्वचावित उपनिवेशोंको जाहे विशे आगेरे चेक्नेका पूरा अभिकार वर्षणाः समित् व एक हुन्य सम्बन्धाः अन्यसम्बन्धः नाष्ट्रस्य सम्बन्धः व व्यापनान्तः । है तो इसके समयक काममें काहिंगाई उपनिषेधीय नीतिनों एक नहिं बात चुकती है। माप बानते हैं कि १८९७ में स्वर्मीय की एस्कम्बने एविवाइमॉको इस उपनिषेशमें बानते रोकनेके चानव हु १४ (८)६० में राजान जा एरक्ताना पुरस्ताना पुरस्ताना पुरस्ताना पुरस्तान के उरायनवार साथ एकिएन इस्तान्यमंत्री सी नेपारकेलके वासने कामूनका एक संघितवा येच किया था। की ऐस्त्राच्याने वस कह्या या कि ने उसे पार्ट ए करेंगे। उन्होंने पुस्तान विया या कि भी भी प्रवेश-निर्मेच कानून वर्गे कुड़ा जा कि ने उस पास के करना । उन्होंना सुझान । तमा जा कि जा मा मक्स-नेपत्र कार्नुन जन इस बारिन-विश्वपत्र नहीं शिक्त सवपर जानू होना जाहिए। उस पुझानको मान विधान नम और सबसे नेदाकके कार्नुकल जनुकरण सभी उपनिषेत्रीम किया जा चुका है। है केकिन मैरा स्वास है कि साम्राज्य-सरकारके मन्त्रियोंने जाहें जिसे जानेसे रोकनेके उपनिवेशके व्यक्ति सम्बन्धमें बी-जुड़ा कहा है उस बार्फों जानको कोई निश्चित बोपचा नहीं निस्त्री

का पुका बानेपर कि डान्सवासमें इस समय स्विति क्या है भी यांचीने बडा:

साथ स्थिति यह है कि मारतीय पिछले को गर्नेच सबसे कर रहे हैं और २, वे स्थित क्षेत्र हाम्यासकों नेतीने यमे हैं — नवीत् हाम्यासकी वास्तविक मारतीन कानारीजा एक-दिहाई माग और ट्रान्यसकों सम्मादित भारतीय नावादीका छठा थान । इससे कुछ प्रतिनिधि

यूरोपीयोंका मी विश्वसस प्राप्त हो गया है भीर उच्छन्यकम एक छोटी समिति बनाई मई है विसक्ते बच्चता मी बच्चमु होस्केन हैं। इस समितिने बिटिस मारतीयोंको वचन दिया है कि बहु जनहे प्रवर्षि आवरवस्ता पदी तो केंग्रका सामगा करनकी हुव तक मी त्रेन्यक सहाग्या देनी बबदक उनकी मीमें जिन्हों ने मिन जनित सानते हूं मान महीं सी बाती। सरकारका वना वयक वनका नाम प्राप्त कर वान वाच्या नामान है जा नहीं के नामान है जा नामान कर वायक है कि साम्य कुछ सीम वयस है कि वह हमें मुखी मारफर सुक्ता संबेगी। यह विकड़क यस है कि साम्य कुछ सीम वक वायें बौर पुटने टेक वें सेकिन मेरा विकास है कि हममें एसे कोगोंकी संबंधा बहुत बड़ी नक नाथ बार पुरा कथा जाका नया । वस्ताव हु एक हुन्य एवं जाशिकों क्यां बहुत बन्धे सीर पर्योत्प है यो सब कॉंक्शाइयोंके बावजूब संबर्ष जारी रखते ! हुक सीम ऐसे हैं, जिन्हींने बारता कारीबार बेच दिया है हर चीच कोड़ सी है और बेचल तंत्रयें चका रहे हैं न्योंकि उनका लयान है कि यह एक नड़े सिकान्तका सवास है। और यदि मेरा अनुमान सत्य है उनका जताक है कि यह एक कई सिकालका धनाल है। और यदि भेरा अनुमान सत्स है
तो न नहीं कह उकता हूँ कि एक किस्त एक ही हो सकता है जनाँच यह कि हमारी
मार्ग मान का बार्योग। यह काम कितनी काकी या बैरले होगा यह हमारी करनी धारिकार
नियर होना। फिर इंग्लेडमें हमारी बिटिस भारतीय समिति है। इसके बम्पल साँह एम्टिइस
भी इसी चुँदरम काम कर रहे हैं। वे कभी भारतीक कावबहुक कासकाय के। इस समिति में
कई प्रमानसानों बांक-मारतीय हैं वे कभी मारतीक बाहर ब्यापक है को रेम पर समारतीय
सिंह हमें रार्योग काक मारतीय कि स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त है कि
सारता की स्वाप्त कर हो हो हमें समीकी सहामुम्लि मिक स्वर्णों। इस बीन झालबाल सरकारते किर सांक्र कारवाई सुक कर वी है। मुझे एक तार मिका है बिसने कहा तथा है कि
सारता व आपतीय निवाधित कर नेटाल भने वा चुके हैं वे हालबालमें किर प्रविद्ध हो प्रवे कामम ५ त्रारावा तथा। उठ कर गटा कथन या पुण्य न द्वार्यवासका १००८ मानव्य है। अप है और बन मुक्सि ने क्यारे आनेकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुझे सानूम हुवा है कि हस बार उत्तपर एक बक्स बाराई क्यारेत मुक्सि क्यारेत बारिंगे हर्सक्य वे क्येकी खना पुरावें। नेटाक्के नेटा बीर ३३ हुटरे व्यक्ति त्यायाकीयके सम्मूक धायर कक कामे कार्यें। उनका भी यही हाक होमा। हम तरह द्वारयनामकी जेकोंको अर्जेकी प्रक्रिया बारम्य हो गई है। वेबमा यह है कि के इस कार्यको पूरा करते हैं या नहीं । चाहिर है, सरकार यह सोचती है कि इस कही कारवाइयोंसे ारण जाना हुए तथा हुना गया वाचाहर छ परना वह पाच्या है। के हैन के हैं करिया कार्या है। बीर न्यासारियों हाट कार्नुमें तिहित पूरी धनार्य से जानते मायदीय सुक कार्येंगे तथा कार्नुनको सान सेंसे। लेकिन मेरा क्याक ऐसा नहीं है।

मेंदक्तां : पया ब्राल्सवाकके वैय-निवाली, कानुनवाकक भारतीयोंकी मीजूबा कानुनोंके विकास कोई ठील शिकावतें हैं ?

भी प्राणी अवस्थ । अधार हुम इस समय किन्दी ऐती सिकावरों के बावाररर मुद्दी अब रो है जिर भी सिकावरों तो हैं हैं। उदाहरणके किए, कानुनको सबसे प्यारा धाननंत्रा आरोगको मूर्थिक स्वामित्यने विचल कर दिया गया है और वह बाल विस्तरों को छोड़कर देवारे हुत्तरों कत्त्व स्वामित्य विचल कोई टुकड़ा नहीं बचैर सिकाव । वह एक व्ययन टीस पिकाय कही वा परती है। केंकिन हम जिस मोजिक किए अब रहे हैं यह उत्तर सकत है। इस पेक्टके रोखें वो विज्ञात है या कभी का वह पायिक है, वर्जींगू १९ कर कानुनहीं को प्रीजी वासिक मामनाजोंको देस वस्त्री है। केंकिन बन मुख्य जुदेशके मुक्यें पारतीय वातिकी प्रतिकार है, वर्जींक बन हमारे साव मा तो इस हैं धिवरतों व्यवहार किया वारोग कि हम सामाज्यके अभिन मंग है या इससे कि हम उत्तरके बायन मंग नहीं है।

भेंदर्कर्ताः यह एक बहुत स्थापक तिज्ञाला है। केकिन जैला में सलसता हूँ इस सब मानकेमें द्रान्तवाकमें शिक्तित भारतीयोंक प्रवेदके व्यक्तिस्वारका सवाक सारपूत है। जयर ऐसा है तो साभारथ-सरकारका वह वक्तव्य सीन्स है जिसका उक्तेब किया वा चुका है। भवात् साम्राज्य-सरकार उस रवक्रासित अपनियेशसे सपद्गा नहीं बाहती को प्रवेशका उक्त भविकार देनेंसे इनकार करता है।

भी गांधी तो उस अवस्थानें हुम स्थानीय सरकार और साम्राज्य-सन्कार दोनीरी सर्वेमे । लेकिन भरा अब भी विद्यास है कि साम्राज्य-सरकार हमारे साम है।

मेंटकताँ। इस समय एक प्रकारका वतिरोध है। बाव केवल इतकिए सक् रहे हैं कि क्लित इतनी बतहा हो बायें बिससे सामाज्य-सरकारको कीई कार्रवाई करनी पड़ें।

भी गांची देखिए, यूसे इस संवर्षकी प्रावनामें इतना अधिक विश्वात है कि मैं अनुसव करता है कि सामान्य सरकारके इस्त्रकोंन करनेसे पहले दक्षिण जारिकाफें सब उपनिषेक काँगे नहीं हमें ने दक्ति मीर्थे बदस्य पूरी कर देनी वाहिए। शान्यकाममें इसके कमान दिखाई हे रहे हैं और तुक्त प्रमुख मुरोगीय विक्तिंगे सुक्त्में हमारे संपर्धका हुएसा दौर प्रारम्भ करनेकी निस्ता को भी अब बोरसे हमारा समर्थन कर रहे हैं।

[बंग्रेबोसे] नेडाल सर्व्युरी ६–१⊷१९ ९

# ८३ बूकानबार बनाम फेरीवासे

पेट बनाम जन्म अंग

एक बार पेट जीर धारी के सन्त जंगीं की बारी संपन्न हो पता। हाजों ने क्या हम कोई काम नहीं करेंगे काम करिये करने करने बार स्वार्थ कर पर पता पूजा है। हिन्दु देट बारा है जीर विजानता है। हमें उससे करिये करने पता पत्ति हो हो। 'पेरकें के काम करिये करने हम करने हो। 'पेरकें के काम करिये हो। हम हो। 'पेरकें के काम करिये हो। हम हो। 'पेरकें के काम करना ही। काम करना ही कहा कहा कहा है। हमारे हाथ की वहन करना ही। हमार हो। हमें हम हो। कि हम हम कि हम करने हो। पेर सोजन-समसी काकर बादम करते है। कि क्षा मुझे ने जाने वहन करना पत्र हा कि तुम ने राजा नहीं के बादम करते है। कि क्षा मुझे की काम करना पत्र हा है। हम हो। हमारे हा कि हम हम हमारे हमार

किन्तु वट उन्होंने काम बन्द किया तन उन्हें दुरलाहीं माणूम हो गया कि पहणी कठिनाई हो उन्होंको हुई।

यह कहानी मुझे उन कतियम पर्नेसि साथ जाई थी मुखे मिके हैं। इन पन-केतकोंने गापारियोंपर बहुत-छ आरोप कगामे हैं। कुकने उनके लिए लपसन्य भी कहे हैं। कुकने उनेहें वसकी भी दो है। खेल जानेसे अवनेके किए कुक कोग बीरे-बीरे वार्मिक बहाने भी क्ताने क्रम यमें हैं। य सब न्यापारियास उसी प्रकार होय करने समे हैं जिस प्रकार बंगोंने पेटसे किया बा। ये कहते हैं कि द्रान्यवाकके व्यापारियोंन केरीवाकींसे बगा की है। उन्होंने जनको सार बाका है। जनको तो जीन भेज दिया और स्वयं पैस-बाराम करते हैं। एक पत्र हेवक बहुर्ग एन मोर खेरीवार्काका उल्लेख वास्तरत आयरपूर्वक करता है, वह दूरपरी मोर कहता है कि वे संगातींमें चुनकर बोक नहीं सकते क्योंकि व्यापारियंसि वबसे हैं। हमने दन पत्रींकी सापा नहीं है क्योंकि इतसे समाजकी प्रतिष्ठा बढ़नेकी नहीं है। इत सब बारोपींका कार**न** यह है कि क्रक व्यापारियोंने अपना व्यापार अपनी पत्नियों या गौरोंने नाम चढ़ा दिया है। न्यापारियोंको कराव्य है कि वे पेटकी मौति अपना हृदय उदार रखें बीर फेरीपासीकी मिठाससे समझामें है हमारा समाज बीचें कानसे बासता जीगता जा रहा है। जसने स्वतन्त्रता देखी नहीं है। इसकिए जान जब सत्याग्रहकी तसवारकी बर्वाकत स्वतन्त्रता देखनेका समय आया है और नुसामीचे इटकारा मिल रहा है। तब इसको पंचाना और और बड़े समीको मुस्किल मामुस ही रहा है। कोई किसी इसरेको अपनेसे बढ़ता देखता है तो सहल नहीं कर सकता । इसमें मारप हुन नहीं है। विजने एंट्र स्वतन हुए हैं उन स्त्रीको ऐसी बन्तरकी पीश हुई ही है। बन्नेके बनमते पूर्व मीको मृत्यु-वसी पीश होतो है तब कहीं बन्ना बनमता है। इसी मनार हमें स्वतनता-क्सी बन्नेको देवनेसे वहले सरकार हारा यी गई पीड़ा हो नहीं मोगनी होयी वरिक बापची व्यवहारकी पीड़ा भी सहती होगी। व्यापारियाँपर ऊपर बताये यये आरोप विना तोचे क्याचे गये हैं। जिन व्यापारियोंने अस्तिम समयमें अपना व्यापार मोटींके नाम चड़ा दिया है, उन्होंने न तो पैसेका कीम किया है और न ने बेकसे ही करे हैं। उनमें से बहुत-से जेंक कार्नेके किए तैयार ही हैं। स्थापारको दूसरेके नाम देनेका हेतु यही है कि हम जानकुक्तर सरकारके हावमें मोला-बाक्य न पींप दें विश्वका उपयोग यह हमारे ही विद्यत लरे। हमें फेरीवालोंको माद दिका देना चाहिए कि जब जनवरी [१९ ८]में घारतीपॉपर हाम डासा गमा तब मुक्य प्रहार नेताबॉपर ही हुना था। लैंडर्टनके कपश्रम सभी व्यापारी जेल भीम पुते हैं। संपन्ने कम्मस भी कारूकिया जेत हो आपे हैं। यी अस्तात और भी नगरी प्रसत्त पूर्वक बेंक नये और सुना काटकर नाये। इसी प्रकार इस समय भी इनाहीस काजी बेस काट रहे हैं। जब उन्होंने बचना ब्यापार भौरेको चींचा तमी चर्चे बेल चानेका अवस्त सिक्टा। मिडेकरामों सी मामाने बेल मौधी बीर किरियमानामें सी वस्त्रिम वेल समे। सी मुहम्मद मिर्मा इस समय भी चैद मीग औ हैं। इस प्रकार नहुत-से व्यापारी वेस मा चुके हैं। जो चीन नेटालमें विश्वेष क्यम सहायता करनेके किए जाते हैं वे भी नेटाकके प्रमुख बुकानदार है। दम्बिए इकानवारॉवर बादोप समाना उचित नहीं है। फेरीवाबोंको मह समग्र सेना है कि है हुकानदार्थीये हैंप्या नहीं करेंथे। हुकानदार जेळ वार्ये तो इतनये ने सन्तीप माने । उनकी हुकान बारोंने वर्षोर कर दिया यह कहुनसे प्रकट होता है कि ने जैस जाना बनती मानते हैं। समन्तर इमें यह मानना चाहिए कि जिल्होंने हुयें जेब मेबा है उन्होंने हुयें कायदा वहुँचाया है। 755

जो केल गया है, उसने कमाया है जो नहीं गया उसने पेंगाया है। किन्होंन देसकी सादिर पैसा नैंगाया है उन्होंने ही अधकार्य पक्षा कमाया है। जो अपने पैतेसे क्यिके रहे और अपने देस प्रतिष्ठा नीर प्रतिक्रा सादिको तिसास्यक्ति है नैठे वे पसा होनेपर भी संयाल हैं। इससिए हम माछा करते हैं कि हमारे पर-सेवक और उनके मत्त्वे शहमत अन्य मारतीय हमारे करमपर विभार करके संवर्षका त्याग नहीं करेंगे वक्षिक उसमें कमे रहेंगे और गफ़कतमें पश्रकर बीती वासीको द्वार स करेंगे।

यदि केरीबासके किए इस प्रकार सोबना समित है तो व्यापारी भी मों ही नहीं सूट सकते । यह नहीं कहा का सकता कि जनको और बंगूओं स्वतने जीती कोई बाद हो नहीं है। निस्त्रवेह उनमें से कुछ स्त्रेम करपीक हैं बॉट कुकने पैसेको हो परमेशबर मान रक्ता है। वे संवर्षके संवासनमें प्रक्ति नहीं स्वाते। बुध स्त्रीय केवस सम्बे-सम्बे मापव वेनेवाले ही है। सब न्यापारियोंको पेटके उदाहरवसे विसा केनी चाहिए। पेटको स्वय जितना मिकता है उसकी नपेसा नह संगोंको समिक देता है। नहीं संग एक निविचत समय तक ही काम करते हैं नहीं पैट — अपने किए नहीं बरन् अंगोंके किए — चौनीवों चंटे काम करता है। इसी प्रकार व्यापारिमोंको फ्रोबाकेंके और अपने उपर आधित क्या कीलेंकि हिरोंकी पता करनी चाहिए. बम्हें बड़ा होनेपर मी कोटा और पैठ होनेपर मी चाकर बनना है। काम न चके तमी स्यापार बसरोंके शाम चढावा चा सकता है। किना यह अस्तिम स्पाय है और आहे करपोक कोपॉक किए है। इस यह बाशा करते हैं कि जो कोन बोर बनकर बैठे हैं जो भीर सत्यापत्री हैं वे तो किसी बसरे-दीसरेके नामचे परवाना (काइसेंस) न लेंने और अपने नन्नेको समेटकर फिकहाथ मरीबी इक्टियार करके समावकी क्षेत्र करेंगे। इसीमें बक्ष्यत है, यही सकती सेठाई है। यह दो नहीं कहा वा सकता कि फेरीबाओंकी किसीने विकासतका मौका दिया ही नहीं है। किन्तु यदि सब न्यापारी सपने-जपने कर्तन्यका पाकन करें बीर स्वावं स्वायकर परमावं करें दो किसीके किए कुछ रिकायत करनेकी बात रहेगी ही नहीं। बक्रिय बाखिकांके पारतीयोंकी विद्यालय दान्तवाकके स्मापारियोंपर क्यी है। क्रेरीवाकॉको स्थतन्त्र रहकर कड़ाई सकती है कृति वास कृतियानिक स्वार्थित है। इसमें मोगुन्सहृत बोच स्थापिएसँका यो भागा समेगा। दिन प्रतिनिक्त प्रतिक हैं। यान केंद्र वो इसमें मोगुन्सहृत बोच स्थापिएसँका यो भागा समेगा। दिन प्रतिनिक्त प्राप्तवाकका कर्तव्य कठिन होता चाता है। इस खुवाचे प्राप्ता करते हैं कि वह स्थापिरों छेरीवार्कों और उसी प्रकार सन्य चय प्राप्तीपोंकों यो धुवृद्धि वे दृह रखें बीर इस बहान कार्यमें जनपर भी कष्ट नार्थे तनको सहस करनेका साहस प्रवान करे।

[युवधारीस ]

इंडियन ओपिनियन, ९-१-१९ ९

#### ८४ मेटालके घेष मेता

समी मारतीय यह जानना बाहेंग कि नटासके वा नेता ट्रान्सवास बाकर देसकी वांतिर वाने संबत्तको आतृति दे चुके हैं जनके अतिरिक्त गर्य मटाची नता त्या नर रहे हैं। हुमारा जोहानियवपदा सवान्दाता नेटासके सम्बन्धमें जा प्रश्न उठाता है वह समप्तने मौर सीचने मोम्प है। दक्षित्र आफ्रिकाका प्रत्येक भारतीय टान्सवाकक संवर्षमें सहायदा बेनके निए बेंगा है। नेटासका कर्ताव्य दोहरा है। किन्तु हमें सदके साथ कहना पहता है कि को नता पीछ पह नमें हैं ने अपना कतका पर्याप्त कपते पूरा नहीं कर रहे हैं। इससे हम सबको अपना सिर नीया कर सेना बाहिए। इन नेवाजाँका पहला कर्तव्य वो यह है कि वे कावेश-कोपमें धन-मग्रहकी तैयारी करें। कांग्रेसका श्रवामा लट गया है। उसपर कर्व है। थी रॉविम्सनका विषेपक हमारे कार शुरू रक्षा है। महालके बीर जेल बायेंग्रें को तार बना कांग्रेसका कराव्य हो पायगा उनके किए क्या होगा? वह काया कहति कायेगा? ट्रान्सकालमें बेक जानेवाले भारतीयोंके बाध-बन्दे भनों मरेंगे तो नवा कावन सहायता न करेवी ? यदि करेवी तो कहाँवे करेगी ?

उपाहीका काम बहुत बार सारम्भ किया गया और वह बहुत बार बन्द हुआ। बही

पंश्वाबोंना काम ऐसे नहीं चलता।

मेनकाइनका व्यवका सनडा चल ही रहा है। इस सम्बन्धमें मेनकाइनके नेताबाँकी बॉरमें भी मुहस्मद इवाडीस बीर थी लरुमानी फोस्सरस्ट बेसमें थी. वाबद महस्मदसे मिक आपे वे। सनमौता स्पमन हो नवा वा किन्तु पीछ सब पसट नया भारतम होता है। मेनसाइनके नारपीय नेतानींका यह स्पन्ट कर्तम्य है कि वे इस समय समझा स्वानके बजाय आर्थिक वहायता हैं। यदि के समझ सकें तो सीकी बात तो यह है कि उनकी साँग स्वीकार करने मीम्य है जिल्हा वह स्वीहत हुई बनी ही है। जनकी सौब यह है कि समितिमें मेनकाइनके पर्याप्त सरस्योंको भारेका मनिकार दिया जाये। मह अविकार तो सदास दिया हुना ही है। किर भी व अपने इस अधिकारकी समुचित रक्षाका आस्वासन प्राप्त कर सकते हैं। अगड़ेकी हुमधे बाद यह है कि २५ पीड़ने अविक एकत खब करनके लिए उनकी स्वीपृति सी पान । यह मामला छोटा है फिर भी कविस इस बारायका प्रस्ताव स्वीकृत कर सक्ती है। निरमाहनके मीनोंको समग्रमा चाहिए कि वे इन सविकारोंको प्राप्त कर सके यह व्यवस्था करता इसरोंका काम नहीं है बहिक उनका अपना काम है। बांबल इस सरकावमें ना <sup>क</sup> ही नहीं सबती। विष्णु इसी कारण जगाड़ीका लाख बाल बटकाय रसना कराई पीमरीय नहीं है। हमें आधा है जि येनसाइनके सीन अपना कर्तेच्य पूरा वास्तन न चुकेंने।

[युक्सतीन]

इंडियन औपिनियन ९—१**—१०** ९

## ८५ हिन्दू-मुस्लिम बंगा

क्रमकत्तामें हिन्तू और मुसलमान सन पड़े यह खनर तारसे रायटरने थी है। कहा जाता है कि इसमें कुछ कोग मारे भी गये हैं। कुछ हिन्दुओंने सहजिवपर आक्रमण किया था। इससे मुसलमान पड़क उठ। उन्होंने विरोधमें बाक्रमण किया। धरकारी सेना बीधमें बाई। सवरसे कान पहुंचा है कि देगा अभी दवा नहीं है। खबरमें क्या शब है और दया शुठ यह कोई नहीं चान धकता। किन्तु यह तो प्रतीत होता ही है कि इस शरहेका कारन कोई गौरा अधिकारी है। ऐसी कोई बात विवाद नहीं वेती जिसके कारन हिन्दमी बीर मसकमानीको भागसमें करूना पड़े। जिथकारी अवरवायताबच समझते हैं कि दोनों कीमोर्ने तकरार होनेमें उनका साम है। इस समय बारतमें स्थिति ऐसी गरनीर है कि यदि दोनों कीमें सब मरें तो बहत-से विविद्यारियोंका क्रमाल है सरकार निविचन्त होकर बैठ सकती है। यह विवार करना चाडिए कि इस समय विवेषोंमें रालेशके बारतीयोंका क्या करांव्य है। इसे बह स्पष्ट विचार देता है कि ब्रम चाहे हिन्द हों वा नचकमान इमें किसी भी प्रस्ता समर्वन न करना चाहिए। एक शीसरे पक्षने हममें शनका कराया है, वह समझकर हमें अपने देसमें अपने मोनोंके बीच विरोध होतेपर बनी होना चाहिए और खबा या परपारवासे असमिदों और अन्तिरोंने प्रार्वना करनी चाडिए कि इसारे वैद्यानें इस कोपोंके बीच बार-बार वो समझे हो चादे हैं वे समाप्त हो बायें। इसीमें भारतका करवान है। हमें विस्थास है, प्रत्येक वेसमन्त भारतीय पेसा सालेगा।

हम बिस सरवाशहणे जनाई कर पहे हैं वह क्षमय सभी मामकों में बानू किया का सकता है। हमें यह अससकर निश्चित पहना चाहिए कि यदि कीमीने बीच अनने हीं तो उनकी हान्त करनेके निष्य भी कर सरका चयनीय किया का सकता है।

[मृजरातीये] वंडियन कोपिनियन ९~१-१९ ९

#### ८६ वक्षरके भारतीय

कैनवारों नैक्वरके मारवीन पर्याप्त पृष्ठणका परिषय वेते मानून हो रहे हैं। वहाँकी सप्तान जरें [-इकि] निकास कर सकेरियालके प्रवेशमें बतानेका बाक रचा वा किन्तु ने उसमें केते गहीं। बीर कर ने विधित्र होंदुराव सानने काम वेक्टर हों रहनेतारे हैं। उत्तेशिक हैं विश्व केते केते होंदूर को मारवीन परे पे उन्होंने बताया है कि होंद्र पार्टी मारवीन पर हो नहींने बताया है कि होंदुरावर्ग मारवीन पर हो नहींने बताया है कि होंदुरावर्ग मारवीन पर हो नहीं किन्तु उन्होंने विश्व पराव होंदें होंदे के होंदी रिपोर्ट में किन्तु उन्होंने विश्व पराव होंदें हो । उन्होंने बरायो दृद्धि करने मारवीन मारवीन हित्य हो रखी। ये दोनों मारवीय बसाई पान है।

केश्वरके नारतीय ऐते-वर्ध नहीं हैं। हालमें इसका बुधरा उवाहरण मी हमारे सामने बाता है। वहाँके अववारोंमें एक समावार प्रकाशित हुआ है कि प्रोडेसर श्रेनमाण सिंहने जो नहीं रहते हैं और जिल्होंने एम ए की परीका पास की है, हजारों सिखों जीर पूसरे भारतीसंग्रि समझ भाषन करते हुए कहा

आक्रक पारतमें भी अज़ाई क्रम रही है उसमें तो देश कानुनके अनुसार कहा।
किन्नु मदि उससे क्यान नहीं सिका को नहीं कोई ऐसा मारतीम आमा उसेगा जो कोगोंको
हिंपिमारीते गुर्मिक्वत होकर जोका-वाक्तवको कहां हो।
स्पितारीते गुर्मिक्वत होकर जोका-वाक्तवको कहां कि मानती हो। साथा स्था। भारतमें गोरे
स्पितारियों को सरीम स्था दे वी बाती है किससे कई भोरतें रिकारियों रहा दिसाम रहा पर स्था है कि वे कोगोंको हुक समझते हो। साथा स्था कि महीं। सिवारी अविं सुक्यों का रही है।
वे समझने को हैं। पारता स्थापको मींग कर रहा है। यो कनिवम हुक वर्ष पहले
हरित्रसमें किस परे हैं कि यदि दंखीं क्या नहीं केगा को मारतमें कार्र एसा पीका
स्वा होगा को सब-कुछ जीत केगा। कोई भी राज्य सविरवासकी नीवपर निम नहीं
सकता।

विषयतीये |

इंडियन सोपिनियन ९-१-१९ **१** 

#### ८७ फीनिक्सकी पाठवाला

इस पाठवानासे नारेमें निम्मनेका हमने पिछके सप्ताह संकेत किया था। बन हम नीचे सिन्ने बनुसार बानकारी वे सकते हैं।

#### भीसवदी स्ववस्था

फीनकार्ने काम करनेवाओं में को कुछ जोग परिवार-सहित रहते हैं वे कपने करमें भीवन करानेकें किए बात बच्चे तक के खकरों है। विचार यह है कि को बच्चे किसे वार्में उन्हें करने ही बच्चोंकी मंदि रक्ता वाये। ऐसी प्रचा मारतमें सहके थी। उसे पैसे उत्स्यव हो वैधे किर प्रारम्भ निवा वाये। बच्चोंको केनेकी चर्च दत्ती ही है कि उसकी तन्तुक्तरी कच्चों हो। किसी भी जारिका मार्गिम बच्चोंको को को बा चा उचेचा। चाने-पीनेमें किसी उपस्था पेर नहीं किया बानेगा। बच्चोंको वही भावन कुछ फेरफारके साथ दिया जायेगा चो परवाने करते ह बचीत् गीचे किस्ते अनुसार दिया वायेगा

मामी नीवस पूर्व की जींस भी आटा मकर्षका दक्तिया वाक बावस वाले प्रक हरे

शांक चीती रोटी कवची मेथे (मुख्यतः मूंगप्रकी)।

करा किसे अनुसार प्रोजन निवससे दिया बानेमा और भैसा वण्यों किए बन्दूक पन पड़ेगा वस हिसाबसे किन्द्रों कारो-का तीन बार और ज्यासासे-काशा चार बार दिया बानेमा एक्से के के किस किस कारों का किस कारों की किस का कारों के किस का कारों कारों का कारों कारों का कारों कार कार कारों कार कारों कार कारों कारों कार्य कारों कार कार कार कारों कार कार कार कारों

र देकिर "कीम्लव्यी शास्त्रामा" इस १९९ ।

### ८५ हिन्तू-मुस्लिम घंगा

इस भिन्न सरवाबहुकी बज़ाई कह रहे हैं यह जयमय सभी माससोंनें जायू किया का एकता है। हमें यह समझकर मिरिकार रहना काहिए कि यदि कीमीले बीक समने हीं दो उनको साम करनेके किए भी इस सरका उपयोग किया का सकता है।

[पूजरातीये] इंडियन ओपिनिमन ९-१-१९ ९

### ८६ वेंकृवरके भारतीय

संनदार्से मैकराले भारतीय प्रशीक बुढ़वाका परिचय केते वासून हो रहे हैं। बहाँकी तर करता वार्ड [बहाँक] निकाल कर मलेतियातांक मेर्यसमें बसालेका साक रचा वा किन्तु के उसने प्रेड नहीं। और जब में सिदिध होंदरास कानेके मनाय मैक्सरार्स हो एक्सरेक हैं। उनकी बोरते हैं हैं इस मेर्स करता के क्यार में क्यार प्रदेश कर कि उसीले हैं। उनकी बोरते हैं हैं इस मेर्स करता निर्माण करता करता करता है कि हो वाही करता मार्स करता करता है कि हो वाही करता करता करता है कि हो वाही के स्वीध करता करता है कि हो करता है कि वाही के स्वीध राज्य है कि हो वहाँ कि वाही के स्वीध राज्य के स्वीध राज्य है कि हो वहाँ से स्वीध राज्य के स्वीध राण राज्य के स्वीध राज्य के स्वीध राज्य के स्वीध राज्य राज्य के स्व

इरिट बरने आहर्गोंके दिवार हो रखी। ये दौनी जायतीय बनावि राम है। वेकूबरके भारतीय ऐंके-वेंदे महीं हैं। हालमें हवता हुवरा वसहरण भी हमारे वापने जाया है। बहुकि जबकारोंमें एक वागावार मकाधिव हुना है कि प्रोफेमर देवमाण विहने को वहाँ रहते है और विन्तूनि एम ए की परीका पास की है हकारों सिक्तों और युपरे भारतीयोंके समग्र मायन करते हुए कहा

आध्यक्षम भारतामें भी कहाई पण रही है उसमें तो देश कानूनके अनुकार करेगा फिन्नू यदि उतदे क्याय नहीं मिला तो नहीं कोई ऐसा मारतीय जाग उठेगा यो भोगोंको हिमारारित पुरिच्या होकर मोला-मारक्ती स्वाई भड़पति प्रेरणा देगा। भारतामें सिक्ताप्ति हों है सिक्स के ही मार्टिका दिमारत में गोंको सिक्ताप्ति हों मार्टिका दिमारत में गोंका है सिक्स के मार्टिका दिमारत में गोंका प्रकार करें हैं। मारत क्यायकी मींग कर रहा है। यो कन्मिम कुछ मार्टिका होंका मार्टिक दिमार के मार्टिक दिमार के मार्टिका सिक्ताप्ति मींग कर रहा है। यो कन्मिम कुछ मार्टिका होंका सिक्ताप्ति में मार्टिका मार्टिका में मार्टिका मार्टिका में मार्टिका मार्टिका

[पुजरातीसः] इंडियम *जोपिनियम ९-१-१९* ९

#### ८७ फीनिश्सकी पाठशासा

इत पाठबाधाने बारेमें किसारेका हमने पिछके सप्ताह संकेत किया वा। बन हम गीचे छिट्टे कनुसार जानकारी दे सकते हैं।

#### भीअनकी व्यवस्था

प्रीतिक्तर काम करनेवाकीमें को कुछ कीय परिवार-छिड़ित रहिते हैं वे करने करमें मीजन करनेके छिए बाठ बक्ते छक के धकते हैं। विचार यह है कि ची वक्ते किने वाने वन्हें बनते ही कर्मांकी मीति रखा लाये। येती प्रचा भारतमें पहुंचे बी। वहां की छानेव ही बैठे किर प्रारम्म क्रिया वाये। बच्चेको क्षेत्रकी छाउँ हरागी ही है कि उच्छी राष्ट्रकर्ती बच्चे ही। कियों भी जातिका माराधि बाक्का क्रिया चा सकेगा। बाने-मीतेमें कियी दारका में नहीं किया बारेगा। बच्चेंको नहीं गीजन कुछ छरेफारके छाप दिया बायेगा भी मरागोरे करते हैं। बच्चेंता नीचे कियों बनुशार रिया बायेगा

कामी बोरास कुछ की कींस की कारत सकादेश विकास काक चालक छात्रे पतक होते

शाक भीती रोडी रक्की मेने (मक्यतः गॅगवासी)।

क्रार किस नवुकार पीयन नियमसे दिया नामेगा और पीया नव्योधि निए नवुक्ष जान पहुँचा उद्य हिसावधि नियम नम्मेन्य सीन बार नीर ज्यावाध-न्यादा चार वार दिया नामेगा उद्यो से कीन-वी नामेशी चीया किस समयोगी नोनामें देगी है वह बाद हमारे नप्त स्वापा उद्योग नियम नम्मार, नवाम नमुम्मेश चीया नियम उपयुक्त याग पहचा उपयोगी निर्माण की पायेगी।

रे देशिय "पीलनाची पाठवाना वृत्र १५२ ।

इस मोजनमें जाय काठी या कोको सामिक नहीं है। सपने बात तथा अनुमके बाबारपर हमारी यह बारजा है कि वाय-वेदी जोवें वह कोवंकि किए भी मुक्तानोह है एएनू क्षणींके सिए दो विसेष कपते। कुछ बॉक्टर यह मानते हैं कि बाद साहि जोवेंकि जनते सोनोंने रोनोंकी नृदि हुई हैं।

फिर, पाय कोको बौर काफी समान्यत यूकामीकी हाक्कर्स काम करनेवासे सक्क्रूरों द्वारा पैदा की बादी है। उताहरकार्य गेटाकर्से गिरमिटिया सीच काम करते हैं बौर बाम तका काफी उताते हैं। कोको कांगोंसे होता है बौर बहु तो गिरमिटिया कांक्रिरोंपर काम केरे समय वो कुम दिना बाता के सकते हुन नहीं है। हम सानते ह कि क्यादातर कीनी भी पूकामीन सम्बद्धारे ही पैदा होती है। इस सकते बौक बारोकी कपना सम्मत नहीं है। फिर भी हमारा सास न्याय है कि उत्तरकी तोनों बौनोंका इस्तेमाक विकात कम किया बाने उत्तरा अच्छा।

इसके अकाषा जारतमें बन हव स्वदेशीकी मानना बंधना रहे हैं तब इन तोनों करनुसाँको बहुत हर तक को है रेना हो ज्यादा ठीक मानना चाहिए। इस वक्कीकोंको कास चाम-वैदी गीवनिक तक दर्द देनीको चकरत नहीं है। इतना ही कहना काफी है कि कक्कोंको इनकी चकरत नहीं है। इतना ही कहना काफी है कि कक्कोंको इनकी चकरत नहीं है।

#### लानेका छार्च

हम देखते हैं कि कानेका बर्च हर महीने कमरो-कम एक गिजी बाता है। इसमें हमानट सारिका बर्च मी मा माता है। केवल मोजन-सामग्री ही एक पीडको होती है। करने मुक्तानेका वर्च एक सिक्ति मंत्रमा बनाया है। हमानट वर्गेट्यका वर्च हमने बज्यते मही कमाया नर्गोंक फीलक्सों हमानट ब्यासाटर नापसमें हो कर की बाती है। इसकिए उसपर बर्च गाँ करना पता।

#### पानेकी स्वयंद्धा

र सब्दान सन्बंदी जीर शीमकी चाररेनि पनाने करो ने 1

दित वे

. . .

बन्दा करके भिजवार्ये। जो क्षोग इसके किए क्पया देंगे वे सार्वजनिक कामके सिए क्पया वे रहे हैं एसा समझना चाहिए। क्रीनिक्सवासी इस समय काममें इतने गुँचे हुए है कि उनस चना इक्टरा करनेका प्रयास नहीं हो सकता।

#### *चीचा क*

वर्षोडी पौराक अमेशा एक-सो रचनमें बहुत सुविचा रहती है। हमारे चयालमे नीचे किने मनुसार कपड़ोंकी जकरत है

1 11-11-1 11-1	
🤋 आर्थे पायकास	€ —
३ ¥र्दे	₹-•
४ चड्डियाँ	¥-•
२ कोई। क्यम्बें या असे	€ - •
१ चूपकी दोगी	₹-

A median was

२ रावकी पौधान्ते

र तौकिये २ हाम पॉछनेके बंबोछे ŧ --Y MATE ŧ die 1-13-5

हर बच्चा दोनो नहीं पहने जो उसकी चाहिमें प्रचक्रित हो। कार जिस मूप-टोपीका जिक किमा है वह केवल बूपमें काम करते बक्त पहतनती है। यह पीयाक पहतानी है मा नहीं यह मी-नापकी मर्नीपर है। यदि उनका विचार इतना छाई न कालेका सपना बच्चोंकी इतनी सादमी न सिकानका हो हो वे ऊपर वहाई गई पोधाकका ब्यान रनकर बच्चोंके साम एक छीटो पेटी या बण्डानमें सामान भव हैं। हवारी सकाह दो बढ़ है कि ने बच्चोंके साम कुछ न मेर्ने और हुने १ पीड १३ प्रिंकिंग ६ पेंस में तुसा ऊपर कहे बनुसार बीमाक बनबान और पहनानकी बजाजत दे हैं। क्रयर कड़ी मई पोबाक एक बरतके किए है।

धोनेकी स्वचस्था इमारा इत्यदा सीमेंके किए चारपाइयाँ बैनेका नहीं है। बस्कि भैने शक्त जेनोंमें इस्तैमान क्ति मार्च है वैसे तक्तींकी बावस्था करलेका है। ऐसा कगता है कि यह तत्त्रसन्दीके

भिग ज्यादा बच्छा होता। हम बच्चोंकी नहें देनके बजान कम्बलेंके र	भार सुमाना अधिक
भारीत्यपत्र मातवे हैं। किन्तु इस सम्बन्धमें गी-बापॉकी मनेकि मृताविक	
इमारे विचारमे बण्चोंको गीचे सिन्हे अनुसार वस्तुत्रोंकी जकरन होगी।	
	धि पें
१ कम्बल	₹•

₹•
<b>?</b>
¥-+

२ तक्षिके विकास

मा-बार इस हिमाबसे सामान मज सकते ह अबना हम लरीड देनके किए तैयार है। कपड़ों और कम्बलों बर्गरहका रार्च माँ-बापको मर्जीपर छाइते हुए द्विसाब यह समाया बया है कि मौ-बापको हर महीने एक गिन्नीना रार्च उठामा पहेगा। प्रवेश-शस्त्र प्रति बाएक एक पाँड रसा जायेगा। यह शुरूक बच्चक बास्ते जरूरी कितावें सनक किए है। उननकी निवार्वे सी श्री नार्वेगी यह भावस्यक नहीं है। फिल् पाठबालामें की बच्चोंतर दूसरे कुटहर रार्च हाते हैं और वे इसी रहममें से चलान हैं। जाने वह हुए बच्चोंके नियु जी कियारें चक्छ जान पहें वे मी-बापको सनो होंगा।

### िशसक

कार जो-इस किया है उससे स्वप्ट हो बावमा कि हमन कोई मानित मुक्त नहीं रहा है। ऐसा करनेका कारन केवस यह है कि पिश्वजीकी जीविका स्राप्तिन ने विद्यानवन्त विदित प्रेस | से पौन्कुछ निकता है, उसस चल जाती है। और छापेगानकी मजरीने हरएक विश्वक एक निरियत समयपर पहाने बाता है। डालमें पारशासाके किए एक समिति बनानकी मोजना भी की गई है। उस समितिमें विसान्यक्षति वनैरहकै सम्बन्धमें विचार हुना करेगा।

शिक्षकाँमें भी पुरुपोक्षमदास देसाई (विशिष्ट) थी बेस्ट थी काँडिंग कुमारी देस्ट

वादि है।

### पदाई

हम पाठ्यास्त्राज्ञ मुख्य उदेश्य सम्मोजे मरिवका विकास करता है। कहा बाता है कि सम्मो विका वह है विसमें सामक स्वयं पड़ना सीर्ये सर्वात् उनमें सान प्राप्त करनेकी देखा चरपत्र हो। बद ज्ञान दो बहुद दरहका होना है। कुछ ज्ञान श्वानिकर भी होता है। दब गरि बालकंकि चरितका निर्माण न हो हो वे बीबा हान शोखने समते हैं। इस देखते हैं कि विश्री मनमान बंगते की जानेके कारण ही कुछ सीय नास्तिक हो जाते है और कुछ बहुत पह-सिंब नानेपर भी नुष्पस्तोंने क्षेत्र बाते हैं। इसिन्य बात्नकीर निरम्को दृढ करने स्टान्सरे देन इस पाठ्यामाना मुक्य हेतु है। इस हेतुकी परिनादि भी बुक्त दिवसे और भी रिकिन्यन दिनाई देती है। भी इसन मियों इंग्लेडमें बातर जो-कुछ कर रहे हैं हुए उसकी कुछ करना कर सकते हैं। भी रविकृष्ण बाब देशकी साविर जेल शोग खे हैं। ये होनी सीतिस्सकी पाठबाकति गमें हैं।

वासकोंको उनकी अपनी भाषा अर्थात सकराती या हिन्दी और सम्भव हो तो तिमक भौर अंग्रेजी जंकनीयतः वृतिहास भूमोलः वनस्पति-विकास और प्रकृति-विकास मी पहार्ये वार्यये। केंची कदावाँ*में* वालकोंको बीज-र्यायत और रेखार्यायत श्री पढ़ाया जानमा। वर्णुमन

है कि इस तरह मैद्रिक्युकेशन तक की तैयारी हो सकती है।

वर्म-विशाके किए गाँ-बाप वाहे जिस यम-गुरुको भेज सकते हैं। हिन्दू बातकोंको दिन् मा वापोंकी मजीके मुकाधिक हिन्तू-वर्गके मूल तत्वोंकी विका वी जायेगी। मारतीय हैंगाँ बाक्कोंको हैसाई पर्मके उल्लोंकी विका भी वेस्ट और यी कॉक्सि रेने। यह शिक्षा विकी सफीकी विशासींपर भाषारित होती। इस्लाम मागनेगांस बालकोंके किए वदि किसी मौतनीकी न्यनस्था हो सके तो इस करना चाहते हैं। मुख्यमान बालकांको सुक्रमारको स्वेन वानेशे कृट सौ आयोगी। हमारा खमान हैं कि किसी भी समानकी सिक्सा स्वयंत्रे सिक्सी विवार के निकरमी है बदा वार्मिक पत्तिके माता-पिताबाँका कर्तव्य है कि वे अपने वासकीको वर्नकी

खिला और भौकिक खिला बोनों साब-साब हैं। यहराईसे सोचें को प्रामुग होगा कि हम जिसको सौकिक खिला कहते हैं वह भी बर्गको युक्त करनेवाली तासीम ही है। हमारे विकारमें इस उद्देशसे होल खिका माग हानिकर होती है।

बामकाँके मनमें भारतके प्रति प्रेम उत्पन्न करने और उनको बेसमक्त बननेमें सहाबदा

केनेके क्षिए मारतका प्राचीन और वर्षांचीन इतिहास प्राया चार्येगा।

इसके बाद बताने कायक कुछ नहीं खुता। हम आधा है कि जो अपने बाककोंको поसालामें मेकना चाहते हों वे उन्हें भेकेंगे। सकानकों विकास है उसको हूर करना तत्व-पिताका क्ट्रेंक्ट है। यह बताने जकरत नहीं कि पाठशालाके विवास सर्व जाहि नेममपूर्वक प्रकाशित किसे आमिने।

[युजरातीचे ]

इंडियन जोपिनियन ९--१--१९ ९

#### ८८ उच्चतर विद्यालय

धरकारका दरावा स्वयत्य यह है कि आरतीय सक्कोंको उच्चतर विद्यालयों (हावर यह कहती) और साथ परकारी स्कूलीय वीरतीय तिकाल विया थाये। इसका उपाय सरकी कृतकी गाठकालयों स्केलना है यह ती हम बता ही चुने हैं और चीर्तनस्वकी गाठकालकों सम्मान है है। किर भी परकारका विरोध करना दो वकरी है। घरकारका विरोध करना दो वकरी है। घरकारका विरोध करने और स्थाय प्राप्त करनेने दो साथे हैं—एक तो न्यायालयके हारा विरोध करने और स्थाय प्राप्त करनेने दो साथे हैं—एक तो न्यायालयके हारा की मार्ग हैं किर ति स्थाय प्राप्त करने हो पह तहीं मह नकी मीर्त है स्थाप किरी मह ने पर स्थाप करने हैं। यह मार्ग करने मिर्त विराध किरी मार्ग करने ही स्थाप क्यायालयने हारा करने स्थाप क्यायालयने स्थाप नहीं कर प्राप्त करने स्थाप करने हैं। यह स्थाप स्थाप करने हैं। यह प्राप्त करने साथ स्थाप करने हैं। यह स्थाप स्थाप करने का ना साथ स्थाप स्थाप करने स्थाप करने साथ स्थाप स्थाप

[बुजरावीसे ]

वंडियन मोपिनियत ९-१-१९ ९

# ८९ मेरा जलका बूसरा अनुभव [२]

#### काम

सक्त समा पाने हुए कैंदिगोंसे संस्कारको हर रोण नी पंढे काम शेनेका मणिकार है। कैंदियोंको हमेशा शामके के बने कोठरियोंमें बन्द कर दिया चाला है। सुनह साढ़े पाँच बने जरनेकी बंधी बबती है और छ बबे कोठरीका बरवाया बोबा बाता है। कोडरीमें बन्त करते समय और कोठरीसे निकालते समय कैवियोंकी विनती की वाली है। विनती विविध्वेक मोर बहरी हो सके इसकिए कैविनोंको जपने-मपने विस्तरके पास साववानीसे सहे खनेका इस्म होता है । हरएक कैदीको सपना विस्तर क्पेटकर उचित स्वानपर रक्षकर तथा संगतन तीस भारतीय कैरियोंको के यथे थे। विनकी हास्त काम करने सामक नहीं नी चनका चाना जरूरी नहीं ना। हमें काण्डिरोंने साथ से गर्ने ने। जमीन बहुत कड़ी भी और कारण माने के किया है। इस किया है। इस किया है। इस किया है। इस करने हैं। इस करने हैं। इस करने हैं। इस करने हैं बेक्ट करीब के मीक हुए रही होगा। इस का मार्जाय की काममें उत्साहते कुट बये। केटिन कामकी नाहत बहुत कम कोर्जानों की। इसकिए समी बहुत क्यारा यह बये। कम् करनेदार्जीनें बाद् वाजेवन्यधिङ्का लड़का रिक्डम्ब भी था। वये काम करते देसकर मुद्दे बहुत परेखानी हो रही थी। केकिन उसकी शहनत देसकर में बुध हो रहा था। दिन स्पॉन क्यों क्युंता गया त्यों-त्यों कामका बोख क्यावा चारी होता गया। चन्त्ररी बहुत देश स्वमान का था। यसावो जकायो की पुकार सवाता रहता था। उसकी यह पुकार सुनतर मारदोव केंद्री यदका जाते थे। कुकको मैंने रोते हुए भी देवा: एक मारदीका पाँद पुजा हुना देखा। यह सब देसकर गेरा दिन रोता था। फिर भी में सबसे कहता वा कि सन्तरी क्या कहता है उसकी परवाह किये बिना सबको अपना काम सक्ते दिक्से करते बाना चाहिए। करूता है जबना राज्य (क्या कार्य वर्तनीय) काले कर साथे। उपयो प्रमा सरते क्या। क्या में बहु भी वक मन्ना। हायमें बतेनीयों काले कर साथे। उपने प्रमा सरते क्या। क्या सुकाता मुस्किक मासून होता वा बीर हुसाबीका बकत मन-मर बैंसा क्या वा। में पी इंस्तरहें मही प्रार्थना करता रहता वा कि मेरी नाव रक्ष मुखे व्यक्त न बना बोर मुखे इतनी ताकत दे कि मैं अपना काम बराबर करता रहें। इस तरह दैश्वरपर मरोसा रसकर मैं 

<sup>,</sup> बादने का यह विशासका निवन वन कमा। देखिए परिविद्य क ।

याहिके बाते ही लोगानाईका उन्नमें गुलाबर में के बागा। मैंने वह दारोगामे रिकायत में। उन्नकी जांच हुई और सम्परीको करकार मिली। बीचानाईकी किर दोरहर्स कामर नहीं से जाया प्रचा। उन्नी तरह पार सम्य मारतीय केंद्री भी व्यवस्था दिखे। वाकी सब किर काम करना पहुंजा है। इस समय हातरीय केंद्री भी व्यवस्था दिखे। वाकी सब किर कामने लगे। दोरहर्स बाव्य बनवे एक को तक काम करना पहुंजा है। इस समय हमारी देन्द्रेश नोरे सम्परीके वहने एक कोकिर सम्परीको सौंदी गई थी। यह काफिर सम्परीके नोरे सम्परीको बोजा बन्धा ना। वहने बहुत नहीं टोक्टा पा। कमी-कमी ही बोज्या दा। इस किरा समय कामिकरी बोर साराजीयोंको उन्ही नगह किरा समय क्षाप्त समय समय अस्था सहस्था हिस्सीमें काम दिया यदा पर समय असीकी उनकी तुम्लामें कुछ नमें वसीम प्रोदनको दी गई थी।

जिल कालिने यह ठेका किया था उसके साथ मेरी बात हुई। उसने कहा कि मारतीय कैरियोंने कामन उसे नुकसान होनेकी सम्यावना है। मेरी यह बात उसने स्वीकार की कि मारतीय एकाएक काकियों-जिल्ली मेहनत नहीं कर सकते। इसके विशा जैने उसने कहा कि मारतीय कीम सन्तरीके बरस काम करनेवाले नहीं हैं वे दी सिठं नुसाका कर रलकर उनसे नित्तना बरेगा उनना मान करेंगे। मेकिन करना यह विवार नृते बार्य काकी हर सक बरकना प्राा देना वर्ग करना पात मह स्वार मेरी केलिन

पहा। ऐता बरी करना पहा यह हम आये देखेंगे। कुपरे दिन हमें किर बाहर निकासा नंशा लेकिन बोर खन्तरीके माप न सेनकर एक किर नान्यरोक साथ भेजा पंचा कहा हमती सी पिछले दिनवाल काफिर नहीं था। जस्त कहे दिया पंचा था कि नह हमें विकास न सोने।

[पूजराति] इंडियन सीपिनियन ९-१-१९०९ (क्यप्र)

#### ९० पत्र 'रैंड डेली मेल को'

फौनिक्स जनवरी ९ १९ ९

सम्भादक रैंड बनी मेल [बोझानिसदर्ग] महोदम

में देवता हूं इस सम्मन्यमें जब भी कुछ समोह मीजून है कि ट्रान्यवाक्तमें स्वतीवांते मेरे देवतायां जो रिस्क्रमें से सावधि यर्थकर कठिमारपिक वाववृत्त कह रहे हैं क्या चाहरे हैं। इसिक्स में भारको जनूनियंत्रे भारतीवींका मामक मामक्रमन संक्रेपमें बतानेका प्रयक्त करूँना। हम भी-कुछ चाहरे हैं वह रिस्निसिश्वय हैं

(१) १९ ७ के कानून २ की रद कराना

(१) उच्च विकास प्राप्त सार्था स्विक द्वारावालमें बुद्धे प्रवेदने सिकारको उस शिका-सन्तर्भा प्रगापनी सत्त्रपैत कातृनर्भे विकास है कार्गृती वा । यह स्वापनी प्राप्त करोपारी कि एक सिकान्याच्या प्राप्तीय वा ।

पुराने कानूनका रद किया जाना इन (१) यह वैसके सन्मानका प्रस्त है । (

(१) मह बसक छन्नानका मस्त इ । । स्मद्दाने कानूनको रव १ १००। । (२) १९७ का हुछरा कानून १९

न्यायाजयके संभी हासके ५० जिनका एक ही उद्देश्य हो ५ चक्रते हैं।

 (३) श्रमी हालकी घटनावाँवि प्रकट सीमा कमी अनरक स्मद्दाने ०६।

(४) कानून अमीतक जपनिवेशकी। । ६ पहुँचाठा है और इससिए ७ कि। बद भी ठेस समसी है।

(५) यदि सरकार विदिय नायतीयोंको कार्यातजनक वारागोंको चान् ५

१ स्त्र पत्रही जिल्लानम् इस् है नौर स्पन्नी क्या

( ) क्ये दूर स्तानेंदर क<sup>री</sup>

जितिल ब्रिटिस बार्र्साम्पॅके शास्त्रमार्थे जनस्य स्तर्यन्तै करा या कि एग छोग मदि एगियाई नेत्रीयन अभिनियम (इतियादिक रिजय्हेगन एक)के जनसैन प्राचेनाएन केंग का उनके प्रवेशपर कोई जातील न की जायेगी ह मह जायान जगानीपत्रनक है वर्षीकि

 (१) प्रियाई कानुकृष्ठ अल्लांक विय गर्व अधिकारोंसें केवल अस्तायी अनुमिष्ठार्वे (टेन्स्ट्स वसीवद्म)का उत्तरेख हैं

 (२) ऐस सस्त्राची अनुमित्तव सम्बे अर्थके हों तो भी उनसे उनका मारिक निधिक प्रवादी हो जाविंगे

न पान कुर जाया (१) इन अनुसन्तित्रोंके आधारपर इसनिय् उनके साक्षित आना भग्या न कर गर्देने

(४) अस्याया अनुमनियनिय जनके मामित छरकारकी दयापर निमर ही जायेंगे। यगी अनिश्चित अस्त्वाके बनाय मारतीय यर बाहरे हैं कि उच्च निरात प्राप्त नारतीयींका

स्वतन्त्र प्रवाधियोटे व्यप्ते द्वान्धशान्त्र्ये प्रवयका बधीन्त्रत्य बधिकार कायम रखा भाग वधर्ये कि बभिकारियों हास्त रसी गयी किसी भी धिकानान्त्रत्यों वरीसार्थे वे पास हु। सार्थे।

यदि यह आरति की बाये कि कानुनमें एथा कोई सिफार मुर्गीय नहीं है निमछे सन्तर्ग मानी मिन सा मेराबानून परिवार एन वहें — य वह नहीं मानता कि बर्तमान कानुन हम उद्देश्यही पूनिक किए पर्याप्त नहीं है — तो मेरे देशवाधी कान विश्व प्रधाननिक कानुन हम उद्देश्यही पूनिक किए सिका प्रधाननिक मानाविक निकल्प की साधि व करेंदे। इस प्रधान पर्नाकी कीई ती मिता-सान्त्र्यों गरीया एनतका निमम वार्गीके निम्म वार्गीके निम्म वार्गीके निम्म वार्गीके निम्म वार्गीक किए सिमम वार्गीक सिका वा सकता है। ऐसे मानगों में मानाविक निम्म बार्गीक किए सिमम वार्गीक सिमम

मरे स्वामानी ब्रिविश मारतीयोंके सम्बन्धमें प्रवादीय (रेपियक) प्रतिवास समानेपर रोप प्रक्र करते हैं क्योंकि वे इसे राज्यम कामान समाने हैं। इससिए स्वति यह बनरस स्वरुपको इंजिने बहुन कुछ प्रावृक्ताका प्रस्त है किन्तु मारतीयोंकी क्षित्रों यह प्रदुक्ताने

विदालका प्रकृति है।

हम बादे मौत करें या ल करें, १९ ७ के कानून २ का रूप किया जाना बादरवह है। प्रवानी-कानूनमें भी संग्रीयन बावरवार है नर्गीकि उनकी कर्म बाग्योंकी पर्योच्य स्थापनवन कर्म निया की है। तर दनके लंगीरनके बायय ही इसकी प्रियारी कानूनकी सरावीम मूला गा कर उनकी इस प्रकार वर्षी न बदम वें दिवासे शामीकी गिमा-ग्रन्यपी परिवार्क रूप कराई मध्यवमें बातिरिक्त विपारण मिल बावें ? बयमक गिमा-ग्रन्यपी गरीवार्क स्वामी क्षा हम क्यूबें से उच्च निया आज भारतीय काने दिव बायेंने हमत्य कारतीय कानी भाग्य दम बरीवारिक प्रधायनके सम्बन्धने जनाकामक श्रामीय न करनेका बनन देते हु।

> भारता थावि मो० म७ शांधी

दारर की हुई दक्तरी अंग्रेगी प्रतिभी कीर्यं-नरन (एस एन० ४०१४) में।

### ९० पत्र 'रेंब बोसी सेल 'को '

फीतिका व्यनवरी ९ १९ ९

सस्पातक रेट देखी मेख जोहानिसवयं ो महोदय

में देखता है इस अध्यानमें सब भी कुछ शब्देह भीतव है कि टान्सवाकमें रहनेवासे भेरे देशवासी जो पिछले वो सालांसि अयंकर कठिनाइयोंके शावबद खड रहे है क्या बाहरी है। इसकिए में आपकी जनमतिसे भारतीयोंका मायका यवासम्बद संबोधमें बतानेका प्रयत्न करूँना।

इस बो-इक बाहरे हैं वह निम्नकिवित है (१) १९ ७ के कानन २ को रह कराना

(२) उच्च विका-आन्त चारतीयोकि द्वान्सवासमें बुसरै अवासियोकि समान प्रवेचके अधिकारको उस विशा-सम्बन्धी परीक्षाके बस्तर्वत विस्तर्का उपनिवेशके प्रवासी कानुनमें विकास है कानुनी भाग्यता विकाना । यह विका-सम्बन्धी परीका इतनी प्रकासनिक कठीरतासे कांगू की बामें कि एक वर्षमें के से स्वादा क्रूप पिक्रा प्राप्त जारतीय उपनिषेक्षमें से का सन्हें।

पूर्णने कानुनका रह किया जाना इन कारजेंति जानस्वक है

(१) यह देशके संस्थानका प्रदन है क्योंकि यह दावा किया बाता है कि बनएक स्मद्रश्रमे कामूनको एव करनेका वचन विदा है।

(२) १९ ७ का इसरा कामन १९ ८ के सबे काननके विकास है और बैसा सर्वोच्या न्यायालयके बन्नी डालके एक निर्वयसे सिख हो यया है, वो बसमान कानुनाकी विभक्त एक ही उड़ेस्य हो धाय-धाय अमलमें स्वावेध सर्वकर परिवास हो सक्ती है।

(३) सभी हामको घटनाअँछि प्रकट हो गया है कि १९ ७ के कानून २ की वैद्या करों " जनरण स्मद्रुवने सद्या वा अमण्ये बाहर रखनेका इरावा नहीं है।

(४) कान्त समीतक उपनिवेशकी विवाद-संदितार्थे मीनुव 'खकर तुर्क मुसलमानोंको देखें पहुँचाता है और इसकिए उससे भारतीय मुख्यमानीकी पामिक भागनाओंकी सब भी ठेस सबती है।

(५) यदि सरकार ब्रिटिश भारतीयाँको तंग करना चाहे थो वह कानुनकी अस्पन्त बापश्चित्रकाक बाराजींको कानु करतेके किए स्वतन्त्र है।

र का पन्नी को रेंच चेन्नी मेनकी किना क्या जीत बीता वे वन्तरी स्वान्ते बीरेवके साम की हुर है और स्त्रती कह "यो दारेशस्त्रे किर नक्त्र" बन्द किंब दिने यो है । मून ग्रीत तहरियाना कि

<sup>( )</sup> हो हर लाउँस ही हो है सकिर या ध्यान क्यादित मध्ये फिरा परा है।

जितित बिटिय मार्योबोंके सम्बन्धमें जारक स्मृत्सन कहा या कि ऐसे लीग मदि एतिया पंत्रीयन समितियम (एगियाटिक र्यावस्ट्रान एक्ट)के अन्तर्यंत प्रार्मनापन रेंगे वी उमके प्रवापर कार बापति न की जायेगी। यह भायन्त भगन्तीपनगर है वर्षीके

(१) प्रिया<sup>®</sup> कानुमके अन्तर्गत दिय गय माधिकारोंमें केतन मस्नामी मनुमितपत्री (टेम्पररी प्रमिट्स)का उस्केश है

(२) ऐसं बस्वाधी अनुमृतिपत्र सम्बे असेंके हों तो भी उनसे उनके मालिक निधिज्ञ प्रवासी की जावेंचे

(३) इत वनुमित्रवाकि सामारपर इसिन्य, उनके मासिक साना प्राप्ता न कर राकेंगे
 (४) सत्वादी सनुमित्रवामि उनके मासिक सरकारकी बगापर निर्मर हो जायेंगे ।

एसी अनिश्चित अवस्थाके बजाय आरमीय यह चाहते हैं कि उच्च विका-प्राप्त भारतीयोंका स्तरान प्रवासिवेकि कामें द्वान्तवासमें प्रवेतका अधनियान समिकार कारम रखा जाने संघर्षे कि अभिकारियों हाटा रची गयी किसी भी विद्या-सम्बन्धी परीक्षामें के पास हो आयें।

यदि यह जारति की जाये कि कानुनमें एसा कोई अधिकार मुरश्चित नहीं है जिसके सम्बद्धित करिया को साथ कि कार्यात प्रशास करिया है हिमाने सम्बद्धित करिया सामिताबुक्त परिमार्थे एक छड़े कार्य बहु बहुँ मानदा कि बहैमान कार्य प्रशास व्हेरपकी वृत्तिके निष् पर्याच्छ नहीं है — दो मेरे बेचवायी सपने विवस प्रधासनिक भेरताबके मानान्यमें कीई जापति ह करेंने। इस प्रकार मानीको कीई मी विसा-सम्बन्धी परीवा एउनका विशिन्न वर्गीड किए विभिन्न परीकाएँ न्यनका सौ अविकार दिया जा सकता है। ऐसे मामगोंने मन्त्रीका निजेय अन्तिम हो और उनके विरुद्ध सर्वोच्न स्मामानयमें अपीक्त न की बा सके। ऐसी कठोर परीकाके अन्तर्गत सरकारको किसी भी साम उच्च सिद्धा-प्राप्त मारतीर्वीका प्रदेश छ। तक सीप्रित करनेका अधिकार होगा।

मेरे रैक्समानी ब्रिसिट भारतीयोकि सम्बन्धमें प्रमातीय (रेपियस) प्रतिबन्ध रुगानेपर रोप मस्य करते हैं वर्गीकि वे इसे शब्दीय अपनाम समतते हैं। इसनिए सर्वाप यह जनरस स्मर्तकी बुन्टिमें बहुत कुछ आवकताका प्रकृत है किन्तु आच्छीयाँकी बुन्टिमें यह महरूपूर्ण सिकान्त्रस प्रस्त है।

हम बाहे माँग करें या व करें, १९ ७ के कामून २ का एवं किया जाना बावस्यक है। मवामी-कामूबर्ने वी शंकीवन बावस्यक है वरोंकि उसकी कई बारानॉकी सर्वोच्च स्वावासयने करी निरत की है। तर इसके शंपीयनके समय ही इसकी एधियाई कानुसकी प्राप्तिते मुक्त गर कर उसको इस अकार वर्गों न बदल हैं जिससे मरबीको सिम्ना-सन्बन्धी परीक्षा नाव् करनेके सम्पापमें मितिरिका समिकार विक वार्वे ? वनतक विधा-तम्बामी वरीताक मन्तर्गेत किमी एक क्वमें छ। तक्क शिक्षा प्राप्त भारतीय भाग दिव वार्येगे तक्कर भारतीय मानी बीरने इस परीक्षकि प्रधासनके सम्बन्धने बनाकाबक प्रतिरोध न करनेवा बचन देते हैं।

> भारका साहि मो• य० गांघो

हारा की हुई क्यारी लंबेजी अंतिकी फोडी-नकक (एम एन ४९१४) है।

### ९१ नेटासमें भारतीयोंकी शिक्षा

उच्चलर सारतीय विषाकर्यों (हायर वेच इंजियन स्कूलों) में सरकार सब १४ वर्षने क्यान उनके कहाँ हों नहीं चाने नेती इस विरायर हम यत स्वताह विक्ष कुछे हैं। इस सम्बन्धों में उपाय करने हों जीता किये कहा चा सकता है। एक तो स्विक उनके कहाँ की होता है कि मुख्यमा को तरहते कहा चा सकता है। एक तो स्विक उनके कहाँ की सार्तिक न करने के निर्वाध जीता हुए है, मारतीय कहाँ की सेती स्कर्धों में सार्विक करातें किए। इसे प्रकारके मुक्तमें सामय और हो एकड़ी है। यहने मुक्तमें बीठकी सम्मानना कम है। किर भी वह लड़ने सामक है। उनसे सरकारियों नो कुमेंनी। हुसरा मुक्तमा नवाकर सहवाँ को बोबी स्कूलों क्षेत्रकी करता नहीं है दिन्तु सीर उसमें हुतारी जीत हो तो उन्हें उच्चलर विशालपों क्षाया पुरिवारों निक सर्जी।

में वोतों ही प्रकारके मुक्तमें लड़नेके किए पैश्वेकी जकरत है। मारतीय माँ-वाप पैशा निकार्के तो जुक्क बन शकरा है।

काल वा अक्र दन सकता ह

[गुजरातीचे] वैज्ञियन जोपिनियन १९-१-१९ ९

### ९२ प्रवासी-जायोग

मेटाअके प्रवासी-आयोग (इशिवेचन कपिचन) की बैठक मंगवनार से वर्षना कारण हुई है। इसमें विवक्तों प्रवासी देनी हो बहु से सकता है। किविकां कर्यन्य है कि वह इस सम्बन्धान माहि से। इसमें वकान कौन निजी हैस्तियते भी गंगाहियों ने सकते हैं। हमारे दिनार संप्रास्त प्रवासी कारण कौन कि निजी हैस्तियते भी गंगाहियों ने स्वास कर करने प्रवासी प्रवास कर करने वहाँ हैं। इस बीच मान कैते हैं कि निर्दार मारा माहियों है। इस बीच मान कैते हैं कि निर्दार को महिया है। किन्तु वार्षिक सामा से केते हैं कि निर्दार को मुक्तान ही माना सामें माने को कि हम कि निर्दार के मुक्तान की पहुंचे मुक्तान ही माना सामें माने को कि हम कि निर्दार करने हमें दे के दो बेचके किए पहुंचे मुक्तान ही माना सामें माने कि कि निर्दार कर कर क्षा कर करने कि स्ताम से सी कि सी कि

[पुषराजीचे ]

इंक्रियन बोपिनियन १६--१--१९ ९

## ९३ मेरा जेलका दूसरा अनुमध [३]

हमें जितना बने जतना काम हैंमानपारीके साव करनेकों कहा गया वा। को काम हमें यीपा गया वा वह यी हकने फिस्मका वा। स्वरुपानिकाकी वसीनमें बाम रास्तेके गाठ हैं। यह बादने बीर मरने थे। इसमें विश्वास सिक्म सकता था। केटिन मूक अनुस्क हुआ कि यदि केदक हैंकर होकर ही हमारे कायका खाली हा तो हम कामकोर विक्र होते हैं

क्योंकि कोनोंके काममें मुझे किसादै नजर आहै।

मेरा यह निरिच्छ मत है कि ऐसी कामचौरी हमारे किए कम्केकी बात है। बौर हमारी
बगादेंगे की विशंकता बादें हैं उसका कारण भी मही है। सरवाहका रास्ता जितना
सातान है उत्तरा हो कठिन भी है। हमारी मीयत सम्मी होनी चाहिए। हमें सरकारिस नैर
नहीं है। हम स्वादकों काना दुस्तन नहीं मानते। हम सरकारिस महो हैं उत्तरा कालका कारण सह है कि हम स्वकी मृत्र सुभारता चाहते हैं बौर उसकी बुरी सादत खुमाना चाहते हैं। हम सम्बद्ध मुन्त महीं बाहते। उसके विकास सक्तेमें भी हमारा सहस्य समझी मनाई ही है।

करोड़ न उगरी पड़े। अपनी खांसके बाहर काम करनेकी यो बाद ही नहीं पहेंची। कामचीरीकी इस देशके कारण श्रेकमें कोगोंकी कुछ करन गोगना पढ़ा था। इतना कहनेते बाद जन में फिर कामकी बादपर बादा हूँ। इस सरह दिन-प्रति-दिन

रागा न्युन्त मात्र वन गांकर कामका नायर वाया हा क्या यह दिन्यात्र के हिमा हमाय काम हकता होता गया। में मिल टोकीमें मधा वा उच टोकीको नाम ने केवजा वर्षीया साफ करने बौर उससे बुधाई बादि करनेका काम मिला। इससे मूक्यता प्रकृष्टि वीने मानकी क्यारियों साफ करने बौर उनके पीवॉपर मिट्टी बढ़ानेकर काम था।

चिर दी दिन हुमें नगरपानिकाला तालाव खोवनेंके लिए के पर्ये। जसमें कोश्मी मिट्टीका बर लगाने और फिट उसे टेक्सपाड़ीमें मरकर के आनेका काम था। यह काम सक्त मा। इसका अनुमाद सिर्फ दी दिन मिला। भेरा पहुँचा भूव गया थी मिट्टीके उपचारते कथा हवा।

पह जगह बार-नांच मील पूर भी इसिक्ष्य हमें ठेलें (डॉली) में के बाते थे। अपनी रमोदे हमें बहुँ तालावरर पकानी पहांती थी। इसिक्ष्य लानिक कब्ब्य खानान और कड्यूंसे मेरी सम्बंधित के ताले के इसिसे भी ठेकेशरको शनीत नहीं हुआ। हम काफिर्सेंडा बराबरी न कर स्वेके। वे दिन तालावरर काम क्यानेक बाद हमें दूसरा काम सीना गया। बाजवाक सिषकार काम करन योग्य मारतीगोंको ही खाव के वाते वे । सब पैसा करनेंके वरके हमें पा हिल्लीमें बॉट दिया गया। कुछको सीमकीकी कालिक साधारास उसी हुई बास सोपकार निकाननके निष् भेना और कुछको कविस्तान साछ करनके किए भेवा। कुछ दिन एक एस उस्कृतकार प्रता हमी

उसके बार हमें हमेधा बगीचेंचें काम मिकता रहा। उसमें बोशना सूनना भीरना सारि काम करने पहते में । इस कामकी मारी नहीं कहा जा पक्ता और मानना हाया कि यह बहुत दानुकरी देनेबाना ना। कपातार नी मंटे तक ऐसा काम करनेक कारप पहले तो की करता है पर जारन ही चानेपर ऐसा नहीं होता।

हत कानके थिया इरएक कोजरीने पेताय बादिकों को बाक्ष्में होती है उसे उसी कोजरीके आपनीकों उठाकर के बाना पहुंठा है। मेंने देखा कि ऐसा कान करने हमारे कोनोंकों बहुत दिक्क होगी है। सब पूर्विक रो हम दिक्क को को कान कराने हमारे कोनोंकों बहुत दिक्क होगी है। सब पूर्विक रो हम्में हिण के बादिनाकोंकों ऐसी मृति कान कराने बादिना को साथ सामना गण्ड है। हम्में हिण के बादिनाकों गोर्ची मृति नित नहीं सक्ति मा कर हम स्थापनहीं बादिना उठा वा कि कोजरीते पेतावकों बादनी की वादना। बाद हम स्थापनहीं बादिना उठा वा कि कोजरीते पेतावकों हमारे की वादना। बाद हम स्थापनहीं का हम्में कर स्थापन हमारे का स्थापन स्थापन

सन हम कप्ट उठानेके किए सैगार हुए हैं तो फिर एक-सुक्तेसे क्याश कप्ट उठानेके किए मी हमें तैयार पहना नाहिए नौर किस क्याश कप्ट उठाना पड़े उसे उत्तम सिक्क सम्मानक अनुस्त करना नाहिए । ऐसा उत्तह क्याश हक्त प्रकाश करून करना नाहिए। ऐसा उत्तह क्याश हक्त प्रिमाने पेट किया था। मी इतन हिम ते किस क्याश करने किए ति में एक किस प्रमान के एक है। फिर भी उन्होंने क्या है हिसे में भी काम जाया उद्ये कुसीले किया। इतन ही नहीं उन्होंने इप बावकों में परमाह नहीं को कि इच्छा उनकी दर्गायकर क्या क्या होना। एक बार एक जायिर एक पीने उन्हों को कि इच्छा उनकी दर्गायकर क्या क्या होना। एक बार एक जायिर एक पीने उन्हों को कि इच्छा उनकी दर्गायकर क्या क्या होना। उन्होंने दुरण उद्ये स्थानक कर पीन के पीन क्या कर किया। एक बार उन्होंने दुरण उद्ये होने से स्थान प्रकाश कर पीन होने परमाह नहीं की के बुक्त प्रवास पायक्ष कर पीन है दर्गिय प्रदेश के पीन के पीन की प्रकाश कर किया। एक दिस पीन पीन मीन उन्हों से प्रकाश कर किया। एक द्वार कर किया। उनके पीन पीन पीन की प्रकाश कर किया। एक द्वार के पायक कर के प्रकाश कर के पायक कर के प्रकाश कर के प्रकाश कर के प्रकाश कर कर के प्रकाश के प्रकाश के प्रकाश कर के प्रकाश कर के प्रकाश कर के प्रकाश कर के प्रकाश के प्रकाश कर के प्रकाश कर के प्रकाश के प्रकाश कर के प्रका

क्यात नाम भाग का क्या हु स्थाल, व हा प्या । मुने तो ऐंडे कामसे कोई गढ़का है ही नहीं। में पेता मानता हूँ कि इस किस्पत्ता हाम करनकी हुमें बातत बाबमी चाहिए। ऐंडे कामके मंति इस क्यता स्वते हैं प्रशेषा यह बतीबा है कि हमारे बॉवन बौर पाखाने क्यासावर क्यो विवाद पहले हैं। स्तात ही नहीं 

### सीडानिसवर्गं 🕏 गप

फोलसरस्ट बेकमें हुनें कैया काम करना पहता का उसका विकास मेंने उसर दे दिया है। केकिन मेरे पूरे दो माह वसी बेकमें नहीं बीते। मुखे कुछ विगीक किए बचानक कोहानित्तकों मेंन दिया जागा था। वहीं की-कुछ हुना वह बागने जायक है। वस्तुवर २५ को मुझे नहीं के बागा नामा इसका कारण यह वा कि मुझे दर्दी जाहानाकि मुफ्किमें माह है नेती के बागा नामा इसका कारण यह वा कि मुझे दर्दी जाहानाकि मुफ्किमें माह है नेती । इसके दिया यूवरे कारणोंकी सम्मानाके विराह नेती के कार्य हैं वहां कारण में स्वाह है नेती । इसके दिया यूवरे कारणोंकी सम्मानाके विराह नेती कारणांकि होगी। पीछे माहमूम हैं का ऐसी भी बाता का स्वाह कर यूवरे दर्दी की साम माह एसे हों भी माहम हैं का साम हैं का माहम विकास मा टिक्स यूवरे को माहम दिया मा पान का साम कर यूवरे को माहम वा कि ऐसी सोचे मा माहम हैं का बेहता का साम को मह पान कि साम मा पान के स्वाह हैं का माहम के साम माहम हैं का बेहता का साम की सह पान के साम माहम के साम

तो ऐसी बातको तुःकक्य ही मानेनी और इसीकिए विकासतमें इस बातको सेकर इतना रास्तेमें सन्तरीकी कोरते कोई तककीफ नहीं हुई। सन्तरी कुद शुक्री अनुमति न दे तो

चेंककी चुराकके सिवा कोई बुसरी चुराक न चार्नका गेरा निश्चय था। इससिए बाज एक में जेमकी ही चुराकपर नियता जाया था। रेकमें मेरे साव जाना रजा नही नया था। सन्तरीने मुखें जी हुए जाना जाहें सो जानेकी कुट वे थी। स्टेजन मास्टरने मक्षे पैसे देनेकी बच्छा प्रकट की। उसके मनमें भी मेरे किए बहुत सहानुनृति उसड़ आई थी। सैने उसका उपकार माना पर पैसे मेनेसे इनकार कर थिया। श्री कानी स्नेशनपर हाजिर थे। उनसे मैन दस शिक्तिंग किये। उससे मैंने सन्तरीके किए और अपने किए देनसे जानकी भीने करीही।

हम चोक्रानिसक्यें पहेंचे उस समय साम हो गई वी। इसकिए मुझे इसरे मारतीय कैदिनोंके पास नहीं के आया गया। केकर्ने नुकरतः यहाँ बीमार काफिर कैदी ने उनकी कोठपैनें मुझे बिस्तर दिया गया। इस कोठपैनें मेरी रात बहुत हुन्त तथा प्रवर्ने बीती। मुखे इस बातका पता नहीं वा कि बूसरे ही दिन मुखे अपने कोनोंके बीचमें से कावेंसे। में धोपताया मुद्देदधी वयह रचने। इसने भैं नयका अनुसर करता रहा। मैं बहुत पदराया। फिरमी मनमें बहु निक्चन किया कि मेराकटब्य ती यही है कि वो भी दुक्त जा पड़े उसे में सहन करता रहें। मगबद्गीता मेरे साच ची। उसे मैंने पढ़ा। समग्रीचित स्मोक पडकर उनका अनुन किया और भीरव रका।

चिन्तित होनेका कारन यह ना कि काफिर बीर भीनी कैरी बंगकी जूनी और मनैतिक वाचरमबाक्षे मालूम श्रुए । उनकी भाषा में जानवा न जा । एक काफिरने मुझसे सवाह पुक्ता चूक किया। उसमें भी भूते गन्या हुँधी-सवाक मासूस हुवा। मैं उसे समझ नहीं एका और भेने कोई जवाब नहीं विधा। तब उसने मुक्तसे टूटी-सूटी संबेजीमें पूछा दुसे सही इस तरह क्सों कामें हैं।" मेने छोटा-सा उत्तर विदा और फिर चून हो बना। बादमें चीनीने स्वास पुस्ता खुरू किया। यह श्वादा बुरा नादगी शासून हुना। मेरे बिस्तरके पास बाकर वह मुखे देखने बना। में चूप यहा। नावमें वह काफिर फैरीके दिस्तरके पास पहुँचा। वहाँ दोनॉने एक-बुसरेछे गचा हुँसी-मजाक करना शुरू किया और एक-बुसरेके दोप ाहुना ने वा सामा उन्हें पर का दूरा ने का किया है है जिस के लिए हैं है जिस की है जिस है जिस है जिस है जिस है जिस बताने करी है होनों कैसी बून कबना बड़ी नोटिक वर्षण्या करने पर है गई है है है है मूसे नींद दों कैसे काड़ी ? बुसरे दिन गनर्गरकों यह खब बड़ाऊँना ऐसा सोसकर बहुत राज यये में बोहा सोधा।

बास्तविक व च तो इसे कहना चाहिए । सामान बोना बाबि तो कुछ नहीं है । यो अनजब मुझे हुमा वह बूछरे भारतीनोंको भी होता होगा वे जी बस्ते होंगे ऐसा सीचकर हस दिवारते में पुछ हुना कि ऐसे कुलका जनुभव मैंने भी किया। मैन निरूप किया कि इस जनुमको बाद में सरकारके साथ इस सम्बन्धमें अधिक कहाई चलाऊँमा और चलमें होनवासी ग्रेसी बार्तोमें भवार करवाऊँगा । यह सब सरगबहकी वहाईका अप्रत्यक्ष साम है ।

इसरे दिन चठते ही मुझे दूसरे भारतीय कैंपियोंके पास से भागा थया इसकिए उत्परकी बात मनर्नरसे कहनेना प्रतंग नहीं बाया। केकिन सरकारसे इस बातपर कहाई करनका विचार मेरे मनमें बब मी है कि मारगीयोंको काफिर अवना दूसरे कैंदियोंके सान न रहा जाम। बाद में पहुँचा उस समय मारतीय कैदियोंकी संक्या कमस्य पत्रह थी। उनमें दीनके तिका

नाकी सब संस्थापही से । तीन बावती दूसरे गुनाहोंगें पकड़े गय से । इस कदियोंको काफिरीके साप रक्षा बाता था। मेरे पहुँचनेतर वहें वारोगाले बाता दी कि इस सबको समन कोठटी दी बाये । मुसे सह देकत बुद्ध कह हुवा कि हुक भारतीय मेरी काफिरीके साथ उनकी रूपियों सोनेमें सुध रहते हैं। उत्तक कारण यह बादि नहीं बोधिने सत्याक खादि साम सम्यादि हैं। यह बाद हमारे किए करमाजनक हैं। काफिरीके प्रति या दूसरीके प्रति हमें तिरस्कार माव नहीं होता चाहिए। केनिन यह बी नहीं मुक्ता चाहिए कि उनके बीर हमारे बीच साधारन व्यवहारने एकमा नहीं है। इसके शिवा भी कोग उनके साथ उनी कररीमें सोनेकी मौन करते हैं उतका हैतु निमा स्तुता है। इसकिए यदि हमें बाने बढ़ना हो तो बपने मनम एमे माव निकास देना वकरी है।

(ক্ষময়)

[नुबरातीस] इंडियन ओपिनियब १९-१-१९०९

### ९४ वत्र श्रीमती चंचसबेन गांधीको

फोक्सरस्ट धनिवार जिनवरी १६, १९ ९ ो

वि वंबर<sup>8</sup>

में पकड़ा गया निर्वाधित किया गया किर पकड़ा गया और तक जमानतपर छूटा। क्य माहानिस्त्रमा वार्तेगा। यह विशेष समाचार तुम मणिसास्त्रे जान केना।

पुम्हारे साथ मेरी बहुत बक्कि कुछ भी बात नहीं हुई, इससे मेरा मन बुन्ती है

फिन्तु मेरी स्थिति ही ऐसी बेडंशी है।

पुनरें मैंने उस किन जानकृत कर ही किवाना जा। पुन्हें ऐवे कानमें कुछक बनाना जाइता हूँ। पानी बड़ी हो जाने उस ती पुनहें अपने पास भी एक क्षेता। यह निरिक्त समझ हैना कि बार फिल्महाक और ही बैठे हरिकालके साथ प्रमेका निकार फिल्महाक और ही बैठे हरिकालके साथ प्रमेका निकार कोड़ कोनी पुन हिन्दा करा कर दनना बीट अपने दूसरे कठका पूरे केगा। पुन्तारे पठि उसका प्रेस केवक पुन्तारे साथ प्रमान ही पहिंदी बुद्ध कर प्रेस की वार्तित ही अक्षा पड़ना पहुंच केवक पुन्तारे साथ प्रमान ही। पहिंदी है। बुद्ध कर प्रेस की वार्तित ही अक्षा पड़ना पहुंच है। तुम्हारे बारे में या वहां बात है। में हर राष्ट्रसे क्षेत्रका किया है। कुन्हारे बारे में पाही बात है। में हर राष्ट्रसे क्षेत्रका है। कुन्हारे काव्य प्रमान किया हो। प्रमान किया है। कुन्हार है। काव्य प्रमान किया प्रमान किया स्थान किया हो। कहा प्रमान क्षेत्रका प्रमान किया हो। वहां प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका प्रमान किया प्रमान किया हो। वहां प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका प्रमान किया प्रमान किया हो। वहां प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका हो। वहां प्रमान क्षेत्रका हो। वहां प्रमान क्षेत्रका हो। वहां प्रमान क्षेत्रका प्रमान क्षेत्रका हो। वहां प्रमान हो। वहां प्

र पांचीयों का कारीकारों कोलासकार्य निरात्तार किये पने में 1 का समय में काशूरराज्ञां, को बॉलिस्सारें कम पीकार मीं, देकपूर बोहारिकार्य जा रहे में 1

र गांधीशोध क्लेड पत्र शरिकाकरी वंस्ती ।

३ चंत्रकेतको उत्ते ।

धनुनै गोगी वास्यव

**153** 

पुरस्ति स्वितिको देवति हुए मैं सुमकी सावक मानता महीं वाहता। में चाहता हूँ बरका कार्य मार तुम बीर मिकाल उठावे। चारती हुएक बस्कूको देसावका रामा बीर देवाकों जिल उन्छा रक्ता एकते सामान की सार-चेमक करना उन्हें स्वयं मी ऐसा ही विवास जनको साध-मुक्त रक्ता बीर उनके माब्नोंकी छकारिका ब्यास रक्ता — वह पव पुन योगोंकों करता है। वा दो जब स्वस्य होगी तब होगी। स्वस्य होगेपर यो कोर्ड फर्क यो पड़ना नहीं है। तुमको बरकी माकविनको तछ हो ध्ववहार करना है। हम बहुत हो वर्षेष हैं, यह म मुक्तर।

मोहनदासके बासीवॉद

नानीबीके स्वाक्षरीमें मूक युक्तराची प्रतिकी फोटो-नकल (एस एन० ९५२६) से ।

९५ पत्र 'इंडियन धोपिनियन'को

चोहानिसवर्षे सनवरी १९. १९ ९

देवामें सम्पादक

इंडियन जोपिनियन

महोदय

इंडियन बोमिनियन का इस एन्टाइका वैक जनतक प्रकाशित होना तनतक में शानर केल-महक्ष्में नैठा होर्केग । इसकिए में नर्तमान स्वितिक सम्बन्धमें मारतीय समावते हो सन्य कहना जनरी समस्ता हूँ।

कुछ मारतीय डीकें पड़ वसे हैं इसमें शक नहीं। कईसे लड़ाई छोड़ दी है और कई दूसरे अब छोड़ी अब छोड़ोको स्वितिमें दिखाई देते हु।

कुछ गठानोंके बस्तवारों स्टार में एक चिट्ठों प्रकासित हुई है जिसमें ने इस-

प्रकार किवारे हैं
हम पठान सामक बचवारक वारिय छरकारको बीर बामबन्दाको चवर रेटे
हैं कि बिटिय मारवीम छंत्रने पृथियाई-बन्दार बीर परवाता-क्वार्यों निपापनी के किए
बरावरिका एक रचनेंद्रेसक्य कानाया है। वर्रावार बाकी महाची पहनते हैं बीर
सिपाहिन्दिन्ने के एहे नोवार के हैं। वर्षों से हकती हमने छहकों हमने परवार पत्रक

१ गांबीकोक सुसीत पुत्र रामपास । २. गांबीकोक क्रीक पुत्र वेगपास ।

क्ष कर्मातायाः व्यापालयाः

म् कर्मारी १४ १९ ६ को किये गर्ने सा राष्ट्रा स्वीतेत गर, लक्क्योग्रीक निस्त "

बौर बफाबार याखीवींको सरकारके विवय प्रशा करलेके किए नियुष्ट

इस्रिक्ष्य हुन पठान चिन्होंने स्वर्गीया महारामी निक्नीरियाका और वर्षमाम समाद और सम्मामिता — कृता उनकी समामत रखे — मनक सामा है गाँवी बीर वालक के इन त्वसं रैक्डोंको समझी देशवाका कहते हैं। हम सरकारत निवेदन करते हैं कि नह हमारे इस्र सामने विद्यु पद्म न के। गाँची हुआगा हमारे पमकी विद्यान करते हैं और हमारे पैयस्यरका व्यमान करते हैं इस्ता ही नहीं वे हमेशा वेशके बमन-वेतने सहल जानते पहते हैं। बीर सरकार उनको और उनकी स्वर्गनिकाली दुक्कीको उपनिवेधार बाहर म निकास स्वर्ती हो तो हम सरकारको बातिर यह काम करते कर सकेंग्र। आप यह एक प्रकृतिक कर वेंग्रे तो हम आपके बातारी होंगे।

मैने कहा है कि इस पत्रपर पठानीके बस्तवात हैं किन्तु में यह नहीं कह सकता कि मह उनका क्लिसा हुआ है। एक दिन वह वा अब पठानोंने उरकारको दक्षीर देकर कहा वा कि आपके कानूनको इस माने उच्छे तो यही अच्छा है कि आप हुएँ तीपके गोकेसे उन्हों दे! आब पठान उन्हों कानूनको मान जैंसे अवचा हुस्टीं उच्छे मनवानेमें मदद करेंसे मह सम्मान नहीं विक्ता। यदि मह सम्मान कहीं वाद उनके अन्याने में हदद करेंसे अक्साको बात होती।

तब यह एक कैसे किका बया? मुझे विश्वास है कि इसके पीके एक प्रसिद्ध भारतीयका हाब है। कुछ मोरे मी करनी स्वावधिद्धके किए जाराजीय स्वावके विश्व प्रमंत्र एक पहें हैं। बहुत-से मारतीय बुद कहे हुए हैं और इसकिए वे इस्टरेंकी क्यानेक स्वावधि करी कीमको इसामा नाहरें हैं। में दोनी उत्तक्ष कीम करने इस क्षेत्रमें प्रशानीका उपयोग करना नाहरे हैं। पतान कुए निकान-पढ़ना बानते नहीं स्थानिए सरकतासे बहुश्वेमों बाकर स्तावत कर देते हैं। उनको ऐसा करनेरे पहुके विवाद करना नाहिए। में बाधा करता हूँ कि कीई मारतीय उन्हें [पतानेकी] युद्ध मुदिसे यह पत्र पढ़ा देना। मिर्ट ने मार्ट किस सम्बन्ध कामकर विचाद किस तिना सरकत करेरे दो उनकी सकारको बहुत करेगा। स्वतकारका प्रयोग कन बुदे प्रयोजनके किए होता है तब उसको में दो कोईके बंद खाने दुक्कीय समान मानता हैं।

निस स्पष्टित सह पत्र किया है या कियाया है उसने परनेदारोंको पसकी दी है। फिन्हु पटार्जीको समझ केना चाहिए कि सनका हाथ किसी भारतीयपर म स्टेगा।

ऐसे समयमें समाजने को जीन सम्बन्धार और वातीन हिटके वार्नाओं है उन्हें सावकृत प्रा वाहिए। पहली बात तो गड़ी है कि उन्हें हर व्यक्तिको यमजीते करना नहीं है। मारतीय समाज सरकारत सरवाहके द्वारा कहता है। वैसे ही वह उन वास्तीमंति भी कड़ेजा वो मारतीय समाजके सब होता। कर एक ब्रुटाका — हैवयका स्ववा है। वी समाजका 144

पुन्हारी स्वितिको देखते हुए मैं तुमको वासक मामना मही चाहता। मै बाहता हूँ परका कार्य-मार एस और मणिसाल बठायो। परकी क्षरएक पस्तुको सँमामना रामा बौर देनाको ठीक एएड रखना धनके सामान की सार-सेंगास करना उन्हें स्वमं भी ऐसा ही तियाना जनको साफ-सूचरा रखना और जनके नाबुनाँकी सुकार्यका ब्यान रखना - यह सब पुग योगोंकी करना है। या वो जब स्वस्य होगी यब होगी। स्वस्य होनेपर भी कोई फर्क तो पहना नहीं है। तमको करकी माककिनकी तरह ही व्यवहार करना है। हम बहुत ही परीय है यह स पछला।

मोहनवासके बासीबाँद

गांकी को के स्वाक्ष रोमें यक कवाराती प्रतिकी छोटो-नकस (एस एन ९५२६) है।

९५ पत्र 'इंडियन ओपिनियन'की

<u>बोहानिधवर्व</u> चनवरी १९ १९ ९

सेवासे सम्यासक

इंडियन कोपिनियन

सङ्गोदय इंडियन बोपिनियन का इस सप्टाइका बैंक वबतक प्रकासित होया तबतक में घासर बेज-महत्वमें बैठा होडेंगा। वसकिए में वर्तमान स्वितिके सम्बन्धमें मारतीय समावस की बन्ध

कहना जरूरी समझता 💰 । कुछ भारतीय डीके पढ़ बये हैं, इसमें बक नहीं। करने कवाई कोड़ दी 🖁 बीर

कई दूसरे जब छोड़ी यब छोड़ीकी स्थितिमें विचाई देते हैं। कुछ पठानोंके बस्तवारोंसे स्टार में एक विदर्श प्रकायित हुई है जिसमें ने इस

प्रकार किसते हैं

हम पठान जापके अक्षतारके जरिये सरकारको और शामजनताको चमर <sup>हे</sup>ते है कि बिटिश मारतीय संबने एशियाई-स्पत्तर और परवामा-स्पत्तरको नियरानीके निय भरभेदारोंका एक स्ववस्थिक-एक बनाया है। भरनेवार आकी वृदियाँ पहनते हैं बौर सिपाहियोंकि-वैसे पड़ी बाँबते हैं। इनमें से अध्या इमने सहकॉपर फनकरूपनसे बनकर कारते देखा है। पठान संस्कारकी अवद करना चाहते हैं। ये परनेवार चनको रोकने बौर बजाबार मारतीयोंको धरकारके विश्वत खड़ा करनेके किए निवृक्त किमे वर्ने हैं।

र यांचीजीके लगीन पण रामगास ।

६ बोबीओंच क्रमिक प्रत्न देशशास ।

३ अक्टरश यंग्री।

y बनारी १८ १९ ९ को क्रिये को का काछा श्रीकेत यह "क्रियेटरिंड विकार विदेश"।

इसिए हम पठान जिल्होंने स्वर्धीया महारात्री विकटीरियाका बीन वर्धमान समाद और समामिता — जूदा उपको सलागत रखे—नामक बाता है गांधी बीर रोककके इस स्वरं सेवकींनो समझी देनेवाका कहते हैं। इस सरकारसे निवेदन करते हैं कि नह हमारे इस सामने निक्य पक्षा न के। तांची हमेसा हमारे वफती तीहान करते हैं कीर हमारे पेवस्वरका वंपमान करते हैं वरणा ही नहीं ने हमेसा देसके वमन-वेनमें सकस जानते रहते हैं। यदि सरकार उनकी बीर उनकी स्वरंदिककींने टूकमीकी उपनिवेद्यस बाहर न निकाल सकसी हो तो इस सरकारकी बातिर यह काम जल्दी कम सक्ते । आप यह एक प्रकृतिक कर देने तो हम बातके बातारी होंगे।

मैंने कहा है कि इस प्रथप पठानोंके बस्तकत हैं किन्तु में यह नहीं कह सकता कि यह उनका किया हुआ है। एक दिन यह ना जब पठानोंने सरकारको दबस्य देकर कहा जा कि बापके कानूनको हम मानें इससे तो यही अच्छा है कि साम हमें टोपके मोकेस उन्हों से " बाब पठान की कानूनको यान केंद्रे जबका हुस्टेंस उनके मनवानें में नदब करेंगे यह सम्मन नहीं दिक्ता। यदि यह सम्मन हो जाये तो यह उनके किए जीर हमारे किए अम्बादी तात होगी।

तब यह पत्र कैते किका गया? मुझे विश्वात है कि इसके पीछे एक प्रसिद्ध पार्ध्यायका हान है। हुछ कोरे भी अपनी स्मार्थिधिकि किए पार्ध्याय समायके विश्व प्रपंत एक एते हैं। बहुत-से पार्ध्याय कुर बके हुए हैं और इसकिय कुर बुद्धोंको ककानके इसके स्पार्थ्य सार्ध्याय करना काने हुए सक्ता पहाहे हैं। ये दीनों उपहोंचे कीण अपने हुए सक्ताये वहस्वोत्तें व्यक्तर स्टाप्त करना चाहते हैं। पानको ऐसा करना बाजते नहीं इसकिए सरकारों बहुकारेचें व्यक्तर स्टाप्त कर पेते हैं। उपनो ऐसा करने दे कि कोर भारतीय जाई पित्र किया करने प्रस्त के पार्थ्य प्रस्ता करने प्रस्त करने प्रस्त करने प्रस्त करने प्रस्त करने प्रस्त करने किया स्टाप्त करने किया करने स्ता करने हैं। उपनो ऐसा करने हैं प्रयोध करने हैं प्रयोध करने हैं प्रयोध करने हैं प्रयोध करने किया करने से किया करने हैं प्रयोध करने है

निस स्पन्तिने यह पन किसा है या किसाया है उसने बरनेशारोंको समकी दी है। किन्तु पटानोंको समझ केना चाहिए कि उनका हास किसी सारहीयपर स उठगा।

ऐसे सन्तर्में समावक को कोन समावार और जातीन हिसके आजीती हैं उन्हें सावनात प्रमा पाहिए। पहली कात तो नहीं है कि उन्हें हुए व्यक्तिकों वनलीये करता नहीं है। पार्टीम क्यान सरकारण स्थानक है हारा कहता है। वैदे ही वह उन मार्टीमी स्थान सरकार को मार्टीम समाव स्थानक है। होए। कर एक क्षाका — ईस्सका एकता है। वो समाजका

24¥

बुरा करना चाहते हैं वे बजानी हैं ऐसा समझकर उनपर हमें तरस खाना चाहिए। किन्तु हमें जनते दवना नहीं है। यह कड़ाई लग्बी हो यह है - अभी और कम्बी होगी। हमी भीय समझ सकते हैं कि बड़ाई अन्ती हुई है इसके कारण हम ही हैं। अब इसे बीटा करना भी इमारे ही इनमें है। इसका चपाय यही है कि जो सीय सहाईही समझते हैं उन्हें पूरा उत्साह दिवाना चाहिए। उनको रापमें बाना या वबराना महीं ै। फिर, वर्यो-स्पी हमारे विक्त चौर क्यामा जाये त्याँ-त्याँ प्रमें क्याहा जोर सवाना चाहिए ! जो क्रोम सवाईको इस रूपमें समझते हैं। उनको ज्यादा नकसान उठाना और ज्याता कष्ट सहना है। सहाईका सुरूप मुद्दायह है कि हमें अपनी जान कोकर अपना मास बेंगाकर भी खुद्ध रहना है और नह सब निर्मीक भावस करना है। बसीसे अपना भी और लपनी बीसका थी काम समझना है। पैसा होगा तभी सहाई जीती जायेगी।

भी पोककपर को चोट की गई है वह हम सुबीको छवानेवाकी है। भी पोनवने भारतीय समाजकी को सेवा की है जसका मस्य अकिमा मेरे किए तो सम्मव नहीं है। मैं सन्हें मुनौरा वर्षन महीं कर सकता। वे हमारी खड़ाईके तत्त्वको वितना समझते हैं सतता सावद ही कार्र भारतीय समझता हो। येसे व्यक्तिके विवस ऊपर बताये गये पश्चमें वा-कुछ सिवा क्या है, वह बताता है कि हमारी चह-दशा कठिन है।

में उस पनको सिकानेवाके और किकानेवाकेको नहीं जानता । म ती ईश्वरसे यही प्रार्वना करता हूँ कि वह असकी पठानोंको और समस्त भारतीयोंकी सदब्धि है और भारतीय समाजने

अपने सिरपर जो बड़ा काम लिया है उसमें बड़ झलतला अबबत रहे।

वातिका सेवक और सत्पापंडी मोजनवास करमधन्द गांधी

[गुजरावीसे ] र्डेडियन मोर्पिनियन २३-१-१**९** ९

९६ पत्र असबारोंको<sup>९</sup>

जोड्डानिसवर्ग

बनवरी २ १९ ९

मिक्कीरम रे

मारतीय समाज पिछले बाई सामसे चनती जा रही अपनी नदाईके दीसरे जीर सायद व्यक्तिम चौरमें मनेच कर रहा है। वशीतक इस वातकी वकरत महसून नही हुई वी कि विटिध भारतीय स्वारारी भरता भारत्यका पूरी वरणने होम वें और वरणनेको कंताल बना कार्ने। तकार्रमे भाग मैनके किए अपनको मुक्त करनकी वृध्दिन जन्दीन जपना व्यापार काकी हुद तक कम को किया है किन्तु उत्ते पूरी सरहते कीश नहीं है। यह कपन कि किसी सन्यायी सरवारके क्योत केवल वे लीव ही चनवा सब्दे या प्रसदी रखा कर साते है जो प्रश्ने कन्यायका

र वह २३-१-१९ ९ के इंडियन ओरिजियसमें क्यांशित हमाथा। गोपीमी क्यांश्मारे तम्पारीमी २९ सम्प्रीत हो तमारे हास्ति दे गीर जायान है ३० पत्ता नक्षीय करीये ही तेवार दिना था। १९४८ पत्ता कि केमी मेव जी " इस १५९-६ जी।

समर्बन करते और उसमें हिस्सा केरो हैं प्रस्तुत मामकेमें सही सिख होनवाका है। हमें मपन जनना कराज जार जबन गहरणा ज्या है अरचुत भागवन यहां गख हाननान है। हमें अर्थन माममें जैजानेसे उद्देश्यक्षे और यह बेहकर कि हमें जैकका कोई कर नहीं दुर गया है फीजरारी कानुनके सन्तर्तत कुछ निपम कार्य यथे हैं विशमें उन क्षेत्रोंका प्राप्त केवनकी पर्योद निकारित की गई है जिन्हें मिक्ट्रिंग केवली समाज विकस्प दियं विना जुमीनकी समाजेंसे। बाहिर है कि इस नई पालका सम्याजारतीय व्यापारी हैं। इसकिए उरहें खेच्छानुकरू कमानी बजरबस्ती लाबी गई कंपाली या अपग्रधाना सामना करनेकी कटरत जा पड़ी है। वे जाने साहकारको या वपनेको धानि पहुँचाकर एक जन्यायी धरकारको बन प्राप्त करानेकी इच्छा नहीं कर सकते हैं। वे बपमसके आगी भी नहीं होना चाहते। इससिए एक स्वापारोके नाते और ब्रिटिस मास्तीय संबंधे अध्यक्षकी द्वैतियतसे अपने स्ववेध-माइमॉको भेरी न्यात्राध्यक तत् वार बाटच गाधाव अवक वस्त्रका हावचवन काल ल्याचनाहरूना तर वो यही सत्ताह है कि वे दिक्कहाल व्यापार करता छोड़ वें बौर साहुकारोंका को मी साल उनके पास हो उसे साहुकारोंको बाधिय कर वें या बातनी हुकारों क्या कर वें। [स्व दिखानी उसहरूप पेस करतेके क्या मेंने बुद हो पहला करूस उठानेका निश्चय किया है बौर मैं ऐंडा बुद सोब-दिवारकर कर रहा हूं हार्काक यनमें कुछ हिषकिचाहट वकर है। इस महस्त्रमूच करमके सम्बन्धमें संबन्धी राय जाननेके किए विविधनंक मत-संबह न तो किया जायगा और न किया वा सकता है। उन सारे भारतीय बुकानशारींसे वी बमीतक इमारी कड़ाकि प्रति वक्तदार रहे हैं यह साम्रा करना बड़ा कठिन है कि वे अपना सारा साम्र सेव बेंसे और हममें से हुनों से हुम्म रास्ता पुना है उपको बनुषम करेंसे। वे इस बम्बरके बनुकर की न चंड सकते हों तो भी में मानता हूँ कि वे यदि उपनिवेखियोंकी नहीं तो अपन स्वरेख-वासियोंकी दिवकामनाके हकदार हैं कारण उन्होंने विकके तील महीगोंमें संकटों जीर कठिनाइयोंका मुकाबका किया है। फिर मी यदि हम पैसेको शकनामें बपन सिकालका क्यादा मध्य करते हैं जो में मनने स्वदेशवाधिमोंको एक यही सखाह वे सकता है कि वे ववसरके तकावके अनुसार करर उड़ें बीर यह अन्तिम कवम उन्तर्में। तुमी उपनिवेशी यदि समझना चाहेंसे तौ में छनसँग कि कहाँका मार्गीनौंका वास्त्रक है हमारी इस कहाईका उद्देश स्थापारपर इमारा मौनुदा निर्यक्षय बनाये रकता वसुचित प्रतिस्थवी करला या जिल कोगोंको इस देसमें उद्देका अधिकार नहीं है. उन्हें गहीं का बसाना नहीं है । बहुरिक इसारा सम्बन्ध है. चंदाक सिर्फ राज्द्रीय सम्मान और अपने ईमानकी रखाका है। बुसरे सक्वोंमें हम मह दिसानेकी कोश्विय कर रहे हैं कि हम बस्तिन बालिकांके नागरिक होनेके योग्य है। 🗤 सन्मव

र में नियम १६ ३ के मध्यमेश १ की चारा २८ के स्वर्णण दुन्तमको स्वीन्य सामानको सामानिश्री स्वरा इतके भी है। इस निवासी तीमार्थी मध्यावीद ही स्वरा इतकेली चार्डीके वर्णणी तामीक स्वतेनी सामानिश्वास सामानिश्वास के स्वरा के प्रीकृति, विकास मान सांत्रकी सामीकोश वर्णणी ती त्वार करने स्वतिकोश मध्याविको सामानिश्वास कर्मकोशी हुई-सामीकोश सामानिश्वास मान कर स्वत्रकोशी मीर सहस्र इत्योगियी सिवंद मनुसामी देशको मोदाब स्वतेनको असला की भी भी। देखिल इत्यावास मोतिसमान स्वतेन ५-१-१९ २।

६. मुरिमेन नातारितीन देशा की तमहा करकी मीतिकता नित्त महान्त्री थी। बनली न्हें बेदाकर महिनीय महानित्त कर विवेद करने करा करा करा कर निवाद करने नातारि हैं। परिवाद करा करने कराने नातारी हमान नमीतिक कमाना प्रमाण हरा है। व्यक्ति मिरिस्ट महानित केले नमानि ने नातारी हमान नमीतिक कमाना प्रमाण हरा है। व्यक्ति मिरिस्ट महानित केले नमानित ने विवेद महानित करा करने करानी नाता कराने कराने नमानित हमाने कराने कराने कराने कराने विवेद करा है।

है कि बड़ाईली इस बलिस मंत्रिकमें बहुत-से मारतीय वड़बड़ा आमें। हुए यह ती देवते हैं कि बड़ाई खमी बबेसी। हमारे ही अव्यर मौजूद होगी आदित्योंके हारा और ऐते पूरीपीमीचे हारा जिल्ला हय बातमें स्वार्थ हैं, हमारे क्रोसी पुरुष्ट बीज बोलेसी कोविया की बा रही है। हमें हम पारी बार्वोंके अल्लावा की किन्तु ने हमें व्याप बपनामें हुए रास्त्रेये विकासित नहीं का सकतीं। और बहुतींके पिकड़ जानेके बाद हमारी संका बड़ी रही बाहै कोटी हम सहक कर रहते खुँचे बाहक हमारे साथ नहीं किया बाता।

> जापका आवि श्र० मु० कास्त्रस्थि

कम्पन्न विद्या भारतीय धंग

विवेदीकी

र्मेक्ष्यिन कोपिनिवन २३~१~१९ ९

९७. पत्र सेनडारॉकी<sup>1</sup>

[बोह्तनिस्वर्ग कत्रकरी २ १९९]

<u>चिन्धनी</u> है

मुझे आपको यह जावर वेठे हुए हुआ होता है कि गेरे केन्द्रार्रीकी एक बैठक रिविक् स्ट्रीट और एँडवीन स्ट्रीटके गावेजर विदिक्त पार्ण्योव संबंध कार्याच्या १२ ४ कार्ट अन्ववीरे के कुन्तार २२ तारीजकी तार्थकाक व वर्षे बुलाई वार्योग संबंध कार्याच्या हुनानेका कारण मेरी माणिहास्य नहीं है। परन्तु में विदिक्त सार्याचा संबंध कार्यकाली हुनियत्यके जब अपना स्वारा बरने केन्द्रारी या अवने-जायको चोलियों साहर एककर नहीं चला संकता करिंकि मेरी कार्यकार प्राथम केन्द्रारी या अवने-जायको चोलियों साहर एककर नहीं चला संकर्णका हरात के स्वेश है कि स्टब्सि त्रावक पृथियार्थ रिविद्यंत कार्युनको माननेचे क्लाद करानेका दवा तक्की मील-पर नहीं रखा बाता। ग्री कह्य है कि स्थादत कार्युनकी सावर्थ हिमायार्थम सिद्धेत स्वार्थकों केन्द्री पर नहीं रखा बाता। में कह्य है कि स्थादत कार्युनकी कर रहे है वीर पर्यून वार्योग केन्द्री सूर भी नहीं है। जब्द में नियम कार्य स्थि गर्य है किस्से एक वार्योगों का ब्रावीर्थकों वार्योगों का वार्योगों करिंगो

माइको वेचनेका ठरीका बताया नया है। अब इन्दुक्ट में कई न्यूनीने करणेनांके मोकार्ट्डॉक्सी या इस नियमोंको बनानेवांकी सरकारकी विकास सही करता। संपनी समझके बनुवार उनहें करने कानूनींकी करकरात्री समझके इक है। देश लांचा केवल यह है कि ब्रिटिया बार्ट्योगोंको यो अपने कर-सहनत उन इक है। देश लांचा केवल यह है कि ब्रिटिया बार्ट्योगोंको यो अपने कर-सहनत उन

र स्थान है जि विशेष नारवीर संस्थे समाचान हु स्थानियाने स्थानस्टेरी पुत्र कर का और रिक्रम कीर्रेट होती यह साथ किये को ही । [बंग्रेगीसे]

इंडियन बोपिनियम २३-१-१९ ९

## ९८ मेंड 'नेटाल मक्युंरी'के प्रतिमिषिको

[कोहानिसवर्ग कनवरी २१ १९०९]

मुलाकातमें भी पांचीने बहुत: इस करमके बारणी बारणीय कीमको हता अधिक सारम-स्थास करना पहेचा कि सब जारणीय क्यायारी इस विचारको — को यूसे मेहाकमें रहते सूधी था — अरमारोके किए तैयार होंगे या गाही यह सभी सूकती हाकतमें सतामा मुक्किस है। मारणीरोके कैमवारोंसे समुत-पारीय विक्रिस पेड़ियां क्यानीय वोक सीर ब्यूरा व्यापार करने कारणीय एकमत हो सकें तो काम पुन्नात की हानावार और आराजी वेदियों है। साथ सारणीय क्यायारी पेड़ियोंने को सारणीय क्यायारी पेड़ियोंने को साथारी पेड़ियोंने को साथारी के स्थायारी के स्थायारी के स्थायारीयों को साथारी कारणीय कारणी बायवार और हुकारों काम को हाना पार्ची के स्थायारियों को या तो इस मुक्तातको क्यायारियों के साथारियों के सायारियों के साथारियों कारियों के साथारियों के

र नह दुस्त दिना तथा ना कि समूचार्चका नो भी मान महत्तीवीच नास ही वे करे बतस कर है या नरती रूपार्च कर हैं। वेदिन "नवा सन्तारोंकी" कुछ १९४८-५इ । 14

भारतीयोंकी सफलता उनके एकपत फानेपर निर्मर है। इसक्रिय दामानासके जिल-जिन मारतीयॉपर इसका असर होना यस सबको सकता सेक ही कार्यसी।

[बंबेबीसे ]

इंडियन मीपिनियन २३-१-१९ ९

९९ काछलियाके सेनबारोंकी बैठकमें पैरवी

विकातिसवर्ग बनवरी २२. १९०९]

भी पांचीने जो कांक्रियाकी मोरसे वीले कहा कि क्षेत्रवार को भी कार्रवाई उचित तनमें बरनेंके निए स्वतान है। व्यापारिवींने मेरे मुवस्थितमें वो विश्वास किया है क्वका भवाब के जनमें बरता निश्वास प्रकट करके देना चाहते हैं। सपर वे चाहें तो उनकी भाकियतका अन्योग क्यानारको काल रखकर क्यावासे-स्थाना सामके स्थानसे कर बक्टे है या जनका पूरा जाल बेच सकते हैं। भी काल्फीका व्यापारको जारी नहीं रख सकते। जम्मकरे यह कडकर बैडक समाप्त कर दी कि वै सेवदारोंके बहुमतके प्रतिनिधिकी हैतियतमें कोई फैसला करनेके लिए तैयार नहीं है। कैकिन वे बी काक्कियाको धनका पुरा-पुरा वादना चकानेके लिए काले शोमवारकी बीपार तक की वादनत देते हैं।

थी गांगीने बारा कि चनके नवविकक नवस्त नहीं चाहते।"

विदेशीते 1

इंडियन सौपितियत ३०-१-३९ ६

साठी केमार्ग्यन की ग्रीको बैसकेश विरोध क्यों विता और वैश्व स्थात कर की वर्ष ।

केम्स्सरी और अवस्थातिको किने को स्वीच स्थापिक (देकिए पढ १९५८-५०) भी भारत क्रमाधिनाने केमारोंको एक वेस्त्र मिनिस जारतीय संबोध कार्यांक्यमें हाई थी । व्यासारी-मास (सर्वेश्य राज्य)के भी हॉक्से बरपहरता हो । जी इन्हर्किनाने जनस विश्ववद्या विद्वा वेश दिया, विश्वमें मंद्रि दौरशर ७.५ - रीजरी मार्टनक भीर इ.८ की देतरारी दिवार्य गर्ने थी । क्यांनि करा कि वे नाने वेक्सरोंको कार सामान नहीं कर सकते अर्थाद को बॉक्से परे अन्यानको गाँग की । जनकी २३ १९ ९ के हैंस केशी मेक्से कैन्स्सा <u>१</u>ए विकास प्रदासित द्वमा मा ।

mall for कारे पढ़ने नोशानिसनों व्याधारतंत्र (नीमर नीम ब्रॉमर्स) ही बार्यकारिनीने वन्ते बस्तारिके बोद ब्यारह विद्यागेंद्र स्व प्रकारोंका वसुगोहन विद्या या कि क्यर कोई पविषयं "ब्यक्ती मास्वित काने केन्द्रारीके देकारीका मुख्यान कर दिना हो। मानरासकी मनावि किस सर्वी हैं 1"

## १०० पत्र 'रेंड डेली मेल 'को'

जोहातिसमर्ग अनमरी २२, १९ ९

सेवामें सम्पादक महीदम

धायद आप मूझे अपने सम्पादकीय केंद्राकी और विशे आप विदिध मारतीय समाजका सकते मया करता करहे हैं उत्तपर की यह अपनी टिम्पनियोंकी कीड़ी ठीका करनेकी समृति दें हैं। अपकी टिम्पनियोंकी बहुत से पीन प्रवन उठते हैं, उत्तपर म विकार नहीं क्षेत्रा । परनु में कहना महता हूँ कि किए संबर्धकों मेरे देखवाती क्षा रहे हैं, जाम या तो उत्तों मावनाकी नहीं समझते या उत्त उत्तममेंकी परवाह नहीं करते। धवरे नमे करनाम मंद्रा सुरोगेन कापारियोंकी कार्यकर्ष करनेके लिए व्यक्ता नहीं है। आपने स्वेत्र पात्र केंद्र माने करनाम मंद्र सुरोगेन कापारियोंकी कार्यकर्ष कुले किए व्यक्ति सुराविया वहुनी वार्ष वतानेके किए रहू मई है। बार मुखे अपने प्रवास कार्यकर्ष कार्यकर्म कार्यकर्ष कार्यकर्ष कार्यकर्ष कार्यकर्ष कार्यकर्ष कार्यकर्ष कार्यकर्प कार्यकर्

ह्यारे इस वहते नने कराका यह वर्ष कशिए नहीं है कि दिश्य माराजीय स्थापारी में हैं। माने मेनवारीका बैठक बुकार्य बीर दिमांत्रियोंके स्वागये उन्हें कुछ हुए तक अपनी इंपिनों प्राप्तिक करें। वह बिटिय साराजीय केवल मुरोपीमोंके ही बैनवार नहीं है। पास्त में काकिस्माने ५ प्रतिकृत केक्सार माराजीय हैं। इस भी हो बिनार माराजीय स्थापती

र यह १०-१-१९ ९ के बुंकियम ऑपिनियमणे "भी पांचीका पत्र" शीरिकते छना या । १. हेकिए परिश्रिक ९ ।

३ वर्ग मेंस्को रिपोर्ड व्यवस्थ तहाँ है।

y Marc flores office a

तिमन सेविमर्नेने विमनत किये था उकते हैं (क) विशवके केनदार गुरोपीय और मास्त्रीन वोनों हैं (क) विनके केनदार केवल गुरोपीय हैं (ग) विनके कोई केनदार नहीं है। इन तीनों सेवियोंके स्थापारियोंको सकाह थी गई है कि वे वपने कारोबार बन्द कर वें

भीर मपनी सम्पत्तिको क्रेच हैं। इस तरह आप वेखेंने कि ब्रिटिस नारतीयोंको कैनस बोड़ी इव तक मुरोरीय क्षेत्रवारोंकी कृष्ट देना पहेंगा। इसकिए सबसे मुग्ने क्रूपमाँ दबाव काकनेकी बात कराई नहीं है। जगर जापका सराध्य यह हो कि गरीगीय केनदारोंकी श्रव इस मामकेम निवन दिखन्त्यी केनी पहेंथी तो मैं इस नारोपको मन्द करता हूँ। धरन्तु इसका नेपन इतना ही अर्थ है कि मेरे वेसवासियोंके कच्छ-सहनका प्रशास फिर पड़ा है। जनाकामक प्रति-पीच इसमें है कि प्रतिरोधी केवल सब प्रकारके कप्टोंको सहन करें। इसे कानूनकी नवसा कड्ना नापाका व्यक्तिकार है। बीर बिटिब वारतीयोंका मनापके शास अपने सब मालको सींप देता जिसका नजीजा कार्जिक हानि होता है और अपनी धर्मीसे गरीबीको स्नीकार करना पदन कैसे कहा जा सकता है।

आपने बरना देनेके सम्बन्धमें बाक्षेप किया है और उसे बमकी देना कहा है। बह मुन्ति-चेना (सास्वेचन आपीं) और ऐसी ही दूसरी और-दिवैधी संस्थाओंके संबा-ममलाको कानूनकी चुकी अवका बनाव और वसकी कहा कायेगा तभी सारतीयोंके मासकेने अपनेको

प्रस्ती पहला ठीच होया।

आपका वारि मो॰ ६० गणि

[बंधेनीसे] रेंड डेकी मेळ २३-१-१९ ९

## १०१ लड़ाईका वर्षक्या है?

जब माना का सकता है कि ट्रान्तवाककी कहाईका तीवरा बीर कुरू हो गया है। हमारी संवादकी विद्विपति बाना वा सकता है कि कुक बारतीय बुटने टेकने को है। उनमें कुक कुट भी है ऐसा बान पहता है। रक्षते हुआ होनेकी कोई सता नहीं है। ऐसा दी हमेवा हप्पक नकारेंने हुआ करता है। वाकियों सीकी जकता बहुत करिन होता है। बहुत कम चीने बीनमें बामिक होते हैं परना सब बन्ततक नहीं बीनते — बीन सकते नहीं । क्रि बुत्त होनेके कारण नहीं बीक्षेत्र कुछ पककर दोक्षा छोड़ देते हैं। कुछ दोक्टे-बीक्टे बॉन छोड़ देते हैं और पोड़े ही छत्त-समानत करतक पहुँच पाते हैं। ऐसा ही हर बार्टिक इतिहासमें होता है। इसकिए करार किसी अनुसार पटनाएँ होती है तो जनमें निराध होनेमें कोई जो बात नहीं है। वो वर्ष तक हवारों भारतीय बोर-बोरछे बढ़ते रहे। इस नवारेंगें क्सीर तक फॉक्नेबाके मन्त्य होंगे ही।

हमें अभी यह बुती कानून रह करवाना है और पड़े-किसे लोनोंटे हकोंकी रसा करती है। परन्तु हमारी स्वकृतिक सर्व दतन ही नहीं है।

हमें संबर्ध करते हुए शिका प्राप्त करती है अंदूर बनना है और दिशा देना है कि हम नामर्थ नहीं मर्थ हैं। यह भी कहाईका एक अंग है। अनर इसमें पूरी कहाई नहीं जा जाती।

इस क्याईका मूक्य हेनु तो यह है कि हम मध वर्ते एक जाति बनना सीखें बाज जी हम वकरे बन हुए हैं इस स्थितिस निश्चमकर सेर बनें और बुनियाको विका दें कि हम एक हैं क्षम भारतके सपत हैं और उसके लिए बिटनेको सैबार है।

महान योरो कह गय है कि एक करा आवमी एक काब कोटे कोगोंसे बडकर है। हममें से किन्न करे ह यह हम जानना चाहते हैं। यह बात इस लड़ाईमें माकूम हो वामेंनी। वर्ष होना बील सेना कामूनको बोइनसे कहीं क्यादा महत्त्वपूर्व है। हुसरींकी मुक्ते

रेसकर सूद मी हिम्मत हार किया चुरा है। यही गामर्थी है। मोरी बादियों हमपर यह आलेप करती हैं कि हम आरम्पमें वो नहाबुरी दिवावे ह केंक्नि समय बानेपर बीले पड़ जाते हैं। हम गह सिख कर देना चाहते हैं कि ऐसी कोई बात महीं है। हमें टाम्सवाकती धवित्याकी शरकार मोम नहीं बता सकती।

यही सीबाना सकता वर्ग है और इस्तीकिए हम इस धम-पुक्रमें अपने प्राप अपन करनेको सैबार हैं। यह बात बता देना इस अवाईका एक अंग है। बीर गड़ी मुख्य अंग

है। सेप तो उसके करिये कुद ही हमारे हाथ वा वायेगा।

है। वर्ष वा उचन नारत चुन हो। दूना दूना नार्ना है। ऐसी महान दिवस प्राप्त करनेके किए सहान पंतासमकी सावस्थकता है। तो किस महार सावी ट्रान्यसामर्से कुमानसार बहेध-सड़े नारणीय हैं। उन्हें सपनी योगताका परिचय देना है, और इसके छिए उन्हें निकास सनना है। मिकास बननम ही उन्हा तथा साविका हित है। जिस राज्यमें राजा अत्याचारी होता है उस राज्यमें आत्याचारमें माग सेनेवादी में बाही सची या पैसेनाकी हो सकती है। करेरे राज्यमें अच्छे आदमी पैसा इकट्ठा नहीं कर सकते। ऐसे राज्यमें सीने लोग तो केवल कुछ सह कर ही रह सकते हैं। बाब ट्रान्नवाकके मार्ग्यानोंकी वचा एसी ही है। ट्रान्सवालकी सरकार मारग्रीनोंकी मान-मर्गादा करेर समिति मूर केना बाहती है। उसे पारकीय कैसे कर बाने बेरी पुराने बनानमें कीस बनकमी मत्याकारी सरकारके निवड कहते में तब वे बननी रिनर्सोकी मान-सर्वाडा कवानेके निए पहले उन्हें मार बाकते ने। ट्रान्सनाबके भारतीय बान सरवायहकी सवाई सह रहे हैं। उन्हें करने बनको उन्हों दिनसीको तरह पुत्रीन करना होगा। यदि ने ऐसा नहीं करेंद यो उनकी काम आसेगी और जनका बन तो बन्दम विश्व वन बायेगा। किसी सी समेंसें त्रतिस्वर और पैया बोलॉकी पूजा एक साथ [सन्धव] नहीं मानी नहीं। सनी वसे स्थिति हैं कि यदि ईस्वरकी उपासना करनी है तो बनको तिकांचकि केनी पहेंगी। मदि हमने यह लड़ाई ईस्वरका स्वरण करके और उसपर विस्वास रक्षकर छोड़ी है तो फिर बनका स्मान करना ही होना। अब हुनें बनकी बावस्थकता पढ़ेगी तब वही देस्वर हमारे पास यन मेश देवा।

हरणीमें बाती संगतिस्मिहित स्वक्र तीन साथ व्यक्ति पर पये यह देखरको छोला है। देवे स्थानमें रणकर हमें सथा अपनी नान-सर्वादाको रखा करणी चाहिए। सान रखा माने हामकी बात है। मनकी रहा। अपने हाममें नहीं है। आहा है महरतीय मनका स्थाम करके मानकी रक्षा करेंगे।

[पुत्रस्तीते ]

वैक्रियम ओपिनियम २३-१-१९ **९** 

# १०२ मेरा घोलका दूसरा अमुभव [४]

(Y)

जोड़ानिसबर्गको चेसमें एक दूसरा दुःश्वव बनुसव भी हुना। इस जेसमे अस्म-वक्त प्रकारके को निमान हैं। एक निमानमें सकत सबा धाने हुए काफिर शबा मास्तीय केंदी राष्ट्रे है। इसरे विज्ञापर्ने थवाड़ी देनेवाज और ऐसे कैदी रहत है जिन्हें दीवानी जेज मिस्री होती है। स्तमें सक्त सवा पारे हय कैवियोंको जानेका हक नहीं होता। हम दसरे विभागमें सैठे व। संकित विनावक पासाने बादिका उपयोग हम अविकारप्यक नहीं कर सकते है। पहें विमायके पासानामें बानेवाके कैवियाँकी सक्या इतनी ज्यादा होती है कि पासाना जाना एक बड़ी समस्या हो जाती है। जुड़ भारतीयोंको यह कप्ट बहुत बास्ता है। जनमें एक य मी या । समने सन्दरीने कहा या कि इसरे विजायके पाकानीका सरवीन करनेमें आपन्ति नहीं है। इस्तिए में नहीं पना । उन पाकारों में भी मीड़ तो होती ही है । इसके सिना ने कुछे पहते हैं । उनम बरवान नहीं होते। में ज्यों ही बैठा त्यों ही एक मान्त-तावा सबबत और विकर्ण काफिर सामा । उसने मुझसे उठ जानेके किए कहा और गाकियाँ देने कमा । मने कहा कि बसी बठता हूँ। सबतक तो पसने मुखे बोनों हार्बोंस बबोचकर उठा किया और बाहर ऐंके दिया। सीमाग्यसे मैंने बिड़कीकी चौबट एकड़ की विससे में विद्या नहीं। इससे म वबराना नहीं। मैं तो बहुति इंसकर चल दिया लेकिन किन एक-वो मारतीय वैदियोंने यह भटना देशी में बहुत कुची हुए और रो पड़े। चेलमें में कोई मदद ती कर नहीं सक्टे में इसकिए अपनी आवारीपर उन्हें केंद्र हुना। इस प्रकारका क्या बुसर मास्तीयाँको भी मोगना पड़ा है, यह मैंने बाबमें बुता । इस घटनाकी चर्चा मैंने प्रवर्तरसे की बीर कहा कि भारतीय केंद्रियोंके किए एक स्वतन्त्र पाकानको जास बकरत है और यह भी बताना कि काफिर कैरियोंके साम भारतीय कैशियोंको विश्कुक नहीं रसना चाहिए। नवर्नरन पुरुष हुनम दिया कि बड़ी जैनमें है एक पाकामा भारतीय केदियोंके किए क्षोप दिया जामें और बुसरे बिनसे पांबानेकी सकतीक दूर हो गई। उपईन्त परिस्वितिमें मुखे चार दिन सक सार पालामा नहीं हुआ इसकिए मरी सेहतको भी मुकतान पहेंचा।

अब में जोहानिसवर्गमें का जब बीक मुझे तीन-कार बार कराक्तमें जाता पड़ा का मुझे कहाँ भी पोकक कौर कपने कड़केंसे मिकनेकी कनुमति तिकी थी। दूसरे कीव मी कभी कमी प्रकार को अंश कार्य में कमी कमी कमी प्रकार में कमी कमी प्रकार में कमी प्रिक्ट में कमी प्रकार में कमी प्र

बरे किए रोगी पनीर नावि वस्तुएँ सारी ने।

जब में इस नेबमें वा जस समय सरवाक्षी कीरवाँकी संका बहुत वह पहें थी। एक बार ती प्रवासने भी प्यारा ही गई थी। अधिकांचकी एक प्रवास्तर बेठकर छोटी बूचीही वार्तिक केरही कीहतक काम सींचा आशा था। यहन्यक आवधिमाँकी छटे हुए कपड़े तैनिया बाह दिया पूर्वा था। यूने सींकी न्योक्षर टोपियों सीमेंक काम सींच स्थाप था। तीनेकी

१. बहने १५ काराओं वर्ष भवनारीने भी और वेशिव वरिविद्य १ ।

मापित करातेका काम पहल-पहल मेरी यहीं सीचा। यह काम मुद्दिकक नहीं पा इसस्पिए सीक्तमें विश्वेय समय नहीं कता।

अधिकतर मारतीय केवी कंकड़ी काइनेका काम हैं। करते ये। इसिक्ए मैने भी उस्त काम है। कि में अधिक सम्बद्धीय में कि मुझे काइर न निकाल वाये। इसिक्ए उसने मुझे कंकड़ी कोइनके किए जानेकी अनुमति नहीं थी। एक दिन ऐसी हुआ कि मेरे पास मधीनपर अपना निकाल सारीनिक सीनेका काम नहीं था। र स्वित्य में मुस्तके पढ़ना सुक किया। रिवाब मह है कि हरएक कैबीको बेकका दुकन हुए काम करता ही चाहिए। इसिक्ए सन्दर्शने मुझे बुकाकर पूछा आज क्या सुम

मेंने अवाद दिया भी नहीं।

प्र तीतुम कोई काय क्यों नहीं कर एहें हो है

उ मेर बाल जो काम या यह पूर्ण ही चुका है। मैं कामका बाँम नहीं करना पाहता। मुझे काम में तो में करनके लिए तैयार हूँ। बस्पना चानी समयमें नैठा-नैठा पहता रहें तो उसमें क्या बालीत है?

म यह तो ठीक है, केकिन जिस समय बड़ा बारोगा वा गवर्नर मामे उस समय तुम

लोप्पें उद्दों वी बच्छा।

 मै ऐसा करनक किए तैयार नहीं हूँ। मै गवर्नरसे भी कहनेवाला हूँ कि स्टोरमें काकी काम नहीं है इसकिए मुझे कंकड़ी कोइनेके लिए पेवा जाये।

ाकाम नहा हू इसाक्ष्युनुस ककड़ा काइनक लायु पत्रा थाया प्रात्त दोक है। पर में सनुमतिके वितानुमहै कैकड़ी फोड़नेके लिए नहीं मेत्र सक्दता।

इस पटनारे कुछ हो केर बाद गवर्नेर बायों। मैंने उन्हर्ण सामने हारी हुन्हेक्त रख दैं। उन्हर्ने कंपन्नी फोड़नके किए बानेकी अनुमति यी नहीं की केलिन यह पहा कि दुन्हें वैद्या करनेकी बकरण नहीं हैं, क्योंकि दुम कब ही फोस्टरस्ट बायस येने जा रहे हो।

#### बाक्टरी अपैन --कैडियोंका नगा किया भागा

# १०२ मेरा चेलका दूसरा अनुभव [४]

(¥)

बोहानिसर्यंकी चेसमें एक हुसरा दुःचय अनुमय भी हुआ। इस जेसमें बस्ता-मध्य प्रकारके दी विजास हैं। एक विवासमें संस्त संजा साथे हुए काफिर सवा भारतीय केंद्री रहते है। बसरे विवासमें पवाही देनेवाले और ऐसे कैदी रहते हैं जिन्हें बीवानी जेल मिकी होती है। जममें सकत सवा पाने हुए कैशियोंको जानेका हुक नहीं होता। हम इसरे विमागमें सीवे थे। अक्तिन विमानके पासाने मानिका जपमोन क्षम समिकारपूर्वक नहीं कर सकते है। पहले विज्ञाहके पाकारोंमें बारेवाके कैवियोंकी सकता इतनी ज्यावा होती है कि पाकाना जाना एक वड़ी समस्या हो जायी है। कुछ भारतीयाँकी यह कष्ट बहुत बक्का है। उनमें एक में मी था। मुक्के सन्दरीने कहा वा कि दूसरे विमायक पावानीका उपयोग करनेमें बागांत नहीं है। इसकिए में बढ़ों गया। उन पाकारों में भी बीड़ दो होती ही है। इसके दिया ने कुछ रहते हैं। दनमें दरवाले नहीं होते। में क्यों ही बैठा त्यों ही एक मौठा-तावा सबवृत बीर विकराछ काफिर बाया। उसने मूछसे उठ वानेके किए कहा और वाकियाँ देने करा। मने वहा कि क्यांचर नाथा। चरण पुश्चेश पर्ण नागण ज्या कहा कार पांचका वर्ग क्यां। तम कहा कि क्यों उरुवा हूं। दवदक दो उरुवे मुखे घोगों हाचोंदे वचीचकर उरुवा क्यिया बीर बाहर केंक्र दिया। चीमान्यदें मेंने बिन्दकोंक्ये चीचट एकड़ की विश्वते में विरा नहीं। हुएंदे में नवरामा नहीं। में दो नहींदे हैंदकर चल विया केंक्रिंग किन एक-यो घारतीय केंद्रियोंने यह चटना देखी वे बहुद दुन्ही हुए बीर रो पड़े। केंक्स के कीर्द मध्य दो कर नहीं दरुदे पे इसक्रिए अपनी जावारीपर जन्हें बेद हुंगा। इस प्रकारका कथ्ड बुसरे भारतीयोंको भी मायला पड़ा है, यह मने बादमें सुना। इस पटनाकी चर्चा मैंने पवर्गरसे की और कहा कि भारतीय केंदियोंके किए एक स्वतन्त्र पाकानेकी कास शरूरत है, और यह भी बताया कि काफिर वैदिसके साम भारतीय कैदियोंको विस्कृष्ट नहीं रखना वाहिए। पननरने पुरस्त हुद्य दिया कि बड़ी जेक्स संयुक्त पासामा जारतीय कैदियोंके किए खोल दिया जासे और हुतरे दिनसे पाक्षानेकी सक्तकीय हुए हा गई। विप्रकृति परिस्वितिमें मुझे चार दिन सक्त साफ पासाना नहीं हवा इसिक्ए गेरी सहसको भी नुकसान पहुँचा।

बार में जोहातिस्वयंत्रें बा उस बीच मुझे तीत-बार बार अराक्तमें जाता पड़ा था।
मूझे बही जी पीकक बीर अपने केडकेते मिलनेकी अतुसति निकी ची। दूपरे सीच भी कभी
कभी मिल बात थे। क्याकतमें यूडी करती बुधक मेंबानेकी सूट वी स्थित्र भी कैसेतर्कर सेर सिपर देती क्या करती

यद में इस जेनमें वा उस समय सत्यावही कैरियोंडी संबया बहुत बहु गई वी। एक बार ती प्वासंध भी ज्यारा है। गई वी। अविकासको एक परवापर बैठकर कोटी ह्वांसिस वार्यक केड़ी फोननेक काम सींग बाता वा। इस-एक आदिमर्गिकों को हुए कराई सैनेका काम दिया पना वा। मुझे सीनेकी मगीनगर टीपियों सीनेका नगम सींग पना पा। सीनेकी मधीन चलानेका काम पहले-महल मेंने यहीं सीखा। यह काम मुस्किस नहीं वा इसकिए

सीसनेमें विश्वेष समय नहीं सना। अधिकतर भारतीय केंद्री कंकड़ी फोडनेका नाम डी करते थे। इसस्य मने भी उस

कामको मांग की। केकिन सन्तारीने कहा कि बड़े दारीगाका उस एसा हुक्स है कि मुझे बाहर न निकासा आय । इसकिए जसने मुझे कंकड़ी फोड़नेके किए जानकी अनुसति महीं दी। एक दिन ऐसा हमा कि मेरे पास गरीनपर अवना जिना गयीनके धीनेका काम नहीं गा। इससिए मने पुन्तकें पहला सुरू किया। रिवाल यह है कि हरएन कैंदीको लेकका कुछ-त-कुछ काम करना ही चाहिए। इसमिए सन्तरीने मुझे बुकाकर प्रका वाल नगा तम वीसार हो ?

मैंने अकाव किया भी नहीं।

वो तम कोई काम क्यों नहीं कर रहे हो ?

मेरे पास जो काम या वह पूरा हो चुका है। मैं कामका बॉग नहीं करना भाइता। सूझे काम दें तो में करनके किए तथार हूँ। कम्पना जानी समयमें नैठा-नैठा पहता छ तो उसमें क्या आपति है।

यह हो डीक है लेकिन जिस समय बड़ा बारीमा मा नवर्नर बाये उस समय हुन

स्टोरमें जो वो मण्डा।

में ऐसा करनेके किए तैवार नहीं हैं। मैं गवर्गरसे भी कहनेवाका हैं कि स्टोरमें काफी काम नहीं है, इसलिए नुसे कंकड़ी फोड़नेके जिए मेजा जाये।

त्व ठीछ है। पर में बनुमविके बिना तुन्हें कंकड़ी फ्रीड़नेके किए नहीं मेन सकता।

इस पटनाके छुछ ही देर नाव गवर्नर वाया। मने उसके सामने साधी हकीकर रख बी। उसने कंकड़ी फोड़नेक किए बानेकी अनुमति दो नहीं थी खेकिन यह कहा कि दुन्हें वैसा करनेकी बकरत नहीं है। क्योंकि तुम कुछ ही फोक्सरस्ट बापस अने जा रहे हो।

#### बाक्टरी साँच --- क्रीडिपॉका नगा किया शामा

फोक्सरस्टकी जेल कीटी थी। इसकिए कुछ सुविवाएँ की वहाँ निक बाली थी वे बोहानिसवर्गंकी वहां बेसमें नहीं मिल सकती भी । बदाहरकके किए, फोक्सरस्ट बेहमें भी बाउद मुहम्मको सिरपर बाँमनके किए साल दिया जाता वा और पाजामा तो दूसरे कोमाँको भी विमा जादा वा। भी वस्तमनी श्री सोरावनी और श्री सापुरजीको वपनी-वपनी दोपी पहननकी सनुमति वा । मोश्तितवर्ग जेकमें ऐसा होना मुस्टिस ना । इसी सरह जोश्तिसक्षप जेकमें वर केरी पहली बार वाकिक होते हैं तब बॉस्टर उनकी श्रीब करता है। इस जीवका हेत् पह है कि कैरियों को है संज्ञानक रोप हो तो जसकी बना की बाये और उन्हें दूधरे कैदियों से मनग रखा नाये। इस कारण केवियोंकी पूरी जीच की जाती है। कुछ हैदियोंकी उपसंख मादि रीय होते हैं इतिछए तबके मुद्दा अवयवींकी और की जाती है। सतएव करियोंको विरुक्त गंगा करके उनकी जॉन की जाती है। काफिरोंकी वो क्यमम पल्लह मिनट तक नमा गड़ा रवा बाता है, जिनसे डॉस्टरना तमय वर्षे । भारतीय कविसोंको बोडी सविधा है उनमें उनका पानामा वन कॉल्टर माता है तभी चतरनाथा नाता है। बाकी सामित्र कपहे पहुलेने ही उत्तरना दिय जाते हैं। शमभय सभी भारतीय कैदी पात्रामा उत्तरवानके इस रिवासके निकात हैं फिर भी विधिवतर कींग संस्थाबहकी वहाईका विचार करके बाताकानी मही करते समित मनमें दो दुन्ती हाते ही हैं। इस सम्मन्तमें मने बॉक्टरसे बात की। उसने कुछ कैदियोंकी नौन उन्हें स्टोरमें के बाकर की केदिन हमेदा बैसा करनके किए वह सहसत नहीं हुना। इस सम्मन्तमें सेवने सिका-मने की है। किसा-मन्ती बात भी चक्र पद्मी है। इस बोरमें स्टान के बात उनित है। बेक्से यह बहुत पुराना रिवाब है इसकिए उसे एकाएक दो ने नहीं बक्सें। इस भी सबसे बारेसे विचार किया बाता चारिए।

### नोहाविसकाँचे वापस मापा

भीवा कि स्वार कहा गया है गुले 'अवन्यरको कोनस्वरस्त सायत के बये। वस समय मी मेरे साव एक संस्तरों मा। मेरी पोसाक कैदीको ही वी केकिन उस बार मुसे पैरक नहीं बकाय गया गाड़ीमें स्टेशन के बाया गया। कमनवाा दिकर हुएरे वर्षका नहीं तो सरे दर्जन वा। रास्ते के किए मुसे सावा पीत कमने ही जी दिक्य कर दिया बया। सांस केने में मेरे समय प्राप्त मिया बया। सांस केने में मेरे समय रिकार किए मेरी किया। पासे केने मेरी स्वार प्राप्त प्राप्त को बाद किया किया को स्वार की हो। स्वेतनपर पहुँचा तो वहां कुक मारतीय वर्षी सह में शे उन्होंने मुसे देखा। बात दो हो। नहीं सक्तरों वी। मेरी पोस्तक सांदिक विकार उनमें स्व एक मारी मेरी पोस्त का मार्ग प्राप्त प्राप्त मार्ग मेरी स्वार का स्वार देखा हो। मेरी स्वार का मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग का स्वार प्राप्त मार्ग मा

१ क्यामर १४ और दिखानर १ १९०८ की किसे कामे की पाँची लिखित मारतीन संबन्धे उत्पासक केलो प्रत्येश जा बाफो दिवस कामीर जाना की भी कि स्मेरिकीन प्रेस्टरी केलो किस की-मारते भी जाता स्वार का कुमो में पर का बाता है। इन सम्बेर्णिक काम के हुए क्लिकिक जा बाता है। इन मारते सम्बंद कर दिना हि स्मेरिकी बोचेट किस मोरिक समारी क्लाकित हुया बा। शुक्तकालो स्वार्थिक में क्लाकित स्वार्थिक स्वर्थिक स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थ

भृ भेती सेना स्त्रोकार किया। भी सोमामादैन स्त्रैबर्टनको तार कर दिया वा इसकिए वहाँ भी कुछ मारतोल मादै स्टेशनपर आये थे और खानेकी चीचें कामे थे। इस प्रकार सस्त्रेमें मैंने और सन्त्रिति मुस्तेट बाला खाया।

फोस्टरस्ट पहुँचा दो स्टेशनपर मुझे भी नगरी भीर भी काशी मिले। वे दोनों राखेमें कुछ कुरतक साम-साम सामे। साहें चौड़ी दूर रहकर साम चलनेती मनुमति सन्तरीते में दी भी। स्टेसनों समान सामान स्वाकर मुझे किर पैदल चळता पड़ा। समाचारपत्रों में इस नावती मी काडी चली हो थी।

में फिर फोस्परस्ट पहुँच गया इस्तिय खब भारतीय बहुत क्या हुए। मुझे भी राज्य मुह्नमस्त्राणी कोडरीमें रखा यथा का इसकिए हम राजको बैरतक एक-दूसरेक अनुमर्वोकी वार्त करते रहे।

#### मास्त्रीप फैरिपॉफी स्थिति

में बन फोस्टरस्ट पहुँचा तब मारतीय कैचियों हो स्वितियें कर्ड वा गया था। १ की बगह सिराँकी संबा ७५ हो वह बी। येवनें हक्ते कोनीक रहने कारक वगह नहीं थी। इसकिय वाल-एक तम्ब कारों गये थे। रवीकि किए प्रिटीरियारे वाल पृहत नामा था। इसके दिवा ने बेठेडे राष्ट्र को गयी बहुतों थी उसमें कैची सरकर नाहमोंने किए वा करने थे। इस तरह ने किसी के बनाय नवहने मालूम होते वं भीर केवबाना केवबान येवा नहीं बिक्क परवाद है किसी के बनाय नवहने मालूम होते वं भीर केवबाना केवबान वेवा नहीं बिक्क परवाद है किसी के बनाय नहीं वो नो किसी केवा परवाद की स्वाप्त कर केवा मालूम होते वं। विश्व करने विश्व करने केवा मालूम केविया वा। किस तमा किसी का मालूम होते था। किस का परवाद वा विश्व करने ही थे। यो बावद मुहम्पदने हरएक तमारीका कोई-म-कोई नाय रख दिया था। एकका नाम क्यूंकि किकों सा वा प्रकार मालूम वेवा परवाद का स्वाप्त प्रकार मालूम केविया परवाद का मालूम वेवा परवाद मालूम करने हो सा परवाद मालूम करने थे।

#### मुकाकावी

कोस्परस्य चेकमें मूळाकावके किए माध्यीय काफी संस्थानें वाठे थे। यो कामी दो होनदा साठे ही पुते में। केविमोकी बाहरकी स्थवस्था ने जो कमाकर करते में और मुकाकावरें किए बिजने मोके मिकटे सकका साथ स्वतिते केविमा साथ स्थापन हुए सप्ताह बाठे में। नेदासते से मुद्दम्पत दवाहीम श्राम यो करशानी प्रापेशने मेन सादनेस बनको बसूकीकें सिकानिसें बास दोरेसे माने में। हस्कें दिन दो नदाकके कमाम सो माध्यीय सेठ बाकर मिक गर्ने में। उस पिन तारीकी दो मानी बना ही हो गई सी।

#### विविध विचार

जेलमें जातास्वत बहुत छकाई रखी खाती है। ऐसा न ही तो बीबारोके पूर निरुक्तनों देर न करें। पर कुछ वातोंने परमा औ एसी है। एक-बुलरेका लोडनका करकर हमेरा बरल नाता है। बाहे वेदे शैक-कुचेंक लाकिका लोड़ा हवा करकर कमी-कमी किसी सारातीय कैसीके हिस्तें भी बा बहता है। उसमें कम्मर वूँए पर वह दोती हैं। उसमें ये करका है। उसमें कम्मर वूँए पर वह दोती हैं। उसमें ये करका है। उसमें क्या करका है। उसमें क्या करका है। उसमें क्या क्या क्या कर के सारा वूँए पर वह तो है। किसी सारा की बाय हो एसे व्यवस्त की लोड़ का बाय हो होता है। जिसे सफाई की बायब हो एसे व्यवस्त किसी क्या करकर की बायब हो एसे व्यवस्त की क्या हो। विशेष स्वावस्त हो होता है।

पेसा ही बहुत बार पहलनेके कपडोंक वारेमें भी होता है। भी कपडे एक बैदीने पहले हों ने उस फैरीके कूटनेपर हमेशा कोने नहीं काते। उन्हें निना कोने ही बूधरे कैरियोंको पहुननेछे क्रिय के दिया जाता है। यह बहुत परेशान करनेवाली बात है।

कैंदिमोंको चगहको कमीका विचार न करते हुए बहुत मारी संख्यामें भर दिमा बाता है। जोतानिसवर्गकी जेसमें केवळ २ - केवियोंकी जगार की बार्ट सबस्य ४ ० कीटी रख जाते ने। इसकिए एक कोठरीमें कानुनके अनुसार जितने नेवी रखने चाहिए, कई बार उससे इने केंद्री रखे जाते हैं और कमी-कमी जनके लिए पूरे कम्बख मी नहीं मिक्दे। यह दक्तीफ मामणी नहीं है। सेकिन कुर रहका कार्य है कि समुख्य अपने किसी निर्दाय बोचने जिला बिस स्वितिर्मे वा पड़ता है उसके बनुरूक बीझ ही वन वाता है। भारतीय कैवियोंका भी एसा ही हवा। क्यर बताई हुई बटरुनेवाली कठिलाइबॉमें मी भारतीय केवी मधीमें रहे। सी बालव मुहम्मद न सिन्न स्वयं सारे दिन हुँसते रहते वे बहिक अपने शस्य-विनोवसे सब भारतीय कदियाँको भी इसिंग एक वे थे।

भेजकी एक दुःखद महनाका जल्लेख करता हूँ। एक बार कुछ शास्त्रीय सेवी एक नगह बैठे थे। इतनेमें एक काफिर चन्तरी वहाँ नाया। प्रचने कुछ बास काटने बानेके किए की भाष्यीमोंकी साँग की। वन कुछ देर तक कोई न बोबा धर बी इसास बब्दूब कादिर तनार ना प्याप्त का मान का का कुछ पर एक काइ न वास्त एवं वर्ष हो इसान बहुक काइर वर्षान है। इसे गये। ऐसा होनेपर मी कोई उनके साथ बानेकों न उठा। सबके-एक दारीनारे कहने वर्षे कि वे हुमारे हमान हैं उनकों न के बाबों। ऐसा कहनेसे बुद्धे तुर्धे हुई। एक दो इएएकमें भारा काटने बानेके किए रीयार होना चाहिए वा वह नहीं किया। बौर वस कीमका नाम रखनेके किए इसाम साहब सैयार हुए, तब उनका यह प्रकट कर दिया। वे वास काटनके सिप्द वैवार हुए, यह नी कोई बुसरा सेवार नहीं हुआ। ऐसा करके इसने अपनी निर्करनताका ही परिचय दिया।

(क्यप्र)

[पुन उतीसे] इंडियन श्रोपिनियम, २३-१-१९ ९

१०३ पत्र सेमवारोंके नाम

चौडानिसबय वनवरी २३ १९ ९

सरजनी

सेने बोह्मिरावर्शने क्यापारी थी व मू चाक्कियांके केतवारोंकी बैठकरा विवरले पहा है। में बता बूँ कि मेरी हाक्य बहुत-कुछ भी काश्वियांकी-सी है। सरकारों वो कार्रवाई की है बीर विश्वका हवाला थी काजिस्मान दिया है जनके कारण देश मांच प्रवर्शने पढ़ प्रया

१ सामर 🕅 कार्यांकालः पत्रही एएट हैं। यह अल्लाको सा पत्रहा वस्तिरा औ योगीनो ही वैशर

् भागर का जन्मानाम पराव १००० १ एक जारायक राज्यका प्रायम मा सम्प्रम हा वेदारे दियां वा । है पर्व जनसङ्ग्रेन वह यह जाने केमार्गिक एक नेवा या । वार्य दे भी बाव्यक्रिक केन को बानेसर क्लाडी कहा विदेश मेंसर्जीय स्वेद वार्यवह जुने गये थे ।

् देखिर "बार्यकरांव केनरायेंडी देवती पानी - पुत्र १५८ ।

है। परवाना सेना मेरे किए मुमकिन नहीं। अब सवाध यह है कि मेरे पास जो मान है वयका में बता करें । मेरी बेनदारी कपमा ए. ०० पॉक्की है और मानिसत ४ ००० पॉक्की । भी बाधिक्याफ केनदारीने बपनी बैठकमें जो फतामा किया है और भी क्रमिक्ती को नेने मानमेंचे यूरीपीय क्यामीर्योकी सीमानित कपने की गई बार्रवाहिने जो सबर मिनी है उसकी देवने दूर में बाने केनदारीकी बैठक नहीं बुका एता हूँ जिस्स आपकी सिफ अपनी रिमितिके बारेसे यूचना वेता हूँ। जयर आप बाहें की मुझे बठन बुनानेमें या जापकी बुनाई बैठकमें गरीक होकर साम केनदारीके सामने अपनी दिवति रखनमें मुधी होगी। आप इस सम्बन्ध भीर जो भी जानकारी केना सार्ट्ड कर पिक्की के प्रदेशित ही इस्टिंग बुनाइन्दर रिच्च रह-२५ कोर केन्स्तिमें बिटिश मारतीय संघके बायोक्सो के सम्बन्ध है भीर बनर जार हमी प्रदेशर पन-व्यवहार करें वो में आपका जानार मार्नुसा है

**६०** एम० अस्वात

[संप्रेजीसे]

इंडियन मोपितियन १०-१-१९ ९

१०४ पत्र असवारोंकी

जोहानिसवर्ग जनवरी २३ १९०९

[महोदय]

भी ज मू काश्मियाने आरमत्यानका थी बहुत बड़ा कवय बठाया है उसके किए में नाट्योग संबक्ते एक बनवके मन्त्री और एक व्यावारीकी हैविवतसे उन्हें बचाई रेता हूं। मेर नयानके में बिटिय मार्ट्याय स्थापारियोंके स्थापकों में बिटिय मार्ट्याय स्थापारियोंके स्थापकों मार्था कर मार्थाव स्थापारियोंके स्थापकों मार्थाव है। भी काश्मियाके कार्यपर बननी परस्थारों आहिए करनना सबसे बच्छा तरीका मूले यही कमता है कि में वनके पोष्टे पहुंचे स्थापित करती सुध्या पहुंचे क्षाय स्थापत स्थापत

र अनुसान है कि इस वक्का अस्तिया पोधीओंने तैयार किया था और क्षेत्र है पर अल्लास्टक्षेत्रकास्ट्रास्ट्रे सेना पना ना ।

२. मोद्रानिकर्ग व्यादार-संब ( बोह्रानिकर्ण नैम्बर व्याद्र क्षेत्रये ) वी कर्ण-समितिक कल्पी २२ के मकास्मे ।

व वेजिन अनार रेंड केवी मेंड की अ पूर्व रूपरन्त ।

लागक माना बाता है। इसे उसका समाज जिससे उसका नाता है बहुत परान्त करता है। बहुतक रहानको बात है मुझे विस्तात है कि विन्होंने इस सम्बद्धा प्रमोप किया है जनहोंने ऐसा वरवतानोंने किया है। यह विन्कृत साथ है कि जबर विदिध पारीय स्थापरी स्थापारिक पराने (बाहसेंग्) नहीं केते यो परानांकि विना स्थापर करनके बुनेंगे उनपर मुकदमे चलाया चाना बहुत जिवत होया। सरकार मानती है कि उसका पश्च ठीक है। इसकिए उदे परवामा-सानृतको अवहेकमा करनेवाके व्यापारियोकि साव हर तरहकी कड़ाई करनेका पूरा मनिकार है। तक वह भारतीय वेनवार क्या करे विश्वके पास बहत-सा माक मौनद है जौर जिसे संपती बन्तरारगाका खयाल रखना है। ससके पास इतना नकर स्पमा तो है नहीं कि वह उत्काल करने समी जेनवारींका पावना चुका दे। वह अपने केनवारींका समास किये विना और उनको खनुसति सिथे विना अपना सास नोस्नाम सौ नहीं कर एकता। वह यह भी देखता है कि उसके पास जितनी साक्षियत है वह उसके सेनदारोंका पानना जकानके बिए काफो है। राजनीतिक कारपाँको कोड़ वें तो कपर बताई नई स्वितिमें मेरे बनासर एक देनदारके बिए इसके बकावा बूसरा कोई सम्मानवनक मार्न नहीं हो सकक्षा कि वह मपने सेनदार्रीको अपनी साधै हाक्त बता वे अपने-आपको उनके हाबॉर्से सींप वे और नगर जगरपाला बार्या हार्य हार्य वर्षा व वर्षात्र्य वालावाला व्यव हार्याय दाव स्व इन्हें कि वह उनके कहते मुताबिक ऐसा हर काम करने किए दौरार है विसे वे वरने बानकी दृष्टिये बांक्सोय समझे। वह सिकं बगरी जलरारसाके विपरीत न बायेगा। नेरे इस बामका एक रावनोशिक वर्ष क्याया वायेगा। परन्तु वह बतिवार्य है। इसका सीवा सादा कारन यह है कि वह काम सरकार द्वारा पैशा को गई स्वितिपर बाबारित है। पण्ड में अपनी जोरसे अनुताको निस्तास विका सकता हूँ कि बहाँतक इस करमके राजनीतिक पहकूका सम्बन्ध है मेरे इंडे मुरोपीय बोक्न पेहिनों क्या कार्रवाई कर सक्यों है उसके बचाक किये दिता तकाना है। में इतना ही भाइता हूँ कि मेरे केनदारोंका बचाक हो जाने और मुझे जीर मेरे देवनाशियोंको बपनी इंच्छाके सामने बुकारेके किए सरकारण मुझे वानिक सहार को किया माने किया

भी वैकास हो वावे। [बंधेवीचे]

[मध्याय] इंडियन बौपिनियम ३ –१–१९ ९

### १०५ मेंत: 'रेंब बेली मेल'के प्रतिनिधिको'

[बोधानिसमर्ग अनवरी २५, १९ ९]

उनका [ यो गांचीका ] कहना है कि उन्हें उपनिवेशियों को स्वाय-सावनापर धर्मास धरोदा है और उनका विकास है कि क्यों हो जननिवेशियोंको सब सच्य पूरी सरह द्यात हो कार्यने के एनिवादयोंको "उनके सविकार" है वेंने !

ज्यहों ने बस बातबीसमें बहु। कि मारतीय काकिरोंके धान पूरोपीयोंकी अपेका अपिक जनका और क्रिस्तताका वरताय करते हैं। बहुत-कुछ इसी सबहरी कहें कनका व्यापार मिका है। जरहीं इस बातको एकत बताया कि मारतीय पूरोपीय कुणनवारीस नाल सत्ता वेचते हैं किन्न यह स्वीकार किया कि वे अपने कर्मकारियोंकी मुरोपीय कुणनवारोंकी अपेका कम नैतन हैते हैं।

तोन को यह बोध की है कि बार्यालींने केवीसिंग और पविसर्त्रको पूरोपीय ध्यातारियोंके किए ध्यायरके बयोध्य बना विद्या है इतका उत्तर देरे हुए थी योधीने च्हा कि वैकल्पको राज्य केवीसिंगकका बहुत-कुछ कारोबार विश्वितिका भारतीयींचे कलता है। इचलिए यहाँ नार्यावाँकी दुकारोंका कलना स्वामायिक ही है।

वर्तुंने कहा कि याँव यूरोपीय व्यापारियोंने ऐसा कहा और अदियक वस अस्तियार किया जैसा कहा यया है कि वे अस्तियार करेंगें और यदि क्रुंगेंने भारतीयोंकी देससे निकलकाने के समावते जनकी जायवारोंकी कस्तीकी अभी दी शुरहक भारतीय जीवकर मास्त कका

बायेना और अनामानक प्रतिरोधी बन बायेगा।

क्लामें क्ट्रीने ब्हा : म त्यां बारत तरकारके किए चरवर बननेका प्रयत्न करूँना। वीर तबतक अलुष्ट न हुंगा बनतक बन्निय बाफिकामें पृथ्ववाद व्यापारियोको उनके बनिकार नहीं मिक बाते मा बनतक यह बीपित नहीं कर दिया बाता कि बन्निय साधिका बन विदेश उपनिवेद नहीं है।

[मंगेगीसे]

इंडियन ओपिनियन, १०--१--१९ ९

१ मञ्चान मेनचा विराण १५-१-१९ ९ के वेंडा वेडा शेडाने तह स्वातनको हात स्वातिक्य हुआ चा कि स्वातिक स्

# १०६ पत्र सर चाल्स बूसको'

[जोहानिस्वर्ग] जनवरी २७ १९ ९

प्रिय महोदय

सार ट्रान्डमानने विदिस भारतीयों स्थानकेनी क्यातार वो बनासत करते रहे हैं उनके किए में विदिश मारतीय संघ (विदिक्ष विविध मानीविएकन) की नोरते नाको ममतापूर्वक बमाना केता हूँ। सामाज्यको विधिष्ट स्वर्थाकी स्वृत्यूपिकों मेरे संबर-निराह वेक्सासियोंको बुद्र मोल्याहन मिक्सा है बीर बहु सहात्यूपिक उस स्वृत्य करते हैं कि हम केवन करते मनत प्रयोत होतो है, उनहें बन बेतो है। हम सब सह स्वृत्य करते हैं कि हम केवन करते प्रदेशके किए नहीं सब रहे हैं बीक सामाज्यको नेकनासीके किए यो कब रहे हैं।

> आपका बादि स• मु॰ कास्त्रियां

निष्यम् विदिश्य सारतीय संब

चरचार्स्स पूर्वणी छी एम श्री करूम

[बंग्रेगीसे]

इंडियम जोपिनियम, १-२-१९ ९

१ (१८१६-१९६) हे बॉरिकामें कार्यर, १८९०-१६ १५ लागान और कारान्तीय मंत्रित निकास क्येस दुख्यांकी केवाइ १९ ८में ब्रुट्सावर वित्त में को केवाँस नायत्वर दुख्यांको मिर्च्या नायत्वरीती कारावर एवं प्रतिकार मार्गार्थित की लागान कार्यार्थित केवा एवं में १ ४ लागान १९ व्यक्ति कार्यार्थित केवा एवं में १८ लागान १९ व्यक्ति कार्यार्थित कार्यार्थ्य कार्यार्थित कार्यार्थ्य कार्यार्थित कार्यार्थित कार्यार्थ्य कार्य

# १०७. पत्र शर्डि कर्जनको

[बोहानिसवर्षे] बनवरी २७ १९ ९

धेवामें परसमानतीय खाँडे कवेता बोद्धानिस्कर्णे

महानुभाव

में अराजे इसी २६ सारीब के उस पत्रकी पहुँच सावर स्वीकार करता हूँ जो मेरे पंत्रके तारके बनावर देवा गया है। सार्य बायत मार्यना की यह जो कि सरकार और विस् स्थानका मेरा प्रंत मार्थियिक करता है उसके बीच इस समय दुर्गायसे की संबंध कर रहा है उसके सम्बन्धन बार एक किल्लाक्कर पिक्ना मंत्र करें।

द्वान्त्रपालपायो विटिश यार्यापेलि यायलेमें इतनी विकारणे लेगेले किए मेरा संव महानुमावका बहुत सहसानक्ष्य है। संवकी पुत्र है कि माप यहाँ बहुत कम ठहरेंगे इस बन्द्रसे उन्नो सापके प्रति सम्बान प्रकृत करनेके किए सापकी सेवामें विकटनम्बक मेबनेका

मौद्धात मिच सकेगा।

में जब इस पत्रके लागे इस वस्त जैती हाजत है उसका बहुत संसिध्य विवरण घर जारने वृद्ध हारा प्रकाशित एक पुरिस्तका विवर्त विचित्तका काफी जन्मा सार वे दिया स्था है बीद महामहितको सरकारको उपायिक-अम्मीको मार्फत वी गई जर्जी [को नकस] मेंच रहा है।

्ट्रात्वनामयें इस खास मामकेमें नंगको सहामता करनेके किए प्रमानसामी मूरीपोर्मेको एक समिति नना दो गई है स्थाविए मेंने महानुवासका पत्र यस समितिके जन्मस सी हॉस्केन को दिसा विमा है। मुझे जान्स हमा है कि वै जी बाएको एक पत्र किस पहें है।

अवर महानुवान और ज्यावा जानकारी बाहें तो वैदा संब सदीसे मेजेना।

१ (१८८९-१९९५)- मार्ग्ये बास्तराव और वर्षार कारक १८९९-१९०५ मिनेको सिक्समणी ११९९-१९९४

र, नोर्ड पर्यम्भे विश्वा था "में भोशारिकारीमें नामी मान्या हूँ और मेर पाछ पहा दमा क्या है। मैं नहीं कर वसमा दिन क्या चाँचा पूरा पुत्तार भारत कीचा और कुकारती हम्म कमा कान्या । कान्यित मेरा क्यांक है कि मैं विकानकाले नामीं विश्व प्रदेशा। केवित नाम बातवा वेत पुत्ताराती बाम यह क्यां सामकेश मराव्य पुरा विमास कीचा सामें है किया हो मैं राजीमें क्यांता व्यवस्था कर्यों। "

उपा करना कर्ती है।

४ वह मन्द्र वहीं है बसरे वहने वर्तन्त्रकी वाद-दिजानी भी देखें ।

भ देखिर "शर्मनारणः **अभिकेशना**त्रीयो " शह १७-२८ ।

क्षणि गुरीतीय स्थितिक म्याचकी विस्थिति स् कारतीकी व्यवस्थे इक्षण्यकी स्था पर किल्या था,
 विस्तरी यह नहण प्रकः स्वतः (एको स्थानिक मानीकी भी प्रेम सी भी १ देखिए ग्रिक्टि ११ ।

रव्य

महानुषायकी रुष्धांके अनुसार महानुसाय और संबद्धे वीषका सारी एक-स्मवहार पूरत रक्षा जानेगा।

में इस पत्रको इस भाषाके साथ समान्य कारता हूँ कि महानुवाकके हस्तत्रेपसे इस संबर्गका सबद अन्त होता :

महानुमानका माज्ञाकारी वेतक,

[धंसन्त कायम]

### भारतीय स्थितिका विवरण परम मामनीय कॉर्ड कश्चनकी सेवामें मेंबनेके किए

#### भारतीचीची भौते

न्मोरेको बार्सिक मध्यम स्वानीय सरकार और बिटिस मारखीयोके बीच नीचे किये से सास सरका हैं

- र १९ ७ के पंतियाद कानून २ का एवं किया जाना।
- २ महे-चित्ते नारतीयोंका दनी।

# गौगीके परिमें इछीलें

पहले समानक बारेमें भागतीमोंको बलोक यह है कि बनरक स्थायने प्रियार्थ कार्युरको रत करनेका मादा किया था। यह बादा विकास नहीं बया के किन बनस्पी १९ ८का समझियां होनेके यौन दिन बाद बनरक स्मरूकने अपने रिमार्थक भागत्व में निरास बम्मन कमो नहीं किया गया है यह कहा वा मेंने उनसे यह कहा है कि बनरक सम्में पूर्व में एसा एपियार्थ है बितने पंत्रीयन न कराया हो सनस्क मह कानून एक न किया बारोग बीर किर यह कहा कि बनसक देखनें हरएक भारतीय पंत्रीयन न करा के सबसक मानून रह न किया बारोगा

केकिन इस नारेके सकाबा उपर्युक्त कानून शब्यावहारिक बताया पया है। सर्थेक्न स्थानाकपर्य करते हासके चेठकीय इस स्थाना स्थाने होता है और १९ ८ के कानूनिये तो नारेके सीश-बहुत पूरा करनेके किए सात किया गया वा १९ ७ का एसियार्थ कानून २ परिमार्थ-कपर्य निकासात ही स्था।

अब इस बारेमें कोई शक नहीं किया था सकता कि नास्त्रीय यहाँ समझते में कि स्वैक्कामा पत्रीयन (बॉक्टरें प्रिकट्रेंसन) करत केनेकी सर्वेषर कानुसको रर करनेका मारा किया गया। विशिध बारकोशोंने इस विकारण साम हो स्वेक्स प्रधान कर उपना था। प्रमुख नास्त्रीयोंने नास्त्रीयोंक सम्बन्ध रखनेकों स्वारोतेके हिस्सकों पूरा करनेकी तस्त्रुकतामें अपनेतर्ष नहुत खतरा उनकर नेसा किया नामिक स्वर्णी मनीदे बंधुक्तिमोंकों काम देनेपर मार्गियन कानकर नेसा किया नामिक स्वर्णी मनीदे बंधुक्तिमोंकों काम देनेपर मो स्वर्ण मार्गियन कानोकरमें सो सुपत्र मार्गियन कानोकरमें सो सुपत्र मार्गियन कानोकरमें सो सुपत्र मार्गिय स्वर्णी कान किया प्रधा वा और उसके नाम स्वर्णन स्वर्णीय अस्वर्णय प्रधी वावहरू हम्मला किया प्रधा था।

र देखिल सम्बद्ध देखा प्रदेशका

र. देशिक कला दः पश्चिता द ।

मिन्दं अंयुक्तिमोंडी छाप देवकी बात कभी मुक बापति महीं बनाई पहें। वापति कानुसकी माननायर की पहें की क्योंकि कानुन इस बुठे बारोपपर बाधारित का कि बनविकारी ब्रिटिस मारतिय बड़े पैमानपर संपठित कमसे ट्रामस्वाकमें का रहे हैं।

पट्टे किसे मारतीयिक वर्षके नारेमें हमारी जापीय यह है कि जनरक स्मर्ट्स द्वायवाकके प्रवादा प्रतिकृत्यक अधिनियम (इमिग्रेंट्स चिरिट्ट्रवाय ऐस्ट)की व्यावस्या ऐसी करते हैं विश्वेत क्षेत्रिस्त सिया-मारत बिटिस प्रारतीय निषिद्ध प्रवासी हो जाते हैं और उनपर वह निपेश १९ ७ के एवियाई कानुनव कमाया गया है।

विटिय बारदोसंका कहना यह है कि ऐसा निर्मेष बादीयताको नौंबपर बाधारित होनेस सामारनोय नातिक विकास बाता है जब प्रवासी-प्रतिबन्धक स्विमित्यमपर मंत्रूरी की गई की तब सामान्योप नीतिक विकास जानेका कोई स्पास कहीं वा और किसी भी हाक्सों विटिस मारदीय मानते हैं कि वे ऐसी बातीय निर्मोण्यतको मंत्रूर नहीं कर सकते विससे सी चैत्रास्तिनकों स्वयोगें महासहित समाइन करोड़ी प्रवासनीका समान होता है।

विटिश्व प्रात्तीयोंका कहना है कि विश्वा-वान्यन्त्री बीमवा-आप्त प्राद्धायांकों कानूनमें समान प्रिकार दिया जाये। उसके बाद अवद कानूनपर इस तप्त अपने क्षिप बादे कि विश्वा-वर्धमा तेनपर केंची विश्वा पाये हुए के देन कार्याण [एक वर्षके करने] जमतिवसमें न जा एके वी उनको इसमें कोई बावचि नहीं होगी। कानूनके अपवान ऐसी अस्तानता इस समय कर नेटाक और बास्टु कियामें निक्ती है। बिटिश्व प्राप्तीय इस पुत्रवहको मंतूर करके इसके आपे सुक पूर्व है कि किन उनका कहना है कि अवायके मामकेमें बातीय भेदमाव वाजिब करना मामकेमें बातीय भेदमाव वाजिब करना मामकेमें बातीय भेदमाव वाजिब करना मामकेमें बातीय भेदमाव वाजिब

#### ववाद्यमक प्रतिरोध

र मोनेज केक्सकेट (१८१६-१९१४); कालिरेज-फ्ली १८९५-१९ ३ ।

र विशेष क्षा के एक ८०-१ । ३ विशेष पंचा केमार्लेटी " यह १५१-५७

केरिन बहुत साववानीये जीव करनेपर [कहा वा सकता है कि ] विधिय पारतीय संबर्ध पूरी कार्यकारियी एक प्रकृत, सरमाबहुपर तबतक कायम रहेगी जबतक व्यास नहीं किया जाता।

दारप की हुई चप्तारी अंग्रेगी प्रक्षिको कोठी-शकस (एस॰ एक ४९१६-१७) से।

# १०८ पत्रः हरिसाल गांधीकी

वृजवार जिल्ला २७ १९ ९ ।

चि हरिलास

पुन्हारा पत्र सिका। देवता हूँ कि पुन दुनों हो। पुन्हें वियोगकों पुन सिकाम मा गर्दी इस सम्मन्तों मुखे दुन्हारा गय स्वीकार करना हो बाहिए। किर मी में इरता की देव ही सकता हूँ कि मुन्हें पन्ने वर्तेयक जेव मोगरी पहेती। इस वियम में तुन्हारा दिवार जानना बाहता हूँ। शास-साथ किन मेनो। बान पहता है कहाई कम्मी जिमेनी। इसके बहर बहर होनेके मी मुख बाहार विचार पहता है। सम्मन है नार्ट कर्जन हस्त्रोप करें। दुन्हारी मेरहाजियों में चीनों का बाहर क्या इस्तवान करना चाहिए, यह नी किनमा। वियोग सम्म स्वत्रोगर किनोग।

तुमते "पार्ड देकर परचर केने "को को बात कही है, वह में समझ नहीं सका। वह

तुमने किस सिकसिकेमें किसी है।

धानद तुम्हारे ५ तारीवसे पहणे यहाँ नानेकी अरूरत न हीती।

मोहनवासके आद्योवांद

[पुतरच] मानवठका पाठह्ववा या नहीं?

वांबीबीके स्वाक्टरीमें मूळ मूजराती प्रतिकी फोटो-नक्क (एस एन ९५३३) छ।

र आर्थ करोको र करायी १९ ९ की काम केते हुए विकास मा कि कराव मीमा मेरे लाकाने को सरायीत हुई कामें हुते निरंद महाजीतीने कराया और मामका महान करोका विभाग विकास माम है। हुते कराया है कि हुए मामकेयर मामने कहा के लाकोड कामें सामानकरायार मोर केंग लाकारी सीम किस्तासी होंगे हैं विकास मामकेया है।

क्षेत्रिक् "पत्र: सीमती चैक्कीय प्रांतीको," प्रष्ट १५१-५९ ।

# १०९ पत्र श्रीमती चचतवेन गांधीको

गुस्तार [अनवरी २८ १९ ९]

वि चंचल,

बहुत दिन बार मुम्हारा पत्र मिका। मैं बैताता हूँ तुम्हारा मन कम्पवस्थित है। इसत मुझे हुग्य होता है। फिर भी तुम्हारी बाग्तरिक भावनावींका ही हमेबा जानना पाहता हूँ। म हुन्ती होता इस खबाबाद पुरम्हें बचनी वाचनारों कथी ख्यानी न चाहिए।

तुम रीहरू बाहर हो यह पानती हो जो ठीक नहीं है। में तुन्हें बहु नहीं पुत्री हो समझा है। बाद बहु चमझा तो तुन्हें बण्डी मानता। पुत्री समझा है उत्तीमए तुन्हें बण्डी मानता नहीं चाहना। तुन्होरे सिए जेरे मनमें विकास नहें है यह तुम नहीं समझ वण्डी। नहीं समझ पहनी। नहीं समझ पड़ती। यह में समझा हो। में बीत मण्डिमामको सामक मानता नहीं भारता वैचा है तुन्हें बराने बारेमें की समझा बाहिए। यदि मेंने तुन्ह उत्तुर-सहुका समझा पानता नहीं चार हो। यदि मेंने तुन्ह उत्तुर-सहुका समझा पानता नहीं पान हो। साम के मानता नहीं समझा पहना का तुन्हार मानता नहीं की तुन्हें साम के साम के समझा पहना ता तुन्हार मानता नहीं की तुन्हें साम के साम के

में ऐसा बचाव कर हीं नहीं सकता निरास पुन्हों सकता के स्वाप साजने की स्वाप हुन्हों है । स्वाप्त में सिर्वाणको सवस्वाम के स्वाप साजने वाली दिवाण के स्वप्त साजने की दिवाण के स्वप्त साजने की दिवाण के स्वप्त साजने की सिर्वाण के सुवाण हो हो। साम सिर्वाण के स्वप्त से ती उस से मौजी के स्वप्त की सिर्वाण के स्वप्त हो। है। शाम सिर्वण पालकों की पुक्र हुआ और ही सिर्वण प्रमुख्य के स्वप्त हो। सिर्वण हो सुवाण के स्वप्त की स्वप्त की स्वप्त हो। ही सिर्वण हो। स्वप्त की स्वप्त हो। सुवाण की स्वप्त हो। सुवाण की स्वप्त की स्वप्त की स्वप्त हो। सुवाण की स्वप्त हो। सुवाण की स्वप्त हो। सुवाण की सिर्वण हो। सुवाण की स्वप्त हो। सुवाण की सुवाण कर हो। सुवाण की सुवाण कर हो। सुवाण की सुवाण कर हो। सुवाण की सुवाण कर हो। सुवाण की सुवाण की

हैं। जब तुम समार कोगी और तुम्हें इसकी जारत पड़ वार्षेणी तो यह बात जो हो वासनी। १ व्य रक्ष विक्रो २०-१-१९ ५ को हरियक वर्षिक ताम कित वर्षे शहरा किया जल करता है। का रक्ष वर्षोर्थन संपेत्रित संपेत्र तो वरिक्षक वार्षित वस्त्रमेक कला परवेदी तात कियो थी।

<sup>🌭</sup> चंच्छ्रेनक क्षिप्त भी हरिहास कीटा चौट गांधीशीमें चनिक्र मितरा भी ।

101

इस पत्रको सम्बासकार रखना। इसे बार-बार पहला। यो बात समझमें न मापे बह महास पुछना । तम बीनों ही इसे पहला । इसे सिजनेका हेत राज्यारा करनाण है जिसके किए में बराबर तत्पर हैं। किन्तु मेरे विचारोंको तुम्हें मानना ही चाहिए, यह बाहर नहीं है। मेरी इच्छा यह है कि सूत्र दोनों अपने स्वतन्त्र अससे बड़ों।

मोहनदासके वासीवदि

योबी मी के स्वाखरों में गढ़ बजराती प्रतिकी फोटो-नक्ष्म (एस एन ९५२७) से ।

### ११० पत्र मगनसास गांधीको

[फोनसरस्ट] बसवरी २९ १९ ६

चि सगतवास

तुम्बारा पर मिका। तुम मुझे की-कुछ विश्वेष वातें किसनेवाते हो मेरे वेल पहुँचनेते पहले हो जिस मेनो । नेरी बनानतको अवनि जीवी तारीचको खरन हो जानेगी । नह बनानमें रकता ।

कमस्तीन पंठते मिक्ते रहना। इसमें काम ही है। एसरी बावत-बातवें सिकपर पर्छ निसान । मेरा उत्साह ऐसा है कि ही सकता है, मुझे बिक्क आफिकामें अपने ही बाहर्नेक हाचों मीत भोपनी पढ़े। ऐसा ही तो तन्हें हर्षित होना चाहिए। इससे ब्रिन्ड और मसक्रमान एक ही नार्मेंने । इस बढ़ाईमें वो प्रकारके माग्वरिक संबर्व भी चल रहे हैं । इनमें से एक है हिन्दुनों और मुखलमानोंको संगठित करनेका। उसके विश्व आदिके सन् प्रयत्न करते हैं। रहते हैं। ऐसे महान प्रथलमें किसीको तो सारीरिक बस्तिवान देना ही पहला। वह बस्तिवान में ही दे दो भेरी मान्यदा है, में सीमान्यसानी हुमा और भेरे सावी दवा दूम सब भी प्राप्तात्ववासी होजीते।

मैंने तुन्हें भी सुब्रह्मण्यमधे मेंट करनेके किए किसा बा। वे पादरी हैं। वे मुझे

इस मिलाकर ठीक बादमी जान पढे हैं।

मेरे किए भी प्रमान हो रहा है, यह कौन कर रहा है। यहा क्ये तब किसना। में इस सम्बन्धमें फिलडाल हो किसीको नहीं किर्बाहा।

भोहनदासके नामीनिर

योबीजीके स्वाखरोंमें मुक गुजराती प्रतिकी फोटो-नक्क (एस एक ४९१८) से ।

र नांगीय १६ नगरी, १९ ९ को चीलप्रकारें निरस्तार किने को ने वीर स्वर्म बच्ची बमायदार होतें गो ने । व्यक्ते हरूपोती हत्यार्थ ४ परवरीक बनाव २५ परवरी १९ ९ हो औ वो वोर कर्षे रीम व्यक्तिये क्षमादी गई थी र

२. स्तीम रहीर वेशिकात वंशिका वर्षः वर्गतके पारती ।

# १११ श्री काछलियाका आत्मत्याग

ट्रास्ववासके [विटिश भारतीय] संबका हरएक सम्पन्न सपने पूर्वगामीने क्यादा योग्य सामित द्वादा है इसने प्रकृत होता है कि भारतीय समान बागे यह पहा है। भी काम्रीम्या मेक जा चुने हैं। सब ज्वाने सेनेक्सापूर्वक नपीनी सपनानेका दरसा बाहिर किया है। यो काम्रीस्थाड़ी बाधिक दिसति हतनी सच्छी है कि कोई ऐसा नाहीं नह एकता कि उनसे पास बा है क्या और जन्होंने दिया ही क्या। उन्हें विषये व्यापारमें ] साम्या मुगाक है तो भी वे उसे कोइनेके किए तैयार हो गये हैं। उनके केनबार उन्हें दिवास्थिय बोधित करा चैंने हसको उन्हें परवाह नहीं है। वे हसमें सपना मांन समझने हैं। इसीको हम वहीं कमाहै कह सज्जे हैं। यह सब्बा काम्राविधा नियम कार्यस्थान मांन समझने हैं। वे सपनी देक स्वता बाहते हैं। यह सच्चा बारवाहिक्दान — सच्चा बारदास्थान — है। हम भी काम्रीक्याको वकाई केते हैं।

इस सकार्यको छूठ भगगो पूक हो गई है। भी मरनातने भी काम्रीकराको पीरताका

बतुकरण किया है। उन्हें भी इस बचाई देते हैं।

यह कुनारवारोंकों क्लोटीका अवस्थर जाया है। जुनारवारीके समामें अचान हम कहें नार तिल्ल पुने हैं। उन्होंने गुक्साम साहा है। उनमें से कहें जेल भी पाने हैं। हम हस स्वका समेल स्वस्थ-सम्पन्धर कार्य हो हैं। किन्तु सभी चुनारवारीकों कार्यों क्लोटीका सम्म बान्न बाना है। उन्होंने केरीबालोंकी तयह सारी तक्ष्मीकें एक साथ नहीं उन्हों सब सरका समय बाना है। भी जालिका और भी वस्ताराने क्लोट दिला दिना है। देशना है हुस्ते कुनारवार काम करते हैं। साराव चौनालीस कुनारवारोंने स्थरनी यहाँ केस्य यह कहा है कि दे रचनाने (कास्स्य) नहीं की और स्थरनी हुनानें जन रखेंथे। ची ऐसा करनेंक किए स्थार है उन्हां कर्मम है कि वे सारते बाने और भी कालिकाकों कानको यह पहुँचारों। हमारी संप इनारवारीकें सिर पहेंगी।

सबी मानते हैं कि अपने दिशावित्या होनेशे सी कालकियाओं रूप्यत गई नहीं बस्कि माँ है। केरदार जी यह बातते हैं कि दौष शी कालकियाना नहीं है। सी कालकियाने मनने परकी सोमा दहारे हैं। तब किर दूसरे दुकानसार बरेंगे किसकिया ने नहीं करता दों गीर पीके हटानेशे साहिए। समार्थिक स्वयन आपने कहनेने कर होता है। नहीं।

[गुगपतीके]

इंडियन मीपिनियन, ३ -१-१९ ९

# ११२ अग्रेकी हवा

आवक्त वर स्वरेतीकी मावना प्रवस हो रही है कुछ धाषारण वार्तीको माव रत्तनेकी करूरत है। हम देखते हैं कि वहुत-से मारतीय युवक श्रीड़ी-बहुत बंधेशी पड़नेके बाद मानी मपनी मापाको मूख समें हों या मानो अंध्रजी कोई बड़ी धानवार भाषा है यह बतानेके लिए, बाबबा बाग्य कारणिंछे बड्डी करूरत नहीं है बड्डी भी मंद्रेजी मायाका सपयोग करते हैं। वे एक-तुसरेके साथ बातचीत करते समय बच्छी गुजराती क्षिमी या वर्ष छोड़कर हटी-पूटी बंधेबी बोक्टे हैं। एक-दूरिरेसे पथ-व्यवहार की बंधेबीमें करते हैं। ऐसा करनेवाके मुबक अपनी स्वरेग्रीकी यादनाको विवेशी भाषाने ऐसे कठिन सम्बांका जिल्हें वे मुद्र भी नहीं समझ सकते अभीम करके मकट करते हैं बीर फिर वैसा करके वर्ष अनुसब करते हैं। यह बहुत सामान्य किन्तु बड़ा बोच है। यो कांत्रि अपने वातीय पावकी रक्षा करना चाहती है उसमें बपनी मानाके प्रति प्रेम और अमृत्व तो होना ही शाहिए।

इस बीजरोंका ही उवाहरण के हैं। उनकी श्रनीतिये हमें सरीकार नहीं है। उनमें देखनानित तो मरपूर है। हमें उसीका बनुकरण करना है। क्योंके शासकोने किए जंदेगी मापाकी बहुद करूरद है, फिर भी वे बंपने बच्चोंको स्वातिक क्या विसे वे टाक कहते हैं पड़ाते हैं। इस टाक भागाची पुस्तकें बोड़ी ही हैं। फिर भी वे मानते हैं कि वे करनमें उस मानाकी सनिक्ताकी बना केंग्रे। यह सम्बन है। उनमें इतना बत्साह है इसीडिए ने राज्यका नियन्त्रज नपने हाचोंने के चके हैं।

यहकी भीग अपनी कामा मीजिससे कोजरीं-जिल्ला सो नहीं फिर भी बहुत प्रेम रखते हैं। मह भाषा बोड़े दिन पहले विल्क्षण प्रामील बी। बड़े-बड़े महबी मानते हैं कि जब महदिवाँकी

मीडिवारे सच्चा प्रेम होगा तथी ने राष्ट्र वन सर्वेगे।

फिर, हमारी भरती मानाको हमें मान देता चाहिए। उसको समृद्ध करता भीर

उसमें बहत-सी परवर्षे पहना-किसना हमारा क्वेंब्य है।

इस केंबको नर्न यह नहीं है कि हमें बंग्रेजी नहीं सीचनी है अथवा उसकी परवाह कम करती है। वह भाषा सासकींकी जीर वैथे ही अमजग विश्वकी बापा वन गई है, इसकिए उसे हरएकके किए सीसना नकरी है। काम पहनेपर उसका उचित उपयोग करना बाना चाहिए। बसको जन्मी तरहरे किसता भीर पहना सीबनेकी बरूरत है। परन्तु जिस तरह पुछ युवक करते हैं उस तया करनेते कोई नवें-सिक्षि नहीं होती । कोई कम पहा-किया व्यक्ति बपने बेसे ही कम पढ़े-किसे स्मन्तिको संवेगीमें पत्र किसे तो उत्तमें किसीका कोई काम नहीं । उत्तसे पूरी-पूरी यकतप्रतामी होगी और कराव निश्चनेकी जावत कहेंगी। जन्का नियम तो यह बान पढ़ता है कि विसको पत्र किसें यदि वह अपनित इसारी मातृभावा न जानता हो तो वहाँ बंदेवीका उपयोज किया जाये । हम जंग्रेजी तो सीखें समर जपनी सापा न मुखें । जपनी चापा सीखनेके बाद मंग्रेजी सीखें जबना दोनों यापाएँ शाब-साव सीखें और ऊपरका नियस याद रखें। विनको अपनी भाषाका अभिमान नहीं है और को उसे पूरी तरह नहीं बानते जनमें स्वरेग्नीका संभ्या उत्ताह नहीं हो संकता है। कुमराठी भाषा भारतकी बुक्षी भाषाओंकी तुक्तामें बहुद

दरित बरस्वामें है, और इस बेसते हैं कि स्वध्नीके उत्साहमें मी पुत्ररात सबस पीछ है। मुद्रराती मामाकी उपति करना नुजरातियोंका वर्तस्य है। वसा करनेस इस सब सम्बे भारतीय कर सकेंने।

[मृत्ररातीस] इंडियन बोपिनियन ३०-१-१° ९

# ११३ प्रकींका उदाहरण

तुर्कीनें मसुनकी स्थापना हुई कि संग्रेष तुरस्त शुरू गये। बिटिय सोकसमारे तीन सीसे परावा मन्म्यांने [नुकींकी] चंदाक प्रति संपती गुक्कामनाएँ प्रती है। उपया प्रयान-मनी सी शन्तवपके भी हुलाहार है। कहा बाता है कि वो चंदान हाजिर में उन सभीने हुलाहर किये। वो सोग नुकींने चंदाकी स्वापनाका व्यविकार संप्य कर सके से सीन थं सब इसका विषया अनवारोंने का रहा है। बास्ट्रिया तुरूमि निष्ठा तो तुर्कीने तसवार म्यानमें निकार्क विना और बस्कूकमे गोली बाबे बिना उसे जोरोंका बप्पड़ मारा। पाठकोंको यार हाया कि नुई वानिन वास्त्रिकाके माछका बहिष्कार किया था। यह बहिष्कार बास्टियाके कुछ सक बानपर भी अभी कर समाज नहीं हुआ है। बखनारी बनरोंके बनुसार बारिनवाके सनुमानमें न्य बोडे-में समधमें साम्नियाकी १७ . . वॉडकी शति हुई है। पूर्वीके सनुमानस पट शांति ३ ० ० गीडकी 🚮 है। जब मास-महान बास्ट्रिमास मास सेकर तुर्वीके बन्दरगाहोंमें पहुँचे तब आफ्नियाके राजदूतन साम उत्तरवानक मिए बहुत बौह-पूप की किन्तु तुर्व विवदारियोंन उसको कोई भूनवाई गृही की। बौधा क्षोनेवानीतकने वपनी सजदूरी की परबाह नहीं की। बन्दरगाहमें बास्ट्रियाक मामको उतारतवाका एक मी शुक्र नहीं मिसा। इतार शान्द्रियाची सरकारने नुस्तानको कहा विरोक्पन किया। इससे एक साम समझ गरे कि जास्तिवाकी संसद्धा जानात संगा है और वहिष्पारका चार दुन्ता ही गया। पहल नो बारिन्यास भान राजी केन (तुनी) होती और विवासकाईहा बहिप्कार किया गया। पीछे पर्यो पर्यो भौगों हो यह पता चलता समा कि जास्त्रियाने क्यान्त्या बाल जाता है स्यान्यों के दुसर मालका भी बहिष्कार करते गरे। पैरिसमें युवक तुकी बन्न (यंग दर्क पार्टी) के प्रसिद्ध नेता महत्तर रवा पागाने किनीन पूछा तो उन्होंने कहा हमने बेगक बास्त्र्याका बहिष्कार किया है और वह सभी चान कीया। सारित्याको बुक्ताव द्वीता है, यह देखना हमारा काम मही है। यह दो हमने हान आहा देकर जाना बचान तर किया है। यहना बार आस्ट्रियान किया था सब वह उसका स्वाद पर्ने। अनवारोंका वहना है कि इस मारी वहिष्कारने ही इस्तारत और विज्ञाने बीच सम्पन्नी बानचीन गुरू हुई।

यह लड़ाई बातीय सम्मानने लिए लड़ी गई है और इंस सम्मानकी रसा करनेमें सर्दाक और मनोर जिनीने भी बाने नुक्तालगे सरसाह नहीं की। इनीलिए बाहित्याकी बुक्तार इस बाना नहा। यह उदाहरण ट्रान्सनानके आरनीयोंके लिए बच्छी सरहग हृदयंगत कर सिने योग्य है।

[पूजरातीये] इंडियन मोरिनियम ३ -१-१९ ९

# ११४ मेरा भोलका दूसरा अनुसव [५]

### यर्ग-संकट

# काफिरोंका झमब्रा

चेचमें कुछ काफिर कैंगी सहुत कुर महादिवाले होते हैं। यनमें वनाहै-समझ तो होता ही पहता है। कोठरीमें बन्द किने वानेके बाद वे सायवार्य बनवे पहिंद है बीर ममी-कमी छन्तरीते भी खननेके किए तीनार ही बाते हैं। इस कीवरीते तम्मतिकों से बार पीता भी बार ऐते कीवरीके छात माप्यीम कीवरीको बन्द करनेने बीतम है, वह ती सप्ट हो है। वचार माप्यीम कीवरीकों किए ऐता प्रचंत नहीं सामा केविक सप्टार्ग कान्य बनक वह नहीं होता

#### चेडमें चीमाची

बेकमें बहुत-से कैरियोंको कोई बाध बीमारी नहीं हुई। भी सावजीके विषयमें में कह पूका हूं। भी राष्ट्र प्रास्त्रे एक तिरिक आई ने। छाई कोरीकी देवित हो। पई थी। उनकी तत्रीयत बहुत कमबोर हो वई थी। उसका कारण कमोंने यह नताम है। उन्हें हुए रीज तीछ प्याप्ता जाम गीनेकी बासत की बेकमें लाग न विकास हो। ऐसा हुमा। उन्होंने बाद मांनी की केंद्रिन चाद हो सिक नहीं सकती थी। पर छाई बचा ही गई बोर बोक्से कोक मेंतरारी

र देवीपर "सप्ताद एवं केल्फो" इत्र १०८ ।

६ देवर मध्यक्ष्यः शा ३ वमा १ ।

दो तोड़ दूस और डरबर-रोटो देनेका भी हुनम दिया। उनकी तमीमत दससे फिर ठीक हो गई। भी रिम्डम्म ताक्ष्मेतिस्की तमीमत बन्ततक बराव ही रही। इसी तरह कानी और भी बावनीर बन्ततक मीमार रहे। भी रतनती लोग मासुमित करते ने भीर स्विध्य एक ही बार लाते ने। सुराक मैसी माहिए नसी म निक्षमें कारण ने भूत सह तो केते ने केतिम सन्तर्भे उनके सरीरासर सूत्रन जा गई थी। इसमें सिमा और भी हुई कोनोंको मामुकी मीमारियों हुई।

से फिल सब मिकाकर सनुभव गह रहा कि बीबार भारतीयोंने भी हार नहीं मानी। बेसके किए वे बहु चारा कच्ट उठानेके किए सेमार थे।

### कुछ भव्चमें

बनुभव यह हुआ कि बाहरके करोंकी अपेका गीवरी कारचीं होनेवाले कर ज्यादा हु बदावी थे। हिन्दू-मुद्रतमान तथा रूंक-निषके मेदका आगात कर्मी-क्रमी लेक्से भी निष्क बाता या। चेत्रमें दभी वर्षों और दभी वर्षोंके हिन्दू एक दाय रहते थे। इतने यह बात स्पट ही महि हम स्वराज्य चलानेके कितने जनोध्य हूँ रक्षपि यह भी दमसमें जा गया कि स्वराज्य हुए बका ही नहीं दक्षेत हो। भी नहीं है क्योंकि बैतने इस तरहकी दमी वदक्षे दमान्य हुए बका ही नहीं दक्षेत हो। भी नहीं है क्योंकि बैतने इस तरहकी दमी वदक्षे

#### र भन्तभर्तेही का बादि ।

10

#### बेछ फीन का सकता है।

अरर दिये गये जसहरणोंचे यह स्पाट हो जाता है कि व्यवनी जात-पीठके नकत भेद माननेत्राचा सगझाय, हिन्दु-मुशकामानों कर्ष करनेत्राका और रीजी — ये वह बेल जानके क्षिप्र स्थोप्प माने जाने जाहिए। ऐसे कोन वहां जायेंगे तो व्यावा स्थाय कर नहीं टिक करेंगे। इस प्रकार इस देख सकते हैं कि देश-दिवके किए, सम्मान स्थायकर केल कानेवाले कोगीको साधिर मानसिंक तथा आरितक तीतों वृष्टियोंसे स्वस्य होना जाहिए। रीजी आदमी आदित्य जब जायेगा। हिन्दु-मुखबामानों जोव करनेत्राका में क्षा और हसरा शीचा — ऐसा विजार रचनेत्राका व्यवनमें कीत करनेत्राच वीड़ी या हसरी विजी वस्तुके सीके पागक करा हका सादनी जनतक नहीं कर सकता।

### क्षेक्रमें मैंने क्या पहा !

सवारि छारे दिन केशिको लेकने काम पहला है तो थी मुबह-साम और पिकारके दिन कुछ पत्रनेका समय सिक सकता है। बोर लेकने केहि हुए छी संतर नहीं होती दरकिए पत्रनेका काम साम्य सन्तर किया था सकता है। समय बहुत कम सिकता वा फिर जी मने महान लेकक रिक्तको दो पुरस्के नहाम बोरोके निक्य बादक का कुछ हिस्ता नेरिसाडीका सेवन-करित (युवातीनें) कार्य देकने निक्य (पुत्रचीनें) कार्य देकने निक्य (पुत्रचीनें) कार्य देकने निक्य (पुत्रचीनें) कार्य हिन्दुस्तावि सम्यानिक दुवरी यो पुरस्के पृत्रके सिक्य (पुत्रचीनें दूर्वनेयर सम्यावहके सम्यान मेरिक सम्यान कार्य होने स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्

#### हो प्रकारके विचार

क्यर वौ-कृष किया गया है उसे पढ़कर हमारे मनमें दो प्रकारके विचार उठ चक्छे हैं।

पूक्त पी सह कि जेडमें बाकर जन्मत गोगना गोडी न्यूररों बीर खराब पीवाक पहनता वैद्यानीय बाता उन्तरोंकी कार्ने छहना कािकटीके बीनमें पहना को काम दिया नामें बहु के बान म बने किया नामें बहु के बान माने किया होता होतारी करना बनने पित्र के किया होता होतारी करना बनने परिनेश्व में किया होता होतारी करना करने परिनेशनीय मी किया है। जिस कािकटा किया हो पत्र न किया छना नात्र होता करने परिनेशनीय मी किया हो पत्र कािकटा करने किया होता कािकटा होता किया हो पत्र कार्य कराइ काल करने किया होता कािकटा करने किया होता कािकटा करने किया होता कािकटा होता कािकटा होता है। अपने किया हाि परिनेश होता है। अपने किया होता होता होता होता है। अपने किया हिता होता है। अपने किया होता होता होता है। अपने किया होता होता होता होता है। अपनेशन होता है किया होता है। अपने किया होता है किया होता है। अपने किया होता है। अपने किया होता है। अपने हिता है किया है। अपने हिता है किया है। अपने हिता है किया होता है। अपने हिता है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है। अपने हिता है किया है। अपने हिता है किया है। अपने हिता है किया है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है किया है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है किया है किया है। अपने हिता है किया है किया है किया है किया है किया है। अपने हिता है किया है। अपने हैं किया है किया ह

कुरा विचार को हुआर पत्रमें उठ एकता है, यह है कि में राज्य हिक्क शिर्ण करना प्रमित्त है। प्रमित्त है। प्रमित्त है। प्रमित्त है। प्रमित्त है। एक में प्रमित्त है। एक ऐसी में में प्रमित्त है। एक ऐसी में हिम बनाना पहर्ता है केकिन जेवमें मूझे केरी करता है। हिम बनाना पहर्ता है केकिन जेवमें मूझे किनी बादकी किनता नहीं एहती। यहाँ न मूसे कमानेकी किनता है कीर न दानेकी। लाना दो नियमपूरक हुसरे सीन पराये हैं। मेरे सरोरकी

हिजाबत सरकार करती है। इस समक्रे मिए मुझे कुछ देना नहीं पड़ता: बौर कसरत जुद ही जाने इतना काम मिछता है। मेरे सारे व्यक्त वहाँ बनामाछ ही सूर बाते हैं। मेरा मन मुक्त रहता है। मुझे दिवर-मजन करनेका सहब ही अवसर मिछ बादा है। मेरा धरीर इसरोंके सभीन होता है, सेकिन मेरी बारमा अधिक मुक्त हो बादी है। में नियमके सन्धार स्टब्स और मैठता हूँ। मेरे धरीरकी धार-सँमाक भी ने ही करते हैं जो उसे नियम्बनमें रबते हैं। इस तरह किसी भी वृष्टिसे वैसे वहाँ में मुन्त हैं। कभी-कभी भेरे उसर कप्ट का पड़ता है कोई हुप्ट एन्तरी मुझे मारता-गीटता है केकिन उससे मैं बीरज रखना धीक्षता हूँ बीर यह समझकर कुछ होता हूँ कि यह जनुमन मुखे बीकमें ऐसी बटनाओंकी रोक्तीका प्रमान करनेका अवसर वैता है । ऐसा सीचकर जेसको पवित्र और मुखनायक मानता और बनाता इसारे हावमें है। वोड़ेमें वह तो सुब और पुच तो मनकी वो विभिन्न स्विधियाँ-भर हैं।

में बाया करता हूँ कि चेक-मीचनका मेरा यह दूसरा बनुमन पढ़कर पाठक इसी निश्चमपर बायेंग्रे कि देशके किए सबका बमेंक्षे किए बेंछ बायेंग्रें बेंक-श्रीदनकी तकसीफ

उद्यानीने अवना इसरी तरहते मुसोबत सेक्नोमें ही हमें सुख नानना है।

[प्रयादीये]

इंबियन जोपिनियनः ३०-१-१९ ९

(समाप्त)

# ११५ हान्सवासकी सङ्गाई

ट्रान्स्वासको सक्तर्दै वय पूरा जोर एकड् चुकी है। [विदिध मारदीय] संबंध अध्यक्त बैक गरे। महासिर्वेदि क्रममण कारे नेशा बेकमें विरायमान है। इसरे व्यापारी भी बेकमें है। इस प्रकार बोरोका यह कवन सक्या सिंख द्वीमा कि जो बोग बन्यामी राज्यमें बन्धायके मार्ग सिर मुकाना नहीं चाइनै उनका निवास श्रेकमें होना चाडिए।

इन बारको समा कोई सात दिनको या हुन्ते-दो-हुन्तेकी नहीं है। दियारे बौद्धानिस्वर्गके संबादराताने अबर को है कि बोड़े ही किनोंमें वाकी नेता भी पिरफ्तार कर किये आयेंमे। इस इस धरको धन्तोपनतक मानते हैं। वैसे-तैसे पुना भीयनेका बॉब करके बोड़े ही दिन जेसमें पहनेपर हम चौ-कुछ भौनते हैं वह भिक्त साता तो हम प्राप्त वस्तूको निमा या पथा न हरते। संसारका ऐसा नियम है कि नी नश्तु जिस उपायन मिनती है उसकी दसी दपायसे रना वा संस्ता है। इसका शरमन्त सामारण उत्ताहरण यह दिया बाता है कि धनिन्छे प्राप्त राज्य पश्चिम् ही निमाया था सक्ता है। इसी नियमके अनुसार कुछ सहकारी स्वेच्छावारी और मातुनमा बंदेन यह मानते हैं कि तकवारके बचने किया हवा भारत प्रकारके बढ़ने ही रूना वा संक्रता है। वह मान्यता भूक-मरी है, वह सहन ही लिसाई पड़ भावा है। यहाँ वो हमने अगर को नियम बताया उसको स्पष्ट करनेके किए ही यह जराहरण दिवा है। इसकिए इस सम्बन्धमें ज्यादा कहनेके बजाब इस इतना ही कहेंगे कि

र नर्भ भेगीजीको २५ करण्डीको तीन बालको देशवी तथा दी वर्ष वी ।

जारजनो तमनार के बच्चे गहीं बहिन हमारी आपसी कूटने कारण हमारी ही स्रक्षिण काम उठाकर कीता यना है। इसकिए क्रमरके मिस्सकों कानुसार तो हमारी कूटने कामर स्वकर बीर हमारी ही स्वक्षिण क्रमरके मिस्सकों कानुसार तो हमारी कुटने कामर स्वकर बीर हमारी ही स्वित्व का उपयोग हमारे दिवस करके माराजने कन्यों रखा का सकता है। स्व इस्टिस बाले सीक्षणों के स्व क्षार है कि मीर हम माराजन हिन्दू बीर मुख्यमान संबंदित हो बार्स बीर सपने दैवसासियों को ही कुपक्रमें स्कार कर में विकास स्व किया है। स्व कीता कामर क्षार कर में किया है। स्व कीता कामर क्षार कामर का स्व कीता कामर का स्व कीता है। साम माराजने कामर क्षार कामर का स्व कीता है। साम माराजने कामर का स्व कामर का स्व कीता है। हम माराजने साम माराजने साम करते हैं। हम भाराजने साम माराजने साम करते

स्—ाक्ष्यु नह दूसरा निर्मिश बीर लानांकी स्वतान्व सम्मिति । हाक्स मी लियोंकी सम्मिति तो है । हम आराकों नात मही ब्यंस करते हैं। हम अरास्त्र वे क्षेत्रक द्वारावाककी कहा हिंदी किए सार मिक्सक केना माहते हैं। तो हमने दे बेनाक द्वारावाककी कहा हिंदी किए सार मिक्सक केना माहते हैं। तो हमने देवा कि हम बिस्त कराये के वानां यांच सरकारते मंजूर कराते हैं असी जाताने उस मीगकों मंजूरीका लाग यो जल करते हैं। यह बात ठीक हो तो यह निहित्तत ही सार कि स्वतादकी करायां वावकान नहीं होना वाहिए : उसके क्ष्मर की हो नात कि स्वतादकी करायां का विकास केन्द्रकार की हो तो हमें होना वाहिए । इस विचारके कनुकार विद हमार पूर विदेश सामानाता वाहिए ।

बच नविष्यमें पूरी ठरहरे काम भागेगा।

[गुजरातीये]

इंडियन मोपिनियन ६--२-१९ ९

# ११६ भी काछिलियाका विशेष सास्मस्याय

हम देख चुंगे हैं भी कांकियाने समावके किए भान-गरी गरीवी स्वीकार की है। मब वे वौद्यानियनों नेक्से तीन साहका कहा कारावास मुख्य रहे हैं। उनके साथ स्वापारियों में से सो सामय मुखाबी तथा भी मीमी भी हैं। भी कांकियानों भी कांम किया है उसपर सारे प्राच्योत समावकों मोर कांकिय मुख्यमान माहबाँकी गई होना चाहिए। भी कांकियाकों वह बीर कुछ बास करनेकों नहीं रहा। वे दूसरी बार हैंस्से-संस्के चेक पसे हैं। बिस समावसे ऐसे केंस मोनूस हैं वह कमी पीछे नहीं हट सकता। ऐसे कोय बो-बार ही हों तो भी वे सारे समावसा नेका पार कमा स्वस्त्र हैं।

हमें बाधा है कि बूचरे चैकड़ों बाखीन भी कार्कक्रमां उरम्बन उदाहरकत बनुसान करिंग। ऐते बादतील मेहे-मेठे हुन्च उठाठे बाहे हैं बैठे-मेठे समावक क्रियाला मीक बहुत बादा है। यह बात हरएक मारतीयको ध्यानमें स्वानी है। भी कार्कक्रमा तथा उनके सावो केसमें दुई मीर कुटर मारतीय पोले हुट बार्मे वो इच्छे थी कार्कमाको तिन्या नहीं

होगी समाजको मानहानि होगी।

तिमल कोगोंने तो हुए ही कर वी है। उनके खारे मुक्स व्यक्ति इस समय जेकर्से बा बैठे हैं। इस बारका काराबास विर्फ सात विकास नहीं सीन माइका है नह सावा नहीं सकते हैं। ऐसे काराबायका अग्र रहे बिना को भारतीय वेक पने हैं उनकी नहातुरीका भार नहीं हैं। बेकफी निवाद पूरी होनेके पहले उन्हें कुछ लेना बाहर रहनेवाके भारतीयिक हाममें हैं। यह कैसे किया का सकता है तो हम अपनी बौहानिस्वयकी विद्तीमें बच्ची तरह बता चुके हैं।

[मुजरातीसे] इंडियन जोपिनियत ६--२-१९ ९

### ११७ सम्मेसन

छारै वधिल बाफिकाका एक एक्य बनानेके खंदेश्यरे वावोधित सम्मध्यको रिपोर्ट मकाधित हो नहें है। उसमें वस भाग और १९३ बारएएँ हैं। यह रिपोर्ट ने मार्चको वधिल बाफिकाकी वारों संस्कृति के ला बार्यमी। यदि उसे गंजूर कर किया प्रधा दो सरोक्त किए महै महोनेमें अनुस्कृतिकों एक बीर व्यक्ति के लिए महै महोनेमें अनुस्कृतिकों एक बीर व्यक्ति के लिए से प्रधान के प्रकृतिक के लिए के बीर व्यक्ति के लिए प्राप्त के स्वीक का बाफिकाकी संस्कृति परित्र के एक स्वीक का बाफिकाकी नहीं संस्कृति के हमें मिल के स्वीक का संस्कृति का स्वीक स्वाप्त के स्व

र. ऐक्ट "मी प्राथमिक्ट प्राथमध्य प्राप्त १४० ।

गहीं है। बाजबता उनके इस कार्यके फलस्थकप दूबरे लोगोंपर बाग्यास तो नहीं होता गह जनग सवाल है। इस सम्मेलनने तो इतना ही सिद्ध किया है कि लोग परि बुरे कामने बिए भी दबद्ठे होकर बाग्योलन करें, तो उनहें दूख सफलता मिल ही बाती है।

स्य सम्मेलनके प्रस्तवस्य [स्म्यूर्ण] दक्षिण आधिकाके तिय एक संसद और एक उपन स्थायाक्ययी स्वापना होगी। संवदने मायहत गीनूदा यपनिवेशोंमें से प्रत्येक उपनिवेगके किए एक परिपद होगी। यह परिपद साधारण कानूनीकी स्वाग कर समेगी। पूरी और रेक्केश महत्त्रमा [सारे बेगके किए] एक ही होगा। प्रिटोशिया वस संव-एम्पकी पाननाते होगी। वेतिन संवद्या समिवेशन केप टाउनमें होगा। स्वा उच्च स्थायाक्य स्पृक्षितिनों रहेगा। स्वीत साधिकाका एक गण्यतेर बनरफ होगा। संवदके यो बदन होंगे सीनेट और सक्षेत्रस्ति। सीनेटर्ग सदस्य होंगे। एकर्म ते साधको सरकार मायबद करेगी। बाकी सदस्य प्राप्ते हारा पूने वार्येगे। स्वोध्यक्षीमें १२१ वस्य होंगे दनमें वैपके ५१ नेटाकके १७ हान्यवाकके १६ सीर सर्वेद की स्टेटके १७ होंगे।

इस संबक्त परिवास भारतीयों और दूसरे काले कोयंकि किए सर्वकर होया। काले कोमोंको कहीं भी सवस्थिकार नहीं होगा और इस रिरोर्टमें यह रिक्सरिस की यह है कि कर प्रतन्ते वाहें को भी सवस्थिकार मार्थ है वह वक्ते कीन किया बाये। कि कु सात्रामें वाहें को भी सवस्थिकार प्राप्त है वह वक्ते कीन किया बाये। कि कु सात्रामें वाहें के प्रतिकार ते एक मार्यकी-धे बात है। यहां हो बहुं के बहें होनेकों भी ववह नहीं दो वा रही है वहीं सक्ताम को रितृक्त करने के सि वा रही है वहीं सक्ताम का स्थाप को स्थाप को स्थाप की स्थाप के स्थाप के स्थाप का स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप का स्थाप के स्य

विभिन्न प्रान्तोंमें को भी कानून जान है वे सब कायम खूँके। धानी जार्रेक रिवर काकोनी ट्रान्तवाल जाविमें हमारे लिकार विश्वते भी कानून है के सब क्यों-के-रवीं खूँके। हुने एक प्रान्तसे हुसरे प्रान्तों चानेका जीवकार मही होगा इसके सिवा गई पहन्कों हुसरे कानून कानोकी सत्ता भी होगी। इसका सतीवा यह होना कि विभिन्न खनिवेसों या प्रार्थोंने बाव को कोरसे-कोर कानून हैं दूसरी बमाहोंने भी वैसे ही कानून बनामे वायरे।

समोकनकी रिपोर्टेश यह स्पष्ट हो जाता है कि उससे ग्राम्यपालमें मारतीयॉका प्रस्त हुक नहीं हुना है। जीत विश्व नारतीय हाचपर-हुग्य नरकर हैंठे रहे तो सारे विश्व नारिकामें मारतीयॉकी हालत कराव हो लागेयी। हरएक नारतीय को वो दिसन मास्तिकामें मुमानदी तरह नहीं रह्मा चाहुता नह बात कच्छी तरह स्वास केनी पाहिए सोर वह वह पुलस्ताकत हो तो उसे मपना सिर हमेडीपर स्वकर कहारोंनें वानिक हो बाना पाहिए। यदि बहु ट्राम्सवास्त्रे बाहरका हो तो उसे ट्राम्सवासके भारतीयोंको क्यावासे-क्यादा प्रोत्साहन बौर सहायता वेगी चाहिए।

[ मुजरातीसे ]

इंडियन औषिनियम १३-२-१९०९

# ११८ हारे हुए लोगेंकि लिए

पिषसद्भा और क्वाक्संबाँगें हार गये। बूसरे सहरों में भी भारतीय हारे हुए बान पहले हैं। फिर, पिषसद्भाने सी जबकारों में सार भेना गया है कि को पिषसद्भाने सी जबकारों में सार भेना गया है कि को पिषसद्भान हुट मजबूठ ना बहु स्क गया दर्शक्य पूर्वर सहर तो शुक्रें ही और जब सरपाद नहीं पतेगा। को हार गये हैं उनका कुछ कर्तम्य है। हम उनको उसका ध्यान रिकाना चाहते हैं। वे पानते हैं कि कमारे सो करने योग्य ही है। उनके कप्य सहन नहीं हुए, स्वविद्य स्कू माने स्व प्रमार को निर्दे हैं उनके मनमें पूर्वर्षकों निर्माण कार्य हमारी अन्यारी स्व प्रमार के मी सिर है उनके मनमें पूर्वर्षकों कार्य हमारी कमारे हैं किन्तु को होरे नहीं है हम उनकी बीटा साथके हैं। एवं माने विदान सम्मव होगा उसना वक सेरी। वे इतना सो कर ही सक्ष्य है। यो माने विदान सम्मव होगा उसना वक्ष सेरी। वे इतना सो कर ही सक्ष्य है। सेरा माने विदान सम्मव होगा उसना वक्ष सेरी। वे इतना सो कर ही सक्ष्य है। एवं मान करने सेरा समार उनकी निर्मकता साथकों कर ही सक्ष्य है। स्व साथ स्व माना कार्य सेरा पर स्व स्व साथ स्व माना कार्य स्व स्व साथ स्व माना कार्य सेरा स्व स्व साथ स्व माना कार्य है। है। हम हार समे मार यह मही पाहते कि दूपरे मी साथ साथों कि कार्य साथ मारे है। हार हार समे मार यह मही पाहते कि दूपरे मी हार कारों।

है ऐसा न करेंग तो स्वतं लड़ाई कुछ जन्म नहीं हो बायेगी। कहाई बलेगी। किन्तु है [हारा] निरोण करेंगे तो बहु कम्मी लिपेगी। वे जपने हार बानेको कनजोरी मान केंगे तो जर्म यह होमा कि उन्होंने उतनी शहर की। उत हुए तक कहाईकी जर्मी भी कम हो बायेगी।

इनके बताबा बाँद उनका जेक बानेका विकार हैं। दो वे जा उकते हैं। इस्कॉर्स बन देव प्रेमणी मावना कोर्गोकी नम-नवर्षे बाँक नहीं भी उब जो कहाईसे मान नहीं केते थे वे भी उपका निरोप नहीं करते थे। वे जयनी बुक्तना स्तीकार करके उपने जबन रहते हैं। इस्ती तरहते बहुत उद्यापना दिया करते थे। वैचा ही हारे हुए भारतीय भी कर उकते हैं। इन विचारपार उन्हें कान देना चाहिए। उनका वर्षका तो यह वा कि वे भी बाजर मृहस्मद बादिक नाम स्वारण करके मत्वसूच करे राहते। वैदार नहीं हुबा है यो बाद इसने इस एरटोरे कि नरहीं बाद क्यान करन नहीं जबन यो नाई बाता है। उनके वन्नार के क्या कर सुक्ते हैं।

[पुरुषतीसे [

इंडियन मोनिनियन १६-२-१९ ९

### ११९ भी रविरियाकी अपील

किसीको करता ही नहीं है। [गुबदारीये]

इंडियन बोपिनियन १३-२-१९ ९

### १२० डंकनके विचार

भी पैट्रिक डॅकन स्ववायन सिक्नीवें पहुँके ट्रान्यवस्को उपनिवेश-सचित्र में । कर्नूनि समी हातके सम्मेकनमें कास हिस्सा किया था। स्टेट वशित्र वाधिकाकी एक महस्तपूर्व प्राधिक परिका है। उसमें बहुत बड़े कीए ही भिष्यते हैं। तसके संस्तक करोड़पति धोरे हैं।

इस मासिक पत्रिकामें थी बंकनने एपियगई प्रशन्के उपसन्त्रमें एक केल किला है। यह बहुत गम्त्रीर और पढ़ने लायठ है। इसके निरिष्टा जसका केसक स्वयं दश्या प्रमाजमानी

व्यक्ति है कि उसमें भारतीयोंकी मौगोंकी स्वीहत करानेकी सामर्घ्य है।

वो कोग बंधेबी जातरे हैं वे इस केबाको बंधेबीमें पह लें। हुमारे पत्रमें पपना तर्जुना छापने समयक जगह नहीं है। उसे कारनेकी जरूरत भी नहीं है। उसका एक वहा दिस्सा ऐतिहासिक है, जिसे सब भारतीय जानते हैं।

<sup>।</sup> मामक्षी परची कुरसमि किर देखिए "चीरानितरमैदी फिसी" पुत्र ४ ।

क्षेत्रचर्ने ब्यान देने योच्य बात यह है कि संसर्गे हुमारी माँगको उनित माना यदा है। यह भी बताया यथा है कि जनरक स्मद्धने कानुनको रद करनेका दिवार किया था। सरकारपर सत्पाद्यका बनाव बहुत विक पहा है इस बातका भी उस्थेल है। संक्षेपमें उस केवारे यह बाद निरिवत कमसे पिछ हो बादी है कि सरकारको सत्यापहुँकी समितके सम्मुख शुक्रमा ही पहेगा। यह सब महत्त्वपूर्ण है। किन्तु सबसे अबिक महत्त्वपूर्ण बात तो मह बताई गई है कि बरवक सरकारके न शुक्रनेका कारण नमा है। फिर, मी उन्नन साफ-साफ वताते हैं कि सिक्षित भारतीयों [के प्रवेदा] का प्रत्न बहुत गम्मीर है। मुक्य प्रश्न यह है कि दनको कानूनमें मोर्रोफे समान प्रवेशको कुट वी बावे या नहीं। यह कैरी सी बा सकरी है? सी संबन करते हैं कि यदि तकिन बादिकामें मुक्यत औरॉको ही बाबाद करना है तो बहु फूट नहीं दी का सकती। इसके सिवा श्री वकन कहते हैं कि यह प्रदन ट्रान्सवासका ही नहीं बस्कि पूरे दिनय बाकिकाका है। यह समझकर ही शाझान्य-सरकारने प्रवासी कानुनको मनर किया है। इसी बयाकरे सब नोरे कहते हैं और बमीतफ कर खे हैं। यदि दास्तवासके भारतीय कराई छोड़ वें तो केप नेटाल और रोडेबियामें वही कार्नुन वन वायेगा। यदि टान्स बाक्के भारतीय कहाई बनाते खेंबे तो पूरे वाकिकार्में बैसा कानून नहीं बन सकेता। सी बंकनने इन विचारीको बहुत विस्तारचे व्यक्त किया है। इससे वह बनुसान होता है कि

सम्मेक्नका निर्मय होनेपर ही आरळीय प्रस्तका समाधान हीया। किन्तु इससे पहले तो यह आवान भूनाई वेती है कि सत्पामहका जान्योकन दिवार यसा है। यदि सत्पापह ही नहीं चलता तो फिर इमें सम्मेकनचे नवा? सम्मेकन कुछ भी क्मों न करें, किन्तु सहाई बन्द न होगी। सब भारतीय दो वर्ष वक बड़े। उन्होंने बहाईका स्नाद चवा। उसकी कुछ विसेवता उन्होंने वेबी। सम्मव है, जब वे कहाईको क्रोड़ हैं किन्तु राषि चन्ना उचना कुछ गणवारा उन्हार चना उन्हार हु अचन चनुरहार छाड़ र हिन्तु सहुदन्ये भारतीयिक कहार कोड़ बेरोड़े यो बहार्ड प्लू कहा है उक्टी। बहु तो तदतक बढ़ती 'यूंगी बनतक एक भी कहनेबाका होगा। किन्तु को बारतीय बगीतक हुके नहीं हैं, उनका स्मान भी संकाम रहा केवकी बोर खींचना हुगारा कर्तका है, बीर वर्ग्हें भी संकाफे सामोज म्यानमें रखते इए कहाई बारी रखनी है। [मुक्यतीथे]

इंडियन जीपिनियन, १६-२-१९ ९

# १२१ भी वाउव मुहम्मवकी बेशसेवा

भी बाउद मुहुम्मद क्रममन पकी छन्नमें कीमकी नेनीकी छेना कर रहे है। वे बेसके भयको जीत चुक है। उन्हें निर्वाधित किया जाता है तो उसका सी भय नहीं मानते। बहुत-से भोगोंसे उन्होंने हेंस्स-हेंससे यह कहा है "सरकार मुझे सीमान्तपर बहाँ चाहे बहाँ छोड़े। " बिसन अधिकाके भारतीयोंके किए अब बार-बार बेख बाना और पैसे-टरेकी परनाह न करना कोई बनोबी बात नहीं है। भी शायवजीकी जिनसे सत्याग्रहका दूधरा दौर चूक हमा मृत्यवान सेवाओंके सम्बन्धमें इस यहके ही किस चके है। दारा बेकमें बीर क्या बाहर, वे चुरचार बरशा काम करते ही बाठे हैं। परस्तु इस बार हमें मी बाउद मुहम्मदकी सेवाजोंके सम्बन्धमें विस्तं संपत्ते किसता है। मनुष्यके कामका मुस्य को प्रकारसे बाँका जा सकता है। एक तो उस कामके मुख महत्त्वकी ब्रिटिसे बीट इसरे उसके परिकामकी विधित्ते — वर्षात् वृत्तरे मनुष्यपर उस कामका क्या असर होना ससकी तुक्रमा करके। इस परिनामी मृत्यकी दृष्टिये भी बाउव मुहम्मवकी सेवाओंको कोई नहीं पा सकता। बात इतनी ही नहीं है कि भी चाउर मुहम्मर मेठाक भारतीय कांग्रेसके बच्चल हैं। वे दक्षिण बाफिकाके बहुत ही पूराने निवासी भी है। जनकी समझ्यारीका मुकाबका कर सकें ऐसे बहुत कम मारतीय वसिन बाफिकामें होंगे। वे ऐसे होसियार है कि यदि वे अंग्रेबी पढ़े-किसे होते तो बाब किसी वहे परका उपभोग करते होते। धनको कांग्य-शनित इतनी बच्छी है कि उससे बहत-से क्रोप सहज ही प्रभावित हो जाते हैं। बन्होंने बहुत बनमब प्राप्त किया है। सन्होंने सैकडी क्यये कोर्गोर्ने क्याये है। जपनी नाणी अवशा बनछे उन्होंने अनेक कीर्योका पपकार किया है। के कर पनके मससमान है और सुर्च्या कोगोंमें उनकी मधिका बहुत अधिक है। इन कारनोसे काके कामका परिकासी महत्व बहुत बढ़ा हो गया है। हम नहीं मानते कि पश्चिम बारिकाका कोई भी जारदीय भी बाज्य मुहम्मदको बेक्सें रहने देकर अपने-वापको सूची मान सकता है। बनके बेसमें एतनेबे सहाईको समातार बाधै रसना भारतीय समावका कर्तमा हो गया है। इससे पाठक समझ सकते हैं कि भी बाजब गुहुम्मरका काम बहुत बड़ा है, और हम जाता करते 🛊 कि प्रत्येक भारतीय ऐसाही समझकर यवाशनित प्रयत्न करेना और सवाहीं महद देवा। यदि ऐसा किया कार्य तो हम समझते हैं कि की बाउब मुहम्मद और उनके सावियोंको जेकमें क्याफित छ मास भी नहीं बिलाने पहेंचे। और यदि बिलाने भी पहें और उसके बाद फिरसे खेल जाना पढे तो उससे भी नवा होता है । उससे छनकी कीर्ति और अधिक स्थामी होयी और हम कोरोंकी को जेलके बाहर है, अपकीति होती। कीन भारतीय जेलके बाहर रहकर सपकीर्तिका पात्र होना चाहता है?

[मुखराठीचे] इंडियन मौथिनियन १३-२-१९ ९

# १२२ रोडेशियाकी जीत

हम इस बंकमें यह बावर वे रहे हैं कि रोशेषियामें ट्राम्यवाहके बंगका को कामून बनाया गया वा उसे स्मीहरित महीं वी गई है। इस कामूनका वस्त्रीहत होना कोई छोटी बात नहीं है। हमें पाठकीको स्मरण करा केना बाहिए कि इस निवेदकके विवद्ध को कर्यों हो गई की उसमें कामून पास कर दिये वानेपर शास्त्रीय उसे स्त्रीहरून न करीं इस वायवच्या प्रस्ताय बा। गमी समस सकते हैं कि इस कामूनके बस्त्रीहरून होनेका मुख्य कारण ट्राम्यवाबकी सहारे है। मास्त्रीयांकी नई प्रस्तिके विटिश सरकारको बहुत सबेत होकर काम करना पढ़ता है। हम मासा करते हैं कि मास्त्रीय इस प्रकार प्राप्त की हुई बस्तिकी एकरम को नहीं वेंगे।

[गुबचडीचै ]

इंक्रियन ओपिनियम १३--२--१९ ९

# १२३ ड्रान्सवाससे बाहरके भारतीयोंका कर्तव्य

बात पहता है दुन्धवाककी कहाई कम्बी चलेगी। वहीं प्रकार यह मी कनात है कि वब वह कमाईने मान केनेकांट मारतीय बहुत कम पूरि। उनकी मदद करना दुन्धवाकों बाहु कि नायतीयों को दूर करना दुन्धवाकों वाहु कि नायतीयों को दूर करना दुन्धवाकों वाहु कि नायतीयों को दुन्धवाकों के सारतीयों को दुन्धि कर के उनमें प्रत्याव प्राचकर के मरद कर एक्ट है। इससे हो बहु देश प्रकार किए उनें। इसरे यह कि जनकी समावों और अनके मरदावियों साइक-वर्ग यह सम्मीमा कि कमाईकी गांत रक्षेप्र दुन्ध कर प्राचीवाकी सहमति है। मरदावियों साइक-वर्ग वाह सम्मीमा कि कमाईकी गांत रक्षेप्र दुन्ध मारतीयों की स्वमाव करना कर दुन्ध का स्वमाव करना है। यह नहीं कहा वा सकता कि दुन्धवाकों कर रुप्ये की किस्तावीयों के समावीयों ते सहस्य वा सकता कि दुन्धवाकों कर रुप्ये की किस्तावीयों के समावीयों ते सहस्य वा सकता के स्वमाव काम समित क्षेप्र क्षेप्र की वालियों कर प्रवास के स्वमाव के स्वमाव की स्वमाव की स्वमाव काम स्वमाव के स्वमाव की स्वमाव की स्वमाव की स्वमाव काम स्वमाव में स्वमाव की स

[गुजराठीसे]

इंडियन बौपिनियम १६-२-१९०९

इस पत्रके पाठक हुमारे इस सप्ताहुके स्तम्भोसि वेलेंने कि शरकारने जब उन सन्पा त्रहिनोंको एक-एक करके पकवना चुरू कर दिया है जो श्रामितशाली विश्वस्त जीर सच्चे सिड हो चुके हैं। इस सम्बन्धमें हमारा खयाक है कि सरकार सभी बलोंकी बोरसे बचाईकी पान है। जिस पठिसे सरकार वह रही है सससे हम जल्दी ही यदि सबको नहीं तो अधिकतर, सरवाप्रक्रियोंको जेसमें पार्येथे। इस सुटेंसे सन्नोंको जसय कर सर्केने और सरकार स्वयं रेड केगी और उपनिवेशको भी विका देगी कि सच्चे सत्याप्रहिमोंका उपनिवेशमें एशियाइमोंकी बाइसे कोई सम्बन्ध नहीं है। वे भोकामहीको बढ़ावा देनेसे काई सरोजार नहीं रखते। जिस बातकी वे परवाह करते हैं और जिसके किए वे कड़ रहे हैं, वह है उस समावकी नेकनामी जिसके वे सवस्य है और यदि सरकारको ऐसे कोवॉको उनके जीवन-धर जेवमें रक्षमा अनुकूल पड़ता है तो यह सरवापहियोंको जी बहुत अनुकूछ पड़ेवा। वेडोंसें दहनेपर सी जनके हार्थोंने समावका सम्मान सुरक्षित खेवा। सनकी पवित्र सपवका पासन हो पानेगा। वे विष धर्मको मानते हैं उसका पासन कर सकेंगे। इससे अधिककी मनुष्यसे आधा नही की या सकती। फिर, सरकार काहे तो इस शातके लिए लपने-लापको सावासी वे सकती है कि उसने सत्याप्रहियोंको ऐसी स्वितिमें का रचा है कि ने कोई हानि पहुँचा ही नहीं सकते। केकिन तब ससार बालोकनकी वानिकताको देख सकेवा सो मी सस रूपमें विस रूपमें बत्बचा नहीं देखा वा सकता।

सत्यावहिनोंने सम्बन्धियों पराजय-वैद्या सम्बन्ध है ही नहीं। इसका सीमा-सामा कारण नह है कि इत्यावहर्ने पास्त्रिक वक्की परीक्षा नहीं होती। पास्त्रिक वक्की परीक्षामें एकको से

व्यवस्य द्वार माननी पड़ती है।

[बंधेचीछे] इंडियन कोचिनियन २०-२-१९ ९

### १२५ संविधान

१ ब्राप्तद देशक लोक सुनितन ।

हालंकि हुए समयमं केएका प्रतिनिधित्व वह जावेगा परण्यु वह केवल यूरोगीय जावारीकी वृद्धिक जायात्वर ही बनेगा। रमजार सीमीकी उगला किर की मार्ट है। बीर है मेर के प्रतिनिधियांकी वो संबंध कहेगी वह हुए ममय बाद रमी वामात्वर वह जयन कर जानिकीपित सरसंभी मंद्धा बहुनेस स्वतृत्व हैं। जायगी। एन तरह केपका साम साम न रह वायेगा। भी निरिस्तनन सीविधानको दीका करते हुए जब यह जायह किया सा कि उत्पार विचार भी निरिस्तनन सीविधानको दीका करते हुए जब यह जायह किया सा कि उत्पार विचार करते बनन दुन्यविक केप तरह करते बनन दुन्यविक केप तरह बनार किया वारे तर के बनु जन्म विकार केप किया करते वह अपने क्षा है। समान है कि उनकी बाद न मंगिर साम है। समान है कि उनकी बाद न मंगिर साम है। हिंदी है। स्थाप्त करते हैं वा स्विध-मंगिरिज-पाप्ती सीवना स्वत बाह दिनानी ही उराहरीय हो हम तो यही चाहनी कि सामान्यकी हनना मुक्यान पहुँचाकर वह पूर्ण करते हैं वास जानिकत वक्त वक्त दक्त प्राप्ती वह बामही भीति सी त्या कार्य करते हैं वास कार्य करते वह समझी भीति सी त्या कार्य करते हैं वास कार्य करते हैं।

[बंदेबीमें]

इंडियन जीविनियन २०-२-१९ ९

### १२६ पारसियोंकी बहाबुरी

इस तमित समाजकी बहाबुरीके सम्बन्धमें किया चुके हैं। भी चट्टियार जल पहुँच सबे। इस सबब बहुत-ने तिविक जेवार्व है, जर्बात् तिविक समाजने अपना तेव अवीतक मन्द नहीं होने रिया है। ब्रिटोरिया [मिनिति] के अध्यक्त की पिल्लेको भी छ महीनेकी गता मिली है। वैसी बहाइरी दामिल कोमांने दिलाई है बैसी ही बहाइरी पारनियाँने भी न्याई है। सह हो दैश्वरको अद्रम्त महिमा है कि पारिवर्षेकी आवादी संगार भरमें एक माराने क्यादा महीं है फिर भी यह समात्र अपने पूछ उरुपात सुचेकि कारण चेंनारमें प्रतिप्रित है। यह कहा जा चीना है कि सन्त सबीमें भारतमें वही नमात राज्य चनाता है। बध्वई मारतकी बास्तविक राजपानी है और बहाँकी शान-नीकन मुस्यत पारसियाँकी बद्दीकन है। उनकी दानगीकना सब जमह जाहिर है। वे राजनीतिक भावलीमें बगुजा है और भारतक राष्ट्रगिताबह बारामाई भी पारती ही है। ऐन नमानके कोनींश दक्षिण आफिकामें मिन्न प्रकारते स्वय द्वार करना गरमक नहीं था। जैसे यह कहा जा मधना है कि मसन्त नमिन समाज नह रहा है बैसे ही यह भी वाना जावेगा कि मनस्त पारनी गयात हुए हुआ है। वार्रामधाँकी संगा बोबच मार्किशमें बहुत कम है लटिन नवर बौहाते हैं ता हमें हान्सवासमें कोई पारसी पैना निपाई नहीं देना जिनन सरकारके इस बेडम कानुनरा माना हो। नहालमें बस पीच या सार पार्यनपोर्ने में तीन को हान्यनामको जेलमें निराज्यान है। श्री नाहिरताह कामाने बरानी नीहरी छाड़ की। वे अब विएल्लार हो गये है और तमें जाता है कि बारे तो दिनांचें क्रेक्स पा निराजेंदे। उनक माई भी बहुँदार कामा भी गिरश्तार हो गय है। इसरी स्रोट थी मुम्म बारू बीरोज भी बढ़ाई जा बुढ़े हैं। यह दूसरै तब डिए मिला तेन योग्य जारतीयीहे है। इन नारमी ममावनो क्याई बते हैं। उननी शीमा नारै मारनीयोंनी शोमा है नवीड़ि वे भी मारतीय है। तनिस और वारती सौगोंके सामने दूसरे भारतीयों --- मुसस्तानां और 4-11

पूचराती हिन्दुओं — को सपना थिर शुका बेना चाहिए और समित्वा होना चाहिए। स्व को समाविक उराहरण कर हमारे करते ही मीनूब हैं, तब हम बारसीयोंको दूसरे उराहरण वेकर क्या कोम दिलायें 7 तमिक और पारखी को जीत गये और जब कहाईका सन्त होना दक साथ आरसीय समाव उरका काम प्रतयेगा केकिन जीतका यस तो उन्होंको केगा ठीव होना। से शे राखा हॉमें और राज्यपद पन्नीको सोमा देसा। इस कारे कोग प्रवा माने कार्येने

[मचरातीसे]

इंडियम क्रोपिनियम २०-२-१९ ९

# १२७- क्या भारतीय सक आयेंगे?

हुम बचवार बठाते ही देवते हैं कि मैक्सिकोर्ने माटक देवने गये हुए ५ कोग नाटप सामाने मान कर बानेचे वक गरे। इंग्लेबर्ने बच्छानडी कानमें दिस्कोर होनेके कारण २ सबहुर दस गरे। बन्ती हुक ही दिन पहुचे नह भी देवा कि भारी वसकि कारण बोहानिस्वर्वने पाइकी हार्गोर्ने पानी गर बानेचे सहस्त्रेच कोच गर गये।

ऐसी हैवी बेदायिगयां हम कोर्गोंको समय-स्थायवार मिकवी ही एस्ती हैं किर भी हम बपने 
गितिवाद कर्ट्यामीको करनेसे पीके हर बाते हैं। या तो वान बागोंके मध्ये या सारितित्व क्षीकांचे 
या ऐसी ही इस्तर्य बागावेंकि कारण हम वपने हारा गिविवत कार्योंको पूरा नहीं करते। विश्व 
बरीरका बही-मत्का भी भरोसा नहीं है उसकी सारित्येवक वार्योंको पूरा नहीं करते। विश्व 
बरीरका बही-मत्का भी भरोसा नहीं है उसकी सारित्येवकांको पूरा नहीं करनेका करहा हा 
स्वा है पीछे ब्रीटने करें हैं। यह ऐसी बात है बो बारसी को बोमा नहीं करने करने हैं। यह ऐसी बात है को सारसी को बोमा नहीं हो। यह स्वा हमारे विश्व स्वरंग करने का नहीं। वह भी कार्योंको कार्योंको कार्योंको 
हमारे विश्व सबसे का बारोप यह कमामा बाता है कि हमर्से पीचर — पर — मही है। 
हम कुछ दिनों बहुत मेहरात करते हैं। यह स्व स्वरंग है कमार्य विश्व करते भी है 
यो मार्ग बोसी एक्षण करते हैं। यह इस ब्वाई ऐसी है विवर्ग आरसीमेंके बहुत-ते 
मूलों या दोनोंकी करीटो है। बावनी। इसकिए बामान्यत इसमें बहुत-ते वारों मा बाती है।

भारतीयों को यह एनल लेगा है कि इस कड़ाईमें न एक-पूर्वरेकी और देखना है और म एक-पूर्वरेकी और मौतूनी विखाना है। प्रतिकाश स्वयंति-अपनी हिम्मदको क्यांतियर कथाना है। हमें बाद रखना है कि हम बिन कोगों के विवक्त नह यहे है वे खुश नी लितन कथाने के मुद्रद चुके हैं। कमी विकंड साम पहले इस वाधिके नीर पुष्त खब्म मरते ये में मिनन समानी देक नहीं कोहते जे। और निराम नामके एक वर्मात्या ही पये हैं। बाज उन्हें गोर्ट पूत्रते हैं। केहिन उन्होंने जमने जीवनमें महान दुख शहकर बाएक पर्वेक कंटिन कायनात मोशा बा। एक दिनीकी जेक विक्कृत जम्मदूप ही होती थी। जोन विनियनने जो कथ्य ग्रह्म किसे से हेकन जमानी टेक एकनेके किए ही। एक दिनों कोग किसी बात निरामने जो कथ्य जाते से तो उनको कैंद कर किया जाता था। जीन विनियनने कहा कि जाई वरेसे-को एक्से शो कोई व्यवस्थानों नहीं के वात स्वता। इतीले कर्नु वेककी सवा मोगानी प्री। वे केमकी

e Street and an Am Angel

मह्म समस्कर रहे। यहाँ जम्होंने को पुस्तक किसी जाज उसकी कार्सों नोरे सत्यन्त स्वा पूर्वक पहते हैं। ऐसा जाणा बाता है कि वैद्या पूर्वक पहते हैं। ऐसा जाणा बाता है कि वैद्या पूर्वक पहते हैं। यांच वित्तमने स्वडों परनाह मही नो कि इसरे लोग क्या करेंगे। उनहें तो करागी टेक रखनों सी सो उसकी राज्य हैं। हिस की कि दिन से की दी अपने साम को साम का साम को साम को साम का साम की साम को साम की साम की साम का साम की साम की साम की साम की साम की साम का साम की की साम की

सहाई करनेनी बैंडी पुषिपा इम्सवाधमें है वैशी हमने कहीं दूधरी चयह नहीं देखी। मास्त्रीय ऐसे पुष्पर अवसरको क्यों न पहचाने और पहचानकर छोड़ क्यों दें यह हम समस्र ही नहीं सकते।

[गुजरातीसै]

इंडियन बोविनियम २ -२-१९ ९

### १२८- हवा चत्नी

सखनारोंसे जबर मिसी है कि थो काम नैटासके मारतीय कर सकते से उसे सब ए-ए-समामक भारतीय करना चाहते हैं। बार-ए-समामके भारतीय वर्षण पूर्वी मारिका साहत्ये हैं। वर्षोंक पहिलार करना चाहते हैं। वर्षोंक यह कम्मणी पहुले वर्षों आरतीय पार्थियों के है लेटी और कोर्योंका समाम बादि को बाये तो सुकाई नहीं करती। रायटरका एक 1 तार बर्मिनसे बाया है। ध्यापारियोंने बचना माल इस कम्मणीके बहावोंने न मैंगानेका बार किया है और यहरिक कहा है कि कम्मणीके कर्मचारी सम्मानपूर्वक बराम न करेंचे र कमारसे न क्यों तो वे स्वाम क्योंने साम क्यों का स्वाम हम वह तो है कि बारों ओर आरमसम्मानकी — स्ववेधयिसकी — हम वह पहि है। सबको ऐसा 'रहा है कि दुनियानें सक देसके बोग सुकरे देसके कोशीस स्वर्म कर रहे हैं। उसमें यदि रही सावना विस्तर वें मा करेंचे और सावनान न रहेंचे सो रिस्मूकी तरह कुनके बार्मन र ऐसा हाक हो बायेना कि उन्हें कोई कोमके भी नहीं पूर्वण।

[मुजरातीसे] इंडियन श्रीपिनियम २०—२~१९ ९

# १२९ फोक्सरस्टमें मुकदमा

कोन्सरस्ट गुक्तार (फरकरी २५ १९ ९)

साब सर्वेची मो क गांची लोगामाई बटेल बीर छः हुतरे लोगोंको वंबीयन प्रमाचयमें करने बीर अंतुनिव्योंको छाव देने या रिनारतके हुतरे तावन प्रस्तुत करनेति इनकार करनेयर नेत्योंकि अनुसार चलास पींड जुर्मानेकी या तीन नहींनेकी कड़ी चैंचकी खता दी गई। विसेत को गये।

भी यांचीने बरासतमें बचान देते हुए नहा

यह मेरी बरनसीबी है कि मुते एक ही बारोपमें बूमरी बार बंधानमें पेस होना पड़ा मैं बन्धी तरह बानता हूँ ति मैंने हरारतन और बान-बूकर यह बंधराय किया है। हंसानदारित पाहा है कि पिछे अनुसबको देखते हुए बनने आवरफको जायूँ और मैं ते इस नतीजर बायम हूँ कि मेरे देखनामें चातूं जो करें सा सौंच मूने दो राप्त्र के तरिको कम्म कीर बायी बन्दारायको बनते जरर बाननेत्रके व्यक्तिके क्यार पात्र प्राप्त की स्त्र स्तर स्तर स्त्र स्तर स्त्र स

र रेपिर क्या ० इत १११ और १२४०५। २. हुम्मेश पर निराम प्रमाने नित्री संसारता करा नित्री " कार्य करा ना। साथ द ना: "नी नोर्ष केल को इसका और देशन क्षेत्रकेत कार्यर वर्तनर दीन व्यक्तियों करी चेर ।" १ (निरोध्य स्टिमिका।

Y बारे हकामेंद्रे जिए देशिए वृष्ट १०% है।

मेरी अपनी धारणाके अमुखार, त्याव महीं करता। यदि मेरा यह आवरण तिन्तमीय समझा जावे हो इस एथियाई संघर्षमें मैं अपने नापको तबसे बड़ा सपराधी मानता हूँ। इसिसए मुझे खेद है कि मुझपर एक ऐसी धाराके अनुसार भुकदमा चलाया जा रहा है जिसमें में अपने सिस्ट वहीं सजर नहीं सींग सकता जो नेरे कुछ साची आपत्तिकर्शामीको वी गई है। फिर भी में प्रार्वना करता हूँ कि बाप मुझे ज्यादासे-ज्यादा सजा दें। अदास्त और सरकारी बकीक्रने मेरी परनीकी बीमारीकी संबद्धी मंद्री दतनी देर करनेकी मंत्ररी देकर को शिष्टता रिकार है. उसके सिए मैं उनको घम्यनाय देना चाइता है।

मिक्टेटने समा देते हुए कहा: वेंने पहले भी कहा है कि यह अपनी-अपनी रायकी बात है। आपनी अपनी पाय है। में तो कानुनके मुताबिक ही कार्रवाई कर सकता है। भूमि जाप नहीं चाहते कि आपके ताम इसरी तरहका बरताय किया जाये इसमिए में आपसे बही बरताब करूँया जो मैंने इस स्वितिमें पड़े इसरे शीयोंके साच किया है।

[बंधिशीसे [

इंडियन मोपिनियन, २७-२-१९ ९

### १३० सम्बेहा प्रक्षिण आफ्रिकाके भारतीयोंको '

बोहानिसवर्ग

फरवरी २५, १६ ६]

मैं फिर जैस का रहा है इससे मुखे बड़ी कुसी हुई है। दूका स्तना ही है कि मुझ केनक चीन ही महोनेकी चना मिश्री है जब कि इसरे सत्यायही वैचसेनकोंकी छ-छ महीनेकी मिणी है।

काय जब मैं जेंस का यहा है तब देनता है कि बहुत-ये मायतीय पस्त ही सुदे हैं। वन बोड़े 🗗 मारतीयोंको केकर सड़ाई चलागी है। इससे में निकर हैं। अब सड़ाई कुछ इर तक क्याचा और गण्ड शकती है।

भी भीग पत्त हो पने हैं ने फिर उठ सकते हैं और भेक्त भा सकते हैं। ने सर्टने रेवी भागा स्थाता है।

मंदि फिर नहीं कठ सबसे सो भी नै पैसेकी गरद है सकते हैं और सबसारोंने लिख

सकते हैं कि द्वार बागेपर भी के सकाईमें साथ हैं और उसकी सफाब्दा चाहते हैं।

ट्रान्सवासके बाइरके पढ़े-फिक्के क्रोग यहाँ बाकर जेल जा सकते हैं। यहि के ऐसा म करें दो ने नहीं हों नहीं च्हुकर सभामांनें स्वर्गतेनकोंका काम कर सकते हैं। बंदान माफिकाके सब भारतीयोंका कर्तव्य है कि वे समाएँ करें, तार वें और प्रस्ताव पास करें।

यह कवाई बीनकी है, वर्मकी है, वर्णात जो वर्ग सब वर्गोर्ने स्थान्त है, वह इस धर्मकी भकाई है। यवि मेरी मान्यता ऐसी न होती तो मैं समाबको इस नहा बुजामें पढ़नेकी सस्राह ल देता। मैं मानता हैं कि इस कक्षाईमें अपने सर्वस्वकी बाहति बेना भी कटिन नहीं होता

र बद २५ फरवरीको, विश्व दिव गांनीयो केश गमे ने विकास नहां समझा कीशा है । देखिने बातका बोर्नड थी।

चाहिए। इसमें सपने सरी-सम्बन्धियोंकी पैसे-एकेकी जीर अपनी खानकी कुर्वांनी करना प्रत्येक भारतीयका कर्तव्य है। मैं ईस्वरसे प्राचैना करता है कि इस कर्तव्यको सब भारतीय पर करें और भारतीयेंसे भी मैं वही मांनता है।

कशाकी बस्दी सरम करना भी हमारे ही शावमें है।

समाजका सेवक और सत्पाप्रही मोहनबास करमणन्य गांभी

गिवसतीसे 1 प्रेंतियम सोपिनियम ६~३**−१९** ९

१३१ संदेश लगिल भाषपॉको'

<u>कोक्स</u>रस्ट करवरी २५. १९ ९ी

अपने लिख साइसेनि

संपर्वेके बौराल लीसरी बार बोध जानेके पर्व

मैंने अपने वेशमाइयोंको गुजरातीयें एक पण किसा है। किन्दु शुम्बर तमिल मागाका पर्माप्त ज्ञान न होनेके कारण बायको मैं बंदेबीमें किया पहा हूँ। बाधा करता हूँ कि मेरी नार जाएं में हुए को पोर्ट पर हो पहुँच है। वाबियों । संबंध वह बारवा ना वुक स्थिति है। बाठ बारवें से हुक कोरों एक हो पहुँच है। वाबियों । संबंध वह बारवा ना वुक स्थिति पहुँच गया है। बारवीय समाजके बूसरे बगोंके बरिक्टर कोर बहुत कमबोर होनेके कारण हार परे हैं परन्तु तमिक बौर पारती समाजकि बरिक्टर कोर माबब्दीसे बटे हुए है। इसकिए कम्पर्सेक मुक्त भार उनके ही कन्वॉपर पहनेवासा है। मैं प्रमुखे प्रार्थना करता है कि वह नापको मह भार उठानेका पर्याप्त बस है। बापने अपना कर्तव्य बानसे निवाहा है। बाद रखिए कि हम प्रक्लाद और पुत्रकाकी सन्तार्गे हैं। वे दोनो ही सुकत्तम बंगके सरवासही ने। यन उनसे कहा गया कि वे ईस्वरको न मार्ने उन्होंने अपने माता-पिताओं की बासा भी नहीं मार्नी। उन्होंने बपने उत्पीदकोंको कृष्ट दैनेके बजाय स्वयं भोर कप्ट सक्के। टाल्सवास्थासी भारतीयाँसे बहानक अपने पुस्तका परित्यान करने अपनी प्रतिज्ञासे पीछे इंटने और अपने राष्ट्रका ज्यान मंजूर करनेके निष्यु कहा कार कार नामा प्रमुक्त क्यान मंजूर करनेक राज्य प्रमुक्त क्यान हिस्स क्या कार करने क्याना मंजूर करनेके निष्यु कहा कारा है, बहुतक क्यान माननेव सम्बद्ध करने किए ही कहा चा रहा है। यथा हम चर्तमान संकटमें क्याने पूर्वजीसे कम उत्तरिये हैं

सो० क मोदी

विवेचीते | श्रीबयल जीपिनियन ६-३-१९ ९

र नद सन्दर्भ द मार्च १९ ९ के इंडियम बोर्चिमियममें "महातिनोंको स्वेदया भी ग्रंगीका मन्तिन ार ४०० ६ मान ६०६ म हाच्या चारामध्यम निष्णाका छत्त्व । साधामाम सम्बद्ध साधार प्रोरेको का था। साधिकाच स्वीतिकक्षणे सात्रा तमिक नातुनस रूम्प्याच्या विकि मात्रीच संस्थी सार्वेत हुन्य नैयानेका किया प्रतिकित्ते कार्ये महावित विवा था। २ देवित विक्रम क्षेत्रिक

### १३२ पत्र श्रीमती घघलवेन गांधीको

फोक्सरस्ट जेल द्रान्धवाल फरवरी २६ १९ ९

ৰি ব'বচ

दुम्हारा पण विस्कुछ ही नहीं है, इससे में सिन्न हूँ। वेखान हूँ वाकी तमीयत क्षेत्र होती जा रही हैं। उससे अच्छे-अच्छे केख और अच्छे-अच्छे काच्य पढ़कर सुनाना। बासे पुण्कर मुखे अरावर पण किखा करो। उसमें तुम और गणिकाछ सही किया करो। बाके पितार पुण्कर वे को कहूँ वहां भी किसा करो।

तुम अपनी त्रवीपतको सनर वेना जौर अपने वाहिने काम पैर तना साँग्रीकी हासत

बदाना ।

कार्नेमें मैने को फेरफार किया है, उसे बाजाकर समझकर सस्ता पासन करना। दूध कीर साम्प्रतनेकी कीर नियमसे केना। उपनीको अभी बोड़े दिन कूच पिकारी प्रतुत। हुम रिसाना बन्द करोंके बाद भी ठीक कुपक केनी उत्ता। बससक चुन्नी हुना नहीं मिकेगी उनसक समीयस निकुक्त ठीक नहीं होगी। अधिक कुछ किक्सोको नहीं है।

विभीक्षे कहता कि जपत्रन विस्तुस न करे। रामधासका सका खराब हो हो मिट्टीकी

पट्टी बाँधना।

मोहनदासके आशीर्वाद

[पुनश्य ]

इरिटाल और मैं दोनों प्रवेमें हैं। पुनचे इस यहां क्यादा शुक्री हैं ऐसा मानना। यह पत्र बाको पढ़ा देना।

गांगीजीके स्वासरीमें भूक मूजधारी प्रतिकी फीटो-नफक (एस एन ९५२५) से।

#### १३३ एम० ए० की परीक्षा

दान्सवाक्षकी ब्यवादेगर बहुत-बुक्त निर्मेर है इस्तिए प्रसक्ते सम्बन्धमें हम बहुत बौर बार-बार किस रहे हैं। यही ठीक अनता है। हम सब मारतीयोंसे निवेदन करते हैं कि ऐसी सबाई जारतीय समाबके हान फिए नहीं कायेगी। कवाई यहाँतक पहेंची है, यह मामछी वार

नहीं है। केकिन कुछ भारतीय सोचते हैं सैकड़ों भारतीय हार नये है अब क्या करें। इसे हम नायमही मानते है। वैसे कुछ भारतीय हारे हैं वैसे ही बसरे सैनिक बखोगे मी

मुख कोन हारते जाये है। इसमें कोई नई बात नहीं है। इस बारकी कवाई एक तराहरे हमारी परीक्षा है। हम पढ़ रहे हैं। सब पढ़नेके किए तैयार हए। पहली पोची हकारोंने पढ़ी। इसरी पोची पढ़ते-पढ़ते कुछ कोम डीके पढ़ नये। ने चढ़ गर्म। इस तच्छ कच्छे-कच्छे हम सातवीं पोणी तक पहुँचे। अब तो कठिन समय ना पया। बहत-से कोगोंने पढाई कोड थी। फिर भी सासे कोग मैटिक तक पहेंच यये। केकिन

इससे बाये बढ़नेकी हिम्मत कुछ ही कोयोंको हुई। इसके बावणद सच्छी संस्थामें ठोन माने वडं। बद यह बाबिरी सीड़ी है। इसमें तो एम ए की स्पादि केनी है। यह तो सैकड़ों कोग नहीं केते। कुछ ही के सकते हैं। तो नगा इसरे कोश परीक्षा नहीं देते इसकिए परीक्षा देनेवाचे हारे हुए कहकार्येंगे ? यह तो कभी नहीं हो सकता। यो एसं ए हो अमे वे दो अनिते ही कैकिन इतना ही नहीं जनके पीछे जो पूसरे स्रोप चडे, वे भी दमक कर

किकमेंचे । इस प्रकार हम इस समय कने सल्वादहियोंको एम ए के परीक्रावियोंका रूप केते हैं। इसको निराध महीं होता चाहिए वस्कि ववशक बने शहनेपर पर्व करना चाहिए।

समाजनें बहुद पड़े-कियों कीम कम ही होते हैं। केविन कम होनेपर मी वनसे सहायदा अधिकते-अधिक निक्रती है। ट्रान्तवाकमें ऐसी ही स्विति है। फिर बाहे को नारदीन इस समय

क्रम रहे हैं ने क्रम ही रहा गये हों के किन जनकी सहायशाकी नहुश समझना है। [न्बराधीचे]

इंडियन बोपिनियम, २७-२-१९०९

## १३४ नेटाउरे महाराज

मेटाममें द्वान्यवाकको सहार्षका जेल्याद्रण क्षेत्री कि लगा बगाना दव (नाम नामांस) कारेगको नवार्ष देते है। ह्यार मण्ड रण लगारी ज्यान्तिन बन वी उल्लाह नी बसा ना बीर समा निवती जल्दी करती वी उल्ली जम्दी नहीं वी लगा हमने का मही गमनदा सन्ताप मानवे हैं कि "सामा न हानम बाला लगा करण दिव"। बीदन नेलाबई देशाबई

विद्या कम किया उनकी उद्यती कमी की मार्ग ही जमदी।

हुम ऐसा मानते हैं कि उन्हें नया करक कैन दर्शी बाता वारिन। किन्ने क्ष्मिक्त मिरस्तार करना है उनर्नेको निरस्तार करक भारता कैनिकी स्वाप्त केन्द्र किन्ने हुम्स्यानसे बाहर के मान्योय कैने मिर्मित्र करता है हुम्सित्र मान्यों कर्मा क्ष्मित्र के हुम्स्य स्वाप्त केने क्ष्मित्र के हुम्स्य स्वाप्त केने क्ष्मित्र के हुम्स्य स्वाप्त केने क्ष्मित्र के स्वाप्त क्ष्मित्र के स्वाप्त केने क्ष्मित्र के स्वाप्त क्ष्मित्र केने क्ष्मित्र केने क्ष्मित्र केने स्वाप्त क्ष्मित्र केने क्ष्मित्र केने क्ष्मित्र क्

हमते नेटाकडी समाके बार्फी निया। टीक देनों दी नाम बक्त नंतर है अंधान के कही वाग! नेटाकडी समाके बार्फी कही वाग! नेटाकडे हुकरे सहर कार्नी गया है के ममाज नाम नहीं कर कार्नी कार्मी कार्य नहीं है है कि अर्थी कर नहीं है कि अर्थी कार्य नाम की स्थाप कर गई है कि अर्थी कर कि अर्थी कार्य नाम की की भी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य नाम कर नरहा हुंगी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य नाम कर नरहा हुंगी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य नाम कर नरहा हुंगी की नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुंगी की नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी की मी नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी की नेटाकडे हुन्दी महर्पीय कार्य कर नरहा हुन्दी कर नरहा हुन्द

[युवधवीसे]

इंडियम मोरिनियन २७-२-१९ ९

#### १३५ पत्र ए० एघ० वेस्टको

प्रिटोरिया श्रेष्ट द्राप्तवार्थ मार्च ४ १९ ९

प्रिय बेस्ट

मैं संभोतक बार्से हामके काम करता हूँ। बार्ची हाम मुक्तिकचे ही काममें का तकता हूँ। स्थिकारी मुद्दे सीमाठी धांचीको पुनापतिमें पत्र क्रिस्ताकी समुप्ति न केंद्रे। मुद्दे सिम्द्र से स्थानिक प्रत्योक स्थानिक स्थ

हम्प्या भीमती गांवीचे कह वें कि मैं विस्कृत बच्चा हूं। वे बातती हैं कि मेप पुत्री होता बाहुरी वातावरकों बरेबा गरेरी मानविक विसरिपर बंधिक निर्मेर हूं। वे वह बर्चा बरामा रखें बोर मेरे सम्बन्धी जिला न करें। वच्चीक हिएके किए वे बपती त्यीवर युवारनेका प्रवास करें। वे पहुंची नियमित बच्चे एकें बीर बायब्यक हो सो कटि-लान भी करें। मैं बन्हें को बुराक वेता या उस्तर कायम रहें। उन्हें [बूबता] तवतक चूक न करना

पाहिए वरतक विस्कृत संच्छी न हो भागें।

हरिकाबकी राजीको उन हिवानों है हो है। वह जनक मुठाविक वकती है यह जनकर मुठाविक वकती है यह जनकर मुठे वहणी होती। उने हमझ धानुवाना जोर इस केना कभी न गुकना वाहिए। वह रुनकी अवस्थ के उनका स्थान मिधकाक रहे। राजीको जभी एक महीने और मौका दूव पीने हैं। उपकार कान्यान मीरे-मीरे हैं। कमाना वा उच्छा होन-पान वीरे-मीरे हैं। कमाना वा उच्छा होन-पान वीरे-मीरे हैं। कमाना वा उच्छा होन-पान

मंद्रे बताबा गया है कि यदि ग्वरातीमें किसी विद्धी मंजूर कर दी बामे तो भी

बहु मुझे इस दिनसे पहले न की का सकेशी।

सबको नमस्कार!

श्रुवक्के बापका मो० क० गोबी [पुनस्यः]

इत्या [मेरी] पत्नीके किए मिक्काक्ते इसका अनुवाद करा है। मुसे मरोसा है, भीमती बेस्ट ठीक होंगी।

गांधीजीके स्वास्टरींनें पेरिक्से किस्ते मूक वंदेवी पत्र (थी उक्त्यू ४९७५) से। सीजन्य औरती सुबीकानेन गांधी।

# १३६ मतविदा जेसके गवर्नरको सिसे प्रार्थमापत्रका

[प्रिटोरिया

भाषी एक ब्रिटिश भारतीय है को तीन महीनेत्री कही किसी सवा मोग रहा है।

प्राचींको बत एन्टाह स्थाकूने हुए रोज बातके छात्र एक बाँस की मिसना था। मालम हुआ है कि मह नक्तरीले दिया जाता था। प्राची क्षेत्रमें इसी मासकी दीसरी तारीकको कारा मना था।

पिकके पिनाप्ते स्थावने उत्तर किसे बनुसार वो यो दिया बाता या वह यन कर दिया बया है। प्रायंति पविचारको बीके विना जात बानेका प्रयत्न किया - छेकिन बामा मुक्तिक हो पया।

पिक्के सोमबारसे प्रार्थीको को भाग निकता है उसे वह काषाधीसे वापस कर देता

है इसकिए तबसे प्रसने व्यास विस्कृत नहीं किया है।

प्राचिति सुस्य बार्डरते थीं न भिक्तनेकी विकासत की चौ। उसने प्राचीको निमम बताये नीर सुमान दिया कि प्राची चाहे तो चिकित्ता-मधिकारीसे भिक्त सकता है।

इसी मासकी ११ वारीवाको प्राची विकित्सा-अधिकारीसे मिका। वह बास रियाक्टके

तौरमर व्यावृमें रोटी रेनेका इक्स बाधी करनेको तैसार बा।

प्रार्थी हेए रिवायतकी कृत करता है। परन्तु वह इसका काम नहीं उठा सका करोंकि वह ऐसे मौजनकी कोई सुविधा लेना नहीं बाहरा जो उसकी ही स्वितिके अन्य भारतीय साथी-कैरियोंको न सिकता हो।

प्राचीको छरी हुई भोजन-ताकिका दिलाई वई थी विश्वर्णे भारतीय कैदियोंके छिए स्पाइके रूपमें भावके साथ एक बींस वर्षी देनेकी व्यवस्था है। ताकिकार्मे मारतीयोंको

भोजनमें प्रति शप्ताह को बार गांस केनेकी भी व्यवस्था है।

प्राचीको सूचना थी गई है कि यह शाकिका बदस में यह है और सब सारतीय कैरियोंको स्पाकृर्से दिना चर्चिक एक [बींस] मात दिया जाता है और मांसकी वारीपर सेपहरके मोकर्म मांसके बकाय एक बींस जीके साथ प्रात दिया जाता है।

राजुरिक निवार नारक प्रयोग पूर्व काल यात्र प्राथ काल राज प्रथा वार्या हूं। प्राणिक किए, बौर स्विकटार मारशियोंके किए, वार्मिक वृष्टिये शांस या मेड्-वकरीकी वर्षी या ऐसी ही कला वर्षी खाना वर्षित है। भारतीव मुसक्कमार दिसा वस्त्र किसे हर

रे व्या मक्षीया कर समय सेवार विकास पता वर कर योगीजी छिटोरिया केली हे ।

#### १३५ पत्र ए० एच० देस्टको

ਇਟੀਰਿਸ਼ ਵੇਡ EHHENS मार्च ४ १९ ९

प्रिय बेस्ट

मै अभीतक बार्वे हाथसे काम करता हैं। बामी बाब मुश्किस्ते ही काममें का सकता है। विकारी मुझे भीनती यांत्रीको गुजरातीमें यह सिक्तनेकी जनुमति न हेंगे। मुझे

रुगके सिम् और इरिकालकी पत्नीके किए खेद है। मैं नहीं जानता कि मिरी पत्नी मेरा मंग्रेजीमें पत्र किवाना परान्द करेंगी या नहीं। ये बानता है कि मैं कोई नई बात नहीं किया सकता। वे मेरे हाथके किसेको ही पड़ना चाहती है। यहाँ करता है कि अनिकापूर्वक रिमे गर्ने विभिकारका काम न उठाना विका गीरवास्तद है। मुझे बाप या मधिकास बंदेंगीमें सिक्स सक्टो है कि उनकी दैनिक प्रयदि कैसी है। हरिकाककी पत्नीके सन्दल्पों भी किस एकते हैं। यदि अधिकारी चाहेंने तो मन्ने ये पक्ष है देंते और माने रोनीके स्वास्थ्यके सम्बन्धने कुछ मालम हो जामेगा।

रूपया भीमती गाबीसे कह वें कि मैं निस्कृत शक्ता है। वे बातती है कि मेध सुनी होना बाहुरी वादावरवड़ी जपेसा मेरी शानसिक स्वितिपर अधिक निर्मर है। वे इस बातका समाक रखें और मेरे सम्बन्धमें विन्ता न करें। बच्चेंकि हितके किए वे जपनी तबीवत स्वारतेका प्रयत्न करें । वे पट्टियाँ नियमित क्यसे एकों बीर बावस्थक हो तो कटि-स्तान मी करें।

मैं उन्हें जो संस्क देता वा जसपर कायम रहें। उन्हें विमता र तबतक बरू न करता चाहिए चवतक विस्कृत अच्छी न ही जायें।

हरिकासकी पत्नीको सब हिरामर्थे है वी है। यह उनके मुखाबिक अस्ती है यह बागकर मुझे कुछी होगी। उसे पुणह छाणुवाना और कुल केना कभी न मुकना चाहिए। यह रनकी अवस्य के उसका स्वान मिललाल रखे। उमीको जभी एक महीने और मौका हुम पीने हैं। रसका स्तर-पान कीरे-कीरे ही खुकाया था सकता है।

मुखे बतामा गया है कि सवि कुशरातीमें किसी चिट्ठी मंबूर कर दी बाये तो नी बा मुझे इस दिनसे पहले न दी भा सकेगी।

सबको तमस्कार ह

इदवसे आएका सो क० संवि

#### [युगरण ]

इपया [मेरी] प्रतीके किए मधिसानसे इसका अनुवाद करा वें। मझे भरोसा 🗓 श्रीमती बेस्ट ठीक होंगी।

नांबीजीके स्वासरोंने वेंसिकसे किसे मूल संप्रेजी पत्र (सी कल्पूर ४९७५) से। सीजन्य श्रीनदी मुसीकार्यन मांघी।

## १६६ मसविदा जेंछके गवर्नरको लिखे प्रार्थनापत्रका

[ब्रिटोरिया मार्च ११ १९ ९के बाद]

प्राची एक विटिश जारतीय 🖁 को तीन महीनेती अभी कैंदकी सना भीग रहा है। प्राचीको गत सप्ताह स्थासूने हर चेत्र मातके साथ एक भींस वी मिकता वा । माकम हमा है कि यह गुरुदींसे दिया काता का। प्राची बेकमें वसी मासकी दीसरी सारीककी कामा मया वा।

पिछमे रविवारके स्थाकृमें क्यार किसे अनुसार को की दिया वासा या वह कर कर दिया गया है। प्राचीने रविवारको भीके विना माठ सामेका अवस्य किया - सेकिन सामा मस्किल हो यथा।

पिछ्ले सोमनारसे प्रार्थीको जो माठ निक्ता है उसे बहु साचारीस बागस कर हैता है इसकिए धरसे उसने स्थान विस्तृत नहीं किया है।

प्रापिति मुख्य काईरहे थी व निकतेकी शिकायद की बी। छतने प्राविको निवम बतास बीर समाव दिया कि प्राणी चाह तो चिकित्ता-विवेदारीसे निश्च सदला है।

इसी मासकी ११ तारीचको प्राची चिक्रिस्वा-विकारींगे मिछा। वह साम रियायतके वीरपर व्याममें रोटी देनेका हुदम जारी करनेकी वैवार था।

प्राची इस रिमायतकी कह करता है। परम्यु वह इमका साम माने चटा मका क्योंकि बहु ऐसे भीजनकी कोई सुनिधा केना नहीं चाहना को उसकी ही स्विनिक्के सम्य शास्त्रीय षाबी-देशियोंको न मिसता हो।

प्राचीको छपी हुई सोजन-शासिका विसाई गई बी जियमें मान्तीय कैदियोंके सिए स्यासुके क्यमें बातके साथ एक शींस वर्शी कैनेकी व्यवस्था है। व्यक्तिकार नारतियोंकी मोजनमें प्रति धप्ताइ को बार गांध देनेकी भी ध्यवस्था है।

ने प्रांत रूपना को गई है कि यह तालिका बदल दी गई है और वह जारतीय दोपहरके क्रीजनमें मांतके बजाय एक बाँत गाँठ गांच मात दिना पाता है।

के बाननम भावक वनाय प्राप्त प्राप्त किया वास वास के कार्य का प्राप्त किया और समिक्य सार्योगी किया का महत्त्व की प्राचाक १०५८ कार कर्नी खाना वर्जित है। जारतीन मुदसमान दिना नेस्ट किने हुए

र पर मधिरा क्य समा सेवार विवार निवा नावा का वांनीती विदेशिया केली है।

1 Y पञ्चका मांस या उसकी वर्गी नहीं का सकते। तुछ अपनादोंकी छोड़कर मारतीय डिल्ड मांस

या चर्वी कराई नहीं का सकते।

प्राचीकी बिनीत सम्मतिमें उत्पर बताया गया परिवर्तन और भी बुच है। कुछ मिकारे विना भाव साना बहुत कठिन है। इसके अविधित्त गोवन-वासिका पोपनकी बस्टिसे अपर्याप्त है, नर्वोकि उसमें प्रति सप्ताह केवल वा बाँस की बेनेकी तजकीज है।

प्राचींने देखा है कि वतनियोंको सप्ताहमें दो बार या कमसे-कम एक बार मांसके

अदिरिक्त प्रतिदिन एक भींस चर्नी दी जाती है।

प्राचीकी विनीत सम्मतिमें परानी ताकिका जिसमें चर्बीकी बगह की रखा नया है और

मांचकी बारीपर मांचने बबाव खाक रका यया है, किर खायू करनेते त्याम ही जाता है।

यदि यह प्रार्थना बनुचित मानी जाये तो प्रार्थीको प्रम है उन्नके स्वाह्म्यको पर्यान्त

पौपनकी कमीसे ज्ञानि पहेंचेगी।

प्राची मापका व्यान इस तब्यकी बोर भी बाकपित करता है कि जिस गरिवर्तनकी

प्रार्मना की गई है वह बोहानिसबर्ग बेककी मोजन-साक्षिकारे विकता है।

बदि गवर्गरको यह प्रार्वमा संबर करनेका काननन अविकार (न) हो तो प्रार्थी निवेदन करता है कि यह प्रार्वनापण जेक-निवेशकको विचारके किए श्रेस दिया जाये।

इसके किए जनगहीत हैंगा।

মাত হত দামী

द्रारम की हुई बंदेनी प्रतिसे। सीजन्य एक एक पोक्का

# १३७ पत्र मणिसाल गांबीको

**कै**शीका तास सो क नांधी नम्बर (नामके बाबाधारीके साथ) ७७७

प्रिटोरिया चेक टान्धवास मार्च २५, १९ ९

वि मधिक्राल

मुद्दे महीनेमें एक पत्र किवाने और एक ही पत्र पानेका अधिकार है। मेरे किए यह एक समस्या हो गई थी कि किसको कियाँ। मैंने भी रिशका भी पोकनका बीर दुम्हारा ्र प्राप्ता का पर ना प्र प्राप्ता सम्बद्धा गाँउ का प्रप्ता का प्राप्ता का स्वाप्ता का स्वाप्ता प्राप्ता है। चुना क्योंकि में जो-कुछ दन दिनों पहता एक हूँ उस सबसे तुन्हारा चनाक सबसे ज्यादा बाता एक है।

अपने सम्बन्धमें मसे अधिक नहीं कहना चाहिए। कहनेकी मुसे अनुसरि नहीं है। मै

विक्कृत बालावित है और किसीको मेरे सम्बन्धमे विशिष्ठ व होता वाहिए।

१ सम्बद्ध होता है कि गुक्तें क्रोड़ब गड़वीसे या पना है। २. बालरेक्टर व्यंत्र विक्रम ।

मुझे आधा है वा जब बिस्कुल सच्छी होंगी। यै जानता हूँ कि सुम्हारे कई पन आये है अदिन वे मुझे रिये मही यंगे हैं। फिर भी बिपुटी पवर्गरने यह बरानेकी इसा की है कि वे [बा] बच्छी हो रही हैं। बसा वे जब बारामसे पकरी-फिरती हैं? मैं जासा करता है कि वे बीर नुम सब मनेरे सामुबाना और पूज भने रहीगे।

और चंदी कैसी है? उससे कहो कि नै उसे रोज याद करता हूँ। मुझे बाधा है कि उसके श्रव नाव अच्छे हो यथ होंगे और वह और रामी विल्कुक टीक होगी। नामरामनीने स्पतिपदकी को समिका सिकी है उसके एक प्रकरणका मुझपर बहुत प्रभाव पड़ा है। वे कहते है कि बहाबर्ग सादाम सर्वात पहला आसम अन्तिम नर्वात संम्यासायमकी माँति है। यह सत्य है। वेल-कृद केवल मोडेपनकी बायु तक अवित् बायह साल तक रहता है। ज्यों ही किसी सहकेटी समप्तरारीकी कायु वाली है, उसे अपने वायित्वका अनुभव करना सिकाया जाता है। प्रत्येक कांग्रेको इस जायुके पाचातु विचार और कर्मते बहाचर्यका उसी प्रकार सस्य और बहिसाका पासन करना चाहिए। उसके किए इस जानको प्राप्त करना असपर माजरम करमा कप्टजब त होना चाहिए, बीन्क बिस्कुछ स्वामाविक होना चाहिए। उसे उसमें मुक्त अनुभव करना चाहिए। भूते स्मरच है कि राजकोटमें ऐसे कई सदके थे। मैं तुन्हें बता दूँ कि जब मैं कुमसे छोटा का तब मुखे अपने पिताकी सेवा करनेमें सबसे अधिक प्रथमता होती थी। बारह वर्षकी बायुक बाव गेरा खेल-कूद वल हो गया था। यदि तुन इन तीन मना पर आवरण करो और मंदि वे तुन्हारे थीकनका अंग वन कार्में सी बाहा तक मेरा सन्तरम है, पुण्हारी मिला और तुम्हारी बीला पूरी हो बायेगी। मेरी बातपर विस्तान करो उनसे सन्तित होकर तुम संसारक किसी भी भागमें बपनी बाजीनिका कमा सकीने मीर बचवे दुम्हारा आत्मज्ञान -- जात्मा और परमात्मा-सम्बन्धी ज्ञान -- प्राप्त करनेका मार्थ प्रचारत हो जायेना। इसका अर्थ यह नहीं है कि तुम्हें पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त न करना चाहिए। वसे वो तुम्हें प्राप्त करना ही चाहिए, और तुम प्राप्त कर रहे हो। मेकिन सह एक ऐसी बात है जिसक बारेमें तुम्हे परेसान न होता चाहिए। इसके लिए तुम्हारे पास बहुत समय है और बाजिर तुन्हें ऐसी विका मिकनी ही है, ताकि तुन्हारा प्रविक्षण इसरोंके क्रिए क्यमोनी हो सके।

भाव रच्यों कि बबसे इमारे भाष्यमें गरीनी नहीं है। इसका निवता कवाक करता हूँ काम ही में यह बतुस्य करता हूँ कि बसीर होनेसे नरीन होना क्यावा नहीं निवासत है। असकों सामानिक करियों का स्वास्त करता

कारता हा न पह बनुसन करता हूं तक बसीर होनेंद्रे नरीन होना ब्यादा नहीं नियानंद है। रीक्वके प्रायसीय नरीनीके ध्रायदे प्याचा नीठे होते हैं। दुनने संबोधनीत के निया है। मैं चाहता हूँ कि तुम बनके बनुकप आवरण करी। ऐहा

प्रशान ननाभवात काल्या हा म वाहता हु कि युत्त करक सन्तर्भ वावरण करेंगे होता साठा है कि सूर्योग्यसे पूर्व जगता विधिवत् एक्या करनेके किए समय सनिवार्य है। इसिक्य निविधित अनवस्पर कार्य करनेका अवस्त सबस्य करों। मैंने इस सम्बन्धमं बहुत विचार किया है सौर कुछ वज्ञा भी है। मैं स्वामीजीके अचारते सम्मानपूर्वक सवहमति अकट करता हैं। मेरे

१ विकामेश गांधी ।

ग्रीराप्क क्ल सम्राम समी; वार्षिक कृषिक क्ष समय और विस्नुसंस्कानके नामेता; क्ल्नि ग्रमरावीमें कामिक्तिक बहुतक किया वा ।

व रेकिर मानावना, गान १, जनान ९ ।

४ सन्द नर्विसा और तदावने ।

<sup>%</sup> मिन् वर्गेक क्वारक स्वामी बंबराक्ट किसीने १९ ८-९ में वरित्र आमित्रांका वीरा क्या था।

۹ ٤

क्षमान्ते जिल्होंने युगेंसि मक्षोपनीत कोड़ दिया है जनका यहोपनीत पहुच करना मुस्र है। इस समय भी सूदों और बन्य क्योंमें बेहद कृतिम मेव हैं। इसकिए महोपनीत भाज सहायक होनेकी नपेसा बावक सविक है। मैं इस विभारपर अधिक विस्तृत जन्मी करना पसन्द करता। सेकिन इस समय नहीं कर सकता। मैं बानता 🖟 कि मैं इन विचारोंको ऐसे व्यक्तिके सामने प्रकट कर रहा है जिसने इस विषयके अध्ययनमें सारा जीवन खगा विया है। फिर भी मैंने सोचा कि मैं चो-कुछ सोचता रहा हूँ वह स्थामीबी तक पहुँचा थूँ। मैंने गायणी-मन्त्रका बच्चमन फिया है। मैं उसके दाव्योंको पसन्त करता है। मधे स्थामीजीने को पुस्तक दी नी वह भी मैंने पढ़ी है। इसके सध्ययनसे मैंने बढ़त काम उठाया है। उसने मुझे स्थामी दयानन्तके बीवनके सम्बन्धमें निविक्त निकास बना विया है। मैं देखता हैं कि उनका पायत्री और बावसनेन उपनिषद के कई मन्त्रोंका वर्ष सनायनवर्मी विद्यानोंके किये इए वर्षसे बिस्कल मिन्न है। बद कौर-सा वर्ष सही है ? मैं नहीं बानता । मैं स्वामी दवानत्वकी मुखाई माध्यकी ऋत्विकारी पद्धविको पुरन्त स्थोकार करनेमें हिचकिचाता हूँ। मैं स्वामीनीके ही मुँहसे बानना अधिक पसन्द करूँया। आसा है मेरे जानेसे पहुछे वे नहीं चार्वेंगे किन्दु पदि वे चसे ही जामें तो क्या ने जिल्ला हो सके उल्ला साहित्य यहाँ छोड़ जाने या पारलसे मेन देनेकी हुपा करेंने ? मैं यह भी कानता जाहेंगा कि सनातनकर्मके विद्यानीने स्वामी बयानत्वकी विश्वाके सम्बन्धमें क्या कहा है। स्वामीजीने मुझे जो हावसे वने मोने बीर बस्ताने मेने हैं उनके किए वर्लों धन्यबाद देता और उनका भारतका पता के केना। स्वामीबीको यह पत्र परा दिखा देना और वे जो-इक कर्डे, मझे किसागा।

मद्र केसनरामने मुखे को जपनिवद मेंट किये हैं उनके किए गैने उन्हें नभी बन्यवाद नहीं दिया है। यह पुस्तक समाम समस्य सिद्ध होते हैं। उससे मसे बहुत दान्ति मिसी है। जन्में भेरी जोरले बन्दबादका पत्र किस देना और मैने जो-कुछ क्यार कहा है यह सुनित कर

वेसर । पाठवासाकी प्रवित कैसी है ? कोई इसरे लगके बाये है ? इवाहीम" बीर मनिकर्म कैसे हैं? यदि इमारत बन रही हो तो कननमाई" तरके चारों कोनॉपर चार टेकिमी रखवानेका

ब्यान रखें। इस सम्बन्धमें भी इस्माइक बोरासे मिक कें। भी कार्डिन कैसे है ? उनसे कहना कि मेरे फोक्सरस्ट रवाना होनेके दिन भी कैक्नेनर्कके बर को बनाया हुआ ना उसे मैं नहीं मुका हैं। मुझे अक्सर उपका बमान नाया है और

फिर में अपने मनने सोचता हैं जाखिए इस सब कैसे जहंकारी है! धीमती बेस्ट इस समय तक बतरेसे बाहर ही वह होंगी। बनकी चीमती पामवेककी

भीर देवीबेनकी तदीयत कैंसी रहती हैं मुझे मुचित करना। मेरा विस्तास है कि मीमती पारकेल अब भी आधाममें स्नेत्रसे सबकी बेलामाल कर रही होंगी।

<sup>ং (</sup>রিসলিক।

इत्यादक पीटाके संदक्षणारी राज्येगाला कर कात ।

<sup>।</sup> व्यवस्थित साथ ।

पांचीवीक मतीने क्रम्बलक गांची ।

भूद एवं देखकी साथ ।

हमारी वैच्छ, द० वय० वैच्छती शहन ।

क्या ठाकर' का यस है ? शिंग जा गया है तो कही यह रहा है ? कैसा है ? उसकी पत्नी बैसी है?

मते बारा है कि कावामाईका पुत्र विलक्ष अध्या होगा और योरीमाई तवा नामर

श्रद कामपर सय गंग होंगे।

भी पोसक इस्तरके बाग-स्थयपर निगाह रखें। बादा बच्दुस्का ऐंड कस्पनीचे बात करनी चाहिए और को ऋच उरापर है उसका कुछ हिस्सा चुकानेके किए कहना चाहिए। बासा k. भी मैक्डनटायर वयतरके कामके व्यावसायिक भागको वेत रहे होंगे। कुमारी क्सेशिनकी वीजोंके सम्बन्धमें क्या हुवा ? मुझे महीनेमें एक मुकाकावीसे मिकनेका अधिकार है। भी पोडक का नामें। मैने जो पुस्तकें मेंगाई भी वे उन्होंने मुखे अवतक नहीं मेजी है।

मुझे पुरुयोक्तमदासका पन मिला है किन्तु मैं उसका उत्तर नहीं है सका है। अन्हें क्यामदेमें कटक्य समना देना चाहिए। मेरा खगान है कि फिल्डाल इसरे नमें हिस्से बनवानेका काम अगर वह बिस्कुल ही जरूरी न हो तो रीक रखना चाहिए। उनसे कहना मुझे साधा है, उनके मेरी को बातचीत हुई थी वह उन्होंने अच्छी तरह समझ की होगी। उन्होंने मेरे मनमें भारी आहाएँ उत्पन्न कर दी हैं उन्हें इनको पूरा करना है। बेचारी बनी कैसी है? मह तो कामस सदी होगी।

मुझे किराता कि साम विहारी भूत, राजकूमाद राम और मैनरिंग की रह रह है ? उन्हें मेरी याद दिखाना। मुझं आसा है कि भी मैनरिन जंगसके जीवनसे फिर न उस्त नमें डॉपे।

भी बेस्टस मध्य सकान कहना। अनसे कहना कि फीनिक्ससे रवाना होनेके बिन जनसे

मेरी वा भेंट हुई वी बसे बाद करें।

बन फिर तम्हारी बात । बानवानीमें - बपने हाबसे लुवाई और निदाई करने आदिमें काफी मेहनत करना । हमें जनिष्यमें इसीछे निर्वाह करना है। और लुम्हें परिवारका हीशियार बागवान होता चाहिए। अपने सीजारोंको यचास्थान और पूरी तरह शाद रचना। एसे आधा है चामदास और देवदास स्वस्य होंगे अपने पाठ बाद करते होंगे और कोई परेक्षानी पैदा म कर यो होने। स्था यमरावकी सांद्री श्रीक हो गई?

मैरा विस्तात है कि तुम सबने विलीसे जब वह हमारे यहाँ या अच्छा स्पनहार किया होना । भी कॉडिंडकी को सानेकी चीचें बची होंगा भेरा सरास है के तुमने उन्हें सीटा दी होंगी ।

भीर कर तुम्हार अपने वारेमें। तुम कैसे हो ? मेरा लवास है, मैंने सुम्हारे कंपॉपर यो बार बाका है उस सबको तुम अच्छी शरह उटा नकते हो और वह सब कार्य दिल्ह्रक प्रवासतापूर्वक कर रहे हो। किर भी मैंने यह प्राया चनुमन किया है कि मैं तुम्हारा निताना स्वतिनमन सामेर्टार्ज कर एका हैं तुम्हें बचने स्विकाली बानस्यकता है। में यह भी बानता है कि तुमने कामी-कामी सबूचन किया है। तुम्हारी विशासी जोगार हो रही है। सस मैंने जेलमें बहुत-बुछ पढ़ छिया है। इसर मैं इसर्यन रस्किन और मैकिनीकी पुस्तकें पहता रहा

र भीतिलाके यद सरका भी हरियाक याकवी अस्तर ।

९- १ और ४ क्षीमाल ग्रावेगानेके क्रमोक्टिट ।

५- वर्षनिक्तं सुद्धी ।

६ पीनितादी बालांडे वर्तपढ पुरुश्चित्रदास देशमें ।

पुरतिनादात देशतंडी क्सी । ८ कारपानेह कर्मकारीयम ।

हैं। में उपनिपद भी पहुंचा पहां हूँ। इन सबसे इसी विचारकी पुटिट होती है कि शिक्षाका वर्ष बहार मान नहीं है, बरिक स्वका कर्ष वरिफानियाँ है। उसका कर्ष वरिफान है। हारा अपने स्वकारों टीक वर्ष है "लाकीय । विद यह दृष्टिकों के हो— भीर मेरे विचारते के क्ष्म यही दृष्टिकों में कि है— भी तुर्धे विचारी समझ है उतनी कच्छी विचा
— लाकीय — पिक पढ़ी है। यदि तुर्ग्हें वपनी मौकी सूच्या करने और उसके विद्वार्थ पत्रकों प्रस्तावादी के स्वकार करने और उसकी बावस्थरतात्री को साल के तुर्धे कर के स्वकार करने स्वकार करने स्वकार करने स्वकार करने स्वकार करने स्वकार करने स्वकार के स्वकार करने स्वकार स्व

प्लार्क्स पुराको यथिए और एंस्कृतकी बोर बहुत व्याम देना चाहिए। एंस्कृत दुस्तरे क्या विस्तृत करती है। क्याचा उन्नमें दन दोनों विषयोंका त्रव्यतन करिन है। संबोठकी भी यरेमा न करता शुमाको बंबेची मुक्रपाठी या हिन्दी विकार सी हो पुरावकि एव कम्मे स्वामें मन्त्रों तीर वर्षवामांको करि केना चाहिए। और उनको एक कारीमें सक्कोत मक्षेत्र कमार्गें से सक्कोत महिन्दी कार्यों से स्वाम्य करिना वाहिए। यह एक्ये हरी। कारी उद्गिल होन्दा यह न कारोंने सिक केना चाहिए। यह एंस्ट दर्गके क्याचे वाल्यन प्रमान कर बावका। विदे कारोंने करोंने हो ये एक कार पुन पुपानतांत्र कर एक्ये हैं। कारी उद्गिल होना कि पहने क्या करी। यदि पुना केने रिकार कार कार पुना पुपानतांत्र कर एक्ये हैं। कारी उद्गिल होना कि पहने क्या करी। यदि पुना केने रिकार कार हो कोरी स्वाम कार्य कार कर किए कार्य की बाई एक-एक देनीका विद्याद शिक्त केन कर एक्से होने। यह जनकर रखा बाना कारिए।

हिसाब श्रीक-श्रीक रख रहे होंगे। यह नवस्य रखा जाना चाहिए। मानन्दकाकमाईको साव विका देना कि उसने प्रटिमा की वी वह इस बार अपनी महार्द बन्द न करेगा। मुने इस बातको अधिक विच्या है कि वह विवयाको जस्ति सिक्सम दे।

स्या उद्यमें बसीमा के किया है?

सरमजानसे बहुता कि मैं उद्यक्त इसमें में निवन्त पहने की खुवाह देता हूँ। वे वर्वमर्म में पंत्रकार बहुता कि मैं उद्यक्त एक उद्या अंतरण भी है। वे निवन्त पत्रमें में देव में में में प्रवाद पत्रमें में प्रवाद पत्रमा देवा के प्रवाद करना निव्दाद करने महत्त्व करने कि प्रवाद करने महत्त्व करने कि प्रवाद करने महत्त्व करने कि प्रवाद करने महत्त्व करने पत्रमा व्यवद्य करने महत्त्व करने प्रवाद करने महत्त्व करने महत्त करने महत्त्व करने महत्त

सस्यर बाजरण भी करते हैं।

मूसे बाजा है कि सार्यकाजील प्रार्थना अभी जकती होणी और तुम तजा दूसरे सब कोच
पितारकी प्रार्थनामें बेस्टके यहाँ जाते जींगे।

र पुजराती कुन्द "फेक्नमों " विस्ता और वर्ज दोता है विद्या करा शुक्रेंक प्रारंशिंद और अवस्थि — स पुजीस किसा करणा ।

२, पानपणन्द्री दुवी १



my dear for, I have a right to muste one letter per month and neceme also one letterper month It lies a question with me was who I should ente to I thought & our Relik mer Blak and you I chool you, as you have been medel my thoughts mall my nearly As for myself I much not, Same not allowed to vay much Jam Quell at peace & none new many what me I the mather is now quite well I sewer several litters for you have become und but they have not have given to me IR seputy governo however mas for 'enough to tell me that she was getting on well boes she now malk about freely I Whe she am all of you would continue to take sagramulk on the morning And have to chemical the her I think ghe energy ung I whe

तुम्हें इस पत्रकी शक्स कर केनी चाहिए। इसमें दूसरोंकी सहायदा भी से सेना। और इसकी एक नकल पोलकका एक कैकेनवैकको और एक स्वामीयीको भेज बेना। तुन्हें मेरा पत्र ब्यानसे पढ़ केना चाहिए और मुझे ब्योरेशर उत्तर देना चाहिए। भी पोजक्रके उत्तरको प्रतीक्षा कर केना जिससे उन्हें जो-कुछ कहना है नह मुझे किस सकी। पैसे ही तुम मेरा पत्र पहकर समझ को उत्तर किसाना शुरू कर सकते हो। उत्तर स्पाहीचे साफ सिना हो। तुम उसे जिलना चाहो उतना सम्बा हो वाने थो। उतमें हुमारी बड़ाकि सम्बजरें कोई जानकारी म हो। तब उसे प्राप्त करनेमें मधे कोई किटनाई न होगी। उत्तर बाई वतक वे सकते हो। यायव यह पत्र तुन्हें नंगलवारको मिक वारेगा। मैं उस विनसे एक सन्ताह तक प्रतीका करूँमा । मदि चाहो तो इससे भी अभिक सभय से सकते हो । तुम अपना पत्र अन्य करतंत्रे पहुछे स्वामीश्री सीर कैंकेनबैकके पत्रोंकी भी प्रतीक्षा कर सेना। वर्न्हें को कुछ कहना है पुन मुझे सिक्क फेंग्सा। तुम बोड़ा-बोड़ा हर चैन डिक्क स्केटे हो। निस्न शासको तुम विजिनिमें व्यक्त म कर एको उसका बनुवाद पुरुयोत्तमवाससे कप सेना। यदि इस पत्रका कोई बंध तुन्हारी समध्यें न आये तो तुन्हें ससका बनुबाद कथ केना चाहिए।

भन्ने बीजयनित्तकी एक प्रति भेज देना। कोई मी शंस्करण काम देगा।

बाद में इस पत्रको बान करता है। सबको प्यार और चमराच वेबरास तथा रामीको

बापु

यांचीजीके स्वास रॉमें मान बंदेवी प्रतिकी फोटो-नकस (वी वस्त्य ४६७६) है। सीबन्य कई फिसर

१६८ तार द० बाठ बिठ भाठ समितिको<sup>9</sup>

**बोह्मनिसवर्ग** नप्रैक छ १९ ९

सेवार्ने

भूम्बन ।

दक्षिण गारिका बिटिश मारतीय समिति

५ प्रम्य कोर्ट टेम्पक

[क्रम्यम [

हाइडेक्चर्यके वैक्षिमोंका चकरी पत्र प्राप्त निक्तर्में कहा गया है सूची मरनेकी स्थिति - अनुपयुक्त मोजन चारों तरफ यन्त्वी सफाईका बिल्क्स प्रबन्ध नहीं नहाने-कोनेकी कोई सुविधा नहीं न कपके बदकनेकी। भारतीय सत्यावदियोकि वान काकिर कैरियोरी बस्तर बरतान । अस्पतालमें कई - पेनिस नवार, सिरवीसे

६. जिस दिन ठाजन मानिका मिरित होशियन धर्मिटीची नद शहर मेना गना. वस दिन नोचीमी दिवोरीचा नेकों है । सन्तर है, वह क्योंको विद्याकोंकि अवाहित बोहानिसकति नेवा वया हो ।

सम्पूर्व गांवी दारमन पौड़ित। भेत अधिकारी कर। सरकार उत्पीड़ित करके शान्तीकनको अन करनेकी

38

कोसिस कर रही है। [बप्रेचीये] क्लोनियक बॉफिस रैकईस २९१/१४१।

भो० क० संधी

१३९ भारतीय और शराब

प्रिटोरिया वेक सर्वे १९९ के पूर्व]

महोदय

भैने जाएका कह पत्र देखा है की जापने जाशीयक सम्मुख बबाही देनेके सन्वन्त्रमें विटिश भारतीय सबको मेबा है। अपनी विविधि अनिधिवत होनेसे मैं अपना बस्तस्य इससे पहले नहीं मेज सका हूँ जीर न यही सम्बद हो सका है कि संबद्धी बैटक बुलाकर इस मान्द्रत्यमें विचार किया जान कि किस तरहकी बनाड़ी देनी है। संबंधे अध्यक्ष और कार्यबाहक बच्चस क्षेत्रमें है। इसिलए यह बक्तका जिसे मैं पेस करनेवाका हैं मेरे निजी विवारोंको ही स्थवत करता है।

मैं विश्वन माधिकामें पिक्रमे पलाइ वर्षते यह यहा हूँ। और श्वनम इस पूरी वनविमें पदाविकारीके रूपमें बारकीय सार्वजनिक संस्थाजींसे सम्बद्ध रहनेके कारण सभी वर्गीके आस्ती मॅकि सम्पर्कर्में बागा हूँ। १९ ३ से में बोहानिसवर्षमें बटनैंकि दौरपर बकास्य कर रहा हैं भीर मैं बिटिश भारतीय सबके सबैतनिक मन्त्री भी रहा हैं।

टान्सवाकर्मे १३ से विभक बयस्क भारतीय पृथ्य नहीं है। कहाईके दिनोंसे जो मारतीय बस्तुत उपनिवेशमें रहे हों उनकी संख्या क्याफ्ति १ से अधिक कमी नहीं खी है। इस समय एसिमाई मान्योकनके कारण समिनेक्समें सामद ५० से अधिक भारतीय नहीं है। ये नुस्यत मुख्यमान और हिन्दु है। यहाँ को बात उद्दिय्द है उसके खबाकसे इंसाइमों और पारिस्पोंका निवार नहीं करता क्योंकि वे बचपि मारतीय समावके महत्वपूर्ण बंब है फिर मी सक्यामें कम है।

मुसक्रमान और हिल्हू, बोनाके सिन्ध् उनके धर्मीमें मद्य-पान करना निविद्ध है। मुस्क्रिम वर्ग मध-निवेदपर बहुत-कुछ कायम पहा है। युसे यु नके साथ कहना पहता है कि हिन्यू वर्धमें ऐसे कोपॉकी संस्था खासी है विकाश देस उपनिवेदमें इस वार्षिक निवेदकी बंदोकता की है।

को भारतीय मच-यान करते हैं उन्होंने बाय तीरपर श्रष्ट विश्वारी गोरॉकी सहायता प्राप्त करनेवा तरीका अपनाया है। बसरे तरीके भी है जिनका में उस्केख करना नहीं पाहता।

र व्या कारण गाँगीजीने पिडोरिया बीहानिसर्ग-निवा शुल्यमान प्रथमानीम (शुल्यमान निवार क्रीयान )की क्षितिक संस्थी के क्यों मेना या । यह लंकी गांधीके विकार श्रीकेंको लडेडियम सीरिवियमके िक सिरोप " क्यों स्थापित विता तथा था।

१ व्यक्तस् द्वारमस् काल्यिना ।

१ दं नारं वस्त्रतः।

भरी राज यह है कि कामूनन मब-निर्मेख बारी रहे। किन्तु मेरा बनास है कि मच
निर्मेख उन माराजियोंकी को पराब प्राप्त करना व्याहते हैं बहुबन नहीं हुई है। मेरी
दृष्टिमें मब-निर्मेख बारी रखनेका एकमाल खान यह है कि मेरे राज पीनेवाले है स्वाधी
पराज पीने को धर्म महमूस करते हैं बहु काम्य रहे। वे जानते हैं कि उनके किए चर्म मोर कानून बोनोंकी वृद्धिके सराज प्रत्या करना और पीना बनुचित है। इससे मब-निर्मेख मायाक उनकी कानून पासन करनेकी पाबनाको वापूत कर उससे हैं। कानूनको बोग्यून तरिकेसे मंग करनेमें और माराज्यात्माको कुकारपर एक समिक केंने कानूनका पासन करनेको इधिको पातर-इक बानूनको तोहनेसे में एक वृत्तिवादी क्लार पालता हूँ। सीमाध्ये को माराजिय महस्यवादी कानूनको तोहनेसे में कानूनको हो कि बानुको हो सामाध्ये को माराजिय

में बातरता है कि मेरे कुछ वेषवासियोंको को स्वयं मध-नियंवके पक्षमें हैं, मध-सम्बन्धे कातृत्में रंगके बावारपर कमाई यह एक बीर निर्मोध्यता दिकाई देती है। सामान्यता स्वता कहता ठीक होता। किन्तु मेरा दिवसात है कि हस कातृतका रंगसे कोई सम्बन्ध नहीं है। मेरी राममें वह प्रमुख बातिकी बोरके हस बातको मान्यता है कि मध्यानको स्वर एक ऐसी बुराई है विसे वह ब्लाव से कोड़नेमें बसमर्थ है किन्तु साही बाहती कि उसे हुसरी बातियों बपना सें। निवतिको इस प्रकार बेकते हुए, मेरा बबाक है कि एपियाइसों सीर रयदार बातिसीके किए मध-नियंब व्यापक सख-नियंबकी कोर संकेत करता है।

किन्यू क्यापक सक-निपेत्र ही या न हो बनवक प्रमुख बावि वायन पीना जारी एसवी है, बाहे बहु बहुव धंनियत इंगते ही क्यों न ही तनवक सांविक सब-निपम वह निव इसनें बागू है वह समर्गे व्यावहारिक वृद्धित्वे स्विक्त उपयोगी नहीं हो वकता। निवंत्र है कि यह यूरोपीय सौग सम्य बावियोंके सम्पर्कत करात हो प्रसावका एक वहां प्रवाहरूत है। और बनवक दायवर्ध वननेका प्रचार करनेनाले खोग स्वयं ही ववपर सम्य करनेके छिए हैमार न हों ववतक छानी मच-वान्यांथी कानुन बहुत-कुछ सम्बाधी वचान दिव होंने। मैं चाहता हूँ सायोग ट्राम्यनाकने मवदावासोंको किसी व्यव्ध यह बता दे कि वनके कम्योपर कितनी वहीं विस्मेदारी है। वे सबने प्रतिपिधाकि खिए एकता बोकनीन कम्युन बनाना चएमक कर देते हैं। वनको ही बहुत-से परिवारिक किस निय करनेको विस्मेदारी सपने जार केनी होत्री। मैं सपनी विस्मेदारी दूरी वरह बातकर क्रिस पहा है। मैं बहुत बच्छी वर्षा सनता हुँ कि कितने मार्यीम नम्यवृक्ष विक्वृत्ति कमी स्वयन बच्ची वक्ष न की स्तिस बादिका या प्रायमाकर्म बाकर उनके प्रकार हो गये हैं।

सरि सायोग मुक्तमे कुछ प्रका पूछना चाहे तो मैं प्रतस्तापूर्वक उत्तर हुँगा। [संदेशीते ]

इंडियन मोविनियन १०-४-१९ ९

#### १४० पत्र एक० एस० एस० पोसकको

प्रिटो**रिया** [चेळ] बप्रैष्ठ २६, १९ ९

प्रेषक भी गां**मी (कैं**री संक्या ७७७)

प्रिय हेन पै

मुझे बार्विक प्रस्तवे वितनी विन्ता हुई है छतनी अन्य किसी बातसे नहीं हुई है। मुझे फीनिक्सपर ऋण होनेके विचारते ही चुना है और कार्याकवपर ऋषका वर्ष नही है। ऐसी हाक्यमें बेक्सेंके बकाबा कुछ कानूनी कियाबोंकी बर्बात् एन कियाबोंकी को मैंने इंग्लैंबसे मेंगई थीं और कानुनी रिपोटीकी तथा कार्याक्रममें रखी बड़ी तिकोरीकी और बुननेवासी बक्तमारीमें रखे विस्त-कोब (एनसाइस्कोरीडिवा) की भी आहित दे दी बाने। काननी किताबोंको फ्लेफर्क बेन्सन का यदि उनकी दिवति बच्छी हो तो यॉडफ्टेरे छेनेके किए कहा का सकता है। यदि इनमें से कोई कुछ भी न के सके तो आप एक सूची मुना सकते है। वे खरीबके बार्मोंसे १ प्रतिशत कमर्ने विकती बाहिए। विवोरीका कमसे-कम १५ पींड बान बाना भाष्टिए। नॉबधको (कॉटसके) विश्व-कोवके ३ पाँड देन है। जाप बानते हैं कि कॉर्टसने ३ पींड मुझसे के किये थे। यह एकम बहियोंमें नहीं है जब बसूक की वा सक्दी है। मुखे मिलकासका एक सम्बायम मिला है। यह ठीक ही किया बमा है। मैं देसता

हूँ कि भीमती पायचेक्को सपनी पौत्रीपर पर्व है। वे उसको सबसे मृत्यर समप्तरी है साववान खें। बास्की को फीनिससका सम्मादित बंतेशासी माना का सकता 🖁 ऐसा नमूना है जिसे पढ़ना है। यह कठिन कार्य है। ये जानना चाहता है कि कॉडिंग्का मायन कैसा पता और यह कही हुआ था। क्या ठाकर बम्बह्त कुछ कितावें और टाइप नामा है? में देखवा हूँ कि ठाकर-परिवार अपनकालके साथ ठड्डरा है। मिनीकी दरह जननकालका स्वभाव भी चुपवाप कन्ट सहनेका है। केकिन बोलॉयर इसका बुध बसर होता है। इसिक्ट वे मित्रोंकी स्थिति सक्तम-अधी बना केते हैं। इसकिए मैं चाहता है कि क्यनमास अपने सामध्येते अधिक मार न जलये। जैता कि उसकी माँ कहती है यह ऐसा ध्यक्ति है पर्राप्ति करे पेड़के नीचे भी सूच का सकता है। [अवसे] नह बड़ा हुआ है तमीसे उसके स्वमावमें मैंने यह विश्लेवता वेली है। मुझे अपने इस मतमें [परिवर्तनका कोई कारन | नहीं विकार्य दिया है। इतकिए छपमा उसे कहें कि वह वपने उत्पर ज्यादा

१ मुख वर्षि करीनारी है। स्त्रकेप करों कचोंना का करों का पाना है नहीं न्यासाम करों अनुसमस् बौबोर बोक्डॉमें देखर गर्रबी पूछ दिया करा है ।

१, वर्षे दुव्ये इक बन्द चना है।

१ रीक्टमा उर ।

v बोक्स्ट्रो सनी विशे महन बोक्स ।

मार न बाने। में नहीं बानता कि श्रीमती गांधीका क्षावा क्या है। [ठाकर-परिवारको ] उनके साथ ठहरना चाहिए था। अब पुक्षोत्तमवास और कॉविंख [बोनीके पास] एक-एक स्नाव है। कॉविंख [साम रक्तों | हैं यह बच्छा है। यह विस्कृत उनके श्रामुक्य ही है। परम्पु पुक्षोत्तमवात | ने किसी सामको रता यह सायब श्रीक नहीं हुना। उसके पास काफी जयह नहीं है। अनीको चार बच्चोंकी वेलमास करनी होती है। यही उसके स्मिर् बहुत है। पुक् पातमदास | बाहता है कि अनीने पहले जो अपना क्रीम नहीं नियाया उसकी कमी पूरी करे। पोतासाह | बाहता है कि सनीन पहल जा सपना कतन्य नहा नियाया उपकी कभी पूर्व कर। हर दियानें उसने सूरबात अच्छी नहीं की है। इसिंध्य मैं मह साननेकों बहुत प्रकृष्ट में कि उसने स्पारत कर किया है। उसने मूने बहुत प्रकृष्ट में कि उसने मूने बहुत प्रकृष्ट में किया है। उसने मूने बहुत प्रकृष्ट में क्या है। इसने सिक्स में इस समय न कहूँना। मैं बाहता हूँ कि फीनिसके मन सोग इस्टियंकों जीवनी और सेरा पर्वासाय (माई क्यूनेस्ट ) पड़ें। वानों किता के बहुत मैरसाय है। वे बाहती हो। वानों किता के बहुत मैरसाय है। वे बाहती हो। वो मेरे पात हैं। यह सामिन प्रकृष्ट में की मोनें पात होगा। वे हायंकालकी प्रकृष्ट में की मेरे पात हैं। यह सिक्स की प्रकृष्ट में की नो मेर पात होगा। वे हायंकालकी प्रकृष्ट में की साम होगा। वे हायंकालकी प्रकृष्ट के बाहत सीनें से हैं। यह बीतवार्स है। हम प्रमोगकी जवस्वार्स है और पहले कार्योपर राजंग सवर पहेगा है। फिर भी वर्स बी-पूक पहारा कार्य उपकी का भी जीति वीर्थ । मुखे बाया है कि मैं कियी दिन उपकी परिवा करें।। उपकी अपने रेकापित्रतर वार्योपर परिवा करें।। उपकी अपने रेकापित्रतर वार्योपर परिवा करें।। उपकी अपने रेकापित्रतर वार्योपर परिवा करें।। उपकी अपने रेकापित्रतर वार्योप वार्ये कार्य वार्या कर्म कर्म करने इस रुक्त कर्म क्रिका प्रदान कीर्य । उपमा है किसी दिल में स्वर्ध उपको बीरा पहालेकी तिरमेदारी के एत्र परिवा की प्रमाणकी एत्य पर्वे में प्रमाण करिया कि एत्य परिवा है। उपका वीर्य प्रमाण करिया पर्वे करनी पूर्व परिवा कि कार्य करने करने प्रमाण करिया करिया परिवा है। उपका वीर्य प्रमाण करिया पर्वे करने प्रमाण करिया करिया करिया परिवा है कि उपने कार्य करिया करिया करिया परिवा है। वार्या उपने कार्य करिया करिया परिवा है। वार्या उपने परिवा करिया परिवा परिवा है। वार्या उपने कार्या कर्म परिवा है। वार्या उपने परिवा हो परिवार करिया परिवा है। वार्या उपने कार्य करिया करा हो। वार्या करिया परिवार करिया परिवार करिया परिवार वार्यो है। या इरिया करिय करिया ही वार्य वार्य करिया करिया करिया परिवार करिया परिवार करिया परिवार करिया ही है। या इरियानके वियोगमें विशेषात परिवार ही थी वीर्या विवा विवार करिया ही।

१ नांधारीकी सकी वही बहब एजिलानेत ।

धम्पूर्ण गांधी शास्त्रम

वेटावी हैं? इस्मा वों नानवीको फीनिवसवासियोंका ब्यान रखनेके किए वस्पवाद वें। वे मुक्तपर अपना ऋष सवा नवाते ही रहते हैं। पाठसाक्षाके सनतकी प्रयति कैसी 🛊 ? मैरा चयास है कि ज्यनसास गेरी जोरसे भी गोरासे कहे कि वे जालोंके वोडिंगका वर्ष बढ़ाना मजर कर में जिससे छोटी-मोटी एकमेंकि सम्बन्धमें संरक्षक सदाकी जिल्हासे मुक्त हो बार्ने। मुमे प्रसमता है कि स्वामीजी अधिक ठहर रहे हैं। आशा है कि [जनसे] मिककर मजोपनीतके सम्बन्धमें विखेब बात सक्या। मैंने बाडीसे पीटरमैरिस्सबर्धके पर्वेषर उन्हें को पत्र मेना ना नड उनको मिल गमा होना। मेधै यह धीत इच्छा है कि ने हिन्दुनों और मुस्कमार्गेने बीच सदमान बढातेके किए उनसे जो-करू हो सके सब करें। मैं बातन्दरूपको बह अपेवा करता है कि नह सपना अध्ययन बन्द न करने और नागको हरा-परा बनानेका बचन पर करेगा ! कपया बेस्टसे कहें कि वे रविवासरीय प्रार्वनाको यवि उसमें कोई कटिनाई हो ती मी बाध रखें। यीमती बेस्टकी बीमारीमें बढ़ क्यों और की वा सकती है. किन्त बड़ी एक सम्भव हो बन्द न की जाये। इत्या (इस पत्रके) फीनिक्स-सम्बन्धी भायकी पत्रक करनाकर नेस्टको भिजना में। एवं इसे सब पढ़ सकेंगे। और कननजान मुसे एक म्योरेनार एकर किसे जिसमें जो जेजना चाहें उन समीके सन्तेश हों। मैं ७ मई तक स्वनकासका पत्र मिननेकी काचा करूँना। इससे उसको काफी वक्त विक बायेगा।

टाइप की हुई बंग्रेची प्रतिकी फोटो-नकस (एस एक ४९२५) से।

## १४१ भाषण प्रिटोरियाकी समार्ने

प्रिहोरिया महीरे १९९]

कम्बा मादल देनेके किए समय नहीं है। मैं नाक्दा करने चका बना वा जिसमें हुए समय निकल क्या। फिर भी दी करू कहता है। इक्पर बाप व्यान दें। जपने जेसके सनसबके सामारपर में कह सकता है कि बक-बीवनकी सास्त्र बैसी होनी चाहिए वैदी ही है। हम को मान यह है वह हमें जनक्य मिकेसा। क्टनेपर में देवता है कि जो कर है में मूर ही रहेंने। जम्मक्षने कहा है कि आपक्षी फुटके कारण संबर्ध करना लिय था। है केकिन मेरी धनशंते नात ऐसी नहीं है। हुमारे बाई बच्छे हैं इसी कारम बेसे भरती मुद्री है। जो निकर है ने जेस जा रते हैं और कार्येये। और होना भी नहीं काक्षिप। मान पहला है कि जेकमें कुछ कथ्ट होनेपर भी कुटनेके बाद ने फिर चेस जानेके किए टैनार

१ कोनके एक विकासक तथा नेवाल्के भारतीय समानके बेसा; कीम्बिस पर्वापे बीमार पत्रवेपालीकी विकास कार है ही बाते है, और भीमती चांत्रीका काम मी कहींने ही किस गार

र, मू करून की है।

पर मनुरा बाब पहता है और का कालर का अंख है भी देखको मेचा गता था। Y सम्बन्धी समाधितर २४ वर्ष १९ ९ की गांतीची विका समत्ते के बड़े पार्क, तब तले तार बने ही क्रीन दिने को ने राहि मारतीय किसी कहारका अपर्वेण य कर सकें। फिर मी कोई सी मारतीय क्षेत्रा लाका करनेके किए करन हो तमें ने । याँपीनी अनके दाल सत्कामिता नवालित को और सार्थे अनीने क्यों का मत्त्व दिया। स्थाकी बच्चका नहीं क्राध्यक्षे थी।

हैं। को श्रेकके रसको रस मानकर जबते हैं ने क्वापि पीछे नहीं हुटेंगे वरिक वार-बार श्रेक वार्येंगे।

मेरे क्टो समय मुक्स नावेंग्से मुक्त कहा कि "बापको फिर्स जेक न बातेकी समाह हैना निर्मक है नयोंकि बाप उसे मानवेबाके तो हैं मही।" इससे बाहिर होता है कि उसके मनपर सम्यादहती केती बाप पड़ी है। मुझे नाहर सुख मिकता नहीं। मैं जेकमें नियमसे इंस्वरड़ी प्राचना कर सकता था। बाहर मुझे उसके किए समय ही नहीं मिकता। जेकमें कैपी उटकर बिस्तर समेट कर तैयार हो जायें इसकिए समेरे साई गीव बजे बत्ती बसा से बाती भी और फिर बाबे बंटे बाव बुझा दी जाती थीं। बसीके बुझनैपर बेंबेरेमें कुछ कैयी एक इसरेकी बुराई करते। मुझे तो उस समय ईस्वरकी प्रार्थना करनेका बच्छा जवकास निकरी ना। कक्की मुझे ऐसी पुरसत और सुविचा नहीं निकेशी। आपके बमाक्क मुझं पुत्त होना। ना करक पूने पूजा है। इस है कि बेकरों बुध्व और बाहर सुख है। को बेक बानेंग्ने करते कैंदिन में तो मानता हो नहीं कि बेकरों बुध्व और बाहर सुख है। को बेक बानेंग्ने करते हैं उन्होंने पंत्रीयन क्या किया और क्या पढ़े हैं। फिर भी उनका मी एक नर्तक्य है, बिछे के दूरा कर सक्दों हैं। हमारे सक्के सन्देखें को किसीको कोई बिरोब नहीं होगा और मरि हो तो यह सारतीय नहीं कहका सकता बल्क भारतकी वह कोवलेबाला कहलायेगा। मुझे भी हाबी कासिमसे बात करनेका समय मिल गया यह अच्छा हुना। हमें क्या करना चाहिए. मह जाप उनसे पूर्केंगे थी वे बतायेंगे। बीर यदि बाप तवनुसार करेंगे थी वह मदद करने बैसा न्तु ना जार के पूर्व के पाने पाने पाने का निर्माण कर के प्रति हैं कि जा कि प्रति के पाने की प्रति के हरियाल नभी जेवमें है। उन्हें बजी बाई महीनेसे ज्यादा बन्त चेवमें काटना है। मुसे बच्चा तो तभी करेगा जब मैं फिर चेक जाऊँ और समक्रे बाद कोड़ा जाऊँ। अभी समझमें नहीं बाता कि मह कैसे सम्भव होना। गेरा को राज रंग और सुख — सब-कुछ धनमार्ग पहा नाता कि नह कुछ स्थानन होगा गिरा ता राम रा नार पुत्र — स्व-हुक चेकर्ने ही है। वस्ती प्रतिकाल क्याक्ये गुड़े त्रेक ही बच्ची कस्ती है। मैं स्वर्ती स्वति-सर तो जेक वाले नीर कोर्गिक वाच क्यानी ही कोविय करता हूँ राष्ट्र देकरी रहता संस्मत नहीं हो रहा है। नायते गुक्रे गही कहता है सबचा कहिए, सही दित्ती करती है कि साहसी कोर्गोका नेक माता ही उत्तत है। जिनसे ऐसा न हो दे मैंने भी हानी कासिससे को कहा है वह करें। बिटिल जारतीय संघ और कोव निकारी वन क्ये हैं। यह मूसे चेकमें जी पोलकके पत्रते मालूम हुना है। तो जब जो ब्यापार कर रहे हैं उन्हें बपती वैक्सिंगे हाच बालता चाहिए। तेते सुता तो है कि यह सुक हो तथा है मनर में रपे प्योच नहीं मालता। जाप अधिक तबारताते तें। उसते देश्वर मी प्रश्च होगा और भापकी उदारता कवित मानी बावेसी। बाप कीन इतनी बच्छी संस्वामें इकट्ठे हुए, इसके निरुप्त कार्यात मानके हुए में फिर बनुरोव करता हूँ कि सीमें पूरी होनेवड बाप केर्ने करता हूँ बीर बब मोर्ग मंत्रुर हो सामें वारी वारता हैं। इसके सिवा इसरी कीर्र सताह मार्रोत रहें और बब मोर्ग मंत्रुर हो सामें वारी वारता हों। इसके सिवा इसरी कीर्र सताह मा राह है भी नहीं। बाप भी सह देखते और मानते होंगे।

[न्यपतीसे]

इंडियम बोरिनियन २९-५-१९०९

१ स्टबं बार गांगीमी वर्षिक कोर्योध सवाक्ष्ये अधेतीने वेलित वर्षिय समझ्य झीलेंड ।

274 कार है तोगे कारक वेंटाती हैं ? कपमा कों जानवीको<sup>र</sup> फीनिकावाधियरेंका क्यान उच्चलेके किए कमावाद हैं। हे मध्यपर सपना ज्याच सवा बाबाते ही जाते हैं। पालकासाहे आवलकी पार्ति हैसी है? ग्रेस कवास है कि ध्वानसाक मेरी मोरसे की गोरासे को कि वे धार्वीके बोर्डिंगका सर्व बहाना मनर

कर में जिससे कोटी-मोरी एकमोंके सम्बन्धमें संरक्षक सवाकी विस्तासे मक्त हो वार्ने। मधे प्रसम्भवा है कि स्वामीकी कविक ठहर रहे हैं। बाधा है कि [उनसे] मिसकर महोपबीठके सम्बन्धमें विद्येय जान सुद्धेया। मैने नाडीसे पीटरमेरित्सवर्षके पतेपर सन्दें को पत्र प्रेसा का कह जनको मिक गया होगा। मेरी यह तीच हक्का है कि वै हिन्दलों और मसक्याती मीच सदमाब बदानेके किए जनसे को-कल को सके सब करें। में आनलसाबसे बद बरेबी करता है कि बार अपना अध्ययन क्या न करने और कायको क्या-मरा बनातेका स्थन पर करेगा। कपका बेस्टमे कहें कि से रविकासरीय वर्तनाको जनि जनमें जोई करिनाई हो ही भी जारी रखें। सीमती बेस्टको बीमारीमें वह कहीं और की वर सकते है. किस बड़ी तुरु सम्मव हो बन्द न की बाये। कृपसा हिस प्रवर्धे | कीनिकस-सम्बर्भी भावकी नक्त करनाकर नेस्टकी मिनवा वें। तन इसे सन पढ़ सकींगे। और अमनकाल मुद्दी एक म्योरेनार उत्तर कियो जिसमें को भेजना चाहें उन समीके समोक हों। हैं के हाई तक क्यानकाक्या पन मिक्नेकी बामा करेंगा। वससे जसको काफी उक्त विक क्योजा।

टाइप की हुई अंबेजी प्रतिकी फोटो-नक्छ (एस एन ४९२५) से !

#### १४१ मावण प्रिटोश्यिकी सभासें

[प्रिटोरिमा

सर्वेष १९९

काना मायन देनेके किए समय नहीं है। में नाला करने यका बग वा निसमें कुछ समय निकास गया। फिर भी दो सम्ब कहता है। इनपर बाप प्यान है। अपने सेस्के अनुभवके जाबारपर में कह सकता हैं कि वक-जीवनकी डाकत वैसी होती वाडिए वैसी ही है। इस को मौग रहे हैं वह हमें अवस्थ मिलेगा। क्रटनेपर मै देखता है कि जो सर है वे शर ही खेरी। बम्बधने कहा है कि बावती पटके कारन संबर्ध सम्बा कि रका है केकिन नेरी समझसे बात ऐसी नहीं है। हमारे माई बरते हैं इसी कारण बेसें मरती सही है। जो तिहर है ने जेक जा रहे हैं और कार्येये। और होना भी यही नाहिए। नान पहला है कि बोक्से कुछ क्षक्ट होनेपर जी कदनेके बाध के फिर बेल जानेके लिए हैगाएँ

१ वर्रेशके वह विभिन्नक तथा नेराक्के भारतीय समावके केन्ना चीलिला क्वांमें शोधार पहलेशकोंकी

विभिन्ना नरार वे ही करते थे, और नीमती यांचीका स्थाय भी क्योंने ही किया नार

६ व्ह करून की है।

ह पत्र बबुरा कान पहला है और नह बावर कर बंध है को कैपाको भैगा तथा था। Y सताबी समाधिकर ६४ मों १९ ९ ही गांधिकी विश्वत सम्पत्ती देह की आहे, श्रुव्य ताने सार नते ही क्षेत्र विरोध को ने साहित सासीय किसी समाध्या मा सहीय न वर सही। किर भी कोई सी नारतीय कमा arrer करनेके किए पटन हो गरे ने । नांधीशी कनके साथ शकायिका महानिए तमे और पारमें क्योंने क्षाँ का महत्त्व दिया । उपाको अव्यवका क्ष्मी आव्यक्ते की।

 हैं। जो चेलके रसको रस मानकर चलते हैं वे कशापि पीछे नहीं हर्टेंगे विक बार-बार चेल जारेंगे।

मरे सून्ते समय मुख्य बाईरने मुझसे कहा कि "आपको फिरमे लेक न आनेकी समाह रेना निरुदंक है क्योंकि आप उसे माननेवाके सो हैं नहीं। इनसे बाहिर होना है कि उसके मनपर सन्यादहकी कैनी छाप पढ़ी है। मुझे बाहर मुख मिसता गर्ही। मैं लेकमें नियमसे इंस्करकी प्रार्थना कर सकता था। बाहर नुझे उसके किए समय ही नहीं मिसता। लेकमें कैसी उठकर बिस्तर समेट कर सैयार हो जामें इससिए सबेरे साई पाँच बने बती जका सी माती बी और फिर जामें मेंटे बाद बुका दी जाती थीं। बत्तीके बुत्तमेपर अमेरेमें हुछ वैदी एक इसरेकी कुछई करते। मुझे तो उस समय इत्वरकी प्रार्थना करनका अच्छा अवकास मिस्ता बा। कससे मूत्रे ऐसी पूरसत और सुविका नहीं मिलगी। आवके प्रथाकने मूले सूल होगा। सिक्त में दो मानवा ही नहीं कि बेकवें हुआ और बाहर शुक्क है। को बेक बानेंटे बच्चे हैं बक्ति वंत्रीयन कप किया और कप पहुं है। फिर भी उनका भी एक कर्तम्य है जिसे वे पूर्य कर सकते हैं। इसारे सक्ये पास्तेत्वें तो किसीको कोई विधेष नहीं होमा और सरि ्रहें हो में बहु मार्टीय नहीं कहूंबा एकता बलिक मार्टाकी वह बोस्टेनेबाक कहूमरीगा। मुझे ही हो बहु मार्टीय नहीं कहूंबा एकता बलिक मार्टाकी वह बोस्टेनेबाक कहूमरीगा। मुझे भी हामी कारियमी बाट करनेका एमय मिक गया यह बच्चा हुमा। हमें क्या करना चाहिए, यह ब्राय उनके पूकी हो थे बटायेंगे। और यदि ब्राय उन्नुवार करेंगे दो वह मदब करने जैया नह नाथ उनके पूजा का वायाच्या कार वाच वाच कर राज्य है। बात वा कार कर राज्य ने स्वार्ण कर की है। होगा जिन्हें छुटनेका मुझे मुख नहीं है व्यक्ति दूनके हैं। बात वी ब्यावके यही नाटकी मुझे क्वार्ण के की करोंकि की वाजक सूहानाट की स्वार्ण कर की की पा बड़ा कहका ही एका कि नी पा बड़ा कहका हिएका कार्यों जिनसे हैं। उन्हों कार्यों कार्यों के लायां वाच वी के से हाटता है। मुझे कक्का हो हमी कार्यों करी हमें हमें उनके बाद खोड़ा जाऊँ। बामी समझमें नहीं बाता कि यह कैसे सन्यव होता। नेरा तो राय-रंग बीर मुख --- सव-कुछ पेक्में हैं। है। अपनी प्रतिवाके क्यांक्से मुझे जेस ही क्ष्म्की क्याती है। मैं अपनी 

[पुत्रसतीने]

इंडियन जोविनिजन २९-५--१९ ९

र अनेक बाद गर्रवीमी समित क्येन्ट्रिक क्यापन मध्येन्ट्रीने वाच्ये देखिर काम्य द्वार्गेक ।

#### १४२ भाषण प्रिटोरियामें '

[प्रितोरिया नहीं २४ १९ ९]

ज्यूनिने कहा में चेलसे कृत पता हूँ किन्तु मुग्ने इसकी तोई नृती नहीं है। येरे अपने में स्वार्ध सभी अपनी सवार्य आपनी हैं और देरे अरेको मी छ म्यूनिकी त्वा पुनवर्ती है। किन्तु इस सबके वायजूद आव्योकन सत्वक वार्धी रहेवा जाता हार हमें राह्त नहीं दे नेति जितके हम हकतार हैं। चताक लाग न्यूनि किन्ता काता त्वक हमें राह्त नहीं दे नेति जितके हम हकतार हैं। चताक लाग न्यूनि क्या काता त्वक हमें क्या सहना हो होगा। वो मारतीय योजकी सकती के मार्थ सहन सकते हैं दूकरों तह वा वा मारतीय प्रकार के प्रवार्ध के स्वार्ध हमार्ध साम के स्वर्ध सामती हमार्ध साम के सामती हमार्ध साम के सामती हमार्ध साम के सामती हमार्ध साम के सामती हमार्ध सामती हमा

क्दारा बोस बोई-से लोगॅकि कलॉवर पहेंचा। मलावें बी शांकील कहा: हुनारे शांक्योंकी पंत्रया चाहे बड़ी हो मा झोटी में शक्ते विश्वते भवनागढ़े प्रावंता करता है कि वह हुनें देश बोधको तबतक बहुन करनेकी शक्ति से बबतक हुन बचना प्येप प्राप्त नहीं कर केटे।

[बंगेनीसे]

इंडियन जोपिनियन २९-५-१९ ९

२ सर कार्यका को विकास को विकास का दिया हुए के विवेदिया स्पूक्त वृद्धिया कोलिनिकाम बहुत विकास मा गाः

# १४३ मेंट 'प्रिटोरिया न्यून'के प्रतिनिधिको'

[प्रिटोरिया मही २४ १९ ९]

भी पाणील कहा कि में बोतमें अपने साम किये गये आवहारके सम्बन्धमें इस समय कोई बनताव्य नहीं देशा काहता। मैं अवतक तीम वारमें पांच मात तीम सप्ताहकों लेख कार कर हैं।

प्रशाहिक के का प्रशाहिक प्रकार में भी गांची कहा मुझे इस मानकेमें सामनानीसे विचार करना होता। में नहीं समझ सकता कि इन्त्यवाककी सरकार विदिक्त मारतियोंपर मपनी सक्ता इस हुद तक कैसे बनाये एक सकती है कि वह उन्हें निवासित करके भारत पहुँचा है। हुक भी ही निवासित के को मारत पहुँचा है। हुक भी ही निवासित के को मारत पहुँचा है। हुक भी ही निवासित के का महित बहुत ही मुर्चता-भारी है। वह समावस्त्रकप्ती कृता मार्चत है। हुक भी ही निवासित के का महित हो होता कि संपर्ध एक ऐसे बेस्ट कहा कामी मार्चा कहा सम्मा कही सम्मा है हतका स्कम बीर भी विविक्त पत्नीर ही काथे। भी नांचीने कहा

मुभे यह पुगकर पहरी टेव क्यारी है कि लोका शक्का एक कड़का मारत निर्माखित किया था रहा है बौर उनका बाप फोस्चरस्टको सेकों है। यदि चरकारका यह मनुमान है कि वह देवे कूरतापूर्व करोकोंको काममें साकर मारतीयोंकी हिम्स्त तोड़ छोमी तो वह बहुत मुक्त करती है।"

[बंबेबीसे]

इंडियन कोपिनियन, २९-५-१९ ९

रं व्यंपीर्वति का मेंद्र १४ महीको निर्माशिक्षको मसकितमें को गई समक्षेत्र फलाने को थी। देखिन सिप्तार क्षेत्रिक ।

मबर्क मण्डमें गांतीमोडो दोशीय तो नाताीय विकास क्षेत्रम एक वर्षेत्रमें गमे और वे रेक्यप्रिकेट बेबरियक्टीक क्लि स्वस्थ हो को ।

### १४४ भाषण कोहानिसवर्गकी समामें

[ओक्शनिसवर्ष सर्दर १९९]

भाज कई महीने बाद जापको वैचाने और जापसे मिलनेका वरसर आया है। इससे मुखे चुणी होती है। परस्तु जेससे रिहा होनेमें मैं प्रसन्न नहीं 🛊 क्योंकि हमारे नेता --- और में भी वयोत्रह --- जेकमें हैं। अभी उन्हें अपनी सवा पूरी करनेमें दो महीनेसे स्वादा सर्वेगे। वैधा माप जानते हैं इनमें भी बातव सेठ भी पारसी सरवमनी और भी सोरावनी नावि है। मीर यदि स्वाची बनकर क्यू वो येचा बड़का हरिकाल भी उनमें है। सब मुझे मुबछे बैठना-साना हैसे बच्छा करें ? अवतक हमें वह चीज नहीं मिसरी विसे हम मागते हैं तबतक हम प्रसम नहीं हो सकते। हम यो-कुछ माँकते हैं जुबा हमें देगा। केफिन वह सरकारकी मार्च्य मिलेमा। हमें वह क्यों नहीं मिलवा इसका कारब हमें भी काश्रविमा बता पुरे है। कहा बाता है कि को काम एक हुबार कीय कर सकते हैं वह बससे नहीं हो सकता। क्यारे स्टक्तिए कम्पी बिच पी है कि उद्योग काफी क्षेण हिस्सा नहीं केते। हम स्ट स्मम क्याके परमें हैं बही हमने बपय की वी हाय दश्या या बीर यह ऐबान किया या कि वयदक कानून रह नहीं किया बायेगा और शिक्षितींका स्वीमकार न दिया जायेगा तबदक हम अक्टो रहेंगे और प्रमाणपत्रका [पंबीयम] बपयोग न करेंबे । हमें इस प्रतिज्ञाका पासन करनेके जिए बेक्सें बाकर राजा चाहिए। मेरी तो इच्छा है कि बस्दी ही मेराल बाई और वहाँसे वापस जाकर निरस्तार होऊँ। ऐसा करूँ तो बाठव सेठ और हरिकाल बाविसे मिक सकता हूँ। मेरा कर्यव्य तो समावको और समावके हिराधनतकाँकी देवा करना ही है। में बाउब हैछके साब चेक बार्ट दो माना वायेगा कि मैं ठीक हेवा करता 👔 बाब यह नाच क्रमाया समा कि "हिन्तुओं बीर मुस्कमानोके चवाको सकामी दो।" यह उचित नहीं पा। में एमानका ऐक्क हूँ राजा नहीं हैं। मैं बूदा मानी ईरनरले प्रार्थना करता हूँ कि वह मृत्ते एवा एमानकी ऐसा करनेकी बीकर और वृद्धि है। मेरी मुख्य तमी पूर्वे होगी बह समावकी ऐसा करनेकिया ही निये मृत्यू हो। मेरा कर्येच्य वहीं है। नियक्षे मनमें बारत और मारावीयोंका बयांच्य हो उसे समावका देवक ही बनना पाहिए। में बनाके सम्मातके कामक नहीं वा और न हूँ। वितनी देश करनी थी जतनी देश मुससे नहीं ही सकी है श्योकि दूसरे कोन सेनक बनकर जब सी चेकरें है। ने सूट जानेपर भी बार-बार

१ विद्योदिगते पार्च देखन पर्देण्योत्तर वर्तमंत्रीया गोरिनिय सामय विद्या गारा। कामल स्त्रा प्रमात प्रत्यांत, वीभी गीर मुरितिय कामी गीर कामे तामिरीयों कामानी वाले देखन वाले ने तसने रिरोज में के कीम मीरिता है। वर्तमानी कामले स्वराई वर्तमानी वेदकर प्रवृत्तिक प्रमानों के माना करा। वर्ते स्वराद हामले कामले माने मानवाली मान करा हाँ, विकास प्राचित प्रत्या हुए कराई मीरिता ।

९ रहिल्ला स्टिकिंग ।

हिरोसी का करता है कि कर शतन नीकोनीको वांनीकी बिहुक हो को अ

चेल जाते हैं। सम्पक्षते अपना सर्गस्य समर्पित करके सेवा की है और वद मी कर रहे हैं। इसरोंकी माँति ही मुझे भी जेख मिले मौर मैं उनके बाद खुरूँ तभी मेरा मन मानैया। कुछ जीहानिसबर्गकी जीसरे हमीविया अंजुमनके जन्मक थी उमरणी साथे क्टेंगे। बीपनक्छ चेडते भी व्यास तथा सी वेरिक जनंतर भी रिहा किये चार्मेरी। भारतीमाँकी उन्हें क्षेत्रेके सिन्द जाना चाहिए। बाला है कि कानमिया स्रोग इस बार जगना पूरा उरखाह रिखार्मेरी बीर सी उनरबी सामेरी बाली खींचकर सामेरी। मुद्दी निकास है कि व नुद्र महानुमान बंब भी समाजके किए जेस जाना ही अच्छा समझेंगे। में हुवा माँगता हूँ कि बुदा पाक समझी बुद्ध क्षप्रस्था होनेपर भी उन्हें श्राक्ति है। बुसरोंका कर्तस्य भी उन्होंका अनुकरण करना है। क्रोगोंको बरबी केकर कीपत्सुक सी बाना चाहिए, और भी स्थास तथा थी वर्नेस्टकी भी | पाड़ीमें ही से बाना चाहिए। इस समय म इससे वर्षिक कहना नहीं चाहरा। मिंद कोई भारतीय यह कहे कि हम हार यथे हैं तो बह स्वयं ही हार गया है। जा बेच जाते वाका नजदल है वह तो जीता हुवा ही है। जुनी कानून कब रव किया बानेगा और चिकिटोंका हरू कब निकेश यह तो जुवाके हाथमें है। किर भी यह स्वपर निर्मर है कि हमारा उसमें विस्तास किराना है और हम किस सार्थको सपनाते हैं। जुदा सम्पेके साव है। इस सच्चे हैं तो हमें चीत मिक्रेगी ही। यो महीनेकी चैक्की सबा भीनकर जब मै फोक्सरस्टमें वाना या तन भी इतने ही कोय उपस्थित थे। मैं बापसे पूछना चाहुँगा कि अस्तर्यास्य जाना गाँच वा हरून है जा जाया वा मार्ग के हैं या बांधा उठाने में साथ देवा वाही गहुना है बार महीं "बी हो बी हों "करने बारे हैं या बोझा उठाने में साथ देना बाहते हैं आपको समझता पाहिए कि बापका कर्तमा लेकके कप्ट सहात है। बोकमें और लेकके बाहर एर-सा ही है। फोलस्टस्ट लेकमें बेरेसाम कुळ समिक मार्थ थे। भी नामकृत्रिक्तरे हैं कि वे सभी क्क बढ़ हैं और जैस बानेके लिए एक पैर उठाये तैयार हैं। हमारे लिए तो असवार है, इस्रिप्ट हम समझ-समझा सकते हैं। तमिकाँकी मापामें बखबार नहीं है, फिर भी वे कैसी वहादुरी दिवा रहे हैं और किस सरह अपना कर्तम्य पूरा कर रहे हैं। उन्हें सुरापर नशुरुष (चना पर्व है नार एक) यह नारा करना पूर्व कर १००० है। यह युप्तार मध्येश है। कहा उनाहरण केकर हमें वनके यर-विज्ञांतर वस्त्री जाहिए। यहि इस ऐदा करें दो बोद हमारे शवनें हैं और समीध ही है। बाप खबने बीर बीनों कोगीने जात यहाँ मेरे स्वामतके किए बानेता कुण किया है में हकके किए बापका जामार मानदा हूँ। नभी कौमके रकको समझे निना में कुछ विशेष नहीं कह सकता हैं फिर भी बाद बो-कुछ पूर्णे उसका मुमासा दश्तरमें करूँगा। धपन केना और हाथ पठाना बहुत हो भुका। अब में बैसा नहीं चाहता। केकिन इस यदि बेक जानेके किए सक्ते दिख्ये तैयार हों तो सारे रास्ते पुत्ते हैं। और उन्ने किए ही मैं आपको मरसक सकाह पूँपा। यदि आप वैसा करेंदे दो नापकी अब बदस्य होगी। जब भी शमय गया गही है। आप इंदना करें तो काफी होगा I<sup>8</sup>

[मूजपतीसे] इंडियन जोपिनियन २९-५-१९ ९

र नर्फ पार गांचीशी जीतेशीलें पोक्षेत्र वेश्वार जनका सहिन्छ ।

### १४५ भाषन जोहानिसवर्गकी समामें

[बोहातिसवर्षे सद्दिश १९९]

जन्होंने [गांधीजीने] कहा कि तुसे घेतसे बाहर सानेमें करा सी खुसी नहीं है। इसका कारण स्पन्न है। जारतीय समावके कुछ अच्छेते-अच्छे जीग जब जी दुश्सवाककी विनिव जैकोंमें हैं। उनमें से कुछ तो बुद्ध हैं। मेरा सबसे बड़ा रूक्का भी जमी बेकमें है। कुछ कोर्पोंको तो बनी दोसे वाद नास तक की सवा और नादनी है। धनमें से कुकने मेरे साव निर्वेषि नाते काम किया है और कुछ मेरे प्रति प्रेम और सम्मानका मात्र रखनेके कारम ही जेज गये हैं। वयकि इन सजीकी बाजादीपर प्रतिकाय समा हुआ है समुख्य होते हुए गमा मुझे अपनी रिक्षाईवर किसी तरहकी जलभता हो सकती है? इस प्रकारकी परि स्वितियोंने में मुझी नहीं हो सकता। बबतक हुमारे प्रति न्याय नहीं किया बाता जो कि हमारा हक है तरतक इस न बा सकते हैं और भ माराम कर सकते हैं। हमारे प्रति नह न्माम क्य होता मह नगवान ही कानता है किन्तु हतना तो हम कलते है कि वह होगा अवस्य । पिक्के तीन समरनीय भाग्नीमें मैंने स्वितियर शार-बार विचार किया है और की बार्ड क्यॉपर नजर बीड़ानेंके बाद में जब भी कह सकता हूं कि लेन अपने देशशाहमोंको की सकाह वी वी उन्नमें से में पुरूष जी बायस नहीं केता। (हर्ष व्यक्तिः) मैने १९ ७ के कर्तृत की को निन्दा की है उसका एक शब्द जी में शायस ग्रही के सकता और में अब भी जमने इस क्लाम्पनर बुद्र 🛊 कि सनरक स्ववृक्ष उस्त कानुमको रव करनेके तिए वक्तवड हैं। हम पूर्व और सुद्ध त्याय चाहते हैं। तत्रपूर्व जारतीय राष्ट्रका को अवसान किया यया है। उत्तके तामने कोई भी मारतीय भूप नहीं बैठ तकता। चवतक वर्तमान स्विति कायम है तकतक ट्रान्सवासने धुरस्थित स्थान केवल बोल है। में बोसमें वपने ताथ किये गये व्यवहार या तपर्यके बारेमें समिक कुछ नहीं कहना बाहता। संबर्यके बारेमें बर्यक कुछ न नहनेका कारण यह है कि हासमें क्या होता रहा है में नहीं बानता। में जिन बेस-अधिकारिओंकी सीची देख-रेखमें था प्रमक्ते विषय मुझे कुछ जी नहीं कहना है। मेरे हमकैके समारी मैर्ने साथ हर तरहते शिष्टता और सीमध्यका व्यवहार करते थे। मही वात इसरे अविकारियोंके बारेमें बी है। में बीम ही बहुत-कुछ और तिर्व्याः वी मुझे अपने वेशनाइयेंनि कहना है। बाहें बहुत-हा कान करना है और बाहें अपने कर्तव्यका क्षेत्र क्षीना काहिए। में बाहें बामीमें सङ्क्रीपर मुनाये जानेकी अपेक्षा अपने कव्यके किए काम करते देखना बाँगिक परान्य करता हूँ। मैत्रे पिक्रले तीन वहाँगोंचें बाहबिक में तस्त डैनियलचे सम्बन्धित अंश पड़कर बहुत साल्यना पाई है। अवतक जितने नी सत्यात्रही हुए है जनमें वैनियस नहानतम में और हुने जनका अनुतरण करना चाहिए। यथि जनरल बोबा और स्वर्सके कामून हमारी असारात्माके विका है तो के हनारे लिए नहीं हैं। हमें निःशंक-नावसे रहना चाहिए और

उन सन्बन्ति बहुना चाहिए कि वे घो भी कानून पात करते हैं यदि वे हेक्सीय कानून नहीं हैं तो हमारे किए नहीं हैं। हम कमर कत में और काम करें। वालोंने या सन्धवां सरनी सक्ति नट्ट न करें। यह दुक्त है कि हममें कुछ नोगोंने कानून स्वीकार करके मपनी पम्भीर प्रतिवा तीड़ यी हैं। किन्तु हम जब भी अपना कबम बायत लेकर सही बाम कर सकते हैं। पात्रीबोने आये कहा कि कह मनेक अनुक्त भारतीय दिहा किये बामें रे जार बनका जीवत स्वायत करें। बर्जूनि कोगोंकी समाने सनिके मिए बन्धवाद दिया और ईस्टरते प्रार्थना की कि वह बर्जुने सनने तामने सीवृत्व सतती कामको करनेकी विक्त है।

[अंग्रेगीते]

इंडियन बोपिनियन २९-५-१९०९

#### १४६ पत्र असवारोंको<sup>९</sup>

बोह्यनिसबर्ग मई २६, १९ ९

महोदय

मेरे विश्वके कारावाकि विनोंने मेरे खाव किय गये व्यवहारक संस्वण्य बहुत वर्षा हुई है। इसकिए महि जाप निम्न बकाय प्रकारित कर है से मैं बारका कुग्त होस्तेंगा । यह मुझे फोक्सप्तर्म निम्म महिनेकी कुने कैकारी सना थी गये और ये बहाते केस में साथ गया तो मेरे देवा कि वहीं मेरे पुत्रको विकाकर, तेरे प्रवास्त्रे क्या साथ साथ साथ कि मेरे देवा कि वहीं मेरे पुत्रको विकाकर, तेरे प्रवास्त्रे क्या साथा बाता था नह अच्छा और साथ होता था। उसमें प्रतिकृत एक सीस थी होता था। बाता था नह अच्छा और साथ होता था। उसमें प्रतिकृत एक सीस थी होता था। बाता थाता था नह अच्छा और साथ मारावा कि साथ

र सनम्म क्लोब कर रेपरेंड के के बोक और स्थित जनवाथ सन्ध (स्थिक केनेसिक सीमान्द्री)के क्लाब्स जी वैदिकार सांस्य दिया ।

 वह १८ वो हुल्डाको क्या क्यापारीक किर किया गया या इतिकृत जोचिनियकमें "प्रियोरिया केमी जी गाँगीक क्यापा" धोर्नको क्यापित हुना वा ।

#### " लगहराई म

मार्च २ को मुझे प्रिटोरिया के जानेकी आका वी गई। मुझे तीसरे वर्वेके डिब्बेर्ने बाज करनी पड़ी भी भीर चूंकि यात्रा अधिकांच रातको की गई, इस्रक्षिए स्वमानत ही सर्वी भी। स्पष्ट ही कैवियोंको [ रास्तेके क्रिए ] कम्बल नहीं विये जाते । इस कारण और भी सर्पी स्पी । मार्चको प्रिटोरिया पहुँचनेपर मामुली रस्मी कार्रवाहमाँ पूरी होनेके बाद मुझे एक कोठपैने बस्य कर दिया गया। मेछ खबास 🍒 पौच विनतक सिवा जस बनतके बन मुखे नहाने वौर ऐसे ही इसरे कार्योंके किए बाहर जाने दिया जाता या मझे सारा वस्त कोठरीमें में गंकियारेमें ही विदाना पड़ा। मेरी कोठरीके किवाडॉपर किया वा "तनुहाई" (बाइसोकेटेड) मौर मैंने वेचा भी कि मुझे और बूधरे कार कैवियोंको तनहाईमें रखा बाता है। इनमें है एकको इत्याका प्रयत्न करनेपर, बोको सप्राकृतिक व्यक्तिकार करनेपर और एकको सस्बीक म्मवद्वार करनेपर सवाएँ वी गई थीं। यहाँ कोई तकिया या शक्त नहीं दिया पदा बीर कारोड़े किया कुमबार और परिवारको छोड़कर हुधरे दिन वी विक्कुक नहीं दिया बाता वा। मुसे बगनी छोठपैक फर्यंकी और विक हिस्सेमें मुझे तथा बतनी कीरियोको रखा गुना वा उसके विकारमें कोटरियोंके कियाबाँकी पाछिल करनेका काम दिया बगा था। इन्हों दियाँ भी क्रिकटैन्स्टाइन<sup>1</sup> मुझसे मिछे और मैंने उनसे कहा कि मैं इस व्यवहारको पास्त्रिक मानवा 🦸 और स्पष्टद जनरक समद्वका इरावा मुझे सकानेका है, केविन मैं सकनेवाका नहीं हैं। बादमें मुझे दिनमें दो बार जाव-जाव वंदा स्थायाम कराया जाने जना बीर जपने पहले कार्यान वरके कम्बक सीनेका और ऐसा ही दर्जींदीरीका दूसरा काम मिकने करा।

# विनमें एक बार भी सन

मैं समभव बसपानके निमा ही रहता वा वर्गोंकि मकईका बक्रिया मेरी स्विके बावक काफी पकाया नहीं जाता ना । मैंने इसके सम्बन्धमें कोई शिकायत नहीं की क्योंकि में देखता या कि इसरे सब कैरी बस्तिया स्वावसे काले थे। मैं शामको कुछ नहीं काला था नमोंकि की चानस दिया चाठा का उसमें की नहीं होता था। मैंने बीके अभावकी शिकायत मुक्य वार्डरहे की किन्तु छसने असमर्वता बताई, क्योंकि निवमोने भारतीय कैदियाँको की देनेकी व्यवस्था नहीं भी। यहीं में हरना कह हूं कि यह बहती कैरियोंको प्रतिशित एक-एक बीच पर्यों में बारी है। बारने में मिकिया-मिकारीके पाछ गया और बतुरोक किया कि मादोमोंकी मोबन सारिकाम प्रतिदित एक बीच भी होना चाहिए। वह परिचर्तन करना गही चाहता या किन्छ उन्हों मेरे किए बाय तीरपर चानकर खाब ८ श्रीक गोटी बेनेकी बाता है सी। मैंने उपसे कहा कि मैं इसके किए बामारी हूँ फिर भी मैं इस विशेष अविकारको तनतक स्वीकार गई। कहा । के न देवन का क्या के बाता है है कि बात के बात है है या बाता नवीके में इसके उनके इस सकता करतक एवं भारतीय कैवियोंकों की नहीं दिया बाता नवीके में इसके उनके स्वास्थ्यके किए निताल कावस्थक समस्ता हैं। सके बाद मैंने यह मामका जेस-निदेसकरे सामने पेस किया। जन्मह दिव काद काहा है दी गई कि मुद्दे नारकके उनके एक प्रके और पेर जान। यह समाज करते हुए कि यह बाजा सबके किए है, मैंने भी एक दिन सिना। किन्तु का मैंने देका कि यह तो केवल मेरे किए रियायत है, धव मैं विवय होकर पहली 🗗

१९० और गांधीओंक कर-मक्तानी ।

२. वालीका बॉक मिक्स ।

अक्रिय मास्त्रिया केलोर कार्नेएको किलो सार्वेक्सकारा<sup>38</sup> प्रथम १०४४।

रिव्यक्तिपर बायत था वया व्यांत् रिक्ट दिनमें एक बार जोजन करने कमा। मैने वेक-निरेधकका म्यान एक बार फिर इंग्र तथ्यकों जोर थाकपित किया कि मैं वंशत भूका रका जा रहा हूँ जोर कर में देह बहीतेकी छता मुख्य पुकातव उत्तर मिका कि वदनक भारतीय मौजन ताकिकामें परिवर्तन वहीं होता उनतक जहां भी मारतीय कैरियोंका बमाद है भी दिया बायेगा। मैने हरके किए करतता बनुवन की बौर उनके बाद मुखे वपना सार्थकाकका मोवन करनेमें कोई हिनक नहीं हुई। इतके बाद बस्थान न करनेने मुखे कोई हानि नहीं हुई।

#### स्वास्पर्यं विगाव्

बेल-निरोक्क निरीक्षवक किए आये और उन्होंने मुख्ये मेरे सन्तर्वमें सीजन्यपूर्ण पूछ-ताछ हो। वब उन्होंने पूछा कि सुन्हें कोई सिकायत दो नहीं है भैने उन्हें दुक्क बाद बताई. विकास से बच्च वुक्क है। इक्कर एक तकर नामकी पट्टी राज पे रहने के किए क्षति बार कराइ मुन्ते है दिये परे प्रेमें पूछा है। इक्कर एक तकर नामकी पट्टी राज पर्मावनी अनुमति सी मिक गई। अनीतक मूझे में विवेद को से विवेद की सो की सी से बार में इक्कर उपयोगकों अनुमति सी मिक गई। अनीतक मूझे में विवेद कराने कि सी में विवेद में इक्कर सम्वावना मिनी। मूझे किए में वर्षोगी पर्माव के कि सी प्रेम सी प्रेम सी मिक साम किए पर्माव कराने का साम किए पर्माव का बार पर्माव का पर पर्माव के सी प्रेम मुझे पर्माव किए में कि सी प्रमाव किए सी मान किए सी प्रमाव के सी प्रमाव कर सी प्रमाव के सी प्रमाव

#### केवछ सरकार शीवी

मैंने बनरफ स्मारवाके सम्बन्धमें भी क्षिबार्टन्याहाको सामाने जो राम जाहिए की बी बहु बार्ग बीर देवले-माक्तरेते बाद बयक गई बीर देने बनुमत किमा कि इसर कराये मार्व क्षावहारिय उनका कुछ सीमा सम्बन्ध कराय कराये मार्व क्षावहारिय उनका कुछ सीमा सम्बन्ध हुन्तकें मेनी भी मैं वहीं इस बातका हुन्य त्या कर करता हूं। मेरे ने नाके इस कामको इन्हा क्षावहार क्षावहार इस कामको हुन्त में वाले इस कामको को स्वाद कामक माना है कि जनके मनमें मार्व मीति कोई व्यक्तिया हुन्तकें मेनी भी मार्व कि जाने की स्वाद की स्वाद कामके मार्व में किमी कमानारोकों भी सेम कामके हैं जोर की स्वाद पिट की हुन्त मार्व समाने कि सामाने कि कामको कि सामाने कि कामको कि सामाने कि कामको कि कामको कि सेम कि सामाने कि कामको हुन्त मार्व कामको कि सेम कि सेम कामको हुन्त मार्व कामको कि सेम कि सेम कि सेम कि सेम कामको कि सेम कि से

र बाररेक्टर चौंक विकास ।

212

फोक्सरस्टके साथी-कैदियसि निर्वेयतापूर्वक जक्तम किया गया शव सरकारको सबस्य मानूम ध्वा होगा कि प्रिटोरियामें मुझे ऐसी मुसीबर्ते सहनी पहेंगी को मुझको सै नई सजाके अनुसार बजीब्ट नहीं हु: मैं यह नहीं फब्ला कि भारतीय कैंबी यूरोपीय कैंबियोंकी भोनीमें रखे बायें। एवं उतकी अनस्या कदायित् सबसे बहुत क्याया बूरी होगी। किन्तू मैं यह जबस्य कहता 🖡 कि छनको पुषक शेषी और पुषक स्थानमें रखा जाना चाहिए। मुमसे कहा जा सकता है कि वपनी मनींसे कैसमें जानेके बाद मेरे किए जेब-अवस्थाओं शिकायत करना उपित नहीं हो सक्ता। यह ताना ठीक नहीं है क्योंकि मेरा निवेदन यह है कि मुझे ऐसे कम्ट पिने यमें जिन्हें टाला जा सकता था। और कुछ भी हो जिन कीपॉक नामपर सरकार बासन करती मानी बातों है, उनके किए बहु बामना सक्ता है कि बारतीय सत्याप्रहिमोंके साव कैसा बरतान किया जा रहा है।

# इसरे क्रिकी

अपनी पिहाईके कार मुझे माकूम हुका कि बाँद मुझे कुछ अध्य तठाना पड़ा हो वस्प धरपाप्रदिनोंने से ज्याराकरकी बबस्या इससे बुरी नहीं तो बच्छी भी नहीं रही नवींनि बोहानिसबर्व फोर्टमें को भारतीय सरवामही वे उनमें हैं क्याबातर बीपस्सुकता सैदी बस्तीमें जीर फोस्परस्टमें जो थे उनमें हे ज्याबातर हाइडेब्बर्थ [की चेल] में भेन दिये परे थे। इर दोनों स्वानोमें प्रायम्बक सबस्थाबोमें उनको ऐसे क्टर सहने परे को सिन्दुक बांक्नीय स्वी थे। मारतीय कैरीको थो काम दिया बाता है सम्बद है वह समस्री दिवासत उदस्य कर जक्तक वह उसे सहत कर सके अवर मेरा खयाज है कि उसे अनुचित अनुपयुक्त मा अपर्याप्त आहारके सम्बन्धमें विकासत करनेका पूरा अविकार है। उपनिवेशके एक बत्वन्त वीर मीर सन्ने बार्ट्यावर्षे को बिटिस मार्ट्याव संबंध कार्यशहरू सम्माके परपर बार्टीन याँ है भीर एक प्रसिद्ध स्थापारी है, अक-मुनके डीक स्टब्सचे सने हैं—वह स्पनिवेसके स्थि कोई बौरवकी बाव नहीं है।

को कोप पिछले कुछ महीगोंनें इन कठिनाइकांसे पुनर चुके हैं वे कितने ही परेखान किमे बानेपर मी अपने उद्देशसे विकक्ति न होंगे। कुछ कीम फिर जेंक गये हैं। उनमें एक उन्नीस वातरा पानक प्रांचनों बार गंवा है। बर्गवाकों यह साध्यम नहीं है कि वैदेरितियमें थी बालाठकी यो त्यां बीएतककों के हैं हुकानकों कासना करनेकी नमहथे करीब-करीब हर रोड एक बादमी निरस्तार होता है और तीन महोनेकी वस्त कैंपकी वस्त क्यां गता है। गेरे आह बारतीयोकी अधि वी वा नकी है और स्वयंग्रेनक बमीतक इस बुकानका कार्य संस्थाकनेके किए बा रहे हैं। जब ऐसी हाकत है तब सत्यायह गरा नहीं है। वह गर नहीं शकता क्योंकि वह सत्यका प्रतीक है।

[बंबेबीसे]

इंडिजन धौपितियन ५-६-१९ ९

# १४७ सत्याप्रही कौन हो सकता है?

ट्राग्तबाहर्षे सत्पाबद्दकी सबाई इतनी सम्बी चसी है, बौर ऐसे बंगसे घसी है कि इमें उसरी बहुत-कुछ देराने-तीवानेको मिला है। बहुत-मे कोगॉने स्वतः अनुभव प्राप्त किया है। भीर इतना तो गर्मी जान गर्मे हैं कि इस लड़ाईमें हारनेशी बात है ही नहीं। समक वस्तु म मिले तो हम देख तकते हैं कि उसमें सत्याप्रहीकी कमजोरी है, सत्याप्रहकी कमजोरी नहीं। बह बात बहुत रवानपूर्वक समझने बीव्य है। धारीर-बसकी कहाईमें एसा नियम सागू नहीं होता। उसमें हो सेनाएँ सबती हैं तो [फिसी पलकी] हार अवल सैनिकोंकी कमनोरीसे ही हो जाने ऐसा नहीं होता। सहनेवाकोंके बहुत बहाबूर होनेपर भी दूसरे सामन करने हीं ती हार हो बाती है। उदाहरणके सिए, नगर उनके मुकाबक विरोगी पक्षके पास इवियार सक्से हों या उसको बगह बच्छी विक्षी हो या उसकी वृद-कका बढ़ी-बड़ी हो सी उनकी हार हो संख्यी 🛊 और ऐसे ही बहुत-से बाहुरी कारलींसे धारीप-बक्तणी कढ़ाईमें सड़नेवांसे सैनिकॉकी हार बीत होती है। परन्तु सत्यायहकी विविधे कड़नेवाडोंको बाहरी कारवास विस्कृत अड़बन महीं हो सकती। उनके लिए हा केवक उनकी अपनी कमबोरी ही बावक होती है। इसके अकावा सावारण छड़ाईमें जो पक्ष द्वारता है उसके सभी लाप हारे हुए माने जाते है, और वे हारते मी है। सन्याप्रहमें एककी जीतने वृत्तरे भने ही विजयी समझे जामें किन्नू सबके हार वानेपर भी भी कुर न हाछ हो नह दूसराकी हारते गर्ही हारता। उदाहरयके किए, ट्रान्सवाधकी सहाईमें बहुत-से मारतीय इन मर्यक्रर कानूनके अबीन हो जायें फिर मी वो उसके भगीत नहीं होना वह हो अभीन नहीं ही हवा बीर इसकिए विजयी ही हवा।

तब एसी जच्छी — निना हारकी — एक ही परिचायवाकी कहाई कीन कह विक्ता है यह विचार करना पकरी है। इससे हम इन्स्वातको बागाकि कुछ परिचारोकी समझ सकी बीर यह भी रेज पार्नेमें कि हुसरे स्वानीमें तथा दूगरे व्यवस्थापर यह कहाई की कड़ी बारे भीर इसमें कीन बड़ी।

साथापहरे वर्षपर विचार करते हुए इस देवते हैं कि पहली धर्त यह है कि महनेवालयें सप्ता बायह — सप्ता वल — होना चाहिए, वर्षात देश व्यक्तिकों के क्ल मानके उत्तर । तिर्भर रहान बाहिए। एक पत्र वहींमें और प्रक पत्र वृत्यमें रखन [वर्षण्य के क्ला मानके उत्तर । पैर रपने | से काम न चर्चणा। ऐसा करनेवाला व्यक्ति | धरिर-बल कोर तींक्त बतके दो पाटकाड़ी बीचमें कुचक जायेगा। साथापह कोई मानरही पीपनी नहीं | कि वह बनेगी हो बनायेंग और नहीं हो ता बायेंगे। ऐसा माननेवाला व्यक्ति मरक्त परक-मरक्कर परेमान ही होना देखा। यह बात किन्नू के केसर है कि नरसायहकी काई नहीं क्ला प्रकार है, नियमें परीर बक्ती कभी हो बचना जो यह मानका हो कि परीर-बल काम नहीं होना हानिए मजबूरन सम्पाही बनना पहाम है। दिनकी स्पर्ध मानका है के स्पर्धा हुत्र का मानहीं होना हानिए मजबूरन सम्पाही बनना पहाम है। सिनकी स्पर्ध मानका है के स्पर्धा क्ला का मही होना होने स्पर्ध साम होना नरिया रोग नहा आ मकना है। स्पर्ध-बल्पों सुप्य बात यह है कि स्वित्यानी पूर्व अपने स्परित्या परित्या कु करने संस्था में यूक्ता है अर्थीन यह दरपोड़ नहीं होना। नरवापरी दा अन्ते -१५ इभियार महीं बीचता और मौतका कर रखे बिना अन्यतक सकृता है। अत्यप्य सरापहींमें छरीर-बरूपर निर्मर व्यक्तिके मुकाबसे हिम्मत क्यादा होनी चाहिए। इस प्रकार सरपापहींके सिए सबसे पहले सरपका सेवन करना सरपके ऊगर आस्था रखना आवस्यक है।

स्थापहीं को दुट्यका मोह छोड़ना पहता है। यह बहुत यूक्तिक बात है। किन्दु स्थापह, बैठा उरका नाम है तक्वारको बार है। बनतें इससे भी दुट्यका काम होता है सर्वों के दुट्यिवयों ने भी स्थायहर्ष कथन कानेंका अवकर बाता है और यह कमन विक्को कानी है उपको दिन हुन्यों हुन्या नहीं पहती। कोई बाद हुन्य सहसे दूर कमन विक्को हुए वा बेठ बाते दूर —यह संका वा विन्ता नहीं होनी चाहिए कि दुट्यका क्या होगा। विसर्व तीन दिने हैं बह बनता नी वेगा। जो स्वीप्त क्या और मेहिया सारि अवनक भी स्वान तीन दिने हैं बह बनता नी वेगा। जो स्वीप्त क्या कीर मेहिया सारि अवनक भी स्वान है किए कि हुन्यकों का सार्वा करते हैं। हन वी स्वान है किए के हुन्यकों कावक सामृत्यी कपाई किए नहीं बन्ति पेट्य बीर कीमकावर्क किए। यह हम कर नालनावाँको छोड़ में दो सिन्दे कुट्यकों सरक्योप्त को किए विस्ता कम ही एड बायेवी।

इस सम्बन्धे यह विचार करने थेग्य है कि सरीर-वन बावसानेमें मी इतने से बहुत कुछ छोड़ देना पहना है। मूल-प्यास तर्री-गर्मी सहन करनी पहती है हुट्यका मोह क्रोक्शा पहता है भीर विकार स्थान करना हाता है। बीक्पोंने मारीर-वनकी बातमाइस करते हुए सह वह किया उनके सरीयों काइड बीट करने सरावाहमें बहुत जनर वह है कि उनने बातों जुरकी बातों थे। इसके बातिरिक्त उनको वनने परीर-वनका अभिवान हो नया। है बाता बीननेस जननी पहती दया मूल गये। वे बाताबारीके दिन्द बाताबार हो हमा की के बाताबारीके दिन्द बाताबार हमें त्या की स्थान स्थान करने हमा स्थान करने हमा स्थान करने स्थान स

हम प्रकार, सत्यापही कीन हो सकता है, हमका विवार करत हुए यह परिधाम निकम्या है कि दिखामी वर्षमें — पित्रमें — सक्यी मास्ता है वही सत्यापही हो सकता है मुक्तें एम बगस्में सूर्य "विशे आस्थावाका नहीं। बीतका नाम केकर दीनके दिखाफ काम करना दीन नहीं है। वो पर्म बीन बीर हंमानकी रक्षा उचित प्रकारम करता है वही सत्यापही हो सकता है। हरका वर्ष यह है कि वो मनुष्य धवन्तुक नुषा या हरकार ही छोड़ देता है, उसकी संवारमें कभी हारना ही वहीं पहता। कोय हारा हुआ कहीं उससे वह हारा हुआ नहीं भागा वास्ता। कोय उसे बीता हुआ मार्ने हो उसमें उसकी बीत भी नहीं है। हमकी वो वानना है वहीं भागत है।

यह शरपाष्ट्रका सन्त्रा कर है। इसको एक इब तक ट्रान्सनामके मारतियोंने जाता है। उन्होंने इतको जानकर इतका कुछ पासन भी किया है। इननेसे ही हम एक अनूस्य एक्टा बास्त्राचन कर एके हैं। विश्वने स्थापाइकी खातिर अपने सन्तर्का स्थान किया है दिस बन्द्रक पा स्थिता है न्यांकि इस स्थापा जानता है, और सन्त्रीप पुत्र है। इसके दिसा इस्या पुत्र किसने जाता है? हुम्पा जुल तो नृगजनके स्थान है। उपों-पर्में इम उसकी और बहते हैं स्थों-स्थान हुन होता बाता है।

इम चाहते हैं कि ऐसा बीचकर हप्पक भारतीय सरवायही बने। यह हिबबार हाम सम बायेगा दो सम्याय-विन्त समी दुन्नीका बूर करनमें काम बायेगा। यह सही ही नहीं बीस्क बरने देएमें भी बहुत रूपमोगी है। क्वक दक्का ठीक स्वरूप स्वयस सेना चाहिए। उदको समझना चीचा पहन्न है, चैना ही कटिन नी है। स्विपके बनी भी मोड़े होते हैं कि सम्बन्ध बची तो जनते भी कम होते हैं।

[गुजरावीसे] इंडियन सोपिनियन २९—५-१९ ९

# १४८ मेरा जेलका तीसरा अनुभव [१]

#### क्राक्सरस्ट

बस २५ फरवरीको मुने शीन माहकी शक्त कैवली सना हुई और मैं कोमारस्टकी नममें अपने कैदी आपानों और सहकेति मिला तब तेन मह वहीं मोबा था कि हुए तीमारी जैकानाके विपानों में रे पांच हुए जोसक कहते जा किन्तनेनेना होगा। मेरिन मेरी यह पारचा मनुष्यकी वर्गक कर्य धारणाओंकी तबह ही मूटी शिक हुई है। रह बार मुने यह पारचा मनुष्यकी वर्गक कर्य धारणाओंकी तबह ही शहरे शिक हुई है। रह बार मुने या बनुष्य सिप्ता है वह बुक बुने ही प्रवारक है। उनकी मेरिन जिला है। यह पारचा मनुष्यकी कर्यों के मानि कि मानि की मानि स्थारणा करना था। इस तीन महीमोंको मैं बनुष्य मिलता है तीन स्थारण कर्यां के स्थारण कार्य बीर मेरिन महालता है तीन

रे. बोचीनीने मूच ग्रामाती केवले का दिन्ही कालाका ही कारोग दिना है ।

हमियार गहीं बीमता और मौतका कर रखें किना करततक कहता है। खतएस सर्यावहींमें परीर-करूपर निर्मर व्यक्तिके मुकाबके हिम्मत ज्यादा होनी चाहिए। इस प्रकार सर्यावहींके चिए सबसे पहले सरकत सेवन करना सरवार करना बादमा रकता बादमान है।

उछमें पैछेके प्रशिव बनाधिता होगी चाहिए। धम्मीत बीर धार्यमें धरा बनावन यही है बीर बनावक रहेती। को सम्मीति विभक्ता है वह सारकी रक्षा नहीं कर सकता। वह हमने द्वान्यवामों बहुत-से भारतीयोंके मामकोंने देखा है। इसका वर्ष यह नहीं है कि सम्मानित विकास के सार कि सिक्त के स

इस सम्बन्धने वह विचार करने थोम्य है कि अरीर-बच्च बाचपानें में इसमें से बहुत-कुछ छोड़ देना पहता है। मूल-मास सर्थी-नमी सहन करनी पत्रती है, कुटम्बका मोह छोड़ना पहता है और रिकेश स्थाप करना होता है। बोबराने खरीर-बच्चले सामायह कर के स्व यह सर्व किया उनके खरीरी बायह बीर बचने सर्थायहर्ग वहा स्वतर पह है कि उनमी बाजो जुएकी बाजी थी। इसके अतिरिक्त जनको अपने सरीर-बच्चना अभिमान हो प्या। वे बाजा जीतनेपर बचनी पहली बचा मूल गरे। वे अलावारिक विचन्न सरावारके विचनारस कई स्वाध्य्य के बच्च हुमारे उत्तर बालावार करने करे है। बच सरावारके विचन अरीराता है तब उनसे जीतता है तब उनसे जीतता दे राव उनसे जीतता दे राव उनसे जीतता स्वाध्य स्व इस प्रकार, यत्यावही कौन हा सकता है इनका विचार करत हूए यह परियास निकस्ता है कि निवसी परेर्से — साम्में — सम्बों बास्या है बही स्वयावही हो सकता है मुकर्में एम बाकर्में पूरी 'वैसी बास्यावाला नहीं। बीतका नाम केकर बीतक विकार काम करना मेंन नहीं है। वो पर्स दीम और ईसाम्बी रहा उचित प्रकारत करता है नहीं सत्यावहीं हो सकता है। इसका बर्ब यह है कि वो मनुष्य सकनुष्ठ कृता या ईरक्पर ही छोड़ देता है, उसकी स्वारास कर्मी हात्या ही नहीं पहता। कोन हाय हुवा कहें, उसके वह हाए दुवा नहीं बाता वायेगा। कोन उसे बीता हुमा मानें दो उसमें उसकी बीत मी नहीं है। इसके बो बातवा है वही वामता है।

यह शंसाबहुका चुक्का रूप है। इसकी एक हुद तुरू ट्रान्डवाकके भारतीयोंने वाता है। उन्होंने इसकी बामकर इसका कुछ पायन भी किया है। इतनेसे ही हम इसके अनुस्य एसका आस्वादन कर एके हैं। विवाने शंसाबहुकी खातिर अपने सर्वत्वका त्यान किया है उसने चन्नुष्ठ पा किया है क्योंकि वह स्तर्जा यानका है और उन्होंच मुख है। इसके दिवा दुस्य मुख किसने बाता है। हुस्य मुख तो मृगदकके सवान है। क्यों-प्यों हम उसको नार बहुने ह स्यों-प्यों वह हुद होता खाता है।

हुन चाहते हैं कि ऐना छोचकर हृत्यक भारतीय घटवाणही बने। यह हिन्यार हाथ कन पामेगा तो बच्चाय नितंत सभी दुन्योंकी हुर करनमें कान वार्चेग। यह यहाँ ही नहीं बस्कि बचने देशमें भी बहुद उपमोगी है। बेनक दक्ता और स्वकृत समान कना चाहिए। उसकी प्रमाना चैमा यहुव है बैसा ही कील भी है। स्वीतरू बसी भी योड़े होते हैं किर सायके बची तो जनत भी कम होते हैं।

[तुजरावीसे] इंडियन सीपिनियन २९-५-१९ ९

# १४८ मेरा जेलका तीसरा अनुभव [१]

#### क्षीक्सरस्ट

६ नांची होने कुछ गुजराती केवाचे वस दिन्दी कारणनांचा वी वसरीत किस्त है।

माह पहले में जितना बक्रवान सरवापही वा उसकी वर्षका बाज व्यविक बस्रवान हो यदा हैं। इस सारे मामके सिए मुझे यहाँकी (ट्रान्सवाक्षकी) सरकारका उपकार मानना चाहिए। कुछ विभिन्नारियोंने सह ठान की बी कि इस बार मुझे छ गाससे कमकी सबा न मिके। मेरे साबी---विमर्गे वनेक बुजुर्य और प्रसिद्ध भारतीय हैं--- और मेरा सहका ने सब छ-छ माइकी सका भोग रहे थे। इससिए मैं वह बाहता था कि अधिकारियोंकी यह आसा पूरी हो तो बच्छा। केकिन मेरे उत्पर को कारीप सनावा गया वा वह कानुनकी बारा विशेषके बनुसार छगाया थया वा इसकिए मुझे कर या कि ज्यादासे-क्यादा मुझे तीन

माइकी इति सबा इतेमी। और हवा भी ऐसा ही। वेक पर्डेक्कर की बाउव मुहम्मद भी सरतमंत्री की सीयबर्की की पिल्के की हुन्य पिंह, भी काक्नशाहर पिह कार्दि सत्यावही योडाओंसे में अत्यन्त हर्पपूर्वक मिला। इस-एक कोगोंको छोड़कर बाकी सबके सोनेकी व्यवस्था जेछके मैदानमें खड़ किये नये तम्बुसॉर्मे की गई थी। इसकिए सारा कुम्य जेसके बचाय समाईकी कावनी-वैसा सनता था। तम्यूमें सेना सबको पसन्द बा। काने-मीनेका सुख बा। रसोई पहलेकी तरह हमारे ही हावमें बी। उसमें मनचाहे हगसे काना ननवा ना। सब मिस्कर ७३ (सत्यावही) कैदी थे।

बिन कैरियोको काम करनेके किए बाइर के वाते वे धनका काम बोडा कटिन वा! उन्हें मजिस्तेटकी कच्छिपेके सामनेकी सड़क वैदार करनी बी। उसके किए परवर कोवने पहरी में उनके छोटे-छोटे टुक्ने करने पहते में और बादमें उन्हें बहु वहुक बन प्री मी बहु दक छ बाना पहता था। यह काम बाल होनेके बाद स्कूबके मैदानमें बाद खोदनी पहती मी। छेकिन सरिकायत यह काम बन बोप मबेध करते थे।

इस करड टीन-एक दिन मैं भी इन टुक्किमेंकि साथ गया। इस बीच (सरकारका) द्वार आसा कि मुझे काम करनेके किए बाहर न अंबा बाये। में निरुध हुवा स्पोर्ति मुझे बाहर जाना परम् जा। उसमें मेरी व्यक्ति प्रकृति की और खरीर करता जा। बाजारकरें में हमेजा दिनमें दो बार ही खादा हूँ। फोल्डएस्ट बेडमें इस कसराज कारण सरीर दोड़ी बयह दीन बार खाना मौक्दा जा। जब मुसे साबू क्यानेका काम मिखा। ऐसा मालूम पढ़ा कि इसमें दिन क्ष्टिया नहीं। और इतन में ही यह काम भी हावसे वसे वानेका प्रसंग का नया।

# मुझे फीक्सरस्टसे असम क्यों किया गया!

मार्चकी इसरी ठारीकको खबर मिकी कि मधे प्रिटौरिया मेव देनेका हुवम हवा है। उसी दिन मुझे दैयार किया गया। वर्षा हो खी वी रास्ता सराव वा ऐसे समय अपना मदुठर स्टाकर मुसे और मेरे सन्तरीको जाना पढ़ा। शामकी ही नाड़ीमें दौसरे दर्थेके दिल्लेमें मुद्दे के जाना गया !

हरापर हुक लोपोने लनुमान कमामा कि बाबर सरकारके साथ समझौता होनेवाला है। हुक्ते ऐसा प्रोचा कि मुझे हुस्टे चेतनास्मिति सम्म करके ज्यादा तककीर देनेका दरमा होगा। बौर कुकतो ऐसा बमा कि बिटेनकी लोकसमामें चर्चा न हो। सस्मिए सरकार मुझे

प्रिटोरिमामें रहकर भावत स्थाता बाजाबी और ज्यादा सुविवाएँ देना चाहती है।

र मांत्रीक्षील मी वह मारोत क्याना ज्या वा कि क्योंने रोजीकर-मानकर (रीमोर्ड्स स्टिमिनेट) रिक्कोरो सम्बार विमा और मेंस्सिमीन तिवान वा विनासके सम्बन्धमान क्यों हिंदे । वेकिन दश १९६-९७.

फोससरस्ट फोड़ना मुझे सच्छा नहीं कथा। वहीं निस्त तरह हुन सपना दिन सानस्वर्में दिवाते से उसी तरह राजमें भी सच्छी सातें करते बुस हुना करते से। भी हुनुपर्धिह तका भी बोसी में सो बातकर बहुत समाक-जवान करते से और उनक प्रस्त निर्धाक नहीं होते से बस्कि सानसार्वाले मिटिक होते से बातां किया स्थित भी और वहां सार्वाम कैसी बहुत नहीं संस्थानें रह रहे से बहुति बाना किया सरवाहिको सच्छा कगता।

सेकिन मत्या को छोच वहीं हो जाये तो वह मनुष्य न रहे। हमिए समें वहीं जाना ही पदा। उत्तेमें यो काजीस सम्मानवारी हुई। एक दिक्कों सन्तरी और मैं दोनों कैंदे। ठा पड़ रही थी। वार्षी रात-भर होती रही। भेरा हालां के से छाच था। सन्तरीते उसे पहनेती मनुमति है थी। उससे कुछ टीक हुना। तेर कालके किए सावमें दक्कोरोटी तथा पतीर बौच दिया भागा या। सेकिन मैं हो काकर निक्षा वा इससिए मैंने उसे नहीं सुना। उसका उपयोग एन्टरीने किया।

### विद्येरिया खेळमं

वीसरी तारीकको में जिलोरिया पहुँका। सब-कूक नया मासून हुआ। यह जेस भी नई वारिप तापको नामाप्या प्रकृषा घननुका गया गालून हुना नत् चल ना गर बनाई गई है। बादमी तब नये के। मले सानके क्षिण कहा गया पर कानेकी इच्छा नहीं थी। मुझे मकईकी ल्या (मीकीमीक परित्य) दी गई। उत्का एक चन्मक चलकर मेंने छोड़ दिया। उन्तरिको बाल्यर्य हुना। मैंने कहा मुझे मून नहीं है। वह हुँगा फिर मैं एक दूसरे उन्तरिके हुल्म नमा। वह बोका गांधी टोपी उतारो। मैंने टोपी उतारी। बादमें उपने मुझपे कहा क्या तुम गांबीके लड़के हो?" मैने कहा "नहीं मेच लड़का दो बाहम चंचन भूमित कहा चार पूरा गावाक लड़क हा। जा कहा यहा यहा चार जा करा के क्षेत्रचारकों हा माहकों के की जबा मोग रहा है। वाहमों मूझे एक कोटिमें बन कर दिया गया। मैंने उनमें मूमना सूच किया। हुक हैं। देरों वैदियों के देवले के तिए दरवाने में यो पूरा में किया के किया है। यहां में पूरा मार्थ पूरा में मूसना करा है। उनमें से संबंधि होता है। यहां में मूसना करा है। यहां में पूरा करा के स्वीध **बहा हो** गया। मेरे पास पड़नेके क्रिए सी कुछ नहीं वा। बामी मेरी पूस्तकें मुझे मिली चहा है। गया गर गर करण कर शिक्षा नया होगा। वस वस वोल्टर पान के पाया गया। मही थी। मुझे बाठ करे कर फिया नया होगा। वस वस वोल्टर पान के पाया गया। बलेटर ते मुझे पूछा कि तुम्हें कोई हुनका पीन हो गहीं है बीर सुट्टी वे वी। बारनें में फिर कर कर दिया गया। प्यारह कबे मुझे एक बुसपी क्षांग कोठपीयों के पाया गया। उसीनें मैंने बरना साथ समय विशास। ऐसी कोठपियाँ एक-एक कैनीको रक्षानेके किए बनाई गई मत बन्ती थाय समय शतामा। एता काठारा एक-एक कराका खनन (कर नाह रहा है। मेरा वसाक है कि ससरी क्याई-बीहाई १ ४० कु॰ यही होती। स्त्रें कांके सामरका है। समरी कोंग उसे समस्ता हुबा एकांग्री कोशियमों मां रहते हैं। ससरें हुवा और उनातेक किए कौंग और कोईको कड़ोंकी एक बहुत ही मोटी किड़की होती है। कैरियोंको रात्रेक समय देवांगेंठे लिए विजनीकी नहीं होती है। वह वसी कैरियोंकी मुनियांके किए मही होती क्योंकि उतका उवाका इतना नहीं होता कि उसमें पढ़ा जा तक। वतीके पास काकर सहे ----- पार्ट क्या एक प्राप्त प्राप्ता एक प्रथम पढ़ा था तक । बताक पाए बाक्तर सहे होनेपर मी में मार्ट अकरोंबाओं कियाब ही पढ़ तरुवा ना। बती बरावर साठ बजे बुता में पत्ती है। अधिक रातके समय पांच या छ बार फिर जलावर सन्तरी कैंदियांकी बत सुरालये देण बाते हैं। 3.5

सोवहरूले साला आया यह भी जन्म सरमावेशकी उठी कोठरीमें सड़े-सड़े साला पड़ा। तील करके करीय मैंने महानेकी सनुमति मोत्री। महानेकी जबहू मेरी कोठरीके सना ती पुर रही होगी। एक्टरी कोठा केठ हैं जो कपने उठारकर (नंगे होकर) नावों। पैने कहा ऐसा करना केठरीके हैं स्थारों में करने उठारकर (नंगे होकर) नावों। पैने कहा ऐसा करना सकरी हैं स्थारों में करने करने परेपा करना ना। उसी मेरा छाटीर पोंछना साली ही या कि माई खाइन दिख्या उत्तर स्थार होता हैं। पर लाव ही यह भी करना हुई मेरा हैं से मेरा छाटीर पोंछना साली ही या कि माई खाइन दिख्या नहीं मों तीत्री दीपार होता हैं। किसी मार्चायाका मूंह भी पुरस्कार के देवलेंगे मिक्या ना। कहा महा साम हुई तो कम्मक और गारियलके रेखींछ बनी हुई बदाई छोनेके किए पिनी। विद्याने रखनेकी तिक्या ना पिरायलके रेखींछ बनी हुई बदाई छोनेके किए पिनी। विद्याने रखनेकी तिक्या ना पिरायलके रेखींछ बनी हुई बदाई छोनेके किए पिनी। विद्याने रखनेको तिक्या ना पिरायलके स्थापन साम हुई ति स्थापन मार्चाया किसी हुई स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

मूले काम हुक्ते दिना निका। यह छ्यं और वरवाने वाफ करनेका था। वाफ करनेका महक्क वा उन्हें मच्छी हायू वमकाना। वरवाने बोहेंने में विताप रिमान कमा हुजा था। उन्हें हुमेवा पानिक करनेके उनन्द क्या जाट पहुंचा। मैंने पर-एक करनावा पिछनेने ठीन-ठीन वरिका प्रक्रिय काम कि कि प्रक्रा को प्रकर्ण क्या वा पिछने ठीन ठीन वर्षी क्या करने काम करने वा के वाचा प्रकर्ण करनावा पिछनेने ठीन-ठीन वर्षी काम करने वा के काम व्यवस्थ कहानी एको मेरी की है व्यवस्थ काम प्रकर्ण को काम तुमने चौरी की है व्यवस्था काम तुमने चौरी की है वा काम तुमन चाल बेचते पत्रके बी। काम तीने चीने प्रवस्था तुमने चौरी की वर्षी वात प्रवस्थ काम व्यवस्थ पत्रके वर्षी वात प्रवस्थ काम तुमने चौरी की वर्षी वात प्रवस्थ काम विवस्थ निकार कामिक वात प्रवस्थ काम विवस्थ निकार काम विवस्थ निकार काम विवस्थ काम विवस्थ निकार काम विवस्थ काम

বুতক

लुराकका भी मही हाक था। धनेरे पूर् [मकईका वक्रिया] दिया जाता था योपहरको तीन दिन पूर् भीर जानू अववा नाजर, तीन दिन सेमकी दाल और धामकी चावल जिसमें भी नहीं दिया जाता था वृत्रवारको बोपहरमें सेम तथा भावक और भी और रविवारको प्रमुखे साम भावक तथा थी मिकता था। भीके जिला भावक सालेमें कठिलाई होती थी। सबतक थी न मिले तबतक भावक न सालेका मैंने नित्यथय किया। तबेरेका और उसी तरह रोपहरका पूर् कमी कच्चा तो कमी अपटा-वैद्या होता था। समक्षे याक कमी-कमी कच्ची होती थी। सामारणतः सेम ठीक एकाई वाती थी। विस वित बाक मिक्टा उस विस फोटे-होने चार आस दिये चाउँ वे जनका वजन बाठ बाँस माना पाता ना। मौर दिस दिन गाजर देना होता उस दिन गिनी-पिनाई तीन गाजरें मिसती वे भी छोटी होती भी। किमी-किसी दिन सुबहु चार-यौच चम्मच ग्रुपु में के केठा था। केकिन सामान्यद मैने डेड माह सिर्फ दोपहरकी सेमपर काटा। इसमें फोक्सरस्टके हुमारे लेकवासी माहपॉके जानने नाराजी प्रकट नी का सकती है सेकिन इस सम्बन्धमें शिकायर्ते करना हमें शीमा नहीं देता। बहाँ सैकड़ों कैदी सन्तोप मानकर बैठे ही बहाँ विकायत कैसी? विकायतका हेन् एक ही होगा चाहिए उनसे दूसरे कैवियोंको भी राष्ट्र मिलनी चाहिए। मैं कमी-कमी सन्तरीके कहा कि बात बोड़े हैं तब वह मेरे लिए बीर का देता या लेकिन इससे क्या प्रमुख होनेसाका मा? एक बार मैंने देता कि वह सो मुखे दूसनेके कटोरेमें से बालू खाकर देता है। इसलिए मैंने मह बात कहना ही खोड़ दिया।

धामको भावधमें भी नहीं मिलता यह बात मुखे पह कैसे ही माकूम भी भीर मैंने इसका इकान करनेका भी निश्चन कर किया था। यह बात मैंने बड़े बारोनाते कही। उसने नहा कि भी तो छिक कुमतार तथा परिकारको धोक्तके धवसेमें सिकेमा। यदि मैं ज्यादा नार मौ तेना चाहूँ तो वॉक्टरचे मिली मुझे उसके पात कर मौ तेना चाहूँ तो वॉक्टरचे मिली मुझे उसके पात के जाता मदा।

वॉलटरके सामने मैंने सव मारतीन कैवियोंकि किए परवीको वसह भी देनेकी मांच की । वहा वार्तमा बहुं बृश्तिर वा। उसने कहा नाभीकी मांग विध्य नहीं है। जानतक नामक का मारतीन कैवियोंने परवी नहीं है जोर बोस्य में कांग है। वो कोम परवी नहीं के स्व मारतीन कैवियोंने वारती को है निर्माण हो की वे वा मुश्तिर वारते हैं। वस वही स्वयाद है कीर वे सव मुश्तिर वारते हैं। वस वही स्वयाद है कीर वे सव मारतीन किया गया वा। कोर कर उन्हें कोड़ा करा तक की सिक्स पढ़ा वहां ना कहना है? में में कहा यह नात मेरे की नहीं उसरती है। वस की सिक्स पढ़ा वहां है वार कहना है? में में कहा यह नात मेरे की नहीं उसरती। अपने विशवसें तो मैं कह सक्ता कहना है कि यदि मुझे विवहस्त पढ़ा से सिक्स पढ़ा की से में में सिक्स पढ़ा है। कैक्स पढ़ा में में में मारती कारती की में में सिक्स पढ़ा है। के सिक्स पढ़ा मोरी की सिक्स पढ़ा है। के सिक्स पढ़ा मोरी की सिक्स पढ़ा है। के सिक्स पढ़ा में में मारती कारती की सिक्स पढ़ा है। के सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। के सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। के सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। की सिक्स पढ़ा है। की सिक्स पढ़ा है। की सिक्स पढ़ा है। की सिक्स पढ़ा है। कीरती पढ़ा में सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। कीरती पढ़ा में सिक्स पढ़ा में सिक्स में सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। कीरती पढ़ा में सिक्स पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। कीरती पढ़ा में सिक्स पढ़ा है। कीर

म्बारह बजके बाद विपुटी ववर्षर आया । उसके सामने मैने तीन मार्वे रखीं-किताबोंकी वपनी स्पीती बीनारीके कारण उसके पास पन किसाबेकी अनुमति केनेकी और बैठाके किए एक वेंबकी। पहली मांचके बारमें बनाव मिला विधार करेंगे थूसरीके बारेमें कहा "पन किस एकडे हो और सीसरीका उत्तर "नहीं" में मिला। केविन बस मैंने मुनरासीमें पन किसकर विया तो उसपर यह टिप्पणी किसी गई कि मन्ने पत्र अंग्रेजीमें किसना चाहिए। मैंने कहा कि मेरी स्त्री बंधनी नहीं जानती है मेरे पत्र उसके लिए बना-जैसे सिक्र होये उनमें कुछ नया या विखेप नहीं किया बाता। फिर भी मुझे जनुमति नहीं मिली। जीमेनीमें फिसनेनी अनुमतिना काम उठानेसे मैंने इनकार कर दिया। मेरी कितावें मुते उसी दिन क्षामको वे वी पहै।

बोपहरका काना आया वह भी बन्द बरवाजेवाकी ससी कोठरीमें बड़े-सड़े काना पड़ा। तीन बनेके करीब मैंने नहानेकी अनुमति माँगी। नहानेकी बगह मेरी कोठरीहै एवा सी प्रट पूर पत्ती होनी। सन्तरी बोका "ठीक है तो कपड़े उतारकर (नंबे होकर) बासो। मैने कहा पैसा करना सकरी है बया है से अपने कपने पर्देगर टॉब बैया। उसने बैसा करनेकी इनामत वे दी। पर साथ ही यह भी कहा कि अधादा समय मत कपाना। सभी मेरा सरीर पोंडना बाकी ही बा कि जाएँ शहर विस्ता पढ़े बांधी तैयार हो गये या नहीं। मैंने कहा अभी तैयार होता हूँ।" कियी पारणीयका मूह भी पुष्किकते देवनेकी निस्रता था। साम हुई तो कम्बक और नारिवनके रेडॉस वनी हुई चटाई सेनेके किए मिनी। सिस्हाने रबनेको तकिया या परिमानही था। पालाने वाता तब मी एक चन्त्ररी पहरा देता हमा लड़ा रहता था। और यदि वह मुझे बानता न होता तो विस्थाता शाम अब निकको। यहाँ साम भी वो पालानेमें पूरा शमय केनेकी बुधी बाबत थी इसकिए "साम पुकारते ही कैसे चंठ सकता वा? और उठ जाता तो जसकी द्वाबत की पूरी होती? इसी तरह कसी समर्थी और कभी काफिर की या तो उसक-समक्रम पाद्यानेक मीतर सक्ति या "उठ "उठ की रट लगा बेते थे।

मुझे काम इसरे दिन मिका। वह कर्य और दरवाने शाफ करनेका था। साफ करनेका मतकम या जल्हे अच्छी तच्छ चमकाता। बरबावे कोहेके वे जिनपर रोगन सना हुआ था। चर्हे इमेरा पासिस्त करनेते जनपर नया बसर पड़कार मेने एक-एक वरनाजा विसनेमें तीन तीन बंटे क्याये। केकिन जनमें कोई फर्क मैने तो नहीं देखा। फर्कमें जकर कुछ फर्क पड़का था। मेरे साम इसरे हुछ काफिर कैवी काम करते ने। ने जपनी सवाकी कहानी इटी-कटी संदेवीमें सुनाते में और मेरी समाके वारेमें पुछते थे। कोई पुछता कि क्या तुमने चीरी की है ती कीई पूछता गया तुम सराव बेचते पकड़े गये। जब मैंने नोड़े समस्वार काफिरको अपनी बात धनामाई तो बहु बोका व्यवाहट राष्ट्र ("ठीक किया") अवलंबु वैव ('मोरे सराव है') बोक्ट पे फाइन ("जुर्माना भल देना")। मेरी कोठरीपर विवास बाहसोलेटेव ( तनहाई )। मेरी कोठरीके पाछ दूसरी यांच कोठरियाँ भी वैधी ही थी। नेरा पड़ोगी एक काफिर वा को इन्तका प्रयत्न करनेके जपरावर्गे सना मौन रहा था। इसके बाद वो तीन कैंदी वे जनपर समावके व्यवहारके विवक व्यक्तिपारका अधिवीन था। ऐसे लोगोकी समितिमें और ऐसी स्थितिमें मैंने प्रिटोरियाकी वेकका अनुसन चुक किया।

साम--सामी । इतिहर जाविकामें गोरी कीन विश्वकारियोंको विश्वकारी "सामी व्यारे में ।

लुएक

लुएकका भी सही हाल जा। सकेरे पूर्व [मकर्षका बिक्या ] दिया जाता जा को सहरकी तीन दिन पूर्व और बालू अपका गानर, तीन दिन सेमकी वाल और धामको पानक निवर्म में नहीं दिया जाता जा कुमनारको बोगहरमें सेम तथा जातक जीर थी और रिवारको प्रतिकृति सेम तथा जातक जीर भी और रिवारको पूर्व साम जातक तथा भी मिक्या था। जीके दिया जातक जाने में किनाई होती भी। वस्तक भी न मिक्रे ठवतक जातक म जाने में निवर वस्ता किनाई होती भी। वस्तक भी न मिक्रे ठवतक जातक म जाने में निवर वस्ता कि सिक्ते वाल कर्मीकमी करनी होती थी। जात करनी होती थी। अपने प्रतिकृति केम तथा कि मिक्रे ठवति वाल प्रतिकृति की सिक्ते उसे प्रतिकृति की सिक्ते उसे प्रतिकृति की सिक्ते वाल कर्मीकमी किन क्षेत्र केम वाल जीव केम तथा जाता जा। बीर विस्त वित्र वाल प्रतिकृति की सिक्ते वाल क्षेत्र केम वाल जीव केम वाल क्षेत्र केम वाल करने क्षेत्र केम वाल क्षेत्र केम वाल करने काम केम वाल करने केम वाल करना होने करने केम वाल करना होने काम वाल करना होने काम वाल करना होने करना केम वाल करना होने काम वाल करना होने काम वाल करना हो करना होन करना हो करना केम वाल करना हो करना वाल करना होने काम वाल करना हो करना होने काम केम वाल करना हो करना होने काम करना हो केम वाल करना हो करना होने काम वाल करना हो करना होने काम केम वाल करना हो करना हो करना हो करना हो करना हो करना केम वाल करना हो करना केम वाल करना हो करना केम वाल करना हो करना वाल करना हो करना वाल करने केम वाल करना हो केम वाल करना हो करना हो करना हो करना वाल करना हो करना

धानकी जायकमें भी नहीं निकता यह बात मुझे पहकेते ही मालूम भी और मैंने इसका दकाय करनेका भी निश्चम कर किया था। यह बात मैंने बड़े वारोगासे कही। उसने कहा कि भी तो सिक्टे बुक्बार तका रिकेशारको मोल्लको वरलेमें मिलेगा। मिंहे मैं ज्यादा बार मी केमा पाह तो विकास कि भी हो हम के बिकास की मुझे उसके पाछ के बाता गया।

बॉफ्टरफे छानने मैंने यह भारतीय कैदियोंके किए करवीको करह की देनेको सांच की ! नहा बारोना नहीं हाजिए था। उसने कहा "गांधीको भीय विश्व नहीं है। बानदक कामना यह मारोना नहीं हाजिए था। उसने कहा "गांधीको भीय विश्व नहीं है। बानदक कामना यह मारोना कैदियोंने करवी बाई है और में यह कुछीरे सांचे हैं। कहा यह रोजपादकी कैदी वें यह ने सांची काम किदा पर मारोना केदी वें यह ने भी बाते ने। जेकरों ने बाबिक हुए, उस समय उनका कवन किया परा वा बौर जब उन्हें छोड़ा गया उस भी किया नया नहां। उन सक्त कनन उस प्रमुप वहा हुआ पामा माना। बौरटरों पूछा ने की सब तुम्हें क्या कहना है? मैंने कहा यह बात मेरे पर्फ नहीं उसरती। कमने विभयमें यो मैं कह सकता हैं कि सीर मूने विव्युक्त किद दिना पहना पड़ा यह वात मेरे पर्फ नहीं उसरती। कमने विभयमें यो मैं कह सकता हैं कि सीर मूने विव्युक्त किद मैं सीरीका पहना पड़ा तो मेरी सनीयत जकर विग्रहेगी। बॉक्टर नोका "तो नुमहारे किए मैं सीरीका मुक्त कामने किए नहीं ने कहां मैं नापका उपकार प्रानवा हूं। छेक्टिन मह प्रावेगा मने कास नमने किदा नहीं सी है। जनकरक पत सोनोंके किए मौंका हकन नहीं सिनता तबतर में रोटी नहीं से धरवा। इसरप बॉक्टरने कहां "नव में सी मेरी मही बोप न हैता।

333

मन प्या किया जाने ? यहा बारोपा माहे न बाता तो पीका हथम हो बाता । उसी विन मेरे सामने रोटी और चावक रक्ता गया। मैं मुना बा। केकिन सरयायही इस तरा रोटी कैंसे का सकता जा? इसकिए मैंने में बोनों ही बस्तूएँ नहीं जाई। दूसरे दिन जेक निरेषक (बायरेक्टर) को सर्जी देलेका हुक्स साँगा और वह सिक भी गया। अर्जीमें मैने जोडानिसवर्त नौर फोनसरराके उदाहरण देकर सब कैदियोंके क्रिय शीकी माँग की। इस नवींका कदाव पन्द्रह दिनमें मिक्सा बदाब यह का कि जबतक भारतीय कैवियोंके किए इसरे प्रकारकी सराकका निर्णय न हो जाये तशतक मन्ने हर रोज चानकके साच भी दिया जाये। मुझे इसका पता नहीं था कि यह हुक्स सिर्फ मेरे ही लिए हुआ है इसलिए पहले पिन मैने चावल वी तवा रोटी क्या होकर काई। परन्तु मैंने कहा कि मुझे रोटीकी बहरत नहीं है। छेकिन मुझे जबाब दिया यदा कि कॉक्टरका हुवस है, बससिय वह तो मिकेनी ही। इसकिए रोटी भी मैंने पन्नह दिन तक बाई। किका नेरी बुची एक ही दिन टिकी। हुयरे दिन मुझे मामून हुआ कि हुम्म को ऊपर किखे अनुसार है स्वकिए मैंने किर भावक नी बीर रोटी केनेसे इनकार कर दिया। वहे वारोगांधे मैंने कहा कि जबतक सब जारतीयोंको मेरी तरह बी नहीं भिस्तता तबतक में भी नहीं से शकता। विपटी नवर्गरने जो साममें ही बा कहा "यह हो तम्हारी मर्बोपर निभैर है।

मैंने निरेधकको फिर किया। मुझे बताया यथा था कि सुराक बन्तमें नेटाकको बेडों-बैसी कर की जामगी। मैने इस बातकी आयोजना की और स्वयं की न सेनेके कारम बहाये। बन्तमें एवं निकासर वेड माहुछे ज्यावा समय बीतभेपर मुझे सुचित किया गया कि बहाँ-बहाँ मारतीय केरी अधिक सक्यामें होने नहीं नहीं उन्हें की विका वायेगा। इस तरक वह कहा है द्धक करनेके वेड माह बाद मेरा जनवात (रोवा) टूटा ऐसा कहूँ तो पक्त मही होया। मैंने समभय अन्तिम एक नास चावस भी और गेटीवासी शराक की सेकिन संदक्ष्या बाना बन्द कर दिया। इसी तरह जावल और रोटी छेगा शुरू करनेके बाद दोपहरको बद पूर् आता तब वह भी में मुश्किकते वस चम्मच केता वा वर्गोंकि वह हमेसा बसन-अक्टर हंगते पकामा हवा होता था। फिर थी चेटी बीर नैका सहाच पर्यान्त का इससिए मेरी तबीवत सबर गई।

मैंने उसर कहा है कि नेरी तबीयत सुधर गई। बात यह हाई कि वब मैंने एक ही बन काना एक किया का तब मेरी तबीयत काफी बिगड गई थी। मरी प्रक्ति वकी वर्ष थी और कोई इस दिनों तक मुझे एका अनकपारी खी। मेरी आदीमें भी पहनड़ी होनेके विह्न मासम होने बने वे।

#### काममें परिवर्तन

कातीमें तककीय होनेका कारण बूधरा या। मैं कमर किया पुका हैं कि मुसे फर्ब और **इरवाजे साफ फरनेका काम सींपा गया था। यह काम करीब दम दिन करानेके बाद दो-दो पटे** हुए कम्बर्गोको सीकर जोडनेका काम मुझे विमा गया । यह काम वारीकी और सादवानीचे करना पत्रता था। सारे विश पीठ सकाकर फर्यंपर बैठे-बैठे सीना पक्या था सो सी कोठरीमें

 क्षा पण्डला तथ्य भक्के वालकी क्याँ की पारंते मेक व्यक्ति स्थाता देखिए पर अवसार्तको वा १११-१। भी ।

र देखिए "तर्राट-अवरको नाम किये गार्नेनानका नसमिता" वह २ ३ ४ ।

मेरी अनेक सरपाणियोंने कहा था कि यदि है तथीयन विपाइकर तकसे हैं हो उनके सरपाण्य स्थाप वार्यों का विभन्न है। हो उनके सरपाण्य स्थाप वार्यों वार्यों चारिए वार्याक हम वर्षण करित रखें तो विभन्न हिए पार्यों मुझे हम कर सकते हैं। इसके दिया विश्वा करते हैं मेर तथीवर दिवहती है। सरपाण्य हो तो लेकको महत्व मानवा। मुझे इस विचारते हुंच होता था कि कहीं मुझे तुद हो विमाझे तथीवत के कर बाहर म निकचना पड़े। पाठकोंको वार रचना चारिए कि मेरे लिए पीका को हमर हमा था उसे में सीकार नहीं कर सकता वा इसीकिंग मेरी तथीवत पाय्य हमें सिवही कि सीकार नहीं कर सकता वा इसीकिंग मेरी तथीवत पाय्य सुद्धी हमा हरएक की वा कर बह से समें बकता हो। अपनी ममुविधार्य हुर करानेकी योग कर सकता है। प्रदोरियार्ग हैं ता न करनेक हिए सेरे पान कान कारण ना इसीकिंग केवल अपने लिए पीका हुनव में स्थीकार नहीं कर करना है।

(क्ससः)

[मबरावीते]

इडियम जीपिनियम २०-५-१९ ९

# १४९ मायण अस्वात और विवनकी स्वागत-समामें

चोहानिसमर्ग भूग २१९९

नान भारतीयों और चीनियोंकी इस सम्मिक्ति समासे मेरे जानवका पार नहीं है भीर मैं उसका कर्नन भी नहीं कर सकता। मैंने कक ही बिटिश बारतीय संबक्ते बान्यसंसे बात करके तथ किया था कि भी अस्वातको केकर यहाँ वार्वे और महसि भी काश्रक्षियाके कर नास्ते और काय-पानीके किए क्कें। मैंने यह सांचा भी नहीं वा कि मेरे मास्तीय माई और बीनी कोय इतनी बड़ी संक्यामें इकटठे हो बार्येंगे। संबर्पमें माय केनेशके वो वक — चीनी और भारतीय — इस उच्छ स्कट्ठे हुए, इसमें मुझे बहुत ही प्रसक्त हुई है। भी स्विन और बस्वाद सरीबे हीरॉका ऐसा स्वाप्त किया जाना कम सराहतीय नहीं है। ये बोनों डीरे अपने-अपने समायके सच्चे सम्बन्तक और नेता है। में बैसे-बैसे **धंवर्षके सम्बन्धमें विचार करता है वैधे-वैधे यह विश्वास होता जाता है कि सहाचार और** सद्युपते संबर्ध करनेमें बन्ततः जीत ही होगी। कबनेवाकॉकी संक्या चाहे जितनी हो या रहे फिल्तु हुमने जो को नामें की है ने तो मानी ही कार्येगी। इस कम्नी सहाईमें हुमें जो इसरी जीनें मिली हैं यदि हम जनपर विचार करें तो इस देखेंगे कि हम नात्मत्वान और पारस्परिक सहयोवसे एक-पूसरिक ज्यादा पास का वये है और ऐसा सहयोग बढ़ानेके किए चरपुरु है। हमने अब अपने सम्मानकी रखा करना तका श्वसरोंको सम्मान हेना सीख किया है। मझे तो स्वता है कि यदि जब जन्म कुछ न मिले तो भी निराश होनेकी कोई बात नहीं है नर्नोंकि जो निका है वह कम नहीं है और असी बहत-कुछ मिस्रेगा। धरवायिवाँकी सेता छोटी है, फिल्टू इसकी कोई जिल्ला नहीं ! अस्य इतिहासमें देखेंने कि सच्चे सहनेवासे हमेचा कम ही होते हैं। इंग्लैंड और क्सकी लड़ाईमें बादट क्षिवेड में घोड़े ही कोप में फिर भी बनका नाम सामतक समर है। इसी प्रकार नदि सब सबह नहीं तो कमसे-कम बीतण आफ्रिकामें को सरवाप्रहियोंका नाम समर ही रहेया। मैं नश्रदापूर्वक सखाह देता हैं कि जाप कीए थी क्विन और जस्तातका अनुसरण करें और अल्डिक वैसा करते हुए संसभी प्राप्ति करें।

[गुबयतीये]

इंडियन मौपिनियन ५--६--१० ९

१ अर्पासों और बीनिर्शेकी यह समा वेटर वेंड डीक्से की वरशत बीर की तिसमेह स्वास्त्रादें की वह नहें व्यक्ति व्यक्ति की नावन दिया था।

# १५० भाषण चाय पार्टीमें '

[कोहानिसवर्ग भून २ १९ ९]

भी बस्वात मौर थी विवनके चेक्से कृटकर मानेने इस मबसरपण यवि मै यवरातीमें म बोर्मु तो ठीक न होगा। यौ जस्वातके सूटनेपर हम कौप प्रतना ही करें यह बहुत कम है। यह बाद में थी उमरणी हालेके खुटनेपर कह चुका हूँ बब दुवारा समिक नहीं कहेगा। मोड़े कोग भी को संकल्प कर कें उसे पूरा कर सकते हैं। हवारों कोग शास्त्री बनाते मीर घेल मानेकी बात कहते वे केकिन सब बहुत कम है। मुझे इससे असल्तीप नहीं है। मात्र भी सत्यातको तृतीयतका हाल पुष्कते हैं तो वे सच्छा बताते हैं। केकिन भी स्पाएके कहनेके मुताबिक ऐसा नहीं है। वे बहाबर [अक्में] इसरे कोगोंकी तरह व्यक्तिमत नेहरवानीका काम जठाकर तम्बाद आदि नहीं केते थे। इसपर मुझे विमान होता है। वे जो कहते वे सो उन्होंने करके भी विकासा और उसी प्रकार अन्तरक करेंगे। यसकी क्ष्मका रखे विना एसा करनेवासे स्रांग कम ही हैं। बुसरोंको मान देना अपनेको मान देनके समान है, बमाकि उससे बपती सन्त्रनता प्रकट होती है। करू सर्वेभी मनवी फफीर माह और नुक इसरे कींग भी जिनके नाम मझे बाद महीं आते [इस्ट कर] बाये। हम कीय उन्हें सेनेके विष् नहीं था सके। वे भी मानके भूखे नहीं वे और व है। फिल्तु हमने जिग्हें वडा माना है उन्हें मान देना दो हमारा कर्तक्य है। श्री क्विन भी ब्रमारे दोनों नेताबोंने समान ही 🕯 और उनकी स्थिति भी उन्हीकी-बीसी को नई 🕏। जेकर्से उन्हें पूप बीर मस्की मिक्सरी थी। अब गवर्नरने अरहें चावछ देनेको कहा तब उन्होंने सूचित किया कि "धव चीनियाँको मिके तमी मैं सुगा। सरकारने ऐसा नहीं किया हो सन्होंने चावक नहीं किया। उनका यह काम छोटा न था। एकमक भी विवन शरवासरके स्तान्त है। सब उनके सबके कार्यकारी मध्यम बैक जानेके किए नवीर हो रहे हैं। इन सबके साथ प्रयान स्थान तो करेंगे ही। इमारै संबर्धका अनुसद हेनेवाले ऐसे कोयोके कारण सूझे व्यक्तिसात होता है। वो हार यसे 🖺 बनसे मैं निरास नहीं होता। यह निश्चित समझ के कि बीत हमारी ही होगी।

[पुनरातीसे]

इंडियम मोपिनियम ५-६-१९ ९

र शामाक नाह (देखिए पित्रण बीर्गंक) समंत्री मलास जीर शिवको ती कारमिनाके बरसर पान-नार्टी सी भौ भी।

# १५१ जेल कौन जासकताह?

स्त्याधर्ष्टी कीन हो सकता है, इस्तर हुन पिछले इस्ते गतीपर्ने विकार कर चुके हैं।

इस्त्याध्यले साम्बोकनमें स्त्याध्य बहुत-कृत केल कार्नेमें ही निवित गा है। किन्तु स्त्याध्य
कोर्द केल बाकर तमान्य नहीं हो साता स्त्याध्याधियों को गुलीपर बहुना गुत है जब नीर
स्त्रामका साध्यन करना गुत है, पर्वजर से सक्कमा गुत है, राक्षिये ठेकके कृत्राध्ये तैरान
ग्या है 'बसले करवस बक्षमा गृत है एउटनाट कोड़ कर नीचके वर विकास गृत है हो सेर जिल्ली 'कुमले प्रकास कर है। इस प्रकार स्त्याध्यक्षिती वरीका संस्ताध्यक्ष मार्थित प्रकास स्त्राध्यक्ष स्त्रिष्ठ स्त्राध्यक्ष स्त्राध्यक्य स्त्राध्यक्ष स्त्राध्

ट्रान्यपालमें घरवाप्रहियोंकी कसीटी केपक बोल जानेमें ही खूरी है। इसलिए बेल कीन जा सफता है यह प्रस्त बहुत उपयोगी है। हुक मारतीय बेल जानेके किए तैयार होनेपर मी हुक कारलेशि नहीं गये या नहीं जा सके। ऐसे बचा कारण होंगे? इस प्रस्तका उपयोगी यह स्वास युक्ते और उसका बचाव जान केनेसे मिक चाला है कि बेल कीन जा सकता है।

सत्यायहीरों को कुल होने काहिए और जिनपर हम विकास कर कुठे हैं वे सब घोड़ी-बहुद मातामें केड बानेवाछे डोवोंमें होने काहिए। किन्तु उनके बरिटिक्ट उनमें भी के किसी सर्वयांकी कावस्थकता है

(१) व्यसनोंसे श्रूर ख्ला:

(२) वरीर कसा ह्या रखना।

- (१) सोने मौर बैठनेमें कारामत्बन न होना।
- (४) श्वानेमें अत्यन्त छावनी।
- (५) सूठी प्रतिष्ठाका त्याग ।
- (६) शीरम।

ये क कुल (बिन्हें इस जेकती शब-सम्पत्ति कोंदें ) बास श्रीरक्षे के बानेनाने नाइसीके बिए बावस्तक हैं। अब इस इनकी जोच कर हैं। जनुकन यह इसा है कि मोड़ी अगत पुतारी या चाय-पानके अपस्तिक कारण केल बानेवाने लोग कर गये हैं। ऐसा होने के बारण या सी उन्होंने खुर केकों थोरी की है, जबांत् शर्याण स्थान किया है या वे बूटरी बार बेल बानेका माम केमा तक मुक बंधे हैं। इसकिए व्यस्त-पानसे बूर खूना जावस्तक हैं। एक ही व्यस्तकी सूर होनी चाहिए और नह है प्रमुक्त नामकी पट।

नामदं स्थारित सत्यास्त्री नहीं बन सनवा। वैसे ही पुर्वेत सरीरवाचा मनुष्य बहुत हर तक बेबके करू बर्बास्त नहीं कर सकता। बरीरकी लक्षित म होनेपर भी मनोबस्से बहुती वीरोंने करू सहन किया है। ये जराहरण बसाबारण है। सामारण विश्वन तो यह है कि

र देखिए "सर्वामारी कीम की क्षता है।" वह १९५-९० ।

२, १ ४ ५ और १, क्ष्मका १९६ प्रकृतः शुरूमाः गरू-फालती और हरिश्यम्बी धानानीया दराण विभाजना है।

चपेर नीरोन और क्षेत्र होना चाहिए। ग्या न होनेने कुछ कोप वनरा नमें है। यसामही समझता है कि उसको अपना सरीर किरायंपर मिका है। उसको चाहिए कि नह उसे अच्छी दार्स साफन्युवरा और संस्कृत सकत वपनेको अच्छा किरायेपार साबित करे।

मह बात कोई भी समझ सकता है कि जिसको सोनेके किए शिनवार पर्कंग और मर्भ यहा चाहिए बहु एकाएक कमीनपर नहीं से सकता। ऐसी स्वितिर्में इस प्रकारकी साराम

वक्की भी कोड़ देनी चाहिए।

मह देखा गया है कि बेखनें जानिका सवाल सवसे वड़ा सवाल वन पया है। मह भी
कोई बारवर्षकी बात नहीं है। विस्ते अपनी बीगको साएन और स्वारके सन्तन्त्रमें बीत
किया उसने बहुत-कुछ बीत किया। ऐसे खोण बहुत कम देवनेंनें बाते हैं विनको स्वारित्य
मोतन नहीं वाहिए। गरीव कािकर में खानिक किए मरते हैं। यह कोई छोटा-मोटा सवाल
नहीं दे। किए भी वो परसायेकी दृष्टिये बेख बाना वाहता है उसका कुन्काए तो स्वारित्यको
बीतनेंनें ही है। ठीक यह है कि बो-कुछ भी सिखा है उसके किए पहलाका कन्यवाद किया
वासे। प्रत्येक मारतीयको विवार करना है कि भाग्वमें तील करोड़को
दिनमें एक ही बार जाता विक्या है जोर वह भी एक टुक्डा रोटी और नामके सिता वार
कुछ नहीं। उस येकमें तीन-तीन बार वारकानश्वकता खाना सिके उससे पूजार कर लेना
कोई बड़ी बात नहीं। मुकमें सब कथा कम्बता है। से स्वरता है कुछ दिन येकफा खाना
कच्छा न समें ठीकन पीछ वह दक्ष बाता है। को गारतीय स्वराहों के बाना पाइता
है उससे सता वारी बातव वारत साता है। को गारतीय स्वराहों के बाना पाइता

सूटी प्रतिच्छा रक्तनेवाचा जेल नहीं जा एकता। वहीं जेकके सन्तरिसोंकी ताबचारी करनी होती है और ऐसा काम करना पड़ता है जो मीचा माना जाता है। उसकी करनेते इन्दर बाती है ऐना तो किसी बिन किया नहीं—जह समझक पंकर्म जय कामको न किया बाये तो परियान नुस होता है। यह समिवारी है यह नवाल नगके कारण है। जिसका पन स्वटन्स है वह विकेती वास्ती उद्योगर की राजाकी चीति स्वटन्स है। वह जब जयह बास्टी उद्योगरें

ताबेदारीके बनाब अपनी इन्त्रत समझता है।

इस प्रकार के पूज दो जेकसानीमें जनकर होते चाहिए। बूचरे जून करने जान सूह वार्षेमे। किन्तु, प्रत्येक पाठकको हुनारी सकाह है कि वह हुमारे दन विकारीपर सनन करे।

[युजरातीमे]

इंडियन मोचिनियन ५-द-१९ **९** 

# १५१ जेल कौन यासकताह?

सरवायही कीन ही सकता है हरपर हम पिछले हुन्हें मंत्रेपरी विचार कर चुने हैं। ट्रान्सवायके आव्योकनमें सरवायह बहुत-कुछ बोळ चानेमें ही निष्ठित रहा है। किन्तु सलावह -कोई बेस चाकर समाप्त नहीं हो जाता। सरवायहियोंको तो सूचीपर बढ़ना पड़ा है 'तरज कर न्दाम्यका आर्थियन करना पढ़ा है पर्यंतपर से लक्कना पड़ा है, जीलते तेकके कहाहों गैरता पड़ा है, 'वसने बंगान चकना पड़ा है राज-गाट छोड़ कर गीचके चर विकाग पड़ा है जीर विहली 'गुस्समें रहना पड़ा है। इस प्रकार सरवायहीकी परीक्षा संस्वारके जिन्न-विष मार्थोमें पिकन-विषय क्रांति हुई है।

मामीमी मिन्न-भेगत बर्गों हैं हैं। है। ट्रान्पवाकमें सरायादियोंकी करोटी केरक केड बानेमें ही यही है। इसकिए बेड कीन बा सकता है यह प्रशा बहुत उपयोगी है। कुछ मारतीय केड बानेके किए तैयार होनेगर मी कुछ कारमोसे नहीं बये या नहीं बा सके। ऐसे क्या कारच होने र हम प्रशास उत्तर यह स्वास्त्र पूक्ते और स्वका जबाब जान केनेसे निष्ठ जाता है कि बेफ नीन बा सकता है।

प्रस्ताप्रद्वीमें को मुक्त होने चाहिए और जिनपर हम विकास कर चुके हैं वे सब वोगी-बहुत मात्रामें चेक बागेनाके डोमॉर्में होने चाहिए। किन्तु उनके मंदिरिस्त उनमें तीचे किकी यतिरामेत्री जावस्वकरा है

(१) व्यवनीति क्र शहनाः

(२) गरीर क्लाह्ना रचना।

(३) घोने और बैठनेमें भारामतक्रम न होगा।

(¥) सानेमें बत्यन्त सावगी।

(५) भूठी प्रतिष्ठाका त्याय।

(६) भीरम ।

ये क नृत्त (बिनहें इस केलकी यह-सम्पत्ति कहूँगे) जास तीरते केब बानेवासे नास्पेकि
क्रिए सावस्तक है। बब हुम इनकी जीव कर ले। बनुभव यह हुना है कि बीही सराव दुमरी
वा चाम-पानके व्यवतार्कि कारण केक बानेवासे लोग उस गये हैं। ऐसा होनेके कारण वक बानेवासे लोग उस गये हैं। ऐसा होनेके कारण वक बानेवासे लोग उस गये हैं। ऐसा होनेके कारण वेक बानेवासे लग्ने कुन जेक्से चीरी की है सर्वात् सरकार लाग किया है, या दे बूसरी वाग जेक बानेवा माम नेना तक मूम गये हैं। इसस्थिए व्यवत-यानके दूर राष्ट्रण बावस्थक है। एक ही व्यवतार्की क्रूट होनी चाहिए बीर वह है प्रमुके शासकी रट।

मामई म्यान्त स्थान्त स्थापही नहीं बन सकता। बैठे ही बुक्स सरीरवाला मनुष्य बहुत इर तक नेकले कष्ट बर्दास्त नहीं कर सकता। सरीरकी सन्ति न होनेपर भी मनोबक्ध बहुतने भीरोंने कष्ट सहुत किया है। ये नवाहरूप अतासारण है। सामारण नियम तो यह है कि

१ देकिर "एक्टरनी स्त्रैम को एकता देश" एक १९५०-१० । २, १४ ५ मेर १ कमका देशा स्क्रार, शुरूषा, सक-गणकरी और हरिस्टन्सको मानानीका दशाना रिचा वर्गा है।

सरीर नीरोन सौर औक होना चाहिए। ऐसान होनेसे कुछ कोम वनरा समे है। सत्यामही समझता है कि उसकी अपना वारीर किरायेपर मिसा है। उसकी वाहिए कि वह उसे अच्छी तरह साफ-पुत्रस और सक्षका रक्षकर अपनेको अच्छा किरामेशर साथित कर।

यह बात कोई भी समझ सकता है कि विश्वको सौनेके किए स्थिनवार परूप और नर्म गार चाहिए वह एकाएक बमीनपर महीं सो सकता। ऐसी स्वितिमें इस प्रकारकी बाराम

त्सवी भी छोड़ देनी चाहिए।

यह देखा गया है कि जेसमें शानेका सनाक सबसे बड़ा तवाल बन नवा है। यह मी कोई श्रारममंत्री बाद नहीं है। विधने वपनी वीमको भाषन और स्वावके सम्बन्धमें चीद किया उतने बहुत-कुछ कीत किया। येथं कांग बहुत कम वेश्वनेर्ने वाले हैं जिनको स्नायिष्ट मोजन नहीं व्यक्तिया वरीव कांग्रित मी वालेके किए यथ्ये हैं। यह कोई छोटा-मोटा सवाल मुद्री है। किर भी को परमार्वकी इध्दिसे बैंछ जाना चाइता है उसका झुन्काय तो स्वादेश्वियको बौतनेमें ही है। ठीक यह है कि जो-कुछ भी मिला है उसके लिए ईस्वरका प्रस्पवाद किया बाये। प्रत्येक मारतीयको विचार करना है कि भारतमें तीस करीड़ क्रोगोंमें तीन करोड़को नाथा । सन्तर मारवायका त्यारा रूपणा हो जा गायण वाल प्रश्च काणा याण स्वास्त्र निनमें एक ही बार काला विकास है और यह वी एक दुष्का रोटी और नामको दिया और कुछ नहीं। दब जेकमें टीत-टीत बार व्यवस्था-व्यक्ता बाला मिके उच्छे धुवारा कर केना कोई बड़ी बात नहीं। मूलमें सब अच्छा कमता है। हो सकता है कुछ दिन बेलका बाना बच्छा न रुपे छेकित पीड़े वह दच बाता है। को भारतीय सरपापही जेस जाना चाहता है उनको सावा सानेकी आवत जल्बी बाक्र केनी चाहिए।

मूठी प्रतिच्छा एकनेवाला बेल नहीं बा छच्छा। नहीं बेकके सन्त्रिप्योंनी ताबबारी करनी होती है नौर ऐसा कान करना पड़वा है जो नीचा सारत वादा है। उसको बरनेसे इरनेस बाती है ऐसा तो किसी बिन किया नहीं—यह समझकर बेकमें उस कामको न किया बासे तो परिनाम नुरा होता है। यह वानेवारी है नह नयाल मनके कारन है। विश्वका मन स्वतान है वह [मैंडेकी | बास्टी उठानेपर भी राजाकी माँदि स्वतन्त्र है। वह उस अपह बास्टी चठानेमें

वानेदारीके बनाय अपनी इन्जव समझवा है।

बन्धमें यह बीरक महाराज। सब स्तीन जेक वारी ही दिन निनने कम बारी है। इससे दिन सन्वे समने सगते हैं। शाहर वरत बीत पने और वे इसने नैंदा दिसे फिर भी वे इसे मारी नहीं मासून पड़े। बेलके डीन दिन डीन बरध-बैंग्रे क्ये। इचका कारण क्या है? इसका मदान मद है कि जेल जाना मनको अच्छा नहीं कगा। धचाई यह है कि जेल लानेमें सुख नवान में वू है। जिसे सम्में हैं एक दुश्व सहकर हुआ मानती है भी है हो हमें बेलके लिए — मानता है। भी बीद सम्में हैं एक दुश्व सहकर हुआ मानती है वैदे ही हमें बेलके लिए — बरफे किए — दुश्व छहते हुए हुआ मागता है। विन बीद बेलमें बीटेंने की बाहर नहीं बीटेंदे हमेशा यह मानकर बौर बीरज एककर जिटती जेल मिखो हो उटती सोब केनी काहिए बीतरे हुमेशा यह मानकर बार बारज राकार ताता ना का । पान हा पठना थान करा स्वार कीर बहुर से सार स्वार करा है। या स बीर बहुर समयका स्वृत्योग करणा चाहिए, वहार पूर्व मानकर सम्बार हिला हिला है बीर बोवगेरों दिल मुक्तरों चाहिए। यह एक पंच यो चावके समान होता। एस प्रकार का तुम तो जैनमानीये नकरन होने चाहिए। हुपरे मुख अपने बार सुझ बार्वेश किन्दु, प्रस्केत पाठकको हुमारी सकाह है कि जह हुमारे हम विकार्येपर मनन करे।

[ पुनरावीसे ]

# १५२ मेरा जेलका सीसरा अनुभव [२]

## इसरे *परिवर्तन*

मैं उसर बता पूका हूँ कि भेरे मुख्य कार्करका व्यवहार कुछ गवत वा। केकिन सह स्थित क्यादा दिन नहीं पढ़ी। यब उपने देवा कि मैं भूपक कार्किक वारेंसे सरकारते तो बढ़ता हैं सेकिन उपके चारे हुन्य बराबर मागता हूँ तब उपने बनाना वाने महाने वारिकों से वी बौर मूसे बैद्या मनुकूष हो बैद्या करनेकी बुद्ध वे दी। बानी पावनाग वाने महाने वारिकों मेरी बढ़कों हुन मेरे। इपने दिवा जब वह गुझे बायव ही ऐसा एहसास होने देवा वा कि उपका हुन्म भेरे उसर कह सकता है। उस वार्करकी व्यवक्षिक वाब जो नहा बाईर बाया कह तो बारबाद था। यह मुझे एक योज्य सुनिवाई बेनेका स्वात प्रकार था। वह कार्य वा कि "जो मनुष्य क्यानी कीमके हितके किए कारण है पर बाहता हैं। मैं बुद सन्नेवास हो। मैं मुन्दे कैवी नहीं मानता। इस स्वयह सह सारकार और हमवर्सकी बनेक

िर, बोड़े दिन वाद मुझे आदा चंटा चुदह और उतने ही समयके किए सामको केकने मेदानमें मूमनेके किए आहर निकास चाता था। येदा यह व्यापास वद माहर देश्यर माम करनेकी स्वयस्ता सूक हुई तब भी चारी था। यह नियम उन सब केदियोंनर कार्यु होता है जो अपना काम केश्यर करते हैं।

इति है ना बनना काम बन्नम कर करत है।

इत्तर हिला बिक्ष बेंब्र के सारेने जाईन एवं नाइड़ी कर ही गई थी बहु बेंब भी बोरे

दिन बाद बीफ बार्डरने मुखे अपनी ही बोरेंड विवचा ही। बीचमें बननाक स्मद्रवनी टाएम्में

मुझे से सार्मिक पुरावों स्मृतेक विद्या मिली थीं। इत्तर मेंने बनुमान कमाना कि मुझे को कर सहना पड़ा बहु जनकी साबाहे नहीं बनिक उनकी बीर बुधारीकी कापरवाहीके कारच कमा मार्ग्योगीको काफिरोके खाल मिननेनी बनहुं। इतना तो खाल समझने बा पान कि मुझे मही बकेबा एवनेमें हेनु यह वा कि किसीके खाल मेरी बातवीत न हो हके। मीग अपने बीर उत्तर कि एक किए कुछ ममल करनेने बाद मुझे पेक्षिक और नोटबुक एकनेकी इवावत मी विकार गई।

#### विशेषकरी वकाकात

मेरे प्रिटोरिया पहुँचनेके हुक किन बाद लाय इवाबत केकर भी कियार्टस्टाइन मुंबर्ट मिसने बारी वे बाये तो से रिर्फ निष्ठिक कामके लिए केकिन उन्होंने मुक्त है ही बार्स चवाक भी कियो : इन सवाबोंका बवाब देनेकी मेरी इच्चा नहीं थी केकिन प्रदान क्यां में बाद से पूर्ण इस्तिएए मेरी कहा में धव बारों तो नहीं कहता केकिन दराना करता है कि मैरे साथ क्रताका व्यवहार किया जा पहा है। ऐसा करके जनरक स्पर्ध मुझे पीड़े हराना बाहठे हैं केकिन वह तो कभी हो ही नहीं सकता। मुझे को तककीक दी जायेगी उसे सदिन किए में टैपार हैं। मेरा मन धान्त है। इस बावको बाग अकसिय न कीनिए। बाहर निक्कनेके बाद में बुद सारी चीज बुनियाके बाने रहाँचा।" भी किबार्टनराइमो वह बात



38

एक बार और मुखे अदासतमें से जाया गया था। हवकनी उस बार भी पहनाई गई भी। मारो-भाते दोनों बार खटारे [गाड़ी] का इस्तवाम वा।

#### सस्पाग्रहकी विकेशारी

क्रपर मैने जिन वार्तोंकी वर्षा की है, उनमें से कुछ धनव्य कही या सकती है। किंचु उन सबको बिस्तारसे वेनेका 🗽 यह है कि छोटी-वहीं सब बातोंमें सत्यादहरू। कपयेन हैं। सकता है। छोटे बार्डरने मुखे जो भी सारीरिक सकतीफ थी मैंने स्थीकार की। उसका परिवास मह हुआ कि मेरा मन बान्त रहा। इतना ही नहीं बन तकसीफोंको फिर उन्हीं कोर्पोने ्रहुत भी किया। यदि मैंने विरोध किया होता तो सेरा मनोबक बेकार कर्च हो वाता बौर मुसे चौ वजे काम करने ये वे न हो सकते तथा वार्कर मेरे धबुबन वाते।

क्रांकके बारमें अपनी टेकपर कायम खनेसे और आरम्भमें इन्ह सहनेसे वह असुविना भी दर हो नई। ऐसा ही दूसरी कोटी-कोटी बातोंने समझा था सकता है।

सबसे बड़ा काभ तो यह हुना कि सरीरका दुःच सहत करनेसे मैं वह साथ देख सकता हूँ कि भेरा मनोबक बहुत बढ़ा है। मैं मानता हूँ कि यत तीन महोनोंकि जनुनविधे मुक्ते बहुत काम हुआ है जीर आब मैं ज्यादा रूप्ट आसानीते उठानेके किए तैवार हूँ। मुक्ते ऐसा दिखता है कि सरमापहको हमेचा ईस्वरकी सहायता प्राप्त होती है और सत्पापहीकी कसीटी करते हुए भी अगतका स्थामी उत्तपर उतना ही बोखा डास्टा 🕻 जितना गह शासानीसे चठा स**ब्दता है।** 

# मैंथे क्या पढ़ा !

मेरे दुक्की मचना सुक्की या सुक्ष और दुक्क दोनोंकी कहाती जब पूरी हो गई क्यी बा सकती है। किन्तु इन तीन महीनोंनें मुखे जनेक काम हुए। उनमें से एक यह भी है कि इस जबकिमें मुझे पुस्तकें पढ़नेका जनसर मिका। मुखे स्वीकार करना चाहिए कि सुक्के दिनोंमें मैं कुछ चिन्दामें पढ़ जाता था बुजारे उन्न उठता था। शार-बार मैं क्षपने मनपर अंकुश क्ष्माता वा और वह बार-बार बन्दरकी तरह वंबल हो बाता था। ऐसी स्वितिमें बहुधी कराता था नार पे वार्यात्र्य प्रत्यक्ष विश्व है। वेदी दुस्तकीने देरी बहु रक्षा हो। यदा राज्यक्ष ब्राह्मी करकर पारक्किक हो बाते हैं। वेदी दुस्तकीने दूरी की। यहां पहलहे किए प्रतिक्रित प्राह्मित छनात्रमकी कभी बहुत बंधमें पुस्तकीने दूरी की। यहां पहलहे किए प्रतिक्रित ब्राह्मित दीन बंदे मिक बाते हैं। एक बंदा शुक्क निकता बा। मैं उस छम्म काला मही ब्राह्मित वह बन्न काला था। यामको सी ऐसा ही होता था। देराहरूको बाते छम्म मैं पहनेका काम भी करता था। सामको मैं यका न होता तो क्सी जमनेके बाद भी पहुता था। प्रितिबार और परिवारको यो बहुत धमय मिकता था। इत काकने मैंने कमनन तीससे प्यादा पुरसकें पत्ती और धनमें से कुक्यर विचार थी किया। ये पुरसकें बंधेबी हिस्सी गुजराठी संस्कृत और समिक माधामीकी थीं। बंधेबी पुरसकोंने क्लोबतीय टॉसरटॉट इसकेंग ्रान्य (3) चर्डिय कार प्राप्त का भागामाका भाग बदका पुरवकांने स्वकेशनीय टॉसरटॉक इसर्वन और कालोइसकी बीं। पहुंची वो वर्ष-सम्बन्धी बीं। इनके साथ मैंने बाइदिक भी भी इन केले हो भी बीं। टॉसरटॉक्सी एकाएँ बहुत सरक बीर सच्छ है और किसी भी भर्मको माननेवाला एनई प्लक्ट करते काम उठा बक्ता है। इसके दिया के उन म्यास्टियोंने से हैं जो बैसा कहते हैं बैसा ही करते भी हैं। इसकिए ने बो-कुछ किसते वा कहते हैं। उसपर इस साबारपाट स्थासा मरोसा कर सकते हैं।

स्रांतीधी अपिनपर किसी हुई कार्काइककी रचना बहुत प्रभागीरान्यक है। उसे पड़कर मुसे विस्तास हो स्था कि हिन्दुस्तानकी दुरकरणा हुए करनेका उपाय हमें घोटी जातियोंसे महीं मिनेमा। मेरी मान्यता है कि क्योसीसी जनताको कामित्रों सास काम नहीं हुना। मैकिनीका भी यही बयास था। इस बारेमें बहुत कार्येच हैं। किसन उसपर यहाँ विचार करना उपपुक्त नहीं होया। उस मानिक होत्रासमें भी कुछ सत्यायहिंगकि उसाहरण देवनोमें आहे हैं। प्रवादी हिनी और संस्कृत पुस्तकोंने मैंने स्वापीनीकी औरसे भेनी पर प्रस्तक

नेद-राज-चंडा केदनारम पहुले को हुए उपनिषद् सी भोतीसांक दीवानकी मेनी हुई 
मनुस्मृति फीनिक्सनें क्यी हुई रामायल पार्तजन प्रश्नवेशन स्वित हुई 
मनुस्मृति फीनिक्सनें क्यी हुई रामायल पार्तजन प्रश्नवेशन प्रमुदानमीकी फिली हुई 
मासूक्त प्रकास प्रोप्तेश्वर परसातन्द्रकी सी हुई संक्रमानी गृतिका में बीर सीता तथा स्वर्मीय 
क्षित्रमी राय-व्यवक्ती रक्षमार्थ सेती। यह पुरस्कोचे पहले मुझे सिकार करफेंट सिस् बहुत-कुक 
मिका। उपनिपरिक बाजनेत सुत्रे बहुत खालि पिकी। एक बाज्य तो नेरे मनपर 
प्रीप्तित हो पत्रा है। उचका छार यह है कि हू को भी कर कह बात्माके करमायके तिम्म 
सहुत-सी बात विना सक्तोंने कही गई है वे बहुत ही सुन्दर हैं। उनमें भीर भी 
बहुत-सी बात निवारकीय है।

#### तामेखका भाग्यास

इस कड़ाईमें तिभक बाइबॉन निवाम किया बतना दूबरे बारती मंत्री नहीं किया। इसकिए विचार नाम कि कियी और कारकों महिं तो करने मनमें बरका बादार माननेके सिंध ही मुने तिमन भागा व्यावसे पहनी चाहिए। नय बावका एक पहीमा मेंने तिमक नाम कारती हैं। नह बहुत कुनर और महुर नाम है लॉर-वॉ उड़ प्रावास करने हैं। नह बहुत कुनर और महुर नाम है जीर इसकी रचनी तमा मोनुक की में महुर नाम है नीर इसकी रचनी तमा मोनुक की में महुर हो में हैं। नह बहुत कुनर और महुर नाम है नीर इसकी रचनी तमा मोनुक की में महुर हो में के हैं। तम है कि तिमक कोरों में अनेक ही प्रावास दिवास नाम की स्वार्ध हो में है नीर हो रहे हैं। इसके सिंस मिल मारता मानती चाहिए।

१ चंत्राकी ग्राव्हि।

परिनिध्य क्ष्मा क्ष्मा

## <del>ए पसङ्ग्र</del>

में चाहता है जो पाठक यह नहीं चानते कि देश-मेम क्या है वे इस अनुभवको अनुकर उसकी जानकारी प्राप्त करें और सरवायही वर्ग और जो देशप्रेयको चानते हैं वे उसमें कुढ़ दर्ने। मेरा यह विस्वास अधिकाधिक बढ़ता जाता है कि विसने अपने वर्मको नहीं चान

है यह सच्ची देसभितको भी शहीं जान सकता। वैसे दो---

वस्य दा----अवस्यक नाम बृति समी गयनमें सबस अपा सम नेरा श्री<sup>9</sup> अवसन भार शुक्क बृढ़ शारी

दिया समय घर वेरा थी। भौर— करना फकीरी क्या विस्तरितः

सवा सगन सन यहेना जी। दूतिमार्ने पहले हुए सी फकीरफा चौबन विदाय वा सफदा है। वन्तर्में बूदाको —

दुनियाने पहुँचे हुए औं प्रकोरफा जीवन विद्यायां जा सकता है। बन्तमें बूदाकों ─ देश्वरकों कैसे जाना जाये इस प्रसनके स्तरमें प्रका कि कहुते हैं ─ स्तर्ता-स्वर्ता प्रसट करी वेक्क रे

हुसता-रमणा प्रगट करी वेजू र मार्च जीव्यू सफक तब लेक्ट्र रे एनु स्वप्ने के वर्षन पार्ने रे तेन मन न चक्के बीजे सामें रे।

् युक्तवतीये ] इतिस्तान सोपिनिसन ५—६—१९ ९

१५३ भाषण - समिस्टमर्गे 11

१५३ भाषण " जीमस्टनमें"

[ वर्मिस्टन

बर्गक १९ री

जब भी गांची घोतनेको चड़े हुए तो बोतामीने वनका बरताहपूर्व स्थालत किया। बन्होंने कहा यद्यपि मेने बाब सनावापक प्रतिरोग (पैसिव रेजिस्टेस्स) को अपना विधय चुना है किर भी में नहीं चाहता कि में बारतीय प्रश्नपर कुक चहुँ। में उत्तकों केवल वहीं तक चर्चा करूँना चहुतिक वह मेरे कंपनपर प्रकास बालनेके किए साचायक हीया।

१ मुख्ये वर्षांक्रीते सब मेराची के लालस्य व्यक्तियं राजी पक्र दिसावै। २, दुव्या । रहनााप्र <del>हिंतो केव</del>ते।५, मेरााद जीवनाच लक्कास्य राजे।९ जनस

. पुष्टा व (पाना के द्वानकार्य पुराना) व ताला व करवा है रहा है की पान किया है है।

११ व्यक्तिया सावित्वत और वाद-विश्वत संबंधि (व्यक्तिक विवादी विव विदेशिक केरिया के व्यक्तिक सावित्वत संवित्वत केरिया केरिय

अराजानक प्रतिरोम चलत नामकरण है। किन्तु इस नामको इसकिए स्वीकार कर किया गया है कि यह काफी ओक-प्रिय है और जिल कोर्योंने इस शब्द-समुख्यय धारा स्पक्त विचारको कार्यकप दिया है वे बहुत समयसे इसका अयोग करते जाये हैं। किन्तु पक्त विचार आत्मकरू<sup>ण</sup> सन्ध हारा अधिक पूर्णताले और अधिक सन्धी तरह प्यास्त होता है। इस प्रकार यह स्तला ही पुराचा है जितना पुराचा हच्यान। आकामक प्रतिरोप "सरीर बक्र<sup>ा</sup> बान्दी मानिक अच्छी तथह न्यन्त होता है। बेसा मसीह वैनियन मीर सुकरातने सराकामक प्रतिरोत या सारमवसको सुद्धतम क्यमें प्रवृक्तित किया ना। ये सनी गुर सकती मास्तरको तुलनार्वे सपने शरीपको तुष्का समझते थे। वॉमस्ताँय इस सिज्ञानार्क सबसे मेंट मीर प्रतिक स्वाक्याकार में। उन्होंने न केवल इसकी श्याक्या की विकि तक्ष्युसार नवना जीवन भी बाला ना। नह सिजान्त मुरोपमें प्रचलित होनेसे कहीं पहके भारतमें जान लिया नया ना और अक्ष्यर व्यवहारमें साथा जाता ना। यह नातानीते तमक्षा चा सन्ता है कि मात्मबस प्रारीत्मकते बहुत ही काँचा है। यदि लीय अन्यायके प्रतिकारके क्रिय मारमबसका सहारा में तो बर्तमान कंप्योसे एक बड़ी हुद तक बचा का सकता है। कुछ भी हो इसके मयोगमे हुटराँको कमी कम्ट नहीं पहुँचताः इसकिए अव-कनी इसका एकत अपयोग किया भारता है तब इससे जममीन अपने वासेका ही अप्य हीता है न कि उन कोनोंकी जिनके विकक्ष इसका उपयोग किया बाता है। स्वयुवके समान यह बरका पुरस्कार माप ही है। इस प्रकारके बसके प्रयोगमें असफकता-बोटी कीई गस्तु होती ही गहीं। "बुगईका प्रतिरोध न करों का अर्थ है। बुराईको बुराईसे नहीं शिल्क मलाइते बुर करो। बुसरे अस्टॉमें मरीरकक्का शरीरकक्ते नहीं वरिक जलगवक्ते प्रतिरोध करी। इसी विचारको भारतीय वर्मनमें बर्मिया शब्दते व्यक्त किया पण है। इस विद्यालको कार्यक्य वेतेका नर्व है उन कोनों हारा बारीरिक कब बठाना की इसका अनुतरण करते हैं। किन्तु मह बात सब जातते हैं कि संतारमें इस अकारका कार कुछ निकाकर कम नहीं बहुत नेमादा है। पेंचा होनेवर वत कोर्यकि किए, जी जलसक्की अधून वित्तको पहचानते हैं इसना हो भागायक है कि ने सबय होकर मीर समझ-बुशकर बारीरिक कम्बको अवना प्रारम्य समझें ह चर कम कठानवाले ऐसा समास केते हैं तब बनके किए धही कम्ट बानमदा स्रोत बन कता है। यह बिस्कुल ताफ है कि अनावामक प्रतिरोगको इस प्रकार समझ में हो बह घरीरवलते वेहर मेंबा ही बाता है। और इतमें धरीरवलते अविक सदासदी भी अकरत होती है। इस कारण मनाश्रामक प्रतिरोज्ये साजायक प्रतिरोज समक्षा सारीरिक प्रतिरोज्यर भाना सम्भव नहीं है। इसकिए कपनिवेसीय वेखेंगे कि मारतीयों इररा अपनी शिकायतींकी हूर करानेके क्रिए इस अक्तिका कंपनीय किया जानेकर आपत्ति नहीं की जा तकती। यदि नतनी भी इस हमियारका जपसोय करें तो इतसे अरा जी हानि गई। हो सदसी। क्रस्ट मदि बतनी इसने केंचे जब सकें कि वे इस सन्तिको सनसे और इसका चपयोप करें सो सम्भवतः कोई मी वतनी-प्रस्त हरू हुए विना नहीं रहेगा। इस सस्तिके सफल प्रयोगक लिए एक वर्त है बरीरसे निम्न धारनाती तथा और बतकी निस्पता स्वीकार करूत रावा चेंद्रताको जानना। यह स्वीकृति खीवन्त विश्वतालके कपमें होनी चाहिए, न कि केवल

```
रेश छन्ने वंशी गरण
बहिते काम क्षेत्रेके कार्ये । कार्याने अपने आवारक प्रवेच सामग्रिक
```

युद्धिते समझ केनेके कपर्यो । वक्ताने अन्ते भावणको अनेक आयुनिक जबाहरणोसे स्पय्र किया ।'

[अंग्रेगीसे] इंडियन मोर्शिनसम् १२-६-१९ ९

१५४ पत्र 'टान्सवाल लीडर'को°

[भोहानिसवर्ग भूत ८१९९ के बाद]

[सम्भादक ट्राम्बवास सीवर मोहानिसवर्य]

महोत्त्य जरानेत्य-संवित्ते विदिष्ट कारणीय समावत्य थी मिनक्के बारोपॉका पुरस् बंग्र जरानेत्य-संवित्त स्वार मारणीय समावको बनुवृहीत किया है। माननीय भी मिनक्र कहते है कि समान १२ सातको बायुके परिचारों साक्त विनक्ते मारानिश्ता कभी इस वैधमें नहीं रहे महाँ बा रहे है बीर कानुनकी बनहेकना कर रहे हैं। यदि क सासमें केवक ५९ गरिवारों ही यहाँ बाये है बीर ये स्पट्टा बॉक्टल मुक्किलों है तो यह साथ है कि से मिनका समस्य समावत्य त्यारोगित निरावार है बीर व्यवत्व माननीय महानुमानके पास बारोगिक सम्बन्ध स्मावत्य नहीं

रस ही बादी तबतक मेधी सम्मतिमें समाजके प्रति माननीय महानुमानका कतुम्य है कि

সাদভা সাবি মী০ হ০ বামী

[बंग्रेजीसे]

द्रान्सवास सीवर, १२-६-१९ **९** 

इन्होंने को बारोप समाया है उसे है बापस ने में।

<sup>्</sup> करता मार्च्य समार करनेतर योगीयीने शहरूको असीसा करत दिला । सबको समय करने भी मेंके इस्स देव किया गया करनामका श्रवास क्षेत्रमिके छात्र यस क्रिया गया।

२. पोनीमीने कर बी भी मनिक प्रारा प्रेम्पनाक-संकर्षी ८ बुक्तो कमने कर मारीक्तो कर कर किया था कि तिक्रे मानुने कियी जन्म मानुकी बनेता गुप्ति मानुनिक (जनिक्रेम) नाने हैं कन्मी राज्य कर देवा पेट्रो नाने पेट्रो नाने कि जन्मी राज्य कर देवा पेट्रो नाने पेट्रो नाने प्रेस किया वर्षी हैं (दे १९ कारीक्ट प्रकार निक्र कर किया कर किया कि प्रकार निक्र कर किया कि एक प्रतिकार कर किया कि एक प्रतिकार कर किया कि एक प्रतिकार किया कि एक प्रतिकार किया कि एक प्रतिकार किया कि प्रकार कि एक प्रतिकार किया कि एक प्रतिकार कि एक प्रतिकार

## १५५ कुछ विचार

धरयाबहुका कन्त जब होना होना तब होना। क्षेत्रिन इस बीच भारतीय समाजको भी साम इए हैं भीर उसने जो रस नशा है उसके उगाहरन हम यहाँ बिना किसी वसीलके दे रहे है। इतपर हर भारतीयको मधन करना चाहिए।

(१) चेडेसियाका कान्त कम हो गया।

(२) अर्डि क् उस कामूनको एव करनेका स्पष्ट कारच ट्रान्सवासमें बारी सत्पावह-संवर्षको बतावे है।

(१) उसी लेखमें लॉड कू यह भी कहते हैं कि साम्राज्य-सरकारको ट्रान्सवाल विवेयत-

पर मंत्री देते हुए सूची नहीं हुई।

(४) हाक्में प्रकाशित नीकी किशाब (अन्यू-कुक) में कॉर्ड कू ने भारतीयोंकी दोनों मर्नि स्वीकार करनेकी सिफारिया की है।

(५) उत्तरमें दान्सवास सरकारने यह महीं कता कि मार्थे स्थीकार नहीं की वार्येंगी

- लेकिन सह जरूर कहा है कि सत्पातह बहुत-कुछ करन हो यमा है तथा गीर कॉर्ड क बोड़ा और रहें हो होय मारतीय भी घटने टेक हेंगे। इसका स्पप्ट अर्थ मह है कि मदि ज्यावा भारतीयोंने शत्यामह बारी रका होता तो हमारी मर्पि कब-की स्वीक्रत हो नई होती।
- (६) ऐसे मनेक मोरे, को मारतीयोंको नहीं बानते ये आब उन्हें बानने क्रये हैं इराना ही नहीं वे इसारे हितमें काम भी करने कवे हैं।

इनमें से प्रत्येक क्याहरण से अनेक विचार उत्पन्न हो सकते हैं। इस आगे कभी अपने पाठकोंके सामने बनपर विशेष विकार प्रस्तृत करेंगे। किन्त हम आशा करते है कि इस बीच बहुत-से मारतीय इनगर विचार करेंगे और इनमे नई शक्ति प्राप्त करेंगे। यह को साफ भाग पहला है कि भीत हमारे हावमें है। फिर समझमें नहीं जाता कि बहुत-से भारतीय स्थों काबर बन गये।

[मुजयातीचे ]

इंडियम मोनिनियन १२-६-१९ ९

# १५६ केपके भारतीय

[गुव्यदीसे]

इंडियन कोपिनियम, १२-६-१९ ९

# १५७ जोहानिसवर्गकी जिटठी

#### इंग्डटपुर्टके केशियीचे मुस्राकात

हाइडेक्सके पास हाडटपूर्टको लेसमें बारतीय कैदियाँत मुकाकात करनेके किए भी बांधी भी ध्यास भीमठी व्यास बीट भी सेक्स यमे थे। सभी कैदियाँकी तबीयत बहुत बच्छी बान पड़ी। जब कुछ समस्ये बहुकि व्यक्तित्योंका बरताथ जच्छा दिखाई देता है।

सी नानासाल साह इसी जेलमें हैं। सन्होंने लग्ने पंजीयन प्रमाणनका उपयोग नहीं हिया इस्तिए उनको क महीनेकी जैनकी ना दी गई है। इससे पनकी हिम्मत प्रकट होती है। जेलमें भी उनका काम बच्छा है। वे हुएएकके प्यारे का गये हैं। उनकी खानेनी को बीमों मिलनी है उनमें से वे समीको हिस्सा रेखे हैं। यह जेकसे सूटे हुए कोगोंने बताया है। बाबी झालने हैं। यह पूर्व पानवी नान्युमाई सी जीमचन्द्र साह बीर सी प्रमु दूवेन एक स्वरोग सी नामकाल साहसी प्रवेश करते हैं।

भी भाषातके जेकमें होनेपर भी जनकी कुकानते कैंदियोंको नयद मिकवी रहती है। को भेदी सुटते हैं उनको केतेके लिए प्राथ गाड़ी वाती है। मैं मान " सकका प्रयोग दससिए

#### १ राभिरेशम धरितिकेर ।

करता हूँ कि जब भी मनजी भी लीमचन्य और भी प्रमु भूटे वब उनको केनेके लिए गाड़ी नहीं गई। भी मनजीका जब चा कोर भी लीमचन्यकी तथीयत लाग्यक भी। इस्वे उनको तकजीक हुई। इसके अतिरिक्त उनको जोशानित्वयं आनेका तार समयपर म मिमनेते कोई उनको स्टेस्तगर केनेके किए भी नहीं या सका। तेनी तकखीकोंने किसी सत्यापद्वीको पहतो है।

### भस्तातकी सूची

भी ब्रस्ताहने बीपनकूफ बेकर्स नहुत तककीफ उठाई है। उनका बजन कामन वै पींड बट गया है। साबूस होता है उन्होंने सरवायहका पूरा पाकन किया है। वे बेक्के बानके दिवा पूछरा बाता कुरे भी नहीं हैं। उनको बीग्नी पीनेका स्वयन बहुत या किन्दु उनहोंने तीन सहीनों एक दिन भी बीही नहीं थी। वे बपनी हुकानकी परवाह क करते फिर केक बानके किए तैवार हो रहे हैं। यी सरवायन सम्बन्ध यह किसते हुए मुझे प्यान साठा है कि भी बम्बी नायवूने बीग्नी बाय और वॉक्टी हुमेशाके किए कोड़ वी है सप्तरि लेक बानते महत्ते के इन टीनों चीजोंक विना एक बड़ी भी नहीं यह उकते वे। हसके जकावा यन्होंने बदाक कहाई बाय नहीं हो पाठी उबतक भूँछ न रखनेका प्रम किया है। ऐसे बीर यहतक मारतीय समावने हैं उनतक यह कहाई चनती ही रहेगी और बन्तमें बीठ हमारी होगी।

## इससे शिक्षा

मुझे माकूम हुवा है कि कुछ खरायही कैसी बेकमें बाकर बोरी करना सीब यमें हैं। यहके वे वो बीव कुछ तीरगर न मिक्सी हो बचवा बुधरे कोसोंको नहीं वो जाती हो। बच बाने कने हैं। निजयों कमी तम्माकू बाने या पीनेका व्यवन न या वे बच तम्बाकू बाना और पीना सीख गये हैं। ऐसे कैपियोंको सिक्सा होना वाहिए और सी जरबात तथा स्मेत नायहमें मैंक केनी बाहिए। यह मीबा हिलाब है कि समाक्ष्य सप्ताप्ट निजना बढ़ेगा अन्त उत्तरी हैं। वानी होगा और निजना बनेमा बनत जरनी हो केरने होगा।

#### श्चन-पार

विन नारतीमोंको निकांतित करके मारता मेना जाता है उनके सम्बन्धने संवित क्याय दूरस्त आरस्म कर दिम गये हैं। इस मानव्यमें भी आहवक वेकानोजान मेने गये हैं। मुझं जाता है कि वेकानाका-वेक मारतीय जनकी ग्रहमाना करिये। बूगरी जोर सरकारके साथ किया-वार्ची आरो है। भी नरोक्तम काणीवास निजन्नों प्रस-निकांका हमा दिया गया वा छोड़ दिये गये हैं और वे कोड़ानिसकर्षय कारण कर रहे हैं। किर भी कारण वे देशमें निकांति दिया जाये से कोड़ानिसकर्षय कारण कर रहे हैं। किर भी कारण वे देशमें निकांति दिया जाये से अपने भी करनेका कोई कारण नहीं है। जपने देशमें मेने वार्य तो हिम्मतनर मोग वहीं भी जायोका कर सकते हैं। गालावाही होनेगर भी जिनको देश-निकांक हवा है। सावावाही होनेगर भी जिनको देश-निकांक हवा है। सावावाही होनेगर भी जिनको देश-निकांक स्वावाह स्वावाही से अपने तो वे विकां मात्र परिकां में से मात्र करनेका निकांक तिकते हैं और वब कार्यवास देश नरे हैं इस सम्बन्धों पूरा प्रयक्त करनेका निरुक्त किया है।

# समूने यांची नार्मक पिद्योरियाके मारतीय बोबी

Y

प्रिटोरिया नवर-परिवदकी स्वास्थ्य-समितिकी सकावसे नगरपाकिकानै नीचेके प्रस्ताव पास किये 🕏

- (१) सन १९ ७ के वयस्तमें जो यह निक्चय किया गया वा कि भारतीय घोबिर्मों रो नगरपासिकाके योगी वाटोंका उपयोग नहीं करने दिया आयेश। बौर उन्हें अपने बोबीबाटोर्से धानीकी निजी व्यवस्त्रा करनी शाहिए, उसको रव कर दिया आसे।
  - (२) १९ ८ के मई भासमें निश्वय किया थया था कि सब बोबियोंको नवरपारिकाके बोबीमाटोंमें कपड़े बोनेसे रोका बाये। वह रद किया बाये। (३) अवसे सब रंगदार फोबॉको बातिग्रेदके विना नवरपालिकाके भोडीबाटॉका
  - नप्रयोग करने रिया बावे।
  - (४) बोबीबाटोंकी देख-रेस करनेवालोंको ताकीव नी बाये कि वे निरर्वद पानी न बहने देनेका कवासि व्यान रखें।

#### बीमारीके कारण मुक्ति

खबर मिली है कि भी मायालकी बुकानके कर्मचारी भी मुहम्मद समुबी पटेकको वो फोक्सरस्टकी बेकमें वे सरकारने बीमारीके कारण बेकसे छोड़ दिया है।

# मुहम्भद जहसद सामा

स्टैडर्टनवासी भी महस्मद बहमद भागा को हाउटपूर्टकी बेकमें ये यत शतिवारको रिक्षा कर दिये नये। उनको लेनेके किए भी शायातकी गाड़ी वर्ड भी और भी भायातके सकानपर उनकी बावभगत की नई। मैं बाखा अच्छा है कि भी गांधा फिर बेड बागेके क्रिय वैयाद खेंने।

#### सामात

भी मामाद चुर यह मैक प्रकाशित होनेके दिन--१२ तारीबको खिए किये वार्येने। ऐसा मनुमान किया काता है कि भी भाषातकी रिकार्डक बाद क्षाइडेकवर्यके बाव कई मार्कीय बेंस बानेको वैयार ही बार्येने।

## इर्वी कश्वी माहि

कुछ वर्षी कुनवी मादि निरफ्तार किये धर्ये हैं। वे सब सत्याप्रही नहीं विकाद देते। कुछने नमें कातृनके मुताबिक [पंजीयनके किये] अर्थी दी है। जान पढ़ता है कि इनमें से बहत-से तो देश-निकाक्षेके सावक है। यदि ऐसे भारतीय सत्याबहुका बदसम्बन करें तो उनको मी और कीमको भी साम पहुँच सकता है। ऐसा करनेसे उनके देखरे निकासे बानेका अवसर भी नहीं वामेवा। जैक जाना जाहें तो बहुत-ते भारतीय जा सकते हैं। भी बस्तातकी बकामसे तो रोज ही एक भारतीय जपना विख्वान वैता है। इसकिए उस नहींको सम्मालकर बहत से मारतीय जेश का सकते हैं। बाजतक प्रायः तमिक बीर ही बेक पर्ये हैं। इसरे भारतीयोक किए यह धर्मकी बात है। इससिए बढि वर्जी कुनवी जादि जिन भारतीयोपर

१ गुन्तावमें वार्तिनितेन नितनं न्यानातः बानाधार होते हैं ।

संकट है वे बेक को कार्ये तो उनके एक पत्र्य वो काब विद्य होते हैं। इसमें भी एक बाउ बाद रकती ही काहिए कि वे आरखीय ऐसे होने काहिए बिन्हें ट्रान्सवाकमें खुलेका हरू हो। मुसे आधा है कि पाठक इन विकारींपर ज्यान वेरो।

#### इमाम साहव

इसाम अनुब कादिर बावबीर, जो छीतरी बार बेंक काट रहे हैं १५ धारीबको रिक्स होंगे। मुझे बाला है कि उनके एनका उनकी सुमामतका और उनकी संवार्मका विचार करनेवाले सभी सारतीय उनको सम्मान वेगेंडे लिए उस दिन जेकके बरवावेपर पहुँचें।

## गुरुवारको विद्या होंगे

सर्वसी ६० एवं जुवादिया एम पी० फैन्टी बहुमद हुकीम रवाक गुरामा सुक्रेमान कासमय वस्क्रमपम झानायाई, नाराज्यकामी नायदू और नायना क्रिस्ट मागामी गुरुगरको रिखा होते। उनका अधिक स्वाचक करनेको व्यवस्था की वा यहि है। मुझे जाया है कि उनको कैनेके क्रिप्ट सब भाई गुरुवारको सुन्दह वेक्के हारपर उपस्थित हैंगे।

## बिटिस मार्चीय चमझीता-समिति<sup>1</sup>

विदिल पाय्योय उनक्षेत्रा धांतारिकी बैठक हुनीविया इन्कामिया बंदुमनके सबनमें यत पित्रारकों हुई थी। बहुत-से माय्योय उपित्रार की एटंडरेलसे भी हाजी इस्लाइक सामर सिटोरियार से कि करीय प्रांतर के साय्योय उपित्रार की एटंडरेलसे भी हाजी इस्लाइक सामर सिटोरियार से कि करीय प्रांतर के साम सिटोरियार से की कार्युक्त कार्यों की सक्कुक गरी भी लाक थी वोर्य पाँचले थी बाद में वांचले थी बाद माय्यों की स्वाद की से की कार्युक्त कार्यों से को कि साम की सिटार्ट्स के सिटार्ट्स की स्वाद की सिटार्ट्स के सिटार्ट्स के सिटार्ट्स की सिटार्स की सिटार्ट्स की सिटार्ट्स की सिटार्ट्स की सिटार्ट्स की सिटार्स की सिटार्ट्स की सिटार्ट्स की सिटार्ट्स की सिटार्स की सि

- र निर्मित रहिष्य समितीस्थान सरियो ।
- प. अपनेती मूच कम पहली है । इसीम सहस्यत होना वाहिए ।
- इ वालरे बनारी १९ ८ में जूमलास सरक्तर और पश्चिमी समुसलीय गीप श्वर समझीतेते हैं। देखिए
- ४ १९ ८ के प्रविवास वंतीकत एंडोबन वांबिकत (प्रीक्तांत्रिक प्रित्तेयान क्षांवर्धेट केंद्र ) क क्युलार वा नरपीय का बातुनके कर्म बोनेक छात्र गुरूक्ताकते नक्षर के केकिन किये प्रकेशका व्यक्तिय के के ११ विकास ११ ८ छा वांकि व्यक्ति वार्किन के वांबर्ध नी शहा हो व्यक्ति मार्चनात्र वे छात्री के ।

स्पायको सीय करती है। सम्मा सरवायह तो शीर आक्रमका ही माना बायेना। उन्होंने कपना अनुपरित्यन विकानेते इनकार किया और आव ने निर्नाशित हो चुके हैं। इंडियन औरिनियन में बहुत बार केन और समाचार इक्तरणा बाते हैं यह ठीक नहीं कहा चा सकता। भी कंडिंग्या चैसे कोय दूरपरिकेश हिम्मत वेंपानर चुन के बानेने करकर जुनांता वे साथे। किर सी इंडियन वोधिनियन में सनकी कोई जासोचना नहीं आहं, यह स्पट्ट बानुचित है। मै

यह भी मानता हूँ कि मुरोपको थिन्दमस्यक मेमनेको बरूपत है।

एसिर्सि बमानेक रामस्यमंने प्रस्ताव भी हात्री बचीर समीने देस किया। उन्होंने उदे पेक करते हुए कहा कि को लोग के कहा गई गमे बनाव बाता नहीं कहा दे में बाजिकी शहराजा कर एकटे हैं। सी प्रमोने ऐसी एकला हों व स्वीका महामानक प्रस्तावक समाने किया और वह संस्ताविक स्वीवक हो। या उन्होंने प्रमान प्रमान किया और वह संस्ताविक स्वीवक हो। या उन्होंने कर के स्वावक समाने किया और उन्होंने करने हुए उन्होंने कहा निकास भी हंग का कियाने पेक किया। ऐसे करते हुए उन्होंने कहा मैंने बचना पंजीवक प्रमानवान के कामा है बौर फिर उन्होंने कहा मेंने बचना पंजीवक प्रमानवान के कामा है बौर फिर उन्होंने कहा मेंने बचना पंजीवक प्रमानवान के कामा है बौर फिर उन्होंने कहा मेंने बचना पंजीवक स्वावक स्वा

स्त प्रस्तावका समर्थन जी बज्जुंक गतीने किया। भी हाजी बजीर जमी जोर भी बज्जुंक मानीन कहा कि मीह सहस्वाद एकार जीग मजुर न करेगी को कोनोंक के कहा जहां जाने ही बानेना स्वाद के ही महि उठा । हमार काम को बेक वानेनांक के कोनोंक बानासम्बन्ध स्वादानां उन्होंने का उन्होंने का स्वादान करना है। इसके बाद भी ह्वीस मोटनने करना भावण दिया। उन्होंने भी पांचीकी कई मूनें कराई जीर कुछ स्वादान हुई। भी काक्ष्रियोंके मकानस्त भी उन्होंने साहे को बोच पार गर्दी थी पई भी उन्होंने साहे करने का सोनें करनी बूची बाहिर की जीन यह कामना की कि मारवर्ते भी ऐसा ही हो। किस स्टेडर्टनके भी इस्साहक भी को यह कामना की कि मारवर्ते भी ऐसा ही हो। किस स्टेडर्टनके भी इस्साहक भी को है।

भी चाँचें गाँडफेने बंधेनीमें पावच विद्या। श्री गांधीने संस्थाने उत्तर दिया और स्कृ कि यदि यह समिति सच्चे विकसे तेवीसे और सत्साइसे काम करेवी उत्तरे तो निस्त्येह सत्यादामें मध्य निन्नी होती।

[मबरातीमे]

24

इंडियम बोचिनियम १२-५-१९ ९

# १५८. नायब् और अन्य कोर्गोका मुक्तनग

( अद्वामिसवर्ष वन १६, १९०६]

इसके बार रे कसी जराकतर्ते भी चम्बी नापहुपर विनिधर्मीके खण्ड ९ के अन्तर्गत मुक्यमा वकाया गता। इनही बोरने भी गांधीन पैरवी की। भी गायवूने अपना अपराज स्वीकार किया और बैसा कि जान तौरपर होता का, उन्हें ५ वीड कुर्मानेकी या असके बरते तीन मासके स्परियम काराबासकी सजा की गई। तहपरान्त सर्वमी एक ए कामा मीर सी पी ब्यास अवासतमें साथे यदे और अनवर भी वैसा ही मारीप समाया गया। अनकी मीरस थी पांचीन कहा कि दलके जूननिकल अपना अपराध स्वीकार करना चाहते हैं। किन्द्र के १४ दिनको मोहकतको प्राचेना करते हैं वर्षोकि दोनींपर अपने एव-एक निकट सम्बन्धीकी, को सतरनाक बीमारीको झालवर्ने हैं सुब-सुविवाकी जिल्मेवारी है। इस्तागरेकी मोरसे कीई कापति नहीं की गई और उनको मेंख्यत दे दी गई।

इत बीच अहालतके बाहर बिहिडा चारतीय संबंध मध्यक्ष म मुकाछित्या भीर तमिक कत्याम क्रमा (समित नेनिकिट कोलाइटी)के जन्यल की वी ए॰ केट्टियार इसी मारीपर्ने पिरक्तार कर किये गर्व में। जी काककियाने शिकायत की कि गिरक्तारीक बाद पुलिसने और महालक्षके महालेने अनको हिरासतमें केनेवासे अधिकारीने अनले कठीरताका बरताब दिया ।

भी पांचीने इस बरतात्रका कोरबार विरोध किया और कहा कि ऐसा बरताब सरसा पहियोंको वी बानेवाकी समाका कोई हिस्सा नहीं हो सकता।

न्यापाची'। भी शरमनन कहा कि वह बात वास्तवर्थ पुलिस कविश्मरते सरीकार रकती है मुत्रक्षे नहीं नर्नेहि मैं तो अपने सामने मस्तून विशिष्ट आरोपपर ही विश्वार कर तरता है।

थी उसपूर लेर मैकश्रामायरने अंशकतकी अनुमति लेकर कहा कि मुझे लमता है यहाँ जो बंगान दिमा भग है अदासतके एक अविकारीके क्याने प्रसक्षी पृथ्वि करना मैरा बर्तस्य है वर्षेकि मने इन कार्रोको अपनी आंखोरी वैका है। उन्होंने कहा कि

र. क्यो दिन क्यों वाने व्यक्तियोह विश्वी कार्यात्रयों भी देखाही कामा कराज स्पीहन करते औ बानतथी बामनेने सनकर कानेजर वानिहेळन को बानकी बादा ही को ।

१ भनी सम्बद्ध की वी ज्यान, दश दश काला और यू तम दोका १५ कुल १९ ६ दो किएलार दिवे गरे वे । स्तवे से बावे तीनक बाने वंतीपन बगायान (राविश्वान व्याधिका) रिपाले और बाले इस्ताबार तवा कॅएअनिवामी देनेने इनकार अम्बेक बारोप था । ग्रेन्सम् १९ ८के न्वस्तित्वम् ३६ क सन्व स अन्तीत वानिरेपमें वंदीका प्रवासायके दिया इतका भारत काचा नया था । यह निराम, "हहिएस मोरिजियमंद्रे किर क्लिर क्ली" का सीर्वको सरा था "पीला, प्रतिनिध हिरकार और रक्ति।

सम्पर्वे धीवी नावस्य वेंसे निरीप लोगोंके प्रति इस लग्हका क्यवहार करना वड़ी सबसायनक बात है। मैने स्वयं अनेक बार रकायाकीअको सीजवागीमें और जारताय सरकापितांके साथ होता कावार होते देखा है और राखे विकासकी जिल्लाकी विकास

ग्यापाचीलने कता कि मेने ऐता व्यवहार कमी नहीं वेला। यदि देखा होता हो में बारी ऐसा होते नहीं देता । किस्त मेरा खयाब है कि यह गामका मेरे तब बरनबा नहीं है।

स्परमधियों हो स्वतन-सपना स्वतराच स्थाहार चरनेपर तीत-तीत सामको सक्त करची

सका है की सई। भी गांबीन को बेबियारकी डोरसे बताया कि जनका वहांक्सक सरामा ५ करांकी आपका है और सबसेको पीडित है।

जंबे बरेसे चेत्रियस क्रोवितित्रमः १९-६-१९ **ए** 

समापवित्री महिकाको सरवतो और मित्रो

142

१५९ भाषण सार्वजनिक सधार्थे

शिक्षातिसवर्यं बन रहे १९ ९

इस दोपडरको इस महा ऋड बसामारच स्वितियोंमें एकत्र हुए 🖁 भरत्त मैं यह नहीं क्षत्र सकता कि इस स्वितियोंकी सामका न थी। आप वानते 🛊 कि बनरस बोबा और बनएक स्माटस उपनिवेद्योंका एक संबाधना बनानेके विस्तिवेत्रेमें शीक्ष ही इंग्सैंड का रहे हैं। इसकिए कुछ अपरांति भारतीय समाजके सास-सास कोग इस विवयपर आपसमें विचार-विमर्स कर को है कि हमें अपना विष्टमण्डक वहाँ मेजना चाहिए। टाल्ववारूमें हमारे प्रति सहातमित प्रकट करने और क्यमें जिल्ला हर तरह हमारी सहाबता करनेके किए यरोपीयोंकी को एक शमिति बनी हुई है उनने भी शकाह दी है कि एक ऐसा दिप्टमण्डल इंग्लंड बाना चाडिए। बापकी पता है कि मत रविवारको समितिकी एक बहुत बड़ी बैटको हुई की और उसमें बहुत सम्बी क्षेत्रिक बाद भारी बहुमतक्षेत्र वह अस्ताव मंजर किया गया का कि अवसे सोमवारको सरवापहियोंका एक शिष्टमण्डल इंग्लैंड श्रेया वार्वे । समितिने ब्रिटिस भारतीय संबद्ध सम्बद्ध सी कालसिवाको तमिल समायके प्रतिनिधि और तमिल कायान समा (तमिल वैनिषिट मोसाइटी)के अध्यक थी वेडियाएको थी हाजी हवीडको को

र कोशसकीके हमीरिया वर्तान्यके नैपानमें १६ ब्यूनको कीई वेज-यो हकार मार्यानीको एक स्थित सर्वजनिक सका हो थी । यह सभा शास्त्रवाकवी रिवटि वरानिक किर रंग्वेंच और महरूबी नेचे वानेवाके किर सम्बन्धिक प्रतिनिधि सम्बन्धक करेरको स्त्री वर्ष भी । स्त्रीमें अन्तराज्ञ-सरक अधिनिधि करिका है। विशेष सम्बन्धक नोके बार्मवाक बानक मी है। यह कुमादियाने समापतिल किया था । वे बार्टमाने कुछ देर शुक्रप्ताने विके । बरुष बाद बांबी र्रापे वातव दिया ।

र. ताराई बहिन महिकाके पार क्यनिवेशोंक मध्यानित मुनियमने हैं। । रेडरडी कार्रवारीकी रिपोरिक किन देखिए गरिविक १३ I

बबतक इससे पूरी तरह सहमत नहीं ये किन्तु जिन्होंने वब बवने-सापको सन्यापकी बद्रीपट कर दिया है और मुझ चिष्टमण्डसके थिए मणीनीत किया है। समितिमें एक मुशाब सह भी दिया गया कि इंग्सैंड तो एक शिष्टमण्डल जाये ही परन्तु मारतकी पनताका सहाँकी स्वितिको सही-सही बानकारी बेनकं किए एक सिप्टमण्डक मास्त्र भी मत्रा प्रायः। "सक सिए यं शाम सुझाय गम — क्रिटिस भारतीय संबंधे सङ्खायक वर्गदिनिक मर्जी सी एकड सी एक गोपाल नामकु सी एक ए कामा और एक भौवा नाम वो उस दक्त नो न्हीं दिया गया वा केकिन उसे अब इस समामें रखते हैं। यह नाम है थी कुनान्गाना। जार हम देखते है कि सरकारने भी कासकियापर सपना क्षाप काल दिया है और व अद्धारिन्दकाओं श्रेक्से पहे है। उन्हें पचास पाँड जुमनिकी सना हुई है और जगर व न्छ न हेंसे ना नन महीतेका कठोर काराबास मोगेंने। इस क्लाईमें वे बौबी बार जैन गय है। बी बेट्टिंग्र भी विरस्तार हो समें है और वे भी तीन महीतेकी सवा कार रह है। बीर बस्सी राज्य मी बेकमें ही हैं। भी व्यास कल ही विरक्तार हुए हैं। उन्हें बरन मास्य -- जी बज् ना चनने हा हूं। जा जा जा जा हुए किसने के किए स्वानकार काड़ दिया दसा है। उन्दा सीमार है सीर सारव सरमासक हैं— रिकले के किए स्वानकार काड़ दिया दसा है। उन्दा सामका पत्रह विनके किए स्वयित कर विया गया है। थी मादमीर काया असर डक्ट महर्स उभित रूपमे चुन सिमें बाते तो मारत रवाना हो बानवाडे वा परस्तू व भी रिस्तार हो नमें हैं और उनके सामकेकी सुनवाईकी वारील ऐस ही कारपास आग बड़ा ही कर है। मारत वानेवाले शिष्टमध्यकमें हमारे सुबान्य समापतिका भी नाम है। उन्हें र्रू रू बने गिरक्तार कर किया गया था छेकिन बपने कारीबारका समन्तक रिन्त अन्ते कहा मोहकत दे दी गई है। निस्पय हीं उन्हें भी तीन महानन कमकी नहां निर्मा क्रिक प्रकार ब्रिटिश मारवीय संबद्ध उपाध्यक्ष थी उमरबी सावेदा और श्री प्टरन क्रम 🛧 प्रकार (बांध्या गाया वा है। उन्हें बमानतपुर बाबी खाड़ दिया वा के व्यक्त हुई के विरस्तार कर किया गया है। उन्हें बमानतपुर बाबी खाड़ दिया वा के व्यक्त हुई के बही स्वा दी बायेगी। ऐसी स्वितियों हैं विरामें बाब हुन वह वा कर कर है के क्री बानता कि धरकार मुससे क्यों नाएज है थो उसन मुझ बर्सन्त निकार की हिल्ल बातता कि सरकार भूतक पता गायन है जो बगर तथायें प्रमेशक जिल्ला करता है कि बगर तथायें प्रमाणक जिल्ला करता है कि बगर तथायें कर तथायें प्रमाणक जिल्ला करता है कि बगर तथायें के कि बगर तथायें करता है कि बगर तथायें के कि बगर तथा है कि प्रस्ताव नक्ष्य । बार्केमा। हो उपसे पूर्व बगर पहलेकी माँवि दाल्यबावडी स्वयंत्र कर कि कर उद्धार जारूना। हा ७६० पूर भार पुरास । बना से तो बाद दूबरी है। मित्री जो माई बढ़ कर है व क्रक कॉल्क्स्का में छ है। संसुध बाता हु। ए का कार्य हो से अप उन वा है उसे उस अपने कर कार्य कर साथ के नहीं का समय हो से से अपने हैं। बच्चे हैं। एसी तरह करने करे के प्रवास करने अपने करने कर के अपने के कर वस्य हा राजा प्रश्न कामा है कि बहु एक क्रम क्रम क्रम क्रम क्रम

[बंग्रेजीसे]

इंडियन मोदिनियन १९-६-१

# १६० प्रस्ताव सार्वजनिक सभामें

[भोहानिसको चन १६, १९ ९]

[अस्ताव १ ] इस मस्तावके हाए ट्रान्यवालके विटिश्व मारतीयोंकी यह सभा ट्रान्य बामके विटिस मारतीय सेवकी समिति हाए की गई सर्वभी व मु कास्तिमा हाजी हतीर मी ए वेट्टियार और मो क यांगीकी उस विकारणक कि सस्तों के रूपमें नियुत्तिको पुट्ट करती है भी इनकेंड बानेवा और व्यक्तिपार्थों और विटिस बनताके ममुद्रा प्रीयपारपोके वर्तमान संपर्धे सम्बन्ध में स्वात तथा विकार बारिका बारिकाके साथी समझे सम्बन्ध विटिश्व मारतीयोंका वृद्धिकोण पेत करेगा।

[मस्ताब २ ] बिटिस माधीयोंकी यह सभा इस प्रम्ताबके हास सर्वेची एक ए कामा एक नोपाक नायहुँ है एस कुमाबिया और एक एस एस एक पोक्रको प्राप्त काती और अविकारियों तथा भारतीय वनताके सम्मुख द्राम्यवाकने वर्तमान एरिसाई देवसिक सन्तवसे सभी स्थित प्रस्तुत करनेके किए सिध्यसम्बद्धका सस्य निवर्शित करती है।

प्रभावन र ने तरकार कच्छी तरह बागरी से हि वर्डमें कांडिया कुमाहिया काम बीर मेट्टियार पूर्व प्रसानमेंने नताये गये विध्ययन्त्रके प्रतिनिधि चुने गये हैं या चुने वानेवाले हैं। यह बमा बनके साम्भीतक तोये विध्ययन्त्रके प्रतिनिधि चुने गये हैं या चुने वानेवाले सीर वर्षकार्थे नतुरीक करती है जोट सानेपर मह उनको समस्य हारा दी गई खमाने मुनतनेकी प्रतेपर उपित समानत केकर कोड़ से निवस्ते ने अपना काम पूरा कर सामें।

[बंग्रेगीसे]

इंडियन मोपिनियन १९-६-१९ ९

<sup>ृ</sup> वे मत्यान हारिनिया स्कारिया अंकुसबों लच्छा स्थान बच्छु वादिर पत्थारियों का किने सीर भी दिन्द्रात बॉमे स्टाइ एस्टर्स विचा । स्ट्रास है, मत्यालीका मारिना गरिनियों टेप्स विचा। स्टर्स मत किने को बीर वे लीहत हो तो । स्टाइ विशेष का चारिनिति विचा। स्टाबी प्रुप्त सारांत व्या मी कि विद्यापक स्थापक कर वे प्रयास अधितिक्त वर्षों कहात यो स्टाइसी वर्षी है। वीर सम्मे रोक्स्पर्दे, बो स्टोइस हैं, बारिक वर्षी निया साथा वादिर ।

# १६१ पत्र 'स्टार'की'

जोहानिसवर्ष जुन १८ १९०९

सेवामें सम्मादक स्टार बोहानिसबर्य महोदय

मके ही जापके विचार पत्रकेशकों के विचारों हो मिलते हों आपन हनेया ही जपने हमाचारपक स्टाम्मोंसे शार्वजनिक प्रसांकी चचकि किए स्वान वेमेकी उचारता दिखाई है। मैं जानता हैं कि ऐसी ही उचारता जाए एडिपाई स्वपंगें को हुए व्यक्तियों प्रति तत्रतक दिखारी रोति चटक समय जानेपर, संवर्ष जस्म न हो जाये। परन्तु सुने मरोसा है कि सार हस संवर्षक में वीरण जनते राज वेमेकी कुछ करें?)

गत बुववारको बिटिस मारतीयोंकी बाम समाके समारतीय निर्मानिय न्यनिवेस-स्विवको इस समामें पास किये नवे प्रस्ताबोंका सारतार द्वारा प्रेवा बीर उनसे प्रावेना की कि को क्रीय इंग्लैंड कोर मारत बानेवाके सिट्यब्बक्कि प्रतिनिधि चुने वा बुके हैं उनको सी गई सवाएँ बीर उनके मुक्तवी गुक्तवे रोक विसे बावें। उपनिवेश-स्विवने यह उत्तर दिया है

सायके सात जुनहां तारके सम्बन्धने वर्गनिवेश-संविधाने नुसे सायको यह सुविश्व करनेके लिए कहा है कि जब जन कोरोंको जिनके नार्योका आपके तारमें जिन्क है जानुनको पंजीयन-सम्बन्धी वारार्वोको जन्माके कारण पिरस्तार करनेका निर्देश दिया यदा तब यह नाक्न्म ही न वा कि उनके सिक्यनम्बनके सदस्य चूने वानेकी सम्प्राद्या है: हालि उपनिवेश-साविधको खुत हुक्का है कि सिक्यम्यकके सदस्याँको जाजादीमें किसी प्रकारका स्कान न दिवा नार्यो किर भी उन्हें चेद है कि वे सायको प्राचनाको मानने जीर कान्यों कार्यकांमें वक्का येगेंगे जनकर्त है।

चनताको इस बाठका यहा नहीं है कि खरकारने उपिनिधरों बाहूब फैका रहे हैं बो इस संबंधों शिक्षा मान केनेवाले व्यक्तियोंकी प्रतिविधियोंकर निगाह रखते हैं। अन्ति ने बाहरकारके यस विधिय मारतीयोंकी दूसरफ समाका बाहे वह सार्वजनिक हो या अधाने जनिक विदरण मेंना है। किन सस्योंका चुनाव नय चुनवारफो फिया यमा या उनके नाम सरकारके पास कुछ बरीते मौजूब हैं। शिल्डवम्बकके सदस्योंके नाम सीमितिकी एक बैठकरों बत्त प्रीवारको अधिम कपते यन किसे यसे के। इस बैठकरों बत्तमम दीन सी पात्तीन बांधे वे। बाबसारीको नाम यस दिसे बानका पता चक्र यमा और सीम्पारको तंत्रके

१ वर १६-६-१९ ९ के बुवियन कीपिनियनमें "मिविमिनियेनी यह, करवारका व्यापी रिहाईस स्वकार भीकेन्द्रे स्वकारिक विना व्यापा।

र. देखिर " गारण - सार्वश्रविद्या समाने " : १५२-५४ और शिक्रम श्रीवेंद्र मी :

किमे गमे। चार प्रतिनिधि सर्वयी काक्षक्रिया कुनाक्ष्यि। कामा और वेट्टियार बुमको गिरफ्तार करिंग्से गये । इसिक्षण यह जिल्लास करना असम्मन है कि सरकारको इनके चुने जानेका परा नहीं या । उपनिनेश्व-संविद्यकं तारका पाठ इन विये हुए संग्योंके प्रकाशमें विस्कृत स्पन्त है। यम ने यह कहते हैं कि "यह बिल्कुल माजूम न ना कि चनके शिष्टमध्यक्तके सहस्य चुने जानेकी सम्मावना है तब उनका आसम केवक यही है कि उनको सार्वजनिक समामें मंगूर नहीं किया गया वा और वे नहीं जानते जे कि सभा कमर बताई वर्ष समितिकी मामजदिगमाँको

मंजूर करेगी वा नहीं। किसीका यह बातना ठीक ही होगा कि यह नाठ नरकार नहीं बानदी थी कि ये नाम सार्वजनिक सभामें पेश किमे बामेंने। मह बमान करना भी ठीक ही होता कि तीन सी मारतीयों हारा की नई नामकदनी सार्वजनिक समामें नामंबूर कर दी बानेकी सम्भावना नहीं थी। सरकारने सार्ववनिक समाका निर्मव हीनेवक कार्रवाई क्यों नहीं रोकी या प्रतीका क्यों नहीं की ? हर भारतीयका विकास है कि सन्दर्भ देशक काडिकी कवितियमके संस्थितेपर विचारके समय कोई मारतीय विच्छमच्यक्ष न होता चाडिए. यह शरकारका इराका था वह बिटिस भारतीयोंमें बार्तक पैदा करके सार्वजनिक समाको विस्तृतः अस्यकः करना चाहरी थी। उसने विष्टपण्यक्षके क्षेप सरस्पोंको केवलः इसकिए स्वतन्त्र कोड़ हिया या कि वह जब अपनी कार्रवाहीं वर गई थी। उसने सादमें से चार भारतीय प्रतिनिधियोंको ही निरस्तार नहीं किया है, बस्कि कुछ अच्छे कार्यकर्ताओं और भारतीय धमाचके दहनिश्चमी कोबोंको भी गिरफ्तार कर किया है। ये कुछ निकाकर सबद्व होते हैं। इनमें से कुछ उपनिवेदाकी बोलोंने चारधे ज्यादा बार का चुके हैं। में क्रोग विवाहित है और अपने पीछे रोते हुए स्त्री-बच्चे क्षेत्र गये हैं। प्रतिनिधियोंकी सवाबोको या मुकरमॉको मुस्तवी करनेसे इनकार करमा चतना ही हुदबहीन कार्य है निवनी ये कार्रवाहर्या जो बिस्कुल आकरियक है और स्थाय और बिय्टवाके खामान्य नियम मेंग करके की यह है। मेरे बेशमासियांका खबाल है कि सर जॉर्ज फेरान, सर पर्सी फिटवरीटिक और प्रमतिवादी बक्को अन्य सबस्य इस वर्नेट्यापूर्ण कार्रवाकि किए उतने ही उत्तरवासी है जितने अनरस बोबा बीर अनरक स्मद्रछ। किन्तु ने निर्वाचकाँकि नामपर कार्य करते हैं। मैं उनसे बीर पत्र प्रतिनिधि एवं निर्वाचकके क्यामें नापसे भी पुक्रता हूँ । आपको एक स्थापक निकारपुक्त संविधान प्राप्त हीनेवाला है। क्या आप जस्वी ही मिळनेवाळी सत्ताका उपयोग अपने धहमबाजनींपर, विश्वती चमड़ी समीगते नेहुँका है, बरमाचार करनेमें करेंचे ? इस मामलेकी अच्छाई-बुराईके श्रवाकको क्रोडिए किन्तु नया जनताका सरकारसे अधित जनानत केकर घारतीय लोगोंके

बंधे की से | स्बार १९-६-१९ ९

निर्वाचित नेतामाँकी रिकार्डकी गाँव करना वेजा **है**?

## १६२ शिष्टमण्डस

ट्रान्सवासके मारातीयों बारा चिष्टमण्यक नेमनेका निर्मम एक बहुत महत्त्वपूर्ण करस है। इसकी विधेरता यह है कि उक्त मिष्टमण्यक सरवाधियोंका होगा। यह बाद मामूनी तौरपर कुछ सनीत-मी तमनी है कि कानून तौन्नेसके कोय स्थाप पानेक किए विभापत सामें। सनिक्य हमको सेक्ट अतमेव हो तो बात समझमें मा सक्ती है।

इस चिट्यप्रशासका समर्थन सारावहरू विज्ञानक जनुसार नहीं किया जा सकता। सर्वा प्रहीको जो केशस कट-शहन करना है। उसका बनाम्य केशक जुना है। उसकी विजय तो सरवायहर्षे ही निहित है। फिन्नु नभी सरवायही एक-से उस्ताहमांके जनना उमान तिकसार मांके नहीं है। फिर्ट मनेक भारतीय सरवायह नहीं कर उसे जनारि में सरवायहिसीके साम है। जननी क्ष्या है कि संवय चीत्र ही समाय हो जाये। जनतक में सावव मुहम्मद भी सरवमती जाति जेसमें पड़े है सनवक उनहें चैन नहीं पिछ सकता। जो सरवायही जेससे सूटकर जा पते हैं उनकी जी हुझ करवा जनती है। सरवार उनहें किर सुरत्त ही को पिरस्तार नहीं करवी। इससिए में नया करें? इस सन नार्वोंको मेनते हुए सिट्यम्ब्यक्ष भेनतेन एएवर श्रीक काल पहला है।

दोलों बेसोंमें पिष्टमण्यक सेमनेस कामणी ही सम्मानना है। इंग्लैंड बीर प्रारत बोलों ही देशोंमें कोण हमारे संवर्षको पूरी तरह नहीं समस्ते। इसकिए यदि बोलों देशोंक सामने संवर्षका मालानिक स्वक्य रखा था सके तो हसमें सन्देह नहीं कि नह भी बहुत है। इससे बोलों जावृत्ति मंत्रिक सहायता मिलेगी और उस हुद तक संवर्षका वस्ती समान्त्र हो जाना सम्बद्ध होगा।

इनके शिवा यह लेवर्ष एक बावरिक व्यामें पेश किया जाता है इसकिए भारतक कार्मों से इतकी पूरी भानकारी बेना हमारा कर्तव्य है। इत दृष्टिसे भी पिय्टमध्यक भेजनेका विचार श्रीक माना जायेगा।

भारत पानेबाका सिष्टपण्डक विकायत बानेबाके रिष्ट्यण्डकके किए बहुत सहायक होया। रमके कारण कोई कुको भी सोचना पढ़ेया और कोई मॉलेंकी बयन कराव्यका स्थान बायेगा।

हुमारा स्थान है पिस्टमण्डकों प्रतिनिधियोंका चुनाव बहुत टीक हुआ है। भी हाजी हुसीकों मध्याद करनेका बचन दिया यह बड़ी बात है। उनके पीछ हुटले दुक प्रातीय गोक वह गये थे। उन्होंने किर और अमानेका निरुष्य दिया है। इसी बच्च मार्टीपोर्ने में ग्राम्स सानेकी मध्यादमा है। ऐमा हो अवचा न हो नेकिन भी हानी हुसीकों जनके बच्चें तक समानकी देवा की है। इसीवए उनके पीछ हुटनेका बहुत-में भारतीयोंकी बड़ा दुनन बा। अब भी हानी हुसीब किर पूरे जोरने आ गये हैं। इसी क्षीक्को नन्त्रीय हुता है। इस ईस्तरों प्राप्तीय करते हैं कि भी हानी हुसीवस्त्री समानक निष्मा ने वाननी शांवत साने और जेनेका मार्टी क्षा

१ रमें ब की माता।

कारचे तकी सम्बद्धा ...

विषयमें तो कुछ कहना ही नहीं है। यह समाजके किए गौरवकी बात है कि दोनों चिट सबक्कोंसे निर्माल सहस्य है। निर्माल भावारोंने बनना अच्चा काम विद्या है कि उनके किना

बिक्टमण्डस का भी नहीं सकता। भी कामाकी कीमती सेवाजेंसि श्रमाण जनजान नहीं है। भारतमें उन्हें बहुत काम करना है। इसमें सन्देह नहीं कि ने बहुत अच्छा काम कर सुकेंगे। समावने वी पोक्षको मारत

मेजनेका विचार किया यह उसके किए गीरवकी बात है। अभीतक समाज की पोसककी मेबाजोंको काणी समझ नहीं सका। वे समग्र आनेपर समझमें बाग्रेगी। श्री पोक्कको प्राप्त मेकनेसे वहाँके सोगोंकी काँकों का इस तक कार्सेगी। फिर सन्तें मेजकर इस स्पष्ट क्यसे यह सिक्ष कर देते है कि बोरे बीर काले मिक्कर काम कर सकते है और मारत फिल्हास

दम प्रकार बिस्टमण्डलके विकासों विवेचन करनेके बाद समाजको यह बताना भी

गोरोंकी सहायता प्राप्त करके काफी बाचे वह सकता है। उस सहायताका काम दिस तथा क्रम्ये बह्र बातना बकरी है।

हमारा कर्ज है कि वह विकासन्त्रकपर बहुत अविक निर्मेर न करे। सन्त्री आसा तो निर्मेस सरकारकमें की रवाती है। सिष्टमध्यक बानेसे सरवायत बन्द नहीं कोता। उसे तो जारी ही रखना चाहिए। हम बाधा करते हैं कि विच्छमध्यक्षके नहीं पहेंचनेतक बहत-से मारतीय कैरसानेमें का पहेंचेंने। धिष्टमण्डनका काम कठिन है। यह साकी हाथ औट तो हमें नही मानकर सल्लोप करना पढेगा कि बशका प्रवत्त करना सचित था इसकिए इससे बड़ कर flactor a

शिष्टमण्डलके वडौ रहते समाज जपना कर्तव्य निमायेगा सभी विष्टमण्डलको पर्याप्ट क्क मिल सकेगा : विक्रम वाफिकाके हर स्थानपर उसके समर्थनमें समाएँ होती पाहिए। दलमें याम किने परे प्रस्तान वालानाला लॉर्ड कको सेनने चाहिए।

इस केवा है सिसे या पुरुषेके बाद सरकारने कुछ प्रमुख मारतीय नेताबाँको निरप्तार कर किया है। जनमें शिष्टमध्यक्के सबस्य भी है। अलगब सम्बादना यह 🛙 कि संपर्वकी

फिर बड़ी परे उल्लाबंधे चकाना शोमा।

[मनरातीसे]

इंडियन बोपिनियन १९-६-१९ ९

# १६३ पत्र ट्रान्सवालके भारतीयोंको

[ओहानिश्वर्ष भूत २१ १९ ९ के पूर्व]<sup>t</sup>

ट्रान्सवासके ममस्त भारतीयाँकी सेवार्ने

अस्तीर रचा ही केवल बैठ जाना हो है। बोड़े-छ भारतीय श्री समय-समयपर बेठ जाते रहेंने हो अन्तर्में हम जो सौय रहे हैं वह बनस्य मिछेगा। ऐसा एक पारतीय भी सबि

अन्तरक सबता रहा वो भी मिलेगा।

यह लड़ाई लग और मुठकी है। तम भारतीय तमानके पत्रमें है हतिय त तहारी वा हिए। किटमस्थलको मदद देता प्रतिक मारतीयका कट्ट्रेस है। पारतीय कमानमें कृद वाननेताले लोग मीनृत हैं। त्यारतीय त्यारतीय पुण्यप हैं। तमने पत्रि मारतीय त्याराको गण्ड रात्तिय ते आगेने तमान कि तहीय हैं। ति प्रतिक क्षारतीय क्षाराको मारतीय का मार

धिष्टमण्डमधी मदद करनेक निए स्वान-स्वानपर स्थाने करना धन्यो है। ये नमार् कैवन ट्राम्सपतमें ही नहीं बन्दि पूरे बस्तिन बाधिणाम वी जानी चाहिए। यह भी धार रनना चाहिए कि यह धिष्टमण्डल स्थापहियोंकी स्वानित नहीं वर पहर है। सत्यापहियोंका विरुद्धा सो केवस नरवपर है। वे सम्बन्ध बावरण करें यही उनकी जीत है। तिन्तु यो

र राष्ट्र है, यह और सकत अलकेंद्र तीन सीर्वंड पर स्थाने पूर्व किया को थे, क्योंड बांधीओ रात सारीयकी दानी दरिपंड ताल केंद्रक रानी इंग्लिंगको एकारा 🗊 जो थे ।

<sup>1. 41</sup>th an is entere men ere ein fiel

सम्पूर्ण गांधी बाहयन 444 विषयमें तो कुछ कहना ही महीं है। यह समानके किए गौरवकी बात है कि दोनों शिष्ट

मण्डलीमें तिमल सरस्य है। तिमल माइयोंने इतना अच्छा काम किया है कि उनके बिना सिम्टमण्डस का ही नहीं सकता।

भी कामाको कीमती सेवाबोसे समाज अनजान गृहीं है। भारतमें उन्हें बहुत काम करता है। इसमें सन्देह नहीं कि ने नहत अच्छा काम कर सकेंगे। समावने भी पीसकको मास्त

भेजनेका निकार किया यह उसके किए गौरवकी बात है। बभीतक शमाज भी पोतनकी सेवामॉको काफी समझ मही सका। वे समय वानेपर समझमें वायेगी। की पोलकको भारत

भनतेसे बहुकि कोवोंकी नीसें तुछ हद तक कुलेंगी। जिर छग्हें भेडकर हम स्पष्ट क्मसे यह सिद्ध कर देते हैं कि गीरे और काले मिलकर काम कर सकते हैं और मास्त फिलहाल

गोरोंकी सहायता प्राप्त करके काफी बाने वड एकता है। उस सहायताका काम किस तपह त्रठायें यह जानना जरूरी है। इस प्रकार सिप्टसम्बद्धमके विषयमें विवेचन करलेके बाद समाजको यह बद्याना भी हमारा फर्न है कि वह शिष्टमण्डकपर बहुत अविक निर्मर न करे। धण्वी आशा तो निर्मक सरमाबक्षमें ही एकती है। शिष्टमध्यक भानेसे सरमाबह बन्द नहीं होता। उस तो बारी

ही रखना चाहिए। हम आधा करते हैं कि सिप्टमण्डलके वहाँ पहुँचनेतक बहत-से भारतीय कैरबानेमें था पहुँचेंये । छिप्टमव्यवस्था काम कठिन है। यह सामी हान छोटे तो हमें यही मानकर धन्त्रोप करना पढेना कि इतना प्रयत्न करना चित्रत था इसलिए हमने वह कर क्षिया ।

विष्टमध्यसके वहाँ एहते समाज जपना कर्तव्य निमायेगा वसी सिप्टमध्यसको पर्याप बास मिछ सकेवा। विकास आफिकाके हर स्थानपर उसके समर्थनमें सन्नाएँ होनी चाहिए। इनमें पास किये परे प्रस्ताव बाकावाला लॉर्ड कुको सेवने शाहिए।

इस केसके किसे या चकनेके बाद सरकारने कुछ प्रमुख भारतीय नेताबाँको गिरफ्तार कर किया है। जनमें सिय्टमब्बक्क सदस्य गी है। बताएवं सम्भावना यह है कि संवर्षकी

फिर वहीं पूरे उत्साहसे चळाना होना। [पुबचडीसे]

इंडियन जोपिनियन १९-६-१९ **९** 

# १६३ पत्र ट्रान्सवालके भारतीयोंकी

[जोहानिसंबर्ग जून २१ १९ ९ क पूर्व]'

ट्रान्सवासके ममस्त भारतीयोंकी सेवार्गे

यो पिट्यपटस्स इंप्लेड का रहा है, उत्तर्में भी का रहा हैं। बारमें सदी प्रतिनिधि ता गिरफ्तर हो गये हैं और जेकमें का बैठे हैं। बूगरे प्रारतीय भी को बहुत बार कोट खा चुके हैं किर पण्ड किये गये है। ऐसे समयमें जुने इंग्लैड बाना तनिक भी सच्छा नहीं कमता। पुष्ठित हो हमारे सभी यूरोपीय विश्वीकी एवं है कि सूझे इंग्लैंड बाना बाहिए सारतीय सनाव सही बाहदा है और हमारी इंग्लैंडकी समितिको एवं त्री ऐसी ही है। इसस्पिए में वतान नहीं पायुक्त है भार देवाणी स्थापक वारावाल के किया है और जिनके मंदूर में होनेंसे वैकड़ी मारावास वक्त या चुके हैं वे देवतेंद्र वारतें पूरी होंगी यह निश्चित करसे नहीं कहा वा सकता। यह भी सरमन है कि कोई कृ सिस्टसक्तरें निकनेंसे दनकार कर दें और कहें कि वा छोग कानुनके विद्य 🌡 उनसे ने सही मिक एकते। सिप्टमध्यक्त मेजनेनाले कोर्मीको यह समझ सेना चाहिए कि वासिय आफिकाके सब अविकारी इंग्कैंडमें इकट्टे होंने। ऐस समयमें सिप्टमच्यक मेंबकर हुन केवछ जावनाइस कर रहे हैं ताकि पीछे पछ्ठावा न रहे। बिप्टमखरके क्यर निर्शर खुना व्यर्थ **है।** 

अस्तीर बना तो केवस जेस जाना ही है। कोई-से माय्तीय भी समय-समयपर जेस जाते रहेंचे को बनामें इस जो सौच रह हैं नह अवस्य मिलेशा। ऐसा एक भारतीय भी महि

बन्दरक सब्दा एका दो भी मिलेगा।

यह लड़ाई सब और शुटली है। सब भारतीय समावने पराने हैं, इसलिए उसकी पय होती हैं भादिए। विप्तनगढकानी मतक तेना मत्येक माराविषका नर्यस्य है। माराविष्य समाप्तमें कुट बाक्तेनाके कीए नीजूद है। सरकारक वास माराविष्य गुज्यन है। उनके मिस्स माराविष्य समाजको गळत राखेपर के बातके ज्याय किस हैं। बाते रहते हैं। सिस्सम्बक्त इंग्डेंडमें द्वीमा तब और भी प्रमुल किये नार्वेगे; इन सनका मुकाबला करना प्रत्यक भारतीयका करोबर है। को जेनके कर शहन नहीं कर शक्ते चुरवार पर हैजा बाहिए। कोई ध्यानि किसी भी कायवपर वस्तवाद करातेके सिए मापे ता यह सकरी है कि अच्छी तरह पूछतात किसे विना वस्तवाद करातेके सिए मापे ता यह सकरी है

तिन्द्रमण्डसकी सदद करणके किए स्वान-स्थानपर शमाएँ करना वकरी है। य समाएँ केवल द्वास्तवालमें ही नहीं बस्कि पूरे बतिया बाफिशाम की जानी चाहिए। यह भी साप रणना चाहिए कि यह शिष्टमण्याल सामावहियाँची खातिर नही जा पहा है। सामावहियाँचा विचात तो केवल सामावहियाँ के सामावहियाँची खातिर नहीं जा पहा है। सामावहियाँचा

र राष्ट्र है. वह और एको बाजके टीज शीर्षक २१ ब्यूका वृर्व फिक्र को ने न्लॉर्ड प्रदेशिय शा ठार्राजको हानी रुभिक्र तान नेपक्र रान्ते रंजनको रक्ता हो गई ने ।

र. मुक्ती कर के स्थानस्ट क्रम्य क्रम श्रम है ।

۹٤

इसपर अन्ततक नहीं दिक सके हैं जनकी भावनाका खबाळ करके और, हो सके दो सरवाप हिनोंके उत्पर पड़ा हमा बोस हकका करनेके किए यह सिप्टमण्डल वा रहा है। इस्तिए सत्याप्रहिमोंको तो शिष्टमण्डसकी जोर तनिक भी नजर नहीं रखनी है। अब उनके सत्यका कोर टान्सनासकी शरकारके सशस्यके मुकानके ज्यादा हो बायेगा तब सत्यापहियाँकी तककीचें अपने-आप पूर हो जार्मेंगी। इस बाएको ध्यानमें रलकर सत्यापिहमोंको जेल जानेके मौकेकी ताकर्ते रहना चाहिए।

मोहनदास करमधन्त्र गांधी

[ गुजरावीसे ] इंडियन औषिनियन २६--१-१९ ९

# १६४ स्वर्गीय श्रीमती गुसवा**ई**

[भूत २१: १९ ९के पूर्व]

मारतुषे आई तानी जाकसे यह कुचन समाचार मिछा है कि भारतुके नमोनुक दादाभाई भीरोजीकी धर्मपत्नी शीमती नकवाईका जस्ती वर्षकी अवस्थामें बरसोवामें वेहावसान हो मया । मानतीय शावाभाईने अपने सारे वीयनकी सहयोगिनी जीर सलीको को दिया है इसपर संसारके प्रत्येक मागर्ने बसे आरडीयोंको जनसे सहानुमृति हुए वर्गर न रहेवी। हम स्वर्गीय सारमाकी चान्तिकी कामना करते हैं और ईश्वरसे प्रार्थना करते हैं कि वह करोड़ों कारतीयोंके सच्चे वादा माने जानेवाके वादामाईको बढावस्थामें यह भया इ.च. सहनेकी सकित बरीर वीमें के।

[युवराठीसे] **इंडियन बोपिनियन २६-६-१९ ९** 

# १६५ बोहानिसबर्गकी चिटठी

[चन २१ १९ ९ के पूर्व]

ब्रिटिश भारतीय समझौता-समिति '

इस समितिका सिक्टमध्यक चनरक स्मट्रमसे मनिवारको दोपहरके बाध्य वजे मिका। इसमें भी सम्बद्ध गरी की हाजी बजीर नकी भी इजीव मोटन भी एंच की टॉमस भी भनी समीता भी जुलब इताहीम नार्वी और भी खाँवें गाँडफे ने। सनरक स्मटसने समितिको स्वमण बाबा घटा दिवा। समितिने को गाँवें की जनमें से कुछ नीचे किये अनुसार वी

कामा कानन रव किया जाने किसित [भारतीयों] को उपनिनेधरों प्रवेतका अनि कार गोर्टिक बराबर ही दिया जाने [पेकीमें] कई साक्षेत्रर हों तो परवाना ( काडसेंस )

र विदिश्व रेकिन फॉलिक्सिन परिसी ।

केनेके किए उन समीकी मौजूबपी ककरी न हो श्रिक्षित कोर्मोंको बँगूठा-निधानी म देशी पढ़े पंत्रीयन प्रमाधपमकी वर्षी इत्याखासमं बाकर देशेकी मन्दी ही बाये भीमाबी कनुमनिषक (परिमट) काफी दिये बायें जिनके पास अनुमनिषक न हों उनके दीन वर्षक अस्थित कि कर उनके जिल्हा मही होती बाहिए, स्थायभीयके निर्मयके विश्व सर्वेक अस्थित होता बाहिए, स्थायभीयके निर्मयके विश्व सर्वेक अस्थित होता बाहिए, स्थायभीयके निर्मयके विश्व सर्वेक स्थायन

मैंने मुना है कि इन मोनोंका जनाव जनरक स्मट्सने इस प्रकार दिया है

के हाल कानूनको रद न करेंग्रे किन्तु उसे बसकार्ये न कार्येन। बिन शिशित पारतीरिको शामा समझेने उनको प्रवेशको बानूपरिक देंग्रे और भी क्षेत्र पाँडरेको दी मई है किन्तु कानूनमें छेरकार नहीं करेंग्रे। अनुमित्रियन मिकनेमें विकास होना दो सारहे मंजूरी पेजेंग्रे और सब सारोबारोंको परवाने (बाहसँस) छेनेके किए ब्राजिर नहीं होना पहेगा बादि।

उन्होंने किस्कित बचाव भेकनेका वादा किया है। करका कहना है कि तीन वर्ष [के विषयातको छत्ते]के सन्वत्वारें तक्षीको नहीं की बावेगी क्योंकि यह घर्त तो कानूनमें भी बांधी और भी क्यिनके मंबर करनेपर सानिक की गई है।

मुले कहना चाहिए कि सबि इतना ही बचाव हो तो बहु किसी भी कामका नहीं है। यह तो बैसा ही हुआ बैसा धन १९ ७ में हुआ जा। स्मरूट जरूरी चीजें देनेसे हुमकारें करते हैं जीर जिन जीजोंकी स्थित्यन्त्रकाकों स्थापन नहीं है ऐसी कोरी चीजें देना मजूर करते हैं। ऐसा करनेके स्थित विश्वेत नियमोंकी सावद ही जरूरत है।

एममीठा-सिमिटि एक ही कामके बिए बनाई गई थी। यह काम वा को भारतीय कैसमें हैं उनके कुम्करिका मयल करना। यह बुश्कारा हो कोठ कानुनके रह होनेसे ही होगा। उसको रह करनेते भी स्मर्स्ट सनकार नरती है। समझीठका वर्ष युक्त या शान्ति है। यह सानित पो स्मापित हुई गई हाकिय मेरी हो यह समझ है कि यह समिटि कब टोड़ वी बाये। इस समिटिका काम खरम हो गया इसिम्स कब इसकी कबरण नहीं रही। वो सोत चाइटे हैं कि कहाई बस्म हो बाये लेकिन जेवमें नहीं वा सको उनका करोब्य बेख कानेवासोंकी वैसे बीर बननेत मदब करना है। यह पाबर पैसेट और समाप्त करके आलोक्यकचे उनका सेरें हो सकती है। वो व्यक्ति कीमके सकेंद्र स्वाकटे समिनिमें सामिल हुए है उनको यह ब्यान रहना बाहिए कि उसटे नहीं हानि न हो जाये।

बहुत-से कोगोंका लवाल यह बिलाई वेता है कि [१९ ८ के] तमें कातृतमें यो तीन साककी अविध रसी गई है उससे [१९ ७ के] बाले कातृतके मुकाबले स्वास तृकसाल हुआ है। यह बक्दास्ट्रमी है। काले कातृतके मुसाबिक सो जिनके पास लतृतिसम वे वे ही पंजीयन

१ राम्ध्रियन सर्वितेतेर ।

वे मौर्गे बत १९ को क्वानिकेक-स्विक्तों अंके को आर्थकरवर्ग की वर्ष वर्ष ।

इ यह परंद २३ ब्याफो निका । २० जुलको सन्त्री माति-याच्या नेक्ष्णे हुए क्रांब्रीजे स्त शतक केंद्र क्षण कि "मानानीय क्योजि-अधिकात का क्षिप्रकारीकी पूर कारोबा की एक्षा मात्री कुता. 17 तिकार किमा निकार प्रतिकार कि भावना यह कारोबा यह कारोबाला क्षणेक्षकों भी नेवा। यह पर-मादार २ -०-१९ ९वे विकार की पितिकारों कारिका हुए था।

करा सकते में । दूधरे कोसीका पंजीयन करना या न करना तो केवक पंजीयक से विद्यारकों वान थी। नये कानुसके अनुसार तीन करनके निवासियोंका अविकार वहा है। यह अवस्य प्रमास है नि तीनके बनाय वो वरसकी सवित्व क्यों न रखी गई जवाब कामि रखी ही क्यों यह उपाय स्वाप को कि निवास करने कामि रखी ही कामि र वह उपाय स्वाप को कि निवास करने विवास करने विवास करने विवास करने कि निवास करने विवास कर

पूटकर अधिकार गाँवनेवार्कोको तो भेरी चाल सलाह वह है कि तमा कटेया तो वाकियाँ अपने-जाप मुख्या कार्येगी यह सोचकर वे सनेको बारनेका उद्योव करें।

#### *घर-*एक**र**

मैं देखता हूँ कि प्राप्तीय धमानका माध्य परित हो यहा है। छिप्टमध्यकके वामेके समय वेर्ने पर रही है यह खुधीको बात है। बुक्बार ता १७ को निम्मीकवित तमिक और गिरस्तार किमे गये हैं

सी एन के पीटर, रोम जॉन मोडेब एन्जनी बेविड एन्जनी वैविएल एन्जनी पीटर एन्जनी हैरी नमक्षम एकवर्ड बरमके एस बेट्टी कना भीजा करन बीरह, से युम एस कुक एका क्ष्मिय हो के प्रमाण पाय कर किया किया किया किया मायह पता प्रियमित क्ष्मित नायह सी क्ष्मिया की एन पीटर, सामीमायन रहाका परिवासी भी नायह पीकेटी एम पी परिवासी मी मुटिया नायह एन पोपाल कार के परिवासी एन चेट्टी एस से प्रमाण के परिवासी एन सेट्टी पर चेट्टी जी परिवासी एन पी नायह ग्रीर अबू बेट्टी।

इनमें भी भोषाल भी जा बाते हैं। गुणनारको हुया देकताबीय सोग पढ़ने बने है भी निर्मात है हैं। जब इक्कीय कीम गिएलार किने गये तक बाफी तमिलीने पुनिकत्ते रावर में कि ने भी तैयार है। जन प्रिटोरियाओं नरती में सायद ही कोई तमिल रहा हो। इन साफे मुक्समें येज होनेकाले में राजी उनको मुक्सनी करनेदी बात चलाई गई। उनको मुक्सी करते हुए जब नरवारी क्लीकने जमानत तम करनेदी मांग की तो न्यासाधीय मेन्नर विकास केन्ना कि नम्यासिलीकी कमानत नहीं होगी व्यक्तिक सरकार तो बाहुनी ही है कि मैं कोम माग जानें। इससे प्रकट होता है कि बही बहुत बारतीय मिरनार होने हैं बहुं मरनार नुक परनिहम्मम हो जानी है।

१ देखिर "मार्गमाया कामिकानानीको" १७-१८ ।

### त्तरकारका भूठ

बूधवारणी सार्वजिमक समाके प्रस्तावने अनुसार बच्चलाके नामसे सरकारको सार दिवा गया कि सिस्टवण्डके गिरफ्नार किये गये सहस्वोंको विस्टवण्डकों काले देनके व्हेदनसे छोड़ देना चाहिए और भारतीय समाव यह ज्यानत देनके सिए तैयार है कि वे सारस सा बार्वेव। जनरक स्ट्रुपने तुरस्व इस सारका बचाव मेंना कि जब दनकी गिरफ्तारीकी बाबा ही पर्दे तह नरकारको यह माध्य नहीं था कि वे प्रतिनिध चुने वास्त्री। यह बात निक्कुस मुठी है। सरकारको सत्यावहिंगोंकी हुक्वकों और मारतीयोंकी समाजोंकी पूरी जानकारी रहती है। सरकारका हुन स्टब्ट ही यह है कि फिनी तरह सिस्टवणकृषके सहस्व न वार्वे। सी बांगीको निम्तार नहीं किया सो केवक मणके कारय और श्री हानी हवीबको नदा सरवादती समझकर पिरफ्तार नहीं किया।

फिल्यु वस बूटा सम्बेको दुःख हैते ब्याता है तस उसके हाथाँस सम्बेका हिए ही होता है। मारी कहते हैं कि पिटनपत्रकोर सहस्योंको निरस्यार करना प्रमुख्य स्वद्धान्नी मारी मार्थ है। माराया स्वामान्त्री वहरे प्रस्य चुननेत इनकार कर दिया है। इसिए हमारी दृष्टियों तो जिन क्षेत्रींका चुनाह हुवा है उनका बेल बाता विद्यमणकार्य बानेके सदस्य ही है। [गिटनपत्रकार स्वस्था होता किसी हसरें मारायाय नहीं की जायेगी। में तो बाहता है कि चल्कार सी शांधीको पण्डे तो बहुत काला होता है कि चलकार सी शांधीको पण्डे तो बहुत काला होता है कि चलकार सी शांधीको पण्डे तो बहुत काला होता है कि चलकार सी शांधीको पण्डे तो बहुत काला होता है कि चलकार सी शांधीको पण्डे तो बहुत काला होता होता है।

#### संख कानेवाधींकी भवर

वो तमिल पक्त पर्य है उनमें थे कियने ही कोस्पेक बाल-बक्नोंके वास लानेको भी नहीं पहा। ऐस कोसोंके किए बन्दोबस्त किया पया है। इनका बोला उलाना प्रिनोरियाके सैटोंका कर्तम्म है बीर मुसे काला है कि उनका बोला संबक्ते उत्पर नहीं पढ़ेगा। रिफली बार केल परे हुए प्रिनेशिक बाल-बन्दोंका भरन-पोरण करनेमें बायह पीडले परासा लक्षे हुना है। यह पंपकी देगा पड़ा है। ऐसा लक्षे होता ही पहला है। इनक्रिए मह बकरी है कि जिनते बन पड़े वे पैठेकी मदद बकर हैं।

स्य सम्बन्धमें कियने हुए नृत्ते बाद बाना है कि मदीब दाने हुए भी नेवरेंड भी होबईने संबकों एक पीत दिया है। पिछने मध्याह एक माध्यीय युवक संबदे जायीलयमें बाकर बीन पीट दे गया। बसते नाम पूछा गया था बसन बहुत मुस्किक्से बहाया और यो भी इस मदीपर कि उत्तका नाम बाहिन न दिया नाये। इससिए बस युवकरा नाम नहीं है 'रह हैं। यह उपाहपत्त मनुक्ताणीय हैं।

स्व सम्मन नहीं है; फिनु २५ ब्या १६ ९ के हैं विवाह क्यूक्य १ द्वार के क्षेत्रात्मक के एक्ट के क्षेत्रात्मक के एक्ट के स्व स्व का है। भी अपित स्व क्षेत्र के एक्ट के स्व क्षेत्र है एक्टक के उन्हें के स्व करिय है। इस्ते के कि कि इस के स्व कि इस कि इस के स्व कि इस इस इस इस इस कि इस कि

## श्रेक्*तका मुक्त्मा*

सी येक्ट जिरस्तार हो यमें यह सिना वा नुका है। जनका मुक्सम मिक्ट्रेट्टे निनी स्वतर्त में था दिया पया वा। पहले मिक्ट्रेट्टे उनके बार्ट्ट कोरे स्वेप्ट हस्ताइट किये जबाँद दिस मार्गेट मिर्मिट्ट किया वार्य सह उत्तर्ग नहीं था। गीछे भी गांची स्थायायिक पात गये भीर उनको सूचित किया कि उन्हें बार्ट्ट कोर प्रेषेट प्रस्ताइत करनेका हुक नहीं है। इसके बाद भी बेक्टको मेटाककी शीमापर कोइनेकी जाजा थी वर्ष। किर उनको प्रिटोरिश के बादा पदा। वहीं उनको भी नैमनेने शमकाया कि उन्हें पंजीयन प्रमापपणकी (पीनट्रेपन एटिक्टिटकी) जबीं की बाहिए। भी बेक्टने इससे शास इनकार कर दिया जीर वृत्र

## क्षेम्स गॉक्फ

में भी जेस्त गोंडफेको बनुपिएपर पेवा चानेची बात कमर किया पुरुत हूँ। मुखे दुख है कि उन्होंने ऐसी बसी चड़ाइँमें अर्थी फैकर बनुपरिपण सेंगाया और कामूनके सबीन होनेका इसारा किया। मैं भाषा करता हूँ कि वे कानूनके बचीन नहीं होंगे।

[बुबचवीये]

इंडियन जोपिनियम १६-६-१९ ९

# १६६ पत्र हुबीब मोठनको

[कोहानिसवर्ष अपून २१ १९ ॥ से पूर्व]

सेटभी हुवीय मोटन

बापके १७ जूनके पत्रका मेरा उत्तर निम्न प्रकार है

मुस्तिम बीजनी यांच नया थी यह मुझे टीक पदा स्मूर्ति है स्पॉकि मैं दब प्रेक्षमें वा बीर इस सीकडी मटानार्वीय मेरी कभी जबर नहीं वाली है। मैं बाहतपान्ती परिवार मेरि क्षा मुक्तमानको वर्गमानिक करना उचित नानता हूँ। उस परिपार्व में मुक्तमान सरस्वकी तिमुस्तिकों सामा जीई मोनेंने मेरी हो दो मैं उत्तकों बातिक सप्ताता हूँ। से हित्तुकों और मुक्तमानिक बीच कर्क नहीं मानता। मेरी वृष्टिम रोगों एक भारतमावाकी सन्तानें हैं। मेरा बरना विचार तो यह है कि हित्तुकों कोर स्थानक मेरेसाहक बहुत क्यावा है। हिन्तु कुप मानते हैं कि उनमें स्थानका क्यावाकी क्यावाकी स्थान मानते हैं कि उनमें स्थानक मेरे ज्यावा है। इस वृष्टिमें हिन्तुकोंकों बपने मुस्तकान मार्वाकों से भी हो के स्थान विरुद्ध स्थानका है। इस वृष्टिमें हिन्तुकोंकों बपने मुस्तकान मार्वाकों से भी हो के स्थान विरुद्ध समार है। इस वृष्टिमें हिन्तुकोंकों बपने मुस्तकान मार्वाकों से मी हो

र देशिक गामका और मण बोगोंका सकता।" पर २५१ र

२. हरीर बीहको नहीं दगरे सांगीबीके मंत्रि डीएसर के उलाल हुए के हुएकन कीम्बेट विकासकार अनुस्त्री कोई सीहिंग एक सुर्वाधि की मींच की है, वह सामित है ना वहीं, सन्वासको व्यक्तिय करा हुउन्यान उपल किने मानेबा अनुदोर बीहत है ना उली, वाँचे कोई करा कर उन्याद (कीमीहर्स) मानेहर्स के मानेब इस्ता (कीमीहर्स) बता करात है। मीट विल्क्षाद्वीरण पठता की अनुस्ति की उन्याद है। भीव मुख्यमान मर्नि हिन्दुकोंडो चाहिए कि वे उन्हें से केमे वें और सूब भी त्याग करना पढ़े उत्तरे समुद्ध रहे। आपन्ते ऐसी उत्तरका दिनाई कामे उमी एकता होगी। वो विद्यान्त यो तमे प्रारमोक बीच कामू होता है उन्हीं विद्यान्तक मनुवार हिन्दू और मुख्यमान स्मवहार करें दो दोगोंने हुनेता एकता रहेती और तभी सारतकी उनति होगी।

मोहनवास करमचन्द्र गांधी

[गुजरातीसे]

इंबियन सोपिनियन २६-६-१९ ९

# १६७ पत्र मणिलास गांधीको

जोहानिसवर्ग जुन २१ १९ ९

বি៖ দৰিভাত

बाज मुझे पुनको गुजरातीमें यह किवानिकी पूर्वत गहीं है। में बाबा उस्मानका हिताब मेज रहा है। हुन वहें पहला बीर बणना उत्तर मेंब रैना। वहें वा को भी दिखा रेना। मद बाव कि तर है। यह में कि राह केंवा है। यह माने कि राह देविया है। यह माने कि राह रे परि के की वहें के परि कर के बहुता है। दूम जरना बराब सीने मेरे परेपर देखेंड न पेजना बीन्क कुनारी करितनकों मेजना। अनर मैं बाज रकार हो। यह तो के मेरे परेपर में के वैदी। पुरुरोत्तमवासके साजकर्में — मुझे जाता है पुन उनकी जाता मुण्यार मानोगे और बरने दियायं में यह द्वाक निकात वाने कि तम बाता नहीं यह सम्बेश मेरे। यह सिन्स कर जबता करना कालिए।

योहनदासके आसीर्वाद

गांचीजीके इस्तास्तरपक्ट टाइप की हुई मूक अंग्रेजी प्रति (सी डब्प्यू ८३) से। सीजन्म मुगीकानेन गांची।

१ फ्रेंबा घोरील नमस्यां सोविनिही रोजी-शार्वर थीं केविन भाने चल्का क्योंने सलाम्ब-संबंधी वहा महत्त्वानी मान विचा हेतिहर क्या ८ १६ १४/२५ ।

# १६८ पत्र की० ई० वाछाकी

मृत २३ १९ ९

प्रियं भी वास्त्र प

परवाहक भी छ चु गांकी मेरे मतीचे हैं। इन्होंने बारनेको खावंबनिक कार्योमें व्यक्ति कर विभा है। बापसे अमुरोन है कि इनकी सहायता करें और इन्हें छीरोजसाह तथा अन्य गेताओसे मिसा है।

> ह्रवसे जाएका सो० क० गांधी

गांबीजीके स्वासारोंमें मूळ जंबेची प्रति (सी अञ्च्यू ४९५ ) से श सौजाय सामाजान गांची

# १६९ भेंट 'केप ताइक्स'को'

किए टाइन अस्त २३ १९ ९ी

[बांबीजी ] हुन पंत्रीय बाद चीरछे द्रास्त्ववाकर्ने चक्र रहे एविबाई संबंधिक सन्तन्त्रों वा रहे हैं। हुन रहे साहारम-सरकार और ब्रिटिक बनताके सम्मुक सारी निविद्य रमनेका जसाय उपयुक्त सबसर मानते हैं। हुम यह भी अनुभव करते हैं कि यह सामका बास्तवसें ऐसा है विसर्गे आरती अम्लियन वास्त्रीविद्ये कहान-कह हो सकता है।

१ औ क्रवासक गाँपीने रस परिचय-परका व्यवीन सहीं क्रिया ।

२. विनवा शुक्रमी नक्षा; १९ १वें माराठीन राज्येन समितके जन्मतः विवाद क्ष्म २ वृष्ट ४२१ । इ. इ. प्रोटीक्कार मेक्का; सराठीन राज्येन समितके संस्थानकारिके प्रकार विकाद क्षम १ एवं ३५५ )

У केर इस्ताने जारामिने योगीयों मेर वाची वरीक्ष विद्यालक्के क्यों तर्मक्की मलाव करते? मूर्व केविकार्य केविक ब्याप्टी कराव लागा किया गया था। योगीयों केव इस्तान मीर केप मार्गक्क क्रिकेटिस्ट्रीन में भी भी में वें में भी नामी मुन्तान ५ के केविकार मार्गियाच्या मार्ग कर करावारी करती थी। किन्द्र केप मार्गियों को निवस्ति सुन्ती का महत्त्वेच था "दाक्रांची और वरोजा के किया कार्यक्री मार्ग के किया की मार्गक्क सुन्ती का भाग करावार में किया क्यों मार्गक्क मार्गक की मार्ग किया मीर्ग किया किया की किया क्यों के मार्ग किया की किया क्यों के मार्गक किया मीर्गक करते के मार्गक क्यों करावार मार्गक की मार्गक करते की कार्यक मार्गक की मार्गक करते की मार्गक करते के मार्गक करते की मार्गक करते के मार्गक करते की मार्गक करते के मार्गक करते का मार्गक करते के मार्गक करते करते के मार्गक करत [संबाददारा ] बतनी और रंगदार शिट्यमण्डल मी ईंग्सैड चा रहे हैं ग्या भाप किती रूपमें उनके साथ मिल-वालंकर मी काम करेंगे?

[सामीजी ] यह सब अवसरपर जिमेर है और इस सम्बन्धमें स्टब्समें हम स्वमावत बहुत हर तक काँटै एस्टिहककी समितिसे समाह सेंगे।

'संघ व्यवित्यम (यूनियन ऐस्ट) के विक्क आपकी मुख्य आपत्ति क्या है?

अगर दक्षिण आफिराके अधिवासी विटिश भारतीय प्रवादनीकी पूर्ण स्वत जठा मुनिरिचट कर वी जाटी है हो अस्तिया मूने सिषानानों कोई योग विवाद ते हैं हो। मेरी राम यह है कि इंचको केवल गोरि विटिश प्रवादनोंका एव नहीं होना चाहिए, विकित महित सभी सिमाती तिटिश प्रवादनोंका संघ होना चाहिए। विटिश भारतीयों ने वहत भय है कि संविद्य मारतीयों के वहत भर है कि संविद्य मारतीयों के वहत भर है कि संविद्य मारतीयों के वहत भरी प्रवादियों के वहत मोरी प्रवादियों के वहत मेरी प्रवादियों के वहत मोरी प्रवादियों के वहत मोरी प्रवादियों के वहत मोरी प्रवादियों को वह होनी और यदि तथा हुका हो येए क्यांक है कि यह हर राष्ट्रिये वहत हो प्राप्तपूर्ण वाद होगी। ऐसे किसी प्राप्तप्रवीय संवद्य है विच्या स्वाद्य होगी।

हात्सवासके मतानिकार प्रतिकाधके संस्कृत्यमें बाएके थया विकार हैं।

प्राप्तालक निवासकार आवस्यक राज्यां कार क्या विकार है कि आज ऐसी से दो महाविकारक मामकेटर क्यारा जोर नहीं देश। बाद वह है कि आज ऐसी स्पिट उरान्त हो पही है जो कि उसेह बाधिकाकी रोगार प्रवाधियोंक विकार है मैं उसीके बारेमें होत्र पहा हैं। इस सम्बन्ध को कुछ कहा गया है, मैंने उस सक्या क्यायन किया है मैंने संस्थीय बाद-विवासित यो जिलार किया है। इस सबसे निवासह यह प्रकट होता है कि बार सामान्य सरकारने इन मामकिक साम्यास्त सब तरहल बारतान मान न किया दो सामस संबन्ध रोगारा आदियों मुख्या प्रांत्याई अधियों बढ़ाँक हो आपीन।

संपर्ध बनार्यंत एनकी अवस्था किस सरह चराव हायी है

बहु बात विस्तृत्रक छाफ है कि संब-संस्वयकी बाबाज पनस्त दक्षिण आधिराकी बाबाज होगी और ताम्राज्य-सरकार संब-संबद हारा स्वीहत किसी यी कामृत्यर आपत्ति करनेनें

१ मार्चर मॉक्सिर निकिन्ते रानेन कार्याच्ये होता वेता (२०६५-१९६६); ब्याप्टेस मर्कतः १८९६ १९०६। चन् १९ १ में मार्ट्स क्रमेश्वाह मान्यत्य न्यौर न्यूबर क्याप्ट प्रीय माहिक्यों परणीर ह्याप्टे ह्याप्ट करने मार्च ने ने मौर राहिन प्रमिक्त निर्देश मार्ट्स ह्याप्टिक व्यवस्था मी थे। क्यांने सीक्स्य परिकार निर्देश मार्ट्स ह्याप्टिक व्यवस्था मी थे। क्यांने सीक्स्य कर्मानी क्रिया मार्ट्स ह्याप्ट मार्ट्स क्यांने सीक्स्य मार्ट्स ह्याप्ट मार्ट्स ह्या मार्ट

बहुत शिशकेगी। इस समय भी प्रत्येक उपनिषेध ब्रिटिश सरकारपर इतना सबिक रवान सम्ब है कि ब्रिटिश सरकार रंपवार जावियोंको प्रभावित करनेवाले कानुनोके सम्बन्ध के निपेवाविकारका प्रयोग बहुत कम करती है और जब के कानून प्रविश्व आफिकारी स्वस्थेर हास मंत्रुर होकर कार्येस राज सो बहु ऐसा करनेकी और भी कम इच्छा करेसी।

भी पांभीने, जो क्लामप तीन सास तक बाहर पहनेती बाबा करते हैं इन्त्यननें गरतीबाँकी पिरस्तारियोंका भी उन्होंक किया और कहा यह बासा नहीं वो कि कुर्वे पिरस्तार न करके सीमा पार करने दिया कालेगा; किन्तु और रास्तेन कीई स्काब्य भी इन्ती गई। वे यहाँ कहान कटनेंसे स्नाबय को चंटे पासे डाक्नाड़ीसे सामे थे।

[अप्रेचीसे]

केम बाइमस २४-६-१९ ९

१७० शिष्टमण्डलकी यात्रा --- १

[जून २३ १९ ९के बाद]

#### तुष्णा

णव सन् १९ ६के जमनुबर्गे भारतीय समावने इंग्लैडको सिष्टमस्वक मेवा ना वह समय दूसरा का इस विष्टमस्वकको सामाका समय उससे मिल है।

१९ ६ में मारतीय छमान जैस नागेके क्षिए प्रतिकानक था। किन्तु कोई निश्चपपूर्वक यह नहीं कह छक्ता ना कि यदि छरकारने नुस्ताई गई की ठी जीन जैस नामेगा। इस बार इस जेक जानेवाछ छरमाबह्मिंगको जानते हैं। १९ ६ में मारतीय छमान जूब नहीं नामता ना कि उसमें कितनी छाकत है। जब छो उसकी इस डाफतको सारी दुनिया नान नहीं है।

किर भी तुष्तामें १९ ६ के विष्टामण्डकता काम जावान जा। इस बार वह मुक्कित है। हमें मंतूर किमें हुए कानृतको रह कराना है। १९ ६ में विटिस सरकारका मत क्या है यह हम नहीं जानते थे। इस बार सरकारने जगना मत बता दिया है। किर भी पिटपनकास निर्मय होकर जाता है, वर्गोंक हमें जब इस बारेंगे जहात-कुछ बेकियी है कि इंजीकमें नमा होगा। हमें जाननी कहाई सरवाहकी गरबी हो तकवारते कम्मी है।

#### Aurer

बिट्टमब्बक्की तैयारी कुक दिन पहुनेते जारी थी। मगर भारतीय यसाव दिवे सामनोर्से स्वक्रमा है कि पिट्टमब्बक्के रवाना होनेके दिन तक यह निविध्य नहीं का कि सिट्टमब्बक नामेश या नहीं। स्पना भी पूरा इक्ट्र नहीं हुआ था। बहानके टिक्क यी रवाना होनेके दिन (वीमवार २१ बूनको) प्रात व्यारह कने लिये नहे। फिर यी यह नहीं कहा जा सकता वा कि विट्टमब्बक निविधन क्यों बादोगा। त्रीय स्वस्तांकी निरस्तार करना सरकारके हाक्सी बात भी। और दूछ सीगाका खयाछ वा कि गाहीमें सवार होते वक्त भी पक्का-कही होगी। फिर सी सिट्टमण्डस कक पहा । किन्तु वह कंग्रस-कहा है। उसका एक पैर टूट गया है। सी काछितया और भी वेट्टियार वो शिट्टमण्डसके वाशित पैरक समान है वे दोना ही वेक्से हैं हानी हवीन तका में सामान हैं। यह हमसे से किसीका भी सफ्ता नहीं सराता। परन्तु सेए बबास है कि यी काछित्या और थी पट्टियार जसमें से जीती पुत्रार करेंने बैसी इंसिक जात में सामान करते हैं। यह समसे या पहले पर सकते था। वे जेकसें जी पुत्र मानने वह हमकी पहल समसे व्यवस्था पाता करते हुए नहीं मिलना है। सरायायहीका दूसरा नयाम भी नहीं बाता। मेरे बनुमबंद सी यही दिव हाता है। किन्तु वह मैं विस्तारणे अवस्थान वालोंना।

## न्देशनधर

## मार्गमें

भव हम वेरोनिनिवर्गे पहुँचे तब नहाँके सारेक-मारे भारतीय स्टेशनपर आये थे। कह सकते हैं उन्होंने शिष्टमण्डकका स्वापत किया। वे टोकप्रे भरकर एक काये वे जो बहतक पन रहे हैं। हाकेनी देशी हननी शीमी काने थे।

बोस्टर स्पानपर रोबर्टननव बहुत-व आखीम आये थे। वे भी फून और एक कारे थे। रोबर्दनमें मुख्या धीमक कोगीकी बस्ती है, इचकिए वॉस्टरमें विविधाय धीमक आई ही थे।

मार्थने भी हाती हवीवकी वार्मी बीएमें दरें था। यह जोहानिवादपैने ही हो रहा वा। बीए जुने भी और उनने पानी बहुत बहुगा बा। उनकी गाने पानीमें थोड़ा नमक डाककर बीमा। उनके पुत्र कारण रहा निन्तु नहीं के बरावर। यहानमें बीक्ट करें मित दिमानी पड़ी है। यह विकास निनने नमय भी वर्ष विनुष्त नहीं मा है कि भी आराम हो रहा है। हर ऐसे बीएसेन वार दावादी नहीं सामता है। इसके बीएसिन वार दवादी नहीं भी राम के कि पी आराम हो। हर ऐसे बीएसिन वार दवादी नहीं भी राम हो। इसके बीएसिन वार दवादी नहीं भी राम के वार्म हो। हर ऐसे बीएसिन वार दवादी नहीं भी राम करता है।

#### क्षेप टाडवर्म

पारी केन राजनमें आपा चंदा देखं पहुँची। ग्टेमनार पूछ भारतीय आने के आई।

" अब बहानगर मिने। भी कांचीच्या जभी दिन सर्वत जानवार में स्मित्य उनसे दावन
भी। उनमें बहुत-ते मारतीय रक्ष समे के। यहाँ भी भारतीयीने हमें यूमन्यन आदि देकर
दिशा दिना।

रक्षिण वाफिकाकी प्रस्तात महिका शीमती जॉकिन भाइतर और शीमती सुद्दै बहानमें हमसे हान मिसानके किए जास सौरसे नाई भी। हमारे प्रति उस दोनों महिसामोंका नहत सबमान दिकाई देता था। मैंने देखा कि उनको सत्याप्रहकी कड़ाई बहुत पसन्द है।

#### बहाबपर प्राप्त वार

थी काम्रियाका तार मिप्टमञ्जलको चेताको तका स्पृति वेनेवामा 🛊 और उसने

हमास कर्यम्य बताया गया है। वह इस प्रकार है

आप शोनों व्यक्ति का रहे 🖁 इससे मुझे खुत्री हुई है। जापके साम जाने के बनाव में जेसमें रहकर लपने देशकी खातिर दुश्व मोगना पशन्य करता हूँ। आपकी सफकरा चाहता हैं।

भी दबाद्वीम दुवादियाका थेक वाटे वक्त दिया वया तार शीचे किस्ते अनुसार है जेक वाटे हुए मैं सिप्टमप्यक्की सफकता चाहता हूँ। दूबरी वमहकी अपेक्षा मैं वेसमें वादिकी सेवा क्यादा अच्छी कर सकता हैं।

हन दोनों दारोंका दर्जुमा ऋखे हुए हुवन फन्दा है। हम नहीं वा छहे हैं नहीं दो सिर्फ पानीके बस्त्रक ही होने। किन्तु को वेसमें बारूर बैठे है वे तो सारतीय समावकी सेवा कर ही रहे हैं। मेरा निश्चित सत है कि यह बिस्टमम्बक बाई को कर बाबे किन्तु छनकी देवाके मुस्तको तुकतान वह कुछ नहीं होगा। भी काक्रमिया और भी कुणादिया बारि केट-मानी मारतीय देनाजके नये जल्हाहरू बोयक है। दिस्टमध्यक एक्सो दुर्वकरा बताता है। जेट-मानी पंदारके दामने दिव करते हैं कि मारतीय कोगोंमें पर्दानयी बार्र है। पिस्टमध्यक सिंद करता है कि बनी उनमें पूरी नर्शनमी नहीं है। कभी वे वाकक हैं और इसमिए उन्हें दिष्टमध्द्रक क्मी चळन-शाहीके सहारेकी चकरत होती है। सत्वाप्तही भारतीय समानके वकामाओं और है। येल यानेवालीके किए निराध होनेकी कोई बात नहीं है। प्रिप्टनस्पक इन्डेंडड जाती हान लीनेगा थी को लोग उनके करर नगर करावे देठे होंने वे ही निरास होंगे। इनिराध मेरी शकाह है कि कोई जिय्यनण्यतपर वासा न तवाये। बार रिप्टमस्पककी सहायदा करें - येत बाकर, एक रहकर, तार भेनकर और बहुरै सपनी ताकत क्वाकर। आप दिग्टमध्द्रसको मापका इंगन समझें। फिन्तु माप पैरा करनेवाका कोमका तो महर्षि भावेमा नमी माप पैदा होगी और इंजन चलेना। वाचव दो यहाँ है। यन्त्र चलदा 🕻 यह [शास्त्रका] केवस विचाना है। यह बात मूल्लेकी गहीं है। इस मकार इसरे तार भी जो हमें मिल है उत्पाहबर्षक वन गये हैं।

हमीदिया इरकानिया अंजननका तार निम्नलिनित है

दीतरागंकी गुपकानगरी भावने साथ है। हमें भरीना है कि बाग दीन मान और सर्वानगंकी रक्षा करेते। हम स्वाधानित स्वतन वर्षेत्रे कि बागको महीते और मारतसे ताकत मिले।

इमाम साहबने अपना तार इस तरह जलग भेजा है

हुन सामापहुका संबा कर्याता हुआ रखेंगे। सफलनाकी कामना करता है। परिपर्दमकी समितिकी औरसे निम्न तार निका है

बारक कार्यका समर्थन करते हैं। बारकी सफनवानी कामना करते हैं।

रीबर्र्सनके भारतीयोंका तार निम्न प्रकार है कामता है जापकी साका सुकाय हो। इस्कर आपको आपके कार्यमें सफस्ता दे ऐसी उससे प्रार्थेगा करते हैं। इन समकासनाक्रीको साथ सेकर हुम केप टाउनसे निका हुए।

# ' संबद्धे सम्बन्धमें कुछ क्षीक्षिएगा"

बहुत-से भारतीय मादयोंने विष्टान्यकार से साह वी है कि बहु क्षय (मूनिमा) के प्रश्नको मूझा न है। मूझे कहना चारिए कि यह सकाह संक्षा सार समे निना वी गई है इस्किए इस सानाम से एक्ट कहा हैं। बहुत में इस प्रशाह से सान की ही है। उसके कर रहा हैं। उसके सिक कि निर्मा की मिन कि निर्मा की सिक कि कि स्वार्थ कि मिन कि कि सिक कि कि सिक कि कि सिक कि सिक

यह ठीक है कि डोक्टर बजूक रहमान' संघ (यूनियन) के साज्यकरों ही [इंग्सेड] जा रहे हैं, भगोंकि सम्बानुतमें काले कोगोंके कुछ हुक बगीये ही रत हो कारों है। बात ऐसी हो दो कोशिया करनी चाहिए। ऐया हुनारे मानकों नहीं है। किए भी किसीकों नह न मानना चाहिए कि स्थित्याच्या करके कारकों करने करने हों। उपकों दकते लिला नुवारा नहीं। समकी बात उठ रही है, तभी तो यह धिन्दननक जा रहा है। इसके बलावा नह सम्थी तरहों कहेता कि हामसाक्ष्में करूट काराय रहें तो संच नहीं बनावा बाता चाहिए। इसके बलो में बहु कहता है कि नकि मारसीय पूर्ण कल कमार्थ सी शिव्यन्तकों कार मेंनू हुए बिना कसीर न एसी। इसके बातिरका धिन्दमण्डल समस्त बीक्य सीक्याई किए वने हुए कनुनौकी

१ वास्त्रिती राक्तेरिक संबंदन (वास्त्रिकन योक्तिक वॉर्वनारवेद्वन)के अध्यक्ष चौर केर दाउन कार पानिका (न्युनिसोर्वेक्टी)के स्वरूप, देखिए कार्य ५, वृष्ट १४५ और २५५ ।

२७२

बात भी उठायेगा। इसका वर्ष यह नहीं है कि ये कानून रच हो बार्येये। इनको रच करानेके क्रिए वो सत्याप्रह ही करना होगा। किन्तु हम यह मानते हैं कि बातभीत करनेसे ब्रिटिस सरकार उपनिवेसोंक साथ कोई समझौता कर सकती है। मुझ बाला है कि इस स्पन्टी करनको भारतीय समझ सकेंगे। इस प्रकापर सब कोन वर्गो-वर्गे सोवेंगे त्यों-त्यों स्पष्ट होता जायेगा कि सबके सम्बाधमें जितना जोर जगाना जा सकता है शतना तो बिच्टमध्यक्षमे लगाया ही है। यह कानुपकी बारीकीकी बात है। यह कानुपकी जानकारीके बिना पूरी तुरह कैस सम्बद्धे सार्थ ?

# हमारे साथी पात्री

हमारे साम केमके प्रवानमंत्री भी नेरीमैन' और उनके साम भी सॉबर' हैं। मेटाकने भी स्नाइस भीर भी बीन है। ऑरेंब रिवर काफोनीके थी बोबा हैं। इनके दिवा दूसरे अधेव मुद्याफिरोंके नाम वेनेकी वरूरत नहीं है।

रंपार कोनी (कन्नई पीपुन) का विस्टायक भी श्वी बहावमें है। इसने वॉ अमुक एमान यी चेड्रिक थी कीव्यं और भी वैकेश है। यूने रूक है कि बोस्टर क्यूक एमान और उनने को कम साथी हुचरे यूमें है और भी पैकेश रीधरे क्योंमें। इस्टे उस पिटमायक्सी इन्तरने मुद्दा क्यारा है। ये काले कोविस प्रतिनिधानकी हैसियदार इस निस्तिने का रहे हैं यह ठीक नहीं भान पड़ा। ये देकता है कि बब बहुत होन स्वितिके कुछ यूरोपीय पहके दक्षेमें हैं तथ उक्त पंतवार प्रतिनिधि दूसरे और तीसरे दर्जीमें हैं। पूक्ताल करनेते ाबुर प्रमा हु घर करण राजार नायाना कुछ चार याया दमने हैं। पुक्रितीक करति माबुर पड़ा है कि इस कियानाव्यक्तों करोजी की दिस्कत हुई इस कारण हम्छे छाइस इस ताळ् साना कर रहे हैं। इस कियानाव्यक्ते वो काय सहस्य कारी पिछले सहावारों आनेताते हैं। की अब्बुल रहुसानने भी आहाराफे छानाव्यों को छन कीगोंकी कोरसे पहले ही चके पदे हैं मुझे कुळ बहुत ही बानने योग्य वार्ते बताई है। इतना ही गहीं कि उन्होंने स्वातीय संसदमें काक कोनोंका मानका नहुत कीरदार हैंगरे पेस किया है वरिक कर उनकी हिमायत करतेके इरादेस ही सब इंग्लैंड वये हैं। उनको कोई इसरा काम नहीं वा फिर सी वे वहाँ अपने करतें के द्वारोध ही बूद संबंध वर्ष है। उत्तरों कीई हुएए काम नहीं वा फिर भी वे बहूँ बहुने करें है। उत्तरों को को कोगींठ वरने बचेंके किए पूरों कीशों भी नहीं भी है। उत्तरा वकाकरात गान नहीं है कर का वकाकरात गान नहीं है, वर्गांक के वारों निहास कुट्रावणर, बौर परिचलार के कारों में बहुत वर्ग बचें करते हैं। वे बीतोंड्बकें मुद्रादेशों कामण से महीने एक व्यारत रहें। फिर भी वाची प्रेक्ष कामण से महीने एक व्यारत रहें। फिर भी वाची क्षेत्र के व्यार्थ कामण से महीने एक व्यारत है। एका गाम है बकीश [पहके] एक्के वर्गोंक किए नहीं। से एका गाम है बकीश [पहके] एक्के वर्गोंक किए नहीं। परिपलार करते हैं। पहके प्राप्त की कामणे स्वार्थ कामणे से वर्गोंक किए नहीं। परिपलार करते हैं। एक्के वर्गोंक कामणे महाने किए नहीं। परिपलार करते हैं। एक्के वर्गोंक कामणे क कि परोत्रीयोमें भी ऐसे महान परोपकारी क्षोप मौजूद 🕻 जो अपने परोपकारके बाबरेमें

१ अपेन वैरिक्ट मेरीमेन (१८४१-१९९६) केन कालेमीक मधान-मध्यी १९ ८१ । २. वे० कस्पू सीक्ट, विधान-समाने स्टास्त पत "कोकीस्करी स्थान विधारक" निवर्तन नामक्रकः समाय केना श्रमीकार कर विचा ।

रूपि भातियोंके सार्गेका भी शामिल रखते हैं। मश तो सरता है कि इमें दिसी भी पातिका मुस्पांकन करते समय उसके अच्छे सोगोंके ज्याहरणांका केना चाहिए। ऐसा करनेसे ही प्राक-पुबक बाहिबाँ साय-साब रह सकती हैं।

[प्रपतीसे ]

चेंडियत कोवितियन ११-७-१९ ९

# १७१ थी पोलक और उनका काय

भारतमें जनमत तैयार करने और मास्तको अपने कर्तव्यक प्रति अगानेके प्रशस्त्रस दात्मनाक विटिय मारतीयोक प्रतिनिधिकी हैसियतन थी एक एस पोस्न डारा भारतके सिए अस्वात करनेके भवसरपर हुनारे पाठकोंका यी पोछककी संक्षिप्त जीवती पढ़कर आसी होगी। बी हेनरी सॉस्नेमन किवन पौन्कका कम्म बावसे टीक २७ वर्ष पूर्व डोवर, इम्बैडमें हुना था। ने भी ने एन पोसक से यी कंपूत्र हैं। भी ने एन पोसक सन्दानी दक्षिण माण्डित त्रिटिय भारतीय समितिक सरस्य हैं। भी पोमक कन्दम विस्तरिधासमके बन्दर प्रेम्ए हैं, और उनके पास कम्पन बैम्बर बॉड कॉमर्स (स्थापार संघ) तथा बन्य मिला-वेस्नाओंके साहित्यक तथा बार्निक विषयोंके बनेक प्रमानपत्र हैं। बन्होंने अपनी पिसा इकोस र कॉमसे न्यूपेटेस स्विट्वरकेटमें पूरी की। इसक बार ने सन्यनकी सीमास्टी बॉफ कैमिक्क इंडली (खायन उद्योग श्रीमीठ) के श्रह्मायक समिव निवृत्तन हुए। स्वास्थ्य-सम्बन्धी कारचोंने थी पीतक श्रम् १९ ३ के बारम्यमें दक्षिण बाधिका बाये। श्राद्यीयोंका पत्र बननाने और इस पत्रिकारा उत्पादक-पत्र को परमार्थका कार्य वा और सब भी है, स्वीकार करनेसे पहले वे पत्रकारिया कर रहे ने। अपने कुछ आवनोंको स्वावहारिक रूप देनेकी इच्छाने उन्हाने एक एमा पद कोड़ दिया जिसे पैसक विहाजने बहुत अच्छा कहा था सकता वा तथा जिसमें पूरी पत्र कार् और मी आर्थिक टरक्कीकी उस्मीव की और सन् १९ ४ में कीनिक्स मोजनामें सामिस हो समे। इसमें उसके करायोंको करक राजा ही पैता मिलता है जितना सारेसे-सारे बंगमे पहनेक किए पर्याप्त हो। जैला कि इन पत्रके पाटकोंको जात है, इस योजनाका ध्येम टॉस्टॉय और रस्किनकी मूकमून विकाको कार्यामित करना और अपनी बाह्य गरिनिविदेश द्वारा दक्षिय मारिकाके विटिस मारतीमोंकी विकासतें हुए करानमें सहायना देना है। मारतीमोक भावेतितक कार्योकी सावत्यकतार्वाको ध्यानमें रखते हुए और इस पक्रते सम्बन्धित अपने कर्तव्योक्त अधिक सुचार करते निर्वाह करनेकी वृध्यिने भी पोलकने सन् १९ ९ में भी पांचीरे अभीत बकालप्रका प्रीमालक छेत्रा प्रारम्य किया और सन् १९ ८ में उन्हें दान्सवास्त्री सर्वोक्त म्यापान्त्रममे सटनींची सन्तर मिन गई।

सम् १९ ६ में भी पोत्रक ट्रान्सवास जिटिया भारतीय संबद्धे वर्षतमिक सहावद्य सन्वीके काम कर रहे हैं। यह काल बिलाम बारिटरामें ब्रिटिस भारतीयोंके ब्रिटिरामका सबसे मेक्टका नमन रहा है। इसमें शरवाधाह बाम्दोननने ननिष्ठ क्यने संस्कृतियत भी पोक्त सरीने निष्कां पान प्राप्त है । स्वाप्त प्राप्त हुई है। शिक्ष तीम नवीम सी पोनकन नास्म नहीं जाता है। उन्होंने कपनी योग्य केवलीका निरमार उपनोप करनेके बनावा दक्षिण माधिका-मरमें अनव नी किया है। ये मानाएँ उन्होंने सत्यामह सवर्षके किए चन्दा प्रमा 1-16



# १७२ पत्रः रामवास गांधीको

[बार॰ एग॰ एग॰ कैशिसवर्ष किता ] जुसाई ७ १९०९

वास

इस समय जहात्रमें हैं।

बापुके बादीयाँद

मोपी जोपिनिमन मैटास

> र हरवीरवान बोरटकावेनर गांधीजीक रवाबारीमें गूक गुवराती (शी कम्प्यू०८४) है। दुर्गामावेग बांधी

# १७३ शिष्टमण्डलमी याचा [-२]

्**वृत्तारै ॰ १९०९** कंपूर्व]

व्यद्वास भीर वंसका मुकाबला

मुद्रा हूँ कि वहले बर्जेकी जहारको वाकाकी भरेशा कैर बहुत बच्छी 

- 1 मिला तीयर बर्जेन हैं। जगते मिल्केक मिल हम बोर्जो आहे हर 
हमें तीठर वर्जेका अनुमव मिला है। मेरी गानवा गेगी है कि तीमरे 
रकानका है— वह पहले बर्जेन नहीं है। और भेलों मे मून और 
वर्जेन [भी] नहीं है। अहारजं ना शुन् — विश्व मोर्जे हो — मौकर्तेका 
है। मीद्र बालक्षेत्री गान्द्र गहले बर्जेक व्यक्ति कहानोरे-प्राम्मार्थ 
प्राप्त - कुल-स्कुछ लाला-गिला हाना पहला है। एक सिलाय पानी भी लगते 
हा बालेकी मैनपर बैरे ही तो हुछ हूर पढ़ा चालक एगारी भी लगते 
प्राप्त कि स्वस्त होने हमा पहला है। एक सिलाय पानी भी लगते 
प्राप्त कि स्वस्त होने हमा सामा दिल माने पहले हैं। हालाक 
पानेके भिया हाना प्राप्त है का कार्य पर कार्यो हो ता ते हैं। में 
बा कार्य के बता है तो मुझे पतने देखों होती है। मैं किया 
चा नहां कहां नहीं है। भी विश्व मान्द्र कीर पत्त 
पहला पढ़ना है। मैं केच्ये मित्री मानीगता भीरता 
वा जनमी मानीगता भीरता और एकावता मही

प्रवासियों और एशियाई कामगेंसि सम्बन्धित विभिन्न प्रक्रोंके विषयों भी पोधककी धानकारी करीय-करीय बेजोड है। विस्कान सडी जानकारी रखनेकी अपनी उत्कंठामें उन्होंने मामकीसे

... करमेके थिए, क्रवण सार्वेक्टिक समाजोंसे भाषकों तररा उप-सहारीयने विभिन्न भागोंसे रहतेनासे

मामजी चौबका संस्थान किया है और पूरी स्वितिका सही स्वकृत समानेकी गरबसे जो कुछ सबकार मिल सका उसमें उन्होंने आधुनिक भारतीय इतिहासका सम्प्रमान भी किया है। भारतके अनेक प्रयक्ष समाचारपणों और पणिकाओंमें लेख जाति क्लिने रहकर भी पोसकते सामिक भारतीय विकारकारासे सका सम्पर्क रखा है। इसकिए के सारतीय जनताके किए कोई सपरिचित्त स्थानित महीं है। भारतके जोगोंको क्षत्र जातकर निरास्त्रेड जड़ी होगी कि भारतीय जीवन और परिचके कजरंग पहलके परिचित्र होजेंद्रे किए की पोक्क क्षांक कांक्रिकार्ने करनी वात्रावंकि बीरान तथा कारतीय करोंने वास्तीलोंकी प्रांति की सहे है। धारतीयोंके मनपर चनका बतना अधिकार हो यदा है कि बाद भारतीय नेता पेकोंमें थे तम मार्च हे भी पोलस्की सलाह केनेको जानक रहते से और अब सनाहोंका सरहते पाकर करने है। भी पोक्कका विवाह सन १९०५ में हवा था। अपने पतिके समान ही कारम-रमाय

तका मेवा-भावना रखनेवाली धीमती पोसकके प्रति बक्रिक आफिडाके जारतीय ममाजका मार्च कुछ कम नहीं है। पिछके कुछ समयसे उन्होंने भारतीय शहिलाओंकी समार्च आयोजित करनेका काम स्वयं उठा किया है और तन-मनसे अपने काममें लग गई है। दक्षिण आफिकार्मे कराने से सम्पर्त हुई हैं। भी पीकर एक प्राचीन यहूनी चराने हैं है और एक ऐसी जातिक सरस्य होनेके नाते जिल्ले कुछ बरणावारीले पुत्रक्ता पढ़ा है ने दक्षिण ब्राटिकार्ने विदिध सारतीयोंके करवेंकों कम करनेनें लहायक होना बचना लीकाम्य सानते हैं। युवादस्वाते ही मीदिशास्त्रके प्रदि जनकी गहरा बसान जा। जी पोजकके किए वर्ग और नीविश्वास्त्र एक इसरेडे पर्याय हैं। बत जन्होंने स्वाजाविक कपसे सम्बन्धी साजब प्लेस प्रविकत सीसाइटी [नैतिकता समिति | से सम्बन्ध स्मापित कर किया वा और बाब मी वे उसके सदस्य है। यह जनका नैविक बध्दिकोण ही वा कि जन्मोंने आरतीयोंका काम शावमें केनेकी बावस्पकता अनुजय की ।

[बप्रेमीसे ] र्गातिकास अमेपिकास के<del>-10-1</del>९ ९

# १७२ पत्र रामबास गांधीको

[भार एम एसं केनिसमर्गकीकि ] भूकार्थक १९०९

चि रामवास

मै इस समय बहाजर्में 🖺।

बापुके माशीर्याद

रामदास यांची इंडियन सोपिनियन फीनिक्स नेटारू

> बहारकी तत्वीरवाले पांस्टकार्डपर गांबीबीके स्वाक्त पेंसें मूख बुज पती (वी कसमू ८४) है। सीबम्य सुवीकार्वेन योंबी

# १७३ शिष्टमण्डलकी यात्रा [-२]

[बुलाई ६ १६ ५ के पूर्व ]

# जहाम और सेम्बर नुकारका

# बाग की पार्ट हैं

ाज पूर पराः नारम्भाव ह।

री वपने निषमके बनुमार को समय मोजन करता है। यै पूर्वित कोड़ वेता है नवींकि

सर्वों बंबा होता है। यै चाय और काकीको यो नुकामीके धमसे पैदा होनेके कारण समा

समय नहीं केता। मेचा येव घोजन सक्कीके तिमा स्वयमा कररके मुताबिक है। क्यों-मर्वों सर्वोर करात नाता है त्यों-पर्वे में बेक्का है कि ब्लिक तो से मोजने स्नाम वास्ट्या है। शिक्की सामार्थे क्योर को स्वाधिक धोजन मोजना था सो इस माजार्थ नहीं मोजना।

दिन प्रायः पड़नेर्से काला है। इंग्लैंडर्से को निवरण पेपा करना है वह सिखा का भूका है। उसको भी हाजी हतीवने पसन्य किया है। उन्होंने कुछ युक्ताव दिये हैं वे मैने उसमें शामिक कर किये है।

# की मेरीमैनसे मेंट

बहाबमें कुछ प्रमुख मुरापीय कोग हैं। उनमें कवि घेंट हो चुकी है। ऐसे कोनोंमें भी मेरीनैन भा जाते हैं। उनके साथ बहुत बातजीठ हुई। उनके विचारींसे मुसे कमता है कि सबके सम्बावने जो-कुछ जोर क्रयाया जानेया वह निष्यक जायेया। जब मैने उनकी यह बताया कि ट्रान्तवासके सराकका सबसे बहुत सम्बन्ध मही है तो की मेरीमैन और भी महराहेर्में उत्तरे और उन्होंने इस प्रकार सम्बन्धमें पूरी सहायता देनेका बचन दिया। सरामही कैरियोंके प्रति उनके मनमें मेंने बहुत सहानुभूति देवी। श्री जैगरते भी मेंट हुई। उनका विचार भी श्री मेरीमैनसे मिक्टा-जुकता विचाई दिया। संच तो बनना ही है किन्तु सर्वि उसमें क्यापट बाके दिया दान्धवालका प्रका हुए हो एके दो ये महानुमान मी सहामदा देनेके किए तैयार है। जब मैंने उनसे भी काशकिया और भी बस्वादके त्यागकी चर्चा की तो के बड़ तत्वाहित हुए लीर उन्होंने जो-कुछ कहा उचका मावार्थ यह वा कि मीर दूधरे मारतीय व्यापारियोंने ऐसा ही किया होता से का समझ तय हो यथा होता। मैंने वक छनको सह बदासा कि उनकी ही पेड़ीने भी काष्ठकियाका विरोध किया मा तब उन्होंने इसपर इ.स. और बाल्बर्ग प्रकट किया।

मैंने भी बाउद महस्मद और औं पारती करतमबीकी बात उनत दोनो सम्बनोंको बताई तो ने बहुत प्रमानित हुए भाग पड़े। उनको हुन्त हुना और उन्होंने यह बाधा प्रकट की कि बैंदे भी हो समझीया हो बायेगा। हमने उनको बपनी मार्थे बताई तो उन्होंने मंदर

किया कि वे बहुत वाकिव है।

मैंने भी बैयरके केपके प्रवासी-अधिनियम (इसिसेसन ऐस्ट) के सम्बन्धमें वातचीत की। सनको यह बानकर बारवर्ग हुना कि केमके भारतीयोंको केपसे बाहर जानेके लिए मीमादी सन्मतिपन (पर्रापट) केने पहले है। यदि केपके मारतीयाँने पूरा प्रवत्न किया होता तो ऐसी बाद्य कानूनमें कभी न रही होती। किन्तु बब भी उनका कर्यक्य है कि वे इस सम्बन्धि कोई उपाय करें। मुझे विश्वास है कि केपके बहुत-से सबस्योंको इस बेबंगी बार्यकी कोई भागकाची नहीं है।

भी धौनरसे भी जो केपके गण्जिमध्यकके एक सबस्य हैं बेंट हुई है। उन्होंने बहुत चार्त्तमृति प्रस्ट की है और वसाराम्यस सहायात्र हेनेता स्वत (या है। सी एवेंदर स्थीकार किया कि से वाति हमारी तरह हुन्छ तठाती है उसकी माँगोंका सनुषित होना समझ महीं है। उस बातिकी सहायता करना बवार मनके प्रत्येक व्यक्तिका कर्तम्य है। मैं इसको भी त्रत्याप्रद्वाही एक प्रभाव सानता हैं। हम चेक न गये होते तो ऐसे लोग कुछ सुनते भी उत्पादका है। एक प्रमान मानता हु। हम बक्त न गय हात तो एव कान कुछ गुन्ते में निर्मे क्षितिस्ता एक बन्ध यूरोपीय है, बिनने साथ बहुत कर सावशीत होने के बुद बनाक्सफ प्रतिरोक्ष (पीछन रेनिस्टर) है। वे युक्त संस्थाने मन्त्री है। वज्जा कहना है कि अपने बनाक्सफ प्रतिरोक्षियोंकी अपेका हम क्ष्य सहस्ये बहुत्य बाने वह गये हैं। उन्होंने एक विकारियों विद्ठी केने और बुखरे प्रकारते भी बहायता करनेका बचन दिया है।

र देखिर "राम्प्रमानाची याताचिकि वामकेका विवरण" वह १,८७-॥

ये सब चटनाएँ सरवायहकी जीत बताती है । सरवाबहके कप्टोंकी कहानी सभीमें सहातुमति पैरा करती है। इसको सुनकर सब बाँवों तके अँगुकी दवाकर रह बावे हैं और ताज्युन करते है कि हमारे साथ अभीतक ज्यास क्यों नहीं किया गया है।

इन कोर्योकी इस सहानुमृतिका जानार इनकी यह जानकारी है कि हम कोग सन्ने है जीर दिसाना नहीं करते। मैं श्री हाजी हवीवकी सहायहासे कसरगुछ वस्त्रिया <sup>ग</sup> मामकी पुस्तक पड रहा है। मैने उसमें बाजाशीसके सम्बन्धमें यह फरमान देखा कि असर वह छः मान बरप तक बास्किनकी इवायत करे. किन्तु एक बार शिवदा करनेसे इनकार कर दे तो वसकी छ लास सासकी इबावतपर पानी फिर कामगा। इसका एक मठकब यह है कि हमारे सच और सदकी कसीटी हम वचीर बक्तमें बो-कस करेंचे उससे होती। इसरा मदका यह है कि इस ईस्वरसे कोई अर्थ नहीं कर सकते। यह वैसे रखे वैसे रहें। वस बार चेत नार्ने जीर न्यायहर्वी बार जेक न चार्ये हो दस बारका चेक जाना बेकार हो जायेगा जीर हमारी हैंसी होयी।

[गुजरातीसे]

र्षेत्रियम ओपिनियम ७**~८**~१९ ९

# १७४ पत्र सगनलास गांबीको

यनिमन वैशिक काइन बार एम एस केतिकमर्वकैतिक

बबाई ८ १९ ९

#### चि मगनकाल

मदीयसे पत्र किसा है। यह पत्र बाव सस्की बाक्स वाला वालेगा। कक क्रम्बन

पहेंचेंने इसकिए वहाँका बाल जाने निना बढ़ किया रहा है।

वहाँ धयस्कॉके किए शंस्कृत-वर्ग जारम्म किया चाये तो अच्छा हो। मैं क्यॉ-क्यॉ पहता हूँ स्पॉन्स्पॉ मुझे बमता है कि इस मापाके ज्ञानकी प्रस्येक हिन्तूको बावस्थकता है। मेरी द्वियापर्वे एकके बाद एक बोध बढ़ानेवाली 🕻 यह खबाक बना रहता 🛊 श्लेकिन में मजबूर इसने बडीडमें इतना कोमा है कि एसे फिर पानेमें और नियमित करनेमें कष्ट होगा और समय भी क्रनेगा पर जब हो तके दव इसे किमे ही कुटकारा है -- इस जनमरें नहीं तो बूधरेमें सही। अनतक कामनाएँ रहती है तनतक कैनक परमार्वकी कामनाएँ रखें तो हीक है। इन हिदायरोंनें से जिनपर जमस हो सके प्रमुपर जमक करना और वाकीको धाद रलना।

र पत्र को इसका निर्मा स्टब्सके वरियों और क्योरिक जीवन-वरित्र हैं। देकिए " एन हानी सामार हानी सताकी जन ४ का ४७३ ।

६ स्ट स्त प्रतम्य वर्त है।

यात्राके विवरण में यह जोड़ सेमा<sup>र</sup>

थी सौंपरते भी को केशके मन्त्रिमण्डकके एक सदस्य हैं मेंट हुई है। उन्होंने बहुद सहानुमृति प्रकृत की है और यका सम्मव सहायता देनेका वकन विया है। भी साँवरने स्वीकार किया कि को कावि हमारी तरह कुक उठावी है उसकी मौगोंका अनुवित होना धम्भव नहीं है। उस बातिकी सहायता करना प्रत्येक उदार व्यक्तिका कर्तेम्य है। मैं इसको मी सत्याप्रहका ही प्रभाव मानता हैं। इस जेक न गये होते तो ऐसे कीय कुछ सुनते भी नहीं।

मोहनदासके ह्यासीर्वाद

[पुनश्च ]

सस्कत्के बगेकी बात सबसे करता।

वांचीजीके स्वाक्षरोंमें मुक्त मूजरावी प्रतिकी फोटो-नकस (एस एन ४९४०) है।

# १७५ मेंट रायटरके प्रतिनिधिको प

**बाउरैम्टन** युकाई ११ 👔

हमारे पिष्टमण्डलमें चार बावमी खामिल होनेबाले थे सेकिन वद दो जेलमें है। इसनी मितिबिक बहुत हुद तक काँडे ऐंग्टहिक और उनकी समितिको सकाहपर निर्मेग करती है। हम महत्त्व करते हैं कि हमें इस जनसरका अब बक्षिण जारिकाक इतने राजनिक इस देवमें हैं आम उठाता चाहिए और देवना चाहिए कि ट्रान्सनावमें विटिया नार्ग्य रिकंट हाई बरवचे जो बहुत बड़ी तकसीकें चठा यह है क्या चन्हें हुर करनके सिए कुछ ना किए का धनता। यंत्र बतानेके घवाकते हुमारे कामका कोई नहुस सम्बन्ध नहीं है। ही हुन कि हर भारतीय महसूच करता है कि विटिश सरकारको संबक्त अन्तर्गत विद्वार क्राउटक विटिश भारतीयोंके प्रवित्त वर्गेके सम्बन्धमें पूरा बास्तासन के क्षेत्रा चाहिए। हमें किन्य किन मह है कि द्वालाबाठ तरकार और भारतीय समायके बीच यो नाम नवण्ड है के क्रार्ट बार्वे। इन धवाओंका निवोड़ निकालें तो नतकर्ने एक ही सवास यह वन उन्हें हैं 🗫 बातमें बुर्वस्थत मारतीमोंका बर्वा बना हो और प्रवाधिनोंके सम्बन्ध के किन्द्र प्रचलित है। उनके मन्त्रगत उन्हें ट्रान्सवासमें मानका हक हो या न है। कारण हरू मह है कि मौबूस कानून पूरे नारतके किए अपनानजनक है, क्षांक हुन्छ अस्ति है वह है कि प्रभूषा अपूर्ण कानुन-निर्माणके इतिहासमें पहली बार प्रजातीय (रेपियल) प्रश्लिक हरू है की क्र कार्यनवाराज्य नावराज्य । प्रतिवासको हरानेके किए सैकड़ी बिटिय बारतीयाँने मेल बाँडी है। कर के मुख्यानी कुछ भेष्ठ भारतीय जनाकरणकी पुकारणर वागति कार्नेनार्शन कार्न क्रिकेट

[मीप्रीमे]

इंडियन भौपिनियन ७-८-१९ ९

t ber ferm affer i

र देवेद प्रदान बाला । ६. वर्षाची १ - सुबहोत्ते हानी वर्षमेत्रे दोन व्याप्तका पूर का का निकास प्रदेशका प्रदेशका संदर्भ के न

# १७६ मेंट प्रेस एजेंसीके प्रतिनिधिको

[सम्बन बुलाई १९९

यी पाणीने बाज इंकोड पहुँचनेपर एक जेंडमें बड़ा कि नेरे पहाँ आनेका उद्देश गई पूर्विपंडत करना है कि संघ जननेपर झामसालमें पृक्षियाक्षींकी विकासमें हूर कर वो बासेगी स्वाप्त करना है कि संघ जननेपर झामसालके प्राप्तीय प्रकारनोंके वर्षकी व्यवस्था कर वो बासेगी, बीर वह संगीत संविचानमें व्यवस्थि कर की बासेगी।

[बंग्रेगीसे]

बंध्यपत बोविनियत १७-७-१९ ९

# १७७ शिष्टमण्डलकी यात्रा [-३]\*

[जुलाई १ १९ ९के बाद]

# इंग्सैंच पहुँचे

में जपनी नवीरा तक की यावाका विवास बता चुका हूँ। इस वस [बुकाई] को छाउ 
रैन्टर पहुँच पसे। वहाँ हुसे रायटरका संवारदाता मिका। उसकी हमने संकेपने स्थित दर्जाई 
सीर वह बहुतने जबदारीमें छम वह है। इस कमन कमनम प्रता १ -- १ वमे पृषि। 
किन्दु स्टेस्टर कोई मही था। इससे वहा जबनमा हुना। इस होटक सेविकमें सामान 
रखकर भी रिचले विको बने। सनके पास भी जब्दु कारिट के बें। सन बंगोंको बना 
बारवर्ष हुना। भी रिचने कोई तार म सिकनेते सिन्टरमस्कक रवाता होनेको बाखा छोड़ 
सी थी। बाद यह हुई कि बोहानिस्त्यांको राजटनो [किन्टमस्कक बारेंगे] तार जेवा चा 
वह अबदारीमें चम हो चायेगा यह बदाब करके भी रिचलो बास तार तहीं मेना पास 
वा। यहाँक बख्यारीमें रायटरके ट्रालवाक-स्वास्त्री समानार इन विजो बहुत कम स्वत्रे हैं। 
इसारी रहानपीका तार नहीं कमा। प्रतिक्रियोकी विरालारिक तार छमा था। इस्ते 
इसारी रहानपीका तार नहीं कमा। प्रतिक्रियोकी विरालारीका तार छमा था। इस्ते 
इसारी रहानपीका तार नहीं कमा। वस्ते स्वत्र विचार मुन्तवी कर विधा पया होगा। 
इस्तिय रिक्तिको सुमार कोनीसे वसर नहीं थी।

१ व्हू में शास्त्र वास्त्रिक स्वीतियोग मेंस कॉरीको वी वई थी। स्तर्का संक्षिप निराम इंकियन स्रोतिनिष्ठको प्रकारी विभागों भी स्वातित क्षिण का था।

गारीजी र सुकर्ण १९ ९ को करना पहुल को ने और ने क्षित करोंने वरित क्रिये । इंडियम स्मित्रियको एक सीमेंड "डिक्नकक्मी नाना" है ही क्रिये थे ।

s देखिए "मा रामार्के अविविधिको" कृत १४९ ।

४ नेटक मारतिराँक विकासकार छारत । का विकासका की कहाँ दिनों छन दिकारों अन्तर्भत नेटक मारतिराँक विद्यार्थ कारण करने रोकेंच क्या था ।

## कार्य बारम्य

फिल्नु भी रिचसे मिस्नमें बाद काना खाकर हमने तुरस्त कार्य बारम्म कर दिया। हम दोनों भाई, भी बच्चल काबिर, भी रिच भीर भी हुवेन वाजव चा भी रिचके दस्तर बा गमें वे सर मंदरसी मावनवरीके गात गये। वहीं सम्बाह्-मधिवार करनके बाद भी रिचने मोर्ड एंस्टिहिक्को एक सिक्का। मुस्तकार्ते खुक हुई। सारा दिन मिस्नने-मुकने और पिर्ट्टमों बिचनेमें बाता है, और रातको जी काम करना पहला है। हुमारी ऐसकर्ष खाली भी इसिस्ट्र उनको दाइप स्टोका काम दिवा है। वे चूच मेहनत करती है। रात या दिनका विचार नहीं करती। उनका स्वाबा जी बच्चा दिवाई देश हैं।

हम कोई एंन्ट्रिक एर रिचर्ड वॉलीमन कुमारी विटरवॉटम वी पुरेन्द्रनाव बनवीं भी कॉटन न्यापपृष्टि की बसीर कामी केन्द्रिन कामुक मजीद कीर की बाजाब कार्रिक मिले हैं। हमारी मुमाकाच मारत कार्यांक्य (इंडिया कॉलिंग) के वरस्थ घर विस्मिम की-मार्गरे भीर भी मोरियनोर्ट भी हुई है। मैं अभी क्यादा बनर नहीं वे एक्टा। परामर्थ कामगी ठीरते होता है। उनसे कोड़ी-बहुठ आका बेंबती है। बिद स्वमें उनक न हुए दो किसी दूसरी टाय्हें काम बनतें की सम्माक्या कम ही है। कोई एंन्ट्रिक बोच रहे हैं कि विस्टमस्क्रक के मार्ग या नहीं भीर केमारेंस्ट क्या क्यादा होगा।

या गहा बार छनानस क्या फायबा होगा। मैं रतना तो देख सका हूँ कि बेड बानेकी बातको सब महत्त्व देते हैं और यदि इन्ह प्रचन परता है सो इसी बातका कि बहुत-से भारतीय बेड का बस्ते हैं और बड़

मी पा खेडे।

इस सोच-समझकर तुरला कोई समाचार अखबाउँमें नहीं दे रहे है। कॉर्ड ऍस्टहिस्की

सकाह है कि न दिया जाये।

कोम-नेदाबॉसे मिकनेने किए यहाँ यह समय बगुकून नहीं है। सभी कोए इस समय सैर-समारेने किए सहरते बाहर को बाते हैं स्वस्थि क्यारा कोगोंकी रहायता मिकने मुस्कित है। दिए, बरेक कोग बनने ही मासकोंने बहुत क्यारा उसने हुए हैं। संदर्भ नरे बनदगर बहुत हो रही है। इसके बचाना बीतन बारिकाके जो बिधकारी बारे हुए हैं के भी कोगोंका | बस्त के लेते हैं। इन सब बातॉपर बिचार करते हुए बीर चारों बीर बेसदे कु इसे सगत है कि बाननी तीरपर को कार्यवासी हा रही हैं वे बसक्क हो गई तो इक होना समय नहीं है।

१ एवं यद एक शोक्समी शहर, कुमारी गाँध पोक्सः।

१. राजामके वेतिमाँर मार्गर।

१ प्यस्ति प्रिम्पर्यम्म, ज्यनके नैकिका छमितिनी (मृष्टिमा जॉफ चेकिक सोहामसेन) की एक प्रकार स्रीमा ।

४ एवं १० व कॉरन, इतिवाके समानक ।

 (१८४६-१९६८); प्रतिह व्यानाचीक नावमे मिनी वॉस्टिक्के छात्व वकाम वॉट स्थामो क्रम्नून्तर क्ष्र्र प्रकारि केवन; रेकिट क्ष्य वृ, छा १६ ।

६ (१८२६-१९४); एक व्यक्तियातीय महाराज्य, वास्तराज्यी वर्षिकोक विशिक्त स्वस्त, बाराज्य हो तुरुकोत्र रचनिता ।

विनेक्षेत्र स्टेरिक्क विसी तमथ नकीका सुरम्मतन कावेग्डे विशिक्त देखिर क्षाच १, १४ १६६ १

पह्नी नाहाति

दितम नाफिनामें हुई समानोंकी बहुत-सी सबरें यहाँ वाई है। वे सन्तोपनम है। मेटाबसे एक भी कबर नहीं है। श्री नायप्यनके विक्रशनसे श्री द्वाबी इतीवको और मुसे बहुत योक हुमा है। बढ़ समय इमारे किए शोकका तो था ही उस योकमें बढ़ि हई है। फिर भी समायके दृष्टिकोशसे विचार करें तो पूची होतेका कोई कारण नहीं है। यह सान हमें सदा रहा है कि इस कड़ाईमें हमें प्राप्तों तक की बाहति देनी पढ़ सकती है और यदि ऐसा हो तो हमें यह महित सुधी-सुधी देगी है। हमें इस अवाईमें यही सीवाना है कि समानके हितके किए इमें सभी सरक्ते दुःव उठाने हैं और ऐसा करना ही इमारे दुःवाँका इसान है। मुझे यहाँ चौरे-वीरे, जनुभवने साथ वह समझर्ने जाता वा रहा है कि हमने को सिप्टमध्यक मेका है वह इगारी कमवाची है। जिल्ली मेहनत कोवॉसे मिकने तथा उन्हें मनानेमें सपती है और उसमें को बक्त वाता है, यदि केवस स्वयं कृष्ट उठानेमें उत्तरी मेहनत की बाये और उत्ता वक्त कवाया बाये तो यह तंबर्व तुरस्त समान्त हो बाये। मैं परिभाग नहीं भानता। फिल्तु इस सदाईसे हम उत्पर शहे बनुसार सीव में हो काफी है।

बदर मिली है कि भी बादव मुहम्मद बीमारीके कारच केलते छोड़ दिये गमे है। उनके किए मुझे दुःव होता है। केफिन कीमकी कातिए मैं थी बाउव मुहम्मदको ववाई देता हैं। हुम वर्ति-मोजन विवय-गोप और स्वार्व-मधके कारण बहुत बार शीमार हो बाते हैं। इसमें बारपर्यकी कोई बाद नहीं है। फिर उस बीमारीके किए दोपी भी इस सुब ही होते है। तब समाजके काममें कोई बीमार हो तो उसको तो निक्तिह बकाई देना तकित है। ऐसा हमेचा द्वांता आया है और होता रहेचा। जैसा श्री दाउद महस्मद कर रहे है वैसा ही उनके बेटे भी हुतेन मियाँ यहाँ कर रहे हैं। उनका स्वनाव देखकर कुलोप होता है। समायके प्रति चनकी सङ्गानमृति बहुत बच्छी है।

[बुब रावीसे] इंडियन बोपिनियन १४-८-१९ ९

१७८. पत्र एष० एस० एस० पोसकको

वेस्टमिस्टर पैकेट होटल ४ विनदीरिका स्ट्रीट सम्बन एक असम् जुकाई १४ १९ र

प्रिम हेनचै

आपको यह फानकर आश्चर्य होगा और अच्छा खगेना कि माँव मेरी सहायता कर रही है और यह पत्र उतीसे किसाबा वा रहा है। यह इवर पिकले कुछ दिनोंसे बेकार है बौर बाप बाधारीसे सोच सकते हैं कि बब पिताबीने मुझसे कहा कि मैं उससे सहायता के

र रासर्थ रह तुल्ह रामान्दीने हैं, निरादी केर किनिएने व्यक्तिरियों हुन्येन्द्रार गेर बीठके प्रत्य क्ष्य हो भी थी। देखिर "शुक्तमानाती कारतीयोक वायनेका विकास" का १९८ । ६ वो गोलको विद्या

सकता 🛊 तन मुझे कितना जारवर्ष हुवा होना। वैसक मैं उसकी सहायता प्राप्त करके स्त्रमानवाही बहुत प्रथम हुआ। साथ ही मुद्दे यह तुन्त भी हुना कि यह बेकार है। उसका स्रयात है और मैं सहमत हूँ कि इस कापारीके बारामसे सायब उसको कुछ साम हुना है। एसे को समय मिला उसका उचित उपयोग करनेकी समता उसमें होती तो हसको अविक कांत्र हो सकता था। फिलु वैशा उसने मुझे बताया वह एकान्य पसन्व नहीं करती और इससे बड़ा अन्तर पढ़ जाता है। माताजी और रॉकी बेस्जियममें हैं। मासूम हमा है कि वे अवले रविदारको औटेंगी। मिली 2 ४ तारी खकी था चामेगी। उनकी रवानमीकी स्वयर तारसे मिसी है। मैंने बी रिचके नाम मेजा आएका तार देखा है किन्तु निसका मैं निक कर रहा है वह कैसेनबैकका है और करू निका ना। इसमें भी जापकी मारत रनानमीकी सचना की पई है।

कदाचित् यह आपके कामका पहसेसे जन्दाना गाँधना होगा केकिन मैं जितना अधिक क्षानिष् यह बायक कामका न्यूनन जनावा वाचना तुमा है। होत्रता हूँ उतना ही मनुष्य करता और देखता हूँ कि वहीं [पारत] भारता काम हमारे यहिक कामसे बहुत संविक करिन है। यहाँ भी सर कर्षन वाहमी और वो साकाकालोरी सम्मनित्र समंकर और युख्य करनासे स्थिति बरिक हो गई है किन्तु वहाँ को उनकार्ने उत्पन्न होगी उनकी तुक्तारों यह बाटिक्टा कुछ भी नहीं है। जो भी बदर बापको सपना हावसे किया हुवा कार्य सफल होता दिवादें न दे तो छपसा विकास न कीनिए। सन्तर है बाप ाल्या हुन्ता कान परेक्न हाता त्याद न च तर क्रथ्या विच्या न चान्यर हिन्सर सी करें। में स्त्रीसे कोई प्रमार्ग न कर पत्ने जीर सहकि प्रमावधाणी यत्र वायका सहिष्कार भी करें। में स्त्रीसे महत्त्री प्रेथमा कि हतता प्रमेकर परिचान होगा ही चप्पत्र में उसके किए विल्कुक तैसर हूँ और प्रमयपर उसे सहन कर कूँगा। मुझे चिल्ता तिर्फं इस बातकी है कि साप कामम सुनी प्रमुख मोक्क-मारतीमों और प्रारतीयित सिक सें। यह बाप कर सकेंगे मैं जानता हूँ किन्तु नेताबोरी एकान्त वार्ता करनेमें भी बापको को कठिनाइयाँ सेतनी है जनसे में पूर्णत परिचित हैं। बापको नपने शारे वैसे और व्यवद्वार-कुशकताकी बावस्पनता होगी। किर भी मुद्दे किता वितिक भी नहीं है। मैं यह पत्र पो सुद वर्षों किस एहा हूँ बएका व्हेस सापको सिर्फ यह स्वाता है कि मैं सापकी किनाइयोंको समझवा हूँ सीर इससिए, यहि भारतीय सिप्टमण्डल सकिक एक्टबर नहीं होगा दो भी मैं किसी तरह निरास विस्तृत म होर्जेमा। भाग मधना प्याम फिलहाल जम भोगॉदक ही शीमित रखें जिनके नाम मैने मापको बास दौरसे विमे हैं -- अर्थात टाइम्स ऑफ इंडिया के सम्पादक प्रोफेटर गोससे **स्टी**ट भी समझारी<sup>६</sup>।

र पील्यको सी ।

२ पोल्फ्सी पूछरी गरन।

३ पोल्क्स क्सी :

४ रोक्क ७ सम्बद्धी विक्रण नामिन्दी नारतीय समानके महिनिनिती वैशिनको अहमसे महत्व्यो एकता

५. कर पिक्टर कर्वन वालवी वारात-मानीक राजगीरिक स्थानक में । वसे दिवन केटिकामकी वारीतिक स्थानक प्रियोग्यामी राज्येन माराजिन केटिकामकी वारीतिक स्थानीय प्राप्त राज्येन माराजिन की वार्तिक स्थानीय प्राप्त कर काराजिन कार्यो की निर्माण कर माराजिन कर काराजिन कार्यो की नीविंग कार्यों कार्या कर काराजिन कार्यों केटिकाम कर्यों केटिकाम कर्यों केटिकाम कर्यों केटिकाम कर्यों कर क्षेत्र केटिकाम कर्यों कर क्षेत्र केटिकाम कर्यों कर क्षेत्र केटिकाम कर्यों कर क्षेत्र केटिकाम क्षेत्र केटिकाम क्षेत्र कर क्षेत्र केटिकाम क्षेत

पहणी वाद्यति

द्दिसन बाधिकार्गे हुई धमाओं को बहुत नहीं जब दें यहां जाई हैं। वे धन्योपनगर है।
नेटालसे एक मी बाबर नहीं है। भी नामध्यलके बीक्यनचे भी हानी हुनीक्को और मुझे
बहुत सेक हुना है। यह धमय हमारे छए धोकका तो था ही। उस घोकमें पृदि हुई है।
कह मी धमतक बृदिकोश विकार करें तो बुखी होनेका कोई कारण नहीं है। हुई है।
कह मी धमतक बृदिकोश विकार करें तो बुखी होनेका कोई कारण नहीं है। यह बाग
हमें छरा पहा है कि इस कार्ड़ी सूची-बुधी देनी है। हमें इस कार्ड़ाई पही धीकमा है कि
समतक हैदिन किए हमें धमी साइके कुण उसा है हमी रहा कारण ही हमारे दुखींका
हमत है। पूसे यहां धीने-बीट, अमुमतके शाव यह छनतमें बाता वा रहा है कि हमने
को धिष्टमत्यक सेवा है वह हमारी कार्योरी है। विश्वी मेहनूत कोर्सीड निक्की तथा छन्हें
मनानें करती है और उसमे उसमें कारण वाता है पदि केवक स्वयं कट उसनेंसे करती
महत्त्व की जाये और उसने वहना कर कारण बाता है पदि केवक स्वयं कट उसनेंसे करती
मेहनूत की जाये और उसने वहना कर कारण बाते से यह उसमें उस्ति समार हो हो हो?
परिस्तान नहीं बाता ही एक इस कमारीड इस उसर कहे बनाहार डीक हो हो कारण है।

त चनका सङ्गतुभूति बहुत वनका ह [नवरातीसे]

इंडियन कोपिलियन १४-८-१९ ९

१७८ पत्र एष० एस० एस० पोलकको

नेस्टिमिसटर पैसेच होटक ४ विक्टोरिया स्ट्रीट अञ्चल एउ कम्ब्यू जनाई १४ १९ ९

प्रिय हैन पै

सापको यह बातकर बारवर्ष होया और अच्छा करेगा कि मॉड मेरे छहानदा कर रही है जीर सह पत्र उसीछे किखाया का रहा है। यह इसर पिछले कुछ दिनोंचे नेकार है और जार जासानीछे सोच सकते हैं कि वाद पिताजीने मुखसे च्या कि मैं उससे पहासता के

और जार जावातीये बोच धकते हैं कि बंद निवाजीने मुख्ये कहा कि में उससे प्रहारता के र वार्त्स क्य करू समाजीये हैं, किसी के किसी मिलारीयों दुर्मेक्सर की बीक्स करन

क्लु हो तो थी। रेपिय " ग्रुव्यक्तामधी मार्गालेकि नामकेश विकास" पृष्ठ १९८ १ २. जी रोज्यस दिया । करीय-करीय संत्रवन् हो तथा है। उस घटनाका सुक्तपर इतना व्यक्ति प्रभाव पड़ा है कि में उस मुका नहीं पाता। किर भी हमारे रूपमें परिवर्तन स होना वाहिए और हमें कार्नोका सही एकार किर देनी व्यक्ति कि से मृत्युका और यदि उसके भी सर्वकर कुछ हो ता, उसका भी एक्समा करें। मैं बापको उस साम्योधक सकस सेव रहा है ताकि यदि बारका उसमें दी गई करन स सिमी हो ता इसस सिक साथ।

पारणी स्तनमंत्री क्षणी जरूमें ही हैं इम्प्रीस्य वेचारे शावत मुक्तमबच्चा क्षणमी रिहाई बहुन क्षणरी हाती। फिर भी वे जाहानिम्बम कीर नमें हैं और इस प्रकार चमानान सहस्र

बीवमें हैं।

भी अभून कारिर बड़ी हैं। वे प्राय हीश्रम कार्य हैं फिन्यु इसार ताब चट्टो मही हैं। यब मिल्लाक्स बाकी नवस्य डबैनने जा जार्वेने तब मेटा एनाज है, तब इस डीटक्स ही रहरेंगे।

सी हानी हरीब बहुन मच्छा काम कर गई है। वे सवा मुसे उतार बनाय राग्डे है और "की बिकुट्स मुस्ते नहीं बेने। इसमें पूरी नहसति है। बैने आपको उनकी आंगफ बा। उनसे उनहें सारी बाजामें कर रहा किन्तु अब गहरीन बहुत आराम कुछ मुक्त बाकी है।

स्पर्यसम्बद्धाः सीमद्य

भीर बहु हम बार एक बहुत बहु तिमग्रह में ही नरमनाका परिषय हिया। में श्रीमणी है कि ब कुछ दिनोंमें पूरी ग्रह्म कच्छी विक्कृत्व सिर गय हैं। स्थ्य-विक्रिमामें के स्म हागई। स्थित स्थान है कि उन्होंन गय । हिस्सन मीं दिलाई। में निन व्यक्तिकों श्री सुप पार्ट कि हमना है किता हमें क्या रिपार्ट समुमानकी प्रतिया कर रहा। क्या रिपार्ट समुमानकी प्रतिया कर रहा।

कर नहीं। किन्तु शीमती रिश्व पूर्व स्वरश

र्य, हैं। भी आस्तर दिक्सक दुस्त हैं। बे दोने बाधा विस्कृत नरीं छाड़ी है। ब्रामिक हैच डाउनो के न्याना होने बक्त प्रमान है कि भी नांवरन वन्हें रोका था दिन्तु न वह दिया कि के मुससे केवल हाव नमुखाके नान्युत सर्च्या गर्दाक्त । रहीं। अस्य कलाना कीविए जीमा नगर से कर्जुरियाओं नुस नीन्छ साम्स विक्टल आस्तारण वीकार है।

आयाची सन्दर्गों हैं। मैरी शिक्षमैका समय गाँगा है। हुन न्यापनृष्टि अमीर बनीसे मिन पुरे हैं। हमारा काम बहानमें ही गुरू हो गया गा। मैंने भी मेरीनी जोर भी सानरते सम्बो नातभीत मो भी। दोनोंने बहुत सहानुमृति विश्वाह उनने से कोई भी स्पितिको क्षेत्र-ठीक नहीं चातवा गा। दोनोंने बादगर्य प्रकट किया कि हमारी समिं निर्म्ह ने बहुत जीवत एमारों में मून् मही की गएं। हमीमए हम बिलम बाजिको एसन्सिकीको हक्द्य करने मीर सह देखनेथी दुष्टिसे बीह-पूप कर रहे हैं कि वे जगरक स्मृत्यको उचित विद्यामें प्रमापित कर एस्टो है मा नहीं। मेरे ऊपर फिसहाफ कामका युद्धरा बंबान है। माबराक राउके एक बबेसे पहले सो नहीं सका हैं और बाप चानते हैं कि गेरे किए इसके क्या मानी हैं। टीप सूचनेकी निरासत को मुझे प्रिटोरिया गेंकसे भिक्षी की क्षणीतक मेरे पास है किन्तु यह ती मों ही कह दिया।

हम सर रिचर्ड सॉकोमनसे विकनेवाले हैं। उन्होंने हमारे पनके बवावमें बाब मिकनेका छन्य विधा है। कॉर्ड एंन्डिक्डि सी आज मेंट कर रहे हैं। आपको निस्तृत वालकारी हेनेंकें जोरूपों में यह पत्र पढ़केश ही किला रहा हूँ किन्तु इस्तों कर्क (कुचतारको) धान तक दूधा निकरण ने सक्ता पंडा बाधा है। स्थायमूर्ण जमीर सक्षीका धर रिचाईडे व्यक्तिगढ़ परिचय है और कस्त्रीते मी कन्त्रे सिक्को और इस मामकेपर बाधकीत करनेका सम्य निवा है। बन्होंने एक विवरण सीवा था। सैने भेज दिवा है। उसकी एक नकल सामको को कारण

मेथे वार्मेंने उनमें एक बंबा।

हुमारी विटरबॉटमके मनमें भारतीय प्रकर भरा हवा है। बन्होंने उसका बहुत सही क्यमें ्यापा नार्वपारक नाम शाध्यान बाना नय हुना है। व्यक्ता वर्डश बहुत घरी करने सम्पन सिया है। वे सब भी इंडियन बोधिनियम की बहुत तिमयपूर्वक एसती है बीर वर्डक एम्बन्समें बनका बसाव सहस्की तयह ही ऊँचा है। उन्होंने इसकी छिर कमी नहीं किसा। मेरे बसाक्टे इतका कारण यह वा कि ट्राव्यक्तक्ये स्थितित से बहुत क्ट हो वर्ड मीं बीर इनको बुद्धर मधीसा नहीं यहां वा कि वे साला दिलाई क्वित छकेंगी। होंसी होंग और मैं दोनों सनके साथ एक बंदा यहै। उनको अपने संबक्ते कुछ अन्य सरस्योंको हुमसे निकाना था। उनमें एक महिका पत्रकार थी थो बहुत प्रतिमाधाली दिखाई पड़ी। उसने ाच्याना था। उत्तन पुरू माहुका प्रकार या था बहुत अधारावाचा दिकाई पूर्वी उद्यापना पुरू करकी दिवाह दिवाह दे या बूब गी प्रवापना है। उत्तरी मुंद्राचे वहा में बनात्म बीचार्ट बहुत वार मिक्षी है और इस बार बनाने प्रास्तीम प्रकार वर्षों करनेका बाध व्याप रहूँगी। हुमारी विरुद्धिमने व्यापनाम बहुती। हिमारी वर्षों करनेका बाध व्यापना या व्यापना करनेका स्वापना था। उत्तरी क्रिया बारी करा प्रवापना बनाया था। उत्तरी वर्षों करी वर्षों करने वर्षों कर वर्षों करने वर्षों कर वर्षों करने वर्षों न्य नगण वाहा नवह हो गय उपाध नपूराय प्रध्या हूं यह नवाय कारणसम्बाद एक गर्छ स्थार स्थान विधा है कि स्थि में कलानों उपाधी उपाधीय सावस्थक धमानूंगा दो में कको बुका कूँगा। परनृत्त वे बहुत ही उपाध विधायोंकी महिका है जीर मेंने कक देखा कि ने कॉनीवार्क बारों या न बारों पर इसको थे बार्थिक बुद्धिये विकार करनेकी बाद गानदी है। जाब बनके बिध्य प्रमुख्य महत्त्वपूर्ण विचार यह है कि वे इस संवर्षी सहस्था कैसे वे सम्बादी है। क्या में निकार में निकार मानार नहीं है कि नहीं कि को करें है। यह है जिस है। यह है है से स्वर्ध होता है। यह है है सिका है तकते मानामनका वित्र स्वर्ध से ती बोर्कीक सामने रहता है और तनते पेरा काम सी

१ देखिए भवना प्रतिस ।

<sup>2.</sup> क्योंने १९०० हे वांनीबीको एव किया था। देविन कर्ण ए 🕊 १४९ ।

करीन-करीन यंगनत् हो गया है। उस गटमाका भूसपर दरना निषक प्रमाण पहा है कि मैं उस मुख्य नहीं पाता। फिर भी हमारे कबने परिवर्तन न होना चाहिए बीर हमें कोर्योको सही सजाह फिर देनी चाहिए कि वे मृत्युक्त और मिर करिस की सर्थकर कुछ हो सी उसका भी स्थानन करें। में बाएको उस सारकी एक मक्क केन रहा हूँ साकि मिर बाएको उसमें की पह खबर प निकी हो सो इससे मिर बाये।

पारटी सरवमणी बानी केवमें ही है इसिंग्ए वेचारे वाजव मुहम्मवको बपनी दिहाई बहुत बक्करी होगी। फिर भी वे बोझ्मिवबर्ग कीट यथे हैं और इस प्रकार बमायान युदके

बीचमें हैं।

सी बजुल काविर यहाँ हैं। वे प्रायः होटक जाते हैं फिन्तु हमारे शाव एहते नहीं हैं। जब चिन्द्रमण्डकके बाकी श्रवस्थ वर्षनसे का वार्षेगे तब मेरा बमान है सब इस होटसमें ही टक्रेंगे।

भी हाती हवीय बहुत बच्छा काम कर पहे हैं। वे छरा मुझं तरनर बनास रखते हैं और किसी बातको विक्कुस मुक्ते नहीं वेतं। हवमें पूरी सहमति हैं। मैंने अपको उनकी बांखके सम्बन्धमें किसा था।' उससे उन्हें सारी याचार्य रूप्ट एहा किन्तु बच पहलेसे बहुत आराम

है भद्यपि अब भी कुछ सूजन बाकी है।

वीं अध्युद्धिमान पूर्ण व्यक्तिये काम कर रहे हैं। यो बाहनर निकसम पूरत हैं। वे वीन रको बहुत वही शहासता वे रहे हैं जीर उन्होंने जावा विस्तृत्व नहीं छोड़ी है। ब्रामिक बाहरर जीर उनकी बहुन भीनती लेखित बीनों केय दाउनसे करे रकान होते बच्छ पूर्वा विक्रणे आये हैं। वो अन्युद्धिमानों मुखे बताया है कि यी पांचर उन्हें रोका वा किन् उन्होंने अपने पुनर और खेलारी बंगते की सावर्ष्य कह विचा कि वे पूत्रके केवल हाव मिमाना चाहती है। उन्होंने यह विचि एक विशास तमुश्चक्ष सम्मूत बायनर शहराबसे तम्मा की और योगों बहुनें कह मिनट हमारे वास रहीं। बरा करना सीवार होग्य हुना है उनके बनुसार पूरा साहनर-परिवार ही विस्तृत्व बवाबारल बीवता है।

१ वर जनन मही है।

मंदीप्रीके पक्ष प्रदाने निय और श्राकारात संस्के स्वास में नेप्रीक्षा मोलप्रीस्ता देखिए सम्ब क्

# चिप्टमच्छके समर्पनके तार' इस स्वानंति मिले हैं

केप टावन व्यवस्टन वैहम्मदावन किम्बर्से कोरेन्यो माण्यिस क्रिक्तवसर्य पीटर्मंबर्ये पीटें एक्षिजबंबेष पॉपेशस्ट्रम स्टेनबर्ये स्टेडर्टम

युस्यार

छर रिषर् संभागनये भी हाती ह्वांसकी बार गेरी बहुत कभी बोर सर्यायनक मुकाकार हुई। रुक्ति सार कानुनी पहुनुको समझा बोर कराता वा उनकी सहस्मृत्री हुं है। वे चेना नहीं चाहरे में किन्तु उन्होंने बचन दिया है कि वे वी स्मर्स्स निर्में कोन्स कोन्स्स कर सर्वत है। वे चेना नहीं चाहरे में किन्तु उन्होंने बचन दिया है कि वे वी स्मर्स्स निर्में कोन्स कोन्स कर सर्वत है वह करी। किर कोर्स स्मर्मित कि सामायी विद्याल करना नहीं। उनका उद्देश्य समिति बपने सम्मर्मक हाय किसी मी उद्ध बपना दिवार करना नहीं। उनका उद्देश्य समिति बपने सम्मर्मक हाय किसी मी उद्ध बपना दिवार करना नहीं। उनका उद्देश्य समिति बपने सम्मर्मक कर रहे है उनके उपनोगी होना है। वे यह नहीं समस्य कि किस समिति समिति की स्मर्मित कार स्मर्मित कर रहे है उनका स्मर्मक कर रहे है उनका स्मर्मित कार स्मर्मक कर रहे है उनका स्मर्मक कार्योम उनकी सार कार्योम उनकी सम्मर्मक स्मर्मक कर स्मर्मक कर स्मर्मक कर स्मर्मक कर स्मर्मक कर सम्मर्मक स्मर्मक कार्योम उनकी समझा सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्मक सम्मर्मक सार सम्मर्म सम्मर्म सम्मर्मक सार सम्मर्मक सार सम्मर्म सम्मर्म सार सम्मर्म सार सम्मर्म सम्मर्म सम्मर्म सम्

सर विक्रियम की-वार्गर हुमले पिक्रमेके किए कक होरल का रहे हैं। भी बमीर बक्रीने सर रिवर्ड संकोमनले मिक्रमेका विस्मा किया है। मैंने कक वैदिका के भी कौरमते सम्बी बहर्मात की और उन्होंने कायानी कंक्से आरसमें बार भी करनेवाले हैं उसकी वर्ग करनेवा निविच्या काम दिवा है। मैंने सोचा कि ऐसा करना वरूटी है साकि इंडिया के पाठक विक्रिको सामा सकें।

मेरा सवाल है कि मापने वो सेश्वतका पत्र वेचा वा विषये उन्होंने निकट सिक्यमें सूरोपको रहाना होने मीर मधने पुणको शिकाके किए के वानेका उनकेस किया था। वे सब सही जा पत्रे हैं बीर रही होतकमें उन्हों हुए हैं।

मैं बापको भी बादिकाले नाम पत्र देवा सामय मूळ गया। बापको माय होना कि वै इत प्रकार स्थापना सम्बद्धी एक समिति बनानेवाले थे। उनले बनसर मिलते ही वासीछ-सन्दी मिकना न भूतिए।

- र ने च्यान नार्यका निर्देश भारतीय समितिक नाम ने निर्मेत वर्ग्य हैं जन्मीकी मेनी गर्द मीं ।
  - र, देखिर "सा वॉर्च कर्वनतो " इत १०१-वा ।
  - ३ होतों विश्वपालकीक सम्मानो इधियाके १६-७-१९ ९ के मंदर्ग र ४ नांचीपीके कम्माने विवादी-वीदमोह शिव, वॉ. प्राण्यीत्य केटा ।

यदि छानुसाक बहाँ हो तो कुपया असको पत्र दिला दें वर्गोकि मुझे उसको विस्तृत पत्र किन्दरेता अवकाण नहीं है।

मैंने कई मुजयातियोंको पत्र किसे हैं, जिनमें भी उसर हानी जामद, थी ईसा हानी

सुभार, भी पीरन मुझ्म्भव और भी ऐस एस॰ कुवाड़िया मी हैं।

टाइप की हुई दफ्तरी बंडेबी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ४९४२) है।

# १७९ झान्सबालवासी भारतीयोंके मामलेका विवरण

भारतीय शिष्टमच्यक हारा पेश (बुलाई, १९०९)

रुन्दन

जुलाई १६, १९ ९

## प्रविविधियांकी निप्रापित

१ ट्रान्सवामके विटिश भारतीयोंकी एक समा विक्र शे १६ जुनको बोहानिसवर्गमें हमीदिया मस्त्रियके बहानेने हुई थी। समा विटिश भारतीय संब हाए बुकाई गई थी और उसमें कमम्बर १५ मारतीय बाये थे। पावरी कैमन वरी पावरी पेरी भी कैननवैक मोगल-स्थान थी बैका बीर अपन पुरोरीय निम उपस्थित थे। वे विक्रय निर्मयक्षय साथे थे। ट्रान्सवामके अधिकास भारतीय सहीय स्विमित्रियोंने समार्थीय की स्थान निर्मयक्षय साथी की प्राप्त में स्थान स्था

२ इस सार्वजनिक समास को चिन पहुल के से ज्यावा विदिश्न भारतीयों की एक बमा संबंध कम्पलके मकानवर हुई की। उसमें [इंब्लैड वानेवाले] भारतीय पिष्टमक्किके लिए प्रतितिक्तियोंकी अनित्तम नामकदमी की यह। बसी समय भारत जानेवाले हुमरे सिप्ट मण्डके प्रतितिक्तियों नामों वर्ष सम्बन्ध की हई।

र ने पर बरक्त नहीं है।

- - डेबिर "मण्डा सर्वेतनिक क्यांने" वह २५२-५३ ।
  - अ नर नमा उल्लेबिक नकते शीन दिन पूर्व १३ वारीक्को 🖬 भी ।

u biller eftfen en i

 हासमें हुई मारतीयाँनी ज्यादातर समामींमें सरकारी गुरुवार मौनूद रहे हैं।
 ४ सार्वनिक समामें प्रतिनिविद्योंके को नाम पैस किसे गानेनाके व ने १५ जूनी हास्सवाक क्षीवर में प्रकाशित किसे यथे थे।

५ इनमें से संक अध्यक्ष आया भी बहुनव मृतुस्मय काश्रक्तिया संबद्ध कार्यवाहुक आया भी इवाहिम सामेगी कुनाहिया समिल वेतिफिट सीसाइटीके अध्यक्ष भी एस एस वेटिया और भी नारिस्सा कामा अस्य प्रमुख मारतीयोके सहित एसियाई संबीयन अधित्य (एसियाटिक स्विन्टेन) एकिस कार्या अस्य प्रमुख मारतीयोके सहित एसियाई संबीयन अधित्य (एसियाटिक स्विन्टेन) का सामा न करतेयर १५ और १६ धूनको पिरस्तार का विश्वे परे।

 ६ सर्वभी कास्रिका और पहिचारको समा होनेके दिन और समाके बोपित समयरे पहुके ही ५ पाँड जुर्माना न बेनेपर तीन मासका सपरिकान कारावात दे दिया गया।

७ सार्वजनिक समा किए भी हुई। उसमें तीन प्रस्ताव पेस किये मने को स्वीका हो नमे। समामें अपस्थित १५ कोगोंमें से ६ में सतमेद प्रकट किया। प्रस्ताव में हैं

[एक] ट्रान्सवाक बिटिस भारतीय संपड़ी समितिने भी व मू कार्डाब्या यी हात्री ह्योव भी वी ए वेट्टिनार तथा थी मो क बांबीको संस्त्र जाकर अफिलारियों तथा बिटिस सनताक सामने संस्त्रान एरिस्पाई संवर्ध-सामनी सन्त्री सितिको एकन और भागी बहिस सामित्रका संवक्ष स्थानमानी हिस्स मारती मिटिस मारती यो करनेके निए सिन्टमक्कने कपने निमुक्त किया है। ट्राम्सवाकनासी बिटिस मारती मंक्री मह समा इस मसास हारा हम निम्मित्रपोकी पुष्टि करती है।

[यो] विटिक्त भारतीनोंकी बहु शाँवंत्रनिकः तथा वस प्रस्ताव हाए सर्वेदी ए कामा एन गोपाल नामवु है एवं कुमादिया और एक एक एक पोकस्की भारत बाते और भारतीम लेक्झियोरों तथा बभावके शामने हुम्बदाक्के वर्णमा एपियाई संपर्वकी सभी रिक्टि वेच करनेके किए एक चिट्टमकक्के क्यांने मतती है।

[दीन] यह जमा पर्वभी कांक्रांक्या कुमाहिया कामा बीर बेहियारकी कालस्मिक कांक्रांक्यी पिरणाणिया क्यामानूर्यंक विरोध मध्य करती है। सरकार करती छाड़ बानती थी कि इससे बहुके मस्तावीय सिक्किंक्ष विकासकार्कि स्वस्थ निमुक्त कियो गर्वे में या किये बानेवाले में। यह सभा सरकारते बनुधेम करती है कि वह बनको समसीकी ऐसी बानेवाले केकर को उसे मजूर हो एस स्वरंग रहिता कर वे कि के करना काम पूरा करनेवार स्वसावत झारा बी नहीं सवा बोध कीं।

८. प्रस्तावींका चाएचा तारवे सरकारको बेच दिया बया था। उत्तरमें सरकारते कहां उसमें वब ऊरर नताई गई गिरस्तारियोंकी बिहायसे चारी की तब को यह चानकारी न बी कि ग्रिस्ट्रार किये अलेकाओ चारतीयोंकी ग्रुचीयें आधिक प्रतिनिधि बाय तमा ग्रात वृत किस्ता वांगी।

 फिन्तु, सार्ववांगक समा डाया रस्ती चुनावके बाव ती बौर पिक्के १७ चुनको पाटा बारोबाले एक प्रतिनिधि भी पोशाक नायबु कई बच्च समिक सारतीयोके साथ निरफ्तार कर क्रियो यदे। इस प्रकार सात सारतीय प्रतिनिधियोंने के (बाठनें भी पोशन्य सो अपेन हैं)

<sup>ा</sup> देशिक " स्थान : सार्वजनिवा स्वामें " पुत्र २५४ ।

# A CONCISE STATEMENT

OF THE

# BRITISH INDIAN CASE IN THE TRANSVAAL

Presented by

THE INDIAN DEPUTATION

JULY 1900



पाँच अविकारियों द्वारा मिरफ्तार कर किये गये और शीचे इस्ताक्षर करनेवाछे केनछ दो बपने कामपर बानेशे किए स्वतन्त्र छाडे सथे।

## प्राविभिष्ठि कीन है।

थी बहुगद मुहुन्मद काछक्षिया एक ब्रिटिश भारतीय व्यापारी है जो ट्रान्सवानमें १८ वर्षसे हैं। वे विवाहित हैं और अपनी पत्नी और वण्वकि साव बोहानिसवर्षमें रहते हैं। ने पिटोरियाकी मस्तिवके एक न्यासी (दुस्टी) है। ने बौहानिसनर्मकी हमीदिया मस्तिवके बौर दमेस मदरसा न्यासके भी न्यासी है। पिछले भी माससे वे बिटिश भारतीय संबक्ते अध्यक्त है और अपने अन्त करणके आवेशपर वीसरी नार चेककी सना भूगत रहे है। उन्होंने वब मह देशा कि सरकार एशियाई पंजीयन अधिनियमके अन्तर्गत किमे यमे जमनि वसस करनेके सिय भारतीय ब्यापारियोंका माम बेच रही है तब उन्होंने अपना माम जिन स्थापारियोसे चगर सिया था उन्होंको छोप देनेको बकरात महसूत की। किन्सु उनके लेनहारीने उनकी रह कार्रवाईको राजनीति [बाक्ष] समझा और यद्यपि उनके माकसे पूरी रकमकी बसूनी हो **एक्टी भी फिर भी छुटे कब्द करवा दिया। भी काछकिमाने इस कार्रवाईका कोई विराव** नहीं किया और उनकी बायवाबसे उनने केनबारोंका पूरा मुगवान हो चुका है हास्रोंकि वबरदस्ती बसुसी होनेके कारण वे सगभग कंगास हो यये हैं।

११ भी चेडियार पंचास सामसे ज्यादा उसके एक बूढ़े बादमी हैं भीर अपने परिवारके साम वस वर्षसे जोहानिसवर्गमें बसे हुए हैं। वे तमिकाँके नेता है और मारतीय वेषपंके विक्रविक्रेमें अब दूसरी बार जेल गये 🕻 । उनका उन्नीय वर्षीय पुत्र भी ट्रान्सवासकी

एक नेक्सें इसी स्ट्रेस्सके क्रिए गाँचवीं बार कैद मुगत रहा है।

१२ भी डाजी हवीन जनतीस वर्ष पहले विशय चाफिका नाये ने और तबसे कतिपय महरतपूर्व मास्त्रीय व्यवसायीसे सनका सम्बन्ध रहा है। उनका विवाह ट्रान्सवाकर्ने हुवा था बौर ने बपने बच्चोंके साथ बोड़ानिसनर्गर्ने रहते हैं। वे प्रिटोरियाकी स्वानीय मारतीय समितिके सर्वेतिक मन्त्रीका पर पिकले पात्रह डाव्ये होगाल रहे हैं और वस बारे धनवमें द्वार्याकरूँ भारतीय बन-बालोकरोरि उनका बनिष्ठ सन्त्रम रहा है। वे प्रिटोरियाकी मस्त्रियक स्वामी सर्वेतिक मन्त्री और प्रिनोरिया अंकुमन इस्लामके बम्यस है। वे शारतीय समावके उस नामके सदस्य है जिसने सरकारसे राहर पानेकी व्यर्थ कोशियों करनेके बाद कुक्से ही एथियाई पंडीयन अधिनियम (एसियाटिक रजिस्नेसम ऐस्ट) को माना 🛊। सेकिन इसको माननेका कारम बहुत-कुछ यह का कि समाज इसे न माननेसे होनेवाकी माधी वाचिक हानि सहनेमें वसमर्व भा था सहना नहीं चाहता था। फिर भी वन्य मारतीयोंके समान उनके समायने राहत पानेके प्रयत्न कभी विश्विक सहीं किये हैं। किन्तु श्री हानी हनीब बन अब कि उनके वैकर्ने वैषनावी सामृहिक हिराके किए अकनतीय कट मोग रहे हैं बपनी बान और मामनी सुरसाका जिमोग करनेमें असमर्थ हैं। इसकिए एन्होंने प्रथ कर किया है कि यदि शिष्टमण्डलके राहत पानेके प्रयत्न मराइन्ड हुए हो ने कृष्ट शोयनेवाके बन्ध कोनोंके साथ मिछ वारंगे और बपने पंजीयन प्रसामपत्र (रिजस्ट्रेसन सर्टिफिकैट) का उपयोग न करेंगे। वे उस बिटिस भारतीय विमधीता समितिके संस्थापक और अध्यक्ष है जो अन मासमें सरकार तथा जन्यायका निरोध

१ पविचारिक रक्तिकेक्त देश्वर ।

९. विरित्त श्रीकर बंधिरीक्यान कविसी । 1-19

करके काट मोगमवाले कोगोर्से बीच-बचाव करनेके किए बनाई गई थी। छमितिका जोस्य सरकारको मारतीय समावकी बहुत ही उचित मॉर्चे छोमनीय क्ससे स्वीकार करनेका जवसर देना और इस तरह समझीता कराना था। सरकारको एक मार्चेनायन दिया गया था और पिछके १९ जुनको करनक समृद्धि एक सिस्टमचक्क मिला था। किन्तु जनरक समृद्धि कहा कि तर हो। मूक्त मुद्देव सम्बन्धि निका सम्बन्धि स्वा मार्ची है भारतीयोंकी प्रार्थना स्वीकार नहीं कर सक्सी।

१३ जीपे प्रतिनिधि सी गांधी निष्ठके सोसह साक्षरे रक्षिण आफिकामें बसे हुए हैं। व इतर टेम्पक्रके वैरिस्टर, मेटाक सर्वोज्य न्यायासमके वकीक और ट्रान्सवाल सर्वोज्य न्यामा-कपके अटर्नी है। वे ट्रान्सवाकर्ने १९ ३ सं रहते और वकाकत करते था रहे हैं। वे ट्रान्सवाकर्क बिटिए मारदीय संबंधे बर्वतिक मंत्री है और सन् १८९३ से बक्तिया बाफिकी भारतीमें के सार्वजनिक कार्यसे उनका वनिष्ठ सम्बन्ध रहा है। उन्होंने विक्रमी सहाईमें भारतीय स्वयंसेवक काहत-सहायक दक्ष (इडियन वॉकंटियर एम्बुकेस कोर) के सहायक कवीशक (मुपरिस्टेन्डेस्ट) के क्यमें देवा की वी' और कनरक बटछरके खरीठीयें उनका उस्केख किया नवा वा। पिक्रके बुकू विब्रोहके विनोंने भारतीय समावने को डोडी-बाहक दक" (स्ट्रेकर वियरर कोर) सगब्दि किया या उसमें भी उन्होंने काम किया वा बीर उनको सार्बेस्ट-वेबरका पर दिया थया था। वे सन् १९ ६ में द्वान्सवासके भारतीयोंके संवर्षके सम्बन्धमें अन्वन श्रेथे पथे धिकामध्यक्तमें मी हानी नजीर जमीके सह-प्रतिनिधि थे। वे इस मामक्षेमें तीन बार बेक मीस थुके 🕻। उनका पुत्र स महीनेकी कैंदकी सभा अवश रहा है, यद्यपि उसके पास काँसे मिसना हारा वारी किया प्रया प्रमानपत्र है और वह ट्रास्थणकमा अधिकारी है। कोटे गांबीकी यह दीसरी चेक-यात्रा है। चनवरी १९ ८के समझौरिके बाद विसका उल्लेख इस वस्तव्यमें आगे किया गया है जब भी गांधी सरकार और मारवीय समावके बीच हुए समझौरेके सम्बन्धमें अपना करीया पूरा करनेके किए पंजीवन कार्यांक्य (राधिस्ट्रेक्टन बॉफिस) वा रहे थे उन-पर उनके कुछ देवसाइयोंने नूरी तरह हुनका किया क्योंकि वन्हें समझौतेपर मरोक्षा नहीं बाबौर वे भी गांधीके कार्यसे भाराज ने।

१४ यह म्यान देने योग्य बात है कि खिट्यमण्डल धेननेका बाधह श्वासावर उन्हें विटिख मार्टीमोने किया है वो अनतक हतने कमनोर रहे हैं कि बारिक हानि और कार्य नावका खतरा नहीं बात वके बीर दमीकिए एखियाई कानुनको माननेक किए मणबूर हो बार है। किन्तु, तम्हीने प्रतिनिधियोंचा पूर्व बाले बानी हम्कासे देना स्थीकार किया है। इससे प्रकट होता है कि समझे रहत पानेकी मुख्या कियानी तीच है।

#### संबर्वेद्धा संक्षिपा इतिहास

१५ यह बाम तीएलर मंत्रूर किया बाता है कि कवारित पहुंचे विटिश भारतीयोंकी रिवारि तिमारी बच्ची मी उसके बाद उत्ती बच्ची कमी नहीं पहुँ। टिप्पनी के कि यह च्यादा कक्षी तह प्रकट हो नायेगा। ट्राम्बसामों विटिश क्षा उन्हरानेके बाद उस रिवरित कंगातार विवाद के स्वित के स्वात प्रकट के स्वात के स्वात कर स्वात के स्वात कर स्वात के स्वात कर स्वात के स्वात के स्वात कर स्वात के स्वात कर स्वात के स्वात कर स्वात के स्वात के स्वात कर स्वात कर स्वात कर स्वात कर स्वात कर स्वात के स्वात कर स्

१ देखिए सम्ब १ प्रा १५०६ ।

<sup>.</sup> हे हिन्द कुल १, एवं १७८-८६ । १ हे हिन्द पुत्र १९८-९९, वह वॉर्ड एक्टिको दुसारके अनुसार वीका गया था; देविन वरिवित १४ ।

प्रत्येक एछियाईको ३ पाँच कर देना और उसकी रसीव सेना आवश्यक होता है, एछियाई सोग वस्तिमोंके विवा सबन भू-स्वामित्वके विवकारसे वंचित हो जाते हैं उनका निवास ऐसी वस्तिमोंमें सीमिन को बाता है, और ने नागरिक बननेके बांधकारी नहीं रहते) जिसे साम्राज्य-सरकारने यक्तफह्मीकं कारण और उस बनत मंगूर कर सिमा था जब बहाँ केवस तीसके सगमग मारतीय निवाधी के विगत बोकर सरकार बारा कभी पूरी तरह कागू नहीं किया गया मा। भारतीय स्थापारियोके व्यापारमें कभी इस्तक्षेप नहीं किया गया का भीर बस्ती-सम्बन्धी नियम कमी समक्षमें नहीं काये गये थे। बस्तियोंमें बागेके किए निकाकी गई सुचनाओंकी विटिश प्रतिनिधिकी समाहते उपेका या बनका की वाटी की कीर उसीकी सकाहते मास्त्रीय व्यागारी परवानों (लाइसेन्सों) के विना व्यापार करते वे। ऐसा करनेपर वे निरस्तार भी किसे काते ये किन्तु बिटिप प्रतिनिधिके इस्ततीप करनेपर वर्षे कर दिये जाने है। भारतीयोका प्रवेश बरोक-टोक होता था। हाँ उन भारतीयाको जो न्यापारके सिए राज्यमें वस समे थे एक बार १ पींड कर वेना पहला वा और इस प्रकार अपने नाम वर्ष कराने पहले में। इसका संघा धिनाक्ती कार्रवाई करना इयित नहीं था।

१६ तिटिश करता होनेके बाद यह शव वयक विया गया। १९ २ में धान्ति-रज्ञा अम्यादेश (पीस प्रिक्सेंशन ब्रॉडिनेन्स) नामका एक कानून उपनिवेशकी सान्ति बीर सुम्बदस्याके किए बतरनाक कोमॉन्स प्रवेस रोकनेके उद्देशके पास किया गया। इस अम्यादेशमें मूर्यपीय और एचियाईका कोई जेव न था। यह संभीपर कामू था। किन्नू व्यवहारमें यह माखीस प्रवासी-प्रविश्वक कानून (इमिप्रेसन रिस्ट्रिक्सन ऐस्ट) के क्यमें काममें कामा खाता था। एक बार १८८५ के कानूत १ को कोरावांचे आगु करनेला प्रयत्न किया नया। यत कॉर्ड रॉवर्स्स स्टे राह्य देनेकी प्रापेना की गई, ठा उन्होंने कहा कि पूर्व वर्ष्ट वर्षेनिक शासन स्वाप्ति होने बार मार्ग्यासीकी स्विति सुबर जायेगी। वस वर्षेनिक शासन युक्त हुना वस कोर्ड मिमनरसे निवेदन किया गया। स्थानीय सरकारने कई बार स्थितिमें संबाद करनेके प्रयत्न किये फिन्दु बन्हें शक्त बनानके निष् पर्याप्त बुढ़वाका अभाव था। उपनिवेद्यपर नमें हिटिय हिन्दु चन्हु उन्हर्न बनानक तिन्दु प्रमाण पुरवाका कामाच चा। उपानकपर नय हाराव्य कम्मने कियने ही महिटिय कानुसाँकों — जिनमें उत्तरे ही बीडिट्य एपिनाई-पिरोची कानुन मी है — बहल करनेका मुनदूर मौका मिला वा कैकिन उपकी उपेक्षा कर वी यह बाद उसे निकक पाने दिया गया। उपके बाद मुखारके को भी न्यस्त किये पने वस क्षाप्टक होते गये बीर परिणामत विध्य आरागी-मैंकी स्थित व्यविकायिक विषद्धी वसी गई।

१७ कॉर्ड मिकनरने (१९ ४ में ) १८८५ के कानून १ की एक बाराका चपमोग ् कि सिनंतर (१९ व.म.) १८८९ के कार्युत वेका एक चायाना क्याया ( किटिया मार्टीमिकी समाहते ) अपनिलेखके मरोकं प्रियमिकी सार्विकी मार्ग्य और इस उद्धान में प्राचित्र कर विद्या। इस व्यवस्वाने करार्यंत और इस विश्व कार्येक मार्ग्य होता है इस विश्व कार्येक मार्ग्य मार्ग्य प्राचक कार्येक मार्ग्य मार्ग्य कार्येक मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य कार्येक मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य कार्योक मार्ग्य मार्ग्

t biffer mer g gu bie i

र परि स स्थान

र विशेष सम्बन्धः कृतः ३५१-५३ ।

गर्दै भी। चयते उक्त प्रमाणपण रच हो गये और प्रत्येक बारळीय और एधिमाईको एक दुस्य धिनावली टिक्ट केना बनिवार्य हो गया। उस कानूनमें दूसरी भी कई सरभात बायितमक भारत्यें भी निवासे पहीं बारामेकी बक्तरत गही है। भारतीय बहुत सुध्य हुए। उन्होंने निवस्य किया कि यदि यह कानून मंबर किया गया गते है हक्तरत पासन कही करेंग्रे।

- १८ (१९ ६ के उत्तरार्थमें) एक सिट्टम्बब्ब इंग्लैंड आया कॉर्ड एकनिनसे मिका और विवेदक (बिक्त) मानंतर कर विया तथा।
- २ फिन्तु जब एक प्रवासी विश्वेयक (इपियेश्वन विश्व) भी पात कर दिया नया वा दिया नया तह वही अधिवेशनमें पात कर दिया पात तह बहू पता वका कि उत्तरे एरिवासि-विशेषक दिवा का दिवा नया तह वह पत्र वका कि उत्तरे एरिवासि-विशेषक विश्वेयक विष्येयक विश्वेयक विषयक विश्वेयक विश्वेयक विषयक विषयक विषयक विश्वेयक विषयक विश्वेयक विष
- २१ जनवरी १९८में एक्कियार कापून (१९७ के कापून २) की बाराबॉको कापू करनेके किए एक्किय करण उठाये गये। भारतीयोंने अपनी प्रशिक्षाके अनुदार उसको मागनेचे इसकार कर दिया और उनके नेताबॉनर युक्तसे चकारो सबे तथा उसको कैनकी सवार्षे से गई।
- २२ ट्राम्सवाल लीवर के सम्पादक श्री अस्तर्य कार्टपाइरके हराखेपसे एक समझीता हुआ। यह संपत्त किया जीर संसत सीविक या। बार्ड्यानीका पढ़ित है कि करता सार्ट्याने वपनी मंत्रिक पाना करता है कि कर सार्ट्याने वपनी मंत्रिक स्थान कर के किया या पाना कर करता है कि कर कर समझीता है कि कर के सार्ट्यान कर है यह से प्रतिकृत कर के से में या पाना या पाना कि किया है कि का पाना कि किया है कि किया है कि किया है कि किया है है किया है है किया है है किया है किया है है किया है है है किया है है है कि
- २६ सरकारकी ओरते बनरक स्थ्यका कहना है कि उन्होंने कानूनको रस करनेका कोर बनन नहीं दिया या हालांकि के यह संबुद्ध करते हैं कि उनके और भी गांचीके बीच उपको रस करनेके समाक्रमर बाठबीत हुई थी। उनका कहना है कि सायद भी वांचीको सक्ताप्रसारी ही गई है।
  - १ वर्षेत् २ देखिए एक २९९ १ ा वर्षे क्षेत्रे र्डक्सिक्क सुरातिक क्ष्मुसार क्षेत्रा गया था। देखिन परिस्ति १४ ।

२४ जातव्य निकाही चुके हैं और भान किये पर्य है वा वे हैं

- (क) थी गांचीने थी स्मेट्सको जगकी अनुमतिषे (२२ करनरी १९०८ को) एक विसेयकका महिदयां जना जा निक्की एक बारासे कानून रूप हाता जा। इसकी प्रास्ति स्वीकार की गई की बीट एक करनेके प्रसावका कभी उच्चान नहीं किया गया।
- (य) नमसीता होगके दा दिन बाद बनरफ इन्ह्यूनी एक धार्वजनिक धमार्ने (६ फरवरी १९०८ को) कहा था कि "मैंने उनसे कह दिया है कि ववतक देशनें एक धी एतियाई ऐसा है निक्का पंजीयन न हुना हो तबनक कानून वापन नहीं सिवा बायेगा "बीर यह भी कि "ववतक देशनें परक धारतीय पंजीयन नहीं क्या तकक कान्य वापन नहीं किया बायेगा ।
- (स) बसलमें बनएक स्पर्तने (१६ जून १९ ८ का) प्रवामी कानूनमें संशोधनका एक मतिबार वीर प्रवासित मी फिया वा। उपसे एपियाई-नानून रह तो होता वा परणु उसमें नहींने नई गर्ने रही बीं। उनमें से एक बहु वी कि विटिम मारतीय वाह उनका दनों हुए भी हो तिपित प्रवासी वाह उनका दनों हुए भी हो तिपित प्रवासी वाह उनका दनों कुछ भी हो तिपित प्रवासी वाह तो वाह तो हुए भी हो तिपित प्रवासी का का का का नुकतों नह रह करने सार का का नुकतों रह करने सार का का का नुकतों रह का निर्माण का का का नुकतों रह करने सार का निर्माण का निर्माण का नुकतों रह करने सार का निर्माण का निर्मण का निर्माण का निर्माण का निर्माण का निर्माण का निर्माण का निर्मण का निर्माण का निर्माण का निर्माण का निर्मण का निर्मण
- २५ संतेपमें मारतीयोंने नई मतें नहीं मानी स्वक्तिए कानून रव नहीं किया पया।
  ये नई सतें उनको नात्य नहीं भी कारीकि पहकी दीन समित का भारतीयोंका जो इस ममक
  इात्म्यानके कविवासी हैं उपनिवेसने रहने संविक्त किया किया भारतीयोंका जो इस ममक
  इात्म्यानके कविवासी हैं उपनिवेसने रहने किया प्राथमित किया भारतीयोंका का है ने
  किया ने ही नृतंक्द्रद की न हां प्रवेश प्रभातीयों का वार्षाकि प्रविद्य हो बाता का इस प्रकार
  यह साक है कि कानून रव नहीं किया गया और स्वमें भारतीयोंका कोई कमून नहीं
  बा। बनरफ स्वरूपने समझीदेकी निविद्य और स्वरूप सी वोह वी वर्षोकि प्रविद्य कियान
  सम्मतिक कनुमार दिल्ल जिल्ली म ) १९ क्या कानून र स्वयंद्य उन सीमीपन छात्र
  मही किया बाना वा जिल्हीन सेक्लाम करनी प्रमान्य करा की वी और यदान उनकी
  सिनास्तको एक बकन कविनियम हारा वानूनी कव वे विद्या याना वा किर भी ऐस धारतीयोंकी
  १९ के कानून २ के अल्लीत कानेके बहैनकी (११ अल्लाह १ ८ का)) एक विदेवक
- २६ बनरम स्वरंग हाए नगनीतिक इम दुनरे मैंपके परिवासस्वकंप साम्तीयाते (१६ बमान (१८ को) एक सार्वजनिक समा बुनाई। बनमें जन्मेंत्र स्वेच्छ्या प्रिये यम २५ ० अप्राचन प्रमान की इस प्रमान निक्र स्वास्त्र प्रमान की इस प्रमान निक्र स्वास्त्र सामके प्रमान की इस प्रमान निक्र स्वास्त्र स्वास्त्र सामके प्रमान की इस प्रम की इस प्रमान की इस प्रमान की इस प्रमान की इस प्रमान की इस प्रम की इस प्रमान की इस प्रमान की इस प्रमान की इस प्रमान की इस प्रम की इस प्रमान की इस प्रमा

१ देशिर सम्बद्ध १३ १ ०००१। २, इसमें "चनामा १९९ है।

ह रिगर पर ८ वह ४४६ ४५ और ४४८४५ । वह मनुष्यर संहे वॅथ्डिक्ट शुनसर मनुष्ठार दिर चित्रा नया था। वीसर पोरिष्ट १४ ।

प्रमुख्य गर्ड गिस्स नवा है भो सर्वाको भूव है। देकिन सम्बद्ध ४५५।

२७ इस सम्मेलनके फकरनकर एक नमा विवेचक पेस किया बंदा बिसमें स्वेचका वाजीवन (पितर्द्वमा) करानेवासे कोच एक नकम कार्नुके अन्तर्गत एके यो। वानुक्तों एक स्वेक्ट कार्नुक मन्तर्गत एके यो। वानुक्तों एक स्टेंग्डे करानेवा स्वेचना किया पाया किन्तु सरकार क्षा अस्तावको सुनानेके तिए वैदार नहीं भी वह कहती भी कि कार्नुक जनकी बाहर समस्ताव स्वाचना अस्ति विद्या पाने हुए भारतीयों असेवाके अस्तर्गत भी विचार किया पाया किन्तु अवाधी कान्नुके जनकी किसी उर्द्धनी एहत सेता वचन नहीं विद्या पाया अस्ति कार्यकों स्वाचना कार्नुकों स्वाचरता कार्यका वास्त्र भी स्वाचरता कार्यका स्वाचनी स्वाचरता कार्यका स्वाचनी स्वाचरता वास्त्र भी स्वाचरता वास्त्र के स्वाचनी कार्यका स्वाचनी स्वाचरता वास्त्र किसी स्वाचनी स्वचनी स्वाचनी स्वाच

२८. इसलिए इस सम्मेकनके परिचानपर विश्वार करनेके क्रिए (२ अपस्त १० ८को) एक हुए से सार्वजनिक स्थान बुकाई यह और उसमें यह स्था किया गया कि नये विवेषक (विक्र) को तरतक स्वीकार न किया जाये व्यवक १९ ७ का कानून २ रह नहीं किया जाता और उच्च क्रान्याच्या भारतीयोंको सिक्षा-सम्बन्धी और सम्ब परीकाएँ — बाहे वे किया के सार्वजन में सार्वजन के कानूनके कन्तर्यंत्र संविक्ष्य सीराम प्रवासी कानूनके कन्तर्यंत्र संविक्ष्य करनेके सार्वजन करनेक सार्वजन करने सीराम प्रवासी करनेक सार्वजन सार्वजन सार्वजन सार्वजन सीराम प्रवासी करनेक सार्वजन सार्वजन सीराम प्रवासी करनेक सार्वजन सार्वजन सीराम सार्वजन सीराम सार्वजन सीराम सार्वजन सीराम सार्वजन सीराम सीराम

२९. किन्तु चरकारणे भारतीयोंकी आपत्तिके बाबनूव नये विश्वेयकको पास कर विधा। नये विश्वेयकमें कुछ योग हैं, जिनको सहाँ नतानेकी बरूरता नहीं है। वे सामान्य-वरकारको विभे गये एक बन्ध प्रार्थनापनमें विनास नये थे। उनके बन्ताया यह विश्वेयक सामान्यत स्वीकार्य है।

#### ममुक्त प्रकृत

३ मने विमेदक (विक) से उत्पन्न कुछ कोर-मोटे मुक्कि बकावा ट्रान्सवाड सरकार भीर विटिय पारतीयोक बीच प्रमुख प्रका में हैं

(१) छन् १९ ७ के कानून २को रव करना और

(२) एक्न विका-शन्त भारतीयोंका स्वा।

११ द्रान्तवान चरकारका कहना है कि में वो मुद्दे स्वीकृत-मीठे ही हैं न्योंकि---

(१) सन् १९ ७ का कानून २ बनलके बाहर समझा बायेगा और

(२) उच्च शिका-शास्त्र बारतीय नये पृष्टियाई निवेदककी एक बाराठे बन्तर्येत सत्त्वामी अनुमतिपन (परीयट) प्रास्त्र कर सक्तरे हैं और इन अनुमतिपनोंको जनिष्यित सम्बद्धक बहुक रका वा समेगा।

३२ भारतीयोंका कहना है कि

(१) यदि १९ ७ का कातृत २ अमस्ये बाहर ध्यस्ता बायेया ठो उसको बय तिनेक्षी विवान-पीछित (१८ च्यूट कुक) में नगामे रखनेसे कोई उपयोगी दिहेच छिठ नहीं हो सकता। मार्थीय (बाय-बिकास्थिति कारण) क्षत्रकृत हैं दे और एक कातृत्वे अम्ब-बाहर होने और छित भी बेचके कातृतींका बाग कर पहनेका मार्थ कातृत्वे सम्बन्धाहर होने और छित भी बेचके कातृतींका बाग कर पहनेका छत्त्वे सम्बन्ध मार्थ में पहनेका प्राप्त कातृती सम्बन्ध ने वाला पा कातृत्वे कात्रका सम्बन्ध मार्थ कात्रका प्राप्त काल्यका प्राप्त कार्यका प्राप्त काल्यका काल्यका प्राप्त काल्यका प्राप्त काल्यका प्राप्त काल्यका काल्यका काल्यका काल्यका प्राप्त काल्यका काल्यका काल्यका प्राप्त काल्यका काल्यक

र देखिए क्रम्बर पुत्र ४१०४८५९ ।

र स्थित महानेशतम व्यक्तिकसमीको " वृद्ध १७५८ ।

सकता चाहिए कि एक कानूनको समल-बाहर उपनिवेदकी विचान-संदिदार्म बनाइ मेरनेकी कोई बकरण नहीं है। बौर संविध्य बाध यह है कि सरकारने कानूनको समस-बाहर घोषिय दो कर दिया है, किर भी जम-स्मी सरकारको अनुकूछ एहा है तम वह सारति में के निरुद्ध समस्यों स्थापा चाता पहाँ है और समिष्यों मी कुमी उसके समझने सारे वालों संवेद स्वापक नहीं है।

- (२) यदि ट्रान्सवास सम्कार उच्च सिक्का-पाल्य आरखीयोंको बाने देनेने सिए रजामन्द है यो वह जनको प्रवासी कानूनके अन्तर्गत सी आने दे सकती है। यदि सरकारक मंद्रा तक प्रात्तीयोंको वपनानित करनेका नहीं है तो सरकारके लिए इसका कोई गहरूर नहीं है कि सिक्षित चारखीय एसियाई-कानूनके अन्तर्गत आये हैं या प्रवासी-कानूनके अन्तर्गत आये हैं या प्रवासी-कानूनके अन्तर्गत आये हैं या प्रवासी-कानूनके अन्तर्गत आयोगिक किए यह एक अहस्पूर्ण विद्वार है। प्रवेशका संग्रेत ही एनके लिए सक्कान्त है। प्रवेशका संग्रेत ही उनके लिए सक्कान्त है। अत्रेशका या मारदीय ट्रान्यवालमें रियायको कोर दरकारों अर्थों कीर सर्वेश प्रवेशका विद्वार प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास कार्योग प्रवास के स्वास प्रवास कार्योग कार्योग कार्याय कार्योग कार्योग कार्योग प्रवेशक करें, सामान्य प्रवास कार्योग कार्योग कीर अर्थित करें।
- १६ विशिष्ठ भारतीयाँका यह प्रका सबसे पेणीया है। बिटिय भारतीयाँको ट्रान्यवाटमें मर देनेली कोई इच्छा है हो नहीं। भारतीय भारते हैं कि विशिष्त सारिक्षामें बिटिय और वीकर वाबाधिकी प्रधानता रहाने लाहिए। किन्तु उनका कहान यह है कि उस मीतियर अपक करके ट्रान्यवास उपनिवेशको हुमारा राज्येन कप्यान न करने दिया बारें।

हे ४ इसके मलाया जो भारतीय ट्रान्सवाकके विवासी है, वन्हें यदि वपता सामाजिक मीर तैरिक स्तर जेवा करना है तो कपने उच्च विका प्राप्त माहर्मों सहायताओं करता करना है तो कपने उच्च विका प्राप्त माहर्मों सहायताओं करता कर्न एक स्त्री हो। वपती नेकतीयती सामाजिक करते के क्षिप्त वर्ष-रिकाम करते हैं कि प्रति मलायी का मुन्तपर ऐसा बनाव मी किया वार्य कि कियी वर्ष-रिकाम के क्ष्म हो। माहर्मा या पार्य तो भी उनको बापित न होगी। वहाँ ने कानृती सदमानता बीर कानृती मेदनाव पर बापित करते हैं वहाँ वे महास्त्रीक प्रत्यावको सहत करते किए तैयार है। मही बात वार्य वार्य करते किए तैयार है। मही बात वार्य वार्य क्ष्म हो का प्रति है। द्राप्तवाकरों सह उपपूर्णन सांतिकरणा बात वार्य वार्य करते हो का प्रति है। द्राप्तवाकरों मह उपपूर्णन सांतिकरणा कि किया प्रता वार्य उनका यह भी निवेशन है कि यदि वर्षमान कानृत्वे पर्याण प्रवासिक विकास गढ़ी सिकास है तो अनुत्रमें कामीप्त दिसाम किया पा सकता है कि यह वर्ष तर्म हो विवास व्याण के बेदमान स्वामी कर वार्य का सकता है कि यह तर्म हो विवास वार्य क्षमा वार्य का सकता है कि यह तर्म हो विवास वार्य क्षमा वार्य का सकता है कि यह तर्म हो विवास वार्य क्षमा वार्य का सकता है कि यह तर्म हो विवास वार्या क्षमा वार्य का सामाज हो है।

#### नपे संविधानमं

३५ यदि विटिस मार्टीचोंको करात दक्षिण काफिकाते निकास बाहर नहीं करना है या नहीं उनका करितल निटा नहीं देना है तो नये दिविसानके करावित उनकी दिवित छाववानीते तुरितित करनेकी जकरत है। उनका कामग कोई मिरितिशत नहीं है। केए बोर नेटाकर्में करोई को बोर-कुछ करनेकी जकरत है। उनका कामग बहु है उनका निर्म पंचित्रानके करावित है। केए बोर नेटाकर्में करोई को बोर-कुछ मिरितिशत निर्माण कर्मा काम करावित करी है। केप बोर निर्माण कर्मा काम करावित करावि

भीकर चाकरोंके अखाना किसी जन्म क्यामें प्रक्रिय्ट नहीं होने दिया बाता । टान्सवाक्रमें उपर्यक्त कानन तो बाग है ही चनका अपने किए विधेष क्यस निर्धारित वस्तियोंके बसावा कहीं दूसरी चयड जमीन करीदनेका अभिकार भी छीन किया गया है और बस्तिमोंने जमीन लरीदनेक इस मिकारपर मी रोक सवा वी वर्ष है। मेटामर्ने स्पतिकेतके परवामा कामके एकांडी और अत्याचारपर्ण प्रशासनके बारा भारतीय व्यापारियोंको भक्षों मारा का रहा है। कोटी-मोटी विकासमें हो बलिया काविका-सरमें काली क्यावा है कि अर्थ विकासको दिया महीं जा सकता। वे भारतीयोंके वैतिक जीवनको प्रमावित करती है और सम्बं सगातार यह याद दिखाकर कि इस अपमहातीपमें क्षात्रेका रेंग भरा होना गनाव है जसका बीता प्राव दमर कर देती हैं। दक्षिण बाधिकामें कानन बनानेके पीछे साध-साछ यह सदा होता है कि जिस अनपायमें बरोपीय चारियोंकी स्वतन्त्रवामें विक की बावे ससी अनुपायमें भारतीयोंकी स्वतरक्षापर प्रतिकृता कराये जाते ।

86 डबलिए. साम्राज्यके कवाकसे भी बाँद भारतीय दुष्टिकोणसं भी यह बात सर्वोपरि महत्त्वकी है कि दान्स्वाह्याची भारतीयोंके प्रकाबी चन्तीप्रवाक रूपसे हस किया बाये। इस बातमें कोई सक नहीं कि ट्रान्सवाक बीधन बाकिकारा प्रमुख राज्य है। वह मेतल करता है अन्य राज्य उद्यान जनवरण करते हैं। इसलिए यदि टाल्यक्के भारतीयाँसे सम्बन्ध रबनेशमें कानगोंको वह बीर स्थायपूर्व सावारपर पहले ही स्थित नहीं किया साता तो रकार्यात निरंपय ही टाम्सवाहके काननींका बनसरण किया कायेवा और तब साम्राज्य सरकार राइत देनेमें सममये शोगी।

## सामग्रीचेंकी प्रतिका

३७ इसके बांदिरिक्त मारतीय उपर्यक्त राज्य प्राप्त करनेके किए एक बम्मीर प्रतिज्ञासे वैंचे इए हैं --- मले ही इसके लिए उन्हें वनिविचत काल तक चेंक जोपनी पढ़े या और भी ज्यादा करंट जठाना पत्रे। इसके फक्सकमा पिक्के हाई वर्षके संवर्धमें २.५ मे अधिक कोंगोंको काराबास निका और उनमें से अधिकांकका काराबास सपरियम था। बेसका सीवन सर्वमा नसङ्ग रहा है। मारणीय कैवियोंको और विकास नारिक्सी प्रतियोंको एक वर्तने और एक साथ रक्षा जाता है। मारणीयोंका यो विद्यार्ड भोजन भी वही होता है यो स्तृतियोंका है। टाल्सवासमें राजनीतिक अपराव-जैसी कोई चीज ही नहीं है। जारतीय फेडियोंको जिल्हें स्वयं करुरक स्मटसने अन्तरात्नाकी आवानके जानारपर वापति करनेवाके बताया है, अरेसे-बरे सपराविसोंके साथ बोक्सें रका बाता है। उनसे जैसे अमकी बपेक्स की जाती है वह सामान्यत कठोर प्रकारका होता है। जिल भारतीयोंने कभी भारी बोक्सा नहीं चठावा या कठोर परिसम नहीं किया उनसे बुरेसे-चुरे काफिर कैंबिबॉके साथ-साथ मारी सामानसे करें टैले सींचने बढ़डे बारने और सहकोड़ी मरस्मत करने जैसे काम किये वाते हैं।

 क्रेक भारतीय परिवार क्रांगक क्या किये गये हैं। कई परिवार क्रिक-मिन्न क्रो रावे है। और बहुत-से परिवार, विवके कमाऊ संबंहय टान्सवालकी चेकॉर्में पढ़े हैं जब नपने वैतिक निर्वाहके बिए सार्ववनिक बानपर निर्वेद है।

१९, कुछ समयसे सरकारने पूर्ववाकी क्षत्रिकारियोंके साथ एक गुप्त समसीता करके उन कोबोंको को एपियाई कानुसकी वारावांका पालन नहीं करते बीर विनक्षे विस्त कानुसकी निर्वाधन-सम्बन्धी वारावांके करतांत कार्रवाई की वा सकती है, भारतको निर्वाधित करना बारस्व कर दिया है। इस कार्रवाहीन बाकक वयन भाजा-पिताओं से सक्य कर दिये गय है और दिश्त बाकिकारों उत्पन्न कहकीं का जिनके लिए मारत निवेश है निना एक पाईक भारत भन्न दिया गया है। और, सर्वाप कांडे कू ने दम बातका सक्य हिमा है कि ट्रायवाक्ये मताबा अस्य दिशा बाकिती उपनिवेशीक विवासी। भी निवाधित किये पात है किर भी ऐसी घटना कम्य-कम्य एक तो हुई ही है। उद्य आपनोर्में एक भारतियकों निवासित करके मारत भेन दिया गया है स्वाप उत्तरी वैद्यापना थी तथा वह दम कारण मेटान या केपमें रहा मारता या की स्वाप जा है मताब उसके अल्पोका का स्वापना थी तथा वह दम कारण मेटान या केपमें रहा मारता या और उसके। वैद्यापना का समावा थी तथा वह दम कारण मेटान या केपमें रहा मारता या और उसके विद्यापना थी जान था।

प सह व लावन जिनका प्रयोग लरकार प्रतिवासक भारतीयोंको कानी हरजा। जनकुक मुकानेके लिए कर रही है। वर्षाय हम प्रयानीय वह व्यव खरूज हो गई है के किन क्यारी ऐसे लोगोंकी व्यानी वहीं संस्था पेण है जिनमें कमानी देंगे कोई सज़क नहीं दिलाई है। उनने एक सी भी पानका महीं क्यारी है जोर के दिलाई है। उनने एक सी भी बातक मुहम्म है को मुनक्षनानीय नवंद ज्यारा प्रमानवानी है और वे वसिंग साधिकी मारतीयोंके निर्वाय नेजा है। उनकी उन्न प्रवास वालवे समित है और वे वसिंग साधिकी मारतीयों है। इसे साम्य नेजा है भी सामी स्वत्य नेता ने एक करान्य प्रमान गारती है। उनहींन (दूवरे क्यारीट कर्जा जर की) निवास किए वैही में से सर्व है कि है। वे सोनी सन्तर एम पानका स्वत्य करान कारण हुए हैं उनने ही दिलाँकी कर मुनक्त करान हुए हैं उनने ही दिलाँकी करा से स्वत्य करान स्वत्य करान हुए हैं उनने ही दिलाँकी कर मुनक्त होते हैं। इसे समय कम्यारामाओं पुकारण वार्याक कराने करान पर वे प्रमान कम्यारामाओं पुकारण वार्याक कराने स्वत्य करान एक वी व्यक्ति कारण हुए हैं उनने ही दिलाँकी कर मुकार रहे हैं। इसे समय कम्यारामाओं पुकारण वार्याक कराने साम पर वे स्वति है है।

## परीपीय कमेटी

४१ आरतीयोक कप्टोंमें उनके प्रति नहानुनृतिये बेरिल होकर बौर उनने उद्दर्यके बीरिलमें विस्तास करते हुए बोद्दानिकपिक किया समुत मुरोरीयानी उन्हें राज्य जिलानेके विराध समुत मुरोरीयानी उन्हें राज्य जिलानेके विराध समिति कार्य की विस्तास होतिया होतिया

#### **अपर्तं**द्वार

प्रश्न मिनेदान यह है कि वनरण समृत्य हाए विसे गये मादेके ममाना दोनों मारतीय मार्गे तानत स्वायस्था है जनको देवीकार करना मरणान्ये (तर्ग कदिन नहीं है और उनको स्वीकार करानेके निष्ठ हाण्यासको मार्ग्योगोने एक सामे मर्गेनक निरस्पर हुए। मेता है। इस स्विकारों में मनुमय करत है कि प्रवर्ग माजानो एवा वो बारी चारिए और अपन वासायनगाचार दिगोगों विद्या प्रमानगारी ज्ञान करना चार मो दरगायित गारिनेगांगी इस्त्रामार गाना स्वतंत्री का उनमें मादे नहीं भारी चारिए स्वर्ग मार में

् जाने तुम करने का जनुष्पार देशा कार्री बात कार्री करें वंशतिक सुणवार, का कार्रीन कार्रीन कार्रीन करने प्रकार करने दिया गा, रोज्यन कर दिया गा जा त्यारे करने क्यारी होता गा करने दिया गा करने दिया गा करने किया गा कि का करने किया गा कि का करने किया गा कि का गा करने किया गा कि का गा कि का गा करने किया गा कि का गा कि गा कि का गा कि गा कि जा कि

समूर्थ कांदी शक्रमत

#### वक्तस्यकी पार-टिप्पणी

उपर्युक्त विवरण तैयार करनेके बाद प्रतिनिविधोंको एक तार निका है, तिससे बात होता है कि नागणन नामक एक पारतीय मुक्क निसे यत २१ जूनको संपर्वक सिसिक्षेमें सम विकास एकपरिस्पम कारावाय विचा गया था व चूनको मण्याचम कारावाय विचा गया था व चूनको मण्याचम कारावामों बेकसे चित्र किया पार्या था व चूनको मण्याचम कारावामों बेकसे चित्र किया पार्या और व चूक इस की पार्य की व कारावाय में है कि कारावेश एवं पार्या व व कार्या पार्या था व चूनका विचाय मार्या व कार्या पार्या व कार्या पार्या की कार्या पार्या कार्य कार्य कार्या कार्यका कार्या पार्या व व व कार्या कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य का

### टिप्पणी 'क'

बोसर धासनके सबीन

एधियाई स्वतन्त्रतापूर्वक यनपाच्यमें अवेश कर सकते वे और १८८५ के बाद ३ पींड देकर वहाँ निवास और व्यापार कर सकते थे।

(१८८६में घंचोषित) १८८५ के कानून १ इत्याय संपेक्षत "यंगीयन" (प्रीमस्ट्रेकन) में हुम्सिया बेना प्राप्तिक गृहीं का। उसमें १ पीडी पुस्कका मुमदान करने और मुख्यानकी रखीव एक्तको ही बात थी। े विकिश साम्राज्यमें मिताने मानेंके बार केवक उन्हीं एसियाइमोंको फिर प्रवेश करने दिया गया है जो यह सिद्ध कर सके

आर्थि मिलनरकी सलाइके बनुतार एधिनाइ सेंगि १९ १में की 'पंजीयन'' स्वेच्छाते स्वीकार किया का उन्नर्थे पूरा हुकियां देना ग्रामिस थी।

है कि वे युवसे पहले वहाँ एउटी थे।

एधियाइयोंको नागरिक (वर्षर) के व्यवकार नहीं दिये गवे थे। प्रश्नियाद्वर्गेको जिनमें विटिश्न मारातीव वी सामिल है नवरपाकिकाके जविकारों और राजनीतिक जविकारों दोनोंसे विद्यु रखा पदा है।

एधियाई बस्तिवॉकी कोवकर बन्यन एधिनाई अवस सम्पत्ति नहीं एक सकते ने। वह स्थिति बाब भी कायम है।

एपिमाइमोंको उनक किए विद्येष रूपसे नियत गरिन्मों मुहल्कों और वस्तिमोंने हटाया का सकता था। एशियाई, जिनमें बिटिए मारतीय भी शामिक हैं आज भी एसे प्रतिकम्बने भागी हैं और उनके बक्तम किये जानका सतरा मीजूद भी है।

चपर्युक्त तिर्योत्पदाएँ बोपनेबाका कानून के संस्थित समासम् अतिबार्व वा फिर श्री बिटिस सारतीयोंको सङ्गासङ्कित संस्थादकी सरकारका संरक्षण प्राप्त था। ठपनिवेशको साम्राज्यमें मिसानेके बाद और विसेपत उत्तरवामी सासन देनेके बाद ब्रिटिख भारतीय साम्राज्य-सरकारका संस्कृत प्राप्त करणेमें बसमर्थ सह हैं।

विटेनके विन्नेवार मन्त्री विटिच भारतीर्मिके किए साझात्मकी सम्य प्रवाकी वरावरीके समितार दिवे सानेकी मांग करते थे। विटेनकी सरकार देवे सानेकी मांग करते थे। विटेनकी सरकार दुन्तवानकी विटिच भारतीर्थोको जनके उचित समितार वागव विकानका वचन विदा

बिटिस सरकारते इस उपनिवेचके साझान्य में निकारों कानेते पहुंचे यहाँ एहनेवाके उन्हीं गारतीयोंको जब अव्यक्षत व्यापारी मितन्यां योंके और उस सरकारके जयावारीके विद् कोड़ विद्या है विश्वके व्यक्तियों कार्यावारीके विद् बोग है को १८८५ के कानून १ की रचनाके विद्या विद्यालय से।

बोबर कातृक विरुद्ध माध्यीयोंकी कापीस योंका साम्राज्य-सरकारने समर्थन किया वा बोर बोजर पणदानका मह नामह कि छहे बपने एउसकी सीमार्जीन स्वनेवाले एक्सियासमिक विरुद्ध मनमाने इंपले कानृत बमानेका सम्बन्धार है, युद्धका मुक्स एक कारण वा। वन सामान्य-सरकारके कारतार संस्कृतके वमानमें विदिश चारतीय सत्याप्रकृत सहारा केनेको विषय हो तस है विसके फरक्तकर उनमेंसे २५ शीपोंको कैदकी सना हुई है बीर क्षत्र कम्ट स्कृते पड़े है!

कान तौरपर, मधीर धिकान्तवसमें बिटिख भारतीर्मारर वर्ष्युस्त निर्मोध्वताएँ सामू वी फिर मी वमकर्ने कानूनको सक्तीते कानू नहीं किमा काता वा। विश्वि भारतीयाँकी स्वतत्वतापर बहुव कहाकी प्रतिवक्त बागू किसे यहे हैं, बौर १८८५ के कानून व में बच्च-सम्बन्धी वाराकी कृगुपरिवरिते ही उस कानूनके बरफल बूरे परिकामीस भारतीयाँकी रखा हुई है।

#### टिप्पणी " 🖷 "

एविचाई विवेशक (एविचारिक विका) के जानुवार व्यक्तिवेशके हुए एविचारिका जिल्लाक टिक्ट केता बाहिए, जीट हत्तमें ऐसे एविचार्शकी परिभाषा भी थी नहीं है, विवा का टिक्ट अपन हो चकता है। परिचाराओं कहा बात है कि बही एविचार्स हराका बात है का इस अपने बात होनेने पहलेसे हाल्यानका कानिवासी हो। विवेशकों जाने विचान टिक्ट अपने हैं के ऐसे हर एविचारियर, जो हसके जानेम साना जाने निकासकारी जान करने हुई है

\$

प्रवासी विषेयकसे कृष्य वार्तोंके साथ ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसपर निष्कासनकी मामा कागृहोती है निविद्ध प्रमाधी हो चाता है। तब एक सिक्षित माप्तीम भी चो एसियाई विभेयकके पास होनेसे पहले उपनिवेशका अभिवासी गडीं रहा सिनाक्ती टिकट प्राप्त करनेका अभिकारी नहीं है और इसकिए उसपर निष्कासनकी बाजा कापू होती है और इस मकार यह प्रवासी विवेयकके अन्तर्गत नियिक प्रवासी है।

हिप्पणी "ग"

किबित समझौता क्रम प्रकार का

१ ब्रिटिस मारतीयोंको स्वेच्छासे अपनी विभास्त करवा छेनी नाहिए।

२ १९ ७ का कानून २ ऐसे ब्रिटिस भारतीयोंपर काम नहीं होना चाहिए, और स्वेच्छासे कराई वई सिनास्तको एक जरून कानन हारा वैद क्य वे देना चाहिए।

गर्वे २८ बनवरी १९ ८<sup>१</sup> को टान्सवाल उपनिवेश-स्थिवके माम सिखे वसे सर्वेशी पांची नियन तथा नामबके पत्रमें वी नदें हैं। पत्रकी प्राप्तिके दो दिन बाद भी गांबीको को दव एक कैरी में समझौदेपर जपनिवेश-स्थित (भी स्मट्स) के साथ बादबीट करनेके किए प्रिटोरिया के बाबा पवा और उसके बाद काने और विकार किया गया ! की गांकीके बकाव्यके अनुसार इन मकाकारोंने भी स्मटसने बाबा किया कि अब एसियाई समझौतेके सम्बन्धने भगना वासित्व पूरा कर वेंने अर्थात स्वेज्छाते अपनी विनावत करना लेंने तब (१९ ७का दूचरा) एवियाई कानून रव कर विवा आयेगा।

क्सी हुई मूछ वंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ५१८) थे।

#### १८० सम्बन

जिलाद १६, १९ ९ के बादी

#### त्तर कर्नन नाइकीकी हत्या

शिष्टमध्यक्की सात्रा " शीर्पकक अन्तर्गत सिष्टमध्यक्तके कार्यके सम्बन्धमें जितने समाचार दिये जा सकते से उत्तरे किये जा चुने हैं। इस सीर्यक्के करार्यत अन इसरी जानने सामक सवरे वे एहा है।

सर कर्बन नाइमी और ऑस्टर आश्माकाकी इत्या हुई यह एक अपकर काम हवा है। दार कर्मन कारकी कारको जिल्ला स्वामोंने कविकारी रहे थे। यहाँ वे मोर्न मॉर्नेक नेपरहाक थे। बॉक्टर सासकाका एक पारसी बॉक्टर ने और जीनके संवाद नगरमें जपना बन्धा करते वे। वे यहाँ कम्र दिनोंके सिए ही जाये वे।

१ मुख्ये "६६ कलसी १९ ४" है जो अन्तर्शनी मूक हैं। देखिए कल्प ८ पूर्व १९४१ । र राज दिवानी व और बीह किया वर कारी नहीं गई थी। देखिए "वन कोर्ट रॉस्टॉइन्डो " जुसाई २ को समीरियक इभिस्टरपूटक कहाँगीर भवनमें राष्ट्रीय मारतीय संव (नेशानक इंग्रियन एसोसिएसन) को ओरले गावता-मानीका आयोजन किया गया था। यह समारोह विटेनमें पहमेदाक भारतीय कार्योका अंदेशित सम्यक्त करायेके दृश्यति किया बाता है, इसिय एसमें भी भी अपने बारे हैं मारतीयों सम्पर्क करायेके दृश्यति हमा विटे एस एसों ने भी अपने बार के मारतीयों समारतीयों के स्वाप्त है स्वाप्त की महाना ही वह समार्थियों हमा ही पर्देश में कर्मन बाइकी ह्रुया ही अहमान ही अहमानकी हुर्या की और सीक्यों आगे ही पार्स महानाकी हुर्या की और सीक्यों आगेता की स्वाप्त की सीमां भी जून किया।

सर कर्जन बाइकीकी ह्रायांके समर्थनमें यह तक विधा जाता है कि संवेतीके कारण ही बारत कर्बाद हुआ है। यदि जर्मनी इंग्डैंबपर चड़ाई करे तो वैसे संवेत कर्मनोंको भार कालेंने वैसे ही मस्पेक भारतीयको संवेतीको सारनेका व्यवकार है।

इस हत्याके सम्बन्धमें प्रत्येक भारतीयको ठंडे विकसे विचार करना है। इससे मारतकी बहुत हानि हुई है। शिष्टमण्डकके कामको भी बहुत-कुछ बण्का पहुँचा है। किन्तु इस दृष्टिहे विचार करनेकी आवस्यकता नहीं है। विचार अतिम स्वितिपर करना है। भी भीनराकी संबाई निकम्मी है। यह काम इसारे विवारक्षे कावरताका है। फिर भी अनके ऊपर तो दया ही वाती है। उन्होंने निकरमा साहित्य उत्पर-क्रमर पहकर यह काम किया है। उन्होंने वपने स्वारको बनान मी एट रना वा ऐवा बात पहुंच है। बच्च दो उनको दिवानेवालेको देता स्वारको बनान मी एट रना वा ऐवा बात पहुंच है। बच्च दो उनको दिवानेवालेको देता साहिए। मैं उनको निर्वोध मानवा हूँ। हुस्था नवेसें किया पदा कार्य है। नाम केयस सराव या मांपका ही नहीं होता कियी पायकपन-भरे विचारका भी हो सकदा है। भी भीमराका नता ऐसा ही था। अर्थनों और अमेनोंका उपाहरण पनन है। अर्थन वहाई करें तो अंग्रेन चड़ाई करनेनालोंको ही मारिन। ने ऐसा दो नहीं करेंने कि किसी मी बर्मनको बहु देने बहु मार कालें। इतके अकावा वे व्यवनीकी कुरकर नहीं मारि। यदि वर्मन कितीका भेदमान होगा तो वतको नहीं मारि। यदि ये विना वेतावनी दिसे अपने बरमें उस स्पतिको मार वार्षे विश्वने भेग कोई वरणव नहीं किया है तो मैं सायर ही बर्स देव स्थानका मार बालू । नवा भय काइ बरपन नहां एक्या हु ता म कायर हूं। माना बाह्मेंगा। बरन कीपोर्ने यह एक सक्की प्रचा है कि वे वरने वरमें दूरमा भी हो ही उत्तको नहीं मारते। वे बपने धमुको तमी भारि बच बहु वरने बरसे बाहर निक्ठ वासे बौर वे उत्तकों हृषियार बठानेकी बेतावनी वे हैं। की कोग यह मानते हैं कि मार-बाटने मानाई होते है वे उस नियमकी एका करके मार-काट करने तो बीर याने वासेने। बाडी तो बरपीक ही माने भारेंने। कुछ कीन कहेंगे कि भी बीगराने जो यह काम किया वह सुस्थमकस्सर और यह समझ कर किया है कि उनको तो जान देनी ही पहेगी इसकिए यह कोई मामुगी कारि वेतु मही मानी जा नगती। किन्तु मैं पहले बता चुका है कि मानें मनुष्य ऐता काम कर सकता है बीर मृत्युका यम भी छोड़ सकता है। इसने बहुदूरी दो नामें हूँ मृत्युक्त नहीं। मनुष्यकी बहुदूरी दो दौष काम तक बहुत दुन्त तहन करतें में है। यो काप विवेकपूर्यक किया जाता है वहीं वहायुरीका काम माना जाता है।

मुझ कहना चाहिए कि वो लोग ऐसी हरवाओं को भारतके किए लामबर मानते हैं वे मानवम है। वोरावड़ीके कामित लोगोंको लाग गाँँ होता। ऐसी हरवाओं करावित, असेव भारतके के जानित। देकिन इसके बाद राज्य कीन करेगा? इसका उत्तर पढ़ी होता है कि हरवारे हैं। राज्य करेंगे। तक मुझ कीन जीनेंगे? ज्या बरेब केकल हमीनित्य हरे हैं कि वे बहेब हैं? तथा जिनकी चमड़ी भारतीयोंकी-जीती है, वे सन कच्छे ही हैं? बाद पेसी हो तो ١,

वक्षिण वाफिकामें हमारा कोई विमकार ही नहीं है। ऐसा हो तो देशी राजामांके जत्याचारोंके निस्त स्तना योर होना ही नहीं चाहिए! हत्यारे - चाहे नै कासे हीं या योरे -भारतमें राज्य करेंगे तो उससे कोई काम नहीं होगा। ऐसे राज्यमें भारत बीरान और नष्ट भारत हो बायेगा। इससे बहत-से विचार उत्पन्न होते हैं। फिला माने उनको यहाँ किस्तेका समय नहीं है। मझे बर है कि कुछ भारतीय वन हत्याओंकी सराहना करेंगे। मेरे विकारसे वे सहायाप करेंगे । ऐसी समझ क्षोत्र देनी चाहिए । विहोध बादमें ।

#### <sup>44</sup> नाग्रेजिस्म गरे

इंग्सैंडकी महिलाओंके मताविकारके किए छव्नेशाली स्विमी मजब कर रही हैं। वे किसी हरक के काले नहीं करती है। जनमें से फिटनी ही स्थियों बीमार पढ की है किर मी करना नहीं छोड़दीं। फिलमी ही स्मियाँ भी प्रस्तिवयको अपना मावेदमपन देनेके दिवारसे रोज रात-रात-मर संसद-भवनके ब्रारपर खड़ी रहती है। यह कुछ कम नीरदा नहीं है। कितना प्रवस्न होता सनका विश्वास ? वहत-सी रिवर्स इस कान्योकनमें वर्षात हो सई हैं बौर होती था रही है। फिल्ल ने अपनी कनाई बन्द नहीं करती। यह सवाई हमारी सवाईसे प्रधानी है। हम इससे बहत-कुछ नसीव्रत और विस्मत के सकते है।

[ गुजरादीसे ]

इंडियन जोपिनियन १४--८-१९ ९

## १८१ पत्र काँबें क के निकी सचिवकी

शन्दन एस डब्स्यू प्रकार २ १९ ९

निजी समिव उपनिवेश-मन्त्री

महोदय

इक्रिय बाफिका ब्रिटिस भारतीय समिति (साउन काफिका विटिस इंडियन कमिटी) के मन्त्री भी रिश्व परम माननीय उपनिवेश-सन्त्रीको हान्सवासके विदिश भारतीयोंकी बोरसे एक क्षिप्टमध्यक्रके आनेकी सुचना है चुके हैं।

इसमें प्रिटोरियाके व्यापारी और वहाँकी गंजुबन इस्कामियाके अध्यक्ष थी हाबी हवीब और मैं - दो प्रक्तिनिक है। काम प्रक्रिकिक स्वामा होनेसे पहले प्रक्रियाई पंजीयन व्यक्तिकम (एक्सिमाटिक र्रीअस्टेकन ऐक्ट) के अन्तर्गत गिरएतार कर किमे नमे वे और अब जेकमें है।

मेरे साबीने और मैंने भानवृत्त कर कॉर्ड महोदयके गुकाकात नहीं गाँती है नदीकि हम इस अक्ट सामान्य-सरकारको कर दिये वगैर उस कठिम समस्वाका समावान प्राप्त करनेका प्रवास कर रहे हैं, विश्वको सेकर हम वहाँ जाने हैं। लेकिन पूँकि वसिय वाफिकी वविनिवसके

र रंगीयमें किसींब संस्टीन महाविकारके किए व्यवेताओं किसीं । क्<sub>र म</sub> श्च क्राक्रकिया चौर गी० रक्ष वेदियातः वेस्टिर श्रव १८९ । मधिके (शाजम आफिकन द्रापट ऐक्ट) के सम्बन्धमें कुकामा गया सम्मेतन बाज सुक हो रहा है स्वतिष् हम सार्थ महोत्रका स्थान इस राम्यकी और जीवना बोधनीय समस्ते हैं कि ट्रान्सवातने आरतियोक प्रत्ये उन चपनिवेचमें बसे बिटिय भारतीयोक्त करणानिव करण सन्ता है और विटिश भारतीय नेशामाको उसके कारण कर भी गहरी निर्मा है।

टिक्सूक हम इस प्रस्तपर सार्वजनिक विवासी क्षता बाहते हैं, ताकि पैर-सरकारी इपने प्रमानेता करनने आनानी हो। इसकिए मिर्स कोंद्र महोस्य हम कोमीकी इस परमते कि हम उनके सामने बबतककी पूरी स्थित रख घड़े व्यक्तियात मुखकातके किए समय देनेका बनसह करने तो हम बरपन बाजारी होंगे।

> जापका आदि सौ० क० गांधी

ककोनिमक बॉफिन रेकब्स २९१/१४२ तथा टाइप की हुई करवरी बंग्नेजी प्रतिकी फौटो-नकल (एस एक ४९५१) छे।

# १८२ पत्र साँड ऍम्टहिलको

[क्रम्यन] अकारिश १९ ९

कडिं महोदय

में आपके इसी २ सार्थिक पत्रके किय आपका बहुत ही आसारी हैं। मुखे कहुत दुख है कि मरे पत्रपर ठीक पता न बा। बात वह है कि मरे पास परोंकी एक विशेष सूची है जो पिट्यमण्डक पिक्की बार यहाँ आतंक समय दीवार की पहें जी। हुमारी पोकक में तिनके किए यह काम अधीयक नवा है सूची-पुरिकाको देखा और जाएके सामके सामके साम ती तीत पत्र दिसे ये जनमें से पहला पता किया किया। वह एक निर्मिक्तामें से किया नवा था। बेडकोकंग पता मूचीमें तीसरे स्वालपर वा अनर चूँक काम कुछ व्यरस्ताकी अवस्थानें दिया बया है स्थाब्य अपूरीने वस्त्ववानीमें पहला पता वे दिया और हमी बजाइने सह एक्टी हो गई।

मैं बापने सहमत हूँ कि वी मेरीवैनका पत्र उत्ताह गंग करनेवाका है। साथ ही मैं समझता हूँ कि बीर बाग किसी प्रकार विश्व काफिकी राजनीतिक्रोंके व्यक्तियत सम्पर्कते का सक्ते तो यह नात पत्रिक काफिका जिटिस मास्त्रीय समिति (सावण काफिका विटिस इंडियन कामी) के कामको क्यों बाग सामान्यके हिताका को कार्य कर रहे हैं उनके सन्तन्तमें बाग कार्रवाई कामके समें बाग सामान्यके हिताका को कार्य कर रहे हैं उनके सन्तन्तमें

र प्रांचीनोंने रम् झुल्मेची अर्थे कॅस्सिकों जेंद की गी। यह अपना है वह पर कर्मी गर किया क्या गामी कारून कर्मी है।

व देखिए लक्ष क्ष एत एक बोक्सदोल कुछ दुवन्तवह ।

३.४ छन्नै चीनी सकस्य

इसमें कोई सन्देह नहीं कि संपक्त वधीन बिटिस मारतीयोंको समस्त बीसम माध्यकार्म मारी सक्टका सामना करना पढ़ेगा।

मैंने माननीय खोंबरको भी पत्र किया वां उन्होंने उसका कोई उत्तर नहीं दिया है। इससे मैं बयाथ करता हैं कि उनका क्सू अब भी नहीं है वो बहावमें ना।

सापने छर बस्सू की-बानेरसे सिक्ता स्वीकार किया है इसके किए मैं बापका जामारी हूँ। बापके मुस्यवान समयपर कितना बार है इसको मैं सबी मीठि समझ सकता हैं। इस्तिए यो स्नेव जापको बानते हैं कि उन सबके किए बीर मेरे साथी तथा मेरे किय यह इतकतास्य सन्दोबकी बाद है कि बाद बपने बनेक कर्तम्योका पानन करते हुए मी हास्ववास सीर दक्षिण बाफिकाके क्या बायों के बिटिश बारशीयों के प्रकार इतना म्यान

वेनेका समय निकास केते हैं। मैंने सम्में मॉड मू के निवी समिनको एक पन किस दिया है, विसमें सनसे म्यक्तिगत मेंटके किस समय मांवा है। ऐसा ही एक निवेदनपन कॉर्ड मॉक्टि निवी समिनको भी भेगा है।

कॉर्व यहोस्यका बाह्यकारी सेक्स

कोंद्रं एंस्ट्रिक की श्री एस श्री है कि सी सी बाई है कबन होटस कबन स्टीट डक्स

द्राइप की हुई बफ्तरी जंबेनी प्रतिकी फोटो-चक्क (एस एन ४९५६) से।

१८३ पत्र 'साउच आफ्रिका'को

[सन्दर] नुका६ २२, १९ ९

महोदय

ताचे भंकने वपने सम्मावकीयमें बाप कहते है

भी बांबी बिनकी संक्ष्मत हुरे नेताल और इस्त्वालमें हैं, स्वीकार करते हैं कि बनका और बनके साथियोंका बान्योत्तन इंग्लेडमें [बतके प्रति] स्ट्रानुमृति रक्षनेवालोंकी महाति स्कारत बायोगा। प्रतंपवक व्यक्ता पड़ता है कि इस एडड्रानुमृति रक्षनवालोंकी माम दुर्गाम्पते आरसके कहा सर्पेकर बान्योत्तनसे सम्बद्ध है भी रिक्के हुक रिमोर्ने मसाबह कमने सामने जाया है।

में बचरमें निवेदन करना चाहता हूँ कि मैंने रायटरके प्रविनिधिये को कहा वाँ यो ठो यह है कि हमारा साक्षोतन काँवें ऐंस्टीहरू और उनकी समिविकी सकाहके बनुसार चलेगा।

र काल करकल नहीं है।

र को पत्र व्यवस्थानायः। कुद्रेशिक्षः सत्र अर्थे कृते निनी सम्बद्धी" इत्र ३.५०३ ।

इ. ब्यू कारूम वहाँ है। ∨ नेक्स नर्जेश राज्याके प्रतिनिधिते न का १७९।

लॉर्ड ऍस्टहिल और उनके सहयोगियोंके उस आखोलनसे सम्बद्ध होनेकी सबर मुझे नहीं है जिस आप 'मारतका सर्वकर बालोसन'" कहते हैं। इसके सिवा अनाकामरू प्रतिदेशियाँ-पर अपने अन्त करणक सर्विरिक्त फिसी औरकी नर्शी नहीं चस्ती। वे न्यायत जिस बातके अविकारी है उसे हस्तपत करनेके किए शाया-बढ़ हैं और उसे पानेके किए स्पन्तिमत कप्टोंको किसी भी सीमा तक सहन करनक किए तैयार है- मृत्यु भी इस सीमाके नाहर नहीं है। सुच्चे सरवाप्रहकी कसीटी अपना बक्तिशम है, बूसरोंका नहीं।

> बापका वार्षि मो० क० गांधी ]

[अंग्रेगीसे] इंडियन बोपिनियन २१-८-१९०९

१८४ पत्र एच० एस० एस० पोसकको

[सन्दर्ग ] बुलाई २२ १९ ९

त्रिय हेन्दी

मुझे कोई बहुत अवरत्रका समाचार नहीं देना है। यी अमीरमकी को सर रिवर्डसे निके में कल होटक आये में और कुछ बासान्तित विकार बेते में। धर मिलियम भी-वार्नर भीर भी मॉरिसने भी होटक जाये ने परन्तु ने केनक सच्ची स्विति समप्तना चाहते ने।

मैं इसके साथ लॉर्ड ऍस्टड्रिकके एक पत्रकी नकल भेज पड़ा है। पन काफी स्पन्ट है। मैंने उपनिवेध-मन्त्रीसे और मारत-मन्त्रीसे भी व्यक्तियत भेंटकी प्रार्वना की है। बाबके मॉर्निन पोस्ट में इस आध्यका एक बक्तव्य प्रकाशित हुना है कि श्रेदभावपूर्ण एधियाई कानूनका नियम्बय गवर्गर बनरक और परिपदके हावाँमें होना शालीय परिपदकि हावाँमें नहीं। मै नहीं भागता कि इसका नर्ने क्या है इसका नर्ने बहुत-कुछ थी हो सकता है और इस भी नहीं हो सकता।

भी मेरीमैंत जिनके पत्रका उस्तेषा कोई ऐस्टिहिसमें फिया है कहते हैं कि है इस इच्छाको प्रकट कर देनेके निर्दारत कुछ नहीं कर सकेंगे कि बसिय जामिकी राजन्यिक बिन जवार शिक्षान्तोंको भागनेका बाबा करते हैं जनके विपरीय कोई कानून न बनाया बाना वाहिए। इस स्टेडचे मिक्र वृक्ते हैं। उन्होंने भी जनरक स्मर्यस्ते मिक्रनेका बादा किया है। इस पुसरे जिन कोर्नोसे मिक्ते हैं सनके नाम वेकर जामको परेसान करनेकी सकरत नहीं है। यह यह पत्र आपके पात पहुँचेपा तथतक व्यक्तिकत वातचीतका परिनाम प्रकट हो नकेगा। इसकिए में उत्तका पूर्वामास देना नहीं चाहता।

१ रख ही वक्तिप्रव सत्तामें नार्रावनाही कार्रमलेंसे हैं।

अन्यू वी केंब (१८४९-१९११)। गरीज पत्रका और रिम्मू ऑफ रिम्मूमने क्यारक :

मुझे भरोसा है कि जाप जपने भारत पहुँचनेका तार दे देंगे। खेद है कि बाप जिस जहाबसे भारत जानेवाके हैं उसका नाम मुझे मानूम नहीं है। किन्तू में बपतरीको एक तार' भेज यहा हूँ ताकि वह पहलेसे कुछ इन्तवाम कर रखे।

मिली वहाँ परसों का चानेगी। मालाभीने तो नकान भी किरामेपर के किमा है। जसमें दो सोनेके कमरे और एक बैठक है। किसमा एक पाँड प्रति सप्ताह है। उनको नही ठहराया आयेवा केकिन वे स्रोम खाना मालाजीके साथ खायेंथे। यह व्यवस्था मस्रे बहर उपयोगी मारुम होती है। इससे निसीको पूरा जाराम मिस बावेगा। अभी मीसम बहुत अच्छा है और बच्चेंकि किए बहुत ही अनुकृत शिक्ष होना पाहिये।

मेरा क्याक है कि मैं बाएको प्रो माण्यारकरका नाम बताना मुक्त मया। बाप बानदे ही है ने जायके एक सबसे बन्ने संस्कृत-पण्यित है। मुझे जिस्सास है कि जाप पूना आर्थेने तब नापको चनसे नवस्य मिळना चाहिए। नाप उनको इस प्रकार उनके एकास-बाससे बिरत भी कर सकते हैं। कुछ भी हो आपका उनसे सम्पर्क स्थापित करना अच्छा ही

होता। आप भी नामरके करकरे भी मिलें। उसका ठिकाना गिरगांव है। में आपको उन कोनोंके नामोंकी सुची मेन रहा है को बॉटोमन संस्तीय सिस्टनव्यक्ती दावतमें शामिक हुए ने । समारोह सानवार ना स्वेकिन में उससे बहुत दु की होकर बड़ा सामा। दावतके कमरेमें बहुत भीड़ थी। बाबतमें शीन वटे क्ये। श्रराबके गिलाओं में से उठनेवाकी भाग और छगभग है विविधानि सिगारों या सियरेटोंके वर्एका समयर बहुत बस बसर पड़ा। मेरे मुँहसे जाप ही आप निकल पड़ा - सम्य वर्षरता । और उससे मेरे सामने कवियों द्वारा विभव राखसी मोजॉका वृक्त उपस्थित हो गया।

यत सप्ताह मामकेका थी विवरण आपको मेवा थया या वह अभी प्रकासित नहीं हुआ है। एक्टिप्त विवरणका संयोजन कर दिया गया है। मैं इसके साथ उसकी एक नक्क मेजता हैं जीर प्री पोक्तकेको किसी जपने पत्रकी नकक भी।

हाइए की हुई इफलरी बंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ४९५६) से।

<sup>2</sup> M Berme FR & 1

र याँ एमहत्त्व वीराण मानाएकर (१८१७-१९६५); महान मान्य विवासकी शंदाकी विद्यान् समात्र चौर गरीक सुनारक, गर्मिक और वेरिवासिक विक्वीचर मोन्य प्रकारिक वेक्क ।

प्रमुख्यक हीएकक माळा इंडियम आर्थिनियमक क्रम समास्त्र और वांचीनीत स्वमोगी; करती क्ल १९०६में हों। वेकिस करत ५, वह १००९ ।

y देखिर "शाम्याकासी मारतीनीचे नागकेका विकास" वर्ष १८०-३ ।

भू देखित "या ज्यारीदी" वह भरतन्त्र । · असे सहस्त होता है कि का जनने दिन सेना नता ना न्येट क्सार वारीक भी क्सी दिनकी ही गई

ती । देखिल बरावा बीर्नेस ।

# १८५ पत्र गो० कृ० गोसलेको

क्षम्बत एस कम्ब्यू अकार्ड २३ १९ ९

प्रिय प्रोप्टेसर धोखके

बनतक यह पत्र बापके पास पहुँचेगा भी पोलक मारतमें हुँगि। यहाँ हुमारा कार्य नहुंद करिन है किन्तू या बापके थिए चीई नई बचर न होगी। मैं इसका उससेस केमस मुनिकाके स्पर्से करता हूँ ताकि मैं बापसे इस बोर निक्षेप स्थान देनेका समय निकासनेकी प्राचैना कर सुदै।

मुझे इसकी बहुत विश्वा है कि इसारे नेता इस संवर्षक राष्ट्रीय महत्वको समझे। सी ऐकिक यह कार्य करनेके लिए एक मिस्तरी कार्यक्ताकि कार्य में मेने गये हैं। हम ट्रास्प्राक्त तकाक कर मोनत रहेंने कवतक त्याव नहीं मिस्तता किन्तु हम माद्यभूतिसे कवतक वितना

प्राप्त कर चुके हैं उसकी अपेक्षा बहुत अधिककी जम्मीय करनेके हुक्यार है।

भी पोक्रकम काम बहुत कटिन है। मैंने उनसे कहा है कि वे पूर्वत बायक निर्मितानुदार कि सीर में बानता है कि बाय सनके कार्यको म्यासनिक हक्का करनेमें कोई कोर-करर न रही है कि एक सम्बद्धित करा समान्य कर रहे है कि हम् में भी स्मर्थक हर कार्यकीय के कार्य समान्य कर रहे है कि हम् में भी स्मर्थक हरती बच्ची तर्य बानता है कि मुझे दस बायधीयमें विकाद विकाद नहीं है। हम सामय एक स्पादक स्मर्थक कार्यक हमा है। हम सामय करा हो से साम करना हो तो उस जवस्थामें यह विक्रुक वक्षी हो वासेग कि मारत हमारी प्राप्ताका समर्थन करे। स्मा मैं बायस कर समर्थन करा है कि जाप की कुछ सामस्यक स्पर्यमें वह स्टि?

मैं इसके साम एक वाधिक करने विकारणका संतीप जो इसने तैमार किया है, मेच प्राहें। मदि बादबीत कलक्छ होती है तो कलका परिनाम प्रकट होते ही यह सक्षिप्त विवरण प्रकासित कर किया बामेगा।

> हुश्यम् नापका सो० क० सांघो

माननीय प्रोक्टियर गोबाके एम एक श्री भूगा

टाइए की हुई मूक अंबेजी प्रविकी फोटी-सक्छ (भी एस ४११) से।

र ती रोक्तने मिहिन्द बोदकित कभी वर्षों की थी और लक्ते देश क्लानके पत्रम मोर्गानीको लिखा गा— "वि (मेरिन्द प्रेक्ष) कोई तती कार्यित ल्लार करते केविन क्लाने क्लानी वार्या वर्षोंक और तेला करते कार्योंने दे पी है। व्याप्ती कार्यक्रमता है कोइन्द्र पत्री कोई क्लानेने दे पी है। व्याप्ती कार्यक्रमता के वी क्ला प्रकार पत्री कोई क्लानेने क्लानेने की व्याप्त के भी क्ला प्रकार पत्र कोई क्लानेने कार्यक्रमता की की क्ला है— करते, दूर्ण पात्र, पत्रित कार्यक्रमता, प्रवास कार्यक्रमता वृ पीक गाहि। वे व्याप्त के भी क्ला करेंगे। शहुत कार्यक्रमता वृ पीक गाहि। वे व्याप्त के पत्र क्लानेने कार्यक्रमता की कार्यक्रमता की कार्यक्रमता कार्यक्रमता की वाला की अपने कार्यक्रमता की विवास कार्यक्रमता की विवास की विवास कार्यक्रमता की विवास की विवास की विवास की विवास की विवास की व्याप्त की वाला की व्याप्त की व्याप्त की वाला की विवास की वाला की

## १८६ पत्र श्रीमती धाँगलको

क्रम्बर एष असम् जुकार २६ १९ ९

प्रिय भीमती कॉगस<sup>8</sup>

कुमारी स्थेपिनने नृत्ते बतावा कि बाप भारतीय महिकाबॉकी एक समामें सामिक हुई भी। इस समाबारी मुखे बड़ी प्रयानता हुई। मैं बानता हूँ कि बाद अपने उत्तराहित उन्हें भीरत कर सकती है और मैं यह भी बानता हूँ कि वे बपनी पूरोपीय बहुनीकी सहानुसूरिकी कितनी कह करती हैं।

कुमारी रहेकिन आपको यहाँके कामके बारेमें जारी जानकारी दे बेंगी। स्वास्त्र में आपके कामके किए आपको जन्मवार देकर और आप तथा भी बाँगल होनोंके प्रति अपना सम्मान प्रकट करके ही वह पत्र समाप्त करता हैं।

वन कमी वापकी इतियन मीपिनियन की और अधिक प्रतियोंकी बरूरत हो जाम

कार्योक्टमें जाकर मौग कें।

हृदयसे बापका मो क**्रगां**की

[पुनस्य ]

भीनती पोडक भाग वा रही है।

नांबीजीके हस्ताक्षरचे युक्त टाहप की हुई मूळ बंधेची प्रति (ची कस्यू ४४ ८)चे । चीचन्य सहन गांची।

#### १८७ सम्बन

[चूछाई २३ १९ ९]

बॉ॰ बर्जुड मबीड

कानुनके बॉक्टर धैयर बस्तुल मनीव नत्त्री ही मारतको रवाना हो रहे हैं। उनके सम्मानमें एक बस्ता किया गया का। उनमें की हानी हरीव बीर में निमल्पन पाकर मने के। वहाँ प्रश्नवस्थ ट्राण्याकने भारतियोंके स्वात्वस्य बातशीत कही की। वाँ सैयर बस्तुल मनीरने नावा किया कि ने भारतमें इस सम्बन्ध प्रमुख्य करेंदे। क्वसेसें कुछ मूरेरीय भी के। भी रिक भी मीजूब के।

र श्रीमणी कील क्षीहानिकारीने मध्योत सहिकारोंकी ज्यापे ज्यापी और "स्वर्धीन श्रामर" नामीनिक इस्तो में १ में पर क्लोर पति भी नवश्योका कार मध्ये ने वस्त्यीवीत श्रामंत्री मही श्रिकारणी की ने। 3 वस्त्रपति भी ।

#### वॉटोमनका' समारोह

पुर्शको संवयक कुछ सक्त्य अवेनोके नदे नेताबीस मेंट करनेके लिए यहाँ वासे हैं। उनके सम्मानमें होटल सेशिकमें एक मोन दिया गया ना। सहस्पोंनें माननीम सम्बात ने प्रमुख ने। दूसरे सस्य ने— मुस्तका करीफ ने लेकाब ने जो रिजा सौफीक ने मेहमेन बची ने क्षेरनावे नहाम पासा मीनास ने सुनेमान क्षस्तानी मसीम मनकियाँ नरूँनी सासन करूँनी और फनक करीफ नरूँनी नावि।

इस समारोहरों स्थायण तीन सी खोग होंदे। इसकी जम्मताता वर्क व्यांक ऑस्कोने की। इसमें खोडे कर्जन भी मीजूब के। कोई पचार भारतीय होंदे। इसमें स्वायमूर्ति भी बमीर बखी नवाब इस्टूक मुक्क सैवह हुसैन बेक्सामी भेवर सैयह हुसैन सर मंबरजी नावनमधी बमीर थे।

मुक्य प्रायस कॉर्ड कर्बनका था। युक्र वहत्योंकी ओरसे उत्तर देनेवाके भी युक्रेमान सुप्रतानी ईपाई से 1 उन्होंने कहा कि युक्कि चन्यमें धमीको एक वरावर हरू हासिछ है।

### बीगराका मुक्तकमा

भी भदनकाल शींपराका मुक्यमा नाज (२१ तारीबको) पेच हुना। अदास्त्रजे हमें जानेकी मनाही भी। श्री शीयराने जरना बकाद नहीं किया इस्तिम् मुक्तमा बहुत बोही हैर बना। उन्होंने यहाँ खबाव दिया ना कि मैंने देखते मनाहेंके किए हरना की है जीर उसमें भी कोई करपात हों समझता। वहें जबने उनको चारीकी स्वार्थ हैं। इस हरमा की सम्बन्ध में में में स्वर्ण बकाद हो। यह हमाने स्वर्णन स्वार्थ में स्वर्णन स्वार्थ हो। अप हमाने स्वर्णन स्वार्थ हो। अप हमाने स्वर्णन स्वार्थ हो। स्वर्णन स्वर्णन स्वार्थ हो। स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन स्वार्थ हो। स्वर्णन स्वर्य स्वर्णन स्

### धींगराके मुक्तनीकी पविक्रिया

भी बीमपाके मुक्तमेसे सरकारकी निगाह इंदियन सोपियोक्राजिस्ट की बोर गई है। यह बक्कारमें साथ किका गया था कि वैधाहितके किए हत्या करना हरना नहीं है। मेर्च के केकको कालोरेन केमरे मुक्को बार महिनों के कियो बचा दी गई है। विस्कों सन्त सी गई है यह निर्धाण और गरीन अंबेन है। उसको कुछ बान गही था। उपलेबांके पेरिसर्गे बैठे है स्वतिष्ठ उनको सरकार विरक्तार कारी कर सकती। ऐसा करनेसे कुछ बेहका जबार होनेबाल नहीं है। करतक कोगोंने जुद आरी कर-महन करनवांके पेश नहीं होंगे देवक मारकार ज्यार कराणि नहीं होगा है।

## नेद्यक्षका विष्टमण्डक

नैटाइका पिप्टमण्डल अपके हुको पहुँचनेवाला है। सबतक संव कमिनियम (यूनियन ऐक्ट) सगमन स्वीकृत हो चुका होया। संव विधियम सम्बन्धी बातवीट असी चल पहुँ

**र.देखिर "ब्ल्या प्राह**⊷रा

र व्यव धन्य द्वार्थी सम्मानक संस्थारक "क्यान अस्पति नामने स्युत्तक हुवा है। "क्यान की भवेतीने "बोम्मन "विका कना है जीर कोने व्यविगत खन्य निक्रम और व्यक्त हारा स्थापित सम्मान भौरमन समानक बामसे मसिंह हुना।

है। उसमें कोई नज़ा फेरफार होनेनाला नहीं है। ऐसा बाल पड़ता है कि कान्ने कोपींसे सम्बन्धित कानूनोंमें फेरफार करना संबन्धितक हावोंमें खेला। इसमें कोई सार नहीं है। यही कहा वादेश कि सरा नहीं गुजर पता माग-माव नहीं तो धीप-माव सही। मुझे सर है कि नेटाकड़ा सिस्टमाल कहात विकास से सारा माना वादेश। मैं यह नहीं मानता कि ऐसा न होता तो भी कोई काल हो सकता था।

## डॉक्टर गर्व्याहराम

हॉक्टर वर्ष्युद्धमान बहुत उच्चोग कर रहे हैं। उन्होंने कॉर्ड कूथे भी मेंट की है। किन्तु उपने कोई काम होगा ऐसा सम्मान नहीं बान पहता। भी बाहमर बहुत प्रमाद कर रहे हैं। उनके सम्मानमें एक समारोह २७ तारीबको इसी होटकर्ने किया बाना है, विसर्च बैक्टर में यह पत्र किसा रहा हैं।

[गुनचडीवे]

इंडियन कोपिनियन २१--८--१९ ९

## १८८. पत्र उप-उपनिवेश-मन्त्रीको

क्रम्बन एस डब्स्यू **क्रमार** २४ १९ ९

सेवार्गे इप-उपनिवेश-पन्तीरे इपनिवेश कार्याक्रय म्हाइट हॉल एस डब्स्यू महोदय

सापके इसी महीरोकी २६वीं सारीबके पक सं २४६१८/१९ ९ के सम्बन्ध निवेदण है कि मिंद बॉर्ड महोराजने मुकाकात की सो मेरे सावीं और मैं विश्व सामिकाके संजीवरणकों को सबती हैं। देश हैं व्यापनों एकते हुए, उनके सापने हास्ववाकों निदिध माराविपने सेक्का जो कप्ट-सहुत किया है और जब सी कर रहे हैं स्वयं सरकान जीर प्रमाविष्ठ क्लिया में उपारिक करते या जाविक हारि सहनेमें सवपर्व होने कारण एपियाई पंजीवरण समितिकान (एपियादिक रिवार्डक एपेट को पत्तव कर को मेरे पर मी मान किया है, उनमें से ज्यावादिक क्षेत्र हुए को स्वापन करते को बीर पर मी मान किया है, उनमें से ज्यावादिक क्षेत्र क्षेत्र में कारण एपियाई महित्य क्षेत्र को मी मी से हम कोच क्षाव कर्य की बीर पर मी मान किया है, उनमें से ज्यावादिक मेरे से पर मान क्षेत्र के सामित करते की से से पर मान किया है, उनमें से ज्यावादिक क्षेत्र का मान के मीर पर से पर मान किया है, उनमें से ज्यावादिक करते की मान करकार कोई महोदयके सामि आसीतीं की सिपी एस सामा है से से इस मानकों मैं निर्मुण हस्तकों करते और इस समझ हो तो कर सिपीक स्था करा देने निससे से हमूं निर्मेण शिर्ट सामिती से सामित हो तो कर सिपीक स्था करा देने निससे से कहान निर्मेण शिर्ट सामिती की सकरनीय कर स्थान हो है।

र जारा रेप्टेररी भाषा रोड फोर कोंग सोमीनीय ।

ट्राग्यवासके बिटिख भारतीय हाई वर्षों ट्राग्यवास शरकारचे आर्थमा कर रहे हैं कि बहु १९०० के एथियाई पत्रीयन अधिनियम (एथियाटिक रविस्ट्रेयन ऐस्ट) को रह कर थे और इस प्रकार उपसे उनका को यपमान होता है उसको समाप्त कर वे तथा उन उक्क पिका-माप्त मारतीयहिक वर्षेका सनाक रखे जो बिटिश परम्पराके सनुसार और केप सौठ

पुड होप तथा जन्म बिटिय उपनिवेकींने बाकु तरीकेसे ट्रास्थवाकों प्रवेश पानेके इन्युक हैं। मैं नप्रवाद्वेक बाखा करता हूँ कि कोई भहोत्य हुई ऐसा मौका देनेकी इपा करेंसे विस्ति हुन स्वयं उनके सामने मामकेको रक्ष सकें बीट इस प्रकार उच्च उद्देशको पूरा कर

पक्ष तिसके किए ट्राम्यनकके मार्थ्याय समायने क्ष्में यहाँ विशेष रूपसे मेना है।

वापका बादि भो०कः गांधी

टाइए की हुई पूल अंग्रेजी प्रतिको फोटो-मक्क कलोनियक सॉफिस रेक्स्स सी बी० ५३६३ और इस्ट्रिटी अंग्रेजी प्रति (एस एन ४९५८) से।

## १८९ विष्टमण्डलकी यात्रा' [-४]

[ब्रुकाई २४ १९ ९]

मरा स्थान है कि मैं यह स्थाह सर विकियम बी-बार्नर बीर श्री मौरिसनसे विस् होटलमें हा। खरे हैं स्वर्ग बारणी बारणी बारणी का कुछ हैं। उन्होंने सहानुमूरि अस्ट से। पसने बार हम नेजर सेयब होग बेक्समिति किंग। उन्होंने बहुत स्था है। कि सित सर्वे हो स्थान स्वरा प्रथान करिं। कुमारी विट्यांटरकों मार्थ्य भीमती टीवर्नेन नामक एक महिलासे भी मिके। इस महिलाने एक बच्चे ब्याह किया है। भी टीवर्नेन महिलासे एक बच्च बवारारों नाम करते हैं बीर समस्य बोसा बारिको सानते हैं। उन्होंने स्वामा है कि से सनस्य बोसासे मिकेंगे। हम एक पक्तार भी बावनसे मी सिके। इन्होंने पिछकी बार (१९ सी) हमारी सावस्या की बी।

(८६ २+) हमार्थ सहस्रका का बाह भी मेददार समन्दे एक मारती है। जनके सम्मानमें पारमी शत्रुपनने एक मोन दिया बा वसके सम्बद्ध सर मधरती है। उस समारोहमें हम भी नियम्बित का उसमें मारतीभीने इसें सहामदा होनेके सम्मान्तर्में भागक सिना। इस सोनोंको बीर भी रिफको इस दियममें को

सम्ब ऋहनेका समय दिया यदा था।

हमने रिष्यू जॉफ रिष्यूच के सम्मादक भी स्टेडसे मेंट की। सनका भी स्पट्सरे कष्का सम्पर्क है। उन्होंने कहा है कि वे भी स्पट्सरे मिर्केमी।

हम मार्या-कार्यक्रिय (इंपिया ऑफिश) के सदस्य की यूप्पेस और शवाब हमहुक मुक्क सैयद हुसैय बेक्सामीसे मिले। हमने उनको साधि स्थिति संग्रसाई है।

र इंडियम मोधिनियाओं सम्म और जागेले क्योजींक श्रीतेंक राम कर "रंभेंड मानेश हिन्न-सम्बन्धी पाना" कर दिया जा ना, स्वीदि करी दिनों "मारत क्योगले विकासकारी पाना" डीभरते कर दुस्ती नियनमाना यो त्याकित डीने क्यों नी । वैदिन का वाला दन दे तो हैं, स्वतिम क्यों तमीकी दस्ति दिना वा दरिश्वा एक डीमेंस ही रहा का है । इनके मंदिरिक्ट बुसरे सोगॉसे भी भुसाकाट हुई है। किन्तु वह महत्वहीन है, हसीसिए

जिसका हाल गहीं है रहा हूँ। इसने कॉर्ड एंस्टहिसकी सलाहरे खॉर्ड कू और खॉर्ड गॉर्ससे मेंटका समय मौगा है।

हमन काड एस्टाहुएका सराहुस काड कू आर काड मासस मटका समय भाग है। लॉर्ड कूने कवाड दिया है उसमें मेंटका कारन पूछा थया है। हमने ससक वनाव मेर

दिना है। वे निकेंचे या महीं यह कवर अगरे हुमते माकूम होगी।

में क्यां-क्यों बतुमत प्राप्त करता बाता हूँ। ऐया करता है कि इतनी मेहनत किमूक की। स्वी करे हैं उनते मिस्कर कनता बाता हूँ। ऐया करता है कि इतनी मेहनत किमूक की। स्वी कराने-क्यांने विचारित व्याप्त विचाई वेते हैं। सतावारियोंके मनमें सक्या ब्याम करनेका विचार कम ही दिवाई देता है। उनको करने पहले कायन रक्षणेड़ी विन्ता स्वी है। यह भा से कोपेसि मेंट करनेके प्रयूपनों तुमाम दिन क्या बाता है। उन्हें पत किमूम होता है वक्का बचाव कना होता है पत्रकी पहुँच देनी होती है और तब उनके पर बाना होता है। एक उत्तर है तो दूपना कीमूम में। यह सक करनेके बाद मी कुछ मिक्नोकों माहा कम होती है। स्वापकी वृद्धित मिक्ना होता की कक्का निक बाता। यह के देन समझे देनेकी प्री है। ऐसी विभीतों काम करना संस्वापक्षिकों मक्का नहीं करना।

रितारी नेहनत करने और इतमें बहुवन्ता स्थाप नष्ट करनेकी अपेका स्थादा कर प्रोगाना में बहुत इत कर कच्छा मानता हूँ। बक्बते होनेपर भी श्रीक मंत्रूर हो अपे तो मैं समर्प्ता कि हमने राहुत पानेके किए वितान कप्ट सहन किया च्हीते वह मिर्का है। यदि हमाये भीन प्रवृत्त म होती तो मैं समर्प्ता कि अभी अधिक कप्ट सहन करनेकी बहरत है। कष्ट-सहन प्रवाद स्वादम मूखे हुएए दिवाई नहीं देता। किशी अवस्टेत कराओ अध्यान भी क्ष्य-सहनको कुप्ताची नहीं कर सकती। क्षात्त अध्यानको कुप्ताची प्रवाद है। सिना न पर्देशी। किस्कु क्ष्य सोमाना है जब्द वह कुप्ताच स्वादनी बहरत मही है। मानता हैं कि बुक्त तो अपने आप बोक्या है। बीर मैं प्रतोक मारतीयको सकह तही है। एक्ष्यो हुक्यते नाता बोहना है। बाकी तो पानीका बुक्तुका है। विपटस्थकर सात क्ष्य कनानी चाहिए। यह बात बात याद कर तेनी चाहिए। क्षित वह सभी मिलेग

्रमुचरे सहर्रोते को तार मिके हैं के उपनिवेध-कार्यांक्य और भारत-कार्यांक्यकी भेज दिने मेपे हैं।

क्तमप

रुमी ऐसा मानते हैं कि किस्प्राध्यक कुमानवर्गे आवा है। कुछ विनोंनें कम्बनसे एवं वर्षे बंदे कोन वसे वार्वेदे। वे जवस्त महीनेंनें गैरके किए निकक वाते हैं। इपिक्ष्य कोई सार्वविक काम करता है। तो वसको करता मुख्किक है। ऐसी विवस क्षिति होनेतर भी सिस्टास्प्रक किसी हुसे समयों जिल्हा की जा सकता वा वय वशिक मार्थिक है। होने वा मार्थ में ते तो हमारे जानेंकी करता थी। इर्जिए नतीजा यह निकका कि यदि खानती हक्ष्वकत है कुछ न वन पसा तो चुकी हसक्षकता नतीका बहुत ही कम निकक्षती सम्यादना है।

[गुजरातीहे]

इंडियन भोपिनिवन, २१-८-१९ ९

१ देखिर फिल्म बीर्नेड ।

# १९० पत्र लॉर्ड ऍस्टहिलको

[सन्तर] जुडाई २६ १९ ९

कॉर्ड महोदय

में बापके इसी २४ तारीखके पत्रके किए बामारी हूँ।

में भी वाबरते उत्तर न मिछनेका वह वर्ष नहीं क्यांता को बापने बनामा है 'क्योंकि मैंने उत्तको यह सूचना-माव वी की कि बाप उनको उपमवत पत्र किसीन। वस्तिय मूझे बन्दा है कि के बच भी फुनने-जनक्षत्रेको वैदे ही वैदार है बैचा कि मैंने उन्हें बहानमें पाया मा। मैंने आपको बताया वा कि भी छावर थी भरीमेंगंध स्विक उत्साहमें हैं।

भी हानी हतीय और मैं जीवें मॉलेंचे बातगी मेंट करके नमी-नमी जीटे है। कोवें महोपनने हमारी बातपर चहानुमृतिके विचार किया और कहा कि वे लॉवें कु को निक्वेंने और मेरे कहनेपर उन्होंने भी स्मर्क्ष कु प्रस्तपर बातचीत करना स्वीकार कर किया। फॉवें कु सभी नेनका छमत नहीं पिया है किन्तु उन्होंने हमसे कहा है कि मेंग्में हमें निन मुद्दित नची करनी है जनको हम निकार मेद में। बिस पनमें में वार्ष सी वह सनिवादों चना गा।

सर रिवर्ड डॉकीमनने एक गोयनीव यह भीजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि वे सारे प्रकार भी स्मद्रस्थे आपनीव कर चुके हैं, किन्तु की स्मद्रस्थ सम्मेकनके कार्यम बहुत क्याद्र स्पेत्रें रहाक्य कार्यम करने निर्मय करने हुक समय का सकता है। मैं यी स्मद्रस्थ क्याद्र है स्मामित क्याद्र मान्यों रे यो स्मद्रस्थ क्याद्र के स्मामित कि निर्मा विकट एक मानकों उनसे प्रभाव है। इसीच्य बहु निरम्भ कुछ स्मृत्र के हम्मित कि निर्मा विकट एक मानकों उनसे प्रभाव हुक स्माम्य हुक स्माम्य हुक स्माम्य क्याद्र हो। कोई मोने बीए, क्याद कर क्याद्र हो। केंद्र मोने बीए, क्याद्र कोई कुने मंत्रू कर किम्मा को उनसे मोने हैं कि स्माम्य हुक स्माम्य कर स्माम्य हुक स्माम्य स्माम्य हुक स्माम्य सम्माम्य सम्य सम्माम्य सम्य सम्माम्य सम्

र व्यर्क पॅम्प्रकेनने लीचा वा कि कर दिशाने बाग करनेसे करों कान नहीं ही एकता ।

र. देखिए "एवं **व्या** क्वानिवेश मानीकी । पृष्ठ ११०-११ ।

इ योगीकी प्राच्नेका का निवास तैवार का भी निमा है, जा नात वालय और *वंदविका* अन्य मन्त्र में वंदविका अन्य मन्त्र का विकास करिये का क्षिति करिये का निवास करिये का व्यक्ति करिये का व्यक्ति करिये का विकास करिये का निवास करिये का निवास करिये का विकास करिये का विकास करिये का निवास करिये का विकास करियो करिया करिये का विकास करियो करियो करिया करियो करिया करियो करिया करिया करियो करिया करियो करिया करिया करियो करिया करिया करियो करिया करियो करिया करियो करिया करिया करियो करिया करिया करियो करिया करि

वदानवन्दी मछे ही खानू होती हो इस कार्यमें जो इसारे मित्र हैं उत्तर हो वह सापू नहीं हो सकती। यदि आप या बनेक क्षोक-नेता मिककर काँब क को किसें और उन्स ट्रान्तवाडके मन्त्रियोपर अपना सत्प्रमाय बाकनेका अन्तरीय करें तो क्या क्ष्मारा उद्देश्य सिक्र म हो बायेगा ? स्टॉर्ड क् ट्रान्सवासके गरिवयोग्रे कहें कि जिल ब्रिटिश मारतीयोंने आपके रेसके किए इतने मारी और इतने भीपन कष्ट सहे हैं उन्हें छोटी-मोटी रियायमें देकर अपने संब-निर्माणको गौरव प्रदान कीविए।<sup>६</sup>

थीमानने शायर थ्यान दिया होमा कि मुक्त निवासी-संरक्षण सव (ऐवॉरिजिन्स प्रोटेनसर सोधाइटी की बोरसे एक विष्टमण्डस वशिक वाफिकी प्रवानमंत्री और बस्य कोक-मेताबॉर्स मिसनेवामा ना और यह केवल इसकिए महीं विस्ता कि सर चार्स्स दिल्ह<sup>े</sup> वो डिप्टमप्य<del>वस्</del>री

मैतृत्व करनेवाले में जन कोगों द्वारा नियत समयको स्वीकार नहीं कर सके।

मुझे निश्चित सगता है कि गवि आप अब भी शी मेरीमैन और शी सावरसे या उनसे न हो सके दो भी कोचा और स्मटससे बातचीत करनेका प्रयत्न करें, तो इसके दिए हैं। हो सकता है। मैं यह भी कह मूँ कि समझौता करना बहत-कुछ सर बॉर्व फेटारों और सर पर्सी फिटब पैटिकके हानमें है और यदि खाप जनसे बिक भी सकें तो मही निश्वास है कि समस्याके सन्तोपबनक हरूका कोई गाउँ निकक बायेगा।

मैं इंडियन ओपिनियन के नये अंककी और आपका ब्यान विशेष क्यसे बार्कावत करता हैं। उसमें तीन पत्नेसनीय प्रार्थनापन और भारतीय किष्टमकाछ-सम्बन्धी तथ्य दिमे यमे हैं।

बासा है भीमान अपना इतना समय क्रेनेके किए मुझे समा करेंबे।

बापका बादि

टाइप की हुई दफ्तरी बंधेनी प्रतिकी फ़ौटो-नक्तक (एख एक ४९६ ) से ।

१ टा. २८ जुलाबि पत्नी राजा कार होते हुए कोंडे इंग्सिको किया था अमेर क्यांकों मेरा वर कामा और है कि रक्षिय गाविका-विवेशक (विक्र) हो काम्बोचा कोई समान वहीं है । वह स्वरुपास विवाह अगून वर्षी परता । करूरा कानी वी है कि शुक्तान-सरकार स्थाने लिविव कर्नके कराने वर करिनाईबा नार करने और मस्त्रीकीची जिक्कण हुर करनेका बरावा वीवित करके संतरमें विवेधकी लीहरीको गीरवार्मित करें।" 3. सर कार्य देशके विकार (१८४६-१९११)। राजनीतिक, केशक, संस्थानस्थल कोर का सिंह समी

<sup>2000- 3 1</sup> s. (१८५९--१९१५)) खान-गारिक भीर शुक्ताक्षेत्र विशवकः विशव शामित्री हरा(१८९९--१९ ) में

तेवा की १ ४ (१८६९ १९६१); यस बाल-लक्तानो और वृत्तिण शाकिक्र-सम्मनी भूते प्रसानीय केवान सर में दे फेटार और वे शासनामात्र प्रचवित्राणी सम्मे गाउन सरका में र

u. वे राजनावनाती नारतीरों शरा सवाबी, राषामार्थ वीरोजी तथा वंशक देश्यर क्षेत्र कॉम्स्टी अवस्थानी मेले को ने । विकास गरिविता हुन ।

# १९१ पत्र साँड मॉसेंके निकी सचिवको

सम्बन एस अध्स्य वकाई २६, १९ ९

निनी सचिव परमाननीय भारत-भाषी महाइट होता एस इक्स महोदय

मंदि साथ नीचेका [ पर्वाध ] काँड गाँकेंकी सेवामें पेस कर वें तो मैं भागायी होडेंमा माँडे महोदयने की हाजी हजीवको बीट मुझे जो जानगी मुखाकार देनेकी क्रपा की बी बसमें समयाभावके कारण में जो कहता बाहता वा वह सब नहीं कह सका। इसलिए में अपने सामीकी तमा अपनी कौरसे कहना चाहता हूँ कि मारतीय समाज और ट्राम्सवास सरकारके बीच को दो प्रस्त --- बर्बांत एविवाई कानुनका एवं किया जाना और खिक्षित ब्रिटिस भारतीयोंके रबेंका को बाबार कम्य उपनिवेशोंने हैं एसी कामारपर वसे कावम रखना -- मनीतक मनिर्वति हैं वे भारतीय समाजकी पृत्तिक प्रतिकाले कारण सबसे कविक महत्त्वपूर्ण हैं। परन्त इसका वह वर्ष नहीं है कि बिटिश भारतीय ट्रान्सवाकमें बन्य नियाँव्यक्ताओं - वैसे बनीनकी मिक्किमत रखने और ट्रामॉर्में सकार होनेपर कमी रोक बादि — के बारेमें अपने आपको पीड़ित अनुभव नहीं करते।

फिर भी हमारा बावाक है कि भारतीय समावने बेखदानोंमें को सबा काटी बा मान स्थान्तिनंद कठिनाइयाँ सही हैं थो इन सवाकाँको तय करानेके किए उतनी नहीं निद्रनी कि सपर्यक्त दोनों सिकायतोंको कर करानेके किए । बेकिन विदिश प्रास्तीय सम्ब निर्मोप्पतानोंको हर करानेके किए बन्हीं सावनोंको काममें बादै खेंचे बिन्हों उन्होंने सबतक मपनामा है। परन्तु उपर्युक्त बोनों शिकायर्थे अन्य शिकायर्थेशि बक्कय कर ही गई हैं क्योंकि इत्ते उन्हें मर्गकर कर हुना है बीर जनतक कोई ठीक समझीता नहीं हो बाता सनतक

मह कम्ट होता रहेगा।

मुखे जीर मेरे सामीको मरीसा है कि काँबै भाँकों इस मामक्रेकी जोर विशेष अमान देनेका समय निकास सकेंने और जिन कोगींके हिए उनके मुपूर्व हैं उनकी ओरसे अपना मैत्रीपूर्व प्रमाण काममें काका सरसामग्रीय समझीता करा सकेंत्रे ।

आपका वावि. मो० क० शांधी

टारम की हुई मूळ बंधेबी प्रतिकी फोटी-नकस कस्त्रोनियल बॉफिस रेकईस (सी बी ५१९१) से बाइपकी हाई बफ्तारी प्रति (एस एन ४९६१) से भी।

र व्या क्यो दिन एउसे वर्ष हो क्यो और देविन रिक्रम बोर्नेस ।

# १९२ शिष्टमण्डलकी यात्रा [~५]

[पुसाई २६ १९०९के बार]

रस हफ्तेर्मे गुजाकार्ते बहुत कम दूर हैं। ज्यादावर समय चिट्ठियाँ किसनेर्मे और फुन्फर कोनेसि मिसनेर्मे गया है।

भुक्य मुख्यकात

मुक्य मुखाकार्य काँडें मॉर्केसे हुई। हम बोनोंको उन्होंने निजी क्पमें मुखाकार ही। यह कहना मुक्तिक है कि उनका उत्तर उन्तोधकारक मानना बाहिए या नहीं। मैं तो इतना

ही किस सकता है कि उन्होंने सहायता करनेका बचन दिया है।

कॉर्ड ऍग्टिहित सका मेहनत कर रहे हैं। उनका कार्य बानमा है स्वतिन्य में कुछ बताया नहीं। उनका पूरी बाधा है कि सम्बीता होया। उनके खाब हमेदा पत्र-व्यवहार किया रहेता है। बन बमा होता है यह बेबना रहा है। उनके पत्रकी सम्बन्ध होता है कि बनके हमें कुछ बन रिक्त मोदेयी। यदि ऐसा हुवा तो तारते बनर बादेगी स्वविद्य हस केबके छनतेते पहले परिचान खायद मानुम हो बावेगा।

यरि परिचान बच्छा निकले हो किडीको यह न समझत चाहिए कि वह इंग्लंडमें बोर सामलेका ही परिचान है। इसका कारण हो केवळ बेक जाना ही उनवता चाहिए। बो लोग यहाँ पहरे हैं के यह बात सहब ही देक एकते हैं। वेककी बात पुनतेराका प्रत्येक मीरा तान्युक करता है। सहल किये हुए कप्टोंका मानीरात्म प्रमाब हुए बिना यह ही नहीं सफता। मुझे हो बार-बार यह बनायब होता खड़ता है।

भी हानी हमीन भी बस्पुक काहिर बीर में निमन्त्रम पाकर कुमारी सिम्पक्ष पाछ गये थे। यही घमी एक ही माठ कर रहे ने जनीव सेक जानेकी। जीर जेन जानेकी नात गुननेका है। वहीं घमी एक ही माठ कर रहे ने जनीव सेक जानेकी नात गुननेका है। वहीं माठ हो माठ गी जिल्लामिक प्रधान नहीं मिक एकेगा। यदि यह नात ठीक हो यो नात्मक कमी पास नात्मक नात्मक कमी पास नात्मक कमी पास नात्मक कमी पास नात्मक नात्

गी बनस्तको बहुत-वे भारतीय माई क्टूरे होंबे। उन शब्से पेरी प्रावेता है कि वे निर्मय होकर फिर केक बागें। उन्होंने को प्रव किया है उसे व छोड़ें। संशारमें जाव ऐसी ही ह्या पत्र पढ़ी है। छोटे बीर वहे सबसे देखमत्तिको प्रावना प्रवक हो रही है। इस माननार्क कारण बहुत-से बूरे काम किये जाते हैं। वो सल्यायहका बामय की वे ही सम्मी देखनील दिखा सकेंगे।

[ पुत्रयवीस ]

इंडियन जोपिनियन २८-८-१९ ९

र महरद मुक्तरेको इर्ह थो । देविक "यह अपेर्ड ऐरेड्डिक्को " एड ११३–१४ ।

## १९३ पत्र साँड ऐंस्टहिलकी

[सन्दर्ग] जुलाई २८, १९ ९

लॉर्ड महोदय

धर सबरजीने बनरफ स्मर्ट्यको व्यक्तियन यह विकार उनसे मेंटजी प्राप्तेना की वी। बनरफ स्मर्ट्यक व्यवस्ता कम होनपर उनको समय देनेकी रवाममी दियाई है। इसका अर्थ बहुत-हुछ हो तकता है या हुछ भी नहीं हो सकता किन्तु मूर्कि उसका अर्थ सह भी हो सकता है कि जनरक स्मर्ट्य प्राप्तेकों विकास करके हमारे कार्यकी सार्वजीतिक वर्षाकों रोकना चाहते हैं हार्यकर मृत्रे कपता है कि समय वा गया है तब हमें अपने विवारकों प्रकार पाइते हैं हार्यकर मृत्रे कपता है कि समय वा गया है तब हमें अपने विवारकों प्रकार कार्यक सार्वज करना वाहिए। यह मंदरती हर्यक हमता हो गई दे विकार सम्बारकों भी अपने कार्यक कार्यक हमता है। किन्तु वैद्या मैंने अपने २५ तार्यकों प्रकार किन्ता है मैंने हर्यक विकास मता प्रकार हिम्म है। मैं आरके सम्मुख कई दिवितिका प्रकार कार्यक प्रकार है। मैं आरके सम्मुख कई दिवितिका प्रकार कार्यक स्मार्यक्ष वारकों सम्मुख प्राप्ता अपना कर्यना वर्षकर हमा स्मार्यक्ष वारकों सम्मुख प्राप्ता अपना कर्यना वर्षकर हमा स्मार्यक्ष वारकों सम्मुख प्राप्ता अपना करना वर्षकर समस्य हमार्थक प्रकार स्मार्यक्ष वारकों सम्मुख प्राप्ता अपना करना वर्षकर समस्य हमार्थक प्रकार स्मार्थक स्मार्यक स्मार्थक स्मार्यक स्मार्थक स्मार्यक स्मार्थक स्मार्थक स्मार्थक स्मार्थक स्मार्थक स्मार्थक स्मार

मैंने समितिको बैठक बुलानेके सम्बावमें की रिवका पत्र देखा है। मेरा रादास है

कि समितिकी बैठक अब बावश्यक है।

नापका नाहि, [मी० क० गांबी]

द्यादप की हुई वष्ट्यरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नफल (एस एन ४९६६) से।

१ - मॉर्ड नव्यक्षिणे पृत्ते दिन सांगीतीका तार दिना, क्लिये बद्धा थाः " मासके क्लफ पाने कल्पी विकास १६ - माने पाने क्लीन नक्लफके मध्यक्षके वर्ति व्यक्तिया बद्धा की ती । देविव परिविद्ध १७।

## १९४ पत्रः लॉर्ड ऍम्टहिलको

कन्दन वकार २६. १९.९

काँवें महोदय

ट्रान्यवासके माराजीयोंके नामकेमें जिसे बापने बपना ही नामका बना किया है बाप बहुत करूप परा रहे हैं। इसके किए मैं बापका बहुत कामारी हूं। मैंने बापका पर्यो पहले ही पह डार' वे दिया चा कि बापसे पुष्काह किये विना कुछ न किया वानेगा। मैंने उसमें यह भी कह दिया चा कि मैं यह पत्र किया रहा हूं और विवरण मेंच रहा हूं।

धानव मुझे यह बात धान्न कर देनी चाहिए कि मैं ज्याधातर एक निर्मू जन्मना में सपने हानसे निकता पदम्य करता बोक्कर निकाता हूँ। इसका कारण मह है कि मेरी निकासर नहुत सरस है और पहनेमें गृहीं बाती। मैं यह बात खेदके साम स्मीकार करता है।

मेरे साबीको सीर मुझे यह जानकर बहुत प्रसम्पता हुई है कि बिन विश्विष्ट व्यक्तियोंका

उल्लेख आपने सपने पत्रमें किया है उनसे आप मिक किये हैं। मैं इसके साथ मूरू-क्यमें विकास श्रेख पहा हूँ क्योंकि वह कल यह समसकर

न देउठ टार भूक्त-चन्ना ।वयरण शव यहाह प्रचाल वह कल यह धानम्प मूत्रकको मेच दिया गया चा कि आराप छहे संजूर हो कर ही छ्विन ।छकिन वह आपकी खबाह किए विना न हो छापा चामेगा और ल किसीको भेचा वायेवा।

सबर ९९ ७ का कानून रह कर विमा वार्य और पेर पुकार पर्य उपिकेंग्रे ट्राप्तवाक्ष्में हर चाल क प्राव्यानिकी जाने तेनेका वादा कर दिया वार्य तो मुखे निरुप्य ही उन्तरीय हो वार्या पर्य प्राप्त कर प्राप्त कर किया था। क्या में [बाद कर हैं हो बायेगा । मुखे पे पेश हो प्रकार कोई गोंकी श्री किया था। क्या में [बाद कर हैं कि ] ट्राप्त काव्याक्ष से संवय्त में प्राप्त के विकार कर दिवा वार्येगा विष्के शामान्य विकार परीक्षा के कर्युवार तेनी विधार पाने हुए मायानि ट्राप्तवाक्ष में साथ है पेर कोच क्यांत्र कावार कर सा उन्दे किया पानी हुए मायानि या नियमित न की बायेगी विकार साधिन क्यांत्र कर कर ही मायानिकी गाय करेगा। बहुएक प्रवायक स्वस्थ परीका कड़ी कियर साक्ष्में करक क ही मायानिकी गाय करेगा। बहुएक प्रवायक स्वस्थ हिंद साथ साथे प्रवायक स्वस्थ है हिंद साथे प्राप्त कर साथे साथ साथे प्रवायक स्वस्थ है हिंद साथे प्राप्त कर साथे साथ साथे प्रवायक स्वस्थ है हिंद साथे साथ को साथेगा साथों प्रवाद है हिंद साथे साथ को साथेगा कर साथे हिंद साथे साथे हैं हो करका प्रवार के बायेगी और साथे हिंद साथे का को साथेगा की साथेगा को साथेगा की साथेगा साथे साथेगा साथ

र वर्षे वेंग्रमिकोर २८ जुलाकी करा पत्ती किया, किरों पांचीबीको वार्तीका रिलरिका और वाँवें पेंग्यीर<sup>र्ड</sup> करने पत्रों को प्रते करने हैं करना करा किया है, देखिए प्रतिक्रित रूप ।

२. वह तार करून नहीं है ।

३ देविए "र्म्स्टनावनाती नारतीमोक वामकेत किरान" प्रा १८०५ । ४ ५ माँ मुक्ते प्रक राम् ६६ गरे हैं, नाकिर बनती पूर्व की मधु

त्रिम उन्हें पास करना होना। भरा सवास है कि मैंने यह सारी स्थिति सर रिचर्ड सॉलीमनको साफ-साफ समझा दी है और यह थी सोबता हूँ कि ने इसे सवस मये हैं।

र पर्दे इस्त प्रमासिक से है।

माँ एक रेडिंग निम्न करों है ।

३ देखिर सम्ब ए परिश्रिक छ ।

Y. पार्ट फिक्सि, इन्स्सारक पर्नेक शहरी ।

सम्बन्ध मही है। इसके अलावा हमपर, कमी-कमी विश्वय अनावासक प्रतिपोवनें विश्वाद रपनेक कारण हमारे पूछ भारतीय निवोंने तीव आशेष भी किये हैं।

सारा है, सार पुसे दक्ती निजी वार्ते कहते और इस पत्रका कलेवर बहातेके लिए शामा करेंने क्यांकि यह बनिवार्ष था।

क्षमा करेंग क्यांकि यह बॉक्यार्थ था। अपनर इससे ज्यादा लुकालेकी या जानकारीकी जकरत हो ठा आप मुझ उसके किए आरोरा कें। में किन्न केकरी कारणे प्रति और भी ज्यादा आभारी हैंगा।

भी रिव बताते हैं कि इस स्पष्टीकरणमें आपकी समसमें सब बार्वे साफ-साक व आरोमी। व इतना भीर जोवनका समाव वेते हैं।

प्रवासी कानुनमें काले या मोरे सभी प्रवेश करनेवाले लोगकि लिए विद्या-गरीजा रती गई है। परीवा कितनी कही हो यह बात प्रवासी-अधिकारीकी मर्जीपर छोड़ दी मई है। तबके लिए एक परीता न कमी रही है और न अब ही है। इमलिए प्रवासी अभिकारी मुरातीयोके लिए एक परीशा रणका है और भारतीयकि लिए बुतरी। बह्र धावर कभी-कभी यूरोरीयाँकी कोई परीशा ही नहीं सेवा जैसा कि नेटालमें प्राप होता है। इन हरह अपन विवेदाधिकारम काम नेनेमें अवासरों कोई बम्नन्दानी नहीं करही। जनरस स्मटनने कहा है कि मीजूदा प्रवाशी-कानूनमें प्रवाशी-क्षिकारीकी मर्जीवर दतनी क्यादा बाउँ नहीं सोड़ी गई है। अगर नहीं छोड़ी नई 🗗 दो कानून आसानीसे बरका जा सरना है और उत्तरे विवेदपर जिल्ली बातें छोड़ना मानस्वर हो। धीड़ी वा सक्ती हैं। मैने बी हैतीबी' मार्चन एसा एक सवार दे भी दिया है। येथी पायमें उत्तमें यह उदेश्य तानीप कत्रक व्यामे पूरा हा जावेदा । भी स्मद्रमने मेरा मुबार नामंबर नहीं दिया सेकिन उन्होंने बढा था कि वे उस अविवेधनमें (विश्वते जूनके अधिवेधनमें) कानूनमें फेरफार करना वाज्छनीय नहीं तमारे । प्रशामी अविकारीको आवश्यक अधिकार जिन्नेगर विशासरीयाकै अनुगार केशन छ जारनीयोंकी ही देशने जाने देना है। नगर नानवां जारतीय अर्जी दे तो वह उमे बगरी ऐसी विद्या-गरीशा केटर रह कर नक्ता है जिगरें परीवाची पास ही व हो सदे। ब्राप्टेनियामें ऐना ही किया जाता है।

हारा नौ हुई रफाछे अंबजी प्रनिधी कोश-सम्म (एस॰ एस: ४९९८) से।

१ वर्ष हो सभी दश्तर प्रायम साहित २ स्टर्स्ट देश साहित् व्यापुर्देश

# १९५ पत्र एच० एस० एल० पोलकको

[कन्दम] बुकार्दश्र १९९

प्रिय हेन यै

पिछले हुन्ते ज्यादा छोगोंसे नहीं मिल बाबा फिर भी काम बहुत हो गया है। छोर्ड ऐंग्ग्टिस बहुत सच्छा काम कर रहे हैं उनका सम्मर्क एक ओर सर बांबें फरार जनरक स्म्यूस बीर नीर्ड क्षेत्रवीनित रहा बीर बुस्टी ओर लॉर्ड क् लॉर्ड बॉर्ड कॉर्ड कैंग्सराउन बीर नीर्ड कर्यन्ते। दे स्वयं बहुत बाधाबान मासूस होते हैं। मैं बापको उनके माम भेपिद बनने कन्द्रे उनकी नक्कर मेजना हैं।

सर मदासीन भी समदाबों में तके लिए पत्र किया था और स्मद्राने वजन दिया है कि ने नारने करार कामका बोल कब होते ही बनकों मेंटका समय देने। यह मेंट तक मांगी पह भी जब यह मानम नहीं जा कि कॉर्ड एंस्ट्रिक क्या निरिक्त कार्रामा कहीं जो कि कॉर्ड एंस्ट्रिक क्या निरिक्त कार्रामा कर एंसे हैं। वह मैंगानेपर सार्वतनिक बाबोलन बारमा करनेकी व्यवस्था भी की नई भी। मैंने एकडी करारेजा वरने मस्तिवनमें बना सी है किन्तु सीट एंस्ट्रिक कामको सेनते हुए सब बार्व की है है।

हमने लॉर्ड मॉर्लिंग घोमबारको भेंट की बी। उन्होंने हुमें लगानक बामे बंदेका धमन दिया। नर बाल्के कायले मेंटले समय मौजूर के। यह मेंट व्यक्तित्रका और मानेश्वादिक वि। में यह जानना चाहां में कि बना इस मानकेंग्रे माराज्ये बहुत आवेदा है। मने वयाव दिया कि बहुत है। मैंने नह थी कहा कि बन्कहों ख्या नहीं हुएँ, इनका कारण यह है कि घर फीरोजमाइको हिनात्मक कार्रवाईका सब बा। विजीधो थी छमामें बाते और कड़े माराम तेतेंग्रे रीका नहीं था सकता बा। येरी चप्तमें इस प्रान्ति प्रकट हाता है कि सारम में बहुत बारेग्र है इसके बारेग्रे ने कशुन्तुद्ध है या वे बारते हैं कि बि सम् माराम लोक्सवरी जारबार अधिकातिक है। किर भी उन्होंने बचन दिया है कि बे इस में दिया नार कोट कु को बना वही और सम्दर्शन भी मिलनेंग्रे जनकों न थी और के एपियाई बतियानार की स्वार्थिक होंग्रे वान्सिक भी जानकारी उनकों न थी और

उपर, यरि कोण प्रभारें बुकार्ण हो लाव छवार्ष करें यदि एका न हो तो विभिन्न संस्थानोत्ती आरंके प्रार्थनापत्र विजवार्ष और यदि आरको वर्धीय स्वयंत्रेवक क्रिक छवें हो आरं एक मंक्रिण प्रार्थनापत्रवर हजारों कोयोंके हुश्यावर करात्रें। बाता है आरने राहामाई

१ देखिए विध्ना द्वीरेंद्र ।

**२. विकाद परिवेश हुए।** 

३ (१८४५-१६६ )। जीन-अरलोर स्थान्छ ।

<sup>9-98</sup> 

सम्बन्ध नहीं है। इनके बलाबा हमपर, कमी-कभी विशुद्ध अनाक्ष्मक प्रतिरोधमें विस्तात रसनेके कारण हमार कुछ भारतीय मित्रॉन तीत्र बालेप मी किये है। साथा है, साथ मन्ने इतनी निश्ची बार्ले कहने और इस पत्रका कमेकर बडानेके किए

साधा है, आप मुझे इतनी निजी वार्ते कहने और इस पत्रका कसेवर बढ़ानेके कि क्षमा करेंगे क्यांकि यह बनिवार्य था।

भगर इससे ज्यादा कुलासकी या जानकारीकी जरूरत हो तो नाप मुसे उसके किए बादेस में। मैं [वह देकर]' बापके प्रति और मी क्यादा नाजारी हूँगा।

भी रिच बताते हैं कि इस स्पर्टीकरणसे सापकी समझमें सब बार्ट साफ-साक न आर्पेमी। वे स्टाम और जोक्नोका सुसाव देते हैं।

टाइप की इर्ड बच्छा है अंबेजी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ४९६८) है।

१. वहीं भी दुवने दात्रा दश्या मा है।

र स्वरूप देशो अस्तिमाँक मानक्ष्में अस्तुपृत्ति रक्ष्मेत्राके एक प्रमुख प्रतित ।

# १९५ पत्र एच० एस० एस० पोसकको

्कित्वन] जुलाई ३: १९ ९

प्रिय हेनरी

पिछले हुन्ते क्याबा कोपंति नहीं मिक पावा फिर भी काम बहुत हो सवा है। कोर्व ऐंन्द्रीहक बहुत अक्टम काम कर पहे हैं जनका सम्पर्क एक कोर सर जॉर्व स्टेपर, जनरक स्ट्रस बोर कॉर्व ऐक्वोनिंग पहां बोर हुन्दरी बोर कॉर्ड कु, कॉर्ड गॉर्ड कॉर्ड ईम्पडानन बोर कॉर्ड कर्नके। वे स्वयं बहुत बाखाबाग मासून होते हैं। मैं बापको उनके नाम मेपित कपने कम्बे पक्की जनक भेवता हैं।

सर संघरवीते भी स्मन्तको मेंटके किए पन किया था और स्मन्तको बचन पिया है कि वे बचने उत्तर कामका बौधा कम होते ही अनको मेंटका सम्य वेरी। मह मेंट दव मीगी गई वी बच यह मालूम नहीं या कि कीर्ड एंस्ट्रीक च्या निश्चित्र कार्रवाई कर एड़ है। वहें पैमानेपर सार्वजीयक बायोकन सारम्य करनेकी व्यवस्था भी की नई वी। मैने उत्तर कमरेका बचने मस्टिप्यमें बना की है कियु कीर्ड एंस्ट्रीकृष्ठे कामको देखते हुए सब बार्ज क्यी की है।

हमने खोई मोक्टि धोमवारको मेंट की बी। उन्होंने हमें कायन बाबे बंटेका समय दिया। इर जास्त्र कायक मेंट इसवा श्रीवृत्त की। यह मेंट व्यक्तित्रक और जारीणवारिक बी। वे यह जानना चाहते वे कि क्या इस मामकों मारतमें बहुत वावेस है। मेंने कवाब दिया कि बहुत है। मेंने यह यो कहा कि क्याक्टिंस समा हो। हुई दरका कारन यह है कि सर फीऐनसाहको दिखालक कार्रवाईका तम बा। किसीका सी समा बाने और कड़े भागन वेनेत रोका गाही बा सकता बा। मेरी राजमें इस मानत प्रकट होता है कि मारतमें बहुत बादेस है इसके बारों में कबल्युक्ट है या के पाहरे है हि स्थानत मारतमें बहुत बादेस है इसके बारों में कबल्युक्ट है या के पाहरे है हि के क इस मेरिका सार कार्य क्या बता वेंगी और स्मृत्यकी सी सिवेश। बापको यह बातकर कार्यम होना के ब्यन्तमें अनरक साह्यकी व्यक्तिविकी सी बातकारी दनको न सी और वे एक्टिगाई ब्रिकिटसप्तर की गई बागरियोंने कारेंगे सक्युक्ट कुक्त कर वे!

उत्तर, सिंद कोण एमाएँ कुलाएँ यो बाप एमाएँ करें सिंद ऐसा न हो थी विभिन्न सरवामोंकी बौरते प्रावंतापत्र निजवार्से और सिंद बाएको पर्याप्त स्वपंदेवक सिंक एनं शो बाप एक प्रेसिन्ट प्रायंतापत्रपर हमारों लोगीके इस्ताकर करायें। बाला है, बारने दारामाई

र देखिए विकास बोलेंड ।

२. देखिर परिविद्य १६ ।

६ (१८१५-१९२ ); भरेष-गरकोष मंगासक ।

गीरोजी जीर बंगाल व्यापार-शव (बंगाल चेम्बर बॉल कॉमर्स)के लाम्यराकी सिखे नये प्रार्थना पर्वोक्ता अनुवाद मुख्य-मुख्य मापालोंके करा किया होता और उसको दूर-पूर तक बेटवा दिया होगा। यदि बापको उचित सम्बन्धित हो तो हुर जगह स्वसंस्वतक आपको निकले वाहिए। यदि बापको के बार्वे और बंदि वें। उनको प्रस्थित मिलरों मानिरों नाटकवरों और सेरे हो किया है।

मूर्त बाव आपके लाएकी प्रतीक्षा है। उसके बाव आधा है में आपको एक संक्षिप तर पूँगा। किन्तु मिंद सूर्व बाव आपका लार न मिला हो में कब मा सोमवारको स्वतन्त्र कर रहे हैं। भी वार्विक्षण और सन्य दो स्वतित्र कब मा स्वे हैं। भी वार्विक्षण करिय लाए हैं स्वर्ध मा स्वे हैं। भी वार्व करिय कर में हमारे साथ इसी होटकमें ठहरे हुए हैं। मैं वाधा करता है कि साप मारतीर निर्विक्षणों (अमरेक्टरिक) एक उपयुक्त केचेची-मूनराधी और पुत्रवादी-भीत्री कोम मेर सर्वाद पा पड़नेकी दूसरी एक उपयुक्त केचेची-मूनराधी और पुत्रवादी-भीत्री के सेंगे। भी योवस्थि हमारी विकास स्वीविद्य उपयोगी पुत्राव के सकते हैं। मेर बचाल करें। वे बहुत कहे विकास स्वीविद्य उपयोगी पुत्राव के सकते हैं। मेर बचाल क्षेत्र वा स्वाद अपने स्वीविद्य अपने स्वीविद्य अपने से कहता सकते हैं। से बहुत कहे सिक्साया स्वीविद्य करार में। कर सकते हैं। इससे हमारी विकास स्वीविद्य करार में। कर सकते हैं। इससे हमारी विकास स्वीविद्य मारती मेर स्वाद हो। स्वाद स्वीविद्य स्वाद सी सहस्था सिक्सी।

सिकी प्रतिकारकों का नहीं निर्माण वावर्षस्त ना सुद्वाद्धा स्थान निर्माण वावर्षस्त वावर्षस्त निर्माण वावर्यस्त निर्माण वावर्षस्त निर्माण वावर्यस्त निर्माण वा

कुनारी सिमार्क कहाँ पास्त भी। मिली और नाँव कहाँ गई भी। नेटा बमास है वहाँ बोर्नों को जच्छा कमा। वानत सम्बंधी ही नी और सम्बन्धी भी बच्छी थी। उत्तम कुछ मारतीय महिकारी भी भी। मिली उनमें है एक भीमती दुनेकी एक्डियों नन पहें है। वे उत्तर मारतीय है मक्की उनके एक जीर मिल्टमां है है। किसीयी प्रस्त है। वे अपेबी बहुत बच्छी बोट्टी है। मिलीसी उनके एक्स जीर मिल्टमा हो बादेगी।

बहु बित कमरोमें है जाको परान्य गहीं करती और सावव कितन्युव या क्यूने एक ऐसा कोटा कर के केनी विसर्पे कोड़ी साज-सज्या हो। जैने उसको सुसाब दिया है कि वह करने साब हरेनको रखे। यह बोनोंके किए सनोपवनक होया। हुसेन बहुत जनका बस रहा है।

र देखिल परिविद्य १५ ।

इस्तानक बांधी का समय पारकको रणामा हो पने ने न्याँसे के नैरिकार वक्ष्मेक किन वर्णिक कानेपामे ने किन्तु जी पारच निकास वीमार्गिक कारण कुछ मात्र कर वने ने ।

ह भी र कोतल (२८०६ १९४९)) राजगीतिक और महाक्रक छना इंडियम सिन्दुके छेलालक की समाजक !

ार उससे अच्छा सबक मिलना मीक्स होगा। किन्तु बह कुछ खोधा-सोया-सा है। उसमें बह उसंग

क्वत करका पुरान निर्माण पुरस्क तुम्म मान करणी चाहिए और बहु पर्याच परिष्म महीं है जिसकी एक असूने पूक्त मुझे काशा करणी चाहिए और बहु पर्याच परिष्म नहीं है जिसकी एक प्रकृत के उसके किए क्या किया जामा भाहिए। ऐसी मिलेक साथ एक रही है। यूने मानूम हुआ है कि ऐसी बहुठ वही हो। महि है। फिन् वह स्वित स्वमायकी कड़की नहीं है और मिलेको संबंध करण कुछ बिन्ता हो बादी है। में सीमायकी कड़की नहीं है और मिलेको संबंध करण कुछ बिन्ता हो बादी है। में सीमायकी कड़की नहीं है और मिलेको संबंध करण कुछ बिन्ता हो बादी है। में सीमायको कड़की नहीं है कोर मिलेको संबंध करण कुछ बिन्ता हो बादी है। में सीमायको कड़की स्वाच मानून हुआ सीमायको कड़की नहीं है कोर सिलेको एक समक्ष हुआ या नाहीं।

सै बत एतको तिनयोक सवाधिकारके सम्बन्धी बालकिन करतेवाडी महिलाओं (स्पे-बेट) को एक विराट स्थानें गया था। भीमसी पैकहरटेंसे थी मिका था। मैं बापको समस्य-सारताहिक पत्र कोटस कोर नौमन भेज पहा हैं। इसें इन महिलाओसे और इनके समस्य-सनसे बहुत-कुछ सीवना है। सेर पास इस्टी पुरितकारों भी हैं बिल्हें मेने बापको सेननेका विचार किया था। कियु पीछे सोच-विचार कर स्था किया कि उनकी बोहानिसकों मा फीनिस्स किया थी सार्थक स्थित होता निर्माण कोर सह सारको बच्छे स्वातिसकों मा फीनिस्स केंत्र दूं। से सारके स्थित इस्टा सैट काईमा और बहु बाएको बच्छे स्वातिसकों।

मीमवी रिक्का स्वास्थ्य बरावर सुबर रहा है। मेरा बयाक 🐉 इस बार वे फिर

**यौ**मार नहीं होंगी।

इवयसे जापका

टाइप की 👸 बन्तरी नंत्रेजी प्रतिकी फोगो-नकक (एस एन ४५७ ) से।

#### १९६ सम्बन

धुकराद, बुकाई ३ १९०९

नेटासके पविभिन्नि

नेटालके प्रतिनिधि यहाँ कड पहुँचेंने। हमनें से कुक्कने उनको क्षेत्रे जानेकी डैयाधी कर सौ है।

#### ਰਸੰਕੋਟ੍ਰ

भी अनुक कादिए, भी हाती ह्वीब और मैं पशामिकार मान्त करनेके किए सबनेवाकी दिवर्षीकी समार्थे पये में । सेन्ट जेन्स मत्तर दन दिवर्षीत क्वाउस भए। था । भी हाती ह्वीबकी पिनतीके नमुसार दिनगी और पूत्रण मिककर १५ होने वाहिए।

ऐसी सभा अवनन हर हुन्ते होती है। इस समानें हर बार पन-नंबह किया जाता है बीर नमसे-रूप ५ पींड आते हैं। बनकी समानें १ पींड इक्ट्ठे हुए थे। यह सभा बेकते थिहा थी गई कियोंके सम्मानके किए बुकाई गई थी। ऐसी दिश्यों १४ वी उनको

१ रेगामंदर होसी रेंग चं बन्धेंका शास्त्रा गा।

२. बन्दीका ।

३ सर सरम्भ नहीं है।

४ मोनडी व्यक्ति देवरचे (१८५८-१९९८) विकासका क शह ६५ ।

चौरीके तमये विये मये। इन स्थियोंके क्षिए एक मोजकी व्यवस्था की गई है बिसमें एक-एक दिक्षियक टिकट जारी किये गये है।

इस सभाकी कम्पछता शीमदी कॉरेंस नामकी महिकाने की बी। प्रापन सब स्विमॉने

ही दिये। सारी व्यवस्था भी वे ही करती है। जेल जानेवाकी स्त्रियों में दो-चार को बीस-बाईस बरसकी बढ़कियाँ वीं। ये सभी मता

विकारकी सहाईमें गिरण्तार की गई थीं। यहाँकी प्रवाके बनुसार कैदियोंके कई को है। इन रिवर्गोको इसचा वर्ग दिया वया था। ये शहती है कि हमें पक्षके वर्गका कैदी माना वाता वाहिए। ऐसा सरकारने नहीं किया इसकिए उन्होंने संबठित होकर वंतके निवसीको वंद करनेका निर्मय किया। उन्होंने थेककी कोअरियोंकी सिक्किया तोड़ी और इसरे नियमोंकी माननेसे भी इनकार कर दिवा। इससे उनको काछ-कोळरियोंमें बन्द कर दिवा गडा । नहीं भी उन्होंने बेकरोंकी बाजाबोका बनावर किया। बनामें सभी स्वियोंने खाना बना कर दिया। एक स्त्रीने 😻 दिन वक विश्वकुक मोजन नहीं किया और पूर्क हुए री रिवर्गने पाँच दिन तक। इस प्रकार सबने खाना छोड़ दिया। इससे बन्तमे सरकारने हार मानकर प्रतको रिहा कर दिया। स्थियाँ दछछे निराय 👔 है और नदसी है कि प्रवत्तक ऐसी स्थियोंकी पहला वर्ग नहीं दिया जायेगा तबतक ने चेक जाती छुँगी। बंबसे रिहा हिन्मोंमें से दोपर बेकमें भारपीट करनके वर्गमें पृक्षितने सवाम समन्य तानीक किये। वह उनको समन्य दिये पये तब सारा समामनन तारिक्यों और इवं-म्यनिसे पुंच उठा। उन हिन्नोंके ऐसे कट सहन और उनकी ऐसी क्रिम्मतके आमे भारतीय सत्यायकी किस विनतीमें है?

यह संब अपना जलवार प्रति नप्ताह प्रकाशित करता है और उसकी ५ प्रतियाँ क्यादी है। उसका मस्य एक पेनी है। उसमें कार्यकर्णी मस्यतः स्त्रियों है। बचनेके सिए स्वयंसेविकाएँ हर इस्ते निकलती हैं। इनको कोई मजहूरी नही निकती। ये सनी रिजर्मा वरे-वरे बरानोंकी है फिर भी इस काममें घरमानके बजाय वर्ष मानती है। वे सभी बपनी बौहाँपर

हिन्दोंके स्थि मताधिकार (बोट फॉर बीमन) के क्ये दिक्ते स्थाकर निकल पहती है। इसके मकाना प्रकृति बहुव-ती शीरवियाँ सादि आपी है। फिलती ही रिवर्ग इस काममें सपना सर्वस्य देकर जुद भी काम करने कव गई है। इनमें से कुछ बहुत पड़ी-किसी है। में एक

पाँड इक्टरा कर केती है। उन्होंने २ - पाँड इक्टरा करनेका भावतीं चलेते है निक्षय किया है।

जनकी अजाईको पाँच बरस होने आये। सहाईकी नींच सी बहुत है थी। किल्तु जेल थातर पूरा जोर पाँच साबक्षे लकाया बा रहा है। रित्रमा जेल हो नाई है। इनमें से किसनी ही एक्स ब्यादा बार जेल जा सभी पदाधिकारी कैंद भूगत माई है। वे प्रशत्तपूर्वक जेळ जाती हैं

इतने बरस ही समें पर वे द्वार नहीं मानती। दिनों-दिन उन है। वे सरकारको हैरान करनेको नई-नई युक्तियाँ स्रोत है । कामके किए अपने-आपको पूरी तरह समर्पित कर दिया है। कितुनी तैयार हो गई है। जीवना ही है यह चनन्त्र प्रच है। वे मानो यह प्रम दनकी मृत्युके साथ ही बायेका ।

उनकी काम करतेकी कावस्था और चनुसाई अस्पना सराहतीय है। इस सबको देखकर बहुतु रूप पश्चित यह गये हैं।

रते पार्टोपर प्रायेक बारत-हितैयीको विचार करना चाहिए। हम स्वतन्त्रता प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें मुक्टोंको मारकर या हुन्स वेकर (जर्बात धारीर-बन्दे) नहीं बनिक स्वयं मारकर या हुन्स खहुकर (बन्देंच आरवकते) स्वतन्त्रता प्राप्त करनी चाहिए। नाम्यकारकी क्याई बारक-स्थानकी रखाजी बन्देंच त्वतन्त्रता प्राप्त करनेजी बनाई है। उस स्वतन्त्रताओं प्राप्त करनेमें मृत्यू जा वासे तो बहु बीवित प्रशेषे बरावर है। उसको न प्राप्त करके हम बीवित पहुँ तो यह सएगके समात हो। महिला-स्वाविकारके किए कड़नेवाकी इन त्रियोंसे हमें बहुत-कुछ सीवता है। उनमें हुन्ड कमियाँ यो विचाई देती हैं विशके सम्बग्धों क्यों पही विचार करना बाहस्यक मुझे है।

[पुनरातीते ] इंडियन मापिनियन २८-८-१९ ९

# १९७ पत्र लॉर्ड ऍस्टहिसको

[सन्दन] सनस्त ३१९९

काँवें नहोदय

न्यापके २९ तारीबाके पत्रके उत्तरमें मैंने एक तार्ग मेवा था। आसा है, वह आपकी

मनपर मिन गया होगा।

में बहु पव इस घरताहुके इंडियन वीपिनियन "की बोर बाराका प्यान बार्कायत करनेके किए किन रहा हैं। उनने सामाध्य-नंत्रव के नाम नारप्यत्वी मृत्युके सम्बन्धे महान अहानेके बाये हुए सारतीसंत्रत प्राचनारक बीर इक्कानोत्रे प्रकामिन हुए हैं। आपको यार होगा कूछ समय दूर्व हुसी नार्यप्यत्वे बार्स्य एव तार बादा था।

यापका बादि

टाइए की हुई क्प्नूरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटी-नक्त (एल एन ४०७४) में।

रंगर काञ्चल सर्वि है।

e fint e es en eine de

३ सम्में बीरा सुन्न भीर २ व. बृत्रोमें वन बान्सीया भीर वेसके पेरस्मी-मरे वरस्यात स्कोब दिसा है विनोह चारण सामामी सामी वास्त्रवारी हुन्यू ही वह । देशिए "राम्माराज्यारी नार्तानीय बायकेस रिसाव" इत १८८१ भौतीके तमने दिने गये। इस रिजयोंके किए एक भोजकी व्यवस्था की गई है जिसमें एक-एक विभिन्नके रिकट कानी किसे गये हैं।

इस समाकी अध्यक्षकों भीमती कॉर्रेस नामकी महिकान की थी। भाषक सब स्त्रियोंने की विसे। सारी अध्यक्ष्मा भी के बी करती है।

केंक जानेवाली त्रिकांने हो-जार हो बीछ-बाहित बरहाई सहिकां भी। ये सभी गण-विकारकी महार्सी मिराणार की गई थी। सहिकी प्रवासे अनुवार कैरियोंके कई वर्ग है। इन दिस्साको दूसरा वर्ष दिसा जया था। ये कहती है कि हुनें पहले वर्गका कैसी माना जाना जाहिए। ऐसा सरकारों जहीं किया इसकिए उन्होंने संविध्य होता और दूसरे निकांकी प्रेय करनेवा निकंप किया। चन्होंने जेककी कोशियोंकी बिद्रक्रियों होड़ी और दूसरे निकांकी प्रेय करनेवा निकंप किया। चन्होंने जेककी कोशियोंकी बिद्रक्रियों होड़ी और दूसरे निकांकी प्रवास के स्वास कर कर विया। एक क्योंने क बिन तक विक्रुक शोलन नहीं किया और कुछ दूसरी दिन्तर्थों पांच दिन तक। एस प्रकार सबने जाना कोड़ दिया। एसने बनाने सरकारने हार मानकर उनकी रिहा कर दिया। दिन्यों इसने निर्चा हुई और कहती है कि बनतक ऐसी दिन्तर्थों व सहस कर्म नहीं दिया जायेगा सबतक दे जेक जाती रहेंगी। केकने दिहा दिन्तर्थों दे योगर बेकमें सारपीट करनके जुमेरें पुक्तिके साथ स्वास स्वास किये। यह उनको स्वास दिये पर तक सारा समाजन साकियों और हर्ग-व्यक्ति के बात । यह तक्यों देवे कर सकत सारपीट करनके पुनेर्थे साथ निर्चा क्षेत्र स्वास स्वाह किये। यह उनको सम्ब दिये पर तक्का एस सम्बन्ध साथियों क्षेत्र के स्वास स्वास किये। स्वास सम्बन्ध स्वास स्व

यह संच अपना बच्चार प्रति स्थाह प्रकाशित करता है और उसकी ५ प्रतिनी इस्ती है। उसका मूस्य एक पेनी है। उसमें कार्यकर्षी मूक्यता रिजयों है। वेचनेके किर स्वपितिकार हुए इस्ते गिककरी हैं। उसको कोई माबूर्य पाई। शब्दी। ये सभी सम्यानिकी हैं किर मी इस काममा करमानेके बनाय पर्व मानती है। ये सभी अपनी सहैरिर रिजयोके किए महाविकार (बोट जीर बीममा) के क्यों विकले कमकर मिकक पन्नी है।

हरके समावा उन्होंने बहुत भी नैशार नागा के कर विकास समाक (१९०० १९) इसके समावा उन्होंने बहुत भी नैशार तरी क्या यह हैं। इसमें से कुछ बहुत स्वी-किसी है। से एक सपता सर्वेद केटर बुद भी काम करने क्या यह हैं। इसमें से कुछ बहुत स्वी-किसी है। से एक साक्ष्मी नामें है भीड़ इकटता कर केती है। उन्होंने २ भीड़ एकटता करने हा

निरुपम किमा 🗱

तमार्थी क्यांकी पीन बरत होने आये। क्यांकी गीन तो बहुत बरत पहले पढ़ चुकी बी। किला केल कालर पूर्ण कोर पीन शाकते लगाना था पहा है। इस वर्तेन कमना ५ किसा बेंक हो नाई है। पमने से फिल्मी है। एक्से प्याप्ता बार केल का चुकी है। [इस मध्यक्ती] सनी प्राप्तिकारि केल मुगल काई है। वे प्रवास्त्रक केल जाती है। इसने करता हो गये पर है हार नहीं सामगी। विनीनित समझ चोर बढ़ता ही बाता

इसने बच्छ हो गर्ने पर है हार नहीं मागती। विजैनिक चनका जोर बढ़ता ही बात है। वे उपकारको हैरान करनेकी नहीं-नहें मुक्तियों कोन केनी है जीर बहुत-सी निवर्तने हत कामके किए बपने-जापको पूरी तरह सार्थित कर दिया है। कितनी तो बाततक देनेके किए वैसार हो वह है। जीवना ही है वह उनका प्रच है। वे ऐसी बृहता बता खी है मानो बहु प्रच बनकी मुस्कुक तम ही बानेवा।

प्रतकी काम करनेकी भ्यवस्था और चतुराई करवन्त सराहतीय है। उनमें करताह सूब

है। इस सबको बेक्कर बहुत-से पुरुष चकित यह यथे है।

सारतीयोकि किए विचारणीय है कि जब इंत्येडको अवस्ताओंकी स्थाय प्राप्त करनेर्ने इतनी देर होती है और ऐसा कर सहना पहता है, तब हमको द्रायवाक्षमें समय कमे कर मोमना पड़े प्राप्त तक बने पड़ें जेकमें बीनायी होत्सी पड़े और मूका रहना पड़े हो इसमें सारवर्षकी क्या बात है? बीमती कॉरेंस शिक्षोंने इस स्वाहमें बहुत कन दिया है और के हो साई है कहती है कि जबतक कुछ काय मुखार करने या मानव आतिकी मकाई करनेके सिस्त करने कोतूमें सने मसाक्ष्ये चुनाई न कर तकतक सुधारोंके मननका निर्माण होना सम्बन नहीं है।

हम पर्व्यापर प्रत्येक पाएत-हितीयीको विचार करना चाहिए। हम स्वतंत्रता प्राय करना चाहते है तो हमें पूचरोंको मारकर या दुक्त बेकर (बर्बाद प्रायेश-सम्बे) नहीं बेकिक स्वयं मरकर या दुक्त पहरूर (बर्चाद कारायकस्त्री) स्वतंत्रता प्रायं करणी चाहिए। हम्पदासम्ब्री काह्ना कारा-सामानकी रक्षाणी कर्याद स्वतंत्रता प्रायं करणी कहाई है। उस स्वतंत्रताओं प्रायं प्रायं करनेमें मृत्यु जा वाये तो वह चीवित पहतेके बचावर है। उसको न प्रायं करके हम चीवित पह तो यह सरकके तमान है। महिका-सामानिकारके किए कड़नेवासी हम तिमानि हमें बहुत-कुछ सीताना है। उनमें कुछ कमियाँ भी विचाई वेती हैं जिनके प्रायंक्यों क्यों पही दिवार करना मानस्यक मही है।

[गुजरावीसे] इंडियन मोसिनियन २८-४-१९ ९

# १९७ पत्र लाई ऐंस्टहिलको

[सन्दन] वपस्त ३१९९

कॉर्ड महोदय

भापके २९ वारीयके पनके उत्तरमें मैंने एक वार्ग मेना जा। आधा है वह आपको समयपर मिल बना होता।

में सह पत्र इस समाहने इंडियन मीपिनियन "की और बापका ध्यान बाकरित करनेके सिंग मिला रहा हूँ। उनमें साम्राग्य-मेल के नाम नायपाली मृत्युके वास्त्रपत्रे समान महादेशे स्मार हुए पारवीबोंटा आर्थनापत्र और हलक्टानें अक्षित्र हुए हूँ। बापकी बार होगा हुछ तमस हुए भी नावपत्रके बारेंगे एक तार साथा था।

मापका आदि

टाइप की हुई श्वादी अंडेजी यतिकी फोड़ी-नवस्त (यस एवं ४०७४) से।

रे सर कारणन नहीं है।

र मुनारे १ १९ ९ के लेकी ।

३ राजे कीरा हुद और वरण वृषको वस हाकाँका और वेण्ड केराकीओ पासाका करेखा दिना है क्लिके कारण जातकी जाती कामानकी मृत्यु हो गई । देशिश "राम्यानमानी मरागिर्धेंड नामकेस रिसंस्य" हा केरट ।

## १९८ पत्र 'इंग्लिशमन'को

सन्दर्भ समस्त ३, १९४९

सुस्था**रक** इंग्सि**श**मैन [क्सकता]

(१९८७) मा १६ के प्रतिस्था का स्थापक में साथके यह प्रश्तिस्थ के क्षेत्र में महावित क्षेत्र प्रति हत्यी गस्त बार्टे किसी है कि क्सकों स्थापन मार्ग भी क्षियाना पहा । नमा में स्थापन

कुछ ककर्तवसानियाँ बुक्स्य कर सक्या है? भी एक कक्ष्म क्षित्र स्वारि वे मुझे जपना सित्र और साथी कक्ष्में है जारतीय गर्से हैं, जैसा कापके पत्र-केसकमे जान सित्रा है। वे इन्केटके सहुदी हैं और इस समस वैरिस्टिंग

कर प्रे है।

भारतीयोंका पंत्रीयन (पीयस्ट्रीयन) एक विनासनी कार्रवाई है और वह वर्षेयत कार्ने भारतीयोंकी हैंगानवारीयर शब्देशन कुषक है। कार्किरके व्यान्यमं राज्यों प्रदा कुछ हर क कर वमानेकी कार्रवाई है बोर किसी भी प्रकार कर वर्षेये विसर्थे १९ ७ का प्रशिक्ताई प्रवीस्थ कार्नुत है वस्पानवनक नहीं है। एविसाई पंत्रीयन कार्नुत (शिवसारिक पित्रहेषम पंत्री-और महाबीयकी पारपक (कार्योटी प्रकार्यों पंत्रीयन कार्नुत (शिवसारिक पित्रहेषम पंत्री-होता है। महाबीयी पारपक (कार्यिनेनेटक पार्यों) विश्वक पार होता है उच्छी का क्षेत्र है और यदि पार्स्य पारपक न हो जो इच्छे वह बरुपत्री नहीं पाना बाता और उच्छे कार् तक्की कड़ी केंद्र नहीं वी वा सक्ती व्यक्ति परिवाद कार्युगके क्लारेत पंत्रीयनका प्रभावपक न होनेपर वहतक ट्राल्यावर्स २५ विश्वक पारप्रीय बेक नवे था चुके हैं। ट्राल्यावर्स

बापके एक-केक्फरे विरोधी कवसके बायजूब नेटाक उपनिवेशमें विरिविटिया घारतीय सबक्षरीके प्रवेश-सम्बन्धी कानून बनानेमें शहकि प्रारतीय व्यापारी-सनावका कोई हार्य

नहीं चा।

बायके पत्र-नेवानने यह मनगरण बात कहीं है कि तेटानमें प्रत्येक भारतीय १ फिकिन माहबार कर्षमर निविद्य करता है और सनुकोंके बस्तरकी पुरानी टीनके सोपने बागकर पहला है। इसके विपरीत कर्षण नगरणाविकाले मुस्मिकाले बचुचार समाई यह है कि वही मासीमिति पनके मकान करीय-करीय वस खाब पविके हैं और इस सम्पन्न छाने पूरिमेंव स्थापारी प्रतिस्परियोंने काले दिवस उपयोग निया है।

केकिन मारतीय एक बावमें मानके पत्र-मेकक से वहनात हो सकते हैं और यह है नेवानमें मा बिक्ष मानिकाके किसी भी यानमें विश्वनिदिया मक्तूरीके बारितावधी निका। क्रिकेट मारतीय शिक्षके पत्रह रास्के इस मकारकी समृत्यीकी प्रधाको बन्य करानेके बिद्ध मान्योकन कर रहे हैं। स्वर्गीय सर विक्रियम विस्तृत हॅटरनें इस प्रवाको खतरनाक कपर्ने गुकामीसे मिक्स-चन्दर्ग रताया वा।

> जापका जावि मो*०* क० गौधी

[बंदेजीसं] इंडियन बोपिनियन, ४-९-१९ ९

# १९९ पत्र सोंडं ऐंस्टहिसकों

[सन्दर्ग] अस्परता ४१९९

काँवं महोत्रय

मैं जापको इसी व खारीबके पत्रके किए और उन कीमती सुप्तावरिक सिए बन्यवाद

देता हूँ को जापने विकरण (स्टेटमेंट)' के सम्बन्धमें दिये हैं। मैं जानता हैं कि अधिकारियोंपर कामका किसना भार है और वह जानते हुए कि

माप जनको यह प्रकल समझानेका कोई जनसर झानसे नही जाने देते भी हाजी हरीब और

र (६०० १९ ) कारानि प्रकारक और नारणैन रान्ध्रेन बांग्रेडकी निर्मा कोर्नेके स्वरूप हैक्टिंग बन्द र, पुत्र देशद और बन्द व. पुत्र गुरू ।

रेडिय "टाम्प्यालगात्री नार्वालीक बामकेका विश्रम" पृष्ठ २,००३ ; तथा और पेंट्यहेक्के ह्यामीक किंद्र परिविद्य १४ थी ;
 के शिक्ष परिविद्य १४ थी ;

४ विश्वभीक लामार मूच्ये दुश क्षण काल है। ५. जो मूच रामे एक पंति का नहें है।

#### १९८. पत्र 'इग्लिशमन'को

सन्दम अयस्य ३ १९ ९

सम्पादक इक्लिक्समैन [कसकता]

सापके पर-नेवाक छाउच साधिकता ने सापके यत २१ छाउँको नंकमें प्रकाषित सपने पनमें देशनी एक्टा कार्ते निक्की है कि करको सपना नाम भी क्रियाना पड़ा। स्था में सरकी प्रकासकरमानियाँ इस्स्त कर सकता है।

भी एक अक्ष्यू रिच श्रवारि वे मुझे अपना नित्र और खापी अक्ष्ठे हैं नारतीय नदी हैं भैसा आपके पक्ष-सेवाजने नान क्षित्रा है। वे इंग्लैंबके सहुदी है और इस समय वैरिस्टिंग कर रहे हैं।

भारतीयोंका पंजीवन (पोबस्ट्रेबन) एक विमानती कार्रवाई है और वह वर्षनय क्याने मारतीयोंकी हैमानदारियर सन्वेक्षत सुबक है। काष्ट्रियंत स्थानमें पावकी प्रवा कुछ हर कर कर ब्यानेकी कार्रवाई है और किसी और प्रवाद के बादेंगे विस्तर देश ७ का पृथिवाई पंजीवन कानून है क्यानवनक नहीं है। प्रीक्षाई पंजीवन कानून (प्रीव्यादिक प्रीव्याद्वेश प्रवाद कानून है ब्यानवावनक नहीं है। प्रीक्षाई पंजीवन कानून (प्रीव्यादिक प्रविद्धेश प्रवाद वर्षेत्र महाविपकी पारपव (पासपोर्ट) प्रवाद कान्य कान्य है वर्षेत्र पासपोर्ट हैं का है। महाविपकी पारपव (क्षीकिनोटक पासपोर्ट) विवाद प्रवाद है वर्षेत्र है वर्षकी प्रवाद कान्य प्रवाद कान्य प्रवाद कान्य प्रवाद कान्य प्रवाद कान्य प्रवाद कान्य का कार्य कार

भारतीय कुमी नहीं है। बावके पण-केक्कके विदोशी कमनके बावकुर नेटाक क्यनिकेशमें पिर्टमेटिया भारतीय मनदुर्दिक प्रवेश-सन्त्रमणी कामृत बनानेमें बहुकि भारतीय ब्यापारी-यमायका कोई हाव नहीं था।

आपके पक लेखकारे यह मनगवन्त बाद कही है कि नेटाकमें प्रत्येक माध्यीय ? दिस्तिय माह्यार कर्षपर निर्वाह करता है और सन्कृष्ठिक नारवर्ष पूराणी टीनके जीपने बनाकर रहता है। इसके विषयीत कर्षण नारव्याधिकारि गृह्यांकार्य अनुसार तथाई यह है कि वही प्राधीनिक पनके सकान करीय करीय वह जानी गाँवके हैं और इस तथ्यका उनके यूरोपीय स्यापारी प्रतिस्पावर्गने उनके विवद्ध तथानीन किया है।

केरिन भारतीय एक बारतों बायके पश्चिकको सहमत हो सकते हैं और यह है नेटाकों या ब्रोडिंग बारिकको कियी भी कायमें थिएपिटिया मजबूरोंके ब्रास्टलको निज्या। ब्रिटिय भारतीय पिछले पण्डह सामने हस प्रकारकी मजबूरोंकी प्रवाको बन्द करानेने बिए आब्दोलन कर रहे हैं। स्वर्धीय सर विक्रियम विक्शन हैटरलें इस प्रवाको खतरनार क्यमें मुकामीसे विक्रता-सकता बताया था।

वापका मावि सो० क० गाँधी

[बंद्रेजीसे] इंडियन जोपिनियन ४--९-१९ ९

# १९९ पत्र लॉर्ड ऍम्दहिसकों

[सन्दर्भ] अस्तरसंध्य

कार्ड महोतम

मैं बायको देशी व तारीकड़े पत्रके छिए जीर उन कीमरी सुद्वादेकि लिए पत्यवार

देता हूँ को धापन विवरण (स्टेटमेंट) के सम्बन्धमें दिये हैं।

मैं जानता हूँ कि अधिकारियोंपर कामका कितना भार है और यह जानते हुए कि बाप उनको यह प्रका समझानेका कोई जवसर हावसे नहीं जाने देते भी हानी हवीन और मैं होनों सक्तोयपर्वेक प्रतीक्षा कर पी है।

वापना प्रत्य मह वापना पर पह निर्माण मान्य प्रतियोग (विदेश पेक्टिन्स) के लिए प्रारक्षित वापना प्रतियोग (विदेश पेक्टिन्स) के लिए प्रारक्षित वापना प्रतियोग (विदेश पेक्टिन्स) के लिए प्रारक्षित वापना प्रतियोग पिक्रम) के सम्बन्धी के निर्माण किया कि प्रतियोग कि प्

र (१८४ १९ ) माराजेल प्रशासक और माराजेल राज्युंच सांमेशकी मिर्किस करेरीने हरान;देक्किस सन्दर्भ र १६ १९६ और सन्दर्भ, वृष्ट २६ ।

रिक्य "रम्प्यासम्पत्ती नारामिकि नामकेश विश्वण" पृष्ठ ५.८०-३ ; तथा बॉर्ड वॅग्यिकिके स्थानिक किर परिविद्ध १४ मी ।

a befort aftiffen tu i

<sup>🗴</sup> विन्तुनीक स्थानाह नृष्टी पुरू प्रन्त गास 🖫 ।

<sup>%</sup> को मूक पाने एक वेलिए कर को है ।

इस दृष्टिन्दे किया गया है कि हमारे मामकेमें मारतीय कोकमतको दिसकासी बड़े और पतानामें सङ्ग्रमृति उत्पद्ध हो। हमारा टाइम्स बाँठ इंडिया के सम्पादकने निकट-सम्पर्क है और इंप्लियमैन के सम्पादक स्वर्गीव की सावसीसे भी मेरा व्यक्तिगत सम्बन्ध वा। मैं यह कह हूँ कि चब मैंने पड़से-पहरू बक्षिण आधिकारों सार्वजनिक कार्य हावमें किया तब उन्होंने [सी सांवर्धन ] मुझे बहुत धपयोगी सहायता और सकाह थी थी। हुमारी सिकायत सदा गई रही है कि मारतमें इमारे वेसनासियोंने वैसा सायव अभी कुछ पहते तक अवता था इस प्रस्तके सामान्यीय महत्त्वकी करीव-करीव वाध-बुसकर उपेशा की है। फिर कराक समर्घन निर्दोध कारतीयोंको विनमें से अधिकतरके पास एक पैसा थी न वा पूर्वगाको प्रदेशके रास्त्र ट्रान्सवास्त्रे मारतको निर्वासित कर दिया। उनके इस आव्यवातकारी कार्यने इस समस्य सबसे क्याबा प्रकाशमाँ का विया है। इसके इस प्रस्तका विज्ञापन इतना हो पमा जितना सामर दूसरी किसी बादसे न दुवा होता। अब भी हेनपी एस पुष्क पीकक भारतीय बनताके सम्मूब इस स्वितिको रखनेके किए ट्रान्स्वाक्ते भारत यये हैं। वे बहुति यह निरिव्ह निर्वेद करूर दमें है कि ने खरवक्ते सम्पर्क न करें और ज्यावातर टाइम्स बॉफ इंडिसा के सम्पादक भोक्टेर पोक्टे त्वा जागासाँकी सलाहसे वर्छ।

अभाकामक प्रतिरोमसे मेरा भतकब वया है यह सावकी करारतसे कुछ ज्यादा स्पष्ट कारों प्रकट हो बायेगा इसने कॉलिस्टनके साहित्य व बार-विवाद संब (कॉलिस्टन किटरेरी ऐंड किसे प्रकट हो बायेगा इसने कॉलिस्टनके साहित्य व बार-विवाद संब (कॉलिस्टन किटरेरी ऐंड बिवेटिय सोसामटी) में बिये भेरे बायकड़ा सार वियायवा है। मैं कहू हूं कि बॉलिस्टन मारसीय विरोधी मानगांडे बोलगोंठ हैं। किर भी संबक्ते सरस्योंने विनमें बॉलिस्टनके मैयर मी हैं क्या करके यह स्वीकार किया कि हम जो कहाई चका रहे हैं वह पूर्वतः निर्देश है।

मंदि में मह न कहूँ कि भारतमें बो-कुछ हो पहा है उनको में अस्पन्त गहरी दिक्तपासीसे

सह म मह म कहा कि मारदान चानुक हो या है उपका म करवा गहुर ताक सराध की रा पार्टीन को स्वार्ध के स्वार्ध की रा पार्टीन को स्वार्ध के स्वर्ध के स्वार्ध के स्वार्ध के स्वार्ध के स्वार्ध के स्वार्ध के स्व संविचानके अन्तर्गंत विदिक्त प्रजाशगोंको जाहे ने किसी जातिके हीं तनतक अपने अविकार कमी हाननाएक नर्याय कार्याय कमान्याय मात्रुम प्रथम वार्याय हूं प्रयोग कार्याय वार्याय कार्याय वार्याय ही। महीं निके हैं और न कभी शिक्ष खरते हैं बतावक ने उनके उपमन्तित करने कर्याय दूरे न करें और कतरक से उनके निमित्त कड़नेके किए तैवार न हों। नह कमार्य या दो पारियेक हिंदाका कम के केटी है, जीवा भारतके उपस्की कोगोंके भामकेमें हैं ना कड़नेवाके मोगोंके स्थावतात कष्ट-सहतका कप के लेटी है वैद्या ट्रान्सवासमें हमारे जनात्रामक प्रति ऐवियोके मामकेमें है। मेरी चम्मचिम शिकामचे दूर करानेका पहला वरीका बहुत-कुछ वर्षरवापूर्ण है जीर माराग्रीतीक स्त्रमामके विकक्ष है— सी इसकिए नहीं कि वे वार्यरिक मुस्टिसे दवने दुर्गल है कि इस

```
१ वेकिर क्ष्म ६, वह २४०-४८ ।
```

२. सर् ज्यान्य नहीं है। इ. रेक्सिय "मानवः वर्षिक्रममें" सा २४९.४४ ।

र ताँक धन कामे है।

भू क्यों का पूरी पेवित नामा है।

मार्पको नहीं बपना एकते बांक इनसिए कि वे अपने विशासके कारण इस इसरे तरीके के अध्यस्त हो गये हैं और मुखे यह स्वीकार करनेमें कोई बाधा नहीं है कि ट्रान्यवासका अनाभमक प्रतिरोध भारतके हिसाकारी वकतो व्यावहारिक क्यते यह विशासी है कि वह सिकडुक सकत रास्तेप है और अवतक उसका विशास किसी भी प्रकारकी राहुत पानके किस प्रतिप्त रोता तरवाक उसके विशास किसी भी प्रकारकी राहुत पानके किस किसी सी प्रकारकी राहुत पानके किस किसी सी प्रकारकी स्वावह की की

ान्य हुनाम पूर्वा उपके प्रवास कार करण कर प्रवास मार्क है कि येरे सपने विकार का यह स्पर्टीकरण पायब सायके किया वर्षायका न हो और सम्मानत यह हर उपह्नी विकासभी से बाजी भी हो। मैंने यह सब केवल इस्तिए किया है कि मेरे बारेमें कोई मक्तफहमी न हो। मूझे इस बाउपा बहुत का बात है कि मेरे बारेमें कोई बात न कुमार्क। मैं इस बाउफे किए भी बहुत उस्हुम हूँ कि जो कोई काम हानमें के उपमें बार में बहुत मार्क्स भी मेरे की मानुम्मिक इतना अधिक भी मेरे के के मोर्न भी मानुम्मिक इतना अधिक भी मेरे कि सम मेरे बार मेरे भी मानुम्मिक

हमारी मुनीवरोंमें आप भो शहरी दिसम्बन्धी के रहे हैं उन्नके किए बहुत-बहुत बन्धवाद सीर इस पत्रदे अतिवाद विकासके किए असावाधमाके साथ ---

> वापका वादि मो० क० गाँघी]

टाइप की हुई दल्लपी अंब्रेजी प्रतिकी फोटो-संकल (यस यस ४९७६) से।

# २०० पत्र साँई ऍम्टहिसकी

[सम्दन] अवस्त ५,१९ ९

कॉर्ड महोदय

पी नापके कलकी ठायीनके दो पर्नोकी प्राप्त-मूचना निवेदित करता हूँ। नामा है सापके पर्नोकी नापने नापी नापको नेन दूँगा। शापके दनी ने तायीसके पत्रका स्थारे मैं मेन करा है।

सिरित मारठीयाँका प्रध्न नवा होनेके बारोगके सम्बग्धमें में एक अवस कागवरर निस् एन हूँ वाकि बार उतका उपयोग इस पत्रका हवाला दिये विमा धर सकें। जिन संसोधनको

र सन्तन व की काडी माध्य-स्वार के दूर सीई कार्यको मुक्ताकोर काराव्यक प्रतिके भीर काराव्यक प्रतिके भीर काराव्यक प्रतिके स्वार कार्यको कार्यकार प्रतिके स्वार कार्यको प्रतिक स्वार कार्यकार कार्यक

मोर्ड ऑस्ट्रीको का गाँची वित्ये औरी वी की करोने स्थानियों क्लि व :

। Yuk দিল গৌৰ।

प्र केरियर छस्तर र ।

93

पेस करनेका विचार है उसका मजमून भी इसके साथ है। मैं यह अच्छी तरह महसूस करता है कि कठिनाई जनिकारक प्रकापर होगी। जिनकार "पर बोर दिये विना इसका कोई हुक निकासनेक प्रथलमें मेरी कई रातें शिग्तामें निककी हैं केकिन मुझे सफकता नहीं मिली है. क्योंकि इससे कम किसी भी बातका वर्ष मेरी विनीत सम्मतिमें उपनिवेसकी कानुवकी किरावर्ने इमारी प्रवादीय हीवताको अकिर करना होया। आपके प्रकार यह उत्तर भापके इस समावका भी उत्तर है कि गाँगोंकी विनवीमें शिक्षित भारतीमोंके वर्षेके वजाय कमी-कमी कुछ केची धिका पाये हुए भारतीयोंका प्रवेश आदि कर दिया जाते। ऐसा कोई समय-फेर सम्भव नहीं है वर्गोंकि कहाई बोडे-से बिक्षित बारतीयोंको प्रविध्य करानेक लिए नहीं है, बस्कि सहज-स्वाभाविक या सैद्धान्तिक अधिकारको मान्य करानेके किए है। यह

बनिकार" न देनेके को निश्चित परिकास कोते हैं जनपर खोर देनेके सहेदयसे इस प्रश्नके सम्बन्धमें चिकित्सक, क्कीक आदिका उत्केक किया गया है, और यह की कार्टराइटके मित्रोंको सन्तुष्ट करनेके चहेरवसे बाबदवक हो गया वा "स्पष्ट क्यमें यह समझनेके किए कि हमारी मौनका बनिप्राय उपनिवेशमें ऐसे क' से अधिक भारतीयोंका प्रवेश नहीं है सन्हें साम्रान्यीय कृष्टिकोण कपनानेकी जरूरत है। सक तो यह है कि ऐसे प्रवेशके किए प्रतिवर्ध श्रायद वी म्मिनित भी आवंदनपत्र न वें और मैं अपनेतर्व तो स्वानीय सरकारसे यह बादबायन भी नहीं मौर्येगा कि बढ़ क्र या क्र से कम भारतीयोंको प्रवेश दे ही। सिद्धान्त मान केनेपर, केवक प्रवेश एक कोटी बाद है और में साफ-साफ स्वीकार करता है कि वृत्रि यह सिर्फ वोने-से मारतीयोंके प्रवेशका ही प्रश्न होता तो मैंने अपने दान्सवाकवाशी भाइयोंको मर्थकर रूप्ट चलनेकी सकाह कभी न की होती।

बापने विवरणमें सुवारके सम्बन्धमें को नये और मुख्यवान सुद्याव विमे है उनके निए मैं बापका बहुत कराब हूँ। श्री रिचके साथ मिस्कर मैं उत्तर गुरुत काम गुरू कर प्या हूँ। इन गुफ़ाबॉको सामित करनेके बाद मैं कुछ प्रतिवा कराया लूँगा और बापको जैन पूँगा क्षेत्रित उनके कापनका लिलम निर्देश तबतक न वंगा बदतक आपकी मंत्रारी और प्रचारकी वनमधि न मिल वाने।

बापका आजाकारी सेवक

[सहपत्र]

इस आरोपके सम्बन्धमें कि शिक्षित भारतीयोंका

## प्रश्न एक नया प्रश्न है

यह स्मरण रक्षता आवश्यक है कि वो धम्मेशन हुए वे एक जनवरी १९ ८ में हुआ का बब भी गांची श्रेक्षमें ही थे। एस समय दिखित भारतीयोंके प्रश्मकी चर्चा नहीं की गई

्र तर तर्पन अकल्प कहीं है<sub>।</sub> केकिन प्रांतीकोते उद्योकतात को जातिया पतला पा को मॉर्ड वॉन्सीको कको केवर १ अनकाडी करण कारणडी मेन दिना या । भर करण २ में दिया हुना है। जोई बॉस्ट्रीइको वोर्गामी द्वारा करते ९ शमको प्रस्ते हराई वह प्रताको साधिक कर किया था। वेदिन वर वर्षी शामा था कि का बोबीओकी हमानें हुई है। वेदिल "त्याः बोर्ड वानहिल्की" एवं १४१ ४२ ।

र युक्त प्रतिने करी कुछ सन्द काला है।

३ देखिर " प्रान्तवाकाती मारतिबेकि मानकेका विश्ततः १४ ९८०३ । ∨ मोरीबोको १ कनती १९०८को हो सारोजकी स्था वी व्यं वी, परत व्यं १ कनतीको स्थि। कर दिना नमा था। देखिए सम्बद्ध यह इद-३० और यह ४३ ४४।

बी स्पॉकि ऐसी बचाँकी आवस्पकता नहीं थी। यह स्थिक्ष् कि स्थेन्यम्मा पंत्रीयन (रिवस्ट्रेशन) करानेकी वार्ट पूरी होमेपर १९ ७ के कानून २ के एवं हो बातवे विकासी सोम्पदा-आप्त विटिश्च सारक्षीयोंका अविकार वपने-बाग फिर स्वापित हो बाता ।

क्सरा सम्मेकन २ अवस्तको हवा । उसमें कार्यकारिणी परिएव कि सदस्व । प्रगतिकारी

रकके नेता भी कार्टराइट भी गांबी और थी विवन सम्मिक्ति थे। यही वह सम्मेकन वा बिशके सम्बन्धमें कहा गया है कि उसमें जिन महोंपर वातबीत हुई उनमें बिकिय मारतीयोंका प्रदन महीं था। चनरक बोबाने अपने ५ चितम्बर १९ ८ के बारीते ५२८ पट्ट ४३ सी की Y३२७ में इस आरोपका स्पष्ट अण्डन किया है। उसमें अनुरक बोबा कहते हैं नवाँ विषय उन एशियाइयोंको देशमें जाने देनेकी नई भौगका था जो पहलेसे ट्रान्सनालके विवासी (श्रीमिसाइल) होनेका दावा नहीं करते परन्तु जो विका-सम्बन्धी कसीटीमें उत्तीर्व हो एकते हैं।" यह इस बातको स्वीकार करना है कि इस विययपर सम्मेकनमें विचार हुआ ना। परन्तु चनरक बोचाका कहना है कि वहाँ वो यह गाँव उठाई नई सो नई बात थी। विकिन जैसा कि स्पटस और भी गोषीके ग्रीच २२ खरवरी १९ ८ को सूक होनेगाने पत्र-स्वडारचे स्पन्द है यह भी गक्त है। दरबयक तच्य यह है कि सम्मेकनका बायोजन ही इसकिए किया बंधा था कि बनएछ स्मट्डके साथ उक्त कानुनको रह करनेके बारेने बो बादचीत चन रही भी वह निफल हो वई वी वर्नेकि जनरस स्मृहतने एक नई मर्च स्पाई थी कि सिसित बिटिक नारतीयॉपर प्रतिकृत खुनेपर ही के कानूनको रह करेंगे। इसके विविष्तित [ चक्त उद्धरकर्में ] ऐसी साँग की विशे मन्त्रियण यहके ही न मानने योग्य ठहरा मुके में। परन्तु विवि पेसा न होता तो भी यह मानना कठिन है कि किस उपायसे एछिपाइमॅकि प्रकासका विधान करतेवासा विभेवक और सम्बद्ध बारा इस विपयपर स्वेत उपनिवेशियोंकी समयन सवय न्याप्त माननाको न्यानमें रखते हुए, ट्रान्सवाध-सस्वके किसी भी सदन हारा पास किमे जा सकते हैं।" वह भी कह दिया जावे कि इस सम्मेतनमें कोई समझीता नहीं हवा वा। एथियाई नेता कार्यकारिको परिपक्ते सहस्यों और प्रगतिसील नेतामींसे यह स्पष्ट निर्वेख पाकर चम्ने बामे थे कि वे अपनी-अपनी समितियोंके सम्मुख वे सुद्दे रवें जिनपर सम्मेकनमें विचार किया नया है और चनरक स्मृद्सको समितियोंका फैसका बता है। तरनुसार तुरन्त ही एशियाई शमितियोंकी बैठकें हुई और भी गांधी तथा भी निवन बोर्नोने जनरस स्मट्सको धारी कार्रजाईने अवगत करा विया। जिस सरकारी रिपोर्ट (अत कुछ) का उत्पर जिल्ल है उसमें वह पत्र पूछ नहीं दिया गया है जो जनरक स्मद्रसके निजी समिनके विश्वय अनुरोध करनेपर तिथा गया था। यी केन (स्महमके नित्री समित) को ठारीब ? अवस्तको किने नमें पनकी प्रारम्भिक पंत्रियाँ इस प्रकार है

भी कार्टराइटने नृपति कहा है कि मैंने नावकी समाके निर्मयके बारेमें उन्हें बी-कूछ कताया है तो में बायको निका बूँ और ताब ही तत्त्रास्त्रमधी अपने विवार मी स्पत्त कर दें।

१ देखिए सम्बन्धः ८ १४ ९८१ १ । १. मूण महिने नहीं कुछ सार्य पानत हैं । १ देखिए सम्बन्धः ८ १४ ४५०१-२९ ।

समर्ग बंदी परका 113

मेंने अाब तीसरी बार समाके सामने वे सतें रखीं जिनके बारेमें मेने पाहें कतामा कि सरकार जन्हें देनेपर तैयार है। मैने उन्हें यह भी बताया कि यदि जन्म पिसा-भारत भारतीयों तथा सोरावजीको बहासीके सिए कोई व्यवस्था इनमें कर **गै** कामें तो यें ही दारों स्वीकार्य समझौतेका क्य के सेंगी । किन्तु समा पश्चिमाई मिनियमको रव करने तथा प्रवासी-प्रतिबन्धक अधिनियमणी सामान्य वाराके अन्तर्गत उन्ह बिसा प्राप्त भारतीयोंको मान्यता देनेते कम किसी भी दातको सुननेके किए तैयार नहीं भी। में लोगोंको अधिकते-अधिक केवल इसीपर राजी कर सदा कि धैमानिक मिमकार मंद्रर कर किया बाये ती विकित भारतीयोंके बिकाफ बरते वानवाले ऐंसे प्रमासनिक जरभावपर कोई आपति नहीं होगी, जिसके कारच केवल सत्यन्त प्रकार शिका-प्राप्त भारतीय ही ब्रवेश वा सर्वे।

> [सङ्क्षपच २] र्सक्री सन

१९ ७ के प्रवासी-प्रतिबन्धक कानून (इमिग्रेयन रिस्टिक्सन ऐक्ट) १५ के सम्ब २ के उपसम्ब १ का एक ब्रिस्सा इस उरह है कोई भी व्यक्ति को उपनिवेशमें वा उपनिवेसके बाहर, बाकायवा अविकार प्राप्त बफसरके कहनेपर अपर्याप्त शिक्षाके कारण इस उपनिवेशमें अवेशकी बनुमिक्क

बानेदरपत्र या ऐसे कामबाद जो वह अफसर माप किसी वृद्येपीय भाषाके बक्तरॉमें (बोब-कर किसानेपर या अपने-आप) न किस सके या चनपर उक्त वकारों में इस्ताधार न कर सके व्यवस्थाकी बाती है कि इस वपवन्तके प्रमोबनोंके किए बीडिय बरोपीन मापा मानी बामेगी यह नी व्यवस्था की

भारी है कि (इसके बाद को-क्रम दिया

नमा है वह महत्त्वपूर्ण नहीं है।)

उपवाच्य १ का प्रस्तानित संशोनन यह का

"कोई व्यक्ति को अपनिवेशमें ना उपनिवेशके बाहर, किसी बाकावरा अनिकार माप्त बच्चरके कड़नेपर बपर्यांत विद्याके कारक बरोपीय भाषामें नियद की पहें परीक्षा पास न कर सकेमा व्यवस्था की बाडी है कि इस श्रम्बके प्रमोदनोंकि किए गीविश युरोपीय भाषा मानी बामेगी यह मी व्यवस्थाकी जाती है कि यह परीका कैसी हो वह प्रवासी-अविकास पूरी तरह वपनी मर्वसि तय कर धकेगा । यह परीक्षा व्यक्तियों या बर्बोके सिए बसन-बस्त्र हो सकती है। बसके सम्बन्धमें सर्वोक्त स्वामासमर्थे या उपनिवेशकी किसी बदासत्तर्में अपीच न की था सकेती। यह भी व्यवस्थाकी बाती है कि किसी ऐसे पुधियाईपर, जो प्रणासी अधिकारी हाच की गई इस परीकार्ने पास हो जायेमा और इसरी तरहते इस काननके बन्तर्नेत निपिक प्रवासी न द्वीया १९ ८ के कान्त ३६ की बाराए कान्त डॉबी वह सी व्यवस्था की पाती है।

१ बॉड वॅट्सिको स्ट ७ ननताही स्ट चक्दी माठि लीडार वरते हुर किया वा दि वह प्रकेश कर्ने क्षेत्र बान परा है और के क्यारी तसाथ ही बायमें का तहेंने ।

### इत्तर टिप्पणियाँ

१ जगर १९ ०का कानून रह वर दिया गया और अपर १९०८ का कानून १६ न रहा तो प्रस्ताबित संयोजनमें कानून १६ के उन्केखकी बात ही न रहेगी। केकिन इसका उन्केख इंग्लिस् बावस्यक हो पमा है कि कानून १६ में देश-निकालेकी एक बारा है और कानून १५ के बच्च २ के उपकार में में इस अवस्था है कि विश्व व्यक्तिपर देश-निकालेकी बाजा कायू हो सक्ती है वह व्यक्ति दिखा-गरीसा पास कर केनेपर भी निपन्न प्रवासी हो जाता है। उन्हें उनकार भ इस तक्ष्तु है

२ परीक्षाके राज्यक्तमें प्रस्तानित चंचीकन कनाक स्पट्ट हां ये वर्ष वर्ष हाए बाएिको हुए करोके किए दिया ज्या है कि मौजूबा कानुनमें धायक त्रयावी बारिकारिको तिदेकके प्रयोक्त कान्नी बनिकार नहीं है जिससे वह एक प्रवासिक किए एक त्याकी परीक्षाकी स्पत्तवा कर सके और हुएटे किए बुचि तास्की।

टाइन की हुई बस्तरी बंधेनी प्रतिकी फोटो-नक्स (एस एन ४९८) और कसोनियक बॉफिस रेक्ट्स २९१/१४२ से।

#### २०१ पत्र उपमिन्नेश-उपसम्बीको

[क्ष्मन] बनस्त ६ १९ ९

महोदय

मैं नमर्गापूर्वक बापके द्वाी चार शारीकाके पत्रकी प्राप्ति स्वीकार करता हूँ दिवर्षे बापने कहा है कि कोई के में सेर शासीये बौर मुससे संवकाद १ रारीकको ६-१ वर्षे द्वारचाकके विनिध नार्यामध्येकी स्वितिक व्यवस्था स्वितना संबूद किया है। मेरे शासी बौर मैं क्का प्रवचर कोई मुझेरवाकी देवाने उपस्थित होते।

जापका आदि

राइप भी हुई बफ्तरी महेनी प्रति (एस एन ४९८४) है।

र क्यों वर्धे "वरशामिनेसन केर " है

## २०२ पत्र सोंई ऍस्टहिसको

[सम्बन] बद्यार ६.१९९

काँबें महोदय

में बभी विवरणकी बीध प्रतियों नेव रहा हूँ। बायके विये यमे विविकार पुसाव हानें बा गमें है और मुझे बाखा है कि वे विद्य देवते सिन्ने यमें है वह धापको पश्च बानेना। विवरण कुम्ह (टेकिनिक्स) न हो बामें इस बायाससे बायक्सक प्रमाने हुए कुस सन्दें करण सन्दर्गे टिप्पविपक्ति कम्मों दे दिने नमें हैं। बैसा कि एक पहने पद्मों कहा जा बुका है। विवरण सन्दर्भ दुक्के कम्मों है। इसकिए यदि और भी कोई ससीयम बायक्सक हो सी कह किया बा सकता है।

टिप्पणी च नह प्रार्थनापन है निषका उत्तरेख अनुष्येद २९ में किया गया है। वह सभी छापी नहीं नई है। किन्तु आपके अवकोकनके छिए मैं इस पबके साम उसकी नक्क भेजता हैं!

बापके पत्रोंकी नक्छ की बा छी है।

मैं निवेदन करना बाहता हूँ कि यदि मांगोंबर धर बाँबे केरारकी धहनति प्राप्त की बा तके तो भी स्मटदके कोई बायधि करनेकी सम्मावना नहीं खेरी।

चानक है भी स्पट्ट कहा बीति एक एक प्रकार कारण वाहर कर ट्रान्टवाड संसदक कोई निवेदन कहा है कि संस्ट कहा है कि स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट वाहर कर इस प्रवाद कर ट्रान्टवाड संसदक कोई निवेदन न होगा स्विध्य में हुक नहीं कर सकता। यदि वे यह रून बहुम भरें तो भी यह बचन वे सकटे हैं कि वे संकेद न्यार्थित कार्यार्थ वानेवाड़ी प्रत्योग परिपक्त पहों ने स्विद्यार्थ में दिन कर प्रकार कार्यार्थ कार्युक्त रूप देवे वे से र उनका प्रवादी कार्युक्त रूप से वे से र उनका प्रवादी कार्युक्त रूप से से स्वाद कर प्रवादी कार्युक्त र स्वाद स

प्रयत्न एक्क होनेपर, मैं यह मान केता है कि इस समय द्वानस्वाककी वैकॉर्म को सनाकामक प्रतिरोधी है वे विका वर्त खिए कर दिने वायेंगे बौर वो निर्वासित कर दिने गरे है तकको पंजीयन (रिवर्टका) के किए सर्वी बेनेका बचसर विवा वारोगा।

यदि भीमान इमारा बापसमें परामर्थ करना बार्वस्थक मानते हों तो में सेवार्ने

हार्बिर हूँ। कॉर्ड कूने अब मेरे छालीछे और मुक्ष्ये मेटके किए बगके मंगकका दिन पियत कर दिया है।

वापका वाहि

टाइप की हुई वफ्तरी बंग्नेनी प्रतिकी फोटो-तकल (एस एन ४९८२) से 1

्रोक्तिक " डाक्स्प्रेलमही माराविश्वेष मामकेका विकास" यह १८०-१ ।

क्षेत्रर "प्रानेदास्य कामिक संत्रीको" क १०-१८। स्त्रे निकामने वानिक नहीं दिना पना ना ।

क्र चौर ४ किनुमंति क्लान्सर बन्तरणै मति चार महे हैं।

## २०३ पत्र एच० एस० एस० पोलकको

[सन्दरः] व्ययस्य ६, १९ ९

प्रिव हेनरी

मैं शाब जापको एक तार' मेन रहा हूँ। शबतक इसलिए नहीं मेना समा कि मैं एक्टरो इटबॉको सकिविक बनाकर कुछ शिक्ति बना केना पाहवा है। यद्यपि निकीने मुझे बदाना कि वे बापका एक द्वार प्रेयनेका बाबा कर चुकी वीं मैंने विवेकका उपयोग करके प्रधान क्षेत्र कही भेजा और यह आप पर कोड़ दिया कि आप बक्तरीका मेंने गर्ने दारहे उनके आनेका अनुमान क्या हैं। त्रिकी बपने निपयमें विस्तारसे आपको सिकारी ही इसकिए मैं इस पनमें अधिक नहीं किस रहा हूँ। मैं इसके सान विवरण (स्टेटमेंट) भेज रहा हूँ। इसमें कई परिवर्दन और एंग्रोबन हुए हैं। इसे खब भी मन्तिम रूप नहीं मिका है और ने नह बॉटनेके किए ही है। जोर्ड ऍस्टरिक इन बीजॉर्फ बारेमें बहुत ही सतर्क है। पनतक बातबीठ जस रही है, में नहीं चाहरे कि इस शरफ किसी प्रकारकी सार्वजनिक कार्रवाई की जामे। के वक्के सोमबारको जनरस स्मटससे मिल्नी। इमें काँड कू से वनके मंगसको मिलना है। इस्सिए अपके इक्टोमें अवस्य यह तम हो जायेगा कि हमें आये यहाँ किस तरह काम करना है। जो भी हो अबतक निरिचत समझीता न हो जाये आपके कामपर यहाँकी कार्रवाईका ससर नहीं पड़ना बाहिए और यदि समझीता हो जाये तब भी भेरा खनात है, बापको नडाँकी यात्राका पूरा बाम उठाना चाहिए। सारे भारतामें चुमकर सभी नेताबाँसे मिलना चाहिए और उन्हें बस्तुस्विति बदानी बाहिए। धनकीया हो बानेपर यदि आप एक पुस्तिका प्रकाधित करायें त्रिसमें समस्त बीकिकार्ये भारतीयोंके कर्योका बतिहास हो दो बुरा न होना। मह पुरितका नैये हुए पुरितका (बीन गेम्सकेट")की तरहकी हो सकती है। मेरा क्यास है, वह बापके पास है ही। निकीसे मुझे मालूम हवा है कि वे हर हास्तमें करीब एक साक तक कन्यनमें पहेंगी ही। मैं बूद भी समझता है कि उन्हें ऐसा ही करना शाहिए। नेरा क्यान है, कि बाप कमसे-कम १ महीने भारतमें रहेंगे। बरि बाबसक हो तो क्रिकेट नेरा क्यान है, कि बाप कमसे-कम १ महीने भारतमें रहेंगे। बरि बाबसक हो तो क्रिकेट निवेचनके किए मी क्क बाइए। फिर मी कम्भव है कि महकि कामकी प्रगतिक जनुसार

र और द ने क्शम्म आर्थि ।

बरीका देखा कथा २, १४ १.५९ ।

पोक्की भन्ने ११ ननताक नामें किया था "मिंद विक्रय अधिकारक करोंक वारेंगे पुक्तिका तैसार कर की है । को मैंने चरके की कहारकर किया किया था। करता समाविता माही वाल में काने प्रान्तकारकी स्तराचे सिना मीर कुछ व्यक्तिक रहा हूँ।" व्य पुरिषका व्यक्तपुर १९ ९ में भी व केंद्रस सहस्र हरा स्त्र ब्रोफेस्ट स्क्रावित की व्यक्ति व व्यक्तिक व्यक्तिकाक धारतीय व सामान्यमें गुकामीकी स्थिति और रमके साथ अध्यार । पोम्का शुभागमधी एमसापर यह और पुरित्या यो कियाँ विश्वता श्रीनेट वा देशंडी बॉक प्रपासर : दैप्पोस्ट बॉक मिरिय इंडिक्स इन ट्रून्सवरू । ४ साम वंगेंट वा. कृष्टिन कामिकाले विदेश धासतीवॉकी शिकासों : मारतीय कनतासे

111

इसमें रहोबदस करना पड़ेगा। बदि कोई समझीता न हो तो जाप जपनी समित केवड ट्रान्सनाकके प्रस्तपर ही केमित कीनिए। बुसरे निषय खेककर अनदाका स्थान न बँटाइए। मैंने जापको सर्वेद ऐंस्टहिसके पर्वोकी नक्से जाम-बसकर नहीं मेथीं। फिर भी को धन मैंने उन्हें किसे है उनकी नकतें केन रहा है। इनसे आपको मासम होगा कि यहाँ क्या हो रहा है और प्रमुपर नमा आरोप कनामे का रहे हैं।

बाएका दार समयपर मिक गया था। बाद्या है बाप बिल सोगीने निक्रते हैं वे वापके साम अच्छा नतींन करते होंगे और उन्होंने बापके निवासके किए प्रपत्रका स्वास कोक दिया होगा।

आप अन्बई गढ़ट के कार्याक्षममें किसी पुस्तकासममें १३ खड़ाईका मक्ट देस नीबिए। उसमें हमारे सबर्प पर एक कम्बा सम्पादकीय प्रकाशित क्ष्मा है। बान पहला है कि वह सेन्द्र किरोकि कहनेते किया गया है और उसमें कृद मुझते बनुरोम किया गया है कि मैं बमनी कार्रवाई भी कुछ क्षेत्रों तक ही वीमित रखीं। यह सेन्द्र नहत हानुनृतिपूर्व है। आपको उसे पड़रेकी कोविश करनी चाहिए। मुझे वह कुमारी स्मिमने दिखामा था। उसकी कटारन में जोहानिसकों मेज रहा है। हाँ जब भी समय मिस्रे आप नहकि शार्वजनिक पस्तकाक्योमें जानेकी कोविध कीविए और भी वेसिनकरधे परिचय कर कीविए। के एक मने धिना-धारणी हैं। मेरा खबाक है मैंने आपसे छनके बारेमें बात की बी। मैं चनके नाम परिचयकी कोई फिटठी जापको नहीं भेज एका है क्योंकि भेरा क्यांक है। सब जापको उसकी जरूरत महीं होगी।

भी बैसीने यार्कमधर बेसी बॉस्बर्वर को किसे नपने प्रथमें नापका सन्देश इस प्रकार किया है "यह देखकर कि स्थायके आवारपर सामाज्य-परकारको प्रेरित करके भारतीयोकि इन्हें हर करानेके हमारे खारे अयल विक्रक हो नये हैं भारतीय स्वानोंने जपने शक बोरे हमदर्दको इस जासासे मारत मेजा है कि इससे मारतीयाँका प्यान उनके कप्टोंके प्रति बावत होया। ये धुरुवन एक बंग्नेच शहरी हैं पेग्नेसे बटनीं और बाचार विचारसे हिन्दू सरकार निरफ्तार नहीं कर सकी। एक वृध्यित यह कैसी मानहाति है कि बारको बाबार विचारस हिन्दू समझा जाने। कैमेनक इसपर क्या कहेंगे ? किर भी दूसरी वृध्यि यह किसलेक प्रशंसा है। बाप वसे बोर्नोमें से बुक्क मी ल मार्ने। यही मालम है कि थी बैसी इसी करनेमें कोकसभाके एक सबस्यको कियाते रास्ते हैं। यह यभ कियाते-कियाते में अपना विचार बदक रहा हूँ और कर वह तेस कॅकेनवैकको प्रेवनेके बनाय जाएको प्रेनेता। आप इसे सारा ही पढ़ना चाहेंने बौर चीहानिसवर्षनें हो यह किसी काममें न आयेगा।

श्रम्मकालके निरिक्त मारतीचीके मावकेदर जिल्ली करते हुए चरने गांधी-रोकी चर्चा को भी और निका हा कि बन्द ने मैर-किमेदार निर्दे हुए कोरों ने इन्बेरि वह बड़ी हैं हो साले नहीं मण्डा होता कि है इहिन वाकिसमें ही रहते. यह बात क्लेड बालीकासरी तर कर विदेशमें वृद्धते हैं और वो बहाँ बाली कि है मिना सम्बन्धि स्थानमा प्रधार करते हैं । इस विचास करते हैं कि भी वांधी करके मार्गसर स बार्नि और कारा कालारे रिकारेंने ।

क्<sub>र के सम्बद्धि</sub> विकास बॉकेस्ट की शीवंतर रहे । के बीवांक्टे शिव ने ।

नेटाल सिस्टमण्डक वानी सर्वेभी अब्बुल काथिर, बांगिकिया भागात और बदात यहाँ जा गर्ने हैं। नेटाकके फ्रेतिनिक्योंके किए तैयार किमे गर्ने विवयकका मसविदा में इसके साथ मेक रहा हैं। जिस कमसे सिकामसे अस्तुत होनी चाहिए वीं उसमें हेरफेर मैंने नहीं स्थिम है।

चनीवारसे ट्राम्सनामके संवर्षका समर्थन करनेवाका एक विक्रम तार सर मचरणीको मिता है। सर मंचरजीने ससकी नकने स्वतिवेध कार्याक्रम तवा इंडिया नॉफिस दोनोंको मेवी है।

हृदयसे जापका

टाइप की हुई रफ्तरी बंधेबी प्रतिकी फोरी-नक्छ (एस एम ४९८१) से।

#### २०४ सम्बन

सकतार, समस्त ६, १९ ९

#### वेटासका विष्टमण्डक

भी बानव मायात भी एवं एमं बवात बीर भी बांतिस्था पिछले धितवारको सकुछ पढ़ि जा नवे हैं। उनका स्वायत करनेके लिए भी रिष भी हानी हवीन हुनार मिस्क भी बातम होखेंगी जी हुएन बावव भी बाजुक बाविर और भी पांची माने हो उनके उदरनेको स्वरूपना वर्षों हो हुनार के बादी हैं पिछले उदरनेको स्वरूपना के प्रति हैं एक होने सुन्ता को प्रति हैं एक होने से कहा है। उनके उदरमीने एर चंचरची नवाद मे तवर हैं मह कुछ से के बादी पिछले और भी पुराके एक होने से का बतार है। उनकें छे वर्षों के को बाव होने को है के पूर्वार कोई मोलेंग मिस्की। हम को देनी एक विवरण हैयार किया है। वर्षों के के पूच्यार, १२ कमराको मिलें। हम कोरीने एक विवरण हैयार किया है। मुझे काता है कि पिट्यत्यक्रमको कोई मुनवाई नहीं होंगी। एक यो वस्त निकल चुका है और हुपरे यह पूराने भामको से कर बावा है। किर भी यह कहा वा वकरा है कि हम हमूदि को बानुपत्त के बोजी वह माने प्रयावती है। यह प्राप्त के मानर होगा। पिट्यत्यक वन्त प्रमुख को गोण पिट्यत्यक वन्त प्रमुख को प्रमुख को गोण पिट्यत्यक वन्त प्रमुख को गोण पिट्यत्यक वन्त प्रमुख को हो हो वह प्रमुख है। यह याप प्रमुख को गोण प्रयावती कारीर कार्य प्रमुख को हो हो वह प्रमुख कार्य तर्व वह से स्वरूपन प्रमुख को प्रमुख को हो वह पर से हुए है। यह याप प्रमुख को गोण प्रमुख को प्रमुख को है है वह पर से हुए है। यह याप प्रमुख विवर्ध निवार प्रमुख को है। वे दूर यह हुए है।

#### श्रीवारी विश्व

सीमती रिचने बहुत सकत बीमारी शेली है। वे भक्षी महिका रिखके दो शास्त्रे पीड़ित है। सनके भावकी भार बार भीरफाड़ की गई है। वे बाटसे कम गई है। भी रिच उनकी

१ मूच व्यविदा वरकार आँ हैं। वेदिन संबोधित सर्वादिक किर, निसंद विश्वयव्यक स्टालीक दशकार है दिवार "वेदालासी भारतीलीक करोंडा निकार " एक १४४-४९ ।

२. वर को पीतकडी वंजीवार बाह्यके सम्बन्धी या । सन्त्रा अल्डेस क्योंने व्यत्ने ६१ अपरादे पुरुषे दिला है ।

३ श्वाचा मजनिया कार्न गोपीजांने तनार विशा था । देखिल विकास वर्तिक ।

116

बीमारीके सर्वसे दब गये हैं। कहा नहीं जा सकता कि वे इस बौक्स वैसे उबरेंगे। उन्होंने मैरिस्टरी सूक की है। उसमें छन्होंने कुछ नाम भी कमाया है और कुछ महत्वपूर्ण मुकरमे चीते हैं। नेकिन यहाँ नमें वैरिस्टरकी कमाई ज्यादा नहीं होती। मेरी सकाह है कि मारतीय उनको सहानुमृतिके पत्र भिन्तें : उनका पता यह है भी एक अक्रयु रिच ५, पाम कोर्ट, टेम्पक ६० थीं सम्बन । मुझे आधा है कि श्रीमती दिव आज़िद सारसे उठ सही होनी।

नियोंकै मताधिकारकै क्रिय जाम्बोक्तम फरनेवाकी महिद्यापै

मतापिकारके किए बान्धोकन करनेवाकी स्विमाँ बहुत परिचम कर रही है। मैं उनकी परिश्रमधीनता संबदन-पदुता और कप्ट-सष्टिप्लुता क्यों-क्यों देखता वाता है त्यों-त्यों मुझे अपदा है कि जनके कामके मुकाबके हमारा काम कुछ भी नहीं है। धनके पास स्वयसेवक बहुत है। वे महा मन्त्रियोंकी समाओं में अवरदस्ती जुसकर विरुक्तार ही जाती है और चेस वार्षी हैं। जेसमें बारुर कारा विक्कुब नहीं कारी। इससे विकास राजको दिहा कर सेरे हैं। वे अभिकारियोंको स्टब्ट्सपुरे परेसान करती है और यह प्रतिज्ञा कर चुकी है कि उनको बबतक मताबिकार नहीं विमा जाता तबतक वे चैनते विस्कृष्ट नहीं बैठेंगी।

#### रखिय भामिकी संब

विशेष बादिकी सेव विवेदक (यूनिका विक) विटेनकी लॉर्ड समामें स्वीहरा ही बुका है। बब बहु कुछ दिनींमें कोकसमार्थे था आयंगा। भी द्राहरूर बमीतक प्रयस्त कर रहे हैं सेकिन मुझे दिखाई महीं बेटा कि कुछ साथ होगा। चर्चा जूब हुई है। साम ही या न हो किन्तु भी साहनरकी सावधानी परिश्नमसीकदा बीर परोपकार-मावना सब बहुट प्रश्नंसनीय है।

#### भी जींगरा

भी पीपराको फाँठीकी समा हुई है। उन्हें १: वारीक्षको फाँसी दी जानेवामी है। कुछ अभिज ऐसा प्रक्रमा कर रहे हैं कि उनको कीसी न हो। उनका तर्क यह है कि सी बीगाराने यह कार्य जजाननाथ किया है। इसके जलावा वे यह थी कहते है कि वह कार्य करनेमें उनका कोई व्यक्तिगत जाम नहीं था। इसकिए उस इत्याको सामान्य प्रकारकी इस्वा म मानना चाहिए। इंडियन सीशियाँकाँबिस्ट पत्रके अंग्रेस मुग्रकको सस्यन्त्री अंक क्रापरेपर चार मासकी कैंशकी सजा मिली है। यह अंग्रेज बहुत परीज बादमी है और बहुत नुकसानमें पढ़ गया है। उसको हो अपने पत्रमें प्रकाधित केवाँका कुछ ज्ञान ही नहीं था। सेकिन काननमें बचावके लिए अज्ञानकी वलीक स्वीकार नहीं की बादी।

# [बुबरावीसे]

इंडियन बौधिनियन ४-९-१९ ९

# २०५ शिष्टमण्डलकी मात्रा [-६]

[बनस्य ७ १९ ९ के पूर्व]

रिश्वने हुस्तेनी तरह इस हुपते थी मैं बापको कोई कास खबर गहीं है एकता वर्षी हा सारी वार्ष गोपनीय हैं। कोई एँस्टिहिल मुद कोधिश कर ऐहे हैं। मुक्द होनेकी हुछ जाशा की वा सकरी है। आगर पुलह हो यह दो भी कानुरको एर करने और शिक्षित पारतीयिक सरिकारको रखाके दिया किसी सम्य बादका होना सम्यव मही दीवता। गिरिहित आर्टीयोक सरिकारका खेगा किसी सम्य बादका होना सम्यव मही दीवता। गिरिहत मांद्रीयोक सरिकारका को बहु वासना वाहिए, जो बहुत कार हिम्मन भोपि निवन में बताया जा चुका है जबाँद जो बहुत पहुन्तिको होंगे वे ही जा सकेंत्र और उत्तरें की भी केवल का। यह बात ठीक है कि कामुमां कानुन एक होना | किहन मार्टीयोकि यासकेंगें| नमक बुदा होगा। कामुन एक होगा हानुन एक होगा कामुन में पर ऐसी यो से सारतीयोक होगा। वानुकार मार्टियोक मार्टियोकों का समान होगा। इसके सलावा हुएए छुटकर बार्ष छमारीयों नहीं जा सकेंगी यह एक प्रार्टियों की स्वार करना है। मुझे सारता है कि सबसे हुसरे हुछ ज्यावा समावार है सहींगा। हार सिवार सिवार हुए अप स्वार सिवार सिवार सिवार सिवार सिवार सिवार हुए सुक्त बार्स करने हुए हुन वाह सिवार सि

सम्बन्धित कार्योत्ते पुरकारा शिकनेके बाद गुकाकातका वक्त तम करेंगे। पिप्पनकार मार्ड कृष्टे भंगसनार ९ तारीकको मेंट करेगा। उसी दिन बहत-के

मारतीय जैसरे धूननेवाले हैं।

[बुबराठीसे] इंडियन औरिनियन ४-९-१९ ९

२०६ पत्र अमीर असीको

[सम्पन] अयस्य ७१९ ५

प्रियंकी जमीर असी

भी अपूत कारिएने मुत्रे जापना प्रभी दूसरी तारीसका पत्र विकास है। जहांनक इत्तानको अपना क्षाप्त है बातसीय कमी अपीत कर रही है। इस नित्ती तीरपत कार्ये में बेति होता हो प्रप्त हो हो। इस नित्ती तीरपत कार्ये में तीर प्रप्त को से स्वाप्त हो है। अपीत प्रप्त हो है। अपीत प्रप्त हो है कि परिचान कराने एक विकास प्रकार कराने कराने प्रस्त निवास अपने एक विकास प्रकारित कराने

रे मुच्चे "९ छारीख" है। वेंद्र छारीख र यंग्यवस्त्रो छव हुई वी देखिर "पन्: पर्यतिहा-कार्रवारा" पर १९३। और बायस्थक हो हो विदरित करनेके किए, दैयार कर किया है। बादाबीतके कारण कीई सार्ववितक कार्रवाई बारस्थ नहीं की वई है। मेरा क्यांक है कि यदि जाप इस प्रस्तके सम्बन्धमें सर चार्स्स रिचर्डको एक व्यक्तियत यह मेज देने तो उसके मनमें इस मामलेकी मार ताबी हो जायेगी और उन्हें इस बातका भी पृष्ट्यास हो जायेगा कि बाप इस प्रस्तको अपनी इस्ट्रियोंचें भी नहीं भूकते। इससे इस विश्वासको भी — को वह पकड़ रहा है — वक मिसेमा कि भारत इस प्रश्नके सम्बन्धमें चूप बैठा न रहेगा।

बाधा है इस परिवर्तमसे और स्विट्वारकैंडकी स्वास्थ्यप्रद पहाड़ी बक्कशमुसे बापको और

आपकी पत्नीको बहुत साम हो रहा होगा।

भी बस्तूम काविर कहते हैं कि बापके पत्रके किए मैं बापको बस्पवाश दे हूँ और यह सिस है कि उन्होंने और भी हाती इंडीवने दोनों सस्तामंति किए को-कुछ दिवा है नह कर्तव्यके क्यमें दिया है। मैं बापके इस कवनसे सहमत हैं कि दोनों संस्थाबोंकी कार्रवाहमोंमें धव भारतीयाँको योग देना चाहिए।

आपको यह कार्य याच होगी कि भी सम्बुक्त काविर नेटाकके प्रतिनिधि हैं। नेटाक हिन्द्रसम्बद्धके सदस्योंकी संक्या जब पूरी हो गई है क्योंकि दूसरे तील सदस्य गत बतिवारको जा नये हैं। बनको जापसे सिकने आपको सकाह केने और उसके जनुसार बक्रनेका विसेष आहेब दिया गया है। उन्होंने जापके पतेके किए तार की दिया था और यह उनको भी बहुतरहे मिल गया। तब वे टॉनस कुक रॉड संघके वाद यह परा कमानेके किए गये कि वे काएके पास कुछे पहुँच सकते हैं किन्तु, यह बातकर कि यह करीब-करीब सीग हिनका सफर है, उन्हें वहाँ आपसे जेंट करनेका विचार वानिकापूर्वक स्वाय देना पड़ा। विषक्त । उन्हें हु उन्हें नहुंचा नारण करिएका विषयः वार्याकानुष्य त्या प्राप्त है। अब नेटाकने प्रतिनिधियोंकों कोरेड एक विकास वैद्यार किया वया है जिंदे में सुकने साथ नहीं करता हूँ। यदि मापको कोर्ड खुमान सेने हों दो क्या बाप क्या करके दारसे मेंन सेने ? नेटासी प्रतिनिधियोंने कोर्ड कृतीर नोर्ड प्राप्त संबंधि पूजाकार गणि है। ठोर्ड कृते सिप्ट मध्यसमें मिसलेके किए बायागी बहस्पविका बिन नियत किया है। वे जरवन्त निराध है कि चनको चस समय जानकी भीजूबनी जीर सकाहका काम न मिकेगा। फिर भी यदि जाप कोई भू हे प्रमुख पड़नेने किए एक पत्र किया छन्। वाजारा १९८८ मा श्री आप कोई भू हे प्रमुख पड़नेने किए एक पत्र किया छने होने वह बहुठ कीमदी होगा। उन्होंने सर बारते बूहते पूछा वा कि नया ने उनके शिष्टरान्यस्का गेतृत्व कर देंगे। यर चारते बूहने हारते मुन्ति किया है कि ने ऐसा करनेनें अध्यक्ष है। शायर कर सर मंत्रस्त्री सरका नेहत्व करेंगे।

जापका जावि

वास्टिस अमीर अणी र्पवादिन

रिवदय रसैंड

टाइप की बर्ड बफ़्तरी बंधेनी प्रतिकी फोटो-नक्छ (एस एन ४९८७) है।

१ केटा<del>। पारतीय कांग्रेस जीर गुल्तमान विशेष श्रीमन महोसिनका</del> ।

### २०७ पत्र लॉर्ड ऍस्टहिसकी

[स्रम्यन] अमस्त ६ १९ ९

काँड महोदय

धीमामने हुमारे संवर्षमें बारी विकासनी की है बाद को विषय भरे सामी और मेरे किए सबसे अधिक महत्त्वका है उसपर किसनेसे पहके क्या में श्रीमानको उसके किए एक बार किर बण्यवाद वे सकता हूं है आखिरी नदीजा कुछ भी हो आपने हमारे किए को-हुक किया है उसके किए मेरे देखवासी और में अपके भीत विस्ता करना प्रकट करें, कम कोगी।

अगर मैंने जापकी बात ठीक समग्री है तो आपकी एम यह है कि मिंव कानुनमें ही संस्था सीमात कर दी जाये तो अधिकारके क्यमें प्रवेचकी बात मजुर हो जायेगी। जनर दिया है तो मुने काणा है कि इस रियावकों काणा है कि तुन ना नाहिए। इसके स्थित जाएकों की आपी विकल स्थार करता काहिए। इसके स्थित जायोंकों करना चाहते हैं तो उन्हें इस मामकेमें निवार करनेपर मेरे कि सियो सीमात करनेपर मेरे कि सीमात करनेपर मेरे कि सियो सीमात करनेपर मेरे कि सियो सीमात सीमात मात्रिए। इसे १९ ८ "के बाव और यह व्यवस्था भी की जाती है कि से पहले रचा बाता मीरा सीमात सीमा

स्पदस्या की बाठी है कि उपनिवेक्षमें विधिन्त वाटियंकि वित कोवॉरो प्रवाधियंकि क्यमें बानेकी बानुसिंद की बाये उतकी खेच्या गवर्तरकी परिपाके किए विनिद्य (रेतुकेपन) के तत करना बावव होना (भन्ने ही ऐसे कोग ऐसी [योग्यदाकी] परीका गांव कर चके हों।

इस संबोधनारे आयोजिंको प्रतिका-मान पूरी होती है। फिर भी इससे ब्रिटिय मायोज होनेके नाले विदेश मायोजिके विकार निवान-संक्रियों कीई ब्रावीयता उत्पन्न नहीं होती। मेरी सम्बोधनें इससे वानराक स्पर्य हारा या उनकी मोरसे स्वयं यह बायसियों पूरी सरह इर हो जानी है।

मैं मानता हूँ कि यह संधोधन पेध करते हुए ये व्यक्तिकेचके कानून-निर्माक के सिहासमें एक बारणाक मिराक कामम करानी सहसोव है रहा हूँ। लेकिन को बत्य प्रतिनिद्ध कराना कराना कराना सहसोव के सिक्ता को बार प्रतिनिद्ध करान कराने स्वाप्त करके से बाग करके से बाग करके से बाग करके से बाग के सिक्तारिका हा अविविद्ध पाराको मानती सबसा होने कि हिए तैयार हूँ। बाव अवस रह [सरकार हारा] स्वीकार नहीं किया जाता तो मुझ दिस्सा हो साको सहस हा साक्ष हो माने पारा कराना हो साक्ष हो माने स्वाप्त होने कराने हो साक्ष साक्ष हो माने साक्ष हो साम हो साक्ष हो साम करान हो साक्ष हो है। यह बात हो साक्ष हो है। यह बात हो साक्ष हो है। यह बात हो साक्ष हो साक्ष हो हो साक्ष हो साक्ष हो हो साक्ष हो साक्ष हो साक्ष हो है साक्ष हो है साक्ष हो है साक्ष हो साक्ष हो साक्ष हो साक्ष हो है साक्ष हो साक्ष हो साक्ष हो है साक्ष हो है साक्ष हो है साक्ष हो है साक्ष है साक्ष हो है साक्ष है साक्ष है साक्ष है साक्ष हो है से साक्ष है स

र देखिर और वैद्यक्तिका किने काले साथ विचा गया स्वयंत्र या इत देहरा स्वाइत हर पर या कि र भी :

नामाएर मैं यह पुषान वेलेकी पृष्ट्या करता हूँ कि जबर जाएने उनसे मायनीत विक्रुक स्वाम कर दी हो तो जनरक स्मर्सकं सामने एस संयोधकाओं मेरे पासने माया हुन जामार हुन सामने कर से सिक उनसे स्वाम करने एक हैं। मैं हम नाय के प्रवास कराने उत्तर जारत वाजा क्या है। में हम नाय के प्रवास कराने उत्तर वाजा क्या है है कि मैं तकाल समसी कराने के स्तर पहा है एक का कार यही है कि मैं तकाल समसी कराने के तक र पहा है तका का उनसे सिकसं स्कृत हूँ। के किम जबर स्वका नहीं का कुछ मी में निकते हो में वाला हुं आप मान से कि यह कभी पृक्षामा है। मही बचा मा। बहुकित मेरा समझ कराने हो में माहता है आप मान से कि यह कभी पृक्षामा है। मही बचा मा। बहुकित मेरा समझ कराने हैं मेरा रेख किया है। बहुकित मेरा समझ कराने हो से स्वस्त हो से समस्त की सामने से सामने से सामने की सामने की सामने की सामने की सामने से सामने साम कराने से सामने से सामने सामने से सामने सामने सामने सामने से सामने से सामने से सामने सामन

पण कर पहा के बहु कर बनान नहां जारता। इक्पा पूचित करें कि मैंने सारकों जिल विकरणकी बील प्रतियां मेजी की उसके सन्दर्भनों क्या प्राप्तकों कोई और सुद्धाल देना है, और क्या अब वह प्रकाशित और विद्यास

कियाचासकता 🛊 🤊

वापका वादि

टाइप की हुई बफ्ठिए अंग्रेजी प्रतिकी कोटो-नरुळ (एस० एत ४९९ )से।

# २०८ पत्र साँबै ऍस्टहिलको

[सन्दन्] अवस्त ९.१९ ९

प्रिम लॉर्ड ऍस्टहिस

मुद्दे जब रेकरेंड भी कोकको कितासका' प्रुफ मिक यदा है, हार्कीक रहमें कुछ देर हुई है। मैं बहुत बरखुक हूं कि यह कितास जितनी चल्ली सन्तर हो कप जाये। मैं मही यह भी विकास र हूं कि मेरे पास अनेक खारीबारोंके पेक्सी पेटे मी जा पसे हैं।

मैं बानता हूँ कि बाप बहुत क्यस्त हैं इसकिए बापपर यह बरिटिस्त नार नाकनेमें संकोच ही रहा है। किन्तु अपने यह बावा करनेकी हुगा की थी कि आप मूक पहिंगे और अबर किरान पतन्त आगी दो उसकी मुसिका किस्त गेंगे। किर भी बाबा करता हूँ कि बाप इस और सान देगेका समय निकासनेकी क्या करेंगे क्योंकि मूसे दिस्तास है बाप नह काम करना चाहते हैं।

मैं अक्तम सिफाफोर्ने पूछ जेन एहा हूँ।

जापका जारि

टाइप की हुई बफ्तारी अंब्रेजी अधिकी फीटो-नकल (एस एन ४९८९) से।

१ एम के नांबी। एन वंदियन वैदियर इय साम्रय जामिका । २. सर्वे रॉस्ट्रिय हरा पुरस्का भूमिक्ट्रे किंग पेक्स परिवित १८

## २०९ मेटालबासी मारतीयोंके कर्व्होंका विवरण

[मन्दन ] शमस्तरि १९९

### बेहासवासी बिटिश भारतीयोंके कट्टोंका संक्षिप्त विवरण वेशास्त्रामी भारतीयोंके भिष्टमण्डम द्वारा प्रस्तुत

इस बिप्टमप्पक्रमें वे कोम सामित है बन्धुक काबिए, नेटाल भारतीय कांबेसके कार्यवाहक बच्चक पीटरमैरिरसवर्षके मामोद भागात को पिछके २५ सामस स्पापार करते जा रहे हैं हुसेन महस्मव क्वात पीटरमैरिस्सवर्ग जीर रिवर्मडके स्थापारी जी पि<del>स्के</del> १२ सामसे व्यापार करते जा रहे हैं और वर्षभके मुहम्मद कारिम जामसिया स्थापारी और नेटाल मारदीय कांग्रेसके संयक्त सर्वतनिक मन्त्री।

ये प्रतिनिधि पिछली ७ जलाईको वधनमें बायोजित एक सभा में चुने नमे थे। समाकी क्रम्पमता नेटास भारतीय कांग्रसक कार्यमास्क क्रम्पम भी क्रशस्त्रा हाजी आवमने की और बुगाव धर्म सम्मविते हुना । प्रतिनिवित्रोंको अपने उष्टिप्ट कार्यके समर्वनमें जनेक तार प्राप्त हर है।

उपनिवेश-कार्याक्रकको एक प्रार्थनापत्र<sup>६</sup> सेजा गया है विसकी एक नक्छ अब प्रति

निविधोंको भी मिल यह है।

नेटालके विटिश भारतीय कम्बे बरधेसे बनेक पम्मीर नियोंग्यतावासे पीड़ित है। मे निर्मोत्यदाएँ कुछ दो उन उपनिषेत्रके विधान-सम्बक्त द्वारा बनावे वये कानुनोंके और कुछ नगरपाक्षिकाओं बारा निवित निवर्शके परिचान 🕏 ।

समादकी सरकारने १९ ६ के अमरपासिका कानून (म्युनिशियल कॉरपीरेसन्स ऐक्ट) बार १९ ८ के नेटाल परवाना काननों (नेटाल साइसेरिय ऐक्न्स)को शाबी-मंत्ररी नहीं ही इसस्पि सिप्टमम्बक उसके प्रति आवर्ष्युक्त बाधार प्रकट करता है। कारण इन सब कानुसान भारतीय समावपर और ज्याचा निर्धास्पताएँ कदनेवाकी वीं।

नेटाकके विरिध भारतीयोंको नेटाककी शंसक्यें स्पन्हारत कोई प्रतिनिविद्य प्राप्त नहीं है इसमिए बाही सरकारका ही संरक्षण उनका अनमग एकमाण आध्यय है। उनके ब्रिए

स्वमासन (मेस्फ-एवर्नमेंट) कोई विशेष या सामग्रह वर्ष नहीं रसता।

र यह विकरण वांगीतीने ६ अगलको ही तैशार कर किया था । देखिए "एव एव० एस एस० क्षेत्रका<sup>ल</sup> एवं १३७ । जी जांचविताने राग ११ जनसंख्यो क्यन्तिय चार्चकर क्रिय दिशा या । क्यूंदि क्षेत्रे क्षे कान हो १२ कमान्त्री में रह कारावर का सन्त्रकारों कह अविरिक्त कराव्य भी दिया था। क्षेत्रिक चरितिहर १९।

 र तुरुवं १ को कह प्रार्थवाका नेताक जागरीय क्षांग्रेस छवा नेताको विशिव्य गामदीय की प्राप्त दिया पता था जिल्लो निर्दायको बदास जनाविकार छवा ज्यानार वादि विविध अर्थी सम्बन्धी बार्वेस्ट नियम या । देकिन अक्टून अ १४ १५४ १

सपूर्व यांची शक्का

W

केकिन पिष्टमच्यक अपना बानेदन निम्नलिकित तीन कर्टी तक ही सीमित रसना **नाहता है।** ये तीनों कष्ट बत्यन्त गम्मीर और स्पष्ट 🗗। सन् १८९७ का विकेषा परवाना कानून १८ (बीकर्स काइयेन्येच पेक्ट १८) एन् १८९५ का गिरमिटिया प्रवासी कानून (इन्बेन्बर्ड इमिप्रेसन कॉ) और

मारतीय बाक्कॉकी विकाके वारेमें सरकारकी मीति।

सन् १८९७का बीकर्ष काइसेम्सेन् रेक्ट

सारा मारतीय समाज महसूस करता है कि यह कानून अत्यन्त बन्दामपूर्ण भीर क्र है। इससे सारे मारतीय व्यापारी समायको कष्ट है। इसकी सब्द-रचना तो ऐसी है कि वह सामान्य प्रयोगके किए बनाया गया जान पढ़ता है, सेकिन व्यवहारमें उसका प्रयोग चत्तरोत्तर भारतीय व्यापारियोंसे बनके परवाने कीननेके किए ही किया गमा है। ऐसा विकार देता है कि १८९७ के किस्ता परवाना कानून हारा थी नहीं सत्ताका सुक्ते हुस्पता होता रहा है। भी पेन्यरफेनने शे यहाँतक कहा ना कि यदि मारतीय स्पापारियोंके विकास किया बानेबाला उसका इक्टाएक प्रयोग बन्द नहीं हवा दो उन्हें छस्त कार्रवाई करनी पहेंगी। जान पहला है इसका सारकाकिक परिचाम यह हुआ कि नेटाककी सरकारने (मी केम्बरकेनके सुद्धावगर) नवरपाधिकाओंको इस श्रास्थके परिपत्र मेने कि वद्यपि उन्हें सनिवनित्रव वर्षिकार विया गया है किन्तु उनसे बासा यह की बाली है कि वे उसका प्रयोग स्थायपूर्वक और निष्मक रौतिसे करें कत्यचा उनसे वह विकार क्षेत्र किया वायेगा। बीर यदि वे इस विकारको कायम रखना चाहते हीं तो उन्हें निहित स्वामीको क्वापि हाव महीं छगाना चाहिए।

राहा जाए। पाहरू ज्वाहरणके किए बाधी हाकमें ही पटिय यो सामये जब्द किमे वा उकते हैं। भी
एम ए बीगा क्रेसीरिमकके एक विटिव नारणीय व्यापारी है। वे बराग वन्ना बहुत
समयदे करते वा रहे हैं और उन्हें बुरीरीय विश्वासों और साहर्केंग व्यापक पहुंचन
प्राप्त है। पिक्कों बुनों में के बीरिसकों एक हुएरे मारणीय व्यापारीका एका मार्थ
पास वदस्त्राना चाहरे में। उन्हा व्यापारीकी दिवित यो उनकी बेडी ही मी किन्तु परवाना बविकारीने विसे इस विषयमें निरंकुछ सत्ता त्राप्त है, उन्हें ऐसा करनेकी बाजा देनेसे इनकार कर दिया। अन्यकी जगहपर की गोनाकी मांकी माकिकी है। भी वोदाने छाइचेंचिन बोर्ड [परवाना-निकास] में अपीक की केफिन बोर्डने परवाना-अविकारीका निर्मय उकटनेछे क्रमकारं कर विमा।

पिलके साम इसी प्राथिक एक बूसरे परवानेको नया करनेसे इनकार कर दिया गया का उस समय इस निर्मयके किकाफ काइसेंसिय बोर्डके सम्मूच की वई वरीसकी सुनवाईके समय की बाइकी के सी एम एक ए ने कहा वा

" जाप न्यास-सर्गितिको हैसियससे किसी भारतीयके साम भी सम्पाय होते नहीं वेब सन्दर्भ । साप परवामा डीम से ती स्थानार जतम हो गया समक्रिए । सापने जीर सेनी सिमके मार्पारकोंने वेसे अपना मान्या बामने दिया है तो सब थेरा निवेदन है कि, जाप प्रससे प्रसका परवाना वापिस नहीं के सकते। वर्षि वह जाव शकर मानसे नथा परवाना भाषे तो अाम इनकार कर सकते हैं। कतने जानको बताया है कि पतका ९५ प्रतिसत ब्यासार बुरीपीयोकि साम 🚺 बाह्यिर है कि बसके ब्रमापारसे शहरके कोनोंकी सुनिवा

ही है। सायके सावने इससे कवाबा सवजूत मामका केटर साना एकवम ससम्मव है। मेरा बनूरोज हैं कि जाय इस कमरेचें आतेते पहले जी-कुछ भी हुआ हो उससे प्रमाणित हुए बिला इस मामकेपर विचार करें और प्राचित साव नाया करें।"

निक्रम रिजरके कार्योक्तिय बोर्ड [यरणाण निकाय] के हालके मिर्वर्योगर टिप्पणी करते हुए टाइस्ट बाँक सेटाल पत्रणे किन्ना था

### श्चर्मगाफ चन्पाय

"इससे श्याका अन्यायपुर्व और यनमानी कार्रवाईकी कार्यना नहीं की सा सकती है। जोर हम निजांकोच कह सकते है कि यदि बोकर प्रशासकारियोंने विश्वन काळिकी पक्तारपंके दिनोंके ऐसा गलत काम किया होता तो आही सरकारने जाहें नाशिक्य र प्रपारक शामान पद्मा गाम किया होता। हाना प्राप्त होति हिन समझ प्रतिक्ति पुरत्त ही सपता हाथ रोक्कोपर नाम्य किया होता। हाना यह है कि समझ प्रतिक्ति नारतीय दुक्तनदारिको जिल्होंने अपना क्वा बाकी क्या किया है और उत्तरे मारी पूँची क्या रखी है स्वानक और जनवाने शीरपर समृतका पासन न करोड़ा नारोप सपास्ट स्थापारिक परवानसि वैक्ति कर दिया स्था है। उन्होंने तो स्नृतुमका अपनी अस्तिक अनुसार पूरा पालन किया या और को सीत अपनीमें नहीं तिक सकते वे वे हर हक्तेके अन्तर्ने जपनी बढ़ियाँ किसी योध्य मुनीयसे [बंग्रेजीमें] सिनावा केते थे। ने ऐसा बरसॉरी करते था रहे हैं और अमीतक इस कामके जिलाफ एक क्षम भी नहीं कहा पता। केडीशियको परवाना बोर्डके निर्वयको हम सर्गनाक मन्याय भौर पैर कानुनी भी कहुँगे; और सबि शासिगोंको स्वीतका समिकार होता -- मी कि मीनूरा कानूनके जासहत करहें नहीं है-तो बोर्डका यह निर्जय सर्वोच्च स्थानास्य हारा तुरान ही कारिय कर किया जाता। इस विध्यमें हम अपनी निपति वित्तकुत्त स्पन्न कर देता चाहते हैं। हुनें बारतीय व्यापारियोंते कोई तहानुमूदि नहीं है भीर मार्ट्यीय स्थापार सम्बन्ध हो साथे इसमें हुने बुखी ही होगी। इस प्रवेशके बन्दर मार्ट्यर क्येंग्रेन्डड़े प्रतिबन्ध कवार्ये वागका समर्थन करेंग्रे; बीर इतना ही न्यूरी बार्ट्यीय स्थापारियोंको नये परवाले न वेगे तककी हिमायत करेंग्रे। सेकिन जिन नार दीयोंको इत देशमें बस बाने दिया गया है को नरतींसे पूर्णतया कानुनी डंपसे सपना कारोबार क्साते मा रहे है और जिल्होंने जपन व्यापारिक वरवानीके बल्पर व्यापारिक वार्वीमें अपनी पूँजी लगा रखी है, यन नाश्तीपंकि परवान नये करनेसे इवकार करना ऐसा कार्य है जो सब सम्य राष्ट्रोंक कानुनोंक और न्यावको विस्कृत प्रावितः करनानके भी किमाफ है। इसे साधा है कि इस कामान्यते परवाना-समिकारियोंको सका हिवादतें वी वापंगी हाकि केवीरिमवकी इस वंशीमन घटनाकी कुनरावृति न हो। यदि एसा न किया पता ही अहातक भारतके सीगाँके साथ साम्राज्यीय सरकारके सम्बन्धका सवास है मोडाल जसे बड़ी परेशानीमें डाल देया।

मन् १९ ८ में प्रस्कोटेक क्रोक बारतीय व्यापारियोंकी परवालीने सम्बन्धिन क्रपीकोंकी पैनकी करते 🜓 विवान-सभाक सहस्य वर्गक बीतने बहुा या

वपने संसदीय कर्मकालमें अने हवेशा यह कहा है कि भारतीय व्यापारियोंकी संस्था बड़ने देना बांधनीय नहीं है। और कब लीय नेरेवाल यह जनुरोव लेकर धार्य सम्पूर्ण यांची शासमा

कि इन अपीकोंकी पैरमों में कहें, तो मुझे बड़ा आत्वर्ष हुआ कैकिन मुझे बताया गया कि तरनमें मेन यह कहा है कि एक समावके माते सुने परिचित्रतिका मुख्यका मर्बोकी तरह करना चाहिए, किसी तरहका अन्यास नहीं करना चाहिए। हमें ऐसे करम उठाने चाहिए, निश्ते उन कौपोंके साथ पूरा न्याय हो किन्हें हमने इत देवनें मानेके लिए प्रोत्साहन विया है और यहाँ जाकर बायबाद प्राप्त करने और निहित स्वार्च स्वापित करने विधा है। एक उच्चतर कातिके नाते हमें इस समावके प्रति जपने कर्तव्यका पालन करना है और यदि कोई बुरा काम करना मानस्थक हो तो नह संसदको सँगालना चाहिए और छसे ही सही श्रवम प्रठाना चाहिए। कानुनका वह मंद्रा कवापि नहीं या कि इस तरहका बुरा काम एसे स्थानीय बोर्ड करें और में क्रमणपूर्वक कह सकता हूँ कि यदि जान यह बार्वनायन नामंत्रूर करने तो हुमें समेपा कि तस बहुत बील-शील है।

इसरा मामसा इस फिप्टमण्डको ही एक सबस्य पीटरमैन्सिवर्ग बीर रिचमण्डके भी एवं एम वरातका है। पिछने साल रिश्तमंडमें उनके मकानोके किए परवाना-अधिकारीका विया हुआ परवाना कुछ यूरोपीय प्रतिस्पवियोष्टि जकसानेपट, परवाना-वीर्ड हारा श्रीन किया गमा था। परवाना-विकारीने उसे परवाना पूना दे दिया किन्तु बोईने उसका निर्वय किर मंचल कर विया।

सन् १९ ७ में निक्रण रिवरके बुकाकेमें ११ परवानोंको नया करतीसे इनकार कर दिया गया या

इतांबामें इस परमानोंको नया करनेसे इनकार कर दिया पता

अनेमजैकियामें यो विवदोरियामें पांच

कीनेनमें तीन

पिक्रके साम इनकारीके ऐसे किस्सोंमें और इजाफा हवा।

इस शिष्टमध्यक्रके सवस्य यह स्पष्ट कर देना बाहते हैं कि बारतीय व्यापारियोंके प्रति यह कहा और मनमाना रज़ैया सामान्य बरोपीय अनुसके शहनेसे नहीं बस्कि परोपीय व्यापारिक प्रतिद्वनिद्वयोके स्थापके कारण अपनामा चाता है। परवाना निकाय (लाइसेसिन बोर्ड) जो इस विपयमें सपीककी सांतम सवाक्ष्यें हैं ज्यासाहर सूरोगीत कुकानवारींवे मरे हुए हैं। वर्षोच्य न्यासासमये मिकामोंको थी गई निरकुष तताको टीका कई बार की है और उपके निर्मयोगें इस्तक्षेत्र करनेकी सपनी सवायदेशावर सेव प्रकट किया है। भारतीय स्थापारियोंक परवात-सम्बन्धी भामकोंका निर्मय सबसे पड़के परवाना अविकारी करते हैं और उनमें से क्यावादर वा तो परवाना निकारों द्वारा नियुक्त किये कीन है या उनके मौकर हैं। परवाना देना उन्हें नमा करना मा किसीके नाम वसकना — इन वार्ताका निकंस ने क्षिकरों हो करते हैं। परवाना-देनाव उनके इन निकंसोंका जनुमोबन न करे, ऐसा सावद ही कभी होता है। बारतीय स्थापारिसंके कारीबारको कम करना जनकी बोधित नीति है और इस नीतिका परिचाम यह हुआ है कि भारतीय स्थापारिवॉको नमें परवाने प्राप्त करने पूरानोंको नवा कराने या बूसरोके नामपर वरकथानेके मामलोर्ने सामारम श्याय भी नहीं मिल सल्द्या। पिकके बारह नर्पमें मनसे सह कानन अमकर्ते है ऐसी जनेक घटनायें हुई हैं जिनका उदाहरण देकर अगर कही हुई

बात सिख की का सकती है। बसर प्रार्थी मारतीय ही तो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा उनका दायित्कमाद या उनके निहित स्वावाँका कोई बयाख नहीं किया गया है। उदाहरणके लिए

छन् १९ ७ में इस बस्तावेजके बूधरे इस्ताव्यक्तांने बीनेनमें एक (म्यासी) ट्रस्टीचें एक कारोबार खरीस था। परवाना-विकारीने इस कारोबारको उनके नाम वास्त्रने भीर परवाना वेनेचें इनकार कर दिया। परवाना-निकारमें अपीक की नई तो उसने जिनकारीका निर्मय बहुत स्वाः। यह सर्वोच्च म्यायाक्यमें वर्गक की यह उसने स्वार्ग देशने स्थानी व्यव्य मर्पता प्रवर्ध मर्पता अप स्वार्ग व्यव्यक्त की विकार करने पर परिष्ठ के स्वार्ग कर करने कि स्वार्ग करने विकार करने विकार करने विकार करने विकार परवाना वा वो उसके नायगर बदक दिया गया था। परवानेकी बहम्मको बाकायमा इसावत दी पह वो और एक बार उसे नया भी कर दिया वया था। किन्न वया करने किए बुखरी वार अर्थी ही पह तो व्याप्तारिक प्रतिस्थितिक उन्ह्याने पर उसे मामंबूर कर दिया गया।

चाहिर है कि यदि ब्यापारिक परवाना कानूनमें ऐसा संशोधन नहीं किया जाता विवर्ध पीड़िन परको सर्वोच्च व्यायाकवर्षे अपीछ करलेका विवक्तर मिस्र जाये से किसी भी विन नेटाबके मारतीय ब्यापारी विकक्त मिट जायेंगे और बढ़ दिन बहुत हर भी नहीं है।

गिरिमिटिया प्रवासी कानून संसोधन अधिनियम १८९५

पिछले प्रवास वर्षों में मेटाक सब्यूर्डिक सिंह और सापनी समृद्धिक किय निर्पामिदिया भारतीय समाधियों पर निर्मा पहुँ । यह बालको पहुँ मेरा बातको पी प्राय प्रायेक नेटाली एकनिया मेरा प्रवास के प्राथम प्रायेक नेटाली एकनिया मेरा प्रवास के प्रवास प्रवास के प्रवास प्रवास के प्रवास प्रवास के प्यास के प्रवास के प्रवस्त के प्रवास के प्रवस

विष्यसम्बन्धं यदस्योंको क्षयता है कि उपित्रेयके स्वतन्त्र आप्तीयोके और गिरामिटिया सम्बन्धेके हितमें भी गिरामित्रकों सारी प्रतिकृष्टि वास कर वी बागी आदिए। उनका स्वतक्ष है कि ये नमार्गे कोन पिरामिटको नविषयों नेटाकर्ने मारासकी योग्या हुक क्याया कमा केटे है, यह बाद बहुत महत्त्रकों मही है। इससे उनहें को सीतिक साम होता है वह उनके मनुष्परको हानिकी और तमाम चपनिवेषपर इस प्रवास उत्पक्ष कुपरिवामोंकी तुकनामें कुछ भी नहीं है।

केकिन यदि भेटालके मुख्य उद्योगोंको संकटमें बाके बिना पिरामिटिया मजदूरीका सेवा बाना एकाएक बन्त न फिया था सकता हो तो प्रतिनिधियोंकी नम रायमें पूर्वकित विसेव कर तो बनस्य ही उठा किया बाता बाहिए।

### मा**रतीय विद्यार्थियोंका** क्षिञ्चण

प्रतिनिधि इस बातको बढ़ी सम्प्रीप्ताधे महसूब करते हैं कि मेटाकरे हिटिस प्राप्तीर्शिक्षे सपने क्यार्थित स्वाप्ति सावनीय निर्माण करते को स्वर्ध बावतक मिनते पर परिमृत्य सावनीय भी बीवत करते को स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध का स्वर्ध की स्वर्ध

महिता क्या हो न संगत सम्माक धार्यस्थ मार्च ना परित मुद्दा गान्यव हो मिल मार्गव हो निर्माण के मिल मिलिया के स्वाप्त मिल मार्गिण कर मार्गिण कर मार्गिण कर मार्गिण मार्गिण

पूर्वेत्त तम्पॅका खयाल करते हुए वेदालके विटिस सारतीय स्वमायत बिलग बारिकी क्यितिवर्षिक महानित संबंध महानूद इंग्लिस बेबते हैं। यह बाद बात सीरपर स्वीकार की नती है कि दौरा बाकिनामें मारतीय-रिपरेश कहर वठ रही है। महानित संके पार समस्य है ति ती विटिस मारतीय कि महाने हुए विरोधों है। ऐसा तम रहा है कि केम भी इस विरोधी बायोकने वार्षिक होने ताला है। एक यह होना कि संव वन सार विरोधी सित्योंक योगका प्रतिनिवित्य करेगा को वार्षीय एक गुपरेस करना रहक सम्बन्ध कर सार कर रही थी। इस विरोधी सित्योंक योगका प्रतिनिवित्य करेगा को वार्षीयक एक गुपरेस करना रहक सार कर रही थी। इस विरोध मारतीयोंकों कारता है कि दिस्य कार्योक्स इस प्रतासित संव नार्योंक महाने हिंत सर्वाचित कारतीय हो ने सार मी स्वरास हो वार्यों। वो त्यार्थींकों करता है कि दिस्य कार्योंकों कार्योंकों करता है कि दिस्य कार्योंका स्वाप्त में स्वरास हो सारतीय हो ने सार हिंदी स्वरास की स्वरास हो सारतीय हो से स्वरास की सार हिंदी स्वरास की स्वरास हो सारतीय हो से स्वरास की स्वरास हो सारतीय हो से स्वरास की सार हुए से सारतीय हो से सित्य मारतीय हो से सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय है से सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय है से सारतीय हो सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय हो से सारतीय हो सारतीय है से सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो सारतीय है सारतीय है से सारतीय हो सारतीय हो सारतीय हो है

निषेदम है कि बसिन माणिकां है बूधरे उनीक्षेत्रों के नारेंसे नाहे नो कहा जाने नि उन्धेह बाही सरकारको तो नेटाकने विदेश माणीनोंको न्यान सिकानेकी सुनिया है हो। एता नहीं हो सन्दा कि प्रपत्तिक सन मुख्य केता ही रहे नीट दे कुछ नहीं। यह रखने में। स्वीकार मरता है कि मन्त्र जानोंकी नामन एतने और सनका सिकास करनेके निज्य नह वाही सन्दारकों मन्त्रावनागर निर्माद है। नदाकको जो स्टायक पिर्शानिया सनहूर मेनकर वनकी तराज्यन्त्री बावस्यकता पूरी की जाती रहती है उसके श्वामं उससे कमसे-स्म स्तान करनेके सिए जनसर कहा जा सकता है कि जो बिटिस भारतीय नहीं वस पये हैं और इस प्रकार जिन्होंने नहीं निहित क्यां स्थापित कर किये हैं अनके साथ सामान्य न्याय और निश्चा व्यवहार किया बाये।

> अब्दुस कादिर अमोद भागात एष० एम० बदात एम० सी० आंगस्तिमा

[बंबेबीसे]

कसोनियस बॉफिस रेक्ट्स १७९/२५५

२१० पत्र साँडं ऐंस्टब्रिसकी

[सन्दन] अगस्त १ १९ ९

कॉर्ड महोदय

यी हात्री हतीय और मैं कोई कू हे सिक्कर जारी कोर्ट हूँ। उनका एस बहुत शहानुमृति
पूर्य वा उन्होंने हमार्श बात बेरील गुनी। मैंने उनके सामने उस खानेपतार एक हम्की-डी
करारेसा रखी मो मैंने कम मार्ग आपको मेंना वा करोकि मैंने देखा कि असदार हमार्ग
सब्धा है कि उससे कुकान म चाहिए। मैंने उनके निकेशन कर दिया कि हम एस प्रत्यर आपके साथ पूर्ण उद्ध निवार-विमार्थ कर कुटे हैं। जाँड कूने शिर हिसाकर अपना प्रशंसा-मान्न अपन्त
किया और कहा कि सापने [जाँड पिट्टेसमें] इस असने सुनमार्थ सहुत परिमार है। कोर्ड कूने को-कुक कहा उससे मुझे कमार्ग है कि बातचीय करों बारे हैं। मेरा क्याम है, में स्वीकार करते हैं कि मैंने जो संशोधन मुझाया है यह बहुत उचित्र है और ने असरक समस्वरूप उसे मानको मिन्न बीर सामकी में हम स्वितियोंने सब क्या किया जाये मेरी समसने महीं आ एस है। मैं आपकी सलाइकी प्रशीधनों से हैं।

कापका काहि

टाश्य की हुई बक्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फीटो-नक्त (एस एन ४९९६) है।

१ व्य विरास्त कोर्ड केंग्रीक कारक प्रसार और कोर्ड के क बीच जी बागचार हो और वस-स्वाहत बाद काने बाँधी कीर-स्वासक बीच बाद "नैज्ञानिक नात्रश" नवह बाधा है। हेक्टिंट प्रीसिंह १ ।

### २११ सार एघ० एस० एस० पोलकको

्रासम्बद्धाः अस्यस्य ११९]

पोसक रायटर वंदर्ड

यरकार रह करनेको राजी। कानूनमें सीमा वाशिक करना बाहुती है। हमने पंडोधन मुद्रामा [बियरे] गवर्नरफो किसी भी बेचके प्रवादिबोकी संस्थाको सीमा निर्धारिक करनेके निर्मयांकी रणनाका स्विक्तार निर्धार हमारी टेक खु कारी है। (सच्छा होता नाग समाकों पारीकका रोकान कर हैते)।

नामीमीके स्वाक्षरोंने अंग्रेची प्रतिकी फोटो-मक्स्स (एस एन० ४९९९√२) से।

#### २१२ तार ब्रिटिश भारतीय संघको

[कन्दन अनस्त १ १९ ९के बाद]'

वि मा सं चोडानिसवर्ग

समझीदेकी बादकीत कारी। सरकार एवं करनेको स्वी। कानूनमें सीमा वाधिक करना बाहरी है। इसने जाम सामाण्य स्वयंपम मुझाना गवनैरको किसी भी देकके प्रवासियोंकी सीमा लिक्सीरिंग करनेके निर्मानमेंकी रक्ताका अधिकार निके। इससे कानून स्वयं किए समान क्यसे कानू हीनेबामा बनेगा। वससे हमारी टेक रह बाती है। आसा है, सरप्रवास हरियांक बिनी असरे करने सामान स्वयं कानू

यांबी जीके स्वाकारोमें अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्ख (एस एक ४९९८) से।

१ मन्त्रिय सम्बन्धि देशिक द्वारा कुण्डै भई समाते हैं । स्वक्रमी सारीब ६१ मन्यद वेशित हुई भी। देखिल "पत्र मोर्ड मुक्ते निमी सम्बन्धि" एत ११५ ।

् बन्दर १७, १९ ९ के द्वाहम्स आँक हिंचना और १९-८-१९ ९ के दिन्तुने का द्वाहम आँक हिंचना की स्वाहम स्वाहम हिंदन है। इस नीर सम्ब्रिक का द्वाहम स्वाहम स्वाहम १९ वर्ष के नीर मन्द्री का द्वाहम स्वाहम स्वाहम रहा की द्वाहम स्वाहम स्वा

३ चाल परना है किन जारीकारी जिल्ला जार तेचा तथा था वकी जारीकारी वह भी भेता वना था। १ इस्टिक्स भागी और पारती काजनी कामका ६ जीर १ व्यवकारी हिंदा हुए है। काजन्मी की तिम फिर निरुक्त कर्षित १ व्यवकारी काम होते तो वी ।

4. देवित अवस् वस् वस वस वोल्यादी अस्ति हैं।

### २१३ पत्र मणिसास गांबीको

[सन्दन] जगस्त १ १९९

चि मणिष्ठास

तुम्हारा पत्र मिल गया है। समझौता होनेकी बय कम ही आधा है इससे यह पत्र मंगलवारको जिल्लो केता हूँ क्योंकि सबतक बितना काम या स्वसंस् रहनेकी सम्मा-वन्त है।

तुम्हारे पक्रोंमें सन्द कमी-कमी असूरे होते हैं। इसकिए यदि तुम हमेसा पत्रको दुशास

मद्र क्षेत्रेकी बादत बना को तो ठीक सिम्बोगे।

मेरी सकाइ है कि फिल्क्यूब्ड को दूसरी टंकी किये बिना ही बाम बका लेना बाहिए। इस बरसारका मीसम आयेगा इसकिए एक टंकीसे ही काम बक बायेगा। आधा है इस

तुमने [अपनी पक्षाईकी | विस्ता कोइ सी यह पड़कर मुझे प्रसम्रता हुई। म पीसे-पीस

बीच मैं बहाँ बा बाउँमा। उत्त बक्त हम देख केंबे।

महीकी बन्दुरिक्ति देवता जाता हूँ बेचे-वेचे मुझे कगता है कि यहाँ कोई वास यिया ज्यागा बच्ची तरह प्राप्त को बा सकती है, यह मागनेका कोई कारण नहीं है। में तो यह भी देवता हूँ कि यही कुछ विकास सदीय है। किर सी मन्दी होता है कि तुम यब यहाँ आकर कुछ दिन रहो। हुम बचना करील बच्ची तरह गिमाठे रहें किर वो दोना है वह होगा। दुम वही मन मनाकर पढ़ी यह बहु मानेकी तैयारी करनेक समाब है। यी बेस्टकी मी सम्पन्ति १५ मीछ दूर ही है किर सी कमी कम्या नहीं बारी कमता बायवाची माम साई तीन मंटकी है। बमीनमें हम तिवाने कम्बने पेडोकी देवामाल नर सकते हैं उससे विकास है। इससे हमारी

हुपसवाकी कमी प्रकट होती है। जितनी देखमास जुद तुमसे हो सके उतनी करना।

भनीवहनकी सबीवत कैसे भागव हुई, क्या हुका और वह किसने दिनके किए टॉयाट

मद्रै सादि समाचार मुझे देना।

143

किसीके भी उप्पर अनुभित्त वनाव बाकना नहीं चाहता। केनक सकाह देना चाहता हैं। पच्चीस वर्ष तक भी तुम विवाहका विचार न करों तो मुझे तुम्हारा विश्वेच कस्मान विचार देता है। के फिन उस धेमय विवाह करनेका विचार हो तो भी विवाहका अर्थ गया 🛊 यह तमको कानामार्क मार्क्स समझता हूँ। शुम नासक हो फिर भी तुमको ऐसे ज्ञानपूर्व विषयमें किसता हैं। इसका कारण यही है कि तुम्हारे चरित्रक सम्बन्धमें में बहुत केंचे विचार रखता हूँ। तुम्हारी कामुके बूसरे वासकको मैं ऐसे विचार गृही किसूमा श्मीकि वड समझ महीं संकेशा।

बाके और इसरे पर्योमें अधिक देखोंने। ने एवं जब फिर फिर्बांगा।

बापुके आसीर्वाद

गांबीजीके स्वाक्षार्थें मुक्क गुजराती (सी कथान ८५) से। सीजन्य श्रीमती ससीकावेन गांधी।

### २१४ पत्र लॉर्डको निकी सचिवको

**बन्द**न मयस्य ११ १९ ९

महोदय

काँग्रे चू ने भी हानी ह्वीवको और मुझे ट्रान्सवाकके विटिय पारतीवींके संवर्षके सम्बन्धनें कल को भमाकात ही की उसके बारेमें मैं यह जिल करना चाहता है कि दक्षिण बाक्षिका बिटिक सारतीय समिति (साठव वासिका बिटिस इंडियन कमिटी) को सोरॅसो मान्विससे एक दार' मिखा है। उससे माजून हुना है कि खायर सी बिटिस भारतीयोके - सम्भवत सनाकामक प्रतिरोधियोके -- यस नन्दरगाडके रास्ते मारतको निर्वाधित किये वानेकी सन्नावना है। लॉर्ड सहोदयको नि अन्तेड सात है कि निर्वासनके इस शरीकेसे बहुत कब्द हवा है और इसके सम्बन्धमें उपनिवेध कार्यालमधे बार-बार पत्र-व्यवहार किया यथा है।

फिर भी इस प्रशाब निर्णवके धम्बन्धमें को बातचीत चल खी है ससको ध्यानमें रखते हुए, न्या में बॉर्ड कू महोषयसे प्रावंशा कर सकता है कि वे कमसे कम बादपीतके बरमिकान ऐसे निर्वासनोंको स्वगित करवानेकी वध्टिसे बस्तकोप करें।

> भागका साहि मो॰ क॰ गांधी

कसोनिवस बॉफिस रेकर्वस २९१/१४२ तथा टाइए की हुई बफ्तरी बंडेबी प्रतिकी फोटी-नक्छ (एस एन ५ २) छ।

र इ. बा॰ जि. या समिति के क्लोबि क्यों दिन शिक्ष कर्मीक्लो स्टार्स्स इपाना के छूर पत्र क्षिया था। तह दश या: " काँडे वाल्स की वोगोंका किती जी दिन निर्मातन । इस्कोरके सन्तनमें कीई करर नहीं। व्हेंसको सहात्म-सरवारको १५ हुन्यांको किया ।" नर नावकियो नीर कोरसी पानिस्त किया विदेश क्रीकार जान दिश्या कर गाँ कि सा था।

[सन्दर्ग ] अवस्त ११ १९०९

स्रोंडे महोदम

में आपके १० तारीक्षके पत्रके किए आपको मझतापूर्वक यन्यवाद देता हूँ।

मुझे प्रसम्रता है कि आपको मेरी सुमाई बारासे सन्तोध हुना है। मैं कहता चाहेंगा

कि इस बाएसे मेरी रावमें किसी मुख्यत सिद्धान्तका स्वाय नहीं करना पहला । चौंक बातबीत सभी जारी रहनी है, इसकिए विवरणको समाचारपत्रके सम्पादका या हमदर्जीको म भेजना सामद सन्द्रा होगा। समाचारपत्रीके सम्पादकीको सम्पादकीकी हैसियतसे पैथी किसी चीवमें शायद ही विसमस्ती होती है, जो उनको प्रकादमाब मेजी नहीं बाती और इमररीका मेजनेमें जबतक उनको यह न बता बिया बाये कि हो क्या पढ़ा है, मुझे संकोध होता है। इससिए यदि बाप गंजर करें तो जनतक बातचीत चक्रती है तबतक इस

यद्यपि में जानता हूँ कि आपका समय के एहा हूँ फिर भी चूँकि में को-पुछ भी हो रहा है उस सबसे बापको अवगत रखनके नियं चिन्तित हैं इसनिय इसके साथ उस पत्रकी नक्क

भैजता है जो मैने साँडे फूको लिखा है। माधा है बाप इससे सहयत होंने।"

बापका बावि

टाइप की हुई बफ्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फाटो-नक्स (एस॰ एन ५० ) से।

र देखिर "पत्रः व्येष्टै र्वेक्सिक्यों " हात्र ३४१ ४९ । व्येष्टै र्वेक्सिक्ये शहर जिल्ली करते हर बड़ा था: " महोत्य में समझता हू जान कानुमें ही वह है दिना बाने कि दर ताल हू: मारतीय स्वार्ध निपरिचारिक करने पाहिक किने जा उसकी हो दरमहरू भारता यह रह शंदर ही बालेगा क्यारे समझ सह बहुत सीमित होगा । भार मित्र सैदानितक और नामान हस्त्रो किन रुद रहे हैं कहत हासलेसे देते बनिकारकी अपित एक व्यानप्रारिक और निर्वित बान बीगा, बाले वह अविकार सीवित ही दोगा। अप की बारा स्वसा धे हैं पर हुई क्रिम्प्रेश पर पहले नय दन विकास पहल है । बसरा बोनुस से क्सोन दिया वा स्टान है, वसे बरतेका में दुरून क्सम बर्केंगा। और का क्रका व बस्था कि का धारान वाली तेला है। "

र. वह राज्य कोई रॉम्प्सिक्के रात करनते सन्तन्त रक्ता है। "वह बारकर सुने बेहर सुधी हो है दि मान क्या कर तक रामियान करनके किय देवार हैं. क्योंकि बनारी काम मी राजवीत हो करके बाद सरी

"। कि तित्र तिक सदाक दीर्लियन

विवरणको विवरित गर्ही करूँ।

१ और वैपारिका काम वा कि स्मानारक समारकोंको केरण कामकारिक किए और हमारीमी क्रिकी दौरते काकी करनेक किर "विकास" की मिनी सेन देवेते कामने शासर करा पार विकेती ।

४ रेपिए क्लिप ग्रीरेंड । वोडें वॉयरिको लग्ने १२ बन्तांड क्ल्प्रें स्व निसंस्ट निवार क्ला वरते वर न्या वा कि क्येरीवीदा वत विवेदाने और संस्त है। निर्मातकी वस्ता क्येंक क्येंब क्येरी बारेदी क्येर में हो बाराबीतमें स्थापना बरवेबान्य वह प्रशा साथन धानता हैं।

% संदेश र्यम्बरिको १२ अवनायो सा पत्रयो व्यक्तिक्षमा हेरे हुए वांधीबीयो स्वीका दिया था कि देते े पार प्रेमिक्स के प्राचनिक के प्रेमिक्स के प्राचन के प्राचन के प्रोचन के प्रिम्म के प्राचन के प्राचन के प्राच दी करें वर्षकीयों के पर कि किस विश्व में पूर्व के बा हुआ गा, दी है में क्रियों करें है के प्रेम के प्राचन कराय इ.स. के किया और का दुसारों से काले हुआपोंक करने देश किया और काली संस्तृति किया करने एर्टिक क्रूरें मी भीर दिशा है । का पश्चायक्तके कि देखिल परिशिष्ट के

#### २१६ सम्बन

[बयस्त १२ १९ ९ के बाद]

### वेटासका विष्टमण्डस

मेटाकका विष्टमण्डक मूनवारकों काँड कृते मिखा। उन्होंने धारी कृतेकरा पूरी। स्मित्माने जपनी बात कहीं और सावस्यें सी स्वयुक्त कादिर लोगे। काँडे कृते सहाप्रमुख्ति प्रकट की लेकिन उन्होंने स्वराप्त कि को कांत्र न कुके हैं वे एव नहीं होने। एांव वननेके बाद संब-संस्थाक स्पीत दिस्तिमें सुबार होनेकी समावात है। किएटमण्डकके आवेदनवसमें परतानों निर्णेतिया कानून और चिजाकी बाद बाद है। कपटमण्डकके आवेदनवसमें परतानों निर्णेतिया कानून और चिजाकी बाद बाद है। बच बादेदनवसकी नक्कें सब स्वयुक्त स्वयुक्

क्रियोंकै नताविकारके छिए आन्होबन करनेवाडी महिसाएँ

िरवर्षोके मदाधिकारके किए बाल्योकन करणेवाकी महिकाएँ (छकेनेट्स) अब भी बहुठ प्रवाद कर रही हैं। वे स्वान-स्वानगर समाएँ कर रही है। संसके हारके बारे निसुक्त प्रत्येक रही अब भी सारी रात लड़ी रहती है। वे वो कर्य सहन करती है उनमें से कुछ निसन्देस, बहुठ सराहरीय हैं।

### **पीगप**

सी धींबराको समृह तारीखको फांसी देनेकी बाव वक रही है। कैकिन यह भी सन्सव है कि फौंसीकी सन्ता माछ हो जाये।

### बिटिस सीमसभा

[बुबराठीसे]

इंडियन जोपिनियन ११-९-१९ ९

र अन्ता १२, १९ ९ । भी शांतिमाधि नकन्योः तिम देनिन परिध्य १९ ।

# २१७ पत्र एक एस० एस० पोलकको

[सम्दन] स्रवस्त १३ १९ ९

प्रिम हेनरी

बारा है कि बायको बातजीत और नये संसोधनके सम्बन्धमें मेरा तार मिछ गया होया । सक्यन प्रतिसे बायको सरताहकी चटनावॉकी पूरी चानकारी मिछ बायेगी।

बब मधे बापके उस सारके सम्बन्धमें कुछ कहना है जिसमें आपने सुनाब दिया है कि की दाउद मुहस्मदको मारत जाना चाहिए। मुझे विस्तास है कि यह जापकी अपनी राम नहीं ना बावन मुहन्त्रका नार्या जाना गाव्यु । पुत्र करावाद होना है नार्याच्या । है, बहिन जारने मुरतके सिमॉफी सम्मरिश-गान वारते मेंने वी है। बापको याद होगा भी बावन मुहस्मकने वार्यनतिक बोपमा की वी कि चववक यह प्रका समाप्त नहीं होता कवक वे जानकी जोकिम होनेपर भी दान्सवास न छावेंगे। इसकिए उनके सिए यह परम आवस्यक है कि अन्य कारक्से न सही तो अपनी प्रतिष्ठाके सग्रक्से ही सही वे ट्रान्सवाक कीर्टे और फिर बपनी गिरफ्तारीके किय सरकारको चनीती हैं। केकिन बन्म इंटियॉसे भी यह प्रकट होता है कि चनकी उपस्थिति भारतकी अपेक्षा द्राग्यबाकर्में अविक बांछनीस है। हम वहाँ कुरा है । हि जनका प्रभारण जा पाया कुर है। इस एवं स्वापन नावनाल है। है। कुर नहां विदानी हो सकें उननी समार्थ करना पाइने हैं। इस एवं समार्कों काम केवन तथी है जब बनाव्यसक प्रतिरोक्तकों आप प्रज्यक्षित रखीं बाये। मैं बीर बार बानने हैं कि भी सावद मुहम्मद इस काममें कितना कारगर योगदान कर सकते 🜓 फिर, हम समाएँ करनेके किए बन्बईमें उनके पहुँचने तक नहीं कर सकते। वे समाएँ बनी विष्टमध्यक्रके कन्दनमें रहते इए, की बानी चाडिए। वे सिप्टनम्बरुके सामी हाच दक्षिण वारिका चापस या बानेपर तो ट्रान्यवानके सम्बन्धमें सभाएँ करनेके किए भी बाउद मुद्दान्यदकी चारतमें जरूरत नहीं 🛊। यदि जाम जिकायदोंके सम्बन्धमें उनकी आवस्थकता हो तो उन्हें दान्सवाकका मामका समान्त होतेपर मेका का सकता है। उसके किए बहुत समय है। इसकिए मैं कर्क तार बुँगा कि फिक्डाक बाउव मुहम्मदको दाल्यशक्तमें ही रहला शाहिए।

इवयसे जापका

टाइप की हुई बफ्तरी बंधेनी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ५ ७) से।

१ देखिय "दार एक वस स्वत् वीक्याको" प्राप्तम् । १. वह करकम व्यक्ति है ।

३ देशा ज्या वै कि अन् कर दरलसम् १६ नगरको भेटा बनावा; देखिन "सारः एव यस» सह किन्दी "स्ट १५७।

# २१८ शिष्टमप्पालको यात्रा [-७]

[बगस्त १३ १९ ९]

वन समझोतिकी बातवीत पळती है तब सार्वजिष्ठ क्यों के जायक सजरें सन्न कम होती हैं। पिछले हस्ते मेरा कवाल या कि इस हस्ते निश्चित स्वयं से सकूँगा। किन्तु बन देवता हूँ कि यह हस्ता यी निश्चित कमरोके दिना बीत पत्ना है। किर भी बातवीत प्रति क्यों मा रही है। सार्व प्रेम्प्टिइससे सोमवादक मुकाकात हुई। उनके साव यो सुनी हमीन भी रिच जीर मैं समाप्त के इस्ते देवता की ति वृद्ध सार्वो हमी में प्रेम्प्टिइससे स्वाप्त की किर्मा के स्वयं स्वयं हमी किर्मा के स्वयं स्वयं स्वयं हमी मेरा किर्मा के स्वयं प्रेम्प्टिइससे स्वयं स्

सभी बातचीत वक रही है बबकि वैकागोबा-वेते तार मिका है कि समझ सी मारतीयोंके सीमा पार किये जानेकी सम्भावना है। इस तारकी खबर खाँडें कू को मेव

वी है। इस सम्बन्धमें यवासम्भव तक्षवीय की का रुधी है।

ਬਿਆਪਰੀਜ਼ੇ |

इंडियन जोनिनियन ११-९-१९ **९** 

१ देखिल "पार कोई मुखे लियी स्थितको । युव ३५२ । १. सा तरकर १२ जनकारी ठारीक है और पर १३ वणकारी व्यवस स्थाप।

# २१९ पत्र सोंडं ऍस्टहिलको

[क्रमन]

**ब्रायस्त १४ १९ ९** 

साँबं महोदय

आपके १२ तारीकके पत्रके किए घन्यवाद। इससे मुझे प्रोत्साहन मिला है कि भी रिपने बॉर्ट कूको जो पत्र किसा या और जो तार उसमें संस्थन या उनकी नककें सरको मेन हैं। मुझे निक्चम है कि इस तारको पढ़कर महानुसायको भी वैसा ही दुन्त होना जैसा कि मुझे हुना है।

कापका कावि

टाइए की हुई इफ्टरी अंग्रेजी प्रति (एस एम ०५ १ ) से।

### २२० तार एच० एस० एस० पोलकको<sup>४</sup>

[क्रम्बन]

वास्त १६, १९ ९ बाउदका स्वान ट्रान्स्वसक्तमै । संबोचनमें सामान्य सिक्का-परीक्षा और धवर्गरको यह

अविकार देना चानिक कि परीका राध करलेवाके कोनोंकी संक्या राष्ट्रीयराके बाबास्पर नियन्त्रित करलेके नियम बना दें।

गांधीबीके स्वायरोंमें अंबेनी असविवेकी फोटो-नकस (एस एक ५ १८) छै।

१ इसमें देखियोंको विने कामेगांक गोजन-सम्मानी कारीसीची जाँच करामेची प्रार्थवा की एवं भी जीए गुजनम्बद्धी स्वयंत्र सम्मानी की वह कर्मगांकी जीए विकेत आप व्यक्ति कहा था ।

च. प्रान्तान निरिष्ठ नाराणि क्षं (प्रान्तान निरिष्ठ संक्रित क्षांक्रम क्षांक्रियान) से क्षित्र कर तरारे क्षा क्षा ना: "देरी गयी कर ना से हैं, नार्तांक निकारित मोकन। स्थ्यतीक हिना बीह्यतिकर्वेद कर देशितेंको, को न्यार वितिष्ठ कर दिने को ने जीर कीर नारे, क का स्त्रीनेकी करी हैर। इक वाली क्षांक्री कर्मविद्या हुए हो। न्यान गुल्युन वैदिशीके पत्रों नार्क्यक मान्येकी हिन्दिंद कलाने नार्क्यां, मान्यक्र मान्येके नारांति करींकी इरी ग्रीक, विकारकर्वेक कर्मण। सावक्यनस्थ्यत्यके कर योक्षर प्रकार केश्वी

शहर बाज्यपूर्व नामि । विश्वारियों हेक-विकास करों ।" इ. और टॅपरिको १६ जनराको जिले पत्रों का विश्वयों नामे विश्वर व्यक्त दिने वे "बचाव नामान्यरोंडा करी रहना और वस वस वह जाना हुआर वीर बीच नेता व्यवस्था है, वर हुने बच्छा है कि का विस्तित्वे

हमारे ब्राममें शहलका ही मिनेनी ।"

४ मध्यिरेपर पानेपानेका नाम वहीं विका गया है । लेकिन मध्यिरेक विका पौर पोनक्क नाम वांचीबीक १३ मोर २ नक्काब पाने के क्लोड कर साम है कि एक क्लीकी निवा गया वांचे विकार १६ २५५ भीर ३६२ ।

### २२१ पत्र रुॉर्डक के निजी सचिवको

[ धन्दर्ग ] श्रमात १६, १९ ९

सहोदय

मैं कोई क का प्यान भी महत्मद को नामके एक व्यक्तिके प्राप्त पत्रके शांधिक अनुवादकी कोर जाकपित करता है जो इसके साथ संख्रमा है। यह व्यक्ति कब समयनक बोहानिसर्वर्स मेरा मुहारिर रहा था। मैने पनके सम्बन्धित मायका स्वतन्त्र सनुवाद किया है। यह पन

तन जनेक पत्रों जैसा है जो मुझे जोड़ानिसवर्वमें रहते हुए मिछे है। यह सम्मद है कि पत्रके कुछ हिस्सोंमें मनवाने करवित्त हो गई हो। सहाहरणके हिए वरावे हुए मोचनकी ठीक मात्रा या स्नानके स्वानके वर्ण क्राजके सहनकारों। सेविन

मोटे चौरपर बक्तव्य मुझे सही बान पढ़ता है।

मैं इस जनगरको यह विकानेके किए भेन पता हैं कि दालावासकी बेसोंसे क्याबाहर विटिय भारतीय राजनीतिक कैंदियोंको ऐसे कीन-से कस्ट सोसने यह रहे हैं जिन्हें शका का सकता है। मैं राजनीतिक विशेषकका प्रयोग सोच-समक्ष कर करता है। मैं वह बात मठी माँठि चानदा हैं कि द्वाल्यकमें कैवियोंका कोई कानूनी वर्शीकरन नहीं है। साम ही विश्वन्येह, घरकार यह तथ्य स्वीकार कथा है कि कुछ की। ऐसे हैं जो पत्रके बरायणे हैं और कुछ ऐसे हैं जिल्होंने उपनिवेचके कानुगोंका केवळ पारिशायिक रूपसे उस्कांत्रन किया है। दर्भामाधे यह स्वामाविक वर्गीकरण माध्यीय बनाकामक प्रतिरोधियोंके पहार्ने नहीं माना बाता। इतना ही नहीं बरिक उनके साथ इसकिए कुछ ज्यादा कठोर व्यवदार करनेकी इच्छा मासूम होती है कि वे बनाकामक प्रतिरोगी है। गोजन अपर्याप्त और बनुपयुक्त होता है और भारतीय कैंवी बतनी कैंबियोंकी श्रेणीमें रखे बाते है। ये दोनों बहुत पन्नीर कठिनाइमाँ हैं जिनसे बहुत ज्यादा तककीफ हो रही है।

मेरे सामीको बीर मुझे विश्वास है कि काँडे महोदम क्या करके इस सम्बत्समें बांच करेगे बौर टात्सवासके क्रम मन्त्रिमंकि धाववानीमें रहते हुए, सम्भव हो तो कुछ राहत दिसा वेंचे।

कापका आर्थि

सो क गांची

[सापम ]

# १९ जुनाई १९ ९को भी मुहम्मवर्जी जोहानिस्वर्ण हारा गांवीजीको सेने गर्ने नकका सांतिक सनुवाद

मैं पिक्रसी १२ जलाईको रिहा किया गया या। भूमे सिर्फ इस बाराका बफसोस रहा कि मैं जेलमें आपसे मिक नहीं सका। जिस दिन मैं वालिक किया थया था उसी दिन मैंने

क्यस्तिस कार्यक्रमे ३ विकास को यह परकी माहि श्लीकर करते हुए गर्पानीको त्रांक विमा वा कि क्या करकारोंकी यह महिकिए शुक्ताक गलगैरिक वास वदारिपतियो वीचन क्रिय नेवी गाँ है।

चीफ बाइंरसे निवेदन किया था कि मुखे बाएसे मिसने दिया जाये सेकिन उसने अनुमति मुद्री दी।

मैं "बारिशत फिलिर" (रिवर्ष कैम्प) में रखा गया वा वो बनी हासमें ही बोना पता है। बढ़ी बहुत तककीफ थी। पानी काफी नहीं मिसता था। नहानेकी कोई सुविधा नहीं थी। मैं दो महीने बेसमें रहा इन दिनों मैं सायब ही कभी महा पाया। मैंने बिधकारित रिवरमत्त की। उसने कहा व्या तुम बन्ये हो? तुम देखते नहीं कि यहाँ पुसस्ताता नहीं है? तब मैंने कहा अनार यहाँ एक सासतक पुसस्ताना न वने दा कैसी क्या करेंने? इस्पर उसने जवाब दिया उनकी उसके बिना ही काम काला होगा।

कान कुछ क्यास न सा। मैं देर कोगोंकी एक दुक्की के छाद काँडे ऐस्वोनंकी कोठी-पर के बाया बादा था। वहीं हुएँ बाछ काटने बेकन बकाने कोरने परभर टोड़ने देव कानने अमीन मारक करने और पेड़ोंमें यानी देनेका जी काम करना पढ़ता था। देव कानोंने छै एक पुराईका काम कुछ कठिन होगा था क्योंकि वहीं छाटी चयह पवटीकी यी बीर असर बहुत कहा भी था। याग एक टेकरीयर था। हुनें काफिरोंके छाद वक्य किया जाता था। एक भी सूरोतीय अधिकारी ऐमा म बा बो हमकी भारतीय कहुता हो। हुनें "छानी था "कुनी" कहुकर पुकार बाला था। व्यावातर बार्डर बच वे उनमें छे कुछ छोकरे ही चे निन्हें कामकी कोई बानरारी न थी।

साधिर ७४ महाती बारतीय सारी वे बहुत वही मुसीवतमें हैं। वे बही तहसीछ पा रहे हैं। उनमें ने पांच बहुत ही बूढ़े सामद बाठ सामसे कराये हैं। वे सच्छी तरह चक नहीं समते हैं। इनको भी मुबह बहुत तहके बर-बर कोपते हुए बाम कमनेके किए बाहर में में दिया बाता है। और चूकि जनको बहुत हुए प्रेरण मिमटना यहता है वे बेचारे सम्पूर्ण गांधी वासमय

IJ. वक आते हैं और फिर भी ने मुँहते क्षिकायतका एक सफ्बातक नहीं निकाकते। इसीने जनकी बहातूरी है।

प्रिटोरियाकी सारी बस्ती काली है।

नकोनियस मॉफिस रेकर्स २९१/१४२ और टाइप की शुई दफ्तरी मंग्रेनी प्रतिकी फोटो-नकड (एस एन ४९४९ और ५ १५) हैं। श्री।

# २२२ पत्र लॉर्ड ऍस्टहिलको

(क्लन) **अवस्त** १६ १९ ९

कॉर्ड महोदव

मैं कापके देखनेके सिए उस पत्रकी एक प्रतिक्रिप इसके साथ मेज रहा हूँ को मैने उपनिवेश-मन्त्रीके निजी सचिवके नाम सिखा है। मध्ये आदा है कि पत्र आपको ठीक क्रयेवा !

में मापका प्यान इस सप्ताहके इंडियन बीरिनियन "की और आकृष्ट करना चाहता हैं। मायप्पन मामक भारतीयकी मत्यके बारेयें की यह वांचसे प्रकट होता है कि दर्श्यवहारके . धम्बल्वमें भी जारीप कमाये गये भे में यथेष्ट क्यसे सिक्क हो गये हैं। दाल्सवाक सीवर मे वेक-अभिकारियोके स्परहारकी बड़ी कड़ी निन्दा की है। **वी रिवने इस कार्रवाईकी औ**र कोई कवा ध्यान आकर्षित विद्या है।

आपका आवि

टाइप की हुई बफ्टरी अंग्रेजी प्रति (एस एन ५ १६) से।

र राज्यमानक मण्लिमि ३ सिठमरको काम्य क्यान हेते द्वर पर्न्तरको बदाना कि प्रियेशिया कैनियोकि रिक्यें कैमारी पानीको करीका नारीन निकुक मिन्ना है " वैदियोंको कामादिको करपुर हानिकरें हैं और दाँसे मपो मकमरे वो भन दौरारोक दिने हैं वे निरागर हैं । वहें बनके स्वानुसर हो कुलकारोंने रखा तथ है पर करना साथ मनुष्योचित परताल किया जाता है । केवले विश्वादियोंकी क्यांत साथ बढ़ीर परताल बरतेयाँ बोर्ड रूका नहीं है नहींकि है जनकारक प्रदेशी है।

u. Ums ftem able :

 मह वीडियम जोपिनियमका १७-७-१९ ९ व्या अंद ना । क्रांगे ८-७-१९ ९ वे द्रावस्थाक क्षीकरसे वह रिपोर्ट करत की वर्ष भी को क्सोंक मिटोरिश-क्लित संसम्बन्धाने नेकी भी और को सामी बनानाको सुखुदी छरकारी चौक्के छन्त्रको नी। नींच नोहानिहरूकि नकौर नी देखेन हारा दी भई नी। होतिका क्रोपिनिकामें १ जुलाकि कीकरका का नाकीकाताक सम्मानतीय भी प्रवासित हवा था किस्में केवती प्रश्रीका व्यवस्था और वींचके क्रॉनिकी डीका मी थी, और गागनमंत्र मामनेकी मिनाझ बॉनकी मींग की व्हें भी । इस अंक्रमें प्रिक्षोरिया व्युख्य और अपूक्त मालिकक बसा थी में सरक्ष्मणी श्रीकरों भी कहुत की महें भी चौर कोक भूरोमीम पार्थरेजों बारा जूनसम्बद्ध व्यवसारीको भेने मने पत्र भी सकाहित किसे को ने । नाबिए सरकारों कामाने पामने सुकार पता था गीए प्रितिशतक गीरवीर ऐक्जिंद विशिष्ट किए स्वतः व तिरुक्त कुनी मौतके किर लिएक विते को ने । ऐकिर "तन सावत माधिकारों " पुत्र ४८३-८४ । v हो रिको सरकारी बॉक्को रिपार्टको एक वर्ति क्वांकीस-कार्यक्रमध्ये २४ वरण्यको स्था धी धी ।

# २२३ पत्र एच० एस० एस० पोलकको

[सन्दन]

वयस्य २ १९ ९

प्रिय इनरी

बहाबसे उदारनेसे कुछ पहनेका किया हुआ बाएका पन पाकर मुझे बड़ी प्रसन्तता हुई। मुझे पूरी जावा थी कि आप बहातपर सब काय कर बाखेंगे और वन रोगों करतम्मोंको रीवार कर लेंगे। परस्पू मैंने यह भी आधा की थी कि बाप समेप्ट विकास करेंगे और बावस्थकताथ अधिक सम न करेंगे। में उन दोगों पुलिकाबॉकी राह देव रहा हूँ निर्मू रिको पुरस्क का नया नाम दिया है।

नैटायके मिनोनें बाधिकों बैकिंग कोरोरियनके कार्यवाहक मैनेबरकी मार्यद्रा भी बोरमकीय भेट की है। भी बोटमकी नित्तव ही बहुत वस्था काम कर रहे हैं। उनकी मारून वे कर कर्नक ग्रीमीये ती निके बौर यन्यवट उनके किर हैंट करेगे। इस मामकेंक्री क्यों के व्योग कुक्यों भी करेंगे। इस प्रकार कुछ होगाया दो सब बादवा एरल्

र वे प्रीतासर्थ सून्यतम्ब्री कारावानों बीर श्रीष्ठम बाहिकारी वारतीर्वित क्रोतास्थल करीडे हरूनमारे विजी वर्ष वी । वी दोष्ट्रमें सह कम्मणी पंत्रीवीकी ३६ वारावां बराने वारते वेदा वा "मेंने सून्यतम्ब्रे करीज एवं प्रीतान तेदर की है और कारती कुछ गहिनी बरानों बराने वारत के तेन्द्राते की भी बर बर बर्च वा बरा भी कीन्नेन को लाहे हैं। क्रांक काम के व्यक्तियाँ वार्योत्त का हीते हुए थी (क्र मेंने को कुककुछ मार कर दिता है) का कैन है और कार्योत्व वार्योत के किया है। इतिहास प्रति प्राण्डल स्वतिक क्षण्यक करेवा किया व्यक्तियां काम कीर क्षण के किया है। इतिहास व्यक्ति हो करानीर्थ के स्वतिक क्षण किया किया क्षण क्षण के क्षण कीर क्षण कीर क्षण क्षण क्षण हों। प्रति हो कराने के स्वतिक क्षण कर किया की क्षण कीर क्षण कर क्षण कराने की की

६ वर पर १६ अन्त्यको क्रिया वहा या ।

<sup>।</sup> यद करान्य नहीं है।

४ मेरल फिरम्बक्षे सास ।

111 समूर्वे गाँगी गामकर

मुझे इसमें बड़ा सन्देह है कि इन मेंटोंका कोई फायबा होगा। परन्तु मदि हुमारे नित्र यह विस्तास केकर कौटते हैं कि वे हाम बोड़नेसे महीं बीक्त सत्याहडूकी संगीनकी नोकपर स्थास पा सकते हैं सो उनकी यात्रा कुछ सार्वक होगी।

में जब यह पत्र किसाना रहाँ था मिक्की और नास्त्रो जा गये और बिसाना रूक गया । वे दोनों स्वस्व हैं । मिक्षी अपने नमें और बस्वामी चरमें काफी प्रसन्त बान पहती हूं ।

बॉक्टर मेहता होटलमें उहरे हुए हैं। वे और मैं दोनों मत इतवारकी उनके पुत्रको थी जॉरकके प्राप्तर स्कूछर्ने वाखिक कराने काउच गये थे। वे संवर्षको बहुत बच्छी तरह समझते हैं और मुझे कराता है कि वे अब यह देखने छगे हैं कि सत्यापह जीवनकी बहुत-सी बुराइयोंकी वचूक रवा है। उन्होंने कस वापके और मिस्रोके छिए उसर सैस्मामकी पुस्तकका एक पुरस्ता कर्म करीया। यह पुरस्तक क्या के बारा सवाका 100 उसर सम्मानक पुरस्कर मध्य संस्करण वर्षया। यह पुरस्क क्या है अस्य है। इसी की मूर्टी कियोर की है। विकास मध्य है और की ही रंग भी है। बाग बागते हैं कि बरमीके बसरोंने कैसी की प्रकार होगी है। पुरस्कर्म वर्सा का प्रकारी विकास बहुत है। तीने ऐसी भीव पहिं के क्यों मही क्योंने। यह पुरस्क की ह हुए पुरस्कें कर्मी नहीं क्यों है। यह पुरस्क की ह हुए पुरस्कें कर्मी नहीं क्यों है। यह पुरस्क की ह क्यांक्से पाई-शाई बोड़नेवाली है। डॉक्टर मेहवाने हमारे स्वश्मोर्थ क्रोके क्ये गरीब सत्यायही कीयमें १ पीड विभे है। वे २५ पीड वे एहे थे। मैंने उन्हें सकाह दी कि १ पींड इसमें हैं और बाकी एकम फीनिक्ट स्कूमको है है। कॉडिबर्न कुछ पुरस्का और हुए सी बॉर्स विग्र किया ना। उसका परिलाग यह हुवा कि डोक्टर सेक्टर और मैं कर एक पुरस्क-निकारि यहाँ ने में नी राज्यकी पुणीके मनुसार पुरस्कें वारीय भी कामे हैं। में फीनिक्स पुरस्काकमाँ खेंनी और साम ही स्कूमने भी काम बारेगी।

जाप चानते हैं कि मैंने छगमग ६६ पॉडकी जीवन-बीमा पालिसी के रखी है। यह पासिसी भी रेबार्यकर मेहताके<sup>9</sup> शास है। मैं बाहता हूँ कि बाप यस पाकिसीको केकर कम्पनीके प्लेंडचे मिल की। इस बालों भी बहुत बिगाँचे परेखाल है। मुझे क्षणता है कि बन मेरे बिए इसका कोई जयोग नहीं यह है। बगर कम्पनी जो एक्स कारना बाहे वह कारकर बमा किये हुए नाकी प्रीमियन कीटा दे और काटी हुई एक्स नेवा न हो सो में चाहुता है कि पालिसीको कोड़ हैं और जमा किये हुए प्रीमियमीका वहा हिस्सा बासत के मूँ!

कस्याबदासके बारेमें बाप साथ बारें क्षेत्र भेजेंगे से समक्षे पाह देस पता है।

हदवसे जापका

टाइम की हाई बच्दतरी अंग्रेजी प्रतिकी फीटो-नकल (एस एन ५१९) है।

र यह क्लम्स नहीं है ।

२, धाराट जानजीतम मेहतके काई रेगर्जकट के अक्टी ।

वंशीवींक गीना-कामणी निवासींक किन देखिए खन्म व, प्रत ४४% ।

<sup>4</sup> प्रमाणक पानानक्षमा । नवारांक (क्य देवित क्या व, एक १४१%)
प्रमाणका क्योतिकात वेदण देवित क्या व, एक १४१% । १ हिस्स्यके क्योत पाने को नैत्रिका
क्या कार्य करें है किया है। इस्थानक्षका क्या कार्य मेत्र है। ज्याद क्या देव है; प्रमाण क्या पाने की तोता की तो क्या है स्थित किया की एक विचा है। हिस्स की एक्सावर क्या हुना है। हुने क्या क्या करता है।

### २२४ सम्बन

[अयस्त २ १९ ९के बासपास]

### संब-विधेयक

संध-निषेधक (यूनियन विक्र) पाय हो गया। भी शाहनर बौर डॉक्टर जम्दुरिहानन बारिने [चंदे स्क्रवानेका] बहुठ प्रसल्त किया केविन कुछ बना नहीं। धायव उनके प्रयत्नोंका सरद जम्बा हवा हाया। कई स्वय्योंने कन्ते कम्बे प्राप्त सियो । कानूनों का छाता वाठीम नेवमायकां। याचा उनको बच्छा नहीं का।। उन्होंने स्वयप विक्रं प्रकट किया। किन्तु स्वये त्या काम ? वे अपने पर तथीं नहीं को केवें। वे क्रंप्त स्वर्ण नहीं काम ठी वहीं क्रंप्त है। वे अपने पर तथीं नहीं को कि क्या करें? यह प्रस्ता तो उठता ही नहीं। विदे उनमें चानित है जो के प्राप्त का मान्य ने स्वर्ण को क्या का क्या करें। विक्रंपत क्या करें काम ठी कि प्राप्त का क्या क्या करें। काम दोनेवाचा नहीं है। वापनींग्रे ही है। वे यहां कार वनेन्दे भागन वे यथे इत्ये कोई काम होनेवाचा नहीं है। वापनींग्रे ही कुछ प्राप्त कर क्षेत्रेके दिन को यथे वाला पहते हैं।

### नेटाङका जिल्लामण्डल

मेटासके प्रतिनिधि मेटाककी वसाका विवरण समस्य संस्था मेकाके काममें बूटे
हुए हैं। उन्होंने यह विवरण बातुन्स स्थामोंने सेवा है। इसके बस्ताय से संस्थाके प्रदास
मा बाटमांने मा मिके हैं। श्री बांटमकी उनकी उपित कातिर कर एहे हैं। उन्होंने उनकी
पायमी शावत ही थी और हुस्टे मिमानक भी दिये हैं। उनकी मार्फेट ही उनकी कार्के
के मेंट हुई है। बद बूसरी बार मेंट करेंचे। श्री बांटमकी उनकी बच्छी सहामता कर एहे
हैं। केविन नेटाकमारी मारसीमांकी मुक्ति सो सर्थामकी एनसे हिम्मक स्थास

[मुजरातीय] इंडियन मोपिनियन १८–९–१९ ९

# २२५ शिष्टमण्डलकी याचा [-८]

[अयस्त २१ १९ ९के बाद]

इस हफ्ते मेरे पास वैने मोम्म सबार बहुत ही कम है। सनसीरोकी बाराबीत पारी है। केकिन परिचास बमीतक नहीं निकला है। टाइम्स में एक केल है। उससे प्रतीत होता है कि सामय परिचास अच्छा निकलेगा। उसका यह केल कियी सानकारका निका दिवाह देता है। यह मिलता है कि साथा है भी समस्य ऐसा समसीकरण कर वेंगे निससे माराबीरों-की सानवाजीको देस न पत्नी।

१ रेकिंग "नेप्रकारी भारतीर्वित वर्तेचा निराद" क्रा ३४३-४९ ३

1EY

हम भी भाइनरसे मिले। बहुत कम्मी बावबीत हुई। उन महानुमाबको भी ऐसा प्रस्ता है कि रियायतके तौरपर क स्पनित प्रवेश करें तो इसमें बहने योग्य कोई बात नहीं होगी केकिन ने सविकारके क्यांनें प्रवेश नहीं कर सकते। व स्वयं जो दिचार मनमें वीकते हैं सवाके साथ बीमते हैं। केंकिन वे बहुत समयसं मह समाक बनाये बैठे हैं कि हम भारतीय हीन कोय है। इसलिए ने यह नहीं समझ पाते कि बारतीयोंके सिए रियायतके वौरपर प्रवेश करना सपमानजनक बात है।

[ब्बयतीसे]

इंडियन सोपिनियन, १८-९-१९ ९

२२६ पत्र कॉ० अब्बूर्एसमानको

**कलत**] मनस्त २३ १९ ९

प्रिय को अञ्चर्रहमान

अपने कार्यके सम्बन्धमें इत्यंश मेरी सहानुमृति और बचाई स्वीकार करें। मेरी सहानु मृति इससिए है कि आपको कोई ठोड चीज गहीं मिकी है और बचाई इससिए कि करने पहेरवकी सहस न्यास्थराके कारण और वैसे ही आपके किसे हुए ठोड कार्कक कारण आपका धिष्टमण्डक जितना सफ्कताका पात्र है क्तना और कोई सिष्टमण्डक नहीं है। भी भाइनरने नि सन्देश, सन्दे दिससे और अति-मानवकी तया काम किया है।

यह तो मानी हुई बात बी कि विशेषक के मत्तविषे (दूरफुट विक)में कोई संबोधन न िक्रमा चारिया। चालायण्डी एक कानृतकी किरावर्षे प्रशासिय (रेविस्पक) प्रदिश्ल बासिस करनेपर कापम हरएक वरवनी खेब प्रकट किया है, वह बाववे कोई चाहे तो किरान-कुछ करोप प्राप्त हो वक्ता है, उतना प्राप्त कर के परन्तु में वा बाद तो खेब प्रकासको केकर जी महीं एकते। बाप व्यास्त हैं मैं भी व्यास्त हूँ। बचर मैं व्यास्त न होता दो मैं जो साल्यमा वे सकता हूँ उसे देने बापके पास निष्यय ही काला। फिर मी मैं जानता हुँ कि सम्में सान्दर्भा में उसके भीतरेंदे हैं। मार्टी हैं। महत्वमें हमारी मो नाठ हुई मी मैं नापको तिर्फ स्वस्में साव विका सकता हूँ। मार्पको निराया हुई हैं (सिंद हुई है हो)। आप स्वस्ते सा विटिस मनतारे कुछ माना करते में। मेकिन माप समर मर्ग मार्थ मार्थ भाशा महीं करते हो सापको उनसे भाषा नयों करनी चाहिए।

मैंने भापको बोरोको सवितम अवशाका कर्यस्य ( ब्यूटी ऑफ़ सिविस डिसबोविडि

पाना नारा नाराज्य पानाम नाराज्य करना ( प्रमुख नाह पानाम विकास विकास विकास कर करना ) पुरतक प्रेमनेका नारा किया जा। सूचे नह पुराक पिकी नहीं। मैं उसके किए बाज पन किया पहा है। बारा है बारके जानेते पहले मेंज कूँगा। इसके बारिटिकार्य को यही प्रार्थना कर सकता हूँ कि वेस्तर बारको विकास वाकियाँ बारुटिक सुवारके साम-साम हस कामको और इसकिए बनाव्याक्य प्रतिरोक्को वारी रसनेकी सक्ति और सामर्प्य वे अके ही जारम्बर्गे बाप विर्फ मुट्टीमर ही हीं।

१ क्या मेंद्र ६१ क्लाब्डही वॅलिनाकी बी। देखिल "यर जनक पत्रक पत्रक पीलादको " पुत्र १६१ ।

सबर बाप वा सके तो कृष्या बनस्य बायें। बगर बायको फूरसल हो तो कल साहए। हम साम-साब धाकाहारी भोजनासम (बेजिटेरिकन रेस्तरी) में वर्तने और बादबीत करेंगे। बापका परिवय रंपूनके वाँ मेहतारे भी कराऊँगा। वे इसी होटकमें ठहरे हुए हैं। हम होटकमें बापकी राह १ बजनेमें ५ मिनट तक वेजेंगे।

इष्यमे आपका

**श्रो अमुर्ग्**हमान १८ स्रोगरित रोव वर्ल्ड कोर्ट एस वस्त्रपूर

टाइप की हुई दफ्तरी अंग्रेजी प्रति की फोरो-नक्क (एस एन ५०२४) से।

२२७ पत्र साँडं कृ ने निजी सचिवकी

[सन्दन] अगस्त २४ १९ ९

महोदय

में मिनवपूर्वक कोई कू का व्यान इस बातकी बोर साकपित करणा बाहता हूँ कि अभी थी पालकका जो फिलबाल भारतमें ट्रान्यवालके ब्रिटिस भारतीयोंका प्रतिनिधित्त कर रहे हैं एक तार निका है। उसमें कहा यया है कि इसी मासकी कर तारोकको भारतीय सपरेंदे सम्बन्धें वस्त्रें एक सार्वकारक स्वान की बाववी। तारयें सह भी कहा मदा है कि वो मासतीय ट्रान्यवास सहकर हारा निर्वाधित किये बानेपर बनाई पहुंचे हैं। उनमें से एक मुदके पहुंचे कहा निवाधी है और स्वान पिक्की काइनेर सैनक अधिकारियोंकी सेवा वो हिस सुदकेश बहुकी निवाधी है और स्वान पिक्की काई स्वान सेवा या था। इस हुसरे मासतियक मामकसे स्वयन है कि बो मासतीय बक्किय बाफिकाके दूवरे मासाकी निवाधी है के भी काई महोकानके साई स्वान मासाकी निवाधी है के भी काई महोकानके साई स्वान मासाकी निवाधी है के भी काई महोकानके साई स्वान मासाकी निवाधी है के भी काई महोकानके साई स्वान मासाकी निवाधी है के भी काई महोकानके साई स्वान मासाकी निवाधी है के भी काई महोकानके साई स्वान मासाकी निवाधीय है के भी काई महोकानके साई स्वान में स्वान स्वाचित्र कि की लाई है।

सापका जादि मो० क० गांधी

[बंदेबीस]

क्लोनियल बॉफ्रिस रकाईस २९१/१४२

र सर पर्या सुप्त की दूर र विकारण कार्यिक कार्यिक पानी को पूर्वण किया था कि साथे रूप होते वॉन्स्टेंस व्याप कार्याक कार्यके किया मुक्ताक नार्योक स्था देव ही गई है। जो स्माहने १९ विकारण स्थी कार्याक कार्य के दूर देविकाल देवर जाता अन्त्रीय कार्याक वार्याक मिल्लेंस नीर्दें विचा कि " मी नार्योक यह कर्येक कार्यों दिवा है कि का नार्याक (१) ११ कार्युण १८९१ स पूर्व होन स्थीत कि " मी नार्यों का कार्या है। जो (१) कार्य एक कार्योंक से तीर्य करोड़ा मंदिर प्रमुक्तित स्थीत (१) यह ११ मी. १६ की र नार्याक्या विकारण या भीट द्वीव कार्यों विद्यास वा मिल्ले कार्यों के ही वीर्याक्षित कार्यों के स्थानित क्षीत है।

### २२८ पत्र सॉर्ड ऍस्टहिलको

[सन्दर्ग] अवस्त २४ १९ ९

काँवै महोदय

कम्बस्ति अभी प्राप्त एक तारके सम्बन्धमें भैने कोई कूको पत्र भेवा है। उसकी एक नकस नकतापुर्वक स्थाने साथ गत्थी कर पता है।

पत्रसे सब बात विदित हो बायेगी किन्तु में इतना थीर कहना बाहता हूँ कि में निर्वाधन विप्रकाषिक गम्मीर बीर वनुषित होते जा रहे हैं। थी पोठकने जो ठारके प्रेपक है बाव प्राप्त हुए पत्रमें बबर दी है कि वे 'टाइस्स बॉफ इंडिय' के स्थानागल सम्पादक सर फीटोबशाह मेहता बीर बग्य प्रमुख व्यक्तियाँकी सकाहरे कार्य कर रहे हैं।"

> भापका भावि मो० क० गांधी

मांचीबीके इस्तासरयुक्त टाइप की हुई वक्तरी बंधेजी प्रविकी कोटो-नकल (एस एन ५ २६) से।

२२९ तार एच० एस० एस० पोसकको

4

प्रपदि बारी कैमिन अब वी बहुत बनिध्यतः। निर्वाधितींको करें। प्रारतकी सङ्घानुमृतिकी ठोछ बनिव्यक्तिके रूपमें सं पैद्या-चन्याके प्रस्तावका सुप्ताव। बोधनवी वानते हैं।

मांबीजीके स्थाक्षारींनें अंग्रेनी नशिवरेकी फोटो-नक्क (एस एन

१ देखिने सिक्ता बॉर्नेड । २. बॉर्ट सॅब्सिको स्त पासी पहुच २५ १ । ब्लॉ ही सुद्दे बनका कर सिक्स ब्लॉ ही में मरीस्त्रोक पर्वेतान स्टाडी क्षेत्रनेका एक बाला है वा

ी मादिल **काल**ह्या

# २३० पत्र एच० एस० एल० पोसकको

[सम्बन्धः] समस्य २३. १९ ९

प्रिय हेनरी

मुझे आपका कथा और मनोरंकक पत्र मिला और कराएों गी। मुझे हुएँ है कि सापका वो स्वापत हो रहा है उत्तरे साप प्रतन्त है। साप वन वहाँ उत्तरे तन क्या कोई सापको क्षेत्रके किए साथा वा?

बापको कंपको क्या जाया जा। स्या बाप डो मेहुलाके पाईंधे पिके हैं? वासा है वाप किसी मी कारण इसमें जूक न करेंगे। वे बहुत ही सकोची स्वमादके व्यक्ति हैं और सम्मव हैं उन्हें बापको बन्माईक सब बड़े-बड़े बनी-मानी सोगोंसे पिसा हुवा देखकर बापसे मिकने वानेमें संकोण हुवा हो।

बापने भी करारतें भेजी है वे पहनेमें मनोरंजक हैं और उनसे यह सम्मादना प्रकट होती है कि जाप बहुत बच्चा बीर ठांस काम कर सकेंगे। यूसे बापका तार मिक समा है। मैंने उसका यह उत्तर दिया है "

मने उचका यह उत्तर हमा है "
चन्की न सत्य हमा अवस्थिको बहुत दिक्क्यमी है। माकूम होता है कि उनके कहतेते
सी रिक्ते यह गुझाव गहुल दिया था। उर संवरणीना विचार है कि मह बात बन-सावनाकी
ठोठ बाधिक्यमित होगी हडकिए हरका प्रकार बहुत ब्यादा होगा। गंधा यह नहीं है कि हमें
बाधिक उद्यादा मिले। दरवाच हमें यह कह एकने योग्य होगा चाहिए कि हमारा काम
इक्के दिना भी क्षय उक्का है केकिन इक्के पीके निकार यह है कि हमारा काम
इक्के दिना भी क्षय उक्का है केकिन इक्के पीके निकार यह है कि हमारों कोग का
वक्का इक्ट्र करके अंधर्पने माग केमेकी इक्का व्यक्त करेंगे तो उउने महस्वकी का
वहाँ होगी कि इतने केमोंनी बरना-जनना बंगदान किया। मैं इस सम्बन्ध में सिक न छिल्लीग
क्षांकि यह एक परनेतक लाग इस मुसावपर या तो समक गुक कर चुके होंने या इसको
रर कर वहे होंगे।

स्पर्य प्रयाज्ञ विकाय माणिकाको रवाना हो रहे हैं, बीर मणी तक कोई समझीता नहीं तुमा है भीर न ज्योगियेस कार्याक्यसे कोई उत्तर ही माया है। स्टीक्स् किसी भी दिन प्रतिकृत सत्तर पानके सिए तैयार हैं। सार्वे एंस्ट्राइक्से कोई क को पन किसा है।

कों मेहतासे मेरी और महत्त्वपूर्ण वातचीत हुई है। मेरा खमाल है, अब उनको विस्तास

हो भग है कि हमारी योजना ठीक है।

में यह मान केता हूँ कि बाप भारतके काय मार्गाके भी प्रमुख व्यक्तियों पत्र-व्यवहार कर रहे हैं। भी हाती हवीब बहुत उत्पुक है कि बाप पनके भाई भी हाती मुहम्मदको

५. वद वर्धे नहीं दिशा का है। पानेत किर देखिर विकास बीर्नेड ।

# २२८ पत्र सोई ऐंस्टहिसको

[सन्धन] अयस्त २४ १९ ९

कॉर्ड महोदय

वस्परिक्षं वाणी प्राप्त एक तारके सम्बन्धमें मैंने क्षोई कृको पत्र मेवा है। उसकी एक मक्क नवदाप्रकेट इसके साथ नत्यों कर ऐसा है।

पत्रस सब बाद विदेश हो बायेगी फिल्हु में हरना और कहना चाहरा हूं कि ये निर्वाचन विकासिक सन्भीर और अनुषित होते जा रहे हैं। भी गोककने को छारके प्रेयक है जाव प्राप्त हुए पनमें बबर थी है कि वे जावस्त्र बाँक इंकिया के स्वापानल छम्पावक छर शीरोकचाह मेहता और जाय प्रमुख व्यक्तिपर्वित्री चकाहरे कार्य कर रहे हैं।

> वापका नावि सो० क० गांधी

गांत्रीजीके हुस्तासरपुक्त टाइप की हुई वक्तरी बंदेनी प्रतिकी कोटो-मरुक (एस एन ५ २९) से।

२२९ तार एष० एस० एस० पोसकको

[क्रम्दन] -श्रायस्य २५. १९ ९

बायस्य २५ १९ ९

प्रसरि चापी लेकिन बच भी बहुठ वनिष्यतः। निर्वासिकोको समार्ने हाथिर करें। मारतकी स्ट्रानुमृतिकी ठोस वशिव्यक्तिके कपमें संवर्षमें सहामतार्व पैराचन्त्राके प्रस्तावका सुझाव। दोननवी चानते हैं।

गांधीबीके स्वाकरोंनें बंदेवी महनियेकी फोटो-नक्छ (एस एन ५ २९) से।

<sup>्</sup> देखिने रिक्रण वरितः । 2. वर्षे में प्रतिक्ती स्वतः सरको सुर्वः १५ वनस्वत्री हो थी। व्यत्तिन विकास दिः पेने कोर्व म् दो रस्त निकास है। वर्षों हो हुने वरका कर, विकास तो हो में "वह व्यत्ति क्यां कर, वह तर्हुंग्र कि हमरे मीन कीर प्रतिकृत्य करिता करते होनेका यह वस्ता है वा वर्षी ।"

# २३० पत्र एख० एस० एस० पोलकको

[सन्दर्ग ] बागस्त २६ १९ ९

प्रिय हेनरी

मुझे आपका सम्बा और मनोरंजक पत्र मिला और कदरनें भी। मुझ हुएं है कि आपका यो स्वापत हो रहा है उससे आप प्रसम्त है। आप जब वहीं उतरे तब क्या कोई आपको सेनेके सिए आया वा रे

नारक गर्भ कार्य कार्य कार्य मार्थ नवा आप वर्ष मेहलाके घाईस मिले हैं? बासा है जाप किसी की कारण हसमें चूक म करेंग। वे बहुत ही संकोधी स्वामावके व्यक्ति हैं और सम्भव हैं उन्हें आपको बन्विके सब बहु-बहु भनी-मानी कोर्पोस विषय हुआ देसकर आपसे मिलने जानमें संकोच हुआ हा। आपने जो कनरमें मबी है वे पहनेमें मनोर्थक हैं और उनसे यह सम्मावना प्रकट होटी

है कि आप बहुत ज़क्ता और टोस काम कर सकेंगे। मूल बारका तार मिल ममा है।

मैंने उसका यह उत्तर दिया है '

मन उद्या नह उत्तर (२०) ह चन्देशी बातमें चर मंचरतीको बहुत दिस्त्रचन्नी है। मासून होता है कि उत्तर कहतेने भी रिफोर यह मुझाब पहल दिया था। वर संघरतीका विचार है कि यह बात कर मानताकी द्रेम स्रिम्प्यांतर होती इतिक्ष्य इतका प्रमाव बहुत ब्यादा होता। संघा यह नही है कि हमें स्राविक नहामता मिले। बरस्यक हमें यह कह तकने योग्य होता चाहिए कि हमार्ग काम इसके बिता भी चक सकता है सेकिन इसके पीछे दिवार यह है कि हमार्ग क्षेत्र अब प्यादा इक्टर करल मंदर्वने पात केनती हुएका व्यादा करती वो उनमें नहस्पत्री दान प्रह होपी कि हमने कोमीन अपना-जपना अमदान किया। मैं इस सम्बन्धने विकित किर्माण नर्गोकि यह पत्र पहनेतक आप इस सुशारपर था तो असल गुरू कर चुके हाँगे या हसको नद कर चुके होता।"

स्पर्य प्रमास प्रशाह परित्र सारित्राको रचाना हो गई हैं और जभी तम कोई समझीता नहीं हुना है और न उपनिषेध कार्याक्षणे कोई उत्तर ही जाया है। हर्नाकए फिनी भी दिन प्रनिक्त उत्तर पानके किए नैवार हैं। लॉर्ड एंस्ट्रहिकने लॉर्ड क को पत्र नित्ता है।

वाँ मेरनामे नेरी और महत्त्वपूर्ण बातचीन हुई है। मेरा समास है, जब उनको विस्तास

हो नया है कि हमारी योजना टीक है।

मैं यह नाम लगा है कि जान भारतक जन्म जानोंकि जी प्रमुख व्यक्तियोंने पन-स्पवहार कर एडे हैं। भी हाजी हवीब बहुत उत्पुक्त है कि बाप उनके बाई भी दाजी मुहस्सदको

% व्य वर्ध वर्ध वर्ध दिया गया के बच्चेद किय दिवस विकास श्रीव्य स

मी चोल्क्ने ४ किन्नको वर्ग श्रामीयोधो स्थित स्था था कि १४ किन्नको छर कोरीक्सम सेतालो मान्यानामें गढ तर्रवर्गित तथा दीनेताली है। का समाने निर्मातिनीके किर करा करते हैं स्वन्यते वह प्रसाद देत किया मानेता। कर्मीत है जिन्हारोंके सकत वसमें कुट जिल्ला वा कि भी सामनेत्री एसने कर ह्यान बार्नेगर नहीं है वर्षा के क्षा अलाव अने ही वाह कर दिया जाने ।

आन्योकतर्मे भाग छेने और वपनी सहायक्षा करनेके सिए बुकार्ये। वे पोरवत्वरमें 🕻। उनका पूरा नाम हाजी मुह्न्मव हाजी वादा है।

मेटाएके मिनोंने जपना बक्तरूप यहाँके सभी संसद-सदस्यों तथा अक्षतारोंको और मारापीय बसवारो एवं कोफ-नेताओंको भी भेव विया है। आप नेटासके प्रश्नके सम्बन्धर्मे यो-कुछ बानस्पर्क धंगरी नह कर सकते हैं।

भी धमसेक्वीने प्रस्तिकाकी २ प्रतियों क्रमानेका बचन हेकर बहुत क्रूपा की है।

यह चानदार काम होगा।

मॉड को मेहता हाजी इवीव और मैं रविवारको क्लाउने यह ये। हम रातको एक बजेकी गाड़ीसे रवाना हुए बीर स्ट्राउडमें ३ ४ पर पहुँचे। बॉर्ज एकेन स्टेबनपर हमें केनेके किए बामें ने बौर हम न्याहरने तक पैश्क पर्य। पैश्क जनना श्रहा बानन्त्रमय रहा। शापको भी उसमें रस बाया होता। प्रवेश बहुत सुन्वर था। बाँबें एकेन तो मानो स्कृतिकी मूर्ति है। वे बहुत-अपने स्पन्ति है। मेरा स्थान है कि सामान्यता के बसंस्कृत समुद्दी कार्येने। के को भी काम करते हैं विस्कृत स्वामाधिक वपने करते हैं और शहत मूँह-कट है। उनकी पलीके विचार उनसे नहीं मिलने फिर भी उनके प्रति जनका अनुसार बहुत सहस्र है और यह मुझे वनके स्वामानकी सबसे नहीं सन्कार जान पत्नी। चनकी पत्नी स्वामें केन्द्रस्य पीतित है और केन्द्रस्य पत्नि पत्नी है। बनका चेह्र्य बन्ना ही मोहक और सरक है। उनके साम मधी सात्री सन्त्री बातचीत हुई। एकेनके चार बन्नो हैं। सबसे बन्नी पुनी है। वह बहुत हुट्ट-पुट्ट और स्थरम सहस्री हैं जीर उत्तम नृह-ध्यवस्थापिका है। शही अपने छोटे माहर्योकी और प्राय सारे बरकी देखमास करती है। एकेन अपने बण्योंपर कोई नियन्त्रण रखनेमें विस्वास नहीं करते। मुझे कनता है कि ने इस सम्बन्धमें अति कर वाते हैं। वच्चे बाई वैसे फर्सपर नैठ वाते वे सीर बाहे बीचे लाठे-पीठे में। फिल्हु यह तो राज्यीककी बात है। उनके सब बच्चे दूर्ण स्वस्य से। म्हास्टरे फिसी समय टॉस्स्टॉयबास्पिंगी बस्ती बी। सस्के निवासी उस सारकेंक अनुस्य नहीं यह सके हैं। हुछ असे गये हैं हुछ नहीं यह यहे हैं फिल्तु उस जावर्सपर नहीं असं यहे है। एकेन ही एस मार्ट्सके सबसे निकट प्रतीत होते हैं। उनकी बमीनकी हास्त बहुत सन्ही है और उसका स्व मीजूरा झाक्करों ने अनेके और मधीतोंकी मरदके निना कामे हैं। वे केशक सीमे-सावे जीवार कामनें छाते हैं। धनका बन्दा जूते बनानेका जा। वी मेहताने इस क्षण जानाची नाम क्षण के कार्यक्र विकास के किया है कि किया है कि किया है कि किया है किया किया है किया है किया क स्वासने बहुत पर दिया। में बायक्त विकास क्षण के स्वास के किया है किया है किया किया है किया है किया है किया है क इस्तोमें विकास मही करते। मॉक्सो भी मही बाता बहुत करका छगा। मैंने सोवा वा कि क्षा पैश्रक और सकती है। यह मेरी कठोरता थी। जिल्लु श्री हाफी इपीनने इस स्थितिये मने बचा किया।

कों मेहताकी की हुई १५ पॉडकी रकममें से काम-जीवन पुस्तकमाना (स्वत नाइफ सीरीय) की टॉस्स्टॉय बीर क्या फैसकोंकी किसी नुष्क बीर किसार्वे ग्रीनिक्सक क्रिए करीब क्की गई है।

ब्रदयसे जापका

टाइए की हुई बपत्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्त (एस एम ५ ३१) से ।

स्था की प्रश्लेषीत शंग्रमानी वैक्रिके नाकै नह नाम नुकले लिया गया है। वैक्रिय ना कि १, ५४ वर्ष १ ()

# २३१ विष्टमण्डलको यात्रा [-९]

[बयस्त २७ १९ ९]

यह इस्ता जो पिछके हम्पेकी तरह ही बीता है। बमीतक समझीतेका कुछ पता नहीं है। इतके वितिरिक्त यह चावर भी है कि चनरक स्मर्थ इस इस्ते ट्रान्समाठको रचाना हो बारिं। इसिक्ए क्या कहा जाने यह नहीं मुद्दता। बोका होगा ऐता तो नहीं बोकता। इस अंवरतीने मुकाबातके किए चनरफ स्मर्थको चिटती किसी थी। उसका चनाव जनरक सम्बद्धती बाज २७ वासरको पिया है।

सारतः स्पट्सने बवावमें कहा है कि समझीतेकों बातबीय बातबी तीरपर चक रही है इसिस्ट फिल्मूड मुकाकाय मुस्त्रकी कर वी है। इसका यह वर्ष माना बाता है कि सामय समझीता हो। वाबेयना किया हमी किया हमी स्वत्रकी स्थाप समझीता हो। विश्व हिंदी हिंदी हों से स्वत्रकी से हिंदी हों हमी हों है है। इसे मानून होता है कि इसाये मोबंकि स्वीकृत होने में कुछ सहबत भी बाई है। इसमें से बात टेक है यह जान नहीं पढ़का। ये तो बातका परिमान कुछ भी हो। वर्षों हमार समझीत हम हम हम हम हो। वे हुन सहन करने किया है सक्की स्वा पत्र मा किया? मुझे स्वत्र तिमक्ष भी सन्देश माही कि एक-म-एक दिन हमाये मोण मंत्रूर हुए बिना एए मही सक्ती। इसों कियी यी सन्पारहीको सन्देश होता ही नहीं नाहिए। कोई ऐस्पटिकको भी ऐसी ही बाबर मिकी है कि समझीतेको सात्रकी करनी कहा होता है। हम होता ही नहीं नाहिए। कोई ऐस्पटिकको भी ऐसी ही बाबर मिकी है कि समझीतेको सात्रकी करनी कर ही रही है।

[गुजरावीसे] इंडियन कोपिनियम २५~९-१९ ९

### २३२ सम्बन

[अमस्त २७ १९ ९के बाद]

### नेटासका शिष्टमण्डस

सदस्य धिप्टमध्यमने विवरमको समीतनः वाग्त-नगढ् मेज रहे हैं और सोक्सेमकांछ मिल रहे हैं। मारतको बहुत-सी प्रतियाँ मेजी हैं। उनके साथ एक पत्र भी सिन्ना है। पत्रका सार इस प्रकार है

#### भारतसे पार्थेना

नेटामके भारतीयोंकी दिवांतिके सम्बन्धमें सुपने उपनिवेश मन्त्रीके सामने जी विवरण पेश्र किया है उसकी नकक हुए शायको जेजने हैं।

र शास २० मनतकी वारीम को है।

\*\*\*

सम्बन्धें क्रम को अने अधिकारियोसि सिकसे और बोब्यस्तको जातत कालेके क्रिय सामें हैं। हम उपनिवेश मन्त्री और सन्य सुरुवनीति शिक्षे हैं और इसने उनके सामने पेस किये विकरणको चारो और मत्ती भौति प्रचारित विका है। वसरक मास्तके मारतीय हर्यसे हमारी सहाबता न करेंगे तबतक यहां लॉर्ड क वा कॉर्ड मॉर्स कछ क्याबर कर सर्वे यह सम्बन्ध नहीं है।

नेटाक्यों भारतीयोंकी आवादी वहत है और वहाँ धनकी बड़ी मिस्कियत है। न पारता के सभी आगोंसे बाये हुए हैं। उनकी संस्था एक बाबा है। शर्म से स्वापन सस ह्वार क्षेत्र आगांस कार्य हुए हैं। उनकी संस्था एक बाबा है। शर्म से स्वपन सस ह्वार क्षेत्र आपारमें अने हैं और बाकी गिरमिटिया मनहुर है या ने लोग है वर दूरार कार ज्यारात्म अब हू नार बाका गरायात्या प्रवृद्ध स्वाच करात् को निर्मारने मुक्त हो कुछ है। नेटाककी समृद्धि प्रायतीन मन्त्र्रारेके अवस्पर हो निर्मार है यह बाराको स्वाचा संबूर करते हैं। हम बाराजकी सहस्वता करनेनें भी वीधे मुद्दी हुटे हैं। पिछके सो बकाकोंनें गरीक और कमीर समीर समृद्धी सपने-बपने सामस्पैके बन्सर कथा देकर बकाब-सहायता कोपमें धन भेवा है। इमें धनकी सहायता नहीं चाहिए किन्तु भारत [बुक्ते तरहते | हमापै सहावता करके हमारे दश्च कम कर सकता है, यह हो असला विशिक्त सत है।

विवरकोर काप केल सर्वेसे कि नेटाकमें तील तरीकोसे इसे वर्ताव करतेका रास्ता बक्तिकार किया बया है। एक हो स्थापरिक सावरेंग्री द्वारा बन्याय किया बाहा है। खावसेंस केनेबाका अधिकारी और खावसेंस बोर्स के सरस्य | यो इसारे प्रक्तित्वर्षी हैं मनमाने तौरपर हुनारे परवाने रोक केते हैं और उनके तम्बन्धमें कानुनी नाराज्य हे नामाय दारार हुनार परवार पण च्या हूं बार बंगण राज्यभी कोर्गी। अदाख्योंने बरीब गहीं को बा एक्यी। बूपरे, मेटकको समूब बनानेके किए गांच विर्धानियोंकी सुक्रमीकी त्यु मजबूरी करणी पड़वी है। किर भी गांनेके खेठों और चायके बाजोंने वा खातोंने कहा काम करके बरगी बदिब पूरी करनेके बाद एनको सीर जनके स्त्री-कण्योंको जारी कर देना पन्ता है। इससे स्वरानवापूर्वक इस पर निवेक्से प्रकृत से जपना युवारा करनेते जसमर्थ पहुरी है। बीर, तीसरे, हमारे बातकोंको सिसा बेनेके जो साधारण सावन प्राप्त ने वे भी कर कर दिये गर्व है और इस प्रकार हमारी जानी जल्मतिका हार नन्द कर विदा पया है।

बब बढ़ि भारतमें सभाजों और प्रार्वनापत्रों बाहिसे हमारे बच्चोंके सम्बन्धमें प्रसार करीं की सार्वित विश्वास विश्वास नार नामाना नामान कुरार करना करना कुना करीं की सार्वित की हमें भूजी तरकर इस वर्षित्रेचले आह्वना पढ़ेगा और हत्ते बहुत समय भी नहीं कोगा। भारत सरकारके हायमें हतका एक कारणर कराय है। यह पह है कि सबतक नेडाल सरकार हमारे विविद्यार स्वीकार न करे तबतक मारत नेटाकको भववर ग्रेजना बन्द रखे। लॉर्ड कर्जनने एसा शास्ता जपनामा वा। उन्होंने [नेटाल घरकारको] यह यह भी किसा वा कि मंत्रि भारतीय व्यापारियोंकी स्वतन्त्रदा-्रान्ता परन्तराज्ञा न वृष्य मा । त्या चारण चारण चारता चारताच व्यापारियां स्वर्णनात् की रसा करनेता बार्यमादन व विद्या कानेता तो मनकुर रोक विदे वार्येन । इन नार्वोक्त कोई नौर परिवार तो कात नहीं हुआ मार्योगिकी स्वर्णनतात्री रसावे बनाव असर कियो बनुसार कई कातृत वकर बना विदे पने हैं और उत्तरर कृत्वांके साव असर कियो बनुसार कई कातृत वकर बना विदे पने हैं और उत्तरर कृत्वांके साव असर किया याता है। इसारे पुनर-वसरके सावनीर्थ विज्ञानितियां कमी होती वाता है और विटिश प्रजाके क्यां सामान्य अधिकारोंके साथ इस प्रपतिवेक्कों रहता की बतरेमें पढ बना है।

### द्याहम्सर्गे क्षेत्र

टाइम्समें यह केस निकला या कि शिस्टनण्डसने कपनी मताविकारकी मौग छोड़ है। है। उसके कमाबा हूसरी भी यसत्र बार्ते थीं। इश्रीकप् की कामकियाके इस्ताअर्धेस एक पत्र भेमा गया था। उसका सार नीच देता हूँ

बालने बालने करके अवसार में किया है कि "संसक्षीय मताविकारके सम्यायमें नेटाकरे भारतीयोंका कोई समझ नहीं है।" इसायै हाककी कहाई राजनीतिक मता विकारके सारतीयोंका कोई समझ नहीं है।" इसायै हाककी कहाई राजनीतिक मता विकारके सारत्यायों है। हिरा भी यह बात तो सही है कि हमार्थ मोगों से एक सौय उसके साम्यायों है। हमारी मोगों तो युक्त है। बेकिन फिनहान को बहुत ही। बाकरी है ही लाई कु बामने पेख को महे हैं लाई हुए उनका ब्यान पूरे मनोधोगये उनकी बोर ही बाकरियत कर सकें। अवस रावशान-विकार का स्वार्थ हुए हरस्तते हमारी बुद्ध-स्वार्थ का प्रायम किन वाले हैं हमारे बोरिकार) की कम्याकी पूर्ण हों तो भी उस वालकारीक फैसके विकार का सिकार कहीं मिलता हमारे बालकोंकी सिकारक तार बन्द करके बनकी मानसिक सिकार कि साम दोश हमारे बालकोंकी सिकार तो कर बनके मानसिक प्राप्तिय मनहार्थ हमारे बालकोंकी स्वार्थ क्षिकार से हमके वर्ष बाल में सुकार के साम की से स्वर्थ के स्वर्थ के साम की साम पूर्ण सकता हमारे हम से साम की साम प्राप्तिय मनहार्थ हमके वर्ष बाल बाल हमें स्वर्थ करना है। इससे अपने प्राप्तिय साम को सीन सामें पत्ती है, उनको सभी कोरीने उचित विकार सी साम की सीन सीन साम सिकार हमारी बालने को सीन सामें पत्ती है, उनको सभी कोरीने उचित का सिकार सिकार का सिकार साम प्राप्तिय मनाने का सीन सामें पत्ती हमारे का सीन सीनीन उचित साम सीन सीनीन सिकार साम प्राप्तिय मनाने के सीकार सिकार साम सीन सीनीन उचित सीकार सिकार सीन सीनीन सिकार सीन सीनीन सिकार सीन सीनीन सिकार सीन सीनीन सीनीन सिकार सीन सीनी सीनीन सिकार सीन सीनीन सीनी सीनीन सीनीन सीनीन सीनी सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन सीनीन

नगा करन ननार जानगा था था गा साथ रखा हु, उनका धारा साथार डीवाल सागा है। वे इसारे धारीरिक और मानविक क्लारित डेवालियत है। तरास बंदे जनवानी पायमें माराधीयोंको मताबिकार नहीं है। यह कौई कोटी विकारन नहीं है। रिन्तु मौजूस हामवको ध्यानमें रखते हुए हम कमी रख खनकमों जोर नहीं है। दे दे हैं। इस नगी समाविक मर्वाधार्म खुते हैं। इस नगी समाविक मर्वाधार्म खुते हैं। इस नगी पायमें विकार मर्वाधार्म खुते हैं। इस नगी पायमें कि मर्वधार्म खुते हैं। इस नगी पायमें कि मर्वधार्म खुते हैं। इस नगी पायमें कि मर्वधार्म खुते हैं। इसी नगी समाविक मर्वधार्म खुते हैं। इसी नगी हमाविक मर्वधार्म खुते हो। बाती है।

हाफे बकारा बाप किनते हैं कि "सम्यदा और पिरासों जारतीय दरियम आखिकारे बडिनमोंने को-पड़े हैं इस वृध्यिन के कपने किए यह अधिकार मांगते हैं। इसके उत्तरमें हम आस्पूर्वक यह बडाना जाहते हैं कि हम इस प्रकारके असिकार मांगनेसे सुम नहीं हैं। को रामने उसके वहांकर स्थान देशींने वृद्धिकार कोरों हाए बनते विकासका उनके करनेकी बात है उनके मांगोंने मुक्त मेहोंने बाबन नहीं पहनी चातिए।

### पाइसरॉपको चिद्छी

रमके अनावा बारमरीयकी एक विदीत पत्र निग्म नया है। उनमें सांस की नई है कि यदि हमारे स्वातारिक अधिकारको रक्षा नहीं की वानी है तो निर्माटके समीन जानेकाले मनदूरोंको रोक रिया जाये।

#### भक्षाकातं

में नोम तर बेड्रिक नेनीतें जी मिने जी पहले मूरनकी तरफ रहे हैं नेनी माहबने साथै बार्ड नुनी। सी बोन्बनीते बीर पारगीरेयन वैपके थी क्यापीते भी मिन्नी रहते हैं।

१ व्य १७-४-१९ ९ के ब्राह्मसमें स्वादिण कृता था। २. वेजिन वर्षातक ११।

<sup>।</sup> भूता विदिश्व सम्म, की वीत्रमार राज्यती व्याला काने वे देखिए क्षम १ पुत्र ए कीर ११-११ ।

वे कर्नेस सीकी हे एक बार पिक चुके हैं। जब फिर मिकनेवाओं हैं। कोई मोसेने पहली वित्तमारको मिकना तम किया है। भी पुत्त और नवाब साहब बेक्सामी आरिते मुख्यकार पिठ हुई हैं। इसके अकाना आनावाति चनका पान-स्थाबहार चक्क पहा है। तर मंचरजीते समय-समयपर मेंट होती खाती है। समकी मत्यका पार नाति है।

#### यी ।

भी पोस्कका काम मारतमें कोरते कवा दिलाई देता है। उनके पाउटे सकारोंकी कटारों मार्च है जिनसे प्रकट होता है कि उन्होंने एक ही उप्ताहमें बहुत बड़ा काम किसा है। युनयती और सोपोके सभी सकारोंकी बार्च दिलाई देती है। वे बन्दोंसे बहुत-से सोपोकी पर सिक्स कुटे हैं। ११ तारीकारों हुई सार्वमिक समास मी तार मार्च है। बन का बात है। कन का बात है। का का तार्व है। इसकिए प्रपेक्त तार्व तार्व एट्टे हैं। इसकिए प्रपेक्त तार्व तार्व एट्टे हैं। इसकिए प्रयोक्त तार्व तार्व एट्टे हैं। इसकिए प्रयोक्त तार्व तार्व

घर मंजरतीकी मान्यता है कि भारतमें जन्म करके ट्रान्यवाकको पैटेकी शहायता ही बाती जाहिए! इस सम्बन्धने औं पोक्कको सारं दिया पया है। सब समामें को हुक हैं। बाते सो ठीक है। चन्नेफी इस हमज्जकक कोगॉपर सन्का ससर पढ़ेगा और इससे भारतकों सन्नी सहातमति प्रकट होगी।

### ' इंडियक सोक्षिपॉकॉक्स्ट"

इस सबबारका गुरू नृहक श्रेकमें चका पदा है। फिर भी यह बबबार क्य रहां है। नवा मुहक भी पिरफ्तार कर किया गया है। यह में मुकको पक-सम्बन्धी करतन्त्रामधी रखाके किय ही निर्मय होकर यह जीकिन सपने क्रमर की है। यह करता है कि उसके बीर भी स्थानमीके करते विकट्टक समानता नहीं है। उसने तो केकर पन-सम्बन्धी स्टब्लाता की रखाके किए मह कार्य सपने हावमें किया है। हम इससे स्टब्ली श्रीक सो के ही सफरे हैं कि किस क्यांतिन देश तरह निर्माशारी उसाई है वह गोरा है। बस उसने सुब सामे सड़कर यह भीकिय मोक की है सब यदि हम्माशासक सारतीय बपने देसकी इननदक्षी खातिर सड़ाई करायें सो कोई आपनाईकी मात्र गढ़ी मार्गी खायेगी।

#### . सोबैफ रायणन

भी बोबेड राज्यन को बहुत दिन पहुंके बैरिस्टर हो चुके हैं, क्येमेंकी वर्गीये वापस नहीं मीट या खें थे। उनके किए ट्रान्सवाकमें क्या भी क्या किया यया था। अब वे "टीटे बन कैंडिस बहानसे रामाना हो एवं हैं। उनका निवार बेससेवार्स किए गरीबीका जीवार विदानका है। मेरी कामना है कि उनका बहु निवचय पत्ता बना खें। मुखरे उन्होंने साउ-साफ कहा है कि बायवसकारा बान पड़ेनी हो वे ट्रास्ट्याक्से जेल भी जारेंगे।

### बहाबुर औरतें

कमानकी भाँगि किनारपूक्षमें भी सात दिननी मताविकारके वान्यव्यों निरस्तार हुई। भीर नहीं उन्होंने नगमन किया। उन्होंने कादिन तक कुक भी नहीं वाया। इसकिए उनको स्टेरकी समापुरी होनेसे पहले ओह दिना पना है। मैं यह बतानेके किए यह नहीं किस रहा

**६ देखिर "तर पर पर पर पर रोज्यको" क्रा** ११६ ।

हैं और हमें ऐसा समक्षमा भी नहीं चाहिए, कि जो त्मिन्नी ऐसा करती हैं उनका हमें हर मामकेमें अनुकरण करना चाहिए। उद्देश्य केवक यह समक्षाना है कि वे कप्ट-सहनमें कोई कभी नहीं रक्षती।

[गुणराठीसे]

इंडियन कोविनियन २५-९-१९ ९

### २३३ पत्र स्त्रीमलो काशी गांधीको

सन्दर्ग

बनस्त २८,१९९ एक बन्ने रात

चि काली <sup>1</sup>

देर इतनी हो नई है, फिर भी जान किये विभा काम नहीं चलेगा। इर इस्ते दुम्हारी बीर सन्तोककी याव कर केदा हूँ बीर पत्र नहीं किसता। काम बहुत नहीं है फिर

यी किसी-न-किसी काममें उक्तशा ही **रह**णा हैं।

तुम्हारी पोवमें बेटी बाई हैं इसके बोरों में बया कियूं? बबर कहूँ बच्छा हुवा कि बाई तो वह सुरु कहमानेगा। बार कियारी बतारों दो वह हिंदा होगी। बपने बावके विचारिक वनुसार मुझे ठटका पहना चाहिए। इसके किय गीतावामें विदे समिवानस्वा कहा है उसकी बकरता है। वह तो कायना कुकेंच है। किर सी प्रवास मेरा उसी रिकारों है। इस बीवमें इतना ही कहता हूँ भीर गही चाहता हूँ कि तुम दक्षेच कममें इनियोंका दमन करता दीको। मुझे बहुत बनुमव हो पहा है। विद्याग बरिक्क बेसता हूँ मेरे विचार उसमे स्विक पूढ़ होने चाते हैं। उन्हें बरकानेक कायन दिवाह नहीं देता। संतोकको बरुबसे विद्यों नहीं कियूंगा। यह तुम दोनोंक किए है।

मैंने तो तुन्हें पत्र नहीं किया किया किया तान क्यों नहीं किया? यह सनमें यह सवाक करनेपर कोई कारण न मिके तो परणाताय करना नवींकि मैं तुन सबके पर्वोका मूखा हूँ।

मोहनदासके बाधीबाँव

प्रमुदास नांचीकी पुस्तक वीवनतुं परोक्ष में प्रकाश्चित गांधीजीके स्वासरोंमें क्रिवित मृत मुक्तरारी पत्रकी फोटो-नक्कसे ।

१ अस्तरसम्ब वर्षणेकी कार्ती ।

२. प्रकारक पांचीको स्थ्रते ।

### २३४ पत्र स्टॉर्ड ऐंस्ट्रेसिको

[कारत] **कारत है रेर र** 

कॉर्ड महोदय

वापको बनावस्मक परेखानीमें न बासनेके सहैस्पसे मैने बापके पिछसे हो पत्रोंकी प्राप्ति

मिकार नहीं की है। न्या मैं बापते जनरक स्मद्रतके उस वक्तव्यपर ब्यान बेनेका निवेदन कर सकता है जो

प्रस्तिन सारतीर्वोके प्रस्तके सम्बक्षार्थे कह राज्यके प्रतिनिविको विद्या है ? *प्रस्त का*न्यका वर्ष न्या हो सकता है ? क्या उसका बर्च यह है कि कारक महोदय प्रिटीरिका प्रश्निमेके बाद निर्वय करेंबे और प्रक्रि प्रेमी जात हो हो हजारा करेका क्या है?

आपका जाहि

दाइप की इहें बप्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्क (एस. एव॰ ५ ३४) है।

२३५ पत्रः समीर असीको

[क्लर] बब्स्ट है हि ९

पिय और समीर सबी

मसे बापका पोस्टकार्ड मिळा। मैने आपके बारागके क्याकरे वानवस कर शापको पत्र नहीं किसा। यदि कोई अवस्थानी बात होती तो में निरूप्य ही पत्र सिमाता। इसके वरिरिक्त आपने अपने पोस्टकार्वेसे यह किक्सेका बाबा किया वा बसकी भी मैं प्रतीका कर रहा या। बापका पत्र न सिक्षनेसे मैंने यह निष्कर्ष निकासा कि बाप ज्यादा व्यस्त हैं इसीकिए पत्र किया नहीं धाये।

र क्षेत्रे पेंद्रविको अपने २४ अललोड कारों कार वा कि अनेत स्वानीया करन विने दिना कारक संस्कृत स्वापक देविन गानिका स्थाप ही जारेते हैं शामित स्त को हैं । क्योंने दक्षकांत्रे का अपनेत्रका भी कि किया कितमें वह " सन्ध स्थित किया क्या वा कि निर्देश व्यातीलों के स्वास्थर कोई समझौदा हो बारेगा । है और मुखी फिर का क्विया चक्रते ने । वह का करोंने क्विया भी गा। मस्ने १६ असक्ते एकों, उन्होंने मोर्ड मुक्ते हन कारफा कलेका किया था कि "शास्त्रीत गरी कर दी पति है, क्यूरिय वर्ग मी कोई केनका होनेकी मात्रा है।" अर्थे र्वक्युंको सके वह स्थान मोर्ड स्थानेका स्टार दिया ग कम जाना बनाया राज्य व र जान प्रवासना कर जा प्राप्त पान व्यक्ति व रही होते वा दिना अर्थना बुरक्ते अस्ता वर्धे । क्वेंनि वाने विवास व वेती कोई वात वसने वस नहीं रखी विसे वसना क्रमतालक हो । जभी हमें चीरणके शांध जतीबा ही करनी होगी।"

a. वेकिट भगवा स्टेनेंड ।

ट्रास्प्रवासको मामक्रेपर अब भी बातजीत चक्र ही रही है। जनरक स्मट्स सनिवारको चक्रे परे। सन्होंने रायटरको यह संबंध विमा

में जासा करता हूँ यह जिस्स इल्सवासके राजनीतिक विशिवसे करत होनपर जा प्या है। दुल्सवासमें भारतीयोंके कुछ जब प्रतिनिधि जिस आन्वोस्नको बता रहे हैं जससे भारतीयोंका जारी बहुमत बेहद कर गया है और बानूनके मार्ग जुपवाप भूटने देक चुका है। मेले कोई कुछ और इस सामसेमें दिलवादी राजनेको हुतरे विशिव्य नेताबित बार-बार कार्यों हो है और सेरा बयान है कि जब इस बेहे समस्यान ऐसा जनावार निकक सकेशा सिसे एक समस्याद कीए ठीक और उनिक समसेंगे।

बौर इस समय मामका यहाँपर है। इसीकिए समसीतेकी बासा करनेका कुछ कारम है। काँडे ऐंस्टिइक्ने इस सामकेमें बहुत ही बच्छा काम किवा है किस्तु यदि बातचीत कस्वी होती है तो कनरक स्मट्सकी विकास बाधिकाकी वापसीको देखते हुए इस समय प्रवन यह स्वता है कि भी हानी हवीन बौर में यहाँ ठहरें या जब हुमारे किए उपयुक्त स्थान दक्षित

वाफिका है और बायस्यकता हो तो दाल्यवाककी जेख।

वहाँक नेटाक के कियमजनका सम्लब्ध है, भी बन्दुक काबिर और उनके नित्र कोन माजाय-गाठाक एक कर रहे हैं। वे निवर्तको एव व्यवह मेन रहे हैं। वे नोर्क कु वे निक्त कु वे तिर स्वर्त मेन रहे हैं। वारावादि मी को सेरिस्ट में बना कि कु वे निक्त कु वे तिर स्वर्त मेन रहे हैं। वारावादि मी को सेरिस्ट में बना कि कु वे हैं। उन्होंने भारतीय वनकाके नाम को पन निवाह है एवसी के समस्त्र के नाम है एवसी के समस्त्र के नाम है एवसी के समस्त्र हैं। उन्होंने भारतीय वनकाके नाम को पन निवाह है एवसी कारती है उन्होंने प्रकट होता है कि में बना कि स्वर्त कर उपयोग्ध में पह पन नेवा बना है। विवर्त कर करने कार्य कि समस्त्र में हैं। विवर्त कर करने कार्य कारतीय कारतीय माज करने कार्य के स्वर्त करने कार्य के स्वर्त करने कार्य के सिंद करने कारतीय कारतीय। में कु विवर्त करने कार्य कारतीय कारतीय। में कु विवर्त करने कारतीय कारतीय। में कु वर्ण प्रकाह करने कारतीय कारतीय। में कु वर्ण प्रकाह करने कारतीय कारतीय। में कु वर्ण प्रकाह करने माज कारतीय। में कु वर्ण कारतीय कारतीय में कु वर्ण कारतीय कारतीय में कु वर्ण कारतीय में कारतीय कारतीय में कि नाम कारतीय क

नारा करता हूँ कि बापका क्षेत्रक हुना। नारा करता हूँ कि बापका को इसाव जब रहा है उसमें कोई और कहावट न बाई होती और साप पूरी राष्ट्र राष्ट्रकाल्य होकर लॉटेंगे। मैं सह विकासी कर मूँ कि कब बन्दोंसें ट्राप्यवाकके कानूनके विकास बापति प्रकट करनेके लिए एक सार्वविकार संसा की बारेंसी।

हरवंदे वापका

म्यावपूर्ति वसीर शकी थी बाई ई होटक स्पेतरहॉफ, वक्तपेरा टेरास्प [स्विट्करकैंड]

टाइप की हुई अंग्रेगी रफ्तरी प्रतिकी ग्रीटो-नकक (एस एन ५ ३५) छ।

६ बारतीर्वोक्ता प्रश्न ।

सम्पूर्ण गांधी पासमन

100 बातीय बपमान होता है। यदि हम वसे स्वीकार कर कीने तो उसका वर्ष केनस स्तमा ही होगा कि माबिर इस सिदालके किए जतना नहीं कह रहे ने जिल्ला सपने निनी स्वार्षके किए कुछ शिक्षित भारतीयोंको दान्सवासमें सानेकी गाँवकी पृतिके किए।

बापने मावकी तारीकके टाइम्स में बम्बईकी सार्वकनिक समाको रव करनेके सम्बन्धमें तार पड़ा होगा। यह समा कुछ प्रभावसाठी सेनोंकी माँगपर सेरिफने बुकाई वी। मुझे बहुत अविक भय है कि सरकारको कार्रवाई <sup>ा</sup> ट्रान्सवाकर्मे को स्विति वहन की 🖁 उसके समर्थनमें 1

बापका वारि

# पुनक्ष र

भी हाजी इबीद भीर में पन्नीरतांसे विचार कर रहे हैं कि च्या हमारे किए वह ठीक न होमा कि हम यहाँ काम करम करनेके बाद मारत वार्ये और वहाँ बनवाको और मी अधिक सहातुम्ति प्रकट करनेके किए प्रेरित करें। किन्तु, कार्ड कू से जिस मेंटकी जाता है उसके हो बानेके बाब इस इस सम्बन्धमें बापी स्वाह करेंगे।

टाइप की हुई बन्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्क (एस एन ५ ३७) से।

### २३९ पत्र सणिक्षात गांधीको

विवम्बर १ १९ ९

#### चि॰ प्रक्रिकास

तुम्हारे पत्र नियमित कमसे मिकते हैं। शीमती क्रीयने मुझे इस सप्ताह फिर अपने घर भागेके किए बुकासा था। बहुँ छन्ति तुम सबके बारेमें पूछा। उन्होंने दुम सबका बीर फीनिस्सके वरों बादिका विव भी भीगा है। इनमें से को वित्र हों उन्हें मेव बैना । मैंने वा को जी पत्र किसा है । जीमती और बड़ी तसी महिमा है । मुसपर बहुत ममता एसती है।

समझीरोकी अब कम सम्भावता है। ऐसा होता हो मेरे छड़े बिना काम नहीं चढेगा। तुम सबकी सहायता मुझे चाहिए। और वह सहावता यह है कि तुम सब हिम्मठ रखकर को क्ये बदा करना है उसे करते वालो।

र धार्म सरकारे विकास लाइन वासिका गरिका एक वात होतेने नार बेरिको किन बरिका देशिकाचे क्स समान्द्रो कुलला वनाक्रवीय या ।

र. वहीं पूर्व करनार नहां है और पुत्र क्या वहीं हैं।

। वहीं का पूरी रेपित कड़ी है। v न्तरीजीका रुख्ये परिचन सामन तथीते या था वे वंजीवने स्तरी ने । वेशिय सम्बद्ध स. पत २०० ।

भ, बद्ध पर स्थलभ गरी है ।

# २३७. पत्र मणिलाल गांधीको

[सन्दर्भ सगस्तका मन्त्र] १९०९

**थि** म्यानान

तुम्हासाम्बंधिका।

पुराय भन दिक्कुक साला हो पया हो तुम अपने कामर्थे दिक्कुक सा पर्ने हो बौर दिसाम्यात निर्मिक्त होयर करते हो तो मैं अपने-आपको आम्पासी मार्गुण। तुम इस देसमें जानेकी उताबकी करो १७७६ करता नहीं बान पढ़ती। यहाँके स्रोय नहुत मबन दिसाई देरे हैं। रिस्के तब स्थास नार्ने हुयी।

तुम बासकोंको पहालेका काम करते हो यह सराहतीय है।

भोडनदासके आसीर्नाद

यांचीबीके स्वाक्तरों में मूळ युक्तराती मति (शी कळ्यू ८६) से । सीवन्य सुग्रीकावेश वांची।

# २३८ पत्र लॉर्ड ऍम्टहिलको

[कन्दर]

विवस्तर १ १९ ९

कॉर्ड महोदन

मैं बापके गया मामकी हर सारीवाके पत्रके किए बापका बरवाल बाजारी हैं। सिर्म प्रदे वनरक स्वरूपका निर्मय करिया हो तो यह पूर्वाच्यूपी है। बेरिजा मूर्त नम सिर वनरक स्वरूपका निर्मय करिया हो तो यह पूर्वाच्यूपी है। बेरिजा मूर्त नम सिर वनरक सिर्माय के स्वरूप मेरे कि स्वरूप मेरे किया वाता तो एक सीमित संस्थामें विश्व कारतीय प्रवाधियोंका निर्मास स्वाधी वना वेतेये कोई काम न होना। यदि केमक रीजामितक "ज्ञांचकार भी बावुक्य रहे तो किसी भारतीयको हाल साधमें अबेक राज्यों का कारत में भी कार्टपाइटकी यह विजया वी कि में भारतीय समावकी इत्र वोश्वास की स्वरूप प्रवास मान है, कि विश्वस माराजीयोंक करेंते प्रवास की स्वरूप समाव है, कि विश्वस माराजीयोंकी करने प्रवास मान की स्वरूप का स्वरूप माराजीयोंकी करने प्रवास की स्वरूप करने स्वरूप के स्वरूप के स्वरूप के स्वरूप की स्वरूप की स्वरूप की स्वरूप करने सिर्म स्वरूप की स्वरूप की स्वरूप की स्वरूप की सिर्म माराजीयोंकी बाद सकता तरिक भी मूर्य नहीं होती। इसके सिर्मित त्वर्थ माराजीयोंकी बाद सकता तरिक भी मूर्य नहीं होती। इसके सिर्मित त्वर्थ माराजीयोंकी बाद सकता तरिक भी मूर्य नहीं होती। इसके सिर्मित त्वर्थ माराजीयोंका भी भी मार्मीर

### २३६ पत्र स्वामी धकरामसको

[सन्दर्ग ] अपस्य ३ १९ ९

#### प्रिय स्थामीकी

आपका पत्र मिळा। पहने आपका वियो रोडमें दिया यसा "कर्बन बाइबी --शम्बन्धी मापन पढ़ा ना : विका-सम्बन्धी पथ भी देखा । उन्त तीनों क्षेत्रोंको पढ़कर मुझे दू व हुना है। बारने मुझे को पत्र किया है उससे जाएके इस्काम-सम्बन्धी विचार प्रकट होते हैं। इसरे बोनों केबोते इस्लाम मर्नेड बनुवायियोंके प्रति बापका व्यवहार प्रकट होता है। बारके इस्लाम वर्ग सम्बन्दी विचारोंके विवयमें में कुछ नहीं कहता। छेकिन यह मै बानता है कि इस्सान नर्नेपर मापका बाहोप हिन्दू वर्मके पहत्त्वके निवह है। फिर, बाहोप किया ही किया नगर उसे करते हुए बापने नीतिके विकास अपनी सुविधाके विचारते ऐसा स्थवहार किया उससे और भी हुक होता है। बापने हिन्दू समेका रक्षक समेनोंको माना है यह दो जापने अपनी जित सीनवा प्रकट की है। यदि मैं स्वयं अपने समेकी रक्षाके मोम न होऊँ यो पूसरे धर्मका बनुधायी उसकी रखा कैसे करेवा? आपके विसा-सम्बन्धी निचारोंको मैं हिन्दुकों जीर मुख्यमानोके बीच सिर्फ विरोव पैदा करनेवाका मानवा हैं। नगर हिन्दुनों जीर मुख्कमानोंके श्रीच इतना अन्तर रसनेकी जायस्थकता हो दब दो भारत पराधीन रहतेका ही पात्र है। इसमें विवेषियोंको दोषी भी वैसे बताया वा सकता है। पेंटा बन्दर रखनेंचे तो हिन्सू वर्गका कोप ही हो वायेगा। चीमान्यते हिन्दू वर्गकी रिवर्रि अपक है। मेरी अविषक सदा है कि विद्य वर्गकी एवा हवारों वर्षते होती वा रही है घसका क्षेत्र इमारे वर्मनुस्कॉक हावों भी नहीं होगा। बाएको स्था किर्ब ? बाएके ज्ञानके प्रति मेरा बादरभाव है केकिन बापके व्यवहारसे मुझे पुषा हवा है।

### [प्रवस्तीये]

मामीबीना पत्रो संस्था १४ सम्पादक बाह्यामाई पटेक प्रकासक सेवक कार्यांकर अप्तमबाबाद और नांचीजीनी सामना लेखक राजधीनाई पटेक पुष्ठ १७६-७७।

### २३७ पत्र मणिसाल गांधीको

[सन्दर्ग अवस्तका जन्त ] १९०९

वि मिनतास

तुन्हारा पत्र मिला। तुन्हारा मन बिलड्डल घान्त्र हो सवा हो तुन वपने काममें विलट्डल छप यमे हो और विद्यान्यान निरिक्त होकर करते हो तो से लयने-बाएको साम्पानती मानूमा। तुम हम में मानेकी उताबको करो इसकी जकरण नहीं बान पहेंची। यहाँक कोग बहुत सपन दिलाई देते हैं। मिलने तक ज्वादा वार्षे हगी।

तुम बालकोंको पहानेका काम करते हो यह सराहतीय है।

मोहनदासके माधीर्वाद

मोबीबीके स्वाक्तरोंमें मूक युजराती प्रति (सी० डम्प्यू ८६) से। सीवन्य सुरीकावेन गोपी।

# २३८. पत्र लॉड ऍस्टब्रिलको

[सम्दन] सितम्बर १ १९ ९

काँडै महोदय

में आपके पत मागकी दे१ नारीमके पत्रके सिए आपका आपना नामारी हैं।
मदि अनरक रस्त्रका निर्मन बनित्र हो ता गरे बुलीप्पूर्य है। नेपित मुसे मस
मैं कि अमितार कि अपने मालक्ष्मी मैंने जा कर बुलीप्पूर्य है। नेपित मुसे मस
नित्र गम्मक न होगा। मेरी नम्मितियों विक्र सह अधितार "मितार नहीं दिया जाता
दो एक गीमित्र चंदवामें जिस्ति आरतीय प्रशासियोंका निवास स्थापी बना देनने कोई लाम
न होगा। मदि नेपक नेप्रशासिक आर्थकार" भी आपना रहे तो किमी मानगित्रों हाम
मानमें मदेस करनकी आरायरजा नहीं है। और ए की नंपराके निर्धारणा वाल्य भी
भी वादेगारनी यह दिला थी कि मैं मानगीय गमानगी हम पोक्ताका कोई उन्तर प्रमान
मूँ कि गिवित्र मानगीसिक व्यक्ति प्रशासिक एक पोक्ताका कोई उन्तर प्रमान
मूँ कि गिवित्र मानगीसिक व्यक्ति प्रशासिक का निवास का नार्वित्र नेपार
में कि एस मानगीसिक व्यक्ति प्रशासिक का निवास का नार्वित्र मानगीसिक सम्मान
में कि एस महित्र स्वति हमी हमी कि कि नामित्र मानगित्र मानगित्र स्वति स्वति हमी

र भीर के देखिल वीटीया वस ।

वातीय वरमान होता है। यदि हम प्रसे स्वीकार कर खेंने तो प्रसका वर्ष केवल इतना ही होमा कि बासिर हम सिद्धान्तके क्रिए उत्तना नहीं क्रथ रहे ने निदना अपने निजी स्वार्षके किए कुछ विकाद भारतीयोंको टाम्सवाकर्मे कानेकी भारतकी प्रतिके किए।

आपने बाजकी तारीक्षके टाइम्स में बम्बईकी सार्वजनिक समाको रह करमेके सम्बन्धमें तार पड़ा होगा। यह समा कुछ प्रभावधाशी क्षेत्रोंकी माँगपर धेरिकने बुकार

भी। मुझे बहुत अधिक मन है कि सरकारकी कार्रवाई े दान्सवासमें को स्थिति प्रहुत की है बसके समर्थनमें ।

वापका वादि

# [पूनरच ]

मी हाजी हवीन और मैं चन्धीरताये विचार कर रहे हैं कि नमा हमारे किए वह कीक न होया कि हम यहां काम सत्य करलेके बाद मायत बार्ये और वहां बनताको और भी अभिक सहानुभृति प्रकट करनेके लिए प्रेरित करें। किन्तु, कोंबे कू से जिस मेंटकी आसा है उसके हो जानके बाद हम इस सम्बन्धनें आपसे समाह करेंने।

टाइप की हुई दप्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्छ (एस एन ५ १७) है।

### २३९ पत्र मणिलास गांधीको

सितम्बर १ १९ ९

# चि प्रक्रिकाल

सम्बारे पद निवमित क्यांसे मिक्को है। बीमती कीवने मुझे इस सप्ताह फिर अपने भर चानेके किए बकामा था। वहाँ छन्दोंने तुस सबके बारेमें पूका। चन्होंने तुस सबका **जीर फील्स्सके घरों कादिका विज भी गाँवा है। इनमें से जो वित्र हों सन्हें मेब** बेना। मैंने बा को भी पश किया है। शीमती कीच गड़ी मधी महिका है। मुक्तपर गहुत मगता एकती है।

समझौरोकी अब कम सम्मानना है। ऐसा होगा तो येरे कने निना काम नहीं चलेगा। तुम सबकी सहायता मुझे चाहिए। जीर वह सहायता यह है कि द्वार सब क्रिम्मत रखकर को फर्ब बदा करना है उसे करते शाओ।

१ मानई छरकारके निकारमें सामन नामिका बुनियन निक गांत वीनेके नाम बेरियांक किय केरियांकी

देशिनको वह समादो कुमका नगांजनीय वा । १ वर्षे रूप बान्य पर्वा है और क्रम कर वर्षे हैं।

३ वर्षो पर पूरी रेनित बडी है ।

प्रविश्वीका हत्वे गरिका शामद बायेरे या का वे र्राव्येकों नहीं ने ! वेबिक बान्य व प्रष्ट १०० । ৬, আন প্ৰায়ক্তৰ বাটি ।

तुम सपने बौजार साफ रखते होये। पाखानेमें हमेसा कृष निट्टी वाली जाती होयी। बास-पासकी सब जयह साक-पुनरी रखनेकी बादत वासना करती हैं। भी कैस-दौनने सिखा है कि वे इस बार हमारे यही रहे थे। उनकी जून सेवा की यह होगी। उनके लिए नहाने और पाखानेकी प्या जबस्या की यी सिखना। यह से तुम भी महसूस करते होगे कि सी किवनके पाखानेकी हमेसा तैयार रखना चाहिए। तुम करकी सफ़ाईके निरोसक (सिन्टिरी इस्सेक्टर) ही दसस्य पह सब सुमको किखा रहा हैं।

तुम क्या-स्या पढ़ चुके हो यह पुमने मुझे नहीं किया है।

मोहनवासके बाधीवन्ति

[पुनस्यः]

यह पत्र काको प्रकारा।

गोबीबीके स्वाक्षरोंमें विवित यूक युवराठी प्रति (सी स्थस्यू ८७)से। सीकम्य सुसीकावेन गोदी।

२४० तार एच० एस० एस० पोलकको

क्रम्दन

वितम्बर २ १९ ९

ऐका रुपया है, स्मर्थ सीमित संक्यामें स्थापी अनुपरिष्क वे वेंगे किन्तु विकिश्तर स्मर्मे नहीं। बातचीत चारी। सार्ववनिक तथा सेरिफको उसमें वसीटे दिना की बानी चाहिए। भेरेतार प्रकारतार्थ नहीं।

भाषीनीके स्थाक्षरींमें मूक बंदीनी नसविदेकी फोटो-नकक (एस एन ५ १९) है।

रे महर्षितर प्रोज्यक्य गाम गाँँ पिना यहा है। केविन तारकी महर्ति तारू है कि का काफी होना तमा था।

### २४१ पत्र कॉर्डकृके निजी सचिवको

[क्रम्बन], वितम्बर २ १९९

भहोदव

में अर्थ ऑफ भूका प्यान चीनी तक (चाइनीय असोतिएसन) से प्राप्त नियन सारकी कोर सार्कापत करता है

रायदरकी समद्वासे जेंदकी रिपोर्वचें एकियाई प्रकार तय होलेका संकेत । ऐसा है तो

बीनियाँकी विरक्तारियों वर्गे भारी है सन्ताहर्वे सत्ताईस ।

अराके तारमें बताई हुई एयटरकी बावरकी नकक मुखे नहीं मिजी है और मैं नहीं बातदा कि ट्रास्टशासके कटिन एथियाई अवनपर समझौता होनेजा जो उसेद दिया स्वा है उसमें सभाई क्या है। भी हाजी हजीद और मैं इस मामकेसे आई महोत्यके पत्रकी मतीका कर रहे हैं।

मैं यह भी कह वूँ कि जास्तीयोंकी भी विरस्तारियों कारी है।

वापका वादि सो• कः गांधी

ककोनियस सॉफिस रेकर्स्स २९१/१४२ के टाइप की हुई बक्तरी संदेशी प्रतिकी फोटो-नरुक (एस एन ५ ४१) से थी।

२४२ पत्र साँडे ऐंस्टहिसको

[स्त्यत] विवस्यर २,१९९

काँडं मडोदय

भीनी संबंधे नीचे दिया नवा तार प्राप्त हुना है

रामदरमी शनदससे नेंदकी रिपोर्टमें एशियाई प्रश्नके तम होनेका संकेत । ऐसा है हो चीनियोंकी विरक्तारियों क्यों बारी ? सप्ताहमें तसावत ।

से सतना बोर कहना बाहता हूँ कि सभी तब्द बहुतनो आरतीय भी पिरस्तार किसे हैं [इम्प्सास्त भी पारतीय बोर बीमियोर विस्त किने को स्व विद्वारण ध्यान्तर्यक स्वित्य करते हैं हैं हम्प्यत करता हैं। इससे उनके सहस्वक्षे क्योंनी होती है बौर सरकार तबा बनाक्ष्मक प्रतिरोधी व्यक्तिक सारतीय क्यान्तर्यक प्रतिरोधी व्यक्तिक सारतीय क्यान्तर्यक प्रतिरोधी व्यक्तिक सारतीय क्यान्तर्यक स्वत्य क्यांनी हैं। सेने बोहारियार्वक विश्वर मारतीय क्यांनी व्यक्तिक सहस्व क्यार्यक हैं। से हिस रायरप्रत विद्यार आराज हो सकता है और सम्बन्ध क्यार्यक हैं।

भीमात्का स्थास था कि धायद काँडे कू कुछ क्रिसेंगे परम्यु उन्होंने समीतक कुछ नहीं किया। म उनका प्यान चीनियोंके तारकी मोर बाइण्ट कर एहा हूँ।

धायर मुझे इस बातका भी उसकेब कर येना वाहिए कि मैंने कुछ बापको बन्नई सरकारको जिस कार्रवाईके बारेमें किया वा उत्पर गंगव-सरमोंको कुछ प्रवन पूछनका सुझाव दिया पता है। बाखों के बापको भी यह बात पसन्य बावेंगी।

शापका साहि

टाइप को हुई दरतरी बहेजो प्रतिकी फोरो-पड़क (एस युन ५ ४४) से।

# २४३ पत्र एच० एस० एस० पोलकको

[क्रन्तन] सितम्बर २,१९९

त्रिम हेन ध

में बापको इस सप्ताह सम्भवत को पन किस्ता। ये पन फीफिसके सम्मन्दमें ह। बापको पहले ही बता चुका हूँ कि कॉक्टर मेहवासे बेरी काफी बार्से हुई में और उन्होंने एककके किए १५ चीक दिने हैं। जैने इन १५ चीकमें से पुस्तकालमके किए मुख्य पुरस्तकें सरीसी है मूर्या बापके पास है ही। कुछ स्वस्त पुरस्तकें सरीसी है मूर्या बापके पास है ही। कुछ सम्भ पुरस्तकें सरीसी महे हैं। इस सम्मन्द्रमा के स्वस्त है को साम प्रमान किरालें बहु मी हो एकती है जो बाफी दमसे सरीसी बा सस्ती है। बाप इस्तमकाल और इस्तिसे स्वस्त कर सकते हैं।

परन्तु बॉस्टर सेह्याने बीर भी बांबक बैनेका बचन विचा है। जनका विचार एक कावज़ीत बेनेका है निवसे एक भारतीय सबकेका कीनिक्समें विचा बौर मोजनका ध्यस प्रदाहो बाये भीने उनको बया दिया है कि स्थय प्रतिमास र विक्रिय बौर २५ विक्रियके वैच कुक भी हो उनका है। उन्होंने एक कीनिक्सवासीको स्पर्केश में प्रमुक्त ध्यस भी किया है। यह बाठ उनके मनमें उनकी इस इसकारे वैद्या हुई है कि ने नेरे एक दुनकी पढ़ाईका बिचा की की नेरे पन दुनकी पढ़ाईका बिचा की की नेरे एक दुनकी पढ़ाईका बिचा की की नीर उनकी बताया कि मी रोगी कोई बात व्योकार मही कर सकता

र वेटीक विकास सार्थित ।

२. वह उपन्यने एक अब केम्प नी पैनीनि ए विक्रमहात्री कोक्क्यमी पूचा ना । वह देवानि क्ष्री विक्रमी ९ क्रिक्महात्री कोद्रवसमे कुछ उस्त पूचा । दोनी नम्बर्जेक विदेश कारम्मीने कर दिया कि वाहरूस-उपहरूपी का मामकेने कोई नाविक्क बुक्त नहीं विक्री है ।

ह पूर्वी दिन की राज्यी जूरिय कि इस कोई टीउड़िको किया था आपके रॉक्टेंब मानेल्स कि री विषय काम किया या मारका विचार करते के बांसा हुना है। कि बांसा था कि पुरस्ताकों उदिश्तेश पीर दमने बारी राजेंदे हमारी नाज्यीकों करते किया है। केरा बनाव है कि बार्ट मिरिट मारतीन रोज्यों बा बॉन्ट कर दें ती बच्चा हो कि बारी जानकों कियी करते के स्वार्टिन रोजें कुछ वहीं मारका चीर कार बांदे के यह पूर्वी में केरेबा जातम करते हैं। की कर राज नाजनी यह पाने किया है कि बार अस्पत्त बारकों की बुंद करा बार्टिक को हो हो जान देवा है। क्या करते करते के कार्य करते करते हैं। सर्वार्टिन के बार्टिक क्या करते हैं। क्या कार्यों ही हैं कि अक्यार वह के बार्टिन केरा है।

शरपर्वे वर्षणी प्रकास 10

किन्त मसे इस स्परेको फीनिक्सके श्वाँत्तम व्यक्तिके किए काममें कानेके उद्देश्यते स्वीकार करनेमें प्रचलता होयी और यदि मैंने समक्षा कि मणिकाल इसके किए सबसे मधिक उपयुक्त है तो मैं उसको भी भेजनेमें हिचकिवारुँगा नहीं। जब इस सबसे मैं यह सोचता है कि बाप भी वहाँ कोई ऐसा काम कर सकते हैं। भी पेटिट पैसेवाले आहमी हैं। यदि बाप यह विस्तास दिका सर्वे कि इसारा सहेवन फीनिनसकी एक ऐसी बनड बना देना है जिसमें ठीक किस्सके मारमी और ठीक किस्सके मारतीय तैवार किये जा तकें तो इसरे बोब मी पिस बार्येने । इनमें से फूछ कोनॉको बाप ऐसी छावनतियाँ देनेके किए एजी कर सकते है. जो या तो सामान्यतः जपयोगमें आई जार्ये या केवल मारतीयोंके किए सीमित कर वी कार्ये। हमें बनकी दोनोंने से किसी भी अपनें स्वीकार कर सेना वाडिए। वे हमें इस निर्देशके साथ कि ब्रमक रकम प्रसकें और शिका-सम्बन्धी काम सामान खरीवनेके किए है. बाब औ दे सकते हैं। मापको मन्यतः सन्ते वह विस्वास विकाश है कि फीनिक्समें यो भी प्रति क्याई वादी है उसका अर्थ भारतसे सतना से केना नहीं बरिक भारतको बतना हेना होता है। बीट, दुक बार्टोर्स फीनिक्स प्रयोग करने बीट समुचित प्रश्लिक्स प्राप्त करनेके क्षिए अधिक उपपन्त स्वान है। भारतमें बर्शास्त्रीय प्रतिबन्त हो सकते हैं परना ग्रीनिनसमें पेंसे कोई सर्वाक्तीय प्रतिकृत्व नहीं है। उराहरणके किए, मारतीय महिकाएँ इतने साहसके साब अवापि बाहर महीं का सकती की जितने साहससे ने फीनिनसमें बाहर का रही है।

क्रम्य सामाजिक प्रकार्य चल्डें सिर श्री न चठाने देतीं।

मैंने बापको इतनी पर्याप्त सामग्री वे वी है कि बाप इस विचारके आवारपर वापे सीच सकते हैं और जो जानकाक समझें वह कर तकते हैं। जाप भारमनी पीरमाई वा प्रतके पत्रहे सामान्य भारतीय कडवाँके मा मसस्मान कडवाँके प्रशिक्षणके किए सामगति प्राप्त कर सकते हैं। बाप जनसे पुरस्कार भी दिका सकते हैं। भारतकी विभिन्न सिसक-संस्थाओंके विवरण पत्र (प्रॉस्पेक्टस) भी वेखनेके किए के केना अच्छा डीवा। भी उमरके पास सेंब्युरी विकास के बीर बन्यान्य सहस्वपूर्व पुस्तकें है विनका चनके किए तिनक थी सपयोग नहीं है। मैंने अपने पत्रमें शिक्षे में इसके साथ भेग पहा है जनसे नह हिन्दानरी और वो अन्य पुस्तकों ने दे सकी नेनेको कहा ना। इस सम्बन्तमें वाप बनसे नार कर हैं।

इवबंधे जापका

टाइए की हुई दफ्तरी अंधेजी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ५ ४२) से।

र कर पर करन काँ है।

# २४४ पत्र एस० एस० एस० पोलकको

[ਦਕਰ] शिलाबर ३ **१९** ९

प्रिय हेनरी

आपकी चिद्धे और कटारों मिकीं। बाज को कार्य कर रहे हैं वह बायरत प्रयंतनीय है। मुखे हुएं है कि बारको सब बोरसे बहुत बच्छा सहसोग प्राप्त हो रहा है बौर भी बहुगीर पेटिट बायके साथ दतना बच्छा व्यवहार कर रहे हैं।' बाकाररवित महत्त हुआ कि आपने उस तारको प्रकाशित कर दिया है को मैंने समित्तमको रह कर देनेके प्रस्ताकरे सम्बन्ध बारको मेंता चार।' मुसे बाएवर्स हुना मेरा विद्यास का बाय वह समस बायेंगे कि यह बातकीय बिक्डूक बानमी है बौर इस बातकारिको प्रकाशित नहीं की का सकती। कोई एँस्टिक्ट इस नामसेमें बहुत सस्त रहे है। सीमामसे इसका कोई कुमरिचाम नहीं हुआ। फिर मी सामधानीके किए मैंने अपने पिकके तारमें आपसे कहा है कि आप बहुति सेवे चानेवाले किसी भी तारको प्रकासित

स करें।

मेरिफकी समाका स्वरित किया जाना एक करवायनक वात है। इसके सम्बन्धमें हाइन्स में एक दार करा था। तेरा बयाब है बार इंतिया पढ़ते ही रहते हैं। मार देवेंने कि मह तार उपमें उन्हा किया गया है। घर हेनरी कॉटन और भी मीपेंडी इस सन्दन्धों प्रकार पुक्रमेशके हैं। प्रीक्षवेंडी एसोसिएसन कांग्रेसकी बिटिक समितिको इस बारेमें एक निजी दार भेज देता तो अच्छा होता। हमारे लिए कोई कारगर कदम उठाना करा मुस्कित है। बम्बई सरकारके कार्यका विरोध पहुँच बम्बईको करना चाहिए, इमें नहीं। फिर भी बो-कुछ सम्मद या यह किया यया है। अब मैं किसी भी समय इस सन्यन्त्रमें बापका सार पानेकी प्रतीका कर पहा हूँ कि बोरिफके सहयोगके विमा सार्ववनिक समा किस तारीयको की वास्त्री है।

भी द्वाबी हवीब चाइते हैं कि बाप उनके शाई भी हाबी महत्त्वचंचे को इस समय पोरवन्तरमें हैं जपने काममें सहसीय माँगें। उनका कहना है कि यदि जाप बनसे आग्रह करने दो में सहर्ष भाषका हाच बैटायेंगे। इत्या जनते पण-अवहार करें। सी जनर उन्हें भच्छी ठाइ चानते हैं। में इस मामकेमें सायब दार भी दूं।

साँडे ऍस्टब्रिको साथ जो पत-स्थतहार हुआ है उसकी प्रतिकितिसे बाद देखेंने कि अब फिसी स्थीकार करने योध्य समझीतेकी सस्मानना नहीं है। सावर्षस्थनसे पहावसें रनाना होनेसे पहले बनएक स्मद्रसने रासदरके संनादराताको को बन्तस्य विया का उसकी करारन

र मध्ये भगवा १४ के पत्रमें बोलाओं कर तब मुख्यकारोंका तारीक्यार म्हीता दिया का की क्यांकि मनुष न्यक्रिमें क्योंने की वॉ तथा कमड़ी खरमुमूर्ति मान्त की थी । २. वेकिन "दार क्या यह शबक गोक्सिकों" वह १५ ।

s देन्द्रिर "तार यथ यह का गीलकारी" वृह्य हकता

मैं आपको सेन रहा 🖟। लेकिन अब ऐसा जान पड़ता है कि मैं इतना ही करना चाहते है कि अधिनियमको बापत के कें और विक्षित भारतीयोंको एक शौमित संस्थामें निवासके

101

स्यायी प्रमानपन वे हैं। इस तरह ने प्रवेशके "अधिकार"को स्वीकार करता नहीं भाइते। बरि ने ऐसा करे और इसकी सार्वजनिक क्यसे घोषणा कर वें तो मुझे इर्प क्री होगा। विवादका सेंच फिर संकुषित हो चायेगा और एकमान प्रधन विक्रित मारठीयोंके वर्षे और भारतके मारमसम्मानका एकु भागेगा। तब इस इन्बंध और भारतके सामने एक स्पन्ट प्रस्ताव रसेने भीर ट्रान्सवाबके मारतीयाँचे भी कहेंगे कि श्वतक यह मुद्दा तम न हो बागे स्वतक वे संवर्ष जारी रखें। बाप कॉर्ड ऍस्टहिकको शिखे मेरे पत्रसे देखेंने कि इस सम्बन्धमें भेरा वृध्दिकोत क्या है। यहाँ तो ऐसा क्यता है कि बक्षिण आधिका सीटनेसे यहते हम मारत जा जामें और किर दुवारा संदन होकर चौटें। मैं जानता हैं कि गदि जनरक स्मट्स आहें ऐंस्टहिनके पत्रके

ननसार सार्वजनिक बोयना करेये हो यहाँका सबर्य बत्यन्त कठिन हो आयेगा। परन्तु इससे मैं

निपाय नहीं होता. यद्यपि मुझे इवमें बड़ा छन्तेह हैं कि बबतक और बाविक कम्द न उठाया बावें तबतक सार्वजनिक समार्प हो सकें तो उनसे और संसद-सदस्वांका समर्वन मौत्रमेरे कोई साम होता । किसी ऐसे बान्दोकनको चकानेकी बरेखा जो व्यर्थ-ता सित्र हो भै जेकमें रहना अधिक पसन्द करता है। इससे वचनेकी इच्छाके पीछे भोड़ा बास्त्य भी हो सकता है। परन्त मही सनता है कि ऐसा है नहीं। वहाँ बाबस्थक हो वहाँ मुसे बोगॉसे मिसना परे सौर सनावॉर्मे भाषण देने पर्वे तो मैं इससे बचना नहीं चाहता। किन्तु चय-कभी मुद्धे चान्तिका एक सम मिकता है, में क्यातार अपने मनमें बोचता रहता हूँ कि क्या कोगोंको तमशाने-बुधानेके किए मरा यहीं बना एड़ना ठीक होमा।

महा-क्यी जापकी समा हो जुझे जासा है कि आप स्तर्में भी जार्स्ट्रांप मीर जन्म मान्क-मारतीयोंको बुकानेमें सफल होने। मुझे बाधा है बाप बुजराती और मंग्रेबीकी करारों कोहानिसबर्य भी भेज रहे होंने । वहांके कीवोंको निरासास बचानेके पहेस्पत पहरी साववानीके क्यमें मै बापसे प्राप्त कतरमें उन्हें मेवता जाता है।

में बापका ठाउँका उत्तर तुरस्त न वूँ तो बाप दसका कोई समाक न करें। जार मुझरे जितनी पत्त्वी उत्तरकी जाका करते हैं उतनी सस्यी उत्तर न निके तो कृपका समझ कें कि मेरे उत्तर न देनेका पर्याप्त कारण है। बवाहरणके किए, जापने मुझसे पूजा है कि क्या कोई जावा है। मैं इसका उत्तर देनेमें विकास कर रहा है क्योंकि में साँदे कू के बुध्यमेकी प्रतीक्षा कर पढ़ा हूँ। तब मैं बाएको कुछ निरिन्त क्यारे नता सकूँगा कि कोई क्षाचा है या नहीं। इस समय तो शसे कहना जातिए कि कोई बाता नहीं है।

टाइप की हुई जंबेजी इफ्लरी प्रक्तिकी फोटी-नक्क (एस एम ५ ४९) छे।

ह्रवयसे जापका

# २४५ शिष्टमण्डलको यात्रा [-१०]

[सितम्बर ३ १९ ९ के बाद]

सभी समानेत्री जावर नहीं है सकता यह किलाते-किबाते में यक गमा हूँ। मेकिन फिर भी यहाँ निवान पहता है। मैं यह भी जानता हूँ कि वो पूरे सत्यापही है वे तो एसी जावर पहरूर उक्तायेंगे नहीं वसीकि स्थानिक होने-व्होंगेसे उनका कोई सम्बन्ध नहीं

एहा है। वे दो विजयी है ही।

फिर मी एवं बार तो कुछ ज्यादा बचरें वे सकता हूँ। एसी बचर मिली है कि जनरक स्पर्टत कानूसको रह कर देंचे । किन्तु जहाँतक निर्मित्र कोर्गोका स्वयंत है स्मर्स उन्हें रियायक ते तीरर एक निरिच्य क्यानें स्थापी निवायक राज्यों केंगे। उनकी बही विश्व के स्थापी निवायक राज्यों केंगे। उनकी बही किंदित हो हो हो हो हो है कि में स्थापत करा के ने बात (रिवार है) आरपीयों केंगे। केंकिन मूने हक्षों कोई लाम रिवार नहीं देवा। "पर क्या" के बचाय "एक्डीक म्या कहा बायेमा किन्तु मरा को सही हो हो स्थापत की हिंदी हो हो मित्र में बहु बार कि का क्या है हिंदी में पढ़ का है सह बार की कहा सामित्र केंगे। हमें विश्व करा कि हम सामित्र की हम सामित्र की हम सामित्र की हम सामित्र की सामित्र की हम सामित्र की सामित्र की हम सामित्र की हम सामित्र की सामित्र क

पाठक रेगाउँ होंगे कि दश धिप्टशम्बानका साधा काम पहेंचे पीछे हुआ है। दिर भी उनको यह ममस लेना नाहिए कि बोन्द्रम करना उनित्र है उसमें कोई कभी नहीं पहोंगे। विदेश नरकारों काम करना हमधा नाम है। बनान यह काम दो पहा है उसके यह (द्वार्ग देश) कमने निए दुस्सा नाम नहीं है। दूससा कोई नाम नरत नस्त्र हो सुक्षो

संबंधित वरसा पश्चिमा।

यम विटिश नरनार इतरार कर देवी तब इमें सार्वयनिक कार्रवाई करती पहती। बातचीनमें माठ इस्ते निरुक्त गये हैं। यस यी द्वारा बक्त सम्बाध उनके बाद यकरता पहनेपर सार्वजितिक कार्रवाई की वासेगी। इसमें करत करता है। जितना समाज वा उससे त्यारा वन्त्र रूप वासेगा लेकिन इससे छूटकारा भी विधाई नहीं देता। इसके अस्त्राम वन विदिस्त सरकार इनके सहायता वनेका अर्थक, करनेके बाद वपने हाय सोटे होगी राम महौका कमा बहुत मुस्किक हो वासेगा। कहाई उस देव की तरिक हिन हो वासेगी। उसे सहस कर कैनेयर ही इम समें निर्देश में बात्र महम्मसन्त्रे हायीका नाम विधार है. मार समेंगे

में पर्योनमां देवता हूँ त्यों-त्यों मुखे बगता है कि वित शिष्टमध्यक या प्रार्थनापव सारिटे पीछे सच्या वक न हो तो वे सब निकम्में हैं। कोमीछ मेंट करनेकी बपेता बेन्में राजा ज्यादा कच्छा है यह बन्नमा हो रहा है। भौपाता के बात है

मिथी और गन्नेका स्वाद क्षोड़कर तु कड़वा नीम भुत कोड़ सुरक्ष और बल्लामाका अकाब कोडकर तु जनको शीनि सन कोड़।

यह मन्द्र नार्ध कह वह है है कि प्रमु-अन्तिमें — बुवाकी बन्दमीसें — नियक्ष नन सैन हो गाग है उपको हुन्छैं भीने मैगके एकती तरह क़म्मी भीर बुन्नुके प्रकारको तरह निर्मेख कमती है। उसी प्रकार नियक्ष क्यांत हूं — जाराव्यक — का प्रत्योग किया है और निवार उपका राम्या पेन क्या है, उपको विकार क्यांत हो। उसी प्रकार किया है। उसी सिन्दार उपका राम्या हो। वाहिए के वह नाथ बेकना पुढ़ कोड़कर सिन्दारकों स्थी गरें। यह में पहले हैं। वाहिए नार्य है। वह सिन्दार्थ के नार्थ के प्रवार के स्थार पर प्रकार के स्थार पर प्रकार है। कार्योग सम्मीकी जातित कुछ हर तक एकता है। वह बरे बहुत्वे मार्थार्थ का मार्थ किया है। कार्योग स्थार के स्थार है। कार्योग स्थार कार कार्योग स्थार के स्थार है। कार्योग स्थार कार कार्य कार्योग स्थार कार कार्योग स्थार कार्य कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्य कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्य कार्योग स्थार कार्य कार्योग स्थार कार्य कार्योग स्थार कार्य कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्योग स्थार कार्य क

मेरे विचार ता ऐसे हैं फिर भी मेरे ननमें यह कराल बाता है कि यदि धमारीता न हो तो हम माध्य बार्वे और वहाँ बो-टुक करना उचित है यह करें दिर रेक्केड कीर बार्वे और यहाँ थो-चुक विशेष करने योज हो उनको निक्रणकर दाल्यवाक कीर बार्वे । इस वस्त तो में केवल खेकिक्किकेन स्थापन हैं। बार्यों को यही ग्राही कहा चा एकता कि स्वातीता होगा था नहीं। जिर मो में विचार समावको माजून हो बार्वे तो सक्का है ऐसा खाम करके हमको यहाँ वे एका हैं।

ऐसा विकाई देता है कि भी पोक्क बानईमें बहुत बड़ा काम कर रहे है। वे बहुतते बोनोंसे मिक्के हैं और स्थाने जनको सह्यस्ताका बनन दिया है। वे बम्बकि प्रेसीनेमा ससी-सिएसन और बेबूमन इस्कामको बैठकोंसे हो बाने हैं। बम्बक्ति क्वापति भी नहाँगीर सेटिटने

#### र कुड पॅनिक्सी वस महत्र हैं

बान्यर सेन्यनियों स्वार प्रतीने कहती बीन्यकों तीन माँ है। सहन चन्द्रमुं तेन समीत मानीन संबद्धे और भोड़ माँ है। १. सिहर "किन्यन्वन्यों नामा [र]" का २००।

उनको अपने यहाँ छहराया है। वे उनकी जुब जाधिर कर ऐहे हैं। और उन्होंने अपने कर्षि पुरितका क्यानेका बचन दिया है। इसी प्रकार बेनुमन इस्कामने भी पोक्कका भाषण बंग्रेजी और दर्षमें क्याकर प्रवासित करनेका बचन दिया है।

एक तारसे माकूम हुना है कि बस्माफ पोरिफने पहाडी वारीक्षको एक बड़ी सभा बुनाई मी किन्तु समाई चरकारने बोरिफको वह समा न करनेकी सम्यापमूर्ण नाता दो। सन किर तार नाया है कि बमाई सरकारने नापनी मूक्यर जोव प्रकट करके सभा करनेकी स्वीहित दे वो है। यह समा ११ सितम्बरफो होगी। 'हस पनके क्रयने तक तो समाकी सन्दर सिक भी बातेगी। स्वतिमय मुझे मूसता नहीं कि बमा किन्तु। समा न करनेका कारम सरकारने यह बताया या कि नुकि बसिन नाफिकी संव (मूनियन) तो तन चुका है स्वतिस्व सेरेस केरे सरकारी मिकनारिको [मिपीय न्यायत करनेके किए] समा न बुकानी चाहिए। इसमें तो हुनसी मूक है। एक तो बहु कि संवक्ष यान दूसता कर कार्यका कार्यका कोई सन्तरूप नहीं है। हुनसे यह है कि मिद्दे बीरिफ समा करे तो तससे समाम स्वास्त्र मान क्षेमा नहीं माना नामेगा। सेरिफ समा बुकाता है तो केरक कोमोंकी मर्वसि। वह कसमें नाम भी नहीं केता।

स्मद्द धाइन रवाना होमेरी पहंछ उपस्टरते यह कहते पन्ने कि चारतीमीकि किए सन्तीयप्रव समझेता हो बानेगा। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि बहुत-से मारतीय अवते-कड़ते परतिहम्मत हो चुके हैं जीर संबर्धने प्रक्रिक हुन ही सरवान कोप रहा नमे हैं। इस बाबरते मानूम होता है कि भारतीनकि मिल्य को जून से उनकी चून सात्वमीत हुई है। किस्सु उन महानुनावका स्टारा जैवा में अगर बता चुका है हमारे साब सजूरा समझेता करनेका है।

्रेत हैं भारतीय समानका ब्यान उनके एक हैं। बारवार्थ को सांतर करता है। वे कहते हैं कि 'बहुत-से मारतीय तो (संबर्षि) यक वर्ष हैं।" इसमें यब बा बाता है। इसमें बाता वा सफता है कि स्वती नेर क्यों क्यों की बीर क्यों करा पढ़ी हैं। समझेता होना या न होना हमारी समित्रपर निर्देश हैं।

[नुवरातीसे]

इंडियन ओपिनियन २-१०--१९ ९

[सिक्स्बर ४ १९ ९ से पूर्व]

#### भेटासका शिष्टमण्डस

रिएटमण्डलने कर्नल सीकी और लॉर्ड मॉलेंड सेंट की है। बोनों अभिकारियोंने बहुव सहानुमूर्ति प्रकट की है। किन्तु कर्नल सीकीने कहा कि कुछ होना सम्मन नहीं है। किर्ने मॉले कहा कि सह उपनिश्वेष कार्यालको हावगें है उनके अक्टियारियों बाद नहीं है। किर भी वे तितानी हो सकती है उननी कहायता करते रहे हैं और करते रहेंगे। उन्होंने विध्वस्थकको याद विकास कि वे स्वपाधित उननिश्वेषके साल-कार्यमें हस्तकेव नहीं कर सकते। पिट्ट मम्बक्त बनुरोक्पर कर्नल मीकीने किवित उत्तर देना स्वीकार किया है। विध्वस्थकको सावेपन-पत्रको नकते नामी जो आ रही हैं। यह यंचरजी वावस्वपित्र मेंट होती रहती है और उनकी सकार भी मिकती एसती है।

#### सम्बंधि रताला

भी भेरीमैन जनरफ स्मद्ध भी भूजर जादि विश्वच वाक्रिको मन्त्री वट सप्ताह गईसि रचाना हो चके हैं।

#### डॉक्टर मर्काह्यसम

डॉक्टर अनुदंद्यान और उनके खाबी वर्धी डाफ-बहानये रवाना होंने त्रियसे यह पत्र जानेया। ये जीम सभी खड़ाई साधी ही रलेंने। उन्होंने त्रथी यह नहीं बठाया है कि उनकी स्वारंका स्वस्य सरवासह हाना वा कोई दुस्सा

#### बी मॉरिस

भी मोरिस भो केपटाडनके उपनिवेश कार्याक्रयमें नौकर ने कुछ काके कोर्यो हारा मेव क्ये हैं यहां आने हैं।

#### चम्पताका शन्माइ

बायुर्ने विमान बागुनेवाने भी क्लेरिस्ट और उत्तरी भूगवक पहुँचनेका दावा करों में बाके को कुकड़ी चर्चामें क्लम पायक हो उठा हैं। सकबारोंने उनके कार्नोका कोय बुद कर रहा है। देवले हैं को पा दसरें पूजारों भी कर्फ को है है। इसमें जम्मीने क्लेन्स व चमत्कारी काम कर किया यह मैं तो रामक गद्दी बकड़ा। बायुर्ने विमान बक्तेंग्रे मानव बारिको नया कार्य होना है यह तो कोई नहीं बताया। कोई पाय कांग्र करहा क्लियतें देता है तो कोन उनके भीके पायककी राष्ट्र मानवें हैं। यूने पो ऐसा बनात है कि यदि बहुत-से विमान मामुनें किरी तो हमारा शीवन कराहा हो बायेमा। भीचे केंब्रें तो देवनादियाँ

१ क्रूर्ड कोरिक्ट (१८०५-१९३६) प्रतिशि वसका। र्शकिक चैनकको शक्तुसन्ति दार करनेपाल बारा सर्वितः बीड़ रही हैं उत्पर टेफिशफ़के तार सटक रहे हैं, और रास्तोंमें साड़ियोंकी भावाब कानोंकी बहुरा किये वे रही है। अब कार्यों विमान चलने सर्गेंगे तब तो कोर्योंको मरा ही समितिए। मैं स्वयं इस वेदाको देखकर पारवान्य सम्मतासे अब गमा हूँ। सहकॉपर जो क्रोग मिस्ने हैं में बाप्रे पागक जैसे विकार्य देते हैं। वे अपना दिन चान-रंगोंने या धेरी कमानेमें विदाव है और उसने बाद रातको बकाबटसे पूर होकर सो जाते हैं। मैं नहीं समप्त सकता कि ऐसी हाक्समें ने ईश्वरका मजन कब कर सकते हैं। बॉक्टर कुछ उत्तरी धूपपर हो भी काये हों हो इससे हाम क्या हका? इससे कीमाके कर्णोंने रत्ती-भरकी कमी नहीं होगी। पार्वास्य सम्मता अभी पूरानी नहीं हुई है। इतने विनोंमें ही उसकी हास्त ऐसी विकार देल क्यी है कि या तो सम्बताके इन सामनींको दूर कर देना चाहिए या सांग पतार्गेकी भौति भर मिटेंथे। इस समय भी यह बेखा जा सकता है कि बारमहत्याओंकी संस्था दिस प्रति-दिन बहुटी का रही है। कोबॉका किसी कास कामसे या पढ़नेके किए धुमीड बाना कुछ कारमाँसे जीवत है। किन्तू सामान्यत मेरा निश्चित विचार है कि इस देशमें भागा भीर रहना विसन्तक ठीक नहीं है। इस सम्बन्धनें समिक विचार फिर करेंगे।

श्रीरीफ राष्ट्रपन

मैं यह जबर दे भूका हूँ कि की कोबेफ रायणन यहाँछ सनिवारको रवाना हो गये है। मुझे ऐसे कशन दिलाई देते हैं कि उनके सामने जैस बानेके सिवा कोई चस्ता नहीं है। मुझे बाधा है कि वे बायेंगे।

[गुजरावीसे] इंडियन मौपितियन २-१०-१९ ९

## २४७ पत्र लॉर्ड क्के निकी सचिवको

[सन्दन] सितम्बर ६ १९ ९

महोदय

कॉर्ड ऍन्टहिकने की हाजी इवीवको जीर मुखे सूचित फिला है कि कॉर्ड कू सीम ही हमें या तो चुद मेंटके किए बुकारेंने या किसी व्यक्तिको नियुक्त करेंने विश्वने हम मिक्र

सकें और द्वान्तवासके भारतीमेंकि प्रदेशपर बातकीय कर सकें।

मैं जानता हूँ कि आँड महोदय बनेक राजकीय कार्योमें बहुत व्यस्त है। तबापि मैं बापको स्मरण दिसाना चाहूँगा कि थी हानी हवीव और मै राजधानीमें बाठ सप्ताहसे कविक समप्त है और जिन कोगोंने हमें यहाँ मेजा है ने हमारे कार्यका परिचाम जाननेके क्षिप हमरर बारी दबाव बाक रहे हैं। मुझे यह उत्केख करनेडी जावस्तकता नहीं है कि हम बानवुसकर नामस्त सार्वजनिक कार्रवास्यों करनेने बचते रहे हैं ताकि वस बातचीतको हानि न पहुँचे को कॉर्ड महोदम संपर्धको समाप्त करलेकी वृध्दिस दासमासके मन्त्रियों साव द्यापूर्वेक वका रहे हैं।

र देखिर "बन्दर" पुत्र ३०६ ।

२. योगीबीबी मिल को बोर्ड डॉस्ट्रिकंड ५ तिलक्ट्रिड पत्रमें वह श्रृक्ता दी कई थी।

١,

नदि नाप इस पत्रको साँवं महोदयके सामने उपस्थित करेंने और हमें सचित करेंपे कि इमारी उपस्कितिको आवस्त्रकता कव पड़ेगी तो मैं और सेरे साबी करूज होने।

> भागका मारि मो० ६० गांदी

क्रकोनियक मॉफिस रेकब्स २९१/१४२ तथा टाइपकी इर्ड बस्तारी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्त (एस एन ५ ५३) से भी।

### २४८ पत्र अमीर असीको

कलर

विवस्तर ६, १९ ९ आपने मेरे पनका चल्तर सरकास दिया इसके किए मैं आपका बहुत आमारी हैं।

मुझे इर्प है कि महाविसव (दिव हाईनेस) आपाश्चाने की आंवकियाका पत्र आपको वेव दिया है।

इस सब आपके भागंदर्शन और परामर्थका काम प्राप्त करमेके किए आपके कीटनेकी प्रतीक्षा करते रहेंगे। मैं जापसे पूर्णतया सहमत हैं कि भारतमें मुस्कमानों और हिन्दुबोंमें बाहे को भी मतलेह हो दक्षिण आफिकी विकायताँके इस मामलेमें कोई मतकेह नहीं ही सकता। वास्तवमें मेरा बीवन यह सिद्ध करनेके किए वर्षित है कि बोलेंकि बीच सहबीप होना भारतीय स्वतन्त्रताकी अनिवार्य धर्त है।

बम्बई सरकारने शरिएको बपनी सार्वजनिक समान्यस्था सचना बापस केनेका को निर्देश दिमा ना उसके किए उसने अब समा-भाजना की है। जब यह समा ११ तारीककी

करनेकी सचना फिर निकाली नहीं है।

टान्सवासके मामलोमें बातचीत प्रयति कर रही है बस्तपि वर्ति मन्द है। न दम सबका अधिवादण।

व्यापका वादि

टाइए की इंड बफ्टरी जंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ५ ५५) से ह

१ एउ पत्ते संदर्भेने व्यक्तिक कार्याक्तकी ८ सिसम्बरकी कार्यवर्धी केल्या का वा "कारिकेस-कर्याकी भी नांची कोर करना सामीते मिक्कर जोर मंत्रि तौरपर भी स्पत्तुको स्वामाँकी आसी क्या देश वासिय ! वहि है असमी सीचेंको कम करनेके किए राजी न हों तो कालर हास्त्रासन्सरकार स्व वर्ष कालुको स्वीतन करदेवे जिस और भी कम तैयार होती । किन्तु वहि प्रायत-मन्त्राव्य एक्करिकी लीकर दर के तो जी गाँपीक क्षत्रक किने दिना ही दुन्त्रत्वक सरकारसर नेता करनेके किन बनान कानना गीरि-क्रकरण होती ।" बाँपीनी जीर हाजी हरीक्यों रह फिछन्मरको खेंचें व से मिक्नेका समय दिया क्या था।

्र वह सम्मर कारक इ. वी शारीबा पती वी । वेकिन "पत्र अनीर कवीनी" इत इच४-०५ । है. साल प्राप्त करतेने केट पण साल कान कर एकते हैं और वर्गे देशा करना भी चाबिए । मैं वहीं सीका

कि का बरेश्यकी पुर्तिक किए सीयानिक स्वयोकती गोवना कालेमें कीई करिनाई डोनी ।

## २४९ पत्र सुशासमाई गांधीको

सन्दम सितमबार ७१९ ९

बादरपीय नुसाहमाई

आपका पत्र गिसा।

पूर्व प्रस् बावसे बहुत सन्तोप है कि वि स्थानलाल परमार्थका वो काम कर रहा है उसमें साप साई न बायिंगे और उसे बाप मुझे ही साँचा हुवा समकते हैं। मरा को परका विश्वास है कि बोनों माई' और उनकी परिनयों फीनिस्समें पूर्व हुए सच्चा जारन कस्याद कर रहे हैं। परिचयको हवा स्कीनिस्समें कम ही है। परिचयकों को बातें प्रहुप करने मोम्म हैं उनको पहुच करनेमें हमें तिनक मी किलक हों होती। उसमे जो-दुस्न बच्धा कम विवक्तिया उसका काम को मारतकों हो सिम्बनेवाला है। मैं तो यह मानता हूँ कि जीनिस्समें को प्रमुत्ति चक रही है वह धर्मको प्रवृत्ति है।

चि+ नारमशासन अच्छा काम शुक्र किया है। ससमें सम मान्साहन और आसीर्वाद

बीजिएमा ।

में बपने काममें भी पुरुषमंत्रा बातीबांव बीर मोरखाइन बाइया हूँ। सम्भव है मेरी मोदी महीत उनकी समामें न साथे। केडिक में बो-कुछ करता हूँ उनमें सेश कोई समार्थ है। में उसे समें मानकर सद्भावते करता हूँ—कई वह विश्वस दो होता ही चाहिए। समार मह विश्वस हो गया हो दो में मामाया हूँ कि मैं उनक ब्राधीबरिक सोस्स हूँ।

समीतक घममोटा गरी हुना है। शावधीत वक एही है। पाननीतिक मामके बहुत निकट होने हैं। तुमे एवा कमा है कि यहाँ कोगोंका धममाने-बुमानसे पेक बाना अधिक मुनम नीर कस्पावकारी है। किर भी स्वनाव यहाँ बना। है। ऐसी ही मुसीबरोंने यह मामूप होता है कि मनीतक मनने पान्नेय फितना जनस है।

मानीको मेरा बण्डवन् कहिए और दूसरे वहाँको शी।

मोहनदासके दण्डबत

मांपीजीके स्वाद्मरीयें मूल गुबरानी प्रति (सी बस्स्यू ४८९४) से । सीवस्य नारजवान सोबी।

र छनस्यकं भीर सम्बन्धान गोर्गा ।

२. नरेरीजेक महीने चौर क्रामचात्र गांधीक बंदि माई ।

रावास्त्रम्य गाँगीकी गांधी ।

### २५० पत्र नारणकास गांबीको

सम्बन

सिवम्बर ७ १९ ९

वि नारवदास

तुन्तारा पत्र पहुन्दर मुझे बहुत प्रवत्ता हुई। तुनने भी बहुँ वैठे घारतीय भारसीं कर्योंमें भाग कैनेका विचार किया इसे मैं पुष्पका काम मानता हूँ। अपने सामियोंको भी मेंचैं मोरसे बचाई के देता।

वह जन्मा किया कि पश्चित साहवों भीर धुक्त साहवर्त भावा किया।

वो पैसा इकट्टा करो उसे तुम टीकों व्यक्तिवाकि इस्टाइसरसे इंडियन बोधितियन में मेब देना। इसके बाहाबा जिन कोनीने पैसा दिया है उन कोबोंको हिलान घेवना। मुस्य मामोंको इंडियन बोधितियन में प्रकाशित करनेकी सुचना थी खननमाईको मास्का मेचना। बत्तर पियात जाइस और कुचक पाइस संबंध तर देकी हुन्मृतिस्कृतक सम कर केया। बिया मण्डा होगा। तम सबको बीचा ठीक करें देवे यह सब कान कर केना।

मोहनदासके बाधीर्वाद

पांचीनीके स्वाक्षरोंनें मूळ पुवराती प्रति (सी कल्पू ४८९५) है। सीमन्य नारककार गांधी

१ मारपरान् यांचीने रशित वाधिकाके क्लाव्यविषेकि किन करा स्वयुः करण सुक किया था । १. मीताराम परिका राज्योतके वैरिकर ।

<sup>ा</sup> ही भी<del>। द्वारण राजकोत्रके देशिकार और गांधीनीके नित्र</del> ।



यदि ने करारनें गौमेके पास पहुँच चार्में तो मैं सकती तराह करपना कर सकता हूँ कि ने हमें बहुत बड़ी हानि पहुँचा सकते हैं। मुझे बाधा है बापका खबाक यह नहीं है कि इस विभिनियमके रह करनेके बारेमें कोई समझौता हो गया है। मेरा इरावा अपने तारसे कोई ऐसा बनाब पैदा करनेका नहीं था। सम्माननाएँ हा कि जनाव्यमक प्रतिरोध बन्द करनेका सीवा किये विना कुछ भी नहीं दिया वायेबा और फिर भी जापके बस्बदके समाचारपर्वीर्वे विमे गये केकॉस यह बागास मिलता है कि जापने अधिनियमकी मंसूबी निविच्य मन भी है। मैं यह जानना चाइता है कि जो सभा अब होगी उसमें आप इस समूचे प्रस्तका विवेचन हीसे करेंगे। मुझे आशा है मेरे पत्रींसे आपको सारी स्थिति स्पष्ट हो गई होयी। महि चनसे स्विति स्पष्ट न हुई हो तो मैं अपने-आपको कभी माछ न कर सकेगा। अभर तीन वर्षे पहले कोई चीज इस प्रकार ससमय प्रकासित हो जाती और वहां बीत नहीं हुई नहीं हमारी चीत बताई चाती तो साथद में अपने बाक नॉच बाकता क्योंकि तब अनाव्यमक प्रतिरोध दी मा नहीं जिसका हम आवार केरो। वर्तमान स्थितिमें में जाएको विस्तास विकास है मैने इस जीजके प्रकासित होनेपर सम्भीरतासे विचार तक नहीं किया है और स मुझे इससे कोई चित्ता हुई है न्योंकि मै जानता है कि हम बिस चीनके किए कह रहे हैं वह चन वनी [हमें प्राप्त होती | तब सत्यायहके कारन ही प्राप्त होती भी इस तारके प्रकासनका प<del>रकेस</del> इसकिए करता है कि जाप प्रविष्यमें साववान रहें और यह जान कें कि इमारे मिव (आप बानते हैं मेरा शास्त्रमें किनसे है) क्या कह यह है।

सार्वजितिक समाको रोक्कर बन्बई सरकारने कैसी मूर्वतालुक्त जुल को है। यह बटना कैसे और नर्नो बटिट हुई, इस सरकलमें में किस्तुत वर्षत्रको प्रतीसा कर पूरा हूँ। यह वर्ने दुवाकी बात है कि सर फीरोजसाह अब भी बारकी प्रवस्ति वाचा बाज रहे हैं। किर भी मैं इस बातकी पूरी आशा कर रहा है कि आप बम्बईके कामकी समान्तिके साम-साम **एको रास्तेपर के आ**येंगे।

मैं बापसे विकन्नक सहमत हैं कि जो वस्तव्य' मैंने घेषा है वह बस्वर्रके किए विकन्नक काम न देगा। यह काम वे सकता है यह मैंने कभी छोचा थी नहीं। घारतके किए उपये बहुत अभिक मेंचे हुए और विस्तृत क्स्टान्सकी आवस्त्रकता है।

मदि बाप भी पेटिट और बुधरे लोगोंको बोनों शिष्टमध्यकाँका व्यम देनेके किए खनी कर सकें तो वह एक बड़ा काम होगा और इससे वह कठिनाई अपने-आप पूर हो बानेनी निसे दूर करनेका प्रवत्न तम बत १२ महीनेसे कर छो है।

बढ़ पत्र किसानोंके समय तक साँवें करने घेंटके निम्म कोई तारीबा नहीं मेनी है।

मैं नहीं जानदा कि इस बेरका क्या वर्ष है।

१ पर- १ जीने पुक्रियारिक डेंक्स इच व कॉकोलीज़के नेवड। शस्त्र वच्द इतिवन कॉरिनियमें

क्रमहरूमे यह द्वतिन्द्रा क्रिय वर दिना मा ।

र, वहीं पूर्णी कारत करनार गया है। ने बन्द अनुसारते हरे किने गरे हैं। । भारतिक सन्द सिंदे हर है।

४ रोजको माने ११ जनको पाने किया ना "मैं सर्वमीक कमान और देखा हुँ, वर कर कीरीक बाद नेक्का राजक का रो हैं। वे देशी करानेक सिंग कुछ नहीं करते।"

भीतः "शालपानातो भारतीयीक सम्बोध्य निराण " एड २८०-३ ।

भी मोखकेके स्वास्थ्यके समाचारसे मुझे बहुत दुश्व हुआ है। उनको क्या तकलीफ है? उनका डॉस्टर निरास हो यमा है अथना उसका अभिप्राय यह है कि वे जसनाय-परिवर्तनके सिए कहीं चके जायें ?<sup>6</sup>

में यह जानना चाहता हैं कि वहें पायधाहके सम्बन्धों जाएका खपाछ क्या है और यह बड़े पारबाहकी बात है या छोटेकी । योगों प्रतिवाधाली व्यक्ति है किन्तु में सवासे सुनता जाया हूँ कि वह पादबाह सामुचरित पुरुष हैं। कोट पावधाहको में सच्छी वरह जानवा है। वे मेरे साम पढ़ते थे। वे इस समासको पसन्द गहीं करते या यह कहना न्यादा ठीक होना कि में जब बन्बईमें वा तब कराई पशस्त्र मुझे करते ने कि मारतीम विवेडोंमें जार्ने और वे "कहर वे हमारे [श्रीवर्ष] में विस्तवस्थी सेमेंडे किए "।

बॉक्टरीकी बहिएक परीक्षा देनेके पक्षमें बॉक्टरीके कीन-से विद्यार्थी है ? इसमें मुझे कुछ विक्रवस्पी है, क्वोंकि यहाँ मुख्छे बढ़ा थया है कि बीवोंको मध्य किये बिना बॉक्टरीका कम्पवन जिल्लुक असम्मव है। भी भूकने मुझे बताया है कि उन्होंने अपने बम्पयन-काकर्मे कमछे-कम ५ मेंडक अवस्य मारे होते। वे कहते हैं कि इसके विशा अधीर-विशानकी परीक्षा सम्बद्ध नहीं है। ऐसी बात है तो बिदि मुझे चुद पढ़नी हो | मैं बॉक्टरी दिस्कुल पड़ना म भाइँगा। मैं म दो मॅबकको मारमा भाइँगा और म बास बीरसे वीरफाइके सिए मारे समे मेंडकको चीरफाडके काममें काला बाहुँगा।

मुझे काणा है आपने वहाँके निवाँको स्पष्ट बता दिया होना कि हमने बपने प्रचारको मदि दान्यवास-सन्वन्त्री वो भौतों तक ही सीमित एका है दो उसका यह अर्थ नहीं है कि व्यवसर जानेपर हम वस्य बावके सिग्र नहीं करेंगे। इस समय केवक दो बाटोंकी विशेष रूपसे चर्चा की या रही है तो उसका कारण यह है कि बनाव्ययक प्रतिरोजका प्रवान केवल उन्हींके फिर किया गया है और इस्रिक्ट सबसे अधिक ध्यान उन्होंपर दिया जाता है और दिया बाता भी बाहिए। में इस प्रकारत उस्केस इस्रिक्ट कर पहा हूँ कि इसके सम्बन्धमें बॉर्ड मॉर्क भीर कॉर्ड कू से बावबीत हो बुकी है। कॉर्ड कू ने पूका वा कि इससे बातकि मामसेमें हम तथा करना चाहते हैं। मैने उनसे कहा वा कि हम ट्रान्सवाकमें जमीपन सुवार करानेके घढ़ेम्बचे कार्य करेंगे। और मैने यह संकेत भी दिया वा कि मुकारोंके सम्बन्धमें भी अनाकामक प्रतियोगका क्रामम किया या सकता है। सर प्रभारती यह वस्तक्य वेलेपर बहुत जोर वेते हैं न्योंकि उनका स्वयास है कि अन्यया बहुकि क्षोब क्षायद प्रविप्यमें काम न करें और सोवें कि छन्होंने वर्तमान समस्याको सुकक्षानेमें हुमारी सहायसा करके अपने कर्तव्यका पासन कर विद्या है।

में देखता हैं जापने अपने पत्रमें कहा है कि संच विवेयकके [पास होनेसे ] हमारी स्थिति हो जाती है। धेकिन येरा जगाब ऐसा नहीं है, स्मीति सुद संद प्रश्न ज्यादा

र पीकाने किया था जी बीक्को जापकित बामक महाते हो था हो हैं। बनते बॉक्टर बनकी दासहते पक्त निराम है।"

र भौर १ वर्षे दुवने 🚁 कच्य गल्य है।

४ वहीं नुक्ती " बारते " सब्द है ।

भ्यास्त्री कुन कर पास्त्र है। पीलको सिका वा "तंत्रकानुनक पास है। वानेते लारका काम बद्धा क्रीन हो गया है। वह वालके कह पक्ष क्रम और क्रम हो गया है।

सम्पूर्ण वांची पाससन

378

(मृतियनके) बारेमें हमने कभी कोई बात नहीं [उठाई]। बस्तुतः अड्डीतक समझौतेकी नातचीतका सम्बन्ध है संघ [बनानेका कानृत पास होने] के बाद जो काम हवा है नह

पहरेकी वयेद्धा अधिक ठोस है। बम्बद्देक रूपमें आपने मारतकी को शांकी वैज्ञी 🖔 उत्पन्न आपने बहुत प्रसन्तता

स्पन्त की है। मुझे आपकी यह प्रयत्नता कम करनेकी जकरत नहीं माकुम होती. फिर मी सागर मैं कम कर है। मैं समझता है जाप इस बातको जानते हैं कि जाप पाइचारप रंग्यें

रने मारतको देव रहे हैं बारतिक मारतको नहीं जिले मुझे बाहा है बाप बहा रहते देव सकते हैं परन्तु आप देवींगे इसमें मुझे सन्देह है। मैं पिछनी रात एडवर्ड कारनेंटरको एक बहुठ ही बानवर्षक रचना --- सिविधियोचन बहुत कींग्र रेंड स्थीर --- पड़ रहा वा। मैंने पहुना माग समाप्य कर सिना। परन्तु उसे पहुने-कुछे मेरे मनमें बाया कि मैंने वो केटावनी बी है, वह दे दें। सन्दर्शको हम जिस क्यमें जानते हैं ससका विवत्नेवग उन्होंने बहुत

मच्चा किया है। यक्षपि चन्होंने सम्पताकी बहुत कड़ी निन्दा की है तकापि मेरी सम्मर्तिमें वह पूर्णक्मके जपमुक्त है। उन्होंने को उपाय सुप्ताया है वह अच्छा है परन्तु मै देवता है

नह प्राच्चाय जानूना है। उन्हान को उपाय जुलाया हूं नह नक्का है परिद्व में स्वता है। यह त्यानिकिक है क्योंकि के अपने दर्कत जावारिके बारेमें निरिच्छ नहीं हैं। मेरी सम्मतियों कोई भी मृत्यूय व्यवस्त वारतके हृदयका समारकार म कर के तबतक भविष्यका ठीक बनुमान महीं दे सकता और न कोई विचित्र उपाय बठा सकता है। अब बापने बान किया है कि मेरे विचार मुखे किय विधान किये वा रहे हैं। मदि बापने यह पुस्तक नहीं पत्नी है और गरि वह आपकी बाकमारीमें नहीं है तो यह

वापको फ्रीनिक्समें मिस बाबेची। मुखे बोहानिसबर्मेश्व निम्म तार निका है।

नविस्देशने नरनॉनको जराजनसे वह बहुनेपर अस्कारा कि एमियाइबॉको देशसे

खदेड देना गोरीका कर्तव्य है। लीबर स्टार में कडी बालोचना।

ह्रवद्धे बाएका

टाइए की इहें बरतरी अंग्रेकी प्रतिकी फीटी-नकक (एस एम ५ ५६) से ।

## २५३ पत्र साँड ऐम्टहिसको

[सन्दर्ग] शिवस्थर ९ १९०९

लॉर्ड महोरम

चींमानके मुसाबपर' मैंने कोई मॉर्निके सुनिवको पत्र' सिगा था। उनके उत्तरकी प्रतिसिधि संकल है।

हैने लोडे कु को यानवारका पत्र किया या। अभी कोई जवाब नहीं पिछा है। सनको कियो पत्रवी प्रतिसिधि भी साथ मेन पहा हैं।

भारका आदि

टाइन की हुई दलनधी अंबेजी प्रति (एन एन ५०५८) वें।

## २५४ पत्र मणिलाल गोधीको

[सम्बन] सिनम्बर ९८१ ०९

থিত মাছিদান

तुम्हारा पत्र मिला। सी केननवैष्टन सब किया हमने मूरी हुन्य हुआ है। मेरिन मैं सतना हूँ कि उन्हें गोफा नहीं जा नकता। वह ज्यादा बच्चा है कि वे पूर्वे तो उन्हें अपनी आवस्त्राम न बनाई जाये।

मुते पुत्र है कि कि हरिमान' तुन्हारे पानं नहीं है। मैरिन पानता है कि फिसहान

उपरा रर्गम रामाशनमें ही खनेश है।

नुप्रागी पार्श्वा काई शमाचार नहीं मिना। अगर सी वॉडिनवा घोड़े हो समे हैं हो मुग्ने दिवसन् है तुम दनके वर बाते होने और उनकी देशभान वरते होने।

मार्द्रियोगनप्रायने पत्र मही भना यह भूत वी है।

मोहनदासके आधोर्वाद

र भी है प्रियम्ब्रिक जाने वृक्तिवादि कार्य ग्येन्टीको स्थान वार ग्येन्टा क्यें हैं प्रियम क्यें कार्य करें के कार्या कर्याण्क स्थान स्थी में हैं वैदिस करों का सम्योदिककारी होती ही कर्यहर स्थित सर्च कर दें दि भाग भागी वीतियों दो स्थार क्येंग्रेड क्यि आगा कार्या करते हैं। किए का तिस्मार्य कर दें।

३. च स मान भी है।

ह कर यर राज्यान क्षेत्रस्य व श्रिक्तमायों अन्य बार यह देखिन, मायव नोर्टे के हैं किये। हरिनयों मा १ देखें । ४ राजियन मोदी का व्यक्तियों केन बाउनेये बार व माममानो रिशा विने ये नो दे नोई कार्य कर अस्तिमान्या

रेपरे वर्षत्र परे को है। वर्षित्रण वार्ष शेष्ट वे १ हे कर वे प्राप्त दी कालीकार्य समस्यो रूपालक वाक् म रे वे । रविद स्वयुर्ध विशेष सम्बोध संयोग स्वयुक्त देश वर्षित्र में विशेष वर्षेत्र समस्यो रूपालक वाक्र सम्पूर्ण गांची बाङ्ग्य

१९४ [पुनस्य:]

भासा है, तुम देवीनहर्ग और शीमती भागवेकको देवने भी सक्तर वाठे रहते होने। पांधीओं के स्वास्तरों मूख यूजराती प्रति (थी कस्त्यू ८८) थे। सीक्ष्य सुर्धीकावेन गांधी।

२५५ पत्र सोंडं कृके निजी सचिवको

[कन्दन] वितम्बर १ १९०९

महोदय

नीचे दिवा गया तार चौहानिसवर्गसे यिका है

मजिस्हेडने वरनीनको अवास्त्रामें यह श्रद्धनपर फावकारा कि पृश्चिमाइपीको वेससे स्वदेड वेना पोर्टीका क्टॉब्प है। जीवर स्वार में कड़ी आसोचना।

सी बरतीन जिनका वारमें बस्तेच हैं मुर्गीस्टेडेंट बरतीन हैं। उनको में सच्छी वर्ष् भानता हूँ। चन्होंने सेथी रायमें बोद्यानिधवर्षमें बनाकायक प्रतियोधिकोंको बद्यान करू दिया है। बनस्य ही एक्ट बाव कहनेका बनका बंग ऐसा चन्ताप्यकक रहा होगा कि उत्पर मार्वस्ट्रेटको उन्हें कटकार देनी पड़ी और द्वारचनाक खीवर तथा बोहानिधवर्ग स्टार को उनकी कनी बाबीचना करनी पड़ी।

मेरे देखवाहियों हो ट्रान्डवालमें श्लेण्यापूर्वक स्थीकार किये करट-सहनमें स्थान्या वर्षास्त्र करना पढ़ता है इस तारके बक्का संकेत मात्र मित्रता है। बेकिन मेरे साथीके किए बीर मेरे किए सिकारत करनेका कीई कारण नहीं हो सकता। साथ ही हम सनुपत्र करते हैं कि हमें इस तारकी सोर कोई कुवा ज्यान मार्कित करना हो चाहिए। मेरे हम सामका कि सोई कुने लगरफ स्पर्यका यह बस्त्रमा देखा है या नहीं यो उन्होंने सित्रम साम्क्रिकों किए सहायमें बैठनेते पहले एयटरका दिया था। यसमें कर्योंने निग्न वार्त कही थी

कुल्सवारुके जारतीयोंका बड़ा बहुमत वपने कुछ उच प्रतिनिधियों हारा सवासित साम्बोक्तनो बेहर कब बचा है और सास्तिपूर्वक कानुवके सबीन हो यदा है।

हमने इसको बात कहनेका गुरूर कंग मात्र मात्रा है और समापारमोंने उसका स्वार नहीं दिया है साध्य करणा स्वरूस वपने क्लफी किसी आगतिक निता प्राट्योगोंकी प्रार्थमाको स्वीकार कर सके। किस्तु मित्र वजका अविस्थान ने वो उन्होंने रामराने प्रतिनिधिको कामा वा तो क्या मैं यह कह सुर

१ द दन नेराकी नदन कुमारी नदा केराका म

र र रथ देखकी स्था

किपरीत बात निज होती है और यह भी कि विटिश मारतीयोके विरोधका वन वसीतक कम नहीं हमा है।

जापरा भारि मो० क• गांपी

कतानियम सोरियन रेकर्डम २९१/१४२ और टाल्प की हुई रक्परी संपेत्री प्रति (गम- एन ५ ६०) छ।

# २५६ पत्र लॉड मॉलेंके निजी संचिवकी

[सन्दर्ग] शिक्रमदर्शः १९०९

मार्गेत्य

बारका ८ मारीलका पत्र मिला। ये जोई थॉलेंकी जाररायिके लिए लोई कू वे निजी संविद्यों नित्र बासे पत्रकी प्रतिनिधि दलके शायमें मेव पहा हूँ वे

द्राहर की हु<sup>4</sup> कराये अंग्री प्रति (एस एस ५ ५९) में।

## २५७ पत्र लॉड ऍस्टहिसको

(सन्दर्ग )

बाएका विश्वस्त

शिवासर १ १९ ९

नोर्दे यहोध्य

कन एन जोहातिनवर्षने निम्न नार बाया था

नांबादेश्ये वार्तानको ज्ञहानको ग्रह कहनवर करकारा दि एशियादयाँको देशने

महेरू देना मोर्रोका कर्णमा है। लीवर शहर में कड़ी सानोचना।

यो वरती जिल्ला हाल्ये उन्नेग है पुर्तानेवेंट वरतीन है। उन्हें में बनन लची तर्मा है। उन्हेंने बनायनक मोजांबंद टीयल विदिश्य सान्तीयोक वर्षाय वर्ष्य दिया है। में मानता हैं कि तर्बार्य व्यादक्तियोंके पानी विजयों पूर है जनता है प्राय उन्हें उनमें बॉयक तुन देना जा। नैर्पिय वर्ष्य है कि वह भी उन्हें निध्यायोक्ति दिवाद रोगेकी बनाव जन्मे बाहारों उन्हें नहीं दे नक्षा। इस नावनेते सवस्य ही मनतानी देना होते स्वतिन्ह राज्याय सीक्ष्य और मोहानिस्पर्य दार को बड़ी मानोवना वरणी परी। में नारणी मन्य उन्होंक्यान्तिस्पर्य अब एन हैं।

१ देशक विकास प्रतिह । २. देशिक समार नहीं के के मिनो नविन्होंस पुर १९८ र सम्पूर्ण यांची वास्त्रव

154

[पुनदचः]

बांसा है, तुम देवीबहर्ग और सीमती पायवेबको देखने भी समस्य पाने सूछे होगे। गांधीबीके स्वासरोंमें मूक गुबराती प्रति (वी कल्पू ८८) से। सीवन्य सुधीबावेग गांधी।

२५५ पत्र लॉर्डफूके निजी सचिवको

[समा] विदम्बर १ १९९

महोदय

भीचे दिया नगा धार जीक्नानिसन्वयेसे मिला है

समिस्ट्रेडमे धरमाँगको अवाकतमें यह बहानेपर फटकारा कि एक्रियाइसोंको देस्ते बहेड देना पोरोंका कर्मका है। कीवर स्वार में कही बस्कोचना।

भी बरमॉन जिनका तारमें बस्भेस है युर्पीटिवेंट बरमोन हैं। उनको में बच्छी तप्त बानता हूँ। उन्होंने मेरी एवमें कोहानिश्वर्षमें बनाकायक प्रतिदोधियोंको बशीम रूप्ट दिया है। बस्था ही उन्हा बात कहनेका शनका वंग ऐशा रुप्यायनक पहा होगा कि उत्पर मसिद्देशको उन्हों उठकार हैगी पड़ी और ट्राम्यवाक बीवर तथा बोहानिश्वर्य स्टार को उनकी कही बाकोपना करणी पड़ी।

मेरे देशवाधियों को ट्राम्बनाकमें श्लेणकापूर्णक स्थीकार किये कब्द-सङ्गर्में क्या-स्वा वर्षाक्ष करना पढ़ता है इस तारके खबका संकेत मान निकता है। केकिन मेरे सानीके किए बीर मेरे किया सिकायत करनेका कोई कारण नहीं हो सकता। सान ही हुन बनुमन करते हैं कि हमें दूस तारकी कोर लॉर्क कुका स्थान वार्कीयत करना हो नहींहा में सही बानता कि कोर्स कुमे कनत्क स्मद्दक्षा वह कनतम्म बेका है या नहीं को सन्दीने सिकाय बाधिकाके किए बहुत्वनों बैठनेसे पहले समस्यकों विया था। स्वसें सन्दीनी निम्म बार्स कही नी

दुम्लबालके भारतीयोंका बढ़ा बहुनत बपने कुछ जब प्रतिनिक्यों द्वारा संचाछित बाल्योकनरे बेहद अब यया है और बालियुर्वक कलूनके बचीन हो यया है।

हमने इपको बात कहनेका मुम्बर वंब भाव माना है बीर समावारमॉर्से उसका उत्तर नहीं दिया है, ताकि वक्तक स्वस्थ करने बक्की किसी कारिके दिना प्रात्तीमंकी सार्वकाको स्कित कर वंबे। किन्तु मेरि कलका बित्रमा बढ़ी है को कहाँने स्वस्ति स्वरूप प्रतिनिधिको बताया वा तो क्या मैं बहु वह सकता हूँ कि द्वान्यकाको प्राप्त कुबनाते सके

१ र वन देखनी बहुव कुमारी बाग वेसन्ता नास्तीन नाम ।

क. इक एक देखकी सार I

विपरीत बात सिद्ध होती है और यह भी कि विशिध भारतीयोंके विरोधका वस समीतक कम नहीं हवा है।

नापना नारि मो० ४० गांधी

कसोनियन कॉफिन रेकडल २९१/१४२ और टाप्प की हुई दस्तरी अंग्रेनी प्रति (एस एन ५६) है।

## २५६ पत्र लॉड मॉलॅंके निजी सचिवको

[सन्दन] सितम्बर १०१९ ९

भरोत्य

आएका ८ टाएीएका पत्र मिला। में कोई मॉर्नेकी जानकारीके किए लॉर्ड कू के निजी स्वितको नित्य अपने पत्रकी प्रतिनित्ति इनके शायमें मेत्र प्हा हैं।

दाहर की है करानी मंत्रजी मंत्रि (एम. गुल. ५०५९) में ।

### २५७ पत्र साँड ऍम्टहिलको

[सन्द]

आपका विश्वस्त्रः

विजन्मर १ १९९

नाँहे बहोरव

भन धन बोर्गिनवर्गने निम्न नार बादा का

मजिर्देश्य बरमाँगणी महासम्बं यह कत्वेवर बरबारा कि एशियादबाँणी देशने

प्रदेषु देश गोरींटा वर्णम्य है। शीवर रटार में वही आलीचना।

भी बरनीन जिन्हा नाम्में उत्तेश है पुतिन्देंट बरनीन है। उन्हें मै बहुन सभी तरह बानना हैं। उन्हें ने बनामानक जीनोपके तीयन विटित्त भागीतिंग समीव नण सिता है। मै बानना हैं कि महिन्दे स्वाध्यक्षितारी स्वाधि तामी तार है। तहा है प्रताप है कि महिन्दे स्वाध्यक्षितारी कार्य कि मिला है प्रताप है कि उन्हें प्रताप के प्रताप है कि उन्हें प्रताप के स्वाधि है कि स्वाधि क्षाय कार्य के महिन्दे नहीं है नहां। इन मानने महिन्दे स्वाधि क्षाय कार्य के महिन्दे नहीं है नहां। इन मानने महिन्दे ही हो मिला हो स्वाधि करता है। प्रताप के स्वाधि करता हो स्वाधि करता हो स्वाधि करता हो स्वधि करता हो स्वधि करता हो स्वधि करता है।

t You from Mic o

e King wer nicht wie find nichtell die biede

व्यापका बादि

टाइप की हुई सप्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नकस्त (एस एन ५ ६२) से।

२५८. सम्बन

[रितम्बर १० १९०९]

### नेटाङका क्षिप्टमण्डङ

नेटाकका विष्टमध्यक बागी बागता विवरण विशिष्ण स्वारोंको येव ही रहा है। वसने एक पत्र अबदारोंको मेवा है। उसकी नकत गीचे किसे बनुसार है। यह पत्र बाव (१ विदायरको) हाइस्स में प्रकाबित हुवा है। विष्टमध्यकने कर्गक सीबीसे किसित उत्तर हैनेकी प्रार्थना की है। एक-यो विनये समर बा बानोकी बाता है।

टाइम्स 'में पन्न इसने नेटाइके डिटिश जारतीयोंके सम्बन्धमें विदिश्य स्वानीको को विवरण

मेना है हम उसकी कोर आपका स्थापन कार्यायन स्थापना रशाया था। विराप मेना है हम उसकी कोर आपका स्थापना कार्यायन करते हैं। हम अमेक क्ट्रोंस पीड़िय हैं। हम इस सब क्ट्रोंसी ओर आपका स्वाम एक

हो बार कार्कारण करें तो हमारी बात व्यक्त कार्यका कार बायका कार्यक कार कार्यक कर तो है। इसकेंद्र इनने उन्हों बारोंको विभा है को अस्तरण महत्त्वपूर्व है। विश्वय कारिकाके उपितिकों मिराक्ती रिकारि विकिट्ट है। यब नेताकामें उपृत्तिका स्वाह उक्तरा हो पदा बा तब नारतीय मनहूरोंको काल वरित्ते कुलान गण्य था। अब नेटाक उपका परिचाम भूनतर्जे हरकार करता है, क्वांत वह बाहता है कि यमिनेयको निर्मितिया मनदूर को लाग गण्य का अब नेटाक उपका परिचाम मुनतर्जे काला है कि यमिनेयको निर्मितिया मनदूर को लाग पहुँचा उन्हें कह के किया कार्य किया करता कार्योगोंको न रक्षा कार्य।

र बोड पॅटरिक्स राजेड करानों ११ कियानके नागे किया ना "में क्यों छोच्या कि महत्त्व केंद्रे बुधे करादें किर काता एक देवारी कोंद्री। नकर में मारद्रा मामक रूप कर किर पुत्र-दें समझा कर हैं हो हुएे कुछ मामके मेर दुखा डोगा। नगर कार ना किया कर नामको बनाइ कर म किये के कियुक्त पुरादेकर दी होगा कि क्यों नाम का विकास नौर नाम हैं जि मारद्रा नाम बहुन बीनहीं है और मार्च दिवान मार्किकाओं मार्च क्योंके किर वेरीन हो घोड़े हैं।

इसके लिए जसने प्रथम को भारतीय भ्यापारियोंको न्यापारिक परवाने (साइ सस्) देना बन्द करके उनको युजारेके सामनोंसे चंचित कर दिया है। यो समिकारी ये परवाने बारी करते है या जिन्हें इनको एक स्वानसे दूसरैयें या एक स्पन्तिके नामसे वसरे स्पन्तिक नाम बदसनेका अधिकार प्राप्त है, ने अधिकारी लपनी मनमानी असा सकते हैं। जनकी इस मनमानीचे बहुत-स मारतीयोंके परवाने छिन गमें हैं। इसके किए सर्वोज्य न्यायास्त्रयमें अपीक्ष करनेका वाधिकार विया जाना चाहिए। इसरे भारतीयोंको उपनिवेशसे बकता करनेके किए पिरमिट ताल होते ही भारतीय गिरमिटियों उनकी किस्तों और बन्बॉपर भारी बापिक कर सवा विया जाता है। हीसरे, मारतीयोंको सदा सजानमें रचनेके किए उनको को बोडेसे विसा-वापन प्राप्त वे वे भी कम कर विये वये हैं।

पसे एक चर्चारवर्ते हमारे कप्टोंका पूरा विवरण कैसे समा सकता है ? विविकारी भारतीय एक कानु आपुष्ठ अधिकके अपने शासकोंको भी नहीं बुता एकते या अपने परिवारको किसी निराधित स्थोको अपने शास नहीं सा सकते। इससे आप क्षेत्रे कि भारतीय समाजवर तीन बोरसे बाक्यक किया गया है। इसकिय हम न्याय प्राप्त करलेके बहेत्वस ब्रिटिश राज्यके इस प्रमान स्थानमें आये हैं। नेटाल स्थतन्त्र सपनिवेश धा या रक्षिण बाक्किकी संघर्ने निस्न जाने किन्तु [जास्तीनोंके] पूराने विकासकी रक्षा करना विदिश शरकारका कर्यम्य है। वह अपने इस कर्यमाको पूरा नहीं करती। नेटाकक कानुनोंने हमाधि राव नहीं की वाठी है इसकिए हमाधी रक्षाका उपाव विटिम सरकारके हावमें है। नेटाकके मानकेमें वो बिटिम सरकारके हावामें प्रमानकारी चपाप है। वह वह है कि नैटाल मारतीय विचिन्दियोंको अपने फायदेक किए बसाता है जनको पहाँ भेजना बन्द कर दिया जाने। ऐसा किया जालेपर नेटाकको इन्ह वीनों प्रकारक करनेत मार्कायांको मुक्त करना ही पदेश । हम आण करते हैं कि इंग्लैंडके सार्वजनिक बराबार हमार्थ सहायतांके सिए

बार्व बार्वेदे और डिटिश सरकारको अपने करान्यका पानन करनेके किए बास्त करेंते।

अब्दस कादिर बामद भागल एष॰ एम॰ वदात एम**ः सी** आंगन्तिया

क्या पे उत्तरी भूष पहुँच गये।

जलरी मुक्की गोत हो नई है या नहीं और ही गई है तो निमने की इस बारेसें बमरिकार की गोरोंनें बच्चों जैनी बहुत वस रही है। इनमें से एकका नाम बॉस्टर देशी है और इसरेका कॉरन्ट कुछ। बीनां स्पतिन नहते हैं कि वे उत्तरी सुवार सबे हो बावे है। बॉरन्ट पेरी वरने हैं कि बॉरन्ट पुरुषी बात बताबड़ी है और बॉस्टर पुरू करने हैं ही बोर र पेर्स नहा हूं कि पार हुए। यह प्राप्त के मार जाएर हुए एटा ह हि बोरार पेरीमी बाद बरुत हैं। इन विवारको केवर काल पायक हो गये हैं। अगबार इसी दिवारी करें रही हैं। बनवा गांध स्थान यह दिवार और कटबाक-किनेटरी सहरें के केती है। उक्की प्रवृद्ध जिल्लाने दुनियाको नया शाम हुआ यह मेरी समाने बाहरकी बात 15-5

है। फिन्तु में सभी बाते बर्तमान सम्मताकी बहुत बड़ी निशानियों मानी बाती हैं। इनका महत्त करा है, यह तो बाननेवाके जाने। मुझे तो में सभी पायकरनकी निशानिमां दिवाई देती हैं। मत्तम्यको मोम्य काम न मिके सबक्रिय वह अपना वक्त विकेती गुवारे, बौर करके बति बोमके कारण बैसे भी सम्मत हो वन कमानेक सास्य निकासे ऐसी हाकठ में तो कहाँगा इस्तरकारी भी न हो।

#### क्षिपोंके क्षिप् मताधिकारका बान्हीसम करनेवाची महिसापै

मताधिकार प्राप्त करनेके किए बान्योकन करनेवाली कुछ रिजयों सबीर हो उठी हैं। वे बक्र बाती है यह तो बच्छी बात है। वे स्वयं क्या उठायें इतमें ता कोई हुए कह नहीं सकता। किन्तु नताबिकार दूरन्त नहीं निष्टता इसकिए जब ने प्रवानमन्त्री भी एत्तिवपत्ती विद्रकियां ताइनके किए पद्यत हो गई है। वे उनके आध्यममें सक्क वास्ती 🕻 और जनके घरपर माना बोकवी है। ऐसा चीन हिमपोने निया। ये हिनयाँ पक्की वर्षे िंदर भी उनका क्या किया जा सकता का है उनपर मुक्कमा भी नहीं चकाया क्या कह सब बेबंगा है किया होनेके कारण वे अपराज करनेपर भी कुट बादी हैं। अंग्रेस कोय स्थी-जातिका सावर करते हैं, स्थित्य इन कियाँगर कोई हाथ नहीं बठता। में कियाँ इस नातको बानती है इसलिए इसका अनुचित बाय उठाती है। इससे डुक भगाविकार निक्तेवाका नहीं है। सबि बधव स्थियों केवल सत्याप्रहकी विकिस ही करती हों तो वै ामध्याचा पहि है। पात कथन । तथा कथन चाया क्या चायाध्यक्ष । पात्रचे ही केन्द्री ही वी वे स्वस्त बायदान नहीं है। पोत्रियों नि क्यों हैं। यात्रचे ही यात्र नहीं है। पोत्रियों कियाँ हैं। महाविकार प्राप्त करना चाहरी हैं बोरे क्यादा उपके विक्रा है, हरिलए हम बोड़ी-ती क्यारों हिम्सार बार्ग है। वे क्यों हार्ला कियाँ हो क्यादा हमारे हैं। वे क्यों हार्ला स्वयों प्राप्त क्यों हार्ला एका बो खालुमूरि मिल कुछी है एउकों को खालुमूरि मिल कुछी है एउकों को खालुमूरि मिल कुछी है एउकों को स्वर्ण मार्ग हमारे हमा को बना कार कान बनान । तथा करना । तथा तून पह एका कान हा तक दून अपनान करनी दक्कारका त्याल करके कभी नवीर नहीं होता चाहिए। ऐदा करनेका वर्ष होगा साची सबिस पार करने कीट पड़ना। इसकिए हुन्तीके दस उदाहरफो हुने पीरककी विश्वा केनेकी बहुठ चकरत है। हुनमें थें) जो सरवादही नहीं हैं उनके यो बचीर होनकी दात ही नहीं हैं। जो सरवादही हैं सनके किए भी यदि वन्हें सरके बकरर पूरा निस्तास हो यो मैसे स्पापनेका कोई कारण नहीं है। जब जिल्हा जाहिए उलना सस्य-बस्न इस्टटा हो धायेगा तथ बसत्य अपने-काप नष्ट हो जानेगा।

#### गाइ पस्पेस

गाइ एरटेड इंडियन तोधियाओं दिस्ट के पिछले ब्लैडके मुक्कित नाम है। उनकी साय २२ वरमध्ये है। उनका मुक्तिका खत्म हो चुका है। एकार्थि यो दुख कहा ही नहीं बना। पत्रमें हत्वाको सुबी प्रयंता को गईंवी। उनको बारह मायको येक मिली है।

#### [पुष्रपतीते ]

इंडियब श्रीपिनियन ९--१०--१९ ९

## २५९ शिष्टमण्डलकी यात्रा [--११]

[विकम्बर ११ १९ ९ छे पूर्व ]

हम बड़ों के बड़ीके बड़ी हैं - मुझे इस सप्ताइ भी मही कहना पड़ रहा है। सार्व क का निमन्त्रज बसी नहीं बाया है। यह नहीं कहा जा सकता कि आयेगा भी या नहीं और बायेगा हो क्षत्र वायेगा । उनको कागज-पत्र मेने गये हैं। पोहानिसनगरी यह तार मिका है कि सदाकतमें बयान देते हुए पुलिस सुपरिटेंबेंट वरनॉनने कहा कि एथियास्मीको निकाल बाहर करना प्रत्येक बुरोपीयका कर्येच्य है। सबर है कि इसपर न्यायाधीयने कड़ी जानोचना की बीर स्टार द्वा दुम्सवात सीवर ने कड़ी दिप्पनियाँ किसी। इस सम्बन्धमें लॉर्ड क को तुरन्त पत्र सिख दिया गया है। इस प्रकार को-को अन्याय होता है उससे हमको सहायदा निमनेवाकी है। ट्रान्सवाकका सवाक [सामान्य ] सरकारक किए एक बहुत वड़ा सवाक बन यसा है। बब वह यह सोच रही है कि क्या करे। ऐसी स्वितिमें हमारे उसर क्यों-क्यों क्यादा करंद जाते बाते हैं त्याँ-त्याँ [साम्राज्य ] सरकारपर क्यादा बीम पढ़ता जाता है। थी विवतका तार मिला है कि चीनी अब भी निरस्तार किये जा खे हैं जबकि जनरस हमटस कहते हैं कि समझीता हो बानेकी सन्मावना है। भी विवन सवास करते हैं कि यह कैसे हो सकता है। बनरफ स्मद्सके मनमें समझौतेका को रूप है उसके बारेमें मैं यद सप्ताह किस बना है। इसारे किए चलना काफी नहीं है, यह बात स्पष्ट है। इसकिए सभी पकता पकरी वॉ चकरी ही खेगी। यह चकरी है कि मास्त्रीय और चीनी सभी वह खें। सनरस स्मद्स कहते है कि भारतीयाँका बस दृद चुका है और बहुवाँने कानून मान सिमा है। यह भारोप वस्त्य है, यह बताना हमारे अपर है।

सम्बद्धि सार्वजनिक सभा जिस विन यह पत्र बाक्सें बाका बायेगा उस विन होगी।'
यह ठीक हुवा कि बम्बई सरकारने बालिर भाषी और की बीर किर समा करनेकी सबना

निकाकने थी। उसकी सबर को बड़ाँ मिळ ही जायेगी।

भी पोक्ककी चिट्ठींवे मानूम होता है कि दोनों सिप्टनस्थकोंका खर्च बस्वहीवे हेनेकी इक्सन चन रही है। पैतेकी बकरत हमें शके ही न हो किन्तु इस सरहान कालीन

सहानुमृतिकी सुबक है और उसका बस को हुने निश्वम ही बाहिए।

बरणी कहाईके सम्बन्धमें केपके सूत्रपूर्व मत्नी भी शोब खाँकोनकी पत्नी और स्वर्गाय सर बाँग मस्तिनोकी पुत्रीके साम हमारी बहुत बारी हा है है। बसपि से बोनों महिलाएँ सिक्स बारिकाकी है, फिर भी हमते [हमारे संपर्धनें] बहुत से एक्ट्रमुपि रखती है और हमारी सह्यादता करनेकी हिम्मत रखती है। इस सम्बन्धमें में बयादा नहीं क्रिब एक्टा। हुमारी मोस्टेनी सामद क्रमी ही बतिया आधिका यहाँगी।

[ नुनयतीचे ]

इंडियन कोपिनियन ९-१ -१९ ९

र भौगीबीका करारू या कि बह स्था ११ किस्परकी दीरीय देखिए । विवस्तकारी साता [-१] " इ. १८० ।

## २६० पत्र सार्डि ऍम्टहिलको

सम्बन ] सिवागर १३ १९ ९

साँहं महोरप

में भारके इसी ११ तारीसके पत्रके किए आपका अत्यन्त आधारी हैं। यो पत्र' मैने लॉर्स मॉर्चेको भेगा या यह जैसा बापने सुशाया या ठीक वैसा ही या और अब मेरी समझमें आता है कि पायर में अधिक अच्छा पत्र किस सकता था। मुझे यह तय करनेमें स्वरा कटिनाई हुई है कि मैं आपकी की हुई कानकारीके किस मानका उपयोग करूँ। मैं ताँई मॉर्डेको भेदे अपने पहले पककी वर्त्तरी प्रति और जब जो पत्र लिखना ठीक जेंचता है इसके मस्विदेशी नक्क भागको मेथ रहा है।

आँड कु ने खब मुझे बेंटका समय वे दिया है। सन्होंने यही १६ तारीख निरिक्त की है। मेंटका दिन वहीं है को प्रिटोरियामें जनरक स्मटसके पहुँचनेका दिन है। मैं नहीं जानता कि ऐटा संगोपते हो गया है या जान-बुसकर किया यथा है।

आपका आदि

## [स्रह्पम]

सार्व मास्को भेजे गये पत्रका संस्विता

महोदय

बपने इसी छा तारीक्षके पत्रको जिसमें लॉड महोदयसे घेंटका प्रत्याद का इकारा प्रकृपर मुसे भारूम होता है कि मैंने स्थितिको इतना स्पष्ट नहीं किया जिसके खाँड नहोदवसे **बॅटका प्रस्ताव जीवन ठडर सकता।** 

लॉर्ड एम्टड्रिस जिन्होंने दान्सवालके भारतीयोंके कप्टोंमें यहपी दिलवासी भी है और हमें बहुत अधिक चहायदा ही है जैरे सामीको और मुझे सुवित करते है कि जनरह स्मटत कर लीमिन संस्थामें शिक्षित और नसंस्कृत भारतीयोंके अधिवासके स्वायी प्रवाधपत्र देनेके किए हा दैयार हैं लेकिन सीमित सस्यामें ही नयों न ही ने इन भारतीयोके ट्रान्सवासमें प्रवासक अधिकारको मान्य नहीं करेंगे। जारतीयाँका संवर्ष अधिकारके प्रश्नपर 🐧 बारस्त क्या वया है। यद्यपि टान्सवातके व्यवसारी भारतीयोंनी नारतसे विका-सम्बन्धी शोधता प्राप्त मर्पे प्रवामी बुकानेकी जाकायकता है फिर भी द्विटिय भारतीय शताबकी सम्तरिमें इस प्रकारकी मुक्तिमा इतनी महत्त्वपूर्ण नही है जिलना महत्त्वपूर्ण विदेश भारतीयोंका सामान्य प्रवासी-परीक्षाके अन्तर्यन ट्राग्नवालमें जानेका सैद्धान्त्रिक अविनार है। यदि एक अलन एसिवाई चितियम सर्वात् १९ ८का व्यविनियम १६ पास न किया जाता हो १९ ७ के व्यविनियम २

tfor ellfur ti e

र, ह ज़िल्लाको जिला गता का दश कावल वहाँ है । इ. ब्रह्म क्रमीरेश कुछ सरिवर्तन करनेक बाद रह विकास क्रमी fint effete" TE Youwe !

का मंमूता है। किया जाना उत्तर बताये वसे वैज्ञानिक अधिकारकी रहा करने और इस प्रकार मारतकी प्रतिस्वको बजानेके किए काफी होता। केकिन जान १९ ८ के अधिनियम १९ के होनेंसे धिसित भारतीयोंके प्रकार पृजक उसनेज करना और द्रास्थाकके वर्षमाण कानूमारें जोड़ा परिवर्तन करना जावस्थक हो गया है। जमर कोई महोदयको समय हो तो मैंने उनसे केटका प्रस्ताव यह बतानेके किए किया है कि जनरक समद्रा जो-हुछ देनेके किए वैयार है उसमें सीर द्रास्थाकके विदिध मारतियों जो कुछ गींगा है और अब सी मीन रहे हैं उसमें सीर द्रास्थाकके द्रारिय मारतियों जो कुछ गींगा है और अब सी मीन रहे हैं उसमें सीर द्रास्थाकके प्रतिया है की स्व

उसमें एक बाधारपुत बलार है।

मूर्त इसमें स्वरंह गृहीं है कि ट्राम्मवालके प्रतिनिधि थी पोकलकी उसिविदित बावरिक होगा।

मूर्त प्रति क्रियों में संवर्षक प्रति को भारी दिख्यवारी पैदा हो गई है, ट्राइका काँड मार्गिको पठा होगा।

मूर्त प्रति स्वरंह प्रति को भारी दिख्यवारी पैदा हो गई है, ट्राइका काँड मार्गिको पठा होगा।

मूर्त प्रति स्वरंह बार्गिकीय-ब्रब्बार एक प्रस्तके किए काली स्वान वे रहे हैं। सी पोककने प्रमुख

मारातीयों बीर बांच्य बारातीयिक गेंट की है बीर उन कोशोंसे उन्हें बहुत कविक प्रोत्साहर

मिका है। बावरिकी इन गिरिविद्यारीय अच्छ होता है कि उसनिवेद्यों कानूनमें पहुंची बार

मारातीय निर्माणनाको स्वान वेकर चारातक को बरमान किया बार रहा है उन्हें के से वहां वहां वहां कर से से स्वान्य वार्योंकी प्रतिस्था से से सारातिय की स्वान्य होता है।

बारायींकी प्रतिस्था हो हो विकट्ट के प्रति की है। बीर ट्रान्यवाकमें एक सामान्यीय

बारायींकी प्रारिक्त हिए सैकड़ी बिरिया बारातीय को करन उठा रहे हैं उन्हें भी मारातको बहुत दुक्त हुवा है।

टाइन की हुई बक्तरी बंधेबी प्रतिकी फोटो-नकत (एस एन ५ ६६-७) से।

२६१ पत्र साँडं कृके निस्ती सचिवको

[सम्बन]

वितम्बर १४ १९ ९

महोदम

नापके ११ वारीकके पत्रके सम्बन्धमें निवेदन है कि भी हाजी हवीद और मैं इसी १९ वारीकको बोरहर बाद ३ १५ पर कॉर्ड महोदमकी सेवामें उपस्थित होंगे।

वापका सावि

बाइप की हुई क्पनरी अभेगी प्रति (एस एन० ५ ७२) है।

## २६२ पत्र लॉड मॉर्लेंके निजी सशियको

[सन्दत] विवास १६, १९ ९

महोदय

अपने इसी ६ सारीसके पत्रको' जिसमें कोई महोदयसे मेंटका प्रस्ताय था धूबारा पहनेपर मुझे माखूम हीता है कि मैंने स्थिति इतनी स्पष्ट नहीं रखी है कि नॉर्ड मुझोदसरे मेंटना प्रस्ताव उचित ठार सके।

यद्यपि मेरे सामीको और मुझे काँडै क् और ट्रान्सवाधके मन्त्रिमोकि शीच हुई बातबीतके परिचानोंकी सरकारी सीरपर कोई बानकारी नहीं मिली है फिर जी हमारे पास यह कफबाह पहुँची है कि रियायर्वें दी जावेंगी केकिन के हमारे उस एकमात्र सक्यमें कम होंनी जिसके लिए इमने सबर्प किया है और कष्ट सहे हैं। यह शहेरव है प्रवासके अधिकार की बहाजी। हम इसके किए तैयार है कि उपनिवेश-सरकार जिस सीमा तक जाबस्यक वा वांस्तीय समझे उस सीमा तक यह वाविकार व्यवहारमें सीमित एका बाये सेकिन बचर इस विदान्तके रूपमें इस अधिकारके वंपित किया जाना मंबूर कर केते हैं तो इमारी प्रतिकार शुक्री हो जाती हैं, और हम मारतको अप्रतिप्काके मानी बनते हैं। इसकिए हम ऐसा नहीं कर एक्टो। भारतीयोंने साम्राज्यके प्रत्येक भागमें प्रवेशके सैवान्तिक विकारका जपमीय किया है और अब भी कर रहे हैं, यद्यपि कुछ उपनिवेशों में स्ववहारमें यह अधिकार सीमित है। में फैबल ट्रान्सवाकर्ने और वह जी--पिछले वो वर्णोंने ही इस अविकारसे वीचत किये क्ये हैं। काँडे मॉर्से संसार-भरमें ब्रिटिश स्वारकावके प्रतीक माने वाले हैं, बदा हम यह विश्वास नहीं कर सकते कि यदि उन्हें इस चौका देनेवाके सम्पक्त प्रमान मिळ बाता ही में टान्समाक सरकार हारा जमनाई नई इतनी अविकियामामी और जनवार नीतिको नचर बन्दाब कर देते । इस खुद हाबिर होकर यही प्रमाण प्रस्तुत करनेकी अनुसति सागते 🖁 क्योंकि इमें इसमें सम्बेड है कि महामहिमकी सरकारने स्वितिको ठीच-ठीक समझ किया है। यदि एसने धमझ क्रिया होता तो वह निश्चम ही साझाज्यमें "रंग सम्बन्धी प्रतिबन्ध की पहकी बार जानबक्षकर की जानेवाली इस स्वापनाको टासनेके लिए क्यम उठाती।

the word of the

म्ह नमुच्चेद क्षेत्रे र्यव्यक्ति वर्षांचीत्रे १३ विकल्पता तेते को क्वानिका दूक्त बनुच्चेद प्रथम् प्रश्नी क्या एक दिया था । क्योंने काने १५ विकल्पत काने वांगीतीको निका था । "वर क्यान्य अनुच्चेद करारां क्या है विकित में जाता। इंडि जान एस्टाराओं सीविक मिर्किनामों लों. ''जा कराइस अनुकों कराइ का क्यारां क्या है विकित में जाता। इंडि जान एस्टाराओं सीविक मिर्टिक्तामों लों. 'जातर, 'क्याराओं सीविक मार्टिक्तामों लों. जातर, 'क्याराओं सीविक मार्टिक्तामों लों. जातर, 'क्याराओं के स्थारा क

मूने इसमें स्पेट्ड महीं है कि ट्रान्सवाकड़े प्रतिनिधि जी पोककड़ी उपस्थिति सम्बद्धि कामंग्रें को मारी दिसवरमी पैवा हो गई है कोई मिकिको उरका पता होगा। मूखे प्रति स्वाइंग क्वाइंग हो कि स्पी प्रकारके विवादिक स्वाइंग है कि स्पी प्रकारके विवादिक स्वाइंग है कि स्पी प्रकारके विवादिक सारितिष्ठ के स्वाइंग के स्वइंग के स्वाइंग के स्वाइंग

भापका मावि

टाइए की हुई बफ्तरी बंदेनी प्रतिकी फोटो-मक्छ (एस एन ५ ७७) से।

## २६३ पत्र लॉई ऍस्टहिसको

[सन्दर्ग] चित्रस्वर १६, १९,९

काँडें महोदय

बापके इसी १५ तारीकके इपापनके किए बापको बस्पवाद। मैंने श्रव धाँड मॉलंको सामकी मिटिकिपिके न्यूबार पर किका दिया है। मैंने वसके हुए अपूर्क्यके आरम्भर्ग केन्द्रत मोहा-सा धानिक परिवर्तन किया है। "इस के नवास मेंने भेरा धानी और मैं एक दिया है। बेस ठीक मीमाम्मे मदमिबे—केन्द्रा ही एका है।

काँडें कू से हम जान मिल पहे हैं। मैं बापकी वी हुई कीमती सुकाहकों ध्वानमें रर्जुवा और बापको मेंटके परिणामको सुवना देया।

भापका आदि

दाइप की हुई बफ्तरी अंग्रेनी प्रतिकी फ्रोटी-नकक (एस एन ५ ७९) से।

े सब पत्रकी पहुँच के इस कोई गोर्जिक निजी छोनामें १८ निजनरको किया था " नार कोई मोर्जिक छानों निका हुनेए मेरे देना चारते ने यह उनके निम्म कोई नाम नार्ति है। कार्य वहान मोर हमान्य मानरितर का छानानों सन्तरी कार्यकुष्टि मानके छान है किया कर्यों को कार्य कार्य करते नार्यों हमाने नार्यक एक माने में मानवारिक चोना छात्र होगा। सार्जिक व्यों नेत्र है के जानारी हुएसे हमस्तरा नार्ये है तथ्ये। केविन है यह मानते हैं दि मानों नार्य निवार कार्यिक-मानीक छानो तुरी छाद एक हिने होंने। "

१. देवीहर विकास समित्र ।

्र और देंप्पीको किया था "हाई बाहा है कि वह मान ओई बुद्धे रिक्लो दो कराने हुएँए केता मैंने बद्धी दुस्ता में रेठे दो भीर दिन । वह दिस अरोको किम दीवार पर कि तैयानिक अधिकार दो कराओं बच्ची क्या है। वर्गिक है एसी हुएँपर अपने पूचाक वर्षि । जब नेए नाम वर्षी कें बच्चों कराई निया कार बच्चों क्या है। वर्गिक है एसी हुएँपर अपने पूचाक वर्षि । जब नेए नाम वर्षी कें बच्चों कराई निया कार बच्च करा है।

## २६४ सार्वं कृ के साथ मेंटका सार'

[स्त्रम्यः सितम्बरः १६, १९ ९]

उपस्पित कॉर्ड मू, हासी हवीच और गांधी

वांची मुत्ते भव है कि वनरक स्मर्थ को-कुछ देना वाहते हैं उनने बिटिय भारतीय समाज सन्तुष्ट नहीं हो सकता। उसके बाव भी कानूनकी पुस्तकमें प्रवादि (रेस)-सम्बन्धी कमा रह ही बादा है।

कोई मू ने टोक्टे हुए कहा जनर नया जान यह नहीं मानवे कि झस्यास्यव परीक्षाएँ छेन्द्रर प्रवेश-निषेत्र करनेकी जास्त्रीक्षयाची-शी नीवि इस प्रश्तको तय करनेके निम्द्र सवन्तीय कनक है?

१ मेंद्रेचे बाद वांपीनीने को शक्ता छारांच किया; ऐकिए "वनः नन कर नक रोक्टको पा १९११ च्रिके मिन्सने कोई सुके विवरको किए देकिर वाँपीय २४ ।

क्षपना बताया हुवा है और उन्होंने उसमें तिज्ञानेह समास्त्रविक्ताका सायम किया है। कार्नून ऐसी भाराकोंसे मरा पड़ा है।

सीर्व कू (बीचमें बोक्टे हुए) में बावक विकारित बहुत हुए तक सहमत हूँ। भेरे सदाक्टे बाद बो-हुक कहते हैं वह विकटुक व्यायसंगत और अधित है सेविन जनरक समृद्ध अंग्रेज नहीं हैं और इसकिए वे सैग्रान्तिक समानताके स्वातकों भी पसन्य नहीं करते।

गांची सदि ऐसी बात है को यह हमारे किए कानुमकी किनाबसे प्रवादि-सम्बन्धी ाना वार पुरा नाज व धा नह हमार एक कागूनका एक्साप नाधिक्याच्या स्थाने सम्बेची निरात्तेके किए बोर की नेवा बीर शी बड़ा कारण हैं। बीर इस विधेकके द्वारा हमार स्थान है, इस मामान्यकी देवा कर रहे हैं। जैशा शीमानने देशा होना यह संवर्ध वार्यने जनात हु। देन प्राप्तान्त्रण जन कर पहुँ कुति नामाना क्या दूरा हुए। यह प्राप्त कुत्र नक्क कर पुढ़ बारसींडा चेत्रपे रह पदा है। हमें कोई व्यक्तिगत स्वार्थ गहीं सामग्र है बौर सिंद सह प्रस्त केनक मुख मुसंस्कृत भारतीयिक प्रवेचका होता तो वह समावक कन्याकरे किए कितना ही बांग्रनीय क्यों न हाता. जहांतक मेरा अपना सम्बन्ध है. में अपने का कारियोंका इतने कप्टोंमें डाक्ने और उन्हें संबर्ध जारी रखनेकी समाह देनमें बहुत आगा पीका करता। यदि में आपका समय कराव मही कर रहा हूँ तो आपको मह बताना चाहुँना कि सक्या तीमित करनेकी बात कैसे बारण्य हुई। ट्रान्सवाल शीडर के नम्पादक भी कार्टपहरने को बोजरोंके मित्र हैं और सवा प्रतिनिधित्वहीन वर्षोंके मित्र रह हैं और मेर भी विश्वेप मित्र हैं मुझते कहा कि मसबोंने चर्चा यह है कि वैकान्तिक शमानताकी बाइमें मेरा कोई सूचा बहेरव है और बरबसुक मैंने एधियाइबॉके बास्तविक प्रवेध-निर्वेचकी नीतिको स्वीकार नहीं किया है। भी कार्टएइन्के को मित्र क्छबोंमें उनसे ऐसी बातें करते में उनको ने सन्तोप धनक चत्तर दे सकें इस खबालसे मैंने उनसे कहा या कि यदि ऐसी बाद है तो वे अपने मित्रोंसे कह सक्ते हैं कि मैं नारतीय समावकी एक बहुत कही परीक्षा स्वीकार करनेकी ाताच क्यू चेक्य हु हैं। जब प्राप्त प्राप्त के क्यू हुए क्यू चेक्स चित्र प्राप्त के क्यू के स्थाप कराया कराया स समाह देने के बिए तैवार हूँ। वह परीका रही के वहां हो सक्ती है कि उससे समामा स उक्स बिखा प्राप्त प्रारक्तीय ही प्रति वर्ष देखाँ प्रदेश कर सकें। इसस्टिए बाप दर्शने कि संपर्पके बारम्मचे ही हमने मारतीयीके प्रथमको कवी कोई महत्व नहीं दिया है। बल्कि इस सवा भाननी समानदाके किए लड़दे आये हैं।

साँहें कू केकिन क्या आक्को ऐसा नहीं सकता कि बनरस स्पर्धको अपने सोवॉनि साँहें ऐंस्टिटिका संतीवन संगर करानेचें कठिनाई हो सकती है ?

नांची नहीं मुन्ने को नहीं जनना। में नहीं कोचना कि प्रविधानों सकते उन्हें होतें किटनाई हो ककी है। मुन्ने बाद है कि व्यक्तिकेट बन्नानेके बाद कार्यकारियों परिचय (एविकाइटिय कीनिक) की बैठकों पत्र हुन उनी जवानपर बनी कर रहे से तब गर बातें के परिचार कार्यकारियों हा ति है। किटना में तब हुन उनी त्यानपर बाद प्रवानके प्राप्त कार्यकार कार्यकार कराय कार्यकार कार्यकार कार्यकार कार्यकार कार्यकार की हो किए बना कार्यकार क

भी हानी हतीय नव बात यह है कि हुनें बम्बर्टन प्रोडेनर बोल्के और सर फीरोड़ धाह बहुताने बमना तार निजा है, जिलका आध्या यह है कि हम बुधरे संघोषनको स्वीकार करनेकी रजामन्त्री दिशाकर पश्चित सीमासे ज्याचा आगे वह गये हैं। उन्होंने मह भी कहा है कि इस मानलेसे भारतमें बहुत स्रोध फैस रहा है।

नामी इमें बा-कुछ यहाँ हो रहा है उसके सम्बन्धमें स्वमायत ही तार बेना पड़ा ! मीर श्री पोसकका की पत्र मिला है उससे पता चकता है कि मारतमें प्रजातीय अपमानपर रीक्ष रोप प्रकट किया जा रहा है। इससिए यह नहीं कहा था सकता कि केवल ट्रास्पनासके मारतीय ही विरोध कर रहे है।

कॉर्ड कू में विक्कुल सहमत हूँ बीर बाप जो-कुछ कह रहे 🖏 ससकी प्रमुक्ता मेरी समझमें नाती है। चूँकि में द्वारतवासके स्थानीय भारतीमीकी मामका बीविस्य दीनदारी अनुभार करता है। इसकिए में कारको विश्वास कि स्थापन के स्थापन के सामन का कार प्रतिकृति स्वापन के अनुभार करता हैं इसकिए में कारको विश्वास विकास हैं मिने इस प्रश्नकों कारक स्वापन स्वापन के स्वापन किया माने कारकों किए बहुत वर्षक हैं कि वैसे भी हो समझीता हो बावे कियु मुझे ऐसा क्यता है कि हो सकता है बतास स्मृत्य वह भी होने कि यह से देवानिक समझीता का साम राजी पानी की तरका स्वापन भागियों के स्वापन स्वापन भागियों के स्वापन स्वा क्कानेके किए नये आन्दोक्षनके क्यमें किया का सकता है। परन्तु इसका यह जर्व नहीं है कि उन्होंने मझसे ऐसी कोई बात कड़ी है।

मानी मैं इस प्रकारकी किसी बार्यकार्क छत्तरमें इतना ही कह सकता हूँ कि ट्रान्स नासके भन्नी जब यह समर्थे कि हम कपने वचनसे हट पहें हैं तब वे अधिक प्रतिकानकारी कातून बना सकरी है। साथ ही मेरा कवारि यह कहना थी गहीं है कि यदि हमारी मंदि मंदूर कर की कार्य हो केवल उद्योग्ध हान्यवालमें समाय आन्योकन बन्द हो नावेगा। हर नमूर घर छ। माथ या छवल जबाय द्वारावाचना धराव बारवाचन र है जीर जनको हुए करानेकै किए मो कठिनाइमी क्षेत्र रहे हैं वे कुछ विशेष प्रकारकी है और जनको हुए करानेकै किए नमें प्रमत्न बावरमक हो एक्टरे हैं।

कॉर्ड कृ विश्वकृत सही। ऐसे मामकॉर्ने कीई वन्तिम बाद नहीं हो सकती। मैं इतना ही कड़ता हूँ कि बंदि प्रकृत आपकी वृष्टिक्षे सन्तोपजनक वपमें तम हो जाने सी कमसंक्रम कुछ वर्षी तक तो बैगकी सांस केमी चाहिए।

सांकी में एक कबन बीर आये कार्नके किए तैयार हूँ। कब मैने समें आधीलनकी बात कही वी तब विकित भारतीयोंके क्लोके प्रकारी भिन्न कटिमाइमीका विक किया जा। महोतक प्रशस्त प्रस्तका शन्तक है हम एक किस्तित जन्म देनेके किए तैयार है कि हमारी मीरा पूरी हो जाने तो हम सार्थ कोई साम्बोकन न दकारी। मैं यहाँतक कहता है कि नीर कोई ऐसा बनुवित बान्योत्तन होगा तो बैसा यैने समझीतके बाद किया ना ससी राष्ट् अपने ही वेजवासियोंके विकक्ष सत्यावह करनेको नैयार पहुँचा।

कोई भू हो गेरा बमान है कि वह वि क्षमरक स्मदसको वायेदा इस मुकाकातकी सब बस्तें बता हूँ या । और भूश

मेकिन बापको विश्वक बाधा गहीं वैवाउदेश । करनेमें कठिनाई हो सकती है। यदि जनको पाडियामेंट)की प्रतीका कर केना जी जनका ने इ बांची क्या में रिवरिको बोहा बीर साफ

डीइ-डीक समझा हो तो मुखे काता है कि संब-संधदको प्रवासी कानूनमें संघोषन करनेवा बोदकार न होया वर्षोकि स्वयं उस कानूनके द्वारा कोई प्रवासीय निर्योग्यता नहीं सामू नहीं हैती। सघोषनका करूर तो बुद वह कानून होगा विसमें वातीय निर्योग्यताएँ रखी मयी हों। कोई वृ यह ठीक है। पर मुखे केवक यह छगता है कि सब-संसद ऐसे करटको

कॉर्ड मू यह ठीक है। पर मुखे केवल यह छगता है कि सम-संबद एंसे कटकी मनि नहीं बड़ाना चाहेगी। मैं आपको विद्याध दिला सकता हूँ कि बनरस स्मटस भी संवर्षका सम्बाहोना पराय भूषीं करते। इसी कारण भेरा खयान है कि संव-संसद इस्टबोप कर हकती है और पविच समावान करा सकती है। वैकिन यह बानना कटिन है कि संव-संसदका क्ला म्या होता?

यांची यदि इस बाबी राहर नहीं पा उकते तो मैं बानता हूँ कि इसें प्रतीमा करनी पहेंची इस मनिरिक्त वनय तक प्रतीमा करनेके किए तैयार हैं। यदि बातचीत सफ़्क पहीं होती तो में यह बयाक केकर कींट्रेग कि इसने बार्ग पर्याप्त करूर नहीं सहे हैं और इसकिए हमें कार्य करूर यहना बारी रक्ता वाहिए।

साँदे क् बहुत बच्छा अब मैं इस प्रस्तपर चनरक स्मर्स्स बातचीत करूँमा।

वांची भीमान चानते हैं इस यही पूरे वो महीने यह चुके हैं। क्या चनरक स्मट्स-को तार देना क्यादा अच्छा न होचा ताकि परिणाम कस्त्री माकम हो चार्चे?

को दोर बना ज्यादा लाक्का न हावा ताक पारणान करना शाकुन हा जान : कॉर्ड कुनेटा लागक वाकि एक चर्चिता सेन्द्राण स्वादा करका रहेदा कैकिन तार देना मी औक हो सक्तरा हैं। वे बानदा हैं कि आपको यहाँ कस्ते समय तक रहना पड़ा है।

टाइप की हुई बल्लपी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नकल (एस एक ४९९५) है।

## २६५ पत्र साँड ऍस्टहिलको

[सन्दर्ग] विकस्पर १६, १९ ९

काँडे महोदय

भी हानी हमीर बीर में बमी-बनी जाँड कू से मिले हैं। उन्होंने बहुत सहानुमूर्त प्रकट भी। मेरा बमाब है, में प्रकालो पूरी तरह समझते हैं। मेरी यह भी देखा कि जब-जब में सोषकर कोई मूदेकी बात उठाया था तभी काँड कू बीचमें कह उठटे में यह बात जम्मीन नारसे पुन की है। मेरा विश्वास है, मे यह भा सनुभव करते हैं कि सैबालिक समानवाक प्रकार हमारे खुटिटकोकरे पखरों खानेको बहुत-कक है।

बन्होंने हमारी मेंटका परिणान सारके बनरक स्मट्सको भेजनेका और आपने श्वास रखें हुए मेरे संतोचनको स्थान्तर कर केनेके किए स्वयर कोर बेनेका बचन दिया है। हुमने बनका स्थान कुछ जोर भी आक्षित किया कि मारकों हुए सम्बन्धमें बहुत

हुनने जनका स्थान इस बोर भी कार्कपण किया कि भारतमें इस सन्यन्त्रमें बहुत पैप है। उन्होंने सत्तर होते हुए स्कीकार किया कि यह प्रदन साम्राज्यका प्रस्त है ब्रीर इसे साम्राज्यका प्रका की बाता जाना जातिश ।

भागका आदि

टाइप की हुई बस्तारी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-लक्षक (एस एन ५ ७८) से । १ कोर्ड व्यक्तिक कालोक किर विकास समानिक स्था। \*\* करतेकी रक्षामन्दी विकाकर एकिए बीगारे क्याचा आगे वह गये हैं। उन्होने यह वी वह है कि इस मामझेसे मारतमें बहुत सीम फैंस रहा है।

पांची हमें बो-कुछ नहीं ही रहा है उसके सम्बन्धमें स्थमायत ही तार देता पड़ा। भीर भी गोसकका को पन गिला है उससे पता चलता है कि चारतमें प्रवातीय वपमानपर वीत रोप प्रकट किया जा रहा है। इसकिए यह नहीं कहा जा सकता कि केवल झत्सवालने भारतीय ही विदोन कर खे है।

कोंडे कृ में विकट्टक चहनत हूं और बाप जो कुछ कह रहे हैं छसकी उपनुस्तरा मेरी समझमें बाती है। वृक्ति में ट्रान्सवासके स्वानीय जारतीयोंकी माँगका मौचिरम तीवताने मनुमन करता हूँ इसिक्य मैं बापको जिन्हास दिस्माता हूँ मैंने इस प्रस्तको जनरल स्मट्सक सम्मृत सामाज्यके प्रकार करमें रक्षा था। में स्वर्ध रुक्ष बातके क्षिप्र बहुठ उत्युक्त है कि बीचे भी हो सम्बन्धिता हो जाये किन्तु मुखे ऐसा कगता है कि हो सक्या है जगरक स्मर्क बहु भी होचें कि यदि वैद्यानिक समानदा कामम रखी बमी हो उसका उपयोग मौमीकी कड़ानेके किए नमें जान्दोकनके क्यमें किया का सकता है। परन्तु इसका मह जर्व नहीं है कि उन्होंने मससे ऐसी कोई बात कही है।

नांनी में इस प्रकारकी किसी सार्थकाके जलरमें दलना ही कह सकता हूँ कि ट्रान्स वाकक मानी नव यह एसझे कि हम बपने वचनसे हुट ऐहे हैं तब वे अधिक प्रतिबन्तकारी कानून बना सकते हैं। साथ ही मेरा कमापि वह कहना थी नहीं है कि यदि हमाये मंदि मेद्र कर की बामें ही बेबक करीसे ट्रायसकर्में तमान भाग्योकन बन्द हो वामेंवा। हम को कठिनाइयाँ सेक रहे हैं ने कुछ निसेय प्रकारकों 🕻 और उनको हुर करानेके किए

वर्षे प्रमल बावस्थक हो चक्ठे हैं।

काँड कू विकट्टक छही। ऐसे मामडॉर्ज कोई बल्जिम बाद नहीं हो सकती। मैं इतना ही कहता हूँ कि अदि प्रका आपकी बृध्यिये सन्तोबनक क्ममें तब हो बाजे छो कमरे-कम कुछ बयाँ तक यो चैनकी सांस केनी चाहिए।

सांची में एक कदम और मार्ग चानके किए वैदार हूँ। वद मैने नमें आयोक्तमकी बात बड़ी को तब विकास भारतीयोंक वर्षके अस्तिये मिन्न कटिनाइजीका विक किया था। बहांदक प्रशासके प्रभावत समाज है, हम एक लिखित जबन देवेके किए तैयार है कि हमारी मंद पूरी हो बारे दो हम जाने कोई बाल्लोकन न स्त्रामी। में महांदक कहना हूँ कि मंदि कोई ऐसा बतुनिद खालोकन होगा सो मैसा मैसे समझोठके बाद किया या क्सी दाय

कपने ही देशवासियोंके विकस सत्यापह करनेको सैयार पहेंगा। जोरें मू ही नेता जवाज है कि शह निकान के तीन है जीर अब में बनाफ स्मर्तकों एवं मूचानावजी पन नार्षे जवा हुना। और मूखे जाया हो है कि कोई पालीता हो जायेगा केलिन जाएको समित बाया नहीं वैपालेगा। जगरक स्मरतको बाएका प्रस्ताव स्वीकार करती के किया हो हो यह उनकों करती है। यह उनकों किता है हो है हो बचा रोम-संग्रह (मृनियम पालिमानेंट) की महीलों कर जेना भी जन्मा न होगा।

दांची तथा मैं स्थितिको लोहा और साक कर सकता हूँ? इस बीज अमासामक प्रतिरोक चारी रखना पहेला और इससे कथाओं लगनि के नाम तक और वह चारेगी। और पर्दि बक्रिय लाधिकी कामूनमें आपके स्थलनानुसार देश किमें बने संसीवनकी जैने

क्षेत्र-ठीक समझा हो सो भूसे कपता है कि संब-संसरको प्रवासी बानुरू है राज्यर कुछा। सिपकार म होता क्योंकि स्वयं उस कानुसके हास कोई प्रवातीय निर्माण नहीं कार नहीं होती । संयोधनका सक्य तो सूध यह कानून होगा जिसमें बातीय निर्धोस्पटा कर कर्न हैं

साँहे भू यह ठीक है। पर मुझे देवक यह सगता है कि मान्या में कार्य भविष नहीं बदाना बाहेगी। मैं बापको विश्वाम दिवा सकता है कि उरान स्टान 🗲 शंपर्वका बदना होता पसन्य नहीं करत । इसी कारण मैरा नवाल है कि स्वक्रण क्राप्ट कर सकती है और उचित संगामान क्या संगती है। केविन यह बटन उट्टिंट के संब-संसदका इत क्या होगा है

नांची बाद हम सभी राइव नहीं पा सकते वा मैं मानता हूँ कि हुएँ उन्नेत कार्र पत्रेची अस अनिविच्छ समय तक प्रतीका करनेके किए वैपार है। यह कलके क्छन नहीं होती को मैं यह खपाल केकर लीटूंगा कि हमने बनी पर्यान कर नर्न नरे हैं हैन इसकिए हमें सभी कन्ट सहना बारी रसना चाहिए।

होंदें कु बहुत बच्छा अब मैं इस प्रस्तपर प्रतरक व्यक्तप कर्रकर क्रार्टकर

गांची भीमान बानवे हैं हम यहाँ पूरे दो यहीने रह पूर है। का बागर मारा को तार देना क्याचा बच्चन न होगा ताकि परिचान जल्दी सादव हा क्रजें

काँहें कू मेरा बवार या कि एक करीता बैबना ब्यादा बच्छा गूँडर क्षित्र हुन हुन मी क्षेत्र हो सकता है। मैं मानवा है कि भावको यहाँ मध्ये नगर लड जुला एक है

दाइप की हुई बरलपे अंग्रेजी प्रतिकी फीटो-एकस (वस् व्यूट हुन्छ हुन

## २६५ पत्र कॉर्ड ऍप्टहिनहा

कॉर्ड महोदय

यो हानी हतीय और मैं अभी-अभी कोई कू में निष्ट है। उस्से का कार्य असूर भी। मेरा बनाव है ने प्रशासी पूरी तरह समार है। के के के कि किए में शोषकर कोई मुरेकी बाठ उठाता वा उसी कोई के क्रिके के जान की अपन म शायकर कार पुरुष । उन्होंने बापते तुन की है। मेछ विस्थात है है यह ई क्लाक समानवाकि प्रश्नपर इसारे वृध्दिकोणके पक्षमें कट्टर कल्ला ह

ताक प्रशापत क्यार प्र उन्होंने हमाधी गेंटका परिवास तारम क्रान्ट काल स्थाप खे हुए मेरे संशोधनको स्वीकार कर सन्द्र कि उ ए मर स्थापनका स्थान हम और भी अपूर्ण की के कि कि कि कि कि

पेत है। कहींने क्यार की हम सीकार कि के के कार्या अपन

- -

टाइए की हुई बस्तरी बोडमी की किया कर के अपन र क्षेत्र व्यवसम्बद्ध कार्यक्ष क्षित्र केपीय करियाल

## २६६ पत्र एच० एस० एल० पोसकको

[सम्बन] शिवस्वर १६,१९९

प्रिय हेनरी

में नहीं एसकात कि आपको वेहर और उनकी बीमारीकी बबर मजराक फीलम्पर्छ मिसी होगी। वेहरको पर्यक्र निमोसिया हो पता था। उनकी हाकत ऐसी थी कि एक बार दो कोप उनके अपनेकी जानता भी कोइ दिने से पूर्ण में प्रमाण पर्यक्षित कर पर्यक्षित कर में मानिक के कि प्रमाण पर्यक्षित कर में मानिक के मानिक मिसी के प्रमाण पर्यक्षित के विकास मिसा है है कि विकास में मानिक के से मानिक मिसा है है एक दे बोगों जाने मानिक है के बोगों जाने विकास है कि अपने मानिक में मानिक के से बोगों के मानिक मानि

मुठे बापका छार निक बया। एक बहुत बच्चा तार टाइस्स में भी कपा है। मैं भाषको उसकी नकक सेव खा है। खाफ है कि बापकी समा बहुत स्वक्र हुई। बापने हुए कर में है। सुने कपा बाद मुझे बापने मा साम कोई कुछ देशे हुए सनवेंध के पह कर है। में बहु पक उनके निकतेंध पहले किचा पहा है। बाप प्रकार है। हम उनके सभी तीन कर निकार पहें हैं। इसकिए में सुन्हें लेटका पूरा हाक भेज सब्देगा। मुझे सुनी है कि कारोजना हुक चनवा तो हो ही बादोगा सखे हमा अपकार के बहुत के लोगोंको एसित निकारों। मुझे विकार हमा कि कारोजना हुक चनवा तो हो ही बादोगा सखे हमा किया के बाद के स्वाम के स्वाम

र मन्दूर ए को स्थालने रोकाने किया गाः "सुने केमिल्तको स्थारीका स्थापर मिल का है। सोविको कास स्थाप कीन कीन मिल है।"

२. व्या करवान नहीं है । इ. राज्योंने हुई तार्नेवनिक तथा ।

YER

किया कारोकी स्पत्रस्था कर दी होती। मुझे यह भी साखा है कि मनवीके पुत्र जीर दूसरे कोग सिक पने होंगे। ये कोग जायके खटरंटी पहले भारत पहुँच चुके से। समर उन्ह स्वत्य पटा म स्था हो हो जाय काटियाबाइ और मुस्तर्में किसीसे विटरी-पनी करने निविधिद्योंके नाम और हाल-बाक मानुस कर छना।

स्रक्षित माजीय मुस्किम सीयके भी सबी इमान यहाँ हैं। मैं बभी उनसे नहीं मिका हूँ। क्षेत्रिन हुमारे नेटाकके मिन्न मिस्त जुके हैं। वे उनकी वहुठ प्रयंक्त करते हैं। वे उनस्य सापके नहीं रहते ही सौट बायेंगे। वे पटनामें वैरिस्टयी करते हैं। साधा है साप उनसे

सिम मोय। जरूरत हो तो पटना और सधीयह मी जाना।

सद्यार समुक्त कार्रवाई की का सकती है फिर भी अंजुमलीने अकम-जबम कार्रवाई भी कटाई वाले। इस बातपर कोर दिया जाये कि विकास आधिकामें मुसकमानीके स्वार्य बारा कवारा है।

मैंने को नवीनत्तन मंदोचन जुलावा है उनका वापने बहुत ठीक वर्ष कपाया है। मैं इसमें इन्हें क्याता साक नहीं बना सकता बा। पुरस्कार-विवास समानेहका को हास आपने किसा है वह बहुत मनोरंकक है। आप इस परीक्षारों से निक्क वर्ष यह अच्छा हुसा। मुद्रप्तिनेक सकारोंने जास शीरों एकने किसा है कि बापने मुसे कि बनावा है। कस्त्रास

बाससे कह दें कि वह मध्ये पन अवस्य कियो।

र पद सम्बद्धान्दी शनवी माधुनाई बेकामी ।

<sup>्</sup>र माने कारी रोजको प्रोपीची किया था: "बंदुपन शक्ता वस्ते मी करेगरी कर रही है। मैं भी हुन्करोंके करों और करते रितोष्ट कराव और रेता रहा हूँ। बंदुपनो वास्त्रीको उत्तरांको केन्द्री और एवडको रिकार माने किया ।"

३ पर करून नहीं है।

है। इस योजनाके जनुसार हम कल्पनमें बहुत कम स्थमा कर्ष करके कुछ काम कर सकते हैं यद्यपि वह काम रिचके कामके बराजर अच्छा कमी नहीं हो सकता। अब मैं इसे विस्तृत रूपसे तैयार कर सुमा और वापके साथ विचार-विगर्ध करूँया को मुझे विश्वास है आप इसे कृत पसन्य करेंगे।

. सॉर्ड ऍस्टहिबसे की गई चिट्टी-पनीकी शककसे कापको मासूम हो बायेगा कि ने

बनीतक किस पूर्वतासे काम कर रहे है।

बादमें किसाया --- शुभवार [सिटम्बर १७ १९०९]

हुम **भव कॉर्ड कू** से मिळ चुके हैं। मेंटका परिचान कॉर्ड ऍस्टहिस्को मेचे गर्ने <sup>प्रचर्म</sup> दिया गया है। उसकी नकक सावनें मेन एक हैं। इसकिए अब कच्टकी मिदाद बीट कम्बी क्षो पढ़े है।

मैंने शोबा का कि कोंडें कू के साथ को मेंट हुई है उसका शार किस केना क्याका ठीक क्षोपा इसकिए में कापको इसकी नक्क येज दहा है जा यों कहें कि बाकने समेर

दकपूरा कर सका हो भव देगा।

मुखे यह नहीं साकुस है कि को तार मुखे मेंचे जा रहे है दतकी दूसरी नकस जापको मेबी बारी है या नहीं। कुछ मी हो इस इस्ते जो तार मिले है बनकी नकड़ों मैं जापकी मेंब रहा हूँ। पहला तार आपको लॉर्ड कूको मेंबे यमे पत्रकी प्रकास मिलेया। दूरप भीनी समझा है। यह इस तरह है

अध्यक्त सहित ८ जीनी निरक्तार। पूरी सामर्थ्यते अनाकायक प्रतिरोध करनेका

संकार और वर्षिक बुद्द । चीजी संघ ।

कुचरा तार इसी १६ तारीकका है। जसमें कहा नया है

कककी तमा नोमीसी। नड़ाई जारी रखनेका दुइ तंबस्य। अस्तावॉर्मे दिहा कोमीको क्ष्याई प्रतिनिष्मीपर पूर्व विकासकी पुनराजिम्मक्ति, कनके प्रयत्नीकी हारिक करा-हता, पूर्ण समर्थनकी पूरा प्रतिका, बरनॉनके पत्त बन्तस्थका विरोध को शरकार हारा क्षण्यत न होनेकी त्यितिमें एशिकाइप्रोकी वृध्यिमें सरकारी नीतिका खोतक। रमजानवें मुसलमान कंबियोंको विश्लेष जीवन बेलेकी प्रार्वेश नार्ववर ।

में इन तारोंके आभारपर कॉर्ड कू को एक पत्र ग्रेस रहा है। कह नहीं सकता कि

प्रस पत्रकी गरुरु भी मापका मेज सर्वमा या नहीं। स्रायश वक्त न रहे।

रिक्रके इस्ते जोड़ानिसवर्षेते एक विद्धी मिकी है। इस विद्ठीका एक अनुव्येश नीचे विया है। मैं वसे कॉर्ड क्को बेंब पहा हैं केफिन बहुत स्वेत डीकर ही। सबर बाप इसका अपयोग करें ही अपाकरके बहुत साववान रहता। इसे कापना नहीं। ही खात-बाप कार्वकर्ती यह जान सकते हैं कि ट्रान्सवालकी जेकींने क्या हो एहा है। मेरी एवर्ने सबर कुछ बडाबर थी गई है। कैकिन जिल श्रीनक्की बात है उससे निर्देगताका बच्चाव किया गर्मा

१ देक्ट फिल वीर्नेच ।

र, देखिर "दर: जोने ब्रुके मिनी समितती" पुत्र १९८-९९ ।

<sup>:</sup> देशिए "का ओर्ड कुके मित्री स्विक्तो " का प्रवर-वर ।

होगा। मैंने स्वयं जोन्हुछ वेजा है उसके जामास्यर में हसपर पूरा विस्तास करता है। वैधे ही कारपसे एक बदानी कैदोकों करीब-करीब जान से जी गई वी। उसके सरीरसे हतना स्वाहा जून वहा या कि मैंने तमाम गक्तियारेमें उसके जूनके नियान वैसे वे। मेरी समसर्में नहीं बादा कि वह सहका कैस बचा होगा।

एक दिन कहाकेकी सर्वीमें कीमींको नहानेका हुएस विदा सता। एक भारमी नहाना नहीं चाहता था। इसकिए चार बतनी वार्विति कहा यस कि वे असको रगहें। इसके अनुसार चमुलि चस बादगीको पकड़कर हीवर्षे दुना दिया और एक बारसे इतने बोरसे रगाइना शुरू किया कि वसके धरीरसे बून निकलन समा। संयोगसे उत्त समय बहुति सत्पतासका एक अर्थती का रहा था। उत्तने वतिग्योंको रोका सीर वह व्यक्ति बस्पताल के बाया गया। वहाँ उसका श्रकान कराया गया। यह करताव के के सामीक साथ किया गया का केकिन चूकि इस समाचारकी सरकारी क्यते पुष्टि नहीं हुई है। इसकिय स्वमावत हम इसके तस्वन्यमें कार्रवाई नहीं कर तकते। मुसे सामृत हुआ है कि उस प्यक्तिने इत बारेमें बक्के पवर्तरसे क्रिकायत की भी।

मैंने बापकी पुस्तिकाओंको पर्याप्त साववानीसे पड़ किया है। मैं बापको उनके सम्बन्धमें

किसता चाहता हूँ क्षेकित कराता है इस सरवाह नहीं किस सर्चुना। जैसा हमने बोहानिसवर्गमें किया वा में सामाध्यक प्रतिरोध की मैतिकतापर ा का कार्या का गाउनकार पात्र का गाउनकार सावध्य का गाउनकार सर्वोत्तम निकारिय केरिका यामीरातां विचार कर खा हूँ। केकिन मुझे इस मासममें को महतांत समाह करती है। जबर ने पुरस्कार वेंगे यो हम विकारिय है रेंगे। केकिन हम ऐसा तमी करेंगे बद डॉर्ड कु से बातचीत बसरुक हो बायेगी।

थी बोककी पुस्तक समीतक प्रकासित नहीं हुई है। बक्तूबरके प्रथम वच्चाहर्में प्रकासित होतेकी सम्मावना है। मैं कुछ कारणींसे निन्हें इस सप्ताह बतानेकी जावस्थकता नहीं है हानको सम्भावन। हा न कुछ कारनाय । तन्ह ६७ चराह नयानका जावस्वकर। तह। ह फिराबका पूर्व संस्करण वर्षिष छैनेकी बाद सीच रहा हूँ और रहामें मुझे बीर किसी बादसे भी शेरकर ही जबाद क्यारा है। वे सर्वया अदस्य हो सकते हैं। बगर ऐसा हुआ दो उन्हें बहुद दुन्त होगा। प्रकासको स्वपर पूर्व व्याप नहीं दिया है और चूँकि स्टब्से बहुद-सी प्रतियों मुक्त बीटमी होंगी में दोषवा हूँ कि अपनी व्यक्तियद मास्त्राबांको एक और रखकर नावन पूर्व नावना होगा ने वात्रण हैं हरू नावना स्वारवय भावनाताका एक नार रखनर इस कामको स्वर्ण करें हैं यह वाया है, जगर कोई बाद होगा थी है में सूर्व के पूर्व करनका किया के सेंगे। मैंने इस सामकेमें उनते पत्र-व्यवहार किया है। इसिन्ए बाद कोई ऐसा दुस्तक-दिक्ता लॉब सक्टे हैं जो फिजाब के हैं। सर्वातम यह प्रैला कि कस्यापदात या सम्मानके माई को के सोनी इस दिसायकों अकर बाद-से कोमिन पाद रख्य जारे। कूक भी हो, जार कियाब ऐस किसी भी पुस्तक-विकेशको स्वार न में विनयर साथ पूर्व विश्वास नहीं कर सकते।

मैन आपको भाग तार दिया है। भूते भगना है कि जनर जम भीरने सनातार स्वाव बाला गया ता सम्भव है कि बातचीतमें सफलता निष्ठ जाये। सब कार्ड क की प्रश्तके

१ देशिए क्ष्म ७ पुत्र ५ ।

९. बीक्पने किया वा "मोतक करींव पुकार-विवेदावींव किए एक प्रतियों के रहे हैं। अन क्रमान-कान बान हो। का सम्बन्धि पुकाल का क्ये । दिशी वी व्यविकासीन पुकाल-विजेताको बनार वर्डी दिशा वालेगा।" । भर राज्यस्य वर्षीः ।

712

हर्वस्ते आपका.

टाइए की हुई वस्तरी बंग्रेगी प्रतिकी फीटो-नकस (एस॰ एन ५१ ४ म) से।

# २६७ शिष्टमण्डलकी यात्रा [-- १२]

[वितम्बर १६, १९ ९ के बार]

में इस बार ऐका हो किया नहीं सकता कि हम बहा वे नहीं-जाहे हैं। हम कौरें कु से १६ वारोक्को सिक्षे। उन्होंने कहा कि बानरक स्मर्ट्स कानुकार रह करने और जन्म संक्यांने विश्वितों को स्वायी निवायके कमूनियन (परिस्ट) कैनेकी बात मंजूर करते हैं। किन्तु सह बात उनके गके नहीं उत्पादी कि आसीन पिक्षा-सम्वत्यी नरी सात मंजूर करते हैं। किन्तु सह बात उनके गके नहीं उत्पादी कि आसीन पिक्षा-सम्वत्यी परिस्मानं उत्तरिक हैं कि असिकार नहीं विभाग तत्वक मार्ग्यकों सात्री। स्वत्यक मुक्त कि बात करतक मार्ग्यकों सात्री। स्वत्यक मार्ग्यकों मार्ग्यकों सात्रिकार नहीं विभाग तात्र के सात्र मार्ग्यकों मार्ग्यकों सात्रिकार कि सात्र कि सात्र

कार्ड कूने यह भी कहा है कि यदि कहीं बनरक स्मर्स हमारी मींग मंबूर न करें तो हमें संबन्धाय (मूनियन पार्क्यामेंट)की एड बेकनी पाहिए। इसका वर्ष यह हुआ। कि हमें संस्पन्धी बैठक होने एक कबार्ड पार्ट एकता हो। यदि हम सक्कार कब कर देने तो एमस्त बर्जिय बाधिकांके भारतीयोंकी हाकत बुधी हो वामेगी और सेता भी सरनावीने कहा है हम सारे भारताकी माक बपने हाकत बुधी को कामर भी सानित होंने।

किन्तु मुसे यह कहनेमें करा भी संकोक नहीं है कि को मारतीय इस समय बहाड़िये दिखा रहे हैं वे ऐसे हैं कि मृत्युपर्यन्त छड़ते परेंदें। मृत्री बासा है कि को माई जेससे इरे हैं वे केस जानेके किए तैनार ही हैं बीर कब सरकार गिरफ्तार करेगी तब केकका स्वागत करेंवे। मैं बासा करता हूँ कि भी बासत हम्मान की एक मने पहुँचने तक केकमें किराजते होंगे। मेरे कियार हे हमारा बेकमें एकर मरना बेकके बाहर तन्युक्त एकर की नोर्ध का करते हैं हमारी इंग्लंब एकर मरना बेकके बाहर तन्युक्त एकर की नोर्ध कम्मा है। ऐसा करनेसे हमारी इंग्लंब एक्टी हैं और उसीमें भारतकी सेवा है। यह समय हुन्न करनेसा नाही बाक करनेसे हमारी इंग्लंब करनेसा है। तिस देवारें निर्माण को गोर्प प्रकारी कार्य बाती हो। उस देवारें सम्बोध को सेवार सेवार सेवार करनेसा है। समय की स्वाप्त सेवार है। समय सेवार सेवार सेवार सेवार सेवार सेवार सेवार है। स्वाप्त माना बाहिए। यह विकार प्रत्येक सारतीय बीरकों सपने मनमें बीकर कर केता है।

मैं पहले बड़ा चुका हूँ कि यदि करारू स्मद्रसका बवाब निराधानरूक होगा दो हमें सही कुछ समय दक सार्वजनिक समा सार्वि करके किर खेक बानेने किए बहिल आफिका बायस पहुँच जाना चाहिए। इस बीच यह भी विचार करना है कि हमें जारत जाना चाहिए मा नहीं। इस सम्बन्धों में स्वयं दो कोई निश्चित निर्मय नहीं कर सकता।

[बुक्चचीसे ]

इंडियन ओपिनियम १६-१--१९ ९

### २६८. पत्र मणिलास गांधीको

क्षन]

विवस्थर १७ १९ ९

#### वि मणिलाल

भी बेरटके धानावार्नों पुन्हारा पिछली २१ तारीकका पत्र पड़कर मुझे बहुत प्रसन्तता हो। इस पत्रकों नेने सो बार पढ़ा है। मुखे पुन्हारे ऊपर गई हुआ जोर तेरे ऐसा पुत्र है, इसके किए मैंने देशवरका जगुबह माना। मैं कामना करता हूँ कि तुम समा रेखे हो इस रेखे। जारे पिछा नहीं है कि परीपकार किया जाने हुसरोंकी सेवा की जाने जीर ऐसा करतें में मनमें जरा भी जीवामान न कामा जाये। तुम क्योंन्जों उसमें वहे होते बाजोगे ली-त्ये पुन्हों करतें में पत्र जिल्ला कि का नहीं की जाने मार्ग स्थाप करतें में प्रस्ते का कि जनुका होता वायेगा। शिवारोंकी सेवाके मार्गरे बच्छा मार्ग हुएत क्या जा बाता है।

भी नेस्टफो चूनेका शोरवा और बूछरी चीजों थी गई, इस बारेमें हुमें निप्पस चूकि रखनी चाहिए। मेरे दिखार तो सुन्हें माकुम है। खोरवा सिर दिसार तो सुन्हें माकुम है। खोरवा सिर दिसा माका प्ररीपता कर वह मुखे मंदूर था खेठिक वा भी कानुगति विना में तो उन्हें छोरवा हरिक्त न मेरे देखा। वेह वात्सारे चारिए। ची गंपूम्य वात्माको वान्ता है और देखें बात्सारे बक्त होनेकी बात ती बातवा है वह हिशासक उपामिक देखों रखा प करेगा। यह जाम बहुत मुक्तिक हैं लेकिन विकले सेक्टर नहुत पित्रम है वह एस गवको पहुंच ही उपासता है और वाद्मर बावस्त करेगा है। यह मान्यताके कारण शंतारों भीर पाप हुए हैं और वह भी हो रहे हैं। मैं चाहुता हैं कि तुम इस मान्यताके मूक्त पूर्व। साल्याना करी वाप पाप हुए हैं और वह भी हो रहे हैं। मैं चाहुता हैं कि तुम इस मान्यताके मूक्त पूर्व। साल्याना करी बाप पाप हुए पुकर ही होता हो यह कोई निप्प नहीं है। बहुतने मूज बारमाना के किता हो। यह पाप पाप हुए हों के साल्याना पाप पाप हुए हों के साल्याना पाप पाप पाप हुए हों के साल्याना पाप पाप साल्याना हो बाप पाप पाप हों हो। हो यह के स्वता हो है हुए से बार वर्ष में होता हो। यह के साल्याना पाप पाप साल्यान से बाप पाप हों हो। है पाप होंगी है। परलु इस स्वते बहुत विचार करनेशर हुटकारा हो सक्ता है। है हमें बमन करने किर हि सिर हिंगी है।

समझौरीका सभी कोई निश्चय नहीं है। इस बारेगें विसेय कवनमाईके पत्रमें देवना। अपर जो-कुछ विका है वह प्रसंपवस ही है। इसे दूसरे माइयोंको जी पहा देना।

मञ्जनदासके आधीर्वाव

भोदीनीके स्थाक्तरोंनें मूल चुत्रचती प्रति (सी कल्प्यू ८९) से । सीकस्य मुद्रीकालेल प्रांपी।

### २६९ पत्र नारणवास गांधीको

SPE

सितम्बर १७ १९ ९

वि गारवदास

वि कानलाक्का पत्र माना है। उन्नये देवता हूँ कि वह सबी बहुनि वा सकेंगा क्वोंकि सी देस्ट स्थानक एक्ट सीमार हो जये हैं। बैठे एम एक्गा परे एक्ना परेगा। क्टिट होर्नेनियाद नमा करें? तुग मुने पत्र किवार एक्ना। असी समझीदेवी वार चन ही रही है। यह नहीं कहा वा सकता कि सकता परिचान क्या होगा।

भी सुमानगाईको और वैवशानीको वण्डवन्।

मोहनवासके आसीर्वाद

भाषीत्रीके स्थाक्षरीमें मूल युवराती प्रति (ती. कलम् ४८९७) छ । सीजन्य मारकवात पाणी।

१ को बस्ताकी का करीर रीमारीका करेवा है जिले में जलकी करती रोगांतकी कर री तो । रेक्सि सहमक्ष्मा मार्ग ४ कर्माव १८ ।

1. er eren mi ? :

# २७० भारतीय मुस्लिम लीगकी सम्बन शासाको सिस्रे पत्रका मसविवा

[सन्दर्ग सिंदम्बर १७ १९ ९के बाद]

मन्त्री विविच भारतीय मुस्सिम कीग सन्दर्भ *भारती* 

प्रिय महोत्रव

ट्रान्धवासके शिष्टमण्डकको बोहानिसवर्गसे मीचे सिखा तार मिका है

कलकी लाग कोळीकी। वहाईँ चारी रचनेका वृद्ध संकल्प। प्रस्तानोंने दिहा कोलेंको वार्ध प्रतिनिध्योंनर पूर्व विकासकी पुणरानिक्यांला व्यक्ते प्रकलीकी हार्दिक सराहृता पूर्व सार्वनकी पुणरानिक्यांका कर्माके कर वक्तकारका परिवाध को सरकार हारा सरकार ने होनेकी निवाध को सरकार हारा सरकार ने होनेकी निवाध प्रीक्रम प्रतिकास केरियों के स्विध्य केरियां कर स्वाधिक केरियां केरियां केरियां केरियां केरियां केरियां केरियां करियां केरियां करियां केरियां करियां करियां केरियां करियां करिय

मै आपका स्थान निर्धेय कमने वस तारके बाकियी अनुक्वियकी और दिलाता हूँ। वसने प्रकट होता है कि जो विदिध मारतीय मुखसमान ट्रान्सवासमें वस पये हैं और विन्हें समें विदेश होता है कि जो विदिध कानुगके नामने प्रतिक कानुगकी अबहेडमा करने और अपने दस कार्यके किए कैंद मुखलेकी जुकस्य महसूच हुई है उनकी वासिक माननाबोको दानस्वामको सरकारने यहरी देश पहुँचाई है।

यो विदिस संस्था सब नर्मोंका सम्मान करता है उसीके नीचे मुस्तमान बनाक्षमक प्रतियोगिकोंको एक सर्याच्या महत्त्वपूर्ण नामिक बतका सामन करनेसे रोका था रहा है। यह एक सम्मार मामका है। मुझे बासा है कि लीच इस बारेमें फीरन कार्रवाई करेसी।

मैं यह भी बतका हूँ कि पिछने साक फोक्सरस्टकी जेलमें रमवानके महोतेमें मुससमान अनाक्सफ प्रतिदेशियोंको लुभिकाएँ दी बढ़े थीं।

।अनक प्रावधानमञ्जा चुम्बनाय का वृद्द था।

वापका वावि

द्राहर किये हुए अंग्रेगी मसविदेकी फोटी-नकस (एस एन ५१७९) से

#### २७१ सन्बन

[सितम्बर १८ १९ ९ सेपूर्व]

### **पैटाइका क्रिप्टमण्ड**ङ

नेटाइक्के सन्दर्गांग शक्तिक आरतीय मुस्लिम कीयके नेता वैस्तिटर लक्षी इसामये मुक्तकाउ की। इसाम साहर्गने मस्य बेनेका वादा किया है। वसाई कुछे ने द्रान्त्यासके सम्बन्ध में कैंग्रिया सुर्गेने। श्यावमूर्ति कमीर काली वक्तवानुमारिकांत्रके किया मने के वे वह वापस का गने हैं। उन्होंने भी पूरी मनक स्तरेका काल रिया है। विस्त्रमणक्त कोई कूछे को स्तरा मंगा मा वह निक्क मया है। उसमें कोई कू कहते हैं

वो कट वर्तमान कानुनके बानको सराव होते हैं या जो कट वर्तमान कानुनकें परिचर्तन कानुने ही हुए हो सकते हैं उनके साम्यक्षणी सिटिस सरकार नेटास सरकारों एवं हिन्द स्वार्च कर सकती है। वह उनके साम्यक्षणी मिटिस सरकार नहीं कर सकती। के किन्न वहीं नवे कानुनों कोई ऐसी बात हो तो उनको मानुनु करनेका हुक विध्य सरकार है। विश्वार हो हो से उनको मानुनु करनेका हुक विध्य सरकार है। हिन्द सर्वो है उनके सम्यक्षणी सिट्ट सरकार के स्वार्च के सम्यक्षणी सिट्ट सरकार का सिटिस स्वार्च के सम्यक्षणी सिट्ट सरकार कर सिटिस है। इसके समावा निर्माणी की सम्यक्षणी साम्यक्षणी स्वार्च सरकार कर सिटिस है। इसके समावा निर्माणी की सम्यक्षणी साम्यक्षणी साम्यक्षणी साम्यक्षणी साम्यक्षणी साम्यक्षणी साम्यक्षणी साम्यक सरकार के सिटिस है। बसके समावा सरकार सिटिस है। बसके सारती में हिंस सिट्ट के सिटिस स

यह उत्तर अस्तर िराधानम्ह है। इसमें जन पिर गेटाक सरकारके किन्नमेक क्या गृही दिया पया है। सक्-सेक्टके हावमें सिखं कोगोपर कानू होगोसे कानून बनानेका विपन पहार है किन्तु वृद्धि किन्नेका-परावाना अधिनियम (बीकसे कार्योग्ड परिवर्ग किन्नेका-परावाना अधिनियम (बीकसे कार्योग्ड परिवर्ग कर पन्नी किए यह पर्याप होगा है इसकिय प्रसान गेटाकमों संस्थ हाँ बहुत-कुक परिवर्गन कर पन्नी किया कार्याप होगा है। इस प्राचारकों कर पन्नी किया कर पन्नी किया कर पन्नी किया कर पन्नी प्रमान कार्य कर पन्नी किया कर पन्नी कार्याप स्थाप कर प्रमान कार्य कुछ भी जतर नहीं विधा क्या है। इससे रिज्यास्त्रमा कार्य कुछ से जतर करनेकी सोपक सम्बन्धि क्या है। इस स्थापक कार्य कर किया निया कार्य किया कार्य के प्रसान कार्य कर करनेकी सोपक सामित क्या कार्य कर प्रमान कार्य कर प्रमान कार्य कर प्रमान कार्य कर करनेकी स्थापन कार्य करनेकी स्थापन है। इस प्रमान कार्य कर प्रमान कार्य कर कार्य कर प्रमान कार्य कर स्थापन कार्य कर स्थापन कार्य कर सामित कार्य कर स्थापन कार्य कर सामित कार्य कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कार्य कर सामित कार्य कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कर सामित कार्य कार्य

रमजान सरीक सूक होनेने भी हानी हनीन और जन्म चन्नन रोने रख रहे हैं। वे सब हाक्सें बोस्टर सम्बुद्धमानकी बहुनके वर रहाने वक्ते पन्ने हैं। इस प्रकार उनके किए रमजान मनानेकी पूरी सुविधा है।

the ettles to !

### पटेटी और पारती सरपापडी

सोमनारको पारिसमों की पटेटी नी। इसिक्य उसको ममानेके किए महीके मुक्स पारणी सम्बन्ध और महिलाएँ टेम्स नवीके तरूपर एक होटकमें बावचके किए गये ने। उसमें सर संबर्धी प्रानगरिकी मार्चेट ट्रान्यवास और मेटाकक प्रतिनिधि यो निमन्तित किसे गये ने। कामस पत्रास सम्बन्ध उपित्रत थे। यर मबरखी समाज ने। इस मक्कामें माराके पितानक सासाध तैरिसीकी यो पोतियों भी थीं। बन टोस्ट केकर सुमकाममा प्रकट करनेकी बारी बाई तो भी गीमीने पारसी जातिके टोस्टमें सर मंत्रत्यीके साव भी करसमनी थी घोराकनी भी सामूर्खी रिवेरिया और नारिश्या कामको मान भी केनेकी सनाइ की। प्रकाश समानें स्वास्त्र किया गया। अन्य प्रतिनिधियोंनें से भी बांगिलमा ही उपस्थित ने। उन्होंने भी बनदरके बनुकर माराक केते हुए सर मंत्रास्त्रीको उनके प्रमल्ति किए प्रयास दिया। माराकी इस पुक्त-साथाको सन्ते प्रामने सुना और उससे सममें पहानुमृति उत्सम

[युजरातीसे]

इंडियन कोपिनियम १६--१ -१९ ९

# २७२ पत्र साई कू के निश्वी सचिवकी

[सन्दन] वितम्बर १८ १९ ९

महोदव

निन्न तार बोहानिधवर्षेष्ठ मिले हैं यहका चीनी संघकी बोरसे बोर दूसरा बिटिस भारतीय संबक्ती कोरसे

#### पह्चा तार

जोहानिसवर्ग मिदान्बर, १६ १९ ९

ास्तान्तरः, १६ १९ ९ बन्यक्त सहित ८ भीनी निरक्तार। पूरी सामर्थ्यक्षे अनाव्यमक प्रतिरोध करनेका

कम्पक सहत ८ कामा विरक्तार। यूरी सामन्यसे अनाकामक प्रसिरीय करनेक संक्रम्य और अधिक बृढ़।

### रूपच तार

भोहानिसबर्ग नियम्बर १६ १९ ९

कमणी तथा बोशीली। सद्दार्थ जारी रखनेका युद्ध संकल्प। प्रस्तावीमें रिहा मीसीही बर्बां प्रतिनिविधीवर पूर्व विश्वासकी पुनरानिक्यांका उनके प्रशासीकी हारिक सरस्ता पूर्व समर्थनकी पुनः प्रतिशा बरमाँगके उस वक्तव्यका विरोध को सरकार हारा अध्यन न होनेकी स्थितिमें एक्षियाहर्योकी वृष्टिमें सरकारी नीतिका चीतक। रजवानमें मसकतान केंद्रियोंको विश्लेष जोवन देनेकी प्रार्वना नामंबर।

मेरे साबीकी और मेरी नम्न सम्मतिमें इन तारोंसे प्रकट होता है कि दास्पनाक्यें बिटिय भारतीय समान और प्रकटत जीनी समान भी प्रतिरोग जारी रखनेका परका इसस रसते हैं। मैं यह मी बहना चाहेंगा कि बगर चीपी संग हारा मेजी गई विरस्तारियोंकी संस्थाक सम्बन्धमें तारमें ही कोई गकवी नहीं हो गई है वो यह पहुंका ही मौना है बन सन्कारने इवनी बड़ी संस्थामें जीनियोंको गिरफ्तार करना उचित समझ है। बाग्योकनके बीरानमें मुझे एक भी ऐसा अवसर याब नहीं जाता अब स्वयं भारतीय समाजमें से एक ही चनह और एक साथ इतने क्रोम विरक्तार किये गये हों। तवापि तारींसे यह बात साफ ही वाती है कि सरकार बारा जलावे कहारोंने श्रीयवाई कोवोंको कमबोर करनेके बनाय उन्हें और ताकत की है।

धरकार द्वारा भी बरलॉनके इस बाधयके बक्तरूपका सम्बन्ध न किया बाना वि एसियाइसाँची रेस्से सबह कार्यु को को को किया है कुछ हुर्मासकी बात है। इस दस्तम्मका उन्हेंब मैंने अपने १ सिताबरके पत्रमें भी किया है। इसी प्रकार, रमसानके महीलेमें बिसमें मुसक्तमान अपने वर्गके बनुसार रोजे रखते 👢 मुस्क्रमान कैदियोंको सनके मोजनके सन्बन्धमें विसेष सुविधाएँ देनेसे इनकार करना भी वुर्भाम्यपूर्ण है। मुझे निस्नाप है कि कॉर्ड क् इसमें मुझसे सहमत होंथे। मैं जनका ब्लान इस बातकी बोर बाकवित करता हैं कि मैं बब पिड़के साल फोल्सपस्टमें कैंबड़ी सवा मुक्त खा था तब मैंने देखा वा कि रमवानमें मेरे उन साबी कैंदियोंको जो मुख्डमान वे विवेच सुविवार वो गई वी।

क्या काप बड़ पत्र कोई महोदयके सम्मस पेस करनेकी इपा करेंबे?

बाएका बाहि. सो क पांधी

क्रकोनियस मॉफिस रेकब्स २९१/१४२ और टाइप की हुई बन्तरी मंत्रेनी प्रतिकी फोटो-नक्स (एउ एन ५ ८२) ते शी।

देखिए पर १९८-१९। कास्त्रित कार्यान्यको २३ मितन्यको विश्ववीये क्षिक म्ला था कि स्त पर-धराहरी बाक रामनायो गार्नेको जेवार मुख्यान वैदिनी वर्ष च्यानके निरावि स्वयास स्वी राम सँगानी दीनी ।

# २७३ पत्र लॉर्ड मॉर्लेके निजी सचिवको

[सम्पन] सितम्बर १८ १९ ९

महोदय

मैं इसके साथ परम माननीय उपनिषेश मध्यक्ति सेवें यथे पत्रकी प्रतिसिपि मेव रहा हुँ और आपसे निवेदन करता हूँ कि आप इसे काँडें सकिके सामने पेस कर वें।

भें कोई महोदयका प्यान इस बातको बोर जास तीरखे बाकरित करना चाहता हूँ कि हास्प्रकृष्टिक ब्रिफिशियोंने रस्त्रज्ञाक महीनेमें रोजा रखनेके बार्मिक उनके सम्बाधने मृतकमान कैरियोंको मुक्तियाएँ देनेसे हनकार कर दिया है। येगी विश्वीत सम्प्रतिमें राज्यकालके ब्रिफिशियोंने अपनी मर्जीको जवरवसी मनवानेका जो यह तरीका अकितार किया है वह निरुक्त हो नया है व्योंकि इसका अर्थ कैरियोंगर उनके धर्मके मास्प्रसे हनका करना है।

> जापका आदि मो०का गांधी

इंडिया बॉलिस रेक्ट्स ३६ २/ ९ बीर टाइप की हुई दल्ली अंग्रेजी प्रतिकी क्रीने-नकत (एम एन ५८३) से।

# २७४ पत्र साँई ऍस्टहिसको

[सम्दन]

रितम्बर १८, १९ ९

नॉर्ड यहोश्य

द्रान्त्रपानके विटिय नारतीयोके किए सीमानूने योजूक निया है और मोजूक कर रहे

🕻 उमके लिए भी हानी हवीब और मैं आएको जिलता धम्यवाद रें बोड़ा 🕻 ।

बीमानुके इस मुक्तित जनका नि बीमानुको कर नहीं देना चाहता। किर भी मुझे छणना है कि मोर्थ कू को मैंने जो पत्र जेना है जसकी प्रतिमिति और उनके साथ पहुँ उनका नागर कारने जेनकैडे निगा मैं वर्तम्यन्य हूँ। मैंने इसको लेगबढ़ करना पनारा करना नमका।

१ देखिर विकास क्रीलेड ।

देशिर "परः चंद वृ के तियो स्तियो " पृत्र ४२१-५१ ।

इ देखिर " वर्षे कृते मेंद्रश सह " पृष्ठ ४ ८११ ।

सम्बर्ग गांधी वासमय

YXY यदि सर कॉर्ज फेरारकी सक्रिय सक्षानुमृति प्राप्त की का सक्ती है तो मुझे इसमें

कोई सम्बेह नहीं है कि मले ही जनरक स्मद्रस कोई भू को प्रतिकृत उत्तर दें उनको सर वॉर्वकी बाद दो धूननी ही होनी।

यदि जनरक स्मद्रसका उत्तर प्रतिकृत वाता है तो मैं नहीं छोचता कि भी हानी ह्बीन और मेरे छिए दक्षिण आधिकाको रणाना होना सन्मन होगा। मैं यह अनुभव करता हुँ कि हमें वपनी रवानगीसे पूर्व यहाँ कुछ सार्वजनिक कार्य करना जानश्यक होया।

हम बादा करते है कि बापका जनकाल चैनसे बोरोबा और मझे विश्वास है जाएकी इंग्कित विभाग मिसरा जिसके बाप अजिकारी है।

थापका वारि

टाइए की हुई दफ्त ए बंदेबी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ५८४) से ।

२७५ पत्र उपनिवेश-उपसचिवको

[क्रम्बन] सिवम्बर २ १९ ९

महोदय

नेटाकके प्रवासी-प्रतिवत्कक विभावको जोरसे मेरे साबी भी जामद भागातके नाम भेवा पदा एक पत्र बढ़ाँ उनकी जनपरिवरिमें आया है। भी अभोद भावातने एक मौतनीके किए. जिसे पीटरमैरित्सवर्ममें मस्त्रिवका और एक मबरसेका काम सम्मासना 🖁 एक अस्नामी नामाबाही (विविटिंग) पासकी गाँग करते हुए जो नवीं दी दी यह पर उसीके उत्तरमें मेना पमा है। यह अर्थी पीटरमैरिसनगृत सम्मर्ण मस्क्रिम समानकी जोरसे और उसके 🗗 नामसे भेजी नई भी। मैं इसके साज पूर्वोंक्त पत्रकी एक नकस मेज पड़ा हैं।

मैं साइसपूर्वक यह मान केता है कि काँडे क उम ब्रिटिक मारतीय मससमानाँकी भावनाओंका काकसन कर सर्वेंगे को उस उपनिवेधमें ईमानवारीये अपनी बीविका कमानेके उद्देश्यक्षे बसे हैं। मैं और मेरे सहकारी मानते हैं कि प्रवासी-प्रतिकत्वक विभागके इस पत्रसे मनप्पके नाते ब्रिटिश प्रजाके नाते और उत्तना ही मुस्कमान होनेके नाते हमापै मानगाओं को करी चोट पार्ची है। प्रवासी अधिकारीको खास तीरसे बह बारवासन से दिया

१ क्य पार्मे का शीन मांगरिमाची छति है। विद्या वस नातक मनान है कि स्वतीरत संगीनीका था। रोक्सने बस्ते १४ वज्रास्त, १९ ९ के कारी विकास सी सीरामीरास्त्रीत वीक्सीक विकास (नेरामें प्रतितिकारि से बक्के हारों) मेवा हवा मारका का मोरहर है और बहुत अच्छा है, वेदिन जान बीन्टि कारी जिल्लार पहुत रही है। को। बहते हैं कि वसीकेंद्रा केवन नामरवनी इतिसे पात करन दौता है। राज बाह्या है कि बात हरूपर देशा कोई दोन वहीं क्या पार्नेने । मैं पर पत्रकी करनी अलावी पुराकर्में सीरिक्टिको तरह है रहा हूँ । वह मध्यक्तिको हिस्ते दिस्तान गायस होता है और स्टॉन कोई मेर हो बीना क्ष्मी बदा है । " बीचको बह पर नाने वू बूँजेडी माँक मुखायर मानक ग्रासिकाने परिक्रिय-बीके क्रमी करत किया या । देखिल "पन : क्लीट फरीसी" वर्ष ४१९-१३ ।

मया वा कि इस मौक्रवीकी जकरत सिर्फ वार्मिक कार्योंके किए है और वह व्यापारमें या किसी भी इसरे व्यवसायमें नहीं पढ़गा और इसकिए किसीके साथ प्रतियोगिया नहीं करेगा। पूर्वोक्त सामारण सर्वी मनुर करानेके किए हमारे समानको इतनी भारी मेहनत करनी

पत्र सर्वाचील-स्पर्श**ास्त्र**को

पड़े और यह अर्थी इतने आपत्तिजनक बगते मनुर की जाये --- और वह भी एक ऐसे मामकेमें जिसका उपनिवेदाकी बाधिक गीतिसे कहीं कोई सम्बन्ध नहीं है सिफ मह बात भाहिर करता है कि ब्रिटिय भारतीयोंको नेटाक्सें कैसी बुआवासी अपनानजनक और कठिन परिस्पितियों में खुना पढ़ता है। बाबाजाही (बिबिन्य) पास मिर्फ दीन ही महीनोंके किए नयों दिया गया है उस हर तिमाड़ीके बाद नया करानेके किए नयों कहा गया है और

क्षत्र उसे नया किया जाने तब इर बार उसके साथ बीस विक्रिंग मरनेनी वण्ड-मेसी पार्त नर्मो कपाई मई है -- में सारी वार्ते इसारी समझके बाहर है। इस शिष्टमण्डलकी नम्न सम्में ऐसी नीति बरवन्त कृप्तापूर्ण ही कही वा सकती है। वह माप्तीय समाजकी सहन-शन्तिपर मारी बोस सारती है। हमारे विष्टमध्यकके यहाँ पाले हए, में नस्रतापूर्वक यह सन्योप करता हूँ कि आँडे कू नेटासमें मारतीयोंकी इस विसंवत स्वितिपर यम्मीरतापूर्वक विचार करें। इम मानते हैं कि ऐसी स्विति साम्राज्यकी सरकाका - उस साम्राज्यकी मुरक्षाका -

समास र रहे हुए, जिसके प्रधानन होनेका भारतीयोंको सभीतक वर्ष रहा है अधिक कास दक नहीं चलाई जा सकती और न अबाई जानी चाहिए। बीर इसका कारण यह है कि वह वसहा है। हम बपने प्रति समाजका इसमें को विस्वास है उसके प्रति और साम्राज्यके प्रति जन्माय करेंने यदि इस खाँडे महोदयको इस बातकी प्रतीति नहीं करा देते कि नेटाकमें ब्रिटिश भारतीयोंके शांच को अपमानजनक व्यवद्वार किया जा रहा है वह उनके हृदयमें भूककी तरह चुमता है और यह हास्त जिस दिन हरसे पुकर कावेगी उस दिन---वह दिन कमी भी था सक्का है- क्या गरियान होंने उनकी करपना करना कठन है।

मैंने अपनी बाद अपने साबी प्रतिनिधियोंकी सम्मतिसे किंचित् आवेसपूर्वक सिसी है, फिन्दु यह बादेव अवसरकी नाँचके बनुसार जिल्ला होना जाडिए उससे क्यादा नहीं है।

ৰাণকা ৰাবি

एम० सी० सांगंखिया

[अमेजीसे]

कनोनियन मॉल्डिस रेकर्बस १७९/२५५।

# २७६ पत्र सर्वेड क के निसी सचिवकी

[सन्दर्ग] वितम्बर २१, १९ ९

महोत्रय

मी हानी हरीनको जीर मुझे भाकम हजा था कि दान्सवाकके विदिश घारतीमींकी समस्या हम करनेके किए जो बात्रचीत कल रही थी उसके सम्बन्धमें कोई कृ बनार स्मदसको एक तार्' सेजनैवाके थे। क्या से जान सकता है कि इस तारका बनरब स्मदबने कोई जवाब दिया है वा नहीं ?"

> कापका जाहि. भो • ६० गांवी

[बंबेनीसे ]

क्योनियम ऑफिस रेक्स्थ २९१/१४२।

२७७ पत्र एष० एस० एस० पोलकको

[ सन्दम ] विकास २३ १९ ९

भिय हेन्दी

मुझे जाएका क्येशाकुत क्येटा पत्र मिका। श्रमनानके महीनेमें चुनिवाएँ देनेटे

महिकारिगोंके इनकारके सम्बन्धमें बोडानिसबर्गेसे यह संगाड प्राप्त हारकी तक्क मैने सेव मी थी। अविक भारतीय मस्किम कीगकी सन्दन बाका द्वारा भारतकी केन्द्रीय कीवकी मेने

गर्ने दारली तकक इसके साल जेन रहा हैं। नासा है जाप नम्बर्सि केमीय सीनके साव मत-स्थनहार कर रहे होंगे।

१ क्षेत्रे हाने वह पासा जिला था कि ने चांचीची चीट वाजी वशीनके साथ अपनी पासचीत्राज्ञ परिचान हारते करण राम्हरको मेन वेंदे और सेर्ड बन्धिकती मार्केट देश फिने को पांचीचीक संबोधनको मान क्रेनेट भी बोर रेंगे। देखिए "बॉर्ड क से ग्रेंका सार" यह ४११ और वॉरिसिट व४ वो ।

a. सन्द्र कारों संपीर्वादी ४ कारपाड़ी कार्निक कार्नकरा का रा निम श: " शासकरे निर्दित भारतीयोंके प्रकार सम्मनी ने फिल्हाक जानको नोई ज्यादा वास्त्राती हे सकी। सम्मान स्वी है । प्रको कालियों १६ तारीक्यों कोई स्तीक्यों जानी मेंबे शार नाम्में थी पर नारित्यार दिया है, जानी बासकारी करविदेश संस्कारको मेल वी गई गी । अन का जानकारीको जानमें रखते हुए खर्क कटीकोश संस्कारकी का दल करना है कि कह की कारहको शताने इस मानगरर कामून नमलेक किर देनत है वा स्वर्धी।"

क्ष कहा वर्ग मा " नारतीन विकासकारो कुन्तान्त्रे तार विकार प्रस्तान प्रसादती केश्वीको

रमकानमें सारिवारों को थी थी। सरक काँगारे करें।"

में इस बातमें बापसे विस्कृत सहस्यत हूँ कि समाका दर किया भागा सान्योकनके पक्षमें बहिया विज्ञापन रहा और उससे विकिश्तरियोंको पूर्वताका भी उत्तरा ही सण्डा विज्ञापन हो गया।'

ऐस्बोकेन जोठ प्रेषिमा का बालेप विस्तृत मूर्यतापूर्व है। उससे पत्र और उससे सेलक्डि बिनिएन बन्य किसीकी हानि नहीं हो सकती। यदि वी बावियान उसका समावान कर दिया हो तो ठीक ही है। यदि उन्होंने न किया हा तो भी भेरा प्रयान है उससे काई एक नहीं पहना। बाएको यह बातकर बाहवर्ष होगा कि निस्त करारमें यह बाधेप या वह ब्रायके मेंने नित्तानोंके हो कैक्टी मिली। नेसा बसात है कर्याणशासने या बसने भी करारों बनाई हो जनस्य ही यह सीचा होगा कि वह बनुच्छेद हतना तिर स्कार-मोत्स है कि यहां सुनेवाले हम कोनोंको उसे देवना भी नहीं चाहिए।

मुसे बदतक सोंडे कू का उत्तर नहीं मिका है। मैं बाद दिवानेके सिए एक विद्रिश्च मेन

च्दा है।

में आपको अने अपने पात्रिक खोले जानेकी बान चमझ सकता हूँ केकिन आपको भेने मिलीके एक इयरतन खोके जाते हैं यह बात भेरी समझने नहीं आयी। हम नाया करें, इस पार्मिको पान्निये पहुनेवाखाँकी आव-बिद्ध हुई होंगी और उनको पत्नी-मिलाका अर्थ भी मानुम हो गया होगा। मिलीक पत्रिस उनको पूरी-पूरी विकास मिक नई होगी।

यरि स्मद्रम्डा उत्तर अनुष्कुल न हुवा तो यहाँचे येथे रचानकी अभी एक महीनेतक बीर सम्बद्ध नहीं है। श्री मामर बह यहाँ हैं। मैंने उनसे मेंटना समय मीना है। सबि यस्सी ही संसद मंग न हुई तो अब यहाँका मीसम सार्वनिक कार्यके किए अनुकृत है।

मेरा लयाल है आपको यह नहीं किया है कि मैं जिन धारतीय महिलावींचे मिक एकता हूँ उन सबसे निक रहा हूँ बीर उनसे इंडियन बोरिनियन के सम्मादरके नाम

र नाने ४ दिवानको साथे भी योजनेते विका सा "पंत्रासकी वर्ष व्यवने हमारे कार्यक्र दिव हो हुन। है। एवं दुस्तानको और कोर्टिका माम विवा है। वर्ष दुस्तुक कोर्येश कार्यक्र सर गया है। साथे पुतिक रूप हो है तथा की अधिकाल के प्रवादकत हुना है। ये का ना वर्ष कार्यके कार्यक्र माम के या रागा कियो, की प्रकार निर्माक स्थापन है, मेरी सामक स्थापिक नाविकास कार्यक्र हो मेरे ठारीक १४ की रीप । सरकारों काल्याक पूर्व की भी, किया क्षेत्रिक सुर्व पूर्वकरण । साथ किया हा सी विचा हमा और स्थापन है कि एक स्थापन के साथ नाव्या साथक हो है बीच के सिंद की साथ कार्यक स्थापन की सी हमा साथ की साथ कार्यकर माम करते हमा साथ की साथ हो की हो हिया है।

७. जी रोज्यमें सर तम्मणों पंतिप्रोकां प्र तिकारकों विकास था "जी बोदकों परनेर्द्रके करने की कामणों थी। गम्मणां वी गम्मणां वा गम्मणां वी गम्मणां वा गम्मणां वी गमणां वी गम्मणां वी गम्मणां वी गम्मणां वी गम्मणां वी गम्मणां वी गमणां वी गम

হ ইন্দিৰ ফিলা হাঁগৰ।

४ १४ नग्रस्थी शिमने लोद सलने जिला वाः "मिनीह समें योति वातेद दिसये वच हता मिनी न्यारा की गुडे १ हुई न्यारा है दि वायेद नेयान स्थितेद हिन बीत मुदे हैं १ हुई नामे तरामुक्ति है, पर मिने निपीती सम्मन वेवती दिका निषद नामें माँ हिना है।"

## २७६ पत्र स्टॉर्डक् के निजी सचिवको

[सम्दन] शिवमार २३ १९०९

महोदय

भी द्वाची हरीनको बीर मुझे शाकुम हुवा वा कि दान्त्यवासके बिटिल प्राच्छीनॉकी समस्या हुछ करनेके किए को बादकीत करू रही थी उसके सम्बन्धमें काई कृ बनरक स्मद्रमंत्रो एक तार' घेवनेवाके वे । क्या मैं जान शक्ता है कि इस शास्त्रा अनरम स्मद्रमने कोई जवाब दिया है का नहीं ?"

> भाषका वारि मोक का गांधी

[बंगवीसे]

ककोनियम कॉफिस रेक्क्स २९१/१४२।

२७७ पत्र एष० एस० एस० पोसकको

हिन्दन ] धितायरे २६ १९ ९

प्रिय देन पै

मुझे जापका अपेकाकृत छोटा पत्र निका। रमजातके महीतेमें कुविधाएँ देनेटे अधिकारियोंके इनकारके सम्बन्धमें जोडानिसबर्गेंसे यह सप्ताह प्राप्त वारकी नक्क मैंने मेग की भी।

बारिक भारतीय मुस्किम कीमकी कन्दन भारता द्वारा भारतकी केन्द्रीय कीयको भेदे धर्मे द्वारती शक्त इसके शान मेन एडा हैं। माबा है जान बामांद्वी केमीय सीमके शान पत्र-स्वद्वार कर रहे होंगे।

६ और बुधे वर नामा किया था कि वे पांचीमी और हामी हवीचोर छान अन्तरी नास्पीतको परिणाम सारते मातक कारतावों मेळ वेंने और कॉर्न कार्नी कार्नीशको गार्चेश रेख किने पने चांचीचीके संबोधकरी मान केनेसर भी मीर होते; देखिल अवर्ध कुछे मैंस्का शत अ प्रश् और परिविद्य १४ भी ।

र, बड़के क्लामें गांबीबीकी ४ जस्तवरको अमितिक पार्यक्रका यह रूप मिल था। " शालवालेक निर्दित भारतीमीक प्रकार रामनारी के विकास नामको बीवें ज्याचा बानकारी के छन्दे । सकते सम्मानक मही है । रिक्के अधिनेदी १६ दारीकड़ी कोई महीदको अवसी मेंके नार जापने थी एक अस्टिवार दिया है, काली समस्यों श्रामित राजानी मेन ही में ही । यह का नामराहित नामरें एके इस बारे नामित सरसाहित कर तथ बराबा है कि पर जी अवस्थे तकाने हुए जागाएस बायून नमनेबे किए तेवार है या नहीं।"

क्षेत्र पदा पना नाः "जातीन विश्वनक्षण्यो कृत्याको यह निनाः प्रमानाव सन्तानी चेतिनीची

रद्रशासी द्वरिवार्थ कर्ते से वर्ष । प्रत्य कार्यको करें ।"



बुजरातीमें ऐसे पत्र के रहा हूँ को आन्वोक्तनको उक्षेत्रन देनेवाके और भारतीय नारियोंकी निष्ठाकी सराहता करनेवाले हों। आपने मही सकित किया था कि जाप भारतीय स्विपोंकी एक समामें भाषण देनेवाले हैं। जाप उनसे जितने पत्र के सकी से हैं। जाप उनसे जंबेनी-में भी पत्र हों। अंग्रेजीमें पत्र न केनेका कोई कारण नहीं है। में पुजराती स्त्रिमेंसे पुत्र रातीमें मिन्ने पत्र से पता हैं क्योंकि मेरी किना बाद है कि वे अपनी मातुमापाकी उपेता न करें। एक पत्र भीगती बुबेका है। वे बत्यन्त मनोहारी अवितरवकी उत्तर भारतीय महिला है। वे बम्बर्समें रही हैं इसकिए गुजराती पढ़ और सिक्क सकती है। दूसरा पत सीमती के सी दिनपाका है। वे कुछ समय दर्शनमें रही है और सद सपन पतिके साथ मुरोपमें भाता कर छी हैं। जाप भीमती पेटिट श्रीमती राजडे और जन्म महिलाबीसे पत्र सें। कुमारी विटरबॉटम अपनी सैरसे कीट जाई है। मैंने सुक्षाव दिया है कि नवेंद मारियाँ सहामुम्रुतिका पत्र वे<sup>र</sup> और अनाकामक अतिरोधियोंकी पीड़ित परिनयों और पुवियोने कप्ट-मोचनके सिए बोड़ा-बोड़ा चन्ता मी वें। मैं इसी प्रकारकी बात बड़कि सिए भी दुसाना चाहता हूँ। में रकमपर चोर नहीं देता बस्कि इस बातपर बोर देता हूँ कि प्रस्नेन सुसंस्कृत भारतीय स्त्री द्वान्सवस्कृती अपनी बहुगीके किए कुछ दे चाहे वह एक पैता है हो। मैं इसका मारतमें अधिकतम प्रचार करेंगा। कोई कारच नहीं है कि रिजर्वोकी एक समा मी क्यों न की बाये। उसमें सिर्फ प्रस्ताव पास किये बायें।

बनाकामक प्रतिरोजके सम्बन्धमें बैसे इसने बोहानिसवर्गमें पुरस्कारकी बोपना करके निवान विश्वाम ने बैटा ही एक निवान में यहाँ और एक भारतमें निश्वानेका निवार कर रहा हूँ। मैंने वाँ मेहताके सम्मुख प्रस्ताव रखा था कि पुरस्कार वे वें। सन्होंने इस बारेने विभार कर किया है और वे पुरस्कार देनेके किए रखामन्द है। मैं बहकी निवमानको बना र्चेपा और उसकी एक प्रतिक्रिपि आपको सेर्बुमा फिल्टु यह अवने सप्ताह करूँगा। इस बीच बाप इन प्रकार पर विचार करें

- १ मारतमें निर्धायक कीन-कीन हों है र पुरस्कार किसके नामसे दिया जाये?
- १ रामकारी रहेवा रह रह ११-५-१५०९ के डॅक्टिवर ऑर्पिनियर्ग क्या या ।
- २. बुरश्रेशमें बैकुमार कामध्यो दिनशाका का दश १३ १०-२९ ९ के इंडियम मोरिशियममें क्या वा : रे कुमारी क्लेटेंस फिटवरीसम्बा यह नव २५-१२-१९ ९ के ब्रॉडियन ऑफिनियनमें <sup>ee</sup> स्लास्ट्रेनीयो वसिर्वोदी रुमेद्र " सीर्वेद्धे प्रदासित हुवा वा । शस्त्रे जनावा दिला अलेक दाउरिक्दा का का ११-११-१९ ९ के इंडियन ओपिवियनमें का बोर्नेकते बना था " यह बोरेव बीचा एवं छलामदिनेंद्री परिकारि
- ४ पोल्क्क्ने कारों किया था "वह शास्त्रर काका। हाँ है कि जान काकाड़ी नारतीय पश्चिमाँति समर्द नवाने इस है । में बरेडको हास औरती स्ट्रेडिनी जलहारी यह वर्षित वर्तनी क्रेडिन वर स्ट्राई बीमती स्वकेषी स्वरोधी महिकानीने शुल्लाकरी महिकानीक किय स्वा<u>ल</u>्लाकर एक मसाल वार किया है की करी करों मेर दिशा संशेषा । करने से कुछ अधिकरों लिया समागर हाँ और के निय विकार भी मेरेंगी । बीजरी देखि तरों हो कही सुपति वह भेजेंची और ये कमरे अनुरोप कर्मेंचा है। वे बृहरी शहिकारोंहे में देना बरनेके किर करें। बहिकारोंके एक संस्थान होवा-सरको कियोंकी स्वाम्हाने किए ५ करने राम्यान जेने है। हे और वो करा देंगी। वन्त्री किरोंकी स्थान वसाव नाम धरना और वर्धी ना नामित सामनी अविकारिकोंकी प्रतिनयों की नहीं आदिशा की रण

इस विषयमें बोड़ी साजपानी बरतानी होगी क्योंकि यह स्पष्ट है यद्यपि बात आवर्ष जनक स्मीमी कि बहुकि लोग जनाकामक प्रतिरोजको वित्रकुल मही समझते और मदि हमें बहु कोई ऐसा निकल्प तिकाला हो जिसका हुक भी साम हो सके तो उसमें मारतानें सार्वजनिक आल्योकनींपर अनाव्यासक प्रतिरोजके प्रमावीपर पूरी प्रवपका होनी चाहिए। बात इस सम्बन्धमें में बोचले और अन्य क्षोमित बातबीत कर सकते हैं। पुरस्कारकी एकम ५ पीड महो और ५ पीड बहु हो सकती है ताकि हम बोगों बेसोमें अच्छे स्वतकोंकों आहरित कर सकें। में भी मायर, वो विकार सीर सन्य कोगोंसे समझ करनेवामा है। मारि यहां सार्वजनिक करने कोई कार्या।

नेटालके मित्रोंसेंसे बी एच एस बदात पेरिस चक्ते क्ये हैं। उनका बन्तिम सक्य पक्का है।

मेरा समान है भी उमर बौर ईसा हात्री सुमार बसी जाएके साथ ही है।

मुझे सूरतकी सवाके सम्बन्धने बापका ठार मिछा। मैं समस्ता हूँ कि कूपरी समाएँ भी सक्की रही होंनी और बापके सब प्रस्ताब भारतके बाहसरायको भेने का रहे होंने।

वाँ सहुता यहाँ है और कुछ दिन रहुँचे। वे रविवारको पेरिसके किए और पहुणी उरिसको मानिनीविदे रंपूनके किए त्याना होंचे। व २६ अक्नूबरको रंपून पहुँचेंगे। आप नहीं मी हों रेपा ज्याक है आप वाँ सेहुगाछे पर-व्यवहार करके रागून हा सामें तो ज्याक क्षणा रहूना। वाँ सेहुशा बापका पत्र मिकनेव होंके बापको न सिल मकेंगे नवींकि उनको बारका रहा का नहीं याबूस होता। इनका बारक है कि सापके रंपून बानेका विवार क्षणा रहेगा। वहां एक समा की वा सकती है। हिन्तु वो मी हों नेरी विक्ता यह है कि साप कोंगी एक-पूरारेंगे निक्ता कहा है कि साप कोंगी एक-पूरारेंगे निक्ता के हिन्दा के साप कोंगी एक-पूरारेंगे निक्ता के हिन्दा के साप कोंगी एक-पूरारेंगे निक्ता के हिन्दा के साप कोंगी एक-पूरारेंगे के साप की साप का साप के साप की साप का साप के साप की साप का साप के साप के साप के साप के साप की साप का साप का साप का साप के साप क

र पोण्ड स्त्र निकास मोजीसे एक्ट्र बरमा पारते हैं । वह का भी बाक्या पारते हैं कि मोहिस्स सम्पर्कत निर्माण्ड नमना स्त्रीकर करेंसे वा कहीं ।

ए. महानीय व्यवसारिक। विश्वन व्यक्तिकारी मोरीक एक क्षानी; १८४८ में पोरी मेजी क्षाप्रहार वर्षकरें वरणेस्वान जिल्ला में को बोला और कर्षाणि क्षाप्रकारे १९ १ में बृधिक्ता मोरिपिनयत हान किया १९ ४ से निमास स्वानीयी करते को। विश्वत क्षात्र १ १६ ००। १ रीन्यने कर्ण दिवा: "में भी केतायी काले काला पक्षत्र करियोंची केतायी करीया कर या हैं।

्रे पेम्प्टों करा रिवा: "मैं भी कंतरती तसी क्या वर्धन करियों दे क्रियेंचे केन्द्रियों के दिवा है। रि. मैं दिवारी कर तारियें वार्धीने क्रम्या, बादी कर कराइयों के क्यांकर कर की मोर्चेंची क्षी थी। माहि वार्क करें में बातर को कार्यी केडिया कर्मेंया, वार्धिन केंद्र करियों क्रियेंची के वहुं भी हुने करता गा है, वह पटेंचा परिवास कर पूर्वोंचा कर्म करती हैं। और बाद कीन की व्यक्त वह पूचा विशास करियों हैं करों भी कर करें ही हैं। हुने हों करा है हैं हैं हैं हैं हो की क्षा है पुनरातीमें ऐसे पत्र के पहा 📝 जी बान्दोलनको उल्लेजन देनेताले और भारतीय नारियोक्स निष्ठाकी सराहता करनेवाले हों। जापने मूसे सूचित किया वा कि वाप भारतीय रिवर्नेकी एक सभामें मायण देनवाले हैं। आप जनसे जितने पत्र के सकें के लें। जाप उनसे जंदेरी-में भी पत्र कें। अंग्रेजीमें पत्र म केनेका कोई कारण मही है। मैं मुजराठी स्त्रिनेति कुर **ए**टीमें लिखे पत्र से पता हूँ नमोंकि मेरी जिल्ला यह है कि ने अपनी मानुभाषाकी रोगा म करें। एक पत्र श्रीमती व्येका है। वे अध्यन्त मनोहारी व्यक्तित्वकी उत्तर माधीर महिला हु। वे बन्बईसें एही हैं इस्तिस्य नुकराती पढ़ कीर सिक्त सकरी है। दूसरा पर श्रीमती के ही विनदाका है। वे कुछ स्तरस वर्तनमें एही हैं और सब कपने परिके साम सूरोपमें सामा कर रही हैं। आप श्रीमती पेटिट, श्रीमती रानडे और क्या महिलाकी पत्र सें। कुमारी विटरकॉरम अपनी वैरसे कीट आई है। मैंने पुसाब विदा है कि अंदेव मारियाँ चहानुमृतिका पण वें और जनाकासक प्रतिरोधियोंकी पीडिय परिनवों और पृथ्यिके रूप्ट-मोचनके किए बोडा-बोडा चन्या भी हैं। मैं इसी प्रकारकी बात बड़ाँके किए भी सुताया चाहता हैं। मैं रकमपर बोर नहीं देता वहिक इस बातपर बीर देता है कि प्रत्येक सुसंस्कृत मारतीय रुपी ट्रान्यवालकी वपनी वहनोके किए पुंच दे वाहे वह एक पैसा ही हो। में स्सका मारतमें अधिकतम प्रवार करना। कोई कारण नहीं है कि रिवर्गोंकी एक स्था मी क्यों न की बाये। उत्तर्में तिर्फ प्रस्ताव पास किये बायें।

जनाकामक प्रतिरोधके सम्बन्धमें वैसे हमने बोहानिसवर्यमें पुरस्कारकी बोपका करके निवन्य विकार ने वैदा ही एक निवन्त में यहाँ और एक चारतमें मिनानेका विचार कर एहा हूँ। मैने बाँ मेहताके सम्मूख प्रस्ताव एका वा कि पुरस्कार वे वें। उन्होंने इस वारेवें विचार कर किया है और ने पुरस्कार वेतेके किए रवामण्य है। मैं इसकी निवेनावती वया सूँगा और सरको एक प्रतिकिपि बागको गेर्जुला निरुतु यह बचके सरवाह करूँगा। इस नीव भाप क्रम प्रकार पर विचार करें

१ मारतमें निर्मायक कीन-कीन श्री है

२ परस्कार फिसके नामसे विया जाये ?

१ रामक्रमणी दुवेका वस राम ११-९-१९ ९ के इंडियन ऑफिनियममें बना था ।

 श्रूपकरमाँ केंक्सम् कामध्यी विश्वास्त्र एक एक १३ १०-१९ ९ के इंडियम अधिपित्रवर्षों अर्थ था।
 कुमारी न्वरित विराजित्यका यक वय १५ १६-१९ ९ के इंडियम ओपिनिवर्षण अस्त्रामीयोंको प्रतिनोंको समेदा " होनेको अवस्थित क्या था । असे सकता विश्वा मार्गेट दावरिनका का का ११ १९ १९ ९ के इंडियन जीपिविषयों का बीर्नेक्ट बना था "का बोरेन बीका पर सलामदिनेकी परिकारि

४ रोज्यते कराये किया था "व्य वास्त्रत मतका झाँ है कि नार कमत्रती नातिक परिकर्णते स्थापन क्षेत्रक कर का है। मैं कोलको द्वारा जीकी क्ष्त्रिको नायको वाद विकास के का है। जीनको राज्येको स्थानिय महिकानीव बृत्यसम्बद्धी व्यक्तिनीक किय स्वरत्यस्त्रीच्या यक अकाम वास किया है वी करों कर देश दिशा सभेता । कमी है कुछ महिकार किया समस्यत हूँ और के लिए भिकार जो नेनेंगी। सीमही ऐसिंह स्टों ही करी. सुकी है यह नेनेंगी और है करते. क्यूरोन वर्तना कि वे हानी वहिकारोंने में रेता इत्तेषे किर करें। बरिवानीय जा संक्रम सेश-सरको किर्योगी कामकाये किर ५ राने शुक्ताक नेते हैं। दे और त्री करा रेंगी। गर्कारेंगी विवर्तेकी स्वतांत्र शतांत्र शतांत्र करना और नर्दी ना स्वीदि स्कृतने सरिकारिकोची परिवर्ध की पार्ट काविका की र"

इस निययमें बोड़ी सावधानी बरतानी होगी. वर्षोंकि यह स्पष्ट है यधिए बात आस्वर्य बनक कांगी कि बहुकि लोग बनाक्यमक प्रतिरोजको निकन्नुक गहीं समझते. मीर मिंद हमें बहुँ कोई ऐसा निकल्प क्षित्राना हो जिसका हुक भी काम हो यके तो उसमें मारतमें सार्यविक्त बान्योकनीयर बनाक्यमक प्रतिरोजके प्रमानीयन पूरी क्षेपणा होनी पाहिए: वाप सर्व सम्बन्धनों मो मोखके और बन्ध कांगीते बातबीत कर सकते हैं। पुरस्कारकी रक्तम ५ पींड बहुँ बीर ५ पींड बहुँ हो सकती है ताकि हम बोनों बेचोंने बच्छ केसकोंको बाकपित कर सकें। में थी मायर, वों निकन्न और बन्ध कोंगीते सकाह करनेवाका हूँ। सार्याद हो सार्वनिक कमसे कोई कांगीब करनी हो तो इस पुरस्कार-निवन्त्रसे ट्राम्याकके मामसेका ब्यायक विकारन हो बायेया।

नेटालके मित्रॉमेंसे की एवं एमं बदात पेरिस चक्ते गये हैं। उनका जल्तिस सकस्य पक्ता है।

मेरा बमान है भी जमर और देशा हाथी सुमार बमी बागके साव ही है।
मूसे सुरक्षकी समावे सम्बन्धमें आपका तार निका। मैं समस्या हूँ कि दूसरी समारे
मी बच्ची की होंगी और आपके सब प्रस्ताव मारक वास्त्रायको मेने वा रहे होंगे।

र पोन्ना एवं निकाम शोकांको सम्बद्ध करना पानते हैं। का कर भी कामना पानते हैं मिं अभिकार कम्पारकर निर्माणक करना स्वीकार करेंगे ना नहीं।

2. पावनीय जान्यारित, वहिन जानिकामें गोर्नित का शानी; १८९८ में पोपीनीमी सम्बन्ध जांदने स्थारोवान मिर्देश नेत बीच, चौर कार्यके प्राथमको १९ ३ में हिम्मन जोरिवियम हास निता १९ ४ से निता संस्थान में मेरी करने को है हिम्म स्थान हु कर २००। १ रोजप्रेस करर दिना "मैं मी संस्थाभी करने जावा लगाँव गारियोंकी केन्द्रोमी स्थीमा कर रहा हूं।

१ शिक्सने कर दिशा "मैं नी छंतरकी करते काश लर्डन गरिरोंनी देखनेती अरीका कर दश हूं। फिर में स्थिति काश गरेंने नावर्डन करनेता बेती का बकाइनी केलीयांत्रे छात कि बोबी-छी तो हो। बाहिंद बाहेदे तरके में मकाबर मी बालेडी कोशिय करनेता छाति तील बाहियी दिवाँकी देख लाई की छुते लाजा करा है, यह देविया परिचाण कर हार्यका सच्च काशी हैं। बीर बात कोश बी एकत तक पूरण निवास करनेताले है, करों भी बात कर देवी हैं। हुता ही काशा है कि है और वी काशी हैं।" समाने क्षेत्री करावर

YR थी ठाकरका समाय है कि इस इतने यरीय है कि इसे करवनकी किट्सीके किए बी बानेबाकी एक बिलीकी बचन करनी चाहिए और कम्स्टेक्स फिनहांक उसे क्य कर बेमा चाहिए। मझे भी ऐसा ही कवता है और मैं उनसे सहस्रत हैं। फिर, यह देशते हुए कि

बाजका अवादारका तपसीस सकात जनावासक प्रतिरोधके किए किए। या रहा है का हम विद्याको बस्त करमेमें बद्धिमत्ता न होगी ? कपमा सन्ने सपनी सम्मति वापमी आक्रमे हैं। तत मानाव फीनिक्समें बेस्ट और बमारी बेस्टके सम्बन्धमें बाबर बास्त बारवासंस्था

मिली है। दोनों विस्टूस चतरेसे बाहर है।

टाइप की हाई बप्तारी अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्स (एस एन ५ ९१) से।

# २७८ सन्तन

सितम्बर २५. १९ ९ के प्रवी

#### केन्स्वया विकासका

इस शिष्टमच्यासकी गतिविविके सम्बन्धमें कुछ व्यावा नहीं कहना है। चिट्ठी-गत्री वक रही है। न्यायमृति जमीर सजीसे भेंट हुई है। वे शहानुभाव विरामिटियांका बाता शन्द करनेको बहुद महत्त्व बेते हैं। उन्होंने पूरी-पूरी सहाक्दा बेनेका बादा किया है। वॉ बार्नेट नामके एक पावधी है वे भी [प्रतिनिविषोध] मिक्क्टे शहरे हैं।

भी बबात इस संदाह पेरिस चड़े गमें हैं। यह तम हवा है कि वे बासि इस्तम्बरू इस्तम्बक्से बहा और बहाये मनका करीफ कार्येते ।

### यावतीयकी प्रतिया

यहाँके वेसी न्याच वसवारमें सबर है कि एक पारशी शुरुवनने ऐसी सोवनी है जिससे जाकी वस्तवात वर्मधाकी अवाहण वहत कम की का सकती है। देखी स्पर्व के संबादशायाने जाने किया है कि इस बोजकी सार्वजनिक परीक्षा कुछ दिगोंमें की जानेकी।

#### क्रमीवारके अस्तिथ

वंत्रीवारमें नारधीनोंका वो कट घठाने पक्षेत्र है कनके सम्बन्धने वहाँ एक सार्वनिक सना की नहीं थी। सकते नाव बहुत सार बाते। एक सार बर हेन्दी कॉटनके नाम बनते है। वह पंत्रिया में क्या है। स्वके सम्बन्धने कोकसमानें प्रका भी पूछा नया था। बस्टरनें यह कहा स्वा क्या कि कर सारों स्विक्तिस्त नहीं नामेंगी तक बांहें कू वीर करेंगे। मुखे आता है कि चंत्रीबारके भारतीय संबगे जानेदनपत जेन दिना होगा। अपर प भेना ही तो प्रसद्धी समयपर भैन देना चाहिए।

र इंडियम जोपिनियमने ऑस्ट्रवेस्टी ज्याने नेनी इंड निही कारी थी। १. रोक्टने कर दिया। "हुई क्यूक्टी हिंदी जब सरोका विकार मेंच वर्षी पाया व्यक्ताने असकार इंडिएने पढ़ हो हो व्याप्त हैं जो हुए किराहे दाया उनमें कमने हुए है। यर गर नेन्द्र पार्ट, वर्षे, वर्षे, वर्षे, सह यहीं मैंचूर है और पुनारी किसने क्या वर कमी है।"

### बॉर्ड कर्रंग पनाम बॉर्ड किचनर

दरियामें क्यी जान कुछा कीन सकेगा? " कोई कर्जन और कोई किनारके बीच ऐसी ही स्थिति हो नई है। एक व्यक्तिने यह कोज निकाला है कि कोई कर्जनने भारतसे रजाना होते समय बैसा भागक दिया वा बैसा ही भागक कामम उन्हीं सब्दोंने कोई किमान्ते दिया। इससे सभी कम्मान करते हैं कि कोई क्विमाने कोई कर्जनके विचारोंकी बीचे की है। इस सम्बन्धनों संबतारोंने बहुत क्यों क्य रही है। अपर पड़े कई बानेबाले कोस कोसे करें ता दिन्ह कोटे कोसीका क्या कहना?

# क्रिमेंके नताविकारका काम्बोक्क करनेवाकी महिकार्य

मताविकारका साम्योक्तन करमेवाकी संग्रेव विवयी सवीर हो गई है। वनमें से कुछने प्रवान मन्त्रीयर बनुचित बाकमन किया उद्यक्तिए वे गिरफ्तार कर की गई। उनपर मुक् समा बक्तामा गया और उनको छवाएँ वे वी गई। जेकमें उन्होंने बाना बातेंचे इनकार कर दिवा। ऐसा करतेंने उनका हेड्ड यह वा कि उनकों बेकसे छोड़ दिया जाये। विवय सिकारी देशरा एवासेट निकके और उन्होंने उनके पेटमें बवर्बरती मोजन गुड़ेचा दिया है। प्रात्मीय सरावाहियोंको द्वये शीखना वह है कि ये निवार बरावाही नहीं है बस्कि बरना सरीरन्सस बाजमाने सभी है। वे सब पिकड़ वार्षेची इसमें सन्देह नहीं है।

[मुजयतीसे]

इंडियन मोपिनियन २१-१--१९ ९

# २७९ शिष्टमण्डसकी यात्रा [-१३]

[वितम्बर २५ १९ ९६ पूर्व]

कोई कु के पाउठे कभी कोई विदोध उत्तर नहीं पिछा। उप्पारका वह है कि काफ उत्तर अध्यानीवनक कार्यवा। यह मान केन्द्रेस कोई कारक नहीं है कि कारक स्मृद्ध कानन-करन कह हैं कि वे कोई कु की उत्तर भाग कुंचा। किन्तु में हरान कानजा है कि मिर कारक स्मृद्ध वह सकाई नहीं मानेते तो इसमें बोप हमारा ही माना वासेगा। इस हरानें हुंचते काना गहीं किक जकता।

[पुगरावीसे]

इंडियन बौरिनियन २३-१०-१९ ९

# २८० तार बिटिश भारतीय संघको

[≊न्दन] शिवम्बर २७ १९ ९

विभास बोद्यानिसवर्गे

हानी ह्वीबको द्वार भिका है कि तुरन्त कौटो। उनके कोर्योपे पूरी पूक्तक कर उत्तर हैं।

नामीजीके स्वाकारोंमें बंधेजी सम्विकेकी फोटो-सकक (एस एक ५ ९८) सं।

### २८१ पत्र बसीर अलीको

सितम्बर २७ १९ ९

प्रिव भी अमीर अली

जापके पत्रके किए जन्मवाद। जापने जिस पत्रका सस्विता मेना है, उसकी मैने एक साफ नकस तैयार कर की है। इसपर बाब बस्तबत हो वार्येंगे। की जॉनसिया हरे केनर बावके दारा दिये धर्वे समयपर कब बावमे निवाने ।

चपमन्त्रीको का पत्र भेजा बना है उसमें उक्तिकित सामलेके सब्दा संसेपमें ने हैं

नेटालकी राजवानी पीटरमैरित्सवर्पमें सम्रजिदके किए एक मौत्रवीकी बकरत वी । मौत्रवीकी मस्विदके मदरसेमें मुद्दिसका काम भी करना था। पुराना मीकनी वानेपाला था। प्रसकी क्यह ये तमे मौसनी आनेताले थे। नेटालके कातुनके अनुसार को व्यक्ति उपनिवेशमें आनी चाहता है वसं कोई एक ग्रोपीय भाषा आती चाहिए। केफिन इस मौतवीको कोई ग्रोपीय भाषा गडौँ बादी वी इसकिए मस्विवकी जगातने वर्गी वी कि सरकार मौक्रवीको प्रवासीका मानी स्वाबी निवासीका इक न वे वरिक छते ऐसा प्रभावपण वे दे जिसके बनुसार वह उपनिवेशमें तीन साठ यह सके। कर्नेवारोंने यह बमानत वैनेका बादा किया कि मौतवी कब्रुक रहेगा कोई स्थापार न करेना और गीयाब करन होते ही नेटामसे चला पावेगा। बक्त इलाबारके बाद सरकारने उत्तर दिया कि यह अनमति है दी जायेगी सेकिन इस

श्रीत्र "दवः काविक-कावनीयो" पुर ४२४-६५ ।

र. १६ दिनमरके एउ वर्गी किया था। "महनिर्देशि किए फलान । करविकेक करमधीको निर्दे समें चित्र प्राप्तिक करिया है। इसे प्राप्तिक करिया है। विश्व माने ही करिया है। विश्व माने ही करिया है। विश्व माने ही करिया है। विश्व माने करिया करिय है। विश्व माने करिया है। विश्व माने करिय है। विश्व माने करिय है। विश्व माने करिया है। विश्व माने करिय है। विश्व माने करि Per 2 1"

सर्वपर कि प्रमाचपन हर तीसरे महीने बदलवा किया जाये और उसपर हर बार एक पाँडका

त्टाम्य समामा बामे।

धी जीयक्षिया जाएको यह पत्र विका वेंगे। आप इसके मीतियाँ वर्षको देखें तो मासून हो जायेगा कि यह कियता जपमानवनक है। मेरी प्रथ यह है कि एक जारमानिमानी बारिके नार्ये हम इन सम्वापवनक सर्वोको मंतूर नहीं कर सकते। मेरी स्थ यह भी है कि हर दीसरे महीने प्रमावनक वर्षवनोनेकी और उत्तपर एक पाँडका स्टाम्प क्यानेकी सर्व वेद्याकि साव करना ही है।

आपका जावि

टाइए की हुई दल्तरी संवेदी प्रतिकी फोगे-नक्छ (एस एन ५ ९६) से।

## २८२ पत्र मणिस्राल गांबीको

[क्रम्पत] विक्रम्बर २७ १९ ९

বি নবিভাত

दुम्हारापत्र मिला।

"तुम्हें नया करना है? — इस सवाकसे तुम कबरा पने। अनर इसका उत्तर तुम्हारी कोरसे में हैं तो यह कहुँगा कि तुन्हें बपना कर्तव्य पूरा करना है। तुम्हारा दर्तमान कर्तव्य माता-पिदाकी सेवा करना जिदना हो सके उदना अध्ययन करना और खेदी करना है। बुम्हें मनिष्यकी जिल्हा नहीं करनी है। उसकी जिल्हा बुम्हारे शावा-पिटाको है। जब ने न रहेंगे तब दूम उसकी बिन्ता करना। इतना दो निश्चित नान केना चाहिए कि तुम्हें बैरिस्टर या बॉक्टरका धन्मा नहीं करना है। इस गरीन है और मधीन खुना चाहते हैं। पैसेकी बानस्तकता केवल मरम-गोपयके किए होती है। बीर जो मैहनत करते हैं भरप-गोपन उनको निम्न ही बादा है। फ्रीनिनसको उठाना हमारा काम है अमेंकि उसके हारा हम बपनी बात्माको बोज सकते हैं और देशकी सेवा कर सकते हैं। इतना पनकी तरह मान केना कि मै दुम्हारी चिन्ता सदा करता रहता है। मनुष्यका शास्त्रविक कर्तव्य यही है कि वह वपना चरित्र बनाये। कमानेके किए ही कुछ वास सीक्षना अक्षी हो सा बाद नहीं है। यो व्यक्ति कमी नीतिका मार्ग नहीं कोक्षा नह कभी भूकों नहीं भरता और ऐसा अवसर का बाये दो भयबीत नहीं होता। तुम निरिचन्त रहकर नहीं जो अध्ययन करते बने करते रहना। यह कियते हुए तुमसे मिडने और तुन्हें हृदयसे कमा सेनेका की होता है। और वैसा हो नहीं सकता इसकिए भोकों में पानी भर भर भारत है। भरोता रही बापू कभी तुम्हारे प्रति निर्वेतता नहीं बरतेया। मै जो-हुछ करता हूँ तुम्हारे किए हितकर संगक्षकर ही करता हूँ। तुम यह मान को कि तुम भटकोने नहीं क्योंकि तुम बूसरे कीमोंकी सेवा कर यह हो।

मोहनदासके बाधीर्वाट

नांचीनीके स्वालरीमें मूळ पूजराती प्रति (सी अलयू ९) से । सीजस्य मुद्रीकाचेन नांची।

## २८० सार बिटिश भारतीय सघको

[समान] सितम्बद्दश्चर्

विवास बोहानिसवर्ग

हानी हपीनको तार मिला है कि तुरस्य खीटो। उनके छोगोंसे पूरी पूक्ताण कर उत्तर हैं।

गाचीनीके स्वासरोंनें बधेनी मसनिवेकी फोटो-नकस (एस एस ५०९८) है।

## २८१ पत्र अमीर अलीको

[क्रम्स्य] सिवम्बस्य २७ १९ ९

प्रियंभी समीर आसी

सापके पत्रके किए भग्यवाद। जायने निस्न पत्रका सम्मिदा मेना है स्वर्का मैने एक साफ नक्तर वैवार कर की है। इस्तर बाब बस्तक्त हो बार्वेने। भी बांपक्तिया इसे केनर बापके दारा दिने बने सम्मिप कर्क बापसे निकार।

चपमनीको को पत्र भेवा मया है उसमें उन्हिलेखन मामकेके तक्य तंस्रेपमें से हैं भेदानको राष्ट्रमानी पीटरपैरित्यवर्गमें मधीबरके क्रिय एक मोकवीको जरूरत हो। मोकवीको

मेटाक्स्मी प्रकारी पोटप्पीरिएकपर्ये गर्गाबक्त किए एक शीक्ष्मीको करुप्त थी। श्रीक्सीको सम्प्रा थी। श्रीक्सीको सम्प्रा थी। श्रीक्सीको महर्पिको गृहरिएका काम भी करणा था। श्रुप्ता गीक्सी आणि प्रवृतिकार्य काम विकार के मानुक्त काम विकार के प्रवृत्तिकार्य काम वाहर है यह नोई एक भूपियोग पाया जाती शाहिए। केपिल इस मीक्सीको कोई मुर्पिम पाया नहीं सारी से इस्किए प्रवृत्तिकार्य काम वाहर क्षेत्र केपिल इस मीक्सीको अपारी प्रवृत्तिकार्य काम विकार काम

१ ६६ डिनम्स्टेस स्थापको सिमा था। "गठिकियों किए जनगर। व्यक्तिक-वस्त्वांको किन्ने कर्में सिन्दा वालेका बानेन क्लेक दिना है, कहा पूर्ण निराय पत्नी वाले होत्योंको हमा घरें। काले को बांधिका पंत्रावादी दिवार कर्म दी तम की दिवारों कला वाल के राहे क्लेची निर्देश स्वाच्या दिने। ही यह प्रतिचार तमा बर एहं। ही। को स्वास करवा कर प्रतिविधियों बच्चाकर करवाने और क्रम्यूर्वक हते कारों !"

र, देखिर "एपः क्लॉक्सेक कामगीयो" का ४२४-१५ ।

पर्तपर कि प्रमाणपत्र हर शीखरे महीने वशक्रमा किया जाये और जसपर हर बार एक पाँडका

स्टाम्य संगामा आये।

सी बांगसिया बापको सङ्घ्य दिसा वेंथे। बाप इसके मीठियी वर्षको देखें हो माधूम हो बायेमा कि सह कितना अपमानअगक है। मेरी एम सह है कि एक बारमानियानी बारिके नार्ते हुन इस सन्वापजनक खरोको सबूद नहीं कर सकते। मेरी एम सह भी है कि दोसरे महीने प्रमाणका बत्यकानेकी और उसपर एक पौक्का स्टाम्प समानेकी छर्षे अपमाकि साथ कटना ही है।

भापका साहि

टाइप की हुई दफ्तरी संत्रेजी प्रतिकी फोटो-नक्छ (एस एन ५ ९६) छ।

### २८२ पत्र मणिलाल गांधीको

[सन्दर्ग] विद्यमस्य २७ १९ ९

ৰি দলিভাভ

तम्बास पत्र निका।

मोहनदासके वाधीर्वाद

नांदीजीके स्वासरॉर्ने मूल नुजराती प्रति (धी जक्यू ९) थें। धीजस्य सूचीकानेन नांदी।

# २८३ पत्र 'ऍडवोकेट ऑफ़ इडिया'को'

[सन्दन] सितम्बर २८ १९ ९

सेवार्मे सम्यादक

एँडवोकेट बाँक इंडिया

[बस्बई]

महोदय

सापने भी महाँभीर बोमनभी पेटिटके प्रवपर वप हुनी ए लाग्डिकन संकर्म बो गर टिप्पची थे हैं और उन्नमें सम्य बालांके साथ भी हेन्दी एस एक पोस्तकको बेतननोसी एसँट कहनेपर जो बोच नकट किया है उससे मुझे सापको यह पत्र किसनेकी प्रेरण सिक्की है।

सापने कहा है, "हमने भी पोलकका उस्केब नेतनवोधी एसँटके रूपमें किया और नहां है कि उठके कारम सनके छानानमें हमाण खणारू तृप गर्ही होता। किन्तु पति ने पहने माद यह समझते हों कि इतछे उनकी प्रतिकारण सोच बाती है और वे हमें विस्ताद दिसा सनते हों कि हमाणे बात पत्न है तो हम उनके बमा माँपनेके किए तैयार है। में साणा करता हूँ, निन्न निकरण सामको निस्ताद हो बावेदा कि बावड़ी बात पत्नरे है और बाप ट्राल्डाकके बिटिस भागीपाँची निक्का महिलियन भी पोलक करते हैं समा माँचने क्योंकि भी पोलकको समा-नावनाकी सपेका नहीं है। यदि कोई नुगई हुई है तो उनके साथ हुई निक्का ने प्रतिनिक्षण करते हैं।

बाए कहते हैं कि यदि वे वेदनयोगी एवेंट हों तो भी उनके सम्बन्धमें बाएका सवार्य कुछ कहीं होता। छिर भी बापके बडकेबकी जिसे मैंने कई बार पढ़ा है स्वति ऐसी है

ह रस्त है कि का वन व्हेंपनीयेंड जॉड हिंदानी नमार्टिक को दिना का वा । हेरिज मी वे रीच रिटिंग रहे क-11-14 के गुक्कापीमें देवेपनीयेंड जॉड हिंदान की सी शो रहे अपिड हमां रिया था। वर्षक देवा ना परिस्तालंड का भी क्षा वा "मार्टिंग ना देवा है कुछ राने वर्षे प्रेंपतीयेंड जॉड हिंदानों भी रोम्बंडो कालन देवानीयें पाँड का वा और का ठाउ, है की रस्ते प्रतालके पीरिंग पार्थीकी मेरिते की काल कर ये हैं, कांचे मार्टिंग को बीच की वो हो की रेपने सार नातीय की दी द्यास्थ्यों को स्था कर ये हैं, कांचे मार्टिंग को नार्टिंग हो हो हो हो की स्था का सेंद्री प्रतालका या काठा की दिवारों वा का स्था कोलिया कोरियों और जी वर्षीय काल का वा सेंद्री प्रतालका का नार्टिंग का किया कर किया का का को करने को का काल काल कार्यों हो की है होंद्री पर स्थापित कार्यों का पर किया का कार्यों के पांचे के कार्या की साथ के कार्यों का

कि उससे भी रोजक प्रवर्लीका मूस्य निक्तिक बहुठ कम हो बाता है। मैं उनको स्पश्चिम एक रूपसे बातता है। मैं उनको स्पश्चिम एक रूपसे बातता है। मैं उनको स्पश्चिम एक रूपसे बातता है के मेरे प्रिय मित्र बीर आहे हैं। वे इस बात्योकनमें सम्मितिक हुए, सन्देने परीवीका एक सिया बीर बोहानिसकर्यके एक सालाहिक लगने सहामक सम्मादकरा पर छोड़ दिया। मदि के सीसाधिक सम्मादकरों बातिकापी होते सो उनके किए यह गोकरी कारता यह स्वाप्त के सिर्म यह गोकरी कारता यह स्वाप्त के स्वाप्त के सामाधिक स्वाप्त के सिर्म यह गोकरी सामाधिक स्वाप्त के सिर्म मेरे एक वैसा भी नहीं किया क्योंकि सन्हें उसकी कोई बकरता नहीं बी। इस पर स्वाप्त में इस सामाबका काम करते रहें।

आर या सम्बद्धि होत नहीं बानने कि भी पोलकने बपने विवाहके प्रार्टन्सक दिनोंसे ही बपना बहुट कम समय कपनी पत्नीको दिया है और उनकी पत्नीने भी सरामा वनितिकत रूपने कमने नियोगको हशकिए कुमीने सहा है कि उनक पति स्वेच्छासे बहुन किये हुए बपने कर्तन्सको कपादा कच्ची ठरह निमा सकें।

मेरा बनुमान है कि "बेतनसोगी एवँट" ध्वसोंका वर्ष ऐया प्रतिनिधि नो अपने कानका पर्यान्त मूख्य के केता है, बीर वर्षान सक्तर सक्तर हुए हो कह अपना नाम कारी वर्षान तराता है, किन्तु किर भी कान वह उच पैकें किए करता है, को अते मिलता है न कि समीस्य बनुक कान उचको प्यारा होता है। एक पुत्र संपुत्र परिवारों पुत्रका स्पना कर्ज्य निवाता है रुगमें वह जूब मरता-बरणा है। उसको करवा बीर खाना परिवारों कोचने के ही भिनता है। कि मीर हम उचके पुत्रकों वेतन-मोगी एजँट कह करें हो भी पीतक भी निरस्करों है विजया नहीं। मैंने मो तस्य मारके खानने रही है विजया नहीं।

प्रमें को उपम बापके वापने रखे हैं यदि उनको बाननेके बाद भी बाप भी पोलकका वेदनमोसी एउँट उसमें वा मूझे बय है कि उनके साथी प्रतिनित्र भी बचस्य ही वेननमोसी एउँट जममें वाये को मूझे बय है कि उनके साथी प्रतिनित्र भी बचस्य ही वेननमोसी एउँट नाने वाये क्योंकि बयर उनहें रखाना होने से एके उसरण स्थानने पिरस्तार म कर सिमा होजा दो वे भी भी नीजकर वाच ही छूने बौर उनका प्रार्थ-वय बौर होज्यका स्थान साथ ही है है हो।

कृत्याका न्यान वा सारवान वसाव हा बता। मुझे किरवास है कि स्थायकी वातिर आप हुए। करके इस पत्रको स्थान हेंगे।

An area of the area of the tell dill

अध्यक्त अस्ति

टारप की हुई रफ्तरी संतेनी प्रतिकी फोटो-नक्स (एस एन ५ ९९) से।

# २८४ पत्र लॉई क के निजी सचिवको

[क्रवत] विस्तास्त्र ३१. १९ ६

महोदय

भी पोककने कठरके<sup>†</sup> तार भेजा है कि कठरमें इसी २३ तारीवको एक सार्वजनिक

समा दर्द थी। समाचे सम्बक्तने अधिकारियोंको यह तार दिया है

कार, चोलवार बीर चेका क्षेत्रोंके निवासियोंकी सार्वत्रमिक समा। हामावास सरकार द्वारा देशमाद्रपॅकि जलीवनपर तीव विरोध प्रकट करती है। साधानध-सरकारहे बोरबार अनरीय करती है कि वे तरना समस्याका इस बोर्ज कर्म्योंका बारी खना रोकें प्रवासीय सप्रधानको विकास

भी पोककने तारसे यह सबर भी दी है कि बहमवाबाद बीर सरतमें बोरहार समाएँ हई। इनमें साम्राज्य सरकारसे राइत विकानेका अनुरोव करते इए वो प्रस्ताव पास किने नवे। क्यार काप कपा करके इस पत्रको साँवें महोदयके स्वानमें का बेंगे तो मैं आधारी होसँगा।

> भागमा आहि सोक कर मोधी

[बंग्नेबीसे]

क्लोनियस बॉफिस रेक्ब्स २९१/१४२।

२८५ पत्र एच० एस० एस० पोलकको

[ सन्दर्ग ] शिवम्बर २९, १९ ९

प्रिय हेम पै

कों मेहताने मनिकालको जो कात्रवृत्ति देनेका प्रस्ताय किया या उसके बारेमें बासिए क्षेत्रे कैसला कर सिमा है। मेरा समाज है यस आजनतिके सम्बन्धमें प्रक कि समय गहते दीने आपको तिला था। तब मैंने किया था कि मैंने को मेहताये कहा है वे मुझे इस कानविश्वा उपयोग करने पूर्व इए किसी वृत्तरे धीनिक्सवासी कानके किए भी करमेकी इबामत दे हैं। बन्होंने मेरा प्रस्ताय स्वीकार कर किया है। नेकिय मै जानता है कि एन्होंने या कामनुतिका प्रस्तान किया जा तक सिर्फ इतकिए किया जा कि उन्हें सवा था के कमते कम मेरे एक पुत्रकी शिक्षाका वापित्व बठा खें। केविन बाव वे जाएके और मेरे समान

१, ५ और ३ में बंध पर्वोत्तको भूतमूच रियासको ने । भग ने ग्रामालंड सहक्र मिनेने लागे हैं। देसकी

क्ष राज्य होना श्वादिर ।

ही बनाक्रमक प्रतिरोधी है बौर मुख्ये पूर्वेव सहमत है कि उन्हें किसी बूखरे फीनिस्सवासी सामको पहानेका वर्ष देना चाहिए।

मैंने अमनवासको प्रधानेका निवचम किया है और इस सप्ताह आनेवाली डाकसे उसकी भग कमनवाजक। पहागक। गावस्य । जना ह जार इस सम्बाद आगावाज वाक्स्य उसकी भग भी किक दिया है। मैंने उसे यह सम्वाद एक प्रवामें आगने सुझाव किसे वे अदित्त वह पत्र प्रीतिस्तरको भेदा गया वा। मुझे सका गया पीछे क्षका कि वह सो १५ तारीकरो आगावाजे पाना होनेवाजा था। इसकिए वह सामय सह पत्र मिसने तक आगके पास पहुँव सामेगा। विन बारोंको सोककर मेंने नीवके निष्कर्ण निकास है उनकी चर्चा सही महीं करेगा। वह वहाँ जापक साथ कुछ समय रह के उसके बाद अन्यन का जाये। कहना जाहिए कि वह क्यादासे-क्यादा मार्चके कलतक गड़ी पहुँच भागे। यह किसी एक वैरिस्टरीके स्कूल (इन्स बॉफ कोर्ट) में बाक्षिक हो आये। वह बस्तुतः वैरिस्टर बने या न बने यह प्रश्न पीछे तय फिया कार) म बात्रक हा बाया । यह वस्तुष्ठ वारस्टर वन या न वन यह मनन पाष्ट्र वर्ष किया वायेया (सम्मादना यह है कि घष स्वय तक हम ही उन्हें वरिष्टर बनाना नहीं)। वह कानून पहनेके छान-शाब बहांकी किसी संस्वार बोदीकि वर्गीय शाबिक हो बादी महानमें बैठनेसे पहले वह वरीबीक रहने की निविच्य और विधिवन् स्वयं से। वह यह प्रतिका भी करे कि वह यहां बो-कुछ पढ़ेया उद्यक्त उपयोग बाबीविका उपाबित करनेके किए न करेमा । जाबीविका उसे सदा फीनिनससे मिलेमी और वह अपना जीवन फीनिनसके मादसाँकी प्राप्तिके सिए अपित कर देगा। वह किसी निरामिय-मोजी परिवारमें रहे (सन्वनमें और नारपण प्रभू भाष्य कर पान नह एकता रायानपणाना पारवारण रह (क्ष्यंत्रम बाहि बाह्याद सो मी निरामिय मोबी परिचार है मैं उन छबकी बानकारी प्राप्त कर रहा है)। यदि जावस्पक हो हो वह हिन्ही बयनवरमें वर क्षेत्रर रहे बीर वहीं बयना स्वाना सूर नामें और बयना हर काम सूद करे। डाकके बन्हमें हुछे बयने ऊत्तर भरोसा हो सामें हो हम कार बरना हुए काम बुद्ध कर 1 छावक बन्दान एवं करण कार नच्छा हा नान वा बन् फीनिक्छे कत्वनमें पिताक बेलेंके किए एक बारमें एक या बरिक कार्मोंको मेंत्री ये कार उन्होंके साव उच्च करने यह बच्चेंगे बुक्ति कह मित्रों बीर परिचित्रोंका एक बच्चा प्रमुवाब बना क्या इसकिए उन्हों दाव रहनेवाके कार्मोंको संग्रेस परिचारोंमें रहे बिना ही बंदेसोंके पहचारके सब इंद्रालय ५७४ थान पुरावाक करावान कारण वारणावार व्याच्या हुए विचार व्याच्या है। काम मिक पर्केरी। किट, क्वनकालके राज प्याचेकी करेशा नंबेच परिवारोंने प्रतिका वर्ष मी नवस्य ही क्यारा सामेगा। याच ही जगर सोकायि समझा बार्व यो में केवक कुछ समय किसी परिवारों मी पह सक्ये हैं। क्यनसाल बहुँ प्युक्त प्राचेक मारणीय कामसे सम्मर्क किसी परिवारों भी यह उससे हैं। इस्तानकाक बहु यह प्रकार प्रयोक भारतीय कामने समान्य कामने का

वाँ मेहताचे कोई नियत छात्रवृत्ति तहीं केनी है वे अपनतालके पहनका सारा कर्ष पर रेपे। प्रमानकाक वपनेवाँ स्वमृत्वतः अपने-आपको उस पैसेका स्वासी (इस्टी) समझेना सम्मर्ज रहेगी गाउमम

nc

को उसे दिया कारेगा और कनमंथ पूरी सावगीका जीवन दितायेगा इसकिए सर्व कमसे-कम होगा।

मैंने ये सब बार्ते क्रमनकासके शामने रख दी हैं। क्रपदा उसे यह पत्र भी दिला हैं। यदि उसको मेरे दिये हुए सब सुसाथ स्वीकार हों तो यह तय करना बहुत-पुक्र उसका मौर कुछ-कुछ जापका भी काम है कि वह यहाँ मार्चमें जाने या उससे पहुछे। वह कुछ समन आपके पास रहे जोगोंके सम्पर्कर्में जाये जनको थाने और प्रस्तको कुछ ज्यादा मण्डी वर्ष समझ ने तो बेहतर होगा। उसको अपने साथ काफी समराती पुस्तकें कुछ संस्कृत पुस्तकें एक जर्दका कायदा और कुछ अंबेजी पुस्तकों काती चाहिए, जो बायद वर्शन मिर्छे वा मिर्चे भी तो बहुत महायो मिको। सरको प्रतकाकि सम्बन्धमें कृपी करनेकी बाबरयकता नहीं है। क्योंकि ने पुस्तकों वहाँ इसरे छात्रोंके किए स्वयोगी होंगी। पुस्तकोंके बनावके सम्बन्धमें बाप वाँ मेहवासे भी सबाह कर कें। मैं चाहुँया कि क्रमनकाल वाँ मेहवाके पुत्रको हुसेनको बीर कन्दनमें खुनेवाले इसरे गुजरातियोंको वृक्षराती भी सिजाये।

जगर बताई गई वार्तोंपर फीनिक्सके कोर्योंसे मंत्रयी तो केनी ही होनी।

हरवसे बापका

टाइप की हुई बक्तरी बंधेनी अतिकी फोटो-नक्छ (एस एन ५१०) थे।

२८६ पत्र लॉर्ड मॉलेंके मिनी सचिवकी

[क्रम्यत] Rights 1 1505

महोदय

मैं इसके साथ खाँडे गाँखेंकी जानकारीके किए यस गणकी नकत मेव रहा है को मैंगे काँद क के निजी समितको किया है।

आपका कावि

सो० ६० मोधी

इंडिया बॉफ्रिस रेकर्न १८१५/ ९ बीर टाइप की बॉ रफ्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटी-मक्क (एस एन ५१ के) से।

१ शब्द प्रस्मारका क्यांचा । र, देखिन लगार कोर्ड क् के नित्री शक्तिको ला प्रदेश ।

# २८७ पत्र एच० एस० एल० पोलकको

[छन्दन] विकासर ३ १९ ९

प्रिय हेनरी

येने बापको कानकालके सम्बन्धमें श्रवन पत्र किया है। में नहीं जानता कि नाप क्रिसकी सराह्मा करते हैं — को चीरव दिसा सकता है उसकी या को धीरव नहीं दिसा सकता उसकी। पत्रमें को समय है उसके दोनों नये निकल्ये हैं। मांड बीर रिव उसका एक अर्थ कमाठे हैं नीर मिं। सुपरा।

मुझे महमदाबाद कदूर और भूरतकी समाजीते सम्बावमें बापका तार मिल गया। उन

सबका जसर क्षोगा।

में बापके इस विचारसे विक्कुल सहमत नहीं हूँ कि बाद बेदन नहीं बापने काममें होने बाता बने के पहें हैं। मार्थ केनक मही बानार होता तो में बॉबेनकी इस बातते सहमत हो नासा कि यह बनस्य पूर्वम है। आप देवीं कि सैने पूँक्तोक्ट को किये अपने पत्नमें निक्की प्रतिकिथि में साथ मेन पहाँ हैं एका किस प्रकार विवेचन किसा है। सभी सम्मानमें कई

१ न्य रण वर्षीनार्धी व्यापका और करता है। वर्षी सन्तर हुआ है वर्षी वर्षनीतीको किसे मुख्यक वर्षीय संस्त्रीय भागारण व्यापको चौदीर बोबकोर्थ कर्णा है क्षिते करे हैं।

र. यह रोजन्स र किजनर्यंत वनस करण्यांने हैं कियों क्योंने किया है "बारफा नीएव जारंशनीय है। हुन बारने देनों होगी है। हुने नीशांक विश्वान करेनोंगंत वर्गरंशकी वन्तांने विश्वानिक दिशां रेती बागी है। केदिय हुन का बी विश्वान बागा है कि त्यार अस्य बारणा कियाना बाँडे हैं। बोर का सुन्तांने में महोत बागा है भी त्यार बारण कर तथा है। "यह रोजानी कियानों है कींद तथा है असे वन्ते क्यानेता विद्यानीय में देनों (स्थान) के अस्यों किया है। इस्तिया अर्थी कर तथा है। असे भी देता है।

३ गरी रद बन्द पाल है।

४ गुमरानीके मंत्रेथी विवालके सम्बद्ध ।

भ देखिर अवदः वैदर्गक्रेट चौह रहिवादी अवह प्रदूष ३५ ।

सम्पूर्ण गांधी पारमन बुनियायी है। मुक्य सम्तर वेनेके शरीकेका है। बाहरी शूनियाको इस बाउसे कोई सरोकार

\*\*\*

नहीं कि यह काममें होनेवाका व्यर्च कहा था सकता है या बैदन। यह दो हर क्यामनीको सन्देहरे देखेगी वह दो काम-मानको संकाल दुध्कि देखेगी और यह बाद मानेनी ही नहीं कि कोग निस्त्वार्व भावते या किसी वहे भूजावजेके विधा भी काम करते हैं। वस्त्रईमें हरएक व्यक्तिमे [सम्पारक] के [विचारों] को उचित तिरस्कार-मानते देखा है और मापने भी सामद वैसा ही किया द्वीगा। वा महत्ताले आपका [पत्र] देखा है। उन्होंने मुझे यूजरातीमें पत्र किया

है नियका जनवाद में आपके किए कर रहा है उन (श्रवीत नाप) पर ऐंडवोफेट बॉफ़ इंडिसा के केवका प्रमान पड़ा है केकिन वह स्टमा तिरस्कारके योध्य है कि बसपर ध्यान ही नहीं देना नाहिए। स्वार्वमय हेतु न होनेपर स्वार्वमय हेट होनेका खारोप किया जाने तो उसको मनपर केनेकी कोई बात ही नहीं है। जो अपने कर्तव्यका पाकन कर रहा हो नह बनुनित साकोचनासे उत्तीवत क्यों हो है इसके विपरीत उसे बातना चाहिए कि इस अनुवित माकोचनाका बारण माओचकका मझान है। सगर किसी काकसेवकके पास बन न हो ची उसके उक्ति अरम-गोपमका स्थान रक्षना उनका कर्टन्य होता है किएके पास वर हो। निक्यम ही उनके (बापके) सम्बन्धने पतिय बार्किकामें यो स्पनस्ता की नहीं मह होती ही चाहिए थी।

मैं आपको वाँ मेहताकी सम्मतिका अनुवाद इसकिए भेन एहा हूँ कि वै अस्पत्त धर्मक्स-बृद्धि और सन्त्रीर व्यक्ति हैं। फिर् में यह मी चाहता हूँ कि जाप उनके सवासन निकट सम्मर्कनें आमें। इसके कारण आप वानते ही हैं।

में इस सप्ताह की पेटिटको भी पत्र किया पहा हूँ। जनको किसे पत्रकी प्रतिक्रि

प्राप्त करारों में मुखे आपके [सम्बन्धमें रिक्षित] कविता नहीं मिसी है। मैंने मापका मेना हुना नमुबाद देवा है। [मैं] मूक कविता देखना [बाहता हूँ] मुझ सीझ बर्तेमान "का एटेटी अंक भी नहीं मिला है।

मुझे हुएँ है कि बाप प्रारक्षके राज्य-पितामहुते मिल लिये हैं। बापका [वर्णन] बरमण करन है। मैं यह भी देवता हूँ कि बापने अपने बस्तई पहुँचनेपर वो अपरी चमन-समक देवी वी अब बाप उत्तवा भीतरी कर देवने लगे हैं।

वन कानकाछ आपके पास होगा तन मुझे नाका है, नाप उसके ही हिटमें किसी रियामतके बिना उससे काम करवायेंथे और नहीं बी-मुख देवनी और सीजने मानक है उसको देवने और सीजने मानता हूँ। ये समर्थ सीवा करवाय है कि नाप कर सीत करते हैं कि सी पोक्को उसको पूरी रायद समझ के। मुझे नाता हूँ। की नाप वहाँ भी बायने बीट साप के मान पाना करना वहाँ सी बायने बीट मानक और हुमरे कोय भी बायने वाले नाप कर मानक नाप साप करना वहाँ हो जो काप उन्हें भी बायनित करें। इससे बायके मानक नाप कर मानक नाप का काम के साप कर सीत हम हम हम सीत हम सीत हम सीत हम सीत हम हम सीत हम हम सीत हम हम सीत हम हम सीत हम ह

र पोलक ५ विज्ञानरको कार्याय संगीत क्ष्माची ग्रेम्प्रो को ने नहीं करक क्लिम्प्रों कियी कई बद क्षमा कर्ने के की वहीं।

२. वस्पति प्रचावित पड ग्रामाती छान्। देवितः । क्या शंबने योजनती छन्तीर भीर क्लाडा वस केत क्या था ।

वृतिसामी है। मुख्य बन्धर देतेके सरीकेका है। बाह्मरी बृतिसाको वस बातसे कोई सरीकार नहीं कि यह कानमें होनेवाला बार्च कहा जा सकता है या देतन। यह तो हर बसावनीको सम्बेद स्थाने के स्वार्थ को काम-माबको संकाल वृत्विस्त देवेंसे वह तो काम-माबको संकाल वृत्विस्त देवेंसे वह ता मानेगी ही नहीं कि स्रोम गिस्सामें मानसे या किसी वहें मुमावनेके निला भी काम करते हैं। बम्बाईमें हरूएक स्योचिते [सम्बाद के किस के माने मी सामर बैसा हिंदिका हो कि मिसारी के स्वार्थ के साम के स्वार्थ के साम के

जन (बर्णीए जाप) पर ऐंडवोकेट जोंड इंडिया के लेकका प्रमान पड़ा है केंकिन यह हरना तिरस्कारके योग्य है कि उद्युपर स्थान ही नहीं देना चारिए! स्थाप्त्रमा हैन में होनेपर स्वाप्त्रेय हैंडू होनेका बारोप किया बारो को उदको मनपर स्मेनेकी कोई बाद ही नहीं है। जो बपने कर्पयका पाकन कर पड़ा हो वह नतुनिय बालोपतारे उत्तीनित क्यों है। इचके विषयीय उदे बागमा चाहिए कि इस नतुनिय वालोपताक कारण बालोपकका स्वाग है। बगर नियो बोक्डेयकके गाय कर न हो वो उसके उचित सप्य-गोरमका स्थान एकना उनका कर्यन्य होता है विनके गाय कर हो। निषय ही उनके (बापके) प्रावण्यों दक्षिण बायिकारों को स्थायमा की गई.

में आपको जो मेहराको सम्मारिका बनुवार इसकिए भेव रहा हूँ कि वे बत्तरण सम्मारिक बीर पामीर व्यक्ति है। किर, मैं यह मी बाहुरा हूँ कि बार उनके मवासम्बर्ग निकट सम्मार्की वार्ते। इसके कारण बाग्ये ही है।

में इस सर्वाह भी पेटिटको भी पत्र किस रहा हूँ। उनको किसे पत्रकी मिनिभिर इसके साम है।

2. सहफ्र शिकाले केंग्रा कहीं किया ना । क्योंसे भौगी किया मा । "मालेक्ट्रो कोई मी मालेक्ट्र मालेकट माले

प्राप्त कतरतोंहें सम्रे सारके [सम्बन्धमें रविष] कविता नहीं मिनी है। मैंने अपका भेदा हुना जनुवाद देला है। [मै] मूल कविता देलमा [चाहवा हूँ] मूल मान बन्यात है। पटेटी बंद भी नहीं मिला है।

मुमें हुएँ हैं कि बार भारतके राष्ट्रशिवासहते मिन किये हैं। बारका [बान] बारण फरन हैं। में सह भी देवता हैं कि बारने बारने वार्का पहुँचकार की कार्रा वास्त्रस्थ देवी थी। सब बार उसका मीतरी रूप देवने करे हैं।

वस क्रमुनकाल सायके पास होगा तब मुने आया है, आप उनक ही दिन्दें किटी रिवायत है बिना उपने काम करवामेंगे और वहाँ जो-मूछ देनन और मीजन राज्य है जनका केरत और सीकर्त केरे। अपर कोए अनाकामक प्रतिरोपकी मावनाको परी तरत न स्वार्ट हा कार कामे-क्रम मेताजीको तो उनका यान करा ही देंगे यह ये अनुदा है। हा अनुद बहुत चाहते हैं कि भी योखके उसको पूरी उपह समझ में। मूत बाग है कि बार उहाँ वही वहिंद है कि साथ के साथ रहेंगे केरिन बना भी हाती बुत्याद और दूर्ण बंद भी बारों भी उपर बापके साथ रहेंगे केरिन बना भी हाती बुत्याद और दूर्ण बंद भी बारों नमेरी बापके गांव बाबा करना भाई ता बार गई भी बातनित्त की दूर्ण नी बापके कामता अंदर यह बायेगा। नया बहींगे कार्य विदिश्य बार्गिनियन का स्टर्ण्यों विस्तृत विवरण मेंच यहा है। अगर म मेंच यहा ही ता हमकी मुख्य प्राप्त है। हुई एक तम्बे संवर्षकी तैयारी करती है। इसी कारण में इन ब्योरेडी बार्सुडी वर्षा कर उन्ह हैं। यदि बारको ऐसे एक या अनेक ईसानदार व्यक्ति मिटें दी पूर्व लग्द क्रिकेट करना चाइत हो तेकिन काँ नेहणाने विकान्तके बनुमार ही सरना बन्दर हो और उन्ह जनको महामठाकी जावस्थकता हो तो आपको बार हावा हम दल व्हिस्से किएए हर्न्स बह बुके है कि इसपर गीर किया का मध्या।

र शोक्य ९ क्विजनरको नारतीय संबोध समाधी वैकाने का ने वहाँ सक्य किसी को बद द्वरिता इन्हें मेंद्र की नहें ।

িক্তু সংখ্যা দুৰ্ব। ৩. বাদলি সহায়িত বহু চুকালী আন বঁলিছে। বন্ধ স্বাধী ক্লিকটা *ক্ৰিক কি ক্ৰমা সং*ক্ৰি লোখা।

त । ३. शेलको किसा गाः <sup>१९</sup>से कनित्तरहो दीवरक तस महत्त्व किसार जिल्ला है । **स**ित करा। ६ दीनका विश्वा गाः । ज अन्तरात्त्व चान्तरात्त्व पान गाउँ प्राप्त रहा है। से जिस्का सम्बद्धित था। स्वारतात्री पत्रे हा बुधेनत्रके बीसका सहस्र प्रमाण स्वस्तु हुए स्वर्णिक स्वर्णिक स्वर्णिक स्वर्णिक समाहित था। सारवातन पान का हान्यान पानका गर्थ कर ना स्वया हर काला थान या। सर्वा हम बर्ध पुत्रे के नामा हतींगर हैंते हैं। क्षति निष्य करा प्रारंग संसर निर्मा यो। वर इन क्या प्राप्त के जातान उत्पाद प्रशास करता कर तथा करता करता किया है। भीर तुन मेरे समय किर प्रार्थित कर्माण दिशा। कारे क्यान क्रिक क्षा करता प्रशास क्षा क्षा करता करता भीर हुए मेरे ध्याप कि स्वाध्य ज्याप राज्य है है । स्वाप्त हुए मार्ग हुए मार्ग हुए मेरेड कार्य एक्स दान दिया है दिन कर कारार मार्ग मिला। कार्य हुए मार्ग हिल्क के पितान केटक कि क्सपर मेरेडो द्या । है को निवर्गित सबसे बाते हैं । कार्य कर्त मार्थ ह कार्य हुए। की कार्य क्ष्मपद देनेही दहा । हे का निवास्त्र पात पात का आहात्मा का मुद्र करूप की है। क्ष्मंत्रा दाने हैं। क्ष्मद्रों हान्ति मारात क्षा मान्या मान्याम का के क्ष्मद्र की का की है। क्ष्मद्रें प्राचीद की पात्रीक बदमारी दिवस से हैं। क्ष्मद्रें के क्षमद्र की किया की है। प्रतिहित की मानक्षेत्र वंदालका ।थानार का । वाल का हा । व्यक्त कि का वर्ष का वर्ष का रहा रह स्मा है। किर मी क्लीने एवं वह सार्थकीत काल कि के का वार्थकीत काल वर्ष की का हव स्मा कर्षे कारी बाराम कुछत पर प्रभा रो है। देश क्या वा विशे वार्तिस्था बमुक्तियों की स्थानित के स्थानित के प्रशास के स्थानित कि स्थानित के स्थानित कोरेटी द्वारा भए बावपूर कार की हो तर की है को अंतर हो है व कुछ ही कार है है जा बोरेवारा बरात है। तर की हो तर कि की अंतर हों । में कुछ ही कार है

m

बमी बॉर्ड कृते कोई बबर नहीं दी है। मैं उनसे जल्दी करानेका सन्ति-भर प्रकल कर रहा 🛊 मेकिन यह काम ही ऐसा है जिसमें बस्ती नहीं की वासकती। मैं मी मागर और वाँ निवक्त हैंसे मिल चुका हूँ। भी मायरने बहुत अच्छी तरह बात की। उन्होंने न्द्रा कि बबर साँहें कू का उत्तर सन्तोबवनक न होगा तो वे प्रमाववासी व्यक्तियोंकी एक सभा बुकार्यने और बावस्यक कार्रवाई करेंसे ! मैं बायके पास पुरस्कारके प्रतिस्पर्यियोंके किए एक कच्चा दिवरनपत्र भेव रहा हूँ। पुरस्कारदाताके रूपमें हाँ मेहताके नामका उस्तेख नहीं करना है। एक निर्मायक वॉ चिलफर्व होंने। मैं ब्रिटिय बीकसी के सम्पारकसे मिर्भूगा और दिवरनपत्रको छनकी सकाहसे अन्तिम क्य दूँगा। प्रतियोगियोंको निमन्तिय करनेकी सर्वोत्तम विधिके सम्बन्धमें भी जनसे कातकीत कर्येगा !

मैं आगामी मासकी ८ तारीखको जनाकामक प्रतिरोद <sup>ए</sup> पर इमर्सन स्क्यके सदस्येकि सम्मुख भाषम यूँचा और लामानी मासकी १६ या १४ तारीखको सामय हम्मस्टेड पीस ऐंड वालिट्रेसन सोसास्टी "में पी बोर्चुचा। इन दोनों समालोंने वपलक्ष कपसे संवर्षकी पर्यो

होती। यह वॉमस्टनकी समाके समान ही होती।

इपया वाँ मेइतासे बत्यन्त निवमित क्यसे पत्र-स्वदहार करें।

मेरा चपाल है। मैने भापको गत सप्ताह सिल्बा वा कि डॉ मेहताने मिली की रेखा था। उनका क्याब है कि बहाँतक कातीका स्वान है वह विस्कृत ठीक है। मिबीवे वाराबीर करके उन्होंने को निवान किया उसके बाद स्टेबस्बॉपके प्रयोगकी मादस्यकरा प्री नहीं समसी। उन्होंने कहा कि स्टेबस्कोपसे वे कुछ वशिक नहीं बान सकते। उनका बनाव और सायद वक्तेमें कुछ बारास <sup>4</sup> मेरा विक्तास बहुत समयसे प्रा है। मैंने कुछ समय पहुछे बक्रेके किए मिट्टीकी पट्टियोंका सुनाव दिया था। मैंने बस्ती समाह दे दी है। इसकिए जब वे गड़ेगर सामव मिट्टीकी पहिमाँ बँधवानेने। कुछ भी हैं। चतरा चरा भी नहीं है। स्था जाप जारतके राष्ट्र-पितामहका एक विशेष चित्र इंडियन कोपिनियन के किए प्राप्त कर एकते हैं? वदि कोई उपकल्प हो तो ठीक है। आवा है के विश्वेप रूपसे पित्र विश्वमा केनेका कष्ट करेंगे। जाप निन नेताबॉको जब्बे और स्वे वेश्वयक्त समझें उनके परिचय और चित्र भी प्राप्त कर सकते हैं। भार प्रो वेक्निकरसे मिले या नहीं ? बापने इसका विक नहीं किया है।

अबिक भारतीय मुस्किम सीमके बढ़ी इमान इस समय यहाँ हैं। मैं उनसे बोड़ी देर दक बातचीत कर चुका है। वे मुझे बहुत बच्चे व्यक्ति कमें वे विल्कुल सावे निवासके है। वे पटनाकें मकीकोके गेता है और उदारमना व्यक्ति हैं। वास जनको एक प्रोच दिया वा पर है। मैं भापको इस सम्बन्धमें निकासी वह सुकताओंकी एक प्रति भेज रहा है। वे सहसि एक पक्षवाहेंमें बारतको रनामा हो जार्येने १ वे वहाँ अपने बेटोंकी बॉक्सफोर्डमें वाबिक कंपने

१ बाहरे रेस्ट्रेंड बानरने यह तक १२ नगमरको नामोच्या को वी । देखिए जिल्लाही को र

३. वह कारत नहारे क्यानर १२ को क्वितर "पश्चित वॉफ वैतिर देविक्टंड" ("आहासक अन्ति स्त्र मेरिन्स ") पर मिलन किस्तेन्द्री वर्ते मेरे मेरे अकल नहीं है। हे हेसिर "मान्त्र सर्न्यन समाने" प्रतापक वर्षेत्र स्त्र प्रकार करें

y देखिए अपूर्ण परिधानी वह २४९-४४ ।

u और t. सर्वे का क्य गाम है।

बाये थे बौर यही झानपर स्वभावत वे कॉर्ड गॉर्से बीर बन्य मेठाओंसे मृत्यत मुस्तकानिके प्रतिनिधित्वके सम्बन्धने मिक रहे हैं। बाप हुना करके बखबारोंको देवते रहें और ज्यों ही वे झाये त्यों हो उनने पत्र-स्ववहार करें। उनसे आपका बहुत बड़ी गहायता मिलेगी।

टाइप की हुई इफ़्तरी अंग्रेकी प्रति (एस एन ५१२) से।

## २८८ पत्र लिखो टास्टॉपको

सन्दन जक्तवर ११९

महोदय

शुम्पवास (बरिशन बाफिका) में सगभग पिछले तीन वर्षोंसे जो-कुछ नम पहा है उसके

प्रति मैं भापका व्यान भारतीयत करनेकी मुख्यता कर रहा हूँ।

उक्त उपनिवेशमें ब्रिटिश बारकीपॉकी बाबादी कीई १६ ०० है। ये मारकीय विमय कई वर्षीन बनेक कानुनी निर्धोग्यताओंसे अस्त रहे हैं। स्थानिवेधमें रंबके तथा कुछ बार्डीमें एशियाइयोंके विरुद्ध सक्त पूर्वपद्ध है। बहांतक एशियाइयोंका सवास है, न्यापारिक ईप्योंका प्राथमात्रका नगर पर प्रमान हुन क्यार प्राथमात्रका है जी को वृद्ध के जानून बनावे इसमें बादी बैने बीर क्षण्य बहुत-छ कोगोंने ती ऐसा माना कि यह कानून क्षपमानजनक है, बौर इसका मंगा इसके प्रभावक्षेत्रमें बानेवाछ छोवाँको कापुरूप बना देना है। मुझे समा कि ऐसे काननके आये जकना धन्य वर्मकी भावनाने विसंतत है। मैं और मेरे कुछ साथी बुराईका विरोध न करलेके निवानतमें वृद्ध बाल्या रखते वे बीर बाब भी रखते हैं। मुझे नापकी इत्तियंकि बायायनका जी वीमाध्य प्राप्त हुवा वा और उनकी मेरे नमपर पहुरी छाउ पढ़ी है। पूरी राद्वा परिवित्ति समझानी जानेपर विदिक्ष बार्ड्योपीने यह छनाह मान की कि हमें रत कानुनके बाग नहीं मुक्ता चाहिए, विके देने सेव करनेके बरवमें येख या सब्ब भी सन्ना कानुनन की बाय उठी स्वीकार करना चाहिए। प्रस्करकरूप भारतीय झावादीने से करीन बामें तीन को संवर्षकी कठिनाइयोंको सहने और बैक वीवनके कट्टोंको छठानेमें कर्पन का पान पान का वार्त्या करणावाचा वहुं। याद वार्त्या का करणावाचा करणावाचा वार्ष्य का है। इस्तार है, इस्तार है, इस्तार है, इस्तार है, इस्तार है, इस्तार है, इस्तार है। इस्तार प्रदेश कर्पन रूप के विशेष कराय है। इस हो पान करणावाचा करणावाच ६ नहींने तक की रही है। ज्यावानर लोगोंकी नजाएँ क्यरियम थी गई है। बनेट जाविक वृष्टिसे बनीव हो गये हैं। इस गमय ट्राम्मवाककी चेकीमें सीसे व्यक्ति सराहरी हैं। इसमें कुछ जीर बहुत परीव हैं — रोज कुलानाका ज्यान वाय चारक वराजदा है। उत्तर कुछ जीर बहुत परीव हैं — रोज कुला नाहरण रोज पानी पता यह उनकी करत्या पहीं है। विरागमस्कर उनके परिवार्धिका पालन वार्वजनिक वसेने करता पहा है। यह बन्दा भी स्विकाण गर्यावर्द्धिक ही त्रास्त्र हुआ। विदिध मास्त्रीवर्षेत्र इसके कारण बहुत बंधा ना पहा है। दिन्यु मेरी वमलर्थ वस्त्रीत वस्त्रेच स्वयरिक सनुकूत निज्ञ कर दिया है। संस्

र राज्यक पॅडिनारे बाजून नेप्रोचन नमारेखा देखिए खेख ५ और ६ ।

अभी जारी है और कहा नहीं जा सकता इसका अन्त कर बावेगा। तमापि हममें से इड़ लोग तो यह अफ्तो तरह समझ गये हैं कि बही पशुवतकी हार निश्चित हो अनाभगक प्रतियोग मही भी विकास होगा और हो एकता है। हमने यह भी देखा है कि वहांगर समर्थक करने करने वात है वहुत अंधों से उसका कारण है हमारी अपनी ही कमनेगे सोर उसे प्रतियोगी उसका कारण है हमारी अपनी ही कमनेगे सोर उसे कमनोपी सोर उसका कारण है हमारी अपनी ही कमनेगे सोर उसे कमनोपी सोर उसका कारण है हमारी अपनी ही कमनेगे सोर उसका कारण है हमारी अपनी होते ।

मैं बरने एक मिणके साथ नहीं उपाधान्यीय जिम्हारियोंसे मिलने बौर परिस्थितिकों जनके सामने रखनेक किए जाया हूँ ताकि राहुत मिल सके। सरवार्वहिमीन यह समग्र किम है कि परकारके सामने जानुवर्शनियम करतेले उनके कोई बास्ता नहीं रखना है किन्तु समावके वर्षसाहन निर्वेख सरवार्थके वर्षसाहन निर्वेख सरवार्थके आयह सिक्ट पर्या आया है और इसकिए पर उनकी परिस्ता नहीं जायांक्रिका मितिसिक्त करता है।

सैने यहाँ बाकर जो-कुछ बेबा-गुना उठके ऐसा कपता है कि यदि बनामानक प्रीर् एमकी बाबार-नीति बोर उठकी बमोवनापर एक बाम निवन्त-मित्रीयीचा बार्योवत को लाये तो उठके बान्योकन कोकप्रिय होगा बोर कोग हर विवयमें विचार करेंगे। प्रशासिक प्रतिमोतिराके सन्तर्ममें एक मित्रने नैतिकताका प्रत्य उठका है। उनका वचाल है कि ऐसी प्रतिमोतिराक बागन्य देना बनाक्रमक प्रतिपेककी बास्तरिक भावनाचे केम नहीं बाता बौर यह तो एक उदहरे उहमति करिवना हो बायेगा। मैं नैतिकताके बारेस आपकी एम बातनेका मित्राची है। यदि बापकी समझ मित्रन्य-मेक्सकके बार्यममर्ग कोई दुर्धी व हा तो मैं बापके उन व्यक्तियोति नाम सुमानेकी प्रार्थना भी करूँचा बिनाटे इत नियमप्र क्षित्रनेकी विचेष प्रार्थना की बागी बाहिए।

एक और बावके किए में आपका कुछ समय केता बाइसा हूँ। मुझे एक मिनने माराज्यों वर्तमान काशनिक बारेमें एक हिन्दुके नाम आपके कियो गये पत्रकी प्रतिक्रियों कि काशना है कि समय के प्रतिक्रियों के अपना है कि समय के प्रतिक्रियों के प्रतिक्रियों के अपना है कि समय के प्रतिक्रियों प्रतिक्रियों के प्रतिक्रियों मिल प्रतिक्रियों मिल प्रतिक्रियों मिल क्षेत्र के प्रतिक्रियों के प्रतिक्रियों मिल प्रतिक्रियों मिल प्रतिक्रियों के प्रत

र देहराने क्रम कारीन की विजुत्ताल समझ यह विवासे क्यारांने बंश्यांके बान पर का विकास । पर पर क्वील कारणे विकास का था। परिवास कारण क्याराव करकार पर है। वैस्ताराव का इंडियन कीरिमिकको १५-१६-१६ ६ वीट १-२-१६१ के बंदीने व्ययंक्ती करा लिक अस्तानके पर का था। गोर्थिन क्या क्यारांने व्यवस्त भी किया गा, को बाने इंडियन अधिनियमने क्या वीट कर प्राप्त । गोर्थिन क्या क्यारांने व्यवस्त भी किया गा, को बाने इंडियन अधिनियमने क्या वीट कर पर इंडियनके काले ।

भारते इंग्र प्रस्तका विशेष अध्ययत किया है अध्या नहीं। भारतमें करोड़ों कोमेंका पुनर्कम्म या देहान्तरक्षमें मुनींग्रे अहरा विश्वास एक है और चीनमें भी गही बात है। कहा जा सकता है कि नते व्यक्तियों तो इसका जनुभव भी हुआ है बीर उनके किए अब यह दर्कपर आधारित माण्यता मही है इससे बीनमके जनेक एएसर तर्कस्य कमसे समझमें जा जाते हैं। दुग्यवाकके खेक जीवनके करद सेकनेवाले जनेक सर्यावहिमोंकी इससे सामका मित्री है। यापको ऐसा विजनेमें मेरा छट्टेस आपके निकट सिद्धान्तकी सर्यावा प्रमाणित करता नहीं है बिक्त मह पूछना है कि आपने विजन-यिन वालींसे पाठकींकी निष्क करता चाहा है व्या आप उनमें से केवक पुनर्कम्म सक्तको हुटानेकी इन्या करेंगे। 'आपने उन्त पर्म आपने विरतार से इस्त अह पुनर्कम्म स्वावको स्थापन अपने उन्त पर्म आपने विरतार से इस्त के दिस है। में उद्धाप्त सामने विस पुनरक्षमें के विश्व है यदि आप उनका नाम वे सक्तें तो आपका आपनार मार्गुमा। मेरा यह पत्र बहुत कम्बा हो यथा। में आपना है कि जो आपका आपनार मार्गुमा। मेरा यह पत्र बहुत कम्बा हो यथा। में आपना है कि जो आपका आपनार मार्गुमा।

नेरा यह पत्र बहुत कन्या हो यया। भै बातता हूँ कि वो आपका आरर करते हैं और अनुसाम करना चाहते हैं उन्हें आपका समय केनेका कोई विकार नहीं है बत्कि उनका करों या यह है कि बहीतक बने आपको करूट न हैं। भै आपके निकट नितास्त अमितिक हैं किर ती मैंने सरके हिराको इंटियत करके आपको यह पत्र किकानेकी इंस्टरा की है कीर ज समायाबोके बारेमें आपका आगंवर्षन चाहा है बिन्हें इक करना आपने अपने बीतनका प्रये माता है।

ৰিদীৱ মী০ ≅ে হায়ী

[काइंट क्रिबो टॉस्स्टाव बास्तामा पॉस्माना बस्रो

[बंदेनीहे]

टॉलस्टॉय और पोनी का कामिरास नाय प्रकासक पुस्तक संवार पटना पूट्ट ६९ ६२।

र टॉस्टॉको सभे पेटा करना स्त्रीका मही दिना । अन्यता कहा कि कि विर यात व सम्रें हो लक्ते सभी मर्पाएत करते हुए कह विस्तेती होन हैं । वेकिए वीडिंडर २० ।

र. का दिनों देविकोर्तिनामें निराता करनेताके बाता मेमानाद नासी बालक यह रोपानी सन्य प्रस्त है। १४ ४ में निक्की एक पुरितारा ।

१ सेस्ऑक्ने स्त पनश कर क कल्यूक्तको दिना ना; देखिए परिश्विष्ट २० ।

### नेटासमा शिष्टमण्डम

नेटाकके विष्टमण्डसकी गतिनिविके सम्बन्धमें फिक्रवास कोई क्यादा सबर देने मोम्प नहीं है। काँदें कू को इससे पहले को पत्र किसा वा उसका उत्तर सभी नहीं मिला है। बावर न मिले बहु भी विक्युक सम्भव है। भी सकी इसामने सबस करनेका बाबा किया है। शिष्टमध्यकने मैरिस्सवर्यकी मस्तिवके किए एक भौकवीके जानेका बनुमतिपत्र (पर्यमेट) माँगा था। नेदाल सरकारने उसका उत्तर वे दिया है। इसके विरोधमें बाँवें कू को एक कड़ा पत्र भेना गया है। नेटाक सरकारने भी जानव सागातको यह उत्तर दिमा है कि वह मौक्रवीके किए दीन-दीन महीने बाब वबका चानेवाका बनुमदिएन देवी और घर अर्फ मिरिपनपर हर बार एक पाँडको फील वेनी होती। इसका वर्ष वह हुना कि एक साकर्में चार पीड कर देमा पडेना। इस पचके सम्बन्धमें सिस्टमस्वक्तने कोई क को फिला है कि ऐस उत्तर स्पन्द अपमान है और इससे भारतीय समाजकी भावनाओंको देस पहुँचती है। भारतीय समाब इस सर्तपर नौक्वीको कैसे कुला सकता है ? इस प्रश्नको मुस्सिम सीमने भी कठावा है। में दो साधा करता है कि एवं कर्मुण्य स्वाचारको वह राज्येत है। एसाइक करेवा। एवं वस्त्रकार बाके तो बहु होता जाहिए कि सीवनी चुना वेकर उपनिकत्त प्रतिकट हो बार्व। किर वरि जह बेक येना बादे तो वे केक करे बार्व। यदि उन्हें वीर्य-पार करें दो वे डीमा-मार हो बार्वे और बेक्ने खंडा बजरों। उत्सादि के बार्वे में हरे और सीमा-पार किमें वानेसे भी न हरे। वह शिक्षारी हो वाये दो भी परवाह न करे और वसको नोबकीमें कुटें हो भी न बरे। सत्याप्रहीका क्यों-स्थां वसन हो त्यों-त्यां वसन के प्रत्याय वेंचे । मारदीयोंने पानी होगा दी ने वेश-स्वान नहीं करेंने बीर तमी यहाँ नेटाटमें अपने-अपने वर्मका पूरा पाकन करेंने। सरकार क्लाके मदमें को जल्याचार करेगी हम उससे क्टेंने महीं। किसी बेहदा अन्यायके विकास तीया सरक्ष और श्रीश स्थाय पानेका मार्प सत्वादह ही है।

## क्रिपेंकि मताविकारके किए जानोक्तन करनेनाकी महिकाएँ

सब रिजयोंकी मराधिकारकी कहार्य किर सामने सा सबी हुई है। मैं भिन्न पूरा हूँ कि दुख रिजयोंने सपनी मर्योदाको स्थाप दिया है। उन्होंने प्रमान मन्त्रीको सहिए एकर स्वेते। इरना ही नहीं उन्होंने सिपाहियोंपर भी महार निजा। [इनके किए] ने बूद हृषिसारित सेंग सी। ये रिजयों बहुत बहारुद भी इसमें तो यक नहीं किन्तु बन्होंने नहा-पूरीका दुरस्योग किना। कनता तो ऐता है कि ने नहा एही हैं मताबिकार न मिनेया तो हम सिर्फ पत्थर ही नहीं फेंक्रेंगी वरिक इतसे जाये भी वर्ड़ेगी हम थान समायेंगी और हरवा करेंगी। यदि सब ऐसा ही करने सर्वे तो इसका अर्थ यह हुना कि जब-कभी कोई उचित या अनुचित अधिकार केना चाहे और वह उसे म मिछे दो वह हत्या तक कर सकता है। ऐसा हो तो कीमें लय्ट हो बायेंगी। वे रिवर्या अब उन कप्टोंको सहन करना महीं पाहरी को वर्षे उकते पढ़ते हैं। बेठते पुण्य मुटलेकी नीयति उन्होंने साता बातेते इनकार कर दिया। सरकार बढ़ उनको वररहती बाता बिस्तते वर्गी है। बविकारी पेटमें मती इतिकर उपके हारा मोजन पूर्वभाते हैं। यदि निवर्ष परीर-कारो काम संगी दो उनके दिस्स परीर-बलका प्रयोग किया ही बायेगा। ऐसा होगा दो इन्केंट रहने योग्य देश न एड बायगा। यदि ये ही हिन्तर्ग सत्याश्रह्णर कायम एई तो कोई परेवानी न होगी। इससे मताभिकार मिसनेमें देर असे ही लगे किन्तु उनकी कार्रवाईसे सारे समानको सदय पैदा न होगा। समर उन्होंन पून को है तो उत्तरा एक उन्होंको मोगना होगा। बन्होंने में उत्पाद आरम्म किसे हैं हतते बहुत-ती रिवर्यों उनके बिस्ट हो गई हैं। एक स्त्री दो किवती है कि यदि हुन्या या मार-कारचे मताबिकार मिछता हो तो उछे वह नहीं चाहिए। तिवंदा है कि पार हैंगा या गारकार व नवानकार निकार है। वे हैं। वेहिन यह ने गार्थर में में दिवा करते हैं के किन य में दिवा करते हैं कि करेवान कानून-निवार्ता कुंगे हो गये हैं। वेहिन यह के मारकार करके छता केंग्री दो उनका प्राचन कुंग्र करकी होगा ऐदा नहीं याना का खकता। में कह पुका हूँ कि इन दिवारिक प्रदाहरवांति हमें गारकार आदिये काग पहनेकी पिस्सा केनी है। उनसे सीतने योग्य बूतरी वास उनकी बहादुरी हैं। वे किन्हाक विश्व उपायका साध्य छे एही हैं बह बुरा है किन्तु ने जिस बुढ़तासे सक रही है करूट बठा रही है और पैस इस्ट्रा कर रही है, वह सब अनुकरणीय है। वे किसी बातसे नहीं हारखीं। उनकी प्रतिज्ञा है कि वे मताबिकार सेकर ही छोड़ेंगी। और उस प्रतिप्राके बनुसार के वन देती हैं और प्राच भी। यन रिनर्दाको स्थान स्विकारिके लिए स्थानी ही बैदी स्पन्नीके क्रोमिले हतना युक्रमा पहता है तब किर सारतीय सरवाशिक्षिको स्विक स्थय तक सूक्रमा पढ़े कैसमें रहना पढ़े मार राजी पढ़े और बूखा रहना यहे तो इसमें सारवर्ष ही क्या है?

# टॉस्टॉयक रायाग्रह

कार्यट टॉन्स्टॉम एक क्सी खातन है। कसी धनक शख बहुत सम्पत्ति थी। उनकी बायु बह तमसम ८ वर्गनी है। उन्होंने बहुत दुनिया देशी है। वे पारकार्य लेकडोंने वेट माने जाने हैं। स्वावाहियोंने हैं अपूत किने बार सकते हैं। उनका हिया है अपूत्र किने बार सकते हैं। उनका समान हमारी तोश येक गये हैं। हमें सा प्रदे हैं। इसी सा प्रदे हैं। वे कोपों को निर्मय होकर पह सता है। इसी सा प्रदे हैं। इसी सा प्रदे हैं। इसी सा प्रदे ही। इसी सा प्या प्रदे ही। इसी सा प्या प्रदे ही। इसी सा प्य सा प्रदे ही। इसी सा प्रदे ही। इसी सा प्रदे ही। इसी सा प्रदे ही।

पननी बात मानकर हुनारों लोग थेल परे हैं बौर जब भी जा रहे हैं। क्यी सारकर वनमें शरही है। क्यी सारकर वन्ने शरही है। वनके लेश बहुत होले होते हैं। वे कोचोंको निर्मय होकर यह सकाह देते हैं कि वे कल-मरनारके कानुनको न मानें जीर बीजों करीं न हों जाति । उनके कैसोंकों प्रार्टने वाहि रिया जाता। किर भी जमके लेग बहुत प्राप्त है। इतके क्य-मरकारने जनके पिरस्तेवारको मिरनार कर तिया है जीर जेक भेज दिया है। काजह टॉक्टरोपने इस वार्त्याकी आजावना करते हुए बोन्हुफ तिया है बहु जानने कायक है इसकिए ज्याना सार मीचे देता हूँ

कन-मरवारने केरे धिरस्तेपारको किरनार कर सिमा है। जमने इसी प्रवार करूनोंको निरकार विचा है परस्तु यह घटना वेरी बोनकि नामने पटित हुई,

१ वा पर देती स्पूत्रने क्या वा जीर वह एक क्ष्ममू हिंचके कन किश क्या था।

[अक्टूबर १ १९ ९के बाद]

## वेटाक्षका क्षिप्टमण्डस

नेटाक्से सिप्टमण्डक्सी निर्विभिक्षं सम्बन्धर्मे फिलहास कोई ज्यादा सदर देने मीम्प नहीं है। सार्द क को इससे पहले को पत्र किसा था उसका उत्तर अभी नहीं मिला है। सामव म मिके यह भी बिल्हुच सम्यव है। यो जली इमामने मदद करनेका दादा किया है। न पिक यह मा निरुद्धक धार्म्य है। या ज्या क्यान पर्य करणा नाम कर है। विद्यमध्यस्त्रने मेंरियवर्षमें महाविषके थिए एक मौस्मतीके सानेका सनुमितिगत (गर्पिट) मीना सा। नेटाल एफाएले छक्का उत्तर है दिवा है। इसके निरोधने कोई कू की एक कड़ा पत्र मेंचा गया है। नेटाल एरकाएने भी सामद भागातको यह उत्तर दिया है कि बहु मौस्मतीके किए दीन-दीन महीने बाद बदला बानेबाका सनुमतिगत देवी बीर उस सनु मिरियमपर हर बार एक पाँडको फीस देनी होगी। इसका वर्ष यह हुना कि एक सास्त्री चार पीड कर देना पड़ेगा। इस धवके सम्बन्धों सिस्टमस्वको आँड वृक्षो किहा है कि ऐसा नार पान करिया न मुझा है वा पान करियान (पटन्यका वाटक मुझा । बाबा है। के दश क्यार स्थापन है और इसने आफीय बनावकी साववार्यों के देन पहुँचते हैं। पार्टीय हमाब इस पर्यपर मीक्नीको की बृक्षा सकता है? इस प्रकारों मुस्लिम औपने भी उनायां है। मैं दी बासा कर्या है कि इस बनुष्य करवायारको सहत करनेके बनाय मार्टीय समाव स्थापन है क्या । इस सम्बन्ध महों को यह होना चारिए कि मौक्सी पुना केस्य जमिनेक्सी प्रविद्ध हो बावें। किर यदि उन्हें केक मैंना बावें सो बे जेक क्से बावें। यदि वन्हें सीमा पार करें तो ने सीमा-भार हो कार्ये और देखमें शंबा सठायें। सत्यावही देल कानेसे न महहुवा कि यदि हमें कर्म-शासनकी भी धुनिकान वी भागे तो इस जन्तमें उरकर देश-स्थाग वेंगे। मारदीमीमें पानी होगा तो वे देश-स्थाव नहीं करेंदे और सभी मही नेटाकर्में करने-करने वर्षका पूरा पाकन करेंगे। यह प्रथमनाव गया करना नार पाना प्रधान प्रश्ना है। करने-करने वर्षका पूरा पाकन करेंगे। यह कहारा दशाके महलें को करपास करेंगे। हुन वरवें दर्वेंने महीं। किसी बेहुवा अन्यावके विकस सीवां सरक्ष और सीस न्याय पानेका मार्व सत्पासन की है।

### क्रिपोंके मताविकारके किए बालोकर करवेवाकी महिकाएँ

सथ रिवरोंकी मताविकारकी स्वार्ध किर धाराने जा बड़ी हुई है। में किस पुका हूँ कि कुछ रिवरोंने अपनी मर्जावाको स्वारा दिया है। बज्योंने प्रवास मन्त्रीको वाहोपर त्यस्य १ १८ १८ १८ १८ १९ ते कि कि कि प्रवाही विधाहित्यों पर भी प्रहार किया। [स्वके किए] वे कुद हरिसारिक के वौं। में सिक्सो जहुत बहाबुर वी स्वमें तो यक नहीं किन्दू उन्होंने वहां दुरीका दुरावोच किया। कनता तो ऐसा है कि वे कह चुरी हैं मताविकार न निकेता तो हम सिर्फ परवर ही नहीं फेड़ेंगी वरिक इससे बागे भी बड़ेंगी हम बाग समामंगी भीर हुन (तफ परपर हा नहा अरुवा कारण हथय थान था बहुना हुन कान समामना और हुना करेंगो। यदि सब ऐसा ही करने सर्वे तो इसका वर्ष यह हुमा कि पदन्ती कोई पथित या कनुमित समिकार केना भाई और वह उसे ने मिस्ने तो गहु हुना तक कर सकता है। ऐसा हो तो कोनें नष्ट हो जायेंगो। वे दिवसी अब बन करनेंकी सहन करना नहीं चाहती को उन्हें उदाने पहते हैं। बेकते तुरस्त सूटनेकी शीवसके उन्होंने साना सानेंग्रे इनकार कर दिया। सरकार अब उनको जबरवस्ती जाना विकाने क्ष्मी है। अधिकारी पेटमें क्षा बासकर उसके ब्राय भोकन पहुँकाते हैं। यह रिक्रमी धरीर-काले काम सेंगी दो उनके विरुद्ध सरीर-कालक प्रवेश किया ही बायेगा। ऐसा होगा तो इनके यहने योग्य वेस जनक ब्वस्क स्टार-बक्ता प्रवाव क्या हा जायगा। एका हुगा ता रूपक यहन साम्य वर्षे न एवं जावगा। यदि से ही दिलमाँ सत्याशहरूर कामम यहें तो कोई परेशानी न होगी। इस्ते प्रवाधिकार निक्तेनों देर को ही को किन्तु उनकी कार्रवासि सारे समाजको कत्य प्रवाद न सार उन्होंने मूख की है तो सकता कर उन्होंको भीना होगा। दक्तोंने ये उत्तात जारका किये हैं इससे क्या कारका किये हैं इससे क्या उनके विरुद्ध हो गई हैं। एक स्त्री तो किससी इनके विरुद्ध हो गई हैं। एक स्त्री तो किससी है कि सारे हुगा या मार-काटसे मताबिकार निक्ता हो तो नसे बहु नहीं वाहिए। किराती है कि सरि हुएवा या मार-काटचे सताधकार ामकरा हा वा थव नह नहा कााब्द। ये रित्रता कहती हैं कि वर्तमान कानून-निर्माण वूर्ण हो गये हैं। केकिन यदि वे मारकाट करके बता केंग्री दो उनका वावन कुछ कच्छा होगा ऐखा नहीं पाना का सकटा। मैं कह करके बता केंग्री दो उनका वावन कुछ कच्छा होगा ऐखा नहीं पाना का सकटा। मैं कह कुछ हैं कि इन रिजयोंक जवाहरणीं हुने मार-काट सादित सक्य रहनकी शिक्षा केनी है। उनके मीजने पाम कुटते काद उनकी बहुदूरी है। वे किक्सूबल किस उनवका मायन से रही है वह बुदा है किन्तु ने निम बुनताले कह रही है क्टर छटा रही हैं है निर्माण के निर्माण कराति है। वह स्वाप्त के निर्माण किस किस प्रतिकार के किस ताति कार है कि से मतानिकार केन्ट ही छोड़ी थी। बीर जाज मिजाके कनुवार व पन देती हैं बौर प्राण भी। जब रित्रयोंको अपने अधिकारोंके निए अपनी ही वैसी जमहीके कोयोंसे इतना बुधना पड़ता है तब फिर नारतीय तत्वाप्तहियाँको अधिक समय तक बुधना पड़े हैदसें रहना पड़ें भार खानी पड़ और मूखा रहना पड़ तो इसमें मारवर्ग ही स्था है?

## टॉस्टॉवका सरपापप

कार्यट टॉलर्टीय एक क्वी सामन्त्र हैं। कभी उनके पास बहुत सम्प्रति भी। उनकी आयु अब समावय ८ वर्षकी है। जन्होंने बहुत पुनिया देनी है। वे भाजारय सेखकोंनें भेट माने बाठे हैं। सामाविद्योगि वे प्रमुख विने वा सकड़े हैं।

उनकी बात मानकर हुमार्थी लोग जेत पथ है और जब भी जा रहे हैं। कर्ती तरकार उनते करती है। उनके स्तय बहुत तीचे होरे हैं। वे लोगोंको निर्मय होकर यह सलाह देने हैं कि वे सम्मारकारों कामूनको न मार्ग और कोमये मत्ती न हीं जारि। उनके केलांको जारने नहीं दिसा जारा। किर भी उनके केण बहुत छन्ने है। उनते क्यमारकारों उनके धिरस्तेदारको विरामार कर निया है और जेत जेत दिसा है। वार्गद टॉक्टमेन देश कारियाईची जालोकना करते हुए जी-मुछ तिया है जह जानने नायक है। द्यांग्य उनका सार मीचे देना हूं

स्थ-गरकारने मेरे सिरस्तेशारको थिएलार कर किया है। बनने इनी प्रकार बरनोंको पिएलार किया है परेलु यह पटना मेरी बांतीने शामने पटित हुई,

१ सर पर पंत्री स्पूत्रमें छा। या और वह शतक डक्क्टू दिवोड तथा लिए। यहां था।

इसकिए मेरे उत्पर इसका प्रमाण क्याबा हुआ। ठीक वेलें ता उसे मुसको निरफ्तार करना या क्योंकि उसने मेरे ही केलोंका प्रचार किया है।

सब पुलिसने गुरेस्का परुदा तब मैं से पड़ा। यह रोना उसपर बना बानेसे मा सबसे हास्य देसकर नहीं आया। उसपर बना आनेका तो कोई कारण हीं नहीं या स्थानित में बानका चा कि पुरेस्कों अपने आपनसम्म प्राप्तित महीं कारण स्थानित अपने आपनसम्भ प्राप्तित महीं कर सम्प्रेत स्थानित महीं कर सम्प्रेत हों से स्थानित अपने आपनसम्भ प्राप्तित महीं कर सम्प्रेत हों से स्थानित स्थानित महीं कर सम्प्रेत हों से स्थानित महीं कर सम्प्रेत स्थानित आने हैं। मेरे बीत हरीं बीत में स्थानित स्थानित पहीं कर स्थानित स्था

सिमकार्थ भूझे गिरफ्तार करनेवे करते हैं। मैं लीगिसे कहता है कि हत्या ठीक नहीं है यह उनको पशन्य नहीं है। भूझे पीच-बात वाउके किए केस्में कन्य कर दें दो में बोलने और शिक्सोंचे कर बाऊँ। किन्तु चैचे ये अधिकार्थ भूझे गायक मानते हैं सैदे ही मूथेपके हुवरे कांच नहीं सालते। दशकिए अधिकार्थ भूझे गिरफ्तार नहीं करते मेरे कोथोंकी सिरक्तार करते हैं।

किन्तु ऐसा जलाबार व्यर्थ है। मैं बालता हूँ कि मेरे विधार सक्षे हैं बौर सनका प्रचार करना मेरा बच है। मैं इसीके किए चीता हूँ। इसिक्ट वनकक मेरे सरीरोर्स प्राप्त है वनकक मैं अपने विचारोंको प्रकट करता ही पूर्वेगा। कीत नुकेक प्राप्त में बचने केह्न गेजता चा बैसे ही जब इसरोंकी मार्कट मेनूना। चुरेककी बाह केनेके निरू बहुत-से कोन स्थार है। बीर चब मेरे पास काम करनेके किए बानेवाले सभी कोनोको वे एकड़ कींगे सो मैं अपने केह्न उन कोरोंको स्वयं मेनूना जयवा हैना निन्तें उनको जकरत होती।

क्षमा पूर्वा । नन्तु जनक जनक प्रकरित हार्या ।

किन्तु मैं यह पन सिर्फ सम्मी या मुद्देणकी बादिर नहीं किबता। को हनाएँ
छोगोंगर करवाचार करते हैं जनको नैक्से मेनते हैं या प्रविधी केते हैं, जनके नारेसें
क्या कहूँ। जो करवाचारित कुमक मने हैं जनकी कारवाएँ वन्हें छाप के प्रति है।
छनको हान करवाचारितों को तम पत्ती है। पुष्क करवाचारि वामतते होंगे कि जनके
कामति कामनोनों को लाम होता है। ऐसे करवाचारियोंगर मुने पत्ता नाती है।
उनको सम्में मुद्दा ने हरवरकों की हुई कारवाचारियोंगर मुने पत्ता नाती है।
उनको सम्में मुद्दा का प्रविद्या वाचनिकों नहीं मिलता। मुद्देण कीर मेरे सम्मान्यों जो बरना नरित हुई है यह करवामें वेखें यो कुछ भी नहीं है। किन्तु इस समझपर न

4

मैं सत्याचारी सायकंति कहता हूँ अपनी जिन्सपेपर विवार करो अपनी आरमाको बोओ और अपने जगर बया करो। " बो व्यक्ति इस प्रकार किस सकता है, सोच सकता है और उसके अनुसार स्पवहार कर सकता है, उसने तो बयत बीत किया है, हुआ पर निजय प्राप्त कर सी है और अपना सीचन सार्क बना स्थिया है। ऐसे जीवनमें ही स्वर्ण स्वत्याना अवना सक्ती आजादी है। हम द्राम्यवाद्यों ऐसी ही स्वतन्यताकी बाम करते हैं। जयर मास्त ऐसी स्वतन्यताका जगमोग करने करो तो यह स्वराम्य ही होगा।

#### योधकका काम

भी पोक्क सार्ट्यमें को काथ कर रहे हैं, वह वनस्य ही किसी दिन फरू देगा।
मुझे दूचरे कोगोंसे जो पत्र निके हैं उनस्यसे देवा का सकता है कि इस समय बन्वईमें हमारी
कहारी ही चर्चा चक रही है। भी पासकने बन्वदिक कोगोंका मन हर किया है।

### पेटिसकी बानकीकता

इस काममें थीं बहांगीर बोमगती पेटिटडे थी पोकरको बहुत नदस निकी है। भी पोकर उनके मही ही ठहरे हैं। इतमा ही गहीं भी पोकरकी को पुरितका कपी है, उसकी २ प्रतियों भी भी पेटिटने अपने ही कर्षये स्थाह है। इसमें उन्होंने १० स्पर्ये कर्ष किसे हैं।

येसे उद्योपरे सत्याप्रहियोंमें बुवना धीर्य माना चाहिए।

#### पाग**कप**क

 74 कॉरपोरेखनमें तीस वर्ष काम किया है। उन्होंने जिन दिनों यह काम किया उन दिनों वैसा करता राज्य पार्ट का का पार्ट है। उन्होंने बच्च हुमारी तरह विचार न करें दो त्या हुम काम करनेवाले कीम कम ही थे। बगर ने बच्च हुमारी तरह विचार न करें दो त्या हुम उनका तिरस्कार करेंगेरे उन्होंने जो काम किया उद्योके फलस्वरूप बाब हुम ज्यादा काम करनेके योग्य बन सके हैं। ये इस सवाकपर बहुस नहीं करता कि वे इस समय मूठ (के हुंग रिधानाधाल नक्षा पाठ नात न्युता हु। राचानाधाल ना रानकाधा नाहा रा मुझे समये न्यानी नीजिंके उपामीनकी स्वतन्त्रता हो राकती है। केकिन ऐसा मानुम होता है कि हम तो हुपारीकी भीजें केन केनेका विचार कर रहे हैं। मुझे ये दिवार प्रकट करोकी करूरत दशमिए पहरी है कि मैं चानता हूँ उत्तर बताये हुए पावके बंक प्रेडियन बोलिन मन के भी कियने ही पाठकोके हाथोमें बात होंने। वे गर्मदसी हों या नर्मदसी इससे मही भेरा कोई सरिकार नहीं। योजाना कर्मच्य है कि जो क्षेम बायाके रहान्म बहुँ समें है उनकी बनार्स हुई स्मारको रोहें नहीं उनके अरूर वे बिचाई समें ही करे। येखा न करेंपे यो वे बिख बाक पर बैठे हैं उनीको कारनेके बराबर होगा। नम्नता सम्मीरता बौर विवारपूर्व व्यवहार — ये स्वराज्यके स्टाप्य है। जो जी बाहे बोकना वाकना रो प्रकार

कदा जामेगा।

## डॉक्टर नेहता

कों मेहदाने डाक ही में सरपायड-कोपमें पैसे दिये हैं। वे अब रंबन चक्के बने हैं। मायम शारियी

देखता हूँ इंडियन जोपिनियन में वह खबर इसी है कि भी आजम हाफियी परीसार्में पात हो गये हैं। यह यसत है। सी आजम जमीतक पैलेकी लंगिक कारण किसी स्मूसमें दाखिक ही नहीं हो सके हैं तब ने पास कहति होंने?

#### रीयर अक्षी बसास

कविल मारतीय मुस्किम कीगकी विहार छावाके अध्यक्ष भी उँवर ककी इमानके सम्मानार्व पहली कक्तूबरको श्रोब विचा गया था। इतमें कवमग सी कोग बाये होते? बोकटर अध्युक्त मबीद प्रमुख थे। बासन्त्रक-समितिमें हिन्सू और मुखनमान दोनों ही थे। बाराय चन्द्रच नवाव अभुक्त वा वाशनणचामातम हिन्तू बीर मुख्यमात दोनों ही वे। श्री वर्षों और श्री आफर मन्त्री के। उपस्थित सन्ध्यामें यर हेनरी कॉटन डोल्टर रहर रहोड़े भी कपटन उर अंचरवी भावनगरी नवाव साहब सैयय हुसैन विकसामी सेवर सैयर हुसेन भी रिच भी वि एक ] योकक वी विधिनवन्त्र पास भी खागरने भी परीस श्री कोटाकाक परिक साथि वे।

सा कारानाक पारण जात व ।

सी नहीं समाने प्राणनों नहां कि मारत इंग्लेडके ताव पह एक्सा है उसके क्योंन
नहीं पह सफता। भारतीयोंको जीवेडोके बरावर समिकार दिये जाने चाहिए। कोई मॉर्सने
वो-दुष्ठ दिया है उसका कच्छा उपयोग किया जावे कीर ससके बाव और मारत यांन।
दिन्हां मुसतमानों और पारियों सबके एक राष्ट्र बनकर पहना है। पूर्वीमें मुसतमान
मुद्दी और ईसाई सब एक होकर पहते हैं। इसीसे उनको मम्मान निकार है। मारतमें
नहीं हिन्दू क्यादा हों और मुसतमान कम हों नहीं उनिय यह है कि हिन्दू मुसतमानों से

ज्याता हुक पानेमें मबद वें। जहीं मुसकमान ज्यादा हों वहीं मुगतमानींको उचित है वि वे हिल्कुबोक ज्याता हुक पानेमें मबदवार हों। समर ऐसा किया बाये तो हिल्कुमुस्लिम प्रशा रहे ही नहीं। मारतमें हुमें बहुत मुकार करनकी जरूरत है। हुमें विकानस्वार करना चाहिए और स्त्रियोक स्विकार्यकी रहाा करनी चाहिए। जा काम हुमें बुद करना है उसमें पीछे त रहना चाहिए। समामें उसकी स्वास्थ्यकी सुम-कामनाका स्वागत शाकियोंकी मुक्तकाहरूथे किया गया।

उनके बाद सर हेनरी कॉटनने छोटा-सा भाषम दिया। उन्होंने कहा कि भारतीयोंके

विकार भारतीयोकि हावर्गे हैं।

दिर पूर संचरती माननगरी बोकनेको कहे हुए। उन्होंने ट्राम्डनाक और नेटाकके दिस्टसम्बक्कों [की उफ्डला] के किए धुम-कामना करानेकी सरीक की। उन्होंने अपने नारवर्मों कहा कि बीक्षण आफिलाका प्रथम बेहुक धम्मीर प्रथम है। उन्होंने सम्बन्धमाँ यहां कि प्रयूप सम्बन्ध सामें हुए है। उनकी एवं देनेकी करूरत है। हुमारे यादें विकास साधिकारों सहुत करूर पा रहे हैं। उनकी एवं करीकका भी प्रथमों कई उत्साहते स्वास्त किया गया।

इसके बाद भी वांचीने उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि आखीय राष्ट्रका निर्माय दिवन बाक्तिमाँ हो रहा है। बाद्रों चोग स्वतन्त्रताके साजिर कब्द-बहुन करते हैं नहीं राष्ट्रका निर्माण होना सन्भव है। इसके बकासा विश्वच बाक्तिकार्थ दिन्तु-मुस्तिम प्रमा उठता ही नहीं है। इस प्रमान मिनंत नहीं हुबा-बैद्ध ही है। भी बादी स्पाय कहते हैं कि सम्पत्तका कैस्टो बहिक समिकार दिये जाने चाहिए, यह बाद दिन्तुक उचित है। ऐसा होनेसे ही हिन्तु और मुस्तमान एक हो सकते हैं।

[ उन्होंने कहा ] ट्राम्पवालके भारतीय बपने स्वायंकी लड़ाई नहीं कड़ रहे हैं बहिल भारतकी प्रतिप्तांके निष्य कड़ रहे हैं। नारती करतमयी हमीके किए वेक पुपत रहे हैं। हुक रिक्त भी केक गये हैं। वहतक भी जली दमान-वेदे लोगोंको ट्राम्पवालमें उपिकार प्रयोग स्वतन्त्रता नहीं मिल बाती उनकक भारतीय जीक बाते ही खोंची। से यह बसिकार लेकर

रन्यः **ए**डेमे ।

नेटाक्सें घरकार भारतीय व्यापारियोंको क्षुषक देना बाहती है। वह नरीव मारतीयों उक्ते तीन भीड़ वार्षिक कर नेती है बीर उनके बच्चोंको पढ़ने नहीं देती। ऐसे बच्चायका विरोध समेक मारतीयको करना बाहिए। नवाव श्राह्म देशिया कौतिसके घरस्य है। इन मारतीयोंके निए स्थाप मीनना उनका बच्चेट है बीर वरि ब्याय न मिके तो उनका श्रदस्या से लायपन दे देना जीवत होया।

मारतीम सुनर्कोको यह विचार करना चाहिए कि यह समस्या क्या है। अपर ऐसा हो तो इनका हुक पुरस्त निकक वासे।

मैकर सैमर हुपेनने माथण देतं हुए कहा कि जैते हिल्हू और मुख्यमान इंग्लैंटके होटल-में एक मेव पर बैठकर लागा जाते हैं जैसा भारतमें भी किया बाला चाहिए।

भी विधित्रकार पाकते भाषक करते हुए कहा कि हिन्दू और मुशकमान एक हो पक्ते हैं और उनको एक होता कार्यिए। भी कार्य हमायको हिन्दूकों और मुशकमानों सबने सम्मान दिया मह सुद्ध और हहता है। हिन्दू हैं और मुशकमान मुगकमान है यह तो है हो केकिन उनको प्राथ्यीय होनों अधिक पर्य मानता चाहिए। \*\*\*

भी भन्नी इमामने फिर बोक्को हुए कहा कि वशिश्व बाधिकाका प्रस्त बहुत बहा है, इसीस उन्होंने अपने भागमार्थे उसके सम्बन्धमें कुछ नहीं बढ़ा है। किन्तु वह प्रस्त उन्हें सामता पहता है, बार ने उसको मूल नहीं सकते। भारतीयाने कच्छ दूर करनेके बिए सनसे जिल्ला हो सकेगा उल्लाब करेगे ही।

डों रवरफोर्डने कहा कि उनमें श्री नांचीका भाषण मुननक बाद गया उत्साह ना बमा है। ट्रान्सवाकमे मारतीय एक अच्छी सवाई सब रहे हैं। सभी खीवोंको सनके उदाहरवका

अनुकरण करना चाहिए। वे सवासनित सहाबदा तो देंगे ही।

संसद-सदस्य भी अपटननं भी वैसा ही भाषण दिया। उनके बाद भी परीख वोले और तब समा समाप्त हो नहीं। मुखे कहनेकी जावस्वकता नहीं कि मोजर्ने दोनों सिप्ट

मच्छकोके सदस्य मीजुर में।

भी बकी इमामके सम्मानमें दूसरा समारोह मंगलबार दामको चार वने होना। **एएका मापोजन जविक गाय्यीय गुस्किम कीगकी जोरते किया वागेया। श्री अठी इमानकी** यहाँ हिस्तम्बुक्त जाना है और बहुछ वे मारत बार्येंगे।

## मुखरातियाँकी सभा

गुजरावी मायाके सुवार और विकासके स्वपायों पर [विचार करनेके किए] एक सन्मक्त काठियाबाइमें किया जानेबाका है। इसके समर्थनके किए संस्करारको सर संबरकी मावनवरीकी जम्मस्तार्गे बुजरातियोंकी एक समा की जानेगी। इस समाके संगोजक भी सरतम देसाई, भी इतेन वाडव मुहम्मव और श्री खेळालाल परीख है।

[ वयस्तीसे ]

इंडियन बोपिनियन ३०--१०--१९ ९

२९० पत्र मारजबास गांधीको

सन्दर्भ

अन्द्रवर ३, १९ ९

चि नारचवास

पुनहारा पत्र किर नहीं मिला। तुम्हारा चन्ना इक्ट्रा करनेका कान चल रहा होया। यै चाहरा हूँ कि सबि चि स्थानसाल इंग्लैंड अलेका विचार करे दो तुम दक्षिय बार्किका जाजो। दुम्हारा भी वहीं विचार हो तो येश जायह है कि तुम जामी। इतमें सहज ही बारम-कर्माण होंचा ऐसा में भागता हूँ। केकिन इसके किए तुम्हें पहले बपने निताकी अनुमार्ध केनी चाहिए। मैं बादरणीय खुबालग्राहिको किल रहा हूँ। जनर उनका निवार तुन्हें मेर्ननेका हुवा तो ने तुन्हें यह पन दंगे अनवा पन देते हुए अपना विचार बतावेंने। मैं नहीं हैं वह भानकर बत्तर बेना। तुम्हारा जाना तम हो तो भी फीनिक्यसे मंत्रुप्त मेंदानी होगी।

१ देखिर "मान्नः गुन्दारीयोदी स्वामे" एव ४५६-५६ ।

१. देखिर भरता ग्रीनेक ।

तुम जेल चानके निए झाओ हो मंजूरीकी चकरत गई है, क्योंकि तब दो तुम्हें बोहानिस्वर्य साना होगा। जगर मानें दो जेकमें दुक तिक भी नहीं है, मुख ही है। तुम विशेष विचार-विमार्थ कि अवनसाससे करमा। गोधी-गरिवारने स्थापरण किया है और दुरावरण भी किया है। किन्दु हम स्थापरणके निए प्रसिद्ध है। इसमें वृद्धि हो सके दो यह परिवारकी सक्वी देशा है। इसमिए गरिवारमें नितने स्थापारी गुक्क है उन्हें पूरा सेनेजी इच्छा मुझे स्वा दुती है।

मोहनदासके आसीर्वाद

सामित्रीके स्वाक्तरींमें मूल गुजराती प्रति (शी. कब्स्यू ४८९८) से । सीकस्य नारणवास संची।

# २९१ पत्र खुशास्त्रचन्द गांधीको

NOTE:

बस्तुवर ६, १९ ९

बादरनीय सुप्तालमाई,

वि धननध्यक्ते पहुंचे जाएते कि नारकशासको भी धीनिक्सनें होन नेनेकी इवाजद मीनी बी। कंकिन वस क्का दो इवाजद नहीं निकी थी। सुने याद है कि मैंने भी किसा बा। अब फिरोर किसा वा रहा है।

अगर वि नारभशतको दे वें तो बुत्त न हीया इतमें उतका करमाम है।

एँगा पाइता स्नामानिक है कि उत्तर बदस्मामें सब बेटे आपके पास पहें सेकिन यह मोह मी है। बगर ने समय प्रकर बालकस्थाय कर उच्छे हों बीर एक बेटो आपके पास प्रह समया हो हो हुए दे सक्य नमों न पहें नि बगने नेटीको छवा पास रहता उपमुख सार्थ है। हुमारा करों हो छवा स्तर्भ र सार्थर सार्थ है। हुमारा करों हो चार सार्थर सार्थ है। हुमारा करों हो बात गिहर। सपर प्रकर्म मार्थ हुमारा करों है। केता नाहिए। सपर प्रह बात पाने देव देता हो। मेरी करती है कि साप कि शारकसम्बोर इसाल है है।

इस उम्बन्धमें मनम पहुंचे स्थान इस बातका रखना है कि उसकी बपनी बृत्ति हैंगी साहिए। उसका विकार ही सभी मेरी यह निवारी कानू होता है। मुप्ते माद नहीं है कि सारव्यास्तात स्थाह हो पया है या नहीं। बे सारव्यास्तात स्थाह हो। पया है या नहीं। बे सारव्यास्तात स्थाह का है। वेश सायवार वह स्थास अच्छा काम कर सकेमा। मैंने इस विषयमें बहुत विकार किया है। वैद्या आपरामी किया है, और कर रहा हैं। [इस समय] इसमें पहरे नहीं उपकार | [इस हमय] इसमें पहरे नहीं उपकार | [इस हमय] इसमें पहरे नहीं उपकार | [इस हमय] इसमें पहरे नहीं साय हमा है। वेश हम स्थाह हमें पहरे नहीं साय केसा हैं कि इस सब माहवीं बाप ही मुत्ते हुक स्थाह हमें परता है का सायवार हों सारवार केसा है कि इस सब माहवीं वाप ही मुत्ते हुक सम्बद्ध हमी सारवार हों हमें

विरोप चि छन्त्रसाम बापसे कहेगा। उसकी बाद मुनकर वैसा ठीक करे वैसा करें।

मोजनवासके दण्डबत

पांचीडीके स्वासरींनें मूळ गुजराती प्रति (ती डब्स्यू ४८९९) से । सीजन्य नारवदास पांची।

# २९२ पत्र सांई ऍस्टहिलको

[क्रम्त] बक्तूबरं ५, १९ ९

लॉर्ड महोदव

मैं सापके इसी ४ तारीकके पत्रके लिए शम्यवाद देता हैं।" जाप भी बोहा-सा अवकास के सके हैं आधा है वह सागन्य बीता होगा। मैंने जान-बसकर इस विपयमें और जानकारी देकर आपको परेशान नहीं किया। केकिन बब मैं कह दूँ कि भी पोकक भारतमें बहुत काम कर रहे हैं। बन्दर्रेने को सार्वजनिक समा की नई भी बढ़ बहुत सरुक रही। ससके बाद सरत बहमदाबाद और कठरमें सभाग की गई हैं। भारतके अववारोंमें इस समावपर पहलेसे स्थादा निस्तारपूर्वक और निरमय ही बहुत ज्याचा समझवारीचे चर्चा की जा रही है। वर वसवार यह मानते 🛊 कि दान्तवाकके भारतीय किसी स्वार्यपूर्व उद्देश्यन्ने कृष्ट नहीं स्टा खे विस्ता पादीय वापमानको हर करानेके किए काट तथा रहे हैं। वे वादका इस बातको स्वीकार नहीं करते थे।

बापने कॉर्ड मॉक्रेंके पत्रके सम्बन्धमें जो सकाह दी है और सर्दें समाके सूचना-पत्रमें मपने प्रध्नके सन्वन्तमें यो बावर ही है उसके किए मैं इसक हैं। मझे बसी-बसी कोंडे क का उत्तर मिका है। उनके पत्रकी नकक बीर उत्तरका सछ-

विदा इसके साथ मेजता है। मसविदा जाएकी मंत्रारी या जाएके संसोधनके किए है। कर टाइम्स में अपने कोहानिसवर्गके संवादवाताकी मेजी हुई को कबर आपी की उत्तर बहत-कुछ वैसा ही है। सी स्मट्सने 'रैंब पायोनियसं मायव दिया था। संवादवाताने उनके

मापनका सारांख देते इस किया है

भी स्मदसने वर्तमान शावनीतिकी कोई वर्षी नहीं की, अधिप इस बातका प्रमात बहुत किया गया कि वे संयुक्त मंत्रियण्डलके आरेमें सरकारने विचार और एसियाई सरमाप्रहिबंकि प्रति जसके स्वाने परिवर्णनकी अफवाह नारि विवर्मोपर प्रस्न कहें। सरकारके क्यामें किसी सरहके परिवर्तनकी बात अब भी मफनाह ही है।

मेरी रायमें कांबें क का उत्तर सन्तोधननक भी है और बहुत असन्तोधयनक मी---असन्तोपजनक इसक्रिए कि काँडें क स्पष्टत भी स्मटसरी अकरतसे ज्यादा बरते हैं सन्तीप बनक इसकिए कि बातचीत

र बांगीबीजे कोंडे केंब्रीक्सो ५१ और २२ किएमएडी १४ किसे ने केन्द्रिन ने क्लान्य शहीं है । १९७३ कोई रॉन्सिक्ने करारी मोबानपुर सादार हो नारा है। कि सांनीनीने स्व प्लॉर्ने क्या किया वा । देकिए परिविद्य २८ ।

५. इस प्रकार कर जोंडे कू ने १६ जनगरको जोंडे समाके बीरावानीय गर्थिकामी दिशा था ।

क्लर ४ नक्क्कडी ग्रारीच नी: देखिए छंक्ननक, प्रत्र ४५५ ।

v का का दीत कि कि वो है।

ऐसा करता है कि वी हानी ह्वीका और मुझे सार्वनिक रूपसे कुछ काम करने के कार ही महिंद जाता जाहिए। सामान्यत हेकारें यो यही बानस्वक मानूम होता है। समर हो के सामान्य के कारें यो यही बानस्वक मानूम होता है। समर हो के सामान्य के कारें यो वहां वा सम्में हो के सामान्य के कारें या हमें सांकरसमाने के एक देक बुकारी सांचर करनी वाहिए। हमें विनिध् मानूम होता है। समर साहिए। हमें सांचर कार कार कार साहिए हमें सिन्य मानूम साहिए। हमें साव करने साहिए कार साहिए कार

जापका आदि.

[शंक्रजन्मत्र] पत्रका ससविदा

> [क्रन्यग] अस्त्रवर ५ १९ ९

चपनिवेश-उपमध्यी क्वोतियत नॉफिन एस बब्स्यू महोदस

वापका साहित

टाइए की हुई अंग्रेगी प्रतिकी फोटो-नक्स (एन एन ५१११-२) से।

१ मा बस्पर ५, १९०९ को श्रद्धास्त्राणे सेता च्या ।

भौगीओं सर्वे द्राव्यक्ति हुत्तै हिन वीलहरकों विके ने ।

३ वर्षांचीने बरका कुछा कहरिया हैकर किया था; "यय: वर्षेय पॅस्टरिक्को" पर ४५९ । वेकिन मन्त्री यो यथ मेरा का का दिवा था; विविध "यय वास्त्रिक-कारणीयो" एक ४४०५८ ।

## २९१ भाषण गुजरासियोंकी सभामें'

क्रम्बन बन्दवर ५, १९ ९

भारतमें नामक नई हवा चक रही है। हिन्दू, मुसनमान पारती सभी आदुरतापूर्वन मेरा देख" बयबा 'हुमारा देस" की रट कमा रहे हैं। हम ब्रसके विश्वममें फिल्हाक राज-मीतिक बृष्टिसे विचार नहीं करेंगे। भाषाकी बृष्टिसे विचार करते हुए सहज ही शाक्स हो बाता है कि इस्पति हिमारा देख" कहरूर पुकारनेते पहले हममें बसनी मागाके प्रति बानिवान उस्पत्त होना बाहिए। यदि हम ताबे जवाहरवॉपर विवार करें तो देखीं कि बोबर कोर्योंके नाज नौ स्वयन्य मिला है उसका एक प्रवृक्त कारन तो वह है कि है-स्वयं भी बीर सनके नाल-नजने भी अभिकत्तर नोजर भाषाका ही उपयोग करते है। जनरक नोबा खाँके कू से बात करते समय भी बोधर भाषाका उपयोग करते हैं। उनका बंडेगीका ज्ञान हमारे बंडेगीके बालडे बढ़ा-बढ़ा माना था सकता है फिल्टू वे बपने सम्मानकी एक्षा करने और बादर्श उपस्थित करनेके विचारचे भी बननी जन्ममूनिकी मावाका उपयोग करते हैं। हमें ऐसे उराहरण और भी मिलते हैं किन्तु उनको यहाँ देनेकी बावस्थकता स्वॉॉ है। इसकिए मुझे तो अपता है कि नारतमें औटे-बड़े तमीका ध्यान बननी-बननी मायाकी

कोर का एक है, यह एक छन्तोपक्षतक प्रवित है। इस बयुकारकी कमिन्मन्ति भी देवनेमें वासी है कि सारा भारतीय राष्ट्र एक मायाका जनवीन कर सकता है। श्रीवय्यमें सायद ऐसा हो भी हु के पार्च निर्धाल के प्रमुद्ध के नामक करने के उसके कहा के लिए निर्माण कर देता है है होगी बाविष्ठ, होरे यह कहा कर की। निर्माण हो उसके हैं। के नाया प्राप्त हैं। में नायांचा हूँ में येवा सिमाण पनमें साथे दो पढ़ के समय वह सिमाण यो होगा बाविष्ठ कि मार्च पहले हैं। यदि ऐदा ने होगा दो हिमाणे पी क्रिया है हैं। यदि ऐदा ने होगा दो हिमाणे पी क्रिया है कि सिमाण करने के दोवांकों हु हुए मार्चक में मार्च प्रमुख मार्चक सेवांबों हु हु मार्चक मार्चक स्वाप्त करने के स्वाप्त करने सिमाण करने स्वाप्त की सिमाण करने सिमाण बातनी बाहिए। यूबरावीको बंगला मराठी विमक हिन्दी इत्यादि मावाएँ सहय ही ना 

१ एउन्होंसे गुल्टारी वासिल क्लेम्लक डील्टा परिवार को स्थान के क्लेम्से कार्यम के इस्तेम के क्लेम्से कार्यम के इस्तेम के इस

विदेश यानेवाले भारतीयोके लिए यह बात बहुत विचार करन योध्य है। उनकी विम्मेदारी वही है। उन्हें बचनी चातिका नेतृत्व करना है। यदि वे ही बचनी माथा मूक बार्यि तो पापके साथी होंगे।

कई बार यह भी मुना जाना है कि जो विधानों अधेजी पानेके लिए [मही] जाते हैं उन्हें अधेजीरा अत्याद करना होता है जन विक्रित से मुजरादीकी विकास करों करें। यह बहुए है। जब पुनरादी मिलें-कुलें तक यदि से पुजरादीकों हैं। कोलें तो उनका अधेजीरा जान कम नहीं होगा उनका बहुना ही समझ है क्योंकि तक से अधेजीरा है। करने मुने देखें विजने उनके बात तेज होने और ने महन बंधजी चौरत परुष गर्झने। हमते विकास विकासका एनेवारी बारणीय विधानी अपनी पाइनिकारों हुए एनने प्यस्त नहीं रहते कि से मोहे समस भी पुजराती पुनराई न पड़ गर्झ। बनामें यदि उन्हें देखती के सर्तात है ना करिट बास करना है तो खपती मानुमायादे किए उन्हें समस निवासना ही पनेता। व्यक्ति बननी मानारी हानि करके बंधजी मीनामें ही अपना समस देना है, हो बंधजी पानेका को हेंदु हैं — नवीत् वेशकस्याय — नहीं सरय हो वायेगा। यदि ऐसा हो तो उससे यही सिक्र होगा कि अंदेजी पहलेकी कोई जकरत नहीं है। सगर सॉपरेस्तनसे सीमारकी मौत ही हो बाये तो कोई भी कह सकता है कि सॉपरेसन नहीं किया जाना बाहिए।

फिर, नुवराती कोई त्यागने योध्य भाषा नहीं है। जिस भाषामें नरसी मेहता बसा मगत भीर दयाराम ने से कवि हो गये हैं और उसे विकसित कर वसे हैं तवा विसको बोमने वासे दुनियाके तीन कहे वर्गों — हिन्दू, इस्लाम और जरपूरव -- के अनुमानी है उस भागाकी उन्निति कोई सीमा नहीं बोधी जा सकती। एक ही विचार गुजराती प्रापति नेक बार तीन तरहते पेस किया जा सकता है। पारती जिसे बुद्धा मुख्यमान जिसे बस्का-ताका मीर हिला विसे देश्वर कहेंगे अंग्रेजी भाषामें उसके किए एक ही नाम द्र "गाँउ"। मुसलमान को कुन राती किसेगा उसमें अरबी और सेंब साबीकी फारसीकी क्रांसा पहेंगी। पारसीकी मुन्यतीमें बरमुस्वके केना की कामा पहेंची और द्विनुकी गुन्यतीपर संस्कृतका प्रसाद होया। हिन्दू और मुसल्यान तो भारतकी सब भाषाओंकी सेवा करते हैं केविन बान पब्दा होता। हिन्दू बारि पूर्वक्षमान या शायका यह नापालाका वना करत है जातन जाता उत्तर है पारिवर्षोंकों तो देखनले देवनके पुनरतिकी वेवाके किए ही वही जैसी है। उनके बत्ताही स्मानके कारक यूचराती भाषाको बहुठ लाग हो वक्ता है। उनके हानमें बनेक गुनरति पर-पिकसरे हैं। दर्शकार कार्य युचरातीके मनियमको बहुत सलपूर्वक धन्माकना बाहिए। मैं उनसे एक ही निनती करना बाहता हूँ "बा भाषा बारकी महुसाणा दन गई है, और विसे कद बाप कोड़ नहीं सकते उस नापाका बाप जून न करें।" पारसी केवक सरस गुजरातीमें सुन्दर विचार प्रस्तुत करते 🕻 नेविन मायाके उच्चारण और हिस्सीके सम्बन्धने रेडा स्परहार करते हैं जानी सान-सुकर स्वयं भैर उत किया हो। यह सेवर्ड बात है। सभी मुक्ताविश्वांको हसार विचार करता चादिए। पानीध्यापूर्वक विचार करने पर हमें जानना पड़ेया कि हिन्तु, युवकमान और पारखी दन तीनकि पंच न्यारे हैं। ऐसा समता है आनो तीनों बनानी-बननी सम्माको का विषय कर की हों। मुककमानी अभीतक विकास थडरी विकासी नहीं की है। इसकिए उन्होंने पनराती मापापर वसी तक कोई स्पष्ट काप नहीं बाकी है। नेविन ने शिका के रहे हैं। हिन्तुमों और पार्रांसपॉकी सम्बं विक्रित करनेके किए पूरा सबीग करना चाहिए। वदि ऐसा हो सी उनसे पुत्रसर्धी मापाका बहुत कहा सहारा मिलेगा।

राजकोरमें को सम्मेलन होनेबाला है उससे में नम्रतापूर्वक विनती करना कि उसके नैता नुजराती भाषाके विज्ञ हिन्तु, नुसनमान और पारधी विज्ञानोंकी एक मिली-जुनी समिति जनामें । तस प्रतिविक्त काम तीनो कीमीके पुजराती केवलपर निषाह रखना और केवलोंको समाह देना हो। विचारसीक केवलोंके निष्णृ हस समितिसी जपने केवा विना पारिप्रमिक्त विषे सम्बद्धाना में सुन्यम होना पाडिए।

१ (१४१४०९) गुलालके एक प्रमित्र वर्षमध्य मिन मध्य "बैच्चा बन गी देने प्रमित्र" के एप्योचता २, तपार्थी कुठायोंक गुल्यासी क्रमित्री बाले म्लेम्बेट किंग प्रयोग्य के त वे देशको माँद प्रमित्रमी भी वे ।

व (१०००-१८५६) नेजल कवि । कोच बोर्तोक एवकिंग मी ग्राम्यत-मरमें क्षेत्रप्रित है ।
 ४ (११८४ १२९२) पारती कवि ।

विकासतमें रहनेवाके मारतीयाँते में यह कहता हूँ कि विकासतमें बाकर उन्हें कपने बाप-बारोंकी माया न मूक्ती चाहिए, बक्ति नमेंबोंकी सकक केकर उन्हें उर्छ मायाछे मिक्ति प्रेम करता चाहिए। यदि के परस्पर किसने मा बोक्तमें अपनी मुस्तुमार्याका ही उपयोग करेंचे तो आयाका उद्याद सीम्न होगा। इससे मारताकी उसति होगी बौर के मनने करोच्य पुरे कर सक्ति। बच्च विचारपुर्वक रेक्नोचर यह काम बागान माक्तम होगा।

[गूजरातीसे]

इंडियन बोचिनियन २ -११-१९ ९

# २९४ पत्र साँडं ऍस्टहिसको

्यान्तन} अस्तपार ६१९ ९

छाँडै महोदय

इस पन के साथ में सर फ्रांसिस हॉयनुकाने कियो पनका मसिया मेन प्हा हैं। शुंकि इस प्रकार मनमूरका पन मेनने कोई मुक्तान नहीं हो स्थाना स्विक्र पह बहुत महस्वपूर्ण नहीं है कि नह पन मेना बाता है या कह को मसिया में जा पया है उसके महस्वपूर्ण नहीं है कि नह पन मेना बाता है। यह मामकें मित्रता योचना है उसका हो मुझे कनता है हि हमें इस दन हमें स्वता योचना है उसका हो मुझे कनता है हि हमें इस दन इसके क्यांत स्वताय स्वताय मामकें मित्रता योचन हमें अपना है कि स्विनिक्ष प्रान्त मुझे हम सम्प्रता है कि स्विनिक्ष प्रान्त मामकें मुख्य स्वताय हमें कि स्वताय हमें स्वताय स्वताय

F-1 95

र देखिए नवश कोंडे वेरेशहिकको 🛚 प्रमान १

<sup>2.</sup> अपे दीन्तिको ए नम्मूनती योगीक भ और ह बम्मूनह वर्षेत्र कर्र वृष्टि कर्म पर मिन्न मा " रेक्सा हूं मोने विवाद अरोगर मायदी व्याप्त मिन्ना करिन्दा नम्मूनी कर्म है, में क्षित्र कर्म हमारी में हमारी क्षाप्त करिए कि बार क्षार करने भी बीको है वह क्षित्र क्षीर है के क्षार कराये कर कर्म कर्म प्रोति करने मीन्द्र है कि क्षार कर करने बीतें हैं, वर्षेत्र में मीन्या कर्मार करने कर कर्म कर्म वर्षेत्र । देवी करनी बारक निर्मेश एकोर क्या मायदी कर क्षार क्षार है क्षार कर्म क्षार है कि क्षार कर्म है वह क्षित्र के क्षार क्षार कराये हमार क्षार कर्म क्षार कर क्षार है क्षार क्षार कर क्षार है क्षार क्षार क्षार क्षार करने क्षार क

हेतु है — सर्वाद् वेशकस्थान — बड्डी सत्तर हो जायेगा। यदि ऐसा हो तो उससे पदी विव होना कि सबेजी पढ़नेकी कोई शकरत नहीं है। अयर ऑपरेसनसे बीमारकी मीट हैं। हैं। वासे तो कोई भी कहु सकता है कि ऑपरेसन नहीं किया बाना वाहिए।

फिर, गुजराती कोई त्यानने योग्य भाषा नहीं है। जिस मापार्वे नरधी मेहर्गा वसा मनत और द्यारामां जीसे कवि हो गये है और उसे विकसित कर यमे है तवा जिसको बोक्ने-वाले पुनियाके तीन कड़े घर्मों — हिन्तू, इस्लाम और अरब्हन — के बनुमायी है उस वापाकी चप्रतिकी कोई सीमा नहीं बांधी का सकती। एक ही विचार गुजराती भाषामें अनेक बार वीन तरहरे वेच किया जा सकता है। पारती जिसे जुड़ा मुख्यमान जिसे जस्का-ताला जीर हिन्दू जिसे ईश्वर कड़ेंचे अंग्रेजी जापामें उसके सिए एक 🗊 नाम है "गाँड"। मुसब्यान यो नुभरावी किसेपा उसमें अरबी बीर सेख सारीकी कारसीकी सामा पहेंगी पारसीकी पुनरातीमें करपुत्सके थेम्स की क्राया पकृषी और हिम्बूकी युवारातीयर संस्कृतका प्रमाण होगा। हिन्दू और मुख्यमान तो भारतकी तक मात्रावॉकी तथा करते हैं केकिन बान पक्ता है पारिवर्धकों तो है। वर्षने हैं। तर्षे बुखरारीको है सके किए ही मूर्ग मेंबा है। वर्षके बस्ताही स्वमानके कारण मुखरारी भाषाको बहुत काम हो सकता है। वर्षके हावमें जरेक गुनराती पत्र-पत्रिकाएँ है। इसकिए सन्हें बुजरातीके सहिध्यको बहुत सलपूर्वक सम्बासना त्राहिए। में जनते एक ही बिनती करना त्राहता हूँ जो माना जापकी मातुमाना वन मई है और जिसे कब लाप क्षोड़ नहीं सकते उस भाषाका बाप कृत न करें। पारसी ठेसक सरक पुनरातीमें मुक्कर विकार प्रत्युत करते हैं केकिन प्राप्त करणा करणा कीर हिन्सीके सम्बन्धने ऐसा स्परहार करते हैं भोगों जानकृतकर उससे हैंर शान क्रिया हो। यह बरकी बात है। सभी पुनरातिमोंको इसपर विचार करना चाहिए। सम्भीरतापूर्वक विचार करते पर इमें मानना पढ़ेगा कि हिन्तू मुख्यमान और पारधी इन तीनोंके पेत्र स्पारे हैं। ऐता कपता है, मानो तीलों "कपनी-कपनी सम्माकने" का निरूप कर बैठे हों। मुख्यमानलें अभीतक विसामें भइरी दिक्वस्थी नहीं की है। इचकिए उन्होंने नुक्यादी मामापर अमी तक कोई स्वय्द कार नहीं बाली है। लेकिन के शिक्षा के रहे हैं। हिन्दुओं और पार्यवर्षेके बार्हे पिक्षित करनेके किए पूरा जवीय करना चाहिए। यवि ऐसा हो तो उनसे दुवरती भायाको बहुत बढ़ा सहारा मिलेगा।

प्रवकारमें को सम्मेकन होनेवाका है उससे मैं नक्षतापूर्वक विनदी करूँगा कि उसके नेता गुरुवादी भाषाने किस हिन्तु, मुक्कमान और पास्ती विद्यानीकी एक विस्ते मुखी सीमित कमानें। उस समितिका काम सीनों कीमित गुकराती केदानगर निपाद रक्षमा और स्विकांकी सकाह देना है। विचारतीक केद्वकीके किय इस समितिसे अपने केदा दिना पारिमामिक दिने सुवस्थाना भी सम्बन्ध होना चाहिए।

र (१४९४-०९) पुजराकोत सर काँग्र, गांधीओत किर सकत "नैज्या का ठी होने दादिरे" के राजीया। य. सन्दर्शी कराल्यीत राजनाती कवि यो जाने जोजने किर मध्य में है वे ने ने नेताली और इतिनारी

वी वे । वृ (१७७०-१८५२) वेच्यन बार्व । जनेब वीतीब एवनिता यां समराव-मरने कीस्त्रीन हैं ।

४ (११८४-१२९९) पराती कवि ।

विकायतमें रहलेवाले भारतीयंथि में यह कहता हूं कि विकायतमें बाकर उन्हें वयने बात-बारोंकी माधा न मूकनी वाहिए, बक्ति बंदेवेलीत बक्त केवर उन्हें उस भाषाते अविक प्रेम करना वाहिए। यदि वे परस्पर किन्नने या बोक्नमें बणती प्रमुपायाका है। कर्पने तो माधावन बदार बीधा होगा। वसले माधावनी उनति होगी बौर वे बपने वर्तम्य पूरे कर जन्मी। क्या विवायपूर्वक देवनेपर यह बाम आसान माकुम होगा।

[पूजराठीचे]

इंडियन औरिनियन २०-११-१९ ९

# २९४ पत्र लॉर्ड ऍस्टहिसको

[सन्दन] अस्तूबर ६१९९

कॉर्ड महोदय

इस पत्र के शाल में सर फांसिस हॉरब्युको किया पत्रका मसनिया मेन पहा हूँ। चूँकि इस महारके मनमूनका पत्र नेनमें कोई नुकसान नहीं हो सकता उसकिए यह बहुत महत्त्वपूर्ण नहीं है कि बहु पत्र मेना बाता है या क्या को सामिता स्वाधा साम है उसके न्युकार किया पत्र मेना किया किया पत्र मेना का हो है कि बहु पत्र मेना बहुत के स्वाधा स्वाधा है पत्र स्वाधा स्वाधा है कि स्वाधा स्वाधा है कि स्वाधा स्वाधा है कि स्वाधा स्वाधा स्वाधा है कि स्वाधा स्वाधा स्वाधा है कि स्वाधा स्वधा स्वाधा स्वधा स्वध

थापका आदि

र देखिए "पाछ कोंद्रै वॉस्सिकको । शह ४५५।

२. जॉर्ड रॉटरिको ए नायुक्ता वर्धानीक च चौर १ नायुक्त क्लोडी मानि व्यंत्न करते हुर तिका मा " केवा हूँ माने विकार करीता कामकी रच्या विकार प्रक्रियों मान्यों में हैं है है कि मान एकते थी। हों कहार चारित के मान एक्स करते हैं है हो है कि लिएन चौर है, भीर देश मानाबा राजि करना चौरह है कि नाम स्व करन वाँते हूं चाँदे भी हो चारता नामों चीर एए चएन व्यंति है एक्टी। ऐसी एक्नों नामते किनेंगे इस्तेत क्या मच्या वर्धी च्या है स्व माने क्या है कि नाम नाम देश है कि देश पहते किन्या चारते हैं है का एक न होंगा हो नात किन हरीकोंते बनान माने पार्च प्रणा पार्व है कमते तथा समेत किन्य है। "

४६ छन्। के क्षणी वाह्स्य [संक्रम-नण] पत्रका सस्यविदा

> [सन्दर्ग] सन्दर्गर १९९

सर क्रांसिय में मी॰ हॉंपवृड कत्रोमियन बॉफिस एस बस्स्य

कतोतिमन बॉफिस एस बस्स महोदन

बापके हस्तासरीते युक्त ४ बक्तूबरके एक संस्था ११६४९, के सम्बन्धार्म में बाएको बती-प्यारिक क्सटे क्लिक्नेकी पृष्टता कर रहा हूँ। हो इतिक्य कि बापका समय क्या सक्, बौर है। सके तो एकका सही जर्म भी बात सके। चौक बाप प्राप्तवाकके विटिए माध्योपिक प्रमुक्त सम्बन्धार है। तत्वचीतक परिचित हैं इसकिय मेरे साथों भी हाजी हसीब और मैं बापसे कनीपचारिक मेंटकी प्रार्थना करते हैं।

च नागश्यादक प्रथम प्राचना करता हूं। हमारे सामने मिलाई यह है। निस्स प्रचम उच्चेन्द्र मैंने किया है उसमें कहा गया है वर्गमिनेक्सने सरकारको पहले यह स्था करना चाहिए कि यह जी सम्बन्धे ग्रामये हुए सावारणर कानून कमानेने किया तैयार है या च्हाँ।

पुतान हुए माकारणर कामून करानेके किए तैयार है वा नहीं।

पूँकि वर्स मोंड को ने गेंटके उसम मेरे क्वाका उल्लेख किया पना है स्विवय में नहीं

बातरा कि मी स्मरूच को कामून पेक करना नाहते हैं वह मेंडमें दिन मे ने से पुताकों

बातरार होना या विवास को कामुका वानेके पहुंचे की स्मरूच हारा पुताने पने बातरार ।

काम कामूके हैं है कि मेरे खुताने पने माराजीय मरतावर्स बीर की स्मरूच को-कुछ नेनेके

तैयार में कसमें नुनियाती कर्क है। यह यो माना ही बानेका कि कॉर्ड महोत्यके द्वारके

बाद मी स्मरूचने को कक्ष कियागर किया है उसे डीक-डीक बात की मारे मेरे बीर छानोंके

स्मरू विवादने-वाकि महत्वकी बाद है क्योंकि स्मरूट है जोई महोत्यने बमना यार उस्ते

मेंडक बाद सेवा ना।

बापका मार्थि

टाइप की हुई बस्तरी बंधेकी प्रतिकी फोटो-नकस (एस एन ५११४ और ५११५) ते ।

[क्ष्म्यत] बक्तवर ६ १९०९

मिय हैन पै

क्यू रेल किया बापका पत्र सिखा। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि बाप कपनी बाठ-क्यू रेल किया बापका पत्र सिखा। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि बाप कपनी बाठ-चीतमें — कमटे-कम मेरे साब अपनी बाताचीतमें — मेरी चर्चा न करें? में समझता हूँ हमारे प्रदेशको दितको वृद्धिके भी मुझे विचारते बाहर ही रतना बाहिए। ही जहाँ मेरी जच्च करना बापको बावस्मक जान पत्रे वहाँ बाठ हुस्सी है। जाता हुँ उत्तरमें आप करेंगे कि बापने कमी भी मरी जनावरमक चर्चा नहीं की लेकिन बात बराबतक ऐसी है नहीं। वीसाह बाप भी स्वीकार करेंग कमी-कमी बाप अपनी सत्वाहमें बहु बाते हैं। बाप देखेंगे कि बार बाप ऐसा ही करते रहे तो एक दिन इसकी प्रतिक्या हागी - सो मेरे विरुद्ध नहीं और मेरे विक्त हो भी तो उसे दो सच्छी तरह सहा जा सकता है। प्रतिक्रिया हमारे उद्देश्यके सर ानक हा मा ता उठ ता सच्छा तरह यहा जा उच्छा है। प्राज्ञकरा हमार व्यक्ति स्विक्त होगी को कसर्-कम बापका तो सच्छी नहीं लगीगी। मुझे एक बार भी पोकस्थि भी वस में उनके साथ कमकरोमें भा भीर उन्होंने सेरे बयाब को यहा कराया प्रयोग कर हो ही कुछ ऐदा ही कहाना पड़ा बा। वन्ति छनते तो मैं कुछ उन्हों स्वर्ग्स होना पड़ा बा। वन्ति छनते तो मैं कुछ उन्हों स्वर्ग्स होना गया मा।
मुझे इन बातने कुणी हुई कि बापको वहकि जीवनमें परावापन मही कमता। मैंने
बरेखा भी यही की थी। बापने पहले ही उठके सच्छे हीनेकी कराना कर की बी।

इन इन्ते बहुत कम क्लाइमें निसी हैं। इसके किए विस्मवार कोई भी रहा हो। उसने स्वरण मुख्य नहीं किया। आपने वृद्ध क्षाप्त क्षाप्त कराया है । यहाँ प्रचल सपना कर्यम्म पूर्व नहीं किया। अपने दाह्म आँछ देखियाँ की दिपार्टक नहीं मिछी। सॉम्बे गबट भी नहीं मिछा। आपने महिलाऑकी विश्व समामें भावच दिया। उसकी भी कोई रिपोर्ट नहीं मिली और न आपके सन्नानमें किसी गई कविता ही। मूल देखनेकी बड़ी तीय बच्छा है।

यह पत्र में कॉर्ड मू की चिट्ठी मिकनेके बाद निकास रहा हूँ। उसके बारेमें माथे सिल्पा। फिर मी इतना कह देना चाहुँया कि जाहिर है हमारे बहुँकि निजाको जो ऐसी ार्युमा । किर ना रुपा कुर पाना कुना कि नामक्रिया के बाहिए हैं है। बार कि निकार रही है बाहिए इसामिक मान्युक हतने हुगाय है, वा दी हुयारे पद्मकी बचारिने निकार नहीं है या रह बानमें मरीना नहीं है कि मन्त्रों संदर्धकी विजय होती है। मन्द्रदे मेरा मनकड़ कृतिक मोर दूरस्य मरियादै नहीं बीस्क किमी ऐमी मर्वाबते है निस्तका मन्द्रामा समासा ना सके और यह जन्मना इस बातते कमाया वालेगा कि इस कोधिया फितनी पण्डे हैं। क्या आप चन्हें यह नहीं समझा सकते कि सच्ची नफलता स्थयं प्रयत्नमें निहित्र है मीर हमारा प्रसान है समावाधक प्रतिरोध कि हम मार्ग-मारको उत्तव प्रकारको दिसा है रहे हैं या त्यांन है समावाधक प्रतिरोध कि हम मार्ग-मारको उत्तव प्रकारको दिसा है रहे हैं या त्यों की विराहित्यान्वाची विद्यांने मार्ग मार्ग है कि संबर्ध मितना सम्बा होगा सोव मत्यों वनमे जनने ही निगरकर निकर्णने मीर मार्ग मुवारोंको प्राप्त करनेरी जनको

१ महारोग राष्ट्रीय कोवलीह १९ १ का महिनेदान समात होनेसर कोबीओ कोई स्थानिनार बाजरतेल भी नीकोंद्र तान रहे में 1 देखन आहम्मकाह जाग 3 परिचार १०-१९ । २. जिल्ला १५ को नीचको अस्ति अमेरिक महिमार्गेदी यह समग्रे अपन हिंसा था । निसं सह

<sup>&</sup>quot; रचित्र माहिकामें जातीन महिकालेंकी जरला और स्थिति "।

पात्रता बढ़ेगी तथा उन्हें छड़कर सेमेकी उनमें क्याचा सामर्थ्य होगी? समर नेदायन हमारे पहेंस्मा या धमाओकी उपगायितामें जास्मा रखे जिना नहीं समाएँ करते हैं तो निरिक्त है कि वे वृरी तरह सबफल होंगी। हो सकता है कि समाएँ उत्परस उत्साहपूर्व दिसाई रेती हों के किन वह अन्तर्कारा जिसे स्वयं नेताओंने स्रवित किया होगा सरकारकी नजरोंसे भी छिपी नहीं रहेवी। क्या आप उन्हें यह नहीं समझा सकते कि मद्यपि भारतमें हमें बास्तविक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है फिर भी इसका सतकन सह नहीं कि बसर दास्तराकके भारतीय मान्य होनेपर मी अपनी स्थित सुदृढ़ नहीं कर सकते और भारतमें रहनेवाले भारतीयोंसे उन्हें बहु पहुंचता प्राप्त नहीं हो छन्दी विकास जन्में हुए है? क्या वे मह मही देश छन्दे कि दुरायमानने चलनेवाले प्रपन्नों और छन्दून्य भारतमें किन्ने बानेवाके प्रसादोंका स्वस्य हैं। ऐसा है कि वे मारतको उसके क्यांके बनिकाशिक निकट के बागेने और सो भी नहें यूज तरीकेसे ? क्या इस विज्ञताकी सीमाका उल्कंबन किये विना वन्हें यह महीं दिला सकते नि मारतम किसी भी संवर्षको वैसा बादबंदम नहीं दिया गया है. वैसादि शासवाहके संवर्षको दिया यमा है? कांग्रेस वितने भी सुवारोंकी माँग कर रही है सबका उद्देश कोई-न-नोई ठोस और मौतिक काम प्राप्त करना है। उसके किसी भी शुवारका उद्देश्य विसूत क्ससे उस प्रकारके कामकी प्राप्ति नहीं है जिससे किन्हीं बस्य करावाँके विना आध राष्ट्रीय पीस्पकी सिव्हित होती है। तम सपर ट्रान्यवाकके युट्ठी-यर आरक्षीय सारतके सन्मानकी सातिर सपने-आपकी उत्सर्व कर धेनेके किए इन्टर्सकरण हैं तो भारत सपनेको सबसरके योग्य सिक्र करने इन बातोंको अपने कार्यकरमें प्रमुख स्वान क्या नहीं देया? भारतके नेता इस प्रस्तको भारतमें या क्यनिवेद्योंने निर्भीकतापूर्वक क्षीयोंके सामने का बकते हैं और उन्हें काना चाहिए। ऐसा नहीं हो सकता कि ये बगनिवेस इर तरहके बच्चभवसे मुक्त होकर मास्त्रका अपमान और अविक अरूपी हो बाता है कि हम अपना पूरी अक्टि क्या में। क्या नहींके नेता यह सब नहीं समझ सकते ? नवा वे नहीं देश सकते कि इस कड़ाईके हाय हम मातुमूमि भारतक स्वार्क मनिष्यके किए एक अनुवासित सेना तैयार कर खे हैं? यह सेना ऐसी होती थी बड़ीलें-बड़ी सहुधी ठाकवर्ष शांगगा होनेपर मी वपना चौदार दिसा एकेमी। बच बहुदि नेता ब्रिटिय जारतीय संचके बच्चलकी आर्थत हमें किस जेमें कि इस संचर्य सारी रखें और उनका बाबीवरि ब्रमारे छात्र है।

शक्तारको मैं इमर्रान नक्तवमें जनाकानक प्रतिरोजको नैतिकवा' पर बोछ रहा है और बुववार दारीब १३ को हैम्पस्टेबकी सान्ति और पंच-कैसका समिति (पीस ऐव मार्क्टियन

होतायडी) में पूर्व भीर पश्चिम' पर। आपको नायपनको तसमीर मिछ वई होनी १ मेरी रुच्छा है जाए महकि अखनारोंने उसे प्रकाशिय करना में। इसके किए जाप 'इंडिनन रिष्मू' और महासके कन्य कवाराँको कियों तो अच्छा हो। गेरा सवास है मैं मापको मह बता चुका हूँ कि मैंने बपने जोड़ानिस

<sup>•</sup> देशील अस्तर कार्यस सम्बद्धि कार ४०० । ा देखिए " बाला विश्ववेदाँ " क्रा प्रथम-वर ।

बर्पबाडी बन्दुबंकी सामध्यक नामधर एक छात्रवृत्ति प्रारम्य करनेकी सकाह वी है। बपर बन्द्रम् सा सरासमें ऐसा करनेवाका कार्यवादानी मिछ बागे तो बड़ी सानवार बात हो। उन्हें इस बादका (पूसास होना चाहिए कि २ वर्षके एक सम्बन्धि बृदकने वेघके किए सपने प्राण उत्सर्थ कर विसे।

भी कोककी पुस्तक धायब वगके हश्ते मुझे मिल बामेंगी। थी कूपरन तो कुछ प्रतिमी

मनिवारको ही देनको कहा है।

पुन्नारको यो नहीं दुमानक सम्मानने समायेह किया गया। कोगोंने पहुंचेते दिस्कुक कोच नहीं रखा वा केकिन 'टोस्ट'की विविके सिकसिकेमें विशेष वाफिकी सिक्टमध्यक्रीके प्रति भी सुप्रशासनार्णे स्वक्त की गई। समारोहकी जन्मकात सर सकरकी कर रहे ने और वे बहुत अच्छा बोछ। इस बातसे इनकार नहीं किया था सकता कि वे सबर्यके महत्त्वको पूरी दरह समस्ते हैं। "टोस्ट का जवाब" केंद्रे हुए मैंने की अभी इमामको इस बातके सिए करा काढे द्वाची क्रिया कि उन्होंने कपने यापनमें विश्वन नामिकी प्रवस्ता कोई उल्लेख नहीं किया। मैंने कौशिसके भारतीय सदस्योरे अपीक की कि वे शिकावर्ते दूर करनेकी माँग करें और अबर भारतीय कॉरिक तब भी कुछ नहीं करती तो अपने पर त्याग दें। कॉरिकके मृतकमान संवस्य समारोहमें अपस्थित वे। इसपर थी अभी इमामने बठकर मह बतावा कि वकोने दक्षिण आफ्रिकी प्रकाला जिक क्यों नहीं किया था और कहा कि प्रका इतका बड़ा का कि उसपर बनेक अन्य विधवकि साथ-साथ विचार नहीं किया जा सकता या सेकिन वह उनके हृदयमें पैळ हुआ है और वे उसके किए माराप्तमें बो-कुछ नम पहंचा करेंगे। बार उनको एक प्रीति-भीव दिया नवा ना। में उसमें नहीं वा सका नयोकि मुझे मुझराती साहित्य प्रोप्तवाहन समितिको एक बैक्कमें धामिछ होना जा। केकिन उन्होंने मॉडसे कहा है कि अस्ट बाप करूकतेके बारापास कहीं होंने हो वे जापको वपने यहाँ निमन्तित करेंगे। आपको यह बता है कि भी सभी इमान वह त्तेही नाहनी है भीर आप जब-कर्नी उद्युर बार्से और वै कामनित करें तो काप उनके साथ बनस्य उहरें। काप उनकी टोड एखिए। वे इसी मडीने भारतके विच प्रस्थान करेंने।

भी केंद्रवाद कायडवी दिनचा और भीमांगी दिनचा चनिवारको स्वामा हो तसे। विच बाहावये यह पव जीदवा उत्तरी में बाबाई पहुँच रहे हैं। यो पेटिट उन्हें बातते हैं। आप बंधीवार तें उत्तर दिवारके कोगोंगे मिक एकरें हैं। बीमांगी दिनमांगे मुखे हॉबियन बोरियोर कें बामांवरक ताम मुकरागींग एक पर्व दिया है। उन्हों जिल्होंने हमारे प्रदेश चातृपृष्ठि व्यक्त की हैं भीर को महिलाएँ कट उन्हां रही हैं उन्हें प्रोत्याहन दिवा है। याद नहीं मैंने बायकों यह बाया या नहीं कि अवतर रेमने मैंनकोंगाव्यों में वहीं पहुँच पर्वे हीं। कुमारी विटर कोरान उन्हों को होगाया या नहीं कि अवतर रेमने मैंनकोंगाव्यों में उन्हों बहुत प्रवेश करती है। दे कियो तीरान उन्हों बहुत प्रवेश करती है। दे कियो तीरान उन्हों के स्वतर्थ मिलें।

ং বৃত্তিকৰ অধিকাৰৰ কথাৰত নাংগালনী খন কুলনৈ বাঁত হাবে কিবা নাগানিকা বাঁতনা সভানিত কী বাঁ।

यः देखित अक्स्पूर्ण श्रह प्रभूत ।

३ सर २१-२०-२९ ९के भेगी अध्यक्ति किया गा था ।

४ (१८६६ १६६७)। मन्तृत्त्व (केट वार्ध) के यह प्रमुख ध्यक्त, और १९२४ तथा १९२९-१५ में राज्यके काम कर्यो ।

अपर आएने पारती क्रतमजी रहिरी सोरावणी व्यास नामाज्ञान कामा दावर मुहम्मद रविकृष्य मेढ " हरिलांस चेहियार तथा अन्य कोयोंके पास दो-बार पंक्तियाँ किसकर नहीं मेजी हों तो कृपना अन वैशा कर शक्तिए।

बारी--- ७-१ -१९ ९

विभिन्न पर्वो और पर्वोके मसविवोंसे बापको पता कल वासेमा कि स्विति कैसी है। वह पत्र मिक्टो-मिक्टो मेरा एक ठार<sup>े</sup> भी कापके पास पहुँच जायेगा । लॉर्क कूका चवाब वैसा मैंने कार्ड एम्टरिसको किसी पत्रमें नतामा है मैसा ही है। एक बात जब निश्चित है और वह वह कि संबर्ध कभी कारी रहेगा। म उसके किए आनुर हैं। दुक्त मुझे सिर्फ इस बातका है कि मैं दान्धवाक्रमें होनेके ववके यहाँ हूँ । कक समितिकी एक बैठक थी। जिसका महम सहस्य नेटासके द्वाराधाना कृता वर्षा प्रतिकृत वहाँ कार्याचार प्रतिकृत वहाँ कार्याचार प्रतिकृतियोग कार्याचार प्रतिकृतिया हो कि अस्तितियोग कि कार्याचा किंद्रें प्रतिकृत वहाँ की वहाँ के किंद्रिया वर्षों के स्विक्त प्रता और तो जा ही बायेगा। कीर्व ऐस्परिक वहाँ भीवत से केविमा उन्होंने प्रेस तथ जाही देखा था। मैर्स उन्हें कार्यकानों एक कम्पनेवा सैपार कर वो वी जिसे कहाँने पूरी तथा होने हार् वा । तदनुसार अब वस्तम्यकी प्रतियोंका वितरण होया सायद हाउस लोड कॉनल्सके सदस्योंकी एक बैठक तका ऐसी ही कुछ बीर भी बार्डे होंगी। इसमें पूरे तीन हुफ्ते स्रोगे। काम खुरू करनेके पहके मधे काँड ऍस्टिइस्से पत्रके एक-न-एक मसविदेपर स्वीकृति केनी है, किए उसे मेजकर उसके उत्तरकी यह देवनी है। हो चकता है इसमें एक कीमती सप्ताह पूरा निक्स आमे। वतक वर्धका पह प्रमान हुन्। प्रमान व प्रमान प्रमान व प्रम किक्त सबसे बंग समा है — भारतकी अस्तानित याता । दास्तवक दो मुझे सारत दिस्कुक प्रमान हो नहीं चाहिए। मेरे किए चपपुन्त स्थान ट्राम्यवाक है केकिम जिस कारतके में सही का बसा हूं बही कारन मेरी जात्त-भागापर थी कापू होता है। फिर जी मेरा निश्चित मत है कि बगर मुझे भारत जाना ही है थो भी हाजी हवीवके विमा हथिय नहीं जाना चाहिए? वे भारत-यात्राका सङ्ख्य समझते हैं लेकिन ट्रान्स्वाक्में उन्हें बपना कोई बावस्थक काम है। के मुझे मरोसा दिसाते हैं कि उन्होंने संवर्षके बान्सरिक उद्देश्यको समझ किया है और वे ट्रान्स बाक्सें भी उसमें दूरा हिस्सा लेगा जाइते हैं। तब बबर उन्हें बरिशन बारिक्स कीट ही बाना है तो मुझे भी बैसा ही करना पत्रेगा। इसकिए कुछ ऐसा कस्ता है कि जायट-पात्रा नहीं हो सकेगी। कॉर्ड ऐस्टिहिक से (बढ़ बात नोपनीम है) सारतकी प्रस्तावित शासापर बहुत जोर बैसे काल पडते हैं। समितिको करको बैठकमें सर अंबरकी भी उपस्थित से। उन्होंने सौन वर्तमान स प्रकाश्वित बन्बईनी समानी रिपोर्ट वेखी। इस मातसे ने बहुत कुन्ती में कि इक्तिमा चत्वा नहीं हुआ। उपका सथास है कि कुछ ऐसे कार्यकर्ता होने पाहिए थी "दर्शनिया" वा "पैसा" पत्वा दकट्ठा करनेका वत के कें और वहकि अखबार दस उपाहीको अधिकरे-समिक प्रचारित करें। यह निःशन्तेह, विसान्ता एक सुन्धर तरीका है कैकिन इसके किए हमें कार्य

१ वहीं दूर करणा गा है, जिस्से रीको सार को वहीं वा सके । २. व्य काकन नहीं है।

द प्रेमित पर अर्थि परिवासनों "श्राप्त पर । १ परिवास पर अर्थि परिवासनों "श्राप्त पर वा प्राप्त प्रतिकार एका प्रोप्त किया का प्रतिकार विश्व या श्री प्रतिकार विश्व विष्य विष्य विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य देशे कि दियाच्या या

कर्तार्जोंकी एक सेना चाहिए। असर भाग एसे नायकर्ता प्राप्त कर सकें तो यह एक मोम्म काय है। कार्यकर्ती के स्रोग ही तो अच्छा रहे, जिल्हें बरिण आधिकाफा अनुसन है। यह जरूरी नहीं कि उनकी संस्था बहुत अधिक हो। अपर आपको हुए केन्सर्य पाँच भी मिछ बार्ये तो नक्षा कि वर्गको वस्ता नहुए जानक है। जन नाम क्ष्म पर्योज है। वर मेक्ट्री मी मह बीभते हैं कि नेटाकके किए पिर्चानिटमा मजूदरिकी मर्गी बैर सरकारी दौरवर मी कब्द करनेकी कोसिस होनी चाहिए। वनका समान है कि हमारे पास हुछ ऐसे बक्ता होने चाहिए, जो ऐसे हर स्वामका बीरा करें, जहाँ भर्ती-एर्नेट भेने आते हैं. और माबी प्रशासियोंसे मेटाबके किए पिरमिटमें न बॅमनको नहें। इस कामरु बारेमें बाप केरक कलकता और महासमें बातपीत कर सकते हैं। मुझे मरीसा है कि बाप इन बोनों मगरोंचे प्रवासी-केम्होंको वैक्रमे अवस्य वायंत्र वस्कि व्यवकारियोंसे भी मिसेंगे तथा इस प्रयाबीका मध्ययन करेंचे और सम्मन हुआ हो। महीं-एजेंटोसे भी सम्भन्न स्थापित करेंसे। इस तरह जाप देख सफ्टे है कि वहाँ भाषका कान वाधकाधिक महत्त्वपूत्र होता था यहा है, और हमारे प्रयत्नोंका केम-विषयु भारतको सोर विसकता था यहा है। व्यवस्क ट्रान्सकाम में मनाक्रमक प्रतिरोजको मान प्रव्यक्तित नहीं रखी वाली और भारतमें दक्की कोई टोस प्रतिक्रमा नहीं होती त्वतक यहाँ कोई प्रभावकारी काम न हा सकता है और न होनेका है। समर छुपनुस्तात यहाँ बानको तैयार हो तो उसके किए बच्छा यहाँ होगा कि बाएके साथ कुछ दिन धम-जिरकर मार्चित पहले ही का अपने और यहाँकी ठंडका भवा के। बाद बरमधल यह है कि मारदीम इंग्लैंडनें अपनी पहली शरियोंकी शक्ती महसून नहीं करते हैं और पैसा ही शरानकालके साम मी हो शरुरा है। रिचके बहुति चक्त जानके बाद — और गुले बचता है, वे चले बायेंसे — सन्तरमान कुछ उपयोगी काम कर सकेगा। कवी-कवी ऐसे सवास भी उठ सकते 🕻 जिलके सम्बन्धमें खोंई ऐस्टिटिसको कुछ जानकारीकी जरूरत हा। इसके किए उन्हें कोई बाउसी वो चाहिए ही।

बार थीं महताको भी पुजराती बीर अंग्रेजी वार्वी भागावाँके बसवाराकी करारतें क्षेत्र हैं

दी इपा हो।

में जापको जता चूका हूँ कि नेटाल शिष्टमण्यकके भी बदाव कुछ दिन पहले ही रखाना हो पादे हैं। और यह देवलों हुए कि यहाँ वचनुष करनेको कुछ है नहीं भी मायाद और बगाने भनिवारको मानी दिश किय हुए पाने जो आधारा उसी दिन प्रस्तान कर रहे हैं। म समता है भी बोलिया जवतक हुए लोग नहीं हैं उहरेंगे

बाब मुबह मुत्ते लॉर्ड ऐंग्टहिलका एक पत्र मिला है। उनकी एक नकस मन रहा

हूँ। इनतिए पहले पत्रका मनविद्या अर्थ औंछ कू को मेना भागगा।

इदयवे आपना

बारप की हुई दलतरी अंग्रेजी प्रतिकी फोरी-नक्स (एम० एन ५११३ और ५१५२ में) से ।

र देशों और रॅंग्डरिन्डी क्लि का (ब्रह ४५६) के राज अंक्ल स्तर्वता ।

# २९६ शिष्टमण्डलकी यात्रा [-१४]

[अक्तूबर ८, १९ ९ छे पूर्व]

मैं हफ्ते-बर-हफ्ते कमिरिषत सबर बेता जाता है। बागा है कि इससे कोई मारतीय निराध न होगा।

यह कहाबत याद रक्षणी चाहिए कि अपने यसके बराबर कोई वस नहीं होता। इतमा तो मुझे निरिचत जान पहता है कि को विकास हो खा है उसके कारण हम ही है। किसीको यह तो मानना ही नहीं चाहिए कि हममें जो निर्वस्ता है उसको सरकार नहीं बात सकती। सबकता है उसको तो हम बेकते हैं किन्तु ऐसा बामास मिस्ता एहता है कि इस अपनी निर्वेक्याको क्याना चाहते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। सब इस बेक्के हो अस्पस्त हो ही गये हैं।

धार बाई है कि की नानाकाल घाडको छिए सीमाके बाहर मेज दिया नया और किर तुरन्त मिरफ्तार मी कर क्रिया नया। मुझे इस सबरको पढ़कर बहुत सुसी हुई है। मैं उनको मुकारकवार देता हैं। हमें यह सीचा केना है कि जेक्से बाहर रहकर कोई भी सुब भोगनते चेतमें एक्कर गर जाना ज्याचा बच्छा है।

नैविकता-सम (युनियन ऑफ एपिकक सोसाइटीक) ने मुखे इनर्सन रकवर्मे मार्थम देनेके विषय सामन्त्रित किया है। वह भाषण राजनीतिक नहीं है। इसका विषय सिर्फ यह है कि सत्यापह क्या है। किन्तु उसमें समाईकी बात जा जायेगी। इसी प्रकारका एक और मापम देनेकी भी बात चल एती है।

भी नामरसे जोहानिसवर्गर्ने ही नेधै जान-महजान हुई औ। उसी आजारपर मै उनसे मिला हैं। यदि काँडे के से प्रतिकृत जनाव मिले तो उन्होंने भी सहायता करनका बचन दिमा है। वॉ क्वीफर्ड ने मी ऐसा ही बचन दिया है। वे भी बोकके परिचित है और महकि एक प्रक्षात पाइरी है।

[युवधतीये]

इंडियन मोपिनियन, ६०--१०--१९ ९

१ सोबीचीने नव नामन ८ जनावरकी विना नाः वैक्षिप "भावन समर्थन नव्यमें " का ४०० ।

विकार "जनमा : विमाधेकारों " पक्ष अन्तरभाष ।

## २९७ पत्र उपनिवेश-उपमाधीको

[सन्दन] अक्तूबर ८,१९९

महोदय

मुझे ट्राम्पचालके ब्रिटिय भारतीयोंके प्रस्तरर कापका इसी मासकी Y ठारीकरू। पन प्राप्त करनेका सीमास्य मिका। आपके पत्रका करितम मास मेरी और मेरे सामीकी समझमें साफ-साफ नहीं कामा है। हमारे सामने कटिनाई वही है। इस पत्रमें कहा गया है

उपतिनेक्स्ती सरकारको पहुके यह सब करना चाहिए कि वह भी स्मद्सके सुप्तार्थे हुए बांधारपर कानून बनानेके लिए तैवार है था नहीं।

प्र मही जानता कि भी स्मर्स को कानून पैस करना वाहते हैं, वह नठ मासकी १६ दारिककी मन्में दिने को मेरे सुझावके बावारपर होगा या विकास कारिका कारिसे पहले मेरे स्मर्स हाए सुझावे मने बावारपर। मेरे सुझावे नवे मस्तावर्गे और भी स्मर्स बो-कुछ हेनेके किन्दु दैवार के उसमें एक बुनियादी एकं है। यह तो माना ही बादेगा कि मोर्ट महोरदके ठाएके बाद भी स्मर्सने को एक बन्दियार किया है एसे टॉक-टीक वान केना मेरे बार मेरे सामाने किए अधिकरो-लिक्क महत्वका है। स्पष्ट है कि कॉर्ड महोरयने बपना ठार उसने बेटके बाद भीना वा।

हम मानते हैं कि बाजिए नवीजा मानूम होनेसे पहले बावबीदमें कुछ बनत करेगा। फिर मी हमारी हस्का वह है कि हुई हम देशमें मिलियल वर्षये कमने कार्य कर न कमा हो। इसकिए में देश चारी बार में मुद्द बनुत्रन करते हैं कि हमारे दिया क्यारी राजानीते पहले कोर्बोंको तब बार्स बरानेका बन्त मही है। हम पेमा करना बकर बाहुते हैं केकिन इसके हा कमें बाँक बूं मी परेमानीमें नव्यत्त नहीं हानना बाहुते। इस्तमक हम दन प्रवस्तित स्था मार्स मुद्देशके हक्या है वो क्यारीयवनक सम्बन्धीय करपोर्थनी परवर्ष कमूनि विश्व है जार बामें भी करेंगे। इस सम्बन्धिय कार्योग हमारा हम्मा केवल यह है कि हम सार्थ मार्म मार्म में बाप मानूद करें बाँद करने कार्यका स्थामक व्याप करने विश्व बार्कियों स्थामित्रका इस्त मार्म कर किस्तमा में नियासीय भी विभाग बाहुते हैं विनयों हमारी मुखीवर्तीका प्रयास हो सम्बन्ध हमारा बाहि क्या मी करना बाहुते हैं। मदि हमें बहुतित्तवस्त एक कोशान्या बन्दान कमारा बाहि क्या मी करना बाहुते हैं। मदि हमें बहुतित्तवस्त मूरीमीम बीर मारातीय स्थामित्रीय समाह वें बीत हमारे पात समस्त स्वार पहले हमें हमार सिक्स भारत वार्त बीर करने महिने कमका क्यारा मारातीय क्यारात्त्र क्यारी क्यारी क्यारी क्यार में

मेरा यह प्रयास है कि अपनी बावजीयके बीरान हुमने को प्रपति की है और हम जिन निर्मर्थेपर पहुँचे हैं, उन्हें हम प्रकट कर वें तो लॉर्ड कू को कीई आपत्ति न होयी। सन्त्रे बांधी वार्यन

न्या स कापसे अल्डी उत्तर हेनेकी प्रार्थना कर सकता है?

अन्यका आर्थि को का गोधी

क को नियक कॉफिस देक वेस २९१/१४२ और टाइप की हुई वफ़्तरी संग्रेशी प्रतिकी फोटो मकस्य (एस. एन. ५११९) से।

२९८ पत्र साँड मॉर्स्स निजी सचिवको

्डन्दन बक्तवर ८.१९९ो

काएका कावि.

महोदय

w. /

मैं इस पबके साथ ट्राम्यवाकके विदिध सारतीय बस्तके सम्बन्धमें नॉर्ड कू के जाबियी पत्र और उसके उत्तरकी जरूक सेवामें भेव खा हूँ। यह खोडें मॉर्केकी बातकारीके किए है।

टाइए की हाई दफ्तरी अंडेनी प्रति (एस एन ५११८) से :

२९९ पत्र स्टॉर्डऍस्टक्रिसको

[क्रम्सम] बक्तवर ८,१९९

.. .

सीर्ड महोदय में बापके पत्रके किए जामारी हूँ। चूंकि बापने सारी विस्मेदारी मुश्चपर वाल पी है कैने बीचका जाना बणनाम है और कोर्नो एकॉको मिसका एक एक करा दिया है। एक

मैंने बीचका रास्ता बयनाया है और दोनों पनोंको निसादर एक पत्र करता दिया है। पत्र विश्व दयमें नया है, उसकी नकल में शाद येव रहा हैं। मुझे चरोशा है कि बाप हमें पसन्द करों। इस बीच मुक्तको विवरणकी दे, प्रतियों कापनेका बादेस दिवा का रहा है।

सापका सावि

दाइप की हुई बफ्तरी बंधेनी अतिकी फोटो-नक्क (एस एवं ५१२ ) से।

र वेकिए किया क्षेत्रेक।

थ. अच्छापर ७ की जिल्हा गण ।

ा देखिए "यह अवस्थित-स्थाननोत्ती सह YEOEC।

५ देखिर "शून्तराज्यासी अस्तीयोंतसी मामनेका पिन्हण" वृह २,८०-३ ।

# ६०० एवं 'गुकराती पर्च'को

हम्दन ] मभ्यूबर ८, १९ ९

सेवार्मे सम्पादक नुबराठी पंच [बम्बई]

महोदय नापने मुझसे अपने विवासी विसेपांकके किए कुछ किस मेवनेका ज<u>न</u>रोग किया है। मेरा भीवत इस समय एक ही काममें स्था है और वह है ट्रान्सवास्त्रासी दक्षिण कारिकाके मार्त्वीमॉकी प्रतिका पूरी करानेमें मृत्यू-सर्वन्त जूकता। यह प्रतिका मार्त्वकी प्रतिन्द्राकी रक्षाके निमित्त हिन्दू, मुख्यमान पारती पंजाबी बंगाकी महासी पुजराती जीर दूसरे हवारों मरीब मारतीयोंने की है। दान्सवाक को भारतके सामने ऐसा ही है कैसे महासामरके सामने अंत्रकि हमारे राष्ट्र-पितामह असे अविश्वको भी काने देनेसे इनकार करता है। सहकि मुट्ठी-भर अधिक्रित व्यापारी फेरीबाले और अवदूर बारतीय इस वरमानको सङ्ग नहीं कर सकते और न करेंगे। इस अपमानको क्रूर करानेके किए और अपने वर्गका फिर वह चाहे हिन्दू वर्म हो इस्ताम हो अवना करकुशी वर्म हो पासन करनेके किए ट्रान्सनाक्की तेरह हजार भारतीय बाबादीमें से २,५८ भारतीय अवतक श्रेष मोग बाये हैं बहुत से अब भी मोग रहे हैं बीर बाये शीर्वेमे। बपनी प्रतिकाका पाळन न करें तो हम वर्ग-अप्ट हा बायेंने यह सब धर्मोंकी दिला है। मुझे यह भी कह देना चाहिए कि यह चेस घरकर है। वहाँ हमें उचित भीनत नहीं दिया जाता और हमें काफिरोंकी येजीमें रखा जाता है । बहुत-तो अवसा कड़ी जाने बाबी केकिन बरमयक संबक्त भारतीय नारियाँ वियोवका बुन्त शहरी है वाकि उनके पति इस र्दमर्पमें बन् सकें। किरानी ही जपने बाल-अच्चों सहित भूकी पहती हैं। इस दुःबको सहन करनेवाकोंने नुजरावी काफी है क्योंकि इस देखमें कुत्ररातके हिन्तू और मुसकनात क्यादा है।

अमर सह पत्र कर बागे हो। गुजराही पैच के शास्त्र इस विवाहीक उत्सवपर अपने मनमें यह सोचें कि इस समय उन्हें ट्रान्सवासमें रहनेवाले मारतीयोंके तिए क्या करना है। ट्राम्पनाकके भारतीयोंके किए तो दिनाकी ईव या पटेटीका स्वीकृत तथी हो सकता 🖡 बंब

में इस अवाहें में भीतकर वापस की हैं।

मोहनदास करमकद गांधी

इॅरिप्टनो उद्धारक समया मृस्तका कामेल पालानूं श्रीवन-वरित तथा बीजा लेखो शामकी मूल पुजराती पुस्तकरे।

१ सन्दानम् सैरोमी ।

## ३०१ भाषण इमसन क्लबसें'

[क्षन्यन जनतुबर ८ १९०९]

युवको परीर-सक्का पुमयान करके गीरवास्थित किया थाता है मेकिन वह मुख्य-मनुष्यका पदन करनेवाता है। यह उनका नीविक वक ठोए देता है विच हैं उनकी पिक्षा से काठी है। वह उनामान्य कोष्य प्रकृषिक कोरोंको कूर बना देता है। यह नीवकताके हुए पुनर विद्यालका उल्लंघन करता है। उनमें प्रतिक्ता प्राप्त करनेका मार्ग बावनाके नावेतीह वृषित और हुल्लाकी रुक्ते रितित है। हमारे कब्ब तक गहुँचनेका मार्ग यह मही हैं। हमारा कब्ब की चक्क पवित्र और जुनार चरित्रका विकास करना है और उन्हें दिव्ह करनेने उत्तम चहुनता निक्ती है — क्यर चहुनके। ज्ञास्त्रकात वर्ष कीर नावाले कुब्ब उनके चन्नति नीवे बिक्ती है को स्वयं क्यर सहन करते हैं परस्तु हुवरोंको क्यर वेनेने इनकार करते हैं और बोहानिश्वको प्रितीत्वा हाइबेक्कर्य तथा फोस्वरस्टके सवाबने कारायार इस

[अंडेबीसे]

इंडियन बोपिनियम १२-२-१ १

# ३०२ शिष्टमण्डसकी याचा [--१५]

[बल्युवर ८१९ ९के बाद]

इस बार में ज्यादा सबर के सकता हूँ किन्तु मुखे मार्ग है कि इससे बहुत सत्योद मही
होगा। लॉर्ड जू क्लिसे है कि "दिलकृत्ता के क्यादा जानकारी नहीं से सकते। जनरक स्मर्थ
अपने दूपरे मन्तियोके सामने बात रखेरी। सबस का बातकारी मिकेश। स्वत्रक स्मर्थ सामने करा बात रखें में स्वत्र नहीं का बात का दें जुके लाएके बनुतार रखें में सामने करा बात रखें में यह माकृत नहीं। क्याद के बात कार्ड जू के लाएके बनुतार रखें में सह दूमारी ही मान होगी। यदि के कपने मार्ग निविचल की हुई बात रखेंगे दो वह होगी कानृत रह करने की बात अदि है स्वत्र मार्ग निविचल संख्या पढ़े की दो वह होगी हमार्ग करने बाने वेनेकी बात। यदि के इस तत्रकों रखना बाहरे हैं तो कहा या सकता हि वह केतर है। मदि के हमारी मार्ग देखते हैं तो ठीक है। कितु [लार्ड कृते] हम पत्रका को मीतरी मत्यक्ष है वह अपनेक सारतीयके समझते मोग्य है। कस पत्रका मत्यक्ष मह है

१ स् " नवास्त्रमान्य प्रितिकात निर्देशक निर्देश कर विभागित प्रकारत का नेव हैं। को जन्मन्द्र ११ र के इंडिक्कर रिक्तून वाशिक किया वा गीर करते इंडिक्कर वीरिशियमध्ये बनुत हिना था। ककरतेनी अध्यान वाजस परिवासी करते कान्य किंता संस्थायकात्री केनी जब कार करी थी कि तथा रिप्तीन कालों की को तहि कारण क्लेमिंड देक्नेको जनकता थी छोड़ । कि वनरक स्मर्ट्स ऐसा करके समय प्राप्त करना चाहुँ। हैं और समय मिल जानेपर के इस बीच सरवायदिक्षिण उत्पाह तोड़ देशा बाहुते हैं। यदि उनका उत्पाह न टूटा दो फिर हम बो-कुछ प्रीपने हैं के वे देंगे। यह मेद समझकर सरवायदिक्षोंको पूरा बस कमा बेना चारिए। उन्हें न चप बैठना है और न सुबंसना विकानी है।

हम चानुष्ठ भाग ह च व वमा यह नव वमानक पानावाहमान पूर्व का सामित्र । उन्हें न चुम नैठना है और न पुर्वस्ता विश्वानी है।
[साँट कू के] उन्दर्षक मताबदे एएट है कि [हमारे क्षण्ट दूर करनेवा] सच्चा उपाय
ई-फेडबेन नहीं वस्ति हमारे अपने हालों में है। वह उपाय है केवल हमारा आसवस्म। इसका
परिचय हमने अभी पूरी तरहते विधा नहीं है वससिए इस बीनुष्ठ मौगते हैं वह सिए नहीं

माया है।

कोग यस गये हैं दनना ही बाफी नहीं है। मैं बहुत बार कह बुगा है कि हमाण मन मैसा न होना चाहिए। इसें बयन कर-महाकी हद नहीं बांब केसी बाहिए। जो हुन्त सार्थ उन्हें वहने कि कि हमाण मन सार्थ उन्हें वहने कि कि हमाण मन सार्थ उन्हें वहने कि हमाण हमाणे न उपसना बाहिए। वस्तक हमाणे मोर्थ पूरी न हों तददक हमें वेसका दुन्त ही नहीं मीनका दुन्त भी लूफी-सूगी महनेको ठैयार रहता चाहिए। इसकिए मैं साण करता है कि वारे वरवामही सपने नित्तवपर पूरी ठटक वह रहें वेसका दुन्त में साणा करता है कि वारे वरवामही सपने नित्तवपर पूरी ठटक वह रहें को वार्थ के सार्थ के साथ कर साथ का साथ के साथ के साथ का साथ के साथ के साथ

सोई कू के उपर्यूक्त पत्रध प्रकट होता है कि विष्टमण्डकका कैनल लातपी नरीकेंग्रे काम करता अब काफी नहीं है। जब उनक बाहर निकलनेकी बकरत है। इसकिए छोई कू में मामिको प्रकट करतेकी मंत्री मेंनाई है। उनकी मंत्रूरी निकलेगर कोपॉनि सम्मुख साध मामका रख दिया बायेगा। किर यदि हाजक ऑफ कोम्लाके सरस्य इमारी बात मुन्ति सो इस उनके स्वा बायेगा। किर यदि हाजक ऑफ कोम्लाके सरस्य इमारी बात मुन्ति सो इस उनके स्वा बायेगा। की सम्बाधियां स्वाधियां करना स्वा की बायेगी और समार्थ करना सम्मव इस सो में में मार्थियां।

एक बड़ा स्वाल गड़ क्या है कि बोड़े समयके किए ही नहीं हम दोनोंको मारनका एक बड़कर कमाना चाहिए या नहीं। एन एक्क्सपर्थ हमारे द्वितियोगना सब यह है कि बाना हो जिनन है। हुए कारणाने पोधा मतीब होगा भी है कि यदि वा नहीं तो ठीक हो। मुख्य बचना विचार हो। यही है कि हमारा मुख्य काम हान्यवासमें है बीर हाम्यवासमें

निया अपना विचार तो यही है कि हमारा मुख्य काय ट्रान्सवाकर्से है और ट्रान्यवाकर्से भी वहाँकी अमार्स है। केमल एक ही विचार आटे मारा है। इस बार हम यहां मार्से हैं तो मार्नी कुंकिंगा बातके लिए ही। इस यह जवाल केपत सार्थ है कि शायर प्रमानती जन्मी हो जाये। जिम कुंप्लिमें इस यहाँ मार्स हैं उसी कुंपियों हमारा धारण जाना भी टीक है। लिक्त तब बहुन-मी कुंपी बार्ज भी है। इसने हमार्थ मार्थिका जीनमें देर करती है। जैना हमने केरा बनाय यह पहास करामें कुछ बच्छ जनेया। हम व अम्ब्रहरणे बार ही जार जा नकेने। वहाँ जयमन एक साहमा जाना और एक महीना बारामें भी सम

१ रेकिर "यर करनिरेश-अवस्तिको" वृत्र प्रदृष्ट्ट ।

माना है। इस प्रकार विसम्भर वा मापेगा। हम विसम्बरके बन्त तक ही और सर्वेपे। और यदि इतनेपर भी समक्षीता न हुआ दो इस अहकि-तहाँ चहुने। ऐसा करलेकी अपेका सीमा सस्ता तो यहाँ जान पक्षता है कि भारत जालेका विचार छोड़ हैं। फिर भी विच नियमपर मंदी क्यों की गई है, उसको सब कोगोंके सामने रखना बकरी है। फिर इस प्रकार मामछेको क्रम्या करतेसे पैसेका क्रमें भी बढ़ेगा। मैं क्रम बिरक्क निरिधत राम नहीं में चम्ता। सत्याप्रहीकी हैचियतसे मेरी अक्षेत्रकी राय पूछी बाये दो मैं एक ही बनाव दूँगा कि इमें शुरन्त ट्रान्सवाकमें फिर शाविक हो जाना जाहिए।

[युवरायीके ]

इंडियन मोरिनियन ६-११-१९ ९

# ३०३ सम्बन

[बक्तूबर ८, १९ ९के बाद]

## बेटायका विषयमञ्जूष

नेटारूके विष्टमध्यससे मिलनेके किए [वसिन साविका विटिन पादतीय] समितिकी साम बैटक बुकाई गई थी। यह गत युवदारको हुई थी। उसमें कॉर्ड ऐंस्ट्रीहरू हर रेसंड वैस्ट डॉक्टर वॉर्नेटन सर मेक्स्बी आवनवरी थी पोकक बौर थी। रिच उपस्थित थे। भी नांपिन्याने सर रेसंबको सारी रिनित बताई। धाँई ऐंग्लीहकने उनसे इसने सम्बन्धित चारे कावनालु सीमें। इन्हें वे श्वव पढ़ेंसे। बन्होंने कॉर्ड क् का उत्तर पढ़नेके बाद कहा कि सब-न्यारा कुछ करने बोख नहीं रहता।

भी बांगसियाने सन्दनक' बेली टेकीशाफ के सम्पादकको सारे तथ्य भेन दिये हैं। कों के का उत्तर मिका है कि वे और लॉर्ड मॉर्ज बोनों इसपर विचार कर पहे हैं। में नेटा<del>तके</del> निपयमें दिचार कर रहे हैं जनके इस उत्तरसे गी तकट होता है कि ने*ग*क्यर ट्रान्सबार का बसर पहला है। उनकी यह यम कमा हवा है कि कहीं मेटास भी न प्रत्यात्रहका चारता मक्तियार कर है।

भी मामद पामाल तती बहाजसे मीट रहे हैं निससे यह पर का रहा है। उनको ब्यहा है कि बन यहाँ कोई काम बेच नहीं रहा। ऐसा बान पहता है कि बनवक ट्रान्सनकरूँ चिष्टमप्तक यहाँ रहेपा तबतक भी जांगकिया भी यहाँ रहेंचे। बायर भी सनुष्ठ कारिए भी बैसाडी करेंचे।

#### भारतकारी बीति

यी बोबीनें सुक्षवारकी राजको इससँव नक्क्के सबस्योंके सामने बारमक्ककी मीदि पर मायम दिया। यह रखन वहाँकी नीतिवनिनी श्रमा (श्रीवनन नोंक एविकक सोवाहरीन) का है। समानी अध्यक्षता क्रुवारी विटरलॉटमने की नी। भारतीयोंकी उपस्थिति चाती नी। जनमें

- ा नक्ष्में क्यानज है, जो स्टब्स: क्रमाईकी मूळ है ।
- a. धीक्य "सामन समीन सम्बंदी" वह ४०० ।

सर मंचरनी भी पाँस भी परीस और अन्य कोश भी थे। कुमारी कोशी और श्रीमठी दूवें भी आई भी। थी पांचीके मायनका सार यह वा कि सारमवक घरीर-करने बहुत डेंचा और सबेस है। उन्होंने उनके सम्बन्धमें पूछे गये बहुत-से एवाओं के जवान भी दिये। उन्होंने द्वारमवासका प्रका भी उठाया और हमारे कर्टीकी क्या गुनकर सभी छोग प्रभावत हुए। भी पाँचने में मायन दिया विसमें उन्होंने कहा कि बारमवक्के पीछे खरीर-कल होना चाहिए। भी नोमीने कहा कि वह बक्क सारमवक कहा ही महीं वायेया। समार्थ धीमठी टेडमन भीमठी पोकक और भी रिच भी बोले।

### क्रिपंकि नताबिकारकै छिए बाम्नोधम करनेवासी जविकाबीका श्राकता

तारील ७ को न्यानील बावर्ष होंन मानक बिसाल प्रवनमें दिनयों के मधाविकारके विए बाल्योकन करनेवाकी महिलावों (खकेनेटछ) का बहुत वहा बक्त्या हुवा। उसमें छैक्कों स्थिते मानक विश्वास उत्पाह हुवा। उसमें छैक्कों स्थिते मानक विश्वास उत्पाह हुवा। उसमें छैक्कों स्थिते मानक विश्वास उत्पाह हुवा। उसमें छैक्कों स्थिते मानेवा विश्वास व

### नेची नाचा

भी बामद भागात यह वब देखकर यहाँसे बा रहे हैं। वे समझ गये हैं कि ट्रास्थवांककों कहारिंदे नेटाककों भी बाम पहुँचा है। उन्होंने यह भी देख किया है कि यहाँ जावेदनपत्र देनेसे महिक कोगोंकों भी व्याय नहीं पिस्का। बावेदनपत्रका कोई महत्त्व नहीं है यह एवं समझते हैं। समीतित्य स्थाय करता हूँ कि भी जाय भागात नहीं पहुँचकर सत्तावहूंका आध्य की अर्थोंने ट्राच्याककों सरसावहर्से सहावता वेनेका नयन तो दिशा ही है।

[युवरातीसे]

इंडियन औपिनियन ६-११-१९ ९

## ३०४ पत्र मणिस्राल गांधीको

[क्रम्बन]<sup>१</sup> अक्तूबर १२ १९ ९

वि मनिसास

तुम की बेस्ट और दूधरे कोगोंकी को सेवा-सूम्पा कर रहे हो वह दुम्हारी सबसे कणी पढ़ाई है। वो व्यक्ति करने कर्तव्यका पालम करता है वह सवा पढ़ता ही रहता है। दुनने किया है कि तुन्हें प्लाईको खुने वे देशी पढ़ी है। ऐसा मही है। तुम सेवा-सूब्या करते हुए पढ़ाई ही कर रहे हो। ही यह कहना ठीक होगा कि लक्करवानको छुट्टो वे देशी पढ़ी है। स्व तरह सुट्टी देनेमें कोई हानि यी नहीं है। बखरामान तो फिर प्राप्त किया वा सकता है। कैकिंग

पत्र हो कर पत्र दा। हा न्यू कहारा ठार होगा कि कार आवाशिक स्कृत विचा का है। विकित्त त्या सूर्य करनेका अवस्था किर बावेबा बहु नहीं कहा जा सकता । बकता है। विकित्त बात अंक्टिय कर केना कि तुम्बारा मन स्वच्छ है इसकिए सेवा-सूब्यूना करते हुए तुम मीमार नहीं पत्रों । कार उसके बाववून तुम बीमार हो बाबोने तो में उसकी विकात नहीं करेगा। इस तरह की पड़ास्ति हो तुम बीर से समी पूर्ण वन सकेने। ठीक तरहसे पहना सीबता ही पतार्ष है। सेव सम पढ़ाह बाठी है।

्ड्। बाजूके आधीर्मार

[बुबयवीचे]

वांबीजीना पत्रो' से

३०५ भाषण हैम्पस्टेडमें

[सम्बन

बस्तूवर १६ १९ ९]

भी गांचीने कहा कि पूर्व जीर परिचगका प्रश्न च्युत बड़ा और उनता हुआ प्रश्न है। मूझे पूर्व और रिविमाई संपर्वका प्रशास वर्षीका अनुस्व है। गेर्न इस प्रश्नों तमकत्वी संशिक्ष की है। गुले स्वता है कि ऐसे सोगिक तामने बले इस समार्ग मौजूर है में अपने सूच्य प्रश्नोत्त्रकर परिचाम बता सकता हैं। बल में इस दिस्पका खरास करता है, मेरा विक स्वता-सा खाता है। मुले कई बारों ऐसी स्वता हैं। बी जो आपको अवस्वित समार्थी और

् बान परता है (गोबीमीमा प्रमोगे, मारि मा पिड़ी में वर्ड १९०० मरून मंत्र क्रोप रिता मा है । ६. तपन-पुरति पत्र क्रिक्टीमा काम बोबामिक्सो दिया जा है । तस दी कर काट है, मारिक प्रपीनी तत्र (मेंदरी में )

्य करों दुश सन्द शोद दिने को है।

४ तर्विजीने केन्स्टेड वीस पेंड वाविक्षण सोसार्विक स्वापायकी केन्स्र गोरिंग हान्स्रमें की व्यं स्थाने अपने और विस्था कर विकार वह व्यवकारिया था। व्यवकारिक है। विशिष्ठ के।

रु इं अर्थोंका प्रयोग भी करना होगा । जिस पढ़ितमें में पका-मुसा हूँ, उसके विषद्ध भी नजुरा।
होगा । सगर बापकी मानगाओंको नेरे कननते कोड प्रृत्ते तो बाजा है बाप पूर्व समा करेंगे।
पूर्व ऐसी कई पारपार्थोंका क्षत्रक करना होगा की गृश्चे और नेरे देवके लोगोंको प्रिय
पूर्व हैं और सायद बारफो भी प्रिय पही हों। इसके बाद उन्होंने किपलियको कविताको जन
सो पंक्तियोंका उसकेस सिया जिनका नर्क हैं "पूर्व पूर्व है और पश्चिम पश्चिम। में मैनों
कभी न सिक पार्ये। "किर कहाँने कहा में समजता हैं कि यह सिद्धास्त निरासावाकर सिद्धान्त है भीर मानव-विकाससे मैल नहीं बाला। युक्ते सपता है कि इस तरहके सिदानाको सम्ब करता भेरे लिए विस्तुत्त सतस्यव है। अंग्रेजीते एक दूसरे कवि डेनिसतने अपनी विश्वम " ["स्वाम"] शार्यक्रकी कविताओं स्वय्य अविध्यवाणी की है कि पूर्व और पश्चिम मिलेंगे। चूँकि उस "स्वप्न" में मेरा विस्तात है इसीकिए में बसिच बारिकाके कोर्पोंके तुक-बुन्तका सानी वन गया हूँ। वे लोग वहाँ बहुत बड़ी कठिनाहर्योंनें रह रहे हैं। मेरा कयान है, दोनों जातियोंके कोग एक-दूसरेसे बराबरीका बरताब करते हुए जाव-ताब रह सकते हैं। इतीसिए में दक्षिय माकिकामें पहता हूँ। सपर नेता विदयस किपलिएके लिखानामें होता तो में वहाँ कमी न प्हा होता। अंग्रेजों और भारतीयोंक, जापसमें विका किसी खटपटके, एक ही घर फुनेके उवाहरम पुर हुआ। नजन कार नारावाज, झानावाज का कारफ, एक हा वार पुराण पर्याण कार्याण हुए हो। वार पुराण पर्याण हुए हो। वार इही तकती है। एक हद तक यह क्षा है कि इस लंक्ड्रियोंने मिल्सा-बुक्ता हुए भी नहीं है। बायानियों और पुरोपीयोंने बोचको बोचार दिन-यदि-दिन इहती का पूरी हैं क्योंकि बायानियोंने पावकाय सम्प्रताको पत्रा किया है। मेरे बायाको सामुनिक सम्प्रताका पुत्रम नक्स है आस्मोने मनिक प्ररोरकी विकासीर प्रारीरकी प्रक्षिकाके किए सर्वत्वका समयगा। रेक सार और बेनीफोन नया पास्त्रात्य कोर्पेकि नैतिक उत्थानमें सहायक है ? जब में भारतपर निमाई बानता कर्णावन ने पांचान्य निर्माण निर्माण वालां का व्यवस्था प्रहानक है। येव में भागपर रामध्य कालता हैं से में में में कि राम्पर्ने यही बचा विवाही देता हैं। मारक्षर बायुनिक सम्प्रता राम कर पूरी हैं। वहन क्या किया हैं। येवल में यह कहाता हूँ कि मार्चुनिक सम्प्रतीय भारत की कोई नेमार्ग नहीं हुँ हैं हो से मूले काम्प्र हैं, मेरे इस कवाली बायजा संवाल का पूर्विया। वहीं रेली तारी मेरि सीपोर्ज्योजिंड वाला विवाही सामक कवकता गांचार कवाली कार्योज हैं। स्वालानी क्षा है कि पातायातके हम का के किया है । विभाग निर्माण करिया है। विभाग का किया है। वे साम्याजी है। वे देखी है। इस उग्मत सरगरपीने हमारी चुमें उचाड़ दी है। यद्यपि में स्वयं भी इसी व्यवस्थाने पर प्रा हूँ फिर भी मुझ बागते यही कहना वक्ती सालुम होता है वो कह पहा हूँ। में बानता हूँ कि बदयक मंग्रेस बनने सरीके न बदलें साराम दोनों बादियाँ साव-साव नहीं प्र सकती। बापने हिन्दू सीचरवार्योग बालोट और आवीद-प्रदोद करके हिन्दुनोंकी वासिक पादवाफो क्रेस पहुँचाई है। यदि शहू खल्यार-मरी बीक़ क्रम नहीं की बाती टी संघट बदाय बायेया। हुमारे सम्मुख एक सार्थ यह हो सकता है कि हम बायुनिक सम्पताको अपना सः तेकिन में तो यह दुर्गिक नहीं कह सकता कि हुनें कभी की यह सन्यता अवनानी वाहिए। ऐसा हुना तो वारत संतारका कीड़ा-कमूक वन वायेगा और दीनों राष्ट्र एक-दूसरेपर हुट पहेंचे । भारत सब भी नवा नहीं हुआ है वह काहिल हो बया है। ऐसी बहुत-सी बातें

~

हैं जो सनमनें नहीं या सकतीं। इन्हें सनमनेंचे किए हमें बीरण रचना होगा। मेदिन एवं बात निश्चित है. यह यह कि करतक यह उत्पाद-भरी बीड जिसंगें सरीरका ही महत्त्व है. चलती प्रेगी लक्ष्य वारीएडे मीतर प्रतिद्वित अमर अस्था श्रांस ही एरेगी।

(a<del>làsha</del> ) #fferr. >>-1 -12 €

३०६ पन्न क्षों कें पॅस्टब्रिक्सो

হলব ী बस्तवर १४ १९ ९

सर्वे महोदम

बोधानिस्वर्गेसे बनी एक तार मिला है। इसमें कहा गया है

भी स्मदसने अवदारों कि प्रतिनिविधों है कहा है कि वे अपने प्रस्तावींके वारेमें मलीके बताकी प्रतीका कर रहे हैं।

मैं इस तारका नवें यह क्याता हूं कि कोई कृ के जिस पत्रका मैंने जनाव मेना है उस पत्रमें उल्लिखित प्रस्तात यी स्महसके मुख प्रस्ताव 🕻 और भी स्मट्स यह जानतेको ठडरे हर है कि जगर से प्रस्तान जनकरों कार्य कार्योंने तो क्या जनकार प्रतिरोध बन्द हो चायेमा । अभी कोर्ट क का कोडी उत्तर नहीं मिका है । मने यह साथ विकार देता है कि अपर सोंहें के और जोड़े मॉर्केंको अपना कर्मका निजाना है तो उसके किए ठीक अवचर नहीं है। इक्रिज बाफिकाके किए बहावमें बैठनसे पहले जावदैस्टनमें यी स्पटसने वब स्पटरके प्रतिनिधिको बन्तक्य दिया वा तब वे बहुद प्रसम्भ और कारवस्त होकर बीते वे। उनका खयाक वा कि अनाकामक प्रतिरोजियोंमें बब अवनेका वस नहीं रहा। यह साक है कि प्रिनीरिया पर्वेचनेपर उनका यह क्रम वर हो पता। इसक्रिए बस वे बातना पास्ते हैं कि हम वहाँके कीप चनके प्रस्तानोंको मानने और अनाकामक प्रविरोधको बन्द करनेकी सकाह देनेके किए वैनार है या राजी। साम्बोधन वन्त क्षोता सैजानित्य अधिकार विये विना असम्बर है। भी रोकने मसे एक पत्र किया है। इसमें उन्होंने क्या है कि बनाकामक प्रतिरोधी वश्चिम बाधिकारे उनके पत्रकी रक्षानगीके वस्त जिलने अजन्त वे उतने सवज्ञ पहले कथी नहीं खे।

आपका आज्ञाकारी सेवक.

इस्तिविद्यात वरतारी अंग्रेपी प्रतिकी फोटो-नक्क (एस एन ५१२५) हे।

१ वर्षीचीको कार कुटे हिन मिक पदा का देखिए " एवः काण्मिक कामनीको " क्रा ४८६-८० ।

सम्बन सक्तवर १४ १९०९

प्रिय हेनरी

बापका मनावसे भेता हुआ तार मिका। मुझे हुन्त है कि भी बोककी किताब अभी तैयार नहीं है। प्रकाजनत पहके सभी महेचो अतियों मुझे अभी मिकी हैं केकिन मेरा जयाक है इनर्जें स एक सापको भेतनेकी जरूरत मही हैं। प्रतियों तैयार होने ही मैं भी कूपरसे कहुँगा कि वे २५ प्रतियों भी नटेसनको भेता दें।

टाइस्य में महासकी समावा को हाल क्या है उसकी कठरण इसके साम मेन रहा हैं। आपको ब्रिटोरियाका एक तार्र मी मिनमा। मैं नहीं जानता इसका क्या सर्व है। बी \* स्मट्सक वानेके बाद बातचीत बेचक बारी रही है। कैंकिन हमें ता यह समझकर ही काम करना है मानी बातचीत जनक हा गई हो। मारतीय अवाधी बायीग (इमिप्रधन कमीग्रन) की प्रतिप्रेट स्व मौक्यर कच्छी है। मेरा बयाल है बार वस कक्क्टोर्थ ही रह एक बसिछ भारतीय प्रियमण्डको लोहें निकरोंने निकामेची काविश्व की वाये। बार गर चास्त्र टर्नरको भारतात प्रयासन्तरका काड तम्प्रत्य (वाकानक कावार का वार्या वार्य मेर चारक तर्मक बरने डाय से सक्ते हैं बयानि में सारकी कठिमार्स सम्प्रता हैं। कैसिन ने सापका सार में या न में सिक्टमण्यक बनानेमें कोई कठिमार्स न होगी पडाय बन्यहें, इसाहावार बाहोर, सारि [मार्यो] से एक-एक प्रतिनिधि या सकता है। मैं बायको कारेस बीर मुस्लिम कारकेंसमें प्रतिनिधि बनामके सम्मन्यमें निख खा हूँ। मैंस्स बयाक है उनके बनिवेदन स्पन्न एक शान होंगे केकिन अगर ने एक ही दिन हों वा आप मुस्किम कान्छेंदमें नार्ये ्रा प्राप्त कार्यक्र कार्यक्रम कार्यक्रम वार्ये प्राप्त कार्यक्रम कार्यक्रम वार्ये या बावध्य हार्यक्रम कार्यक्रम वार्ये या बावध्य हार्यक्रम कार्यक्रम वार्यक्रम कार्यक्रम कार्य

नीत करते हुए जा कारण कारण के मार्थ के से स्वर्ध के मेरे पत्रके उत्तरमें सीई मैं बद भी जैरि-बीर प्रगति कर पहां हूँ। मैंने खेखा था कि मेरे पत्रके उत्तरमें सीई मू का कम मुल्क का जातेगा जितिक यह पत्र सिखनक वस्त्र तक (युक्साप्के प्राप्त काम तक) कत्तर नहीं साथा है और वस्त्रक ने बातचीतका सथली नतीया प्रकासित करनेका प्रविकार नहीं देते मुने सनदा है तरफ कुछ नहीं किया जा तकता। सगर जनका उत्तर इस स्वाह सा बादे दो जी सब हमते लगेतृ हैं कि में सामागी ३ तारितमें पहले [कोल-] नित्तप्रका कास हुए कर नमुँदा। सार करीब-करीब सार अग्रतकी तैर करेंदे। यह एक विशोद मुदिया है औ समीदक मुग भी नहीं नित्रण माई है। दश्यीण्य नैने यहीं ब्यादा वस्पीर निर्देशक है जाई सो निरियत निष्मर्थ निशास है उन्हें मैरा लवान है, बब मुझ निम बातना बाहिए।

१ पर ११ च्यापको लॉ थी।

२. (१८४५-१९१४)) मरात्रे सम्मारे स्रीत स्रोत्समास १९ ५-१ ।

<sup>3</sup> क्यारण "क्यान्यती क्यान्यती क्यां क्यां कर क्यार्टिंग क्यां को में हैं को है को हैं को है के है को है के है को है को है के है को है को है को है के है को है को है को है को है के है के है को है के है के है को है के है है को है के है को है के है है के है Per fet et L

~

यह बात मेरे दिमानमें पहलेसे ही थी लेकिन कोई निविचत और साफ वित्र नहीं उमरा ना। मधे पीस ऐंड जॉन्टिसन सोसायटीकी ओरसे पूर्व और पृष्टियम विपयपर होकनेके किए को निमन्त्रण दिया गया था उसे स्वीकार करनेके बाद मेरा ब्रह्म और मस्तिक क्षोनो कविक किसाबीक हो सठे। समा पिछली रात हुई और मेरा समाल है कि वह काफी सफस रही। स्रोता बढ़े प्रत्याही ने लेकिन विधन स्राफ्तिकाकी स्नितिके बारेमें कम्र उद्यत प्रका भी किसे गये। आपको यह जानकर जानकर होया कि हैस्सरटेडमें भी दक्षिण आफिकांके क्ष कर नाटककी हिमायत करनेवाले और मारतीय व्यापारियोंको सहा बाह और म जाते ब्या-क्या बताकर. जनके बारेमें तरह-तरहकी कल-जलस बातें कहनेवाड़े काफी सोग से। एक शहत ही कड़ महिलाने उठकर कहा कि लाप राज्य-विरोधी वार्त कर रहे हैं। और पैसे हमें विश्वन आफिकामें रीति-रिकाल और उपरी बातों — सवाहरणके किए सीलिसोंके विकास — के जारेसे सोकनेवाके और उन्होंसे विपके पहलेवाके कल्यविक्यासियोंसे निकटना पहला है। हैसा की पिछारी रात मझे फेंड्स बाउसमें भी करना पता। मझसे किये बये प्रकारित झडीमें मेरा मझ्य डाह्म को तथा और तफ्जीककी बातोंपर की परमागरम बहस बाती रही। जससे पाठन निवासी कर प्रकार है

(१) पूर्व और परिचमके बीच येंदकी कोई दर्जम्य बीबार लाहें है।

(२) पश्चिमी या धर्वी सम्पता-वैद्यी कोई चीद नहीं है। हाँ एक आवितक सम्पता

**ब**बस्य है और वह सर्ववा जीविकवादी है।

(३) जाजूनिक सम्प्रतासे प्रजावित होनके पूर्व यूरोपके क्रोग बहुत-सी बार्टोमें पूर्वके कोवोसे या कमसे-कम भारतीयोसे काफी मिस्टो-कादे वे और शाब भी को बरोपीय बामिक सम्प्रताके प्रवासी कमते हैं के उस सम्प्रताके सपताकी तमलागें प्राप्तीमानि बहुत क्याबा जासानीसे बसमिस सकते हैं।

(४) भारतपर राज्य ब्रिटिश स्रोग नहीं कर रहे हैं बहित रेख तार, टेसीफोन और सञ्चलके विजय-भपन माने जानेवाले कमभग सारे जाविष्कारीके मान्यमंते वही आवितक

सम्बदाकर उसी है।

(५) बम्बई, कककत्ता और मारतके बन्य प्रमुख नगर प्रसीवतके अस्ती स्वान है। (६) बगर कह बिटिस धासनका स्वाम मावनिक तौर-तरीकॉपर भावारित मास्तीव

दासन के में तो इससे माध्यकी स्थिति वक्की नहीं हो जावेगी। तब माध्यीय भी वर्षण गा समरीकाके वसरे या पांचवें संस्करण बनकर एड जायेंगे। ही काना करूर होना कि जो

बन बहुकर इंग्लैंड चला जाता है जसका कुछ मध देशमें ही एउ जायेगा।

(७) पूर्व और परिचम चास्तिविक क्यामें त्रामी मिछ सकते हैं जब परिचम आधुनिक सञ्चलका सगभग पर्न कपसे परिस्थाय कर है। दिखानेमें तो ने तब भी मिळ सकते हैं. जब पर्न भी भावनिक सम्पदाको स्वीकार कर से सेकिन वह मिसन स्पारण-पान्तिवे समान होया ---होसी सामितके समान बैसी उदाहरणके किए. जर्मेनी और इंग्लैंडके बीच है। ये दोनों ही देख एक-इसरे द्वारा कीस किये वालेके सतरेसे बचनेके किए मृत्यके गृहमें बपने दिन काट रहे हैं।

(८) यदि कोई एक व्यक्ति या व्यक्तियोका संबठन सारी बुनिवाको नुवारमा पूर करे या उसकी बात भी सोचे तो यह ब्रिमाकत ही बोबी। ऊँचे बर्बेकी कारीयरीधे बने

र देखिन "मानवः विम्नतेशमे" प्रश्न ४७४-०६ ।

भौर तेज चाहराके बाहरीके सहारे भी ऐसा करनेका अथल असम्भवका सम्भव बनानेका अथल होगा।

(९) सामान्यत यह कहा था सकता है कि मौतिक सुविधाओंकी मृद्धि होनेसे मैतिक विकासमें किसी तरह कोई सहस्वता नहीं सिकसी।

(१ ) चिकिरसा-विज्ञान इस शास चातुका सार है जिसे हम उच्च चिकिरसा-कौसड

मानते हैं उन्नेसे तो नीमाहकीयी छात्र वर्जे बच्छी है। (११) बास्प्रदाक्ष के सामन हैं जिनका उपयोग ग्रैतान वपने उन्हेस्पोंकी पूर्विके किए, अपने सामाज्यपर वपना वावकार बनाये राजनेके किए करता है। वे बराचार बच्च पिरावट

और वास्तविक दास्ताको स्वामी बनाले हैं। (१२) जब मैने चिकित्सा-सारवकी विका केनेकी सांची थी तब मैं विल्कुछ वहुक ही

प्या था। श्रस्ततासकी वृष्यित प्रक्रियाओं में मान केना मेरे किए हर तरहते एक पापपूर्ण हरेया होता।

अनर सीन ऐमोंके किया, या क्षय ऐपियोंके किया भी अस्पवाक न होते तो हमारे वीच इस रोग कम होता और यौन पाप भी इतने न होते।

(१३) मारतकी मृक्ति इसी बातमें है कि उसने पिछके पचास वर्षीमें को हुए सीका

है उसे पूछ बाये।

रेस तार, करनताल बकील कॉक्टर आदि — एवकी बाता होता और समस्वित उच्च बागिक कोगोंको वस बोकके साथ कि किसानका साथ बीवन ही सच्चा सुस बेनेवासा है

बन्तपरमाको साझी बनावर, वर्ग मानकर और मनको वसमें करके वह बौबन विद्याना सीवना होया। (१४) भारतीयोंको मिलके कपढे नहीं पहनने चाहिए, चाहे वे सरीपीय मिलॉर्स दैयार

(१४) भारतीयाका ।मलक कपड़ नहां पहनन चाहिए, चाह व यूर्यपन्य ।मसाम त्यार हुए हों या भारतीय मिकोंमें।

(१५) इंग्लैंड इसमें भारतका सङ्घयक हो सकता है और तमी वह मारतपर अपने अधिकारका भौषित्य सिक्ष कर पायेगा। जाज इंग्लैंडमें भी ऐसा सोचनेवाके बहुत सीय दिखाई देते हैं।

(१९) पूराने कृषियोगें राज्या जान ना। वजी वो उन्होंने वसायकी स्वस्ता एवी की मी कि लोगोंकी मीतिक स्थिति मर्वासित हो बावे। वास्य पोच हमार वाल पूरानी बारिस हम बाव मी सिवाने किए उपयुक्त हम्म है। हमारी मुंजियों होनी । येही हमार्थी कोमार्थी केम क्यारा मीते हैं या क्यारा वालिये उपये हैं। उसकी तुक्तार्थे बाद उपयेक्त क्यारा मीते हैं या क्यारा वालिय वहीं मिसती है। मुखे कावा है कि प्रत्येक प्रयुक्त क्यारित प्रदेश हमारीकी उपयो वालि नहीं मिसती है। मुखे कावा है कि प्रत्येक प्रयुक्त क्यारित क्यारे हमारीकी क्यारा है कि प्रत्येक प्रदेश हमारीकी स्वाप्त हमारीकी स्वाप्त हमारीकी स्वाप्त केम प्रवेश स्वाप्त हमारीकी हमारीकी स्वाप्त हमारीकी हमारीकी हमारीकी स्वाप्त हमारीकी हमारीक

निकारिक निर्म कार्ते बहुत है। बाज जापको तरामा गड़ी किस सकता। बेरिका उत्पर दी गई सामग्री विकारके किए काफी है। यह जाप वह वेखें कि मैं यकता कहता हूँ तो मुझे रोक सकते हैं।

पुन राज राजन है। आप यह भी देखेंदें कि मैं उचाईचा लिफायोंचर, जो करीब-करीब निरिचत हैं अनाकायक प्रतिरोचकी बच्ची माणगांधे ही पहुंचा हैं। समाकायक प्रतिरोचीके कपूर्व पुने हुए बातकी कोई ٧Z

चिन्ता नहीं है कि यो क्रीय उच्चाव-भरी वर्तमान बीक्में सन्तोध अनुभव कर सकते है, उनमें इतमा बड़ा मुमार — अगर जसे मुकार कहूँ को — किया था सकता है वा नहीं। अगर मैं मह समझ मूँ कि वह बाद सभ है दो में इसके अनुसार पक्तनमें जातना अनुमन करेंगा दौर इसिंपिए में सम मोगांके भूक करने तक न ठहकाँमा। हमनें से जो कोन इस तरह सोचते 🕻 उन संबंधों इसके किए बारूरी कदम उठाना पहुँचा। अगर हम ठीक रास्तेपर है तो बाकी कोग जरूर ही हमारे पीछे आवेंने। सिकास्त मीनूच है हमें जपना अवहार मजासम्मन इससे निकता मुक्ता रक्तमा होगा। इस शीवने रहते हुए, स्वत्र है बूस सभी बूराइसोंको न क्षेत्र सके। मैं बन भी रेक्तमाहीमें बैठता हूँ वसमें बाता हूँ में बातता हूँ कि मैं को ठीक समस्ता है उसके विरुद्ध भावरण कर रहा है। इसके मुझे स्वाशाविक परिनामोंका प्रम नहीं है। इंग्येंड जाना बुरा है जीर बसिज आधिका और भारतके बीच समुद्री जहाजाँसे आवागमन भी अच्छा नहीं है जावि। आप बीर मैं अपने इस जीवनमें इन चीजीसे बच सकते हैं और सम्मद है वर्ष कार्ने सेकिन कार बात तो अपने सिंडान्तको सही करनेकी है। बाप नहीं सक तर्यहरू कोम और उन्हें सब रक्षाओं में रेख रहे होंगे। इसकिए मुझे करता है कि पैने मानसिक इस्टिसे को करम बठाया है और जिसे प्रपतिधीक करम मानता है में उसे आपसे प कुराऊँ। सगर बाग मुक्केस सहस्तर है तो कानिकारियों और दूसरे सब कोनीसे यह कहना वापका कर्नस्य होना कि वे जो स्वतन्त्रता चाहते हैं, या उनका खबात है कि वे चाहते है वह स्वतंत्रता कोगोंको नारनेसे या हिंसा करनेसे नहीं निकेशी बस्कि वपना धुवार करने और सक्ते अवॉन भारतीय बननेसे और भारतीय रहनसे मिलेगी। तब अंग्रेस सासक मी सेवक होंने स्वामी नहीं। वे सरकाक होंने सतानेवाले नहीं और वे मारतके सब निवादिमीके साम विल्कुल बारित तथा नेल-जोकसे रहेंगे। इसकिए यशिव्य बंबेन बाठिके हाममें नहीं बहिन स्मर्थ प्रारतीयिके हामोंने हैं। और अगर उनमें काफी बास्त-स्वाय और संबन है तो वे हसी सन स्वतन्त्र हो सकते हैं। इस भारतके क्रोग वब उस शावनीको स्वीकार कर सेंते जो बहुत-कुछ बद भी हमारी विशेषता है और जो कुछ साम पहले एक हमारी पूरी विशेषता नी दी तमाम मारतमें वर भी सर्वोत्तम भारतीय और सर्वोत्तम कृरोपीय एक-कृति मिल-चुंबकर पह सक्तें और एक-पूर्वाकी उन्नितं छहातता कर सम्बें। यब तेन पानताली गाहियों न भी तक स्थापारी और वर्गोपनेकक वैश्वके एक विरोध दूबरे विरे तक सवर्गेको सेकटे हुए पैदस जाते वे बारममुक वा स्वास्थ्य लागके किए नहीं (वचिप में उनको पैरस मानावींने मिछ आते में) विकित्त मानक वातिके विश्वके किए। तब बनारस और हुसरे तीने पनिन

मिछ बारों में) सीका मानक जातिके हिएके किए। एवं बनारस बीर हुएरे टीमें परिव स्थान ने लेकिन बान को वे चुवारपत बन पर्थ हैं। आपको पाइ होगा बाद पूसपर जपने रूप्पोरें गुवारपी सेक्नोपर गाराज हुवा करते में। अब मूझे सिकाधिक निकास होगा बाद पूसपर अपने रूप्पोरें गुवारपी सेक्नोपर गाराज हुवा करते में। अब मूझे सिकाधिक निकास होगा जात करता मा के निकास के प्रमान करता मा की निकास हो की ही किए पाइ गुवारपी हुवरें मुद्रारपीओं को बोधी में पन निकास हैं। बाद यह कहें को ठीक हैं। हैं। या पह मूखर करवा में बोधी किवने या बोकने में जीत मही पाइटियों करता हैं। वीर पाइपोर्ट में किवने या बोकने में जीते मही का प्रमान हैं। विश्व ही पुज्यसीमें न करेंगा। मेरा बयाब हैं, ये बाद किया माराजियों करता हैं वीर निकास ही पुज्यसीमें न करेंगा। मेरा बयाब हैं, ये बाद किया माराजियों करता हैं वीर निकास ही पुज्यसीमें न करेंगा। मेरा बयाब हैं, ये बयाब हो स्वार्थ करता हैं विश्व होता है। स्वार्थ स्वर्थ हैं यह वह स्वर्थ करता प्राचान मुख्य हों स्वर्थ में या स्वर्थ हैं। स्वर्थ में वाच करता हैं विश्व स्वर्थ हैं। स्वर्थ से वाच करता हैं स्वर्थ से स्वर्थ हैं। स्वर्थ से वाच करता है से स्वर्थ से स्वर्थ से वाच करता है। से स्वर्थ से वाच से स्वर्थ से वाच से स्वर्थ से वाच से स्वर्थ से स्वर्थ से वाच करता है। स्वर्थ से स्वर्थ से वाच करता है। से स्वर्थ से वाच करता है। से स्वर्थ से स्वर्थ से स्वर्थ से वाच करता है। से स्वर्थ से

स्वरका अध्यस्त बनाना चाहता हूँ तो मैं ऐसा एक अंधवले बात करके और उसकी बात करते हुए मुनकर ही कर सकता हूँ।

भव में समझता हूं कि मैं आपको बहुत बड़ी जुएक वे चुका हूँ। मुसे सामा है आप इसे पचा सकरें। बहुत सम्बद्ध है कि आप भी भारतक अपने विधिय अनुमनकि आधारणर, पापद स्थान कमते इसी निफर्यंपर पहुँचे हों न्योंकि आपकी कस्पनाधिक और स्पानहारिक आन जबरदस्त है। आतिर में निफर्यं नमें तो पहीं हैं जभी तो इन्होंने निविधत क्षमान किया है और मारे एकश्न आधारण कर सिमा है।

मझे सभी-सभी जोहानिस्वर्गेंगे निम्नविश्वित सार मिसा है

सम्दलने अलतारों [के अतिनिधियों] से कहा है कि वे अपने प्रतासिक सारेमें प्रतिवेदान मौके वत्तरकी अतीका कर रहे हैं। कमनकी धर्मित क्रिस्तुत्त कार जारी एक रही है।

इस तारका अने यह है कि नोहानिशनमें इस प्राप्तपर दुछ हुन्नक सनी हुई है और स्मद्द जनावामक प्रतिचेत्रको कुन्नमेने बारेमें भावानित नहीं है। इससे यह भी प्रकट होता है कि नगर कोर्ड कु पूरी चलित्रो प्रयत्न करें तो ने समझोता क्या सन्ते हैं। भीना [वन्नक] हुमें तो समाई बार्ट ही रखनी होगी। यो कन्मनकी समिति असना स्माम जारी रस खी है। इससे हालम बनल्यी नहीं और रिक्की स्थित समुद बारी है।

से चारी भीमती रिचकी एक और सॉपरेचन कराना होगा। सन्तर है वे उसते म वर्षों। मार जनकी यह जिल्हा जीन सल्ली भीट वन वाले तो उनकी वंत्री पहल मिलेगी।

वारमें — रव पत्रका इसते पहला प्राम खमान्य होनेपर यहाँ निसी का मई थी। चूँकि मेरे खनासते यह पत्र महत्त्वपूर्व या इतिख्य की उन्हें पहला मुना दिया। इतके बाद उपयोगी विवार-विगये हुआ जिलकी करणना बाप जूद कर खसते हैं।

भी बत्ती दमान वन भी गहीं है। नेस धमास है कि वे शोमवारको स्वाना इपि।

हरवसे जापका

क्ष्यस नापका मो० क० संबी

टाइए की हुई क्लारी अधिनी प्रति (एस एन ५१२७) इस्तनिसिन अधिनी प्रतिकी फीरो-नकत और एम के मांबी एंड साठक बाध्यकन प्रोटरेस से।

# ६०८. शिष्टमण्डलकी यात्रा [-१६]

विमन्त्रवर १५ १९ ९]

पिक्रम हक्ता बुरा बीता है। पहले वो 'टाइम्स'में इस बासयका तार बेक्रमेमें बामा कि समझीठेकी बाद बिस्कुल पक्क है। विरासों बाग कहा गया है, ] भी स्मटसने लॉर्ड क है बातचीत की भी फिला सरकारका विचार भारतीयोंकी गाँव गयर करनेका गरी है।

एक बसरी भागगी खबर भी तारसे जाई है. विसर्धे कहा गया है कि भी स्मटस

साँव के बनावकी यह देख रहे हैं।

मोर्ड कुका चवार साव (सूत्रगारको ) मिछा है। वे उसमें स्थित है कि बनरछ स्मट्ड भो-कुछ देना चाहते हैं वह अपने पिछके विचारके अनुसार ही देना चाहते हैं तमापि दे कानून रद कर देंने और [प्रवासी प्रशिवन्त्रक कानुनमें ] ऐसा परिवर्तन करा देंने विससे उनकी परान्तके कुछ विकास भारतीय [प्रति वर्ष ] स्वायी क्यते आ सके। इसके सकावा काँवे क् कियते हैं यहाँ कोई ख़का बाल्योकन किया बाये या नहीं इस सम्बन्धमें हमें ही सोचना है। साथ ही इसपर भी निचार कर लेगा है कि वहाँ किमे यथे बाल्डोसनका बनरफ स्मरसपर क्या असर होगा !

यह यहाँकी स्थिति है। जब विभार करनेकी बात वह है कि क्या करना ठीक होगा। यदि भी स्मद्द सचमुच इमारी गाँगें मंजूर करना चाहते हों तो यहाँ खुली छवाई सहनेथे उनकी रिविट वियम होती है। यदि उनका विचार ऐसा व हो दी यहाँ कता बाग्योक्त

करमा क्षेत्र ही होगा।

विस्कृत निविचत सम्मति वे देना सरक नहीं 🛊 । सरमात्रहकी गीविके जनुसार [परिमान-के प्रति ] उदासीन पहा जा उकता है। किन्तु जहाँ दुर्वक भीर सबक सभी उपहुके सीम मौजूर हों बहाँ विचार करना जकता है। यह यह देवना है कि साँव ऐस्टिहिस साथि महानुमान न्या कहते हैं। यह पत्र छन्तेसे पहले ही यहाँ कार्रवाई सुरू कर दी बायेपी। स्वाब भारतका है। किन्तु मुझे तो सबता है कि सहाई बैधे-बैसे साने बढ़ती नायेंगी बैसे-बैसे सही यस्ता सुक्ता वारेगा। इस बीच सबको बीरव बीट साइवकी बकरत होनी बीट भारी इस सहत करने पहेंचे।

रूसके एक महापूरण कार्जट टॉल्स्टॉय हैं। जनकी मैंने इस सड़ाईके सम्बन्धमें और इससे सम्बन्धित सन्य निपर्योगर पत्र किसा था। उन्होंने उस पत्रका थो उत्तर दिया 🗈

उसका एक सन<del>ाको</del>र नीने देखा हैं<sup>1</sup>

मझे आपका बत्यन्त मनोरजङ पन मिला। यससे मझे वडी प्रसन्नता हुई है। सुदा हमारे हान्सवालवासी बाहवों और सावियोंकी नदद करे। वर्ष दिखके सोनों और

र मक्तूनर १५, देविष "काः कारियेक कारशीयो " इतं ४८६ । u देखिर "या शैल्योंपत्रो" इत ४४३५५५ ।

ट्रेंस्ट्रॉक्के इक्टाक्ट्युक्त कुळ कोशी क्लेड क्युक्तके किए पेकिए वरिवित १० ।

कई दिवक सोगीन बीप ऐसी सबाई — विद्यार्ग एक थोर परीवी और बारम्यक होते हैं और पूसरी बोर विभागन और सरीर-यक — यहाँ भी जामें पिन बारति पमनी पूर्ती है। वह सबाई मुख्यत तब होती है जब पहींके बोध कीयी नौकरी करनेते रनकार करते हैं। यह कबाई बुदाई कामून बीर इनदानी कानूमके बीच है। स्पक्ते कोग रिश्म प्रतिश्व कीयी गौकरी करनेते दमकार करते बाते हैं।

मैं अपनको अपना भाई मानवा हूँ और आपसे सम्पर्क होनेपर मुझे बहुव प्रसम्बद्ध है।

इन महापुरमधी आयू बानी बास्ती वर्ष है। यूपोपर्स तो उनके समान पवित्र और वार्तासा पुष्प हुच्या दिकार नहीं देता। वे फीनमें पहे हैं उन्होंने मार्बोके रूपर हुन्य कालाय है कावांकी सम्मित्तक प्रपास किया है बार बहुत सुझ देवा है। उनन्मीत स्वेतक काला प्रदेश में हुन्य महा है। उनन्मीत स्वेतक काला प्रदेश में हुन्य नहीं है। किया के इस समय अन्यात के कालावारी कान्तानंका पूर्व विरोध करते हैं और बुस्पोंको तरह एउंदे हैं। वे बुद्ध स्वयंक स्वातावारी कान्तानंका पूर्व विरोध करते हैं। वे बार बुद्ध स्वयंक मी उनका निरोध करते हैं। वे बार के हैं। वे बार के किया प्रधास करते हैं। उनकी हित्यों भी उनका प्रधास काला के वार के विराध करते हैं। उनकी हित्यों के वार देवा के वार के वा

[गुजरातीसे]

इंडियन मीविनियम ११-११-१९ ९

३०९ पत्र 'सातम आफ्रिका'को'

्शिम्पन ६ १९ रके का

वस्तुवर १६ १९ ९६ पूर्व]

महोदय

सापके बोहानिस्तर्वार्धे संवादबाराजे थपनी साप्ताहिक विव्हरीयें जिसे जापने जपने जनवारके हमें क्षेत्रमें प्रकाशिक किया है, नावपनके मानवेसे सम्बन्धित सम्बन्धित क्षेत्र करते पेया करके हाम्बन्धके विदिश्य मार्थीक समावके मित्र वार्धि करात्र है। इसके ब्रिटिश्त वसने वपने पनमें यह नहीं कहा कि विदिश्त मार्थीमिक ब्रिटिश्तन भी बहुत-के स्वामेंने निक्किन

१ मर "सारूप वारिका मिर मूच-सुवार" वीर्विते क्या वा । शरीव साव वर करीता वी क्या वा, मिरुका कर वीरी-मिर दिया वा। विकिर विशिक्ष 8 ।

कमिस्तरक' सामने पेस किये गये प्रमाणींको पढ़ा है कमिस्तरकी बाँबके निष्कर्वीको सस्तीकार किया है। और भी बेस्सनने "जिल्होंने जॉजर्मे ब्रिटिश भारतीयॉका प्रतिनिधित्व किया वा ट्रान्सवाक्षक असवारोंमें तीन कासमका एक पत्र कपवाकर बाँचक निष्कवाँकी कमबोरी बताई है। उनके उस पत्रका उत्तर अमीतक नहीं विमा गया है। और जाबिर मेजर विकासके निष्कर्ष

है क्या ? मृत व्यक्तिके पास को कम्बस के या नहीं इस प्रधनके सम्बन्धमें तो सन्होंने कोई निर्णय बिया ही नहीं । चन्होंने यह स्वीकार किया है कि यत व्यक्तिको शावस नहीं विया जाता ना । मापके संवादराताने यह कहकर बड़ी छवारता प्रकट की है कि यदि नावस नहीं दिया वादा या दो पानी तो निस्थय ही दिया चाता वा और वह भी काफी ! क्षेक्षित मेरे देशवासी यह मानते हैं कि पानी काफी दिया जानेपर मी वह जावसका स्थान नहीं के सकता। कमिश्नरने

वह निष्कर्य भी पहीं निकास है कि बेचाए नायपन जैसा बापके संबाददावाने कहा है बोक्स विविक्त स्वस्य वा। कोई सामारण व्यक्ति भी और गैरा हो खमाल है कि कोई विकित्सक भी यह मानेवा कि यदि कोई अन्य बात न हो तो बांधिक मद्धारी और अपर्याप्त बस्य ही ट्रान्सवाकके इस केंचे पठारकी इस कड़ी सबीमें निमोनियाको बग्म देनेके किए काफी है जिससे यह बेचारा बनाकामक प्रतिरोधी बेससे सुटनेपर स दिनके मीतर ही मर गया। वाँ माँडफेका वास बेशक वही था। आपके सवादराताके इस कथनके बावजूद ट्रान्सवाडके और, वस्तुत समस्त दक्षिण

माफिलाके भारतीयों और कितने ही अन्य निकास यूरोपीयोंका यह समाल बना ही रहेवा कि नायपान कर्तव्यकी वेदीपर विक्र हो गया और उसकी सरवका समाव्य उन कोर्योकी कन्त चालाको सामता रहेगा जिलको अधीनतार्हे वह अपनी बैदकी सवा दाट छ। ना !

वरेबीसे ।

इडियन ओपिनियन १६--१ --१९ ९

- १. मेबर १९७० के. क्लिएन। क्लॉबे १९ **क्लाईडी, बीसा**ई रिकर मिशन बैगरेक गामरेडी **ग्रा**णी बीसकी को : IN किस्तिकेमें को करावी भी जो जो काल्यी विकोर्ड १४०-४-१९ ९ के अधिकार अधिविकासमें दशी की सीर समिताने मिन्दर्ग १४-४-१९ ९ के लंदी।
- १ कोला का वेन्सन करा मेना शवा सकरोगता गीयों देखा हाक १४-७ १९ ९वे इंडियब जीविविवयमें हता था । १४ मामक्रकी क्योंने पुरस्तवाक कीवरको यह या निधा था, कियो बीदारिक्किक दुध अकरारी इस्स वर्षामार्के क्यिको मैसकारीस स्रिक्त करोकी मानेक्सा को भी । यह या भी २१ ८-१९ ९ के इंडिक्न ओपिनियनमें क्रांश गना था।
- श्री विश्वित्ता चेंडके लागनन्ती मंतिय नीगरींक छात्र क्षेत्री विश्वित्तक में 1 क्योंने साथों का À देशों बर्ग्यक्रमा मुश्राद में कुल कुल कार्य में कुल करते हैं। "

  कि कुल महिम्मार मूर्ग तर्फार कराएं में कर क्षित्र मुद्र कराई में हैं। "

  कि कुल महिम्मार में प्राप्त कराई में कर क्षित्र मुद्र कराई में हैं। "

  कि कुल महिम्मार में प्राप्त कराई में कि क्षित्र मुद्र कराई में हैं। "

  कि कुल महिम्मार में प्राप्त कराई में कि कि मिल्मार में क्षित मुद्र कराई में मिल्मार मिल्मार मिल्मार में मिल्मार में मिल्मार में मिल्मार मिलमार मिल्मार मिल्म
- बनक पर ६१-८ १९ ६ के इंडियम ऑफिसियममें मी बन्दा दिये गरे है ।

# ३१० पत्र मगमसाल गांघीको

[क्ष्पन] अञ्चल १८ १९ ९

प्रिय थी मगरसास

तुन्द्राच तत मावकी १५ तारीवका सिन्दा पोस्टकाई मिला। थी बडीके सम्मन्तमें महि तुम बागबात उनके बैनहाउबरके परेवर पुरस्त मिबसा से तो बहुद सम्बन्ध हो। कानबाद चिक्तीय मेंबे बाने चाहिए। मैं भी बडीको भी किन्द च्हा हूँ।

स्त्रेच्य

दाइए की हुई दरतारी अंग्रेगी प्रति (एन॰ एन॰ ५१३१) है।

३११ पत्र बद्रीको

[सम्दन्]

बस्तूबर १८ १९०९

विस महादय

लापके इसी ८ सारीमफे पक्षके सम्प्रमें निवेदन हैं कि ग्रेस लगाक वा लाग दर्वनमें होंगे इनिह्यू मैंने बनाकी रखीत इसी १२ सारीकको भी मननशाल गांगीको मेज दी दी लीत उनसे लगाये किया वा कि वे उनगर जागड़े हस्तावर के की। जब दीने उनहें मिन्न दिया है कि वे उने जारको जैन वें। जागबी टीक सरहेंगे नहीं हुई रगीद मिन्नी ही मैं आपफ निवेदनके लगुनार एकम किर जना कर बुंता।

जापरा विस्तरन

थी क्यी भारत मुरदीन महीर इतहाजबार

दाइर की हुई बरारी अंग्रेगी प्रति (एम एन ५११३) से।

रं नुब भोगोपी को छल् हैं काछ नहें होता लागी मानुदील । यह राज्य कर दरण है ह २. दिवर माना बीर्रेड ।

## ३१२ पत्र उपनिवेश-उपमध्त्रीकी

सम्बन अक्तवरे १९ १९ ९

महोदय

युत्ते भाषका इसी १५ वारीखका पत्र' प्राप्त करनेका सीमाम्य मिस्रा।

इस पत्रने मुझे जीर मेरे सामीको नड़ी मनिश्चित जनस्वामें बाल दिया है। पिछने महीनेकी १६ दारीसको भी द्वाबी हवीब और मैं जब कॉर्ड क से मिले में दब उन्होंने इमापूर्वक इससे कहा वा कि मैंने को प्रस्तान रखा है उसे वे उचित मानते हैं और संबंधिक किए स्मदसके सामने पेछ करेंने। बिस पत्रका वह उत्तर है उसमें बह नहीं बतामा बमा है कि वह प्रस्ताव की स्मट्सके सामने रखा गया या नहीं और खमर रखा गया था तो उसके बारेने जन्होंने क्या फैसका किया है। बहुरिक बनता [के सामने मामका रखने] का सन्वन्ध है हमने विस्कुत हुळ नहीं किया है और बदरक मेरे रखें प्रस्तावके भाषारपर बावचीत चलती है तबवक यह एस बनाये रखना इस सपना कर्तच्य समक्षेत्रे ताकि बाव चीरको हाति न पहुँचे। मुझे इसमें कोई सन्देह नहीं है कि कॉर्ड महोत्रय हुगारे इस स्वकी समझेंगे। टान्सवाक्रके ब्रिटिस भारतीय बढ़त दिनोसे की आरी तककी में सह रहे हैं उनका अन्त तभी हो चकता है जब मेरे प्रस्ताबके अनुचार पढ़े-किके ब्रिटिच मारदीमोंका वैद्यान्तिक अपिकार मुर्राक्षत कर दिया चाये। तथा श्री स्मर्ट्य द्वाल्यक्तको मनियाकि धामने और ट्रान्यवाल-धंयरमें अपने चढी मूक प्रस्तावको रखना चाहते हैं को उन्होंने सहिंचे सिम्म आर्थिकाको रवाना होते वक्त रखा वा? अपर ऐसी बात है शव दी हम धावर निवेदन करते हैं कि वहाँतक ब्रिटिस भारतीयोंका सम्बन्ध है उन्हें निष्टिमनताको नीविसे कोई बाम न होगा । मुसे विश्वास है कॉर्ड महोदय इस बावसे सहमत होंगे कि हमें बातबीयके सम्बन्धमें निरिश्वत स्थिति मासूस होती चाहिए, ताकि हम उसको ध्यानमे रखकर बपना स्मवहार निरयत करें और, जड़ीतक यह हमारे-जवकी बात है इस बातजीतमें सहामक हों। इससिए स्वा मै नापसे बादबीटके बारेमें जन्मी ही ज्यादा पूरी जानकारी देनेकी प्रार्थना कर सकता है ?

में बह भी कह दें कि बोहानिसवर्गेस एक तार निस्ता है जिसमें कहा गया है कि भी स्मटसने एक संबादबातासे कहा है, वे अर्थ जांध क के प्रशासी प्रतीका कर ऐहे हैं और

र मह गाँगीनीके ८ अस्तुवरके पत्ने। क्यर-काकर वा । स्तर्ने किया पा

क्स विमानके क्सी ४ ठारीको। १९में शुक्ताको: मिक्रिस मास्टीलेक मक्से सम्मानक कामूनके समामित क्षानुबन्धे कारी किन प्रकारीका स्त्रीत विकास कर है, के की स्वाहने असार है। के स्वाहन करोंने करेंने रहाना होंनेने सुके एके ये । वे मताल के नहीं हैं भी भारते सिक्के महीनती १६ तारीक्षणी प्रकारकार स्के ने ।

<sup>&</sup>quot; सहे वह भी बहुबा है कि वह निराद्ध सम्मन्त्रों नान्हीं न्या करने बठाना है, वह अब ही नामी ही तर करोबर है । केदिय, सभी सते की कब करों है कि भए की रसरा बरकामा बारते है, बरकर मी स्वरत्ये स्टार्लीक ग्रीते ग्राम्पोक सरकार चौर शुरसाक-संस्थे कार का कर कोगा सर पान्य सामा स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप सन्दर्भ हो जार का भी सीच केंद्रे कि चारे कार्रवाई करतेले करने का मानांनी सरकारकी बीतियों बोनना होने एक क्य रहता स्वा क्यारा क्षणा व दीरा ।"

मह उत्तर मिक्तनपर ही वे इस अस्तपर सपनं प्रस्तावीके साम्बन्धमें कोई सार्वजनिक वस्ताम वेरो। जबतक हमें यह न माक्स हो कि कोई महोचयाने पिछले महीनेकी १६ तारीबकी मुख्तामाले बकर को कार्रवार्ध करनेकी बाद कही वी उसका तथा हुआ तबतक हमारे किए मह तम करना करने हो जाता है कि हम जब क्या स्पता बक्तावार करें।

> वापका भावि मो० क**० गां**षी

क्सोनियम ऑफ्रिंस रेकर्सस २९१/१४२, बौर टाइप की हुई इस्तरी मंग्रेसी प्रतिकी फोरो-नक्का (एस एन ५१३६) से थी।

## ३१३ पत्र लॉड ऍस्टहिलको

[सन्दर्ग] सस्त्रदर १६-१९-९

कॉर्ड मझीरय

सापके इसी १८ सारीकके पत्रके किए बीर सापकी बहुत ही कृपापूर्व और अच्छी ससाहके किए बहुत-बहुत कन्यवाह।

सब मैंने एक पत्र कोर्न कू को मेता है। उसकी नक्ष्म इस पत्रके साथ मेत रहा हैं। मेरा कराक है कि इसमें आपके पत्रके सारे महे आ को है। आशा है इसे आप पसन्द करेंते।

आपका आहि

टाइए की हाँ व्यक्ती अदिजी प्रति (एस एम ५१६७) है।

र बस्ते १८ क्यूनरों कमें में हैं रॉस्ट्रीको किया था "वेक्स पर बादा हो में ही कि कार्किस क्रयोंकर भारती हुए तकर प्रतेश परित्य है कारती पर कारती है कि कार्किस क्रयोंकर भारती हुए तकर प्रतेश केरिय हों है किएता है है किएता क्रया है कि कार्किस किए कोई करन करना है था कार्किस किए कोई करन करना है या कार्किस किए कोई करन करना है या कर करना है या कार्किस किए कोई करन करना है या कर वा कि कर ना सिक्स करना है या कर करना है या कर वा सिक्स करना किए कार्किस करना करना है या करना करना है या वा करना है या वा करना है यहने से करना है या वा करना है या वा करना है या वा करना है या वा करना से करना से करना है या वा करना है या वा करना है या वा करना है क

a. What Room affels o

[जनपुषर २ १९ ९के पूर्व]

## <u> पेटासका शिष्टमण्डस</u>

क्तिवहाल ठो मुझे इस सिप्टतवक्तको क्षिए यहाँ कोई काम दिलाई नहीं देता। भी जांगरिया और भी हानी हशीब तुक्क समयके किए पेरिस चस्ने तमे हैं। उनके एक-यो रिर्गे-में बायस मा कानेकी काला है।

## अधी इमाम

भी बकी इसाम यहाँके सभी भारतीयोंने बराबर मिकसे-युक्ते रहते हैं। उन्होंने बान भारती रवानगीस पहले बहुत-से भारतीयोंको चायके किए निमन्तित किया था। इसमें कार्म भारतीय बापे थे। भी बकी इसाम २ तारीकको भारतको रवाना हुँचि। उन्होंने बाग किया है कि बहाँ पहुँचकर हमारे काममें पूरी सहायता सेंथे। उनको पटनामें सरकारी बक्तीकार पर दिया गया है।

#### क्रियांके मताविकारके क्षिए भान्नोखन करमेवाछी महिसाओंकी पीरता

मवाधिकार माँगनेवाकी शिवाँ— उद्योत्य — के विषक्ष में उस्तीये किस कुछ हूँ बीर उस्तीये क्षेत्र कुछ हूँ क्योंकि के सरीर-वक्का उपयोग कर रही हैं। केकिन के सी बीरता विसारी है और जो कर उहुए करती है उसके किए तो हमें उनके दानारे विर कुछना ही उसका। उनमें के कुछ कहुत सुद्धार दिवसी हान ही में गिरफ्तार की नई थी। उन्हें जेककी छवा थी गई। उन्होंने नहीं जाना खानेये विस्कृत शर्कार कर दिया सर्वाच्य उनमें से वो कमनीर थी उनको से-बार दिन मुखा खाकर कोड़ दिया पया। माफी बनी बेचमें है और खाना चानेये इनकार कर पढ़ी है। इव कारण उनको मफेमें नकी वाकर बयरदारी खाना विकास। जा खा है।

इन रिन्दर्गने ऐसा आर्थक फैंका दिना है कि मन्त्रिमण्यकका कोई भी सदस्य सनावों में सारिपुत्रबंत मान नहीं के सकता। वे बहीं नी बाते हैं इन दिन्दर्गिकों गुण्यकर सनके पीकें पढ़ी प्रमुख्य है और सनको हैएन कथा है। येनपुर पत्रचार्यकों वर्षा तक कथती हैं। इन सुदर्श-भर दिन्दर्गित ऐसा अर्थक फैंका पत्रा है सानों कोई नहीं कहा है एक पदी हो।

पुर्व निर्माण क्षेत्रक फैका एका है मानों कोई नहीं सहाई चक्र पही हो। सी कोवड कोई मनिनायकके प्रस्ता है। म्यू वैदिसमें कफ्की एक एमा थी। केकिन स्वाचिकारका बालोकन करनेवाकी क्षित्रवींका इतना कर वा कि जहाँ बहुत इत्तवाम करवाना पदा। इस एम्प्लमों टाइम्स में किका है

भी कांबब कोर्बाबी समार्गे कोहेकी मजबूत कई पुक्रियक्ते बृहदावार रिपारी बीर कोर्पिक बक शिक्षाई देते के। कुछ ही दिन पहुंछ रिक्ति रेदी की कि इस त्याकी समार्थों लोग दिना टिक्ट का एकते के। सारिल-एसाके सिए पुक्तिक एक या वो रिपारी होगा कार्यों हो बादा का। किन्तु मधाविकार मौतनेवाली रिकारी यह सब रिक्ति बदक की है। कब समिवपण्यक्ते किसी स्थवस्यको सावक वेना होता दै तब स्थानीय पुलिस अधिवानियोंको सब मुख्य सार्थ बन्द कर देने पहुते है और सामदामके शहरोंने पुलिसके बहुन-म पैडल और सुहस्त्रवार विपाही बुकाने पहुते ह । यो लोग मनामें जाता बाहुत है, उन्हें समाकी जबाहत एक-रो गसी पहुके ही सपने टिकट हिरगाने पहुते है। बरामें वे तम मिल्मोंने होकर हैं। सक्ष्मोंने पहुके हैं। यहाँ जानेवालीय अबर दिसीपर राफ हो जाये हा जे अपना नाम-आम भी अञ्चान पहुता है। इस सब स्थानामने बहुत पैसा नार्च होता है।

ऐसा जार ये फिज्यों दिया पही है। ये बही-यर इस सेमेफ किए भी नहीं दिशी। उनका विरोध कालों दिया करती हैं। ये जहाँ उनके विरोधका इतना ही उत्तर देवी है बार बरना हिन नहीं क्षमती। इस बापने फिए कड़ेंगी। बार मदद न करें तो हुमें किक नहीं है। इसने बार बरना हिन नहीं क्षमती। इस बापने फिए कड़ेंगी। बार मदद न करें तो हुमें किक नहीं है। इसने बारा उन्होंने सरकारका इस बाएपकी निर्देश किनी है कि जार सरकार घोषा क्लियोंने स्माविकार के दे तो जी दिवसी नेतने हैं वे उपकर किसे दिना सपनी जारों पूनत बेंगी। वे बारत किए सताविकार भी न सार्थित। उनका स्वार्थ नहीं है यह तो स्माव है। सारवीर हो पन जाम कीर कोग किना कर करती है वह उसने करती है। इस पूनियाम विवार करते हैं। यह उसने हैं हि। इस पूनियाम विवार करते हैं। इस पूनियाम विवार करते हैं हि। उन्हें कलाम बराई है। उसने करती पार उपनों होती। पहीं कोन घरीर-कला बर बारे हैं है। उन्हें कलाम बराई हो तथा करते हैं। होती कि हमी सारविकार का लेगी किना के सारविकार कोग लेगी किना करते हैं। इसने करती हो हा सारविकार के सारविकार को लेगी किना के सारविकार को लेगी किना के सारविकार को लेगी किना के सारविकार करने कि सारविकार के सारविकार के सारविकार के सारविकार करने करना है। इसने का सारविकार करने हैं है। इसने का सारविकार करने हैं हमा सारविकार के सारविकार के

#### चीटके बरसे चीट

मैंने बायांकि मुजराती। नामक पत्रमें दो अपयान सुम्बर वादिनार्थं गृहि हुन्छ अ एवमें रचित्रे अनुवान ही सामाबद्दी नववीर सीच हो है। यह बादिना इन हुन्छ है

जबनर बीएक नहीं जलना गबनक पंतान कहीं किरकर जलेगा। हमें जनानेका प्रयान कालने बहुते गुरुष्टे जकना पहेचा! पुरसरे और इसमें बीच व्यंत्र और जीवना भावत्व है पुर जवनर करत इसमें कर है ज तवनर इसे चेन के कर्म

रे मूच ग्रामाओं करिया तम तमान है। की रीमो म ज्यां हारी वर्षनी क्यां वही बज्ये हैं

वर्षनी कर्त वडी वस्त्री हैं इम्हेंज कारना बाड़ी जनम कर्ज़ दुने करते ह HAN HAY ATE ... HAY B COYER H HOY' AT SHAP ... HE WE ST MAN मैं पुरहारा प्रेमी हो जया
उनसे तुम मेरे प्रेमपाव कम गये
भैमें पुरहें को सह माम दिया है
नह मेरे साथ हो मिट्या।
तुम जान यह मान करते हो
और बॉर्स टरेक्टर मुकरते हो
परस्तु तुम्हारे से तीर मुझे वायक म करके
वारण तुम्हारे करर मुक कार्यो।
यह निरवस वास को कि से हूँ
हो तुम हो में नहीं है तो तुम भी नहीं हो।

\*

भीन म हो तो मुझ कहांते होगा?
तन फल फियपर फलेगा?
मनतक प्रना है तनतक राना है,
प्रना नहीं है तो राना भी नहीं है।
मह प्रनाके निना राज्य स्था जेवल
और पत्थरपर करेगा?
मेरे अस्तितकमें दुनहारा मिताल जनीय संगेर पुना है।
प्रवार ने स्वार करेगे हुए भीट
तम्बर होंगे पुना है।
तम्बर संगेर पुना है।

–विवास

> हमें बाइक क्या तारा क्यारे लाद की बाइक, क्यो से नाम लाइजें के कमारी ताम में क्यो । करी की काम ना क्यारे करो की काम केंचिन, क्यारी तीर व शार्क — हमो दिन तम क्या क्या । क्यो ती हो, हमें क्यों ।— मार्ग ती हो, हमें क्यों ।— मार्ग ती हमारों विकास

न्हीं से बोल क्यां में दूस है इस क्षेत्रेश कर कम्प्रेड़े क्या के जो इसी एका; प्रवा क्षित एका हूं बेला क्यों क्या कर क्येड़े इसरी इस्त्रीची इस्त्री स्वी रूप वाल क्यां वाल क्यों एवं वाल क्यां वाल क्यों एवं वाल क्यां वाल होग] थोड़े होते हैं तो उनको कैसमें एका चाता है केकिन उसमें भी राजा ही जाजी [राठा है। जेक जानेवाले सरमाधिकाँकी जाएनाएँ काम करती ही एड्टी है और अन्तर्म हिस्से कोग भी वैसे ही विरोध करती हैं। उक्त कविष्याकी सभी पंक्तियों विचार करने कासक हैं।

### ' हमाची फकीची"

हमारी फकीरी "धीर्षक हुवारी कविता" भी पूर्व असवारमें पढ़ी । यह भी दिकासम है हमकिए हसकी भी नीचे बेठा हैं

हमने अपनी [मानु] मुमिक किए यह फकीरों की हैं हमने भारतके किए यह हमने भारतके किए यह हमने मुस्तियोंकी दूबा छोड़ दी हैं क्रिय दुरुक्त एक्स बात हैं। हम उसने कब भारतकी आधिर यह कीमती सोबी के की है। हमने बेबहुवाँ और कमांवायोंकी यब वायोंकी मुका दिया है। हमने मबुद मुखोंको त्याकर यह कब्रवा कहर दिया है। हमने मबुद मुखोंको त्याकर यह कब्रवा कहर दिया है। हमने बेबहु प्रतांकी त्याकर यह कब्रवा कहर दिया है। हमें इंप्यरकी परवाह गहीं है हमें आपकरी परवाह है। हमारी गय-नाजों बहुत देव गया जा नवा है। वैख तुम उसको दूर करनेके किए समों बाते हो? तुमको को सुक बौर सुविधाओंकी बायत पड़ गयी है किन्दु हमें बफासार पहनेकी नूटी वायत है। हमार यह निश्चन ही तरहकी है हमार यह निश्चन है।

- वृत्तवृत

र मूच ग्रम्ताती वनिता का अन्तर है

लंगे कीयी काठीरी का लगारी एवंकी कांग्री लगारी एक्की पूरी लगारा दिक्की कांग्रे। प्रोत्तेच्या दीनी डीजी किसानी एक्कार्ड डीजी कांग्री करती होते कोंग्री कींग्री करती होते कोंग्री। किस्सा हास्तिकोंग्रा डी क्लाने पुर हो कींग्री क्लान हास लगीये बहुक्त हाले नेते केंग्रेज कांग्री कर पुरतानीये केंग्रेज कांग्री कर पुरतानीये

हुत्तमी सम्प्रत कर्मने कर्माने दिल्ली रहता । क्योंने ही क्षेत्रकार्म पुरी कही को क्यान्यों, कर्मोंने का करा । क्योंने का करा । क्योंने का कर्मा क्यारी के पुरी काहत क्यारी काहता । क्यारी के पुरी काहता क्यारी काहता । क्यारी के पुरी काहता क्यारी काहता । क्यारी काहता । क्यारी काहता । क्यारी काहता । 344

यह रुपिता उतनी अच्छी तो नहीं है, बितनी पहची रुपिता है फिर मी इसम विश्वा-बच्चा है बच्चोंडी रफ्ता भी अच्छी है। इस हमिताली धावमा उत्तवाहीपर सामू होती है। इस मानना — इस जर्की — के बिना अस्पासही होना कठिन है। सारकी देवारे बिए सब्बद पूनी रमानी है। तभी इस एस कर्जको चुका वकेंत्रे को हमने प्रारतमें बम्म केंद्र समये अगर चड़ा सिमा है। बहा यह गम्मीर जावाब हमारे हुदमछे निकरेमी कि हमाप बीनम मारके सिए हैं, तभी शैषर हमारी प्रार्थना पुनेशा वह हुदमको देवनेवास है। समस्ति बोबा गर्वी का सकता। यह केंद्र तो उत्तर्शक हो। इसमें नटक काम नहीं है।

भारतकी भावाएँ

[भूकरातीचे] इंडियन मोचिनियन, १३→११—१९ ९

**११५ पत्र एन० एम० क्परको** 

[क्लन]

नियाची अपर

बस्तूबर २१ १९ ६

स्था बाप यो बोलको पुरतक इस प्रकार भेज देनेकी कृपा करेंते २४ प्रतियों बॉक्टर मेहता १४ मुगल स्पेट, रेषून कारतको २५ प्रतियों मेसवे गरेवन ऐंड कम्पनी पुरतक विकेशा महास भारतको।

२५ प्रतियाँ मैनेकर, इस्टरलेशनक प्रिटिय प्रेश वर्षन मेटाक दक्षिण वास्तिका (बाकका पदा बाँक्स १८२, वर्षन मेटाक) को।

आपका विस्वस्त

भी एन एम कूपर, १५४ हाई रोड इसकोर्ड इसेक्स

टाइप की हुई इक्टपी अंग्रेगी मित (एस एन ५१४) ने।

# ३१६ पत्र लॉर्डकुके मिकी सचिवको

[सम्बन] शस्तुबर २२ १९ ९

महोदम

नीचेका तार चोड्रानिसवर्यसे मगी-अमी मिसा है

मस्यात सहित इंक्लीस चिरफ्तार। शम्बी तीन मासके लिए जेल मेंबे गये। सीरावजी बोद्धी नेडको निर्वासन-भागा।

भी बस्तात मुस्कमान और डिटिश भारतीय संच (डिटिश इंडियन क्सोसिएसन)के वपाम्मक है और सब तीवरी बार चेल पने हैं। भी चन्नी तमिल तमानके मेता कनी शामद है और अब पांचवीं का छठी बार जेल वये हैं। जो तीन पूसरे व्यक्ति निर्मातिष्ठ किये गये हैं उनमें में एक पारशी और दो दिन्दू हैं। वे सब सुसस्कृत और सुदिक्षित विटिम मारतीय है। उनमें से दोने जल-विद्योतके समय बनाये वसे बीकीशहक दसमें सार्वेटकी है स्वित्त से काम किया जा।

> भापका बाहि मो० क० गांधी

ककोनियम कॉफ़िस रेकर्न्स २९१/१४२ और टाइप की हुई बस्तरी मंद्रेजी प्रतिकी फीटो-नक्क (एस एन ५१४१) से।

३१७ पत्रः एष० एस० एस० पोलकको

[ सन्दन

बक्दबरं २२, १९ ९

निय डेमरी

इस इस्ते में विस्तारके साथ नहीं सिर्जुगा। आप विशिन्त पत्रोंकी प्रतिकिपियों देखेंने जिनसे प्रकट हो काला है कि मुझे क्षत भी प्रतीका करनी है।

बन्ते इस्ते भीमठी रिचका दूसरा मारी बॉपरेसन होगा। रिच बद यहाँ सम्प्रम बम ही गर्ने हैं सम्भवत सर्ववके किए।

भी कोककी पुस्तक अन भी नहीं मिल सकती। वेचारे कृतर समझ नहीं पा रहे है कि क्या करें। जनके मुहकी जेसमें हैं इसकिए अनकी पाली बपने बाहेको पूरा मही

कर सकी है। मेरा खवाल है कि अनले हुन्तेमें पुस्तक जकर निक जायेगी।

र सन्दर्भनद्गेत देविक सम्ब ५, इस ३८०-८३ । **८ देशिय "शम्दर" प्राप्त् ५** ।

YYY सम्बूच गांची बादमब

मैं बापको टॉस्स्टॉयकी एक पुरितका श्रेण रहा हैं। इसे बाप पहें। मेरा लगाम है यह बहुत सच्छी है।

मी मन्द्रम कादिर कम दक्षिण वाधिकाको रवाना ही रहे है। इस्टिस् अब यहाँ

केवक थी जांगतिया और भी हात्री इत्रीव रह आयेंथे।

में इतके साथ भी फेल्पका पत्र और भी कजबस्टके माम किया एका एक पत्रक (पैम्फ्लेट) धेज एक हैं।

टाइप की हुई दफ्त छै अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-नकल (एए एन ५१४४) से।

## ३१८ शिप्टमण्डसकी यात्रा [-१७]

[सस्तुबर २२, १९ ९]

मैं ता बक नया हैं। मुझे भगता है कि पाठक भी अनिधित्रत सकरोंने बक परे होते। अभी साँवं कू के पाससे निविधत सबर नहीं मिली है इससिए पन-स्वनहार नाएँ है। बबतक के हमें साफ-साफ बबाब नहीं के बेते तबतक सोबोंको कोई बात म बताना है।

ठीक छनता है। साँडे ऍस्टहिस्टने भी बही समाह दी है।

अभी बोहानिस्वर्वसे ठार मिला है कि वहाँ इक्कीस क्षेत्रॉपर मुक्रदमा क्लामा नया या और उन सबीको तीन-तीन महीनेकी जेल दे दी वई है। इन कोनोंने भी बस्बात और भागी नागरू भी है। इसके जलाना भी सोधानती भी जोगी और भी मेडको देशनिकाला दिया गया है। मैं दल तब माद्योंको बचाई देता हैं और ईस्वरते प्रार्थना करता हैं कि बह धनको पूरा वस दे। नेरी नवरमें बही [वक] सक्या विष्टमध्यक है। इसमें [सफ्सराफी] चावी है। जब मुझे भी मस्वात बीट भी सीरावजीकी शहतका खमाक आता है तब मैं कुछ कौंग भी जाता हैं। किर भी में भागता है कि सेहत साधन हो या अच्छी जेड माना

ही ठीक है इसकिए में तुरुत भीरव बाँव नेता हैं। इस चमन मेरी गड़ी इच्छा है कि थी बाउब मुहम्मदको ट्रान्सवाडमें प्रवेस करते हुए देखें। तनीयत अच्छी हो या अध्यय सैनिक प्रसके किए ठहर नहीं सकता। मेरा निस्नास है कि त्रवीयत कराव हो तो भी देशकी खातिर जेंक घोषना हमारा करांच्य है। मेरा खबाछ है कि भी बाजब मुहम्मवपर बहुत-थे भारतीय स्नेहबस तबीयत जन्मी ही मानेपर ही मैदानमें बानेके किए दवाब बाक रहे है। मेरी उनसे दिनती है कि वे ऐसी सलाह न मार्ने । जो ऐसी सलाह देते हैं बनसे जी प्रार्थना है कि ने जीमके मलेकी चार्षिए मी दाउद मुहम्मदको एक वहीके किए भी न रोकें। यहाँ [अधाविकारके लिए] कहमेवाकी स्त्रियों बुधी मेहतकी परवाह म करके जेक बाती है। इतना ही नहीं वे जेकमें बाकर विस्कुल चाना नहीं चातीं। अवादीं पढ़ना दो सिर इचेकीपर एक लेना है। इसकिए सबसे मेरा मान निवेदन है कि वे भी बाजद मुहामादको न रोकें वरिक वैसे पहले हवार्धे

कार मधिकाक वीपीकी

कोप उनको विवाह देलके सिए निक्स ये वैसे ही विवाह देलेके सिए निक्सें और उनको टान्सवाक मेज वैं।

[ननसरीसे ]

इंडियल सोपिनियल २ -११-१९०९

# ३१९ पत्र मणिसास गांधीको

सन्दर्ग

Y14

बस्तवर २२, १९ ९]

ৰি মলিকাত

तुम्हारा पत्र मिला। मैं देखता हुँ कि तुम फिर अपनी पहाईकी चिन्तामें पढ़ गये हो। बात यही है न कि जब कोई पूछता है कि तुम किस दर्जी हो तो धुम बबाब नहीं है सकते ? अब कहना बायुके दर्वेमें हैं।" तुन्हें पहनेका खपाल स्मौं माता खता है? कमानेके सवास्थे वाता है तो वह ठीक नहीं है, क्योंकि, ईस्वर दाना-पानी तो समीको देता है। तम मजदूरी करके भी पेट घर सकते हो। फिर हम दो फीनिक्समें या और कड़ी ऐसे ही काममें गरना है। तब कमानेकी बात ही क्या रही ? सबर तुम्हें देखकी काठिर पढ़ना हो ठो नैसा तुम अब भी कर यह हो। अपर तुम्हें सारमज्ञान प्राप्त करनके किए पढ़ना हो दो दुन्हें सच्छा बनना सीचना चाहिए। दुम बच्छे हो यह दो समी कहते है। बद पढ़ गई न्यादा काम करनेके समावते पढ़नेकी बात । उसके किए उताबती अरनेकी बकरत नहीं है। फीनिक्समें को हो सके वह करो। बाये फिर विचार कर सेंगे। बयर तुम्हें यह निस्तास हो कि मुझे तुन्हारी विक्ता रहती है दो तुम विन्ता करना छोड़ देता। तमने डॉ॰ नानबीको ठीक उत्तर है बिवा।

वमावा क्या किई

यही चाहता हूँ कि तुम निर्मय होकर रही और मेरे क्रपर अरोबा रही।

मोहनदासके बासीवरि

मांबीजीके स्वाक्षरीमें मूल मुकरावी प्रति (सी बस्य ९१) से। धीवन्य मधीकावेन गांधी।

[बस्तूबर २६ १९ ९के पूर्व]

### नैटालका शिष्टमण्डल

थी सब्दुष्ठ काविर वडी बहानसे रकाना होनेवाके हैं विश्वश्च यह पत्र वासेगा। इसकिए वन केवक भी नांगक्रिया रह यथे हैं। वे भी हात्री हसीवके शाव पेरिसेट इंभीड नारस ता पत्रे हैं।

#### चकी इसाम

### छोटाबाब गरेल

भी छोटाबार्क ईस्मरकारू पारेख नहींके प्रवस मारतीय वैकने प्रवस सैनेजर हैं। इस् कैमडी स्थापना स्केपी कार्योक्तमंत्रे वाद की गई थी। इस्कों क्याबाटर होंगी मारतीयोंकी ही स्था है। भी पारेखने वैकनी गींव सबनुत कर वी है। इस ख्याकरें कीर स्वयंधी बारतीवनकों छटोजन वैनेके ख्यामधे उनकी विवाहित समय एक समारीह किया क्या था। भी पारेख सो वर्ष दक यही काम करनेके बाद अब बावलें था रहे हैं। समारीहर्त प्रवाहक करीड कोच गीवृद में। यह संवस्त्री बम्पस थे। चाप बाधिसे सबका स्टक्तार करनेके वाद सर संवस्त्रीन मारति दिसार स्वरूप करहीने बैकन्छ और भी सरीवार्की समझवारीका सक्लेख दिन्दार एक्से बाद उनको एक चौरीका टी-बैट सेट किया गया। भी पारेखने बामार सानते हुए कहा कि बैक्का स्वरुप्त प्रास्त्रमें नगा गड़ी है। जनको करने बनुमचसे ऐसा स्यास हुए सह की

बॉस्टर अनुस्त मनीव और भी शांतीने भी कुछ सन्य कहे।

१. मण्दर २३ की; देखिय "पत्रः यथ» पतः पत्र» दीव्यको "का४९४ ।

#### रिमती रिच

मुझे यह किसते हुए पुन्ध होता है कि श्रीमती रिचका रोग समीवक गया नहीं है। उनको फिर सोरिशम करणाना पढ़ेगा। इस बाएका सौंपरेखन कुछ सतरनाक होगा। सेनिन भीमती रिचमें हिम्मत सुन है। भी रिच तो सर्चके बोससे पिस ही गये हैं।

## स्मिपंकि जसाविकारके किए बान्सेछन करनेवाडी महिलाएँ

#### शरीर-मचनी समर्थेता

स्पेनमें फेरर नामका एक प्रकार व्यक्ति का। उसका काम कोमोंने सिखा-प्रकार करना वा। इसके मकामा वह ऐमन कैनोंकिक वर्गावकीम्बरीका बहुत वहा निरोधी था। वह जुर नास्त्रिक वा मौर राम्यवनाका छन्न था। ऐसा माल्य होता है कि तुक समय पूर्व स्थेनके एक प्रार्थ को विद्योह हुना था। उसको उसीने प्रकारमा था और उसका हुए था। इससे उसके क्रमर जीबी नदाकतमें गुक्तना चकाया गया और उसको सोखीस उद्धार देशको काम ही प्रदेश सप्त है। उनका करूना है कि फेरएसर कानुनके गुनाविक गुक्तमा नहीं चलाया यया और प्रसे है। उनका करूना है कि फेरएसर कानुनके गुनाविक गुक्तमा नहीं चलाया यया और प्रसे साम किया गया। विद्योहों सक्ता हाच वा। यह सिख नहीं हुना। बहुन के स्थानों से स्थाप करके स्थेन-सरकारको निका की यह। पेरिसके कुछ कोग सो इसने सरिख हो वसे वे कि कोई मारी कराम हो बानकी बार्सना सरस्य हा देश । एक सिपाड़ीकी सो आत से वक्ती प्रसे हिंदा

यहाँ भी प्रियारको एक बुके नैयानमें बहुत बड़ी समाकी गई वी। कोमीन स्थेनके हुताबायपर बाबा बोक विवा था। केकिन शुक्तिसका नियन्त्रण पर्याप्य वा इसिक्य हुता-भारती हमारत बच्च गई।

कुछ मूरोपीयोंका कहना है कि मूरोपके दूसरे देखोंके खोगोंको श्वेनके बान्चरिक मामलोंमें इस राष्ट्र बराक न देना चाहिए। बनको ऐसा करनेका एक नहीं है।

मुझे तो इससे यह बयाज होता है कि जब फ्रेरफे मार्ड-वेर उसके गोजीते उग्ना दिये बानेका बरका केना चाहते हैं। इससे जापती पूचा और वेर बहेगा। इस सम्म ऐसी बफ्नाह है कि कान स्टेंगके राजका यूक कर बेरे। ऐसा हो तो भी बया होगा? इससे किसीका काम तो होगा नहीं बीचता। इसमें की गार्टी कि फ्रेरर लूड राग्नीर-कार्य भोर देता बा। उसने अपने जाप वैचाने इसमें प्राप्त कारितकारी दिना सोके-विकार स्तारी मार्च में है। इसमें स्वायको बात तो है ही नहीं। वह "मारी सार्ट"—मही कहा जा जा है। अगर नहीं परिस्थित रही तो मूरोपर्स किसीका भी बीवन मुर्राध्य न रहेगा। आदबाह मीर बने अविकासी तो भाव भी सुर्राध्य नहीं है। वे भी तो सरीर-करें पूनारी है। स्पन्तिए विग-सिट-विन यह बीबी बढ़ेगी। कुछ मारतीय सारतमें भी रही स्वस्थ वर्षनाना पाहरे हैं। मुखे कारता है कि उन्हें फेररके उसाहरूपरे विका केती चाहिए।

[ युवराती हे ]

इंडियल बोपिनियत २ --११--१९ ९

#### ६२१ अन्बन

[बस्तूबर २४ १९ ९ के बाव]

#### विश्वपादश्रमी

इंग्लंडमें भारतीय मातियां बपने-बपने त्योहार महामें यह कुछ बारवमंत्री बात है। ठीक देखें तो इसमें बारवर्ष कुछ नहीं है खेकिन हम ऐसी होन बदरवामें पहुँच बने हैं कि हमें इस देखमें अपने त्योहारोजिंग मान नहीं एता। बदर्फक हमारी यह त्यादि है स्वयंक्त मह की कहा जा सकता है कि हम एक राष्ट्र होने योग्य है, बस्त दह सर सिन्तिक हिए सामित्र नित्या करे तो वह मी सिक्त न होना। हसमें तो स्थल्य हमारा ही होन है। स्सम्य स्वयंक्त वहता हमें तो वह मी सिक्त न होना। हसमें तो त्यादियां बपने-बपने त्योहार मानोन क्यों है।

स्स विधान पहुंच हो पारिक्षणी की है। वे पटेरीका लीकार कई बरसस मना खे हैं। मुक्तमान भी ईर मनाते हैं। वे बरससे हिन्तू अपने उत्तर मनाने को हैं। इन उत्तरीं से सभी विदिन्दी बोडा-बाह्य हिस्सा केती है। ऐसा ही होना चाहिए। इन सबको एक-इसरेके

स्वीवार्धेकी जानकारी रक्षण करूरी ही है।

दिनवायसमीके पिन' सही हिल्कुजीन एक मोज दिया था। उसमें यन टिकटर्स जामें थे। भी हिल्कु न में उन्हें [जाठिक-कमनें] निमनित्त दिया पत्रा था। बाकी जोताने ४ विकित प्रति टिक्टर दिनें में। मोजन बनानेवाले सजी भारतीय विकित्सा-बारम या कानुमने दिवार्षी थे और उन्होंने स्वेष्ण्यक खाना बनाया। उनसे एक भारतीय बहुत प्रतिभाषाओं या। बस्ति बहुत कट सहसर कानुनके जामजनका मनदार प्राप्त किया है। परोस्तेनाके भी बही बोद से। वह नहीं जहां था सकता कि सब व्यवस्था ठीक थी। निवित्त समस्ते प्रकृत विकस्य है। समा था। परोस्तेनाकोंकों भी परोस्तेशका काम ठीक-ठीक नहीं बाता था। किए मी नहीं

साम था इत बयाबंधे नहीं कहा था धकता है कि सन कान ठीक रुद्ध पूरा हो गया। इस समारोहमें थी होंगेन बाउरने खेलकी कई कविताएँ गरूर सुनाई। भी गांत्रीको बयाबंध्य हैया गता था। विजयतस्त्री एम एक्यके बुक्की मात्र विकादी है। जी मांत्रीके स्वरंगे भारत्य कहा कि ऐतिहासिक पुत्रपक्ष कथने एक्यनाजीको प्रयोक प्रात्तीय सम्मान है सक्ता है। तिस देशों भी एमकक गरीबे पुत्रप हो वसे हैं उस देसपर हिन्दुनों मुक्सानों सौर पारांध्यों—सनीको गर्म करना चाहिए। भी एमककानी महान मारांधित हो पसे हैं इस इप्टिस में प्रत्येक भारतियके किए माननीय है। हिलुझोंके किए यो ने देवणान्त्र हैं। स्वयं, एमक्यूबरी धीवादी क्रम्मणनी बीर मरावधी-विक्ष क्षेप्र मारावमें किर पैदा हों हो भारत ही सीझ एक मुनी देश क्षण आये। पहुके या यह याव रक्षण शाहिए कि एमक्कूबरीने देश सेवाके भीरण करनेले पूर्व देश कर्या क्षणवास मोगा। धीवातिने बहुत दुख सहत क्रिया और क्रमणक्षीने दत्तने साक्यक नींद त्याणी और बहुत्वर्षका पालन दिन्या। जब भारतीय ऐसा चीवन विद्यार्थने तक वे स्वयंत्र ही माने आयेंगे। इससे निम्न मार्थ अपनानेस भारत

भी हात्री हवीबने भारतके किए संयक्ष-कामना की। थी कट्टोपाम्पावने उनका समर्थन किया। भी रावरकरणे रामायवकी महानदापर बोबीका मापन विमा। उन्होंने सभी मारतीयोस इस बातपर विचार करनेका कनुरोध किया कि विवयमक्षपीसे पहुछे नवराविके बद (धेवे)

आते हैं। इस समारोडमें क्षममा सत्तर भारतीय उपस्थित थे।

#### *छाणायीचा मुक्त्रमा*

[गुजरातीते]

वॅक्टियम जीपिनियम २७-११-१९०९

३२२ पत्र लॉर्ड कृके निजी सचिवको

[समाप] अक्तुबर २६ १९ ९

महोरय

नीचेना दार जोड़ानिसनगेंसे बजी-बजी मिला है

प्रिटोरियाके मारतीर्योगर १८९९ के नगर-विनियमके खण्ड ३९के अनुतार नगरमें रहनेके बारोपमें पुरुषणा । पहली पेती एक नगर-वर्षी । सोरावती नेड बापस आये; कः बद्दीनोडी सजा ।

१. भर जारेंडी भूत ही बातों हैं। बनशत १४ मोदा था।

#### सम्बूची गांची नावस्य

ठारका पहणा हिस्सा बतावा है कि एक पुराना कानून को बिटिस साट्योमिक निक्क कभी कामू नहीं किना गया जब उन्हें प्रिटोरिया खहरते एक पूचक बरतीमें सबनेकी वृध्दिते पूजर्मित किया जा रहा है। विक्रका हिस्सा बतावा है कि भी सोरावजी और नेस निनके निविधित किये जानेकी सुचना मेरे बचने इसी २२ वारीजके पत्रमें दी भी का महीनेके किए कीम मेन दिये गये हैं। मेरा खयाक है भी सोरावजी जब पांचनी बार और भी नेत चीची बार कीम गये हैं।

वापका वादि

ककोनियस कॉफिल रेकर्यस २९१/१४२ और टाइप की हुई एक्टरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटी-नकक (एस एव ५१४५) है।

३२३ पत्र स्रॉडं कुके निक्की सचिवको

[सन्दर्ग] बस्तुबर २६ १९ ९

महोदव

¥

नीचेका तार सहाससे मिसा है

सदुरा तिलेक्डी, पाळपळोड्डा विवयस्थली, क्षेत्रम मळ्डीग्ट्रम, बेलारी, पेनूकीयाँ सामदार समारी। म्हास्त मुस्किम कीप दर्जनते क्रपर विका कीर्य क्रमेटियोंकी मी सवारी, उनमें ड्राम्सवासकी कार्यवाईकी नित्ता तस्वाम हास्तरेग मती अभीका जनरोज; सब काळ भारी नारासी।

चारमें जिस मर्तीका निक है वह नेटास्के लिए भारतीय मनबूरोंकी मर्ती है।

वापका आदि

मो॰ क॰ मांबी

कक्रोनियस अधिकार रेकर्सन २९१/१४२ और टाइप की हुई क्यूनरी संप्रेती प्रतिकी फोरो-नक्क (एस एग ५१४७) से।

३ देखिए "पा नोर्ट क्षेत्र विश्वी स्थितको "पुत्र ४९३ ।

 राख्य करार ४ नमन्दर्श हैएं कुर संपीनीको मानिक आर्थिको निका करा ना कि तर तैरकर राज्यक सरकारे तम कर-नवार कर रहा है। व्यक्तिक कर्माको राज्यक सरकारे संपीनोक करणांकी समझ्य स्तिने निवास की थी।

## सम्पता पा वर्षरता !

## बापानका तीर पीदा

स्वातीय बरावार्धेर्वे यह जबर छती है कि वारानक बीर पूरर मास्त्रिक हैंटो एक कीरियार्गेकी रिवास्तरकी मोतीक तारे गये कीरिया नामामके निकटका वेस है। विस्त प्रकार कोंग्रेब सिस और मारामें दायन करने हैं उदी प्रकार नामानी कीरियार्ग करते हैं। अप्रेजनिज जिदन संविकार माराज या निसमें हैं, जागानका उठना हैं। संविकार कीरियार्ग है। वापान कुछ कीरियाकी मनाईक किए यहाँ महीं गया है बनिक उत्तरी क्षांच्या वहीं हस्वतेश किया है कि कारिया दुनेस एक माना मार्ग है बनीर किए उत्तरी क्षांच्या कीरियार्ग कीर मार्ग पहुँची। यह कारियार्ग कीरों महिर पहुँची। यह कारियार्ग भोतीकों कुछ पत्रक नहीं बाया। कीरियार्ग कीर परिया प्रया था। किन्तु बगान दिनने एक बार स्वस्त्र नुरु वन किया है। कीरियार्ग कर्मी गहीं हरेगा। नहांचा नह

হ বে. ১-২৭১ হৈ ইনিবৰ ঐতিনিবদট লোগনাক লাগ মহাটিল ছবা খা হৈ চাৰ্যাইন ব কুমাই ধানী জনকাই ছিনিবন বিশ্বিনীই দিশ ও পাঁচল কাজাই হনকৈ কৰে। তবাঁ লাচত নহাঁ চোল কো খা।

ध. जिंड दिराम्पी देश (१८४१-१९ १); मामणी राज्योधिय और त्रुपरदा एम. १८८१ ग केबर ११ १ तक चर करन मणी प्रतः वे १९७५म कॅरियमी रैजिय्स कन्य स्थित दिने मने लॉर १९ ६ में सामणी विशे कॅरियम्ब मण्डा हुए। क्ला कॅरियमी नव वे व्यक्तिकी वासल ने कम्बी इस्प दर्द १।

4 3

ऐसा ही होता है। तककारवारी प्राय- तकवारसे ही मरता है भैसे तैराक प्राय कुकार मखा है। रिनास्वर बमानेवासेने साफ-साफ कहा कि कोरियामें बापानका शासन उससे पहन सही हुना इसकिए प्रसने ईटोको गारा है। कहा बाता है कि बापानने कोरियापर अपनी सत्ता बनानेके निए करीन १२, कोरियाइयाँका बन किया है। विशिक्ष नगता है कि गया वृधे बस्दु है और दूसरे देशपर हाच बाक्कर मुखसे बैठना समान नहीं है। हमारे कुछ नवसुकड़ मानते हैं कि [कुछ कोर्गोका] सून करके क्षेत्रेजोंको भारतसे निकासा था सकता है। हम सन्मन हो तो भी व्यक्तं है। जापानकी कुछ वार्ते प्रसंसनीय हैं, परन्तु जापानने जो परिचमी प्रवामोंको व्यवसाय है वह किसी भी प्रकार प्रशंसनीय सही माना जायेगा।

तब दिनेको बीर वर्धो माना? यह बात सक्तग है। ईटीमें बचपनसे ही स्वदेशांमियन पन स्टाला बार बया माना? यह बात स्वला है। ही जी बचरनते हैं रिस्तितिमाल मा। उनका बन्म १८४१ में हुआ वा। उन्होंने बनते होच सँगाला दमींडे वापानके उत्पानक स्वाल रखा। उन्होंने बहुत बीरता दिखाई। इस म्हार मुख्यें विगतने हिस्स कार्यें में यू हुआ वस्त्र में स्वाल कार्यें कार्यें कार्यें हैं यू प्रकार मुख्यें विगतने दिस्स कार्यें में दि सात-स्वरमामें — सर्वों वार्यें में वे पूर्व दक्ष थे। इस्तित्य वीर दो मोने सात्र में स्वाल कार्यें कार्यें में वार्यें में स्वाल कार्यें में प्रकार कार्यें में स्वाल कार्यें कार्यें कार्यें में स्वाल कार्यें स्वाल कार्यें में स्वाल कार्यें में स्वाल कार्यें में स्वाल कार्यों कार्यें कार्य कार्यें स्वाल कार्यों कार्यें कार्यें कार्यें कार्य कार्यों कार्यें कार्यें कार्यें कार्यें कार्यें कार्यें कार्यों कार्यें कार् मनीन करना अनिवार्व ही है। इससे सार यह निकस्त कि जो राष्ट्रका सम्बा हिराबांकी है नई तो वसे सत्वावहके रास्तेपर ही के बायेगा।

मारतकी बागुविषर एक गोरेके विचार

प्राप्तिक का कार्याक्षित विद्या के स्वरूप कि कार दिसके अर्थेच है। उनके सेमें को के चेक्टरात महिक जहान के सकत है। वे कार दिसके अर्थेच है। उनके सेमें को कार्यों कोना चानके पत्ते हैं। उनके सिक्सों की हो ही होते हैं। १८ पिठानार्क किस्सेट्रेंड सम्बन प्यूच में उन्होंने चाराकी चान्तिके सम्बन्धमें एक सेस किसा है। वह पत्ने सौर समझने सामक है। वेरा समझने सामक समझने सामक समझने सामक है। वेरा समझने सामक समझने समझने सामक समझने सामक समझने सामक समझने सामक समझने सामक समझने समझने सामक समझने सामक समझने सामक समझने सामक समझने समझने सामक समझने सामक समझने सामक समझने समझने सामक समझने सामक समझने समझने सामक समझने समझन बायम्ब बंचींका सार नीने देखा हैं।

। बंधोंका घार गीन बैद्या हैं। प्राप्तके विध्य काराज्यको नात करनेताने घारतीय पुत्रक जब वह बाद करते हैं तब मूने देश माहित होता है कि वे वो महते हैं वसे समते नहीं हैं। वो स्वराग्य मांगते हैं के बच्चे कोग हैं वह मैं स्वीकार करता हैं। देशमंगते प्रेरित प्राप्त धमी नीय बच्चे होते हैं। इनारे अध्यर प्राप्त बनाती और अस्पापी होते हैं पहार्थ मूने क्यें हैं नहीं है। ऐसे कफार प्राप्त अभागी और अस्पापी होते ही है परम्य जब में स्वराप्त मांगिन कारा हैं जब में स्वराप्त मांगिन कारायों के बच्चारों को बीर जमके विचारोंके वेसता हैं जब में उन माता है और मूने उनके धम्मक्तों धमेत कारायों है। वारायों के स्वराप्त मांगिन में भोनुक मांगते हैं बहु न प्राप्तीय है और न स्वराप्त ही है। वे इन्हें रेखेलकी और ऐसी ही हतती वारों करते हैं। यिन हे हते स्वराप्त विचारों मांगि कारायां के प्राप्तीय स्वराप्त करते हैं। विचारों कारायों प्राप्तीय स्वराप्त मांगी हो। स्वराप्त मांगी हिंग स्वराप्त मांगी है। इनकी धिमारोंके कुछ की हेतु हैं। स्वराप्ती धिमारोंके धमान बोसकी नहीं हैं। इनकी धिमारोंकें कुछ की हेतु हैं।

१ (१८९ १९ ३); भारेत वार्तिकः विकासम जांत्र साहेब्बेंडांत्री, सिवेदिक विकासकी मीर सिसिव्स जांत्र सीविवांडांजीन वेकड ।

64M

यह बात लॉसरकी सिकाओं में मही है। उनका एक अवसार इंडियन सोधियों मॉर्बिस्ट कहुकाता है। अमा मारतीय युक्क स्पेंसरकी थिलाओंको प्रहुष करके वयने प्राचीन गोर्बो और अपने प्रेमपूरित वरोंनें विच फैबाना चाहते हैं?

हिसीके अपनी पूरानी श्रीजन-स्वस्था मांगने और दूसरोंकी खोजी हुई गई बस्तु मांगनेमें बड़ सफर है। विजित कोगोंक जपनी प्राचीन राज्य-स्वस्था बागम मांगने और दिजाजोंकी राज्य-स्वस्था बांगमें संगर है। मांग कें कि एक मार्गतीन कहात है मारंग उत्तर खोजों के कान रहता हो तेंक होता। हुए चीजों में कुकन कुछ बची तो होती ही है जो हमें अपनी ही जीन पछल है। हमारी पूरानी राज्य-स्वस्थानों रजनाइंगें सहाइवी होती परन्तु हमें अस्पताझोंने परनेते कहाई मांगा अधिक राज्य है। दूराती स्वस्थानों होती होते ही को से ले बेटी जीर मेरे कहाई मांगा अधिक राज्य है। हमारी प्राचीन कान चार हो को से बेटी जीर मेरे परने स्वस्था स्वाचा हमा चार है के सक्त है। हमारी अध्यास स्वीचार राज्य हमा चार है हमारी प्राचीन कान चार हो का से से से री रीपनेश स्विचार स्वाचार राज्य हमा चार परन्तु के सक्त हमा कान से स्वाचार स्वाचार स्वच्य है। हम काम समे परने विचोचकों के कर कभी-कभी वारपने हमें परना वाही हो। अपने हमा वाह के स्वच्य हमारी खोटी है हर बावमीको किती तरह भीमा है कहीं नाम्झी मारा हमें स्वच हमारी केंद्र वाह स्वच हमारी हो। आपने खोन हमा खान पत्र हमारी हमारी साम करने हमारी की साम करने हमारी की स्वच हमारी हमारी खान हमारी हो। आपने खान किता हमारी हमारी की हमारी साम की हमारी खान हमें साम केंद्र वाहर स्वीच हमारी की हमारी खान हमें हमारी की हमारी खान हमें साम केंद्र वाहर स्वीच हमारी की हमारी खान हमारी हमें साम केंद्र वाहर स्वीच हमारी की हमारी खान हमारी है। इसारी पत्र हमारी की हमारी खान हमें हमारी की स्वच हमारी की हमारी खान हमारी है। इसारी पत्र हमारी की हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी खान हमारी खान हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी हमारी खान हमारी खान हमारी खान

 ...

यदि हमारी प्रजित कन्सी है ऐसा आप मानते हैं तो बाब रखें कि बड़ हमारी कीनी कर्ष के बचने जनका बच्चाम किया है और कोई व्यक्ति ग्रन्थम है मा नहीं यह हम जान सकते हैं। यदि आपको हमारे निर्दोध अधिकार चातिए तो आपको हमारे विधेष नियमोंका पासन करना होगा भोर हमने यो मानकथा निरुषत किया है प्रस्पर पप इतरना होया। तभी अम भापको वह चीज वे सकेंग्रे जिसकी आप माँच कर रहे है।

मैं इस प्रकार क्षिणता हैं इससे कोई ऐसा स्वाक करेगा कि मैं भारतको स्वराज्य केतेके विकट हैं। परना यह सकत माना वायेना। मैं तो केवल कासपासका विचार करता है। और जब दो सम्पर्ण सम्मताबंधि बीच संवर्ष उत्पन्न हो तह वासपासका विचार करना बाववसके हैं। फिर मैं यह भी व्यक्तिकार करना हैं कि व्यामानिक हरिकार क्षेत्रे हैं। क्षोब अपने विचार प्रकट करें, अपनी प्रतिके क्षणसर जानरण करना चार् यह स्वामाविक है। बारतवासियोंको बारतीय बनने और रहनेका अविकार है। परन यह रचामावक हा सारवाधवाका माराजाय वनन बार खुनको बावकहा है। परपु हुर्गट स्टेंग्सर कोई याराजीय नहीं है। उनकी विकास जाराज्य का किसानावास बारिको बॉक्सपेटी बार्जे वाराजीय नहीं हैं। ये चाहुता हूँ कि अप्रेजीनें ऐसा डोंग न हों। परपु हुमारी पहली कठिनाई यह है कि आराके सिए स्वराज्य नीयनेवाका भाराजीय ऐसा नहीं है को जाराजीय वारिके किए बोमास्यव हो।

भी चेस्टरटतने क्रमर जो विचार व्यक्त किये हैं, उनको सम्मूख रखकर प्रत्येक मारदीवकी सोचना है कि मारतको क्या मौनना उचित है। भारतकी बनता किस प्रकार सबी होगी हम मारतकी बनताके नामपर जपने स्वार्वकी पृति कराना तो नहीं शहते ? मारतकी बनताने विस बस्तुकी सहस्त्रों वर्षसे बड़े बलासे रखा की है, उसको इस एक अनमें उचाइकर फेंक देना तो नहीं चाहते ? की चेस्टरटनके केकोंको पढकर मेरे मनमें को ये सब विचार करम हुए हैं. इसकिए इतको 'इंडियन जीपिनियन' के पाठकोंके सम्मच रकता हैं।

[गवरातीरे] इंडियन बोपिनियम ८-१-१९१

३२५ पत्र साँई ऐस्ट्रेडिलको

[क्रम्बन]

बस्तवर १८ १९ ९

श्रीमात

सदास प्रेसीडेल्सीमें अवह-जनह को समायें हुई हैं. उनके बारेमें कोई क के निजी सचिवको एक पत्र भैजा क्या है। एसकी एक नक्क मैं इस पत्रके साथ भेज पता है।

धानका पुण पन बना नमा ए। उपका पुण नक्य न वह पनक पास सन पहाँ हैं। मैं यह भी कह हूं कि बोहानियनपेंटे को तार मिले हैं तनमें कहा नमा है कि ट्राल्यासमें नगाअपक प्रतिरोधिनोंके निक्य फिर स्पप्त वर्गनावसे सुरू कर यो गई हैं। इसकीत व्यक्तिरोंको पिरस्तारकर तीनसीन महोनेकी धनावें वे वी नई हैं। इनमें विधिय भारतीय संब (ब्रिटिस इंडियन एसीसिएसन) के कार्यनाहक अध्यक्ष भी है। तीन पढे-किय

र देखिर विकास की वेद ।

प्राप्तीय निर्वाधित किये समें चें। इतमें छे दो वापस वा गये। ये फिर मिरफ्तार कर सिम्में तमें सौर फ्र-सा-महीतीके किए वेंक भेव दिये गये।

वापका मादि

टाइप की हुई दल्लरी बंधेनी प्रतिकी फोटो-नक्क (एस एन ५१४८) छे।

# ३२६ पत्र साई ऐंस्टहिलको

[सन्त] बक्तवर २६ १९ ९

भीयन्

मुझे निम्नक्रिसिक कार मिका है

प्रमितिको तकाह है कि यदि कम्बनका काथ खवाप्त ही थया हो तो प्रतिनिविमय आदिका और क्षार्थे।

मह् (बदने वर्षन शिव कैनेनवैष्टतो को भी घोषके छाप बहुकि छवरि छन्निस्य मामकोंको देवते हैं यह ८ तारीवको किन्ते ) मेरे उस पत्रके उत्तरमें है को मीचे सिन्ते अभुतार है

र. पारी मूच मति क्लान वर्गी है।

<sup>्</sup> भोर्ड र्रोमधीको १ नकमाको सस्ती चहुन की हुए किया था। "भारते हुने वो कर मेनी है कहेत किय में मानता बहुत नमाही हूं। में देखता हूँ कि चकारीने हमारे मानकेना पूरा विश्वास कर रखा है स्ववित्व मारकी करा म मिनती हो में मात्र जोर विदेश चाकिकारी कामारीके पारेंग व्यापना है। स्वरा । हुने पर बामार है। मो ही हाते हैं कि प्रान्तवार में कामकमाक प्रतिवित्तों के बिरद को बानेनाको स्वर्णन कारेरायोंने बहेद कमी बता हुने हैं।"

विमें ममें हैं वैंग्रे ही भारतका काम समाप्त कर देनेके लिए भी दो महीने और समा विमें जामें। उस बजामें पैंकेश प्रका भी उठेगा और पैंसा मेरे पास तार हाण पेंचना होया।

इसका कारण चाहे चमिति द्वारा निष्कृत सरवावहीं वृष्टिकोण वयनाया बाना हो मा मनामान हो जबला होनों हों अनता है कि परिरिचतिक देखते हुए हमें कमसे-कम कर्तमान समर्पे मारक-रामाका विचार छोड़ देणा नाशिए। यह मामका भी पीककरे लाखे और भी मुफ्तिक हो गया है। प्रकृति बाज मारको भीचे किस्ते बनावार दार देशा है

बहुत चौर देकर आपको आलेकी सलाह देता हैं।

परन्तु कुछ निकाकर मुझे यह कगता है कि संवर्ष किसी भी मंत्रिकपर कमें न हो हम १३ नवस्वरको निरित्त कमसे बक्षिण वाधिकाके किए रवाना हो बारेंसे और ट्राम्यवाककी सीमापर गिरफ्तारिके किए सककारित ।

कोर्क कृषा उत्तर वधीतक नहीं निका। मैं नहीं धानता कि इसका बमा अर्थ है। परणु सबि बहु इतारी बेरले सामा कि यहाँ पहुँठ हुन उत्तर शार्वजितक कमन्छे कार्यमधी कृष्ठ एके तो मैं शोचता हूँ कि उन्न बमानें बन्नपर विभिन्नको कार्यमाई करनी चाहिए। भी पिक इन्न किनारले सकतत है।

अपका अदि

टाइप की हुई वपतारी अधेवी प्रतिकी फोटो-सक्स (एस एन ५१५ ) से ।

**३२७ पत्र एस्मर नॉडको** 

[क्ला]

बस्तूबर २६, १९ ९

प्रिय महोदय

5 8

सैने पिक्रमे हुन्हें आपके कृपापूर्ण पत्रके उत्तरमें आपको एक पत्र मिक्रा था। पूँकि मैं आपके मेंटको तारीक नियत की जानेकी प्रतीका तंत्रपुकताते कर एका हूँ प्रतक्रिए आपको फिर साह विकास हूँ। कही नेसा पत्र इकर-उकर सो नहीं कहा बया?

सै आपसे सराम्यास्य प्रतिशोचनान्यनी भागवींगर बातशीत करना चाहता हूँ। इनमें से एक मामना टॉन्स्टॉमके एक हिंगुके नाम किसे तथ के प्रकारकारी स्वास्तिक हैं। मैट ब्यान है पिक्रमे महीने जम साथ कर वार्य में तथ कर करने बहु पन टॉन्स्टॉमके यह पन टॉन्स्टॉमके यहाँ पन होगा। मैं इन पनको छापनेके सिंद्र किसे मेर्जू इस सम्मप्तमें सारकी समाहकी नह कर्मणा।

र सा परको माजिनक्षमा के हुद कोई देंगाहिको मी सा निपारते नहनी स्वामित पदा की ।

२, वर रर जन्म वर्ष है।

इ देखिर "का रॉक्टॉक्डो" कु प्राव-४० ।

मैंने सह पत्र प्रकारतके किए देशी स्पूत्र को दियाया केकिन वी गाहितरते जबर दी है कि सह पत्र ज्यादा सम्बाह और उनके स्तम्मोंने इसकी सुंबाइस नहीं है।

आपका विश्वस्त सो० कः गांधी

भी एस्मर मॉड ग्रेट वैंडो केस्मकाई।

वांनीबीके स्वादारोंमें मूल संग्रेगी प्रतिकी फोटो-नकक (धी कस्यू ४४१८) से ।

३२८ पत्र एच० एस० एस० पोलकको

[कन्दन] अक्टबर २९, १९ ९

प्रिय हेनरी

सी बोरुकी दिनावें बाबिर हैंगर हूं पई। माराके निम बलवारों को पुस्तकें मेंट स्वरूप सेनी गई है उनकी सूची लाय है। बचर कुछ ऐसे बलवार रह यमें ही निन्तें आपकी रायमें मेंटकी प्रतियों का पांतें में से ले से लो मेंटकी प्रतियों का पांतें में से ले से लो मेंटकी प्रतियों का पांतें में से ले से मेंटकी प्रतियों का पांतें में से ले से मेंटकी प्रतियों निक्का पांते में से हैं से मेंटकी माराके वाही वासे माराके सह पर वार पांते हैं विकाश हो की साम की साम की साम की माराके प्रतियों नहीं मुस्किक्स मिछी है। रिव बौर में इस नजी बेपर पार्टी हैं कि माराके रायक किया की मोराके से माराके साम की साम क

मुने आपके यो बार मिके हैं — एक सताय जीवहेंगीकी विश्वास सम्बन्धिं हर्ना के पूर्व दूरता आपके पेतृत जानेके इरावेके वार्रोवें। नहास इस जानक्यें जिस नगर कर करने हैं कर बमानकी बात है। बहारे तीय बहुत ब्यावहारित रिनावें हैं। वे जा में इसका जाने करते करते हैं या विश्वास करते ही नहीं। यूझे तूनी है कि जात वो किस्स कर करते करते हैं या विश्वास करते हैं नहीं। यूझे तूनी है कि जात वो किस्स करते हैं करत

<sup>्</sup> रोजोपो बंगरीह केल जिल्ली करी को दर्जर अन्तर को है जान रजने हैं बहुतर बंगेमी दिया।

दिमें यमें है वैसे ही भारतका काम समाप्त कर देनेके किए भी को महीने और सना विये बार्ये। यस वसामें पैसेका प्रस्न भी उठेगा और पैसा मेरे वास दार शाप मेचना होगा।

इसका कारण बाहे समिति हारा विशुद्ध सत्यादही वृष्टिकीच वपनाया शाना 🗗 ग मनामान हो जयदा दोनों हों समता है कि परिस्थितिके देखते हुए हमें कमसे-कम वर्तपान समयमें भारत-वाशका विचार छोड़ देना चाहिए। यह मामसा श्री पोक्कके शरसे और श्री मुस्किल हो गया है। जन्होंने जान नारतसे नीने किस्से बनशार तार मेना है

बहुत बोर देकर जापको जानेकी सलाह देता हैं।

परन्तु कुछ मिलाकर मुझे यह जनता है कि संवर्ष किसी भी मंत्रिसपर न्यों न हो 🛤 १३ गवस्थरको निरिचत कपसे वश्चिम आफिकाके किए रवाना हो बार्वेचे और टान्स्वासकी सीमापर गिरक्तारीके किए कशकारेचे ।

कॉर्ड कृका उत्तर बमीतक नहीं मिका। मैं नहीं जानता कि इसका क्या वर्ष है। परन्त्र मदि वह इतनी वैरसे आया कि यहाँ एडसे इस उसपर सार्वजनिक क्यसे कार्यशामे म कर सकें दो मैं शोकता हैं कि उस दक्षामें उसपर शमितिको कार्रवाई करनी वाहिए। भी रिच इस विचारते सहस्त है।

आपका बारि

टाइप की हुई इफ्टरी अंग्रेकी प्रतिकी फोटो-नकछ (एस एन ५१५) से।

३२७. पत्र एत्मर मॉडको

[ इन्दन ]

अन्तवर २९, १९ ९

त्रिय महोदय

4 8

मैंने पिक्के इस्ते बापके इपापूर्व पत्रके उत्तरमें बापको एक पत्र किया था। पुँकि मैं आपसे भेंटकी दारीक निगत की जानेकी प्रतीका उल्लुकतासे कर रहा हूँ इसकिए आपकी फिर याद विकास हैं। कहीं मेरा पत्र इक्ट-उकर सो नहीं जला समारे

मैं आपसे बनाव्यमक प्रतिरोध-सम्बन्धी मानलॉपर वातचीत करना भाइता है। इनमें से एक मामका टॉस्स्टॉयके "एक विक्वके नाग कियो पन के प्रनाधनसे सम्बन्धित है। मेरा स्मास है पिक्के महीने जब जाप क्स बये ने तब जापने नह पन टॉस्स्टॉनके वहाँ देना होया । मैं इस प्रकृत कावनेके किए किसे धेर्च, इस सम्बन्धमें नापकी सम्राहकी कह करूँया ।

१ स्त राज्यो शासि-द्रकता हेते हुए जोर्ड गेंथाहिको जी स्त निवारते करणी समाधि प्रथम ही ।

६ व्यास्त कावल करिया

। देखिर "का वीरवर्तेक्डों" का अध्य-भा ।

मैंने महत्तन प्रकासनके किए डेसी स्पूर्व का दिया था लेकिन भी पार्टिनरने लगर दी है कि सहत्तन स्वादा सम्बाह बीर उनके स्तम्मोर्ने दसकी गुंबाइस नहीं है। अस्पन्ना विस्तरन

आपका विश्वस्त स्रो० क० गांधी

भी एस्पर मॉर्ड ग्रेट बैडो चेम्सकोई।

गांधीबीक स्वासर्पेनें मूक संग्रेवी प्रतिकी फोटो-नकक (सी बब्पू ४४३८) से ।

३२८ पत्र एच० एस० एस० पोलककी

[धन्दन] बक्तूबर २९,१९ ९

निव हैनरी

याँ बोक्सी किटारों बाबिय हैवार हो यहै। माराक्षे जिन लखनारोंको पुस्तकें मेंट स्वरूप मेंदी नहें है उनकी शुणी साथ है। बनार कुछ ऐंदे बलदार रह गये ही जिन्हें जारकी रायमें मेंटरेंट प्रतिकार शुणी साथ है। बनार कुछ ऐंदे बलदार रह गये ही जिन्हें जारकी रायमें मेंटरेंट प्रतिकार ने स्वरूप माराक्षेत्र के में में ने ने ने मेंटरेंट मेंदर के साथ है अब है कि साईक हम दावते नहीं बादी नहीं मुस्क्रिय है। रिच और में हम नवीनेपर पहुँच हैं कि मेंटरी प्रति कलदारोंके काला किटी मोर देवक्यों है। रिच और में हम नवीनेपर पहुँच है कि मेंटरी पति कलदारोंके काला किटी मोर देवक्यों हो कि सावते तथा देवार कमारे हो कि सावते तथा किटा प्रतिकार में मेंदरी हो कि मेंदरी तथा है। इसे मेंदरी माराक्षेत्र कमारे मेंदरी हो कि सावते तथा किटा में मेंदरी के माराक्षेत्र कमारे मेंदरी हो कि सावते तथा किटा मेंदरी मेंदरी मेंदरी हो किटा मेंदरी मेंदरी हो मेंदरी हो मेंदरी हो मेंदरी हो सावते मेंदरी हो मेंदरी ह

बुते बार्ट थे तार थिके हैं—एक संनाम प्रेनिरेक्तीकी विभिन्न नमामिके बारेनें और मुन्ता सामके रेनून पानेके दारोरे जोगें। मत्रात रन मानकों जिल ताबु बाती बात्रा है वह बातनों बार है। बोल की बातकों कोन बहुन पानहारिक दिगारी हैं। वे बातों के मानको बच्छी ताब्द करते हैं या दिन्तुन करते ही नहीं। मुझे सुत्री हैं कि बाद वें मेहनाके बाते हैं सामक वें बही बमय उनसे बिना मेंगे। बाता है, बाद बौतीको एक-बुमरेने मिकार नहीं होगी।

शैन्योवको क्षेत्रमीह केन्द्र जिल्लीने अन्यो क्ष्टी क्ष्मीको कारणान्ते जनके व्यवकार स्थापनार्केका
 स्कृतन अवेगीने दिशा ।

4 0

कोंद्रे कूका उत्तर असीतक महीं कावा है, इस पत्रको क्रिकालेके वस्त (नुस्वारकी धाव) तक'। आपका पिकका पत्र (भेरा मतकय उस सम्बे पत्रसे हैं जो मासूम होता है आपने वीककर किवाया है) वका मनोरंजक या। उसे जापके पूरे परिवारने पड़ किया है। सैसी मॉब मीर बापके परिवारके बूसरे कीगोंकि बारेमें मिकनेपर वार्ते होंगी। मॉड मेरे पाससे वसी वह है फिर भी करीब-करीब हर रोज मिलती है, और इसी तरह सैसी भी। कुछ समयसे मेरी हिम्मत वह गई है। मैं शोपहरके क्लत होटसमें बैठनेके कमरेमें ही फर्कीका मोजन करता हूँ जैसा हम जोहानिसकाँमें करते हैं। सैनी भी वही जा जाती है। हम्पेर्मे को कार मिली भी इमारे पास जाती है। सिमंक्स भी नहीं होता है और वहुत नार माहरम जै फेल जी। वे अपना हिस्सा कार्नेकी जिब करते हैं। रिच सी जा बाउँ हैं। इएके मार्चेकी कम्पना जाप स्वयं कर सकते हैं। पिक्रके स्तवारको मैंने स्प्रहूप-उत्तकी मीन-सभाकी सम्पन्नता की थी। इसका इन्तवाम करीब-करीब वर्मक्की कमेटीने ही किया पा। लगमग ७ घारतीय बाये थे। मैने यह प्रस्ताव विना शिक्षक स्नीकार कर किंवा या विश्वते वहाँ इकट्ठे हीनेवाले कोगोंसे सुवार करानेमें हिसाकी व्यर्थताके सम्बन्धमें वेत कर सर्हा ऐसा ही मैंने किया। मेरी वर्त ये जी कि कोई राजनीतिक विवाद न केस वामेना। इनका पूरा पाठन किया गया। राशायककी जिस विकाकी बोर मैं व्यान दिस्तान चाहवा वा उसकी मैंने जनके सामने रखा। वसहरेका उत्सव रावचपर रामकी -- मनीय सरायपर सरपकी मिजवका उत्सव है। मैं यहाँ सपना वक्त कीय बुजारता हूँ यह कर काप समक्ष सर्वे इस समासने ही मैं बापको यह सब कार्रे किना रहा हूँ। मैंने नहीं अरपक क्यादासे-क्यादा मारतीयोसे सिकनेकी कोसिस की है। कार्यकम श्रद जी वही है। बगर कोर्ने क् कत्तरमें बेचा देर न कर वे या कोई ऐसा बहुत अकरी काम न वा बाये जिससे हुनारे स्कृतेकी करूपत हो हो आधा करता है कि मैं १६ क्यम्बरको ग्रहांसे रवाना हो वाउँमा। भारत बालेका इरावा तो विक्कुक कोड़ ही दिया है। खतिवारको में इंडियन सेपक पृत्रियन <sup>गत</sup> की समार्ने जायम देया। यंगकवारको आरतीय विकार्विमोंकी एक इसपी समार्के। तीसपी समा कैन्त्रियमें इंडियन गवस्थितती औरसे इस इसवारके वाक्यांके इसवारकों होगी।

धनिवारको जीमती रिवका बाँपरिवन होता जो कुछ धत्तरनारु है। कांग्रेसको छत्येस मेवनेकी गाँग कुछ कठिन है। फिर या मैं कुछ विजनेकी कोश्रिय करूँगा। जापको व्यक्ते

चान मामव नेरे पत्रकी एक प्रतिकिपि मिलेनी। ये देसता हूँ कि जाप नहासमें चाता क्या करूट्रा कर रहे हैं। इकट्ठा किया हुआ क्या की वितरित किया जाता है यह भागता अकरी है। यह स्था किनके हाक्से प्रका है ? चौक संबर्ध सम्बा बलेमा इसलिए हमें निक्चम ही जेल बारोबाके कोगीक परिवार्णका भरप-गीयम करना होता। बह प्रश्न छ ही चुका है इसक्रिए दश बनकी वा दशके एक द्विस्त्रेको इन परिवारीके भरक-गीयको क्रिय बेंबा वा सकता हो तो वह वड़े सन्तैक्की

र बाल पहला वै कर पत्र वृक्ते किए बानी श्रुक्तनार, नन्त्वूनर २ को लेना नना ।

त्र, देखिल लंकस्तरण दुव प्रपेट १९ । इ. देखिल लंकास्त्र व्याहित्यार्थं सम्बन्धे लंका स्थापन मीट । एवं व्याव व्याव प्रस्तान व्याव प्रस्तान स्थापन स

४ स्त्रीलः मानवः शरातीनीयी समामे " प्रव ५१६ ।

भ्, स्त नस्त्ररस्र स्ति यो बान्नकी रिसीरे <del>कार्या</del>न सर्वे है ।

<sup>ा</sup> दिवार लक्ष्म की व कीलका प्राप्त ५१०-१३ ।

बात होती: एक सन्त्रन इस्पेरिस भी इसी लरहका करना प्राप्त करना । '
पूसे बासा है कि आपको वहाँ कठिलाई न होती। जो कोन निर्नासित किमें बाते हैं उनकी है स्वापको किए जमा हुए कोनोंको खास ठीरेसे मिनुक्त कर दिया नवा है? असर निर्मुक्त किया गया है तो नया आएको उनमें से किन्तीके नाम माकूम है? ये बन नाते मकावित की बाती चाति है। वित्र के स्वापती किन्ती है उनके पन भी विश्वकार्य जा सकते हैं।

में इस बनत देतना ही कह सकता हैं कि बपना दौरा खरूप करनेके बाद बापको बनतक संपर्पका बनत नहीं होता नहीं रहना पढ़ेगा। अपर बात ऐसी हो तो मेरे खनाकरे बापके लिए हिन्दी या गुजराती सीजना बहुत जकरी हैं। चूँकि बाप जमातार कमेरीका काम

करेंसे इसकिए जापके किए शुक्र बक्त निकाशना सायब मुस्किक नहीं होया।

सारका वह तार विका विसमें सापने मुझे लाख बानेकी जोखार समाह सी है।
मूझे बोद्युनिसंदर्पसे एक और तार मिका है, विसमें कहा पता है कि यहाँ काम सरन हो
बना हो तो हम द्रान्यवाल कोट जायं। इंग्लिक्ट मेख समाव है कि मेख द्रान्यवाक काना
बहुत ही जकरों है। मूझे क्यता है कि मैं यहाँ बहुत क्यांता छहर नया हैं। इसिन्य साप
इस स्थितियों क्यांवास-स्थाना जो-कुछ कर एकें नह करें। मैं बानता है कि हमारे माख
सानेमें स्थर काम हैं। केकिन हमारा इस बस्त गारत न साना भी यायद क्वाना हैं।
सम्बन्ध है।

टाइए की हुई रफ्तयी अग्रेजी प्रति (एस एन० ५१५१) पृत

# ३२९ शिष्टमण्डलकी यात्रा [-१८]

[बस्तूबर २९, १९ ९]

## क्षिप्टमण्डलके विषयमें टिप्पची

समी तक बाँवे कू को बोरते अनियम निलंबकी विद्धी गाँही आहै। इस बीच बोहानिस्त्रयांचे तार मिमा है कि मदि इंकीसों काम बारण हो गया हो यो सिप्टमचक इंबीसल बाहिका। वारण हो महासे के दिया है कि हमार्थ सारा निवाल बादका हो। तम हो महासे भी शार मिस्ता है कि हमार्थ मारा मारा बाता निवाल बादका है। तम से महासे भी शार मिस्ता हो है। हमारे कारण बाते कर प्रसं है। किर भी मुसे विद्याल हो गया है कि आएंग ना सारा है तक हमारे कारण बाते कर प्रसं है। किर भी मुसे विद्याल हों गया है कि आएंग ने सारा है कि महारा मारा है कि महारा मारा है। किर की है। हमारे बहु से सोच है कि महिंद कर मिस्ता की सारा है। हमारे कि से हमार है कि महिंद कर मारा है। वोचे के सम मिस्ता मारा है। हमारे बहु कर में के साम हमें से हमार हो हमारा है। हमारे के साम हमारा मारा है के साम स्थान सम्मा हमारा हमारे के साम हमारा हमारे के साम स्थान सम्मा हमारा ह

र श्चमें करें पद प्रीत करों हों है।

२. व्या तार २९ नन्द्रशाही विका था। देखिल "वन जीर्ड मेंप्रहित्सो " वृक्ष ५०५-०इ ।

41 ठीक करे हो हमारे जानेके बाद प्रकाशित किया जाने और सन्भव हो हो कॉमन्स समाके

सबस्योकी बैठक भी तभी की आये।

भारतीयोंको पूरी वाबर बेना सायध्यक है इस क्षयाकरो भारतीयोंकी एक समा सनिवारको होनेवाकी है। इसमें मुझे भाषक देना है। इसरी समा मंगळवारको होगी। इसमें मारतीर्योको प्या करना चाहिए, यह बताना है। शीसरी समा कैम्बियमें होती। फिल्हारु को यही कार्यक्रम है।

किन्तु यह तो निविचत समझ केना चाहिए कि अवतक हम पूरा बस महीं स्नामेंने वरतक कुछ न होगा। मुझे बार-बार यह किसनेकी जरूरत मासून होती है कि इसके विवा कोई पूचरा वस नहीं है। इसीकिए नुसे सूची हुई है कि भी सोरावणी बार सी मेड फिर की गये। मै जनको बचाई देला हुँ। सद सोगोंको इन बीर भारतीयोंका जनकरन करना चाहिए। इसरी सदाईकी मींच भी सोरावजीने वाकी थी। सनता है उसका बन्त भी उन्होंके हार्यों होमा। प्रविप्यमें को भी हो किन्तु भारतीयोंको समझ केना काहिए कि बहा कस्मी कोन राज्य करते हैं वहाँ अच्छे कोगोंका घर चेसमें ही होना चाडिए !

#### चल्पाधवियाँको चढायता

एक सरमान को अपना परिचय एक भारतीय सेवक के नामसे देना चाहते हैं, यह निरुपम किया है कि जनतक यह कड़ाई जारी रहेगी तनतक ने गरीनोंकी सहायताके मिर प्रति सास ५ वपसे देते रहेते। उन्होंने ३ पॉडका पहका केल दे भी दिसा है। जनर इसरे मारतीय भी इसी तरह सहायता करें तो अच्छा होया। मेरा सवास है, वे अवस्थ ही सहाबता करेंने।

[ब्बयवीये]

इंडियन बौपिनियन २७-११-१९ ९

३३० पत्र *ची०* ए० मटेसनको<sup>\*</sup>

सन्दर्ग

जस्तुबर २६ १९ ९के बादी

श्रिय महोदय

आपने मुझे तार विमा है कि कांग्रेसका को समिवेशन डोनेवाका है उसके किए मैं सम्पेश मेर्जु। में कोई समीब सेवनेके मोग्य की हूँ यह मैं नहीं बानता। केविन वापके तारके बत्तरमें कुछ कहूँ यह सामान्य सीवन्यकी मींग है। जिलहाल मेरे दिमापमें उस संपर्वके वितिरिक्त को ट्राम्सनाकर्में चक रहा है कोई बूसरी बात नहीं का सकती। हर वक्त वहीं काम गेरे सामने हैं। चूँकि यह समर्थ नारतके सम्मानकी रहाके किए आरम्म किया बया है इसकिए मुझे जावा है कि मेरे सब बेजवासी स्वेश्वकी बस्टिसे इसे राष्ट्रीय

ृ यह इंकियन रिल्युक निजनार्थ अंदर्ग क्या या। क्यी त्यन व्यंपीनीने राज्यों वह जनक राय ही इंडियन कोरियियमधी यो वेज दी यो थी, क्यों "माराजैन राष्ट्रीन वर्धनेत्रती राज्येत " त्योंचंडी क्यी ही देखिल नदस्य देश पत कार गोलको " यह ५००।

र्संबर्ध मार्तिमे । मुझे रहस्त्रमस्त्रम्या यह नहतेसे भी कोई क्षिमक नहीं हुई है कि यह संबर्ध इस मुगका रावते बढ़ा काल्याकन है, क्योंकि इतका उद्देश्य भी युद्ध है और इतके ठाउँके भी। हो सकता है भरा यह सवाक रासत हो। इसारे वा वेमवाधी ट्राल्याक्से रहते हैं मा। हा नकता हू गरा यह क्याक पकत है। इसार का वस्तावाई दूरिनावित रहेत हैं के द्रासिए तह रहे हैं कि मुस्तित मांजीयोकी दूरान्यक्षसमें बालेका हैया ही अधिकार प्राप्त हा वेदा मुरोगीयाको प्राप्त है। वह संपर्धन को कोम कह रहे हैं उन्हें बपना कोई कि मित्रा द्राप्त कोई तहीं करणा है। जिन्न अधिकारका यहाँ उत्सेख है (और को उपनिवेधीय कान्स्में पहली बार छीना यथा है) उसके बहुत्क किसे जानेक बाय किछीको कोई मौतिक बाम भी मही होना है। भाग्यक को उन्नन्द हम्मवासमें है ने यह दिवा रहे हैं कि में एक विमुद्ध बाररोंके किए सड़ सठते हैं। चहुत पानेके किए उन्होंने जिन सामनीको अपनामा है वे भी उत्तन ही सद है। इन भारतीयोंने हर तरहकी हिंता नर्ववा त्याम दी है। उनका करतं है या उनकी कार्यक्रमा करते हैं। इक्के लिए इन मानवीय कार्मामें को खाएँ हार्मा में है उन्हें वे बुण्याण उद्दर्ग करते हैं। छात्र ही उत्तरा विरुक्षण यह है कि दनकी दिस्तों समय राक्त मनुष्यकी सहस्र स्वाहिते कुकर सार्वाची । बार वे पस्ती कर रहे हैं तो वे ही उठमींक पाद है और प्रतिक्रित स्वत्यक्ष आहेती-कों रह कार्री है। इन कार्स्स २५ वे ज्यारा मारतीय ऐती कैंद्रकी छात्र सुर्का चुके हैं अध्येष अकंदर कर तिकते रहते हैं। यह तस्या यहाँकी इस क्लाफी मारतीय खात्रावीची करीव बार्वी या सुर्द्धि सम्मानित कारतीय मारतीय सावादीके पांचव मानके बरावर है। इनमें से बुछ सोग वृद्धापिक बार जेन पदे हैं, किन्ते ही परिवार सपीत है। गते हैं। बुछ व्यापारियों वीदपका लगा करनेकी बचेशा करण हरता स्वीचार किंगा है। धाविष साविकास संयोगने हिन्दु-सुक्तिम समस्या हम हो बहु है। इम बहा बनुकर करते हिन्दा सावाकों कहीं हो — बंगाली महाती पंचायी बचनान और सावादी — इक्क क्लेशकराम किंगा हमात्रक करते हो। — बंगाली महाती पंचायी बचनान और बान्दर्ये — तद कन्येत-क्रमा मिलाकर साहे हैं।

वनुमति वें कि मैंने ट्रान्सवासके मामकेकी कांग्रेसके कार्यकर्ममें सबसे पहली बगह देनेकी माँग करके बनुषित नहीं किया है। क्या में यह भी कह सकता हूँ कि अपर जिस बनाकामक प्रतिरोजकी ब्यास्या की गई है। उसपर विचार करने और ब्यान चमानेसे शायब हमें बनाकामक प्रतिरोजक रूपमें उन बहुत-सी बुराइसोंकी अपूर्व औषधि मिल जाने जिनसे हम भारतके सोग पीड़ित हैं। यह साववानीसे विचार करनेके योग्य है। यूझे विश्वास है कि वह हमारे कोगोंकी और इसारे चेचकी प्रकृतिके जनकर एकमान धरत शिक्ष होगा। हमारा देख प्राचीनतम बर्मीकी जन्म-नृति है। उसे सामृतिक सम्पतासे बहुत कम सीसता है वर्गीके उसका बाबार बाबन्यतम जिला है. जो मनध्यके समस्त विस्थ गर्बोंके विपरीत है। वह सम्बता भारनविनासके प्रवार कील मेंटकर दौड़ रही है।

[बंदेनीसे]

इंडियन जोविनियन २७--११--१९ ९

३३१ पत्र कांडे ऍस्टहिलकी<sup>1</sup>

**कल्पन** अन्तवर ३ १५ ५ <sup>™</sup>

कॉर्ड महोदय

पिक्रमे कुछ दिनोंसि मेरी यह इच्छा रही है कि यहकि चोड़े दिनोंके प्रवासमें मैने बपने देसके सोपॅंकि राष्ट्रीय बान्सोक्षमका यो निरीक्षण किया है, सबके परिनासीको आपके सामने खाँ।

अवर आप इवानत वें तो मैं कहना चाइता है कि मैं आपकी निप्पक्षता सवादें बौर ईमानदारीसे बितका जावकल हमारे बढ़े-बढ़े कोकसेरकोंमें स्तना बमार दिखाई देता है बहुत प्रमावित हुना हूँ। मैंने यह सी देखा है कि आप वपनी सामान्य-नादनाके कारण चन मामकोंको देखनेसे दनकार नहीं करते चिनके पक्षमें स्पष्ट न्याय होता है। साथ ही बापको भारतसे सन्ना और बहुत ब्यादा प्यार है। इसके बकावा में उन भारतीय मामकसि सम्बन्धित जिनका दालस्वासके संबर्धपर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक प्रवास पढ़ सकता है, अपनी विविधिधर्मिके बारेमें आएसे कुछ भी छपाना नहीं चाहता। इन सब बार्लेके कारण मैंने

१ स्थाप प्रस्तिपेने वर्तवर्तका बाव नहीं हैं, फिर भी विकास का शह है हैं पर बीई पेंटाहिक्सी किया न्या था। इनकी रहेच हैरे हुए क्यूनि १ कान्यरही यंत्रीजीकी विकाशा सर्वार में बारी पुत्र थी बहुता वहीं बहुता, इनकी विचरीकी महिन्यरिक्ते किया है जाएको च्यनक केता हूँ चौर उनको स्वयं और अपने का अपने का प्रति हैं कि हुई बहुत कहा है है जाने के दूर है। कर मेरे कहा की मानवारी कारण कर है हैं है कहा कहा कि है जाने के हैं हो कर मेरे करते मानवारी का कि मानवारी का कि मानवारी का कि मानवारी के कि मानवारी कि मानवारी के कि मानवारी कि मानवारी के कि मानवारी कि मान . मूक्ते कोई सारीध नहीं है। का का कार

को-कुड़ देखा है उसे बताना सम्राप्त कावस्थक नहीं है फिर भी उसे बतानेकी मैं कृष्टता कर रहा हूँ।

नेने मही जब विवारोंके मारतीयों ि सिक्तनेका लास क्याक रला है। बूंकि मैं सभी तरहारी दिलाके विवद हैं व्यक्तिए मैंने उन कोगोरे लास तीरते सिक्तनेकी कोशिस की है को सम्मन्ति कहे पाठे हैं केकिन जिम्हें हिसाकारी दक्के लोग कहना क्यावा ठीक होगा। ऐसा मैंने इप्रिक्तप है कि अगर सम्मन्त हो तो उन्हें यह विवचाय विका समूं कि उनके तरीके गरूठ है। मैंने यह देखा है कि उत्तर सम्मन्त हो तो उन्हें यह स्वाध विका समूं कि उनके तरीके गरूठ है। मैंने यह देखा है कि उत्तर कर कोशिका हास्ययान है। महीरे मारतीय मुक्तमंत्र उत्तर प्रमान है इस वारोरों कोई सम्मेह महीं। वे भी इन युवकोंको अपने विकास सिंह मारतीय प्रमादित करने में कोई कतर नहीं रखने। इनमें से एक सन्तर मेरे साम जामे व। वे मृते यह विवसस दिलाना वाहते ने कि मेरा तरीका सक्त है बीर उनका क्याक के बनुसार हम विवसस दिलाना वाहते ने कि मैरा तरीका सक्त है बीर उनका क्याक के बनुसार हम कि साम वाहते हैं उन्हें सिंह कुए साम है।

इसमें कोई एक नहीं कि एउदीय सावना आगत हो बुकी है। बेकिन व्यासारत कोमोंने वह सरिपानित क्याने में नहीं है। आर उनमें उपनुष्य बारम्यानकी प्रावना नहीं है। मुझे हर बयह यह रिखाई दिया है कि कोम विदेश एवंचे बयीर हो उठे हैं। हुछ नागोंका पूरी जातिये वही जीव मुना है। अपेन एक्योनकि प्रावन क्याने के क्यान एक्यों के नमें स्टाट करने व्याप्त है। माना यह आता है कि में निस्ताव प्रावन कुछ करते ही नहीं। को हिखाई विदेश हैं कि माना यह आता है कि मिनाव प्रावन कुछ करते ही नहीं। को हिखाई विदेश हैं कि है की छिठ कराने पिचारते में उठे नामस्य प्रावन हों। करें दियाई विदेश हैं कि माना पर स्वापी है कि अपनी एयका बुकेनाम मंत्रूप नहीं कर सकते। हैं कि कोमोंका प्रवान के कि समें हिखाई विदेश हैं की साम है। साम है। मुझे क्याने एवंच केई व्यक्ति नहीं मिला जिता कराने हमान हों। माना ही माना है। कि सपेन समस्य समा पर होंगा। साम ही मुझे क्याना है कि सपेन समस्य एवंच क्यान होंगा। साम ही मुझे क्याना है कि सपेन समस्य एवंच व्यक्ति स्वाप स्वापत प्रवान के स्वापत स्वपत स्वपत

विकोश पीटा पाता है। मेरे स्वयासन कसकत्ता और वस्वई-वैते सहरोंका बनना कुत्तकी यात है बमाई बेनेकी नहीं। भारतको शाम प्रवाहे वांधिक उन्मुक्तरे हानि हुई है। उनकी तरह मुखर्ने भी राष्ट्रीय भावता है इसकिए गर्मवक्तियों वा मर्मविष्ठयोंके तरीकोरे मेरा पूरा गठमेर है। इसका कारण यह है कि दोनों ही दस आखिरकार हिसामें विश्वास

करते हैं। हिंसारमक तरीकॉका वर्ष है बायुनिक सम्बताको और इस तरह उसी निनासकारी स्पर्माको अंगीकार करना जिसे हम यहाँ देखते हैं। इसका वर्ग है अस्तमें सक्त्री नैतिकताका म्बंस । कौन चासन करता है, इस बातमें मेरी विस्नवस्थी नहीं है। म तो बाहुँमा कि सासक मेरी इच्छाके बनुसार वासन करें अन्यवा में कर्यों अपने कपर सासन करनेमें सहास्ता न बुँगा। मैं उनके विषय बनाकामक प्रतिरोग करूँया। बनाकामक प्रतिरोग सरीर-वक्के विषय

नारमबक्तका प्रयोग **१**— दूसरे सम्बॉर्मे चुनापर विकय प्राप्त करनेवासा प्रेम का। मैं नहीं पानता कि में अपनी बात कहाँतक समस्रा सका हूँ और मैं वह भी नहीं जानता कि मैं अपने इस विवेधनसे आपको कहाँतक सहमत कर सका हूँ। परन्तु मैंने उसर

बताये नये तरीकेसे अपने देखके कोयोंके सामने सारा मामका रखा है। मैंने बापको सह पन दो उद्देश्योते किया है। पहुछा उद्देश्य जापको यह बताना है कि जब-कमी समय मिलेया मैं

राष्ट्रीय पुत्रस्त्वानमें वपना विनास बोगदान करना बाहुंबा और बुद्धरा उद्देश्य यह है कि मै चय-कमी बड़ा काम करूँ तब या तो उछमें आपका सहयोग के सक या जापसे उसकी माकोचनाका जनरीय कर सके। मैंने जाएको को जानकारी हो है वह विक्तुक गोपनीय है उसका और कोई ऐडा प्रमान नहीं किया जाये जिससे मेरे देसके कोचोंके हितकी हाति हो। मुझे कमता है कि कर

क सरव भनी मांकि मासून नहीं हो जाता तबतक कोई उपयोगी उद्देश सिख न होना। अपर आप कुछ और वानना थाहते हों तो आप थो भी प्रस्त पूछना वाहें में दसका उत्तर सुद्यों है हूंना । सी रिक्को इस पत्रकी पूरी बातकारी है । सगर वातकीत बावस्थक समझें

तो मै तैमार है।

क्रान्तमें बाधा है मैंने काएके शीवन्यका बनुषित और बर्बाक्रमीय काम नहीं चटाया है

और जापका भ्यान क्य जोर अकारण ही आवर्षित करनेकी पण्टता नहीं की है ।

वापका बादि

यांधीबीके स्वाक्षचेंमें युक्त अंबेबी मसविवेकी फोटो नकक(एस एन ५१५२)से।

# ६३२ भाषण म्यू रिफॉर्म क्लवमें °

्श्रन्दम अक्तूबर३ १९०९]

(उन्होंन कहा) यह लड़ाई अन्तरात्मको स्वतन्त्रता विचारोंकी स्वतन्त्रता और कर्मको स्वतन्त्रतात्रे किय लड़ी था पूरी है, यत देनके वानिक वर्षिकारके लिए नहीं। विदेश सारतीय सबसे पहले १८८६ में ड्रालवाल साथे वे बीर तानीते जन लोगोंने को यह न तमस सकते है कि ऐसे देश्वर पहला माराजीयकि लिए स्वातन सुचिकत है उनके गूर्वोको बीच मान स्थित या।

हुमन सोई संस्थापनते भूना वा कि [बोजर] युद्ध जितना उचेतर गोरॉके किए सहा बया था उत्तरा ही विदिश मारतीयोंके किए जी। लेकिन सहाईके करन होनेपर विदिश मारतीयोंकी हाकत जीर भी ज्यांना खराच ही पई। उनके किए जास बतिसमी बना दी पई हैं। वे तियं वहीं व्यावार कर सकते हैं या वजीनें के सकते हैं। वन्हें नागरिक अधिकार दिसकृत नहीं दिये यमें हैं और अनको पैरल पटरीपर चलने तकका हक नहीं है। यह कातूनकी नियाहमें जनकी हासत इतनी निया वी नई है तब यह अनुमान किया जा सकता है कि द्वान्तवासके तीप वनके साथ देशा बरताय करते होंथे। कई राजनविक वन बोड़े-से जान्दीसन-कारियोंकी बातोंने था यमे है जो ज्यानारमें बिदिश भारतीयोंके प्रतिस्पर्यों हैं। और १९०६ के मधे पंजीवन (प्रजिक्ष्ट्रेसम्) कानुनका उपयोग विदिश मारतीयॉपर वरवाचार करनके तियु किमा यदा है। जिन नोगोंने दुक्त भी कालन-सम्भासका यात्र है उनके तियु वस कानुनको मानना मसन्त्रम है। शिष्टतच्यलीते निकरीते इनकार कर विधा बाता है और सरासती बांचकी प्रार्वना भी नहीं भानी काती। विविध प्राप्तीय बेलॉर्पे ईस दिये यथे हैं कासे लोगोंके साथ वर्षोक्त किये गये हैं और वे बन्तीकी कराब कैनेके किए अजबर किये गये हैं। इसका नतीजा कर हुआ है कि उन्हें करीब-करीब मुखाँ भरता पहता है। वे अपने बातीय शम्मानकी रक्षाके लिए मनामामक प्रतिरोधी वन गर्ने हैं। सम्मव है, उनकी सुनवाई होवेमें वर्जी सर्व जावें; सेविन इत विसंबंध कारण यही होगा कि मनी अन्होंने पर्याप्त कटा नहीं सहे है : न्याय उनके प्रसंबें है। हिन्दुमों मुत्तसमानों और तमिलोंने इस बहेच्यके क्रिए साथ-साथ काम करके एक बड़ी मानीय समस्या इक कर दी है।

[मंग्रेगीते]

इंडिया ५-११-१९०९

र प्रशिक्ति र्शन्त्रम वृत्त्रिक क्षेत्रकांक क्षत्रमें कान्य "विका वाधिकार्ने कर-मार्ग्यकांक किन् क्षेत्रों न्द्रमें विकार का नाम दिवा वा ।

दिशास पीटा बाता है। मेरे श्वयावसे कसकता और वस्वई-वैसे सहरोंका बनना रूपकी बात है बचाई वेनेकी मही। भारतको धाम प्रवाके बाधिक उत्पूक्तसे हानि हुई पाठ व पशाइ पराण । यहा। मारतका प्राम माण साधक जायक उन्मूक्त होते हैं।

है। उनकी तरह मुख्यें मी राष्ट्रीय भावना है इसिए पर्यवक्तियों मारतिसमीं करियों
मेरा पूरा परावे है। इसका कारण यह है कि होतें है। वक जाबिरकार हिसमें रिश्ताल
करते हैं। हिसासक तरीकीका वर्षे हैं बावृष्तिक सम्याको और इस तरह दूसी निरावकारी
स्पर्वाको मंत्रीकार करना विसे हम यहाँ देखते हैं। इसका वर्ष है बावृष्ति संप्याक प्रमुख प्रमुख । कीन सासन करता है इस बातमें मेरी विकासनी नहीं है। ये तो पार्ट्या कि सासक मेरी इस्लाक सनुसार सासन करने, बन्याया में उन्हें समने स्मर सासन करनेमें सहामका व देंगा। में उपके विकट अनाकामक प्रतिरोध करूँगा। सनाकामक प्रतिरोध सरीर-वसके विकट वारमबक्का प्रयोव है--- बूसरे श्रम्बोंनें चुनापर विवय प्राप्त करनेवाला प्रेन का।

मैं नहीं चारता कि में बचनी बात कहींग्रेफ समझ एका हूँ और मैं मह मी नहीं चारता कि मैं बचने इस विवेचनते जाएको कहांग्रेफ सहमत कर सका हूँ। परन्तु मैंने स्मर बहानों गये तरिकेट अपने देखके लोगोंके सामने सारा मामका रखा हूँ। मैंने आपको नह पर् को उदेखोंके किया है। यहका उद्देश्य जाएको यह बदाना है कि सब-कसी समय मिकेस में राष्ट्रीय पुनस्त्वानमें जपना विकास योगावान करना वाहींगा और दूकरा उद्देश्य वह है कि मै सब-कसी वहा नाम कके तब वा तो उसमें जापका सहयोग के सर्व दा जापने उसमें बाखीयनाका अनुरोव कर सबूँ।

सैने बापको जो बातकारी वी है वह बिल्कुक गोपनीय है उसका और कोई ऐसा प्रयोग नहीं फिया बार्य बिस्तुसे मेरे बेचके कोनोंके हिस्की हानि हो। मूने कनात है कि बन् तक सरम मकी मीति थालून नहीं हो बाता तबतक कोई उपयोगी उन्हेंस्त सिद्ध न होगा। अवर बाप कुक और बातना चाहते ही हो बाप को यो प्रका मुख्ता चाई में उच्छा

उत्तर स्वीते देंगा । भी रिक्को इस पत्रकी पूछ बानकारी है। बगर बातचीत बावस्मक धनसे द्यो में दैसार है।

जन्तमें बाधा है, मैंने आपके शोबत्यका अनुविध और अवांक्रनीय काभ नहीं जिल्हा है और बापका ध्यान इस कोर अकारन ही बाक्धित करनेकी बृष्टता नहीं की है।

जापका वादि

नांबीजीके स्वाक्षारीयें मुख्य मंत्रीजी ससमितेकी फीटो नकक(एस एस ५१५२)ये।

## ६३२ भाषण स्पृतिफोर्स क्लबर्से

्रास्त्रमा अक्तुबर ३ १९ ६)

(ज्लॉन कहा.) यह कहाई मनारास्त्राको स्वतन्त्रता विचारोंकी स्वतन्त्रता वीर कर्मको स्वतन्त्रताटे किए तही मा रही है यत केले सानिक व्यवकारके किए नहीं। विश्वित मारतीय तक्ते पहले १८८३ में ड्रान्डवाल जायें में और तमीसे जन कोगोंने की यह न समझ सकते में कि ऐसे देशमें स्त्रुना मारतीयोंके निए कितना मुस्किक है, उनके यूनोंको कीय नान निया ना।

हुममें मोर्ड सेलवाजमें युगा था कि [बोमर] युक विक्रमा व्येवार पारिक सिद्ध महाना मा विज्ञा है सिल्ड माराविक सिद्ध थी। केकिन महार्विक क्षार होगार विदिक्ष माराविक सिद्ध थी। केकिन महार्विक क्षार होगार विदिक्ष माराविक हैं। इस केकिन के सिद्ध कार होगार विदिक्ष माराविक होगार कर कर कर है। वा कर्मा से सिद्ध कार विद्या का मा वी गई है। वे क्षित्र का क्षार होगार के सिक्स है। वा क्षार वा क्षार है। वा क्षार होगार विद्या का क्षार हो के स्वार कर कर है कि इस का स्वार कर कर है कि इस्ता कर के सिद्ध का वा क्षार है। वा का का का सिद्ध का स्वार के सिद्ध का सिद्

[बंबेंबीसे]

देशिया, ५-११-१९ ९

१ गोरीको शिक्षा वृत्रिका रोशकाकि एवलीक शकते । विद्या गारीकामे व्यानागरिकाम किर रोती : अस्ते विद्यारों " विस्तार व्यानागरिकामा किर

## ३३३ मापण भारतीयोंकी सभामें

्डिस्टन (1977 प्र. १९

नवस्यरं २, १९ ९]

[बंदेवीसे]

इंडियन ओपिनियन ४-१२-१९ ९

१ वर्ष तमा भी बेन्नामी और जनत हुस्तिय बीन्ने यह कभी भी बावारों कुन्धे थी। हमा दिन्ने बु बदे डेबेबे पोरन-भवने भी बदेवदी नवहतारों हुई थी। हामें शबी हुएंस मेंदानी पर सी मान्नीमी मी प्रकार दिं। बानों कामा ४ मार्टीन नामे थे। हुई निवाल कि हेबिया हिस्सम्बन्धी नामिती मिद्दी हुँ करण

के केव्या पता उल्लाबका निविध सामानिकी" वृत्र ५२५-१६ ।

ह तमानी रिपोर्टी परामा बता है हि ६ बारतीमों और व्यक्त को यो पूरीमंत्री मी तक बच्च रिपोर मानेदरीमी करानी पराहत कम करोल किर नानी तेगारी हैं। वह वह मिना ना कि त्यती गड़ तमारीह दुरीना मिक्स बात किरो शांची करोता मीरा किना वर्ग और विकास कर करानी सामुश्ति करोत्तिक कराने करीन करानी "तम वस वस वस्त कर विकासों" हा १६८-१६ मो देखिर।

### ३३४ पत्र उपनिवेश-उपमन्त्रीको

[इस्पन] शयम्बर ३१९९

महोदय

भागर जब काँई कूमेरे १९ अक्तूबरके पत्रका उत्तर शेलेकी इत्या कर सर्के तो मैं सामारी होऊँसा:

अगणका सावि

टान्यकी हुई दफ्तरी अंग्रेथी प्रति (एस एन ५१५८) से।

## ३३५ पत्र साँध ऐंग्टहिसकी

[कल्प] शबस्यस्थान

कॉर्ड महोरय

बद मुत्ते कोई कुका पन मिल बना है। इसकी एक प्रतिकिति साम मेव पहा हैं। इसके साफ बाहिर हो काठा है कि हमारी दिवति क्या है। अन्तिम अनुक्केर मेरी समझनें दिक्कुन नहीं नाया। कोई कुको थो उत्तर देगा चाहता हैं उसका मसनिदा समझन कर रहा है। बदरफ सीमामको समझ मुत्ती मिल जाती तबतक हो। नहीं मेजूना।

नापका आदि

टाइप की हुई दरल ए बंडबी प्रतिकी फीटो-नक्फ (एस एक ५१५९) से।

t Mer efelbe at :

२. वह व्यक्ति पत्रका स्वयुविदा था। यो व स्वयुवदायो केवा व्यक्ता था १ देविक "यव : वर्गान्वेक-स्वरूपीको " इत १९२४-२५ ।

<sup>्</sup> व वर्षे पॅपरिक्षे काल्ये किल् वेतित वरिवेश ११ ।

## ३३३ भाषण भारतीयोंकी सभामें

[सन्दर्ग सबस्बार २ १९ ९]

भी गांदीने कहा कि बहुतिक विशेष बाधिकाका सम्बन्ध है, विधिय मारतीयों व वर्षेषा क्रमाण हुम्सवाममें होगा। जाएतमें भी हमका हुएगानी प्रमाण हुमा है। निषय ही सभी गाएतीय व कार्य स्थाप प्रमाण हुमाना के नेवा जिवको निषय प्रमाण करना करें। वर्षों व हमाना के नाएतीय क्षाप्त करें। वर्षों के हमाने बीर करके बाद्यपासके क्षेत्रों में भवार करावें स्वाप्त क्षाप्त है। पूर्व कप्ता है कि कार क्षाप्त में बीर करके बाद्यपासके क्षेत्रों में भवार करावें सिप्त कुछ मारतीय स्वपंतिक बाये जाये ही छोठमान तैयार करावें दिसामें बहुत कुछ स्थित कार करवा है और इस सोक्सवका प्रमाण ही साविकास करते हुए कुछ वक्त निष्का करता है। स्वपंतिक क्षेत्र हो। स्वपंतिक क्षाप्त हो करावें हम करावें के साविकास करते हुए कुछ वक्त निष्का करता करता वाहिए। इसमें के कर्मना कार खरवाडीओं और करके परिचारिक क्षम हुर करावें के साविकास करता हुए कुछ वक्त निष्का करता वाहिए। इसमें के कर्मना कर्मना करावें की स्वपंतिक क्षम हुर करावें के साविकास करावें की साविकास करता हुए क्षम हुर करावें कर क्षम हुर करावें हुए यह विकास समस्त क्षम वारें करावें करावें।

[बंग्रेवीडे]

इंडियन जोपिनियम ४-१२-१९ ९

रिकोर मार्गहर्शको कर्माचे माराह्या काम करनेके किए जनते सेवार्च मी । का एक किया गया कि वार्च्य पर सरकारिक देशेंका विकास मार्ग दिवसे संबंधी अपनेका, मोरा दिना मार्ग मीर विश्वता कर एक करेंगे जात्त्रपूर्ण एक्टेसके कम्पनेक मंत्रिक करते । "यह । यस परस परस परस्क पोक्सको" एक ५१८-१९ मी देशिया ।

र मह समा भी बेल्लाको और सन्दर्भ हरिकाम बीलके बढ़ कभी भी भारताओं कुछने भी। हमा दिल्के इ नवे सम्बंध प्रोत्त-भारतों भी पारेकाही जानाहरूपों हुई भी। हसी हानी हरीन भीर भी पत्र सी जा सी आंत्रीकारी भी प्रकार दिये। हरायों कारान ४ स्मार्टीक साथे थे। पूरे विचारको किंग्र हेकिंग्र किंग्र हिकार किंग्रामा प्रतिकी निविधि कु 1843

र रिवार परा सुम्बनमध्ये निर्देश नारतिरोदी " का भरभ-गत् । इ. जनानी रिपोरी राजमा पता है हि. व. सरहानी नीर कामन कर्म हो सुरिपोर्निने नी कर्क कन्यू संस्थानिक कर्मा कर्मा कर्मिक कर्मा कर्मिक कर्मा कर्मिक कर्मा कर्मिक कर्मा कर्मिक कर्मा कर्मिक कर्मा कर्मी कर्म

## ३३४ पत्र उपनिवेश-उपनात्रीको

[सन्दर्ग] गरम्बर ३ १९०९

महोदय

स्वतः सद साँहे कू मेरे १९ सन्तृहरके पत्रका उत्तर देवकी क्यां कर सकें ठी में साप्तारी होऊँगा।

आपका आदि

टारएकी हुँ दल्लसै अंग्रेजी प्रति (एस एन० ५१५८) से।

३३५ पत्र लॉड ऍस्टहिसकी

[सन्दम] नयम्बर ४ १९०९

लॉड महोदय

बद मुने लॉर्ड कूना पत्र मिल बया है। इत्तरी एक प्रविकिति नाम मेन खा हूँ। इतने नाक नाहिर हो नाना है कि हमारी रिवर्ड नया है। बन्तिय बनुष्केर मेरी गमनमें दिस्तुन नहीं बाया। नोर्ड कूडी जो उत्तर देशा चाहना है उतका समित्रा सेन्सन कर पहा है। वस्त्रक भीमानकी लकाह नहीं नित्त जानी जननक इसे नहीं केन्न्या।

सारा की हुई क्यानी अंतर्जी प्रतिकी चाटो-नकम (एम एवं ५१५९) में।

t to role it i

६ वर करी पादः करविशायः बांद सरमारको असाधाया । हेरिल अवतः वर्षात्रेक्ष-सर्व्यक्षेत्री अ इत भरतन्त्रेणः।

इ. शहे बैदरीओ बन्दोर किर देखिन वॉर्टर हुई ।

### ३३६ पत्र एच० एस० एछ० पोलकको

[सन्दन] नवस्बर ५, १९ ९

प्रिव हैनरी

यचपि मुझे बहुत-कुछ कहुना है तबापि आज मैं बाएको एक छोटा-सा पत्र हो फिक सकता हैं। कोंबे कू के पत्र और मेरे उत्तरकी प्रविभिन्नि वापको साथ मिक्षेमी। उत्तर बमी

कोंई कू को दिया नहीं गया है नवोंकि वह स्वीकृतिके फिए लॉई ऍस्टहिलको मेबा यया है।

विवरण अब विहरित किया का रहा है। ये आपको 'टाइम्स' के साहित्य-परिसिप्टके साथ पार्सक्ते अचकी एक प्रति भेज रहा हैं और बाजा है कि विवरणके साथ जो पत्र भेजा जायेगा उसकी भी एक प्रति मेन सक्या। इससे बनवक का ब्योख पूर्व हो बाता है। साँह कू का पत्र समयपर का यदा है। इससिए कांग्रेस अपने कर्तव्यका पांकन कर सक्दी है। हम आधा करें कि वह ऐसा करेगी।

हुम १३ नवम्बरको रवाना हॉर्ने । गत धनिवारको भैने इंडियन वृत्तियन सोसायटीको एक समामें मायन दिया। अब अत्येक भारतीयको स्विति बतानेके किए ये सब बातें आवस्यक है। इस समाका विवरण सावद अंबिया के स्तरमोंमें छपे। जैसा कि सलम्न काईसे मारूम होता संसम्भारको यहाँ नौजवान भारतीयाँकी एक सभा नह विचार करनेके किए हुई थी कि वे क्या कर सबसे है। ससमें भी बांगलिया भी हाती हवीय जीर में बीचा। मैंने प्रनके सामने यह विचार एका कि विद्यार्थी और अन्य आवासी भारतीय प्रचार-कार्यके किए नियमित क्यसे जितता समय दे सके उत्तना समय हैं दे बड़ाँके हजारों भोगोंसे एक स्मरमपत्रपर इस्तातार करायें और सुवर्षको चाल रखनेके क्रिए जितना वे देना चार्डे उनवे उत्तरा चन्दा में। मै मापको स्मर्वपत्रका ममनिवा श्रेष एका हैं। कार्यक्रम और स्मरणपत्रके मस्विदेगर विचार करनेके किए इस एक समा होनेवाकी है। यदि सम्मव हो तो एक सप्ताहिक बुलेटिन मी प्रकासित करतेका विभार है जिसमे भारत और विशेष आफ्रिकाकी स्वितिका सार विभा आमे। परस्तु इस पत्रिकाके सम्बन्धमें स्पष्ट कठिशाइमां हैं। जेरी सम्मतिमें इस पत्रिकाके किए स्मया मारतचे नहीं किया वा संक्षा। यह स्वानकम्भी होनी शाहिए और यदि कुछ बाडा हो तो वसे बंधेजोंको पूरा करना चाहिए, क्योंकि गेरी मान्यता है कि जनेक इंटिटवेंसि इस कामको हाबर्से केना उनका कर्तव्य है। परान्त हमें एक ऐसा कावनी शाहिए, को काफी योग्य हो बीर को इस कार्यमे अपना परा ज्यान क्रमा सके। रिच इस समय यह काम नहीं कर सकते।

र देखिए फिल्मा श्रीवीय ।

a विकार "सामान व्या रिक्रॉमें सकारी अर्थ ५१५

४ देखर "माला। भारतीचीजी सवार्ग" इत ५१६ ।

३(क्टिर ≅ ६४ : अन्यवास्त्रे विशिक्ष मारतोतीको ≅ प्रष्ठ ५२५—२६ ।

र. कर १६ मुनाई, १९ ९ का बना द्वना निवरण ना, नो नक्तक वितरित कर्म किया गना ना । का यह परिवन क्योर साथ प्रकाशित किया क्या ना । देखिए व्याव्य सीर्वक ।

इसकिए यह रेखना है कि बुकेटिन निकल सकता है या नहीं। यदि कमनकाल महाँ समयपर आ गमा तो बुकेटिन निकलनेकी सन्मावना है। समितिका कार्य जारी रहेगा। मेरा खपाल

है. जाप रिचके साम नियमित कपसे पनच्यवहार करते रहेंगे।

में आपको एएके साल काँडे एँस्टाईलके नाम किसो जपने पत्रकी एक प्रतिक्रिप मेन रहा हूँ। यह सर्वना पोपनीय है परन्तु आपको पूरी दिवलि हो मानूम होनी ही चाहिए। में बाहता है कि जाप इस पत्रको पहनेके बाद फाइ काई। मैं एक नकरू मौतर मेहराको मेन रहा हूँ जीत उनसे भी ऐसी ही प्राचीन कर रहा हूँ। इस पत्रकी मी नकरू उपको मी नकर उपको मी नकर उपको में महरू पत्र है जा है स्वाध हो साम प्रतिक्रम पही क्षण में स्वप्त के प्रतिक्रम पही के मान्य क्षण कराय है। भी महरू पत्रकी मान्य प्रतिक्रम प्रतिक्रम प्रतिक्रम प्रतिक्रम स्वाध मी नक्षण प्रतिक्रम प्रतिक्रम स्वाध स्वाध प्रतिक्रम स्वाध स्वाध प्रतिक्रम स्वाध स्व

बापका यह तार पित गया जिलमें बापने मेरे रिक्क्से तारके बारिय स्वक्ति हुए तने है तिए कहा है। मैं इते कह प्रेज़ीया सावद कुछ बीर भी सिखा सब्देगा। बारियम सस्य बा "नियम्बिट्ड"। इत्तका अर्थ है १३ नवस्यर। यह ए बी सी कोडके पीचनें संस्कृतकर्में

वाया है।

मैं इतवारको कैन्सिकमें इंडियन सक्रियकी एक सभामें भाषक बूँना।

स्वयंदिगर्हों हो सुनी से बाज़ हो मानूम हूं। वायेगा कि तीनी मीर मोंड दोनों सहायदाके किए हैमार हैं। मादानी और विकासी भी कब बा पहें हैं। में नहीं बानदा कि वे कहा करेंगे। नित्तम ही पहें चाहें से ने भी देवा-कार्य कर कोई है। परन्तु सुने नहीं कनदा कि ऐसा हो सकेगा। कुमारी निटरमोहार सबसें दल-जनसे कम गई हैं।

भी बेककी पुस्तककी समाकोकना एकिनकरा हैवाँना स्पूत में करीब २ पतिस्त्रों में की महे है। दाइम्स ने केवक कार पंतिस्त्रों में इसकी प्राप्त स्वीकार की है। मेरे बनाकर्स क्षी क्षी कर्दी सन्यक्त सकी स्वीकार की है। मेरे बनाकर्स क्षी क्षी सन्यक्ति सन्यक्ति कार्यकर्म सकी स्वाप्त के सिंद सुक्तारको एक सना हमें नियाह के नीर स्थितिक सन्यक्ति मेरे विचार सुनकके सिन्न सुकाई है। इसके कमारा दू सनाई सन्यक्ति कार्यकर स्वाप्त कार्यकर स्वाप्त स्वाप्त

टाइए की हुई दल्लाये अंत्रेजी प्रति (एस एम ५१६२) से।

१ देखर "पत्रः वॉर्ड पॉस्टीकडो" पुत्र ५१२-५१४। २. हा संस्थाती वोहें रिपोर्ट कक्कन व्हर्ति है। ३ देखर "विद्यानककी नाक्ति विद्वति हुए ५१९। ४ देखर "वालवः विद्यांची-समाने" पुत्र ५८५-५५०।

गमन्बर ५, १९ ९

महोदम

ट्राप्सवासके विधिव भारतीयोंका विष्यमण्डल वत १ जुलाईको सन्तर्मे बावा वा । वय वयनिवेदाके विधित भारतीयोंके मामकेका संकल विवस्त्व वस विष्यमण्डलके सन्तर्मे आने ही दैगार किया गया जा। मेकिन तब बाल्तिपूर्ण समसीता करनेको दृष्टिसे भाजूरु बातभीत जब रही भी इसमिए इस प्रकाशित नहीं किया। हुनें अब मालस हुवा है कि यह बाउचीत असफस रहा था ६ स्थानपुर्त्त प्रशासन नहा किया। हुन अब मानन हुआ है कि यह नाज्यान करान है। मार्थ है नाज्यान करान सह । मार्थ है नाज्यान करान हो। मार्थ है नाज्यान में कि स्वतिन क्या है। इसिन्य हमार्थ किया है कि स्वतिन क्या है। स्वतिन क्या है। हान्यसान हो गया है कि स्वतिन क्या है। हान्यसान के मुत्रू के क्यानेक क्यान है। साम्य क्यान हमार्थ ह

सही-सही जुलासा इस प्रकार किया था

भारतीय नेतामोंकी विचति यह है कि वे ऐसा कोई कानून सहन न करेंने किसने प्रवादके सन्त्रण्यों उननो पूरीपीयोंके सवाद करिकार न दिये कार्य। वे यह स्वीकार कर लेंने कि एवियावर्योंकी संख्या प्रधातकीय कार्यवाहित सीसित कर दी बाये । सनका जायह है कि कानूनों समानता होनी ही चाहिए।

स्विति अव भी वहीं है।

ास्वात वह मा नहां हा।

हाण्यातक वर्षमा व्यक्तिश्चानिक वी स्मट्डमें यद पंतीयत-कानूतको विधे केवर

पिकते तीन सातचे बाल्योकन वक पहा है रव करलेका बीर द्रारावाकमें गहकेसे बावाद
माराधीनिक बकावा एक निर्मेणन संक्यांमें निर्देश भाराधीनोंको स्मापी निवायके प्रमापतक
वेतेका मराता किया है। बनर हिटिस माराधीनोंका खहेस्य केवक बहु होता कि चारीवेचमें
यतके कुछ बाई बीर मा आवें सी स्मापता कुछ सार माना बस्ता। बेकिन एस कानूतको
रव करनेके सिंग में बात्रीकन कर रहे हैं स्वका स्वरूप है मानको सम्मापत कानूति सा रद कटानक किए वे था कान्यालन कर यह है उचका प्रदास है प्रवादक धन्यालम कान्या पा देखातिक धनावार प्राप्त कराना । इंधीकिए कान्याली विश्वीयवार्धक कान्यार स्वाके हे उध स्वादाखे उनके वर्देश्यकी पूर्विकी विधानें एक करना प्रपत्ति भी नहीं होती। द्वार्यवाशके विदिश्च मार दौरों हारा भनाक्याल प्रविदेश कार्या एकांने वानवृद्ध कर्तमान कान्यानें भी स्माद्यके हारा प्राप्ता कर्मा उत्पारण परिवर्तने किया क्योंना या नहीं भाव हुए मार्ची कार्यने । बेकिन हुए सार्वा मार्च कर्म एक्टो है कि मो रियायों देनेका प्रस्तान किया गया है, उन्हें बनाक्याल प्रतिरोगियोंको स्वीप कबू धकत है कि मा रिप्याण वरका स्टब्स कर है। हुए उन्हों के उन्हों के नार कि उत्तर कानून से समर्थ मही होगा। पारतीय समामने बहु सबसे हस स्टब्स के कुछ स्टब्स वा कि उत्तर कानून है समर्थ पारतपर को कबंक मनता है वह दूर किया जा सके। नह एक ऐसा कानून है किससे उन्होंने की महिन्द की स्टब्स का किता विदिश्य उन्होंने का कि किस के नार्थ कानून में प्रकाशन नोर प्रस्तान प्रतिवन्तवा समर्थिय होता है। इतसे वह सिक्सण स्वारित होता है कि विदिश्य भारतीय ट्रायसका सिर्फ विदिश्य पारतीय होनेके कारक नहीं का सकरे। यह परस्पायन

१ देखिर "दास्तरावस्तानी यारतीवेकि यानकेत विवरण" द्वा २४०-३

६ रन्दिका थे।

मीतिका सम्पूर्ण परिज्यात है ब-किरिया है और जलाहा है। यदि इस सिदाल्यपर बिटिय मारतीय वपनी भीन स्पीकृति दे भी देने तो हमारा जवाल है कि वे अपने-मापको जपनी जन्मभूमिको और जिल्ल हामान्यमं के पहुंचे हैं उपको कोका देंगे। फिर, ऐसे मानमेमें समाल रिप्त हम्मवाकके जनाव्यानक प्रतियोजियोंका ही नहीं है। इन्स्वालके इस कानृत्यों को स्वीत होता है उसे तथान चारत जनुमक कर रहा है। हमें जमता है कि सालमान्यके इस केन्द्रीय सायके नीवॉपर भी शासान्यीय परम्याजकि विपरीत उनाये जानेवाले इस जमूनपूर्व करमका स्वार हुए बिना न रहेगा। बनरक स्पर्सका प्रस्ताव स्व मानकेको सिल्कुक स्पट रूपते तामने हाता हूं। बनर हम एक सिद्धान्तके किए महीं वस्ति कोटे-मोर्ने निनी स्वार्वक्रि किए सङ् कारत है। जयर हम एक सद्धानिक किए गृशी वाकि कार-आग । गाम (वाकि कार कर पूर्व होते तो बनारक स्पर्द्ध फीरण् उनको पूरा करनेक किसे वैचार हो बाते और तिरस्कारपूर्वक उन बोड़-से मुस्तकृत विदिश्व भारतीयोंके किए निवासके बमुमारियन वे वेते जिनकी हमें बकरत पढ़ परची है। सेकिन हमारा बायह तो बहु है कि उपनिवेशके कानूनमें जो बातीय कबंक निहित है, उसे निकास विया बाये हसीकिए स्वन्स एक इंच भी पीको हटनेके मिए वैचार कबंक तिरिद्धा है, उसे विकास दिया बाये स्वीकिए स्वन्य एक हंब भी योचे हटाके किए टैयार नहीं हैं। वे इसे वार निकासकर खुंछ देशा चाहुते हैं। वे हमारे घटेटे हीतताका पट्टा हटानेटें राजकार कराते हैं हो मीजूबा अदे एट्टेंक स्वाय एक सुकर बमकता हुवा पट्टा कीत देशके तिए वैयार हैं। परन्तु विटिध आरटीय इस पोक्षेत्री टटटीमें एँछना नहीं चाहुते। वे सब-कुछ दे सकते हैं कोई भी दिविध मंत्रु कर सकते हैं केकिन याहेंक यह पट्टा हटाया बाना बाहिए। इसिन्द इस विश्वास कराते हैं कि जिन दिवायती स्वायती के स्वायत प्रतान किया था पढ़ा है जनते यहाँक कोन पुमराइ न होंगे। वे यह य मान कीत कि विटिध सारतीय इन रियायसीको मनूर नहीं करते इसिंहए करती मीतें बेबा है वे विही हैं और समझार तथा स्वायहारिक कोमोंकी सहस्तुमीटें और सहावताके पास नहीं हैं। हमें कोई कू से वो बतियम चत्तर मिला है. उसमें बह बता बहितवार किया तथा है

कर्वेड महोरपने बापको कहा विधा मा कि भारतीयोंको प्रवेशके जिएकार था दूवरी बार्तिक सम्बन्धमें पूरोपीयोंकी करावरीकी त्थितिनें रखा जाना चाहिए, जाएकी इस सीवको जी स्मर्ट्स संजूर करनेमें असमन्ते हैं।

मही मूक किलाई है। बिटिस भारतीय प्रवेसके विषयानके सम्बन्ध कानूनी समानता पाहते हैं नाहे कभी एक भी स्वक्र में स्वित्व महिन्द न हो। वे हतीके सिस्ट वह रहे हैं। हमें हुम्समानके में बाद मिलाई है समानता के सामानक के सामानक के मानता एक मुग्ने से मान करीका नीतियल सिर्फ बुनियारी ममानता है। केकिन वनमें कहा समा है कि स्वक्र किए कुछ लीम सा अपनी साम है हैं। हम्मसानक कानूनते हस सिद्धानकी कानूनते हम सिद्धानकी स्वत्व होता है, और हसीकिए विटिस सारतीयोंने हसका तीव विरोध किया है।

वक्तर है। कुलापमात हाता हु बार क्याण्य रवाट्या भारतायान हरका ताव राज्य क्या है।

क्षा का फरूता है कि ट्रान्टवाक काशायित कानियेश है और वाव परिश्न सारिका धंन-राज्य ना राज्य है स्वतिष्ठ स्वा मानियों कोई राज्य गर्दी में बार करती केदिन यह तक तियानि कि वह होगा। क्षितिकों नियमताका कारण धामान्यके कंपरों की नई सकती है।
धामान्यके धंनियानिक निवस को वापान नियम वार्या है उनके किए धामान्य-राज्या नियमेदार है।
धामान्यके धंनियानिक निवस को वापान नियम वार्या है उनके किए धामान्य-राज्या नियमेदार है।
धामान्यके धंनियानिक कानुनको जब करता संबूद किया बाब उसे ऐसा करनेका मकरने मार्दी की वापानिक मार्टिक करता पार्टिक कानुनको जब कान्य स्वी क्या का अपने स्वा करने कारिका साम्यक्त करता सामितिक करता सामित सामितिक करता सामितिक सामितिक करता सामित

है। फिन्त बह उनहोंने बहत बेरसे किया है। भी स्थटसने कॉर्ड महोदयको इस बातकी प्रविद या दिलाई है कि उच्छ काननपर सम्राटकी संबरी मिल वकी है। टान्सवासके भारतीवींने चस कानको मेंन करता और उसको भँग करतको सवा भगवना शक कर दिया है न्ति पुरान पर प्राप्त कराज्या वर्ष कराज्य प्रधान पुरान कराज्य है किया इसीकिए वर्ष्ट्रे बपना पर्य पीछे हटानैका न कहना पाहिए, न कहा वर्ष्ट्र व एक्टा है। स्टेट विसम साम्बन्ध में एक राजनीतिक और उच्च ग्रव्हे जाकांटीके क्यमें उनकी दिसीट मिनियाय है। किना इससे व तो बिटिख कोगोंका कोई सम्बन्ध है और न मारतीयोंका ही। फिर में बिटिस सरकारके इस बगरामके किए जिम्मेदार भी नहीं है।

इस यह भी कह हैं कि दिख्ये बार महीनोंसें विरक्तारिमीं और स्वानोंसें कोई बसी नहीं हुई है। समायके नेताओंका येख जाना चारी है। येखके कामबाँकी सस्ती कायम है। येकका वाना और मी बराद कर दिया गया है। बोहानिसवर्गके प्रमुख डॉक्टरोंने गवाड़ी दी है कि वाता बार ना चाउंच कर दिया तथा हु। चाहात्ववचन अनुच वान्टरान नवाहां या हूं। क भारतीय केंदिवाँकी सीजूदा प्रोजन-जाविका वस्पाँच्य है। विकासितों मुख्यमान केंदियों की बानिक मानवार्मोंकी वरेका की है और उन्हें जिन परिच रोजीको सावों सुक्रमान सार्क-बर-साक निष्यांचे रखेटे चक्ते आये हैं उनको रखनेकी सुविकार्य वेनेके इनकार कर दिया है। ऐसा पिक्के साक नहीं किया यया था। क्यी हाकमें साठ वनाकामक प्रतिरोगी प्रिटोरिंग प्रेमचे सूर्य है ने सील जीर पूर्वक होकर साथे हैं। उन्होंने हाँ यह बबर मेनी है कि यहार उन्हों पूर्वी रहना पड़ा फिर भी बरकार उनको बब विरस्तार करना नाहे ने उससे यथार ज्या पूजा प्रका पक्षा कर भी सरकार जनका बद विराह्मार करना नाहे वे उसके विषर देवार है। बिडिज मारतीय अवके कार्यवाहक अध्यक्ष सभी विराह्मार किया से सौर तीन मारकी रुक्त केरको जवा वेकर खेल मेंचे पये हैं। यह उनकी तीवरी बेठ-वाणा है। ये मुख्यमान हैं। एक बीर पारती जो एक पुश्चिका स्थित है नेटाकको निवीदित कर पिते गरे से। वे किर का यूरो और वह क महीनेकी क्यी कैरकी त्या कार रहे हैं। वे पाँचमी बार बेक गये हैं। उनके साथ एक बूटरा मारतीय युवक भी जो कमी स्वरंग्डकॉड़ा साईट मा तीसरी बार बेस गया है। उसे भी वही सवा सी वह है जो उन्त पारसीको सी पई है। वेस समें हुए विदिश भारतीमोंके स्त्री-वच्चे टोकरियोगें एक गरकर इवर-उघर छेरी क्यांते है बौर इस तरह बननी बाबीविका कमाते हैं या उनकी परवरित चलेसे की बाती है। से स्वत्य विकास आधिकाओं कारण वृत्ता व्यक्त विभाग प्रश्निक विकास स्वीति स्वत्य के स्वति हो। सी स्वत्य विकास आधिकाओं किए सहासमें द्वारा होते चम्प कहाँ सा कि वृत्ता कार्रें कृष्टे ऐता प्रमानिता हो। गया है जितक बहुवंस्पक विटिश्य साफीमोंकों को जास्त्रीक्सने जस्पन्त क्रम पर्ये हैं, एस्त्रोस हो बायेना। क्षेत्रिन उत्तके बावकी बटनावाँचे एनकी सदिस्पदासी विम्छल गलव सावित हाई है।

अरापके अरावि

सो०क गांधी हानी हनीव

[संबद्धपन ]

वन्तस्यका सार्राञ्च

ट्रान्धवासके बिटिया मारतीय पिछले बाई सालसे ककवनीय कच्ट मुक्त खे हैं। उनका उद्देश्य है

्रात्यवासके एसियाई पंजीवन जीविनवस (१९ ७ के कानून २)को रव कराना। कानूनके निर्माता उसे उपनिकेशमें रहनेके जीवकारी बिटिय मारशीयोंकी विभास्त

करनेको कार्रवाई साम बढावे हैं फिल्मु बिटिस मारतीय सुद उसे बस्मन्त सापित जनक मानते हैं। क्योंकि वास्तवर्में ---

(१) इस कानूनसे उनकी वानिक मावनार्मीको बोट समती है भीर कई

तरहरे जनका अपमान होता है और

(२) बादकी टारीबके एक इसरे कागूनके साथ (वो प्रवाही अधिनियम कहबाता है) निवाकर प्यतिने यह मारतीयोक्ति प्रवासक मार्गेसे चाह से मारतीय कितने ही सुसंस्कृत वर्षों न हीं उनकी बादि और रनके कारण एक अकंध्र कहानद शैव करता है।

दे को राहुत चाहुत है, वह पंतीयन कानुनको रें करने और प्रवाधी कानुनके छोटे-से संसोधनतरे उपनिदेशमें विदिध आरखीलाँकी बाह रोजनेकी नीविको खटरेने काले विना बाहानीये ही जा सक्दी है। कानुनको एक करने और संयोधनकी कार्रवाईका किमातक प्रभाव होना वादीय करमानका निर्माणक समेरे उससे धायब कुछ योड़े-से नवारन्युक मारखील हो प्रवेध कर पायेने विनको यहाँ कावाद आरखील प्रमावकी माम्पारिक और कीरिक मादसकटाएँ पूरी करनेके लिए बक्टत है।

हास्त्रवासमें बास्त्रकों इस समय घो भारतीय खाते हैं उनकी संख्या सगमय ५, ० है। हास्त्रवासमें बीववास प्राप्त थारतीय बाबादी करीब १३ है।

इस अन्तरका वर्ष यह है कि अवसा ८, शास्त्रीय फिक्क्शक ट्रान्सवाटसे मगा विने यमें है क्योंकि वे दत्तने कममोर है कि जैस जीवनके साधीरक कप्टोंकी सहन नहीं का सकते।

२.५ से ज्यास बिटिय आरतीय द्वार्यस्थकते बोकको मुयोपित कर बाये हैं। इसमें से एक दिवा बाकी सकते स्वार्यस्थ कर कार्य हैं। इसमें से एक दिवा बाकी सकते स्वार्यस्थ कर कार्यस्थ दिवार दे कार्यस्थ के कर कार्यस्थ कर के को कर की की इस संपर्ध में दीकों आरतीय कर्या हो। इसे हैं। कियो ही परिवारिक क्षार्यस्थ कर कर के की प्रतिकार के कार्यस्थ कर कर के की प्रतिकार कर कर के की इस स्वार्यस्थ कर कर के की इस स्वार्यस्थ कर के की इस स्वर्यस्थ कर के की इस स्वर्यस्थ कर के की इस स्वर्यस्थ कर स्वर्यस्थ कर की इस स्वर्यस्थ कर स्वर्यस्थ स्वर्यस्य स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्य स्याप्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्थ स्वर्यस्य स्वर्य

ट्रान्यवासके कुछ चवारमना यूरानियोंके एक बक्तने विगमें ट्रान्यवाकके संसद-नवस्य भी कम्प्यू हॉस्कन भी हैं स्थाय-वास्तिके किए बचनी एक समिति बना भी है।

भी वर्षण्य इतिका भी है स्थापनायका गण्य वाणा पुरु छाताय बना भा है।
[हिन्नू बीर मुक्तमान पारती और सिन्न कन्येते-कन्या मिकाफर तह रहे हैं। बाजका तैयर कपने तीन करोड़ वेधवानियोंकी सम्मान-स्वाके किए नारी रक्ता था रहा है और यह विस्तृत निस्तान है। काट मुयतनेवाके कोपोंकी सपना कोई स्वार्थ सिद्ध नहीं करणा है।

भारतीयोंका कहना है कि नाल्याकके वागिनेश-निषय जनरक समद्व १९ ७ के एप्रियाई

नार्यायाण प्रदेश हूं १० राजपालक बयानधनावय नारक समृद्ध १६ ७ के ह्यायाई पंत्रीयन कानुनको रह करनेके लिए बचनवर्ध हैं। यदि यह कानुन वारस ले क्रिया याठा तो जिस्ति-आर्थीपॉका प्रत्न वपने-बाए हल हो जाता व्यॉकि इसके विना अरर कई हुए

प्रवासी कानुवसे एक्व सिम्रा-आन्त भारतीयोंके प्रवेशमें कोई क्कावट वहीं होती। जनरक स्मटसका बहुना है कि छन्होंने भी बांबीसे इस कागूनको एवं करनेके सम्बन्धमें बादबीत की भी केकिन कोई निविचत बचन देनेकी बात जनको साद नहीं बाती। भी गांचीने हकफ-नामा काश्चिम किया है कि ऐंसा बचन विया गया वा और अपने कवनके समर्वनमें सिक्षित प्रमाण भी वेश किये हैं। चनरक स्मत्सका कहना है कि मास्तीयोंकी माँगें कियारमक क्यमें पूरी हो यह क्वोंकि छनकी इच्छा पंजीयन कानूनको अगल-बाहर मानकर चलनेकी है वे इसके लिए सैवार हैं कि विविश्व भारतीय अनुमति केकर और अस्थायी अनुमतिपत्रीत प्रवेश करें और इन सनुमतिपर्योकी सर्वाच समय-समयपर बढ़ाई चाठी रहेगी। भारतीसाँकी मान्यता है कि उच्छ कानुनको एवं करबाना छनका महत्त्वपूर्व वाधित्व है और यदि सह कातृत बमछ-पाहर है तो इससे सरकारको कोई साम नहीं हो सकता। उनका यह मी बहुना है कि विशिद्ध भारतीयाँका जनुमति केकर प्रवेश करना वेकार है क्योंकि यह आम्बोलन हुक व्यक्तियोंके प्रवेश प्राप्त करनेके लिए नहीं बक्ति चातीय सम्मानकी रक्ताके सिए किया वा रहा है। इस अनावस्थक कानूनी कातीय नियाँग्यशाते स्थिति इतनी अपमानास्यव हो बाती है और यह समस्त भारतीय वासिके लिए कम्बका स्वामी स्रोत वन वासी है। यह कानून छपनिवेदोंके इतिहासमें इस बंबका पहुंचा कानून है। किसी भी इसरे स्वसासित स्पनिवेसमें ऐसा कानून नहीं है जिसमें ऐसा वादीय अपनान हो जिसे साँके पाँकने 'पुस्टतापूर्ण प्रतिवास' क्या है।

हिटिस मारतीर्वोकी क्ष्मा यह नहीं है कि उनके देखवाती ट्रान्तवासमें अन्धामुख्य मर थार्थे। उनका निवेदन वह है कि प्रवासी कानूनके उचित समझसे कोड़े-से प्रारसीयों ---चराहरमार्च प्रति मर्प छ उच्च विका-माप्त आरतीयाँ — के अतिरिक्त सम उपनिकेसमें प्रविद्ध कोतेसे रोक दिवे वार्षे । केप आस्त्रेकिया और पूसरे सपनिवेसीने एसिसाइसोके प्रवासका प्रका भारीय कानुसका सहारा किये विमा ही तथ कर किया है।

क्रमी हई बंग्रेजी प्रतिकी फोटो-लक्क (एस एल ५१८ )<del>है</del>।

### ३३८ पत्र उपनिवेश-उपसम्बक्ती

[क्रम्बन] नवागर ६ १९ ९

महोदय

मुझे बापका इसी है शारीखना पत्र संस्था १४५१९/१९ ९, प्राप्त करनेका सीमान मेमा। वह बस्पन्त सेदवनक बात है कि वर्स साँठ कू प्रवासके सम्बन्धमें उस सैदास्तिक मानदाको मंत्रूर करातकी सामा नहीं बेंबा सकते जिसकी गाँव विदिश भारतीय करते हैं। ह सैदान्तिक समामता अवसक सारे उपनिवेशोंमें नान्य रही है और, सावर निवेदन है कि कमान इसके कारण ही एक प्रजुत्तराके अजीन निस्त्रकी विक्रिप्त चारियोके एकीकरणना ोचित्य सिक्ष हो सकता है। इस विपतिको जनताकै सामने रत्त हेने और दालाबाध दौर

वानेके क्षिता मेरे मीर मेरे खायीके किए अब कुछ करना बय नहीं रहता। परस्तु यह प्रश्न बाजान्त्रीय महत्त्वका प्रश्न है, यह बेबते हुए मैं बीर मेरे खावी सम्मानपूर्वक बाधा करते हैं कि सीमान् बब भी ट्रान्यवाकके भवासी कानूनोंसे भीमूब सप्यानवनक रग-सम्बन्धी प्रश्निवनको दर करानेके छिए अपने प्रभावको काममें कार्येन ।

सापका सावि मो० क० गांधी

फनोनिक्स ऑफिन रेकर्ष्ट २९१/१४२ और गहप की हुई दक्तरी अंग्रेजी प्रतिकी फोटोनकक (एस एन ५१६४) से मी ।

# ३३९ पत्र ट्रान्सवालके ब्रिटिश भारतीयोंको<sup>क</sup>

्रिस्त नवस्तर ६१६९ो

हमें किनेकों की मोकी आपकी और से यहाँ काम करनेवाले व्यक्तियांसे वारकी उन मुसीवरों और विकरोंका पता पक्षा है बिन्हें आप विदिश्य सम्बोके नीचे मोन रहे हैं। आप बपनी प्रमाति (रेव) और मानुभीवकी मान-जाके किए वह रहे हैं इसकी हम प्रसंक करता है। हमारे कमान्ये ट्राम्बाक सरकारकों उन विदिश्य प्रवासनोंगर, भी उनसे मिन प्रमातिके और निम्न रंतक हों रंग मा प्रवासिक व्यापारण उपनिवेदमें आनेकी रोक कमानेका कोई हक नहीं है। हमें हम उस सामान्यकी निक्ते आप और हम रहते हैं राज्यात्राके किनरीत मानते हैं। आपने को नरम क्व बिन्दाना किया है हम उसकी प्राह्मा करते हैं क्योंकि जहां बाय स्वसादत वरने वालीय सम्मानकी निक्केक बनावे प्रवन्तर कोर देते हैं, वहाँ आप ट्राम्बयाकके उपनिवेदियोंकी मास्त्रीम हमायकों निविच्य और सीमित करनेकी इच्छाका निरोक्त मही करते। कैकिन बाप चाहते हैं कि यह कार्यवाई सामान्य और समजायान कान्नक सम्मार्थ करते हसे करते। केकिन बाप चाहते हैं कि यह कार्यवाई सामान्य और समजायान कान्नक सम्मार्थ

बापने बपनी धिकायोँ दूर करानेका जो तरीका बपनाया है वह वर्गको बीजनकी पक-प्रकर्मक स्वित माननेवाले हम लागोंको अच्छन बगा है। बापने बपनी स्थितिको मजबूत करने

र जमस्य र को किने वक बावेक्को उपनिवेक-कार्यक्रमण हुएँ महिकियाका पता वक्त आता है। बांचीतीका पत्र प्राचेस कार्यक्रम महाकिसी मुक्तमान सरकारको एक श्रंस भेगा था। वेकिए परिविध 33।

और विधिकारियोंको अपने उद्देश्यके स्थायोचित होने और वपनी मौगकी सचाईका विश्वास रिकानेमें डिसा और घरीरवसका सहारा नहीं किया है वस्कि एस कानुनको जिसे बाप उचित ही अपनी अन्तरात्माके विदेश समक्षते हैं माननेसे बहायूरीके साथ इनकार करके स्वयं कप्ट सहा है और कानुसकी जनजाके फसरवक्य मिलनेवाके बच्चकों स्वीकार करके जापमें से कोय अवतक बोस वा चुके हैं। ये सजाएँ छ। महीने तक की और ज्यादातर सक्त कैरकी थीं। बापमें से अब कोन कंपाछ हो गये हैं। रिजयोंने वैर्यपूर्वक बपने परियोंका नियोग सहा है और चनकी हानश करीब-करीब मूखों मरलेकी हो गई है। आपके व्यापा रियोंने अपना मारू विक चाने विमा है और अपने अनवारोंको मारू के बाने दिया। इस तरहरे कृष्ट सहकर जाप विस्तके विभिन्न अमेरिक महान जाकामिक सकते साहसका परिवस है एते हैं। इमें बापसे एहातुमृति है। कहनेका बाध्य यह है कि हमारा समस्त श्रीवत साझी रहेमा कि हम कितने धच्चे दिससे चाहते हैं कि यह सबर्प वारी रखनेके किए जायको इस और साहस प्राप्त हो। आपके प्रति अपनी सङ्गनुसृतिको व्यक्त करनेके क्रिए हम इस पनपर अपने इस्ताक्षर कर रहे हैं। आपके कष्ट पूर करनेके लिए जितना जन बेना इमें जकरी कमता है प्रदता जन भी दे रहे हैं। हमें बाखा है कि ट्रान्स्वालके विविधारी और करवनके विविधारी मी अपनी बाँसे कोडेंने और तरन्त सहायता मदान करेंगे।

[बंदेबीसे ]

इंक्सिन जोविनियम ११-१२-१९ ९

३४० झिष्टमण्डलकी आस्त्रिरी चिदठी '

[नवस्मर ६, १९०९ के बाद]

**ਘੋਵੇਂ ਜ**ਜ਼ਹ ਰਚਵ

क्षव सर्व दिनके स्थाने-वैद्या साफ विचाई वैद्या है। कॉर्व कू ने स्थम्द स्तार दे दिया है। सन्दोंने विका है ै

मी स्मद्रस वो वार्ते स्वीकार करते हैं १९ ७का कानून २ रह कर दिमा कामेना और हर साम क विश्वित एधियाइयोंको स्वामी निवासीके कपमें नडी जाने विभा आवेगा ! आप स्वीकार करेंगे कि यह जो ने देना चाहते हैं आयेकी बोर एक करम माना बायेचा क्योंकि इससे कानूनको वरकनेका को क्यर होना चाहिए वह दो हो जायेचा। केकिन बाप को बारायोगोंको कानूनमें यूरीमीयोके बरावर हुक देनेकी योग करते हैं यस मीयके मंतूर होनेकी बाबा मॉर्क क्य हुक हिसा सकते। १६ विकासरकी मेंटमें खॉर्ड कृते कापसे कहा था कि प्रवेस और जन्म बार्टोके सम्बन्धमें क्वारतीयोंको बरोपीयोंके बरावर तक वैनेकी गाँग भी श्मदस यंगर नहीं कर सकते।

र वह इंडिक्स औरिविक्समें इस वीर्विकेट क्या गा, "वीर्वेको किया गया काम व वसरोंको निरक्त ers meil ure un urffe für milber !"

य, पूर्ण पार्टेक किए देखिए परिक्रिक देश ।

## क्षिष्टमण्डणका उत्तर

इस पत्रका उत्तर शिष्टमच्छक्रने शीच सिक्के अनुसार दिया है "

#### रिपपी

श्रव सब भारतीयोंको समझ छना चाहिए कि यह कड़ाई किए किए कड़ी था रही है बीर कितनी बड़ी हैं। इस सारे भारतका बीझ उठन रहे हैं। ऐसा करणा हमारा कर्तम्य है। बबर हम यह मंबूर कर कें कि मुरापीय और हम बराबर नहीं हैं दो फिर स्मर्स्य हम को बार भीतें देनके किए वैमार है। लेकिन के कानूनमें यह कात जकर रखना पाहते हैं कि हम दोरोंके करावर नहीं है। उन्होंने ब्रिटिस मौति और मानवीय सिद्धान्तोंकी पहणर इन्हाटी मारी है। इसने यह चोट अपने कपर शक सी है न्योंकि इन इन विकान्ताकी रसा महते हैं। सवर इस मुक्पर फ़ुल्हाड़ी काती है को बिटिय राज्य न्वर्ष है बौर ठालाबाकर्ते मा बलिक काफिकार्ने बिटिस पारतीयाँका रहता युकामी है। मेकिन इसे कोई क्षा वार्ता वार्ता का वार्ता करिया कर कर का वार्ता का वार्ता हुए उन्न के विद्यालोगे मा मार्ने उपकी बाता का कर वो इस बुकार नहीं पहुंठे। पहुंके बारानेमें कोर सार-सारकर बुकार बताये बाते हैं। पहुंके बारानेमें कोर सार-सारकर बुकार बताये बाते हैं। पहुंका बाराना सम्बा बा क्योंकि उसमें सब सबीब सत्तकपर तर बाती थी। बससे सोग देश सकते वे बीर उससे अन्तें बमा हो जाती थी। गुलाम भी जब कप्ट सहन न होता तो भाग जाते ने दा गर आते कर पूना हो पांचा पहिला है कि एक स्वरूप के प्रश्निक कर कर है है और इस एक पुरासीको से मूर कर लेखे है भीर बास्ते भी नहीं कि सह गुकामी है। हम बीवाय साफिकामें ऐसी बसामें पहना नहीं बाहरे स्वक्रिय सरसावहकी खड़ाई खड़ रहे हैं। सरकार यह बात बातती है कि बार हम सक्के गुकाम बनानके प्रयत्नीको जसकम कर बैंने दो हमारे सिए बुसरी बात बातता हो बार्वेसी। बागर हम इस बावको न बानते हों तो हमें हते सब बागना चाहिए। इस सब्बे मजाविकारकी सवाई कर रहे हैं। हम यह दिसा रहे हैं कि एक राज्य बननेकी आकांक्षा

पंत्राविकारका बहार तक पहुं है। हुन यह । एक। यह पुरु पुरु प्रत्याण काणा प्रकार के स्वितिकार हम केवल द्वारत होते चारिएन हम केवल द्वारत होते चारिएन हम केवल द्वारत होते चारिएन हम केवल द्वारत होता चारण दे हैं विकास सामान्य सरकार के स्वितिकार हम केवल द्वारत होता चारण है। विकास है। "व्याप्त केवल द्वारत हम केवल होता है है कि तुम पृक्षानीका पहुंचा कर्य तो यह है कि तुम पृक्षानीका पहुंचा कर्य तो तो तुम्द्री साथ कण्या व्यावहार किया वार्षिका। यह तो देवी हो बात हुई माने वर्षन स्वेत केवल हो तो तुम्द्री साथ कर्या व्यावहार किया वार्षिका। यह तो देवी हो बात हुई माने वर्षन स्वेत केवल स्वेत हो तुम हमारे वार्षीन हो बातों तो तुमते क्वल स्ववहार किया वार्षिका। सेवल स्वेत केवल स्ववहार किया वार्षिका। सेवल स्वेत केवल हुई हो तह हमारे वार्षीन हो वार्षी हो तथा क्वल है। ऐता ही करा हमारे क्वल हमारे केवल हमारे केवल हमारे केवल हमारे केवल हमारे क्वल हमारे केवल हमारे हमारे केवल हमारे केवल हमारे केवल हमारे हमारे केवल हमारे हमारे हमारे केवल हमारे हमारे हमारे हमारे केवल हमारे हमारे हमारे हमारे हमारे हमारे केवल हमारे हमा

१ राजे पाने किया वेतियाः पात्र व्यक्तिक व्यक्तिकोत्तः पुत्र ५९४--५५ ३ २. छन् १९४० का परिवाहे पंत्रीतम व्यक्तिका २०० ५ ३

#### राम्मूर्व योगी शह स्व

रतता चाहिए कि इसका जगाय कैनल हमारे हाचमें है ब्रिटिय सरकार या ट्राम्यनाक सरकारके हाममें नहीं। जगके सामने सन सन्य चित्रकर पेक करना और जनको समझान हमारा काम है: बेडिन हमें यह न मुक्ता भाविए कि अपने सकड़े सिवा हसरा बक कभी काम न देया।

#### मावना

एक भार मुझे खाँडे कु की किट्ठी मिकी जीर दूसरी बोर बराबारों मेरे सहके हिर सावके केन जानेका सार समावारकों में स्थान । इससे मुझे टिक्ट मेंट्र सहारता हुई। मुझे सुं जय भी बच्चा नहीं सन पह था कि जब बहुत से मारसीय विराज्य है। मुझे सुं ठव मेर बेटा और में बेक्ट बाइर पहुँ। तभी यह सार सा पता। कुमारी पोत्रक हुए उन्दर्शन मेरे भावनाको समस्ती ह इसिम्ए उन्होंने मुझे यह बबर देते हुए बगाई सी। यहार में बातता है कि इससे एवं बालट केन्ट होता किट सी में उस बजराब स्थापन करता है। इस से बातता है कि है से मा मी हिए है और बातिकी देवा है। यह इंस्टर्स बाता हो। सा गायना । पुन भी दो बालक ही बे। तुमने बनने देवके सिए बननी वित्त दे सी। मैंने इसमें प्रसुद्ध निर्मा करता करता है। सा वह में बनने देवेंके सेस बातेनर को पहले सा बाति है। कह से सा की से हैं। इस में बनने से बनने देवेंके सेस बातेनर कमें पहले सा बाति है। उसके बने से देहें। इसमें उनके मा के से से हैं। इसमें उनके कोई स्वाम मही है। बिर भी वे बेक्टा हुक्स मोन पढ़े हैं। किर भी वे बेक्टा हुक्स मोन पढ़े हैं। मैं यह नहीं मानता कि इस इक्स के बढ़े युक्त न मिल्या और इसारी प्रतिकार का लिए किर के स्वी है। इस नहीं मानता कि इस

### रक्षिण शामिकी भारतीयोंसे

में धमस्य बंजिल लाफिको भाष्टीमंत्रि कहता है कि यह सज़ाई केचल ट्रास्प्रशासको नहीं है। यह बाप धनकी है। व्यक्तिए जाप धन कान्नेपालोंको पूर्व हिम्मय देवारों। भी समुक् स्राहित बंदी भी नामय भागत महीका रंपवंप वेचकर मने हैं में उनसे कहता है कि नोनेंको बापलित उत्पादित करमा जिल्ला कर्येला है। वह बाहार्सिय चान पर कर उनसे हैं कोई बापने धन्यति और नमने भगसे और कोई जेन नाकर। मूने बाद्या है कि धनी ऐसा करेंप। हमारे रवाना होनेने एक ही हस्ता बाकी है। बीर दस बीच बहुत सारे कान निवदाने हैं। इसा विदर्श तेंपर है वसे बारी सब बनह लेचना है। बसके साथ पर मी किसा है। बहु क्या प्रकार हैं

स्य तकार इ आर्था है, यह पत्र सक्तवारों में प्रकासित किया जायेगा।

### इंडियम पृथियम चौचाइटी

इडिबन यूमियन छोछाइटीकी बैठक विभागको हुई। इसमें भारतीयों और यूरोपीमेंकै सामने बढ़ाईकी पूरी स्विति रखी नहें। इसका संक्षिप्त समाचार स्वामीय बढ़तारोंमें क्या है।

१ किस्मानक (चेंडर) १३ अवस्त्रको रणमा ह्रण च्य ।

र, क्रमे पाने किर देशिर "का कशारींको" यह ५१०-२१ ।

### हरूमके माध्वीयांकी समा

गत मनतवारको सही रहनेवाके भारतीयोंकी सभा हुई थी। इस समामें वाभीस-गवार मारतीय साथे होंगे। उनके सामने भी हाजो हुनीव भी बानकिया और मैंने भारण दिये। मैंने मीर की कि हुक मारतीय स्वयंविकक वने जीत वर-वर बाकर एक सहानुमृति-गवपर हिसाबर कराने सो बान पत्र वाकर एक सहानुमृति-गवपर हिसाबर कराने में को कमाने-कम एक उनका बचर हिराबर कमाने-कम एक उनका बचर हिराबर कमाने-कम एक उनका बचर विद्यास साथे को दूसरों पर हुए विकान रहेगा। इस मीगको स्वीकार करके कमाने २ पारतीयोंने तकाल ही बपने नाम दिये। यह एक बड़ी बात है। इसकी बड़े गहरी वा सकती है। बौर यदि सब स्वयंवेकक पूरी कामवारीके काम करें तो बहुत दक्का काम है। उकता है। ऐसी हाकतों यदि एक बीर मारतों को बहुत वीर अक्कारण बना है। सेर स्वावंवेक पूरी कामवारीके काम करें तो बहुत वक्का काम है। उकता है। ऐसी हाकतों यदि एक बीर मारतों को बहुत बीर अक्कारण बन्त हो सकता है। वारमें हुक मुख्योकी काम मी मिके। हुक मिकाकर ये नाम मिके हैं

सर्वसी वी हो बनों एस पी बनों एक काकन के पी पटेक के अमीव एत॰ इारकारास की ही तोज एक पून बोस की एव काल अनुत हरू एस मंत्रा ए हाफिओ मी सहूस एक आर विकिसीरिया की सिंह, वी प्रदास हुनेन बावद ए एक पून बार की मृंसिक, पून के आवाद पी बहन की ए पैन और एक॰ है कीवरीन। नियम महिलाई सी है कुमारी एक विटरकों की बीमती की नाप सीमती पोक्क सीमती हुने कुमारी हुनेन और सी पोक्ककी पुनिवां।

### नलपार निकाकनेका शुकान

इसके बक्षाचा ऐवा विचार भी है कि जबवक कहाई चकरी है उबवक मही एक किर-सा बढ़तार निकास बाने । एक बढ़तार नैक्सिक बारिक सीर भारतसे प्राप्त समा किर-सा आहतार निकास कार्य । इस बढ़तार नैक्स बारिक बीर भारतसे प्राप्त समा पात्र है कि यह प्रभी निकास स्थान के बढ़ दक्षण कर्य महिक बीर उवार । इसको चक्राता गीरोंका कर्यन्य है। बीर उन्हों ऐवा करना भी चाहिए। विकास बड़ा बाती है कि भी रिचको करानी सुरवार नहीं है बीर इनकी वायु काम करनेवाला कीई हुत्या इस सम्म है नहीं। उनके मातरहा काम करनेवाले बहुत पिकते हैं बेनिक नकरने सिनी ऐसे व्यविकास है। वेश व्यविक विकास करने सिनी ऐसे व्यविकास है। ऐसा व्यविक विकास करने सिनी है करने करने सिनी है करने करने सिनी है करने स्थान सिनी ऐसे व्यविकास है जो अपना बाया करने उसमें समा है। ऐसा व्यविकास विकास करने सिनी है करने स्थान सिनी ऐसे व्यविकास है।

### नापरकी श्रष्टापता

करानें प्रस्तात पारधी भी भागरने को कुछ समग्रे किए बोहानिसनमें कार्य से अपने कर्षते एक बायपार्टीका आयोजन किया है। इसका ज्वेष्य यह है कि कोग हम दोनोंसे मिछ छड़े। पार्टीमें उन्होंने कराय द कोर्योको कुछाया है। वर्षातें सन मामका समझाया खारोगा। समापोह पुक्रमार, १९ सारीकको होगा। जब कार्यों को देखा सन हो पहाँ है। किन्तु, इसका कतर किरान होगा नह हमापी हिम्मतपर निर्मेद है। यी मायरके करियम सकस से के ' कुछ

र देखिए सिक्स वीर्वेष ।

र, देखिर " मलना निर्माशनाने," वृत्र ५४५-५ ।

वंगीयी १४ विष्यवादी क्षेत्राचे कोव्यार वैवर्ड प्रशास विके के ।

(बचेन) मापकी बहुत सहायता नहीं कर सकते। बापको कच्ट सहने होँमे बापको जेब बाता पहेता। ऐसा करनेपर जौर जब सारत जरेगा तती इसका सन्त होगा। आप गाद रिवय कि इसके बिना कुछ नहीं होगा। मैं दो जो मझसे हो सकेगा करूँगा ही। यह कहना ठीक ही है। इसरे सोग हमारे किए कुछ कर वेंगे यह मान बैठना अमपूर्ण है।

वाँ कमारी चोधी और भी महस्करने खडाईके किए तीन-तीन गाँउ दिये है। यी मोकुसमाई इसासने १ किकिएकी रक्तम ग्रेजी है। वॉ कोशीने (प्रेडियन नोपिनियन के सम्यायक्को पत्र भी श्रिका है।

[गुजरादीसे]

द्वेबियन कोपिनियन ४-१२-१९ ९

### ३४१ सम्बन

[ शवस्वर ८ १० ९ के पूर्व ]

क्रिपॉफे नवाविकारफे छिए व्यावशिवन करनेवाकी शक्रिकार्य

मुझे दो समदा है कि इस समय रिचयाँ मताधिकार केनेके किए जो सवाई चका रही है वह हमारे किए विकिये-विधिक उपयोगी है। उसका महत्त्व बक्षिण वाफिका और मारत बोनोंके किए है। हमें उनकी बहुत-ती बावोंका अनुकरण करना चाहिए, जीर बहुत-ती वार्वे छोड़ देनी चाहिए। दे इमारी ही भांति मानती है कि उनके इक मारे वा खे है। इनकी [पुस्तिंचि] हीन माना बाता है। उनकी छड़ाई छाने बर्धेचे बक्क प्या है। उनमें भी दो पक है --- एक कमजोर और बुचरा शाकतवर। जनमें और हममें बन्धर यह है कि वे सत्याप्रही सभी है वरिक सरीर-वक्की पता करनेवाली है।

उतकी बीरता जनकी एकता जनकी बन-स्थाग करनेकी बृत्ति और उनकी बृद्धिमत्ता धनी तारीफ करने और बनकरण करने बावक है। वे पत्कर फेंक्टी है इसरोंको काट देती हैं और नर्माशका सरिकनण करती है--ये सब ब्रोहने कायक है। ऐसी तीन जटनाएँ अभी हालमें हुई है। मचेस्टर बेलमे एक स्वीको चनश्वस्ती चाना चिलामा जा छा था। इसकिए स्थाने ऐसी मुस्ति की विश्वते [कोठरीका] बरबाबा बोका ही न वा सके। इसपर अबि कारियोने संस्के अपर बम्बेस पानी क्योबा जसने फिर भी बरवाया नहीं कोला। इस स्त्रीकी बहाइरी सच्ची बहाइरी है केकिन जसमे जसका जनुनित जपमोन किया। भी कम्ट सहन करमें के किए बैठे हैं, जनसे ऐसा होया ही नहीं। इसमें जसका जहेंक्य जेकसे घटना था। बहु पूरा हो गया सेकिंग इससे शिवबींको अविकार हो नहीं गिला। अब अन्वेसे धानी छोड़नेकी बात फैकी तब उस स्त्रीको रिद्धा करलेका हुक्स वे थिया गया।

बहुकि एक इसकेमें कॉमन्स समाके किए सहस्यका चुनाव किया जा रहा था। वो स्त्रिवी मतदानपर्गोको सराव करनेके इरावेसे निकली। छन्डोने कानज जलानेका सेजाव अपने

१ कामें से सहको हो करवानोंको कार्य ६-२१-१९ ९ के हॉबियन मोलिनियमके प्रम्लाठी कार्नीमें क्यो औं।

साब के किया था। वे किसी यूषियांचे मतानान्तेन्त्रमें बुध मई और वहाँ उन्होंने वह देवाब बहुक दिया। उटले ज्यावा कावब ता कायब मही हुए केकिन धनमें से एक स्पीकी हरकतरें एक बारिकारीकी बांबको बहुत पुरुषान पहुँचा। यह बहुत नोष्टा काम है। उसकी निमस सभी कर से हैं। फिर भी उनके संपण सकता बागियब अपने उत्तर से सिमा है। इन स्त्रियोंपर कर मुक्यमा चकाया जा रहा है।

एक बयह वो डॉस्टर जनरास्ती लागा निकास वा उसके भरके कियाहों के की दोड़ दिने गये। इसका उद्देश्य डॉस्टरकी सम्पत्तिको हानि गहुँचाना ही था। इसमें डॉस्टरका क्या कमूर कर? बह तो अधिकारी था। इसक्या उसने बह काम अपने जिम्मे किया बा। में सब [निस्तन्देश] हिस्मतके काम है केंबिन सिर्फ हिस्मतको वाही अधिकार महीं मिकते। हिस्मतका उपनेश कच्छा होगा थाहिए।

तुसे हाक्से ही पासून हुआ है कि मदाधिकारका आत्योकन करनेवाकी तिजयिक चार सकतार निरुक्त हैं — दीन साध्याहिक सीर एक माधिक। उनके संघकी एक साधाने निरिचय अविधि पहुंत ही ५ पाँचकी निरिचय रक्त के १ वर्ग है १ पाँचकी निर्माण रक्त है १ वर्ग है इक्ट्रेड करनेका विचार कर रही है। उनका समान देव सम्मा है और उनके प्रकार पाँच कार है। ता उनके प्रकार है। ता उनके प्या उनके प्रकार है। ता उनके प्रकार है। ता उनके प्रकार है। ता उनके

#### प्रवट

कॉमल्म एमार्गे वनटपर क महीने तक वहस चर्का। वन बनटका विका मंजूर हो समा है और ग्रेमनारको कार्क-ग्रमार्ग वालेगा। उत्तरपर बहुत विचाय होनेकी एम्प्राचना है। बहुत-से मार्गाक कमान है कि कीर-व्याव जनकी मार्ग्यू-एक रही । ऐसा हुना ता जनकी में सर्व चुनाव होंगे। बहुत-से कोन यह मान्स्ते हैं कि बगर ऐसा होना तो भी उत्तर दक्त हो बीटेगा। इन्बैंडके काम पिक्काल तो एक काममें व्याव्य है। जनकी दुवरी बाद पुकती है। नहीं क्योंकि कोमल्य समा बीर कॉर्ड-ग्रमार्थ वहा स्वर्ण कर पहुनी है। मुद्दारिको गार्कियों के हैं बीर एन-पूर्वरिको मुक्त मान्ति है। वस दक्ती हो क्यार है कि मार्गीट नहीं क्यते। मार्गीट नहीं करते तो जनकासाहते कारण नहीं बन्ति हिस्स स्वर्णिय है कि कोर्य में किनीकों में किनीकों भी कामचा नहीं। बेरिका यह सात तो हो बिक्क सक्त सात तो

[मूज एतीसे ]

इंडियन बोपिनियन ४-१२-१९ ९

## ३४२ मेंट रायटरके प्रतिनिधिको'

**मिन्द**न मध्यमर् ६. १६ ६

भी नौयीने रायदर-एजेंसीके प्रतिनिधिके जेंद्र करनेपर भी सम्बन्धके साथ बातचीत सन्दर्भन होनेपर निरामा प्रकट थी। माँबे क ने बाग्सवास सरकारसे एशियाई प्रवनपर समझौता करानेके को प्रवास किये भी गांतीने वसकी प्रवंता की। शेकित वस्त्रीने कहा कि को रियायर्से ही गाँ है वे कामनी समानदाके महत्त्वपूर्ण सिद्धालको स्पर्ध भी नहीं करती।

भी गांचीने कहा जार्जका यह है कि भी हाली हवीन और म दान्सदालकी तरहरपर विरक्तार कर किये वार्येये । लेकिन जिस आम्बोकनसे नेरा सम्बन्ध है वह आम्बोकम नास्तर्ने किरेनमें और विकास साहित्याओं चोर-पोरने कारी रका कारोगा। वन वेटोंसे धारतीय और संपेच स्वर्धतेशकोंने सहायदा और वन प्राप्त करनेके किए घर-वर वृत्तनेका कार्यकर बनाया है।

[बंदेभीसे]

इंक्सिन मौपिनियन १३-११-१९ ९

### ३४३ पत्र एल्मर मॉडको

सबस्बर १ १९ ९

प्रिय स्त्री नॉड

मैं मैचेस्टर नाजियन को एक द्विलुके नाम टॉक्स्टॉवका पत्र प्रकासित करनेके किए

पाची नहीं कर सका है। में स्वयं विद्वित्य स्याविषय नहीं का सका है परस्तु मैंने एक मिनसे बड़ा या कि ने बैलोबकी पुस्तकें देखें। उनकी पुस्तकें नहीं है।

नमा जब जाप क्षपापर्वक मध्ये बता सकते हैं कि जाप अनाध्यमक प्रतिरोग निपयपर किसारे वरे मिस्ताके सम्बन्धर्मे को विकादके साथ सह-निर्णायकका कार्य कर सबेचे है

कापका जाति

सो० क० गांधी बाबीजीके हस्ताकारमुक्त हस्तकिक्षित मूळ अंग्रेजी प्रतिकी फोटो-मकळ (सी बस्स्यू

४४३९) से :

र का करवारी कार " बीर्लंबरे नवाकित किया परा वा र

र, मिदिश महिनसाही <u>प्रकार-श्</u>योगे हेलाँ। वैकीश (१७००-१७८२)की केन्क पर प्रकारण स्मेश है । करना नाम है यु दीदाहक जॉक्स वृत्तिवारी । काला मना मन्त्रावन २०३०में हुआ था नीट रिवीय स्मृत्यिनमें (UNE 10 DESCT TOTAL \$ 1

## १४४ पत्र साँड ऍम्टहिलको

[सन्दर्ग] शबस्यर १ १९ ९

स्तर्वि महोदय

जापके जावके पवके किए मैं बहुत जासारी हूँ। चूँकि बाप कॉर्ड-समाकी लगकी बहुतमें मेंटकी बातकारीका उपयोग करना चाहते हैं वसकिए मैं वस बातसे विस्कृत सहमते हूँ कि उस मेंटका विवरण जीहें कु के पास श्रीटके किए मेंच दिया जाने या ।

बहु बानकर हुएँ हुना कि नापके पुत्रके स्वास्थ्यमें सुवार हो यहा है।

वापका वारि

टाइए की हुई क्फ़्तरी बंग्नेजी प्रतिकी फोटो-नकक (एस एन ५१७२) से।

### ३४५ पत्र सिक्षो टॉस्स्टॉयको

शन्त्रम्

नगम्बर १ १९ ९

प्रिय महोदन

"एक हिन्नूके नास पत्र के छन्त्रस्थों और अपने पत्रमें मैने जिन बाठों की चर्चा की भी छनके छन्त्रस्थों आएने जो रजिस्टा पत्र मेना है उसके छिए मैं नमरापूर्वक आपको बन्यसार देता हैं।

आपके मिरते हुए स्वास्त्यका ध्याचार धुन चुका वा व्यक्तिए बानको कन्द्र न देनेके व्यक्तिको कीर नह पी जानते हुए कि वन्त्यावकी क्रिबंध अधिकारियों केवल अनावकार वीरचा एकता है। पानको आपिको सुचना नहीं वी। किन्तु में पहन्त रावेद में ति किन्तु में स्वारच्या किन्तु में पहन्त रावेद में विकास करते पानको आपिको सुचना किन्तु में सापका स्वास्त्य वहुत अच्छा है बीर पत्र-मेकनका कार्य यो जाप अधिकित सुचह तिरस्वाय क्याचे और निवसपूर्वक करते हैं हैं। यह समाचार पाकर में बहुत प्रसन्त हुवा और वस्त्री के उन वार्योंके विवसमें को मेरे बातको धिकाले वस्तु हुवार वरस्त्य प्रहन्तकों हैं वारके धाव और अधिक चर्चा करते हुवार अध्याहन अध्याहन क्याचे स्वास्त्र स्वास्त्र

र, नहीं बच्छरी महिने हुन्छ छन्द थिए नने हैं।

र रेकिर " मेर्ड कू के तान मेरबा सार्" एक ४०४-११ मीर परिक्रित हरे ।

र भोड़े रॉमरीको ए सक्तमत्त्रों वांचीबीकी एतर ही थी कि क्यका यह रूपना प्रेमार हैं। यह है, बॉट राजिय क्योंने कच्चे रिक्के किर वांचीबीक शहर विक्रीत मेंद्र शक्ति कर ही वी :

४ देखिए " वदः किया शैक्सीवदी " वस ४४६-४५ ।

इसके साथ में बापको बएने भीवनके सम्बन्धों एक निज हात किवित पुस्तककों एक प्रित नेज रहा हूँ। ये मित्र अंगेज हैं और इस समय दक्षिण बाधिकामें रह रहे हैं। पुस्तक मेरे बीवनके तथ पहलूपर है, जिसका बर्तमान स्वपंति बहुत यहूत सम्बन्ध है—उस समर्थेक जिसे मैंने बापना बीवन समर्थित कर दिया है। चूँकि में उसमें बापकी सिक्स विच जैस सहात्मृतिके किए आतुर हूँ मैंने ऐसा माना है कि बापको यह पुस्तक मेंब देना बन्दिल न होगा।

प्रस्ति समायानके निष्य को समझीया-नार्या जक पहीं की बहु कमानप निष्क्र हो पर्दे है और मैं अपने सामीके सान इसी सप्ताहमें दक्षिण नाफिका चका बार्टिया और वहीं चेत बारीकी कारिय करेगा। में यह यी नवा हूं कि सीनामार्थ नेता सहका भी इस संस्थानों नेय सान दे रहा है वह आनकत क माहकी स्वयं नैतनी सना भीय रहा है। इस तंत्रपैं नेया सान के उसकी मौत्री जेक-मात्र है।

ध त्रचपक दारान सह उतका चाया जला-यात्र। हा यदि साप इस पत्रका उत्तर देनेकी कृपा करें छो पत्र वॉक्स ६५/३२ योहानिसवर्ष

r अस के पतेपर मेर्जे।

438

नापका काहि सोट कड़ गांधी

महारमा अरूप १ में दिये गुढे मुख अंग्रीमी की और टाइप की हुई दरनरी सर्वेत्री प्रतिकी फोटी-नकल (एस एन ५१७३) सै

् क्ष<del>ेप्र-निर्देश</del> क्षेत्रीनीकी बीवनी-युग० के शांबीः वृष्य इंवियन पट्टिकट हम साउप मान्त्रिका ।

## ३४६ पत्र एष० जस्टको

सन्दर्ग शबस्यर १ १९ ९

विव की बस्ट

सरकारी पत्र संस्था इ४९२४/१९ ९ की बाद दिकाने तुए क्या में लापको सह कष्ट है सकता है कि इस पक्षमें मेरे २४ बास्तकों निस पत्रकां उस्स्य है उसकी एक नक्क लाप मूझे में ब हैं? ऐसा सकता है कि मेरे सूर्वरित्स उसकी कार्यग-नक्क कहीं गुम गई है। सायका सामि

सो० क गांधी

सी एक करत क्रमोनियस वॉफिस क्रावर्तिंग स्ट्रीट [सन्दर्ग]

क्सोनियम बॉफिन रेकर्रत २९१/१४२

## ३४७ पत्र उपनिवेश-उपमन्त्रीको

[स्टब्स्न] नवस्वार १९९

महोस्य

मैं लॉर्ड कु का न्यान रैनूनचे मिले जीपेने तारकी बोर-धारर बारूपित करता हूँ कक्ष मारी सार्वेत्रनिक तथा हुई। समाजने जारतीय बीनी बनी सभी समें गां गामित। इस्त्रनात एक्सियाई श्रमूनको बोरदार निन्ता। आतीय बपलान दूर करने और बहुं पुरुत्ताने एसियाइयीके ताल लावियम हुर्म्यलहार करने करनेके लिए साझाउम्बरकारके चौरन रचन नेनपर बौर। मौजूबा मिकायर्से दूर होनतक बलिय बाधिकाके लिए भारतीय नजहरीकी बर्ती जन्म करनेपर भी बोर। हाल्यनाक्यासी एसियाइयोके स्वको

र वार्तनेन व्यव (१४५४-१९२९); छरायद कार्पिक-कार्याणी १९ ७-१६ । २. रेपिय "या. वॉर्ट क्षु के निर्मा श्वीकारी" वृत्र वृद्धः ।

प्रश्नेता करते हुए इसरे भी प्रस्ताव पास । पनकी वकरतें पूरी करनेके क्रिए बन्दा इव करनेके किए समिति बनाई का रही है। बहुत रोग अत्साह विकास नया।

> नापका वा मो० ६० ग

कबोनियम मॉफ्रिस रेकर्ब्स २९१/१४२ और टाइए की 🚮 दश्वरी अंग्रेजी ग्री फोटो-नक्छ (एस एन ५१७४) से।

३४८ मेंट 'डेली एक्सप्रेस'के प्रतिनिधिको'

बापतिबनक एक्वियाई कानुसको नद कर देनेकी बात कहकर बनरब स्मटस एक । बामें बढ़ें में। एन्होंने यह भी कहा था कि महाराक इस कानूनके अन्तर्यंत कि भारतीयोके वर्षेका प्रवन है, के एक शीमित संस्थामें भारतीयोंको स्थामी निवासके प्रमान हेनेको वैसार है। बात बहांकर प्यूची है बहांकर यो एरठोबबनक है केकिन हम । एकमान सिक्कान्तके किए कह रहे हैं, उसे तो यह स्पर्ध थी नहीं करता। वह सिक्कान्त प्रवासके सम्बन्धमें कानूनी समानताके अविकारका । जगरक स्मदस जो-कुछ देनेके किए वै हैं, वह इसाय सरवाबह रोक्नेके किए क्यवांन्त है। भी हाकी हवीब बीर में फौरन बोह्मनिसबर्ग नापस चा रहे हैं। सनका करम साधद मह होगा कि हम दोनोंको ट्रान्सवार धीमापर गिरफ्तार कर किया नायेगा नेकिन सक्दर उसी चल्छाइसे नक्ती रहेनी। जब हम कोबॉर्ने भारतसे का वक्षिण वाधिकांके बाहरके किसी स्वानसे चन्ना नहीं माँगा। मेर् वन चन्दा गाँपना बावस्थक हो गया है न्वॉकि जब हुमारे शावनॉपर बहुत बीम वड़ है और उन वर्शय परिवारोंकी संस्था बहुत वह नहीं है, जिनका अरल-मोपय हमें क पडता है। हमने बारतीय और बंग्नेज स्ववंतेश्वर्शेका एक एक वैदार किया है। यह हमारे इस वैससे आहे ही अन्दन और बाहरी प्रान्तीमें बर-बर बाकर एक स्मरवपत्रके ह कोगोरि इस्तासर केना श्रक्ष कर वेता। यह स्मरणपत्र द्वान्धवास और सम्दर्शके अधिकारिय माम भेवा वायेगा।

[बंद्रेगीरे]

#ffent 19-11-12 tualle

 ग्रेंट्य का विश्वल १०-११ १९०९ के हेकी क्लाप्रेसमें क्या वा और नारमें इंडिक्स के Chart गया था।

## ३४९ पत्र गो० फ्रुट गोससेको

क्रम्बन

नवानर ११ १९ ९

प्रिय प्रोफ्टेसर भौकाके

सविष थी पोक्कके डारा मुखे जापका वह कृपापूर्व सब्देश मिस्र समा वा कि में ज्ञापकी प्रोठेशर कहकर सम्बोधित व कहें त्वापि में आपके प्रति श्रवाके कारण इससे

क्यादा अपनेपनकी माथा व अपना सक्या।

वाने रिक्को पसर्च बी रेक्को मुझे किया है कि संबक काम और मिन्छांचे सापका स्वास्थ्य दिवह बया है और बायजी स्थरदाविद्यांचे बायकी बान वोश्विममें पह गाहै हो! में तो यह मुझाव पूँचा कि जाप ट्रान्डवाक जा जार्मे और हमारे खाम काम करें। मेरा ह्या है कि ट्रान्डवाकका छोत्र हेट वर्षकों राज्द्रीय है। वह संवक्ततन प्रोत्साहनके मोध्य है। मैं उसे बाब्निक नुपका महानदम संबर्ध मानता हूँ। मुझे इसमें पंचमान भी सम्बेह नहीं है कि वह बनामें एकल होया। परणु यदि यह बन्दी एकल हो बायेना तो इससे मानार्की मितायाल बान्योकन वामाय हो जायेगा।

में बहुँ सपने देखनावियाँचे बहुत जुलकर मिठा-जुड़ा हूँ और मुस्ने उनमें आपके प्रति
गीव कहता दिवादि देती है। क्यानातर कोर्योठा बयाक यह है कि कोई भी सुमार नारानरेके
लिए दिवा एकपान उपाय है। इस द्राप्तवान वाह दिवातेका प्रवरण कर रहे हैं कि हिंछा
स्वर्ष है और उनित उपान है स्वयं करण छहना वर्षात् कामाश्यक प्रतिरोध। दशकिए यदि
बार सार्वतिक क्यांचे वह बीधका करके द्राप्तवाल सार्वे कि बार हमारे हु बाँनें भाव
केना कौर दशकिए सामाश्यके नावरिकाते हैं विवाद हमाश्यकों सीमाणी पार करना बाहे
हो बात्र है कह कार्यंचे सार्वात्मकों कि स्वर्णा द्राप्तवाल सार्वे कि सार हमारे हि स्वर्णा क्यांचे
हो बात्रकों हर कार्यंचे सार्वात्मकों क्रियत्मकों प्रकार सीमाण स्वर्ण मिल्ले
हो का सार्वक है एक सार्वंच सार्वतिक स्वर्ण त्राप्तवाल स्वर्ण कार्योंच। सम्पन्न में हि स्वर्णाय
नारत हो स्वर्ण कार्यों सार्वा कार्यों कार कार्यों स्वर्ण कार्यों स्वर्ण कार्यों माराता हो स्वर्ण व्याप्ता महार्थ क्यां सार्वा सार्वा सार्वा सार्वा कार्यों स्वर्ण कार्यों सार्वा कार्यों स्वर्ण कार्यों स्वर्ण कार्यों स्वर्ण कार्यों स्वर्ण कार्यों सार्व कार्यों सार्वा कार्यों सार्वताल रही से मार्वा हो स्वर्ण व्याप्ता महार्थ कार्या सार्वा स्वर्ण कार्यों सार्वि सार्व कार्य कार्यों सार्वा हो से स्वर्ण कार्यों सार्वा कार्यों सार्वा स्वर्ण कार्यों सार्वा कार्यों कार्यों सार्वा कार्यों सार्वा कार्यों कार्यों सार्वा कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्या कार्यों सार्वा कार्यों कार्य कार्य

र रोज्यमे नामे १ रिकामके सभी पाँचीमीको एक्सि किया वा दि वो नोबाँच मो "नाम भीपवासिक" पानों है, मौर वे चीर नाम वह वृद्धिको कामी नामी एक्स वानों है कि इस वर्षस्वासिकालीकी कीई कहता नहीं है।"

चार्व कि टान्सवासके प्रकाको कांग्रेसके संचयर प्रमुख स्थान विया जाना चाहिए और आप इस संपर्वमें मान केनेकी बोयना कर देंगे तो इससे मधिक प्रभावधाली अस्य कोई बात नहीं हो सक्ती।

मैंने यह पत्र विमा-बाबामोंके शीच किया है। इसकिए जो मै चाहता या वह सर वहाँ स्पष्ट नहीं कर एका हूँ। मैं केवल इतना ही कहना चाहता है कि बापके प्रति सबाके कारण ही मुझे यह मुझाब वेलेकी प्रेरणा मिली है। मैं आपको बक्षिण आफिकामें अपने देशवासियोंके बीचमें पूर्णता प्राप्त करते हुए देखना चाहता हैं। यहाँ बापके सम्बन्धमें कोई भ्रम नहीं होगा और सापका इतना मान होगा वितना और कही नहीं हो धकता।

स्या आप मारे बोहातिसवर्ग बॉक्स ६५२२ के प्रतेपर उत्तर केलेकी क्या करेंगे?

जापका बाहि. मो० ६० गांधी

नांबीबीके स्वाकारोंने तक बंदेजी प्रति (सी बब्ब्य ९२४) से । सीतम्य सर्वेटस ऑफ इंकिया सोसाइटी पूना ।

३५० पत्र एच० एस० एस० पोलकको

**बन्द**न | नवम्बर ११ १९ ९

प्रियं डेनची में बावको एक बहुत करना पत्र निकाश चाहता है वरन्तु समझमें नहीं भावा कि कैसे किसी। माने बापको बहत-शी अल्लान्त महत्त्वपूर्य बात बतानी है परना मेरे पास वो समय है उसमें में वह सब बच्छी तरह नहीं वह सकता। फिर भी पहली बात विश्वकी ने वर्ग करना चाहता हूँ मोडको स्थिति है। वैने उसके केवल एक बाट, हैंपीमें नहा वा कि क्या वह दिस्ति बारिका बारा चाहती है और वह हुँची हानी हृदिक्ती एक बार्टर की महेंबी परन्तु स्वयन्त उसने हत सम्बन्धर्में बहुत बन्धीरलापूर्वक विचार स्थित है। कल शाम यह अपने-बापको रोह म सकी और उत्तन मुझे बताया कि यह बतिय आफिका जान और आन्योलनके निनित्त कार्य करनेके किए बहुन व्याक्त है। रेससे मुखे बारवर्ष नहीं हुमा । फिर भी यह बिस्कुल साय नहीं है क्योंकि मुझे बोइर अवस्था ती हुना ही। कारण मुझे कुछ ऐसा मनता रहा है कि वह जित स्वानगर है वहां न्यायी रूपसे जेगी है। यह नहीं कि वह स्वान मुझे बच्च मी प्रिय है, किन्तु वर्धमाण स्वितियोंमें वह मुझे सर्वोत्तम प्रतीत हुना है। उसका रंगभाव बहुत मथुर है। येटा खदाल है कि उसमें महान बारमत्यापकी धमता है और नह कार्य करनेके लिए इच्चुक है। परन्तु में नहीं आनता कि फीनिकाका चीदन उसकी कहीनक मनुकल चहेना। वेदार मुख्या यह बनाल है कि नदि यह केतन मानी पीत्रिका मनिन करनके लिए दक्षिण आधिका जाना नाहती है तो इनका ट्रुए माम नहीं होमा। परम्नु परि वह एक जानतंके लिए कार्य करना चाहती है तो उनमें इसके किए

सामर्च्य और साहस होना चाहिए। मैने उसको स्वितिके सम्बन्धमें की मै वता सकता या वह सामध्यं और साह्य होना चाहिए। मैंने उसको स्थितिक सम्मवयों को में बता सकता था वह सब बता स्थित है। मैंने उसको बहाँ प्रसिक्त पहुन्ताओं सारी वार्ले जिंदनी बच्छी तरह में नता रुकता वा उत्तरी सच्छी तरह वा सी है। की उसको यह भी बहा दिया है कि उस कार्यों से बाविक-स्थान महीं है। इसके बोधिरिक्त मैंने उसे बताया कि स्वयं निक्षीको स्थितिस्तर वेशिनते मेक बैठानेमें कटिनाई होती है। ये उसे जितनी बातकारी वे सकता था उत्तरी-उसको मिल गई है। येने उसको यह वी बताया है कि मैं कोई निश्चित सम्मित देनेस्री स्थिति नहीं है। उसे सबसे पहले पिताओं और माताबीकी स्थानीत प्राप्त करनी चाहिए और फिर सेसीकी। यह उसे इन दीनोंडी बनुमति मिल बाये तब उसे समगी स्थिति नापके सामने रहती बाहिए और सम्बत्त उसे निवालीकी समहारूर निसंद करना वाहिए। मैंने उससे यह राता नाइर नार नाया था राताला यमाहा राता राताला नाया है। भी कह दिसा है कि सेरे दृष्टिकोणना वह कितना ही सामान करें और उसे फिठाती ही पतन करे, किर भी से सपने-सापको एक श्लोकी समस्त मावनामोंको समसने स्वीपन पत्तन कर, फिर जा से सपल-सायका एक हमाका सारात भागवामाका समावान कर्यान करान प्रमान है और पत्त पत्त पत्त होती है जित पत्त पत्त हमानी है जित पत्त पत्त हमानी है जित पत्त हमानी है जित हमानी हमाने पत्त हमानी हमाने पत्त हमाने हमाने हमाने पत्त हमाने पत्त हमाने पत्त हमाने पत्त हमाने पत्त हमाने पत्त हमाने पुंदा काह लात्यच्य काय नहां हु जा उद पाया जा यक। कात्यवया उन गृहस्थात करूर निव्हें कोटेंट मोडा पाया जाता है, क्यांकी मुंदाने और उनके चिरिक्डा निर्माय करतेका कुछ भी काम हो सकता है। वय मेरा जयाक है कि मैंने बायको छव-मुख बता दिया है। वह बायको पूरी-पूरी वार्त मिखीनी। बाय उसे मेरी बयेबा बियक सम्बंधी त्यह जातते हैं बोर उसके मैरिक कम्यानके साह को मार्ग धर्मीतम नमस्त्रों हैं उसे इसको दिना एकसे। कुछ बम्म व्हेंकू मामकोंके सम्बन्धमें में बायके साब विवाद-विगयं करना चाहता हैं। अपर कुछ बन्न परितृ सिनियक राज्यान न वापक थान वापार्यक्षण करना गत्या हु। नार्य मधी राष्ट्रित के बन्दान निक्त रो वापक स्वीत कर कि स्वात कर कि स्वात कर स्वत कर स्वात कर स् 

साबून नहीं है कि पहला नाम निधे उसने बोलना सीला सैसीका था। सैसी अपने कार्यात्रमाँ पायर बच्छी कार्यकरी होगी। यह एक बादरकीय महिला महाविकार-बान्सीकारूची होनका वादा नरती है और निस्तीते सिर्फ इस बातते हार महीं जा सकती कि यह पूरव है। मैं उसे निरुप्य ही प्रमाण्यन से सकता हूँ कि जब वह बातते और बातगीके साम होगी है तब उसके मूच प्याराति-याता सिल बाते हैं। जब भी कोई ऐसी स्त्री मिन्ने मो बच्चोक प्रश्नि उसन स्ववहार करती है तब बाप बातते ही हैं उसने बारेमें मेरी सम्मीत फितनी कच्छी होती है।

इस पत्रको किवानिके बाद मेरी वैक्षीके मेंट हो यह है। करूपता हो कीतिए, सैकी कह रही है कि वह जो जीतिक्स कार्यके किए उत्सुक है और उन्नको वह जीवन विस्कृत राज्य है। मैं सीवार है कि बचा सामर्थाको हुए (?) छारे परिचारको कार्य हुई है और वास्त्रकार है? वह कहती है कि उसने है करों करने कार्यकर है। वह कहती है कि उसने हो कि उसने हो कि उसने हमें कि उसने हो कि उसने हमें हमें कि उसने हमें कि उसने हमें कि उसने हमें हम उसने हमें किए उसने हमें किए उसने हमें कि उसने हमें कि उसने हमें हम हमें हमें हम उठाऊँ। मैं उसने हमें किए उसने हमें किए उसने हमें हम उठाऊँ। मैं उसने हमें किए उसने हमें किए उसने हमें किए उसने हमें हमें हम उसने हमें हमें हम उसने हम हमें हम उसने हम उसने हमें हम उसने हम उसने हमें हम उसने हम उसने हमें हम उसने हमें हम उसने हमें हम उसने हम उसने हम उसने हम उसने हमें हम उसने हमें हम उसने हम उसने हमें हम उसने हम उसने हमें हम उसने हमें हम उसने हम उसने हमें हम उसने हमें हम उसने हम उसने हम उसने हम उसने हमें हम उसने हम

वैदा कि मैंने एक दूसरे पनमें किया ना में बहुत विस्तारसे कियान पाइता पा और फिर भी यह पन पतके १ वनेके बाद कियाना पहा हूँ बॉर खनिवारसे पहले बहुत-से क्रोटे-मोटे काम निपटाने हैं।

टाइप की हुई वपत्रपी अंग्रेगी प्रतिकी फोटो-नकक (एव एन ५१७५) से!

३५१ पत्र उपनिवेश-उपमन्त्रीको

[सन्दन्

मधम्बर ११ १९ ९

महोषम

44

मूर्वे आपका वृत्ती ९ तारीबका पत्र भारेका तम्मान प्राप्त हुना। पत्रके साम आपने विटिय मारतीय कैंदियोंके तान किये जानेनाके स्ववहारके नारेयें ट्रान्सनाकके यनरंरके वारीवैकी तकक और ट्रास्पनाकके मनियाँकी रिपोर्ट मेशी है।

में देवता हूँ प्रवान मन्त्रोके प्रिटोरिया-रियत वजर से विदुध पवर्णरको नेत्री नई रिपोर्टमें कहा यदा है कि यो भी धिकायरों की यहें हैं वे तिस्कुत पकत है। क्रेकिन में तोई महोस्पके समने विवारके किए यह तथ्य पेस करता हूँ कि मुझे वो धिकायरों शिक्षी हैं और जो सैने उपनिवेश-कार्याब्यको सेवी है उनमें से अधिकांच ट्रान्सवासकी विशिन्न वेकॉर्से मैने स्वयं को-कुछ देवा है, पुरुष्के आधारपर सब मानूस होती है।

स्वर्तीय नाराप्तनकी मृत्युक सम्बन्धने सिकान्ट्रिके बांबके परिणानपर नारतीय समाजने जीर भी हरिकेनकी अध्यक्षतामें निष्कृत यूरोपिश-सिमितों आपीत की है। इस बटनाके सम्बन्धने फिर बांब करीकी माँग की गई थी केकिन नह नार्मजूर कर दी गई। इसके काला से कोई महोद्यका स्थान इस मोर भी आकरियत करना चाहता है कि मृत स्थानिकों बावक न दिया बानेका कारोप सही मांग किया गया है। उसके पास से कन्नक वे मा नहीं समित्रेट्टने इस प्रकारर कोई निजेश नहीं दिया है। नृत व्यक्ति कोहानिकवरीय कड़ी समित्रेटने केस क्षेत्रमें कावा गया वा बीर उससे कड़ा कान कराया गया वा में वार्ते निविवाद हैं।

सुरायके बारेमें कोई महोबयको बोहानियकांके स्वयन गॉन्टरोंको विस्तृत रिपोर्ट मिल ही चुकी है बिखते यह सिंख होता है कि वर्तमान सुराक काफी नहीं है। केंद्री मुहस्मक बाकि बारेमें में बंपने १६ बनस्तके तकमी कह ही चुका हूँ कि उसमें

केंद्री प्रमुक्तमाय खाकि बार्स में अपने १६ काम्स्सके पंत्रमें कह ही चुका हूँ कि उसमें कुछ अरिवायित्य हो एकती है। लेकिन सम्मणित अर्थकारी विकासवाँको सम्माति मानते यह कोई बनाव नहीं है। मैं विकास करता हूँ बार मुसे यह कहनेते किए साम करेंते। परकार चाहती सो मुहम्मय बाँगे कह सकती ची कि वह या सो अपनी बातकी समादि साबित करे या अपनी विकासतको नामस के ने। वह ऐसा जब मी कर सकती है।

इसके बाद बूटरी बठनाएँ हुई हैं। मास्त्रीय कैरियोंको वार्षिक सन्तोच प्रास्त करनेको और रमबाकके पवित्र महीलेंगें मुख्यमार्गोंको रोजे रखनेकी शहूबियत देनेते सनकार कर दिया यहा है। इससे यह काम ठो स्तर सिख नहीं होता कि नास्त्रीय कैरियरिंग स्थाका बस्ताव किया बाता है और बेख व्यक्तियों बनाकसम्ब प्रतिरोगी होनेके कारच हो बनके साव सबसी बस्त्रा नहीं चाहते।

१ विशिष्ठ करातीय संबंध कार्यकास व्यवस्त है जाई अकारते व कारताची हैंस केही सेक्सी एक पर किया भा और कार्य कींग्रास्त निकंतर जावार्य क्या किया था। कार्योप्त कार्य में प्रशास किया था कि क्रांत कर भी प्रशास किया था कि क्रियं कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्योप्त कार्य कार्याप्त कार्योप्त कार्याप्त कार्याप्त कार्य कार्याप्त कार्याप्त कार्य कार्य

<sup>्</sup>र प्रिमित क्षमित्रेत शुक्तवरणे वार्तमाह वर्णात और मेहुक्सी नतीव की थी। वेदिन वर्णीने वर्णा विन्तीकी सुरुवति इत्तरा व्यूच वरनेकी नावा वेत्रेते स्वकार कर दिया ।

इ देक्टि "पर वर्षते सूकं निमी समित्रदी" पृक्त ३५० ।

सम्पूर्ण गांची वास्त्रम्य

HY?

भारतीय कैंदी शायब जब हमेशा अरूप कोठरियोंमें बन्द किसे बादे हों केहिन से मह भागता है कि नहीं महीने तक ने भत्नी कैंदियोंकी कोठरियोमें उनके साथ ही बन्द किये वाले के।

> व्यापका वादि मो० क० गोधी

ककोनियक बार्रिक्रस रेकर्ब्स २९१/१४२ और टाइप की हुई बफ्टरी अप्रेमी प्रतिकी फोटो-नक्छ (एस एन ५१७०) से।

३५२ पध 'डेली देखीग्राफ'को

[अन्दन] नवस्थार ११ १९ ९

सम्यादक डेकी टेकीयाफ

प्रिय महोदय वाप मुमसे मिकनेके सिए बोहा-सा समय भी नहीं मिकाक सके इसका मुझे चेर है। मुझे यह सन्देश मिला है कि मैं बपनी बात जापको सिखकर मेन हूं। ट्रान्स्वाकके बिटिय भारतीयोंके प्रकाके सम्बन्धमें बक्तवारोंको एक विवरण जेका बया था। विवरणकी पूरी स्थिति उस विवरणमें दी नई है। मुझे लाखा है कि उसकी प्रति जाएने देखी होनी। दान्धवासको मारपीवाँका प्रका कितना वस्त्रीर है यह मैं व्यक्तियत रूपमें मिसकार जापको बताना चाहवा ना। आप पूरक निगरणसे वेखेंचे कि जब प्रश्न ट्रान्सवालको एक्सियाइमॉकी बारते बचारेका नहीं है। सब साफ और शीमा प्रकृत यह यह पना है कि ससस्कृत विदिश्व भारतीय प्रदोपीय प्रवासियोंके बार्यवर टाल्सवाक्यों प्रवेशका इक पा सकते है वा नहीं। उस कानमके बननेस पहले जिसके निक्त सत्यावह किया बना है उन्हें बुरोपीय प्रशासिकोंके समान सविकार वा और इसरे ब्रिटिस उपनिवेशामें बढ़ मी मान्त है। भी नेम्नरकेनका कहना के कि भारतके करोड़ों कोगोंका यह अपमान" चपनिनेश्रीय कानुनके इतिहासमें पहुनी बार किया बया है। इसीलिए मेरा वायाल है कि हमें ब्रिटेनके अववारोंसे समर्वनकी बासा कारतेका बक्र है। मैं आशा करता है कि आप और वने वैसे बनारे आमरोकनका उपित प्रचार करेंगे और उसका समर्वन करनेकी कुमा करेंगे। मह भी स्मरणीय है कि ट्रान्स बाकके करीय-करीय प्रचास प्रतिसत्त मास्तीय बेक का करे हैं। एक वसक मास्तीय निमोतियासे मह भी अका है। उसे जेकमें ही नियोनिया हुना या यह बाद नवाहोंकी सासीसे सिक्ष हो चुकी है।

वापका वादि.

टाइप की सर्वे अग्रेणी दशरीरी प्रतिकी फोटो-नक्त (एस एन ५१७६) से।

१ देखिल "शुन्दनावनाती मारदोनीकि मामकेका निमरण " यह २८७-३ - और "एव कक्कारीको " -

श्रामी वाल्यनाः देशिय "द्रान्तपाल्याती जातानिके वाल्येका विकास" इत २९८ ।

## ३५३ पत्र उपनिवेश-उपमन्त्रीको

[सम्बन] तकस्थार १२ १९ ९

महोदय

यूने बाएका इसी ९ शारीबका पक्ष पानेका सम्मान प्राप्त हुआ। भी पीछकके शारमें के कुछ बताया पथा है, परिप्रेम्परियोंकी बताये बनिक बानकारी सूची नहीं है। परस्तु मूक्ते यी जुन्मीकाल पानाबनके निवादनकी बानकारी हैं। य बयेनी बानते हैं इसकिए नेटाक तर का कोशीसों प्रवेश करनेक सांविकारी हैं। याच ही वे डेकागोमनेक प्रनिवादी मी हैं। किर मी हैं निवादित करके आरक्को मेंब वियो यो हैं। उनका मामका काफी प्रविद्ध है।

मैंने स्वयं एक दूबरे मामकों पैरबी की थी। वह मामका थी घोडनका था। बसर उन्होंने मुझे बबर न वी होती और मैंने मामका ठीक करानेके किए मिनाट्टिक सामने पैरबी न की होती को में भारतको निकासित कर विश्वे मने होती। इस तयाके बहुत-से प्राप्ते नित्यन ही पर मिन्ने का सकते हैं। बानुनके निकासन-मनानी समझे बहुत करूर होना है यह उस बक्त के बानका मुझे जो बनुनव है उसके बाबारपर सभी-जाति सिक्क हिया का सकता है।

> बाएका जावि सो० ६० शांधी

टाइम की हुई रफ्तरी सहेती प्रतिकी कोटो-नक्क (एक एन० ५१७८) और क्योनिक साहित्य रेक्ट्रेस २ १/१४२ छे।

### ३५४ पत्र भारतीय अक्रवारोंकी "

(कत्वन नवस्वर १२ १९ ९)

महोदय

मेरे साथी भी हाजी ह्वांको जीए मेरे ट्राप्तवाको विदिध मार्ट्यायों से संपर्धन वार्ट्स एक विकास है। मूले मरोहा है जाए तसका जीवक्टे-जिक्क मवार करते। यह मीरण चंपर्य चम्म हो एहा है ट्राप्सवाकों केलिन एर तस्पक्तों कोई भी बहुत तासारिक्षे केल तसका है कि यह मामला पूरे माराको किए कार्यक महत्त्वपूर्व है। ट्राप्सवाकशी हरकारने यह बाठ विकाहक साथ कर बी है जो इस तरह कि उचने बोरसार एक्टोंने बहु कोलित

र देखिने "त्यनषु क्षेर कव कोरोका कुम्बरात वृत्त २५१-५२ और "कोसानिकारीती निक्से" वृत्त २६४ । २. वर "राज्यनामें कार्यानीता संबंधि व्यक्तित क्षा यह देखिर "का अम्बर्गासी " वृत्त ५९०-५४ । कर दिया है कि इस निस सिकान्तके किए सक रहे हैं सरकार प्रसके बारेमें इसारी मौत मानतेके किए तैयार नहीं है, बचाप उस सिद्धालाको साथ क्षेत्रेपर निकलेकाके इक यह कर्मे के बेगी । अतः यह संवर्ष चलता रक्षेत्रा । इस विश्व सिद्धान्तके किए कह रहे हैं उसकी समस् अधिक अन्त्री और कोई व्यास्था नहीं हो सकती जो स्वयं ट्रान्सवाल शरकारने की है। काँहें के शासनामके हिटिया भारतीय सिक्टमकासको सेने ससे बचने बनावर्धे काले हैं

सोई वहोत्रवने सापको बता विया पा कि सारतीवींको प्रवेशके शक्तिकारके या हनारी बार्लेक सम्बन्धमें यरोपीयोंकी वरावरी की स्थितिमें रका जाना चाहिए - भी स्थास आपनी दल मौराको भवार करनेमें वसवर्ष हैं।

"वा कारी बार्तेले सम्बन्धमें "--- इस बाक्यांकपर विश्वार करनेकी बात हो फिक्काक मोडी का सकती है। इसने जो-कुछ गाँगा है वह दशना ही है कि इसें प्रवेदके मामकेसें हालती तीरपर बरोपीयोंके बरावर हक दिया थाये। स्थरण रहे कि बाब इस इस हराहरीके कातून। तारार पुरानार क्या रेड्डिया वा का वा इनको बहातके किए के रेड्डिया के शिया के क्या कातूनके पास होनेतक — क्या स्टीक बास्तर्गते और अंदेबोंका कम्मा होनके बाद मी सर्वास्तु सन् १९ ६ के बल्सातक — हमें हासिक का। को सिळाला टाल्पनाल-सरकारने स्वापित किया है और साझान्य-सरकारने जिसपर स्वीकृति भी है जस सिद्धान्तसे सामान्यकी चक्रपर ही कुठाराचात होता है। साँवें ऐस्टहिस जिल्होंने इस कार्यको वपना कार्य क्या क्रिया है कलते हैं।

त्रव प्राप्तका क्रमारे प्रकारीय सम्मानको हेस पहुँकानेकाला है. और नारे आयानगरकी प्रकारको प्रमाणित करता है। इससिय इसका सम्बन्ध सामान्यके इस जिस्सैसे है। इसके mater यह निवित्त है कि जनर सामान्यके इस केन्द्र-स्वसर्ने सिद्रान्तको बोटकर कारतेको किसी की बातको स्वीकार किया गया वा प्रकृषी वर्षसाची गर्म तो प्रसत्ते बाहर भी और शीतर भी वसरे स्वानोंके लिए एक वरी निसास कायन होती है. और en जारी क्रावस्थाको कोई वहा आचात समनेके बाद ही हस नेतिक पतमको रोकमा सम्बद्ध औषा ।

कॉर्ड बडीस्व वागे फिर कडरो 🕏

किसी शिक्षालामें मणस करते बक्त देख और कालकी बकरतके मताबिक चेरफार किया का सकता है। मैकिन अगर तिक्कानाको ही कावकर ताकपर एक दें तो जनत-थर जिल्लाम रसनेका कोई सावन गरी रह माता।

हमारी को स्थिति है, वते मैं इतसे अधिक स्पष्ट चम्बोंमें नहीं कह तकता। अवर दान्सवाल शरकारका शिकाण्य सही है तो भारतकी बनता सामान्यमें सालेवार नहीं पह und: और इसी खतुरनाक अनैतिक और वातक विकालाका विरोध करनेके किए हम टालाबासमें सब रहे हैं। मारतीय जिनमें बांग्स-भारतीय माँ मापिस हैं इस राज्याय संबर्ध में की भरत वे तकने हैं? स्मरण पट्टे कि हम इसके निराकरणके लिए समिय करम भी उठा बुके हैं अर्थान इस जिल कानुनको अपनी जन्तपारमाके और, वर्ग सन्तका उत्तरप्त

। होद-पुर पांचेरीकी बोलांकी असलमा जोई रॉक्टीको किया थी । वे क्लुब्बेट कॉले किरे की

१ । देवल वर्गिक्य १८ मी ।

समें हैं हो बन्नि भी विषय समझते हैं, उस कानुसको माननेते हरकार करके स्वयं करद सेंक रहे हैं। सभी वर्गोंक सेकड़ों वारतीय जा बैसे बमितित हैं। अपने बाइपंकी रसाके किए येंक पत्रे हैं। क्या जारत उनकी रखान करेगा? क्या वह इस मानकेको अविकटनम महत्त्व न देवा? क्या कांग्रेस करें वर्गों कार्यकामों सबसे जेंका स्थान बेगी? क्या मुकाल कांग्रेस प्राप्त करें कांग्रेस स्थान बेगी? क्या मुकाल कांग्रेस प्राप्त करें कांग्रेस कांग्रेस के अपने अधिकार कोंग्रेस कर करने अधिकार कोंग्रेस कांग्रेस के अपने अधिकार कोंग्रेस कांग्रेस के अपने अधिकार कोंग्रेस कांग्रेस कांग्रे

आपका आदि मो० क० गांधी

[बंदेवीठे] मुक्रसती ५–१२–१९ ९

### ३५५ भाषण विवाई-समामें

[सम्बन्ध नवस्थर १२, १९ ९]

सी पांतीने भी मायरको लगाका आयोजन करने और वाहें तथा उनके साबीको हान्स-बालमें विदेश पार्टियोंकी कॉल्मायॉक्स विकरण देश करनेका मीका देखें किए परवार दिया। वर्जोंने नद्दा, हम कोय हान्यवालमें औ-कुक कर रहे हैं उनके सत्काममें भी पायरकों मी हुई कैतानार्थी बहुत जीवा है। हम इंनीकारी कमाने जाक इसलिए नहीं मार्ग हैं कि इस

र गरेबोनी मीर दानी हरीमके प्रीक्षम वाक्रिका राज्या होनेक माने कर्ने विवाह देखे किया देखे जिला है । देखनी महादा होंगी। मनामाम मानिस्तिति विचा वह कसारी वर्ष प्रारंकों छंत-स्थान कर देखें देख, तर केरिकि केसी, इस संकारी प्रकारती के एम मानिस्त की करें, मीरीमाक देख करें, मीरीमाक देख करें, मीरीमाक देखें करें, पर संकारी करें, मीरीमाक देखें करें, पर क्यांत करें केसी की की हों है । इस केरिकार देखें करें की मानिस्त की हों है । इस केरिकार देखें करें की मीरी तालांसे मान्या दिने हैं । इस केरिकार देखें की मीरी तालांसे मान्या दिने हैं । इस केरिकार केरि

478

समर्वमें हुमने को भी किया 🌓 आप उस सबको अधनी स्वीहृति दे वें; हुम तो झाएके पास इसकिए बामें हैं कि हम बिस संबर्धमें तमें हुए उसनें बापका प्रौत्साइन सहानुमूर्ति और प्रेरणा प्रत्य हो। म भापका प्यान चन्य मिनटीं तक जिल्ल सवासवर एकाप्र करना चाहता बह सवाल मेरी नज रायमें न सिर्फ द्रान्सवातक विदिश भारतीयोंके लिए — को यह . तंपर्य चता रहे हैं — विस्त तारे जिटियां साझाउमके लिए यम्भीर महत्त्वका सवात है। यह बात बिस्कुल सही है कि इस संपर्यके सम्बन्धमें [सरकारकी बोरसे] समझौतेका एक प्रस्ताव हुगारे पास माया वा और भी भागरने यह कहकर स्थितिको भापके सामने जिल्कुक सही तौरपर रख दिन है कि हनने उत जस्तावको इसलिए नार्मबर कर दिया कि असमें बस फिद्धान्तको स्वीकार नहीं किया गया गढ़ जिसके क्रिय हम कड़ रहे हैं। बक्तिन आफ्रिकार्ने क्तमभग १५ विविध भारतीय है को बढ़ी थर्ड क्यावा नहीं तो क्रमातार ४ क्योंस बते हुए हैं। [बितन आधिकार्ये] विकिश भारतीयोंके प्रवेतका आरम्म नेटातमें विरविधिया मखदुरोंकी प्रवास हुआ। इसके बाद मुक्त विविधः जारसीय वाले जिल्होंने अपनी भाजाका क्व कर दर्शमा। इन मुक्त बिदिस भारतीयोंके कारण ही व्यासारके क्रेजमें उनके प्रति-इंद्रियोंके मनमें व्यानारिक ईंग्यांका मात्र कना। दक्षिण व्यक्तिकामें विदेश मारतीयोंकी मीजूदा तमस्याका मूक गड़ी है। वस वैद्यर्गे वनकी स्थिति बहुत कठिन और पायुक है। बहु बहुत ही क्यादा जिनिविचत भी है। नेदाल, केम ऑर्रेंच की स्टेट बॉट झुल्सवालमें ऐसे [किसने ही | कानून हैं जिनसे कनकी भाषनाओंको, उनके बारमसम्मानको बोद गहुँकदी है और जिनसे हैंबानवारीसे अपनी जीविका कमानेके उनके अनेक रास्ते बन्द हो जाते है। श्रासकर दान्यवासमें तो परिस्थित बहुत ही वह हो नई है। पुरुके पहले हास्त्र मह की कि वे भू-सम्पत्ति एक ही नहीं सकते ने। उन्हें नावरिकॉक जविकार नहीं ने यह कहतेकी तो जावस्थवता ही नहीं है। वे तिर्फ बस्तिमों [कोकेसन्स] में पह सकते वे। उन्हें पैरल पर्दारपॉपर चलने और बान-गाड़िगॉर्ने बैठनेकी मनखी थी। बस्तिगॉर्मे ही पहनेकी कठिनाई तो सब दूर हो गई है, बर्बांग इसका कारण चरकारका सब्भाग नहीं बरिक सह है कि वहाँकि तरसम्बन्धी काशूनोंमें वावमें नुदि पाई गई। बाप वैक सकेंग्रे कि इसरे सारे प्रतिकार्वीसे दुल्सवाकर्ने और सारे बिक्रम माफ्रिकामें विदिक्त मारतियाँकी स्थितिपर किशाना बहरा सकर पहला है। अभी इस्तितक, धानी सन् १९ ६ तक, हम लोग इन सारे प्रतिकार्वीको सहते रहे। हुने निर्वेचेति प्रत्यक्ष ये लागी कठिनलको मोगली पहली वॉ। इसरे सरकारको अभिन्नी मेजी। हम विविधा एजेंडके पास पहुँकि। मेरे विव और सह-प्रतिनिधि की हाची हचीन आपको बता सकते हैं कि एक प्रतिस्थित व्यापारीके क्यमें प्रियोचियाने अपने निवासकार्तमं बुद्धके पहुले शाहतके किए, वे विशिष्ट एवँगके वास किरागी ही बार वसे होने केकिन उन्हें बनामम कुछ नहीं सिका। फिर भी तंबदके समय विदिश एवेंदका हमें वहारा बा। बहु हुमें तहानुमूरित देता वा और कती-कमी कुछ मेंसने तुमारी प्रिकायने भी पर कर केता था। [ऐसी रिमति थी ] किन्तु जिल्लि बारसीयोंको तबतक येसा नहीं क्रया था कि दर्भे के मोन्कुक कर थी हैं उसते आये अहकर कोई करम बठाना चाहिए। सेकिन वर १९ ६ में यह कालून बाल हुआ 🖟 बितके तस्यानमें नापको बता पहा है तय मने समा

कि हुमें नीचा थिराने और बक्षिण आफ्रिकासे निर्वासित करनेके निए जो प्रयस्न किये का रहे हैं यह उनकी इस है। यह कानून जैसा कि मैंने सत्यन कहा है अविश्वासकी सत्तान है इसका अन्य युनाहके कातानरपाने हुआ और पालन-नीवण अहंकार और उद्धननाके वाता बरवर्में। यह कातृन जिल समय जाया जस समय मेरे समावपर तरह-तरहके मारीप कपाम यमें ने । में सारे मारोप बादमें निराधार सिक्क हुए । यह कानून हुमारी मन्त्ररात्मापर किया गया प्रहार है और में तो कहेंगा कि वर्ग शामके गम्मीरतन और उच्चतम भर्गम वह हमारे बर्मपुर किया गया प्रहार भी है क्योंकि वह हमते हमारा धानशैव गौरव छीनता है। हमारा विरवास है कि ऐसे कानुनको स्थोकार करना हमारे किए असम्मव है। इस अपनी फरियाद लेकर किर सरकारके मात पहुँके। यहाँ में यह भी कहना बाहुँया कि इस कानुनका मैसा हतें सिर्फ नीचा पिराने और सपमानित करनेका ही नहीं है। जिन महोबयन यह कानून पैस किया का उन्होंने एक इसरे कान्त्रको वृषं-पुक्ता भी ही है इस मानी कानूनके साथ अस्तुस कान्त्रका प्रदेश्य टान्सवासमें विदिश्य मारतीयोंके प्रवेशवर रोक स्थाना भी है। यह कान्त ज्यतिषेत्रीय कानुनीके प्रतिहासने पासी बार कारी किया का रहा है। मेरा समाज समझ पना है कि यह सब किसकिए किया जा पहा है। इस कागूनके हारा पुल्तवासकी सर कार अपनिवेतको कानुनको किसाक्त्र इस सिक्षान्तको शक्तिक करनका प्रयत्न कर रही है कि बढ़ विदिश्न भारतीयोंका, विदिश्न भारतीयोंके नाते, शानावानमें जानेका अविकार करन करना चाहती है। हमें यह बात बहुत करी। हमें क्या कि इस कागुनको स्वीकार कर केना और उपनिवेदानें बने रक्षमा और ऐसे धम्मीर सुवासपर सरकारको सिर्फ अखियाँ और प्रार्थेनापत्र भेजकर ही सन्तर्क हो काना इमारी राज्योग भावना और हमारे इस्सानी गीरक्के किए नपमानजन्त है। और यही कारण है कि नव न्याय प्राप्त करने और इस अद्युप्त प्रतिकामको हर करानेके हुआरे सब प्रयत्न निपत्न ही नये तो गैरे मित्र और सहकारी औ हानी हवीवने बोहानिसवर्गके एक वियेद्रपर्ने बिटिश बारतीयोंकी एक शार्वजनिक' समायें कार्रे इस बातकी सरव दिलाई कि वे इस कृतिक कानुनके आर्थ कथी सुवींने नहीं। इस समार्थे करीन को हमार माश्मी जपानिका ने मीर इस समाने एक स्वरसे अपवपूर्वक यह योगाना की कि मदि उत्ता काणून शासालय-सरकार द्वारा मंत्रद कर दिया गया हो वे उसे स्वीकार नहीं करेंने बनिक उसे छोड़नेके कारण उन्हें को भी बच्च दिया कामेगा सो सह सेंगे। आप सीम देख सकते हैं कि इसमें बेंगलिएक स्थार्च लिख करनेकी वाल शही है। सक्ताब सवाल वैयन्तिक था, जनतक उत्तरी हुनें केवल आधिक हानि ही होती थी सबतक हम इन निर्धोत्मतामोंको सहते पहे सेकिन कर हमारे शब्दीय सम्मानपर बोद होने समी कर सर्वासका चप यह हो गया कि प्रविश्वके मामलेमें भी हमें मुरीपीर्योके वरावर नहीं भागा कार्येया, और वद हमने देखा कि बुग्ताबाक अपनिवेश उस नीवको ही खोरे शकता है जितपर ब्रिटिश संविधान कहा है तब हमने महसूस किया कि इवारे व्यक्तिक साहसपूर्व कहम क्षांत्रका समय मा पहुँचा है। हुनारै जामने को रहते थे। एक तो यह था कि किसाका अध्यक्ष

486 हिंसारी दिया जाये : हमले इस सिकान्तको अमान्य किया । और दूसरा रास्ता स्था जा?

समाजके नेताजीने यह निरुपय किया कि वे कोई हिताल्यक तरीका न अपनार्येये कैकिन वै इस कानुनको स्वीकार न करेंचे। इसके बवले थे जी वण्ड सिकेशा शहन करेंगे। इस तरीकेको एक बेहतर नाम न मिललेके कारण "पेसिव रेजिस्टेंस" की संजा वो गई। मैं नहीं बानता कि इस नामके को कर्ण में लगाना चाहता 🖟 छत्तकी व्याच्या किस प्रकार कर्णे। मुसे इस बातकी किया पत्नी है कि में अपने योताओंके सम्मूख अपने कोमोंका रक्षमा किस प्रकार स्मय करें। मुझे 'बाइविल'की एक घटना रमरण आती हैं — डैनियलके बीवनकी एक करना — भीर में करेंगा कि हान्सवानमें विदिश मारतीय वहीं करते रहे हैं जो डैनियनने उस समर्ग किया का कर उससे मीडों और कारसियोंके कानून स्वीकार करनेको बढ़ा बया वा। मुसे यह शहते क्रेर होता है कि साकाश्यीय सरकार इस अपरायमें वागीतार है। उत्तके [सामान्यीय सरकारके ] किए यह कानून स्वीकार करना अकरी नहीं था। उसे यह मारूम होना चाहिए वा कि इस कानुनते विविध कारतीयोंकी धावनाको यहरी ठेस पहुँनेपी, और उनके निम् मारमकामानपूर्वक उत्ते स्वीकार करना अतम्यव डी चार्येना। साकाव्यीय सरकारको दुल्य-बाक सरकारपर रोक कमानी वाहिए वी। और कुछ वहीं तो ऐसे कानुनको स्वीहति दैनेंसे पहेंचे बहु हुछ तिसक सकती थी। केकिन बक्रमत राजनीतिकै बकानके वाले बहु सुक गर्दै। में यह नहीं कह सकता कि किन अवक्रवॉस चतने ऐसे कान्तको नंबुर किया होगा। भार-तीर्वोने अनुमद किया कि उसे स्वीकार करवा बसम्बद है, बता के सत्याप्रही वन पर्ये : बस्तुता, बन्होंने शान्तवाल सरकारसे कहा: "हम कोच आपकी बेकें सर देने और मान को बच्द देंने हम सहन करेंगे केलिन वह कलून स्वीकार करना हमारे किए जसन्तर है।" में कचनर चनकर मनमें विचार करना चातृता हूँ कि विविध लेविचालके नमा नर्ग हैं। क्या वह संविधावमें विद्वित साम्राज्यके विविध्य सदस्वींको समानतामा सविधार नहीं देता? में यह बात समग्र तकता है। ने इस श्रिद्धान्तपर आवारित शास्त्राव्यकी प्रवा वने खुनेकी सञ्चल हो सकता है किन्तु अपने अनुसर्क वसपर में बढ़ना बखाँया कि मेरे किए एक ऐसे साम्राज्यके प्रति निकानान रहना नितान्त बसम्भव 🏂 विसमें भेरे ताप साम्राज्यके किसी सरस्पकी ही जांति संजानताका व्यवहार न किया जाने चाहे वह भाग रिज्ञाना करमें ही हो। यदि मेरे साम एक हीनतर अनित-जैता अवहार किया जाना है तो में नरावरीके वर्वेकी कनी कामना नहीं कर्केया। में एक ऐसे साम्राज्यका सरस्य होकर सन्तुष्ट पहुँचा विकासी [सितिविध्योगित] सेदा बाजारा में पूर्व पूर्व गोतानावार वाया वृद्ध प्राप्त प्राप्त स्वाप्त राह्य स्वाप्त विकासी [सितिविध्योगित] सेदा ब्रिक्ट के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त का केदि सित्य कोई सदास्त्र स्वाही है। वैद्या विध्यामें "विद्यास्त्र सामा" की संज्ञा सेदे किए कोई सर्च गाही एकसी। एस कानुसके हासे प्रभावको में इस समाके सामने स्थव्य कर देना चातुला हूँ हुए किसे हम पिक्रमे तीन वरतीसे महास्त करते रहे हैं । शास्त्रकाल उपनिवेशका यह कानून विशेश सामाञ्चकी बड़ोंको कारता रहा 🛊 जार इस प्रकारके कानुसर्ने निहित सिकान्तका प्रतिरोग करके हुम न केवल विदिश भारतकी बर्मिक [सम्पूर्व] विदिश्त साम्राज्यकी सेवा करते यहे हैं। जुले विश्वास है कि यह समा असुन्तिन क्यानें मुझे इस शतका अरोता. वेगी कि ऐसा करके इन ठीक ही करते रहे हैं

("बाह, बाह" और हर्षप्यति) । हम अनुभव करते हैं कि यदि इतना भी नहीं करते तो हम पानायके सहस्य होने थोप्य न यह चाने — हम बाझायमसे साझीबार होनके योप्य न यह आते और अनर सामोबारी नहीं हो ती साम्राज्यका अस्तित्य ही नहीं यह जाता इसीक्स्य मेने यह कहनेमें तिन्छ भी संकोश नहीं किया है कि यह संबर्ध वर्तमान गुपके महानतम संघर्षीने से एक है और ऐसा इसकिए कि एक महान सिक्कान्त बीवपर क्या हुआ है हम एक पश्चित्र बादर्गके किए कड़ रहे हैं और इसकिए मी कि हमने उस नादर्शकी प्राप्तिके प्रमानीमें पृत तरीके अपनाय है। और अब वह प्रस्ताव बया है को [हनसे] किया यया है? वह यह है कि यह कानून तो रब हो बाना वाहिए सेकिन प्रस्तावके व्यक्ति को तर्त बोपनेकी कोश्रिश्र है वह यह है कि जविष्यमें ब्रिटिश भारतीय कानूनकी वृष्टिमें यूरोपीमेंकि साप बरावरीका दर्जी केकर ट्रान्सवासमें प्रवेश न करें। द्रान्सवास शरकार कानूनमें इस परिवर्तनके कारन होनवाले परिचानका साम विदिश भारतीयोंको देनेके मिट राजी जी। अर्थात चार मारतीय हान्सवासमें प्रवेश कर सकेंगे। ब्रिटिश भारतीय इतनेते छन्तुव्य नहीं हैं। उवाहरणके किए साप मान में कि एक स्वामी अपने शासने कहता है "तुम मेरे साम मैक्पर कैठ सकते हो भेरे साम रह सकते हो तुम ये तथाम नुविकार भीम सकते हो किन्तु हस चन करना हा ना तान पर्य जनका हा पुत्र च ताना प्राच्यात नार्व घनते हैं। क्षिपु होत धर्मर कि बात बीर स्थानीका यह दिस्ता हमारे बीच तत्तव कर पर्येचा। स्थान तोच तत्त्वरे हैं कि दात इससे तत्त्वर हो जायेया? बबतक बासताका कर्मक लगा हुना है तबतक बाहे क्षेत्र निजयर सर्वोच्य पर ही मिले ज्या वह बाल सत्त्वर्थ्य हो बकेगा? बया यह साक महीं है कि समर्थयको भावना तनतक जसस्मय है बबतक वह मेर क्याय है बबतक बासताका नहीं है कि सानपंत्र निवास तारकार का साननाय है बबावाय पह पाय का प्रदान के सारवार कि कर्मक नामा हुत विश्व निवास सरकार का बो-पुछ देनेकी बहुती है करो प्रयोद्या मानवर स्वीकार मही कर तकते और इसकिए हुन अपने स्वयंगे विदिक्ष करतारी उपछी पहानु-पूर्ति और समर्थन मांगर्नेक निय वहां बाये हैं। में सम्मता हैं कि साम्राज्योद्य सरकारके लिए सरव-बक्तो दुन्मावाल सरकारको कुछ करनेके लिए विवास करवार असामन है। हम स्वयं भी किसी बतका प्रमोन नहीं करते। हम किसीसे नहीं कहते कि हमारी ओरसे बसला प्रयोग करें। कैंदिन हम यह बकर तीवते हैं कि विदिश वनताको मानूम हो कि उस संधर्वका मतसब वया 🌡 वह जाने कि [ड्रान्तवालके] अविवाती (आरतीय) शंगालमें में ५० प्रतिसत पहले हो चेंत ही बार्य हैं। उसे मानूम ही कि चेंत्रमें निमीनिया ही कामेंके कारण एक शीवकानकी भूत्पु हो चुकी है। वह बाने कि पिता और पुत्र साव-साथ बेस गये है। वह बान सबे कि भागामाने दोर्घारण के की है और सहकाँपर फल बचती है ताकि जबतक उनके प्रति क्षेत्रमें हैं, वे अपनी और अपने बच्चोंकी बरवरिय कर लहें। वसे शासूम हो कि बहुत-से परिवार वरित्र हो गये है और क्ष्मेची रकनते धनका युवारा होता है। यदि सात्रकी समासे चर्याचार काच सनीको सन् कि जिन आक्ष्मीने सत्यावहियोंको खुमी-खुमी में बच्द सेसनके निए बेरित किया है, के आपकी कुटियों सही हैं तो आप सत्याप्रहियोंके उस धोरे से सपुरामको सपने प्रोत्ताहन तहानुनृति और बर्धय पैदा करनेवात कुछ सध्य मेंत्रे । आप साम्राज्य-सरकारको कमें-रूम मह विधा वें कि साम्राज्यीय अन्तरात्मांके विवत इस वापर्ने आप भागीहार बन्नेकी

# सन्तर्ग दोशी शास्त्रसम तैयार नहीं हैं। दानसवासमें चहनेवाले हम सोय बानते हैं कि हमें इंग्लैडकी सहानुमृतिपर

नहीं बहिन अपनी शक्तिपर निर्मेर करना है, और में सनगब करता है कि हममें यह यक्ति है। में मानता हैं कि जबतक युक्त भी सत्याप्रही जीवित रहेगा वह संघर्ष कारी रखेगा। मसे चौद्राजिसवर्षसे अभी-मजी एक लार निका है जिसमें बका गया है जि बार्डिको लोग संघर्षको सन्ततक भारी रखनेके किए कविवक हैं। यह सम्बेश विदिश्न भारतीय संग्र हारा है।

नहीं भेजा गया है, इतमें युरोपीय कार्यकर्तामीका यह कोश-सा वरू भी झामिल है जिसने विवालसभाके एक सबस्य भी विकिश्त हाँस्केनकी अध्यक्तामें एक समितिकी स्थापना की है। में अपने मुननेवाओंसे कहेंपा कि वे उस प्रोपीय समितिका अनुकरण करें और उन्हें जितना सविक सम्भव हो चलाह प्रदान करें तथा इस प्रकार हमारे क्योंका प्रधानीम सन्त करार्थे ।

[ बंग्रेबीसे ] वेडियन ओपिनियन ११-१२-१९ **६** 

44

 मान्द्री होके क्या तर देशा हैका और तर क्रेसिक केकी गीते । सम्बन्धी समाधित क्रिक्तिकील स्वतान मृत्यिको क्षा हिरा वंशाः "यह सना राज्यकको निर्देश मारगीरोँ सार वाले नागरिक भविकारिक किर िर बानेको बानिसून मोर निस्ताने संरोध प्रति जानी वार्रिक त्यानुन्ति व्यक बरती है, बीर मा संसी क्को क्को होसाइद छाल क्की है।"

### परिशिष्ट

### परिशिष्ट १

# एशियाई पंजीयम संशीयन मचिनियम (१९०८)

### सम्पुर्ण पाठ

दन भीने दुरस्तानको संतर क्षारा दश्य दो में पारित का भीनिकारका पूरा पाठ दे ऐहे हैं जिनका बरस्य कर परिदासर्वीद, वो एक् १९४० के व्योगीका संस्था २ के कार्यन्योंका पाठन गर्दी कर पाने क्षेत्रका गीनको नेप करता है और परिवाहोंके पंत्रीकारी विशिष्ठ व्यवस्था करता है।"

द्रामतरकाडी विश्वसम्बद्धिय और विश्वसन्त्रवास्त्री छण्डाद और छण्डाकिले हपारे वर्रमानेक सबस्परिय सहाराज किनाविक्तिको कानुस्थ करने मान्य करें

र प्राथमिक्यमें बच्चें कि का संस्पेत नसंबंध व ही.

वाकित " का अने द्वीरा कोल्ब साम वा काले ज्याताकी कालाव्य:

रंगीहरूमध्येतरत "द्धां वर्षे क्षेत्र पश्चित्रसर्विक रिक्याने स्वाधिक दी बानेतरको देशी वर्षी को है एक्ट्रम्बरी है दिन्दिनको करा क्रिकीरिक रिक्रि कोर अनुस्क अनुस्कर किसी और संधी वर्षे दो और सिक्रिक स्वय रिक्रियमी प्रीको अनुस्कर करना किसरा और जिलाकक काल भी स्वयं परे में हो।

- विक्रियमों मौनेने ब्युटार बन्दा किरण और विक्रास्त्रक ब्यान भी ताले परे ही; "परितार" वा वर्ष होगा परिवार महाक्रीरमें एत्त्रेनाकी प्रशासिबँका कोई यो दुवन-वर्षक; कामे कुळे, अरब और अस्त्री शारिक होंने हिन्दु विक्राविद्यात सारिक वार्षी होंगे—
  - (६) देश पराची निषक्ष क्या व्यक्ति वाधिकारे किही विधित्त व्यविदेशों मा निर्देश व्यक्तियां मोहने प्रचा हो और वी को निकास करता है। वा
  - (वं) पेशा दोर्ग व्यक्ति में) स्त्र कानिकार्ते १९ ४ के " अभ-नावार जन्मारेश" (केनर स्पर्शेष्टकर क्षाॅक्तिक ) के अचीन करता करता करता हो। वर्ग

(म) मित्री रिक्की बुक्तमारांगे बाब करनेवाना विकासी:

- "वंशीरत म्यालात का वर्ष होंगा छन् १९००के व्यितिम्य छन्या १ के व्यक्तित दिशा त्या म्यालास-व्यक्ति स्व व्यक्तित्तके व्यक्तित हार्वीत व्यक्तियोंने कामे पने व्यक्तिक व्यक्तार वा विकिन्न इत्तर निर्योदित विश्वक व्यक्तित विवा क्या व्यक्तिका
- " स्त्र अभिकिताहा वाप्रज" मा सन्दर्शयुक्तवाहा करे होता का हारीमा किसी है कर विभिन्न अध्यक्षी वास्त
- " मनंद" या गर्वे होया वा अभिवारी वी कियी त्यस रम कार्मिकाडी संस्कारका वार्मकारी वरिकारी कुमा और कमिकि अमनार सेवासन कर था। हो:
- ल संदर्भ का वर्ष होगा कियों बचाकिन वरितार्मका तिया वा मात्रा वा कोई मी दूकरा लाइनी किन्नेक मंद्रकार्म वह बावार्किन व्यक्ति का छवा रह वहा ही और एसे रित्ती व्यवस्थित अनस्यों कह समाजिका माजिक।
  - गरीव बरफ " (मेंट्रिक डोसप) का को, वंत्रीतन यमान्त्रको शिक्पीलेचे डोसा (अनावरको *वॉक्सील* नार्वाचिको थिका) वह व्यक्ति जिन्हा वंत्रीका का स्थानरको प्रमाणि होता है।

सन्त्व वांचा वा

मारावित "का वर्षे होना शोवा सकते क्षत्र कालाका; "परिवासीका प्रीकार " प्राणीका सराव्य होया का वर्षितित्रको असोवर्गोकी सिक्रिके किए, विकास विकास निर्देशित विभिन्ने कालार एका क्रमेशका सीवारः

"पंजीपर "दा वर्ष होगा गर्नेटर आप विशासनीया प्रीक्षार एकोक किर निमुक्त किया गया मरिकारी पा को उसर जाने होगा गर्नेटर आप विशासनीया प्रीक्षार एकोक किर निमुक्त किया गया मरिकारी पा को उसर जानिया को कर स्वरूप वैत्र प्रीक्षित काम कर रहा। हो।

भ के पूर्वा ज्यान का का कर कर का का कर का कर का वा "विनिध्य"क्षा सरका होता हो कविनिध्यक्ष क्षेत्र १० के कर्वार वस्तुका एवा कोई सी विनिध्य

"सरंपीत्त पश्चिमहें " का अने दीना देशा नाव्या पश्चिमहें को पंजीवन प्रयानसम्बा सरक नहीं हैं। सक्ता है

### लेक्स वंशिवका वैजीनक

% (१) मलेक व्यक्ति →

448

(६) जो एक १९०० क विभिन्न एक्स २ में दो को परिभावके बनुसार परिवास है। चौर

(प) मित्र क्रांग ना निर्मेष विकास कर् १९ ८ की १ करवाँकी वा कर्म कर क्ष् १९०८ की १ वर्ष कर किसी भी निर्म पंत्रीसक वा कन्य किसी स्मृतिक वरिकार प्रदा सम्मामार्थ कर्म पंत्रीसम्बंध निर्माणी थी भी हो। चौर

पंत्रीतमक्तं किय वाणी पी वर्ष हो, बोर (प) जिले वा मिनके विकाम पंत्रीयकाल हारा का व्यविकासकी क्यूक्ट्रीमें मिर्ट को कसूनेल क्यूकर मामका दिया कहा हो:

ग्यापान एका का कह हो प्रशासको प्रश्न कर कैनेन्द्र येते प्रमायकका वैच गरफ माना बलेगा किस्से को कामिनेहमें गर्देक करते मीर एतेका विचार विकास है।

(६) अलंड व्यक्तिमें, जिल्के क्रम क्षा कमाने व्यक्तिक कोई अलक्त्र है, हा उदाये, स्व १९०० के परिविक्त अल्ला ३ के उरावर्गिक कार्त, वर्षक कर विविक्तिक कार्यां कार्यां कर्मा होता ।

# इस अविनियमके जारमा होगेके वाद परित्यादवींका **देवी**यम

वर्षे सी चडिवर्ग का गोनिवर्गंड क्यांत काना गंगील गरानेक व्यविद्यारी होता, वरि---

(६) यह ब्रान्ड ४ के ब्राह्मण (२) या (३) में वर्णित कर्मोंको पूरा करता हो, बारे वह स्थ महिन्सके ब्राह्मण होते स्थान तम व्यक्तिकों तथा हो या व राता होते पा

(व) शत् १९००के मानिनिका संक्षा २ व मण्डीत दिवे गते ग्रेथीका व्यानशास्त्र हैन करह होनेके गत्रे वह क्य प्रमानकात वर्की वत अधिनिवतक भण्डीत दिवा मानेनाका ग्रेमीस प्रमानका केना प्रमान हो; गा

(4) वर मध्यित्वयक्ष महत्य होनेक त्याप का का आनिकेष्ण मध्यित्व मध्यित । भीर हानिक क्षेत्र । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति कष्ति । स्वति कष्ति । स्वति कष्ति । स्वति

(प) क्लब्स कम दक्षिण मात्रिकाके दिली वेत दिलोगे हुमा था जो काके क्ल्पकी गरीकके छन्त

इल्लाक्दी शीमाणींक कन्दर था ।

- Y (१) হত দাখিকিবাৰা দানেৰ ছটিত কাল হত আনিইছাই জিলাই জনৈবজা মন্ত্ৰীক লগবৈদিক বাইনা
  বিশ্বতা কৈ তাইনা কাল্যানিক বাইনা
  বিশ্বতা
  কাল্যানিক কাল্যানিক বাইনা
  কাল্যানিক কাল্যানিক বাইনা
  কাল্যানিক কাল্যানিক বিশ্বত জন্মনিক জিন বাহন ই বুখনা ইছা নিবল কাল্যানিক কাল্যানিক
  কাল্যানিক বাইনা
  কাল্যানিক বাই বাইনা
  কাল্যানিক বাইনা
  কাল্যানিক বাইনা
  কাল্যানিক বাইনা
  কাল্যানিক
  কাল্যানিক
- (२) वय निर्धानसम्बद्धा नारम्य इतिके तमन काविक्षेत्रके बहार विनास सरकेनान्य नार्यक नार्यमिक नार्विण परिचारि ।
  - (द) वरि वर छन् १८६९ के बल्यूबर महीनेकी १२ ठारीक्के वरिके द्रारक्तकों ठील ठाल एक निमास कर खुका हो; बीर
  - (व) प्रा व्यविशिक्तके जारामा वैभिन्ने कार पत्र सामके अन्तर का व्यक्तिक के बादर किन्तु कविण वाधिकार्क पीतर अन दिला किसी अवाले वेधीमार्क विषय नार्ग और
- (१) पंत्रीसकडो १० वन-सम्बन्धे क्रीक्रमित तस्मीका विश्वास करा है। ती व्या पंत्रीमत-क्राम्मक प्रमेखा क्रिकारी क्षेत्रा ।
- (३) देश स्टेब मर्श्वादेश गामिन परिवार को एवं क्योपिक्सके वारान होनेके समय को कामिन्नके नार निरुक्त कर रहा वा किन्नु को
  - (६) ज्यू १९ २% ब्राविपूर्ण क्या वाणि प्रका चलावेख (वर्शन्यी रेंव बीच तिज्ञें बन व्यॉक्निक) के फर्क्य वा कामे किसी इंडिनकों कार्यात क्या कर १९ % मित्रप्रदेशी पार्टी करी कर क्याच्या कर पार्टी करी कर क्याच्या पार्टी करी कर क्याच्या पार्टी कर विकास कर (कर्ड कि त्या क्युनिदिश्य करों के तर प्रकास कर (कर्ड कि त्या क्युनिदिश्य क्याच्या करा क्याचित्र करा क्याच्या क्राच्या क्राच्या क्याच्या क्याच्या क्राच्या क्राच्या क्राच्या क्याच्या क्राच्या क्याच क्राच्या क्याच क्राच्या क्राच्या
- (द) तर्रे, १९ २वी ३१ ठारीयतो वर कानियन्त व्यवस्था वर्णित की क्यान वर्णित था; वंगीरको एवं वरस्थाने कानुष्येर (क) मीर (क) में क्षेत्रवीका उत्यक्त विश्वस वर्ण देनर करेंद्र कानियाने वर्षर किन्द्र परिचय वाधिकांक कान्य व्यवस्थित निर्द्यो कान्यते वंगीरकोट किन वर्षा देनेस्त, वंजीनरात स्थानमान क्या करोत्रेस कीन्य होता।

#### नाककिए पृश्चिकाई

- ५. ब्लिय क्या का कार्रियने दुवा है और ने का कार्यनेक्ष्में कर १९ ४ के केर क्यांद्रिक व्यक्तिक क्यांच करे को प्रियं मनद्वाती क्रांच करी है, येरे क्योंक करेबीहत (तेर-क्रिक्ट ) मानांकित पर्यक्ति क्रियमित क्यांच करेबीहत क्यांच कर्या होते;
  - (१) मी क्लाडा ग्रेरक्स परिवर्ग है ही का नागरियाडा बाब, काड़ी का काड़ा तिहास और संस्थाड़ी काड़ा रिशा क्लोड ग्रेरक्स वंशीयन मनाव्यकों वर्ग विवा क्लोना ।
  - (६) व्य मारानिक ग्रीन्य वर्षेयी कावा वा वालेगर, कर मात्र क्लार वंजीरपारी वंशित म्यालगरोह दिन नहीं रिमा दिन्त पाँच व्य का कावी पुंचित जा काव क्या नार वार वार्टिंगरेंग दार्जिंद ल हो थे। व्य रहित वार्टिंग्य कावर, वेदिन वार्टिंगरेंग वारत लाग्नेवन दिन्त कार्य वंशित्वया पंचित्र की दिन्त कार्टिंग्य कार्टिंग्य कार्टिंग्य कार्टिंग्य के वाच्या कार्टिंग्य कार्ट्य कार्ट्य कार्टिंग्य कार्ट्य कार्ट्य

६ (१) बन भी पेनीतनको कर कामीनान हो बाने कि बोर्ड पविवर्त, वो सुब्द ३ के मनिकारका बाता करता हो [सन्दान] नकता अभिकारी वहीं है यह वहे वंबीकत्वा प्रमानस्त्र हेतेसे इनकार कर देख और शाकी शक्ता का विवासको उनके वर्तीकों विवे प्रोपर बाहती तेव वी बानेगी ।

(२) पंचीनक दारा पंजीकरूक भगावरण देनेसे समझ्य करनेने हरणक वामकेंग्रे, इनकारीको स्थानको तारीको चौदा दिनक अन्तर काजिनेश-सकिये नाम क्रिकित पत्ने हता क्रतीक की वा स्वद्री है भीर भर नरीज ऐसी नरीजें हुन्नेके किए नरूनेर बाल सास सीरवर निस्तर प्रसिद्ध अस हुनी बडेनी भीर कर नरीत पुरुषे समय करन माजियेतको, सन् १९ २ के प्रक्रमिनिक्येसन कोंपूर अधिस अधिकोत्सनक क्षा कडीलोड करानेत जिल्ला कोरियों लडावस सामा बावेगा ।

(३) देते पश्चिमार्वेश सामकेमें की वश्चिम माफितामें तो है जिल्हा कर क्यांकीयके नजर है कों ही देती नरीकरी तुम्मारंकी सारीक विशेषस होगी स्वों ही ज्वास विमानहा कर्जकरी महिन्दारी वरीक कार्यको कासी पंजीवन-वर्जीने दिवे को क्षेत्रण सम्बद्धे वरित यह अस्तावी वन्नारित्य प्रेन देखा निस्से को कारिकेसमें प्रदेश करने और तराव्य रहनेता अधिकार किंव कावेता असाद कि वर्गकरा चैतान वर्ग हो बाता । वदि वरील कारिय हो बाती है तो यह मिल्टेर कियत बसमें यह अमेद बारो क्रीय कि कर महिन्दर्शको बपनिवेदारे जिल्ला दिया काने और देखा दरवद आहेत कर १९०० के जनकी-मिरिक्यक मधिवित्रमके सम्ब ह था कर्नेक किसी संशोधनके कार्यांश दिया यथा मारेक मान्य पानेप ।

(y) का ज्यन्तिकार क्लिए पेंसे शाकिन पश्चिमार्थक मामकेन क्लिए का क्लाक क्लाक व हाए निर्वारित अवश्वित अन्तर जलीक म की दो वा की दी हो किया असरर जाने दार्रवर्ष न की नई ही ना जिस्ही नरीन चारिन कर दी जो हो, नररोक्त मिन्नदेव किवित नारेव बारी करेगा है कर पविनर्त्रही क्यविरेक्स बच्चर विक्रम दिया बाबे और देशा क्रकेट कारेज कर १९०० के प्रश्रामी-प्रतिकार कविनिवर्यक दान ह ना प्रसद्ध विक्री संशोधनोह कार्मांग रिया करा बावेन्द्र पाना क्रमेत्रा र

#### कारियोगी विकासक

 भो शाबिन स्वीत्रार्थ का समीक वा सारीक्षिक शहर को क्वाबिक स्वाप्त स्वाप्त तथा में मानिस्थित की बार्वे क्यतिरेक्षके क्रमर बाबा कालेका और क्राव्य ९ में क्रतिबक्ति सीचेक दिने बारोचर वंशीवनक केरे मनाल-बनकी जिल्हा वह बैब पहला है केर व बद होत्या उसे फिला बारंटेड गिरफार दिया था सकता है और मनिक्सी मन्त्रिकेट (देशकेंट व्यक्तिक) वा स्थानक व्यक्तिसी मन्त्रिकेट (व्यक्तिकेट देशकेंट मनिकेट ) व समने देख दिया का सकता है और बार का अविदेशको का बक्ता वरेड मनाम न दे तक कि यह पंजीतन हराजारका केंच चराक है, सबका जिल क्षत्रिके सन्तर को इन समाधारके किन वर्गी है देवी पार्टिए, यह नवी स्राप्त करों की है हो प्रक्रियेट, अलके कलाने विकिश्त परिस्थिति वीशवार विवेदन करने वह भारेक परि बरेना कि को १५ कानिकेस समार मिकान दिना नाये और नेता मनेद नावेस तम १९०० के मनती-मिलनक अधिनित्तक कात इ था काके दिनी संशीवनंत अस्तर्गत किया नार आरेश नामा कलेगा ।

 मी वास्ति विवाद प्रकार संक क्लान (१) के क्लान्स्कि अनुसार वंशिन्तक किर कर्जी वर्ती है संबंध है की बहु क्या प्रतिरहेको जिल्हा सामने वह देश दिवा काले व्या वालका रामीन्यन बरा देख कि बापडी हुई बुद्धि की कार्य और वर्गन काला का की नह मन्तिये नुर्वेश मांग्य बारी करनेय बनन कम की बर्बेटो बाद दिनके बन्दर वंत्रीयनके किए कार्र देनेका निर्देश के सत्ता है और वरि वह प्रक्रियर स्थ निर्देशका बाजन करेगा ती काक्षी मर्तरेष ठीड कमी तरह विशय किया मध्येण मानी वा पूरीना वनरान्के करान्त्रीक सन्तर्पर ही दी तो ही भीर क्षम वॉपनित्सके नारे कस्तरूप, वो कि का बाज्यमें कमू हीने नहीं भी नाम हींत । दिन्तु वहि बहु का निर्देशका वाचन न कर संवेता ही जीतार क्यो वहने को नतान [ कार्बिशात] बसर मिद्रान देवेदा मारेज क्षेत्रा मीर तेना नारेश सन् १९ और मरागीनविकाद मधिमानके राज र 4। क्यांक क्रिमी संकोरनके क्ष्मार्थन क्या नाम नाम नामा नामा नामा

# शामा ह

### सामान्य बीर सुद्ध वारो

- ५. बो भी प्रक्रियों कर स्वांनिक्ती महेब करें वा न्यों पर यहां हो करें स्वीं विवित्तर, त्यारित प्रस्थित-स्वांति विवित्तर, त्यारित प्रस्थित-स्वांति विवित्तर, त्यारित प्रस्थित-स्वांति विवित्तर, त्यारित प्रस्थित-स्वांति क्षिण्या कर्ति मान्यरत्य निक्ष्या कर्ति विवित्तर क्षेत्र क

(६) देश प्रधानतम जिल्ल व्यक्तिको पिने पहले कि प्रकेशका नही न हो किन्ते मात्र नद नारी किना प्रधान के क्षेत्र कालील प्रक्रियालिको प्रीक्तिको होँग केवा वा मेन देखा।

- ११. प्राचेत वंशिक्त प्रशासन एवं क्या का गायक विश्वसायक समान प्राच्या कि उनके नेव मारको स्व व्यक्तिकों प्रतेत करते और राजिक व्यक्तित के किन्तु वह कव्य का व्यक्तिमंत्र करूं कर्ति होगा वो एन् १९०० के मासकी-गतिकनक अधिनियस कव्य ५ वा इ के क्या वरके किन्ती वंशिक्तक कर्यात कारिकेकों निकास के के हैं।
- १६ पॅथिमको कि मर्जा प्रतिमक्ते कियो व्यक्तिको विक्रियको स्थियके चयुद्धर को इक्त्यामा हैना होना वा प्रस्तुर्वक को बोक्का प्राणी होनी कह चैंग-इक्क्से उन्हा होती।

### मापारिक परकाने

- १४ (1) कर १९०% के एकल जराना जलारेख वा करेड कियी पंडीकांड सम्पर्धत वा लाडीक संपर्धत में मिक्स के प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार के मान्य के प्रतिकार कर के मान्य के राज्या में ना पंडाब मान्य कर मान्य के प्रतिकार के प्रतिकार मान्य के प्रतिकार के प्रतिकार
- (५) व्य मधिनागंड बच्च २ के करवान (१) (व) मैं निर्वारित कामें नवीं हेनेताने कियों विकासी है। यूर्गेना नवारित वा यूर्गेन्स व्यक्तियाके नकार्यत । करवारी १९ ८ मीर भारतम होनेके सेन्स्यों को में प्रवासने दिने को होंगे में उस १९०० के मधिनामा उंच्या २ के बच्च व्य सर्वास्त्रकार ११ के करन्यों व सावस्त्र ने परिवेद हिरे को साने वालिए ।
  - (१) छण १९०० के जांगीनका संन्या न का सन्य १३ रह कर दिया अध्या और इसेंब इस्त कर विकास काल है ;

44

#### १५ को बीव्यक्ति

- (६) वंबीलगढी वर्षीय देवुंदे वा कामे क्रिक्तिकेमें वा पंबीकमद्रा प्रमान्त्रक वालेक किर फिरी मी ठरहका कलाने वाले करेवा वा ब्रह्म क्यांच केवा वा ब्रह्म व्यान्त क्यांचेता
- (व) स्य मिरिनेक्यानी बजुएसीने नताने हुए स्पृत्तेके ज्युसम कोई नाजी राज्येन नयानेता वा स्य मिरिनियमे माराम मिरी प्रत्ये केरी वाची राज्येनकी एकमा कर जुन्ना है ना मानी पंजीवन प्रमाणक बनावेला वा वह वालते हुए वी कि वाहुक राज्येन वा प्रमाणकर बाकी हैं करा करेखा प्रदेश
  - (व) वेंदे किसी वाली बस्ताने व पा ऐसे किसी प्रमाणनकार किसका कर वेच पारक नहीं है पंजीवनके मनाव्याओं कारी कालीन करेवा वा कालीय करनेकी क्षेत्रिक करेगा।

का करणका दोशों दोना चौर करूर चींच ही तींक तक का ख़ुर्मीना किया का छोजा चौर हुर्मीना मे होकर को दी ता का का बीनमा वा तारी देशकी हवा दी जा छोजाी वा हुर्मीना कौर देशकी दवा दौरों का छम दो ना चर्मींग, जीर ची भी जारिक छित्री हुएरे व्यक्तिको देश करनाय करनेकी कारक्रेपण था करमें सहर बल्क या दिसका करोप का (बी) तुरह वस्त्रक हुएगी दींचा।

### नस्वाची न्युगविपन

१६. उस् १९०० के प्रशासी-परिकरण्यों वा छा परिविद्याने वो यो छहा बता है उसके बायवह सम्मेर देवा बहुतरिका देवों महत्वति वे सकता है वो विद्यास कर दिखीं महत्विक सह्य हो। उसने विद्या में परिवरण कराय दिखीं महत्विक सहय हो। उसने विद्या में परिवरण कराय कराय हो कि सहय है जो कि परिवरण कराय कराय है। उसने विद्या में परिवरण कराय कराय है। उसने प्रशास परिवरण कराय कराय है। उसने प्रशास परिवरण कराय है। उसने परिवरण कराय है

# ।।वर्गरंके अधिकार

एक. गार्मंद सम्बन्धमान निव्यक्तिक क्रेस्नोंमें हे किसी भी क्रोस्से किए वितियन (रेस्नुनेकस्प) वन्त सम्बन्ध है, बरण सक्ता है वा एवं कर सम्बन्ध है

- (१) क्य अधिनियमक क्येक्नोंक किए एके कानेनाके एक्सिक्स कम निर्मारित करवा ।
- (४) वंशीनाची नहीं होती देशि चौर खड़ा एवं चौर का नहीं रिवरिकेर्रेय वा क्यूंड बरेक्सी मन्त्रपूर्ण किन वार्शीय मोत देना होत्रय वा विकासकोंद थी शायन मस्त्रुव क्यूंड होने — क्यूंड विचेरित क्याः।
  - (६) पेत्रीका मनान्यका का निर्धारित करना ।
    - (४) (६) क्षण ९ में वॉल्मीला गाँव की वाले तब किसी विकार्यको; [बौर]
    - (स) रंबीस्थ प्रमानस्त्र दी बाते वा बह दी बानेस्ट क्वेश किय वर्ती ध्रेतरहे दिही चित्रप्रेरी जिल वर्तीक कोत देना दीन्य वा जिनान्त्रके वी शायन मन्त्रत करने देनि क्वें दिनीरित करना।
  - (५) बाग इ में जिल्लीक विशिद्धको दी नई नालिंक सम्मन्द्र सक्त दी व्यक्तिको कर्मविधि क्रिकेटिक करता ।
    - (६) सन्त १६ के अन्तर्गत दिवे कोनाके बसुपतित्तका का विचौरित करना ।
    - (६) सत्त १६ व सन्तर्का १६४ वाल्यान वसुभागातक कर्म (वयाराज वरणा)
       (७) सामान्य तीरवर आ व्यविधिकां कर्मों और व्यविधिक व्यव्य सम्बद्ध करात अन्या स्थापन कराते क्रिया

१८. वो पहिल्ली मा किसी पहिलाईका संस्कृत सह प्रश्निकामके या निरिम्लीक किसी उक्तकेका प्रमुख नहीं करेगा का रख समसे विश्वित परिशिक्तिकों को कोकार, योगी खादाने वानेकर, यह सी वींच यह के कुमनिका मानी होता । असीना कहा के कुलोल सहे तीन कहींगे तक की उन्त या सनी केवली समा ही वा तकेता।

१५. १२ चन्या छन् १४८१ क जैनसम्ब रिजील्युवन वार्तिक १४१९ दारा स्विधिन्त सन् १४८५ के दान्त संवधिक राष्ट्र १४८५ के दान्त संवधिक विकास (क) में सन्दे जिल्हा को नहुत भी हो, स्वर्ध नामकुर स्थितिक वो वर्ष स्थापन प्रति मान्य प्रति को स्व जिल्हा को महान प्रति कारण वार्तिक वार्तिक स्थापन कियोग कियोग कियोग विकास नामसे रिजेल्य वा पूर्वित वार्त्यक केरी संवधिक कियोग कियोग वार्तिक वार्त्यक केरी संवधिक वार्त्यक केरी संवधिक वार्तिक वार्त्यक वार्त्यक केरी संवधिक वार्त्यक केरी संवधिक वार्त्यक केरी संवधिक वार्त्यक वार्तक वार्त्यक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक वार्तक

२ इत मधिनियम्बा क्लोब्स हर मामकी परिवासिक एमिस्टेसम वर्गेम्प्रेस देख १९ ८ (छन् १९ ८ का परिवास देखीलन छेड्रोचन वारिक्स्य ) के मामछे किया वा लक्का है ब्येंट वह एक्का कानू म होना क्लाइत कि एक्सा के स्वास्तिक माराक्ष्य कान्य का कि प्राप्त माराक्ष्य कान्य कान्य कि एक्सा कि प्राप्त माराक्ष्य के संबूद करनेती इस्त की है परिवासिक माराक्ष्य कर कर होनी किया की है परिवासिक माराक्ष्य कर कर होनी के एमिस्ट के प्राप्त की है परिवासिक माराक्ष्य कर कर होनी कर किया की है परिवासिक माराक्ष्य कर होना किया कर है किया है कि एक्सा की एमिस्ट के प्राप्त कर होना किया कर है किया है के एक्सा है किया है

# क्युस्पी राम्साम्बः परिवर्ग वंशीयन प्रयासका

रा नम	₩.	~ ~		PF PMG 14
बाति™		** <b>600</b> *** *** ***	क्याई 🗠	e+ ps4
हिमा ल	•	*** ****	**	***
i —	-			
	E			
1	\$		- 4	be* se*s
1	} ~		यसिनसर्गेष	
1			″ृको दिव	<sup>र</sup> मा
1	生	चलकी	<b>90</b> ″	Plan 44
	<b>E</b>			
फ्रीश नाव		··· · · विकास-स्ता		
	\$4.E	क्लो का अने दुव और क्ल	त्रस संबित	
वाम		विवाद-काम	ddpo	Regi
		<del> </del>		
		) i		

रीक्षामर्थीक पेनीमफर्क लिया स्थापनालक्ष्य कारी एकार कियी कथा व्यक्तिको न दी कोई गरिस्टेंस करना व्यक्ति, व निम्पनी किस्सी वाहिए। (अंदेनीको)

इंडियन श्रीपिक्यन ५-९-१९ ८

### परिशिष्ट २

# सन १९०७ के प्रवासी प्रतिवन्धक अधिनियसके सम्बद्ध है अन्तर्गत किसी ध्यक्तिके निष्कासनके सिए धारट

पूर्विक से तम से एक १९०० के वाधिकता यु क्वा ८, क्वाब्य १ के कर्मात दूरकार को कर सके कार्रिका मारेल दिया का वाचीर करने एवं मोरेक्व एक्वम व्यक्ति व्यक्ति के उन्हें सामाधिक स्वारामा शामिरके मारास्त इस दिया कार्य के कि द्वा पूर्णिका की तुरूत विरक्ता र को वाँ को कार्यिकते सामाधिक स्वारामिक स्वाराम्य की सामाधिक स्वारामिक स्वारामि

(इ) दे धी स्मद्रस

[अंग्रेजीये]

प्रतियव कोविविषक ५-९-९९ ८

### परिक्षिष्ठ इ

#### रंगके प्राप्तपर भी पीठ अंक्सका सामप

भी देदिक रोजन थी। पार भी ने गाविकन्तंत्र (क्येत चॉक विलेक) भी रीम मेंत बावाने मानक्कर काराना देकनो रोजनेक स्वातन पारक दिया। कात्रा मानक वी ५ वाटीब के बार में दिया लगा है। इस क्येत प्रात्मार्थ मेंत्र भीचे बढ़ात कार्य है।

स्त्र अनुस्त्र पर कारानिक साद, मी है। हमें हर कारानिक सान वासूनकी निगारी सरावर सान परना चारिए, फिर क्वार के नाहे से हो। वही को सबसी ताक तुम्परोध मीता केरा चारिए। का निक इसे होंदें वन्ती हरूप दक्तरा है है किसे ही कारिय जा नायर कों न हों। हमें स्त्रें किरसावधी मुक्ति स्त्री क्वार चारीर। यह स्त्री ही सत्त्रा कि हमा करते किरसाव का स्त्रम चीर को क्या सामानिक कर कंदर करनेका जनसर होन्द्रे क्रमान करें। सा शेवारों एक बारण कोरोंक निका श्रेष किन्यन है। गेरि सा शेवते प्रमुख दिरतेगर होने जारिए सा विधायको कार्यू करियो उन्हें एक्ट्र कोर्योंको में एक्ट्र कोर्योंको में एक्ट्र करिकारी ज्युपार एतं देशा चारिए। हो कर्षे कन्द्री बायांके ज्युपार दूशा विधात करने देशा चारिए और वह जेवा म करनी जारिए में है होता क्रीनक कर्यु ही को रहें जीर कम्ब्री शेर्ड हुगी विधारी हो ही स्वर्ध

हों जब कारा एक वर्षिकों और कारा नक्की रुध (संक्रेड़) राज्य की की की वाधिए। रिक्रम वाधिकां एउटिंक तबर नगी हों को कों, को नकियें (क्षेड़का) की कहीं हैं एककों के के वाधिकां हैं। वाद हम कार्य की सेंद्री केंद्री की कार्य कार्यों एकके किए तबाद करें तो करते कि गामित करेंद्री कोशा और यह देशों। राम का वह विकास करते हैं कि ने एमार्के किए कराया है राज्य के वह दार रखा चारिर कि करा हम कियों भारतीयें वावकार्य होएं हों। वे एमार्के किए कराया कराय कराय वी हो करोग। किन्न बार हम कर बाते हैं कि वह कार्या के ती हम पाने के कर पान कराय सारिर। हम कार्नितंदी करेंद्रायूर्व एक देशर से कराय करोगें कार्री एक एमार्के हों। हम कर्म करों सारिप के करोगों करोशों तरण हैं। की कार्य कराय वाध्योंके स्थान कराय हों। हम कर्म हमें । क्षा कराय सार्या कि बीनार्म करोशों तरण हैं। की कार्य कराय वाध्योंके स्थान कराय हों। हम कर्म करों। कार्य देशों को तीरे केर हैं है दोशों वाधिकांके अभिकार है। हम क्यानम है। होनों वाधिकांके राज्य कर हो। हम है हसे स्थानि वाधिका विकास सारित हम हम की कीला क्षांके हों हम हम हो।

(अंग्रेजीसे )

श्रीवियम श्रीपिनिषद १ ~९~१९०८

### वरिक्षिष्ट ४

# पंजीयन कानूनकी मंसूजीके जारेमें हसफनामे

(१) एक एस॰ एक॰ पीक्का इक्कामाग

में मोधानिकर्णनात्री हेकरी संबोधन क्रिकोन पोक्रम संबोधायी और स्थापित क्रिके द्वारा निजन मोक्रम करता हूँ

> हैनरी एवं एक पोनक मेरे हमले

चेवानिश्लीमें चाच ९ स्टिक्स १९ ८ को बोर्डिस

वास एवं हिमव व्यक्ति वॉक्ट द हो। सम्बर्गगीयी शक्तमय

# (२) पी के सामका सम्बद्धाता

मैं कोशानिक्स्पेनासी थी के जानक संजीवनी और सम्बद्धि सक्षेत्र सारा किंग कोच्या करता है

नित दिन भी गोरीसर सम्मारिके प्रमन्ति क्षमा किया नहा ना तथ दिन तथ कराव कुछ दी नह मैं र्रीन्द्रपूर्व करावी गां भा विकास कानूत संक्षेत्रण निविद्याल नवार्थ के लेक्का संक्षेत्रण प्रमेशन प्रमेशनाभी स् राविद्याल कराविद्याल क

> पी के नामक् मेरे सम्बन्धे, जे गिक्क

बोह्य निस्कृति

मान ५ सिरम्पर १९ ८ थी नोपित समित माँच व ग्रीय

#### (३) एवं कामाका इकक्यामा

में बोद्यानिवर्गनाती- वारिरवा क्षमा वंबीवर्ग और स्वांदि काब बादा निव्य बोक्ता करता ह

मिने भी भी भे जनवृद्धा नामको उत्तरीवात वण्याच्या पह किया है। मैं कहने ब्रह्मी भी कहाँ में पुष्टि कहता हूँ। कार्नोको सम्बाधित मंबद्ध करनेक किया राजी करनेने मेरा पता इस मा मोद्र में भी मैननेने भी नामकृती पर्रमूपर्वेने सिक्तोके पानमा भी बहें नाम किया पुरा था। भी पैपनेने सुद्धा नाम ब्रह्म भागाना दिना वा नि कार्यून एक कर विना व्यनेष्या। वस तहाद है मेरे राज मज्यून करना और कोर्योको काल्य करना

मार्टिस कामा स्थानको

वीहाविक्तांनि साम ७ विकास १९ ८ स्ट्री सेवित

चे रिक क्रिकालॉड समा

# (a) ए० एस**० एन्युक्ता शका**नासा

में बोद्यमिक्तनेतारों प्राथ्य प्रमूच कंपीश्ती और छत्रासि सर्थ्य प्राप्त विस्त बोल्य ब्रह्मा क्रूडा हार

प्रेस निवस क्षेत्रयों को क्षमा के निवस कर कुम्पेड कर वृत्ते ना पीडरे दिन में क्ष्मों कर क्षेत्र ने का अपने करा देनेड किर एक्टरे हुवा। मो नैपनेने हुने कारों काइनेड निवस के के बार वृत्ते ना पीडरे दिन में कारों कानेड एक्टर पर दिना। मेंने क्षम कि किया कामनी पीकारों कारावाद की काने हुने काने का निवस निवस नहींदि एक्टरे दूसन कर में मा है हुने कुम कर ना नहींदि काने करेंदि की पीकार ने की कानेने हुने एक्टराना देनों मां मो पीकार्स काइकेड कारोच काने को कारोंदि पी मी एक मी केनेने हुने एक्टराना कारोंदि का दिन होने महीने दिनाम है हो नाविद्य निर्मेश कारावाद में में पाका कि करते । कारने केलक एक कारावकात्रक काल है जिल्ला कानूनत कोई तम्बन गरी है। व्यक्ति वह भी कहा कि कानूनके क्लानेत कर प्रजीत एसीर्ने करीकी नकरीते जारी की वह है। वीर वन क्लान्य र्शनान हुए हो बातेय कर बहु कानून विश्वतनसीरवार्य से जिल्लाक दिया बातेचा। यह वक्त बन्नी बानह जी बडी जीवह बं।

> ए॰ एम॰ एखूज मरे साम्ने, एक ऑयमेल मोहहस्मिह विका क्षेत्र संगीत

चोद्रामिस्टर्गने भाग ९ सिमन्दर १९ ८ को नीचिन

### (५) क्यी वायहका इक्तवधा

र्वे बोद्र्यान्त्रक्वेन्त्रित्रती धनी वावह संश्रेत्वी और क्वाईते शक्ते हारा निन्न बोचना घरता हैं।

मोराशियमं सेम्पे स्थित १६ व्यवश्रीको परिवास विशेषण कामुक्त वार्रिये इंग्लामक ध्वानीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक वेष्ट्रमा वार्य इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक वेष्ट्रमा वार्य इंग्लामक व्यवश्रीत इंग्लामक वेष्ट्रमा इंग्लामक विच्यामक वेष्ट्रमा इंग्लामक विच्यामक वेष्ट्रमा इंग्लामक विच्यामक विच्यामक विच्यामक विच्यामक वेष्ट्रमा इंग्लामक विच्

का माम्बन्धे मेंने परिवार्ष परिवार की बैनाते को नम विविद्य नावर्षण की । वी बैनाने हुएल निर्देशन कार्य करा था कि क्षेत्रका विविद्य करानेवर कार्यन पर कर दिया आवेका । हाले जानूस है दि

र क्रीमद्रमण दश्व ४१। स्थीमद्रमण र

<sup>્</sup>રસી,¥ક્રમ ૧~1૬

ही वेसने की वर्षकों राष्ट्र एक मोदिशका महानिशा मो के रहे वे को बार्युलाई संदर्शकों कारेंसे बक्त में कराया बरोकों था। छुटें को भागवाहन दिया तथा था, बढे मेरे अपने देववाहिनोंको एटा दिया। छुटे निकस है दि अबद का बर्मक्टरमें व दिया बना होता तो सरदाया समानकों सर्वाद्योग संसर क दिसा होता।

> सी के धानी नामकू मेरे शामके, ए एस सी बारद्रॉप

बोह्यानिस्मरीमें

माथ ५ विसम्बर १९ ८ को वीचित्र ।

( debide)

क्योजिक क्षेत्रित रेक्क्सेस १९१/१६८ ।

प्रशिक्षिक्त ५

प्राचनक स्वाचीनकित स्वाची

[ बोहानिसर्वे

शुक्रमण १ १९ ८) \* विश्वास कार्योगों के सामीवर्धिक समा क्षा विश्वास सम्पर्धिक माने सम्बन्धि करी सम्बन्धि

तिस्त निर्देश के प्रतिक के प्रतिक क्षेत्र के प्रतिक के

ब्ह्र तसाम रोरापमी बाहुरवीने देव किया। मी बेहिनर (नव्यम्, तमिक देतिकि होशस्त्री) ने करदा सनुनोहर स्टेर वर्षनी मच्छुक नहीं, स्वान नव्युक कार्येश गमगीर (नव्यक्क वर्षमिना स्वानीमा संसुन्त्र), इत्तरेशी देशके गैर थी कच्छीरावर्ष व्यक्ता शम्येन विका ।

" बहु हमा व्यासीय लगाइटी सरकारे अभिनेत करती है कि वह रखकेर करते वास्तिस्तर है फिला और रहे अकल कारण विल्डिहों समान्य कर है, जो उपलामके विकित सार्वीन इस रहे हैं। अपलास्के की समान्य प्रकारिक के लिए मार्निक सार्विक सार्वीन कारण अपना अनुस्तिहर और स्वेती कारणी तमें कीर ही के असकते समेत किए।

तुक बार पा के नामकृत राजान क्या । - सब्बर समा बात प्रसाप बारा कानसको अभिकार देती है कि में प्रसाप स्थानिक स्वविद्यारियों से

केन ≰ा∾

(मंधेवीते) इंडियम अधिरिमका १९-९-१९ ४



### परिशिष्ट ७

# श्रेसमें धरताय सक्त मेहनत

(१) मिरिया नारतीय सँव वोद्यानिसर्को द्वारा अन्यक्त १५० १९०८ को इक्षित्र आधिका निरम्न भारतीय समिति कन्द्रनको भेत्र गर्वे तारका बँगा

वांनी बाब पन्धिक रतंत्रद, कीक्सरहरी सक्कार कर रहे ह

[बंग्रेबीसे]

क्षांनित बॅन्सि रेडाँक १७९/१५१

(१) नैटाक इंडियन कांग्रस, दश्य हारा वृक्त दसपू रिच, तम्ब्यको नेज गये तारका बाँग

" यांची तथा चच्च मार्डेट लीनएमें मकस्त्र कर रहे हैं। येखे क्रातानर क्षोम प्रस्त्र किए सार्वा के श

[ नंग्रेनीसे ]

চনবিদ্ধ মানিত কৈছে ৩৩/২৭*ং* 

(३) उपविदेश कार्याकम, कम्बुगकी किस एक कम्बुम तिक्के दिसम्बर १ १९००के प्रकार पर मेरी समितिका मान क्लैक सीमींक क्याद्वी बोह गार्थिक हिला यहाँ हैं। इस स्फेस्ट रहस्कें सप्त

क्षेप्पन समाने नुस्ने गर्न समान्य अधाने अवस्थि वह ब्रह्म या कि शास्त्रात्में बर्नरते शास का सारते ब्राह्म स्था

है कि जो चंदीने कमी भी नाम उनकोरर पहल्का कहीं हो है। इंडे मनी प्रोत्सकों का श्रीना करनेका लिख किया है कि जरी शमितिकों मान क्षम्य एक गर किक है को जा सकत है

भ है जा रहा राज्यत व राज्यतिक सीक्रीको पांचीनीक अधि कारायोक शाहित किस्तुक पक्ता सूचना मित्री है । इक्सानामे पेत्र रहे हैं । असे यह कहा विरोधा भी निर्देश है हि ब्यानावर १० को सम्बन्ध कोमाराया-किस्त संभावरकाने बोबाजियांकी

स्मानस्त्रपंत्री का श्रवस्था गर दिया था "सी पांत्री-सरिद तिन मारतीनोंको स्त्र श्रवा धुनाई गई वी वे नाम वर्षोद्ध माउँड स्तरस्त्री स्वर

"में पोर्श-निर्मेट सिन मार्टीमीजी कर शबा क्ष्माये गई वी वे बाद काहि मार्टेस स्वस्ति स्वयं स्वयंत्रका क्षम कर यो ने ।" इसे करता, रास्त्री ने ने कोक्से ११ व्यवस्त्रको सबसी स्वयं ने सल्यको करण किया गां।

कार्ति केवाब कार्ति हैं "मी तार्पार्थी विक्रों दुल्तारको २ मानिकां सन्त केवाबी तथा क्वें और वे बल केवियोंचा पोजावर्तें कार्पार्थीक इंटिक तथा कोलारको मान्यें केवीं इसमें तैती जिने सबक बनारे हुए देशे का परते हैं।"

[ अंग्रेजीचे ]

क्रोमिक व्यक्तित रेकोस २९१/१३२

(१) रेंड प्रेकी ऐक की किसे सॉक्ट सब्दर्जेक्क करका नंध

नहिं राज्युति स्कूरने जो बांची तथा कान क्यम की विक्रिय निर्मेश कार्योत्सेंडों, वेतन हा बारफों कि नहीं द्यार दिनी हैं, केन्सी नीहासने युवाई नार्याकों मान परकोणा स्मार दोहोंनेडे किर देशा दिया की कहींने सार्योत निर्मों जा नार्योंडे वहीं ज्यानकीन सराया दिया गीया, गीया है यह कारकोस सार्य

रिको स्थ गाउँको कार्ने १० नायुक्तको अमेरिका चौँक्य, क्लाको केव हो चौँ ।

हमारे शीनान्त कहरते हुमा बताना है, और सुराज्याव राजनीतिक बनिवासि वर्षा वाले वाले वा स्व राजनार मन्दर किया होता; वरि क्योंने आरक्षी स्वाक्ष स्वक स्वित क्यों और वर्ष कोर्टेको क्योजनान्त्री किया राजक — भीर हो भी देवी हुई इसके दिवासि को बनके किए बहुत हम्स हो— करूँ-देवे की शानिम हुई एक वि एक निवास मंत्रा बहा रहा होता हो निवास हसकारने चौतान देवन कमार कर कर कर के किए क्यों क्योंने क्योंनानी हो होती ! क्योंने कह निवास कार्योंने किए कोर्टेकेंग किएकों कार्या माने क्यारा माने हुई हो मी भीर कार्योंनानी को राज्योंकित अधिकारीत सुराज ही हुआ है वह एक विटरेड होता कर राजा है !

भीर जानी-जर्ती को राम्परित अधिकारीत मुख्य ही हुआ है जा दल दिएई होसर कर रात्र है। में स्थान के स्थान के स्थान के स्थान है कि वे सन वृत्तिक आर्ट्रीका दिश्त करते हैं। मेरे को प्रेसि मेरी विज्ञेत अभित्र के स्थान करता है। मेरे को प्रेसि विज्ञेत अभित्र के स्थान करता है। मार्ट्सिय के स्थान के स्थान के स्थान करता है। मार्ट्सिय के स्थान का स्थान के स्थान करता है। मार्ट्सिय के स्थान का स्थान करता है। मार्ट्सिय के स्थान करता है। मार्ट्सिय का स्थान करता है। मार्ट्सिय के स्थान करता है। मार्ट्सिय का स्थान करता है। मार्ट्सिय के स्थान करता है। मार्ट्सिय का स्थान करता है। मार्ट्सिय करता है।

कार्य बाता है कि कार्यायिकों एका सुच्छे समय बात था कि सुन्ने यह ऐसे व्यक्ति वो स्त देखके स्थानमार्थी संबद्धित हैं, सर बचले देखकर दुव्ह होता है और वहि मैं ब्यानायीक्यों इस्टीरर म होन्दर अपने नियों अपने होता दो स्तरी हो मौतिकके साम यह भी बाद सदसा कि सुन्ने क्या छेसे समूदक्की वासकों क्योंने सुन्ने सदस्य होंग्री है किसी वह कच्च नियारिंगक देखनास्त्री अपने देखेंग्र सम्मान स्था देखनास्त्री बाहिर क्योंने विकास करनेकर सामार किस है।

( अंग्रेजीये )

**इंडियम ओ**पिनियम ७-११-१९ ८

### (५) 'शुल्सवाक संक्षपर विश्वली"का अंद्र

बनियार हो आरोप वनियोंकी है। हो १६ एक औं बराजीने न्यूनिवियोंकीक पीटर पहिल्ल बाम करने एना सब्बान शरूक करने व हिनाफूँकी काँकी करनात करनेकों नेवा गया था जो जानी वो काने बाति है वोचर इस्में मीनार एना बनक व्यक्तियोंनी होना वाले और शब्देक नेवाक विश्वार के बोलेनाक द्वार (नेव्हर केनर क्षेत्र) को नेवाक बारोफ बात करें नावा का जानका साथ होनात काँकी ना बीटा — एका होने केनर क्षेत्र) को नेवाक बारोफ बात करें नावा का जानका साथ होनात काँकी का बीटा — हमा स्वार हो।

[बीरेजीन]

इंडियन ओपिनियम ११-११-१९ ८

#### (६) जार पम सीवाका इक्स्प्रमामा

में नेप्रमण्डा रतन्त्रती सूकती शीक्षा, जी मंत्री जोबानित्रकांने हुँ, प्रामीरशासूर्यंत्र और (मानवररीत का बेबिन करण हुँ

बण्यूरर १४ को भी पाँगीको, द्वार जन्म मात्तीरोंको और शुश्च कोमात्रको राज्य केरकी राज्य स्वार्थ को मीं। १५ राजीवको द्वार को वोशेको, द्वार्ग राज्य १३ मध्य कोगोंको, करीव १५ वर्गामार्थेक राज्य का

र काडी तथा होत और सकातानीची नहने रियमे क्यांनीच कार्यांनवही मेत्र ही थीं।

बाबके समीन इसिक्सपूर्वणी रचनार बाग करने के बाला प्रवा जो क्रत कमीनकी नाम सबकते नचन करता है। वहीं हमारा काम प्रसरोंको कोला व हराना या। हम कर क्ष्मीवको नाम सरकते कना करनेनाने बारके निकार नक्कीद ने । इस सरकारी मी जिल्हा करीन ने और गाउँसे शक्तरेपाका क्षी सी व्यक्ति हमें बारामीते हैव पहला वा और सरक कुम एकता वा कि वहाँ बना वार्ते हो रही है। नकुन्ते बरोदीन तवा कानी क्स रातको द्वारो सी । का करीन प्रोक्तरावती स्तुनिसिवैविदी हर्षे है और का एक्कार काफी केन क्को हैं । सार्तान कैरियेकि प्रारेशर निकार मुरोसीय संसरी भी गांधीरे शार-गर और मेहनकरे काम परनेकी स्वरता रहा हाजीकि जी गोधी जनवी अभिकास च्यासाहे-व्यासा मेहनक कर रहे थे। वस्तर पुरूष्टिनार्जिकी स्वर सन सरक-साक स्वरती विना होगा। जा सन्दरी चिना सम्बोचित प्रयोग कर रहा गांचे ठीक-ठीक में वे " नेदन्त करी, खेनी। नेदनत करों। " भी संबंधि क्यान विद्या कि मैं जरनी बन्तिमा समिती-मन्ति काम कर रहा ह चौर काला भी करनेकी कोवित कर रहा ह । वर जी क्वी कावी होतियोंसर की क्षावर्षिक क्षित्र जारेले दीकी हो रही भी विद्वी सकतेक किए कालिसे मिट्टी कालेको हाक ने एव नह रेक्सर भी छन्दरी बची छन्द्र पीक्ने पता राष्ट्र । व्या बदीव ५ पीक्के बनायाह बनके बन्द्र निरुप्त १६ चौर १ पीक्ने पीन छिन्द्र एक रीकार विरास था। भी चौषी केवारी बीटि छी है रही चौर नवान्स्त्र करने करना नो ने कि क्रमिनासि कर पाते ने । क्सी दिन १६ थने पक आरतीय केरी विकट मेहरात और क्रमीच मारे छना पानीक बनारमें, नरेंद्रि वर्तरवे करे वाली बीने नहीं बाने दिया. केदेश हो बना वा और करे का इदा-प्रदर्भि केन के कला क्या था। भी यांची कर पासीमें करने साथ यह एक दिन सीक्षरे कर दम कर करनी छन्तरीकी निन्दर्गिने हे । बहु भी जी यांकीते बहुम करते खातेको करावर बहुता छहा। वसने वे बहुनी बाहिरान्तर कर दी है। मी छन्द स्थीनक किने नमें ने के है है है: " नेबन्छ करों, श्रीकी; नेबक्ट करों।" अच्छी ग्रीकरनेनाने वासमानि का सम व देवा सकते है । काले दिव हाते स्ववतंत्र विकारोत्ती का करीन पर के बाबा नहां । सर बारीन सकेरात काराव बारानिक क्योरके क्योंक-करीच सामने थी। सी बारी ब्योरके सामने बार्ड में । है. को कर हो था। या अर काराजीसे देश य तब सबसे है । का हो और, स्थवने का पारते होता या: सरहा राहनीर हमारे मिल्कन ब्रदीय या लखते थे । इस पेडॉबिट किर को बोध धो ने और बारे मिनदी ही छठा का मिन

(इस्तासर) जार एम सोमा केरेसको

बोबा जिस्लामें माच ३ मनस्द १९ ८को बोलिए।

मी इसने भी बढ़े बड़ा जिला।

411

(इस्ताकर) ए एक सी बारट्रॉप व्यक्तिक क्षेत्र है सेव

(अंग्रेक्टेर) प्रतिनिक्त भौतिस रेकांच १९१/१४९ ।

() शुल्यकाकोः प्रचानप्रामीकी दिश्यवी

िमिनोरिया क्षमारी के १९ ९**३** 

मिल्लोंको क्रमनेक स्वर्गरको विक्रोंने विस्तानर ११ को निमनी संतमा १५/१/०८ और वरमनेक कियो सर्वराजी १४ तारीकारो दिलागी संस्था १९/१/ ९. की मानि स्थितर करनेका धीमान्य मान है । बाके साम क्ष्मकः माननीय कान्द्रिक-मानीक करीते संस्था प्रश्नप्त और प्रश्नक्ष भी हैं । वे स्था मी वर्षक्रे साल वस है केक्ट्री सत्रा बन्त हो ने फिने गी क्लामक विश्वमें हैं।

१ नदम चरेच, योगी; कर गरेन योगी। "

2. बाहिर है कि दो पहाँकि एककार्य मानकारी गोगी वहूं है। और है है कोलस्टार्य और मोगानिकार्य रेक्से रोक्सों केल एक दो प्रमाशे भी प्रिपेक्ति एक मध्यम । १ पहाँ मानकार एककार्य, प्रमाशिक कार्यार्थिक मानकार है को में के को एकड़ी प्रतिप्रक पुष्टि इस्से हैं। कर राहरें का क्या प्या या कि मी प्रांची, को शोखा मानकार देवियों की कामने बात करते हैं, इसे दिन कोलस्टार्स हर्पक सर्वार्थ-स्थाने क्षायार काले प्रेसे । क्यूं है दिनीक किए को लोले हैं। उनके महत्त कारों मुनितिदेशिकों एका मोनके बालिसे क्यां किए मान वा । कोंगे क्यां भी काम एकसोंप्य स्वीत्र मेहलाइन बाग मही दिला था। जाने बाँच क्यांकर का किए बांगे हैं कि सर्वार्थ देशिया कम सर्वत्र में मित्रप्रीक्ष एकन करते हुए हर एसकी हुर्तीकार कम किला बाता । में क्यूंकर क्यांकर करते के स्वार्थ की क्यांकर की क्यांकर क्यांकर क्यांकर की किला क्यांकर की के स्वार्थ की क्यांने की क्यांने की क्यांने की क्यांने की क्यांने का क्यांकर की क्यांने की की मान करता का

नीर को इस-मानिज नहीं, तैसा कि भारत हैं बनिक पक सानारण वासीने केन नात्स तेय दिया पता था।
У सूची बाजके स्थानकी, मानिजायका जा निकेशन है कि भी गाँची कोलसरस्के बोदासिजानी-केन्द्रों तेनक दिनाहि जनुमार केन्द्रे ही कराति तेते वसे हैं। बोदासिकार्ग रोक्कमर तीलसरस्के तात्रके सरमान्य समाने सम्प्रति मा गाँचिन कहा था कि का कर्के किय एक पानी का देनेकी देनार है। केटन एंड्रेन्सर कराते किया सामान बुदराया। किया भी भी पोषाने केन एक देशक बाना सम्बादित मानिज करात्रक क्षारा मानिज करात्रक क्षारा मानिजा करात्रक करात्रक क्षारा मानिजा करात्रक क्षारा का समान क्षारा का स्वादा करात्रक करा

[4246]

क्रमेनिक व्यक्तित रेक्ट्री-१९१/१३६

#### परिभिन्न ८

# चेतमें दुष्पवहार (क) कैदियोंकी पीशाकमें पैवस से आये गये

(१) समाचारपर्वाको एकः एसः एकः पोक्कके १६ जानूकर १९ ८ के प्रका एक बांस

१ रोजन बेचीकित वर्षोक विश्वस नारात्त्र करनेवालीकी व्यक्ति करानेकि कित १३ वी काल्योंने ब्राह्मेंक दिनिक क्षांने वर्षोक वास्त्र निकुत्त हुई वी वो न्यानों करित काल्या नारात्त्र करोज कित कुन्यात वी। नारायांनीका कामन्यात्र वीचित क्या दिशा बाता या, या नम्य वास्त्रवर्ष की नार्यो की होते केती केती हैं होते.

करारिकों के सेवित करा रिवे जानेका वर्क निकार वा क्योंकि रोजन वैथेकिक करिक निकासमुख्य एक कामका निवेत है ।

दूसको भी। ऐया नहीं कमा वि हम दूसकाशके ब्रेसेड, क्यों भरावियोंका विवास दुस्ता करोची नस्ती रणकों के सामपुर्वित करवाओं के पतिलें कुछ काम को है। तथा क्यों कुछ सामकेदी तहा है कि स्वादत रणात करोवात पढ़ और अपेर होगा था। एहा है, और वा। तथा क्यांकी क्यांका मुझे देरे कि कर मात्राची और अपनार्थित क्यांका कर कर समाधित क्यांका क्यांका कर स्वाद्या को प्रदेश क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका कर स्वाद्यांकी क्यांका क्यांका

(अंग्रेभी से)

इंडियन कॉपिनियम ३१--१०--१९ ८

(१) अवक विक स्वकानेसाना राज्य <sup>27</sup>

रिक्के एतिसार्यों भी भागी वीजाराय केवले वीजारिकारीयों को स्वेक के बाते जहें। वर्षे वामान्तवीर हिस्सीने सारकारी मानार वीस्तर बातार केवले विद्यास्त्राचीय की स्वेक के बाते जहें। वर्षे वामान्तवीर हिस्सीने सारकार वीस्तर बातार वार्षा वा नामा हुए हार वीजारिक हुए सम्मान एवं हो मानार हिस्सा मानार एता है। भी वर्षिकीर समित हुए सारिकार का मानार हुए हो है जिस हिस्सी मानार है कि हुए हिस्सी मानार है कि है कि हिस्सी हिस्सी का हिस्सी हिस्सी का है के बीचार है के बातार है के बीचार है के बीचार है के बीचार है के बातार है के बीचार है के बातार है के बीचार है के बातार है के बीचार करना है के बीचार बीचार ह

(अंग्रेजीये )

इंडियन ओपिनियम ३१-१०-१९०८

### (१) द्वा पुर पुर पोक्का इकामामा

र्वे बोहाजिल्ल्यंक हेन्द्री खंडीमन विशेष शिवड कमीसातूर्वंड और क्ले कर्से निम्मक्रिक गेल्स करता हु:

में यह रिदिश्न क्या हूँ नेदा ज्या काँची हुआ था और में द्रायमाल्ये हुरीय कोंच्या सर्थी । मिरिश्च पारतीय क्षेत्रा व्यापक क्येंग्रीक्स स्था हूँ। मैं या १५ व्याप्त ए प्रेम्प्रपट्टी रीजे व्याप्त कर का तरह सीद्युप पा का नौ बंदी नेस्तामार्थी गावीचे नेस्तामार्थी (ब्या) बुदे र में सिराइस्टो ने नीर दिस्तानी र्यो पहले ने । याचा नंक मीर शिव्यांची यह मैंच्यों मिने ने । याची नित्र कलाए काम्ब्री हु रने मा । या क्या नेस्तामार्थी व्याप्त का स्थाप करके सामी दर सुपता भी नार्थी में में बीदासिकारों नेक कर बाद कारोंके नेक के बादा गया। काने नोई गरार दिका को रीने । सा करे

१ मह सारवादित काम "सूच्यानके संबंध दिव्यक्ति" स्थारे संगतका को मोरसे "के भरतोत करा तमा ना र

स्तर बादी बराज्य रहा होता। में भी चौरीके बाक्ये क्वा हुना केक्सी नोर कुछ पूर एक नन। । केक्से को राजेक्स में भी मंत्रीके क्वा हो गया। इसके बात कही हुन्य राजकेक किया में बादक को या। क्वा को पर्यो हार होता कर का गया। अना में कर पहुँचा का स्वय में दिलकी हुँक्ती हैक्सी में। कर भी पर्यो हार होते हुन्य रहे ने दब दरफा राजीर करें बाद देखा सका वा मोर हों को मेंने कई परवार किया। का स्वयास प्रयोजका स्वय व बक्का राज किया मा। में बाद प्रयास स्वयास स्यास स्वयास स्वयास स्वयास स्वयास स्वयास स्वयास स्वयास स्वयास स्वया

(इस्ताधर) एच एस एक पोक्क

बोद्यानिस्तर्वती माल ३ असम्बद्धी बोडीय (इन्साकार) ए एक सी भाग्द्रॉप व्यक्तिस कॉल इ.पीस

(अमेकी)

क्षत्रीमिता चोचित्र रेकांतः २९१/१४२

(क) हक्कडियाँ पहलाकर थरस चलाया गया

(१) देन केकी होता की पासरी को जो वीक्कार पना

्योदानिसर्व शर्मारश्रद्धाः

रेवाने स्थापक

दूस दुस्तु ग्रेस जनस्य

महोराव मैंसा कि मानके मधिकार शब्द बातने हैं, जो गांधी बातनी विवासको साचन त्रस्का न करनेके बन्दावनं टीम क्विनेटी क्यों केवार्य क्या त्रीम रहे हैं।

क्ष्में का फोलहरू से बरावर निरोधियांची संस्था नेक्ष्में सम्बादिन स्था पता है ।

कुर करका किसी हुक्तनेक सिम्परिकेंने योजियेहकी क्लाक्योंने कारिका केस्त करनी हो क्या था । हुसे क्या करा है कि कई सामाह्य कारोंने केसिन हुक्यमी क्याक्ट केस्सी बीटरिक को कसा हमा।

निरुप्ति वर्षी कुछ ऐसे जीन ही सकी है जिसे पर बाकर सूची होती कि स्व स्थान नारतीर केतावी रहमर महानात दिकर समाना पार है, केता है यह भागा करेना समय करता हूँ कि बहारे महिना वानिक स्व स्वारण किया मोर कोला होंगे कि भी चारी-मेरी चारित मोर विरामके क्लिक्टी क्लाइन होता सम्बद्ध क्लाक्टिक विचा का हाता है।

१ रेटा ही रूप रण्यांमा पानी प्रामाने भी दिया था। वे वन रणकामार्थीने व्यक्ति में जिन्ही नदस्य रूप रूपम् दियो ११ विकासको व्यक्तिक वार्योक्सको हेनी भी ।

र का गाँर साथे शायाना वह दोगों वी २०-२-१९ ९ के इंडियन ऑपिविकनमें पुरु मध्यक्ति किने मो ने 1 एने प्रतिरिक्त २०-२-१९ ९ के इंडियन ऑपिविक्यमें "हैक्सफ" (इन्हर्स स्वतर्ग को अभिन्ने कर कमारकीय भी स्वता था।

भी गाँची नक्ती रच्छारे मेराकरे क्यों निरकात होतेके दिए आने ने 1 प्रकृति मॉक्टार्रजींक साम नक्ते न्यकारमें स्त्रीय व्यासारी-व्याचा व्यास्ताका परिचय तिया है । स्थ अका स्थवा वेका क्रवालन व्यासन वर्षे Summer t

निक्तिक इस कीर काँगे "बह तो यहन केल्के कालकेकी गाउ है।" सुद्धे यह अलानेकी क्लुमति हैं कि भी गांधी किए मंदिर बेटी हैं कर करिंद बैटीक किए बोई बाक्सा करों है, क्योंक कर वर्त समर्राक्रीक न्यों है परिद नेता दि मी वारसने बता " कमारमारणा मार्गत कामेगाओं का है। कोमारको रिप्रोरिया दम वनप्रविभीको कारण सार्थी समझी को भी भीच स कारक कारणेल भोरतरित्तकोठ की किया करा । विकास

ही, विदेशीयांने का अवस्थानक अपमानको शकता पर्कार था। काला प्ला है कि परवजेड कन्यासका व्योधनों गत सराब हैव शक्तमों कानियोंके श्वाबनर करने नहां ही बच्छे मान्यमें "संग घरकरी सीति" बीर क्लोर "समय बच्चे डीनेसले ज्याव"क वांगें बोरहर क्ष्मोंसे क्यो विकार अन्य किसे ।

न्त्री "तंत्र करनेकी जीति है, जिसे परिशास्त्रीक निकट किस्त्री नैस्किनेशर जीतों करा न्याँ, वरित Branch अधिकारियों इस्त काल विका का पात है। काले स्वताले क्वाना क्वेंडकार करती है और साम ही असे कर बढ़ित स्तरपाक विकास करना ही अन्तरम करना हो साला है।

> नासकाः, मान्द्रि स्रोजेक के जोक

(क्टेन्ट्रेन्ट्रे) रेंड बेबी मेखा १९-३-१९०९

(१) हामायाक कीवर को किया परितक गैपनका पत

( चेटान्सिन् मार्च १६, १६ ६]

ही चंदी था को बालो किस्तिकेंगें किसे क्योंने सही हो वा गव्य परणा किया है हीन मास्प्री दौर मोग दो हैं। क्रम दिन इस वेटी करा वहां भी कि कर के निर्देशियको एक नगरकों समान है रहे वे क्य काम काम शावीने शमकारेवी वसी वीं । तर कारकी तम गावना कारन वा केनिय वालंक

बाब सराके नंबर्ने पहरी बोक्ने का क्रमकी बोर किर जान शक्क किना है। पाने कार्य सामास कि केवल बाक्सोंक कारतात किसी केरीको करावताने काली क्रेसे समय स्व परिकारियोंने इसको प्रमाय अक्टो है वा अर्थ । वहि पर क्य है कि भी वर्गको—को विकास बाल जैर सरक कथा किसा-मान्य मीट संस्कृत दिश कारित हैं — इनक्रीमों ऋषास्त्र नक्तासम्ब मानास्त्र मानास्त्र माना क्या ना ही प्रश्ने कह कह पहल ही पर्वट जनकर अवस्थातर और हर्ययक करती है ।

क्रम किरात है कि बक्दी बॉब बी वालेगी. और पदि क्रवर एक्सी एनर (इन्स्ट्री प्रानामेदी) बर्रायमें नायमण ही हो [जी पांचीन वसी किये करें] सम्बान और नामानका महिकार किया करेता और नारही **प्रत्नेशके**को पर्याच्य क्**या** विशा नालेगा ।

> नामध्य वादि प्रमिक्त नैचन

[कोबीचे] राज्यकार कीवर १५-१-१९ ९

### (३) *"* सेत्-मकाशम " <sup>१</sup>

[भंगेबीहे ]

इंडियन बोरिवियम २७-३-१९०९

### (१) कामन्स समार्थे मध

मी भो मेरेकी पूछा है जा कालिब कालांको वात है कि उत्तकालके पार्टीम केता भी पोत्ति । वी पंजीवन बामुलेकि कार्टीत दोन व्यक्तिको कही हैदाते एवा मीग पर है, र मानेकी मिर्मोदना केवते मिर्मेहरूको कार्यात एक, व्यक्ति है कार्या कार्याव्यक्ति कार्याव कार्या वास्तकर है, कार्या कार्याव्यक्ति कार्या व्यक्ति का इस राज्यों प्रैम करेंग हैं कि किस्तिपित भी गांधियों वास्तुकर का मध्य कार्यात्यक्ति का या कार्या देशा कार्यादे हुगा; बीर जा इम्प्याक एएडप्से प्रमेना दी बनेगी मि का रिटिंग व्यक्तिकी इस, वो कार्यों कार्याव्यक्ति कार्या के का प्रो. है, वैद्येष्ट कार्याव्यक्ति क्षित्र व्यक्ति वैद्यांक्ति कार्या कर कार्य

कर्मक होनी। ऐसा कोर्र माना नहीं है कि जो गांधिकों कोर्र विदेश कहानिया हाजी दशी है। जी गांधिक हाज दर इंडिंड देशा ही अलगार जिना गांधी है। कि विदेश दुर्ग केरीक ताल होता, जोर जाने कर मंदि-मा नी गांधिन तार्थ करा था कि हैं। हफ्ती कावक मानाम नहीं पातारा. हो मान्यी कावनों के दिवेशी विद्यात है कि जी गांधिक ताथ कियी विशेष मानाम ना मानाम ना ना होता है। उसकी भी माना नामें हैं करेंगे में स्क्राब्द हैं कि जो क्षेत्रीक का बस्ताब्द के दिवा की जाना माना करवा का है की कि दिवा मानाम नामें हैं

[बंग्रेबीसे]

इंडियम क्रोरिनियम १९-६-१९ ९

### (१) दुम्पणार्थः मधानसम्त्रीकी कार्वपादी

सन्तरमधीका कार्नीका विकेतिमा

माँ १६, १९

a so a

## कार्यवाही में ११३

मनियों में सम्मेक कियों नामों के इस प्रकारी रह कारीकारी कार्यवादी, सेका रंभ/र/ ९ (२), की गाँक लोकर स्टोक्स कमान गांच हैं। इस कार्यवादीन शांक संक्रमा स्टामनानीय कार्यिक-मनी करा त्रीत २४ को को का रेक्स रेशक, भी महा हुआ, जो भी भी। का व्यवस्थित शांक केव्यों हर काव्याद्वीत निकार है।

र भर मंत्र "द्रीयोध्य गोंफ मि. श्रीची" (भी श्रीचीह साथ अवसार) ग्रीनेट (रोपेटी किया प्या है।

 कारमें मन्त्री श्रम्यानपूर्वेक कामनेकड़ी का शक्तिक करते हैं कि वह काम रुक्ती | कि मी- कन पंचीको बचकरी परनामर विद्योरिया चेक्से विद्योरियाक मिक्सेटरकी महत्त्वस तक केला का । देवियोंको पेरक के बाते समय इंपास्ती काशाना एक सहागन निजन है. और जन केवकी मादी करकन व हो दन करें देशन के बाना बरता है, जैसा कि विचारातील मामको शुना । वह विकास सका बराजा वरितीय कैर्दिबीस मी क्यानस्पत करा होता है और शरीकिय कह अस्तीकड़ी काले नहीं करनेहा कोई कारण अ था। भी क्लीको नामी नवांने इनकरी किए केने और शब्दों पढ़ दिवान किए वानेकी बतवति है ही भी भी, किस्से कर्मक दनकरी प्राप्ते होतेकी राग प्रिय को भी ।

[नंग्रेबीसे]

et ibin

क्रमेनिस्त चेतिस रेक्ट्रॉस २९१/१३७

# परिचिष्ट ९

### 'पक्र बोली मेल 'की रिप्पची

क्ष प्रदीनेची २१ शारीबांट रेंच देवी मेच ये लिच्चकिया समारकीय रिणयी विजी है रुप्तनानके प्रीक्षणलोंकी जनमी पुराने क्या कर केवेदी बोक्ना निरम्बेद पद्मरासि करी वर्ष है, क्यि रुखे का देवमें करदा पत्र कोब्द्रीन तो होतेते छा। सन्ता वर्ष केरक क्यों है कि ब्राव्ट स्थानक और कररासीसर कर माना है । वसमें सनेह नहीं है कि बहुतनों वास्त्रीमींको बनके बारि-महत्तीन वरमा-मनकार है बौर के व्यासिक प्रसाने केनेने वर धे हैं, का बोला क्यांतक क्यों है कि ब्होरीन व्यासिनों और राम्पनाकरी सरकारको भी भारतिक किया अभे । माना है कि भी बॉक्सेम राम्पनाक कीवर मीर स्व कारिकेप्रमें वाल्युक्तार कामून होएनके काव बिमानती का तीर-करीबेको क्षेत्र मानते वॉने । किन्ता नदीका गरिकांच समहाका स्थाम है हमें फिल्म हो अपना है. कि का तराका रहेना परिचारनेकि सके पठि प्रतिस्थी स्तातपरिको यी कम कर देखा । इस भी ही हमें क्लीन है कि युन्तमान करकार वेसे करीकींसे बरकर क्षेत्री क्षा । इस वह शक्ता यो करते हैं कि छन्यन्त्रा बोध नातारी करून यंग वरतेन्त्रके मन्दर्शनिक शास्त्र विक्रीश क्यों वर्तेते । इस व्यां सरको कि भी गांगीको छा गोकाके चाल्ने न्यारा परिवार वर्षी चौर का समाम्ब देशा अवति बना इस प्रदम् कर केना तो को व्यानेके किंप नरना समेदार वर होंगे। हमारा निवास है कि उसर क्या अस्तानेन्द्रे कह बद्धाना हुएन विकार हो वानेन्छ । वहीं बीच सरकरको भरता देनेके का बंगार बीदा और भाम देता काहिए जिल्हें करके बारे कालुको जनुतार करनेताके वसूत्र मराजीव बातका काले पालन करों कर राते ।

(भीनेतरे)

व्यक्तिक अधिविधिका ४०-१-१९ ९

# परिकाप्ट १०

### काफिरका मामसा

- (१) ऐंड दकी मेठ के फू-१०-१९ ९ के अफिसें साम्राम्यकी कुक बारल विर्माण ( ए देखांकी आँक्क पुरानत ) वर भी पुत्तक पुत्तक पुत्तक प्रांत प्राप्त को अञ्चलका छपी की, हासका आँधाः
- " कहा नाता है कि क्या नी वांची नेक्यों के क्यें एक कावित्रणे एकड़ किया कमर काम। वीर बोरने कानिमा सरक दिशा था। क्या भी कांचीने पिता-पितां सरमानेकी परेका म पहल की होती हो। सरस ही करोज़ दिए एक क्या होता। "
- (२) पास्पीय में क्षेत्र द्वारा » अञ्चलकी दें के के मेल में फिले पलका अंधः

" सर विश्तर आरक्ष योक्कारके बोह्में एक उन्तरकीर जिन्मी क्यों है। में देखता हूं कि उपने जाकों भी शोकाक का बरवाड़ी उन माननेने विकाद दिवार्ग है कि व्या की गाँधी जीवाजिकनों केना में दन कन्तर यह क्यांकरते क्यानूनों हमका किया था। जानते किया है, भी जीनीने केनावाणियारितित विद्वारण करते कर कांक्षरकी दार दिवारों भी या वार्षों का क्यों कांना गया है। जीर बार वार्षों किया है, इस मी भी की बार दिवारों केना की माना की मानकों कि मोनकों कि स्वास्त्र कियार स्वित्त मान की मिकार है, इस मी भी की बार मान क्या भी माना कीमा विकाद कि मानकाक करवार स्वित्तें स्वास्त्र कर वाहर स्वास्त्र स्वास्त्र वाहरू ।"

संनोतन को बाजवारी कहीं दो जो है का में है सहाया हूँ। कर हुन्न का मामक्य हम्मनी नार मामूह हुई, निकार कोटा पेटा त्यावारिक ही है, मामने कहीं कार, वर मेंने त्या कर बाद शहेरे में बहुने समझेह की। में करने करत कर करका किया मेंदी करना कि सो पोचे कहें कर तह जहा जुन हैं। मेरा बारक है सामित्रको हमा नहीं ही को भी, मनिक्त करते को परिचेन करनी कारणकार्याक वहरांकर कर समित्रके विद्यालन के सर्विता विकार वह किया था, विकार करने की परिचार है। हसी मामद कहींने कर प्रसारण सहस्था करने की स्वास्तर वह किया था, विकार करते की स्वास्तर करने

[लयकीन]

इंडियम मीपिनियम १६-१०-१९ ६

### परिविष्ट ११

'टाइम्स'को यूरोपीयोंका पत्र'

शेनामें सम्बद्ध शास्त्र स्टब्स स्टिक्ट

हर रहर किन कोनींक इकाइन हैं कानें से कानावर स्थित वाधिकाने पहुंच सकते प्रमेश के क्षित्रों है। इसने से पर इसकाक विचानसभी स्थान करने हैं। इस में से प्रमान के प्रमान के

काराने कारा भवाकी रामित रका जावेगा और कर दिवति रूप पश्चिमामानि तार्गक्रमेक क्यारे मेंबूट कर की है।

केरिन हरूकी कानामंत्रि हमने वह देख निमा है कि गाए मीन्हरा हरूक वाली कम न हो ना सभी तो समान्यको सुक्र-स्वर्धि, निस्ते हम बहुत्तरे गाइते हैं, कानेने वह नानेगी। यो माराजि सुम्यानके मानिवारी हैं। मुक्ते हैं के मान माराजि रहकेस समान्यके किए प्यतिस कार्यका स्था नामके हैं। सम्बाधकर मार्थिक हैं। से सह मार्थिकरों का को हराजी शाकित गाँविकर मार्गे हरीने स्वाधकर्मी कार्यक समान्य स्वर्ति केटर मार्गी मेंदर को माराजी सामक्राणिन सम्बाध सेनीक भीत माराबिक प्यतिम है है न करिन।

१ वह इतियम अधिरित्यको ६-६-१९ ९ वो व्यूत किया का या और स्टस्ट "बोहानिस्स्ते, अधान: १९ ४ "वी रात्रीय पत्री आहे यो ।

परिविद्य ५०५

टस्टर उनके मनेष, क्या हुना है, क्लार कान्युनी दिशाओं पुरावा कान्युन ग्रीन्यु है । रिपिटेक क्युसर, फिक्नी क कुरुरीको रिकटंट जोडरिस्टम्पी सकत हेते हुए क्लार स्पर्यत्ते वह क्या ना

"बर कार्युत क्षेत्र कराइना है कि चर पड़ बाद कार्यु किया वाले पड़ बाद कार्यु की और दरेखान किय बाद्य हो । यह दायुन बहुत केबियनस्ता है, क्लॉडि कार्य पहिलाई बत व्यक्तिये पंतरित कराने न कार्ने दो पंतरित कार्यमा हो पानेस्य कोर कार्युत वेदार हो कार्यमा । इस्ता बता है है दस पूर्व परितासी विपतिये हैं। बाद सम बही विपतिये पहुष को हैं। यह पिरोमें किया कार्युक्त केबियों आपरीक्षित कर बता की बाद करी बार्टी हैं। विका कार्युक्त केबियों आपरीक्षित कर कराये बार्टी केबिया कार्युक्त केबियों आपरीक्षित वह करायेग आरो बराग कार्यकर है। महर्तिक्षीत वह करायेग वर्षी दिवा। वे क्लिक कराय करें हो पोर्ट है। क्ष

हर तरा पुराने परिवार वास्तुवारी कानिसक्त स्विवारी वास्तुवारी हो वोधिक कर दी दिना है। काने सकता नह कर हासक को वास्तुवारे, वो भाग होत्तर कारिक्रियों है, यह भी हो नाता है, कानिय कर निर्देशित कर निर्देशित पर निर्देशित कर निर्देशि

एसा इस का है वि पॉक्सो समान्य जाती बागूनी क्यांचे व्यविक्रित विक्रिय पारतिनित्त जोकों को स्वतिक्रम मान बागी दें का लीकर दिया बागा है कि को मानी बागूनी क्यांनेस क्योंकिय प्रितिक्र प्रिक्रिय प्रिक्रिय प्रिक्रिय प्रिक्रिय प्रक्रियों विक्रिय कार्यों कांक किया है कि एस्टर प्रक्रियोंने विक्रिय नार्योंकी विक्रिय पारतिक्री किया नार्योंकी विक्रिय कार्योंकी की किया क्योंकी की माने की माने की कि प्रक्रियों के कार्यों की की माने की कि प्रक्रिय की की माने की कि प्रक्रियों के कार्योंक करने के माने के कि प्रक्रियों के कार्योंकी कार्योंकी कार्योंकी कार्योंकी के कार्योंकी के कार्योंकी कार्योंकी कार्योंकी किया पूर्व की किया कार्योंकी के कार्योंकी कार्यांकी किया कार्योंकी कार्यांकी किया प्रक्रियों के कार्योंकी की कार्योंकी कार्योंकी कार्यांकी कार्योंकी किया प्रक्रियों किया कार्योंकी कार्यांकी कि कार्योंकी की की प्रक्रियों की कार्योंकी कार्योंकी कार्योंकी कार्योंकी की कार्योंकी कार्योंकी की कार्योंकी के कार्योंकी की कार्योंकी के कार्योंकी की कार्योंकी कार्योंकी के कार्योंकी की कार्योंकी की कार्योंकी की कार्योंकी की कार्योंकी की कार्योंकी कार्योंकी की कार्योंकी कार्यों

इद अपनद करने किराओं शाक्तिक बारानेंगे वीक्षाई क्षेत्र, कुछ शक्ती, गोरे अर्जाओंक्रीक किर करा कर कारी कार्में कार्मे लाग्यंत्र केतावींक न क्षित्रकेत्र कार्जी वहां कार्नी कार्मा हो बारानी हिं किस्त्री करना बारते का होता है।

पूछरी का बार्ड किन्नै कम्मीकार्ध हैं भीर भारतानित का को वा कारती हैं। स्थानित का को प्रहाँकी प्रेरंत स्थानित का को प्रहाँकी कारती क

राक्षा कुमा प्रकार का निर्माणियां में मेहरा संस्थित विन क्योला कानी बोरहार नामीय हो है. हे सहस्कृत को है। इस का रामा प्रमान क्योगे स्थाने हैं। एसी कामने वीतास्त्रीयों विद्यालें कुमा स्थितार दीव है। हा इसीराहर नामास्त्रीये काम करी नहां व्यक्तियां हुई है और व्यव व्यक्ति को है। जिस कोईसे रार्थ कराइक कराइने अग्रणात्मात्रा बारांचि करोजांचे वहां है उसमें से करोज र भोगोंको बाजोजना ना ग्रीर हुक होनेसे बजाइ जार व्यक्तियों कराई वैराधी समार्थ सी वहाँ है। केवारी उनके साम सामित्री राजी रासाबोंक समार्थ कराज किया जाता को है जोर केवार साम उनकी सामीत आरांकी स्वराध कराइन साम कराइन की की है। कराइने हुक कोरीने चालिय होते से "जावील" मोलब हिना करा है। सामें उस्तर महाने से पिक्से हैरी जबनेद को है। सामें भी बोर्स स्वीत किया नहीं सो सक्का कि बारों का बारे मा साम हुना है उसने रिक्से से सामने भारत बारासे प्रस्तित पीकारों वाधिनोंदी भारी वार्तिक सामीत का है। सामें स्वात सामने का बारांकी साम प्रीतास हुना है भीर जो अपनारास्त्र स्वीतन होनेसे भारताहित हानि भी हुन है। स्वीयान समित्रावर साम प्रीतासकोंनी सुक मानविक विकास भी सी है और सक्की प्रतिकार जाताहित समी सामें हुन में स्वीत स्वीत

ब्यूरिक दारारी पत्र हैं हुए के काली नियों वीचनहात्रकों वह स्वार्थित वह है हि वीकार्य केने मिन पारकों काना पार्ट्यांस्व केंक्सित स्वयंकों है कहती गांकित संस्त तथाई में स्वयंकों कर है है। क्यूरि करने वर्ध में मिन केंक्सि पार्ट्यांस्व केंक्सि है स्वयंक्ति केंक्सि है स्वयंक्ति केंक्सि है। क्यूरि करने वर्ध नेता को बात करने केंक्सिकेटीयों बातिल केंक्सि हैं, क्यूर्टिक करनी हैं हैं हैं कारे नियां प्रति केंद्रिय स्थानका स्वयंक्ता स्वयंक्ति केंक्सि केंक्सि केंद्रिय कींक्सि केंद्रिय स्वयंक्ति हैं। वीक्सिकेट केंद्रिय केंद्रिय केंद्रिय केंद्रिय केंद्रिय केंद्रिय केंद्रिय स्वयंक्ति केंद्रिय स्वयंक्ति केंद्रिय कोंद्रिय केंद्रिय के

> नलक थाएँ, क्ष्मूएम हॉस्फेनएम एक ए एच फैसेनडैक कोटफ के टोक बीरन्द्रकम्प

(बोबोस) डाइम्स, ६-१-१९ ९

### परिशिष्ट १२

### गांधीओं के नाम फॉर्ड कशका पत्र

स्य श्री स्टब्स्स स्टब्स्स

प्रिय महोत्त्व,

हुत भराना नेत है कि असरकारोंके कारण गड़ने कारकारों चरित्रतेंग हैं। बानेसे में बोहारित्रतारोंने गड़त बोहे समय रक्ता चौर नारकी संस्थित व्यक्तिगत कारे मिलकर मानकार गायकीत सरोमें मकार्य रहा ।

हशादि की निश्नी बोंक्यरताक बाद बाँट नाम तथा अन कार्मीक खेंकम्बो क्लम्न कामनाहर्या मददा

गामध्ये होनों रहप्रशेकी जान केनेसा असम दिया ।

हरे नहीं नानेवर इसानेक कोई स्थानित कराज कीना और जी श्वाहान की मुख्यानका महत्त्व किया । इस क्योंने मामकार क्यों और कीन्त्र केंच्या केंची कोंच करक इस काइकर निवास किया माम । काइनी बोरान श्रीकर्मन क्योंकर हुत नहीं था। किया मामकार माम जीर मामकेब पूर्व प्रतिप्तानने नेता की स्थान कराज का जी सामकेब पूर्व प्रतिप्तानने नेता की स्थान कराज की स्थान की स्

माजनीय भारतम इन्हें समय भरा बावल ना हि स्वेचान व्यक्तिकीय गढ़ देशा हम निहान सहाय सहस्मान इन्हों है जो सभी पहींचे किर समय कार्स सम्मानकार हो। हुवे बन्दरन कीमा चौर की करहाने नहरार नाजान दिना हि है राज्यक्रक मिटिन माजरीसींक सम्म कराया चौर जानका सहाय बरनेकी करहा है।

क्य बहु बहुमान कामता हो नर्व ही होता कि की में स्थानिकेशन और स्थित समानत कहता और स्थ सना पत्तीने प्रकार समान स्थापित कर बाता हो कोई सम्पत्तीता ही कहता वा नहीं है

उन रूपय क्यारिकेंद्र राश्चेने जो हुम्म बाता महार पहनी थी, कह तह वी दि वॉद रुपूर्व व्यक्ति अभिकाम जब ही सरकार कारिक बाक्यों जावा व्यक्ति हुई — केना दि इन करावे निकास है होगी.— ही ब्रीम ही तरे नावकार रह केनी हुना बात पुत्रनिवाद दिना बानेगा को निर्मा भी एक एम्बाई अभेबा बर्मी मंदिर ब्रीमियाओं होनी। जीर कर रुप्यास्त्र इक की करत गुल्यमण्ड आयोजींबोंद्री क्यितेहों स्वार्थिन बानेगान होंद्रीय होनी रुप्यास्त्र, वीक रुप्त प्रमास क्यार रुप्त होना कोन्या।

नेते ही का देवने की कोचा नेत हो रहिन नाविकाली तंतुक क्रफार चौर तालाम-सहस्तर मेन रह इस्तान्यर चौर मन दूररे मार्थनेय नार्यांक कोणी। ने नाविकाल तीरवर वह बाधा बराता हूं हि इस सम्पर्धना में मेंबरर जिन्हें में कर बहुत विकास होन्दी स्थानाच्या नहीं है इस बहिन क्षारबाद व्याप्तन चौर स्थानिकाल केला हो बाधा बाहित।

की, का क्लाप्रार वा कर दियों भी छात्र में विद्या आविकाक आगरीय समावदी की छेता कर सो ही सुने बहुत क्लाका बाफी ।

जारास्य विश्वसत

434

रेलामे वर्षेड्यमेड संगी, कि. मा. संग बीवर्डमार्ग्य

रामा की दुर्ग सूक संवेती करियो कीशो-नक्षत (क्षत कर ४६३ ) स ।

## परिक्रिष्ट १३

# बठककी कार्यवाही जूम १३, १९०९को हुई

भिरंक भारतीर्वेकी यक किन्न सर्वादिकी स्वापना की गई है, जो और कानेवाने हिप्ययप्तक इस्स्टेंका पुरास करेगी।

तिन्दिक्ति व्यक्ति स्थितिक स्टब्स है

र हा व वाकी, २. मो० वाल वोची, ३ हाजा हवीय ४ म हा कावकीला ५. ही नेमह. इ. च्या य कामा ७ शहरूरीन ८. च्याची हाले ९. व्यमीता १ व्यवस्थाई, और ११ वी वील इंडचे।

भी गोपी प्रकास करते हैं कि फालरिया जोर लगे के [गोपीस] भी थी था केही और हामी हरितके साथ — भी हानी हरितक राम सर्थिय कि मच वे या महनेको स्वतंत्रयों बोलित करते हैं — रंग्मैंव मार।

भी मकी मरामदा का मानागर मिरोन करते हैं कि (१) वह केमच हुससी महाँ को गई कै (१) वरोंकि मानत करीकरमार जातें है, मौर (३) मोकि वी ए की नम्म मार्डि है।

नी भगीता मी नवीते सदस्य है। मी भागा चुने नामें को कर्ये केदद समझा बानेगा ।

भी बीन वी गोंक्से मतानंतर स्वर्धन बावित बरते हैं कि (१) विकासकाने हुन दूरत हो स्तेन होनंक बहरून हर्नेंग्से किसी कार्यक नहीं होते और (२) दूसवालने विश्ववंद माराजित नव एकस्प्र प्रकासने सकरत नहीं होते।

न्द्र क्यान है। यहाँ अस्तर करते हैं कि भी कारा भी यांची और जी इसीसकी कारा चार्टिय ।

हो दाना भी चौरीक यक मकालडा समर्थन करते हैं।

भी नाम्यु एउटाते हैं कि समाने भी चित्रको बोम्पामाँक वार्षेय पालकावारी है। हे संबंध कोतानी करानुक इस्तुब पालक बरोने सन्ते हैं। बो नाम्यु हामाच्यर करते हैं कि भी चेही कपनी राज करते ही क्वाप्तरे इस स्वारे हैं कितरी कि भी स्वारंग वा भी कार्यमा और वाप भी कराष्ट्रीन प्रसास दराई कि प्रसादक म करोनामों की माना पालिय, समान्यांचीन महीं।"

ा अनुसार में करनारावा वात्रा पासंद्र करावाद्याता हा। इस प्रशासन में प्रशास कर किया बाता है जोर निर्माणिक सम्बन संद्रों रचने मंत्र हेते हैं जो बाढ़ी, पॉर्टरे स्वापनीस, स्मीता चेट साची स्पीत । निरोपने जार देनेकों के हैं कामा, बंधी समस्य समासार, संख्राणि

भौर क्यरबी छात्रे ।

ही बोधी बनना कुछ महान प्रान्त करित है। सहर पर किने बावेगर कह है महीने विवह हूं महीने स्वीक्टर किना बना है। पड़्मी मह केमाने ने हैं भी बोधी (स्वान्त), भी क्यापी शके (नयुगेवर), महान क्याम प्रापानी और कारतिया। निरोध करवेगाने ने हैं भी अबी, उंटके भीर क्यानुरोग। मी क्यांका सरस्वानी राज्यर करते हैं।

की रहेंक्ट्रे की वर्षकें प्रसामक विवये बारित करते हैं । की बची भी भारति करते हैं ।

भी दांत्री इपीन का अवस्ताक करनेको समाध्या वीकिंग करते हैं, और रूपी दर्शका के दिहमकाओं कार्ये !

æपना ३ बारतील समामें स्परिश्त हैं ।

रासर किसे हुए सूच भंग्रेजी महानिवेची कीशो-मक्कम (क्टा कम ४९.६८) सं ।

# परिविद्य १४ शांधीजीको काँबं ऐंग्वहिसका पत्र

तीवनी व

विकास कर्तीय स्टेंड 1 बाल ३, १९ ९

विकासी वर्षणी

हासत ऑफ स्टेंग्ल्या बामबात पुरू हैरोड़ किए कर है चौर में वह नक्कारना राजीन स्टेंब नारको कन् प्रितिशों क्रिया रहा हूँ । बहुके शी में माल्को मागढ़ १९ जुकाकि एक क्रिय मीर मानके " उदिहा विस्रम " की मञ्जूषे किए — विते बारते मेरे शास कानी स्टब्स्टाने संख्या मेन विशा — वन्नाम केरा है । महारा अनेस्टब्स क्षात होने वर्गक्रक्रमण जानगर जानना चार्विय कहा नातकी शुक्रमा केते हुए जाएने हुन्हें की जानेक तार शेर्वे क्रमेंद्र हिस्स भी मैं बाहरता बहुत हत्या हूँ । अने अब है कि मानदी केश काश होगा कि मैं वेतार समय नैंगा रहा हा किन्तु असमि देशा जर्गे हैं। व्यक्तियों जेंग क्रीकृत वार्यका निरुद्ध गौर शामानकी टैनिट हरका (स्मीरिक्ट डिनेस्ट) के स्थानकों केट नक्स हैं हैं। सबे दिया सके रामारिक कोनेंच वस मी है। सप हों कादी हरियाची महीका करने यस्ती वस्ती है । वस बीचमें, क्य भी मुझे मौद्रा मिन्दा है, मैं एव विकास स बारचीरके क्षा परिस्तिको बनानित करनेको कोचित कर रहा है । वर नारके रासीच २९ के स्टब्स नारेमें इस्ते बादी हो एवं विकार व्यव है। यह भी तहां देशा है जिसे बाद बीता और एक करें हो उन्हां सहवी होगी । मानने संबो बद ही साम-साफ बढ़ा है कि मानदो भारतक राज्यासामक मान्योगनकारिजीसे कोई मानिक खाला क्यों मिन्दी किया नापने मेरे का प्रवास ( मेरा क्लाक है भेंने का वस किया था) बनाव नहीं दिया दि बना के मारको कियो भी करावडी स्थानता गानि के यो हैं। में बहता के कि में का मारीक्या — कियो कि तथी वे भौभेके विकोश पर उपकार प्राथमित मान व प्राव्दा मान पर पाद्य मान पर पाद्य मान पर पाद्य प्राप्त मान पर में रहने विकास व्यक्ति करणा-स्थापने क्षा करने कर सहसे कौर यह बाद कृति के बादक बणाक्रमान प्रतिरोत्तके बाम्सीकाक करने परेताइ, बादके की यो कहा का दि हैं हो स्थापना हुए हैं करने करने के हैं हैं कर्ती है। भारते विकास स्थापन करी करी था रही है और स्थापनित है कि मैं रहा भारतिहा स्थापन वैवक्ति विवादने नहीं यदि जाता बनागुर्व प्रात्नीके सम्पर प्रात्ता प्रजा है।

मारते कार "विशरण" पर दिवाणी किसी है कि वह "कांग्रोफिर १६ "है, वटा में कम हदान हेनेवा समाप करता हैं।

रैरा १५ अपने की नामाँकि तिल्पीतकी में यह द्वारामा वसता है कि बाद परिश्वितके बचने हुक्ते पूर्वणी भीर द्वारक नाम्की विवर्तकर भी रिचलेंद्र हारा तैनार विज्ञा नया द्वारमाध्यक्त विवरण हैं। तक् १८०५ है कामून इ के ममलके एक्सनमें पुत्र संक्रित राष्ट्रीवरण दिना काना नाहिए ।

पैरा १७ मन्त्रिम बानस्त व्यक्ति एक बाल्यमें बीनुका कहा वा रहा है, को बोना बहाबर रख कर देना नाहित । का एक घर देना कीम होता कि किनानताची चींच अगुनिकोंकी कारनाको पहाति की मारताहै क्सापिरोंकी किमान्त तह ही सीवित है, बाज-इसका जवनाई भी थी, बच्चि का है हेन्सीने अच्छी विकेशित बर बड़ा था कि करन भेंदूरिंडी शार काड़ी है।

रेरा १ - प्रके करना है कि वह नाराजी राज कर रेना अच्या होगा कि गरिनाई कानून और अवसी [मिरेक्टर ] बामूब, दोनीकी मिला हेमेरो सामूर्ण औरध-निषेत्रकी सिर्दान देश देश हो रहे हैं।

#### सन्दर्भ गाँची गावस्य

पुरा २१ " सन् १९ ८ का भवितिका २ "की जनका हो " छन् १९०० का अधिनेतस २ " होता पारिए ।

रेता २२ अपनीते की वर्षोंका करेका करना बक्ती है। स्म रेरेंक नम इंक धन्यक कोहरेनाके निकारकी क्यों जान वहती है। जान का सहजाना कार्य सिकारकीर्तिक केरिकारकीर्तिक कार्योंके किया केरिकारकी करने कार्यकार की स्मानकीर्तिक कार्यों

कि बराजीरिने हंगलरारिक साथ सम्बन्धिक विदर्श वीसी कारका कर रखी भी वैसी अब नहीं है, व्य क्योंने बैसे समझा । पैरा १५ सन्दर्श सम्बर्धका का महार करकी बाने कि व्य स्तर हो काले कि (विकास कामूनि) स

करनेकी बाद पूरी नहीं की जा, काने दोन वादवीनोंका नहीं है। जह रख्क कर रेना भी अच्छा देग्य कि कारण कार्युत प्रदारीकी विश्विक और प्रस्तक करीत जी कहीं और बेढे प्रस्तक करें। पर पार्टामीन कांगे प्रमानक को कांग दिये, ता वाद्या वर्गीत रखीकारण कहीं हुना है। व्यापत प्रकार पार्टीक कि परि का किस्तका कोई कांगीन किया गया ही वह जा कोजेडी कानकारिक कि किस

मानेगा थे स्ट स्थानमा परिने पुरू में महीं मानते । मैठ २९ मेटा सुकाम दे दि स्वेतमध्येय नामी परिकारी उठा हाती वाली नार्वस्य ।

रेरा ३ (१) ज्या गर्यों किर "१९०-८" "१९ ठ"की क्याब्र पूच्छे वर्षी इस तमा है। इसमा कहरद रामोदि लिपनी में यह कहर काईंच कि सा करती कार्यों को उसने तर हो मेर उसने कर रूप इस्कें हिस्सा करोने मामाने वाक्सकेला उसका किसी हैं। इस कार्यों के हि कि रोग ने मेरे ने इसमा मान मानकों करका। वर्षी । मार छारी लिपिन्छे एएँ ठारा परिचार है, किर भी कुछे कन्छा है कि सा केले को की बैटी मीर किस्सी मारकारी होन्दी मारकारण है, वह मैं निवार ही मामने कारण सम्बाह्म ठार उसने इस्ता हैं।

> वापका विश्वस्य ग्रॅन्टडिफ

**एक किया** मूक केरेबी महिनी कोडो-महक (गर पन ४९०५) से ।

परिश्चिट १५

ड्र<del>ान्स</del>वासके भारतीयोंके प्रार्वनायम

(१) सक्तावनिते गर्भगाना<sup>1</sup>

महामहित काली कदर

4

अन्तराध्याके हेतु पिकने वी वर्षेति हुन्यसामधी केवेति एवा भीमनेवामे हुन्यसामध्ये विक्रिय भारतिवीमी पत्तिवी, मातामी वा प्रतिवीका प्रत्येवास्त

Think & It.

हम का विशिक्ष मारानिकी पश्चिमी भारानें ना उनिकी है को गुन्तनाव्यों बुब्बैन्सर एक रहे प्रीवनकें सुब्बिक्ष किस्तिकों केक जीन जुके हैं वा अब भी भीग रहे हैं।

र का बारों को शाम नहीं है कि का शर्मनावर्षिक क्षत्रिया गर्भामी दूसा देशत दिना ना या। कारी क्षेत्री क्ष्मात्मा है कि इस्तेनाव ऐसेक हुइस न्यानि ही दिना हो। अन्ते क्ष्मा एताइ होनेने नावे वे सामान्य हरावद माह करके क्षेत्राचे हुगमे नावेन किर देशत कर किन में। हरियम क्षात्री हे तह दिनावर्षिक कुछ दिनाविक हान स्वाहित हुए वे कि हुम्सानाव्ये सुकन्ते कीम नावद ब्हास्ट्र कर हो है।

परिशिष्ट ५८१

स्मारी मान्नता है कि विशिष्ठ भारतीनों का सभी न्यानरंगत है और करेंद्र चार्टीन सम्मान्दी स्वाक किर है। इस कीम का तन्त्र से अपनत हैं कि क्यातार केंद्र चारेनाक भारतीन स्वत्वस्य है कि किन

हर बीम हर तम्ब से करातां है दि कारार के बारोपार्थ महातीप प्रप्तां से कि कि विकारतीक करना देती स्वयं केती सती है वे पसतक हुए नहीं दोगी तस्तव वे शुरूतांक्की तंत्रर सारा स्थाने के परिवाद सितिकारी स्वीक्तर करीं करीं।

हों काता है कि बच्चे बेरों, पतियों था पिठाबोंको उनके बावित्य-निर्माहर्षे श्रीकार्यटा करना स्थारा कर्मक है।

कर्मुका कारजीत सरावे से जायती क्लेतींती व केक्क विक्रीशत कुण विक्रित कक्ष-वक्षता संग्रह मी स्वता वर्षा है । केक्सि वीरान क्लेत मारतीय परिवार क्षेत्रक कर की हैं ।

कर बीम्मेनामंकी गीन का है कि का बागून रह कर दिया बाने विश्वकी शब्दरा तम उपसारको मूर्ती है। मीर क्योनेप्रोक्क स्वाची बागूनमें वो कारि-उपस्वनी अर्थना है का हम निवा बाने तानि अन्यतम विद्या-मान निवासिक किय नेती ही उन्होंनर जानिकामं मोक्क बरणा उपस्वन ही तके बीती तक अन्यत्मिक्क किया है।

हम मामरपूर्वेद भाषा करणे हैं दि हमारी का प्रार्केशपर बाप विचार करतेयी क्रमा करेंगी। भीर भारत कर म्यान रुपा स्वातंत्र कारीक क्रिय आवडी मार्थिकार्य स्टेस हुपा करेंगी। आदि ।

(अमेर्गारे) इंडियन ऑफिनियल ३०००३९ ९

#### (२) मार्चनायकः । शासामधः सीरोर्जाको

वेशमें सन्तर्गत राजानई वीरीमां महोतन

गुल्याको रहनांके रम गीने बराबार करोताके निर्माण करांन बताडे नाली मार्टीन राष्ट्रा लिए मार्क्स मार्की स्थाने का कर्मनाव्यों क्रमेनाक क्रमें व्यान स्वर्षित सम्वत्यों कर निर्माण कर रहे हैं। स्थारी कर कर्मक्र बारक स्टार स्यूर्ण आरख्य है।

हम रम ऐमोड़ा दिखान व कामार केषण काँगाव (स्वितिहा हो) करेवा बर्टित । क्षमानकार्त्री आरमीनित रू९०० के वरिवार्ष नंत्रीयन व्यव्धिका (व्यविद्यादिक एर्टियम्बन रेक्ट) को रह क्षमकी मीन ही हैं जादि वेवितिक केम्बानमात्रा माराजिन, उनारी एंड्या विद्यारी हो कर तो है । प्रतिका का ही ही, जादी व्यवित्व केम्बानमात्री असेव वह रहें को क्षम क्षमानित्ये किया ही। मानावी विरक्तिक क्ष्मान्त रंत्रीयन व्यव्धिका को कांचित्रका कांची व्यवित्यक्त कार्यात कर्मान कार्यात्रका का क्षमित्यका पूर्विक्तिमात्री के एंड्यो व्यव्धिका कार्यात्रका कार्यात्रका क्षमित्रका कर्मान कार्यात्रका कार्यात्रका क्षमित्यका है। दिश्ली कम विदिध कार्यीकारों केम व्यक्त कार्यों है। क्ष्म आरमीनित कर्यात्रिका कंष्मित्य वर्षात्रका कार्यों क्ष्मान आरमीनित क्ष्मात्रका कार्यों कर्मान क्ष्मात्रका क

क्का विमेक्ट वाफीन विक्रते वर्ते गरोंने २ ५ मारणीरोंने कैरफी सवा मोगी है । सवा व्यक्तिपट सन्त रही है. बहु पर उनक यने हैं, कई परिवार संबंधि वर्षांत हो गमें है। रोड़ी ध्री प्रतिवर्ध बीर ग्राटानोंकी भक्ते वीच दावदर दिया और पत्र माननाथ केच गत हैं । को वरियारोंका सम्पन्ताच्य बसारे बना किने 🗵 फाड़ी एडमर दिया जा रहा है। अन समा अरीन हो भी बाततीन जनसामाने हुए केन नेग से है।

बर्जिंगाओं कार्ना मन है कि बहुर्जन को यह कर कुछने देव दिन है । इसर्जन क्वनिवेश होन दिना है भीर भाग सामर भूकों यह रहे हैं । तीन शीर्स करिया करिया कोमीबा एक वह सकिय तैनी गरी एक रहा है। इस हो पौक्योंच बार बालावाबकी बेब्रॉसे हो जाने ह ।

नियम बर्गनेवाके कोर्लोंने भारतीय समाजके सुधी वर्गीय कांग हैं । दिन्द मुसल्यान, वारसी, रिस और रेशमं, समी मलतको बीरसे छन्छों सब रहे हैं । ऐसे ब्यापारी जिन्होंने बानी बार्रहरिक परिमय नहीं दिना है भौर की सुक्रानीयक्सी मोदयें एके हैं. (आज) सर्पर तीब रह हैं. वा मंगीबा काम कर रहे हैं मनना सूनी बनेवाडी गार्थास्ट मिट्टी को रहे हैं, और सावारण महर्मचा बनिया और व्यक्ते आह. अल्या जानक और मैं बाब्द धर छे हैं।

हम कराउने स्वराक्तांके किए जाने वालेका बक्तींव करते हैं और महार सरकारते सा कर्मकर्त रंपनदर्श दरलेको ग्राँग दरले हैं । कारफ रालकालक कामुनीत रंपनेएका कर्मफ हराया नहीं बारा राजाक कार्येख कारतिसींका दक वृत्युर्वनेत क्षेत्र छान करेखा । इस Oetsal धर्मना करते हैं ।

(बंग्रेबीस) इंक्रियन जोपिनिकन ३-७-१९ ९

(३) पार्वगारप्तः गंगास चैन्कर सर्वेद कॉमर्सकी

सेवामे मध्य बंदाक कैतर बॉफ धॉस्से क्रमच

महोत्त्व.

हम निजनहराक्राध्वर्ण राज्यकार्या विधिध मारतीय भारतोह मेरे समान्ये नेताकी वैक्सिसे मारवे सामनं भारता विश्वरत प्रस्तुत कारता नाहते हैं। हमारा का विशेष्ट परिवार्ड संबंधि विकास है, वो का क्यमिताने क्रिके हाई क्योंत वक रहा है।

क्षा रीवरेचा पूरा परिवास काम्बर मानदी वरेवाम कामेदी हागारी रूपमा नहीं है । स्थानीय सरकार कीर विशिध मारतीयोत्र बील विचारका सुरा कर है कि अहीतक असतका चानन है। व्यक्तिको बान्युरीने कारि-विकार किर्देशका हो अन्या नहीं । स्थानीय संस्ताने ही अन्यान कराने । पद प्राप्तन १९०० प्री पश्चिमाने पेप्रोमण मर्पितीयम ब्रह्मणा है और कुछता वही गर्नेका अवस्ती मर्पितीयम । इस ब्रामुम्बीक सम्पर्कत क्षा हो निर्देश प्रतिहास कारों के बीचिक बोजता बावे करू थी हो, वर्षि व्या प्रावेशे क्योंका व्यक्तिसी महीं है हो, क्ष्म कम्पन महार्थन क्षमें भागा पारतीय आगा-विहाली रूपाल बीमक कारण कर का-निवर्ण बर्चन करने ही निर्विद असती हो बाठा है। यह कामून जितिब क्येन्सिसीय करी नहीं है। नटा हम बोरोंकि, बहुद अब प्रदान विका होतेके बाद वार्वचरिक कारो कानीपानुर्वेद क्रम को है कि हम अर्थुक वेशीक्त बारत (रविसंस्था कों) तथा सेलीह सीराम १९ ८ में कारण क्या पूछर बाह्य राजाब लीकार क्षा दर्भि बक्क १९०० का पेत्रीका बाकून रह क्ष्मी कर दिया बाता और बारिक्ट कर्मक क्रिक क्ष्मी बाता ।

एउ एउनके परिवासकारम सारी जातियों नहीं और जमीका ग्रांतिकिक करनेकार 2.4. से जमिक कररोज़ीने केका कह योग्य है। गुजराकमें करना पश्चित वार्षिकार्क कुछ कम्ब उद्यक्तियोंने एक्नेपार्क नतेक मारानिक्षां मात्रामिक प्रान्तक प्रतेषकी श्रान्तकारी स्थानकारी पत्त वार्ष नीतित्रत सीचे नारत मेत्र दिवा जा है। बहुतक कि कुछ कार्योक्त क्या परिवाद कीर कार्याक्ष देशरेक्षकी स्थानिक करना किन किना बात पत्त है। कुछैत कर उत्तर गर्म है। बहुतने व्यापता संचाक हो गर्म है। बहुतने परिवार्यकों माराजिक समात्र हारा प्रकाद किर कम्ब क्योबी एकार्य स्वापना सी वा राष्ट्री है।

हम कारिकारी वार्टान्तिका निर्माप प्रोप्त कार्री चारते । इस इस का स्वाहांसम पीरोंकी प्रचननाथ दिवसको नर्रातार करते हैं । इस काक वह चाना करते हैं कि काम जानिकारीक निर्माण सुनकाल सरकार वार्टि तेनार भागारित वरीका कामू करके, भी पानरकाल कार्योगे नारगांक करोड़ों कोगों तो माननार्योक छित्र वर्षिट तेनार भागारित वरीका कामू करके, भी पानरकाल कार्योगे नारगांक करोड़ों कोगों तो माननार्योका छेत

हम सब प्रक्रिक्ति, सब विशेष्य बनामीरी नपीत्र कर चुड़े हैं। और उस सबसे हमारा सम्बेन दिना है। बर्धेट्य कि हात्स्वास्त्र हो बरोबीन समावक अनुक सरवींकी एक बरोबीन समिति जिसके सम्बद्ध

भी विकास होरोज, श्रम कार है हमारा समर्थन करती रही है।

हमें उतिह सी इनेद नहीं है कि सारकों इस्मान कोन-मारकियों भी करता ही बारा है किया कि मारकियों हो। करा बारके क्षिप हम कमल कोन-मारकियों प्रभावमें बहुरेश करते हैं कि स्व सुम्मेन्द्र्य दिनिका केंत्र स्वरूप क्षा क्षिप हम कमल कोन-मारकिय स्वावसे बहुरेश करते हैं कि स्व सुम्मेन्द्र्य दिनिका केंत्र स्वरूप क्षा क्षिप्त कुछ उदिन सम्बं कर क्षा हमारी स्वरूपन क्रें।

अंतरी अपना नाज्यीत विभागति वारण गुरुनो कोन हुए यो है। किन्नु वीर्रोमा एक शास्त्रार मानेको निराम्तर करा। रहा है। मे कुमुलन्य अनी काले किन एउनेस्वर है। एन वर्गनाको किन्ने समा हास्त्रास्त्रों केनी २ स्वतान्नी है। एएकपने दमारी बागान वन करनेको नीन्स्त्र ग्रेड देसे स्वतान्नीको तिरमार कर किना है। राज्यों करने करने हैं।

(क्येक्ट)

इंडियन अपिथियम 3-0-१९

### परिनिष्ट १६

### गांगीजीके भाग साँड एस्टहिसका पन

गोफ्नीब

अस्त्री २९ १९ ९

विष औ गाँधी,

में जमी-अभी कर बावत कीटा ही और वीलो क्षी आएका शक्का वस अने सिटा । में एक क्लामीय

"ठमहो " क रोज बनके बहुत होजाने कहा व रहा हूँ। इसमें बनक दुसायको को बहुत वहीं होती कि इस मंत्राको और मेरे बहुरबोध बरायर स्थित हो। देशी किसी बन्यासनका कर क्षेत्रपार जन्मा बाहित।

अपने तुत्र निया है हि तर बचाती आग्रा कर रहे हैं। मैं तो वन तरह आग्रा नहीं वर सरता । मैं बचन सन्दर्भ तकता हूं। मही और बच्छी सम्बद्ध की जुनन करता अपन्छ सम्बद्ध है।

बारक राजने "स्टोरिक" और "राज्यविक" तरोकींने स कोई रक मुख्यका दिश्य है।

\*\* सरको बोधी बाक्सव मेरी बाद पाका पनते हैं, ही बादको छारे जानकेका संवाकत-पार और कसी प्रकार मेरें कर क्रेस

the wifer, the effectively applifulness and or could their object P could been been कारण कीर सीवर्गन क्रिकेट क्रिकेट कारण

दिना परि बात राजनीक तरीया ही साल को तर में एक तरफ हर कार्यया तर्पी सर पंचापी

सरकारको क्या कर करें । में देने किसी भी करोंने भाग क्या और को एक स्टेंगल विदर्शने सम्बद्ध भीर प्रस्त स्थात है ।

रिक्रके वस रिनोंकि बामक प्रव्यवस्थ में एक बोर कॉर्ड क् बॉर्ड ग्रॉड ऑर्ड केंस्टाका और गोर्ड परेंच तमा रहा। भोर संबं सभीने बनाब सारण और तर अंबे बेरारके स्वाबीय हैं। मैं बरने साम, बारी क्ष्मार हो, क्षार क स्परासरे नामकील करूरेता । किल कीगोंके जास दिने विकास है, के तारी सक्सीरेके एक्स है ।

का रहाको महेरावर राजने पत्र कि मैं का साम्प्रेसें किस्त्री अरहत का काला व हिर्म भागको सम्ब दि बाद फिलाब सारी वार्ष कावा बोट हैं. और की सामीना कर्त किया हो को में बाद पर मेंचारी error party of reference a

क्सा स्वाचीक सके बहिल को कि बाराश का विकेट है।

बापका बायका विस्कार <u>जैक्ट किस</u>

इस्सिकित तक कोंची कीची बीटोनकड (बन पर ४९००) है।

# परिविद्य १७

# गांधीकोके नाम साँहें ग्रेंस्टक्सिका पत्र

शोपकीय

अवर्थ ६८ शब्द

fam ut nicht.

में बरते दर इ चौर मुक्के जानका रूप नगी-नगी मिला है। एक नारीसे भी नगाना रीज उसी है सीर है जिल्लाको स्थान करायो बारण नका बना भी वें स्वक्रिय सम्बा बनार कर्तामें है एस है। मैं कुछ फिर सस्ती ही निक्रण बार्केंग्रः कर कान ही कराव व हु हो बहुत हैर हो वालेगी। भागको रिक्रमी नार विकासिक शहरते में का नहीं देश हैं। वर्षें सेलोरी, वर्षें क वरि सर वर्षेत्र केराससे मेरी काभी बालचीत को है, और में कोई कोई कालक कारत तथा पत्तरे कोचीत भी किया हैं। कोई काँम मेरे क्षा का कि की कि का अवस्था

करिकटिन व्यक्तिमें से किसीको भी समझौतिक विकास बोर्स किए गर्री है, दिन्तु कनार मनुनिय साम काली का समाग्र कमारवेरी क्षेत्र कहाँ को गी। व्यक्तिक आस्पीत और एक व्यक्तार ही दीव काम दीया।

मार्गंद अबदे कारों जान इसना ऋषे जाना कराज हुते दिया में हानी में जाना डीड क्रांसे हुसा सम्बद्धा कि बाप का सम्बन्धि का करें। विश्व में भावते नाम्य करता है कि नाम हुने नताने निया ग कोर्स बीज अवस्थित करें और न क्षेत्रीके वस्त मेर्डे । क्यार जिस्सेवार राजनीतिकीमें से ब्रिटीको कर का गया वा मक्तरार क्यों ते कोई नाराव ही गा। को क्रेक निनव नातेग्व । जानर यह नेरी नाँठ नामानारिका क्रे mark सपे सम्बद्ध बासा है कि वरि क्याँस कोच निया वाले ही वे बिसी स्टारिटेड किर राजी हो कार्य । क्रम बाद मीचेड क्रम्बडा कार डेक्टोडी क्या करें ।

स्तरे १९ ० दा अधिनेतम रह कर दिना कार्य और धार्य स्थान के दिना साथ कि इनम्बनाओं प्रति को १ नग्रीमनोत्ती सारके अध्यानके सनुवार अधेवा दिना सामेगा की स्था साथ संदुध है सामेगी स्था इनम्बनाओं नगरित समान स्थान और सरमानदी जिस आस्त्राने पीडिय है यह कराक नार समझ सनले किस्ता प्रदाननीती

नर जार देवर पता जाना है कि मारतान बनी छनाइ नहीं होंगे और रिवार्स के ही नई मींगे पेस की जाने करेंगी। स्वता छान-सारू कहिल कि देशी मार्वीच उक्रीपर में बना बहाँ। क्षत्रे करना व्याप देना

क्ट्रेगा १

अन्य चरिकारियोद्ध विश्वास है कि शुरुषणक स्वतास्थात्री जरणका राज्योद्दी यम्, जो नहीं पत्राच्या कि सुत्र अन्त्रेक्षा क्षेत्रे एक विश्वस को, जोतीका करणा है और भाविक स्वांच्या हेला है। एक कारण अनीक सबसे अनुक्ष किर प्रतिपृक्ष पत्राच्या है। कृतवा सुत्रे व्यावस कि ने साम स्वन्यमां व्याव करूँ।

समाने उनके किया प्रतिरक्ष सामना है। इस्ता शुरू सामना पर में स्वतंत्र सम्मान पर में इस्ते । सिक्तरें कार क्ष्यू वंत्र क्ष्यू वंत्र के स्वयंत्रीकी विश्वा एको हैं और मिट्र शास की विश्वा में विश्वा हैं तो बता क्ष्या होती. कार्यों के बें इस कर्कें सकारों का एक विश्वाने का स्वयं की हैं। किया स्थान किसी

बुक्तेकी स विकास ।

গামরা বি**বত** শমরিক

स्थानिया का बंधेनी गरिको क्रेसेन्सक (यह यन ४९१५) में र

### परिशिष्ट १८

एम० के० गाँधी एन इंडियन पेट्रिमट इन साउथ भाक्तिका

की

# कॉर्ड एम्टिहिस द्वारा किसित भूमिका

हा पुरावेड केवला मेरा व्यक्तिक वरिका नहीं है। वरणु सिव व्यक्ति विपाव क्योंने हाने हान पर करती किया की क्यों क्या करता करता करता है। वर्ग करता करता है।

बी लोन मेरे का करणबंदी लोकर करनेके लिया है। है बहु पुरस्त करने कहार है, करने में को पानेकी विकास करता हूँ। में तनर नुस्तान देता हूँ कि पुरसे कीम भी भी मेरी राजकों कोई काल नहीं के, का पुरस्त्रों भी माँ बालकारित क्या करा ताले हैं। यह बालकारी एवं देते सबसे करनाने हैं किसने दुर्मीत्वास कर केमी बहुत कर कोम वीरिका है। वेदिन किस भी यह बालका करनार तालावन करनी प्रवाह है।

भी बीवना राता वह मही है कि उन्होंने का पुष्पकों उत्तराक्षके भारतीय क्यानके तेवा जी बोहनरात स्थानक परिकों सिंद्रण बीनमी चौर व्यक्तिक सिकानों कुछ करता दिया है। वैकिन पुन्तकता स्थान उन्होंने स्थानित वरण है कि मानतीर स्थानीन व्यक्ति बीर मामके होने होंने हैं और नर्ने अन्य मही दिया जा तकता; दूसरे पात विकेश स्थानीतिक स्थानीचे जीव कारणे वाली स्थाना वा तकता है जब कर सम्मानित सन्पर्दात बीरा चौर कि मान किने माने

में मोमांता करनेवी शितिने नहीं हुँ, किर जो रहने तुझे कोई हमोद नहीं कि इन रहींने दिने तमे हस्य

नदी है और मेरे पान वह विषय कामेश्रा भी वर्तन वाचार है कि शराहता संद्राला है ।

पुलगान सर्विकार का केता है

चरित्र-गलड, ती पाँचीडी का देखके कारवाबी कार्यों एक मे मामूकी वर्नेका कान्द्रोकनकारी करका निर्मा की हैं अनेके कार्मोंकी महे बंगडा कातन अने ब्यावह तकत क्यारें पेश किया गया है और वह ब्यावेनाने मी

का नदी है कि रुमदा देश साले सिक्रि और सबै-कास है । माप भिन्नी विष्यस अवस्थितो वेसा अस हो गया ही सा अस पुरस्कती पक्षेत्रे असीह विसाममें से देशे साम विद्रम पार्मेरे । व्यक्तिको भण्डनेत्रक स्थला बन्दा भई बटना कारको ठीवरकोट स्थला बेना है ।

सुन्तनाच्या भारतीत समाम व्या व्यविद्यालयी राह्या करने और यह व्यवसायको रह करानेके किय व्या है। त्या इस बंग्रेबॉटी देखिलारे कर्वे बस्ते किए होगी खारा सबसे हैं। कर्वे व लो एत रेमच्य बर्गसार --मझ है और न बतिनिवित्त । येसे कारोंकि किए बिसा जीर मराज्यसम्ब व्यक्तिक विरोधना की भ्य ही छरीला वाच नारत है वह करावदामक प्रतिरोध ही है । क्या हम करते किन कर्ने बोरी सारा सकते हैं। वे सार्व-मानते करोंका विरोध या पामनदीरे को राजनीतिक वाविदार केनेदा अलोग नहीं बर तो है। वी बीच उनने कीर की गई है कर्नाद कारण कारीय सरगार, जरीको वे फिरते प्राप्त करनेवर प्रकृत कर से हैं। वो गाँउ क्यें दोनी खराता है की बताने कि अपर का देती कितियें होता तो का बरता। का हममें होई भी पेता व्यक्ति है को कामूलदी सर्वारा रक्ष्मेक किन करने कविकारीक ककारणतो और राष्ट्रीय करतारातो किरा किने निर्मा

क्यन्तिसमी सरवार का किसावर्तीको दूर कर समुद्री है । इसमें को दिवाला वा सम्मानका दर्गिक मी मार्ग नहीं बरना रहता । बना बह का गोबियर, कन वहीबरफात बनका किया का रहा है, सेन का रही है और प्रतिकार करनकों को बाद्या प्रश्व हो गरी है. सामाकाची आहिए इस कियाबरोंकी दर बरेगी । नहीं नस है जिसके उठरही इस इस समय बस्तकासे प्रतीका कर रहे हैं । विसरे बन्दोंमें | अब नह है कि विन नाररनिवेद कर शन्सनकार है। किसीन शक्तिक अधिकातः विकासने कर करित समये सरावता है है मीर को मिटिय गानरिक है और जहामहिन समाप्रके प्रगायन है, उन्हें दक्षिण वहस्की संद करोची मार्ग स्थिते स्टब होने दिया प्रश्लेख का नहीं ।

क्यन्तिश्वची सरकारको केवन कह केते बाजनको तब करना है. विकास क्योक परा हो पान्य है, मी कर वैदार और बारको क्ष्मीन है और किसे शरकार कर्ष छारी बालन बता पढ़ा है। इसके लिए, क्से का पूर्ण कानूमों नेकान्ता कुरार करना है किस्ते का कानूमीने वो एक नार्तम नेवान है का पूर हो नोगे। भीर कार्तम समझक कान्य है, इसके सामे दिवानों नायापर कार्तिकां का एक व्यापर-साम है मरकीन मा सर्वे । यस करीने अस तक ही बानेगा । एवं मारशेनीक किय दश देनोका. विस्ता तर्ने हैं क्यों किर क्यानार और अनीरी छन। व्यक्तिक्षेत्र किर क्षेत्रस्थात और वर्जन बारी रक्षेत्रर कुसर कीर हारण व यह अलेपा । शक्ता वर्ण वह नहीं है कि करती और क्षेत्र किकार यहां हो तहीं । प्रतर क्रिके राधनाक क्यानको कार्य निर्वोच्छार हो खेंची हो. जिल्हे बारक करें नगर्वकार क्यों दिया या सुन्हीं है बनोमें मार्चे सार सबसे है जीर बहिलाँगे स्वाप महावे मा सबसे है ।

क्ष रेक्के बीच का समुतन करीं करते कि मार्टानीन शुक्तरावर्ग किके टील करीने महाव्यक्ति त्वसम्बे तत्त्व ज्ञानमानिदी क्रीयर ज्ञानस्य वासूनी नविदार क्रांची गर बॉला पर है। उन्हें ज्ञानिस्तर हिन्दुल क्रमी **ग्री क्रां**क्र साथा केवित्र वर्षिक्षकेतासन तस्त्र है, सिरो बोगोंको सरहता पार्विप । नपर वह राज्य समाप्त निमा नारा है। केराके होगों स्ट्रमीन क्यों दर्जीक कोन प्रकट किरोग करते क्योंकि क्योंने प्रक्रिय कार्टरकाके तर्न सीकार्यों रान्ध्राकरी केरमान रक्तनेत्र नवनी कही गानकको जाहिर भी है और जनर बेह प्रभव किया है। यहमैं and है कि कर एक्ट रख्यी बाह्म-मनकाने रंग्डे कारण कोर्येच कार्राम्बर्टीका का नकारण अवसीन कारवीति विक्रियं वाचरिक्ताके कार्यानक चरिकारीते कीर्योका का नकार गेलिय किया वाला तलारोव वामानी नक विरामी क्या है, विरादी काल ही हासी मिसाल मिले । फिल सिमानोंके जानापार डाजान्यका मिर्मान किसा

ना है और दिलके बारराय हम क्यां व्यक्तिका जीविक दिवा किया है और वो का सक्ते कार, बतके दिवान है निसे अराव्य का बाविक विशेष समिते कारी को है, कारी ताराती हो बारोकणा सारा करें पाने कर्मी करीं वो तो की किया हमार्थी वाविक सारातीतिक साव्यानकों निकास को हाईना नामीक्याद विशासी मंत हमा है कहते कारत हमा है दुस्त्रका हास स्वातिक रह-प्रतिकास के सामार्थी । कार बात कार वह और अबस्रोंको दिवान की तिलो की तो बार से केसी वावस्थान विशिष्ट कार्यों का बात हमें केस नहीं सामार्थी की देशा करना है कि सावारोंकों सामार्थ कार्यों कार्यों कार्यों का सामार्थ हमें सामार्थ हमें सोमा क्यां सामार्थ

कार जरूने नर सिंद हो बाने कि हम निर्मेश सीवेंड मीने विदेश मारतीलेंडी एका वर्षों कर एको बीट बाने वारवाद और राजनीटिकोंड बक्तेंडिकों मी पूरा वर्षों कर सफी तो प्रमान महीना माउनों बना होना है वा बीन माउना बानन हैं कर्के हरूब परिवारिक गाँधे की बात नहीं होना । कमर भारत विकास परिकास होकर और कमानित होकर का मात्राम शिकाक संस्थान शामिक न रहना बाहे और किन्द्र को उन हम का बीने किन्द्र की तस्त्री सामानका बाजना प्रकाश में बानेंग ।

रक्षियों ने ही बाएम हैं "जिसमे इस्प्रान्तका मिरिया मारतियोंका" का अब सामाजवा पत बड़ा अब स्टार्म है, म हि एक ऐसे राज्यसित ज्वसित्तका जानगरिक प्रकारण निस्तां मानुदेवकी हराज्यका निश्चार या बारण

न हो ।

शर्वकर शत मामकेसे वन समी कीर्पेका सम्बन्ध है को "सामाध्यक्षी श्रीस्थ " सोवन है। और शतर

प्रकेते कारा साइन्डाफ शोपलेको सकता है।

स्त्र असको राज्यनिक कामको श्रीपेके वन वर्षों करणा नार्वप्य, स्वामें वी साथ द्वारम का बात है और विश्वपेक्ष मेन्द्रा कर भी बाती है जो है जारी नगरविक्ष में विश्वपोक्ष मुख्यून विद्यापतिक बात्रसरण रहा दिना बात करा कार्यापत । देवती विद्यापत्ये, अस्त्र कार्यों कर के ब्लॉड सामको संस्थापति हार्योक्ष केपास दिना सा करता है। अपित असर विद्यापत्रकों हो स्वाम्य साराम्य एक हैं वी स्थानकर निकंत्र प्रामेक्ष की दान स्वास्त्र रहा स्थान

न्य भी कर्मात है कि कार्रजा क्षमजा वासमा और क्षा क्षमणा वार्मणा क्षमित का निको नक मी प्रम बात हुआ है कि पुस्तानक विदिश्व भारतीत अपन्या एक क्षमण्ड किए बातमीत नक मी नक रही है। मेरी इतिह कम्मणा है कि भी कोंधी तथा कर्मक तामी स्वसार्थ नाम कर क्षेत्रमण्ड कृति हैं, विस्कृत किए कर्मित तमी बाह्यरीत तंत्री किहा है चौर क्षाता तथा क्षिता है, तर पुष्टाहक स्वस्तानने पूर्व सम्भाव मास करें।

**गॅम्ट**क्सिस

निस्टन अमेंस्न झाँक वेडपीई २६ जनम्म १९ ९

[बंदेशीने]

नमं 🖦 गोपीत देन इंडियन चेट्निय हार संग्रम मानिस्स

### परिशिष्ट १९

#### बक्तकाः गटाल शिष्टमच्डलकी तरफसे

म्मळ १६ १९ ९

में भीर मेरे सभी प्रतिविधि भीमानको पन्थार को है कि मीमानके बाग बड़ी होने ग्रीका अच्छा सिना। मिस परम्परे राग मोर्ग जाने हैं बह बढ़ है कि हम कर कुछ कर्मार करोंकी भागक सामे रहीं मिर्ग हम नेपाल क्योंकिसमें मीन रहे हैं।

का परन्यों किन मानगोंका कर्कात किया गया है, कामें से तीम सर्वीका मानगोंकी कीमी पर्यो मानको प्राप्त मेने को कर परन्यों का ही को है।

मेराक्यों विशिष्ट मार्गान नामारी पहुंच हो नहीं है। ज्य हात्रों कानिकारीई कुछ विशिष अपयोग नामारीई मी क्या है। उनके निहित्त व्योगकर वाँद काने भी सुद्धा को है। व्यक्तिक १५० के बरामा कानूनों हुं कान्तिकी उपनान है जिस केनी प्रशास करियादी विशिष्ट मार्ग्यमेंकों कराना देश स्थान बराने अपने जिल्हामा करनेन करते थे हैं है जाने स्थान कार्यों कामारी स्थान हो अब करने हैं गया है। सर्वोग्द अस्त मार्ग्य किम मार्ग्यका ज्ञा है क्यों दया हो नामारी हमार्थी कार्य हैत कराने जागरीयों ने की क्या है हमें हो असे बराई कार्या को स्थान कराने हमार की स्थान हमार्थ कराने हमार स्थान किमार किसो का क्या कारण कारण कारण कराने विशेष होते हमें

भी बैन्सकेटा, भी का ठाम कामिका क्यों ने साथ शिवाल व्यवस्था मोले स्थित मोरार बार्यस्था भी थी। यह विरोध्या भी कार सावनारों पोता क्यान सित का है। व्यवस्था कर्मिका मोलकों में साथ उसके उसी मारा क्यान स्थान क्यान स्थान क्यान स्थान क्यान स्थान स्

पुष्प सूरोतीर माराविरोंकी वसने का विकास है कि भागायें वह वेदेशानी होने बाते वाहे हैं। का विकास केका पान दी नहीं कि सार्य को कुछल केवीं। महिलाबित कुछ दी तका माना बाता है। वह विज्ञान केवार पाने व बाते-ती है, का तकार कारी पानवानी है। बाते जाताओं सार्वीय विरोधन विज्ञा का कारा है। वे दूरोति काराविर कारित नकी हो वाहते हैं।

हम देशे अधिकारक कामूरीके पोक्षाते को है कि बमादा माध्य करीक करेंगे करका हुआ है— बार्कर करूत किसे कर्मक्रियों स्थित कामें हैं !

िर्दित प्राप्तीय भारती मानि करियो हैं, क्ष्मर भारतीर किर युवारें करते हैं, वर कि हैं हैंयें मारे भरा करते हैं, मारे । क्षेत्र वीदागर करता गर्म करतीय यूरीनेव मानारिगोंसे करियो हैं ।

नेहानदी हाजी लगता हैव कर किया है और हमेंने से वर्षित करनेने पारत हैना भी वर्ष है। हमें उन्ने मरेनादी बड़ी ही किया है। करीने कहींने समय ही परिच्न खर्मिन क्षार्थ हमानिक उन्ने कराने हमने उन्न विकास बाहार बाने सामेरों मही करा की है। वरिक्रिक 403

में est est क कि इस राजनीतित संदानिकारणर बहुत और नहीं है रहे हैं, कामोंकि भारतमें क्षेत्रे नह क्षिक्रम का मिन्न वर्रोक्से स्थित हुआ है। क्याहरणक किस जारहा चित्रश विशेषनका मारवार स्वतिस्थ चौतिकर था रचारित गोरीय सहस्य गा. एक गोरीय जनस्य था और नगरपारिकाडी मोरसे सम्बोधी विशासमध्ये पद सरको निर्माणना किए चनामाँ मत्याता पूर्णा करा था ।

बार बानको किसी सार्थ विकासी अनिमार नमार्थेस मध्य ही पूर्व है। बोल्ट हुआ बीर शाने कारी विशोधके समार हान्ते होक्किक्टर कर गरिया किया । हराव कारणा का कारण हो, हम हमला कारणामें मानिक ता भाग सामानोक किय तैयार रहे । विक्रणे बीमार सबके बीरान मनेक मारावर्षकालीने द्वारा कीम सक किर के किन्नों करत करी संस्तात गोर्टीन और ऐसे कीगोंने भी फाला करना था की निर्देश प्रमा नहीं है । स्त्री भारतीय सरगर्राजीको ध्रमारे समाजन हो। याज्य निया था । मेरिस्स्त्रमेने हमारे यह राजी प्रतिनिध जी यामोह सामानो तथा क्षत्र कोर्रोते क्षत्रका सरग-पोत्रण किया या तथा क्षत्र कोर्गोदी सी सत्तर की थी । क्षत्रियों हमने स्थानतान्त्रोत से बीते भी महत्र हमी नहीं धोंगी, बौर कांन्स कारार्जन मनर भी निर्देश. सी॰ धर की है सार्वज्ञातिक प्रथम संभव अधीय की व

क्रमीरेक क्रमांच्या करत क्रिके रहे रहाता विशेषों और आवर्ष बराल बरलंडी इमारी वर्रिकारिक वस्त्रक

कीर की लाल सकी तक करी हैं। को है।

माम्बोकन बदला बनारा क्या नहीं है. क्लेंकि इस वैद्यारण स नामारी हैं, और इस वा मौनो है यह है क्षान नाम । यदि वह नाम होते का भी नहीं दिया गया ता हमारे किए वह बहित होगा कि नाम कीमीसे समा पद सम्बा परित होन्द्र ।

इस माने इस राज्यका और बालून मानन्तान केल हैं, और धमारी नाब्यका है कि १८९७ के निवेता परवासा करना (डीवरी कर्जीन पंचर) वं १८ में यह पंक्षीन्य वह दिया कर । क्षत्र किर हमारा हसका करेंद्रे

सर्वतक्का नामारी शस्त्र ।

१८९५ के निर्दागरिया जनायी काल्यक संदर्भने चिंशन है कि मार्दाल सम्बद्धिक भागमन्त्रे वृद्धे नेरासकी हमा दिवाविनेदीनी भी, जन्म कक्के बारेके बाद सबदि होने करों और शक्दी वार्निय सींप प्रध्यन हो तहे । क्वनिरंहके हाक और कारण छा। क्योग काले अधितके किए वह उठके राज्यतीर निर्मेट हैं । सक्य कारण मी सरावामें दिया गया है । निर्दानकी समग्रीत बाद, और बाल बीमका सबसे बच्छा समय स्वतिकार दिस्ते क्या क्रमेंद्र बार कर तथा विमाद विकार क्रिमे निया कर्ते सावाया व रिकार वर भरा वर्तक क्रों बकायों मनपरित ही बादी है। शासरों कर राविनार्शीय किए सबसी सीमा १४ शास है। यह बोरीके साथ मी नरवल किया माठा है वह नशानह होठा है। मार्मिटेक्डा मानवा स्पन्न क्षाब्रहम 🖟 करूने करने सर्रदान मानके क्या हो कर देशा या और भारतकी सम्मानका त्रीप विमा था कि हो. की केत दिया है।

at stand at an execut and T. was mile severi for our b :

हाकत्र वेदरक सरदानि वर्जीनी किवास यह हास्तासन रोड क्या थी है । अब देशा कोई क्या मिक्टो १३ ली पूरे वर किने हैं। सामारी सूचनां नहीं वह सम्हा। वह नह नातपुरवह धरितवह दिया नहा स्टीब है. जिससे कियानों, को देख तका समाज बोलीकों की अकाकि किए जिसका आतरपट है, प्रदेशर कर रही है । न्तरभा का स्थार को है दि विकास का तरह वीमित दिले मानेका विरोध करें।

मनाही प्रतिकालक कामून भी लढ़ जन्मान है। केना कीई भी दिना वाला क्रम वा बहुन, क्षेत्र क्रमते मारामि हो। नहीं परे इस दिशी भारतांक समा नहीं एह स्थारा, और यह निहेन्स नहा कहा पूछे हुन्हें हुन्हें ही कार का मार्गानीयाक ताल बाबद कहीं पर ताले की करेंद्र पाकन कहाँ हैं। का बच्चोंद्री मीक्ट्रपीने हो होंदे हाति हो हो भई सही ।

भीर भी मनेड करन हैं । बरनु हकी इस बहुत ही हरशनीरारड यामडोंदी ही निगमा है । मैं सब मेरे सभी प्रतिनिध किर बदमार कोई बहोसाडो कमान को है कि बामो बीरको साथ इससे सकारा की बीर स्मारी बात हुनी ।

44 ति:एक्टर जन कर करिन परिस्थितों से परिक्ति है जिसका धम सेराक्रमें सामना कर रहे हैं । इम सकता-

रकेंद्र माशा करते हैं कि मान क्षेत्र करने कोगोंक किए क्षेत्र समेदा हैनेही क्षा करेंगे । वस अकाष्ट्रांत का भी क्षण्यक कार्यरूपे नेताको अधिविधियों ही तरफ से कोई स्मानको नेतालाची करफ

स्कारत देनोंद्र किए क्लान्त दिन। । नेप्रकरों इसे कह कारमार से प्राप्त पढ़ तार की कोई महोत्त्वकी करकर समावा करा । अस शारमें क्रिक्ट

मन्द्रका समेन निया गरा था ।

गुरुपदालंद अन्तरों भी नन्दरू बाविरने नताना कि में नेप्रतबंद तीर्थोंद बीच २५ रूपी भी वर्षप्र समय से प्र का है और रहे अनेका है कि एंग-सरकारने नेकान्य विक्रिय भारतीनोंको को न्यान नहीं निरू स्त्रेणा :

[बचेबीरे] शैक्तिशा व्यक्तिस रेक्क्रेस । १७६/ ९

परिज्ञिष्ट २०

एम्डक्रिस, क लीर स्मत्सके बीच पत्र-श्यवज्ञार

(१) क्लरक स्मरक्तं नाम काँवै ऍम्प्रिकका पत्र

मनकार १९९

एम धी। सांग्रहिमा

क्रिक क्षत्रक सरहरू.

में इस दोसदर बाद जी कॉबीटे जिसमें जना था। मैंने करने आपना दुव्हानीने सन्दुन्तर बाद की केंद्रिय करों कह नहीं बडावा कि वे इसका पालके हैं। कि राजा कि जाने निपारीकी होते वे बडावे ही प्रमुद्ध करता करनेवाचे चौर इस है जिसमें भार भारती शहिते हैं। हवारी वस्त्रवीस हो हरिस्ट कार्स सर्मे हत्त्वे सामारिक, रामनेतिक, कुलुनी और वैकिक—अलेक हहिकोनने असार निवार किया । पश्चिम में समारित के ब्रोप विकास बीचर का नवा ।

जी गांची ऐसे रिजानके किए कह रहे हैं, जिसे के सारभूत मानत है और क्योंकड में समझ सज़ा ह बैठे इस बच्चे ज़िलाी-मणेड एक्ट्रेरिक या गार्किक विद्यालीको वहीं बोब सब्दे वैठे ही है भी वह दर्बाच कार वहीं कर स्पूर्त किसे है सरभूत और नक्सोनिक वानते हैं। बरनस्क दी हुओ देशा बगता है कि बनेंद्र देशा बरमेक्ट क्षमण्डला और मी इस है। क्लेंकि इसमें बहुत इस और ऐसे हैं जो देख दिसी अलाज सैस्टिक्ट भया करनाम प्राप्तका गार गा का के उत्तर हरण पहुँच का बार रव है या बार स्थाप करना किसा करान है है। और विकोद अदिहार प्राप्त करोने किस स्वैतन्त्र वीक्शन कर हैं । वह बतानकी प्रत्येत किसा किसा क्षा अवस्मा है। सर्वेदे तक है वह नकी बनारामांक जनमा करिन्दी दोई इसरी बरावर यानार ही नहीं।

क्ष क्ष्म में भारतो यह द्वारा मूँ यो नामा है नाम को नेरी जनक्तार देश व मानेरी। साम मीum artife मिन्द तैशार है, क्ये मनाध्यामक गरिनेडिमॉर्स क्षेत्रे स्ट्रीशाओं क्रिने मिना करों स क्या है 1 स्वय सार कर्ने सारक्ष्मों ही सही, जह चीन के वें क्लिस्टी के मींग कर हो कै⊷ जर्माद १९०० के करून ९ का u क्रिया कार्य और दर साम कामसे-कामा क्र मास्त्रीमीचा कार्मी किएसियें कार्मे कार्यन ओव --- सो का हार क्यों सिख व दर देंगे है कार पेता करना अधित हो तो विशो मी हाक्टमें----अनीय, चडे अनावसाद प्रतिनेधी सनुद्र हों वान हों — मल कर क्यें थ बार्ड । का छारते थल बारते कीरोंधी मानीकाको कर ar हैं। और भारेंद्र क्ष्य कारि सामान्य-सरकारको मारागें की शतेनानी विकासर्वोद्ध कारतर स्थान मी तिक वालेगा ।

ब्या में यह बदन जले कहार जलही ऐसा कार्ट क्षित क्षानुसरे क मार्कालोंक मोकाडी सीचित व्यवस्था हो है प्रतिकार " एक्के

स्त्य समानी प्रक्रिक्य अमृत्य का छ्यान्य है स्वक्ष मेत्र पर हुने कुछ दिन करने नामहो है वर्षक सहावा था। केंत्र स्वक्ष क्यार्थ यह जारा चार दी है, क्यिन हुने क्यार्ग है वह क्यार्ग है वह क्यार्ग पूरी है जारी है। मैं बारके स्वस्य विकार करावेंद्री धानेना करता हूँ। बार्ग देखींगे कि क्या स्विक्त करेंद्री को स्वाप्य स्पे अम्बिक्तिंग क्योंगा के स्वाप्य वर्षी में हा व्यक्ति है क्याराज्य का स्वत्य क्यारा को स्वाप्य क्यार्ग है को अम्बद स्वाप्त विकित्तिंग क्योंगी हो सामी है। व्यक्ति है क्याराज हूं स्वत्य बारका कोस्त्र विक्कुण पूर्व हैं।

इरवर्ष कारडा,

क्रमानिक व्यक्तिम रेक्क्ट २ १/१४२

### (१) शाँड क क काम कॉर्ड वेंदरिकका क्ल

भारत १६ १९ ९

जिल कोंडे ह्

में भा-तुष्ठ निय रहा हू पर नगर नगरी मैज दर्गके को ही दुर्श क्या गरेंगे । पन्ती असर बर्स्स इस मेक्सर किय में क्या-मानी हैं। नगीं नगी है कि शांतिये किया नहीं कहा।

र्कि कुन करना महान और भी क्षेत्री ॥ कारी वानचीन की । हात वह केराज बहुन निष्ण्या हुई कि "ब्रॉवेडर के मानामक अन्तर (मेंनीके विनामी कहें मान कारन स्वी है। बाव कोई क्षित्र निर्णामी कारी माना करता करता मिला है हि हुन कारता तरह करता के कारण आहें हैं। अपने कार कारन कर करता कि है नहीं कर दार हूँ मान तम वह कारी नहन नेन दार हूँ। अब यह कि वानीवारी करता कार्यमान क्षित्र है। कि हमते ती हाता दि है है मेंने कारों है जाती है भी वांची और क्षण्य राहमूल की मानामान करता है। कि हमते ती हमता है।

नव भूषि यात्र करनी वारकोराहा कारीसे त्रका था है स्तर्काय में बाहा। बरणा है कि प्राप्त मेरे सुद्धाल निकारक कराव्य न काल करेंगे ।

में बहुए जिन्हें हूं कि बह कीने अने एवं किए बाना पहिए। जान रिकट अपके सामने समारी प्रात्तारों मेरे पान नहीं जान है ।

में बदला हूं दि लेंडरनतमें बेहिन वार्तिया विशेषक दीहरे बाक्येत अक्काप्त "कार्यात" के इसने की बता नहीं बाचे वह वह ही दि कर्नन मीती भारती भारत वह बीवना करें कि सूम्याय-अक्सा लेव अवस्था वह उपाया तिमनेगा निवय दिवा है वादि बारतीय पंदित अधिका स्थे कमारी सुद्धी कराने दिया के रहें।

बर पर मोध्य दाय दि बद यार वर्धन सम्बन्ध एतं शुम्मतम्ब मान्येत स्थ अविद्या सं विश्व स्थ दिव यो वो उर्दे निदेश माध्यमेत कृते स्थ मार्थित, निवान्त कृत्ये ही सदी, प्राप्त दे । बता या स्थान्त कृत्या क् बावधी मार्वाच मित्र बहुत बदी बस्मार्थित यार म हामी और बता बद कर्षे क्षण बाब्य क्षण स्थान दिशक्त बार का बढ़िन परिश्वितों से परिश्व हैं किसता इस सेदाकों सामस इर से हैं। इस सम्बद्ध

पूर्वेद माहा करते हैं कि बात होंने करते कोगींक किए कोई सुनेहत हैनेको कुता करेंगे । सर प्रसावनात्र बाद की भवाक काहितने वैद्याको प्रतितिकिकीयों तरफ से कोई प्रतिकारों नेकरकारी नेकर

प्रकारण देनेक किय कंपणार दिशा। केरकमी हुई पत्र जामसमा से मात्र पत्र तार भी कीई सहोदको प्रकार ग्रमां करा। वस तारमें कि

सम्बन्ध सम्बन्ध हिला न्या था । सम्बन्धानक बन्दमें भी अन्युक काहिएनं बहामा कि मैं नेपालक कोरोबि बीच २५ वर्षते भी व्यक्ति सम्बन्ध सम्बन्ध स्था

सुक्तातकः व्यवस्थ भी व्यवस्थ कारियां बयामा कि ये नेताकक कोर्गाक गीर १५ करेरी भी वर्षक स्था से पता हु, बीर सुन्ने व्यवस्थ के कि संग्र-स्थातरसे नेताकक विशिक्ष भारतीचींको कोई मध्य सुन्नी सिक्स स्थाप ।

[क्ष्रेक्षेत्रे] इंक्ष्मित्र अधिक्षय रेक्क्ष्मेस ३ १०५/ ९ एम सी वांगिसना

परिक्रिष्ट २०

ऍस्टहिक, कृ और स्मदसके बीच पन्न-स्पवहार

(१) क्यरक छार्छके गान कॉर्व ऍटव्रिक्टा पत

7 25 S 250mm

प्रिम्न सम्बद्धः

44

में इक दोक्दर नार भी जांगीड़ जिल्ले गया था। कि वजते जालके कुतालिक ल्लुसार वह की केक्ट्रन क्ष्मीं कह नहीं काला कि वे कुतान जाली है। कि पता कि अपने निकार्यों इतिहै वे अपने पी एक प्रत्यक करनामें और हह हैं जिल्ला नाम जानी होतिये हैं। हमारी शत्यों तो वेटक जाने व्यक्ति इसने व्यक्तिहरू, उन्होंनिक, पानूनी जीर मैडिक — मानेड होतियोगड मक्तर जिला किया। बाबिक मैं उन्होंने क नारोंने जिलाहरू होकर जा जाना।

का मैं वह दूसम नाले बहुद्धर भारती देखा जात तुला सदला हू नितान "रंग-कुक्ता महिला "रंग

िया कामनी दर माराजिनिक मोतानी तीनिया अन्तरना हो तके?

एक राम आधी अधिकाम कामूनि वह ध्योनमधी नाइम कि यह हूं भी कुछ दिन जाये नाइसे भी पहेंके द्वारात था। कि सम्ब कमने यह मारा मोह भी हैं, निस्ता हुए कमा है, अर स्थाद पूरी हैं। वही है। में मानह रहार दिना इस्ताह भी क्या है। यह कि स्थाद परिवास में में एसे अपनित्ती देशींकर नेदान नहीं हो। मीट करायनादी मारते मा देशी है। क्यों है मो सामर मानी दिनीनीन क्योंनी है। स्थांत है। म्यांता ने स्वतान हु सहस्र मारता मोहन निम्मक पूरा है।

सामान्यक एडिप्रोटाने को बीम श्रेस रोधान और विभिन्न करती है, यह है जम्बाद निरंध गारतीर्वोदों सामान्यक मिती यो मानमें बालेचा सेवारिक्त एवं मेश तथा है। इस सेवारिक्त इस रिक्रार्ट इस एक्टिंट इस्प्राम्बर्ग की प्रीप्त और बालेची संस्थित करता की है। इस रेक्स क्यार्ट की सह निर्धेन्यकोद्ये रामार्थी स्थापित करते और एक्स देवनावती स्थापनावती स्थापनी बीजीवा कहा और स्थाप मारी कारीने पर नामेचा । स्थापनावती स्यापनावती स्थापनावती स्

क्षांबर वास्त्रा.

क्योतिक व्यक्तित रेक्पीतः २९१/१४१

#### (२) अर्थे इ. क. मास कॉई गॅसप्रिक्टा कह

अफ्टा ११, १६ ६

क्षित्र क्ष्मेंचे स्

में बो-कुछ विद्धा एक हूं का कार जागतों नेका राजधेन क्यों तो छुठे क्या करेंग्रें। पनतों उत्तर क्रांस का नेकाल क्या की स्थानमानी हैं। क्यों कारी हैं कि सामिता क्यों कारा।

सम पुष्टि मान करनी शतारोक्दी बोर्सिट कमा रहे हैं, स्तकिय में माशा बरता है कि झानद मरे हुद्धान विभागक अमी-म म बाल पहुँगे ।

ने बहुत निर्मालक हूँ है। जह सर्विन प्रथम तन विन्या भागा व्यक्षिए। अपने विकार भागक सामने रक्षान्धी व्यक्तान्धी मेरे शहा वहीं मान है।

में बारणा हूं कि कोक्समार्थ पहिला बार्किय विकेशके शीको बाककी बारमाथ "कार्कास" के बारमें बी राग बार्डा भागे वह वह दो कि कर्नक शीको भागती भीरत वह बीक्स करें कि सुन्ताल-मान्याये स्वास अमार्थ यह स्वारण निरामेश मिनन दिला है, ताकि आस्तील स्वीदन बारीक्स तोब बाकसी सुर्धी कार्योंने निराम के रहें। दन यह ब्योग्न बीमा कि वह कार बर्कन सरकार सार्व मुख्यालक सार्वात स्वा केन्द्रिय से स्वीता हु

दिन का जो उन्हें तिर्देश तातास्थान सूत्रते तथ मार्थोने शिक्षाना करणे थी तथी, मात्र हैं । तथा सा बोक्सों सकता सामग्री तरकारत किया सहुत कही नेपालमंत्री पता न बोकी और तथा वर्ष बीकों सहसे बोक्स मार्थी त्रार्थित स्थाना

#### सम्पूर्ण यांची नाक्ष्यव

भाग मात कर कार्य करा सर्वे कर सर्वे को में राज्य का मानकेने कर स्वक्त भी कराया वा वीक्षमें सहया किसून कार्य कराया ।

> इतको नाम्ब्र, गॅम्टडिक

क्रमेनिक चेन्द्रित रेक्ट्रॉक्ट २९१/१४१

(३) कॉर्ड गॅम्ब्रिक्ट नात ऑर्ड क का पन

योजनीय

444

जनिव प्रतीम भारत १८.१९ ९

कि प्रसीव

मैं भी बन्दर करहा जीर भी पांचीचे निका हूँ। हुते काला है कि बन्दरे क्रिय चैदानिक स्टोन्स्स क्लेब दिना है, वह निक्षम हो मौन्हा है, बब्दी का इदिनाई, सम्मा है, पुनिवाद व हो। अस्ट हम ब्रह्म मंत्र कें बीद का मानना क्षेत्र हो कहता है कि वो भी स्टार्मेश होटा करने १९४७ में

बारमु व को राष्ट्रमी दो रोगी हाँ. हो निमावती गांत हिन्दें का या बारती है कि लिया उद्देशियों होंक उपने हर बोक्स कार्यामिनों कार्या है कर रागीय मांत्री में हिन्द कार हम कर वाम के कि उन्होंना उपनि क्रिके कार्या पेटे कार्योंक्ष कार्यामें कार्या कार्याम के मिला वा होने हो देशा कार्या है के इस अदेखते पूर करोक किए कार्या कार्योंक्ष उन्हांना है किया गण्डाकों देशी कार्याम कर की बारे, पार्ट वीवार्टी कार्यों कार्यों देशा विद्या परिते प्रकार है किया गण्डाकों देशी कार्याम कर की बारे, पार्ट वीवार्टी कार्याम कार्यों के सिंदर कार्यों के बीच की बीच की बोच की बोचे का बाद हो। कार्यों के सिंदर कार्यों कार्यों के बीच बीच की बोच की बोचे की बाद की की कार्यों कार्यों कार्यों की बीच की बीच की बाद की बीच कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों की की की कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों की की बीच की बीच की बीच की बीच कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों कार्यों की की बीच बीच की ब

परिके अन्तर्पत ही जो पार मानक महानिका कानीय को सीने प्रश्नित व दरेगा। है पद नहीं हाजा कि समाप कारह का मानक सा कार्ड किन्दी-कुन्दी किही पान नावनर राजी किने वा सबसे है जा नहीं है कोचे पानकी जीवा कर था है।

क्रको नलाः

.

क्वेमिक ऑफ्रिंग रेजीय: १९१/१४१

### (४) कॉर्ड क के नाम कॉर्ड पॅस्टिक्टा पत

ोपचीन

करत १६, १९ ९

स्योगे ह

th हो दिन पत्न भारतो पद रंग किया था किसा कर वाले वक्त प्रमार्ग ह वर्गी और शरो हासर स्थार दिना है, क्या आरही कनगणकरूप दी शब्द ।

में जिल्लाचंद्र कर नहीं का सरता दि को हर मेरे हुआता है को बारतीय का दर रूप मान केने दि नाने और गाँच न बर्रोग्स करन व वें । चेंद्रि में मधित गणरूपी रिवरिये नहीं हा सर्वाच में हम प्रत्यक्षी तं तार्वाद साम्ने व रक्षया । वेदिन गरा बनाव व्या है दि कार्याव समाव सम्बद्धः १६ वेद्राते संबोदा समाम बारनेका कर साम्ब मानकर मेरे हक्को अञ्चलको स्वीवार का केया । अधिन की गांची बेसे कोम दी कर बारके

कर भारीको समाप्त अनते रहेंचे जिसे व मान और भारिकार यानी है।

कर्ताचे. मरे क्रमानने, नर्ति बोक्रेन्स र्तम-बोक्टोंची क्रमतीकी समक्र मही दिया का स्थान, इस बारण समक्रत कर्मकर बोर्नेको सर्पात केरेरे दल बाँच केर जासकड नहीं है। नक्कामक महिरोकियों मेरा बारे-पानाने हैं । इनसाम स्टब्स कार सदस्ये कमद कर काहे कारधाना प्रतिरोक्तो व्यावनीय का विसी सी अन बर स्थारी है । स्वर्निय मेरा ब्लाम है कि बनार नार मेरा स्थाना हवा स्थानित भी दांतीने बस्तरीत विने किया नामी मार्वेति काम करें हो बेसी रिवर्ड वैदा हो बालेकी बिहाने भी वर्षना नामी विन्नानोंकी लीके मिना स्टिंग संबंदि हान बॉन स्टेंने । केरी रिवरि वे क्वीबार वह कैंसे । मैं कारे देशा क्रानेदा कावा सिवर ही यहँगा और भाने कोई (मॉन) करोगे बनाये खानका न कुँच । कानका में बनाये बाद भी बनाय हैं कि करता उनाच मार्ग मॉन करता लिएक केवार है। जनाव केवा स्थार को था बाता और देशी स्थितियों हैता नहीं हो नहीं दि इविन नामिक्रके व्यक्तिही स्त नीर पूरा जाल है सहें ।

> हरको गास्य पॅस्टहिक

( बंदे की है )

क्वेनिक वर्शन देखेंदा १९१/१४१

### परिक्षिष्ट २१

### नेटालके प्रतिनिधियोंकी मोरसे बाइसरॉयको पत्र

श्यामित्वर पैक्स होम्स ४ विकारिया व्याप्त कादम वस व्याप्त समास २० १९ ६

तेषापे परम्बेड बाह्यप्रेंच, महोदन मारा काँचै सहीदन

हमं दिमंग बादर्थ चामा विमी-हाष्मित्री वार्तित प्रमाने नेदानाची देवमानांकी किवानांकी स्थितनंकी म्ह प्राचित्रत नात्म मेन्नेची पूष्टा की थी। म्य ब्हा विषय वार्मीक्ष्ममध्यी और आउप-मानेकी विश्व पार्टी विश्व पार्टी और वार्टीक्षक-मानेक क्षेत्रत निम्म बर्गय क्षा का है, काबी १५ कावीं केताने मार दो हैं।

हम बारते वर्ग मेरा है कि बात स्तर जारी अभिनिक्ष ताल आराजुपूरियुक्त विचार करें और स्र

स बारस नव नव नवी व इस बात स्वरूप करना छान्य का छान्य पुरान्य क्षित्र पुरान्य स्वरूप इस वार नव सामक वित्र व्यक्तिया करियारी कोच्या रक्षण वे नेवी करिया वर्ष । विद्वार महामित्रीय वाच्या में मेरकारी मारकारी वासकी कर बहुत मारकार्य सिव्या वे। वर करिनेक्समें करणी

प्रिचित नार्योक्षीय वन्त्री जियाको बाताचीय कर बहुत ब्यावसूर्व दिखा है। इस बर्धनेक्षय कर्ष स्त्री-पत्ती बातारों बीट क्या हित है बीट व व्यावस स्त्री क्यों है क्ये क्ये हैं है। उनकी स्वता है क्या है, क्या है स्वता है है व विद्याधीया समृत्य है क्यें नेक्स स्वता है है क्ये क्या है। और का क्या है, क्या क्यों क्या है। क्या क्या है, क्

अगरतन अगर करता है, जनगान है। बैसा कि सर निकरणने अगर होगा, अग्रकों हमारी हसाहित संग्री का अनुसरी का करोती होड़िका की पा रही है। करामा-करनान जनगड़ाने और निर्वालय अगन्य हाटा परिनारि हमसे हमसा जानार क्रीना सांस्थ

रही है। ज स्वरहान-कर्युक्त क्यान्यार्थ भीर विश्वंत्र क्यान्य द्वार सेश्वेत हाओ हारता क्यार्थ होता वा रहा है। इह स्वरृत्य कराया व्यक्तिकीय और काले क्यांन्यायोधि से जुद है है हाओ क्यार्थ्य होतार्थी है, इस्ते वा वो क्यार्थर क्यार्थ हो वा व केश्वे क्यान्योधि क्यांन्य व्यक्ति क्यार्थ कि क्यार्थि क्या क्यार्थि क्यार्थ्य क्यार्थ्य क्यार्थि है। क्यार्थ क्यार्थ होता काल है। क्यांन्य क्यांग्लें क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ होता है। क्यार्थ क्यार

ल्लीम दबरे जामें मेंन व्यक्तिकर्तिक कार्य वहीं पाता-कार्य दबरे पराक्ष्में कर्त हमने वहीं कर्ता और एस बराम्य मात्रव वहीं करती हि सेवान्त राजागरी हमारे तहा पाता कर करें हो दिर वह विदेश है कि मारेनीक देने निर्देशी यूर्वों पाराच व्यक्तिक क्षेत्रके कि कारण कर दिए। बरेखा । [स्त न्यादारी हुए करोके किंतु नेराक्तामारीत हालों यह वीचा बरात है। चौर वह है। यह स्वाप्त कर कर्तिक कराया नहारियों और परार्थित मानुसिक एक माराच व्यक्तर कार्यक किंत्र महोते के हो हो स्वाप्तिका मानुसिक वी कराया महिलों कार कर नहीं या मात्रा है। उस दिस दिस वात्रव । यह वीचे मात्र वात्रव मारी है। यूरा करें हुए हसे परिक्रिक \*\*\*

कोई कोन्से को प्रतास दिया था और अम्लिन को लीकार कर किया था। काना दी नहीं उन्होंने नेसकोत सरिकारियों कर सरीका भी देशा था जिसमें क्यां का स्थाना की गई भी कि गर्व ( माराजितियां विकालगेंडी बुद कहीं किया गांत हो [श्रीका] कार्रवार की जानेगी। इस जार गार्टी कि वह सारे विचार-विनादीका नवा गारीका मिकार । क्रिकार्ट पर करनेका का बाद भागातम क्षेत्र नहीं दिना गमक अपने बमारी स्थिति तमसे और माजा किएक को गई है । बहरूप, पूर्वोच्छ बहर्रशाली और सक्ता बह वी गई है और क्लार कमाना निर्देशाओं नाक किया का रहा है। इसारी केविश्वक साकरिय करमर कसी थी का रही है और विशिध अवस्थितक निरुद्धक प्राथमिक समिक्योंक तमनोक्दी स्त्रित भी वस कानियाने प्रमारी दश्ती ही सकरेंगे वह वर्ष है ।

इसकिद इस प्रजीना बाता है कि बाप स्वारित्त पेती कार्रवाई करोची क्या करें जिससे की नेपालक सक्तवारिकोंक कवान्यरपूर्व और कवान्यर्व व्यवहारसे रावत विकेत करता था ता वर करेगाडी स्टिडिक किर

सम् सामान्य-सरस्टाटक स्टाइनकी भी सींग क्यें ।

परसंबद्धक महास्त्रवी सेक्ट.

(अंग्रेजीमे । इंक्टिंग मंदिल रेड्डॉस १७९/१५४

# परिविद्ध २२

# क बौर गांधीकोके नाम साँह ऐंस्ट्राक्तके पत्र

(१) गांकीओंक काम आँवे वॅक्टविकका पत

निवी और गोशनीत

भन्नत्त हर १६ ६

तिवा भी दांची.

हमें नारका करना रह मिन्न तथा है और हहां हर बालपोर्ट नारको नाथ हम्बर पत्र किंब हेना था : नामी रावत्या सिरे भी किंतु नगरमात्र किंद्र मिला है वह कि नहीं केंद्र है। बेदिन में नवकारोंने देखेंगा चौर मन्द्रत होनी हो का करने पढ़ वीच बोच हुँचा । त्यावड़ में बावड़ों का बाद हो विका है जो समें हर इस्कार्न भाग हमर विश्व केरी थी।

दृष्ट प्रभार रहते बनारक कारहादा कर यह फिल था. जो क्योंने काची स्थानतील वाल कारोने विकास था। क्योंने शक्ते फिर न निक सकतार संद अबद फिना है और बच्चा स्किनों दक्षित दिया है कि क्योंने वोर्ड क्षेत्र समाने क्षण मताल एक हैं । हाते गावता क्षणा है, शवताव के हैं कि १९०० का कानूब के समान बर देवा वाचे और वर साम बाद सीमिन संस्थाने विक्रीता भारतीत आरोपियों हो काची निवालों स्टिसिस्ट बारी किसे बार्से । केकिन बीमुच्छ करोति कहा है कहते हुत्ती तम है कि दे "वारिकार" के उस्तमर हमारी बार्स न गार्निय । कर्क में क्वान पता वा और मिन्न कर्ती हताति की है हु ते हरूना चेंद्रप्र सम्म प्रीम किसा । की भगते कहा कि का कार वा ना है का मैं कार कारण शोके किए का सकता है। कोई जू ने नहीं का पत्र नहीं पता पर जो कहें कतक संस्कृति किया है। सरकिय क्योंने संस्कृते नत्त्व्य देशेने बार्चित ही। करोंने काता पारन वर्ष नामा (और गंध रामान है, वह निवृक्त और श्री है) कि कारन संरक्षते शावर वर्षिण माविका चुंच्यर थी बोक्या करती प्रांगी करतर वर्षणी चर्चा करना ठीव न होगा । मेंने मान किया कि वह विश्वक जर्मित हैं, केंग्रज़ वह कामा कि नाथ करायी जरीया कर रहे हैं। नास्का स्मान पीमती है भीर नामको का देवने महीकाने रोक रकता और नहीं होगा। एन वर्षेत्र के बाह कि वे नामको स्त्रीत 444

करें। कि बार कर करने ना करती चारत करन विवासके किसी एराकस निक हैं। मैंने इस बारसे सहस्थी सहस् को कि बहुरने करावा कुछ करों मिला का सकता । एवं इसने बूरे अक्रमर निकार किया और मैंने - व्यविद्वार "के प्रथम कर्य हो । केंद्रे के मेरे का कामते प्रमाणित हुए बान पढ़े कि मारतीलोंको साजानाके किसी नी मार्की बानेका मन्दिए कासी-का रिवांत-कार्ने सता वी त्राव रहा है और न्द्र चरकी नार शुन्सनकरों 🛍 बीच ना है। भारतो सरका घरमंत्र किए हे नकर विरिद्ध है और कावा सामारण स्था पावेसे कावा स्वास्त्रकार्य था । सर्वाच्य कार मान करेंगे राथे किये तो मानके किए काली रिपति एका वरलेका वस्त मनका मन्तर है । बार एन बरना बारणा नाम है कि बात रीडानिक विश्वारक किय बनावासक महिरोकती बारी रहनेंत्र कि वेरे हैं वा नहीं। केविन मैं हो का बाह्या बरहा। हैं कि बात इसके किय वेरे हैं ऐसा करन्दी न कर्मप्र क्वोंदि जारदी बीमकी बारिए में दल संस्कृति समाधिक किए विकास स । अस्या करूरा कारण का भी है कि नाम सम्मानजी सारिए नन्तर कामी कर चुके हैं। १९०० के कामून २ की मंख्यीरे भारती यह कामी हैरी कीर किर बारेगी । यह रह किरक रह कर सहसे हैं कि कापि जाकरों वस अव्यानकारिय संस्केंची लागन वन्ति माद्दर होता है, बेनिन फिर भी वश्वितम्ब मक्तर नामही शब नर्गेन्दीश्यों है ।

में इस समय बासको बाजनी की सकाब के सफाता हूँ । केविया बोर्क वह था सनोद प्रतिविधिते बातक निर्ण

केलोर कार करें फिर समाप धरनी बोको ।

नाश है, नामने मेरी किसी शास्त्री स्थितकडी जुनिया देख की बीची । मेरा सनाव है कि उसमें मह गर केव-क्रममें था बादी है कि में अविद्धार "के प्रकार भारते किल्कण स्थानत हैं।

> धास्त्र विकास ਹੱਸਟਵਿਚ

[कोबीसे]

द्यार की चीमूक नंगेगी परिकी कोशे-करक (का का ५ १६) सं ।

(२) साँधे अ के गाम साँधे व्यक्तिकमा पत

मन्त्रत ३ १९ ९

नित्र कॉड स्

ता अभी-मनी बनरण स्परश्चा का क्या मिक है, वो क्योंने बन्दी रवस्तीरे पाने क्योंने क्या है। बदर्ग ब्योरी हो दिना दिना है कि धनका बारते निरीक्ष मारतियोक स्थार सम्बद्धीय हो क्या है। ब्यॉन क्षेत्रकोक वह वहाँ महाता है कि क्या शक्तीता हुना है। बेबिल हुन पता क्या है कि वह तरे हुनाने हरें छन्त्राविते स्थात सम पहला है ।

न्या पुन्नारको कार्व समाने सन्तन्त्र केना आलेक किय शुनियालका रोहणा है

अबर देही बात हो ही क्या में बुक्याएको ४-३ क्येते व्यक्ते बावने यह ब्रोहा-छा मध वस छक्ता हो स्तादा कर कह है कि कह किसी स्वत्याते " तथा गावन विने विवा पुक्र वाले ।

मान सर्वेचिक सराम केमें बारी भारतिया हो हो है बारार बरान बाकरा भारी बारार केमिन मी रांचीको विकास करते हो एक करते कारी वाले केंच अच्छा होता । मैं सरदाता हूं 🚟 हे बारचीरका परिचार बाजानेके किया ही व्यक्त हर है ।

> इंदर्के नास्त्रा **पॅम्टडिक**

१ क्टेंस पॉक्टीराच्यी सुनिवाले किए किसी का मानार बनात का विकारते हिंदा करा है **ऐकि**र elifte te 1

#### (करेंद्रे क की दिपाणी)

में ब्रॉड र्यम्प्रीको मिन जुद्धा हू नौर की क्रमें क्या शिवा है कि व्यासम्ब मत को क्याँ पूजा पार्टिय। व्या

[ अंग्रेजीते ]

व्यक्तिक व्यक्ति रेडर्सर १९१/१४१

### परिशिष्ट २३

# यांचीश्रीके साम साँउं ऐंस्टहिसका पत्र

Gard)

सिक्तमर ११, १९ ९

दिन जी गोरी.

हुने क्या है, बाद कर करीय करते रहत कहीं कर स्था कि स्था को विशेष कर किर को किया पार्ट है, आहें हो बारको फेरा बहुतसमीय करनेकार करा आहें किए सकता था।

नकर ही मैंदें मू कन्याने नम्द्र को होंगे अक्या वालो अब्रा करार मिल्ला ही सिक तथा दीहा।

बाजा है. का समें फिल्टेंडे याने का शहरा निक बानेगा ।

नारका निस्त्रत ऐंस्टडिल

मी मो॰ क मांबी

सम्प्र की कुई कुछ नोर्वेगी प्रतिकों कोहो नकत (त्रस्र त्या प्राप्त के सुक्ष है।

444 करेंगे 🌬 बाद सुर करते वा करती बोहते समझ निमानके फिसी सरकारो किन हैं। की 📰 बहते स्टब्स्ट 🖚 को कि कुछ काला हुछ नहीं किया था एकता । एवं इसमें पूरे अस्तर निवार किया और मेंने "व्यक्तित्र"के प्रधार चर्च की । सेंद्रे कु भरे इस कामसे प्रधानित हुए जान पढ़े कि बारतीचेंका साधानके किसी मी माने मानेका अभिकार कमरो-कम रिकांत-कममें सदा की शक्त रहा है और वह पहली बार श-सकारमें ही होना सम है। नारको सनुद्र इरनेक किए व बहुत निर्मित हैं और कनका सावारण कर वहक्से व्यापा काराप्रियो था । सर्वाच्य कार बार करते स्वर्ग मिर्चे तो बार्च्य किए कपनी रिश्ति रखा धरोच्या क्या क्या <del>पान्</del>य है। का एवं करना भारता कार्य है कि मान रीजानिएक व्यक्तिएक किए जनआपक प्रतिराजकी भारी स्वर्निक किर वेरे हैं वा नहीं। बेव्हिन में का बाद बाका बहता हु कि, बाद बतके किए वेंगे हैं ऐसा बानकों में ब्लेगी क्वोंकि जारही क्रीनकी सातिर में १छ एंकोडी समाधिक किर बिन्तित हों। बसका इसरा करण बद मी है कि बार सम्मानहीं भारित करक कारी कर जुके हैं। १९०० के कानून २ की गंधारीय बारही कर वाली हों। चीव मिळ बामेगी । नार वह निरकुर राष्ट्र कर छन्नों हैं कि स्वर्धि नामको का वन्तानदारिक संबंधि। सामन

वर्षित महाम होता है, बंदिन दिन मी वर्षिताक अवन्य करनी एवं वर्तोन्दी-कों है । में बहु समय बापनो बाजी ही एकब्र के सकता हूँ । केहिन कोई ब्रह था बनोड महिनिक्ति जाने दिन

केम्ब बाद बार्ने फिर सकाह बाजी होगी । भारत है, भारते मेटी किसी बोजरी बिटाल्डी मुर्मिता देख की होती । येटा खबाल है कि सामें मह वर्ग

केक कामें का कारी है कि में "कविदान "के अकार नामते जिसका साधा हा।" ment firett,

ਜੈਦਵਿਚ

(क्लेक्ले)

शहर की द्वर्ग सुक्त मंग्रेणी गठिकी कोंग्रेनलक्क (क्दा क्या ५ ३६) से (

#### (१) डॉर्ड क् के माम कॉर्ड व्यविकका पक्ष

भागत ३ १९ ९

ফিল কৰান

हुद्रों नमी-नमी कारण संब्रह्मत पत्र काला मिना है, जो क्योंने काली रचामांसे खरू कालीने <sup>किस्</sup> है । करने क्योंने हुने दर्शक मिला है कि क्यार भारते जिल्हा भारतीलीक स्वतर स्थानीया हो नहीं है। <sup>क्रा</sup>ने डीकडीक मद नहीं नताना है कि नया समझौता हुना है। बेस्ट्रिम हुछे पता पत्रन है कि बढ़ मेरे हमाने डॉ सम्बाधिये बच्च कम धनता है ।

नवा पुनरारको कार्व समामें नकान्य देना भागके किए सुविशासका रहेगा है

भगर पेसी बात हो हो क्या में बुक्तारको ४०० वालेसे प्रत्ये आवसे छह क्रोदान्स मध्य दुक स्पर्धा है। क्षमा नव रह है कि यह "तिजी स्ट्रनासे" तथा माच्य विते किया वक्षा जाने ।

कार सर्वक्रिक करून केोंने गाने नसुनिया हो हो में आराम बहाद बाकना नहीं चलता, हेर्दिन मी बोरीको किनी क्की हो एके कामी जानी वाने देखा जनक होगा । मैं समझता हूँ कि है वहानीहरू चेरिलाँ नामंत्रिक किए ही को इस है । -

**ऍम्ट**िल

१ कोंक देंग्यदिक्यों मृशिकाले किय, किसमें वस प्रकार करात क्या विस्तारस दिया गया है, देरीप क्षीतिक १८ ।



#### परिशिष्ट २४

### सों के करी टिप्पणी

[ 254.]

जी पांची और जी दरीय भाग शुरासे मिलने माने। मैंने फर्ने जी स्वरूससे क्र्म असनी दर्शचीतमा परिणा कामा। मैंन उन्हें कामा कि वे दी रिवार्ट केना चक्रते हैं" (ब) १९ ७%। कानून २ वी संदर्धी मौर (वे) वर साम कः पदे-किने परिनाक्तोंका लागी निवासीके क्योंने प्रशंध । जी वॉबीने प्रशा कि व्या परिकारीका की वाराज्यों एक क्या नहीं का बाता है, बीर क्वोंने बड़ा कि **व्या**तिह क्वेंक व्यवहारिक प्रथानक सम्बन्ध है है करों मंबद्र क्यांनेक किए रीवार है । केविन कर्याने और क्यांक साधाने की सब करनावा है और क्रिके किर वारी कर सहे वा कुछे हैं उसरी खानमा सम्पन्न नहीं है—का वस है कानूनकी निरक्षमें समानतका किर नहें क समारता सैद्वान्तिक ही क्यों म हो । काकिय वे कम रिवानमंकि मिक्नेनर भी का समान्ताता नामीकन <sup>क्या</sup> म करेंने । कमोंने कहा मी कहा कि जी व्यवस्था मेंने मने कोई वैद्याविको १ अनवा, १९०९ म समें भौर करके छाएलमें को बोकता की को है कह संबद्ध कर की बानेगी कबारि कर <u>एक</u> कोगनि बीधे मी वोक<sup>की</sup> वर्गन्द्रमुर्वेड ही लीकर किया है । मैंने कहा कि मस्तापित ओस्बेड स्वरूपकी बराताविकाको नासम्ब स्वरूपे करना राज्यको मनी सर मदाकरो किए कर फारको नामंत्रर यो वर सबते हैं का है वह समानत है कार प्रोक्त-विदेश केला मामारे कार्यकांका नित्त रहा हो का की संस्थाने प्रक्रिके किए एता बाल्येकन दिना वारा रोगा । भी गांपीने पता कि का संकाम गाँउ कर पाना पार्टन करा किया करे. कर्ने करा की प्रति पार्टन देक सिंदाकर्ते स्थानदा दावन धानी वाहिए । वसकते नगर कः सारहीतोंको काले किना करे हो सरहीत क्यारी कुछरे मामकोंने सुकार कालोब किए हकाक करेंगे केविन अकावा कर पश्च करिया करते रून सामा वालेगा। स्टार मेंने पूछा कि मान श्रीविप राज्यालके मन्त्रिमींग को उक्त केले किए कहा है, वे अस्ते माने नहीं नहीं ती मार्टीन क्षा अल्लाही क्षेत्र कालेटक क्षणित करना पतन करेंने ना नहीं । जी वांचीने कार, कालूको केंद्र मित संबद्धा है, उसमें वर्डिमामाँच्य श्रास्त्रामां और सामान असरी बालतरे निरिद्ध दिना जा है. विद्यालयारी अकारते कहीं, स्वर्केट के क्षा मामकेने संबोध करतीय नहीं बाते । मिने काला कि तब बाता कारे पेटा समाना मनती बानन शरामेंके मार्पने कीई क्षाना क्यों है. निर्मेंड नकाँग क्यार ओव विकेस हो बेरिन एकानिर्देश क्सान ही तो वैद्यानिक अनलता मी कालम रहे। जी गांचीने बहा कि स्त्र दीव नाम्बोक्स महीमी व्यवस्था स्टेग्स ।

भी गांधीये बाराचीर करन करते हुए कहा कि मैं बुल्सनात्मकी सरकारको दार हे दू कि वे भी कास्तेन सामानि दिवित जामकारिक प्रमतिकी गंबर करते हैं केविन सेवादिक तमानामा भर के भी बाव्य रखेंने । मेरे मतन्त्र वह प्रमान रहा है कि काले नारबट्ट ग्रम्थनाम शरकार दोनों रिनार्स्ट हे देनी हो ग्रीक होना, क्योंकि करने एक व्यावकारिक करिनाव्यी वर ही वार्तेगी और व्यावके पासे वर्षे हिस्सेकी एक सरकारे

सम्बन्धें क्रीड ही बानेची ।

क्रमें करमार एक रास्त्रा मक्तून किंदा किंदा करें किंदों भी पांश्री कराज्यका रास् हो । कार्ने राजे कार्यक्र वरित्रम कनुम्बीस्का सार भी बीट निया करे ।

१६ फिउन्स

[ बंगेबीरे ]

#### परिक्षिष्ट २५

# गांचीकीके नाम साँड ऐंस्टहिकका पत्र

सिटम्बर १७, १९ ९

क्रिक्र भी गांधी

मान्न प्रक्रों परंगे को मुझे नमी-नभी विका है. हुइसे नई कावा और उने कावादा एंचार हुना है। सर्वादा एंचार का स्वादा कर स्वादा की प्रक्रों का प्रकार प्रकार का स्वादा की स्वादा की स्वादा की स्वदा की स्वादा की स

में नामको चौर मी हानी शतिकों नामी छन्नों सुम्बान्यकोंके शब किएरेका समस्त्रार करता हू चौर माता करता हूँ कि शमारा भगमा निकान जब समाजानक चौर क्लेक्ट्रनिय सरकार नामन मानोक किर

🗓 प्रोच्छ ।

শম্ম বিদ্যাত ইন্ট্রিক

बी मो॰ ६० गांगी

राहर की इसे मूर्क कोनी प्रक्रिकी की होतलहरू (प्रक्र-प्रन:५८१) ते ।

### परिकिच्ट २६

### उपनिवेश-उपमध्त्रीके माम एम० सी० आंगसियाका पत्र

केट्रॉक्टर केट होटा ४ किट्रोरिंग स्ट्रॉक [क्ट्रन] स्टब्र क्ट्रॉक्ट्र विस्टाल १ १९९

रेगमें वर्धनित — वसम्बी इस्टेनिक वॉडिस (बनतः) यह क्यम् सर्वामः

मानके स्त्री न्यूनियी १६ वर्गाकक काकी प्राप्ति स्वन्तगर स्त्रीका स्टलेका कुछ सैनाल प्राप्त हुना है। मी अपने संद्रापके कर अरातीन जिल्लाकको बनानमं किया है वी ब्राप्त ही में कोई सू और नारमें कॉन् सीनीड पिका था।

नकी धानिनेंद्री क्या लागी नारंधे में का नामके मान्यतं ग्रंदि केंद्र क्या निष्धा मान्य कार्या हूँ। मेर्ने मू वे मो धारामुद्दि नाम्य में है, बहार क्षेत्र पूर्व क्या क्ष्मण करें है और कहे किय नाम्यते है । नार्दि क्षेत्र मोदार करान्त्री निर्माण कान्यक्रमा मीच्या ना व्यवस्था है कि मौदार क्यांत्रीक करेंद्रे कि क्यांत्रिय क्ष्मणिव करान्त्री नामें मी खानाम्यतं क्या पूर्व कर बाम यहि वे प्रति में हो मार्च है है कार्यो हूं है हिन्त है कि केंद्रिय क्ष्मण कान्यतं क्ष्मण क्यांत्री क्ष्मण क्ष्मण नाम्यत्री है के क्यांत्री हैं क्ष्मणेव क्ष्मण हो हमान्य का नाम्यतं क्ष्मण क्ष

बावर वह नहीं नारहा दिया तथा कि स्तारण कारून (कारोपिया को) करण करनू होया है, सर्वित्र बह हाइक मन्द्रिय क्लिमें करने को का संबोधकों कारोंगे नहीं नाता को बहामिक्सी सरकारी नारकों हुआ ना और किस्त करा विकासिक क्ला होते को नियत्ताकरी कारण कान्योंकों कार्यकोंकी किरणना तथा कारण निरम्पार्थकों स्त्रीय किंगा ना है। बचाना कार्यून वार्विय विचार किने कोर करण कर होता है। विकासकारी सामित की कोरण नियस केंद्र स्वार्थ संक्रीका बार स्वार्थी है और बार बेटल संद्रा कार्योंन विकासकारी सामित है की क्लिसी, कार्योंन विकासिक संद्रा संद्रा केंद्र स्वार्थ कर कार्योंन

स्वामान्यसम् करनाटव स्वामान्यस्य वाचा विशा विश्व स्वामान्यस्य स्वतानीसी वास्त्रीर व्यवकार सूर नहीं दूर सी स्वामान्यस्य स्वामानस्य स्व

**हा तह जिल्ला को बोर्ड क्यान नहीं विका**ः

कारन विद्यालक के प्रतान वाधिनीय नामकेशी जिल्लामूर्ग नकामी उरह क्षेत्रे हूं वा जान करर बाहरीत करेशे उसके कर यह हैं और क्षेत्र क्षेत्रेण करता है कि ने देख उरहारण सक् क्षित्री करतीय गरिते की क्षेत्रें

( बहेबारे )

नतका चलन्य नजनारी रोतक. यस सी जांगसिना

#### परिशिष्ट २७

#### शांबीओंके साम तोंमतोंगका पत्र

बारनामा पॉक्निमा बारावर ७ १९९

यो॰ ६ गांची शन्सनतम

द्वार मधी-मधी जारका चलका विकास पर मिना। वसने छन्ने बहुत प्रश्नका हो । मन्त्रान स्वारे प्राप्तालक याच्यों कथा क्राने मिनोंकी करत करें।

स्क्रीताओं क्षेत्रमालक को तथा विद्याने विकास व तेवक तीक माँ वंदर्श को वस्त्री की स्वार्थ की भी भी भी भी सिर्फा स्वीत्राधिक कोर प्रमुख का पार्ट है। वह कोर पार्टिक माहक कीर दुविकारी कार्युकींने कार्यानक यह तीकता सिर्फाल करने, करीत देविक केपाने प्रमुख कार्योक करने, बात तीरते विकास कार्या है। वीतिक वानां सकार प्रदेशनी कार्याचीत केपा रोग स्वार्टी का पति है।

"का हिन्देश जार पर" मिंत विकास मार्टेड एका भनुसार कुछ हो हुन्दर है। इस्परकार पुरस्कार पर मार्ट्स अपनी प्रकार कर कर कर मार्ट्स अपनी प्रकार है। इस वह हो होना सर्वे पर पर मार्ट्स अपनी है। इस वह हो होना सर्वे पर्वे पर है। इस वह हो होना सर्वे पर्वे पर है। इस हो होना कि पाइन्स्ट्री भागा का प्रकार कर कर कर कर के स्वाप्त कर है। इस में अपने क्षा प्रकार कर हो । इस में अपने क्षा प्रकार कर है। इस में अपने क्षा प्रकार कर हो । इस में अपने क्षा प्रकार कर है। इस में अपने क्षा प्रकार कर हो । इस में अपने क्षा प्रकार कर हो । इस में अपने क्षा प्रकार कर हो । इस में अपने क्षा प्रकार है। इस मार्ट्स हो । इ

मेरा करण है, को अनेनोनिया, कर्नांद्र कह गासिक विकास सम्बन्धन सिंही सहारका नार्किक प्रधानन स्था, करिया नहीं होता ।

में ब्राप्ट-मानचे मानडा चरिनायन प्राता हूँ और भागोंड छात्र कर-मानदार होनाडी हता श्राची है ।

निवा टॉप्स्टॉय

बॅरबॅन्ड स्थानस्थुक स्थानिक मूक बंधेशी प्रतिही दारीनात (वह दन ५१५२ सी ) हे

#### परिक्षिष्ट २८

# गाँचीजीक माम साई ऐंग्वहिसका पत्र

MATERIA & SAID

व्यवस्थित

बालेंड कमतः ११ तथा ११ तिसम्पद्धं दोनों काँके विश्व कमाहा । हे हुते सेक समाहा का वै वर्षों क्रेंबरेंड परिपेक्षे देश पर कर का का का कि बात के का बात के की सेवेंड साठ करावते राज्य में बात की तथा है । में मानशा हु है वह बात ब्युट स्टारेक्टमक है कि बातों की की की साथ का जिला दि समाह कराव करावींड कारी साठा हुए हैं। का का के बात है। वह करा देश है को माले कि बातें स्वापना सरित होगा की सेतें स्वाप्त है कि स्वत्य बिक्र बात की ।

पूरि पाने नाम कर मन्त्रा करोब दिना है जो की कई दुस्ते पुरुवनमंत्र पर्य कर एक है। बा मोर्ड मा अन मही; का ब्ली अन है दिन्ही दुस्ता की नाम्हे का देवने मात्रे हो है वो भी मौर किए सिती मी मान राजमेंन सिन्हीं किय देवार एक कमा सरकारों वह नाह दिन्हों के कि इस कार करेंग्रे में कमा कात्रा वा कता है. मि कर दुस्तानस्तर एक कोना है। बाद चानते ही है, मैं बई बह बह देव हुन पुज दुर्ज हैं कि के मारी करना कर किस्सी किसीन है वा नहीं।

नना राज्या करण एक आप स्थान करण है जो जहां। जन में क्यान्त्रातों का माननेत्री मतीका कर रहा हैं कि आपके पास मेरे किय कुछ नई समर है सा मानि।

> भारका विस्तार गॅम्टविक

मी बो॰ क छंती

स्टल की द्वर्ष नृष्ट कीरेबी प्रतिक्री कीसो-मक्क (प्रतः कर ५१ ९) से ।

### परिशिष्ट २९

# कम्बनमें युवरातियोंकी समा

श्रीविषण जीविशियण में शकासित रिपोर्टका जंश

हुत को हुए गुजरती राजिल परिश् कमती शंका काम हुई थी और वह उसने काम कसी था सी है। इर सम जन्मी नेटड होगी है। वर संबंधि कामों सामीरिका कोई बाल गार्ड है। क्या तुल्य बरेस



### परिप्रिष्ट २८

# पाँचीको नाम साई ऐंस्टहिसका पत्र

मध्यार ४ १९ ६

क्रिय जी चांची,

नान्त्रे क्रायद २१ तमा २९ किम्महों। दोनों जाँके किंप ननवार । वे शुन्न ग्रेफ क्रम्सर्ग वस मैं स्टॉन्केंक्स स्टिमिं रेक्स पर कर प्रमा ना, जिल गरे थे। आपे स्टान नान्न्ये अर्थ प्रमानी ग्राम स्वास्त्री राज्य नेम्मेली हरान्त्री में मानवा वृद्धि वस वात व्यवस्त्री कान्न्ये हिंदी मान्ने और गरेक्से स्टाव्य स्वा निमा हि तर्हस्त क्या कारान्य करणवेंद्रे अन्त्री शाहनुष्ठी नान्त्रे वाल है। वस वस्ते वेदा है सो नान्त्रे किंप नार्त्री सक्तान्त्र वर्हस्त होना जोर नेर्सी कान्न्य है हिंद क्षमा निर्देश नाम पूर्ण !

हुन्ने देवर मामन कर प्रस्कात क्लोबा किया है जो मिन कई उसके पुरतानमां हुने कर रहा है। बह कीई मान मान नहीं; यह बही मान है निकड़ी बहुआ मिन मानते हुए दूधने माने ही है दो भी और मिरो मिरो मीन मानति में निक्की मीन देवर के पार्ट कर का प्रकार के दिन में मान करने मान किया है। बहु कर काम मिनो मी करने करना मां उसता है, मिने कर उसके-कामर रहा कोना है। बाद बातने हो है, मैं वहां बार कोई हू हे यूक मुझा हु हिं है बादी महाने कर कियो किसीमों है वा नहीं।

मन में उन्हारतारे वह वानोकी ज्योदा कर रहा हूँ कि भारते राज मेरे किए कुछ मई कर है ना गर्दा।

भागतः **निस्न्तः,** ऍन्टक्रिक

मी मोल क संबी

सार की <del>हाँ एक अंग्रियों परिकी</del> पोदोनाकर (शरू० वर्ग ५१ ९) से ।

#### परिशिष्ट २९

### लम्बनमें युवरातियोंकी समा

इंडियन कोपिनियम में प्रकालित निर्मेश्वर बंश

कर्मिशतासक राज्योर कराने होनेनानी तोशते ग्रास्तती एक्टिस-परिकारे किय मोनामस्त्री भीन करते कुन विशेषों सभी भी सम्बन्धार राज्यों कोशते विशेष्ट को केम्प्सान परिक्र कम एक्ट ग्रास्तरिकों मान कर नामा था एक्ट्रास देवसीन्वर केमा हान्यों कर पंचाची प्रस्तानतिनी सम्बन्धारी क्यांचार ना श्राप्त करते कि एक्ट्रास है। सम्बन्धार वान्त्रा प्रदान करते कि सम्बन्धा तान त्युक्ति किया स्त्रोपन एक्ट्रास्त्री प्रमानिकों माने प्रसान च्या " मैं सम्बन्धी क्यांचा वा वा हाने ग्रास्त्राची माना के या। की स्वास्त्रा निर्माधिकों माना एक्ट्रास ग्राम्तरीने स्वास्त्राच का वा वा का हाने ग्रास्त्रा केमा प्रमान है कि हाने वोशेन्युक्त ग्रास्त्राची करते हैं।

कुछ वर्ष हुए, ग्राम्पणी पात्रील परिष्यु मामारी संस्था कामा हुई थी और बह करने काम करती था परी है। इर साम कर्मारी केंद्र होगी है। इस संस्थाह कामाने एकमीरीकी कोई स्थान नहीं है। करना पुत्रा कोसा मिन्दान क्षेत्री प्राप्ता स्त्रोत क्षत्र को दूर की सभी वह निवत सता कि स्वक निव हमते पन उत्तरनी प्राप्त होना नहिंद । किनु वरिवाद विकादा की स्वतिश वानो पण नावा है सभी स्वति में मंदीबी प्रप्ता स्त्रोत निवता है नानिक है थी उन्हेंचा उन्होंना का एहा हूँ। नात नक्ष्य होना है कि नानी मण्यर हमता स्वतिक सति का साथ है।"

#### प्रका प्रस्ताप

भी महत्त्व प्रज्ञकर गर्थने निव्यत्मित जनाव देव सिता है। जनवार सर्वन करते हुए हो क्वावजारीने वहाः

"अगलरा में उद्दे लाईन वाना हूँ। वाना गुक्रानी वह निराध्ययमा परणी था। बनानाध्य वह पर वनमेंने हैं निराध था। अनेनारे वह नाराव के भी दानापी वानों है। द परणी कराने ही क्लानंड केर निराश पुरू निराथ। बीट्राटकंड भी ता वानंत ही निराध था। अनेद बंधी पुरूपोध म्यूपरा भी वानेनाथ हिता है। गुरुपती नारावके रवदित और बंध्या परणी वा बाल बर्पाटकंड भी पर परणंत्र नैवह निराध गुरुपती नारा भी वार्तिके हाथ दिने। वा नार वालों मनाधी वारों में पर परणंत्र नैवह निराध गुरुपती नारा भी वार्तिके हाथ दिने। वा नार वालों मनाधी वारों नीर्देश नेता नार कथा क्लेजा जिला है किंगु नार्द्यों का है हि नाराव वा बंजा निर्माध कराने

#### कुमरा धरनाय

मी दिन्दी गीरीन हुन्या अन्तव देश दिवा

त मंत्रपदी निित्र सार्यों के कि की का अवस्त कि जा हो है जह तुमा अवस्त अस्तिकत दर्शन है और विषय बस्ती है हि ज्यारा असारा क्ष्यार 'से अवसीत ही बतारित है। "

अन्तर्या विकास करें हुन भी वंदीन की जाती जुनकारण की दुलानी वेशक करते अन्तर्भ है है। "सब बुधा ना वस्त्रियों अन्य दुलानी है। "ति सरनार प्रश्नी दराव वस्त्रियों अन्य दुलानी है। "ति विकास वस्त्रियों त्या वस्त्र कर्मानी विकास क्ष्मां कर्मा क्षमां क्षमां द्वानी क्षमों क्षमां क्षमां द्वानी क्षमां क्षमा

I street at mit tefelig name for all me an mit g. felb, de bedeeft !

8 Y

रह प्रत्यास्तर सम्बन्धके की घोरामर्शिकांकी कामपरके की बारसके, विक्रेण काफिक्रके की हानी हमीन महिर भी बर्जन्जीका भी वोके ।

की हाजी हरीको दक्षा " हजारी महत्त्वाचारी रामाने वे प्रवान स्वाच्य-कोण है ।

मी मोचिकाने सहा: " संदे का बहुदा महिमान है हैं: तेरा कम गुजराजें हजा ।

#### तीयरा अस्ताव

में महिनाईमें तीरत अक्रम देव दिना

" गरि प्रकारी नामें निवाले किय ऐसी सेला आफ्रित की वाने किसका बरस्क काम शानरार्थमें पके तो नहीं कहरिका तुक्तातो कार्य सामित्रे सामित्र होति । " तीव व्यक्तियोगे का प्रसालका निरोत्त विना स्त्रक्रिय व्या रहमात्रते रास प्रया ।

कराने भी परीकन करकारा जानार नागर, रिस्के शहर ६-३ वने समा समाह हुई ।

[ इक्टलीचे ]

इंडियन कोपिनियन ४-११-२९ ९ और १३-११-१९ **९** 

#### परिशिष्ट ६०

#### श्राचय आफ्रिका में प्रकाशित समाचार

मार्टानोंकी पर और मनमन्त बदानीका के सूक पता । इस एकाद पत्ने विदेश भागितक रह गरनी दार हैनेक्स कनलेंद्र कोरोंके राके का बात सतारी का रही थी कि यह गरीब मार्टाल अन्य कानिकेको स्टमान कारते बार-सम्बद्ध होरोंके कांग्रे बोबे किया बैक्टी एवा बीच्या हवा राजेक्टरके करन वारा गर्मा है। गिरिश बन्दाकं मीने-याने कांग्र का बहागीका प्रक्र भी बन्दर क्या हो, देश करायों के सम्माने सरकारी चौंच इस किंदा नहीं दह एकती थी । नागमान केवले कालेक बाबे दिन बाह गर कहा । करके गर्दि व्यवस्था सम्बन्ध परिस्तितीती वींको किर सकिरोड मेनर किसन निक्ता किने को ने । क्योंने कसी रिपोर्टी का है कि तक्कानो पर विशेषक महिनाती करण बताया था। बह यह बही गाया हो एवा है कि केमी क्ता एक नामिल्के पह ही कामक ने ना नहीं। और नह एन किही भी नाउने क्रीफ किर नहीं होंगी नि सम्बद्धिरोत्तर चीमेस्स वानिसारक शबल हुना दीचा। कारि क्ष<del>णक व्य</del>ा दिना मारा च्या किर मी राणे काडी दिया बाह्य था। तेकर विकासने अधितकारण प्रमान किया जानेका, और बीक्षेट का किकिर-केकरो संबद्धाः स्वस्थ निक्ताः था स्तरिय क्यों असी शीवार होनेका वारोत भी निर्माण प्रथा है। वे मानते हैं कि मार तीन कार्जीके बारोसींका दूरी तथा क्रमण हो था। है । कार कारिको छेर समाने कारातमें जानीय केर मिसी यी नका केको को बानेता वर्गिकार था। नेकडी रिपरिवेंडी बॉच वर्गिकारने की है। क्वोंने बी-रॉन केंक्रि क्षेत्र प्रकार प्रकार है। वेदिन वन्त्र का सामरेते की समान नहीं है। परिनालीके रह बोटाक नीर सर मकाकृत बहुतीकी गाँचके कानिये का शिक्ष अना है कि बनाइ साली अपना उराने करेंगा बीवन माराम करने के समानदी बनेक्स केवने और केवने क्रजोनर जाता शका था ।

(क्येक्स)

¥किंक्न अपिनियम १६-र०-१९ **९** 

### परिशिष्ठ ३१

# उपनिवेश कार्यासम् स्वीर ऐंस्टहिसकी ओरसे पत्र

(१) गांबीबीके नाम स्पनिवेश कार्नोडमका प्रव

कर्जनाधीर अभवता १९९

eri ber

बोर्ड कु व निर्देशनुस्तर में बार्क हिन्ने बार्का तरीह र के पत्ती गर्मी लौकर करता हूँ। बारना बार पर कर मस्तानिक परेश है किया अलेख का नियानिक विक्रण मंत्रकी तरीह ४ के पत्ती रूप्त्यकर्म विद्या अरहोगोंक स्वाकार पत्र पर विवास क्षेत्रक कार्यन्त कारण्य वायरक कार्में हुना था।

> भारत अस्त्रार्ग स्वरूट व्यक्ति को एक क्रम्यूटन

सरा औं हुई मूच भीवी मींकों कोशेक्क (५३० वन ५१.७) ह र

### (२) गांचीबीक साथ ठाँहैं गुँग्रहितका पत्र

योजनीय

४१. चैतन स्टाइट एक दम्बर् संस्थार ५. १९ ९

चित्र की गरेची.

नगोर हो। हो तरिक्रेड पाने रिसी पानेंचे अने पड़ा सरमा पड़ना है। कार्निस कर्मान्यर पस स्था होता है कि मप्त लोरें कू के सम बनतें मेरेसे जो स्थाल बनता पड़ सिद्धक करत पड़ वा लोडें कू ने लासे

बोड़ा ब्हा नहें सोने सनी परास्त क्यूकर है। सन्द सामी ना मैंड हो हो ना ना निव्द नंतर हो जा है। क्या सूनी वन ही हो उन्हें अहें इसत ही व्ही है क्यूक्त कार्क बाकी पत्त हुस्ता नेते हूं हो तक्ता है। ज़ मिलिंगे सन्द हो उन्हों के पत्ते हैं की प्रेमेंत हुते क्या करी नहीं सिव्द हो।। वह होमत्तर नहीं तन ही है हो। अहा नाफी सिनीय है होता की नामी नक्ता हुते निव्यत होता हो है हुए क्या जाए। वहां ह

> मारका मिक्स, गॅम्टरिस

हस्तिकी वन बंदेशी भतिकी क्षेत्रीनक (यह एक ५१६६) है ।

कार हो सकता हो हम सोमस्त्रको हम बद्धान्त करेंचे ।

परिशिष्ट ३२

उपनिवेश कार्यासयकी हिप्पची

(क्यूम

स्थमर १५ १६ १९ ९<u>)</u>

रजी मरे बार कर, बा तुक भी नहीं है। वह सारकारे पती है किस भी पती हर कर (बेस, १३ वस्थानक) वेटर्जिटर देंग्ल संस्कृती बेस्टरी ) वहते जा रहे हैं और यो क्रोरों सम्बंध का कमने ना बंदे हैं कि तिरिक्ष नार्टीन

केटरिंगर रिल हास्त्यी नेडवरें) शहरे वा पी है और वो कोरों करने का कमने ना माँ है कि निर्देश नप्तरीं कोरक प्राप्तरेने समझा नप्तरें हैं को हो बची एक भी नप्तरी मोक व परे । (सी एक इस्ट्राई) दर एक बोरपार मामा है और क्रांचिति के किया ना है। क्रांचित वन में स्वरूपक स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन

दर यह मोदार यहान है नीर कार्यार्थि हैन्द्र किया जा है। क्रांकिय कर के लहाराम अपने मच्छी त्या हो बावपा तक, मेरा कारण है हमें नेपाल मीर अपनेतारोंक कार्युक्त आपरास्त्र पर अपनी कार्युक्त कार्यक्रेस कार्य बहार होया। कार्य मध्येर प्रदेश कार्युक्त कार्यक्रम कार्युक्त निर्देश है हिरा बच्च पार्टिश केरिक किया में हमें पुल्लाक कारण को दिसारों होते हैं, जार्ये के क्या पारिश (इसस्ट्रह के व्यास कार्य कार्यों क्यों किया है)। स्वीत कार्य कीर्यारों कार्य केर्स हे क्यें के

ह एव एस

हमें शूनसाक सरहारका खार जनीतह नहीं दिया है, वेफीन हरूको चहाते पहले जा वालंकी जाए। है। सुत्रे समझ्य तुवा है कि कोई देखिक केका नात्र्यालय अवकी यहाना जाती हैं।

(भवेगीरी)

क्वानिक व्यक्तित रेक्ट्रोस: २९१/१४१

# परिषिष्ट १३ उपन्निजेल कार्यास्थकी हिप्पणी

[क्रम्ल

Ħ

समार ६, १९ ६] सीमर भागतम 'शक्तर' कुछ ५, क्षीमेंड "वर्धा निका<sup>मा</sup>— वर्ग शुम्पामान मामस करना चारित कि

सम्मन्तः का की प्रदारका का कर प्रवाधित करणा पीकर्णन होगा ।

ड एव एक

रंपनर-पुष्क प्रक्रिम " इस्तीया प्रतीम करोगे भी वांचीया क्या रहिल वाक्रिया विकास छन्नये होने. वांची बात है और स्थानिय (कार्य) भी छन्डाच्यी रिवर्ति दीगों प्रामन्ति वह ही है, वर्णन्य वह स्थान हरिकासको, वो चुन पुर है, लोकार करोसी निवार हो वहें है।

भी पोक्टक गाम भी यांत्रीक तारने भी गांत कहीं गई हैं (और किसे उपप्रश्न ने निर्दर्शना स्टिएन किया प्रचित्त करने हुए बबूत बिला है) जह निरम्भेद कोई कु के साम (काली) विद्र और वार्य हमामान्द्रे प्रस्त कार्यार है।

पश्ची कार इनते पहण हमें सारका बनाव आगेडी अनीवा कानी वासित ।

ह एवं उस्पू थे।

१ टाइम्स में मूत्र भोगी श्रीतंत्र था श्लेक्सोर ऑफ़ द केर्रिसिट्याना ।

सम्पूर्ण गईथी बाहस्त्र . . हार प्रीरत बाता चळीव -- मान्य होनेवाके कठामें सावद हमें प्राप्ती बातका कोई बचाव मिक बाते । दिशी मी बसाने सही करन हो सामार्गन सरकारका सहानुभूतिपूर्ण कार्रगाईकी विस्तारपूर्वक बताने, बीर साम ही

पेरिवासिक वरियो — हेक-मार्गेक साथ नहीं व्यक्तिया आविकाका गरीमा व्यक्तिया आवेकाक साथ अनुवर्गित क्रावेक्ट ती किंद्र समार्थित

(8)

[ex]

क्षरीने जन्नतरमें बलक प्रजावित दिया है जिसमें बजा है कि रामराम सरकारी १९०० का बधिनिस्य हा बदरा संबद्ध कर किया है केविन कर जनती कानून (श्रीगतेकन की) में ग्राहिको अजेनाके वरिवाहर्वोका संन्ता स्थित करनेनाकी रक्ष पारा कारणा पक्ती है। अनके समाह काई स्थाने सुरास यह महन पूछ अनेन्छ।

an: करना सर्टिमोरी को कि मेरे १ क्शानको तार, संस्था १, का क्यार क्षेत्र हैं।

[क्येक्री]

क्योरिक व्यक्तित रेड्डीस १९१/१४९

### सामग्रीके साधन सूत्र

बापूना बाने पत्रो १९४८ में फ्रीनिनसक इन्टरनेसनक प्रिटिय प्रेस द्वारा प्रकाशित ।

केप टाइम्स केपसे प्रकाधित दैनिक पत्र।

क्य टाइन्स नगर जनावा पान पान पान क्यांक्रिय क्यांक्रिय

इक्टिनी उद्धारक अवदा गुस्तका कामक पाधान जीवनवरित्र तथा बीजा सेखी

वांकी साहित्य मंदिर, सुरत कारा १९२२ में प्रकायित।

बीबी स्मारक नई विस्त्री यांबीजी-सम्बन्धी साहित्य और कानवारका कंन्द्रीय संग्रहाक्य तवा पुस्तकाक्य वैक्रिए सन्द्र १ पुस्ट ३५९।

यांत्रीजीता पत्रो बाह्यात्राई परेठ हारा सन्यादित सेवक कार्यासम अहमदाबाद

1521

पांचीजीतो शावना" राजजीमाई पटेल नवजीवन प्रकाशन सङ्ग्रहनावाद १९३९। यवर्नर्स क्षाइस प्रिटोरिया जाकाँदस्य प्रिनोरियामें दक्षिक जाकिकाकी सरकारके कार्यवाद।

युक्ताची अम्बर्शे गुकराती और अंग्रेजीमें प्रकाशिव साप्ताहिक पत्र।

र्देक्षिया (१८९०-१९२१) जारतीय राष्ट्रीय कप्रियमी ब्रिटिस समिति सन्दन द्वारा हर सुजनारको प्रकाशित पत्र देखिए सम्ब २, पृष्ट ४१ ।

इंडिया जाँक्रिस रेक्ब्स मृतपूर्व इंडिया बाँक्रियके पुरतकालयमें सुरक्तित मारतीय मामसीस

सम्बन्धित कायबात और प्रक्रेक, बिनका सम्बन्ध भारत-मन्त्रीसे था।

प्रेंडिनन कोरिनित्यन (१९ ६–६१) हर धनिवारको प्रकाषित होनेवाका धान्ताहिक पत्र नियका प्रकाशन कर्नेनमें बारम्भ क्यां गया किन्तु को वास्ते कीनित्तक के जाया गया था। इसके पहले चार विभाग के नवींची जुनराती हिन्दी और दिसक बादमें हिन्दी और दिनक प्रियास वाच कर दिने यदे थे।

वीवनर्तु परोत्र प्रमुवास सांनी नवजीवन प्रकासन शहसरावाद १९४८। महात्मा मोहनवास करमधन्य योगीका जीवन वरित्र ही वी टॉड्ककर अवेरी

बीर रेंबुएकर, बन्बई, १९५१-५४ बाठ बण्डा

्य के मांची ऐन इंडियन पेट्रिकट इन साज्य आधिका (मो र गांधी दक्षिण आधिकामें एक मास्त्रीय देसमस्त) थे थे डांक अभिक्त भारत वर्ष सेवा संघ वास्त्रमा १९५६।

एम के मांची ऐंड साउच बाफिकन इंडियन प्रॉप्सम (मो क पानी बीर इंडियन बाफिकाफी भारतीय समस्या) डॉ प्रा जी मेहता नटेनन ऐंड कम्पनी महासः।

नेटाक मन्पुरी (१८५२) वर्षमका दैनिक पत्र।

मिटोरिया बार्कारूक प्रिटोरियामें रक्षिण बाक्रिकी सरकारके कामवात । इसमें प्रवान-मणी और द्वासवाम-गर्वरके विभिन्न-संबद्ध भी 🕻।

### 11 सम्पूज वांची वारमण

रैंड डेकी गेक जोहातिसवर्गका दैतिक पत्र। साबरमठी संबहाध्य पुस्तकास्य और संबहाक्य जिसमें योधीजीके वीतव जाफिनी

काल और १९३३ तक के भारतीय काम्रसे सम्बन्धित कायबात सर्वात हैं। देखिए नग्द १ पथ्ड १६ ।

स्टार जोहानिसवर्गसे प्रकाशित साम्ब्य वैनिक पत्र।

टॉस्स्टॉय ऐंड गांत्री कॉ कालिकास भाग पुस्तक प्रवहार, पटना।

दाम्सनास सीवर जोतानिसवर्गसे प्रकाशित वैनिङ पन।

## सारीकवार जीवन-वृत्तान्त

## (सितम्बर १९ ८-मगम्बर १९ ९)

- वितम्बर २ एतियाई पंत्रीयन चंचीबल वर्षिनिवम (एधियाटिक्स रिप्तर्ट्रेशन बर्मेडर्मेट ऐस्ट) सरकारी यबट में प्रकाशित।
- स्वितम्बर ५ बांबीमोने इंदियन भोषित्यन में कर्नक शीक्षीके जुलाई ६१ को संस्वर्में दिये समे इस बस्त्रमाली प्रयोशा की कि मिन्हें उपिनिकेशीमें रहनेका हुक है उन्हें मोरोंके बरावर बहिकार दिये जाने चाहिए और पूर्व माधिरक याना माना माहिए बन्धी नायह, नाविरका कामा और बन्ध व्याविकारी हुककिया बयान बेकर कहा कि द्राच्यवाकके श्रीवकारियोंने इस बातका वचन विया था कि सबैर भारतीय व्यापापी संस्कार्यक प्रमोशन कराना स्थीकार कर केंग्रे हो एशियाई प्रयोगन स्थितमार रह कर विया जायेगा।
- विवासर ७ सोधीजीने बकाव्य बाण कर दी थी दशकिय उन्होंने बिटिय भारतीय संव (बिटिय देवितन एडोविययन) की एक स्वयानें पोक्कके कर्ष कि आ संपन्तायक्रिके क्रियमें बीर इंवियन ओपिनियन का चाटा पूरा करनेके क्रिय सामिक सहायताक्री स्रोग की।

गांबीजी चन्दा करनेके किए प्रिटोरिका रनामा हुए।

रितानर ९ दिसम बाधिका बिटिस भारतीय धीर्मित (शाउच वास्कित विटिश्च इतियन करिटी) को तार हारा नह सुबना ही कि बचतक १७५ भारतीय बेस वा चुके हैं। उसमें यह बासा व्यक्त की गई है कि कीई एँन्टहिक बीर बाय संज्वन एहत दिकानेका प्रवल करेंगे।

स्टार के प्रतिनिविधे मेंटमें कहा कि माण्डीय अपन ही वरोंसे बदनवी वने हुए हैं। पर्में काननी समानता दी बानी चाहिए।

विधित भारतीय संबंध उपित्रवेद-सम्बोको १९ ७ के कानून २ कं रव किये आने और विश्वित भारतीयोंको उचित्र वर्गों विश्वे कालेके किए कहीं थी।

एक एक पोक्क बीर ए एम ऐंड्रज ने हुबांख्या बनान देकर कहा कि बांक्कारियोंने पंजीयन विधिनियम (रिनिस्ट्रेशन कानुन) रह करतेका वचन विधा था। विटिस मारतीय संब (विटिस वंवियन एनोसिएसन) ने सांबोजीकी वार्षिक निस्मेदारियों

सपने उत्पर के लीं। धनका सपना सभी तो कैनेनर्वक सन्याले हुए ही थे। सितन्तर १ नौभीजीने योहानिसतर्पकी सार्वजनिक समामें भाषण दिया। काष्ट्रक्या विटिस मास्त्रीय संबक्त सम्बन्ध हुए।

काश्राक्या बाटस माध्याय सक्क बायमा हुए। सिदाम्बर १२ के पूर्व नामीजीने जोहानिसवर्यको अवासदाम रविशीको पैरची की। सिदाम्बर १६ कोंकवी जोर कानसिया समुधायके महावेशको हुर कदानके किए सकाई सई

वितम्बर १६ किकी बार कार्नाभया समुवायके मतभेशको दूर करानके किए बुकाई य समाक्षे अध्यक्षता की। सितम्बर १४ ट्रान्सवासके पठानों और पंजावियोंकी ओरसे उपनिवेस-मध्यीको भेजनेके किए एक प्रार्थनापत्रका मलविया सैवार किया विसमें एसियाई कानुनको रव करनेकी गाँग की। मतपुर्व भारतीय सिपाहियोंने जपनिवेश-मन्त्रीसे प्रार्थना की कि एसियाई कानून एर क्या काने।

सितम्बर १५ वसी वगस भीर उन सन्ध व्यक्तियोंकी प्रिटोरिया बदाकतमें पैरवी की बिनपर क्षिता पंचारी परवानों (ब्रॉसर्स काइसेन्स) के व्यापार करनेका बारोप स्नवामा गमा वा।

सितम्बर १६ रास्टरके प्रतिनिधिसे मेंटर्से भारतीयोंके किए कानुनी समानतापर जोर दिया। केंक-निरेदाक (बायरेक्टर ऑफ प्रियन्स) में जिटिस बारतीय संबको सुवित किमा कि स्वास्त्व क्रिकारीकी रावमें कैवियोंको दिया चानेवाका मोजन पूरी तरह स्वास्त्वप्रद है और सिर्फ रोमियोंके किए ही उसे बदला वा सकता है।

सितम्बर १७ ब्रिटिस भारतीय सम (ब्रिटिब इंडियन एसोसिएयन) में जेड-निरेसरूको समित किया कि वरि मोजनमें सुवार नहीं किया नया तो उसका यह वर्ष माना वागेगा कि सारतीय समावको सब्बों मारकर कानुनके बावे अकनके सिए बाध्य किया जा W \$1

इरिकास श्रीको ट्रान्सवासरे वेश-निकाण दिया गया।

श्रीसामिक जांचके सम्बन्धमें स्पष्टीकरण वेते हुए श्रांधीबीने स्टार को श्रिया और मनमें स्वतनपर पंजीयन अधिनियम (एजिस्टेसन ऐक्ट) के एड करनेके क्यानका मंग करनेके सम्बन्धमें बारीप क्रमाया।

सितम्बर १८ इस बाधवके समाचार मिके कि तसे पृथिवाई कानूनको साठी मंबरी सिस पर 🐧 भीर विश्वन जाकिका ब्रिटिस माय्यीम समिति (साउप जारिका ब्रिटिस क्षीक्रात क्षांस्टी ) ने लॉर्ड पॅस्टक्रिको टान्समाक्के मारतीवॉकी विकायसँको साम्राज्यीय सरकारके सामने पेश करनेका अधिकार बेनेका निर्णय किया है। बिटिस भारतीय सब (ब्रिटिस इंडियन एसोसिएसन) ने मारतीय कैश्यिक मोजनमें

कारकरोंकी बरबी थी जानेका विरोध किया और सीम भी कि उन्हें फिरसे भी देना सूक किया अगये।

सितम्बर १९ बारप्रीय और चीनी नेतासँकि साथ गांत्रीजी हॉस्केनसे निके और सन्हें समझौतेकी बर्तीने बदयतं क्राया।

बांधीजीते प्रेडियम जोपिनियन में फिलकर नेहालके भारतीयोंसे बाग्रह किया कि वे मेंटाक सरकारके प्रस विमेक्क (विस) का विरोध करें जिसका सन्दा नगरपासिकाओं हारा वृतिपम परवाणे (काइसेंस) विने वानेपर प्रतिवन्त संगाना था।

बिटिश भारतीय संबने जेल-निवेचक (डायरेक्टर बॉफ प्रियन्त) का स्थान बॉक्सवर्ग केक्सों सैनद करीके उसर किने वसे अत्वाकारोंकी ओर आकर्षित किया और श्रीवदी

सीय की ।

सोई रॉस्ट्राइकरे टाइस्स में किसा कि वैचीकरण कानून (वैकिडेसन ऐक्ट) हैं। समझीता भ्रम हो बना है और भारतीयोगर पंत्रीवन कानुनके अपनान फिरसे काद दिये संये हैं। किटिय भारतीय संबंधी कक्काता स्वित जावाने उपनिवेश मुल्लीको तार दिया कि साम्राज्य सरकार दुल्सवासके पार्टीकॉकी रका करे।

सिनम्बर २१ क्रिटिंग मारतीय संब (ब्रिटिय इंडियन एमीसिएसन) ने उपनिवेश-समिवसें सैयद बनीके भागभेगें राहदकी भाँग की बीर वैदियोंके मोत्रनमें सुपार करनेकी कहा। हरिकास गांधी और मन्य व्यक्तिपाँके निकाफ दायर किये गये मकदमे बठा सिये सर्वे और कोसरस्य असमे रिद्य कर दिया गया।

नया एमियाई कान्त अमसमें का गया।

मिताबर २२ मेटालके सर्वोच्च न्यायासयने फैनसा दिया कि प्रवासियोके बच्चोंको प्रवासी प्रतिकृत्यक अधिनियस १९०७ (इमिश्रान्ट्स रिस्ट्रिक्सन ऐका १९०७) के सन्तर्गत नजा री वासक्ती है। हरिकास गांधी बोहातिसदय वहेंचे।

विकास २३ स्मद्रसने समझोलेके किए भारतीयों डारा रखी नई बर्जीको अस्त्रीकार कर विकास

जेल-निरेशक (बायरेक्टर जॉफ प्रियन्स) में सैवर अकीके प्रति बुग्मेंबहार किये जानेकी बाद वस्त बताई।

सिताबर २४ ब्रिटिय भारतीय संबने मैथर असोका सुस्राध्या बमान जेस-निरेशकको मेना। प्रयनिवेश-अधिका दान्सवाककी जेकॉमें जोजन-सम्बन्धी विनियमोंके बारेमें इन्तकीर करनेमें बनमर्पता प्रकट की।

विकाय २५ दिटिस भारतीय संवते बेस-निवेशकको किया कि सभी भारतीय कैंदियोंको एक ही तरहका भोजन विद्या भागा चाहिए और चरवीकी बगह उन्हें भी मिछना भाहिए ।

नितम्बर २६ गांबीजीने वर्षन पहुँचकर नेटापके नेताओंको सकात की कि मै आरटीयोंको मैंपुटोंकी छाप वैकर महाकर्में बानेसे रोकें उन्होंने दान्सवासके संवर्षमें नेटासने जो हिस्सा

क्रिया जलकी प्रशंसाकी। चितम्बर २८ विटिस मारतीय संघने स्थानिवेध-ग्राचिवसे भारतीय कैंदियांकी मोजन-तासिकाके शरिमें बालकारी सीवी।

पोक्तरने प्रिटोरिया स्पृत आरा भारतीयोंगर स्वाये गये इस आरोपका सुरवन किया

कि उन्होंने समझौतेये सम्बन्धित अपना काम पूरा नहीं किया। सितुन्बर ६ हर्षेनमें नैटाक मुचर्यरी के प्रतिनिधिको एक खम्बी ब्रेंटके दौरान यांग्रीजीने

इस बारायर और विशा कि मारतीय निर्वाध प्रवेश अववा व्यापारकी इच्छा नहीं करते. कानुनकी बुध्निमें मेदमान रका जानेपर नकान आगति करते हैं।

विटिश भारतीय संघने बलिन वाफिका बिटिश मारतीय समितिको पुराने कानूनके करानैत भारतीयोंकी विराजारी और समाके विरावर्गे तार दिया और बानमके रह क्षिये जानेकी सीम की। अस्तुवर २ वाहानिसवर्षके भाविष्योंकी ओरसे चारतीयोंके प्रति किये जानेवाले कुम्पेवहारके

विषयमें एक कापनका समृतिका सैवार किया। नेटाल भारतीय कांत्रसन उपनिवेस-समिवको सार वेकर सूचित किया कि प्रवामी स्रीध कारीने भारतीय यात्रियोंको वर्षनमें छन्छने नहीं दिमा है। दक्षिण मान्निका ब्रिटिश मार्ग्याय समितिको मी कीमाटीपुर्दमें आरसीमोंके विरक्तार हानेका श्रमाबार वारम दिया।

- सम्पूतर १ गांत्रीजीने नेटासके भारतीयोंसे अनुरोध किया कि वे विरोमिटिया पद्धतिको सस्य सरानेके किए साम्पोकन करें।
- मन्त्रर ५ विशय आफिका बिटिया भारतीय समितिको कोमाटीपूर्वेमें ८ भारतीयोंको एक कोटे बीर गयो कमरेमें इस विमा जानेका समाचार ठाएसे विमा।
- बस्तूपर ६ वर्षनचे ट्राग्सवास रनाना हुए।
- वस्त्रकर ७ किना पंत्रीयन प्रमाध्यक्ष (र्रावरनेशन स्टिफिकेट) के द्वालवाकमें प्रवेश करमेके अपरावर्में बन्य १५ चारतीयोंके क्षाय फोक्सरस्टमें गिरफ्तान किये गयं।
- सन्त्रवर ८ उस्त १५ व्यक्तियोंके साथ मिलन्टिके मामने पेट किये गये। बमानतपर कून्नेसे इनकार किया एक हमनेके किए हवानानों मेन सिये गये।
- सन्त्रवर ९ विटिस प्राच्याय संब (विटिस प्रीव्यन एसीसिएसन) ने उपनिवेश-संबन प्रिटो रिया की मिला कि बेलावोसा-सेंसे कॉटनेवाके प्राच्यायोंकि साव किये यमें कवित बर्म्मेनहारकी सार्वेत्रविक वर्षिक की कार्य।
- यस्त्रदर ११ फोनसरस्ट खेळमें अपर्यांच्य भोजन विवा बानेके बारेमें जानारी (रेजिकेन्ट) मजिस्टेटके नाम प्रार्वनापमका मसविदा बनावा।
- अन्तूबर १२ बारवर्टनसे आरडीयोंके एक वकको जिसमें मावासिय करने भी शामिक वे वेश्वसे बाहर पूर्ववाकी क्षेत्रमें भेवा यथा।
  - बर्वनमें राष्ट्रीय परिषदकी समा हुई।
- सन्तुवर १३ पांचीजीने प्राप्तीयोंको हवाकात्तते सन्तेय येवा कि वे पातृत्रमिके किए लेक बाता स्वीकार करे।
- सम्पूषर १४ वावनी सामय और सन्य व्यक्तियोंकी भोरते सङ्ग्यक मिसट्टेट वी विकिमर्सके सामने पैरमी की। मुक्यमेरे पहुंच मारतीय तक्ष्मेक नाम सन्तेस मेवा।
  - दो महीनेकी सक्त संजा मिली।
    - बेक बाते समय भारतीयोकि नाम संबेध दिया कि वे बन्तदक पृद्ध रहें।
  - डबैनमें हुई नेटाल बारतीय कांग्रेसकी समामें प्रस्ताय पास किया गया कि सम्बारस रीवानिक बाँच सम्बन्धी बालाको बापस केलेकी बांग की बामें।
- अस्तुवर १५ पांचीबीचे मार्चेट स्त्वेयरमें सड़क बनानेका काम क्रिया नया।
  - राबटरके फोनसरस्ट-निकत संवाबयाताने किया नांगीजीने अपने-वापको ट्रान्सवाकका सबसे मुक्ती आवमी कहा।"
- बन्दूबर १६ विटिश्व मारतीय संच और वेटाक भारतीय संचने रिचको तार देकर इस बातपर सोम प्रकट किया कि नांबीजीसे सड़क बनानेका काम किया गया।
- सम्बनमें घर मंत्ररती भावनवरीकी सम्प्रशतामें समा हुई विधमे लाला कावस्तराय और मिरिनक्क साल भी बोले । समामें सौबीजीके कारणसम्बन्धका विरोध किया परा। भावभीको धना की सम्मेत किया निर्माण किया है। भी करतुम्बनी उन्हें सम्बन्ध दिखा।
- सन्तुतर १७ के पूर्व प्रीरोजवाइ वेह्साने काँड एँग्टीहरूको ठार विचा कि बसिव जारिकारों भारतीयोंके प्रति होनेवाके बुध्येवहारके कारण जारतीय वन-भाषण वहुत सुब्ब हुना है। उन्होंने इस्त के बायाचारीरे भारतीयोंको नवानेके किए ब्रिटिस सरकारते हस्तकेन करनेका जायह रिमा।

बन्तवर १७ रिवने उपनिवेश कार्याक्रमको बिटिश भारतीय संव (विटिश इंडियन एसोसि एसम्) और नेटास गारतीय कांग्रेसके तारींकी प्रतियाँ मेंगीं।

सम्दर् १८ फोर्डनवर्यकी हमीदिया मस्त्रियमें सार्वजनिक समा हर्द !

बस्तुबर २१ हाउस मॉफ लॉब्समें ऍस्टिक्सिके प्रस्तका जवान वेते हुए नर्स मॉफ क ने नहा कि उन्होंने वांचीबीकी गिरफ्तारीके बारेमें तथ्य जानगेके विभारते दान्सवाल धरकारको दार किया है। जन्तुनि यह भी बताया कि मांभीकी सत्यामह संवर्षमें माग से रहे हैं

और यह बाबिव ही है कि उन्हें उसकी सजा मिले।

अक्तबर २२ मारतके वाइसरायने भारत-कार्यासमको ट्रान्सवाधमें सरमापहियोंके प्रति किये वानेबाडे व्यवहारपर मास्त्रीयोंके लोमसे वनगत कराया और विफारिस की कि उनके प्रति उदारताका बरताय किया जाना चाहिए और प्रतिबर्प छ शिक्षित भारतीयीके प्रवेशकी मौथ स्वीकार की जानी चाडिए।

बस्तुबर २५ वांबीबोको फोस्सरस्ट बेंग्से वैदीकी पोधाकमें बाह्या ग्राकाके मुक्यमेमें गवाडी देनेके किए काहानिसवर्ग काया नया उन्होंने बाड़ीमें बैठनेसे दशकार कर दिया और पार्क स्टेशनसे फोर्ट तक कैतियाँका बैका कटकामें हुए के पैक्स ही गमे।

अस्तवर २७ जोडानिशवर्ग बेससे उच्च-यायास्य के बागा गया।

बक्तवर ३१ उपनिवेदा-माणीने दाल्यवाकके गवर्नरको तार वेकर बगरोम किया कि सीमित संब्यामें क्रिकित स्थवितयाँका टाम्सवाकर्में प्रवेध करनेका अधिकार अस्वाधी सीरपर

सान किया जाये। नवन्तर ३ दान्तवाब सरकारने उपनिवेश कार्याक्रयको तार दिया कि गांधीबीसे फ्रेक्सरस्टमें होतेवाची कृपि-धवर्शनीके मैदानमें बाई विन यहरे कोवनेका काल और बादमें नदर

पाकिकाके लेतों और श्रेषके बगीचोंमें मी काम सिया वया। तबस्बर ४ मांबीबीको कैदियोके कपड़ोंमें फोक्सरस्ट बेठ के बाया गया।

इमीरिया मस्तिवर्गे टाल्सवाककी स्थितिपर विचार करलेके किए सार्वजनिक समा हुई, विश्वमें बरोपीयोंने भी भाषम दिये। समानें छ सिकित मारतीयोंके प्रवसके अधिकारकी

मीप की सहै। नवम्बर ५ द्वास्थवास्त्रकी सरकारने उपनिवेश कार्याक्रमके अन्तुवर ११ के दारके सदावर्मे कहा कि मिश्रित मारवीमोके प्रवेशके शरेमें की गई सारवीय मौन बस्बोक्त की नई

है। यह भी कहा कि क्रांशान कानूनमें इसकी व्यवस्था है किन्तु भारतीय बाल्योजन करनेके विकासी कानुसकी अवशा कर धोर है। नवस्वर ९ गांधीजीने वैस्टको पत्रमें किसा कि सन्यामह एक पर्म-मुख है। सक्वपि कस्तुरका बद्दत मिक बीमार थी फिर मी उन्होंने बूर्याता देकर बेक्के बूटकारा पाना स्वीकार

गहीं किया करपूरवाको पत्र किया। नवस्वर १४ अन्य कैविसोंके साथ गांधीजीकी नगरपाछिकाके जवप्रधार्मी (बॉटर वक्सी) पर

काम कराया गया कविस्तान और प्रौतियोंकी क्वें साफ कराई गई। नवस्वर १९ सर्वोज्य न्यासास्त्रको इस फैसकेपर कि उपनिवेदार्गे सीटकर वानेवाके अविवासी मारतीयोको पंजीयन करानेकी जनुमति मिक्सी चाहिए, जपीक बायर करनेवाले बार

वर्टन और फोलसरस्टक ५ कैंदियोंको छोड़ा गया।

नवस्वर २२ कलकत्तार्ने सार्वजनिक समा हुई जिसमें १९ ७ के कानून २ को रव व करनेके किए ट्राप्सनाक सरकारकी निन्दा की नई। सुरेखनाथ बनर्जीने इस बादपर क्षोम प्रकट किया कि गांचीजी जैसे व्यक्तिके साथ बोहानिसकर्वकी सहकोंमें अपमानजनक म्पन्हार किया गया है।

मबन्बर २४ पोक्षकमे व्यवक्रतके सामने वांत्रीजी और अन्य कैरियोंके क्टकारेकी पैरली की। बोहानिसवर्ग व्यापार सव (बैन्बर ऑफ कॉमर्स) में प्रस्ताव पास किया कि सरकार भारतीय समाबके बबावमें बाकर कानून कानू करनेसे पीछे नहीं हटेयी।

नवस्वर २५ छाष्ट्री उपनिवेशोंनें प्रवास-सम्बन्धी जाँवके किए काँई सैंडर्सन-कमीसनकी निमस्ति। नवस्वर २७ महास्यायवाची (बटर्नी बनएक) ने यांचीबी और बस्य कैंडियोंको फोक्सरस्ट जेक्से क्रोइना मार्गबर कर दिया।

नवन्तर २८ चनरस कोबाके इस वस्तव्यका मुसलमानोंने तार श्रेयकर सम्बन किया कि सभीतक ज्यादातर मुखलगानींने सत्वाधह संवर्षमें भाग केनेसे इनकार कर दिया है। कार्यक व्यवस्थित जुक्काराचा उपराक्ष उपरा नाम कार्य प्राक्त र प्रका है। विदेश मारतीय संग्रं (विदेश प्रेक्षिय एखोसिएसम्) ने भहास्थायवारी प्रिदोरियाको किसा कि बोह्यनिस्वर्ग केटमें मारतीय कैदियोंके साथ दुर्व्यक्तर किया जा रहा है।

नवस्वर २९ ब्रिटिश भारतीय संबने एक सभा करके सरकारसे मारतीयोंकी मौबको पूरा करनेके लिए कहा और यह भी कहा कि यदि ऐसा न किया बया दो सत्यादक आरी रका भागेगा।

गांधीजीने फोक्सरस्ट खेळसे सन्वेश मेवा कि मारतीयोंको बपनी प्रतिज्ञापर बटळ रहना चाडिए। सन्देश बोडानिसवर्गकी सार्वजनिक समार्गे पढ़ा बया ह सन्दनके न्य रिफार्म वस्त्र में भावन देते हुए भी बोसकेने दक्षिण बास्क्रियों भारतीयोंको होनेवाके कथ्टोंका उल्लेख किया और कहा कि ब्रिटिश राज्यके प्रति

अविस्तास फैसनेके कारणोंमें यह भी एक है। कर्नक सीकीने कॉमन्स समामें नहां कि बहातक उन्हें माक्रम है, पांचीपीसे जाम

सन्कोंगर कमी कोई सक्त काम नहीं क्षित्रा गया। विकायर १ जिटिस मारहीम संबने बक्षिण आफिका बिटिस मारहीय समितिको तार किया कि गांबीबीके साथ किये गये व्यवहारके सम्बन्धमें कर्गल सीलीकी बानकारी विश्वक

मलत है। इसफ्यामे मेर्ने या छो है। फोक्तरस्ट मजिस्ट्रेटने पोकक ब्रास की नई भारतीय पैरवीको क्षेत्र मानकर वस भार दीयको स्रोड विया जिसने शिनाक्त करानेसे इनकार कर विया था।

यांत्रीजी और एनके सङ्ग्रोनियोंको एनी वेरीटने सुय-कामनार्वीका सम्बेध मेवा। विस्त्राचर १ कॉर्ड सेक्नोनेने सनरक बीवाको साही सरकारके इस निचारसे समस्य कराया 



- भगवरी १ १९ ९ मेटाक भारतीय कांग्रेसके संयुक्त मन्त्री बाबा उत्मानके वर प्रीति-मोडमें गांचीकीका स्वागत किया यथा। योधीओ सभामें बोसे।
- पणवरी २ के पहले अँपूटकी काप ग देनेके कारण प्रवासी प्रतिवस्थक अधिनिवस (इमिक्रेसन रिस्ट्रिकन ऐस्ट) के अन्तर्गत वावा उस्मान पारसी क्रतसभी और एग सी आंतिकस मजरबन किंद्रे गये।
- बनवरी २ गांधीजीने इतिथन बोधिनियन में बचने नव-वर्षके सम्पेखर्ने देसवाधियोधे स्वदेशीका वतः केनेकी प्रार्थना की।
  - इंडियन कोपिनियन में बांबीजीकी कुसरी बेल-सामाके बनुमब प्रकाशित हुए, जिसमें सन्होंने कहा कि बेल बाना राजनीतिक नियोंग्यताओं के विकस अकृतेका सबसे कारवर स्थास है।
- १८९४ के कानून ६ खच्छ व के अन्तर्गेष प्रिटोरियामें बरना बेनेवालोंकी गिरस्तायी। यनमधे ४ प्रिटोरियाके बरनावारोंको सूचित किया गया कि उनसर समें कानूनके खच्छ ७ के
- बन्दर्पत मुक्तमा चलावा चा पहा है और उन्हें निर्वाधित किया चा सकता है। चनवरी ५ गांधीजीने नेटाक मनवेरी को मेंट देते हुए कहा कि भारतीय विश्वज्ञतन स्रोकेसे
  - संबर्ध कर रहे हैं। फोस्सरस्टमें हरिकाल गांवी और दूधरे कोग हवाकार्यों। क्योजनेंमें तीन भारतीयोंपर पंत्रीयन प्रमायपत्र (परिस्टेशन स्टिक्क्ट) पेश न करनेका
- कारोप क्याग थ्या। कनवरी ६ हमीपिया प्रस्थिक मोलवी बहुमद मुल्तियाणी फिरसे बनुमतियन नदा कराना मंत्रर गृही किया। सर्वे द्वान्यवाल क्रीवृतेका कारेख दिया गया। वे केप रवाना ही करे।
- बाउद मुहम्मद और ११ अन्य व्यक्तियोंनर पंत्रीयन प्रमाणपण (प्रिन्द्रेयन सर्विकिन्द्र) पेव न कर सक्त्रेका आरोप स्थापा यथा। सनवरी स्टार ने बाबीबीपर यह आरोप स्थापा कि पहले ही एपियाई कानूनके उस्क्ष्मनक की मामके हुए है और निवाह जब स्थान्ती सम्बद्धा से पी गई है वहीं सर्वाह्मी है उसक सामको हुए है और सामकी कार्यों हैए कर रहे हैं
- मामलोको के उक्त कानुकार एवं करलेकी बनीकके क्याँ पेस कर रहे हैं। बोक्सकर्मके मारतीय व्यापारियोंको बस्तीको दुकानवारीके सकावा और किसी तरक्के व्यापारिक परवाने नेतेने इतकार दिन्या गया।
- सनवरी ९ के पहले बहुत-से भारतीयोंपर, जिनमें कुछ उपनिवेचमें बागे हुए भारतीय भी धामिल में बौर दिनकुँ हानवासको नेटासको निर्माधित कर दिया बया या कानून ३६ के विभिन्नमें अन्तर्येत मुक्तमा चलाया बया और धाई बेटासमें प्रवेशके निन्न सर्वासमा सज्ज सी वर्षे।
- बनक्री ९ नांपीबीने बर्वनके भारतीय स्थानार संव (वंशियन चैनक्र साँठ कॉमर्स) की सभामें भाग किया और बनके नियमोके बादेमें हुक सुप्ताव दिये।

रिचन उपनिषेध कार्याक्रमको नटाल सरकारकी इस विक्रियक विरुद्ध सिन्म कि वनवरी २६ से १४ सामने उपरके भारतीय विद्यार्थी उच्च धालावर्मि वर्षी नहीं किये वार्वेसे। अनवरी १ जो नानजीने वर्षनमं करवूरवाका अपिरेशन किया। गांधीओ को उन्हें रेखने वर्षा यसे वे बोहानिसवर्ग रवाना हुए। जनवरी १२ उन्हें तीन सारतीयोको विजयर १९ ८ के अधिनियस १९ वे लब्ब ७ कर

वर्ष १२ - धन वान भारतायाका अवस्था १९ ८०० कानासम्य १२२ सम्बर्ध प्रस्त - उस्कंबन करनेका वारोप बनाया स्था या जाठ दिनके जन्दर पंजीयन करानेकी आजा

**री मई**।

बनवरी १६ नांभीजी पंजीयल प्रमायपन पेरा न करनेके व्यपरावर्षे जोक्।निश्वर्म जाते हुए फोक्स्टरस्टमें गिरफ्तार। निर्वासन दण्ड बेकर उन्हें सीमाके बाहर छोड़ दिया गया। क्रेकिन के किंग क्रीटे, और फिर गिरफ्तार। व्यपनी बमानत बाप देकर छूटे और जोहानिश्वर्ण यथे।

सर्वोच्य-यागास्त्रमने पंजीकृत मागरिकोंके निर्वासनको पैरकानूनी वरार दिया।

कनवरी २ वांचीजीने समाचारपत्रोंको खिखा कि आरडीयोंका संवर्ष वीसरी और अस्तिम जबस्वामें पहुँच गया है।

चोड्रानिसवर्गं नगर-परिचवने सरकारसे खावड् किया कि एखिवाई अम्तपर सक्ती करती जामें और पत्रीयन कानन (राजिस्टेशन ऐस्ट) कामृ किया चामे।

अनवधि २१ गांवीजीने नेटाक मन्युंधी का भेंट वी निचन्ने वीरान कहा कि यह बताना मुक्तिक है कि मारतीय स्थापाधी वयनी चारी सम्पत्ति साहकारीके सुपुर्व करनेनें क्रियी

जीविम बठानेको तैयार हो कार्येगे। इतियन कोपिनियन के कोहानिसक्षं-स्थित संवादवाताले लकर यी कि ३ स्वापारी

काम्र लियाके परिवाहीयर चलनेके किए सैयार है।

रैत हेती मेक में काशिक्याके साहुकारोंकी समापर टिप्पणी किसते हुए कहा कि स्पानकित समाप्त संकान और-अवरदस्तीका क्य बारण कर किया है। सरकारसे घरना कैनेपर पाननी कमानेका अनुरोध किया।

नेटाक सम्पूर्ण में एक छार प्रकाशित किया क्या विश्वमें कोशानिष्ठवर्ग व्यापार-संब (बैन्यर ब्रॉफ कॉमर्ड) ने भ्राप्तीयोंपर गरकारको काकार करनेके प्रमुखका बारोप कगादे हुए उनकी हन कार्रवाकि अधि शाम व्यक्त किया जा। उपनारियोंने व्यापारियोंकी व्यापार क्या नरले बीर वेड्रियोंनर करना देनेकी कार्रवाईको यह करनक किया उन्नये यह क्याका समर्थन किया।

वनवरी २२ पांचीवीने कार्धानमाके मुरोपिय शाहुकारोंकी समामें हियाब पेस दिया। रैंड डेकी मेक के इन कवनकी बाजीवना की कि शरपासहमें पोर-वदरत्ती की वा रही है।

सर्वोच्ये स्पायानयने एपियाई पंत्रीयन संनीपन सानिष्यम (एवियरिटक एत्रिस्टर्सन नर्वेश्वरेट स्पेत्रस्टर्सन नर्वेश्वरेट स्पेत्रस्टर्सन नर्वेश्वरेट स्पेत्रस्टर्सन नर्वेश्वरेट स्पायान्त्रस्ट नर्वेश्वरेट स्पायान्त्रस्ट स्पेत्रस्ट न्यांच्यां स्पेत्रस्ट स्पेत्रस

ए। याद पनापत कानून कानू किया जानक समयेनमें प्रस्ताय पास किया।
कुतावायो नवर-नरिपदने भारतीसोंको नये ब्यापारिक परकाने केनेसे इतकार कर दिया।

जनवरी २३ वर्षोच्य व्यावालय हारा नायकुटी वारील सारिज करनेका स्टार ने स्वायत निवा कौर वहा कि पुछ वायल व्यावारिकोंको छोड़कर कोई भी भी पांधी और

#### 27.7

- बनवरी १ १९ ९ नेटास प्रारतीय कांग्रेसके संयुक्त अन्त्री दावा उस्मानके वर प्रीति-मोबर्मे गांचीजीका स्वायत नित्रा गया। गांधीजी समार्थे बोले।
- बनवरी २ के पहले अँगुठकी छापन कोके कारण प्रवामी प्रतिकल्पक अधिनियम (इनिवेधन रिद्रिक्शन ऐन्ट) के अन्तर्भत बादा उत्सान पारणी व्यत्तमंत्री और एम सी आंविक्स ज्ञासन्द किसे गये।
- चनवरी २ वांभीजीने इंडियन वोधिनियल में बपने नव-वर्षके सन्देशमें वेशवासिमीसे स्वदेशीका इत केनेकी प्रार्थना की।
  - र्म्बियन बोपिनियन में गांचीबीकी इस्ति जेक्न्यालाके बनुमन प्रकासित हुए, विवर्ते सन्होंने नहां कि बेच जाना राजनीतिक निर्योच्यतार्वीक विकक्ष सहनेका सबसे कारपर समस्य है।
- १८९४ के कानून ६, खम्ब ३ के बन्तर्गत प्रिटोरियामें बरना वेनेवालॉकी गिरस्तारी। बनवरी ४ प्रिटोरियाके वरनावारोंको सुचित्त किया गया कि उनपर नये कानूनक खम्ब ७ के
- मत्तरीय मुक्यमा चलाया चा पहा है और उन्हें निवासित किया चा सकता है। जनवरी ५ गांबीजीने नेटाल मन्त्रीरी को मेंट बेते हुए कहा कि भारतीय विद्युद्धन सर्पिकेटे
- संबर्ध कर रहे हैं। फोक्सरस्टमें हरिकाल गांधी और बुखरे कोग हवाकारामें।
- स्मीपूर्टमें तीन मारतिबींपर पंत्रीयन प्रमाणपत्र (रिक्ट्रियन स्टिस्केट) पेस न करनेका बारोप समावा नया।
- चनवरी ६ इमीदिया परिचयके प्रौत्तवी ब्रह्मस्य मुश्कियारने फिरसे अनुमित्रपत्र नदा कराना मंजूर नहीं किया । उन्हें ट्रान्तवाक कोड़नेका आदेख दिया पथा। वे केर स्वाना हो गरे। वात मुहम्मस बीर ११ जन्य व्यक्तियोंसर गंबीयन प्रमाचनक (रजिस्ट्रेसन सर्टिफिक्ट) देख न कर स्वक्तका सार्पप्र कनाया थया।
- बनवरी ७ स्टार में मांभीबीपर यह बारोप कवामा कि पहले ही एविपाई कानूकरें इन्क्ष्मके को मानके हुए हैं और बिन्हें थव कानूनी मान्यता दे दी नई है उन्हीं मानकोंकों के समय कानूनको रव करनेकी दर्शानके वपने पेख कर रहे हैं। बॉक्सकोंके मारतीय स्थानारियोंको बस्तीको बुकानवारीके बकावा और किसी सम्बन्ध स्थानारिक परनाने वेनेने इनकार किसा नया।
- सनवरी ९ के पहुंचे बहुत-ता भारतीयोगर, जिनमें कुछ उपनिवेचमें बागे हुए मास्त्रीय भी सामिक से और तिन्हें हाल्यनाक्षेत्रे नेटाक्को निर्वाधित कर दिया गया वा कानून १६ के दिनियमोक बलार्जत मुक्तमा चळावा गया और अन्हें नेटाक्क्में प्रवेचके किए अस्त्रनाम सवा सी पर्दे।
- बनवरी ९ पांचीजीने वर्णनके साराधीन व्याचार संग (इंडियन चैव्यर कॉफ कॉमर्स) की समामें भाव किया और असके नियमीके बारेमें कुछ सुमान विये।

रिचने उपनिषेश कार्याक्ष्मका गेटाल सरकारकी वस विमाध्यके विवस्त किया कि यनवरी २६ से १४ सालसे रुपरके बारसीय विधार्थी उच्च बारसामें वर्सी नहीं किने वार्येसे।

- तारीकार बीतन कृताना
- वनवरी १ वाँ मानवीने ब्यममें करसूरवाका कॉपरेशन किया। गांधीवी को उन्हें देखने बड़ी गये में कोड़ानिसवर्गरवाना हुए।
- भनवरी १२ जन शीन भारतीयांको जिलपर १९८के लागितियम १६ने सम्बद्ध का उस्कान करनेका आरोप कलावा थया या बाट निनके अख्यर पंत्रीयन करानेकी आका की गर्द।
- बनवरी १६ योबीजी पंजीयन प्रमाणयन पेश म करनके सपरावर्मे बोहानिसवर्ग वाते हुए कोक्सरस्टमें सिरकार। नैन्तीसन बच्च बेकर उन्हें सीमार्क बाहर छोड़ दिया पना। स्रीकृत के दिन कोटे और फिर सिरफ्तार। अपनी बयानत बाप देकर सूटे बीर बोहानिसवर्ग गये।
- सर्वोज्य-सायास्त्रको पंजीकृत नागरिकोके निर्वाधनको गैरकामृती करार दिया। कनवरी २ सांधीजीने समाधारपत्रोंको क्रिया कि पारतीर्योका संघर्ष ठीसरी और अस्तिम
- सबस्थामें पहुँच गया है। चोह्यानियदमें नदर-मरिपदर्श सरकारसे बायह किया कि एसियाई प्रदन्तर सन्दी बच्टी कारे बीर पंत्रीयन कानुन (राजिन्ट्रेयन ऐक्ट) कामृ किया वाये।
- चनवरी २१ गांबीबीने नेटाक मरूर्युंगे को मेंट यी विसके बीगण कहा कि यह बताना मुक्तिस है कि मारतीय ब्यापारी अपनी सारी सम्मति साहुकारीके सुपुर्व करनेमें क्रियी
  - जीकिम बेटानेको हैसार हो बार्यि । क्षेत्रियम बोपिनियन के बोहानिस्तर्म-दिस्तर संवादशासने सवर की कि इ ब्यापारी
  - काक्र किया के प्रविश्व होंगर चक्रने के किए तैयार हैं।

मये करमका समर्थन किया।

- रैंड देनी मेल में काडकियाके राष्ट्रकारिकी संभापर टिप्पणी किवारे हुए कहा कि वचानमित सत्यावह संपर्धने जीर-जारसरिका रूप वारण कर किया है। सरकारते बरता देरेंदर पानली कमानेका जमुरील किया। नेटाल मर्कुरी में एक चार मकायित किया गया जिवसें बोहानिसकां व्यापार-संब (बंग्यर काँक कांग्रने) ने भारतियिर र सरकारको काचार करनेके प्रयत्नका जारोज समते हुए उनके इस कार्रवाहिक गति शीन व्यक्त किया था। उचवानियाँको व्यापारियाँकी समति वस्य करन और पेन्नियंगर जरना देनेकी कार्रवाहिको बन्द करनेके किए उठाये
- वनवरी २२ योपीजीने काकिसाके यूरोपिय साहुकारोंकी समामें हिसाब पेस किया। देव देवी मेळ के दम कमनकी जान्योचना की कि शत्यायहर्षे जोर-जनप्रस्ती की जा गरी है।
- वर पहा है। सबीच न्यायाक्रमने पशियाई पंत्रीयन संगीधन समितिया (पश्चिमाटिक प्रीतन्त्रेमन सर्वेटमेंट एनट) के अन्त्रकृत वो वई समाके निरोधमें नायकृती वर्षीत सादिव की। बोहानिनवर्ग स्थापार-तम (वंश्वर सांद्र कांग्रही) के बहनापि विभावने सरकार हाए
  - पश्चिमाई पंत्रीयत कातृत कातृ किय वालेके समर्थनमें प्रस्तान पात किया। बुकानायों नगर-परिपत्तने मारतीयोंको नथे व्याचारिक परनाने वेलेके इनकार कर दिया।
  - ननवरी २१ वर्षोच्य व्यायाच्या हारा मानावृक्ष करील सारित करनेगा स्टार ने स्वायत रिया और कहा कि कुछ पापक व्यायाचित्रको खेलिक सीरित करनेगा स्टार ने स्वायत

भी काम्रक्रियाकी बात मानकर अपने व्यापारको दौक्ष्यर क्रयाला पमन्द नहीं करेगा।

र्व बार्ष बस्वात और कन्य भारतीय व्यापारियोंने काम्रसियाका बनसरन किया। जनवरी २५ योधीजीने देश हेसी मेल का मेंट थी जिसमें करत कि जनतक एधिनाई

व्यापारियोंको बक्षिण जाफिकार्ने उनका अधिकार प्राप्त नहीं हो बाता में सन्दाय नहीं होडेंगा ! रैंब बेकी मेल ने किया कि यदि सत्यापहियोंके तरीके विश्वन बाधिकाकी रंपसार

और बतनी आवादीमें भी फैंक गये तो अराजकताकी विवति जल्पम को जामेगी।

बनवरी २६ गांधीजीने तमिस समाजकी सभागें भाषण दिया।

वाँ कारवको क्रिका कि कास्त्रिकारी को क्यम सरस्त्रा है सक्के विकास स्वाम नमा

सारोप टीक नहीं।

साहकारोंने काक्रकियाको सचित किया कि उनका बराबा काक्रकियाकी सम्पति अस्वामी धौरपर बन्द करनेका है।

सतेक मारशीयोंको निर्वाधित करके टेकारोमा-वे त्रेज देनेकी साहर दी गई। इनमें १४

साम पुराने अधिकारी भारतीय भी साधिक थे।

जनवरी २७ गांबीकीने कॉर्ड कर्जनको भारतीय स्वितिके सन्यन्त्रमें क्याना वस्तम्य मेत्रा और बासा व्यक्त की कि विव वे इस्तक्षेप करें तो संबर्धका संगळमय बन्त हो सकता है। काक्रमिया और अध्य १ व्यक्ति जव्य ९ के वन्तर्गत विरस्तार करके मनिस्टैटके सामने

पेस विद्यो समे। कोक्रवाइमें भारतीयोंकी क्षत्रा हुई, जिसमें निर्णय किया क्या कि न परवाने किये जावें

और न फिरसे पेजीयन प्रधानपत्रको नदा कराया जाये।

बनवरी २८ जोडानिसवर्वके मारतीय ब्लापारियोंने विना परनाना ब्लापार करके जेब जानेका तिक्षम किया।

बनवरी २० योबीबीको क्रस्तुरवाका स्वास्थ्य सुवरनेकी सुचना निकी और वे अरबन रवाना

हुए।

कार्ज्ञासमा नायकुत्रीर अस्य स्वमित्रवॉको तीन महीनेकी कैव वा ५ मींब चुमनिकी सका की का सेवलको २ सदीनेकी सका की वर्ष।

टाम्सबाल सरकारने जपनिवेश-अन्तीको सुवित किया कि योगीजीसे जान रास्तींपर कान

किये जानेकी जबर सूठी है जारतीय कैंबियोंके शाल कुर्यवहार नहीं किया जमा है स्रोर न ही अपकी जामिक सामनाको देश पहुँचाई नहीं है। फरवरी १ काक्रक्रियाकी कारावास वविकां वे बाद अस्वाध वर्वसम्मतिसे विदिश बायीव

र्शनके सध्यक्ष चूने समे।

फरवरी २ कॉर्ड कर्जनने बांबीओको सूचित किया कि बोबा और स्मर्ट्स उनकी बातकीत हुई है और ने भारतीयोंके साथ चवारता और न्यायका वस्ताय करतेके तिए छन्तुक हैं।

फरवरी ह निर्वाधनके हत्त्रकी जनमा करनके अपरावर्गे पारंधी सरदावनी बीट बन्द अस्ति विरक्तार किम गरे।

फरवरी ४ बॉबीजी करतुष्वाको बॉपरेसनके बाद स्वस्य होनेपर खीनका छ गये। फरवरी ५ ट्रान्यशंकरे सर्वोच्य स्थायाध्वनने रविधियाकी वरील खारिब कर दी। हरिबाज

मांची बाउव मुद्रम्मय जीर कन्य प्रमुख जारतीयोंको निर्वातनका हुपन दिवा बसा।

फरवरी ९ सरकारी यज्ञट में संबीकरण-कानुमका मसंविदा प्रकासित हुआ। वातव महम्मव और काश्रविमाने अवास्तर्में महावर्गोंको अपनी सम्पत्तिपर अस्मायी

अधिकार देना मंगर किया। फरवरी १ हरिसास गांधी और बन्य अनेक व्यक्तियोंको फोक्सरस्टमें शीनसं सेकर छ

महीने तक की समा सुनाई गई। शासाम्बीय सरकारने रोबेधियाके एखियाई कानूनको सबूध नहीं यै।

फरवरी १) निर्वातनकी समाके बाथ ट्रान्सवाकमें पून प्रवेश करनेके वपराधर्मे पारशी स्तामत्री कोर सन्य स्थानतयोंको तीन-तीन महीनेकी सना दी यह।

परवरी १५ के पुत्र राष्ट्रीय सम्पेकन (नेशनक कर्नेशन) ने वशिष बारिका काननका यसंविदा पेच किया।

फरवरी १६ वी ए॰ चेडियरको तीन महीनेकी समा दी गई।

अनरस बोक्त गवर्नरको एक पत्र किसा विसमें १९ ७ के कानून २ के रह किये कानेकी मांगके विषयमें सरकारकी स्थितिका स्थारा देते हुए इस बातसे इनकार किया कि ऐसी फिसी मनकीका क्वन किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि एसियाई अविकासियों रें १७ प्रतिपत सोगोंने पंजीयन करा किया है और असाम्यासक प्रतिरोक्ती हासत बांबांबीक है।

फरवरी १७ कुछ बीर सन्यामहियोंको चीनसे छ महीने तककी सवा ही मई बाय छोत हिरासुतमें बापस अंग दिने यम जिटोरिया हाइडेसबर्ग अमिस्टन जाहिसे गिरफ्तारियोंकी कररें नीकी ।

फरवरी १८ एम ए कामाको तीन महीनेकी सजा। जीर वी बनेक प्रमुख भाष्त्रीय निवासित किमें यसे या जेल श्रेणे समे।

फरवरी १९ चित्रास्त्र न देने अथवा पंजीयन प्रमायपत्र न पेश करलेके अपराक्षमें प्रान्तासीय स्टैडर्टनमें विरक्तार ।

फरवरी २ सिनास्तके नियान देतेसे इनकार करने और पंत्रीवन प्रमायपत्र पेस स करनेके कपरावर्धे सिर्मय क्षिण विश्वपतार किये स्त्री।

फरवरी २२ वांकीकी प्रीतिवससे कोशानिसक्त रवाना हए।

फरवरी २५ पोक्षत और म्यासके साथ प्रोत्सास्त्रज्ञें गिरायरार ।

पंजीयन प्रमाथपत्र देश न करलेके अपराधनें तीन महोतेकी कैंद अवदा ५ पीड जुमतिकी श्रमा की गई।

क्षमिल समामको संबर्ध कारी रक्षमेका समीध विधा। करवरी २८ श्रीववर्षिके इमीविया इस्कामिया बंजुमनके तरवाववानमें आयोजित विटिश भारतीयोंकी समामें गांनीबी काछकिया पारती क्रतमबी और अन्य सोनोंको कत

भानेपर बचाई की गई। और संवर्ष वारी रखनेका निश्चय किया गया। मार्च २ नांचीजीको कोल्सरस्ट पेससे जिटोरिया पर के जानेका इतम पारी हवा और

सामकी वाहीते के सन्तरीके साथ एकाना हो बते।

वार्ष ३ प्रिटोरिया सेम्प्ल जेल पहुँचे।

इंडियन ओपिनियम के कास्त्ररस्ट-स्मित संवादवाताने तार किया "यांची प्रसासनिक कारगोंसे प्रिटोरिया के जाने वर्त है। येदा विस्ताम है कि यह कदम पर्न्हे कर कोमोंसे ६९२ सम्पूर्ण बांधी शास्त्रमन

विटिष्ट मारतीय संबंधी कार्यकारिकी विरुद्धक यक्ष्य बताती है। पोक्कने सवायाच्या सम्बाधियोकी परिवर्ध और रिफ्लेसरॉकी समाका उद्दारन किया। है बाहे बस्तात और कियम विश्वको तीनशीन महीनेकी एवा दी पहि।

विस्कृत अक्षय कर देनेके निय उठाया थया है। निकट मविष्यमें समझौता होनेकी सबर

मार्च ४ गार्जीजीको जेसके राजाने जीर एको साफ करनेका काम विमा ममा। मुक्त गरनेवार के के सामीको जो समित कस्मान समिति (समिस वेनिफिट सोसाही)

के मन्त्री मी भी तीन महिनेकी खना थी गई।

दो महीनेकी सभा पूरी हो बानेपर रविरिना मुक्त किये वसे। सार्व ५ रविरिक्षा किर गिरफ्तार।

केरके रेपरार कोमोंकी समानें संपीकरण कानुगढ़े नशिवसेगर चर्चा हुई और संपत्नी संसरों प्रतिनिधित्व समा स्थानीविक अधिकारीकी मीग की गई। भी काक्ष्मिया बीर बम्बातके कैसमें होनेके कारण ई एस कूबाड़िया विदिस भारतीय

संबक्त कार्यकारी आध्यक निवृत्तः। मार्च ६ भोरोने बारणतंन वॉल्डवर्न कुमर्सेडॉर्न बादि स्थानॉर्मे वस्तियां स्थापित करानेके क्रिय आन्दोकन नुक किया।

आत्योक्तन मुक्त किया। मार्च ७ हमीदिया इस्कामिया अंबुमनमें डिटिख चारतीयाँकी छन्ना हुई, जिलमें बन्ध कोगीके अतिरिक्त प्रवादिया कैमनवैद और पोष्क्र भी बोके।

मार्च ८ गांधीओं के कारावासने सम्बन्धित कपने वस्ताव्यमें कर्नक शीक्षीने कहा कि की गांधीको सवा सम्बन्धित की वह है कि उन्होंने ट्रान्यवाल कानुमका पासन करनेते सुनकार किया से सही सरकार ट्रान्यवाल सरकारको पंजीयन प्रमाध्यवनने सम्बन्धित कानुमको लागू करनेते नहीं रोक सकती। मार्च १ गांधीजीनो हककी वासकर बहाकरमें यवाही बेनेके किय पेस किया गया।

प्राप्त है गाणवाना हुक्का वालकर बवालयम प्रवाह वनक लिए प्या हिस्सा गया।
स्याहरियोंने करनुप्ताको गांवीबीकी दीयरी बेस-सावापर बनाई दी।
बीमी स्थाहरियों गांवीबी कीर क्षित्रंच विकार केर सावेपर वनाई दी बीर निवंद
किया कि स्थास और आरमानिमानके किए संवर्ध बादी रखा बायेगा।
बारदीय सलारिह्याको निवंधिकर वेक्षणीवालके एरसे वाद्य मेवना बारमा।
हिटिस पारदीय संवर्ग द्राग्यक बीर पूर्वनावले एरसे वाद्य मेवना बारमा।
विटिस पारदीय संवर्ग द्राग्यक बीर पूर्वनावले एरसे वाद्य मेवना करायम।
विटिस पारदीय सेन द्राग्यकाल बीर पूर्वनावले एरसे एरसप्ति वाद्योगिके निवंधनके
विट बारस्में की प्रवस्त्र किया ना स्वस्त्र पिरोम कर्यों हुए द्रान्यस्त्र करियों किया।

मार्च ११ कोहामिसवर्षमें मार्याय महिकालोने समा की। कस्तुरकाने पत्र मेना कि बाँद मुझे पंत होते तो में सक्कर समार्थ मा बाती। कस्तुरका और अन्य कार महिकालोके हस्ताकरसे द्वान्यवालके अववार्षके नाम पत्र मेना

नमा। बेक्ने पोहानिस्वर्वने बहाबारोके नाम पत्र किया निपर्ने पांचीकोको हुपकड़ी बास्त्रोद्धे बादका स्टब्केस करते हुए उन्होंने कहा कि भी वांधी-वेंबे आपनीके हुए सनावस्यक सप्पानके स्पनित्रेशके संविद्यास व्यक्ति सन्त्रमण स्पनुत्रम करते हैं।

सार्थ १२ विवन कोरिनियम के विशेष धेनावराताने तार क्षारा सवर वी कि मानीजी बचने और बीमार दिखाई पहुत्ते हैं। न्यासास्त्रको मारतीयाँकी समामें द्वारधवासके प्रारतीयकि प्रति क्रिये वानेवाले दुव्यवहार और सामाज्यीय सरकारकी कमजोरियोंकी निन्ता की गर्ध।

सार सामान्याय उरकारका कानारपाल एक एक प्रकार का निर्माण के स्वार्थ का स्वर्थ का स्वर्थ का स्वर्थ का निर्माण के स्वर्थ का निर्मण के निर्माण के स्वर्थ का स्वर्थ का निर्मण किया कि स्वर्थ का स्वर्य का स्वर्थ का स्वर्य का स्वर्य का स्वर्थ का स्वर्य का

- ार्च १३ इंडियन ओसिनियन ने नांधीजीके फोल्यस्टसे प्रिटोरिया सेंट्रक बेठ भेज दिये जानके सम्बन्धों इस सरकारी अक्षान्यकी जालीचना की कि येखा केनक प्रधासनिक सुविधाके बदासके किया गया है और क्षित्रका कि इसका मन्या नेक्षण यह है कि दी जीबीको क्षण कोंगोरे विस्कृत बक्त रखा बाने साकि उनके बेध-पाइयोंको उनसे किसी कराइकी प्रत्या और प्रोत्साहन क सिक खके।
  - विदिल मारतीय छवने हार्व कपिकनरचे प्रार्वना की कि थे निर्वासन मीतिके सन्बन्धमें एक जिल्हानकक्षमें मिकनेकी कृता करें।
- मार्च १४ बर्दनमें आयोजित नेटाल जारतीय कोयेसकी समाने ट्रान्सकारूने सम्बादहियोंना समदेन किया कोर ट्रान्सवील तथा वेसायोजा-वेके अधिकारियोंके बीच हुई निर्वासन सम्बन्धी कारावाकी जिल्ला की।
  - जोह्मनिवर्वर्में बाबोजित बिटिस भारतीय संबक्ती समार्थे निरुप्य किया यदा कि जबतक सरकार भारतीयोंकी मीर्गोको स्वीकार नहीं करती तवतक पूरी सन्तिके साम अस्ताहर जारी रक्षा वायेगा।
- मार्च १५ बोरिज आफिका अधिनियम (सातव जाफिका ऐस्ट) का मस्रविदा दक्षिण आफिकी संस्तके सामने यक किया गया इस सम्बन्ध कीमन्य समार्थ प्रस्त इत्यामा गया। हाई कमिस्तरने मिनांसनके प्रकाश केकर मिजनेवाल विटिय भारतीय नवके सिप्टमस्त्रको मजाबाद देनेने प्रकार कर दिया।
- मार्च १६ वेसारोजा-वेर्ने भारतीयाँकी सभा ट्रान्सवासकी स्थिति और निर्वाधनके प्रवासके बारेमें अमुक्ता हाती आदम और पोष्ठक वोले पूर्ववाकी वयनर-यनरसके पास सिट्ट मध्यस मेजनका निश्चय किया गया।
- पार्च १७ फिन्सके कार्यीजॉकी सभागे द्राल्यकारुमें भारतीरॉके साथ क्षेत्रेवासे अस्यायपूर्व स्वकृत्के प्रति किरोध प्रकट किया। दान्यवासके गर्वतरंगे उपनिवेस-कार्यकासको सार दिया कि ऐना कोई भी भारतीय देससे
  - निवासित नहीं किया गया विसने अपना पत्रीयन प्रशापनम दे दिया हो। केवल वे ही परिवास देशके बाहर निकास नये है जिन्हें अधिवासका अविकार नहीं या और जिन्हें निवन्द्रेटने निर्वासनका हुक्य दिया था।
    - विदिश मास्त्रीय संबद्धी पोर्ट पुलियाचेय सामाने तार वेकर बादसस्ययने आग्रह किया कि वे ट्रास्त्रवासके भारतीयोंके पक्षमें हरतसेप करें।
- मार्थ १९ ट्रान्सवासके नवींच्य व्यासास्त्रमें प्रेमना दिया कि श्रमित्र क्षेत्रीमें व्यापारिक परवाने प्राप्त करनेके सम्बन्धमें प्रारक्षीयोपर कोई विभाग नहीं है।
- मार्थ २२ निराक नवर-पार्थिका संघने नयरपातिका वानून एकीकरण विवेदक (म्यूनिसिएक को क्रमेरिकीयन विक्र) में विवेद-सम्बन्धी आधार्वोको क्रासीहरा करनके किए सामाग्य सरकारणी माजीवना की।

मार्च २४ ईस्ट करको विदिस धारतीय सबकी समाने शासवास धरकाची निर्वासन-मीलियी जिल्ला की मार्च २५ बसीबिया जंबसनके हासमें सारतीय महिसाबोंकी सभा वर्ष जिसमें बीमती बस्बी

नाम बीमनी पोक्क और कमारी क्लेकिनने मायण विसे तथा भारतीय स्थिता समावदी somer air mil.

हेस्ट सन्दर्शके बिटिया आरतीय संबंधे बाहे कमितमर, उपनिवेश कार्यासम् और आरतके बाइमरॉबके पास मारापियंके साथ किये जानेवाके वर्म्यकारके प्रति विशेष पत्र मेंब्री। साँहें समार्थे काँहें ऐंस्ट्रिक्के अन्तका चलर वेते हुए काँहें ऋ में शासवाककी निर्वासन affiliar marke floor i

मरती मसविवक मौक्षणी करमव वासि भी जॉईनकी जवाकरामें किरह की गई। सक्ता

मिली कि प्रिटोरियामें पंकीवनका काम ठप है। मार्च २६ केंग्र राजसर्वे भाषण देते सार आस्त्रारते रोब-वेशको संबंधे विधानका कर्मक स्था। पोर्ट एक्सिकाबेचके विदिश्न शास्त्रीय संघ द्वारा १७ मार्चको भेते समे लारके समावर्मे प्राप्त सरकारने आक्वासन विया कि वह टान्सवाकर्ते हिटिश भारतीयोंके प्रति होनेवाके व्यवद्वारको समारतेके प्रयत्न करती रहेगी। साम ही यह मी कहा कि कानतका शक्कंबन करतेकी सकार्ते प्रस्तातेप करना शतके वशकी बात नहीं है।

मार्च २७ कोशानिसक्षयं केरीमिक्ति और फोक्सरस्टमें और अविश्व कोलेंके पिरस्तार किये वाते

सका किये बाले और निर्वासित किये बालेका सताबाद सिवा। कर मिन्नी कि १५ कैरियोंको कार्नोर्ने काम करनेके किए फोक्सरस्टमें हाइबेक्सर्प हैं

चाया संबाध मार्च २८ ब्रिटिस भारतीय संबकी सभागें कॉर्ड क् के उस भागक वस्तम्मके प्रति विरोध प्रकट किया नया को उन्होंने भारतीयोंको बेहायोबा-वेके रास्ते टान्सनावसे निर्वाधिय करतेके सम्बन्धमें संसदमें किया था।

विसदारको विटिस आएटीय संबक्ते कार्यकारी सम्बद्ध वने गये। सरबाददियोंके साथ टान्सवाक धरकारके दर्श्यवहारके प्रति हमीविवा दस्कामिया संस्थान

बारा विरोध प्रकट करनेका निक्यम।

पूर्ववाक्रियों के साथ प्रवन्त होने तक उन्हें रोक रहा। यथा। हासवाक गवर्नरने छप्तिवेश-सन्त्रीको सुचित किया कि पूर्ववाकी विश्वारियों ने भारतीयोंको

कारते सामान्य प्रकारी विकिथमेंकि कारीन निर्वाधित किया । किDक भारतीय संबत्ते ९ सितम्बर, १९ ८ को जो प्रार्थनायण दिया जा समन्दे धलाओं हालबाकके वर्ध्वरते अपनिवेश-मन्त्रीका चनाव संबक्तो मेला। कक्षा वदा कि हाससाब सरकार पंजीयन अधिनिका रव नहीं करना चाहती और साम्राज्यीय सरकार उसे रह करवातेके क्रिए बनाव डाक्तनेकी स्वितियें नहीं है। प्रतिनर्प ६ विक्रित भारतीयोके प्रवेशके समामपर शोनों पर्लोग्रें मतसेब केवल प्रवेशके सरीके और निजयको केवर है।

इंडियन ओपिनियन के संवाबदाताने सुचना की कि ने सत्यामही जो नेटासके सविवासी

अप्रैष्ठ ३ अमिस्टनकी महिसाजोंने अपना सम स्थापित किया।

है और जिनको निर्माधनका आवेश हवा है सिर्फ फोक्सएस्टकी सीमाके पार छोड़ दिये <u>⊶ਜ਼ਹੋਰ</u> । ■त्रबर्टनकी समार्गे निर्वातनकी नीतिका निरोध किया गया और नांधीओने कप्टों और ■प्रमानोको विस साहसके साथ सहन किया उसकी सरावना की गई।

अप्रैस ५ के पहले बिटिश सारतीय संग और ह ह अंगमनने शांधीजी तथा जन्य सार्गोको बर्म और बेबमाइपॅकि किए चेल चानेपर बचाई वी और संबर्प कारी रक्तरेका निर्मय विद्वार ।

क्षप्रैस ६ विटिस भारतीय संबने हाई कमिश्नरको पत्र किसा जिसमें उसने संबन्ने निवेदन पत्रको तार हारा उपनिवेध मन्त्रासयके पास न भेवनेके क्रिय उसकी निन्हा की। टान्सवासके बार भारतीय निर्वासित किये गये तथा बारबर्टममें ! अन्य निर्वासित किने वानेकी प्रतीसामें ।

अर्थेळ ७ पोलकने हमीदिया अंजुमनके हालमें बोहानिसवर्गके हिन्दुओंकी एक समामें बीय-क्सफ और हाइडेक्नपंकी चेकॉमे कर सत्यायहिसोंकी त्यितिके बारेमें बताया। ब्रिटिस जारतीय संबने कार्यवाहक जेल-निरंशकको यत्र सिक्कर बन्दियोंके साथ होतेहाले हर्म्बद्रारकी विकासत की।

मेटाक्के प्रमान मंत्रीने संसवमें इस बातको गक्त बताया कि विर्पमिटिया एशियाई मजबुर्धेका प्रकास चारी रखनेके क्रिए नेटाल सरकारने सन्य उपनिवेशींसे समझीता क्रिया है।

वप्रैस ११ जोड्डानिसदर्गमें नास्त्रीगोंकी जाम समा हुई, जिसमें बोबा डारा काँडे कुके समझ दिये पर्ये इस वन्तरम्यका खन्छन किया गया कि बहुत-से एप्रियाई सपनी वर्तमान स्थितिसे सन्तष्ट हैं। समाने साम्राज्यीय सरकारसे अनुरोग किया कि वह इस्तसेप करके संवर्षको समाप्त करवाये। अप्रैस १२ भाषीनीको हमकड़ी पहनाकर पैदस से जानेके बारेमें ब्रिटेनकी कोकसभामें प्रस्त

२९ चीनी सत्पावहियोंको जिनसर बाँगुठाँकी काप देनेसे या इस्तासर करनेसे इनकार करनेका आरोप या वरी कर दिया यथा। बप्रैक १४ वॉ अब्दुर्रहमानने केप टाउनमें आफ्रिकी राजनीतिक संगठनके साववें वापिक

स्रवा गमाः

सम्मेकनका सदबाटन किया !

१६ मारकीबोंको को जोहानिसबर्वके पुराने निवासी वे डेकागोमा-वेके पस्ते निवासित करके भारत मेज विया गता।

अप्रैंड १७ इंडियन जोपिनियन के संवादवाताने श्ववर दी कि गांवीजी प्रिटारिया मेंट्रक चेत्तमें केल विनिधमोंके अन्तवत मारतीयोंके शाव वतनियों-जैसा व्यवहार किये जानेके विरोध-स्वरूप पूरा मोजन नहीं के रहे हैं और उन्होंने तबतक की कैनेसे इनकार कर दिना है, चनतक कि सभी जारतीय कैदियोंको भी मही दिया जाता। **%-Y** 

६९६ सन्दर्भ काँग्रे समामें काँग्रे कू ने गिरामिटिया मजपूरों और साही उपनिवेशोंमें मारतीयोंके प्रवासके वारेमें एक सन्वा वक्तव्य दिया।
सप्ता २४ चीनी सत्यासियोंके सज्जनमें चीनियों श्राप्त अंयुक्तियोंकी स्था वेतेसे इनकार

करनेकी संराहना की। बमैस २६ पोलमने रैंड बेकी मेळ को एम सिल्लकर उसके सम्पादकीयमें संवर्धक वारेमें कही पर्व पक्त वार्तीका कोरवार सम्बन्ध किया।

च्हा गई गरूर बात्रका बारतार सम्बन्ध किया। समैत २७ सरकारी मचरिय में १८०४ के ब्रीकियम ५ के सम्बन्ध के अन्तर्गत क्यामे पमे जो मने विभिन्नम मचरित हुए उनके हारा यूरोपीम स्कूजोर्ने कतनी भारतीय वा रंगशर

बच्चोंका प्रवेश निर्मय कर दिया गया। बद्रैक रहे तीन प्राह्की चैरकी सवा पूरी होनेपर काल्डिया और १८ झम्प प्रारतीय दिहा क्रिके स्त्री

वर्षक २ मुद्दम्मद मकदाके मामक्ष्में सर्वोच्च व्यापात्रमने स्वस्ता किया कि पंत्रीयन करनेसे इनकार करनेपर एपियाई पनीयकके विश्वत अपील नहीं की जा अकरी।

मई १ बोबाके इस कबनके सम्बन्धि कि द्वान्यवाक्क ९७ प्रतिचल एथियाई पहले ही पंत्रीमन करा चुके हैं, हिसमा बोधिनियन में सम्बीकरण केते हुए बताया कि इन परिवाहसीने सस्याप्त बाल्योलनके नेतानीक प्रयस्तिक शक्तववय ही स्वेच्छ्या पंत्रीमनके बन्धकंत्र पंत्रीमन कराया था।

मई ४ ट्रान्सवासकी वेडोमें कैंव भारतीय सरवाविध्यांको योजनमें वी मिकना यूक। पी के नायकूको कंग्रीनियममें जिना परवाने व्याचार करनेपर २ महीनेकी सवा की गई। मई १ पवीस्कने जिन ९२ एक्सियाइबॉका पंजीवन करनेसे इनकार कर दिया था सर्वे

बोह्यतिखर्सकी बदाख्यने निर्वाधित करनेका बावेख दिया।
मई १५ नेटाक मार्प्टीय कविवने १८९४ के बीवितयम ५ के बच्च ९ के बन्धकंत बनाये नवे वित्रियमोको मार्प्टीय कावेखने १८९४ के बीवितयम ५ के बच्च ९ के बन्धकंत बनाये नवे

प्रश्विको किया। मई १९ द्वान्यक्षको सर्वोच्च न्यायाक्यमे निर्मम दिया कि सरकारको १९ ८ के नीटिएके सन्तर्यस्य पुमक बस्तियोके निर्माणको एक करनेक कोई बस्कार सुद्दी है।

प्रतिक प्रभाव कि स्वार्थिक नेत्र प्रशिक्षक दिशा कि स्वार्थिक प्रशिक्षक दिशा कि स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्यिक स्वार्थिक स्वार्

मार् २६ अपने चेलके अनुमुखंकि बारेर्से कोहानिष्ठवर्गके समाचारपत्रोंने किया। भार २९ इंडियन बोपिनियन में किस्ते यसे क्षेत्रार्गे सन्याग्रहके वर्ष और उसके परिचामी

हे २९ - इतियान जारानवया या राज्या यय अवस्य शायासाहरू जाव जार अराज पारणाया पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किने । जेकटे जनुष्योंकै ठार एक केल-याना सुक की । तर-प्रस्ताहरियों द्वारा द्वारायाक विदिध भारतीय श्रमक्षीया श्रमित स्वास्ति ।

- मई ३१ महास नगरके भारतीयोंने ब्रिटिश संसदको एक प्रार्वनायत मैजकर १९०७ के अधिनिषम २ को रह करने और ६ शिक्षित मास्तीयोंको प्रवेश करनेका अधिकार देनेकी प्राचीना की ब
- जून २ बेस्ट एण्ड हाँकमें आयोजित स्वापन-समारीहमें और वाहमें जल्वात भौर विदनकी रिजारियर बायोजित एक वाम-पार्टीमें गांबीजी बोसे।
- जून ३ प्रिटोरियाकी नमर-परियन्ने रंगदार कार्गो हारा नगरपालिकाक वृक्ता<sup>ह</sup>-वर्धे ( वास हाउसके ) का उपयोग करनपर कगाये अपने प्रतिबन्ध चंठा निये।
- बूत ६ योबीजी ट्रान्सवाक ब्रिटिश भारतीय समझौता समितिकी बैठकमें बोसे। समितिनै त्रपतिवेश-सचिवको प्राचैनापत्र भैजनेका निर्णय किया।
- बुन ७ अभिस्टनकी साहिरियक और वादविकाद समितिमें "सरवाप्रहकी बाबार-नीति" विवास्तर होते ।
- बूत ८ ट्रान्तवाक विद्यानगमार्गे उपनिवैद्य-सचिवन वी सी मनिक संसद सदस्यकी मौगपर सन १९ ९ के बीरान दालसकामें एशियावर्वीके प्रवेशका स्पीप प्रस्तुत किया।

प्रचार-कार्यके किए पाकक केय कालोगी रचाना।

- बुत ८ के बाद इाम्सवास सीहर में यब सिप्पकर गांधी दीने माँग नी कि मनिकन एधिया हमें-पर महैप क्पन्ने द्वान्तवालमें प्रवेश करनेशा को आयोप समामा है उस बापन से।
- बन १६ द्विटिम भारतीय संबदी समितिले इंग्लैंड बीए मारत जानेवाले सिप्टमण्डलेंकि सदस्योंका चुनाव किया।
- जन १४ उपनिवेश-मध्यने नेटाल भारतीय कांग्रेयकी वह प्रार्थना बस्नीष्ट्रन कर दी कि १९ ९की सरकारी विक्राप्त संस्था २०१ के अन्तर्यंत भारतीय विकासर को प्रतिकत्य स्थाना गया है उसे नापस से सिया आगे।
- भूत १५ इमान कल्यूच बादिर बादबीर दिहा किये गये। अस्वी अस्व हुनी पी स्थास एत ए कामा और ब एम धेलत बोहातिमवर्षेमें विश्वतार कर निये वये। प्रिटोरियामें इस बीर विभन्न जारतीय जिरानार।

- जून १६ गांधीजीन बम्बी नायद सभा अस्य क्षीयोंकी वैरकी की । इंग्नैंड और बार्या पानेवाने शिष्टमण्डवीके सदस्यांका चुनाव करनके लिए बायांजिन बोहानिपवर्णकी ज्ञाम समानें भाषण दिया। सभाने अप्युक्त करिया हाती हवीव वी ए पेट्टियार और पांचीनीका इंग्डैडके लिए तवा एन ये नामा एन जी नायह, ई एम कुबाहिया और एक एम एस गोलकको भारतके थिए प्रतिनिधि बना। म मु नाधनिया वी ए वेट्टियार और ई एन पूनादिया गिरफ्नार कर किये गये। नाम्मीन्या और चेट्टियारका ३ महीनकी कैंप या ५ वाँड जुमनिको सत्रा दी गई। वि भा स के अध्यक्षते उपनिवेश-अधिवको सार देशर प्रावेश की कि ग्रिक्टमक्टलके मदस्यांती सजा मुल्तनी कर की जाये।
  - बून १७ योगास भाषपु और भारत जानेवासे तमिकोवः सस्य प्रतिनिधि विर्यनार । पेप टाउनको इतिविया मुक्तिम संगुमनन ट्राम्मकाको ब्रिटिश भारतीय मुनसमानोके गाप होनको हर्म्नवगरक विशेषमें प्रस्ताब वान विद्या।

110

- बून १८ जपनिवेश-सिवाने कि भा सब की यह प्रार्थना जस्त्रीकार कर थी कि ममीनीत प्रतिनिधियों की सभा मुख्यकी कर दी जाने । ये छोग सिट्यम्बसके सदस्य होकर स्तरेस
  - जानेवाले ने इसकी आपकारीके सन्होंने इसकार किया। गोबीकीने स्टार में एक पत्र सिवकर उपनिवेश-संभित्रके इस बावेका खण्डान किया। बहुरासपूरमें आयोजित भज्ञास प्रास्तीय सम्मेकनमें एक प्रस्ताव पास किया वया विसमें
- दक्षिण नाफिकार्ये विटिस मारागियकि याथ होनेवाके बत्यायपूर्ण व्यवहारकी निन्त की गई। जून १९ भावीबीनें देवियम सीपिपियन में केल मिसकार चिरतमध्यक बाहुए मैजना उपित बताया। यह मुझाव भी दिया कि आस्त्रीकारके बारेसें सही जानकारी कैकर संगर्धकों सीप्र समाप्त करानेकें उद्देशसें बानेवाके विषय्त्रपत्रकोंकों समर्थक मान करानेके

स्थयका साध्य स्थाप्य करनक स्वस्थय बारवाक । एटस्यककारा समयन प्रतान करन किए बीजय बाठिका-यरमें स्थापे की यागें। हास्त्रवाम विनिधं भारतीय समामेगा समितिके प्रतिनिधियककाने स्मट्सरे मेंट की।

जून २१ क पहले ट्रान्सवासके जारधीयकि नाथ एक वर्गासमें गांधीवीने बेक-पात्राको पामबाक बताया। हशीव भारतको पत्र क्लिक्ट हुए यांचीबीने बाहसरोंबकी शरियक्षों मुख्कमानकी तियुक्तिको स्वित बताया और क्लिक्ट तथा मस्कमानकि बीच सने माहस्टी-वैद्या सम्बन्ध होनेकी

बाक्सफ्यापर कोर विया।

- जून २१ इस्पेंड जानके छिए योजीजी और हाजी हवीब केप शाउनको रवाना। सत्याप्रही सामी मागण्यमको १ दिनकी सक्त चैयकी सजा थी मर्दे।
- जून २३ गांचिनीने केप टाइन्स और केप आर्थत के प्रतिनिधियोंकों मेंट ऐते हुए इस बातकी बार्यना प्रकट की कि यदि साधान्यीय सरकारने कुछ संदेशम पुष्पम न करमाने तो बीतमा बास्किक सेच कमनेपर एपियाई तथाब हो बायेंगे।

इंत्रीडके किए बहाजपर स्वार हुए। सम्द्रतने द्रान्तवाक ब्रिटिस मारतीक समझीता समितिके प्रार्वनाथवको बस्वीहत कर

दियो। भूजादिया और धोराववीको तीन-तीन महीनेकी समा।

जून २५ ट्रान्सवाङ विटिश्व मारतीय सम्बोता समितिने स्मन्त्वको एक पत्र भिन्नकर हरा-पर बोद प्रकट किमा कि सन्होंने प्रतिनिधितमध्यकको को बास्प्रसण दिना या वे उससे मुक्त पने हैं। सारत सोने किस पीकट नेटाल प्याना।

कृत २६ दिवान मोधिनियन में खबर क्यों कि कि का स की खिनिधने नयारी बैठकों कैकन्दैकों संका बदैयारिक मन्त्री नियुक्त किया है। पोर्ट प्रीकानोंकों से पा संबंध पारत सरकारकों इस भाष्यका प्राचेनारन किया कि सुन कानुर्वाकों पर कर दिया जागा चाहिए को समूचे चारवार्क किया कमानानकन

छन कानुर्रोको एक कर विधा जागा जाहिए जो समूर्य घारतके लिए अपनारकाक साम्राप्यमें निरन्तर कटुराके कारण और दक्षिण आधिकाके अन्य मार्योगे रहनेवाके प्रार्टीमोके किए खरानाक हैं। जुन १ मारपनाको मरणायस जायाना में जोहागियनमें बेससे रिहा कर विधा नवा।

भूत ३ नावप्पनको सरणाराण जयस्या संबोहानिशवने वेशली रिहा करे विसा नना। जनाई २ अन्यनमें सरमकाल जीवरा नामक सुनकने सर कर्जन थाइलीकी हत्या कर दी:

हो काककाका की सारे गये।

क्साई ३ सन्दर्नमें भारतीय क्रात्रोंकी समाने सुरेणनाव बनवीके समापतित्वमें बाइसीकी हत्याकी मन्दैना की।

इंडियन बोरिनियन में छपा कि कानुममें रंगमेद और जातीयताके कर्यकको हुए उसने तवा एखिवाई अधिनियमको रह करानेके लिए ट्रान्सवाकके मारतीयोंकी जोरसे धामात्री वाबामाई शीरोजी और बंगाल व्यापार संघ (बैम्बर लॉक कॉंगर्स) की यो प्राचेनापत्र मेंबे बानेबाले हैं, उनपर सोगॅंकि हस्ताकर करामे जा खे हैं।

क्रकाई ४ प्रिटोरियाकी भारतीय बस्तीमें भारतीय महिकाबोंकी एक समामें प्रिटोरियाके ७० भारतीयोंकी जिस्मारीपर क्षोध व्यक्त किया गया।

बकाई ६ मागप्पनकी मृत्यु ।

क्रमाई ७ मारतीय समावकी क्षोरसे नागणनका सम्मानपूर्वक वाह संस्कार।

जसाई ८ सरकारने एक वक्तव्यमें कहा कि नायणनकी मरवके किए जैस-अभिकारी दोगी नहीं हैं।

बुकाई ९ के पूर अहातपर नेटाकके मन्त्रियण्डकके मदस्यों और एंग्लार कोर्योके सिप्टमण्डलके संस्थिति भेंद्र ।

क्रमाई ९ बंगास प्रास्तीय काप्रेस कमेटीने भारतीय राप्टीय कांग्रेसके जानामी विभिवेदानके सभापवि-पत्के किए मोबीजीका नाम भी प्रस्तावित किया।

क्षाई १ मांबीबी और हाजो इबीब साउर्यम्पटन पहुँचे। एवटरके प्रतिनिधिको मेंट दी। प्रात साढे १ वने अन्वन पाँचे।

सातव बाफिका वसोक्षिएटेड प्रेस एवेंसीके प्रतिनिविको मेंट बी।

रिच जीर जन्म काविरसे मिले । सर मंचरजी भाजनगरीसे मिसने यदी । साँवे ऐंन्टहिसको

पत्र सिक्कर सम्माकातका समय गाँवा।

६ मारतीय डाम्पनासचे निर्वासितः।

वि भा संबने जैक-निरेशककी पत्र विकार भारतीय बन्दियोंको मोजनमें फिरसे भी दिवे बालेकी मीन की।

नेटासके भारतीयाँने ज्यानिकेच-मन्त्रीको गिरमिट मताविकार तथा ज्यापार-सम्बन्धी शिकामवर्षिक बारेमें प्रार्थनापण भेजा और संपीकरण कानुनके मसुविदेगें संसोधनकी माँग भी ।

**बुधाई ११ हवी**विया मुस्किम जेन्मन शारा वागोजित वाम समामें दास्थास बीर नेटाकके शिष्टमण्डकोंके साथ सहामुम्ति प्रकट की गई। केम टाउनकी ब्रिटिस भारतीय सीगने प्रस्ताव पास किया जिसमें साम्राज्यीय सरकारसे दाल्सवातके विष्टमध्यक्की वार्तीकी सहानुभृतिक साथ सुवनेका आग्रह किया।

बोहानिसवर्वमें हुनीविया मस्जिबके मैबानमें भारतीयोंकी बाम समा विसमें पाछान्यीय सरकारते द्वालावाकके शिष्टमण्डकके निवेदनपर सहानुमृतिपूर्वक विवाद करने मीट

नागप्पनकी मृत्युके कारजींकी जीच करवानेकी मांगके प्रस्ताब पास ! मुकाई १२ कि मा संबने गांबीबीको ठारसे नागणनकी मृत्यू और जस्वस्मताके कारस

बाउद मुहम्मदके रिहा किमे जानेकी खबर बी। विस्तिम हॉक्केन एवा १५ अन्य प्रमुख बूधेशियोंने ट्रान्सवाकके महात्मागवादी जटनी

बनरसको प्रार्वेशायब विमा कि नामप्पन तथा मिबन नामक गोरे बैबीकी मत्यके कारचौंकी क्षत्री जीव कराई सामे।

मुखाई १४ के पूर्व गांधीजीते स्वायमूर्ति समीर सकी।

भुसाई १४ इंडिया के सम्पादक एक ई कॉटन सर रिवर्ड और लॉई ऍस्टडिकसे मेंट की। सामात्रीके नाम टान्सवासकी भारतीय महिलाओंका प्रार्थनापक प्रेपित ।

कुलाई १६ सर विद्याम की-वार्गर गांवीजीके मिसने कावे।

१४ मार्खीयोंको टान्सवाससे निर्वासितकर भारत थेस दिया गया।

कुलाई १८ प्रिटोरियाकी काम समामें साम्राज्यीय सरकारसे समुरोब किया गया कि नह मिष्टमध्यको निवेदनीपर सहात्रमतिपूर्वक विचार करे।

कुलाई १९ मेजर विश्वतकी सध्यक्षणामें भागप्यनकी मृत्युके कारवाँकी सूक्षी जाँच की कार्रवाई यक।

बुबाई २ गांबीबीने क्षाँतं कको एव किबकर निजी तीरपर मक्षकातका समय गाँगा। जुलाई २१ मांधीजीने स्थायमाँत क्षमीर क्षणी धर विकियम जी-बार्नर बीर विमोबीर सर्वेदिसनसे भेंट और

भाग २२ सारच वास्त्रिका में पत्र किसकर यस समाधारपत्रके इस आरोपका सम्मन किया कि बाँडे ऐंस्टहिस और विकास काफिका चिटिय मारतीय समिति मारतके समगरी बाम्बोलवसे सम्बन्धित है।

वाँ बन्द्ररेद्वमान और भाइनरके नेतृत्वमें रंगदार लोगों और क्वनियोंके शिष्टमण्डकने सर्विक से मेंट की।

जलाई २३ गांत्रीजीने गोखलेको पत्र क्रियकर अनुरोप किया कि पोकक जिस कामसे भारत गये है उसमें वे अनकी मदद करें।

कराई २६ मांबीजी और डाजी हवीब निजी शीरपर कॉर्ड मॉकॅसे मिले।

गांधीबीने लोड मॉलंको पत्र विकार १९ ७ के वांधानियम र और शिक्षित भारतीयोंके प्रवासपर प्रविवन्त्रसे सम्बन्धित विकायतीके असावा श्-स्वामित्व और ट्रामनाडीमें यावा करनेपर सचे प्रतिक्रमाँके विका शिकायत की।

बकाई २७ कोई समामें बतिन आफिका संघ निवेगरका वितीय वाचन।

पुकाई २८ कॉमन्स सभामें कर्नक सीलोने बताया कि ट्रान्सवाक्के बारशीयोंके बारेमें अनरक बीबाको निश्चित महाच मेरे यमे वे और वे समाच समस्याका कोई इत विकासनेकी

चल्पुक 🕻 । अलाई २९ भोगीजीने काँडे ऐंस्ट्रीसिको पण शिसकर इस बातसे बनकार किया कि टान्स बाकके सरपापक आब्दोलन और भारतके "राजकोडी बल के बीच किनी प्रकारका कोई सम्बन्द है।

प्रवामी नानुनमें छंद्योधन करनेका नुजाब दिया ताकि प्रवासी अधिकारीको केवल ६ बारतीयाँको उपनिवेदार्गे प्रवेदा वेतेका अधिकार निक सके। मॉर्ड ऐंग्टडिलको दालावाकके बारतीयोकि भागनेका विवरण के प्रथ मेंने। जेल होनमें गांबीजीने मनाविकार बान्दोक्तन चकानेवाली महिलाओंकी सवार्ने नानः निया :

बीमती पैरास्ट्रेंस मेंड की।

रंगवार कोमों और बत्तनियोंके सिप्टमण्डकने थाइनरके नेतृत्वमें कॉमन्स समाके उदार इसीय और मजदूरवर्तीय सदस्योंसे मेंट की और मंच विभेयकमें संदोधन पेस करनेका अनराव किया।

क्काई ३१ नेटासका सिप्टमण्डल सन्दन पहुँचा। गांचीजी जीर दूसरे लोगोंने जगवानी की।

पासनः बस्बई गुडेंचे।

कगस्त २ प्रिनोरियाकी महिलाओंने कारतीय महिला संबकी स्वापना की।

समस्य ३ इंग्लियमैन को यह सिसकर गांधीजीने पंजीयन अविनियम गिरमिट प्रया आर्टिके भारेमें छपी भागक बार्शीका कवाब विमा और कहा कि बिटिश भारतीम १५ वर्षीते

निर्दिनट प्रचा बन्त करानेके किए बान्योक्स कर रहे हैं।

सगस्त ४ साँडे एँस्टिकिको एक पत्र सिवकर इस बारोरका पूरी तरह सन्द्रन किया कि टालराज्य सरपादह आलोपनको भारतसे सहायता या उत्तेवन मिनटा है, और कहा कि मत्यावर जाम्बोसभका मारतकी डिसाबादी पार्टीसे कोई सम्बन्ध नहीं है।

मेबर हिस्सनने नागणनकी मन्यकी श्रीवकी रिपोर्ट प्रकाशित की।

मरोपीय समितिके अध्यक्ष विकियम हॉस्केनने चेकॉकी चराकर्ने सुधारकी माँगका समर्थन करते हुए खेड-निदेशकरे पत्र-व्यवहार गुरू किया।

बगस्त ६ कोई ऍस्टीहरू हारा सुप्ताये वये परिवर्तनों बादिको धानिक करनेके बाद गांधीनीने

क्यने "बक्तव्य" की प्रतियों जन्में सेजीं।

अगस्त ९ गांबीजी और काँड ऍस्टडिकने स्मष्टतके सुप्ताबॉपर विचार-विमर्ध किया। मांबीजीने स्मद्रसको प्रवासी-प्रतिबन्तक विविधियमके सम्बन्तमें संघोषन भेजा विसके अनुसार पवनेरको यह समिकार दिया जाता कि वह किसी भी वातिके प्रवासिकोंकी संक्ता धीमित कर सकता है।

कोक-सिमित् (स्वयं गांभीजीकी) जीवनीके प्रक साँई गुँग्टडिसको येथे।

नैटाक्के भारतीय चिष्टमञ्जलने काँई क के पास प्रार्थनापत्र मेजा।

इरिमात नामी तथा सम्य कीन हाइडेकवर्गमें खित किये वये और शोधवजी सायुरवी बीपक्षक चेक्स कोडे गये।

कपस्त १ वांकीकी और द्वाकी द्वीयने काँडे कू से मेंट की । गांबीबील प्रवासी अकिनियममें अपने सन्नामें संयोधनके वारेमें जि मा संघ और मोलकको सार दिया।

भावनरके नेदरवर्गे रंगवार कोयों और वतनियोंके बिस्टमक्बको कॉमन्स समावे समावर वक्के सदस्योंकी बैठकमें भाग किया। वक्ष्मे संव विधेयकमें संधायक्का समर्थन करनेठा माध्यासम् दिया ।

कॉर्ड ऐंग्टहिसने स्मद्रम और गांधीजीसे बातचीत की।

बादमें स्मद्नको प्रकाशी व्यथिनियममें एंग्रीकनका मधाँवदा मेजले हुए स्विनियमको स्व करने बौर प्रतिकर्ष छ धितित माराप्तीयोंको प्रवेषकी जनुमति हेर्नेका जनुरीम किया।

अवस्त ११ यांचीचीने लॉर्ड कृष्ठ अनुरोव किया कि वे हस्तकोप करके १ विटिस भारतीसोंका बासस निर्वासन को हैं।

काँडै ऐंस्टब्रिसको पत्र क्रिका कि प्रवासी विवित्यमयें प्रस्तावित संगोवनसे "किसी महत्त्वपूर्ण निकान्तवा हनन" नहीं होता।

...

साँड ऍस्टरिसने साँडें क की यह जनरोध करते हुए पत्र किया कि वे तांधीजी तारा जनरक स्मरसको समाये यसे फार्मकेके आधारपर समझौता करातेमें सका करें। पारमी स्वनस्त्रीको ६ सहीतेशी कैतशी और सवा ही 🛶

कोज्ञानिसक्येंगें प्रारमीयोंनी जान सभामें सोराजनी श्रापरची प्रशिकाक सोबी और क्रस कोर्वोका स्वागत किया गया। दिप्तमध्यक ग्रेजनेके विकासका समर्थत किया स्था साधाज्यीय सरकारते हन्तकोप करनेका अनरांच किया श्रास और शामप्यनकी मृत्यके

बारेमें बॉब बायोगके विकारतीयर बामलोत बाबल किया बात अगस्त १२ कोर्ड करे मेटाक्रके भारतीय शिष्टमध्यकको समित किया कि वर्तमान कानगीको रह नहीं किया जा सनका और संबकी स्वापनाके नाव हासकों सवार होता।

बतास्त १३ मेटाकके क्षिप्टमण्डकने मारतके नावसर्गयको अपनी विकासनीका विकास पेपित करते इत्र उन्हें एक पत्र सिका।

अपस्त १६ गांधीबीने चेक्नमें मुहस्मव वाकि साथ किये क्ये दर्ब्यवहारके सम्बन्धमें उसका सिकायतपत्र काँडे क को प्रेपित करते हुए उन्हें चिटटी किसी।

मार्थ ग्रॅंज्जिकको यह सिका कि नागणनको मत्यके सिससिसेमें बनाये रहे बारोप व्यक्ति काफी प्रताक विकासी गरी है।

बयस्त १७ प्रदमकाक शीवराको प्रदेशी हे ही यह ।

बरास्त १८ डर्बनमें हुई नेटाक भारतीय कांग्रेसकी समामें इंब्लंड वानेवाले शिष्टमकाका समर्थन किया गया और टान्सवासके भारतीयोंके प्रति डोनेवाके बस्पंबडारकी आसोवना की सदै।

बगस्त १९ यांधीजीने फीनिक्सके पस्तकातकके किय पुस्तकें करीतीं।

अगस्त २ इडियम कोरिनियन को मेबे नमें अपने साप्ताहिक संबादपत्रमें इस बातपर कोर दिवा कि सत्यावह ही नेटाक्के मारतीयाँकी महितका एकमान मार्च है।

क्षपस्त २१ वांबीबी बाइनरसे मिले।

विटबॉटर्सरेड वर्ष कीसिकने एक प्रस्तान पास करके क्तमियोंके किए प्रतिनिधित्तकी सौत की।

बगस्त २२ गांधीजी ज्हाइटवेका प्रामीच क्षेत्र देखने गये।

बबस्त २५ पोक्रको सत्याप्रह मान्योकनके सहावतार्व पैसा-पन्ना सक करनेका सहाव देते

इए पन किया।

क्रमस्त २९ रामटरके प्रतिनिधिको मेंट वैते इए स्मटसमे क्रमा "अपने कुछ स्रतिवादी प्रतिनिविधों हारा चकाने जा खे जान्योकनसे दानस्वाकके अविकास भारतीयोंका ची पक

चुका है अगस्त ६ वांबीजीने स्वामी बंकरानस्य द्वारा की गई दस्कानकी वाकोचनाकी निवा करते

इए क्लॉ पत्र किया। स्मरसमें कॉर्ड पॅम्टहिकको जम सुसावकि बारेमें किया जो उन्होंने (पॅम्टहिक्ने) १९ ७ के

अविभियम २ को एवं करने और एक श्रीमित संश्यामें श्रिकित आरतीय मनासियोंको स्वामी निवासके प्रमायपण वेतेके बारेमें काँडे कू को मेथे से । स्रोंडे ऐंस्टड्रिकने स्रोंडे कृ से संसदमें शान्सवासकी समस्याके वारे में वक्तव्य वेनेका सनरोप

किया बाहरों प्रमुखे मिले भी और अधिकार के मक्तुगर विचार किया।

सवान्तर १ गांपीजीते काँकें एँस्टिहिकको सुचित किया कि रसटवके मुसाबॉरेंडे वा वातीय अपमान और भी सम्मीत हो बावा है उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि सियकार " के प्रस्तुपर के बरने सीजुवा रवैसेंसे कोई परिवर्तन नहीं कर सकते।

हिप्राम्बर २ मांबीजीने पोसकको स्मर्खके गुलाबके बारेमें तार भेजा और सकाह वी कि बम्बईमें प्रेरिकके सहयोगक बिना स्थत म अससे जाम समा आयोजित की आये। समर्थने रायन्त्रको सुखाकात वेते हुए सम्मतिका को उक्केज किया का गांभीजीने कोई कुछे उसके बारेमें सही जानकारी वेनेका अनुरोध किया।

बोधीशीते कोंडे ऐस्टहिस्रको एक एव किया विषयें आरतीयों वीर शीतियोंकी विरस्तारी फिरमे सुरू करके ट्रान्तवाल सरकारमें वो बेहाद बोला था उसका स्वागत किया।

वितासर ६ उपनिषेश कार्यासमको पत्र विवक्तर इत बातपर बोर दिया कि नैने "समझौता बातौरर प्रतिकृत प्रमात न पढ़े इत खमालये सार्वजनक गठिविधिमंति अपनेको विकृत असम कर रक्ता है।"

समीर असीको यह मिला कि भरे जीवनका उद्देश यह विद्वकरना है कि दिन्यू-मुस्लिम वृद्वभेग प्रारक्ती मृत्तिकी अनिवार्य वर्ष है।

नितानर ७ बुद्धास्त्रकर गांबीको सिन्हा कि जीतिरूपमें होनेवाले सभी काम पासिक हैं। विद्यानर ९ कि मा संपने बोह्यतिस्वर्यके बेस-निदेखकरों अगुरीब किया कि रमवानके महीनेने सरक्तान कैरियोंको निरोध सुविवाएँ यो बार्वे।

छितानर १ गांधीजीन चपनिषेस कार्यास्त्रफो एन स्टिबकर स्नट्स हाए रायटरको स्वि गर्ने इस वक्तस्यका बण्डन क्रिया कि निषकास नार्यायनि पंतीयन अधिनियम स्नीकार कर किया है और इस बाएका बाना किया कि अधिनियमके विकास नार्यायोंका

विरोध सब भी पहले-बैछा हो प्रवक्त है। इंग्लैबर्से महाविकारको गाँग करनेवाली महिखाबाँकी हिंदारमक कार्रवाइयाँकी नित्ता करते हुए कहा कि भारतीयाँको सरायाहणी तत्ववार कभी गहीं कोइगी चाहिए। वि मा सबने स्टार में एक पण किसकर सुपरिग्लेक्ट वरलीन हास बदास्तर्में विषे पूर्व क्षा करनायाक महि विरोध मण्ड किसा कि पविधावयाँका देशने निकास

वाहर करना चाहिए।

टाइम्म'में प्रकाशित नेटाल विस्टमण्डक्के पहले नेटालके प्रारतीजोंकी विद्यु निवास-ताजोंकों और प्यान कार्कारत किया गया और शाकालीय सरकारते अनुरोब किया गया के विदे ये सिकामते हुए नहीं की जाती तो जारतते पिरिमेटिया सजदूरोंको काना क्या कर दिया जाते।

सिवन्यर ११ टाइम्स बॉफ मेटाक में समाचार प्रकाशित हुवा कि मेटाक विवास समाने मारवीयोंकी उच्चशिकाके अनुवारोंमें कटीती कर वी है।

वितन्तर ११ नांबीजी सम्प्रनर्ने बामीजिय पटेटी-उत्तवर्गे सम्मिकत हुए प्रमुख पारसी सत्या-प्रदिमीका बमिनत्वन किया।

छिठान्यर १४ बम्बईमें बायोजित सार्वजनिक सजार्थे साही सरकारते बीक्षण बाफिकामें मार्ग्योजिक प्रति किम जानेवाले अस्यायको राक्ष्णेकी जगील जौर सेटाकर्से गिरीमिटिया प्रवादे बन्द किमे बानेकी मीए.। सितम्बर १५ काइकिया चेडियार और यम्बी शायहके जैकसे सुटनेपर बोहानिसबर्यमें उनके मीमतन्दनके किए सार्वजनिक समा भागोशित बोक हाँवई और अन्य ग्रोपीयोंके भागम।

८ शीनी मत्यामही गिरश्तार ।

सितम्बर १६ गांबीजी और हाबी हवीब कॉर्ड कसे मिसे और कहा कि यदि प्रवेशवा सैका लिक विभिन्नार स्वीकार कर सिया जाये तो वे सविष्यमें बाल्योकत व पसानेका बचन देनेको वैयार 🏗।

६७ चीनियोंपर जाहानिसवर्गमें पंजीयन प्रमाचपत्र पेस न करनेका आरोप अपाया गया। बेस-निरेशकने रमजानमें मुसकमान कैपियोंको कुछ विरोप सुविभाएँ देनके बारेमें वि मा संबद्धी प्राचनाको अस्त्रीकार कर विद्या।

सरत सार्ववित्र समार्थे पोक्रका भाषण।

स्वितन्त्रर १७ भागीबीने श्राप्तरको आत्माने अधिक महत्त्व न देनेकी सीख देवे हुए मधिकास गोमीको पत्र सिका बिसमें यह विचार भी व्यक्त किया कि करनुरहाके इनकार करनेपर

वे बरहें कवापि बोमांसका सुप नहीं बेठे मने ही इसके दिना उनकी मृत्यु हो जादी। सितम्बर १८ के पहले मेटासके शिष्टमध्यक्तने कविक भारतीय गरिकम सीवके बाली इनामसे

सिदान्वर १८ **लॉर्ड** मॉसेंसे निवेदन किया कि मसक्त्रान केंद्रियोंको रमजानमें सुविधाएँ न वेता भर्मपर आवात क्षीया।

काँड एँन्टिहिकको पत्र मिखा निसमें स्मर्ससे प्रक्रिक उत्तर न मिसे इस वृष्टिसे सर कों केपाकी सहात्रपृति प्राप्त करनेका बनुरोव किया और स्पर्वसे प्रतिकृष उत्तर मिलनेकी बद्दाने सिक्टमण्डलके हास सार्वजनिक कार्रवाकी आवरमक बताया।

सितम्बर २२ चोहानिसबर्धमें चीनी सत्याप्रहिबॉने अपनी बैठकमें सत्याप्रह संप्रामको समर्वन वेदे रहनका प्रय किया और विदेश मेंने गमें बिस्टम्ब्यसके प्रयत्नेकि प्रति प्रमवर्दी बाहिए की !

है एस भुगाविया और उमरजी साल बीपनक्य बेलसे छटे।

सिदान्वर २३ गांबीजीने उपनिवेश कार्याक्रयसे पूका कि बनके संग्रोबनके सम्बन्धमें कॉर्व कू की तार मेचनेशके ये उसका स्मर्थकी जोरते कोई चयान जाता है या नहीं।

योजनको जारतमें सरपायद्व-संवर्षपर एक निवन्त अतियोगिताका बायोजन करनेका सुसाव fter i

सितम्बर २४ क्रोपक्ररका गोजन रेवर्गेड एफ वी नायरके साथ किया।

वित्यसर २७ यूनाकी वार्वजनिक समामें पोक्षक और घोककेने भावण दिये। सितम्बर २८ मांबीजीने पुँजनोकेट जॉफ इंडिया हारा पोककपर कमाये गुने आरोमींका क्षाक्त करते इए उस्त समाचार पत्रको एक चिट्ठी सिम्बी।

पितामार २९ स्मदतने अपने एक कार्य-विवरणमे वस बातसे प्रनकार किया कि बॉरिंग

रिवर काकोनीमें अधिवृत्त कमसे वसे किसी भी एसियाईको टाम्सवालसे निर्वाधित कर भारत मेजा गया है।

पोस्स्तने पुनाने महिलासोंनी समाने भावन दिया समानी जन्मशता रताबाई राजनेने की। १८ ६ ट्राम्सनाळ सरकारने एक कार्य-निवरनार्ने भारतीय कैदिनोंक साव दुर्म्मनद्वारकी विकायतका सम्बन करते हुए वपनेको नागणनकी मृत्युके किए जिम्मेवार माननेते

रतकार किया।

वस्तवर १ योगीजीने टॉल्टॉयका सत्यापत जान्योकन और उनके द्वारा विश्वे "एक द्विन्युके नाम पत्र "के बारेमें सिखा।

अभी इसामके सम्मानमें दिये गये भीतमें मापण दिया ।

अक्तूबर ४ उपनिवेश कार्मात्मणे नांधीजीको सुचित किया कि स्मद्शके मुझावॉके मनुनार नया कामन बनाने-स-बनानेके बारेमें पहल करणा उपनिषेध सरकारका काम है।

बन्दबर ५ यांबीजीने प्रमावधासी व्यक्तियोंको द्वासवासनी स्वितिसे व्यक्त करानेके कि मार्वेश्वीवद्य कारेवाई प्रारम्म करनेकी इच्छा स्मक्त करते हुए काँई ऐस्टिहिककी "क किया ।

क्रम्बनमें चुजरातियोंकी समामें भाषण दिया और उन्हें अपनी मानुनापाक प्रति कनरान वृत्तिका विकास करनेकी सलाह थी।

करनवर ६ पोसकक नाम एक पनमें इस बातपर जोर दिया कि मान्द्रको काहिन कि कर हान्सकामके संबर्धको अपनी स्थानग्यताके सान्यासमका ही एक हिस्सा भूजन होंग उन्हों संबद्ध करे।

सौंद्रं ग्रेंस्टडिक्से आभागी कार्यक्रमके कारेमें विचार-विवर्ध किया।

क आ कि मा सबने नेटासके शिष्टमण्डलके स्वायतंत्रा काणावन विकास

अक्टबर ७ गांबीबी महिला मताविकारके सिल्सिकेमें बायोजिट सदानें रूप बोकने रैंड देशी मेल को जेलमें काफिएों धारा गांबीबीरर किर का कार्य करें क्तिका ।

टॉस्स्टॉमन पांचीजीके अक्तूबर १ के पत्रका उत्तर दिया।

बस्तूबर ८ गांबीजीले गुजराती पंच को भेजे सलोहार्ने कहा कि सङ्ख्यान करन "भीवन मरनके समर्थ में परी तरह रत है। उपनिषेश कार्याक्षमते स्मद्सके बारेमें ठीक-ठीक रवैगक्ष कार्य-भारतीयोंके मामकेशा विवरण " गामकी पुरिवराई। "कार में किए कर्या

आहेर दिया ।

इमर्थन नमक्की समामें कप्ट-सहनका श्वा-यान विच्नः

वित ६७ चीनियाँपर एवियाई सम्बद्धाई सन्तर हर्ने कर्ने कर दिए एवं।

वैवर्तन समितिकी मासीय प्रवास सम्मन्ती व्यक्त -मारत से मजबूर सामा वन्त वरना धारी कि हर करन

बस्तूबर ११ महानमें तुर्वी बाणिस्मयुक्की बच्चन के विकेट किया किया

करावर १२ मणिकाक गांधीको क्रिये एउ पार्च कार्याच्या कार्याच्या सीयना ही सच्ची सिसा है।

निर्वातिक भारतीयाँकी सदस्के जिल्ह्य

अस्त्रदर ११ पानीबीने हैप्पास्टरम् इन्हें कुन कर कर कर के कि कि के कि सोमारदी में "पूर्व और रॉक्ट स्टब्स्

मन्तर १४ और ऐस्सिम्स नेप स्टा केन नहीं तिया जाता श्री सम्बद्ध कर कर

111

पोसक्के नाम पत्रमें बाचुनिक सम्पतापर अपने वे विचार व्यक्त किये जिन्हें आगे चस्कर हिन्द स्वराज्य में विस्तारसे सिका।

वक्टूबर १५ ज्यतिवेश कार्यासम्बने गांवीजीको मुनित किया कि जिन प्रस्ताबोंको टान्सवासके कानूनका सम्भाष्य आधार कहा गया था वे स्पट्स हारा प्रस्तुत सुक्षात्र वे न कि गांधीनी द्वारा अस्तुत्।

सस्तुवर १७ भारतीय एकता समिति [ईडियन यनियन सोसाइटी] की बैटकर्ने मापन देवे हुए बन्नी इनामने हिन्यु-मुस्सिम ऐक्यपर और दिया।

बर्ग्यी मायब और अन्य व्यक्ति बोहानिसवर्गमें गिरपतार ३-३ महीनेकी सन्ना।

अस्तुवर १९ गांधीजीने स्पनिवेस कार्वासमको स्वितिकी सही-मही वानकारी देनेको किसा। बौर भी भारतीय विरक्षार ३-३ मुडीनेकी सवा। सोराववी शापुरजी तथा एस वी मेड निवासित।

बन्तुवर २ दि भा संबर्के कार्यबाहरू जन्मकाई आई अस्वातको तीन महीनेकी स्था। सीरास्त्री शहरूरवी और एस वी मेड ट्रान्सवास सीन्ते हुए फोस्सरस्टकी सीमापर गिरफ्तार १

मस्तूबर २४ मांघीजीने क्रम्यनमें निजवादक्यी समारोहकी वय्यक्रता की और उस्त जनसर पर भापन विवा।

वस्तुवर २५ नेटास विवास समामें भारतीय प्रवासी कान्त संशोधन विववसका तीसरा वाचन। दोरावजी सापुरकी और एस जी मेहको निषिद्ध प्रवासी होनेके अपरावर्षे ६-६ महीलेकी सकाः

वस्तुवर २६ पोक्रम हारा पूरे महास बहातेमें सफल समावींकी सुवना।

मस्तुबर २५ मांबीबीने कोंबे ऍस्टहिकको बक्तिक आधिका कीटनेके निर्मेवकी सुपना वी बीर

दान्धवाकको सीमापर मिरणतार होनेका दरावा वी बताया। प्रेरमर मॉडसे सत्पासको बारेमें विचार-विभाग करनेके किए मुखाकातका समय गाँवा और टॉस्स्टॉय द्वारा किये एक हिन्दुक शाम पत्र " के प्रवाद्यमके सम्बन्धमें सवाद्व वेनेको कहा। पांचीजीको पोककका तार मिला कि भारतकी नामा करें।

बापस सीट जानेके किए बीवण जाफिकासे तार।

बक्तूबर २९ के बाद आध्यीय राष्ट्रीय कांग्रेसकी सन्देश मेचा।

बक्तूबर १ भारतीय एकता समिति [ इंडिबन मुनियन सोसाइटी ] की समामें भाषण दिया।

काँडे ऐंस्टक्किके शाम पत्रमें मास्तीन सप्दीय बान्सीनम और बाबूनिक सम्बदापर अपने विकार अवस्त किये।

नवस्वर १ हरिकाक गांवी फोशसरस्टमें गिरफ्तार फिर ६ महीनेकी कैदकी सूजा दी पई। मबस्बर २ यांबीजीने कम्बनकी एक समाने भाषण किया कई मारदीयों और कुछ बंदेवेंने

स्ववंतिवकींकी सूचीमें अपने नाम किसवाये। बबस्बर १ जपनिवेस कार्यालयने नांबीजीको सुनित किया कि साँवे क प्रवासके मामकेमें

सैकान्तिक समानवाको मान्यता विकानेका कोई मारवासन मही दे सकते। त्रवाबर ५ वांबीजीने ट्रान्सवाकने भारतीयोके सामकेका विवरण " जीर कक्कबारीके किए

तैयार किया गया ससका साए-संबोधनें प्रकासनार्थ मेज किया।

ाबम्बर ६ दान्सवासके भारतीयोंसे सहानुभृति रसनवासे अंग्रेजॉकी एक समार्ने समे। बिदा हेते हुए छप्पिवेश कार्यासमका पूर्व किलकर आधा व्यक्त की कि ट्रान्सवासके प्रवासी कानमासे रंगमेवपर माभारित प्रतिवन्मोंको स्टवानेके सिए काँडे क अब भी अपने प्रमाणका सपयोग करेंगे।

नबम्बर ७ टोंबाटमें जायोजित मारतीयोंकी एक सभागें निर्णय हुआ कि विस्पिटिया मजबूरोंका

नेटास मेजना स्कवानेके किए एक शिष्टमण्डस भारत मेजा जाये।

नवम्बर ९ मांपीबीने पायटरके प्रतिनिधिको मेंट बी। टाइन्स ने क्रिया कि टान्सवासके प्रशियाई काननीसे सम्बन्धित बार्ता विकृत हो गई है।

उपनिवेश कार्याक्रवने एक काथ-विवरणमें लिखा हम कानुनकी वृष्टिमें समानताके तनके [यांबीबीके] वानेने नौभित्यसे इनकार नहीं कर सकते। यह एक निन्यादी शिकाल है।

नवम्बर १ डेसी एस्सप्रेस के प्रतिनिधिको भेंट देते हुए गांधीबीने कहा कि सरपाप्रह धान्सस्त "पुरे बोरखे बारी छेगा।

टॉसरॉपके पत्रकी प्राप्ति कृषित करते हुए उन्हें एक पिट्ठी किसी बोक-सिबिद अपनी जीवनीकी एक प्रति भी में जी। पोक्तर प्राप्त वह तार लॉई क को जवा जिसमें टाल्सवालके बारतीयांकी सहानमित्रमें

हानेवासी समाका संक्षिप्त विवरण दिया वया था।

नवस्वर ११ हेडी टेमीयाच को एक पत्र किवकर ब्रिटेनके समाचारपत्रींसे अनुरोध किया कि वे टान्सवाकके संवर्षका समर्वेत करें।

वास्तिको पत्र सिखकर बक्षिण आफिका आने और संवर्धमें नाम सनेका निमन्त्रम दिया। उपनिवेश कार्यात्रमको पत्र सिका कि दानसवासकी असाकी बसाके बिसाफ की गई शिकामते बहत हव तक सच है।

नवस्वर १२ वरना "वर्षस्य भारतीय समाचारपत्रीमें प्रकायनार्थ मेजा ।

रेक्टॅंड मायर हारा जागीजित विवाद-समार्थे प्रायब तिया। समार्थे क्रम्य सोगंदि जनावा डॉ रदरफोर्ड सर रेमंड वेस्ट सर फेडिए केसी सर मंबरजी भावनवरी मोतीसास नेहक और रिच भी उपस्थित से।

नवम्बर १६ एस एस किन्होनान कैसिक नामक बहाउसे गांधीओ और हाजी हवीब इम्बेडसे दक्षिण आफ्रियान किए रक्ताता ।

इंडियन औरिनियम में समाचार छना कि दान्तवाससे निर्वासित करके भारत मेंबे मानेवास प्रवासी भारतीयाँकी शहावताके तिए भारतमें बन्दा करनेके सिए एक प्रमाव शासी समिति बनाई गई है जिसके सदस्योंने सर फीरीजगाड़ मेहता गोपाल कृष्य मौक्रमे मुहम्मद जसी जिल्ला और जे बी पेटिट शी हैं।

# पारिभाविक शब्दावली

विकेत इस्तामी संघ – के श्वामिक घोडावी विवयासी ममान्यय – रेनिनेविक धर्मिकेन्स मविवासी पृत्रिपार्ट – रेनिनेविक ग्रिकारिका वर्षाक्षक – सुर्राहर्वेव

बन्मार्स्य – गॅब्लिस बनामासक प्रतिरोध – दैसिक रेक्टिके बनामासक प्रतिरोध – दैसिक रेक्टिके

अनुमतिपद्म=पर्राम्य बन्तिम चैतायची = चित्रमेग बर्पमीकृत = अवर्राच्यते

बस्याची अनुसरिषण – टेन्सेरी परिष्ठ बांक भारती – रेकोसँकम

वान्छ भारता = २००१-१३०० भाषिकी राजनीतिक संघ = नाम्ब्रिक वेक्किक वेक्तावेसन

व्यक्तिप्रवेदन बाह्यस् सास्त्रिका – वस्त्रस्य वरण्यस्य भारतीव यिद्यास्त्रय – दत्यरः ग्रेट संक्रिका स्कृत

क्ष्याचेत्रा सम्बोन-केमेजो वॉन् केट की वॉकोरीक वर्षाचेत्रा सम्बद - कार्तनक संदेशी इपिनाई महिनियस - पॉन्सॉन्स रेस्ट

र्यात्रमार्थः कानुषः संयोजनः अविविवसः – प्रकारिकः स्रं अवस्थितः स्थः वृत्तिवार्षः पंजीपनः अविवियसः – प्रकारिकः र्शाव्येष्ट्रणः स्थः प्रसिद्धाः पंजीपनः संयोजनः अविविवसः – प्रकारिकः

प्रिनेश्व क्रेसिंड नेश्व वृद्धिकार्य पंजीपक संसीका विपवक – वरिकारीह एक्टिका अमेरिट क्रिक्ट वृद्धिकार्य पंजीपक – प्रेमिस्ट व्यंक्र व्यक्तिस्था

पुरावस्य भ्यावक्र - 0 क्यूग्र न्युक्त प्रकारक्य क्यून्सी स्कादकार - क्यूग्र दृष्ट क्यून्सी स्कादकार - क्यूग्र प्रकार क्यूबारियों परिषद् - वर्षक्यूमित व्याक्त क्यूबारियों परिषद् - क्यूब्र व्याक्ति क्यूब्र क्यूग्रे स्थानियों तेक क्यूब्र क्यूग्रे स्थान - में त्य

द्रबद्ध – तेश्वान व्यक्ति – स्टिन मिर्मिट-यया – फिरम औड क्टेंन मिर्मिटिये – स्टेंन्डे केस्से विरमितिया प्रशासी कुम्लूच-स्वेचनं रिम्मेदन से गिरमितिया प्रवासी कुम्लूच संयोचन अविधियम स्वेचनं प्रीमेदन में औरनेंद्र केव गुजरात भारतीय संब –गुजरात रेकिन क्वीस्टिस्स

नेकही मोजन-राक्तिका - भिक्त कार्यो गंकरितिस्कर-कार्येक्ट स्वेड भिक्त क क्वेतर संति - तृर केंग्री बोक्रीवास्क एक - ऐक्ट क्लिए कोर संक्रीवास्क एक - ऐक्ट क्लिए कोर मार्थिका विदेश संक्रित कार्योग समिति - स्वर्थ मार्थिका विदेश संक्रित संस्थी

नामका भारत्य दात्रक ग्रास्था वृद्धिक मार्थिकी साधिविवसका सम्मिप्दा ~ स्टब्स् वार्षिका बुन्ध केर वृद्धानेत्र = बन्धुन्न नगरपर्विका निरास स्वितिवस ~ स्त्रुविदित्व और वेरोका केर

वया वैश्वीकरण कानून — वृश्विकेक देश विश्वास विश्वास — रिर्माला विक विश्वास विश्वास — व्यक्त वीकी पुरितास — व्यक्त व्यक्त विश्वास — व्यक्त विश्वास स्थिति — व्यक्त विश्वास — व्यक्ति विश्वास स्थिति — वृश्वास व्यक्ति विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास — वृश्यास — वृश्यास

पैत्रीयक कार्याह्म - एक्टियुंज - गॅरिश् पैत्रीयक समायाद्म - एक्टियुंज - एक्टियुंज (स्तारी प्रपाना - चौनते कम्मेंड प्रपाना - कर्मेंड प्रपाना कार्याह्म - कर्मेंडिक - चौनित्र प्रपाना कार्याह्म - कर्मेंडिक - चौनित्र प्रपाना कार्याहम प्रपाना क्रम्स - कर्मेंडिक नीमिन प्रपानकार्याहम प्रपाना क्रम्स - कर्मेडिक नीमिन प्रपानकार्याहम प्रपाना क्रम्स - कर्मेडिक नीमिन

मानियामी वृत्त, मतिजील वृत्त – प्रोमेरिन वर्षी मानियामी वैद्या – प्रोमेरिन वृत्तर्थ मानियामी मनिकल – रेक्सिन वृत्तर

**९ंडीयण अविणियम् - एक्ट्रियन** रेफ

प्रसाचना - सर्विष्ट प्रवासी अधिकारी - हमिरोधन ऑफिस धवासी सायोग-इमिवेधन स्टीरसन प्रवासी कानन - इनियेशन की प्रवासी स्थास - इमियेशन स्थ प्रवासी प्रतित्रभवक अधिविषय – यमिवेशन रिविक्सन **ONC** मग्रासनिक भेष् भाव - यत्रभितिधेकि न्किरी

विद्या मारतीय समझीता समिति – विदेश श्रीका व्यक्तिकास क्रियो

मिदिस मारतीय समिति – विक्रित इंडियन चरिसी निर्देश महतीय संबन्धी समिति – निर्देश शीवन व्यक्तिकार स्वीती

विदिश्व को असमा कथान्य समा न होंगा में क बोंगन विक्रिय संविधान - विक्रिय व्यक्तिसम्बद्ध

भारतीय प्रवासी प्रतिकृतक अधिकारी -वेडिका इसियेक्स रिविक्सम मॅफ्सि

सामतीच समाज संघ - रंडियन सोबल गुनियन प्राप्ततीय स्वयंसेवक शकत स्क्रांपक वक −रेडियन

वॅब्टीकर फल्बेंस कोर नंत्रतक कातून – विकितिमेटरी वेक्सिटन मक्दंका दक्तिया - ११ सक्तर एक - केर गर्मी

सलाविकार = वैकास मसविदा क्य अन्तारंश - गुप्त शास्त्रित मस्पिदा रूप एशियाई अधिनियम संशीवन अध्यत्तर

- हत्तर परिवारिक व्य वर्गेश्मेर व्यक्तिय महत्त्वीपी बारपंत्र – सार्जिट बासपीर्ट

सहामधिस – विव मैं नेदरी महाविभव - दिए हम्लेश महिका संघ-जंत बॉफ बिगन पुष्टि सना - सब्देशन नागी

मरा – नार्थ मूछ विषासी संरक्षण श्रीव - क्यारिनिस मेनियान

सोस हरी रसापन उचीग समिति – रीसदरी मॉफ देगिस्ट इंटस्री राजीय मारतीय संद - नेप्रक र्राविक क्वोसिकान ভাৰিক ভিমা – ট্যান্ড ব্যক্তাৰ

यतकी - मेरिय

पा**रम्भार – गास्त्रिका** विकता परवाला अभिविधम – डीक्ट कारवेंचेड ऐस

विकास परिपत्त – केविकोर्डन ब्हाँतिक

विदेशक - विद्य विवेक्सका संस्थिता-बाह्य निक

विशिवस -- रेगकेसन

विक्रवस्त्रोप - शासासम्बोधीरिया

व्यक्ति<del>शास्त्र ~ पाक्र देव</del>स धारपार श्रीव - चेत्रम बॉफ बामी

व्यापारिक परवामा -- देश कार्नेस

व्यापानी व्यास – अर्चेन्स्स रख शराब परवाचा कानून - किस काससिंग वेक्सिकान

घराण सन्वन्दी कारा – क्रिय नवेंद धालकारी भोजनात्त्व ~ वेजिमेरिक रेटी

द्यापित और पंच चैताना समिति – गीव गेंड ऑफ्ट्रेसन

योगारी शान्ति रक्षा अध्यक्षेत्र अध्यक्षिपण - पीत विक्रवेसन

बॉस्टिंग करीत रोमानिक वसीडी – एक्स्प्रम देख

रीशनिक योगाता - पत्रप्रमान शाकिनिकान संग अविजियमका सस्तिहा – गुन्त ऐस्ट वॉफ वृत्तित

शंकाब – प्रीरेकर

स्विचान - श्राव्यवसन

र्धंसव – शक्तिमंत्र सर्वोक्त स्थायातस्य - क्रीम द्वीप

स्कानक जापासी सजितेहर - बॉर्डरडेंट रेनिवेंट मन्दिट्ट

सामान्य विकेता प्रवाना - कारण दोक्से कार्सन

साधाय-सम्बद्धाः – स्टरिकः स्ट्रोतः साहित्य और धाव-विवाद समिति - विदेशी देंड

विवेदित सोमादी स्थानीय सम्बद्धार – कोवत नव्हेंद्रेड

स्थापी अधिकास मसागरक - परमर्जेश रेडिसीरेक **REFUGA** 

स्पद्मासन – तकः वन्तियः स्वेच्छपा पंजीयल -- वॉक्टरी स्ट्रिकेटल

इमीविया इरकामिया अञ्चलन -- इमोदिया इस्कारिक सोमज्यी

हरी प्रसिका - प्रीम रैग्टबेद इक्किया वरान इक्कामा – दक्किकि

## वीर्षक-सकितिका

altial ser. Paces बराबराह्री संबास हरें. ३६ तम विक्री और सक्त कराविस्त्री, भवना -यस स की क्यीचा क all anothers; enterts, the alt anothers: Side anssers. Lev marflerer iterrafiet damit freit. Prac. क्या समुतीगाँको, १ १ ER FREE, STOR केला सार्वाच अवर्थ Effettel Reft 4m-48 का मारतीय सन्द्र कारेंगी है १९७-९५ केंद्र और वा स्प्रता है। रहर-१० के को स्थापन के ब्राह्म बार्शानित्रमाँडी निही, १-४ १११६ कम्चड दर-६९ court trent trees रासराक्ष्यी करहे. १४३५४१ राम्यक्ते वहरक गर्यानींदा वर्तन १९१ रामसम्बद्धी महत्त्रीके मानकेश विसन्। १८०-३ BUR FECT कर. न्यासिक-समित्रहो दर्ग १००१ -एव वह वहन रोमहारे १५० १५०, १६६ १०९: -रक्षिप बार्किस विदेश मार्तन समितिहो, १८-१९ ०६ 42, 44, 4 . २ ६-१ । -निरिद्ध याखीत संस्था \$40 923 सरीय अस्तरण, १०६ क्षणील रामस**्य व्य** सर १९१ Off) बाज सहस्वादी देख-रोगा. १९ रातामधंदी काची, १०-११ क्षमी मानोर और बुक्तित सुकार, १ ३०५ श्चामात नताम केरीनाने १३२-३**३** 955 M IN मारद्र और कर कीर्योदा मुख्या १५१५२ समावताओं और एक्टीस हाराया, ११७-१६

केट बजेशन नजीत दारी, १२६

वेदान देशे सहनता दर सन्द्रा है। कर-का भेगाकाः सामकाः **भा** नेताको समार्थे, इक्टब्र नेताको कथ सह १३ tomax flictional, 43-49 के के लेता. वेकारो उपनीतीती विकास देशक १ ६ जानसाम विकास नेटाम्बादी मारतीबीके ब्लॉक्ट विकास, १९१-४९ वेक्समधी प्रश्नद मेंट्र हो हाथा. ११८ पर -महारोंडो पर पित्रमा रेशम्बद रेशीना परक्लिशः -समीर समिते, ३३९-४० ३०१-४५ mean - Timuleri, teren इतियम श्रीविधिकारो, ४५,१५१-५४: - स्ट्रीकेस-क्यानीको १३६ ४६७-६८, ४८६-८६, ५१७ ५१४the water weeks, with sufficient सम्बद्धी, वरक-१५६ -व्यास्त्रसिक्त सम्बद्धी, ३१०-११८ -कालिक-एपिको १२ का ना गा केसको १ ८, १ २०३१ -एद० यह० एस० पोल्पनी 275-74 TCT-CO. 204-6, 227-72, 224-79. I've selvet severe selvet selver succested seed meach st source settle settler wood भीट देश भारतका नाम सामी मामा नाम व्य कुलाओं क्षत्र -कला गाँवको ५०६०० श्वरः वेंद्रवेतिय अहित होदिवाहो, १३१-१% ~(बीमरी) क्याएत प्रशिष्टी, १ ९६ ~(बीमरी) कामी गांधीहरे, इच्छ इस्ट्रा ~ह्याक्कर वांधीहरे क्ष्माः -सराक्ष्मार्थं गांबीको ३९१ः - गुक्सारी क्ष को, प्रदश्त-माराम्युम्म बीक्लेको, १००, ५१७-३४६ -(श्रीयती) चंचकोत्र तांचीहरे, विचानिक रेक्पन्य १९९६ न्यी एक बीसमधी भारत रेस के के wheat at ? to -केंद्र शिराध्या שקיים און קטייני, טי של שון באוושויה कीवरही, २००६ -रम्पारके निरित्त मन्त्रीही भरभनेका -कामानके मार्गामीको रूपरन व

-टब्ब् ग्रॅक्सनही, ५९-इरे३ -टॉ अन्दुर्गशानही, Bag-an: -वी हं गालको, १६६: -वसी रेक्ट्रायको, ५४२। -नारकास वार्गको, ६ १ कर्षतः क्षपुरुष्याः न्द्रक्रिके प्रदणः न्यासीन सम्बद्धाः पश्च-स्पन्न -सगलसम्बद्धाः गांधीसः, १३ १७६ १७८-७९, ४८५१ -मणिका गाँकि। २ ४-4 464 SALMS TOO BOOMS THE ec storte, salt, a a seen -come मानीकी १७५१ -वेंड बंबी मेखकी १४७-४५, १५५० । बॉर्ट रॅस्ट्रीक्ट्री । १५४ ६१६ १४ are after arm arone arrows the father had building by the Int fames freet \$40 \$44-60 B But see Bill selents andult and 244 544 400 A 546 AvAd परेक्ट्र परेक प्रदेश-क्षेत्र वर्तनको रेक्ट्र-क्रश -क्षेत्र के लियी स्विमार्ट व २०० १५९ ३५८ 2 224 36 26 4 24648 204 प्रश्नार परद प्रदू प्रत् प्रत्न प्रत्नान पन । -वॉर्ड सकके निजी स्विनाही, क्रिफ क्रुप, ४०६० प्रदेश प्रदेश, प्रदेश -विमा रॉक्सॉपकी, प्रवृत्तान,

भ्यूर्वश्च - क्लार्रोको १५६ तत्र - ब्लार्सिक नाम १६९५०) - (लाला) चीलको १ तः - छर वामने स्टारो १००५ - सारत बाध्यकारो १ तम्म ४८६५४४ - स्टारो च्याने भाग्यक १९७५५६९ १५) - स्टारा चेराकररो, १०६३ - एसी चारतकरो, १९६० १५) - स्टारण गामिको १०४४

वार्तिहाँ कि महनेदा, ह्यूं वार्तिहाँ के बार्ति हैद्दू-क (भी) वाल्य भीर कात्र कार्य है दूक्का मार्ती-भागी, हैद्दू सराम, -इस्टेबिंड वार्ति हैद देखा मार्निस्स -ब्यमित सर्वादि हैस्स्ट, इक्स्टू, -हेस्ट्रिंट मार्निस्टेर क्यम्प, हैद्दू हैक्स्ट्र कीर्तिस्टेर क्यम्प, हैद्दू हैक्स्ट्र

कामप्रदर्भ हिस्सा १ भर्च १६९०० भरणा राप्तिमामस्य मन्त्रीत १ मन्त्रीत मीर सरस ११०-११ भर्मीत हिमा कीमस्य न्यून शासाडी निने कास महिसा १९०

मनावशः ॥ ९-४१ मार्ग संतर्थ, १९६१४

भागा — अवस्था वर्षे विकासी सामानसारी शृश्य स्मर्थन प्रकार, वक इ.— मानारिमी सामानी अपहर्यंत्र । — जम नार्धीन, शृश्य इ. जानिस्मरी, श्वरंत्र व्यवस्था है। सिकाबी सामान शृश्य इ. इ. इ. विकास सामान्य क्षेत्र सामान-सामानी, शृश्य है। विकास सामान्य सामा, शृश्य कृत्य विकास सम्मर्थन विकास सामान्य सामान अश्य इ. विकास सामान्य अन्तर्यक्षण सामान्य सामान अश्य इ. विकास सामान्य अन्तर्यक्षण सामान्य क्षा सामान्य सामान्य सुर्व १ व्यवस्था सामान्य अन्तर्यक्षण सामान्य क्षा सामान्य सामान्य सुर्व १ व्यवस्था सामान्य क्षा सामान्य

वेंद्र, -बेच्य दाहासाओ १९६०(६) - अमिना वेडकार, ११ ; - नेवां जस्तिमेत्र स्पेतिनेक्ति, भ्याद्व स्वितिक्ति, भ्याद्व स्वितिक्ति, भ्याद्व स्वाद्वित्तिक्ति, १५००-५५ : नेदाक सम्बुद्धित स्वितिक्ति, १५०-५५ : नेदाक सम्बुद्धित स्वतिक्रिक्ति १९० - वेच प्रचेतिक स्वितिक्तिक्ते १९० - वेच प्रचेतिक स्वितिक्तिक्ते १९० - वेच प्रचेतिक्तिक्ते, १९० - व्याद्व स्वतिक्रिक्ते, १९० - व्याद्व स्वतिक्रिक्ते, १९० - व्याद्व स्वतिक्रिक्ते, १९० - व्याद्व स्वतिक्रिक्ते, १९० इ ; - व्याद्वाति प्रचेतिक्रिक्ते, १९० इ ; - व्याद्वाति प्रचेति

संस्थितः केकं धर्मत्वे विद्यं सर्वत्ववादः ६ ३.४ वेरा केका बृद्धाः व्याप्त (१), १११-व१, [२), १४२-व१, [१), १४४-व१; [०), १९१-व१; [४] १८४-८३ वरा केका र्याप्ता व्याप्त (१), १९४-३३, [२) ११८-२२

(बी) विधिताती वर्गक, १८६ विधिता प्रथमा ११-११ रिक्ती क्थिर ९

रामविकारी बीठ १९१ क्यार्ट्स वर्ष वया दे 1 १६००६१

कार्या का का है। देह नेहीन हैंड कर्न हैं मेर

वैदिहें, वैदिन्यये वेस्टर्स्ट्य व क्ले वहक्त्ये। व्यक्तिहाँ व्यवस्थित वक्तिको वस्टर्स्य वस्ट् दस्त वदस्यद्य फर्कान्य ध्योकतृते

मेर्ड ब्रूब साथ मेरका साद ४ ८-११

व स कमा तथा वस्य कोलॉका सुरूपा, ३९-४० वर्षेत्रा केमा-आधा ११८१९

वैक्षके मार्गाम १३६-३० विक्रमण्डम, ३५५-५८ विक्रमण्डमी वाकिसी विही ५२९-६

(BEST-AND) ALLE [6] SECOS! -[-4] SECOS!

-[4] २८०-८१:-[4] ३११ ११:-[-] ३१६:

નેનો સરા નેનો મધા નેનો સાવકા નેનો સરા ને! ] મુજબા નેશો કરા નેશો કરા છે. નેશો થાં! નેશો મહા ને!મો જબ્બા નેશો કરાવ્યા

4661 - [ [ ]. 200-051 - [ ] 2]. 46]-4 - [ ] 3. 474-41 - [ ] 6]. 4 6 ? 6π. 7 7 194

विकार १९६०म

सन्ती दिखा ८५ समामसे सम्बद्ध १९६

क्षत्राची स्ट्रैन हो स्ट्रांग है। २१५२० सनेता -त्रस्थि सामोदी, १९४१ -त्रील वादिका

सन्दर -तमिक मान्तीकी, १९४३ -विदेश वाहितक मार्टीकीकी, १९७-९४३ -मार्टीन स्वर्गीक सम वृद्धरे प्रस्तीर्गेका, १८-१९ सम्मेकन, १८५-६० सामान्य-सरकाके सिवार, ९ सेठ शीम वर्षों नहीं पूर्वा १९ एरंगींट भीमसी समाने, १६

१ रन्धु -आरटीनोंडो, १ क -समामिती मेर

रेठ डीज क्यों नहीं दूखों ६ ९ रचगीर भीगती शुक्याहे १६ वेंसी वा रोहल ३५ इमारा काम ८६०८०

वमारा स्कृत इद दना नजी १९६ इसे इद कोमोंके किंग १८७ दिन्दु-पुलिय बंगा, १३६ बोर्डिको, न्योर क्यूबोरी छाए न क्षेत्रत गोगीयाँ गोर वक्या महोरा बारता १ ५५ -बोराम १ १८ २ ११६ १७८१ -बो छार ११४ वेराम बातमा विद्यालया हार भारतीस्त्री रेस. १८ १८ १८९५ -बी छार क्षेत्र में स्त्री कर्मा वेराम बाराम विद्यालया हार केरी स्त्री कर्मा गोगीया हारा क्षारा, १९११ -बी छार व केरी बोर समार्थ केरी कर्मा रहत क्यापनी मार्गीस्त्री हारामी कर्मा देशी कर्मा देशा क्यार १५ ६५ -बा विद्याल में क्यारी गोर्थियाओं क्यार १५ ६५ -बा विद्याल में क्यारी गोर्थियाओं क्यार १५ ६५ -बा विद्याल में क्यारी गोर्थियाओं स्वार्थन १५ -बा विद्याल में क्यारी प्रधान में रिविष्ट मार्थियां हारा, १३१ -बी छाल में क्यार १९१४ -बा विद्याल में क्यारी स्थान में क्यार १९१४ -बा विद्याल में क्यारी में क्यार क्यार बाह्य स्वारम १९१४ -बा विद्याल में क्यारी स्थान में

और क्रिये प्रपरित करनका बक्त, १८० संद्राम तकामिता, १८९, १ ३; —क संक्रानर सना, १ करण स्वामनी करेंद्र, ३०

मक्ति शतामी सेन ३६०

व्यक्ति जनतीय सुनियां बीना, शहर १२० ४१६, ४४९, ४५, ४५६, ४०० -वी बन्दान बायाना किने बन्दा मनदिश, ४१९, नदी बन्दान दारत दारा बाराची कन्द्रीन बीनक। दार ४१॥

भारती सन्तरमः द्वीरः स्थाननामाधीः

मन्दिर-गर, इक्

वासकार. ३१८: -कारक स्मारत रह कर देनेकी रीकर, ३८५ -नरप्रतर राजेसे बाल्यात्रीस मार्ग लुका २३: -एड पर देनेडी नात बद्धार सन्तर्व रमस्य क्या करम आगे ५३६। न्या करने और वर निर्देश संसामें मर्ग्याचें सामी निरास मनाव्यव काळ शाक्त्वमें बनात सारमद्रा मधान. ५२ । -ए क्रमे और संकोशनदी व्यक्तियों विज्ञासक परिगान १२३: -एर करनदा कारण स्मरण रूप अफीनशी वर हता बच्च का बचरी भरे। « रहे करनेडी मौग, ४९: -एर क्रमेडी मौग महस्तर्थ, ११६: - ए कार्नक गारेमें भलका १९८: -ए इमेडी सम्मन्त २: -सीधर न बरनेडी ब्रायसिंगकी मीला. परः —का करूना निर्देश मणीवीच शकाकर बरलक स्टिप् ५१५: **−६३ तिल्**का स्वसेट कारण तथा वरिकार शामा । ३०% न्या पानन म कानक नार्राजीकी निरम्तारियों २८८: न्या प्रमान भग दानसर सराप्त सर्थे. २२: -दा मध्यीमी हारा वर्शवर्श बद्धाव्य विशेष, ६१: न्द्री मानगस अपनि १७३६ नदी (गुमडी समेत्रनिक समामे निया ५३५ न्दी समूचे माला वामनावनद ३८: - ब कर्लन वर्शे इनक दिल्ला नार्टालीक में अपन्त कोर्ड कार्यांत स्वर्धी, १४%; न्हेंद सम्मात व्यक्तिका काम विवर्तन क्याँ, १६० और अन्तर्यंत बेदन वरिनामी मार्गालीक दंगीनमधी व्यवस्था ५१: नेंद्र अलगीत कीर अगारण डिडिंग माराजिस सिंहा. काः -क अन्तर्गत भाषात अप्रतिश्रोद अभिन्नशीदा क्टारम, ५१। -ब बनाने ग्रेटर्रिड्य हरू मार्श्वर का सहस्रा, एक: नेह अन्तर्गत पतः वंत्रांतन अस्तिवर्ज टा न्य अनगैत आरागत म शासर २ ५

मध्येत विस्तर इस्टान्ड बन्देन स्ट्रार ह्या

अर्थीय क्टूब बरजह रिक भारतील व्य परिवादि शक्त्यो

बिरी, २८६: -व विलय अपनेमंत्री अचित्री

**५६३: -क रह ही मजेरर शिक्ति मर्गलीक भोगा-**

बिंद लाव स्वर्ति ३३१:-मा इत्करी

विकास करत किए विकेट परिवार की प्रारंभी दिनी

रक्ष वर्धी १८ २३ -बा बानुमदी क्रिन्तमध्या क्राय भर्याचीडी एक प्रशास्त्रीक समान दर्श क्षेत्र कोई समान्धी १४;⊸को पूरी तथा स्व कर हेनेसे ही निम्म चिकिहा प्रतिद्वार सम्मा २०- नही रह बार क्रमार महानी प्रतिकारक अधिनिवस करण विकास प्रश्न मार्टानीके प्रतेष्ठारी न पद्भ वर्षी ६ : ⊸द्रो स्र करनेका गोर्थिजीका मध्यक १३ । नका रह करनेका क्सल स्प्रस्पात निवाद १८८। न्ह्री एर करनेत्री भारतीमोंकी स्मेग, जह, १७२३ -हो स्व करनेह किर बारक सारम रीसार, ५२६। न्हों रह करनक कि क्रमाल ग्राटम स्कास्त ७० ५२३: न्ही रह ब्रासंड विस्तर प्रार्थना १८-१ .. ३११: -को स्त कराना भारतीयोंको उसेका ७२२: -को छ। करामक सिम मार्खभोड़ा संस् १८: नहीं कहा सरका और भारतीयोक्ते दाव राष्ट्र सरकार, १०५६ नमें काल करवाणी भनुमिक्तीया व्यक्तेत्र, १४५६ न्स पश्चिमारे संजीतन संशोधन विश्वविकास अपदा १०

राम्सराज्य परिवाही पंजीवन संख्याका कविनिकास १ रण्ड इ.स. ६.५ एला कि २२४ २४४ 4x4 442-42 4 4 426 433 8 8-41 -पश्चिम है स्वयूपरा मण्डा, १७; -म माननेह स्वरूप मार्श्वभोडी करियारियों हारा निवासी पास केवल स्माहत ८५: -दोनों सरवींसे पान्य १० -वीरार्च १८: -म्बा-महिमार्थ। सरकारक विकासनीय, २३: -क्यू. ११, ७६: ने करायेत भागी दिये मिना भागेगर तमे पानूनोड साम प्रस्ती क्रमून मी कहा ८९: -व भलमेंह गांबीबीयर सकामा १०% - इ. सन्तरी बाह्या कार्नास केंद्रीकर्नेद्री द्वार म स्मारा नार्रत १०% न्य **अस्ती**त विजितन प्रवादित हुद्धा नेह एन्ड १६ में विक्रिय मालीबोंडी रक्षत देशकी अवस्था क्षत्रमण्ड, २५३ न्य साम महारीम सिंहचन दूर दान तह उदलेश तैकह नहीं १७९: - अर गर्भाजी ६६: - में बढ़ वा दी शामियी में तुर्कींक स्थानमान वंजीतलकी वरेशान मरी क्यांकी साम ३३

श्रम्भान मानी प्रीमण्ड प्रिकेश १ ११ ४८ ५ वा दि ६ १११ १९४५ ११ १११ १४१, ४८६ ५१३-४ नामोत स्थानित कर्म स्थि १ १ न्यांनाचे सम्बद्धित कर्म १९ १ न्यांनाचे स्थाने स्थान स्थानित स्था

कराना काल नहीं, y दा -शमान-सरका हरा विक्रिय आसीर्वोच मध्य कारण हो संबद ६८५ न्दी करूक सरक्ष हारा की गई कालारे किस्ति भारतीय निर्देश स्थाती, १७३३ ने करानेत सिक्टि मारतीमोंको निर्मिद्ध व्यवसी यागमा वर्षिमाई कानून यः बरनंत्री कर्तं, १२९: -४ भवतंत सर्गेष नामन्त्रक कैनले नमुस्तर क्रिक्स भारतीय निर्देश म्बाही नहीं १२८: 📲 सम्बद्ध समाज सदारको थक. १३ । -करा ब्राजिन्स्या मन्त्रदेशका स्थल क्षाची है। पर नो सम्बद्ध स्थान स्थान स्थान क्रिय तैशर नहीं ४ ९: -में संबक्ति जिल क्षत्र**क सारम हारा ग**ढ जर्राहरू प्रसारित १९३। -में समाम किरण क्वीटीका निमान, २४ ५१s न्त (फेड कारण वर्ष तक वर्षी २४ रहिल बादीही संब व्यक्तिका -- ब्याम स्टिट, ३ ९४ - का अवस्थित १९२० ३ २४ - वर गांधीकी, 280 बराह निर्देशिता। ज्ञासी दानूत संदोतन वर्षिन्तम

३१० अध्यक्ष विदेशा परवाला व्यक्तिस्स ३१ वा दि भूद वा दि ३ -विदेशि अदर्शन कामान कामाने स्वामान्त्रे, ३८४३ -च्या कामान किम सनी हेर, ७५१ -के कामान्त्रे, विदेशित हरकार करा किम स्वामान्त्रे, ४६४ ५ -सामा दी वह कामान स्वामान देशा

विवास स्थानसम्, २१

अव्यक्ति १ १९ ३ १५५ का दि। – ६.१९५

भू पाठ है ; — भर १८ वृ १९
इस्त्रामा वर्षमध्ये साम्य (उन्नेस्त प्रमास्त्र) — वे विकारमांत सिंग्स देवामा (उन्नेस्त प्रमास) — वे विकारमांत सिंग्स देवामा वर्षमांत्र १९ स्ट्रास्ट व्यक्तियां स्थापित वेद स्थापित व्यक्तियां स्थापित स्तक्रामद प्रतिरोग, *-शामदा चीनिशें*चा संकार चौर रह YZY YSZ: जो जिल्लाहिक कारण, उरेटा नाय बरमेका स्ट्रैश किने दिना ग्रुप्त मी दिने नानंकी क्षमानना नहीं, ३९३ -कानिमी हारा मानानेमर इतिका अप्रिकारो पात. १२९ -आरोरिक महिरोक्क सुध्यक्त भव्यतः १ १। -संबर्धेका नाम राहनेका कारणः १क नहीं विभिन्न कराम ५३०: नहां बहिल गार्थि हा अप्रतिक्रिकोंकि किए स्थान काना करिय १९ : न्या सरीह्य राज्याक-दंशीक किय अपनाना दर्जन १ ३: -का प्रमोग करून दो नार्तेक किंद atu ना प्रकार सामेश किए कोई वॉडप्रीकरो मक्कारोंची बक्रजों बेक्ति ३२८३ नदी बाग पन्यक्ति रक्ष्में इक्ष्य महम्मस्य दलक बोग्यान, ३५५० -दी बारमाच्या अन्य शक्तिय साविकामे. ११९: -शी वसीती ११९: -की कमार्गात १२०: -के स्थापने कारक कारस हारा चार सर्वाति सं तीन वर्ते शास ५१६ -के हौराम करकेंस छटा भारतीबीको करीन कर प्रसन्<sub>- १९९१</sub> -क महाराने सर्वजनिक वान्योक्तरेस परवपाके प्रमानींकर गोलना ४२९: नही **अन्य**नींड शारेमें बाराच स्टाइस अक्टानिया ४४१ -पर गांधीशी. १२७, २४२ ४३: -नर स्थित ४१५ ४२८ ५३२: -में विवास रकनेक कारन कक माराजियों हारा गांधीओ-पर तीम आहेर, ३२ : —ते माम्राम्य प्रतिरोधारी बोर बाना सम्मन, ६४३

काम्बासक विदेशी, निविद्यां तो केवते हुन, १२२६ न्यों केवते हुन्त हुन दिश्य कीवा ब्युड १८८६ न्या कार्याक्रिय कार्याक्र्य हिन्दिरीकों न्या कार्याक्रिय कार्याक्र्य किरोतिकों वर्ष हुन कार्याक्र्य किरोतिकों वर्ष हुने में कार्याक्र्य कार्यक्र्य कार्याक्र्य कार्याक्य कार्याक्र्य कार्याक्य कार्याक्य कार्याक्र्य कार्याक्य कार्याक्य कार्य

मनी, २०० वरह इपर

बनुमहित्तव ८८ १.०१; —गारे मिटिन महाव्यक्ति में की-महार करकान, ५४५ —मितिस भारतीयोक्ती ज्यान्य सरिताहित करकान, ५४५ —के दिना कारिस्टर्ग महेब सर्होंके करकान, ५४५ —के दिना कारिस्टर्ग महेब

नप्रम ४५ ४५२ महाह, बेंद्रस्थानी ६ नहेरी, नदीम ममस्मित ३९ नहेरी प्रमुख कर्रास्त्र, ३९ महेरी, सास्ट्र, ३९

बन्दुर्देश्यान, वॉ २०१-०२, इद्दर १८८ ४२ ;—पूर्णे इतिकोड साल कार्नरत १८०३ नहीं वर्षे हूं से गेरेंट, ११ —को विकासकाकी सरकारात वर्गार्ट १६४

कर्मात, के ५२९ असूत काकार पविका ४७ वा दि

क्योर, सम्बद्धी, -पुनः विरक्षातः, १ शः -का क्षकरमा बीक विकित्तरीकी न्यान्यमें केव १ शः -की मोरके गोधीमी बारा देखी १ शः -की प्रतिकट बारा र गावकी कठीर देखते क्या. १ ४; -गर निर्माद मार्गति बारी मार्गतः १ शः -गर मार्गति मान्य कम् वर्षी, १ ४

जन्म ५ अन्यः, वेनिष्ट -रामा व्यासकी केन्स्ये स्थितं २१९ जनस्मीना तेनास्य रेक्से, स

कारी कारी, २८८, २८४ १ ९ | नामस करकारे, १२ | न्या निर्मातिकोंचा जाना कर सरोलर कर १३ ; न्या तर रिकारी कारिया रागिक राग्रा - पर रिकारी सुकारण १००॥ न्यों कारियोद्धा सर कार्य रिकारी सुकारण १००॥ न्यों कार्यक्र १४ ; न्या सर रिकारी शिकारकों सिकारस सिमा, १८९॥ न्यों रिकारी शिकारकों सिकारस सिमा, १८९॥ न्यों

क्की, गुरह, ३९

वारी, होन्त, न्या निरिद्ध पारतीय छाता पर १००५८, न्या इवरिया पार्ट ७५। ने वार्टित मारतीय करानेदे पार्ट पेन पार्ट एवं ना पार्ट १३। न्या पारेन्द्री बागे बीच्छे छात्रारी ७५। ने पार्ट बेक्के दिनारीय अल्यास क्यार, ७५। ने पार्ट कराने हम क्याराडी बेलांक कर्मर पार्ट बीच, ७५। न्या हुएसं प्रोकेसर केला बार पार्टिनी, ५६। नहीं अध्योजनित स्वाप्त ५८ १३। न्यों ७ दिनारी स्था बैट्डी एसा १५६। न्यार की यो कराने विस्तानार्थी हाली बहुकरी बीच्या कराने करानीहरू, ७५ सम्बन्धे प्रकार १५

नलामी बतुपरिका ४ १२९ १४५,२६१,-दीम मासक किंद रीहेरीको करण्य, ६६, करमणी बतुपरिकारी — से करेक प्रतिका विविद्य भगवी, १४५, —ने करेक मार्किक स्टब्स्टको समस्य निर्मेट १४५

क्लोड मानिक सरकार हो समास निर्मेर १४% बस्ताह, रे मार्च (एव ) ४४४ १३६ १६०, १८४ १९% २२४ २३४-२३%, २०६ न्याल, ४५०, मानिक या हिं। -चौर कम्ब सानिकोंको होनातीय व्यक्तिकों कैरफी एमा ४९४ -चौर स्थिम स्ट मोनिके

२६४) —ही भोरते सर्वेण्य बातास्थ्यों प्रकार को सामभेगे चीनी तंत्रही स्वास्ता ६८३ —ही हुवास्थे राज यह सारतास्त्रहा स्वीसम्बद्धाः १४८३ —हे सार

केम्प्रस्थित शक्ता जुक्तके क्षिप काली मार्किस, १६८; -के साथ ११ माराजेन मिरफार, ४९३; -सारा कार्यक्रमकी पीरसावा बजुबरण, १७०; -सारा केसमें

व्यवस्थित कड छहन, २४७ व्यवस्था है ५२ पा डि व्यवस्था ३४

ण्यान्यः स्टब्स्सः ९४ भारतम्, स्टब्सः, ९४ भारतम्, करमन्तः ल्या स्टब्स्सेन सार. ५

## मा

आंतिमा झालम प्राप्ति ३ ४ १६ १८ १७ च्या वि १६.१८ १२४ १४४ १४६ १९६ ११६ १४४ १४४ १४४ १४४ १९६ १९६ १४४ १४४ १४४ ४९४ ४९६ १९६ १९८ ४९४ १९६ १९६ १९६ १९६ १९६ १९६ १९६

-पारा प्रभागका क्यान्त्र, ४२१ मालदेर -किंग प्रशामा क्यान करोकर किरखार, ४८ बारकड, गेरिक्क, २, ०३ केम्बोबा-वेरी, २४० मालाको २८४ १२७ १०२ १९; -के स्थानकीयारी

क्षम् सि प्रदेश होता दे ; — से नैरोकी विकासकता रत्र मण्यास १७५ अञ्चल १३ — का देव-निकासन, ९६

सामानिक २७८ सामान्द्र २८१ ५१६ सः द्रिः ५२९

सामारः १४१ पर्यं पर २०० स्रोतिसम् -हा समामीरः ३ ९

व्योगिन संस्ति विस्तानक १ व बाहिता, समास्त्र स्टिगी, १९ ४६६ —को बेनकी सम्ब

४ : न्ह रह राज्या सुमीता, ४०

बारमान्यम् ४१८ या हिं बारमान्यमध्यात् २ ८ १५ प्र बारिकाम बार्यिकक्त १९८ या वि बार्यिकाम बार्यिकक्त १९८ या वि बार्यक्ति १५ या वि बारमान्यम् १ या वि बारमान्यम् इस्त्री १५६ बारमा सम्बुक्त इस्त्री १५६ बारमान्यम् इस्त्री १५६

भागानाही वास, ४२४-२५ वॉर्रेंब रिवर वक्ष्मोनी, न्ये एडिवर्ड केम्ब वरेड, मीनरडे

नादिना यसा वेसर —का मान मिटोरीनामें चन्य, ८

क्रमी, १४८९ -में भारतीय क्षाप्तिक स्टामर, ११९ वार्मस्यूम, १८४ वारतमार्थे भीर, १९५ -घा सन्वास्त्र स्थान व्यक्ति, वर्ष चीक, १९

वाकिक प्रकास, २४१

## \*

इंक्सिक्सीन १९६ १९८ इंडरेक्ट्रेन विकास, ४२९ वा दि ४९९ इंक्सिन १९ वा वि २६३ वा दि २८१

वा जि १८६ १८३ ४३ ५१८ इक्टिन ओपिवियव १ वर दि॰ ५ मा दि १५. १० वर कि उच्चा कि ५ पा**र्व** भाषा कि भण्या कि छन्या कि छ ब्राफि १८ १९ वाक दि १ ३ वा दि ted वाकि र≪ पाकि रश्प्रपाकि \*\*\* बा कि १५९ मा कि रदप्रमा वि १९४ बादि रह पादि रहा पादि १११ बादि श्रेश्य हि श्रेश्य हि १५ रभर वा दि २५% वा दि २६४ मा दि श्रक्षण वि २८ या वि १८४ अन पा वि ६ **८ १११ पा कि अर**भ बर १८ अस्य पा कि अस्त अस्त के 222, 227 TI E Y20, Y30 TIO free प्रदेश की कि अप जा कि अपरेशक

प्रश्न पा विक ४५ ४५६ पारु विक भूद

YOU पा वि अटड पा विक्रम १ पा विक

ગ૪ ધર ધર ધ્રમ્મ વરસદા

इंडियन क्रांनिकक, ४२ पा दिल पितन त्यांकेय भ ८ । न्यां स्थितिका मानय भ१९ पीतन त्यांनिक भ१९ पा दि भ१८, ५१८ वृद्धियन स्थित १९२, ४०० पाल दिल भ१ पा दि बृद्धियन सिम्हांनिकार, ५ शु न्यां दृष्ट श्रुव्य व्यवस् १००१ न्या सीयन सुरद्धांनार पायती सम्बा ११८१ न्या पीतन्य क्रांप्यती स्थापनी दिल्या श्री

न्दर चींगराक श्रुप्तका सरकारकी निगक ३ % न्दर चींगराक श्रुप्तकारी सरकारकी निगक ३ % न्दे सर् चर्मन नाम्बीर्स्ट इनाकी सुन्नी मर्सस्य ४ २

हजार इ.चीमरी, २७३

स्त्रवीत १२

क्सार्याम ५,२०६ क्सार्याम व्यक्ति —द्वा फेट्रा क्यालक वजरायमें ६ एउसकी

सत्रा, १४ इनाहीन सुरस्पर, १३५, १६५५ —गौर करनानीधी कामजन्म

नेका राज्य क्षरामाने सुकारत १३५

<del>पार्त</del>न २०७-८ २४

स्पर्यन करू, ४४९, ४६९, ४०० ४०० -में गोधीनी स्थानक किय सम्प्रित्त ४५६ स्माम सैनद नकी, ४१६ ४४२, ४५०-५१, ४८८, ४८८, -के सम्मानमें सम्प्रोस, ४६३, न्यार, नका सम्पर्धन

र्याल व्यक्ति समात लक्क और १६॥ नारा नेतामी विकासकात स्वर होता गरा ४२ अस्य नारा पामका पूर्व व्यक्ति वेता वेता ४२॥ नारा पामका पूर्व व्यक्ति वेता वेता ४५॥ नार्वे वेतामी विकासकारी अनुकार ४९॥

-स मेरकी दिकारणकी शुरुकार ४२ इसस्ट्रेड कम्पन स्पूत्र ५.२ इसस्ट्रेड कम्पन स्ट्रेड ५.३

ĸ

ईटो, जिला विरामुकी, ५०१ वा कि 3 नकी पर बोरियाई इस्त विरामकान हमा ५ १ नक गोरीयी, ५०२ ११, ४९०

रेशन, नारा निर्दास स्थल विश्व विश्वत, ८१ ईवरका काम्राज्य जावक अन्तरमें हैं (किंगकम ऑक्स गाँड इस चिदिन कु) ११८ पा॰ दि

हेनाजी, वर्की, स्थिता व्युव्धीतत्त्रक विश्वनात, १४; को छ दिल्ला केन्न क्षेत्रकारी विश्वनात, ४३; कर सुक्तमा, ४६

हेना जनाज्यः, ९४ तेना इत्र २.९१ ना दिः १४६: —बाबुरकेंद्रः प्रतिकार स्टान्ति न वरनेका वस्तुन, १९

हेसाइमी, मूला ११२ १२४ हैस (जिसन देखिंग सम्बनी १५७

3

क्यी, सीमागर्व वस्त्यायारं, ९४ क्यी. मीकायर्थ कमालुर्वा, ९४

उच्च शिक्षा प्राप्त गारतील १९५५ न्यो विशेषक करनील स्वरणी मनुवर्शित्त करण विवासी, १९५५ न्यां विशेष प्रारतीलीं जानना जीतिक तथा कथा वरणक किंग स्वरूप १९५६ न्या प्रश्नास्त पुना प्रतिकृत्व १८५ न्या विवास करणकर्मक द्वार सुन्त एनला स्वरूपो बीर्षे स्वरूपा स्वर्णी ५५

कारी शुण १८८, नहीं श्लीका शरेमें सी बमारमिक्रीमें

व्यक्त ४ १ वर्षविषय् १४१। वर्षनिषयों न्यं नाकारः गोपीजीको

वानि काञ्च २४१ कार ३८१-८३ ४१६ ४४१

कार वेशस्य १६२ काराम्, सम्बोग ४४ ४८६ -करा सुगतिकी बीवता

केर माध्या मंत्रह्म ४ २.१ कामान, समय ९४ १९४ १४९

क्लान, श्रम्य −९६५

ए

पुक्त किन्नुक बाग्न पाछ, भन्दा, भन्दा, १३ पृ द्वीदाह्मक जाँक हरियदी भन्दा पाण दिश य द्वेतेही जाँक पृत्यायर व द्वीदारीद जाँक मिदिया इंडिकमा इस व दुस्तायान, १६१ पाण दि

४२४ पाडि <del>१७वर्ड, सस्म</del> १ ७ पाडिक

वेंबवीवट बाक इंडिया, ना महोन मिलून मूर्वेजन्ते, ४२० ना प्रमान वीकाल ४४ ; न्यी एडिसे वोक्स अध्ययीति जी, ४३४; नी ब्या बहुत बीकार्त ४३९

व्यक्तिमा इपर्वित स्पृत्तु -में शोरती इक्तरदी सना-कीक्ता ५१९

प्यक्रमी, दरम्यामी, ८७ व्यक्ती देशिक्ष २६ व्यक्ती, देशिक २६ व्यक्ती, पीम, २६२ क्लमी, मोनेट, १६९ एम के गोबी एन इंडियब पेट्सट इन साटय

वाफिका, १४२, ५१४ पा टि पुस के॰ गांधी रृंड व साडव बाफिकन इंडियन मोस्बार भारत क

प्रमी, १२१—२३ ४१३

पॅप्रिक्त कोई २९. १३१ १४७, १८६, २८४ १११ पादि १९३ पादि १९० पादि l Y RY वा कि 33 वा कि 33%-38. \$2% tet. sen 91 fc 3un bet पा॰ ही ३८३-८४ ३८६ ४ इ या हि प्रभट प्रदेश या जि. प्रथम प्रथम, प्रदेश, ४९४ ५ इ.स. दि ५१% -मीर इनही स्थितिकी प्रमास का इर एक क्षिपमचकरी गरिकेशि निकें २०९; - शहरतकडे मत्रदीवीक आस्केन, ५४४। - ध रहोजा अपने कोगोंसे गंबर करानेमें, कराव स्परहरो स्ट्रीयई होना सम्भव ४ ९: -सी स्वक स रॉडेड करा रॉडे ग्रेसेसेसेसेसेस सम्बद्धी ग्रीय ३१२ —े छद्रीकाई करण सदस संबद स्टॉके किर मनिकार, ४०८ -के साथ कर १९-कासारके मत्त्वार सम्प्रीवेदी कम्माना स्त्री, १८३: यहा मनकामक प्रतिस्थित प्रत्याह एक ब्राह्मके किए बाराजें मेकि ३२८: —हा संयोजन पर स्थिति हो जोक. ५१४) -को बांधीनी बारा कोर्ट कवा मेने कलेनाके क्लाबा मासित हेविन ४९४: -की पांचीजी अवस एर बर्जीस हॉसरको जिले कार समित शेरित ४५९-६ : -को गांधीको हारा संप्रतं पराने स्कोत. रेप्पा नहीं गर्पियों न हाथी हरीन हारा करनाह. ४९३ - को नेने को इसमें को में का में इस में इस परिचान ४१४: -हारा व्यक्तिकी प्रवासित गरत माना पर बोर, ४६४। -वशा शत्कालके मारहीयोक्ट कारि गारी विकासी ४ ४; नामा गाउँ नवडा कार्र १६१: ------ सराविधिः सम्बोते कि सम्बोति का WELL SECT - WIT TOWNSHIP BUT THE PARTY. ११६; ~हारा कर्वातिको सिकामे बहुत कच्छा काम. क्षण्य नरे वांशीतीका अन्यकासक अविविधिकाँके स्ताब सीवनाची न रागेचा अपुरीतः ३४१। -सं वांगीनीहा कार प्राप्तके क्लाबर जान रेनेका निहरू, १७४१ न्से विकासकर्ता कारी मुख्यात १८४, ३५६ क्यापर रिक्ष १०० पा वि

्यक्ति, लॉर्ड ३० -से इंग्लैंडमें मार्ट्स डिक्सवर्की मुलाइस १९१ कोट, लॉर्ड १९८

पानोट नाम —हो १९ माजिनही छन। ४०२ राज्यप्टी, सूनमारी, ९४५ —हो यह मानकी कटी हेरकी समा १४५

परिवर्श, -वेरिश विवर कार्यभंग केका कोट गौपरे स्मारं, घट: -मारी संस्थित ५ -को बैक्कि वर्जीकी को असरेका ही प्रभावत मिरसर, १४४ --पश्चिमको --वीर सप्तिकोशी शक्ति करण स्थात वेर्देशालीके बारोजक अवदायी ५१: -बीट एटजिएकी काका रामगानी दिवटिमं संच्याना संबीदरम बोक्सादा कर्न चटा नहीं केल्क्रे प्रोत्याकी रूप वीरोंब सम्बन्ध वर्णिह बार्चीओं. ८३: नरी शीमें सर्जेनस क्तान संस्थाती मेरिया बोर्स, ४११-५६ -४ म्लास्त अपने पाने कोई रोह आर्थि रहा ने निवाद राज्याच्या स्थ्य पूर्वावद १४४३: नेब सम्मे क्षानुनेह विरुद्ध बनारी मानवा प्रदार प्रतानि किर सम्प्रही कीका बरते कामा ही एक गर्म, १०६: -व केका रंबीक्स कराने वर चरित्राई कानुनदी कानुसडी किंग्समें रावेदा को बाल नहीं, १९:-को निकास राहर करना क्षक करोगीमहा कर्णन ४ ३ ४२३: -80 मगमिलों के सिंहाओं मिरोकों तीत जानीकर, १८३ -कारा भारत कारार दूरा कर क्लेक **व्यक्तित एपि**का व्यक्तिस्य सा करनेका नामा १ : नामा सन्हरिके क्लबंद करने वर्तका कड़ीग्रेटि शब्द १९

विकार्य वर्गमाद ११%, १९६५ न्यी कार्यवर्धने कार्यमाद त्रिम्ब पार विचा गया कराइन एवं इरोडा वर्म्य १४% -ते वर्मी कार्यस्य वर्धमात्र अस्त्रोत एवं दिने वर्षीय प्रोणे कर्षेत्र कराइ, १८, -ते व्रिमेक्य विदेशि सांक्राचा वर्षीया, १८८८ वर्षीय करियेस् हर्माचा वर्मामाद कराईन, १८८८ -तारा विदेशि व्याव अस्त्रीत्र वर्षीय वर्षीय करेत्र ११६ -तारा विदेशि वर्षाय वर्षायाच्या वर्षीय परितास १६८ -तारा विदेश वर्षायाच्या वर्षीय वर्षीय वर्षीय वर्षाया वर्षीय वर्षायाच्या वर्षीय वर्षीय वर्षीय वर्षायाच्या १८८० -तार्थिय वर्षायाच्या वर्षीय वर्ष्ठ वर्षीय वर्ष

वृद्धिवारिक वेंकर इथ ए काकोनीन (उपविचेत्सी वृद्धिवादी करारा), १ ४ छ। जि

सरक्ष्य केन्द्री ५५ १३ धरिनक् १०९ ३ ३ स्रो

भोगोरी १८३

सम्बद्धीला वा सोदिला २८५ पा दि० ३८५

≢रसमी. €

कविन्य -का भारतीलींगर कारीय २४व

क्रमिक्स १३७

क्षिक्र, -दी कों के लिक्क रहतन कोनें हारा अरुक्तित. YCY

करक्ति, ४६

कर्नेच क्षेत्र २८६.३ ९.३२१ ३०० -क्सम विकास

४३१। न्ही सन्तनाव-तंत्रीते इतालेक्डी सम्मानस १७४ - जी संसार्ग सेकान किय सारतीयोंकी सीचें. १७२। को सम्पन्तनानी भारतिगृहि सामकेसे हिन्स कर्ता केन्द्र स्टि कस्तार, १७१: —हे बाह्यक्रिया शारा महतीन दिस्पन्यक्यों मेंट धनेकी मार्थवा २०१

वर्जिंड २१२

कारतः मीता —को देश निकालको सना ९४ 

करन, मीखा १६२

कसस्यक्त अस्तिया —कः जन्मन नांधीयी क्षता बाजी

द्यीमधी सदलतासे, २०८ क्राक्रीमा अस्पर ग्राप्तर १२,१५,४३ ४४ ५ ५५, 42 45 co, 232 246 249 244-40, रेटर देश्ट देशर देमकमार देमहमार देमह भय, रहर-छ० १००, २८८ इ न पा हि। -मरने बेनाफ़्रों या नान नानदी बाबिकास बहार एक कर भारार क्यानेमें अक्षतं, १५६६ -और वेदिनारहा चौष-वौष मासद्य सर्वरेशम कारणस्, १८८: -प्रोद्यमिक्षांडी केवी, २५३: न्मार्शित क्ले स्रो इत मेनिक ५६। न्या भागा भागा कर कामध निस्ता १५५ -का मलसम्बद्ध १६७, १७० १८% न्य तर दिकानको नतमनी तथा स्कृति कारणाः १६९: न्या सहात क्लावावित्तः १५. न्दी माबिक रिवरि बच्च भागी, १०० -की विदिन मन्त्रीत संग्रह बनाब क्सर नियुक्ति, ३२: नहीं रियानिया हालेगे हरता कानीः नजान वहीः १००० न्दी मार्शनींदी निकाल कार्य कामा छोड़नेती राज्य १५५ -दी धरें वर्षका भारतीय विकास नामी

में बनेडी गार्वना, १७१: -की केन्सरोंकी बैठकों वर्षिणी बारा देशकी, १५८ -दी दीरताका करवात इस्स बनुष्ठायः १००० –के स्टार्ग सिकी विससे सर्वेजनिंद वित कारा बकरी. १५७- न्द्री गांचीबीदी नताशास्त्र किर वर्गाः १<del>०० –</del>हो वर्गियन संस्की भीकन-राविकाक वर्तमं बस्तन रुक्कोष द्वारा स्वकता परः —ही केक-निरम्बर्धा शोरते मिंके कुछ छन्देव क्ष्म -को बनवारों बारा सिवाबिया। बोबिन करा क्ष्मेदी परमाद नहीं, १७०० -तारा किये गते कार्यपर सारे मार्थात समानको वर्ष १८५, नारा सूनी कामून स्रीकार न करनेकी परिवा, ४१: -इसा केन-लिक्सिसे मीकन राजिकाको असि रेजनेको शालेता ५३: -कारा केवर्ग तीम मानकी कही बेरका अमीन १८५५ -हारा पक्षित तथा विरासकार्य केनेकाले स्वविद्यारीक कठार अस्तास कानक वारेने शिक्षणा, १५१: न्याप माराजिके गामकेडी क्यातार राजका करने राजींडा क्यातार. १७० -बारा क्ष्मवार्रीके शामने क्याने विसानका विका वेश १५९ -शा शिक्ष्यकरी श्रीक किर केक-निकामो कनार, ७०: -हरा स्नामो किर मानमरी परिवी स्थितर, १७०, १८५५ -वर गांधीबी. Y2, 58

कार्यका (सर. २५

कार्यः ९४ — सः संस्था ४२। –सं व्यंतीवीरी विरुद्धिया केंद्र बावे समय सम्मद्धात १६५८ ९२९ --से गांधीओ

क्रम १ हिम्मिन प्रमुप्त १५

पानी, क्लाहीय, -नेकरी, १३३

कानी समास्य १६

कानी संस्थ १२४

कामी, गुक्रमण, २४५

बॉला न्य है व १८६ १८६

क्षील, सरक्तिके इंटर पादि इटर टा ४५ : -गद्ध मायम, ४५१

क्षारि अनुस, १८ - २८% ३१६ ३१२-२३ ३३% des and the dat doe a 4 hos ४९४ ४°६ ५२८ —सल्य विक्रिप ३४

दानगरान्य अंगर भागर, -दारा अमीना रनने दनदार ४२। -स शास्त्रकांग जुर्माना, ४०

दर्जनिया, विवाधी, न्या पात विवोध क्यार कालिया धोषनंदा मॅडिंस, ६४: -पॅर्डलन प्रमाणस्य म कन्द्रा भागेर इक्ष

```
सम्पूर्ण गांगी गाममन
                                                     द्यमा, माक्सीर, २५१
कारण -अधिक्षित विश्वास किरोभी कालून, २९१
```

कार्पेस्ट एक्स्ट ३९६

\$42, \$90,

good, Yor's

Bolist 388

44

कानन

26 2650 48

र्शक्तीका व्यक्तिमान

कर प्रवासी बालन, ११९ क्रा चारारिक क्षामृत, ११९ हान्स्वक कारहरिद्ध प्रवाना बान्त्य, न्वीर ब्रिटेनक सराव पर्याना शानूनमें क्षों समहा महीं, ८ : नहीं क्षेत्रेसना इत्तेवले कार्याजिति सभ शुम्सवाम सरक्रमको हर कारती करते करतेचा व्यक्तिए, १६८ क्षतिया वासिकी सन्तव ४१ स्टब्स किरिपेटिंग मनशी करण ३३४ संक्रक समस्यक्रिया बास्त्य ३४३ तेक्ष्म विकेश करवाना कान्य २९६ १४३ ४४ SYON न्हें करनेत परकोर्डिक मार्टाम जातरिक्रिक सक्तमे १४५ - अ अन्तर्भन गरणना वाचिकारीको ক্ষিক্তের প্রবা মাত ২১৮: 🗝 লতাঁর ক্ষমা निस्मारी समानी स्था ३४%। न्ये न्यानी मासीन व्यासारिवृद्धि परवार्त्रोको क्या करमेले बनकार, ३४%-४४ मोन्सर कारून —क विकास मास्त्रीमाँकी मार्ग्यको सामान सरकारका सम्बंद २९९ करम परमा काला (प्रिका) -और जागरिक सरकारा बासूनमें बाई समानका नहीं, ८ क्षापित केरी.- या गांधीवीमर नमानार, १९२५-फाफिर देशियों नदी बहु महारी १८ न्दे साथ माराडीम देशियों हो रक्ष्मी नतुमित १६३ -से भी नतुम मार्गात केलिकि प्राप करान, १ ९ MONTHUE, 3, 10, 1942 क्षेत्रमस् समा देविक विशिक्त की प्रसमा कामा, बार्टेसीट -निस्प्रास, १९३ कमा ५ ५८८ WITE WHO REY कामा, यत स २५१ २५३ समा, मानिस्ता ७,१९ १६,४७ ११३ २५६,२८८ AND AND -- MICHIEV GOST -- GREEK RICH क्रबाया, 🦖 नहीं कीमती सेवालीस मार्कीन समान सरवान कर्री, २८५ -का ग्रंबीगोडी वर्णाः ५

बानून २, १९ ७, देखिय शास्त्राम बरिनाई र्वजीनम

कारून १ १८८५ १२ १९१ २ २९८; कारून

शासून इद, १९ ८ *वींद्रे*य गुम्सवाम गरिसाई वींतिन

कारोरियन गरः ३०१ कार्पक, २४ ; न्हीं ग्रांशीती कार्निकर विक्री रक्ता SYF EMPIRICA ROPE काम कानून, एकिए र्म्प्सनक स्थितहं पंत्रीतन वर्गिकाम क्रमीसार, मर्राज्य नदी विक्रो, २४७ कासमा स्थेमान, २४९ कारिय द्यारी १८ १२ ५१% २४९ किंगच्य जॉंड गॉंड इक विदित्त यू ( देश्वरका शासाम तुकारे 🖺 भीवर) 🕫 🧉 विकार, क्षेत्रं, न्यतम जॉर्ड कर्यन, ४३१: न्यारा समस्य रोगाही त्यवासन स्टीस नक्ष्म ५३ BOL 389 दिवस्ति, नदी व्यक्ताची दी दक्तिनीचा गंदीजी हरा क्रमेश ४०% PP JF JFBB <del>द्रीलराज्य, योहमच्याः, स्</del>रातनसम्बद्धः, ४. ९४ क्रम्ब के का यह १६६ क्रम, बा १८४-८६ ४ ११ —हे मतने वा सिमी प्र THE Y E grik, th 🖮 महः १४६ क्वपारिका, श्रमहोस सलेकी ११-१४ १२ घा॰ दि॰ YE हम्म देशक देवर वा कि इसके देवक 200 RCG RCS कुमारिका, यम वस १,८७ क्षर नक्तनमंत्री वर्ग ४६३ ४००, ४९३

क्षेत्र -और रोजन्मी चौरींची चरीबा नहीं एक -नीर

बेशानम् भारतीर्वेति परिवा वर्धेवते व्यक्तिस्य, ६७६

न्य मानिनीते सम्मीना विस्तृत प्रमेष पादानिके

क्को और विकास करने में ल १४४८ —के श्रीराविकियों

थमिहरिंद, १९३५ -के म्लासी मधिनसम्बर यांचीनीमी

बैगारो बाज्यीन २००५ ने जनाडी क्रमून कीर

कार्रेशक्त जलारे, भर १९८ ११०-११ १०० ४०६

कार्तिक टक्टरेश १९६ मा वि २००,९११

- १९२ उत्तक्षमा संस्कृति १९२

पामारं चामून कुन दाविष्ठा, ११९; ने विधित मार्यामीय दो निरामी वन, ११९; ने मार्यामीय कसरे राज्य कामक किंद्र निरामी कानुस्थितक कना कररों, २००; ना मार्यामीयर गांगीबी, १४४, नो काके कामीत मार्याम्बार कीन केनेब्री रिपार्वन सिरामीय १८४

कप जार्गस, २६६ पा दि केव द्वारम्भ २६६ पा० दि २६६-५७ कत्रसम्भ ३६, -दारा गोरीजोडा उपलिपह सँद, २०६

क्रोरोंन, बारपारक, १ ३-४ क्रोक्रोंक, ७ १६८ २ ६ २ ९ १६९ २८७ १३६ १०५ ६९० ४१६) -कारा मण्डिक सांगीकी समझी सरी क्रांसा ४१३ -कारा गांगीक्रक सारे क्योंक्री

विम्मेदारी ४६ चेंद्रको, -केवने द्वरूर, ४ चोंद्रक्ति -और कार्यालींड

बीच क्रम्बाँका ४२ बोबरी, सल्पनी क्रम्बनी, ९४ १ ४ १९१-५४ बोबी, केम्स, न्या पॅडिएॅंस हुएलमां काल, ३३ बोबरम्स, न्या क्षमांक्षिती करा विकोध, ४१

सम् १९९ स्टान्ट सैक्बार ०

मॉल, न्द्री भरानतमे न्यामर रंखा राजाता सुक्रमा, ४६३ न्यारा सुरमार राज्यात सुक्रमा सार्टन ४६

विकास कर कर**े** E 479 274 440-44 250 \$ \$7 \$55-52 ato or & set saven and ava पा दि १६३ १६७-६१ १६१ १६६ वा दि 300-01 304 W R 80%, 304 341. 100 1557 Y 1 YEL YOU GO. river he is no no no no renau rat til få renat rerac Yet-es, Yes-es, Yes, 4 s. 4 cs 4to-रण भड़ड भड़भ, ४४०-४६) न्योर वर्षे सामित मदली बर्तिनिर्मितीरी सुलाक्त्रमधी मार्थेसा ३१२, ३४ । -बॉर बॉर्ड मार्पेसे दिक्क्क्क्या वसवीत, इ व -माबीबॉक विवारींने बहुत इस **तक तक्रम**त, ४ ९० -भारा बनागरी केमें बनाओं Your नामार्थ सम्बन्धे भैडाँकि स्थानाडी प्रेशर क्रानिसी बाधा र्ववचेने क्लार्च, ५६४ १६३८-वा कार गांतीकीरी रत्नमें सन्तीरकार भी और क्लीक्काड भी, ४५४४ न्धा कार वर्धानीके महने निराधान<sup>के</sup> ४२ 1 **न**ध कर होतेकार होता होता होता होता स्थाप कर्मिकोर्स व्य समा बुकानेका जानामना, ४४२६ —का गोर्थामीको एउट. ४८२, ५२१ ५२६। न्या करण स्मामस शांकीजीका संसाधन मानत्वस विरू कार शबकाका गांवा ९४९: -सम्मानके प्रकार करूक स्परका नार्यात ध्यमेच्य व्यागासम्, ४११: न्दी बनान सारत हारी भौते क्षेत्रस व बरत्यर भारतीयीचा संबन्धाची रह केक्सर्दा सम्बद्ध ४१७: -की शबर्ग बनरक स्मारककी व्यक्ति कामा होता सामांत, ५१ १: -की राजनं कारक शरराजा और पॅस्टडिक्स संस्थान संसर करानेने बर्दिनाई होना सम्पन्न ४ ९: -ई। राज्ये स्म संस्टा वर्षात्र रिवरियां सपार कारकी समालगा, ३५४: -% कतरदी साजा हर। वर्तासा, ४८६: न्य स्टिना सरकार ताल समर्जना कराने प्रसर्जनी गोर्थकी क्रम सरक्षनाः, ५३१: - अ पादन क्षेत्रे निवस्य स्वर करी ४९४ और शक्ति वर्षांकी व हाको हर्यात हती. बरावता शकासन, ४५५, न्यः सम्बोदी भरीक्षामें वर्षाची. १८४। के मत्रमें मिक्स सरक्र शय बैदाक सरकारों करक संस्थितिस करना सामग्र ५२ : न्हों <del>बनाव शरसते बहरतमें बना रह. ४५४। नहीं</del> शनकाकी भारतीयोंकी गाँगक वीविवया राजनाने बनगर, ४१ : -को संतर विकासकार क्या कर. YYE: ⊸दी शंका कालेवाले क्यारा मसकिता गर्भाजी शारा कोंचे केंद्रविकारी हेरिक ४५४। नाहरा गोर्कानीकी विराय स्थार करान, ४ ४: न्हारा करांक स्थानके साथ शतर्वतं धाना स्वीधारः ॥ १४ −शरा कलक स्टब्स्टी वार बना सरिवार, ४१६३ -वारा दानसमाम भारतीय तरमञ्जू सामान्य प्रस्तेष क्यांने क्षणक सामाने सामाने पेछ ४१ । नारा पूर्व प्रतित बनावस्र सन्दर्शेता कम्म ४८१: न्यास पान्धीतवी सत्ती गृहें कमा व्यक्तिको व्यक्तिका गाँधीजीको बादपास**ः,** ४१ । - प्राप मार्गाम समाध इक इंग्लंड किर जनाक स्थानकी तत. प्रश्ताः -कारा कार्यक्षेत्रं कोली कीले स्टेस्टर बरमेडी सिरारिक २४% -इस्स दिस्मानको सम्बद्ध कान करोने बनावर क्रमेडी सम्यानम्, २५ : न्यारा विकारमध्यम् स्ट करणा स्वीदर्दः ३३३: -हारा क्लोमक्तद परिचाम एक कामडा म्हान ५३१<sub>१ लो</sub> <del>का</del>नीरकाड केल. अलंडी सम्बन्धा ४३१: न्से क्तम कारमर्था शासीत, ४८२: -स हो

भन्दुरेहमानदी मेंद्र ११ ; --से मेंद्रशी की वारी**स** निविका मही, ३९४ -से विकारकारी सुगनात

143

अन्त विषय अन्त ४ वन्द प्रदेश न्ते औ मेंद्रारा वरिकास स्पेर्ट गॉन्सिक्सो किने गमे पत्रहे. दर दा न्से ध्रां विकास करों में स्था सार, ४ ८-११। —मे **व्यं विकाम-राज्यो** अन्यव्यातपर गांधीणी, ४११ नगरे ३०१

क्रांक्ट के ४२९ ४६६: -वीर महरसे गोर्थामीकी सुकारात ४४२। निर्माणक कार्ग, मही, ४४२: न्हा स्वामिर्यानसङ्गा एवं, ५३२

PAGE BOOK BE BE 25% THE THE TO -3 0-3 ३३१: -चीर क्लाइस्ट गांबीजी २३४: -गांबीजीह महमें समझ्येष लाग २३% नहरा क्लानी समितियो ५ और मधन ६८

र्क्सिया, २५ क्योंसा २४९ २६ **व**रमानी, १३%, १६%: ⊸वीर <u>श</u>रूमान श्राव[माठी कोनास्ट केक्से दान्य सुदासको सुन्यद्रात १३५ सरे ५४५ मा हि बाद की स्था ५३६ वासरहं ४%

श्रीमक्द, १४७ सरनामी, स्त्रेमान, ३ ९ बूनी बानुब, बेटिन पॉछल्ट्रे बानुन नेहीका वर्षिनसम

क्षीत्रकार ४३६

रान्तरी, खरी रामोहर दक्य, ९४ गरी कर्म ४९ मा २४९ २५ २६ : ना वींद्रोता निवान कांद्र मिल पदालाय, ४३१ न्या दिला, ४३। -का लेक्सी जुला गहनक किए नकर, ४३: -बारा केंग्रेजा मिलान का नवनाद, १६ राजीर ( इस्तराज ), न्द्रा जनुमतिया जारी बालीत सम्बन्धी वर्षे विवस्तिकार बार, ५४६ -दला कवालस करा करमंद्री गरमत रह नहां विमान स्वर्तित ५४

बहर्तेर ( केव ) -को निन्ने प्रार्थनात्रपत्र मसर्विगः, १ ३-४। नारा नहीं केच्या आस्त्रिक किर नेता पराणा वीरणेस्य वास्य १५६३ स वोनीसीसी बासपीन

-से वाजवाने महानीबाँसे जिबना गांधीबीका करेन भागेका करून व्य —से बुक्र भारतिलॉक्स भा<del>गाना</del>, ८१ गोपी,(ऑपली) प्रस्तूरण १ ६,१५१ m दि १५८ TOOL TO REE R R. ROWLESS, REW. ४१८३ -व्ही र्वामारीमें गांधीओं मानेने मध्यर्थे, रे 😘 -के अन्यस हीनेका समाचार बेक्नी गांधीमीकी क्षप्रकल्प २ ५

वांशी, (जीमती) कासी, ३७३ ३९३ वांकी, सुशाबनकर, ४१८ ४५२: -स मांकीबीबी मारक

वासको सन्द सीम केनेको गाँग, ४५३। न्से प्रधानक यांचीको नारमसासको कोलिसमें हाम क्लेको साँच 1943

નાંધી (લોમતી) લો<del>વવ દે</del>સ, ફલ્ઝ ૨ ૨, ૨૦૧૫ ૧ ૮ 338

तांची प्रकारक सुरातकार, २ ६ २११-१४ ३६६ see for frear ser see siete प्रथमन्त्रः प्रथमः भरतः न्यौर समित्रक गाँपी द्यारा केवली वहें जेकर सार-सँगक, ४१६६ -के सहयोगसे वांचीनीकी शेलकरों कमोने दासी कुणानकी सम्बद्ध १२२; न्दो पोरीमीक सामेक निकार ४३०: -शांध वामे क्लिस क्यानात वाचीडी फीमिकारी हाम देनेकी गींग, ४५६

वांनी, देखास (देखा), १५२, २.८.२ वांची, वारकाल, १९१ ४५६। न्हें मार्कालीक करीने भाग केला विकास गांधीली जान्य १९२१ न्ही वार्थातीको व्यक्ति भावित्य समेको समझ् ४९९

शोभी समानमध्य २ ८ २१३८.२४८ वा दि १९१

वा वि वांची व्यक्तिकाल, १.४ १५१-५२, १७५, १९६

१ २३ १८६ ४१६। न्वीर क्षत्रकार वर्षे हारा हेल्द्रारी वहें अंगरे सार-सँगार, ४१२। व्यक्तिमी रायमे जाना जन्मगती अनुष्ट, २१३। -के क्रीन पर वर्शनी, अवदः न्दा गर्भगतियो सर्वयो निया क्षत्रेडी सन्तर, ४९५; न्या गांधीजी हता पत्री मध्य याण्यः वेकेनोयः व स्वर्णातीया नेकास मास्यः १ : -वर वीमतीने केवरी रता कानक करण

वंशीनीयों की ४१७ र्शार्थ माध्यस्य वास्त्रका, ३ क. र. १५.१७,९४

क व १४ ४०४८ भर पा कि भध दर

e yes as attente the

193-97 TE TES. 206 TSE. 2545S. TYC. LAY RESERVE REE REDUIT & वर वरत है हैं कि वृहर हरे हरे 150 105 15 M ME ME ME MA OT BE YORK YES, YES YES, SES पा वि : -स्टोर्नेस मेक्स पडे क्रूण मारतीलॉक्ट Yen - अनुकार प्रतिकेश सामीकारा १४० १४३ Y1: -मनकिट जानोक्टन होनेपर अपने देशपारिसोंकि विकास सम्बद्धाः बारनेको सेवार. ४१०: ज्याकी गिरफ्तारीयर, १२३: -अपने इंग्लैंग वानके छरेस्तर, २६६. १८ : अपने क्षेत्र वालेंब क्षेत्रकार, छहः -मस्ने प्रितेरिया चेरकः अनुसन्तर, २९२ -म्बास्ट शास्त्र बाहरिकार, ४२: -शेक्टरेंगे की बातेशकी प्राम परसाँची मिकलकार, ५ १: -दंबेंबरे स्वा-विकारक निय भारतीया अस्तिमकी अधिकार्जीया S & SASAY: -ROPE & SAL-ROP DIRING. १५. ४ - १९ न्याः नगः रशः व्यक्तिः व्यौर बीली देखियाँक शोष. १५ -व्य की भारीमारे कमरी बार भरामती का १९६. -और सर्वेद सामीदे विक क्तरक स्परमा १६६ मधना भक्त सहस्राणे. ४४ YEO: -और फर्नेड सीमीसी कराफ साकाम को बार मेंद ४०८।-धौर हामी इश्रीमधी रियते ग्रमावात १८ : -और हात्री हवीबारी का रिवर्ड सक्तीसको सक्ताति २८६: -शेर हमां हर्षमञ्जे राज्यसम्बद्धी सहस्रक क्रिकार किने बानेकी सम्मापना १३३६ -और हाजी दर्गतको यात्रमके वस्थितको वदा कुछ, २८९। -मीर दानी वर्गन क्या वर्षे राज्यीच्या कारण. ४९३: -बर्टन सेवलिंद प्रतिक्षेत्र स्त्रेंग्रेस स्त्रेंग्र, ३ : -क्वीमें क्वी क्रीक्षण क्वीरीको माननेक किन तेना. थ : न्यांक सीमीके आगगाद ११६१ न्याकरोके दिन्द्र-मुस्लिम स्पेपर, १३६। -माञ्चा शेल्प्लेस्क क्षणाम्बद्धाः ४४७, न्यानं श्रेस्टीनस् ४८३। **कार्यानार,** ५६, १८५: लेखे मारतीवीय, कारत -देश्विक रहते ही व्यवसाय, २३४: -गुक्काती शहा-पर ४५८। -(भीमरी) ग्रम्मावेची ब्रुपुराह २६ । -पराया पर स्थापि । -वेस्ट्राव श्रास्था किने गये विवासीचर, ५. ४४ -छोराकाम वारे**कार,** ४९६४ -ममीतर्गंत मन्तर्गतिक क्योंगर, ४३ । <del>- जारक सामके</del> साम दूर स्थातीचा १२८ -चेक्ट्री ब्राइस्ट २३१: -विकारी हन्द्रार्थी, १२२, १३ : -वेकारी व्यवस्थात.

१२४-२५: -जेक्सी सफर्मर, १६५: -मेक्सी शिक्षित १२४: -केक्स मनुसम्बद १२१-२८ 11-42 1co-cs 188-48, 330-31 २३८-४२: - नेक्स बार्ग्योच्य, १२४. - नेक्से बर्जी पर, हुन - अंबर्ध सन्त दामपर, १४२: -चेन पासेड वरीय व्यक्तिगार, १८९: -वेड वाला सम्बनी मधी वस्त्रीवाचे हा विचारींचर, १८२-८३: -केड वातेवांचे नेताबके ११ व्यक्तिवींचर, छ- न्यक बानेसे और भी व्यक्ति कामान, १९८: --नेटक वीमनपर, २१४: - अक्से वीके सिंगा यक सारोमें अधार्म २.३ -काम वीमार्शसः, १८०-८१: -काम जितिस गारतीर्वोक्त कामसर, १४०-४८। <del>- वेक</del>स प्रक्रोध कार करियान स्टेब्स्सर, ११ : <del>- वेक्</del>रो रिक्षा बानमें अध्यय नहीं ११८ - मोब्राविसमें केडमें वेकि १४६ -बावनिस्तरि गास बीसास्टर्स १६४: - सम्प्रताबद्धी स्वितिषद् १३ ०-३१: - सम्प्रताह-की इक्क्नका शासाय स्वांताके नसरसर, ८ । -शास्त्राच्या मराविकार मरिकानसर, २४७ -शास्त्राच्या भारतीय महाबाँको केव भग क्रेमेड सम्बन्धां सारतांशी-ब्दी मानकारर ७९, -बृभ्यनाच्मे म*रद्रा*मीब्दी विद्यालया, च्य-च्याः --शामानामां शिक्षितः मारतीनीक शामाक कान विकार लावित करने रक्तर, १३ । -- अन्यासम्बद्धे वास्त्रीकाले क्रतेकार, १९१: -शास्त्रात-सरकार करा भारतीयोंको ही समेवाकी शताबींबर, १९: न्संबर्गंड प्रत्यावर, ११: नार्रम वालक करने क्षेक्पपट, १९६; -तमिकींकी कामरीयर, ११९: -वीन वर्षोत्रद २ ५: -प्रकांक्य समामान्द ९९-१ : -बोब्री-स्टूर मंत्रेशी <del>यह विका</del>र काली माना हो भूकोनाक मार्थाल मन्द्रुकार्देक्ट, १७८। -व्यक्तिक नाजिली संबद अस्तर, २०१; न्हान्य हारायक्षी क्य रोमानद् १९ : न्यान्य सुरम्मात्त्वद् २८१-८२। न्त्री इपाधक भारतीत क्षुप्रदेगर, ४४९; नाले क्रानुस-पर, बब: -नव वर्गेंबर, १९१: -मरणनाश्च सारतीलीक कारिन माग केमेरो प्रशंन, ३९२; -विनायनकी सीवि-पर, ११७: -नेयक कलेगाने सरवीय शक्तिकी अमुर्विपार्वीषदः १९२। -नेदाकोः क्रीकॉसर स्था -ोडाक्ये वार्तानोंडी किसास, १४६: **-स्टब्स** figurement, the east see real -figure १५ वरीने वश्चिय वार्थिकक निवासी, ३१ ४ न्योक्सी जीवनार, २०३-७४ ४३% ४४% -प्रिमेरिया केन्द्री

सरचेया. २९ - न्यिनेविया संस्था. १२९ न्योक मांब्रोको रक्षिण वाकिस्तान पर्णता प्रश्न करते हर केर्नेद रमाप. ५३८। -प्री० शीक्षका. ४४९। -प्रतिकारी प्रश्नकार, १९७-४१: -प्रतिकारी trade consultar, etc. combra affolia dendera Chillet fielber 221: -Chene den sterr तद रेतव. १४९० - मान्योप. १०६० - आसाधी मामार्वेपर, ४९३: -विदिश माराजिनी कामार्विक Denne Carpetter 232, martiral after-च्या २१०: अप्रजीवाँको समावित कारेनको समावित प्राचीकः ८ । अववर्गमंकि स्वाधिक विकेत्रीकः ८ । -प्रतिकास प्रांतीक प्रतिकार, ४३३: -प्रताविकाके विक कार्यक्रम क्रांक्रिको अधिकार्वेक १३८ २५४ BOR-OS Y R. YS ST YME, YOU YES CC YCO, 49 321 -He-Frite sussell sussel. क्ष, १११ - जन्मीन्त्री समारकोत विवरितासः. १९७६ - एक हर सर्राम वन्तिकास १९ - निकारी रिवर्तिका, ९: -(बीमती) रिव्यको बीमाबीचा, १९७-१८: -स्टामनीस, १५६: -स्वारी सामिती समाग्र. ५६९: -वॉर्ड इ. ते धूर्व विकासकारी सरकारण ४११: -वर्षे निर्देशिक माराज्ये विकासे समाव विकासि मोहरी, ४५६: -कार्याली प्रकारीया, ४९९: -विकासमील, ४९८। -वरीर-कडी व्यक्तिकर, ५५०: -दिका स्टबर्ग स्टब्स, १७०-१८: -दिक्त unefeine bie mit fiebe metun, ba ab. -- Tenerossi smirt, \$86-03, \$05-06; \$60-A HELL PROBER WESTERN IN -संब अविकासकार, २६ फ - रोजनेश १४६ - रोडीयर गोड प्रकार कर जन्मी विकास, उक्त जन्मकारण ८५ १८६: -समझविरोचि प्राप्त १३६: -सम्बत्ते क्यारम, १८८-८९: -सम्झारिकी क्या क्रेमेंने कार्य इट्या -स कर्मन वालमिकी समाप्त ३ ०-१। -मार्गबनिक समामें पता जिले को धरारे प्रकाल-कर, ११३: -मोरमणी स्राप्टरकीयर, ११२: -सामने प्रदर्शन बदलीके काल, १५१-५५। -श्रेकेटिक विवासक रहा न्यांनी वर्गात्वर, २०६, २८९३ न्द्रा इंगींड क्रां। परीरांत निर्मोधी राजने जलाजाः. १५९ - वा सर्वतीक्षित्री जनभावतक वाकी दिशास १६९: -का एवं पत पत पत्र वीन्कारी असरी समित शामातका स्थार वानित वालेश विशेष

बोलोंका विश्वप्रकारोंका क्या हेटेके विवा राजी बारोका tritted ago, and effect even or arises mener 20 . ...... some er fieften myrfaftel सामग्री मोद्राकी अनुमति वेतेच्या स्थान ११८० न्या मानिका और स्वीतांकांकि स्वीति प्राप्त ११४४ - व्या कालकारो वालेस क्रिक अ -का बीकर अन्तर्गातीको प्रतिका पत्नी कारोनेक किर शासकीत बारवेरी तकता. ५४९: -वर मोरानिस्क् चेत्रों रचान कारण १०६: न्या रचनाको प्रस्ति व्यक्तिम सक्तम राज्येका स्थाप, ५१८ - व्य व्य पारक्रीको स्ट्रेडीक्टाब्स भारत स्क्रीफ क्रिस स्कारत १ ३ ४४ -का १६ सकताची वर्तिन्य वार्तिका पास **वर्तिका** निकार, ५०६: -का बालिय मानिकाले बाराविकी सनेश १०० १ ९ १९७५८। नोडल सन्तरीने मतिविक्ति करा, क्या न्या मी॰ वीटकेटी शासक मानंदर निवासका, ५३०: -वर विक्रिय गार्की करणींक दास सनेका १ ३-३। नदा स्टार्किसी विकास १ :-का सारतित केंक्सिको स्टब्स रहते भर और ३३५० जार प्रशिक्तांको सामने सामने the see out of the seeds seems thereof वारेमें व्यक्ति वस् १८२। न्या मॉक्ट्रो मिर्कासी मेम-वर्ग करवाता और समझ क्लेब्स खतान ५३६: नम् सम्बद्धा ७ वित्र तक सम्बद्धी, १९६१ -की क्रिकेटी स्वरक्षकी क्योगर्न क्योका स्टान १४३: -का विकास कि कार्नोरी का विकासी की प्रसिद्ध भारतीका बाब, १५३६ -का कोई देंग्यीकी बनकामक असिरोक्जिंक साम कोई खेबानामी म करनेका कारीय, ३४१। न्या गाँउ पॅन्सिक्से स्वरत स्वास्त्रे menter with best Plant, boys -to the क के शामी करण शासकी तल रेलेटा एसल, ४११। -ar amen' women' Shorteless from \$455 -45 flavourous cardeal after reflexous se rest-वर समार्थे बरनेब्द्र सदाम २५८: न्या सम बद्धामा-मेंकि किए बोक्सो प्रभाग १ २: न्द्रा संहोत्स SY2: -का समझादिमों और दूसरे पहारोमीको सन्देश ९८-१६ -मा सन्तरेची भागस्थि मिना केन्द्री मुहारोह सिंगा कोई सुराह में बेनेदा विद्याद १५ इ न्या सर पार्टी रिपॉफ्टे मिक्क का विद्योध भगीर *महीको सारमा, ३४०*० —घ तारुके स्थापना



सम्पूर्ण गोपी बाडमव

343 बानेकी सरुख १८८१ -की भारतीय फेरीबाबोंकी क्षिम परमान फेटी काल्पर निरस्तार बानकी सकता. न्द्री मारतंत्र व्यवप्रस्थिते व्यवस्था ग्राह्मका नृरी ठ्या दाम इनही सकत. १५४ -की गणिकाक गोर्चाची पर्वादी सिना बाहतेही समझ ४९५० -बी गींगकी क्लाब कारम संबुद करनेमें क्लाम भरह, ५४४: न्द्री मान्ताचे ननुसर नदावत प्रकंबवाँदी नपेशा तीसरेने प्लाया सक्त २७५५ - ही सक्द बीर हों करिक्टीर सकावास ४०२० -की मानक राज क्षप्रान्त्रकारियान क्षीयान, ४६६३ -की सका गाउँको बी व निक्नोडी विक्रमड १ ३६ नदी सकी कनी ব্ৰনতা নিৰ্বাধিত ভাষ্ট খৰিকান্ত্ৰী প্ৰদা তলা ভাষ क्रीर रखान ५२: न्द्री राज्ये कानुसन् सकनिवेद बारी शता भारतस्य, २११। नहीं रावने कार्कर दैनियोंदे सब मार्टाम दैनियोंदो राजना अनुवितः १६२० -की राजर्ग निरक्षिक हारा कीचोंडी सक्तरीले कार बदानेका रास्ता कानूनन् कर करना आकरक, ८४३ -वी रापमें शुक्राती अन्य नार्यात मतानींकी कुन्धाने क्या वरिष्ट. १०८-७९: न्या एको चेमने व्यान क्या किर किलाओं भरोबर, ८८:-फी राजने बनाफ धरहरा शारा र्मामित लेकामें काली बन्हर्याज्य केंद्र सम्बद्ध, इन्द्र् -क्षे राजयं कारण समस्य कार्रोष एको सरदार, az न्द्री रामचे वान्त्रशास्त्री भारतिशास्त्रा संबर्ध नातुनिह समका एका महाम एको ५३४ ५३७५ नहीं राजने वीनराज्ञ करण रिफ वक्तनकर, ३ % नहीं राष्ट्री वींगराची सन्दर्भ निवासी 3 रे: नदी राजने वींगल बाब्रियान गार करा गण्ड कामा आवस्का, १८१६। न्दी रतमे नेवल्य स्वक्रम च्यानेत सामें और परवार्थ-दोनों कर्वाको सिक्षित ३४३ -की एकमें स्वासी कारत ताक्षक पाति कार्निकेक अध्यक्त कान्य करी. ४ ८१ न्यो रास्य मन्द्रांस बैर्डामा सम्राज्य गरेले विकास करनका पूरा संभिक्तर, १२४४ -सी रासर्थ मिलक योगी जन्म समामन इक नजन्तर, २१॥: -दो रताने राजनीतिक समात्र नपुत निका, क्ष्रहा -की राज्य कोई हर का बन्द एक्टोबक्तक भी और कार्नाधमार भी ४९४। नदी राजी विकासकार बक्रा काना वर्ष ५९: नहें गरने संस्कृतिकी दिकाल पदी भार तांनद में। समा एकाडी अन्यस्ताना म्ह्री हा न्ही रमने इसमोही अस्तर कि क्रमार् मन्तरक कार समाग । १३ न्ही रिक्सी

स्थानलाक किर वर्गाच, ९: -की सनतक प्रशासीकी कार्सकड बनावे तथा वर्ष्यर बाहर यह स्वानुपृति-नगर हसाधर **क**ा क्रानेची क्**राट** ५२% -वी क्षेत्रं क से नारकीटक वर्गनाम राज्यसम्बद्धान्तर क्षा समामिक निर्देशन कारेने क्यांपदी करेंद्र. ३५२: -ही केटहो (र्जामही) खंबेको बीमारीम रोग शरेबिम गिराक्ष्मेची ब्रिटाक्त १०८१ न्यौ व्यापारिकोंकी क्याना क्रांच्य शक्तम क्रांगेकी सम्बद्ध १९४:-की करीर शकर सामन मदनानमध्ये मारागिने की फेलाक करवारमधे किया करेडी छवा. ४९% न्दी क्रिकारत केल्क निवारीक निवार, ११०- न्दी विकासकार बाजा का क्यांकी सका, ३१६ वी स्कामीको कर्ता. ८५: नदी स्पत्त वर्धन वास्तिको नारतीयसि वर्गात, ५३८: -धी सन्त माराजिके कि एक्ट्रविद्वी मार्नेना १५४३ न्यी स्ताई को नारले कोई गेंदरिकते स्त्रीय, १५३:-की हाजस्य कि मारतीय के दिलीसे मुक्तकार, २४६ -की छर कांतिस बाराइरसं क्लीनकरिक मेंबदी शकेन,४६ । -शति केव निश्चकरी संकल्दा, १९३१ -के भारतीत समानक प्रति हो सन्द, १५६-५३; 🛶 ब्रामान सर, ४७१: -क वर्ग वर्गक्रीक निस्त स्थ लकः बच्चविक्रम्ब मही, १२८: न्यं मत्में गर्दम श्यक्ति संबद्धे पोष्णको वर्गिक्त पात स्टब्स् केमा ही अस्टि, १९३: नेह महाने समीर हानेये गर्राम क्षांचा कारा वडी जिलासा १०५ -के सर्वमें जलकित संभवासे महत्त्वी क्षेत्रं मन्त्रं नहीं, प्रणंप -के शर्म करें केंद्र केंद्र कर्मनेति क्य महानिति काम १९३१ —क बराने कर्नक सीकीका नार्टानीं है अवस्थे: का राजेस विवार क्रिक्ट स्ट्रींग, ११६८ ीर प्रमान काम पानी सामानिकोटि कि**ने सार्वन**की पीर्ट, १४०० -के मध्ये विका समाप्रको सान्य, ५३% अब करते शासास स्वीतर्गक क्रमार है भी सकी बीचे १०६३ और मधी करून ब्राह्मका निर्देश दुर्भानपूर्ण 2001 - के मतम बनएक क्षरण इन्स् क्षेत्र रहे हैंगा भारतीवीक समानदी दीलक काम पालीयना, ११५। और aelt urfir शहरों con feè क्यों महारे श्री त्रेय और नमल देशा जलकार १०८। <del>वे</del>र जनमं अर्थात नेर-संबद्ध क्यम संपर्धत स्वराजके mere, sets of this was also refer कामा १९६। -६ मध्ये केन्द्र रहाध रह बाजार

कारेगाळेटा पीके इटना करामान ११५ -वा महामे वेक्से क्ष्य नहीं ९८ —क मतमे वेक्से तनीनत करान होनेका कारण समाज्यामें कारी, १९३१ —के मतो केकी खनेनार्कोंकी नोपता गरूर रहनेनार्कोंकी जिलेहारियों धर्मिक ९८: —क महाने यूल्समानेक मत्तिनीय समक गारतिनीया गाउ ११७: -के सहने उन्तराक्ष्में रावनीतिक कारान वैसी की पीन mil. २९४: - अ. मतमे अन्तराक संबंधि माराजिसी प्रक्रियोंने व्यक्तिया ११९: -के गठमें शुन्तनारू सरकार समानसर्थ समझौतेको व्यविद्याहरू ३४२: 🛶 सकते सकते पहिला निर्देश ३ १ - ६ मठमे दक्षिण साधिक के दर्शनों स्थिति धनाकामक ग्रीतरोगधा लाग्य करना कविये १३ : नोहं महाने बाह्य सहागरका रामसंख्या मानका समान्त होनेन्द्र सार्व काना समाब ४५५ - महमें इन्होंके जिलाएक किर साराज्यक मधाना और कोई सच्या कारण मर्थी ९९ —के मठमें देख-फॉके किए केक क्रानेने ही सब्द, १८३; के मठमें शेक्क द्वारा की गई मारती-बोंकी शेवाका मुख्यांकर करना सरामन १५४३ नेक सतमें वोकस्पर की गई चेंद्र सभी मारहीचींकी ज्याने-कारी, १५४) —के सरामें क्रीतिकास इन्टबारमें इक रहरूदी, प्रदेश -के मध्ये बहरताचे कोर्योकी लेक-बाके बोर्गेसि कामा विमोदारियों, ३१ : नेब महारे शक्ती शर्माणे ब्यान मान गीमा भीमा स्थापि समान १९८। न्या संदर्भ मारतीलींका वंशीनम पद चिन्तको कार्रेन्द्रं, १९६: <del>के</del> नवर्गे मास्तीवीकी क्रमार क्वीरी, ११७: -के महमें माखीवीक क्रम हर क्राप्तेका व्यास काले बाकी शाकी, ४७१। लोह यतमें प्राथितीय क्याने बोर्ड व्यक्ति कही, उठ न्द्र मतमें भारतीनीके किय कानुसारी किरावधी मधाति शक्ती गणेडी मित्रोने किंग और हेलेडा क्या कारण, ४ ९: - के महाने मारहिलोंको क्यानी वारकाताची चोचना जानस्त्रह. १४१: -वेद मतमे भारतीय चैतिर्गीह साथ व्यवसारके बारेंगे मेकी गई सिकावर्ते सक. ५४१: के प्रताने माराजित केविकोंकी काविकोंके साथ किने-बाले एक स्थिति बारासाब, १८ १ -के मधी मासीब इक्ट्रामारीके मिकारी क्लोमें वारिका किए १०१। -के मदमे नगरीन एक्ट्रास निर्माण स्क्रिक वाणिकामे. ४५१: न्यं महारे मार्गान समानको विश्वसन्त्रकार नक्त जिन्ह निर्मेर खनेकी भारतस्था सही, १५८:

-के अरागे मनिक बारा समस्य गारतील समा<del>व</del>नर किया गया बीधारीपण निरामार, २४४ -के मतमे बरोबील साधानको सम्बन्धे करूरे और भारतील उपेक्टिस वैदे, २७१: -के मतमे शक्तांकित गुःशोंको सक्तेका सरम ज्यान केक माना १२३: न्यः मतमे राष्ट्रस्था विकरण आगन्द्र होता सम्मत ३८ : नेद्र महाने करेंद्रे क का असर निराधालुकी ४२ : -के महर्म क्षेत्रे शार्के संशर भएने जिरिक्य ज्यार गराक प्रतीक, ४ १ - के क्तार्थ करेंडे रोबाक्रे दारा क्रिकिट किया स्टब्स्मी रिपार्टेसे याराक्षा विस नहीं ५१३: नो मतमें सिम्बर यदिवार-वोंका अपन मिसी भी वर्षमें नदा प्रदम वर्षी, १९८३ -के मतमे विकास भारतीयाँके सम्बद्धी का**विका**र्केट विकास करना धनुष्पित ५१। 🗝 मतमे सिक्षित माराजि मनाविरोंका निरास काली करा केनेसे क्षेत्रे काम नहीं ३७० -के मतमें विकासकट देशक बानची ठौरसं कान करण काकी वर्गी ४७१: ने माने दिशासका सर्वोद्धे विकास काम काम ध्यसम्बद्धे कह कही युक, २६३; —ोड मरामें शिक्ष-गणका नगर देनके किए काल-कालपर समार्थ बढ़ना क्यरी, १५९ —के महाने संदर्भ समना होतेंक कारण क्या वास्त्रकृतः २: -के मधने सन्ते समाप्रकरी वर्तीरी करना विभाग, ह ५४ -के सरमें सामासकते हरेता ईमरीन प्रहारता एपकल २४ : -के सर्वति समामारो विकासना भाषा क्रीक राजा. ११: -क समामें सामाताबा सामा मी है और अधिक क्षी ९८: -के सर्वे समहम्बद्धा देसा परवेश्वर तथी. २२०: न्द्रे मतमे सर्व्यक्तिकी सम्मानना क्रम ३७८: न्द्रे मध्ये सर कोन नक्लोको इलाने विकासको कार्यको प्राप्ता १ १। नेक मत्रमे स्थामी क्षेत्रप्राप्तानको विका सम्बन्धि विकार विन्यू-<u>सर</u>कमानीने किरोब देश करोमाने, ३७६) -के मतमें विम् काँका शास बासरा विश्वजाहा की नहीं चारे मारतीबाँका कर्तव १९. -% मराम्हरार विविध्य भारतीलीका अब क्या सर्वी. 3881 -के मले जेक्सी वस्तिका बाहर क्ट्रुस काठा छत्र बाग ११ । न्य **वर्षे देंग्यरिका**ो का विक्रतेक दो अवस १९४४ -के विचारों को बाकुनी सामीको क्षीकार करना एक क्रुप्त कहा साथ, ७०; -के क्रियांगीने क्षेत्रे मृतद्वा हर एक स्थान ४ र। -के सम केक्से राष्ट्रम जन्मार, ११ ; —के साथ केक्से हर कर व्यवसारकी भीषा ११९: के सारे **वर्त**नी विक्रोणने

समूर्ग धीषी बाक्स्थ

केंक्रेज़ेक्स ४६८ -के सरकी महींगे केक्से बीतींका को २२३ -- इसोरी इवहवियों २३९ --को ज्यक्तिक-सम्बद्धि विकास क्रिकेट स्थाप करा स्थाप क -भो क्रम समा मिक्सपर श्राम १९७० -भो कुछ गारतील केंद्रिकॉक क फिरलेंड साथ ककड़ी कोठरीग धोंनेने ब्राप्त इतिस इत्य १५१ ५ ५ लही गिरकास करते व्यक्तिप्रसिवींको सम ४४८ -को क्यर कारलही भोग्स कामें वो वार्मिक तुकाई कारणा २३८। न्ही कारक शासक वर्शकीकी बन्दर्भी, १४१: -हो करूक सारक्ष संभ वास्त्रीत व्यक्तक को बानेपर निराहा ५३% -की बान्सक्रक गक्त क्या पर करनेक भारताता स्टार करा बोरस Book ५५५ नदी चेजरी में कारेची सकता हैता तकत पानेतक महार्ग निर्देश, २१५, न्हों चंकमं हामी संनिका कार अधित १६९३ -को चंक्रण स्टामको संख् हारा कट पुरुष्ट प्रेचित ११३। च्यो अकमें यी मेहनावका बाराम्ब, १८१: -को बक्स बक्स आरोम बार मी बाही नहीं, २९ : -को चीन बादमें पाच मास केंद्र तीर समावदी केवादी सभा, ५३०० नदो तीसदी पाठादी केवारे समाधारक अवेद क्षेत्रम स्टावरण व्यवस्थ २३०- -हो शब्द सहस्माई बोटीय खार. १६५८ च्या दलकाती द्वारा दलक ४२<sub>०</sub> च्या नंत्रको सम्बनी eur menfie wer die Un Giber wer, 22%: न्द्रा बोबद्ध हार। वाचित्रसम्द्रो रह कर वेलेक प्रस्तावस सम्बन्धि तरको महास्ति कर हेमेरी नामार्ग ३८३३ करो होसद हाता श्रीक यो**तका** समझ्य, ५३०० न्द्रो प्रश्नि शरा असी गरे दलकों सनीरेक्ट, १९७० न्ही दिवरिया अवसं विवसीका गाविस कारोस कार कारण, १९९६ नहीं विदेशिया संस्थे रिक्ता प्राथमीकाम गाँव क्षत्रमा ग्राविका, २३ : न्ही िर्देशिया क्षेत्रों के मानेशी माखा १३९, ११८० -की प्रोक गो**क्रक्ट स्थानन-समानारतं ग**रा गःधः ३९%। -को ब्रीअन्सर्के शामिक मस्त्रते निक्सा ११९: -की क्रीकारटक रोधन सारत धरा केवने धुवनवर समस्यकार्य, ११ ३ न्या कीलास्थार शाम महीने कारी बेरको सम्बद्ध प्रदेश की कोमनुद्धा केको अका बरमंत्र करण, ११८-१६) —ही (श्रीमती) कीन ह्या अस्त्रे वर बालका निगमक, ३०८३ -को महर केप्रकाम क्षरा उपनियव नेंग्र १ का न्यो 🚟 को श्वाम**ार्थ के प**रका बंध ३५८-५९: -को नेर

440

मन्द्र काननदी समस्त करच्या ही असीदार, ५ था हि : -को समित्रोह क्या को मासका स्वरित्रम कारानासका रूप १ वर्श —को सम्ब नार्वर हारा वेष प्रेपित २३८; —ही मेटीमैन क्रम सम्साम मामकेमें पूरी छहालता संनेका नकर, २००१ -न मेर्थे ऋषा उत्तर ४८२, ५२१ ५९६। -को में के बारा शासमानक अस्कार कारण कारणे कारणे क नींच करनेका भाषनासन ४११: नकी बॉर्च का नारचीतची सची वार्ते व्यवस्था स्थलको सामेन बाह्मासन ४१ : जो केयाडी बीमारीमें संग करने क्षत्रच मिन्नस्वनः वर्षे ४१७ -को संबर्धको मानवां विस्तात, १३२: -को सम्बाधीनोंकी धन संस्तात फिला मार्ड, २३४: न्ही सामर धारा **म्ला**सम स्थानता देनेका नका २७०: नकी सामी सामन धरा छशां गर्द केर्रोड माचडी क्रान्तिकारी स्वरि प्रत्य स्त्रीकार करनेने विकार ५ ६। ⊸ही स्त्रीवित क्रमारिया बीक्समध्य बोरोरे सम्बद्ध ११३० नाम श्रीगरिकारिये बार्च देवेल अस्तर १६६० हरा क्यो विका विदेश रिकामक केरोरो समस्तर, २२२: हमा अपने प्रमाने फिरसे उपस्थानमें अक्ट क्योंके किए क्या ५२: -दारा वरिक्कारोंको राजनावने और वर्षेक मिल हेरिक कानेका बारोप स्वीकार, १ ४। नाग पक्ष विकेशका नवकिश स्नाटक शासको प्रेकिन २**८** १९६। जाता श्रेयको सीवलेक पालवी करने लिए ग्रीग, १६५: नगरा कार्याकाको केतारों से देखने रेखी १५८। न्यस दलक्षिको सम कि मो बदोर करान्यदा बीरगा निरोध १५१ -वारा दातींचे विक्रिय व्यक्त १५ । नाम विक्रीनाची विकासी सो पंतिरतीया करूप ४०% - इस धानी किए भी सांस केंग्रेस समझ्या. १६४: -श्रमा विरक्षाण शासीमोंकी पैरपी, ११%-१३: -शारा बंकि मारपडी िकोरिया <del>केवल अस्य ४,वेर</del>से सिक्कार १२९३ -कारा चीनी समक शास्त्री बाद गाँउ के का बाल आवर्ति १८ : न्यार के मध्यनही प्रकार केंद्र ११८: नारा जेकरे बाले परिश्व पिररी हरा क्यार, १४० -१ए। केवले श्रेक्सीय, शर्मन और कार्वारच्यी प्रक्रवीद्या शक्कर, २४०; न्हण्ड केव निरामध्य जाम न्यू वार दिर तनाडी बोर मार्खांचा १९६६ नक्षर सन्तरात्में वीरीलों कीर महत्त्रीकी विवाह दिने भी विद्यालय क्रांस्ट्रां क्रांस्ट्रां

ac : ⊸सरा देतोशी मार्थन क्षत्रक स्मरनक वास वर तरप वेक्ति १२०: -हमा थमी मानह और च्या कारा क स्वयत्त्रकारी हैरकी, २५१३ ल्यारा १९८७कारीं-का की शर राजा १७०० - प्रता गा। मान कानक बारीयका १२वस्य, ५१: इसा वेनाओंकी नैरुक्ती बायकता. ४२ -वटरा वंजीवदादी यूवना महाविद्य क्रमान सर्वेश क्रिक्ट्याट क्रमा, २१ -हारा प्रोक्टको क्रमात्रे राजादर्ग भारतीय सर्वेतर अक्षातित समाप्तर्थम क्रमेका सुप्ताल, १३६। -इरा प्रशासी बानुनार क्लापेत ब्यायन्त्रम् १९ भारतीय क्षत्र क्षेत्र्य स्थान, १९६८ न्यारा प्रस्तुत प्रमानी वर्षभित्रपार्यक्ष एउन बीव्ह क्षत्रपन कारा प्रभावित स्थानम्, ३३२। –शां विश्वविता केवर्स दिसमें एक दार सीक्षण १२३। न्यारा क्लाने तमे करका हरा संस्थेत कर उद्य नहारा करहे सरकार क्षेत्रकोंक कारण साल साव्योंको कस सार प्रदेशका स्थाप ३८१: अपन विक्रिश कार्राण संपद सर्थातः समय भारतीयोक्ता प्रतिविश्वितः १ ५० -वास मार्शनीया गामना हैन कर्जा ग्रेमक सामने स्वेपन क्ष्मित ३५४ - अधा पारतीयों हो बेक्स विता बाह्यक कीरोंका सन्ति सन्ति शतको सम्बद्ध २२१: -हरा धारतंत्र महिनालीसे इंडियन कोपिनियनक सम्पन्छ-क राज समर्थन सार्विजीयो विकासी समाना अस्त्रेत्रक पर किरलेको धीन, ४३९: -(त) सम्बद्ध गर्वका पार्ध नरत रोज्या बेडेमरेड व सामीतंत्रा अञ्चला माधित ६ ६६ --क्षेत्रच सामारको समझक्षा भागभाग वर्णिक किम भागपा: -शारा वीतो व वसाल आस्त्रक किए लागों इंश्वरूपको सन्तार, १०६: न्यारा धैश्रीक हारतमा नेएक १९-१३। अस राष्ट्रिक मानीक्षमध्या प्रधानीया व्यवेशान जिल्ला सम्बोधन १९८: -इरा रेड प्रकी सरुद समास्ट्रीयरो कालमा १५९: -प्रारा क्यलमें एक विकासिक मार्शकीति विकासी कीर्यय भरत -बारा को मुक्ते शुक्तकाल सरकार क राज समाजिक मालोक सरकार ५३१:-वास नोर्ड स.स. मीत रूपकरा महत्त्वम, ४५५५ -हारा क्षीर्ट मी<sup>प्र</sup>गमित्र सम्बद्धां मीच, ४ ५०-इता वदील अदबी बार्डिड प्रान्तिको मारिय, ३१ -इप्ता गर्देश्यो कारम किनी बार्टरिक नहनेन्द्रे संजूत २४ ; न्ह्रपा लेखेंड विकालीकी साम्या १९७२८।~क्षणान्छरीकी क्ष्यीगानं विद्याण १४१ - इंगासन्त्रका मध्यानिकार, १२५-९६८ -इ.स. समा बरमार मेरक शांत्रेसको करते, ९. १८

--करा सर क्रांसिस हॉक्ट हो किन पत्रका मधर्मरा **मॉर्ट** र्वेद्धविका वेदिन ४५९-६ ; —श्रम साञ्च नर्विकत क्या की को अन्त स्थानियों बरस्त ३२६: -इस्स धेटान मारासा वैस क्लेस क्लाप, रेम 1 नागा मंध्रांका बाबत १२१: -श्या स्वयनमा शांधक ९२४: ~हारा हात्री दर्गमर्डा स्थानगरे कस्समण अधिकारा जनका २७८ -पर वर्षिकारियोक्ट मॉक्स्पर बन्दों और नेप्रक्रियोंकी द्वार न स्नेदा नारीए. रक्ता न्यर यह कापिर बैदीका असामार, रहश्च -वा का भारतीयों द्वारा तीत बडोग, ३२ : -वर सबे काननक करानेत शक्यमा १ ५६ न्यर नामुरामधी हारा सिवित जपस्थितवर्का मुस्कितका ग्हरा प्रमान, २०५. न्यर ध्वानों हारा वैनक्सरेंडा नयान बरनेडा कारोप, १५७ -वर हाकी हवीन हारा समारीटा कामे साम असामकी करनेका कारण २४९. -स बळ बोतामों द्वारा बस्तिन माफिबाकी स्थितिक गरेने बहुत मान ४७८; न्से कए हाङ्ग्सक गविनिकित मेंद्र, शहर करा नो अस्तिको सिख ११५-१६१ न बेक्ने का निधारकी समस्तात २३९: न्स चेक्ने विर्वतरम्यानम्बर्धः सुकारतः २१२, २१८: -सं वन्यस्य क्रमीना देनक शरीमं नक्त, १८ : -- त राज्यीकारी हार्तो पर दर्ग गरमा-गरम **भारत्या सिन्दर्ग,** ४०८-७६। -म बावडेकारीमें सीमामात परेकारी मुख्यात १६४ वर्षि, रामदास (रामा), १५२, १९९, २००, २ ४ - १ ९ भाषी बरिकाल ८८, १२४ १५१ १७५ १९४ २ ६ व ८, वरक वरफ, वर८ व्यः । इद० प्रद्रशः न्यसी रिशनार पार्डामी भरा -बेममी भरतः -कीस्पास्य क्षेत्रम रिक्षा इ.८१ -एवा मूक्त्रों माई परम्पा सुरहारा धारित, बन्ध न्यां निर्मालन्य रूप पर गर्ना, (बीमर्सा) संग्रेष, ३७३ ३९३ गॉक्टे ० रफ ११६ १४६० 👫 : -प्राप्त कीह किंग्स्सी वैस्तीर क्षत्र -क्षत्रा चौक्रानित्रकारि तीवर भारतीयोक सुरूपमधी वैर्पा ४५ वींका, केम्प, नदी सनुगतिवश्य किंद सर्वी २१४

मेरके ये विकल ४८४

शर्थी, जुल्म श्रम्मांग, २६

गर्नाः २ ६

1054, Y15

FIRST NOO

यार्थित, धीं ५८३

स्थ्यमे वॉभी व्यवस्थ .. further than market from the committee and 90. जारत महत्त्व. ४५ पदि ८०-८१ -क्य क्टरेंक्ट एक्टमें मस्तीओंकी काळी 578s. IT 1388 3.0% 1∟2.0 १५४० व्या स्टब्स्ट रेजनाह स्वोगोंटा प्रशासी स्थ THE STATE AND भारत हो। और स्टब्स कामन महानी मोदी विकरियों और प्रमेषः १९४८: न्यी विकासिय औरटॉप १९४८ १९ purposit flatfeit ever att som . 23 sår famen गैरियाची ३८० market war warrant sander of fear allowed the गोळके प्रस्त की ४०९ Manual Rene 20 रिर्दामितिया ३४८ ४ विश्वविद्ये न्जीर कर्जा कर्ता-गोको, मेंत्रसर गोतकाल, १८३, ३ ६, ३६८ ३३६ ६ क्ष्मोंपर तील पींडवा कामा **व्यक्ति** घट. ३४७-धार कि बहर था कि बहर था कि प्रव न्नेटाकडो सहार बतायेके किए शुक्रमाँकी साह YOUR YES YOU OF BY MY HE WITHOUT मेहराका बावरित विकासमात्री सार. ४ ९: -का men'i aribir marr. Avec six tront has देख्याना ८५ विज्ञतिर्देशों न्हा सम्ब रोड स्टेब चीनन अन्यो स्वामनियांक कारण क्षातीते. biten के प्राथनीयोंको प्राप्तका सहय हो हक ८ -वा सहस लामण-स्थानातो व्यक्तिको बदा १९४१ असे गरीबीका रास्त्रपण बहेका निरम्बल, ५३०, न्या रिकारी काली को उस्ता कार करता आवश्यक, ∠रेड न्या स्था बात इर तथ शासरोंगर निर्मेर. ८३: न्यी यंग्रेची स्तित्व आविकारी मन्त्रे केलानिस्ति तीव वर्ती कर बाजिर किय बैतकबारी सीरण पी पर्वता ताल करते इस क्ष्मोंके एकार, ५६८: न्यर क्षेत्रिकों करना जानकाक प्रकृत नदी स्थितिये attal, yes राजानिक संरक्षका करात केलक निरम्बाकी प्रमा करा गोगाः का दः १४४: नदी परमाग निकासने करीक ३४०० -दा प्रवास विकारी हारा सब व्यवस्थित बरसा. ८४ -मधि शकत सेतारी मधीं मी भन्मी नहीं दश्व के क्षेत्र नेदाक विकासीताल. परवाना असे नाम कालामधे स्वाप्त, ३४४ शीमकाय्यः १६६ ८३: -के करांतरका संचालक जनसी नास. ८३: the sums a a any ोर प्राचित्र प्रविकास संस्था समाने समारक सामा ८५ - अंद्र प्राणिकोतिः संस्थाने कामार्गिको असर एक्सेकी योजिक्या मोजनका नामेराम ९४१ -मा सार ११ नेटाक एक्पटक्षेत्ररकी विकासिक देश ने का प्रामस 🤫 ३६६ प्रीयः कृषेत्र १७९: -की शब्दी भारतीय आसावितीयी मा भी नेरासको समित्र विमेत्र ३४० ३०। -के स्त्रकार्य कामन बनानेने भारतीन व्यापारी समावका छेला कामा चेरित नहीं, ३४६: और कारो कोई हाम लाएँ, ३२६, न्द्री सकीमन देशर वस्तरेकी व्यक्ति कर करावाची १६६: नदी प्रधानीय हारा partial बारी रक्षरे कर सरकरें शास्ति नहीं. ∠ चैन्द्री तथा. १९२८ -शहर व्यक्ति वह क्षेत्रेते हम्बद्धाः. -क्षी करे, व कानेस विकार धरनेक किय कारीका 192 निक्का ११८। नार फिरमिक काम बोडी थी। मारी क्ट. ९३ ४ १८ न्यर माण्डिमेश **स**स्त ९७ श्रामिकार केम्म संग्र. ७८ प्रमाणी मारतीय संब, २८ वा॰ वि बेग ४३६ सम्बद्धाः स्थानं क्रि. अक्षां च्या विकासिक सी ये**न**स्त्री सन्त्रनी शतासन्तर्ध, २३५, २४६ ४७, ४१३ क्रकिस, ४८९-९ થોમ થી∘સી ધરવ क्रमातियों -की समा, ४५२। -की समाने गाँगीबीका शिक्षा १८५८ २८ STREET, YAS A partifi ऐक, न्द्रा गांवीमीडा एक ४६६ **ालाती समिल रुगोच्य, ४५६ पा**० वि क्शिक्ष ४०९ मन देश देश देश व्यक्ति -दी समादी जातिकारी: किर करतेगांकी परिकारी प्रस्तान, नहीं राज रिमॉडी देखी रूपा १५ क्षता येथ प्रायेक्ट स्टब्स, ४९०

विश्वयम् अविद्यारी, जो केवर्ते वार्यात्रीकी सम्बद्धार, ९ ३ whether the standards नातिनों न्जीर नरर्रामोडी संबद समा आधा नह मतळावद प्रकिरोध कानेचा रह संकार ४२१। की

बारम अवर्शकीकी संख्य, १८० -की मिनवारी ४५१ ३८ ४३ ४१४1 मध्य क्लॉनड क्लमाड

विरोध ४१४ र्वाची संब. -की बस्ताहाजी कोएए स्वीच्य व्यवस्थानं च्यान सने ग्रामोधी सरामता ६८ -ही भीरत विका हैया

बारा मिलियो रेक्स किए ५ और महाम्य वटा के दारकी जोग गोंगीजी हारा क्षेत्रे के का काम नाफर्कन

३८ : -क्स ५० सैन्द्री रक्त रिक्हो मेंद्र ६८ पंतिसाद १४ १९६ २६९

मेहिनार, बी द (क्ष्म अप ), २२१ वा डि 141-47 141. CE 1 2 01 E YEVE ्योर बक्रान्त्राक्षा वोच्योच मानदा सहीत्रम बहात्मास. १८८: - नवास साम्य चाता समेद १८७: - नद्य

FRESID, 343

केट्टी बहु १६३ **पट्टी, प**र्मा ११४ ११५

चंडी वस १६२

करी, छन्छ २६२

चडी, वी २६६

चेन्स्क्र, ३४४ ५४२: -हरा नरध्येका गरिमास्त्रीका कालिशाने न माने देनक कानमंत्रा मसविदा समावट. tt: नदी रत्तर विशेषण वर्गात भागतपर गर्ही बन्धि किनी अविन अच्चएस् क्लाजा वाले, एक ने धर्पनि प्राप्ति सिर्वोचना कारोते सकन्तर करोती प्रवासीय मार्ग १०३

सराम यो के ५ ४: न्यरमधी ब्रह्मनिया, ५ १ ४: नारा व्यक्त दिने गरे विवर्तात वर्तनाती ५ ४ बैगव, १६४६ न्या साउवे सुदारियोंन ज्यापने ही नहीं क्ष्मेद्रा १०२६ ८०: -की देशहर्यक्ष प्रतण जनतील

क्ताबदी कार, ८८ न्द्रो द्वालोड कि विशिध म्प्रतीत क्षेत्र क्षण वर्जी देना बक्दी, ८८ बार्रिक्ट, -किन बरवलक अकार कार्नेक क्रमेंसे मिर

नार, ६४६ न्ये प्रेडडे इस वैली, इप

DF 353 का बील पुराध्यक्त, ३६८ क्रीतरमधी वस्त्रमध्य १४९ about vs

ব

जगतस्त्र १२

क्षाचा ४५८ काँन वर्गी अस्तिस करना ने क्यानोंचा शर्मन्त्रमाम

प्राप्तिको क्या व्यक्तिका है है

वर्गितस्य साहित्दिक और **यह**िमाद समिति २४२

WEL THE YEAR **ब्बर्गार्गर भवन, इ.र.** 

वर्शन निर्धेन्ता -स माणीबीडी स्थित बस्तानस्तरः ५२४ कॉनरू ३६१

क्टेंस. रीम १६

भॉम्स. विस्त, १४२ पा॰ दि॰

बारान, -के बीद बीकारर गोर्शाती, ५ १: न्यारा १२, धारियकोंडी शक्त. ५ ३

पास्त्र ४५

क्षेत्रे क्षेत्र ४८८ ४९६

व्ये<sup>क</sup>र १५ वस ११६: -- हा सेमुरक्ते मास्त्रीकोंकी गिरकारीके बारेमं स्वाक ११५: न्द्री महास्कृमें र्वेश्तेषा सक्तमः १९-५३। न्ही वर्गातीने जिला

25 255 विरश ४३

जिला कारिस कारेरी, ५

बीब, रस्पत्रक गुना, न्यर इज्रास्क्योंने अग्रीना ४६ जीवन, तमान —हा राज दिलोंडी देशको समा ६५

धीवनकी, १३ ४४ अवेदमार ३ ९

हुना समाहर १९ ४६। न्या सुधारता ४०। न्य मामन्त्री सुरार्ष ३५; -ही ३ दिनही छन्त हेरबी शमा ६ ४७ -च केवन द्वीवरीं घ प्रसद् ६९

मा विशास - क ३ साबेर देखिया, ३८

सद्विष्टिक १ १ भग

VAL YAC बेरिक्स बार ह

केल -अला गांधीजीक मनम राक्तीतिह कुली हो राज्येका मुन्य काल. १९३। - क्लेस्य विचय कानेका बोक्टे-को लेक मानेशी सकाना १८०० -अमेरी सकती सनी सरका व्यन्त, १८१३ -शामी हो राज्ये हा -पानक सुरमाओं समाने समान करी विकासित स्वर नामूर्यः । योपीयी १८२-८३; -मानेते करनेत्रक कोर्यो कार्य

प्रधान (१८०५) नामेनले क्रीनीचे स्वस्त हों। म सहस्त १८५ -जमेनले के मार्चित स्वस्त हों। म सहस्त १८५ -जमेनलें के गार्च ब्रह्म क्रियान के मोम्बरका ४४ -जा मेनल गोर्चित मार्च व्यस्त क्रीस्त्र मार्च २९६१ -जी एक इन्हार क्रमाच वर्षकी स्वस्त २९६१ -जी एक इन्हार समित क्रीस्त्र जस्त मनका १९६१ -जी स्ट्रास्त्र गोर्चित स्वा

हसा तक्का, १६६। न्यी नहास्तर गोपीनी २३६। न्यी शरीवन न सहा सर्टमण्डे कीग्रीहो स्थेत करके से मनकर द्वारा नहीं, ६४ नहीं प्यस्ताहर योगीनी १६४-१६, न्यी प्रकारण गोमीनी, १६५। न्यी विक्रीयर गोपीकी, १२५) न्ये योक्कीरों क्या गायाँक देशियर सुर्वा ६। नेयांच्यारीनों क्या सुरक्काल

देविरोंक कुल १/- में परिवरियों करा प्रक्रमान देविरोंको परित्र मानवार्णको लेखा ५२२: -के परियोंकी पित्रमण ११ : -के गोमको कुछ परियोगी पित्रमण ११ : -के गोमको कुछ परियोगी पित्रमण ११ : -के गोमको कुछ परियोंके एकनमें परित्रमोंकी मार्कित मार्कित प्राप्त परित्र एवं मारक्य करनेनार्णका परित्रोंक प्राप्त परित्र एवं मारक्य करनेनार्णका परित्रोंक परित्रोंकी १४८: -में इस्त बार्क करने परित्रोंकी देविरोंकी १४८: -में इस्त बार्क करने परित्रोंकी प्राप्त परित्र परित्र मारक्य १८५० -में बारोग परित्र परित्र परित्र मारक्य १८५० -में बारोग परित्र परित्र परित्र मारक्य १८५० -में बारोग देविरोंकी शित्र परित्र परित्र मारक्य परित्र परित्य परित्र परित्

प्रशास पुरा क्या रहण ना प्रयास द्वारा क्या प्रित्य की प्रशास प्त

रिवासारियो अभिद्र ९८० स धोर्गामीचा समेश

१ ५: -से हुमोल वर्षांगीडी कीलास्त्रक सेव्हय

श्रुष्ठ, ४) -चे बाहर प्रदेशके मार्ग्यस्थित कीर बर्तेच्य ३५, -चे रिहा कार्यकी वश्र्य, ४२१; -चे रिहा होमेंसे गोर्शाबी सहस्य स्ट्री, २१८ केन-निदेशक १२, १४ ९८; -नीकन हाकिसो परिकंट

गाखर दारा अनारकारी, ११ : -से दी केंद्री

केन्द्रिकेश १२, ६४ ९८; --नीक राविकार वरिकेश क्षांसी इंग्ला की किया-की स्टिकेट करिय वर्ष क्षांसी इंग्ला की क्षांना की स्टिकेट करिय का प्रार्थिकों कर एवंद्र विट जनकी कीर जार्थका २२३; --नी केनी क्षांनिकारी किने पुत्र और उनेक कर केन् पार्थिकोंक की डीकारा, १२३; --नी केमी पार्थिकोंक की डीके स्टब्स्या, २३ --की एक्से डीका व्यक्ति का टीके विद्यार्थिक स्टिकेट क्षांत्र कर ना के ब्राह्मिकों विद्यार्थिक स्टिकेट क्षांत्र का प्रकारिक वरिटें क्षांत्र का पार्थिक की की व्यक्तिकारी वरिटें क्षांत्र का कार्यक्रियारा अन्याद, ७०; --वी क्षांत्रिकार क्षेत्र क्षांत्र कार्यक्रियारा अन्याद, ७०; -वार्थिक क्षांत्र कार्यक्रियारा अन्याद, ७०; -वार्थ क्षांत्र कार्यक्रियारा अन्याद, ७०; -वार्थ -वे ब्राह्मिकारी प्रोप्त कार्यक्रियारा अन्याद, ७०; -वार्थ -वे ब्राह्मिकारी प्रोप्त कार्यक्रियारा अन्याद, ७०; -वार्थ -वे ब्राह्मिकारी प्रोप्त कार्यक्रियारा अन्याद ७०; -वार्थ -वे ब्राह्मिकारी प्रोप्त कार्यक्रियारा अन्याद १०; -वार्थ

बोजी, प्रश्तेष्ट ११%, ११%, प्रश्ने , न्यो निर्योकका व्याप्त ११६ बोजी, वा कुमारी ५३ बोजी, क्रियोक्ट ११५ १५ बोजी-क्रियोक्टर्स का १५८ १६ १६० १६० १६ बोजी-क्रियोक्टर्स का १५८ १६ १६० १६० १६

बैक्ट, -से क्षाप्रमें बांधीबीको मेर, १००: -से बांधीबी-

क्षी केके अनती विशिक्तमस् राजर्वतः, १००

बोमी, ब्रस्ट, ९४ १ ४

वीनामाँ, देखिर देखाँ बीनामाँ

स्तिः एवंदि इ प्रदान - व्यक्तिन्दं देनियाने को नानेने कारणी देनिय वास्त्यः हान्यास्त्रों सर्वे इतुः - ध्रां क्रास्त्रणा वेतियां वास्त्रणते हुए इतुः - की कर्याने क्राप्तिकारी कर्यात इतुक्तित्र प्रदान कर्यात क्राप्तिकार, वहां - क्राप्तिकार क्राप्तिकार कर्यात्वकार, व्यक्तिकः, वहां - के क्राप्तिके के भी कर्यान्तिकार क्राप्तिकार क्र और, सर बार्स ४७०

ब्राइस्स, ५ वा दि १८४वा दि , १६१ १०४ वा दि ४१२, ४८८) - जनस्य व्यवस्था स्थित वीनेत्राचा ५१; - वा सारित्य परिश्रप्ट ५१८) - वे १४ रुप्त्य बनुसर सन्दर्शकेती बार विक्रुम

्य प्रश्तिक ब्युक्त स्वयंत्रका वात ब्युक्त क्षण ४८५ ५१९ न्ये व्यवंति प्रार्थकीत स्थाति १९ व्याप्त स्थानित द्वार १०८ न्ये महाद्यी स्थाति १८ ४०० न्ये विक्रम्यक द्वारा सर्वाच्याराची स्थात क्षत्रका स्थापार, ३०१ न्ये विद्यमण्डना १४ ४ १

हत्तमा ऑब्ह होहिया १८३ ३१८ ३५ वा हि

देवक ४वरे

हारूस ऑक बेटाक, न्यवाना निराधे निर्वेशेसः १४५-४६; न्द्री इपिमें भारतंत्रींट प्रको को स्टलेरे लगार करना कावडी प्रकारित करनाके मी क्लिक ३४५

र्वेगस, ४ -को भैतकरिक गनशी १९

र्येमस यस की २६ र्थेमस **क्रम्ब** हेंद्र सम्बद्ध ३४

शेंक १७८

यान, १००० प्रेरम्पे ११८ पान दि २ ८ २१३ २१६ पा दि २४०-११ २४३ ११८ ४०४ पा दि ४५५ या दि ४५४ भन्य, ५ ० पा दि ३ -चीर परिकारी विश्वासी कार्मीनक प्रमाण कीनिक-बीमादा चेच २०३; -गुलेकारी विश्वासीका, ४४८४५: -चा किया बाचा चार्चन ५३३: -

क्सानगुर गोर्थानी, ४४०- पर संयोगी, ४८३ सॅस्टॉबर्ड बीम्मी, ९१३

क्षिक्ष, दह

द्वीरेक्टन कैमल, १०२ देवरीन, इहर

देशीन, (बीली), इस्स, ४७३

धीला, वर्षे ४०५

हम्मान् -ची नार्यो धनुस कार्यो बस्तेवह दुष्टराण तर्यः ११६। -विदेश धनेरत्रको मीवदा बाद्ययं त्याः ५१७ - न्हां क्षाप्तप्तः विद्यान बाद्ययं वित्तरभारं १७६१ सर्वे दिशान्तरः ११ ; -बा वर्षेण तिन नेभीत बर्षेट, ११०) -चार्था बुर्वेह सहस्ता धंतर्येते स बद्धः ११०, ५१४ ५४६। -बा धरी ब्रुटे यक्षेत्रे राष्ट्रीय संबर्ध ५३७: -की बेकॉसी मीजन-ताबिका सक्कारी निवर्गोंके प्रदानकों इसकेप बरमेंमें ज्यस्थित सदिव भएवर्ग ७३: न्द्री नेस्ट्रेंने अस्टीन बैडिबॉर्डा क्या. ३५८ -वी नेवॉर्ड भारतीय बैडिबॉर्स सम्बन्धित मोजनवार्किता, ७१: नहीं नई एसई इस्स यक्तिमार्वे कामून पास २९२, ५१६६ -की क्यारे माध्य-सम्मानकी स्थानी नवार, १२५-की व्याप्त मार्गलिक कारत-से अल-बोरोंकी कर्रीर्यं, १९४ -की **करा**र रीव्यक्तिकाक कामनोक भएकी क्या विभेक्ता कारण १९१: -दी कहारेदा विद्या वास्टिका संबंध होते सम्बन्ध मार्चि ३८०-वी क्टाईमें नेरलकी मनी सहस्राध ७२४ नहीं शेव कर है दक्षानरातींपर बाचारित, १७०: नहीं स्थितिसे क्ष्मचे सिर्दोम दल स्ट २८४। न्दी हरूका महत्तमं वहतेवातं कार ८ : -के अविकारियों द्वारा स्प्रकान केरिकोंकी राज्य स्वक्तमं सर्विधर्म सेनेसे स्तरप्त, ४२३८ <del>- व</del> भारतेन्यका माराक विसी मी का रकने बारता नहीं, ३२७- 📲 बालीकनरें समझ्य क्टा-कड केड बालेमें लिखेत. २३६: -में बास्टीक्नमें नेराबचा गारा शामन ७२। -के बाल्तक विस्त बार्वरे प्रका करनक किंग क्ष्मानि समौत्रनिक समाका वयोक्त, १७५: -च यहानमे हान्त्रल कामानदा तमाम बारत क्षत्रा भनुषय, ५२१; -क क्रुन क्यार बुरीमीची बारा नाम-गाणिक किर व्य समितिया निर्माण १२३: 📲 प्रतिनिधि दोव्यको स्वस्थितिस संबंधि प्रति कर्मां क्रोगींसे बारी विश्वकरी क्रान्त. 🗑 👓 🧸 प्रक्रि चांगेयर संचार स्क्रोडा गांधीतीया गुहार ५१८: - व भग्छ मोदा संबर्ध शासक मरदार व सामानावे विकास ११६. - व मान्यांमांको बनावे नाम लागेडी क्यां गर्दी, ४५११ के मार्शकीकी रिवरित्र सामुम्निपूर्वेद विवय कालेका किरिवरनका भागा १९३ - माराशिक करोने स्पेर्ट बॉन्डिक-की पहरी विकल्सी इ ४। -के मएडीक्रेंक सलाही सनोत्रकार कथा रण करना समीदरि महत्त्वरूगी २९६३ के मन्त्रीमोंके मानवर्ग शोर्ड वेंब्द्रीक हता अवस्थित कारताम, ३१८) न्हे महर्तचींड सच्छन समस्त मार्गामीका मनिष् शासका १९५ -क मार्गामीक निराद कान्य भारतीयों का भार, ११०८ के सरवीयों बना परित हैं बालून सा बरनाइ किए स्थालाह बर्ज सामने बाग्यक सम्बद्धाः अभेगाः ३११: न्हे मर्टामी हुए। कमन मंग धरमा और क्रम्या सक

संगठना प्रारम्भ ५२१ -के भारतीयों बारा राज्यीय भागमाही दर बरलेक किए बहासका, ४५४ -के भ रतीलों बारा करते बारी रखने तह दक्षिण माफिका

परिनाई क्षानून करना क्षयुग्यन १८९१ -के शुकार्य क्पनिया एक्सिका एक दक्षिण भाषिकी प्राप्त केस. 4२ 1 - के सराधिक्रण महिक्क्यर वांकीयी, १६७: -के कोग मदाबदा बहारण श्री नेटाकक वर्ष-विशिक्त तुरुक्तीक जागमा का का करे मान्यीत १०० -के मान पारियों बारा पत्र-केक्ट्रबेक मार्ग काश्विकारी बना १३३: - के ब्यादारियों पर स्थित व्यक्तित्रके. मारतीयों की रहि. १३४: - के संगरित स्वापना काले किए स्थित

नामिकाका प्रतेष भारतीत वद, १३% —के संबंधि पोक्ट जरूरी मात्रविद्या स्थानेन्द्र सकारो बॅस्सि ४३५:- के <del>चंत्रों</del>से मार्टामों ही प्रतिकास समितातः १३९: -हो यांचीनीकी राममें विकास पार्ति और रंग्नेस सामास्थ प्रशासकार नहीं नहीं के स्वर्धित करने हैं क्लूवर्ति क्ला कतु-चित २० -में समझामा प्रतिरोक्त विका विको सामग्री पार्टपार्टमाँ, ५ ४: -में पश्चिमाई सामाजास सारक

बराचित्र ५, ०० से मधित मातीम नहीं, २१ : —ो परिमालोंके निस्द स्तर पुनेस्क ४४३। —यें देखिया देव दाननी सर्गदरण वर्गी १९८८ --वें मार्थकांक सरागं राक्ष्मेतिह असराव वीसी क्षोतं श्रीक मही, २९६। -में ग्रकामंत्री तथा समेके अनिकाद क्रमेड मस्त्रीहरू कारा सिंद **दर्गेगी**स र**क्र**स्ट क्रमासि दारिक होना जनसङ्घ, १८६१ -में क्योनके लेकीर किए समाधारक प्रतिरोजना वर्तमा भवनामा गांचीवीको बहिने मधेद विचारते वर्णित १ ॥ न्ने श्रीवा बरमंब किए सक्त मतुम्तिरकाले कीर्योकी ही भागसम्बद्धाः ३: -में मार्ग्डीम भगतन्त्र स्थानेको तैयारः १९१; -में मार्टान कानूनी निर्मोच्छानीचे नकः, प्रभूषा नहीं अधानीकों और भौतिकोंके विकास वितो सके

किरानाका व्यक्तिगत क्याने यांचीओ कारा कारात. १८ । -मैं भारतीवींका १८८३ में स्वीवका बागमा, ५१५: -मै मार्टाओंडी नामार्थ ४४३: -में मार्टीगोंडी विश्वतिक गोवाजी, छद-छठा में मन्द्राजिक वर्षेका देशमा ५१६: -में महतीगाँड प्रति जन्मारसे भारतकर कारा प्रथम ४ । न्ये अवर्शमीक संस्थित बोहर ५६ : - महाति नगावींस केस्से वालेस स्वक्तमे भारतीलीकी भा<del>रतालीका वां</del>चीकी, ७९: ...ते सहर्तन स्मात और जीती स्मातवा वर्तितेश

भारतीयोकि अञ्चेका समाध सभिक्रम स्वापित करना योगीश्रीकी क्ष्मा १३ : —दे सुशहस्त्रकी कभी क्याहि गर्रातिको स्वतन्त्रम देवने सीधन्त्र किन स्थलन, २२५८ में सर्वतिह स्थान देशक लेखा ११ -में संबर्धे मारतीयों बारा सामान्यीय भागमें गारिक किर का-साम ४०५ त्स सारक मो-किस कार्गोंको शासनाक नावट केक बामा मचरी, १९७५ --सं वक्तरके सारतीमीका कर्तकः १९१८ --से वक्तरक मारतीनोंक किए शुन्स्माक्रके मारतीनोंकी व्यवस्थ व्याचा मीसाक्षत और सक्षणता देखा वर्षित १८७ दान्त**नाम गर्नामें**द्र ग**यार,** १० २. १५६ हात्सवाक माराजिव विकासका ( क्यान ), --नेक्योबार माराजिको हारा स्थाना करना यह स<del>्वयंत्र</del>णे करन २५४० -का क्ष्म बानमी ताँरसे बान बरता बाकी नार्रे, १७११

न्द्रा व्यक्त विशिष्ट सरकारसे द्वार सरका ३८% -का और क् को क्टर, ५२७; -को टर संकरमीये सम्मानकाविता १८१: नदा सारा कार्य कवि वीधे. १८५: न्द्री शासिरी विद्री, ५६६-३ : न्द्री रंक्कमें वर्षे कारिनारे सकारतः २९२। न्यू बोर समाम्पनि को वर्गिक मी नकर एक्टोको जानकावा नहीं १६। -की परिविधि was का तक बॉर्ड वॉस्ट्रॉल्ड और काडी श्वमितिपर निमेर, २७९। नहीं बनरक श्मरतार तुस्तुका १९ : नहीं पार्ट क्षेत्रकार किराई. १६९: नहीं मारत कार्रीकरमें छर विकिय की-वार्मरहे सुरुक्तक १८१: नदी क्षेत्रे प्रस्तिको सम्बद्धाः १८६, १५६। न्दी बोर्ड क संस्थातक ३४९ ४०० ४१६। न्दी क्षेत्रे के हे हुई सँक्या सार, ४ ८-११; न्दी वोर्व वालेंग्रे बेंग्रे, १३९: -व वालेग्री रिव शरा अभिक्षानांदी एकार ३ थ नेह दर्मदी सर

क्रमेंग गारमीकी बागाने सम्बद्ध १ १) नेब मानेक समा केर्ड यार्कावंति मरपूर, १६२: -के वालेरे समाप्रा कर सर्वे. २५८: - के प्रीविक्तिकी सार्वे-व्यक्ति एमाने वस्तिम गानवस्ती, २८०१ ने रहर पानेके मन्त्र जनस्क डानेस्ट डावी डारीन हारा यह गोकोराने क्या कीर्पेक शब विक्रोका बानस्त, १८९; न्य करन जानेदा बार्ज दी शिदाली ११९; -के कार्जोडी विश्वकारी करना बनाव स्मारको नही. यथ, २६३: -के शरकोंको किस्सार बळांने क्षेत्रक २५१: -के सर्वाको वरिष वर्ताको स्र सारार

शनकार संस्थे, ज्यान्य गास्य विश्विमे, १९८ जा की से म्यादा क्यें एक, १७३१ -मेशक और शासमावर्ध कानून बनामी नवरीनक, ११९: -बन्द कर वेतेशर स्थल बर्किन वाभिन्नाने मार्सामाँ शहर वही होनेसी सम्माना, ४१० -पारके सम्मानते साहे किय प्रारम्भ, ५१ -नारतीवेकि किंव जनवीक अधिकार केरी अन्तर- १९ जन रिकार्ड केरीज प्रता करण करना जानसम्ब १: -सरकार साथ अधिक स्तम क्रमेरे मन किंगारेको स्रोद, १ ३६ —का गाम व्यवस्थान प्रतिरोध रक्षतेहा कार्य, १७१ -का सहस कर मंत्ररजीको पूर्व क्याने कक्ष ४६३। न्या सक्तित रविदान, २९०-९१; न्दी वन्तिय अंतिकी बहुतनो भारतीमों हा अवधानमा सम्बन १५६३ - की माननापर गोधीमोदी निवास, १३२: नेह वात सबस वर्ष स्टब्स

मरनेरिकी सभी मामांच्या, ३९६, ३९८ ३९% ४ ३४ -शरा केर-अविदारियोंके क्यारको करी निवार ३६ : —में महासित <del>बनारें। भनुनार</del> म<del>हिनां केवन</del> ३ शिक्षित महर्तनोंको महेन्द्रको ननुसरि विक बनियह नहरीन एन्द्र, १७ -में शिक्षणका प्रतिनिकाँक नाम ३८८ दान्तरकवासी जिन्हिया भारतीयाँका एक संक्रिय विभरव (य क्लाक्रज ऑक्ट व विदेश श्रीविका केस इन दान्सवाक) १८० वा हि दुल्लाल बीतकी क्लारेटेड ६७ पा दि

क्करी, १५९; -को क्षेत्रे कृता क्लाब, ५४४: -की स्पर्यतिकी मध्या ३७५ -हारा इंकेंडमें बार्व मारम्म ९८१ -हारा शुन्तवाकी सार्व्यक्रीके बामकेका विचरण के १८०-३ : नारा सीवन माधिकी राजनी होंको कार करनेका अच्छा २८४१ -पर नावा क्यांना गांचीजीकी राजने बन्दे २५९, ११२ **रामसभा कीरर २ - २९२. ४ ९ ४४४ पा वि**ण्ड -शरकास्य प्रविदेशियोंस. ११४ -वीर कास दारा

समार्थ करनेका गांगीजीका द्वकाच, २५८ -क साव सुकारता करनेते की ब्राह्म शाहर करनेती स्थ्याचना, २५९; –५ सम क्षेत्रे ह् बारा गावनीय ४ ८; -को कार्ककारता राए केतलनी रूपा स्पृति वेलेलाका २००१ -को बनरक कारशक प्रक्रिक क्का महोपा क्सके किए ब्राहिम आफ्रिका स्थाना होता सम्मन गर्बी. ४२४ -हो पोकस्त्री भारतमे बीइन्परे का करणन ४१६. को मध्य देना मलेक मारतीनका करीना २५९। -को कर बनेक किए स्थान-स्थानकर समार्थ करणा

होनेडी सम्भाषमा रह नेत सम्बन्धी विदेश मारतीय संबद्धा प्रार्थनागर १७-२८ न्यर गांधीओं, ४२१ -में हैंसा शामी हुआएकी महरकी कृती मामा १४४ -में ११२: --में भारतीबीकी मान्यतार्गे १ ३ बाल्यस्य संस्थः, ५९, ३३१, १३४- मार्रामीया को

प्रतिविधित गाँ, ७७ गम्सवास सरकार २९५ -ग्रीक्षेत्रमं कानून रह करनेकी

जुर्खाके कि कथुकानीया गंका, ४३; न्ये क्यान-बारोंको पेरोडी महर बरनेकी सम्बद्ध ३; नमें बंटाक्के सम्बन्धें बारा गांधांत्रीको नन्तरह सन वेनेस क्या.

राजी, ३५ : -जीर वारतीत स्थानके बीचके बाछ

स्ताक २७९, ११५; -कामूनमं परिचर्डनसं हीनेवाके

वरिकारका काम बारातीबाँको देनेक किर शबी. ५४९:

-तथा वसकायाः प्रतिरोधिनीते विम वकाकासक

श्चारः १६१: -मारतीर्वीकी क्रिशांक सामने क्रीलेनेमें

व्यक्त ११९: -एलाम्बर्धी धरितके समाने श्रक्तीके

किर निका १८९: -सम्मानपूर्व सम्बद्धिको स्पन्नक ave -का मास्त्रीय क्वकोंको नीरे-धरे क्चकर

विवासमाँ और सरकारी स्टब्सेंसे विश्वक्रमेश सरका १४: -का मारतीय व्यासारिकीको नरवाद करनेका

क्रमा १५६: -का विचार मारतिवाँकी गाँग मञ्जू

बरनेका वर्षी ४८६ -का विकास-काब स्वरागेकी

मिरणार शरीया अदेश १५६: न्यी पाण्य छन्।

बारतीय जारारी १५५: -की मीविका बीवक

करमेंका क्लाम ४१४ ४९१-६२। नहीं गोरू

हारा महायोगी किरनारीमाँ बही मानोच्छा ८८:-बही

मारामि वैक्टिका मध्ये मारकर मारामि समाजवर

बनाय बाकनारमीति । ७५६ –भी सहायदा बरमा स्टब्सेटिके

भेगोर मेंग्रसिमों या मेंग्रहीके निधान देतरा क्षेत्रम १८

-को परमाना कानुसकी अमोकना करतेसके कामारिजीक

क्षा हर कराने कहते करते हैं पूर्व क्षान्तर १६८०

—को मतालॉका सरांक शरते मेकित २८९; —को

भिन्न मनातिक विदिश मनावर्गीतः रंग्के आगरधर

कार्निकासं करोडी रोड क्यानेडा इद कर्दी, ५२५,

नदी छठा समा पानसके देखिती ही का दान

केल्बा अधिहार, १४९; —हो सरगामहिनोंदी हककी

चौर मार्सामोंडी समाचीडी पूर्व बानडारी, इरह.

न्द्रस्य वर्षेत्रः झरम बलेशे संबर्ग भर विकारेकी बोह

प्रतिरोधकी स्वर्वेट मामलेका भगसर. न्नारतीवींकी यान-मर्शादा चौर सम्मति क्य केनेकी 111

मीरि ४ ६: -शरः यीवन्त्रं कानन कारके नहर घोषित. २९४: -शारा पश्चित्रतं वंशीका अधिनियाने चन्त्रमेत हुमाँना पर्वण इरकेहे किए मास्त्रीत व्यासारिकोचे मानदी निकी, १८९ -बारा करतापुर्वेद वरीकोंसे मार्ग्डीबोंको होड सहजेडा करमाने करना वही गुण २१७: -दारा कार्रोहे मारतीयोंकी करनाक, १९५: -बार्ड नद्रदिस्या बामा वस्थान्छ ५६ -३०६ विश्वीतित हो मार्गात बार्मि ३६५: ~शहा प्रतैपक्षी वशिकारिवेकि सन ग्रन्त करहीता २९६१ नहारा बारतीयोंनी मन्त्रिके गामकः कता विकेत्वः यसः २९४: न्हारा गराजिले क्योदनस सर्वेचनिक समावा तील कितेन ४३६: -हारा मार्ग्यक्रीको ही क्रानेकक्की समाजीवर गोपीयी, २९ हारा जरतीयोंक हम बाब्नेक सब्से प्राप्त अक्षार नेताचींपर, १३३: -क्षारा जाततीनींपर संस्कि हारम अस्य क्योन्द्री सम्मादना, १: ~तरा रतिनंत्रं सरापदा क्ष्मन न करना क्षे दुर्गाचदी पांच ४२२: -कारा स्थापित और सामाजा सम्बद्धार धारा स्तीवर्त सिकान्त्रसे सामानाकी कावार कारमास. भक्षता -वर सराध्यको स्थल सहा अविद्ध हे*द*ी। -से बोबानिश्वमंत्रे शर्मार्थों हास मार्टीनेनि सान फिने गरे दर्जाकारकी और करलेका भवरीय ८३: -से विद्विष्ठ मारतीयोंका वेर नहीं. १४०। -से निरिष्य संस्थानकी शास्त्रीता. १३ -से

बारतीन समामाध्ये समामार्थः व्याप्ते, १५३ देनेही जॉब एन्यास्टः दीवनेष्ट जॉफ निर्देश होहिनन्स श्य दान्सवाक, ११५ वा दि

द्वाबर हरिकाल शाकती, २०० २१२ १३; न्द्रा क्लान ची विद्यो <del>बन</del> इतनद्य सुसान ४३

१९२। -लजाका विकासे परके der für 3 प्रमास प्रमाय स्थित १८८। न्हा वर्षिया क्षा १८४१ - का वेदा १४४१ - का सम्बन्धे विदेश दिला १८८। -के मानकर धांनीकी, ११। - इ सार्ग रहित परिदर्क स्वयासित इतिहा बलरादी भारतामें धानेशने जन-समुहत्त्वही काला कामा बक्तमन करा ने मनमें क्रिकेन मनामि श्र प्राच बर्श कर्मण १८९३ - व वेक्से वालसिंदी

गौंगका भौष्मित्र स्त्रीकार, १८९। न्ये विचार, १८८। हारा यक विशेषक देश २९१: —में माराजेलीको गॉर्गेंको स्रीकार करलेका शामर्थ १८८ काँच, न्यानके अपने व्योक्तपर वर्षाची, १९३ बह्यासहै. -का संस्थास १४९

विमारन मेक्स एक÷ चे ४८४ वा दिः –कामिले विद्योगिक कारपाकिको रहती, ५०१ -ही महत्त्वाती विश्वविकाल मार्का में के मुख्यमं, ४०१ न्या नवान्त्रमें सुद्राप्तम् वनश् वार्षि केत ३ -के क्रमानगर सम्बद्धविकोंची कालार नहीं, १६२

किस. सर पास्त्री ३१४ बीमी बहर न्या मुख्यमा, २०५ क्रेमाओं पश्च का जि वंद्धी धक्तक्रोस -के प्रदिनिधियी गांबीबी से मेंट ५३६। ज्ले क्या कामकरामें विरंद पुछ नारीन अवस्थित ४९९

वेकी देकीयाचा ४७२, नहीं वर ४४९ डेही न्यूच ४३ ५०० हेकी सेक. ५ ३: -वी शहिने पराज्ञेलोंकी क्रियल मान

केरे बील ८८: --वे बेक्ने शस्तीबाँचा दी बानेचानी इरत्सर दिन्त्री, ८० वेन्हास्कर, ४८५

हैकिक २६ २४%: -के भीवनडी वटना ५४४ हैको, २८७ ३३६: -यो मर्सर ग्रंपीमी द्वारा <del>गर</del>िक स्मर<del>को</del> प्रस्त का शुक्रम बेक्सि **१**९ नेक के ते १ १ व शत या कि १११ या दि का या दि वहाँ इस्ट प्रदेश ४६३ ४६६, ४<del>००</del> ४८४ पा दि ४५६५६ ५०० ५ ० ५१ अवस् अस्त्र पा वि

वोद्ध (कुगरी) वॉम्पि ११ २६९ बीरासानी केस. -हारा संबद्ध बच्च व्यक्तिक स्पर्ध धरवा शास्त्र, १५ -को भौतनिक मरह स्पीइत ४५

चींका बरुक्क १८६ पा वि ३ न्यंगीबीडी स्मर्न क्षितेय । १: न्या संस्त्राः । १: यो वर्षाको शता मान हो मानेही कम्मारना, १५४: -वी स्वर्ध विक्रमी, व १३ के सुक्तिके प्रतिकेता व ९३ -के प्रदूषणे सरहरहें। जिल्हा होहिरण सीवित्रपीड़ी-जिल्ह्याची जोर. ३ ९१ -हो दोलीकी संबंध है ९ ३३८३ शर्म कर कार्नेन शास्त्रीकी दला, ३ १

Ħ

श्चमनम दिरी, २६९ श्वीमक बदलाण समा (समिति) २२१ पा⊛ कि २५१, २५३ २८८

तांत्रमी, नारै वरसियों वे विषय, १९४; न्यौर वरसियों के सम्पोर करसियों सुक्य मार, १९८; न्यो बाम बढ़, न्या मारे सुम्य कालि क्षामी, १८५; न्यो बाम बढ़, १८५; न्यो बामुरी, १९३ हार, न्या बढ़, न्या साम बढ़, १८५; न्यो बढ़, न्या बढ़, न्

२७०: - ज्ञान काराज्या, ५ -- बाह्य निर्माण रेका हते. देनिकों बरावक गरेने ६४: -कार्यकारता विद्य-मन्द्रकरो, २० : -क्वर्यस्थादा विकारणञ्जाते. २७०: -देवेग्लेवस गांवीबाला १८३, ५०% -विवयस मोर्गाजी, ४ ३: महराविकामा ११: -वीरिमीमा. ३८१। --पंत्री संस्था ३८ ४१४। --पंत्री संस्था विकासका ४२१: - मेर निरेशका प्रवासनाहर भशः -बाह्यनिस्तानि गांपीर्वाकीः १९८ ४८१ त्र ४९६ ५ छ -बोरानिस्कृति राक्सक विकानकाम बारेस २८ । न्याहानिसम्बंध विकानका-की, ११९: न्योद्धानिस्पन्ति सरामधार्योका tecsi बीर स्तामजीको इन्ह गिरणगरीक सम्बन्ध्य, ४५८३ - sperse ecurul. Lab. - swimples समाप्रस्तिको प्रमाननी क्षेत्र क्षिप, ८७० वणमाना केले महर्शकोंके संमा कर दिवे कार स्थानकों. ३५३: -मेट्यमदा मार्थामंत्रा, ५१: : -पॅपिसर वरी सामित प्राचित्र विकास करें । यो व्यापा क्षेत्री होते. HE HE YES YES YES YOU SEE **५१९: -मोडम्स बीदन और सर बंग्रीवशक माताकः**। ४ ९६ -वीर्विशक्त गार्वार्यासः १४ ३ न्यामकरकातः १४: व्यक्तिसं राष्ट्रस्या १९६: व्यक्तिकार, ४१: -विर्वाध मार्काल संबद्धा विस्तानसम्बद्धाः १९३३ मारतीय समितियों हमा मसायक सम्पेत्रत, ६८०० -माराध्ये गांभीबीडी, ५ : -रंगुको गांभागीको, भारभावता - स्वरंशनक भारतीर्वोचा विकालकारो. १०१; -क्वार्टन समितिहा, १५: -व्यरिसी प्राधिकत बोलंड कॉकड़ा निविध बारतीय समितिहर, क्यार मामामात्रं बारा गर्डाबीक बातक वर्डेमें एडवर्डेनडी. १६५: -वर्गीर्शन स्टब्सिना अंतुमनदा विकासन्तकः २००। -सीमान्य केन महोदा गांधीका धरता -में गोर्वातीके कारितकशासिका क्रिकाह किय समेश २ -स अक्तमेंडा सर्राष्ट्र सू<del>ग्यनाव</del> सरकारका वेनित १८९

तकेक्तर्सितः, बाल्,, १४२ साकेक्सरितः, रविक्रमा ९४ १ ४ १४ १४२, १४६

४६४ किन्द्र, कोस्मान काम गंगाचर, १२, इ. पा. दि

ष

वाँचन बॉनसर, ४०२ बारी, १८२, १६४; --हा दश्म सम्बा, १८३; -के मध्ये गढ स्वरा बाहर्सा यह कास वॉर्स कॉर्सेटे बक्सर, १६१

,

क्षतित्र नाक्षिका —का अलेक महातित हान्यताल्य स्वर्तने स्थानका क्रमा क्रिय वदा १३% -मा सथ स्ट संबद्धांची बृद्धिमें बरण कमीट, ४५१: -का संगी-करण ३१ : ना समूर्ण समेरे एक्टान्य बनामेड वरस्तरं समोजित सम्मक्तरो रिपोर्ड १८९८ -सी तर संस्तर्य रेज्य पर्वेष क्रम्प्ट होताडी सम्प्रमा १८५५ -व कार्टिस्टिकॉक किर बनावार प्र<sup>2</sup>पाथडा साम्ब बदना क्रमिन १९ ८ - क विसी भी सनम मार्ग्सन व्यक्तिमार्गिक क्यान प्रकाद स्थितिकार, ७८: -म करों कर्जीन कमकनती रिपेष्टे देन १८५ 🛶 गरामिन्द्री स्त्री शास्त्रकक सामारिनीसः १३४: नक महाजिन्दी वर्ष स्वयन्त्रा निवित्त वर देशस् संबीत संविधानमं कार्रे दाप नहीं १६७६ -के नारतीमॉक किर कर कामा और देश-रोक्डी परमाद ने करना मोडे ध्याची वस नहीं, १९०३ और मार्टीबींडी बीपीबीडी छन्छ। १९०९८। नेद्र मार्स्टाम समायकी राज्यस्य श्रेनीक काम मारतीय वनियोगि ४% वर २९५: कारों हारा मार्गालीका नुराधक क्वम स्थल, ५०० के संब राज्य करनेसे मारतीगींका बीवें रावण करी. भगरः -के सन मन्द्रनिवेद्य दर्शन र**९**७- -दे सारे मार्शनिक दिलके भिन्न शामानामको कराई ११६० -दो कानियों तहा जनकामद प्रनिराध कराजाम कान १२९: -में चमदका रेन मूरा हीना अनक्त २९६१ -में पान्य गुरानाको स्वयस्तिका स्थानन करमान बद्दा बम भारतील १९ -व पारिजों ही शन्या वस्त कम १ ३६ में मिटिश और बासर भागारीकी अवस्था अपूर्वली इस्त स्वीकार, २९५०

—में निर्देश मारानिका ग्रांका ग्रांकारी, ५९७ —में बादामार्थ २४९ मिरिज भारतीमीके इतिकासका समसे अभिक संबद्धका हाराजिनी बाजी बाकाजिनी ९४

सम्पर्के गांची बारमव

दशा द्वामी सदस्मद दानी २०८ पा दि

कारनंत्र कारवर्गेता विकार, १९६ बास कार्यकाल, ४४४ वा वि

रिनसा, बेसुनार श्रामधंत्री, ४२८ ४६३

दार-प-सकाम -- व मारतीयों हारा वर्षन पूर्व वार्षिका

बार सहस्रक मानवी, १६

या दि ४४३

इकेंनरास, मानजी, ८७

केशारे, महत्त्वेशकी, १४ वय

रेसारं, कटम ४५२

(RADIER, ME. 188

ब्रीक्टी, १०%

जिसासी, ४१८

नीयरीसं कात्रास्त्र ८

वीमान, मोतीनक, १८२, १४१ ४९

समा २७३: -- मारतीय राज्यका विर्माण, ४५१: में सामान्य विकास कीय कर नो नारतियोंका बाहर निकासनेके कराब करतेमें सामान्य सरकार नाका

ttc

११२. —से भारतीबॉक्टो निर्वासित बरवेका महत्त्व, ५४७ दिश्रम आफ्रिकाके जिडिश भारतीयोंकी दिकायतें।

मारतीय क्लतासे अपीक, ३३% पा वि दक्षित्र आधिका निर्देश समातील समिति ९ था कि :

१११ वदद-दण्या कि वजावज्या व वजाव नदी पीलो संद इत्या सरह, ६८० नदी मास्त्री**य** 

र्राष्ट्रीय क्रांपेस बारा यहर, ६८: -हो निवर्गित क्यसे वैसा सेवला सेराक्टर वर्णका ७२

रक्षिण गामिकी राज्य भागामा --- प्रात्मादीगरे १८६ হিছিল লাফিডী জনাত কৰক লাভ, ৭৭ লা হি प्रीकृत भाषिन्दी संघ २६७ २९६, ३३८३९ ३९६।

-बन्नोमंड बार एंच <del>एंक्ट्रमंड मची</del>न स्थितिमें मुखार क्षांत्री कमासना, ३५४) -स्नोत्तर क्रमानम्

यरिनाकाकी विकासी हर कालेक वारेले विविकास प्रसा गांचीवीका वर्जनेंग आलेका क्येका २८ : -पनानेत स्थापन विचनकाने कार्यक्ष की अस

नहीं २७९: -की बोर सहद्योगीकी समझ्य सकत. 5४८: -व्ही स्थानस्था परिचाम काले कोर्गीक किय मनंदर, १८६। नेद्र क्वीन भारतीयोदा समक व्यक्ति वाधिकामें भारी संख्येते समना, ३ ४: —के व्यक्तीत

बनाई बारेलाकी प्रान्तीन परिकट, ३३४३ न्के श्वानक पंचीती, २७१६ --से राज्याकरी व्यक्ता दोई छन्दन 71 3 co दण्यती ३ ६८ १२३ १३%

रमन्त्री, १०५ समीक महरशा मानद २८९ WITH YS सकारा देखिए विकासकारी

क्राक्ट (तर महानद न्या सुक्कमा क्रोंसडी **मधान**ाने, YEL न्या संबदमा कारिक YEL न्यर विना परकारे क्षेत्री करानेका मारीय, ४४

हाकर, हुतेन्द्र १८१ ३३० ५९९; —इशः केच्दी धावन्तिः को क्रीकानींका पार, ४९८

बाता अन्युक्ता वृंद कापनी, २०७

स्तरकारी रेखा ≔सारा गांधीलीको शक्त ४९

बोरीयारे, २ ०

दश —की टोमीसे से बार फिरफार, ११४। –की वीकारकार कारण वेलिंद कारण सामग्री कारणाणी कोमारीकी क्षमान्त्रकर चित्रकं १२४। 📲 मनदी, १५३३ - व कारण माराजिको र जीवन करानेमें का १५**५** 

च्हरा, --क्सफ्रास्ट प्रतिरोक्ति हारा ११४: --सेन्द्री नकारिक कर्मान्यर नावसका, १६। -श्री सम्बन्धी पुरोशीन केन्द्रार्शीका माक्षेप १६ वरनेतारोंका कर्तन्त १४: -पर एक स्वरतेश्व वक. गाँवनार्ने बकार और परमामा बकारको निमामिक किर मिनिय बारहीन संग धारा संगदित १५% नदी नामकादश

क्तार प्र**न्नोकस्ता**त २०१९ २१३ २६५

देसहे, हीमानारं १४६: नदीर मीमानारेको ६ वर्चेकी बड़ी बैबडी समा. १०५: -बेबमें बाय परते हमा मक्कि १४२: न्य निषेत्र स्थाती होनेका करोन-

श्रमी केट. १ ६, ३९८ केट (७) एका भी देखिए

ह्ये (बीमली) एल्क्ट्रगारी, ३१२ ४७३ ५१९

रिच्चप्र च्री २५३,०४ पादि —को यक गोरे करा

विनासाः (श्रीमती) सुराहेदनारं, केन्द्रभार कान्यती, ४९८

वि किंगदम बॉफ गॉड विदित स् १३९ पा॰ दि

शास्त्रमा, यम द

न

सबरी, ० ८० १६६ १६ —जीर बामोडी गोर्पातीस फोस्टरस स्टानस्ट सुमाधात १६५५ —को समस

नार्रः ११ नमः विभिन्नः १८९६ –क स्रोटः ३९७ वन्तारीत

क्रिमेरियाक नगतीर्वोच्चर सुकरमा, ४९९ स्टेस्सन, का य १२२ ४१५ पा वि ४०%

400, 48

क्षेत्रान वेंड कमानी ४९२ करवृज्जों मनको, इतिहर केमनी मनजी बालूमार्थ

नत्त्वत्रं सत्त्वद्धं राज्यः नत्त्वतं सत्त्वतां ९४

सम्बद्धाः कारुनातः ९४ सम्बद्धाः सानुन्दः प्रेटीयाः द्वाराज्यः व्यक्तिस्य विशेषाः

मधिनियम १ बरस्यसभ्यः ६

नरसी, त्यां बाधा ९४ —हा सुबरमा, १५ —हो १ सम्बद्धा सर्वास्त्रम करणानुका रूप १०५६ —हर १५ प्रज्ञान कर्षिनसम्बद्धा करणीत काँगुरहो सार

देशी झबार धरमेडा सारी १४५

म# १७% २३६

मरामध्ये ७, ३९ मास्त्रकी, ४१

कार्य, जीमती) थी भे ९ नामन्त्र, ३५७ मा दि० ४६२,४८४ भरे*र--*मरका

हमा सरावारी प्रस्ते हिंदा, २९००-८; नहीं कर्जनारी दिराह वर्ष-५ ४८०) नहीं कुछ करने में मोंच्या हुने-वाराठा नरीत हिंदा, देव ; ननी मुन्ति करने (इसरें)) निरत्येया क्रीमेड क्ल. १८०१ नहीं बहुदें हम्मार्थ प्रस्तिती हारा करनेना ना १५५१ नहीं बुग्दें सम्मार्थ प्रस्तिता क्लेडिंग करने स्वाप्त, भारत नहीं कुण्ते क्लेडिंग प्रस्तित करने भारत नहीं कुण्ते क्लेडिंग प्रस्तित करने भारत नहीं कुण्ते क्लेडिंग प्रस्तित करने भारत नहीं कुण्ते क्लेडिंग करने क्लेडिंग क्लेडिंग बार्ग प्रस्तित करने क्लेडिंग क्लंडिंग करने क्लेडिंग बार्ग प्रस्तित करने क्लंडिंग क्लंडिंग क्लंडिंग करने क्लंडिंग

व हाता पत्रह सम्पान वहा हुए। ४८८६ न्या प वर्गा वर्गों हुए गर्छविड स्प्याह, १९८६ न्से मन्द्रह समाने सम्पीन हमों हा साहब्द ब्याहित्या हुए। समान वर्गों पत्रह कर मर्पात समाने हुए। सही समान, ४८३

सम्ब १०३ स्था संस्थानन (प्रकार १ ६ नाकर समी, १६१ मानूरानमी, बीटर समा वृक्ति नानूराम

नातमी वा ४१८ पा डि॰, नारा वेश्व ठवा (कुमारी) वेराकी देखनाल, ४१२, नकी स्वीर्गतका कनपाट,

२१४ शमक्त ४६४

तमहुन्म वीसक २५१-५४ २८८ जलाहुन्यः वार ११४ पा मिरु ११५

नारहा पर की ११५ समझा पर कालो, हा दहर

नमञ्जूष्य रंग्यमी इ

नसङ्ग क नुवित्रा, २६६ सम्बद्ध वस्त्री च्यारण ४४ ६९ १४६ २१६ २६४

पा दि ३ तथा भाग्य पा टि — मीर क्या कोमेंडा प्रकार, २५१,५५३ — मेना २५३; —हारा क्या और वीडीका डिकाम क्या दारा, २५०; —हा प्रकार १८८; —की ३ मान्यी केन ३५३

नमह गणम्यः ६ नमह गलमः ६ नमह नालमाः १४६

मनद् वदीरी, ९४ नमद् वीराक २८१

नारपू बी॰ सम्मलयी, ९६२ नारपू क्लामी, ६

मलकृ राज्यु इ मामकृ संग्रह

नमञ्जूनी *ञु*क्तिक, २६२ ननकुर्छ। के और दर ११४१५

नमञ्जू तुष्पादः, ६ निमन्तः नेतर १९० से १९० सः दि नीते सेत १९० १९४

र्माता हमार दशक नाम इत्राप्त दशक

नुष्ट, भ जाम -चानी समुद्रिक क्लि गिर्रामित्वा कर्तामीसर

निर्मेग १४७ १००। न्या शास्त्राम्यः क्योन्स्त्रे गरता सम्बन्धः तथः । न्या बीता वर्णेनः १३ । न्यो सुरमान्यते व्यापेने गरी आस्त्रा तथः । ने क्यापेने व्यापितिय तथा वन्यः कर केने असम्बन्धः पुरासी पुरासी ४१। ने क्याप्तिनिर्मेशे केन असस्य अरस्तिने 04. - क दरिसोंको मक्त कराना वाम्छनाङ व नेवासका समान प्रतेस पर न्य नहाहर मनावीक के बामेश बोर्वजीदी केर मलेबी मत्त्र क्लाएक, १२३६ ने नार्शिय बारे रक्षोंची विश्वाद संस्थित साम्बोधि भी गुनेता ३४८६ - के सराठीन सराज्यी सहामध इत्वेमें पीड़े नहीं ३००। - संगततीय करने करते है क्रोड गर्जार निर्गेदनाकोंने गीवित ३४७: -के महतीबाँची सफिर सलाव्यकी ही रखसे. ३६३: - व नार्रामोदी रिवरिक सम्बन्धे क्वांकेस-प्रमीके मधाने क्य विका राज विकास ३०० -के समसीओं-को सलाव्यका अनेन करके निरमित्र अना का बरानेकी समझ, ८४१ -के मारतीरोंको नेटान संस्के क्ष प्रतिनिधन नहीं ३४३, —के मनतीनीको मान विकारिक किए सक्ष्री स्टब्स्स्को समिता ४८। -के मारतीमों हारा समास्यः वसाविक हातिस शास्त्रिको संबर्ध और समझ्य स्त्रीर १४४। नो मध्येमें विदेश सरकार हार्थेने जनन मध्यकारी करण ४ र: -के गीरिक केक व्यवेगर ठार केना बांग्रेसका बर्टन १३५: ने मातारिवाँको परवानेके विता भाषार कामेकी समाह कहा १९६० न्हे

४ (; —में निर्दर्शिता संस्कृतिक स्वीत्त हैक्ट कुल्मेडो तथा वादी एको एक कांग्रित वहीं ८ । —में बर्ड्डाका कर्न्युके प्रकारी स्वातन्त्रे क्रांत सरवीत साराधीर्मिक नामान्त्र, १९५५ ६। में सरवीतिक स्वाताः ( जेति विवाद, ४९५) —में पर १० ।—में बरवातिकी

स्टार्ज रहा संपीतिही ब्यार्क्ड कर तह साथ हैनेस

बबन ११६: न्द्री मात्रानिक क्रानून रह कराय

हेन ७२: -को समझ कालनाने मार्गात निर्धारिक

प्रभावी एए मन्त्रपी क्रोक्स मन्त्रप. १७०:

विश्वास क्षेत्रीमी १८६१ न्ये ध्याप्तिस्ते वह स्वय स्वत्यत मिर्देश सरकार्या स्वाउत्पृति ध्यार्टसर्वेष क्ष्य १२ न्ये अस्तर्वास्त्री सरकार स्वरोध क्ष्य दोन एको स्वित्यत् १८५१ न्ये स्वयत्य स्वरोधी क्षिये श्री तस्त्री तस्त्री चार स्वराधी स्वरीधी दिखे १४, न्ये स्वराध्य स्वर्णवीची प्रतिस्त्र १५ न्ये स्वराध्य स्वर्णाल स्वर्णवीची कुम्ब्स देशो देशे १४१ न्ये स्वराध्यक स्वर्णविक्षी स्वरीध दर्शन

नेटाक ऐवय्योक्ष्युत् -नारतीत निर्मातिकोचे वर्धोस्त ४३; -सी योक्सर्वेडी निर्मातिकोचे मान्त्रिके लंडुक्स वहर रक्केसी सिर्मार्थक ८४: -काट पोर्टेकी निर्मातिका मना कर करोकी सकता. ८४:

१३% -को समा करोगर वर्गमंत्री स्वार्थ, २ ११ न्दारा दानसामधी क्यांकी शोधाव केले कि नेदाक समर्वरी, १५५ पा दि १ न्या माराशिंधि सने तंत्रके सम्बद्धे महानेत. १९०: -बडे सम्बद्ध दिवतिः वींसर गांधीओं, १२०५ -के प्रतिविधिका बांधीओं से त्रक ७० -के प्रतिविक्ति पंचीर्वास ७०८ ७० नेता सरकर, -आराजिंक निरंद कासे कान्य कानेकी क्यारः ११८। गार्कत पिरमिक्रिके को निर्माणकी समाजि वर काला चारत रेक्नेमें मकाक आसरे. 370x -47 क्कर कराति स्थानको सम्बन्धो हेर प्रकारेनामध भारतः न्या नेतान विकासकारो सतर, भारतः नही विदिश नार्तात धगान्य राजने मौन्नी कालेश कि भ चौक बारादी वर्गी अपना और स्वतानियोंक वर्षिकार लीकार कार्यात माराब्दी किर्गितिका सक्करोंकी सेक्सा क्य करना कारकार, ३०० -क्रारा कामर मानावडी क्षर ४४६: -क्षर क्ष्म्कर माठीन नियान्तीमें १४ कसि व्यक्ति कार्याने स्वयस्थि मीदानर मरियम, १४६। -बारा पद बता विकेक देशर, भरा नगरा गरीन मार्खालीसे व बींब सामाना भरावी मरागी. ४५१३ -से विश्वित करवार शहा केवल रिकारिक करना

राम शिकालक ३ ९ ३४६ ४६५। -मनना मनिदन र्तान क्यों तक ही सीमित रसनेका क्ष्मक, वैधेश -रेक्टरी इसका विसन्द समस्य सेवारों नेकाहे ब्रागमें व्यस्त ३६३; –का नामा काँसे पश्चनकार करूपा का का राजस्याने महाशित, ४ ०-२। <del>-का</del> समाजनी सरकारके प्रति भागार महानैन, ३४३: नहीं क्मीर क्वीने सेंद, ४३ : न्हीं क्वी स्मामन सुब्दकत ४२ :-वरी अभिनेश मन्त्री वन कम सरवासि सकाकार 300 -जी मारुसे प्रार्थना, 38९-७०: -की मस्य-को बकी स्नामका बादा क्षावा -की राजने घेटाल सम्भारकी नीति करतामुख्य ४२% -की व्यंत्रे कृ से पुरुष्टा शुभा नहीं शोर्ग सम्बंधि सुमार स्वी प्रभेग 130 -दी सर संबर्धाते मेंद्र, १८८३ -के मन्त्रम् मध्यतिके किर साराम्, ३३० न्हे सरस निर्दर्भिक्ष्मी धारी प्रवृत्ति की दाल कर केले क्ष्ममें, अपन्त -के सदस्तोंडी सर संकरकी तक म सेक्ट बसेन केम्पानी. सैक्ट इसेन व प्रकारे गुरूकात ३३७--के शररपेरी रिक्टेके मेर वर्तिन सर्वित्रा निर्देश संस्तीक समितिकी क्टम वैक्ट. ४७२: -को क्की बमान हारा संख्य क्तेश बच्छा ४९ -को क्षेत्रे कता एतर, ४९ : -शारा करना विमान विभिन्न कार्नोने विकास, ४ -शारा क्वॉब सीभी गीर अंदे सक्वी सेंड, ३८८<u>।</u> -शरा क्लैंक सीकीसं किखित करा हेनेकी शभीगा ४ : −शरा भारतीयोवि कारोका मिकाव स्थात ३४३ ४९: -दारा गोरस्तर्य गरिक्ट्स विम यह मौकांकि नानेक क्युमरिक्तको गोग, ४४४६: न्यर मोबीसी, १९४४ अग्रह, ४ ८ ४९६ केक्सर, भी ान्द्री गार्शाची क्षारा प्रकारी बेंद्र, ११८

मेक्स मोतीसक ५४५ पा वि मैक्टिया एवं -बारा गाँधीमांडा मालगेड किए मागनिक

मैतिक्रतासमिति छन, २८१ पा कि ४७२ नीनामाः ४२

मीरोजी बालायारे १९ ३४ २६ ३१४ वर वि IREAR, YRE WYE, YES: - A CY I WHI विकास धारीमी, र

मौरोजी, ( भीमठी ) द्रश्यामं —का परसोगामें केवाल, २४ :: न्द्री प्राप्तपर गांधीबी, वह

र्गोलन मगान्त्रक, रु. ३ १८ ६ ८*०-८*९, १३, ररप्र र९६ सद्ध १२८ मा वि २५ २५१

था कि २०१ २०४ २८९: <del>- व मनेका रेस</del>ाओ कार्यनिवासर भारीय क्षत्र:--म कानेकर परिवास कामनोड अन्तर्गत २.५ माराजिनिकी गिरण्यारी, ३२६, -पेस बाने और बंगनिनोंकी बात हेतेसे स्थाप कानेपा माराजिको ३ मासको कही बैदकी सन्द १९६: -सभी राज्यसम् आपकी सेंद्र ४३ −का करनोग न कारोंके कारण शानावस्थ सम्बद्धी क्षः मर्शानेकी वेककी समा १४६: -वंबीका समानवर्षी -से डीनेबाबे क्षामको गारतील छोडनको वैदार, २ केरी ४२२ ४९८

परेक मान्या छेड ९४ एक समाहर २५

प्रेक, १ वन - क शक्तकी वेरीनिर्मित्से शेकसी, १ फोल में थी ५२९

पटेक, गंगकमारं, ४६ ४७; पत्रकारास, क्रमकाब भी देखिए पटेक, शहरमर सामुकी, **−की वीमार्गक कारण के**रसे Rint, ave प्रोक मुक्तवी, ४८६ -समा हरिस्तकका सुकामा बारिक

६५ -हो देश-विकास ४४ वरंक मधी रवा, नहीं नाक्सरहमनं किंगा परवासे केटी

क्यानेके कपरावर्ग कर विक्यी संत्रा १६ परेक दीमान्यरं, १९२, २४७; न्यारा खेँबर्टनडी गांभीनीहे जानमनके वारेमं तार, १६% -मी **राक्षेत्रक**नि

गोपीमीसे समाजात १६४ च्छानः -चौर पंजाबी मानियोंडी क्विते, ३८; **-व**हानी -बीर रंबावियों सा <del>वर्षकोय-पानीको</del> शकेनायस १७-३९ —धा १० स्टारमें प्रधावित १५२-५३; —बारा यांचीमीरर पैकामरॉक्ट चपमान बरमेका मारांच १५३८ -से पत्र विश्वनानमें कह असिंह माराजिका हाल १५३

पश्चिमाची, लाट के २,६२ परिवाली, एम वी २६६ पश्चिमाची, यस वेबद्ध क

पश्चिमानी, भी पदन

परिवाली पना, २६२ पश्चिमाणी र्रमा ह

परिवासी वी वीविन्द्रसामी, इ

पविशाणी भी मनुस्तानामी, २६२ परिवासी सहस्रद, २६२

विकास, सीराराम ॥९२

पश्चिम (मास्तुम्बर, ११६

e m2

ortada sa

क ...कारिया ज्याकीक सोबीबी से अवस्थाने ज्यानी. होति प्रस्ताम, ४३७ -के कान्तिस स्थितहो, ३९:

-दावदिवादा केवनिवेशक्यां, ५०५९: -देवेजीका गांधीयीको ४३२। ज्यांचीयोजा केंद्रलेको ५०५०

antifelier and is at any your attitudes तरिक राज्योंको, १९८० -लांगीबीका बोर्च क की १८ का नाम क्षेत्री पार्च हो, ३६०० नामकाक गाँकीय गोर्शक्तिको, प्रश्न -केव्यन्तिकव्यत् कालीवाको तरः **-वोद्यान्तरा**चि विकासकारोः ४१५० -व्यानीया स्थापे प्रशास १५३.५५: नामने सम्प्राधित १४ -प्रमोत्तरसम्बर्धा गांधीबीबरे ३ १० अरोबस्य strikelie) v s -- Desset Brossesie), vz -

स्थाते. ११ : -वेरीकेस्य ६ ३: विका ११% -रिका को रिसीका), १८१३ -कोडे क का यांचीकी, ५२८। -शॉलेम्बेड नाम ६९

-are starting with light flet filling strothe

पक्त, महारामह ६ समझ्ल, प्रोकेस, १५३

भागात - स्थानिका १४० प्राचाने, -के मिना देवी क्रमाच्या समार्गिक पेटी क्रांस्ट्रों निमक्तक होंडेकरी समार, है। -के दिना फैटीबनानेके जनराकी बाह्या मामारे साथ मिलादी केंद्रको छना क्षमा लोक मिला देखान स्थाप परतियों गांधीनीकी पेरीमार्केटी समा etr ने विद्या कारत करोंके करेंगे चोर्काला विकास हो। न्हें जिंग कामर बरोबर करावा केंग्र केंग्राहों कर ग्रास्त्रवी केंग्रही सता. हा -के िया अध्यय करनेवर कोशाबितकोंने तीन सात्तीकोंका सार्यात दिन्दी केंग्रेस सार अंध नं लिए करत दिवस्था जा दिसीयोर्ज संस्थित प्रथम

देख्यी समा ३१ मरमानिक्रमः १६९: न्द्रारा क्रमाना मधिकारीके निर्मेनको कारोते अनुसर, १९९१: -के निर्देशीय शहरमा आफ मेराबा, १४५-४६: -पर्यामा निकामों -के सर्वोच्य मासाम, द्वारा वर्ष गर श्रीहर, १४६६ -ने वर्षस्तर HOUSE STREET, SYS.

प्रावास क्यारी, न्ये विना व्यासार करनेना प्रियोगिया कारपरिका धारा 🗫 महतीलील सुरुवा, ४६-४७ une. चेटवी -दो ए दिलडी चना. ६%

efee 2 min

पार्तकड बीगवर्तन २४१ प्रशास । १९५

पानका, क्लीका, ४३

वक्के (बीवरी) ३ ६, १९८: नहीं सभी सेरीस mal = 12

यसमी - जाकरितिक सम्पर्कोंने करावा. १९६१ - परिमार्गे -भीर वर्तिकोंकी विकास अध्या अप्रीत वर्तिकोंके करते. क्षा कर्माका सम्बन्ध गता. १९८० नहीं शर्मेक्स ध्यानेसी

moder, 1981 -th mint, 198491 and der क्षेत्र कार्यक्रम क्षा का १९३

पारसी अंद्रास्थ, ३११ परित्र, बोक्सक रंबरका तथ अंदर, अंदर पा कि व

and filed, year our stelled year पार्ट, सर दिली, अ THE BERNOTE, WY 1 -ST VIEW YAT YOU

प्रमा असमह एका, रेजरे ३ ९ विको. ....तो वह स्वर्तिको हैकडी सता १९६

क्रिके (बीवरी), नेद सारकेमें योगीबीबी गराबी, १३९

विक्रको सम अक्टरमसी ह विक्रे कंगानकी ह

विक्रोद सामार्गः ६ for or its tet

for a set 388 रीयगरं, साधार्यी, ३८९

बीस केंद्र बाब्दिसन सत्त्रासी, प्रथप था दि । नहारी श्रामिकी मानने कि विसम्बद ४७८

Sellowers, \$50

क्षेत्रिः क्षांनीर बोमनवीः १९६, ३९८ पा वि ३८५ ES BOL BYY YEY YY YEE-OR WE कोरोंडी विकारकारीया कर देनी किए राजी प्रातिका वांनीबीडा चोल्क्को चरमर्थ ३९४: -वी सम्बोद्धाः १९९१ -से पोन्डरो महर, १९९

चींव (मीमरी) व्यक्ति योगमते, ४२८

धेरीस क्लाइ सार्वी 🕶 १०९ ४ १। क्रेप्लापूर्वे कुमहो रात काल्बी,

OTHER MATERIAL THE YEAR AND THE HAS पा १४

erfied/our

निक⊾रम व्यापक ४१५ २ सा≌ ४२ YY 45 EY5 E42 E64. 3 Y 300 3 S 224 235, 2454× 265 2<< 3+0, 380 का दि अभाषा वि भ्रमण पा दि प्रत्य, प्रदेश सिं प्रश्नेया दिं। **- मा**र्जिङ सामी बाते. बाजी स्टेबजर फीलिस-बोजनार्गे सार्थिक २७३: -पॅडयोलेट बॉफ डॉडबाबी वर्डने केन मोशी बजेय, ४१४। -पूरी वरह सलैबर्निक कार्नेन भक्तम् ४६: न्यासिय अस्तीत संदर्भ वर्षेत्रमिक स्तापक समितक क्यारे, २०३; नमिश्चरी कामेकार्कि इन्से भारत मेलि ३ छ –का एक प्ररामे नहरी प्रशामि सम्बन्ध, २०४। —हा दावें मारतमें कोर्टेंगर. 300: न्या सारतमें कार्य २०३: न्या भारतेलेकि प्रतिविद्धा दिक्किसे आहर प्रशास, २७३: - ध निषक ३०४ ४१ : न्या सामन्ति मानर्शक विकासकाम सम्बद्ध २०४३ की भागावडी मारतमें गुत्र ४७१; न्यूरी बारिसहिस समस्त्रि करोपि सम्बंद प्रति सारी तिकसरी, ४०% ४ % नदी बॉलगीयर गोरीकी २७३-७४ -की महण्ये **टीव-व**क्ते शिक्षणका) वह ४१६: -की मार्ताव स्वासिती तथा विद्यार कानुर्वेश सम्बन्ध वानदारी देशाह २०८: -हो कुलस्ताने मीति-संबदी का व्यती रत्तात. २०४१ - व कार्यस वर्षामी, ४४९३ - क बीवनस् योगीची २०३-०८। न्ये अजनहा महान स्क्रम हरा भोगी और जेंगे छत्रस्य नवारित बारमा वक्त ३८० -ब एकप्रस्तिक निम क्या रक्ष्य ग्रामक मगल्य, २०१-००: -की लगी ५ हाराज हारा पूर्व स्वासना केल्बा श्रम्म, ४९६६ -ब्ही र्गातिका र्योष्ट तया अन्य त्रीवित विकासकार मार देनक मिए राजी बरनेश भागर्थ 🛊 ४ 🗝 ो गार्थार्थका बन्दी राजरमे भएतिम संशोध मध्यक्ति क्षपाद्वीय प्रान्धा करूप १३६। न्या गांधियोश शें अनुके सन्न दिएकिन करने <del>का अवस्ता करनेत्री</del> सन्तर, १९६, १८८: की गोर्थको हो। माराध्य बार्ग्स कानदी सम्बद्ध ३२२: न्द्रो वर्गर्गर्शकी नर्तार महित्राचेंत्रे क्या ग्रह शामेश्री समझ ४६८ -को र्नाम वर्धने गाउन स्तम, २७१: -को िरने मरद ४४९ ल्ही मरनदे का रूजे कुमारेम कामेदा निर्देश इत्या -क्षण अधिनेदम रव बर फेटेड फराफा सावन्त्रिया संबंधा प्रदातिम

कर हेतेसं गर्रपानीको जानको ३८३: -इसा मानकिक मप्तित प्रतिकासका अञ्चलका, २७४३ -वर्गा की गर्द भरतीरोंकी सेवका शस्त्र औदना गांधीबीक महमें बस्तमम् १५४३ -बास वर्गनित्रीके मर्थान वैज्ञानस्य प्रक्रियम् स्थलः, २०३: - स्या गर्भाजीको ही गोल्के-का समेश ५३०- लास गांधीओंको मेत्री गई कठानें यनप्रवाह १०० -बारा ४ वर्षतक विदिश भारतीय समापन कोचन एक वैशा भी बेनस दनकार, ४३%। -करा केम्पे शास भारति समाज्ञत ४८: -करा बोधानिककी एक शासाधिक पर्यक्र सामग्रह समावक परने सामग्रा ४३५: **-शारा राज्यान सरकारकी** गर्जनंति गिरफ्तारीय क्या भागीच्या ८८: नाग्रा महत्तमें बात बड़ी अपर न्यर की रहे बीड समी यस्तिमोंको क्यानवर्काः १६४१ -वर हरे स्थलको राक्त वेंद्रयोचेन ऑफ्ट इंडियाचा शबार ४४ पोक्क (क्रांस्त्री) सिंद्धा प्रथम १९ २१२, २८३. 1+6, 5 < 133, 535 563, YES, YOU प्रदर्गा वि प्रवाह प्रदर्भ दा<del>वा</del> दो वेदना द्वारा निर्देशक, ४००० नदा सीवा सर्वनदेव स्थान करमंग्र दुनेन स्तर्भ १९३। न्द्रा मेरपूर्ण स्वासना और सम्ब क्लेक गाँगिका मोंग्डी सहार, ५३९: - के किए कार चैवामडी एसाड, ३६२: - वा बॉनिसके वीकार केट विश्वेम ब्रॉक्स ५३९: नाम मरहीत स्वीतानोंकी समावीता अलोक्स २०४

शाम्क के व्या २०३ ४५ ४७२ ५२९ बीक्स (क्यारी) मोबे पटश्या दि पट्य ३ ३

वस्य देवेण हर्यः वद्यः ५ ८ ५१५ ५२८ ५३८: -रवित्र मधीका महेदी समुद्ध ५३८: -हो गर्वजंत्रीका मिन्नेस नेमपूर्व स्वत्रका और एउक बनेका संशास ५३९

बीक्ट बामी वरक क्ष्य क्ष्य प्रदेश प्रदेश बहुद प्र शाला, (कुमारी) सेव्हिस्ट ३१२, ४१३ ५ ८ **११ ... ११९। -फीनिस गांत्रो रुन्छ, ५८** क्षाच्य, वानेश्र वृद्ध नक्षमा गोर्पार्थाक मात्र बेसमें इक सह व्यवस्ति गोरी वर्षे संबंधिया पर १३९

क्रांतिरची सक भर भक्त भक्त २५६ ३१४ वर दि 388

मनर्गा अजीम, न्दी दिनार, ४०० प्रवर्गी जन्म, -िर्राजिनिकों क्र संस्था रोचलक, ८३ म्तारः वी ५३९

सम्पूर्ण बांबी बाजमन

प्रकृत, १९८ २३६ पा वि विकित्सस्य बाँक सम्बद्धांत्रीकी, ५ २ पा वि विकित्सस्य बाँक सोविक्षांत्रीकी, ५ २ पा वि विविक्तस्य बाँक संस्कृति विविक्त विकास कर्मात्र कर्मा

स्त्रमः १९५ के भारतीयोंक्त १८९९ के कार विभिन्नको कब्द १९ के पर्याण सुद्धारा ४९९ के गास्तीय यात्री, २४८५ के स्टॉडिंग का यानेवालीकी गर्द करना सर्वेण, २९३। की प्रांचीमी केव्यो का बीटाने कन्,

कुर्तम्, २६३। -- ने यांत्रीयी केल्क्ये एक कीवरी कव २२२ फ्रिडोरिया म्युक्त २२६ पा दि ३६ पा दि ३

- अ अरिनिक्ता तंत्रीमांस मेंग, २१७ विशेषिक समिति १९६ मेरा वर्णेसी, - के अधिनिक्ती वारीमीसे मेंग, २८

वेद्यांचेती **व्होसिएकण, ३**२३, १८३

10%

कराजन, भ करेंग कुरुवीन, ७ जिस्तरीहरू, सर नहीं, २५६ जिस्तरीहरू, स्टब्स्स्य, -जिस्स्वार, १९६ जिम्हेल ८३ ३१९

क्षेत्रिक्स —वी पाव्याकर १२२; —वी पाव्याकर पार्टिसी, ११०४१; —के सम्बन्धन गोर्पासीक करते कुछ गुरुषी ४१२; —क बांकरते केन विकास एक्सिकी क्षेत्रिकी, भाष —क पान्याकरके स्थानिक नित्तरिक्तिकी सर्वीच्या , मुर्तिका विकास ४१२। —वे सार्वाकर कर्मकर गाँधि १८९; —वे पालेकाके क्षेत्रीक सर्वेच्या पार्टिका

विभिन्न दोस्ता नह भीर रोक्यों की एरिकाडी सुकार विभाग वार्टीनिक करण १०३ प्राप्त १९०० नर समुग्ने प्राप्ति प्राप्ता कार्या सहस्या १९०० नर बोनी कार्याको प्राप्ता १९० करा, एर कार्य ९९० १९१ १११ ११९ ४८० ४८ करान कार्या एवानार, ११९ १९। न्यावारीरिक्ट एकोक करण एनाचीने सुकार कोर्यों कार्या

द्रभोध करण शताकीन क्षूत्रकर नोकोरी जाताई, १३३१ - जो दिया परामा व्यवस्थ करोपर कर स्वादाधी स्वत देशी स्वत १११ करणा व्यक्तिक कर प्रभारतीन देशी स्वत व्यवस्थ व्यक्तिक १३१ -च्या स्टर्भ, १३१ - जी गाउँत बोध व्यवस्थ स्थेतिक स्वत्यस्य १३१ - जा गाउँत व्यक्ति व्यवस्थित स्वत वर्तेषा, १२२; नवो वार्षवांको किया परको करो कमानेकी सकार, १ १३; न्यर दायर निक्क कर सूर्यवंकीमें केता च कमानेका करतेन, १९, न्ये सारवित कर समान्यर कीत केता सूर्यांत्रीके सारवित कर समान्यर कीत कार्यां

केल, मान्स्य के ५८ केल, मान्स्य के ५८

फेल ४९४ केली व्या वी १६-१४ ६९ वा वि ४व १४९ फोलसस्य केक —बास्सील देविसीते बूचे, ९४; —के लेकाको

ते भी काला श्रामिति किंद्र कालण करणेंग्र क्रम १६६ -के विभविता लागांत स्वित्येक्ष ग्रामेनास्य ९०९८; -में गोपीसिंख शाव ०५ वेची ११२; -में गोपीसींग्रे क्षान् कालेंग्र क्रम १२८। -में बक्रांचे माराजिय हुक्कारी १६५ -में वाराजिये

—में कुछचे पाठीब हुकबाती ११५ —में बार्टीकों क कामर बंधिकों, प्रत्य मुन्ये हुम्मर कामीम बंदि कारानीकी राज्य हुम्मरचे हुम्मरच ११५ —में एसकम्बर बहिनी हुम्मरच ११५ हुम्मर्ट, ४१६ —चे राजेबीको काम करनेब काम. प्रत्य —चे हरिक्क किया ६८ कामित १९४६

क्षाविक एका, ६६१ कांग्रीजी कांग्रिय —नर किंबी कार्करकको एक्या कार्यक सम्पर्करहरू, ६४१; —ने क्ष्म्यको पर्वजेकी ग्रीमें विजेष काल क्षाँ ६४१ जीवर (जीवरी), —क्षार वार्यकोको काले वर मानेका टिमानका, ३०८

की दिगुल्लाच ४४४ पा दि क्रेसिक्ट २७२

•

बीगाक भारत शंव ११४ पर दि १२५ कार, करी प्रसमस ४ ११ १९ ४६; न्या समाम ४। न्या सामका चात्रकाने देश ४१, न्या समा सी समाम, ४०१ नोब कमर दी समामे ४७

दी सम्बद्ध १०० -के कार दी हाउसी ४७ सम्बद्ध कारण, १९ प्रशास कारण, १९ ४३ अदोष्ट्र -का स्थामा वर्षभारी हता दिना मा स्थापनी स्थामा की सम्बद्ध क्षेत्र सम्बद्धि की १०५१ सम्बद्धि की १९५१ व्यक्तिक, बॉल —के लेक क्रोते लीगोंको कुन्यारा १९५, —करा केवने पुरास्त्री रक्ता १९५ कर्मा राज्य १३६, ४६१

कार प्रेतीकन्दी नर्तेन्द्रिण्यतः, ३८६

बार्त-सरकार, के कार्यका विशोध समये पार्थ कार्यको करना करनी १८६१ -बारा वाली सुकार केर लाक-कर समा करनेबी कनुमति जवान १८०० -बारा क्षमा बाक्ता ३९ ४३: -बारा धोरंकको समा

क्षमा बाक्ता १९ ४ शु -बारा चारकरा छन। स भूतोबी कवावपूर्व बादा, ३८० समास अस्त स्वीत कर आहेका कानक करण करफेरर

होटडी हरना १२९ बहिष्डार, न्यूडी बारा जारिएलाई माल्या, १०९ न्यार अस्तरमा के मारताची बारा करेन हैंसा वार्थिका

कालसङ्ग १९६ कालसङ्ग १८२ २२ २४

बाजार सोविस ५५ पा० वि बाजारी इंदर ३६३ ६७१

मानकीर, लग्द्रण मानिस्, १२ १४ ४४, व१ व१ १११ या निर्देश ११६ ११४ या जि. ११४

रब्द, रेटरे २४९ २५४ वा वि किस सीरिया वया सार ५२९

Partice of

SART FOR 4 4 STORY YES

उत्तरः ४०९ वे केन्द्रः ४९

ने क्षे रिया छीप्रोक्त ३ ९

वे उसकार ३९

दे, सीमार्ट ३,९ के सक्ताना मरीच्य ३,९

वे मेहमेन अवधि ३ ९

वेक्कीन, इस या वि वेशस. सार्विशेरेंट अ

वेर्छ, सुर्वरहरूद, इ वेजकार, इ.व.

केनेस, ही॰ चे इल्लानमी इक्प्पपी महाने पहे प्रमानम ८ : न्या क्ष्मण हास्स वो पर, ८

केस्स, ९१२, न्या भन्न कर्म बॉक्ड किक्सीकी बाजीरी मध्य, ४८४ वेरी बैजन ८१ २८७

वेच, सर देन्द्री, न्हारा ज्यानको स्थान वस्त्रकी वानत स्थल राम व्यक्ति वृद्ध न्हारा जागोर्वोच्छ स्ट्र दोलोस वासेत वृद्

केम्प्रामी समाम कनुरू गुरुक सैक्ट हुतैन, ३ ९ ३११ ३३७ ३७२, ४५

केन्द्रमानी मेजर सैकर हुरीतः व ९ व्दर १३९ ४५० ५२: —या मालस ४५१

देखिम १११ --वक्ष मासभी सन्त क्रेस्की समा मीगलेक गार रिस्स वभ

वेरिया ईस्त इस्ताक ६८३-को १ मासक वेरुकी समा ६ वैका कोर्ट १८३

वैक्रीम ५३२

बोबर सरकार, —इसा श्रम्मीबीके ब्याससी करी मी बक्तकेत व्यक्ति १९१; —के सम्बन्धे मारतीमी इसा बक्तकेति किंगा बासार, १९१

योगा, कारण १० १९ ११६, १०४ वा वि १२ २५६, १११ ११४ १११ ४५६ -चीर कारण जारहता कारीवार्षेका वेच एक कार्यक निरक्षिये कारी कारण प्रकार मध्यान २५६१ -के कार्यहरूपर व्योग्यामें कारण कार विश्वेष्ठ सार्वार्शेका प्रकार कार्यका १३११ -ची वार्षि विकार कार्यकार कार्यकार कार्यकार

क्का ५२ -धरा कानी सन्तरी मान्या ५२ बीद्य ४९६

वी**स, रा**च यम ५९९

आस्तः, १११ आरुपः क्युस्कः —ही देशको परीक्षा ५५; —ही हास्प्रस्यः स्थितिका व्यासारः, ५५

बास्त्री, ५३९ ४०

सामार, नृष्ट्र पृष्ट सिक्टिम सार्याच्य ११,५५) — जाने वृद्धांन केन्यर्रिकी स्वारंत व्यार्थ्य ११९; — जाने वृद्धांन केन्यर्रिकी प्रीप्ताचा व्यार्थ होने कि प्रत्यक्त करीने प्रेरंत् प्रतिक्र महत्यं १९१२ — प्रियानसीक मान्येत १९ होने कर को महत्यं १९१२ — प्रियानसीक मान्येत १९ होने कर को मान्यं १९१४ — प्रतिक्राती व्यार्थित १९ होने कर को प्रार्थित कार्यक्री तेवर मही. १९९१ — अर्थक प्रमुख्ते कार्यक्री तेवर मही. १९९१ — अर्थक प्रमुख्ते कार्यक्री तेवर मही. १९९१ — अर्थक प्रमुख्ते कार्यक्री तेवर मही. १९९१ — अर्थक १९६१ मान्यं महत्यर कर्यक्ष १९९१ — स्वार्थक्रिय क्षार्यक्रिय क्षार्यक्र वित्तं मुक्तेति कर १९९१ — रहन्युक्त मार्यिक क्षित्र प्रार्थ प्रतिक्र स्वार्थक क्षार्यक स्वतंत्रक वित्तं प्रार्थ प्रतिक्र स्वार्थक क्षार्यक स्वतंत्रक वित्तंत्रक स्वार्थक स्वार्थ

आर्थन, १९८ २३६ या दि प्रिसिपस्य बॉफ्र मानकॉकोकी ५ ९ पा हि पिसिपस्य बॉक्स सोदियाँकॉकी ५२ पाटि भिरोरिया, —के मन्दर्शनों द्वारा देखके किए केक जावार ग्रह

**प्रश्र. ६९: -%** भारतीलींगर १८९९ क सगर विकियांके Q=व ३९ के वर्गन सङ्ख्या ४९९: -के मारानि पानी, २४८। - के रोजींडा प्रक वालेशालींकी मदद करना क्रुपेश २६३: --वें गांचीओ केक्सी यह कोठरने करा.

232 प्रिटोरिकाम्युवा २१६ वा दि ३६ वा दि <u>।</u> मारिनियिका प्रांतिनीते में
 २१७

विद्योगिया समिति १९३ वेस पर्वेंसी. -के मरिनिश्की व्यक्तीकीसे सेंड. १८ मे**टीबॅरी फ्लोस्टिपक्ट, ३**२३ ३८३

बरावन ५ क्रोब, इस्कॉन, व विक्रमेरिक एर की २५**६** धिरोगः मुख्यमम्, -विरफ्ताः १९३ फिलिस ८३ ११६

चीनिनदः –दी पंडवाका १२२: नदी पाठवाकार ग्रंपीची १३७-४१। —के क्लामाने यांगीनीक स्ताने कुछ सम्बद्धी, ४१२; -वः वीसम्बद्धे सेक विक्रलेसे क्रिको बहिन्छो, ५३९: -क सन्दर्भना व्यक्ति निका**रि**कॉर्ने **सर्वो**चन दुनोंका कितल ४१२: –गे होरे क्यांक्रीय प्रक्रिय वर्षी, ३८२, -में स्थानके कोगोंक सर्वजनक पांचीकी दार

क्षीतिका होकता नवा और ग्रॅक्टॉंट कीर रहिज्यकी मुख्युत दिखादी कार्यन्तित करणा ३७३ फेरट, ४९७: --वर कान्त्रको स्टाबिक स्टब्स्सा च्याना बस्ताम ४९७: -पर श्रीशी **बस्ताम**में सम्बद्धा ४९७ फेटाट, सर बाली २५४ वरेश वरेर ववश अ र प्रदेश केटीबाके, --काम बृद्धानबाद, १३२ ३४। --पामधिमींछे

इक्तेके कार्य समामानि सुरुवा नोक्तेन क्लानर्थ १३३: -को किया भरतामा व्यासन करवेगर ग्रा समाहारी सन्त क्षेत्रको सना ३१६ फेरानामी -का हराक्तारोंने हेर्या करना बन्नावित १३३ न्दा संबर्ध दशः नदी मार्थेट चीट चवद देनियी सन्त्रामध्य, ६३: —के व्यक्ति कहार करून व्यासारियोंका वर्तन्त, १३३: -को गांधीनीको निमा पराने पेटी कवानेही सकत, व वहा -पर बाहर निवास कर कृथर्शकोंने फेटी न स्थानेका सक्तेत, इदा -चे मार्गात कर प्रमाणस्य श्रीय केनका कर्मांजीके भारतीय व्यासारिशीयर कारोप. १३

पेक्ट सक्रमन चे ५८

ANT TAIL १३-१४ ३२ पा कि ४६ १४९ पे<del>ट</del>्सी प्रमुपी कोराज्य केव, -भारतीय बीईवॉसे पूर्व, ९४: -के सकरके

से भी ज्यादा मास्तीवींक किंद व्यक्ता समेद इसम १९३: <del>व्या</del> समिदबींका लागासी य<del>विक</del>्रेज़ी मार्चनाव ९७-९८; न गांधीमंत्रे साथ 🗠 हेरी. ११२: -में योपीब्रीहे शाह ब्यानेका क्षा ११८: -में ब्यूटरे मास्तीय <u>सकता</u>ती १६५;-में भारतीती के कामपर शंकीकी, ४९-५ ३ मी सुरम्बर काशीम **और सरकारोदी दाञ्च क्राह्मक्र**से क्<del>रम्बक</del> ११% —में स्थवातक वर्षामेंमें सरक्रमान प्रतिरे**क्ति**की शुनिवार्गे ४१९६ -से वांबीबीका श्रवण बरनेके बारण

१९८। -से हरिका विका ६८ मासिस, मामना २४९ मासिय, रामा, २०२ ब्रांसीसी कारिय - वर विक्री कार्योजको एका व्यक्ति

मक्त्रीराक्ष्यः १४१: -से क्ल्युको संशीकीयी सीने किले काम नहीं १४१ गरेन (शीमती), न्हारा गांचीमीको नगरे कर मालेक

निमन्त्र, ३७८ क्षी हिन्दुस्ताच १४४ पा वि बोबिक २७९

बोगाक व्याप्तार सेव. ३१४ पत्र. मि. ३२२ शाह, कही झुरामर ४ २६ ३९, ४६। न्या स्थल ४: -का समका नदमन्त्रमें ऐसा ४: -वाबसर हो समा, १९०१ -के ब्लार ही समारे १९० **1700. WITH. 35** 

757 3.64 अपन अपन अपन अपने मांग्रह मांग्रह आपन ४७ ४६५: –का करणला अविकारी हारा दिला का परमाना करमाना किसान बारा मेखा ३४६

**લ્લામાં** થી ધ્યવ क्क्सी हरिखनाय, २८३ ४९६ धानिका, बीन -के केव वामेरी की मींकी सुकारर १९%, -बारा केवने पुरावकी रक्ता, १९% कारों राजक, १९६, ४९६ कारों नेतिकती कार्याक्रपटका १८व कारो-सर्वाक्रपट, के स्थानेता मिरोक स्वयों आने कार्याकी

सम्बर्ध-स्टाहर, व द्वास्त्र । नाग्य स्थाप प्राच्य चेत्र सम्बर्ध-स्टारा करनी १८३; नाग्य करनी सुकार चेत्र सम्बर-स्टार सम्बर्धनी कतुमति करान १८०० –१४०० समा सम्बर्ध, १९ ४ ३; नश्च सहिन्द्री सम्बर्धनी कम्मान्यमी कराने स्थाप

मनामा -बारा श्रातिक कर अनुविध क्लान करण करणकर बंदरी बारा ११९

बरिकार, न्युकी बारा जारियूतले मानका १७९; न्यार -यन्त्रणमा के महादीमों बारा कर्मन इस व्यक्तिका करनका १९६

बाइक्ट, १८२ २२ २४ बाइक्ट मेनिस १६ मा हि बाइकी ३६१ ३६३ ६०१

वास्त्रण १६८ १६३ ६०४ वास्त्रीट लगुड ब्रासिट १२, १४ प्रत् ६१ ६९ १११ पा वि. ११२, ११४ पा वि. १२४ १६६, १८९ २५९ २५४ पा वि.

कि मौरिया एवं बार ५३%

विद्यारी ६ छ। सर्वेष १ स्थापन

मुब्रहेस्ट १०% ५ २ प्रमुक्त ४९१

के क्यार १९

वे वाँ रिशा सैकीक ३९

वे स्टब्स्स ३९ वे सीमस ३९

वे सुकाका मरीक, १९ वे सेक्नेन मकी, १

केमीन, १६ पा विक केसस. सप्तिर्देश्यः

केरस. स्तरिटेंडे. १ केरस्थी ३ १

केरे. ही में -शुस्तवास्तः इक्त्यको गहता व प्रमाणका, ८३ -का काल्य हाता की वह, ८ किसन, २१६ -हाता काल वार्थ में कह जिल्हाी

बस्मीरी शब्द, ४८४ वेरी बैनर, ८३ २८७

केत्र कर केल्स्स -बारा करमावाडी समान करनेही बात सम्बद्धाः काडीस ३६६ -बारा भारतीवीक्स इ रीक्नेस्स काडीर ३६ नेक्सामी, नवान क्ष्मुल सुल्य सैन्द्र इंग्रेस्ट ३ ९ ३११ १३० ३७०, ४५

केक्सामी मेक्स सेक्स हुसैन इ.९. १११ १३९, ४५०-५१; -का मालग, ४५१ वेकिस १९९३: -यक सकती सल्य केवली सना मीरानेके

बाद विद्याः वृधः वैक्रिम ईस्प क्लाकः वृद्धः नको १ मासके केलको स्त्राः व्

वैक्स अर्थे १८२ वैक्सेक ५३२

शेषर सरकार, ⊸हारा शरहोत्रीके व्यक्तस्म कमी मी हरक्केप वहीं १९१; ⊸के सम्बग्ने महद्यीओं हरा बरवाओंक क्लिय व्यक्तर, १९१

वोना कारण कुछ १९ ११६, १०४ दा हैं।
पर २५६, ११४ १११ १११ भर्ग, न्याँस कारण कार्युक्ता कार्गिकांका वेच रामन कार्योक किस्तिकर्य कारों वी कारण मस्प्रण २५५३ - के कारण उपार धारोकांनी कारण गा किस्ति पारानींक्या प्रता कार्य ३३१: - की कीर्ष किस्तर कारण कारण कारण

क्षम ५१ -नारा कानी शक्का माज्यपुरू बोह, ४९६

कोस दल- पर ५२९ माञ्ज ३११

मास्त्रा, जन्मुक्साः -वी नेशक्से परिश्वा ४५५ -वा प्रक्राक्ट्र

अक्टर ५२१ -विका देखिएँ क्षेत्रे का**ल**ाके सनिकार ५८: -सम्रात और विकास कार्निमेरी क्रे क्रे १७३ - मार्चमोड कार्यको क्रिया क्रिस market floor self to assessment flooristic grow plane any, flat firfler morte effek दरण इम्स्मामको बाहेरो सहले ५२ : त्सैबर कारी कारी प्राची कार के प्राचन के कारी कि -विदेश पारतीयों. -वीर परिवक्तोंकी सोति sates street Marafes services second 6-7: -और चीनियोंकी संबद्ध समा २३४० -और **१७०**स-सरकार बीच एडिमार्ज कामनको केवा सार्थकः १ ५० -भीर वरोपीनोंकि बीच धर्मी कोई आकृतिक बीचार मार्ग, १ ३ -का क्याक्किस करते को वैदालेक शासनक बागमान, १७३: -हा पदमान संरक्षण सकाम स्टबार दारा, १४३: -वः योजादं बारल रह करनामा एक महक्तरणै वास्त्रिम ७२५*: −*स्त पश्चिमार्थ कामन रह करानक किए संबर्ध १९८३ -पर कामाओं में **अभीत प्रशंक**ों विकास केला महम्ब, ५२१: -वा काफिर्लेंड साथ करोपिनीडी भोता भवित भन्दार सम्बद्धार, १६९<sub>१ -का</sub>ासवर कारको भागमा, ८१: नहां केको उत्तर शारेका बक्रोर वर्तमा ३५: लग्न रामसंख्या आस्टो क्रीहे प्रतिनिधित गर्ही ७०३ -का दास्त्रक स्टब्स्स वैद सर्वी. १४७: -मा उल्लामको अपनी जानक क्लमेका व्यसमा कारण करिका ब्यमजीको शाननेसे स्तार करता ७० -का भेन सरकाडी का बाक्या १: -या शरायनकी सरको सामन्त्री श्रीतास संस्कृती गर्भवास ३२५। न्हां नेग्रकों व्यक्ति वर्ष भारतामकाक परिकितिकामि जिलाहा, ४२५। नहा दर्जान्य एक किनान्ती कार्रवार्ड ३२१ :-का पाका आस कानको कीरीत १५ : -का स्वेक बोकर सरकारो स्मारमे बंदोक्योड १९१: ल्ब्ड क्यार्ट कार्टी उक्लोबर रह संक्रम ४२१। न्या सेव्योग्ड वास्टाके वाचा कर राज्यसम्बद्धि प्रशिक्षकर समा अन्य नका तंको बच्चीका संबंध ४ ६। -६। तंको राज्योतिक नहीं वानिक, १ ९। -का रोजे विक्रिय मास्त्रीवेकि किए कलनक सन्तर राजामा कर विशे मानेक विश्व ६०; —का सबसे परणे १८८३में शुरुपतान भागान, ५१५८ -धा नमल वस्तिम आहेजारी संबद्ध स्ट्रीन स्ट्रान एंक्टर सामक ॥ ४४ -की नीवेंच

प्रमाध समाने तीन माँगें १०१: - यो नाम तान्य-में भी भोक्रेनेकी सौंग ९८० की स्मिनक पंजीवर विशिक्षिकारक विकास कार्य देखी ५२५: -- में महिन्स वृत्ति वासकार संबर्ध वासी सक्तांकी सकता १३६। -को कामकोर किवान विकास विकास विकास रामाची केला. विवासिक प्रभार कार सर्वोत्तर प्रवासे, राजा -बी चीनिर्वोद्धी बोरसे सक्त, १.८। -दी बनए स्मान -हारा नामीका गरमें अध्यक्ष होना ७५: --वी सामात समामंत्री समार्था समान्य १८८० औ सार स्पेसे ११०० -की शासकात सरकप रूपा क्षेत्रीते का 🗪 १९६० मही असमानाते स्थानीचीसे स्थ केली हो रच्या वर्षी २९५. -की सन्तरको समारी, ४४% -की होनों प्रीतें स्वक्त प्रतास्त्रक ३१०० -की होगों होगें ब्रांकर करोची बोर्ड क तथा दिन्हारिंड ३४% ≔ही शर्व कामिक्से सम्बाह्य सरक्र स्थेत होसर बाह्य क्षात्रेयर सक्तवर, १९१। न्दी **पॅनेस्प**र और कार्क्सनेवेरी कर १८०५ जो क्योंको स्टे**ल** क्कारामें, ११८ -दी प्रक्रिया २९६१ -दी प्रक्रिया पर गांचीजी, २९६१ —की अरिकामें हान्यमान संबंधि अधिकारित ११९० -को बोक्स बातलक विकास वार्याको लकाक सरकार सकते . १९९: -की गणको बानको हेर ५४८। की मींग और बलाड समर्थे हेममें बाब्धरमृत बंदर, ४ ५। नदी मीन संबद क्रांका सरकारका विकार वहाँ ४८६१ नकी गरेगोंकी लोकर बरावेका देविक कंकारे समार्थ १८८१ -की सम जारेत और सम्परिको शासमाह सरका हुए केंग्री रुवार, १६१। नदी प्रतादे स्थाप करत स्था बारोक किय करों बालन शहर, ३७०। -की सें बेरिनाकी जरीक्यें शह. १८८५ नहीं रीवेडियामें बीच १९६**।** नदी कार्य पारकडी अविकाद किंद्र, इंट्रांट नहीं भी हैं। इसी अनेवर्स सेवर्स केवर्स किए हो होंने न्थी अवस्था केवर प्रदा गोर्टीक विसानमें, १९४४ -की शरील समझ्या अपर -की विकास सरमा बीकोरे राज्यान संस्कृत व्यव ११९: न्ये रिज्यान्य वा क्लेंड वंजीवनड कि परिता क्लानडी अलकारता नहीं १२९: -दी धन्या नेदावर्गे क काब, १७०: -की समस्त हक करतेन किर बॉर्ड ब् शरा कराव व्यवस्थे तार, ४२६। न्द्री सन्द्र ओं विकार क्षार १८८५ के बानून वीनकी यह पाएका कररोग काश्चिमक अलोक , किसाईक किए, १९११-की

0.45 करीय निर्मेशकारी कामान स्वर, ५२४: −की स्विते त्रात्म्य दिन्देशित वत्रशं वरागः १३: न्द्री कर कर सदस्य विष्याच सरक्षणक पास ग्रेमित १५५० - क जानोक्तका कोच्य प्रशास सम्बन्धी कामनी या मैजर्जनक समझ्या प्राप्त करना ५२ - ने क्या दर ध्यक्षेत्र क्लान वर्षातंत्रः सत्ते, रंकेंटमें नहीं नरिष्ठ क्रम अपने शासरे, Yot —के पत्र सहन और संबर्धक जोचा प्राप्तक सहित्यादी सामग्री ¥ का —के कारण केरी दिवन और पॅक्सिस्टम बुरोर्गल न्यालारिनोक किय क्योता. १६९: -क क्रिकेट वर्गिमाई वालन वर्गमा प्रसा बरहारों क्षारा कामने कामा कामन, २११ -के संक्ष्में करोर्वामें द्वारा पत्रक दीन बानदी द्वेडिया १९४. - ६ रामसको प्रशंतक रोह क्यानेका कारन क्यांनिर्द्धांत्र काननेत्रिः शक्तिकार्गं आकी कार कारी ५४० -६ राम्यनावर्ग स्वर्ग करतेका क्येस्व ५२ : -राजेका केलमा शास्त्राकर्ण, ५१६, -क नेशासर्ग पत स्वत बरनेस निर्मेष सरकारडी स्वाध्यती यासीचेंकि राज ४२ : नेद्र करतन्त्र अन्तरार्वेद्धी शासनाच्यी कराई वसीरी १९८: नेक राग्रीम सम्मानदी ध्वापी कार्य राजनाकती स्वतंत्र, ५१६३ -के कार्ने गरेपीजी की राममं कोई विकास नहीं ७०० नक विका कालनाई प्रतिभाषा बरुद्ध वरोमसंब, १७१ -के क्षिर गामरिक वाश्यित प्राप्त बरनक क्षेत्रको सर्वा क्षत्रहा १२॥ -४ कि निर्देश सोजन राधियांत्रे किरानां वर्ती ९० - के किए नेटाकी दिवसम्बन्धे बसुवन कारास्त्र, 33% -ें किए स्वासने वार्चात संस्थात साहित्व दरना मरस्य १७३६ —के किए ही महीं वरिंद सारे निविध सामानके किए द्वासमध्या समाध महत्त्वार्थे, ५४६. –व विरोक्ता क्ष्म मती एक का नहीं, १९९: -के <del>वर्गका करेरा १४४ १५५ -के सक्का</del> हाँदर बारम कर्तक स्थान श्रात की वर्ष बनायक्रके-मन्, ११६) -व कार्यतिक नवना मान वृश कार्यका कारण सारा क्षारा परिकार कालन रह कारणबा योजिक कार्र नक्द, १९८३ नेक सम्बन्ध मन्त्रका क्या गरीको गरवस गरीह द्वारा का नवा विभाग स्टर्मित १९४१ -के सम्बन्ध विभिन्न सम्बन्धि स्त्रा गरा मेटक शिक्षमञ्चलका विश्वस्था ४ ०-३० -के साथ देवागोजानी से शासनाक वालेहर वालिहा-रिसेंग्रा दुर्शेष्टार, ८३। ने शिक्स नताने क्वोलारिकों हो केवने प्रेष वर वरण वही जिल्लाकी

९९० 🛲 श्रीअपनी शरा हैती सगद्धर भागीविदा क्राचीन १९३२ और समय सम स्थान होते समेक बारण सारे बलिय चाफिकामें उनकी दानत सराम हारेको सन्यक्ताः १८६३ **–**दो अनमर्तिपर <del>अन्य</del>त क्रिताक्रोंते उपक्षम, ५४: न्को बदना नैतिक स्टर र्केश बरम्ब किए कृष्य श्रिका शुरुत मारतैयाँकी कारकारता. २९५ -को क्यून कार्राच भाषा**री राहाब** विका करती भाषाक शिंह क्षेत्र क्षेत्र समाल क्षीला anarous, १७८१ -को अपने विकार प्रधाननिक वेत्याचीक स्वाक्याने कही कार्यात स्वर्धी, १४५० -की **बह्नसङ्ख्या अनुमानकाड कामुनोंदा विरोध करनेदा** व्यक्तियाः १९४१-५०: -को केम्ब्रा सरक्त हरा मधेर्रावाला≓ जोसपे वसलेका बाक, १३६, ⊸को गांचीजीकी भराकारमें स्क्रेश करते इस स्कामका प्रचाको नियनेही सम्बद्ध १६: नहीं श्रेणेजीकी हुई न वोक्नेकी सकता, १६: -को गांचीनीकी मान्यसमान राक्टर रहा क्षेत्री समझ, ४५, न्द्री गंगीजीही विकासको सहदर अपनी भाषा म सक्ताको स्कार, ४५९४ -को नारी हार। अमें किने गरे कार्योंक सकामक किय स्तान रहता वास्तान. ११: -की घरती बाजिसे वासिक बार्यात ७१: -को कारण श्रासका मान्य, १९: न्द्रों केलंगे को काम सिके समाप्रकृषे व्यासार करे काला नावासक १४७ -को दालाकमें प्रदेश कारे काम मेंग्रेजे निवास बदादि सहनेकी समझ Yes -की शक्षिण व्यक्तिकांके संघ एका कारण काम कोई राहर नहीं, ५९१: -को राहिन मारिकाने निर्वारित करना भाग, ५४०: -को क्वान नामिकास शहर निर्दाणनक क्षाम कराने स्टालक सरकार कास्त ११६: -को नेताल चैस चनाज्यो राज्यमं सार्थिकार नहीं. क्षण्य: नकी सरावार्ग वर्णा साव-विवासर काना कारकार कर। नहीं ग्रेटायने शुक्रात्रसर्था राज्य केमेक्षी बोधीमीक्षी सम्बद्ध ३५. -क्षा वर्णावन कराज्ये भागेतारोसि वर, ११५० को उन्ह मोरायर मंत्री सवारी २८: -को अपरिर्धाण समाजक क्यां रहतक किय जनन्त क्षण्य हिंद्या यस यहाँ होंद्रों करोद्रा व्यक्तित. १९९८ -की मगरित करनेताके स्वामीत प्रश्तेक गोर्गन्ती, ८ । न्यो वरवाद करनक किर बराबन र्रात शको जनिरामार, ३००० -यो विद्रीय सम्बन्धी शास्त्र पर श्रेनेस सर्वेद्धनद वर्णका काल काल ३८२<sub>।</sub> −को पुरोतीय समिति द्वारा स्थापनामा सकत. १३१: -को मरलॉन हारा जनकारमा प्रतिरोक्त चैरान मडीम का प्रदान १९९: -को खिक्रित यार्कालीयर प्रवाहीन प्रतिकत्त कराहोबर रोग १४५ —भी सम्बद्ध हेरोन्द्री विस्मेदारी गांशीची बारा व्यवसे कमर प्रबुध, १ ६ –६३ सुनोंचन लागाकवरें। अर्थक बरमेच्य व्यक्तिहर स्वर्ध, ४ १: -को साबेशरीका मन्त्रिर, १६: -वा सैवडोंबी संन्यामें बक्कियका नदुःस्त सरना नलकाः, १८५ -को संस्थाना का सहमन्द्री सम्बद्धाः ५०० -तारा वंग्रेजदी कार वेसेस स्तकार, ४६३ - इस्स वयनी मिर्केश और विकासी किए समें ५०% - बारा पश्चिमको बागन कर्मा सी रुक्टिए नहीं ५१: नामा परिचान कानम्बा किरोन करके राजान्यको सेना ४ ९: न्यारा पश्चित्रहें कानज-की रह धानेशी राज्यका सरकरते कवातार वर्ध राज्ये शर्मना, ३११ -करा बानुमाँकी स्वसे वर्षिक माननेपर भी वे मुलामितको वैभित १६१। नक्सर भागतक सम्बद्धान्द्री वर्ष कर्ति मानकोशे सम्बद्धार २९५: -इस्य चेक्ने किने वालेकके कामस वांचीती, १४७-४८: -बार्स बहित्म काविद्याने निर्देश रूपा बोकर नागरीकी जनना स्वीकार, २९५८ वसा प्रकासिक मेहरमादी स्तिहरिका मठक्व होना पूर्वीमहत्रो मान्यता हेना ५५५ -करा प्राचनावर्ते और ब्रिडम्ब्बक्रेंक हारा बरेस पुरिष्ट किन गुरा बाद, १७३। -१३० और मिक्नरही समहते संनीतम शोषका लीहार, १९८: -शरा वेर्दावर्गिको विकासकका सामद, १६९३ -शरा बद्धमारमें वर्तान्त कारामा परिचन १३६६ छा। चिक्कित मारटीयोकि किए कानुकार समावाणिकारकी म्प्रेग, १७३ हारा सम्बर्धीय। इने वह कारेकी साथ वर्ती, ५८ -नारा सामानको प्रकेष मार्गेष श्रीकोष सैं सर्वन्तर प्रक्रिक्ट प्रकार कारोग. ४ सा नगरा सामान्त्रीय मारचे प्रार्थिक किए शास्त्रकारों कार-सान, ४ % -शरा क्षेत्रका वेशीयन करणा जलस्यः ॥ । -पर गरिक्टका नारीम १४६३ -गर ककावार कामेंबे किर को परीक्त कानूका क्योग ५१५, न्दर क्षेत्राचीम देने सुरवणा ४९। न्यर सुम्बनाण सरवार हारा हान का<del>मान्यर शब</del>रे प्रकार महार नेताओंपर १९३३ -पर प्रदिक्षण सामेगर ही परिवास कागून रह दरनेको समस्त ध्यस्तिको गई कर्ष, ३३१: -पर अपले अपरास्त्रो जिल्लाह काम करकेडा जारोल ३९०: -पर बारी को ही मिली नवार्ट १४८३ नार कर हेलते हारा

ह्म बोक्नेका मारोप १६५ - ने बार्यक पेता गर्नेके विकासी कारी, १९९१ - ने हामानोंकी मार्नियार विकासी कारी, १९९१ - ने हामानोंकी मार्नियार १९८१ - ने से कुळ कोगों हारा पर्यकार मार्न्य एनीकार करते कार्यार प्रतिकासण २९११ - ने कर्ने कंपनिक एनकारी आसूरी का सालोप, १९०० - ने पर्यक्रीका निकास १९०१ - ने नोर्तेको स्मार्टिस

विविध गाउँ। देशी -गाविद प्रत्येति सामित मीका कारोजें करायों ९७: -कोक्सरध्यें क्यों संस्थानें २२९ -क्टनिसेंक कॉर्स, १ इ. १५८ -का केटमें क्रम, ९५. –हा कारी देविजेंकि साथ वर्गकरण, १९३१ नहीं केवल बाल बारते समझ बाक्त १४२। नदी केवले क्राब्द, १९६ -को इल्लाक्की केनोंने रहा, १९८१ न्द्री मोक्ल-सर्विकाके स्थापक विकास YS: न्द्री मीवन-वार्वका सम्बन्ध हो सम्बं ९८: -को बहुनिट शकारक वारेने विकास करनेका पूरा समिता. २२४ -को समय रक्ष्मेश गोपीलीका बाद १९४३ न्दो काफिर देशियोंके साथ र**क्ष**णा अञ्चलित १६२: न्यों केर वारीयाचा करना बीजरीमें रक्ष्मेका मारेक १५२३ -की किया बालेनावा बाहार सारक्की रहिये व्यूची, ९७; नकी भूकों भारकर मारतीय समा<del>वन</del>र दवान बाक्ना इल्क्सक सरकारकी मीरिः ७५; नवस श्वमाद्वी कम-विकास नगरे १००३ -मर केल्बे व्यविद्यारियों द्वारा सुस्य ६; न्द्रमिन व्यक्तिमान मारतीय समानकी कन्नतम अर्थामा कोट. YSI न्ते कोस्तरक के**व पर्व** ६४

निक्कि जारदीय बोकी नजरू रक २९ ४५३

विशेष सारणीय कीय (का.), का.
[भीडिया सारणीय नामारी - नुम्माम उपकारको में
मान्यों कवा रेप्पा, पुरिशेष सारणीयोंको मुक्या पुरुषामके मान्याकुत रूपपु - मान्याकित प्रमानी मान्या कव विशेष मान्या कारण प्रमापित प्रमानी मीर्चा पुरुष कुत्री मान्याकित मान्याकिती भीच्या पुरुष कुत्री मान्याकित मान्याकिती भीच्या पुरुष कुत्री मान्याकित मान्याकित मान्याकित प्रमाना मान्याकित मान्याकिति मान्याकित मान्य २८९ 📲 केसार, १५७ के मानारमें बाहर सरकार द्वारा वकाश्य महीं, २९१ -को अपना मान-मता पूरी करासी क्षम देवेडी योगीजीकी सन्दर्भ. १९४१ नहीं (स्पेंदडी चोड बापारी पेंदिनी इस बहुत मनिक गामका किसमा १५०; -को दक्षी गोरोंको क्षेत्र देनेकी समाद २ नकी सना कानामा न देनेका डाइग्स ऑफ नडाफ धारा समर्थेन. ५४%. -की नरावनी सरकार जनक क्षेत्रको सेवार उत्तरी को परवाने भारत करने प्रसानोंको तथा नरक वा **१**सरे मानकॉर्ने सामात्म स्वास भी **प्रतरूप नहीं** ३८३: —हो क्लिया करवाना अधिनवनसं ६४८. ३४४। नहीं सरकारका करनाव करनका स्तावा १५६ नार फेरीवान्तेस बोर ऋग १३ ना छ क्षेत्री वारी असाम खन, १०३३ -पर व्यक्तिपद क्रमानं स केवर मिना परनार्वेण व्यापार करमान मुद्रस्य। बन्धना अस्ति १६८ -से शब्दाँनमें प्रवास समिदारियों दारा अँगुर्हेकि निवास न देशक वर्णने पृक्ताच १४

ब्रिटिस यहर्तमान्ति विकासका नहीं गार्थमा व समाहर स्थापदिसकी सरकार क्षाय परिमान कामून स्थितन २६: न्यां मेंट ऐनेकी श्रव्यक्ति ब्राप्त कार्य फनेनन प्रार्थका, १७१; नामा स्वामादियकी छएकारक सामन सारतांनींकी सर्वचनिक समझा चीचा प्रकार गरफ.

38

1-

विश्वित मारतीय संग्रंद २८ वर्षणा दिश्व इर. ४ ४९ ५ ५३, ५९ हर छ छ। छ। कर कर र का रामान्य राज्य पार कि ten too of low attaches 142 143 147 100 26540 312 3*a* बादि ३९७ वाहि ४९३ ५०४ छन्। ९४१ वा दि: ≔शासनात्र सम्बार्थे केलिले क्सारके गरेने शहप: ८०१ —का *व्यक्तिकारका* शार्वनात्रत १०२८)-का क्रांस्ट कथात क्रकार्ट बार्मारा कावा बीम शक्ति १०० -वी क्रिन कामन रद करलेके निकारी प्रार्मेगा, १८० <sub>सन्द</sub>र राम्बे, सरकारकी मतिवाध किंग हो उन्हें काहरू क करना नामसन्द्र १९। नहीं अदम्बाद्धार कुल्ला न्ता कार्न् गर्स गरमें क्षेत्र कुछ हमा क करोड़ी प्रतिन देश की दिन किया के अपने के किया है। कि शुक्ताओं लोकारों केंग्र अंक्ष्प हैं कि हैं

- fraggery to secure + the व्यक्ति १० न्याच्या है। सम्बद्ध समात काले. १८३ शरान्ता काला हा कर्ज बक्रमा बक्र कर समार्थ सामेर राज्येत रेश अंद्र क्रम्याच्या वाहरिया जिस्सी का अंद water for the period of these at जीरीक मात्रा कर्तन कर उस्त २५१ और ब्रोहरू अक्षा काला भा न्य बर्नरूट PROPERTY THE STORY SERVICES & C. M. वर्षक करें रूपी हर कर्म हैंच क्रीकी ton an eight could having to words or salary on what he was बार्ट्स देखिए हर बाल्ड सार्व देखाना । १०० FREE WAY WELL BER 40 C. उद्धा क्या नर्गर्टेंड हुक्- अब हुन المسيدين عقد المدور سع لك و150 THE RIVER FOR THE

The work the same of the THE HOLE TO THE son but Har group you The was now and were seen Consider as fores may yes FACTOR --

es warmer as we 4 2858 10 5 N/ 43 له د د د محاصر به از خدون BY APPERSONS 

Become of under comm The state of the s מו בנים בין נו בני אלי שנוציה REWALD BOX 900 Yata dons one E sa mray =

131 -WTN ...... s । सम्बद्धि त क्यांनिक

रीहों

-गामे

Ħ

सराह भए। ४५४ मगक्दामिता १५ १८२, २४१ ४३९ पा दि मा. केवसमा १४१ 774 TJ#

tc

मार्गिको, ४३ -की यह मार्गनेको बेलकी एका ८८ -को योगीमीकी देश सामेदर नवाहे. ८८

मरावत रेचर मान्यस्य मी रामकृष्णयोगाच ३ ६,४९८ पा दि मामा स्प्रानम्थ नवास्य, १३५: -बाट्यपूर्व संबंधी शिवा ९४८ सामात भासत् १२, २४८ ३३७ ३४९, ४ १ ४६५,

४७२, ५२४ -बी रिकारिक यह बावदेनमध्ये माराजि चक मानेको सैशार, २४८३ -के केक्नो डीनेकर भी कनकी रचामसे बैटिसोंडी करा १४६६ नहीं सेटाक क्रम्बरका क्लर, ४४%। नामा क्लामार्थ क्रमका देनेका क्षम, ४७३

बाह्यनिक सम्प्रतासे क्षेत्रं मान्यं मार्गे, ४०% लडी मनदा और विदेशक सक्त्योंको सीवना मनिस्टारी. र ३: —की सध्यक्तिय क्या वैश्विक विकास ५०२. ४: -की मानाचींपर गोपीबी, ४९२: -के यहम स्वयं मिक्बर बाम धरनेका यारतीचींक वारीम ३९७; —फ रख्न पिछामह १: ा—क किम दा<del>गराणके</del>

बारत भेने बालकान विश्वसन्त्रक स्ट्रांग २५४: नहीं

कातून अनगणनम्ह, २७९३ —हे विशवारी रक्ते किर शुक्रमण्डा करावासक प्रतिरोध नागै विकास वाका १९९: न्दी सामनवामे वालिक क्याकारे हानि ५१४। -ही हान्समाओं कानेमाने समर्थित मराज्य १ है, १८४१ -पर शास्त्राक्ष्में माराजिति प्रति व्यवसारसे व्यस्त प्रमान ८ 1 न्में व्यक्त व्यामी

स्मिटि कामेकी पूर्व वासकाता ४३९: नी गीरे व्यक्तिप्रदिनोंको क्यीम क्या १३०० -में पारती समाय सम्बे जर्माने राज्य समाज्य, १९६१ -में पांक्क्का कार्ने बोर्टोक्ट, ५७९;—में बोक्ककी शतासकी **र्वत** १०१: -में फलतीन कमालते क्तीन शेष. ¥र ा —ों बारतीनीक कार्येका क्लाब मीवरी मनकोंसि

समार, १९८१ में सर्वत कोइनाल्डी कीरवार वर्धि-स्वतित १९१ -में सार्वक्षित आयोक्ष्मीयर जनस्थापक

व्यक्तिके प्रवर्गीत मेरना ४२९ सारको रह दिवासर, देखिन वीरोली बारालाई भारती कारा नेवालना, ४४% वा दिक मारतीन भुक्ता संग २६३

मारतीय राष्ट्रीय कांधस, २६६ पा दि ३२७ पा∙ शाफ भ्रार का वि Y00, 4 6 **भश्च-१२, भाष -दी बोर्स्ट कवल स्टिनियी** मन्द्र, ९८६ –क संबन्ध शुन्तनाको प्रसन्धो सम्बन्ध

यांचीनीका स्टलान ५३८ भारतीय समाज संब (बॅटियन सेप्रेड व्यक्तिका) ४९६

भागकी १८

भावनगरी *सर संभा*रणी मेरा**रामा**ि ३ ९ ३११ १४० TOOL SEN. YET YOU YOU YET YET ४०९-०३ ४९६ ५ ९ ५४५ स दि। न्य मारतम् पना दरके उत्सवस्त्री स्थापना हेनेदर वीर १७% -दी शरिये स्थित विकास स्था **रह**ा कार्यम्, ४५१: नदी रासमं निर्दार्भक्रिया सम्बर्धेची वर्ती क्या करतेके किय मेर सरकारी हीर पर वे केंद्रियें करणा बावस्थक ४६५५ -को शिवस्थानीकी स्वकारोड किर शुध कामता । ४५१: नदी **शांस्त्रित**ा क्लार, ४२१; न्ही क्लेडी बार्टी खुर दिक्लारी, १६७: -दो शस्त्रात-संबंदी स्टाना हेनेतल क विकास संबोधार है क्यूका ३३०-को सक्कार-के गरेने बनका संदर्भा बनम ३६९: न्हीं ह संबंधा काम पुश्चमसे शह ४६३। -से मेटामी क्षिपरान्त्रकारी गेंड १८८: -से फ्रियानकार सगर मधानिया ३८१

गीवामार्थः न्यौर बीमान्यांची हः इन्हेची करी देखी समा १०५६ च्या निर्मात आहरी होनेवा वारीचे. 204

नेत्यार, ३११

र्माप स्लाहर ८०

स

क्षण यस ५३९ वक्तम मोराए, ९४ मनीद वर्षे सीवर पण्डम २८६ ३०८ ४५ - ४९६ धर्मिक्ट्र १ ६, ५१३

शराणिकार −का भावतीकर, ३९३, ४९<del>० −का भागतिन</del>ा करवेगाची अधिकालींक पार मक्यार, ५३१: -के किय बाबोक्स क्रमेसली व्योक्तनेतर गांतीबी, ३२३-२४

इत्तार इमार इक्वन्त्व प्रश्न प्रहानीर प्रश्न प्रटरन्द प्रश्न महत्त्वहः ने किय कामे-वाकी महिकामीक बाकेमारी मारिपीती, प्रवाह क किय कानेवाकी महिकामीरी मारिपीती हुए कुछ प्रकार क्षेत्रका मिला क्षा कामवाकी कियो परिस्ताकी विद्यादियों त्रोस्ताक क्षा प्रश्न प्रम

अर्थाना देवाच रेक्स ८ जन्ममानेत्रा, २१०-२१

ध्यास मुक्तिम कीम, ५ ध्यासी -नेपूक किए केवर्ग, शु-मदारियों, न्हीं समा, ४) -के कमस्य सारे तेला केवर्ग विराक्तमान १८३ मेनिक, द्वारा विशेषा मारातीय समावास कार्य की

नारोगेंचा उपनिवेदा स्वित हारा करा, १४४ — स्वाप समक्ष मार्टीन समावस्य विका मना होनारोगम संपैतिक मत्त्री विरावसः १४४

मक्ति २४१ मक्ति, सरमानी, मराननी २८३

स्विता, सीब्युमाँ दशकारी, २०५०६ महस्तर, ५१ सहस्रोती शरफा, और पश्चिमकं क्षीमन कालन ३२६

सद्भाग मी भी ४६ स्रोड, देखिए, दोक्क (५०) ग्रॉड

र्योव कबर, भन्द-छ, भृष्टे, भूष-पाछ हि ।
नार, दक्ष-गि- प्रश्न-पाछ हि ।
नारे, यो क्रांस्टिंग पर्यम्भित्री हुक्कार १९८५,—
नारे यो क्रांस्टिंग प्रमान्त्रा कब्द, प्रद्यु-मे- क्रांस्टिंग क्रांस्ट्र-पाँच ।
नार पर्यक्रियो स्थापनार कब्द, प्रद्यु-मे- क्रांस्टिंग क्राम्स्ट्रम्स्ट्र-पाद्यु-मी- वर्षणिक स्थापनार मान्यु-वर्षाम्ब्राम्स्ट्र-पाद्यु-मान्यु-पाद्यु-प्रदेश हो वर्षणिकी संद्रक स्थापनी यो प्रमान्यु-पाद्य

मानासरी कूच्ची ७६१ ९४ मॉरिंस, इ८८

भारत, इंडर मॉरिस, सर देनदी, नारत जीनशी रिक्का वापरेशन १८% मंत्रिस, श्री वे ४०% एक दि मंत्रिस, विवोडोट, ९८१ १०%, १११

मासस्य, विकास, १८६ १००, १११ मार्गियो, १९१ मार्गिय पोस्त, १००। नी धने कारको कास्तर पीवना

हात्त्रस्य पाठकः, रच्छा — साम्य न्यायस्य स्मृतस्य पाठकाः सामृतस्या निर्मतन पाठतेर जनस्य तथा परिचयोः सम्प्रदेशकः

सामें कोई २-१० २६४ १ १ १ १६० पा दि

हर्ट १११ १०० १००, ४४ ४ ४०० ४०२ १४१

४५ ४४४ ४०६ ४००, ४५४ ४४६० ४०२ १८६१

स्में हो अस्त्रक संतिरिकांकी सुकत्मकरी मान्या
१४३ - नीर कोई सु ते स्मेर सम्मान मान्या
१४३ - नीर कोई सु ते स्मित सम्मान १९५, --गार्थाक्रीक स्वत्मक्ष संतिर १९५, --गार्थाक्रीक स्वत्मक्ष स्वत्मक्ष्यक्ष स्वत्मक्ष

यक्षम्मी, (डुमारी) ४ ३ मानेमी, छर बॉम, ४ ३ जिल्हा, बॉर्ड ४००

विसी हैं तर समायक, १४-१५, २८ १२, दंभ या दि इ १९६१, न्हेंगिरीको केटबी बद्धारिका ४४, न्यारं प्रियुत्त सामित्रीको स्थापी स्थापी केटबी क्षारं केटबी क्षारं -द्वा कार समायक राजी स्थापी हैं केटबी के

नार कश्चला १५ मिनी, सुद्रमाद, नेकरे, १९९

मिनी, इसन १४ : नक्षरा कोम्प्रकार्गे क्यूरेग्रा निश्चान नक्षर्थ, १५

मिथीं, प्रतेन १८६

निवासी व्यानिविष्य, देखिए वस्तानी अनुन्दविदन मिर्मा दक्षा, १४८

सिकार, बोर्ड व् ५६, २९; न्यी राज्यस्य मारतीर्थे इस वंशीला अन्यका स्वीतार, २९८१ न्यी सकार्यः, बीलावा स्वीता इस्टीलाके सिरावार, २६१ न्ये नार्वस्ती कांक्रस, १९११ न्यास मारतीर्वोकी सकार्ये १८८५ के बात्तार १वी यह सरकार करोता कर्यक्रेस स्वीता स्वीतार्थिक स्थित २९११

वीरामाई, ३८६

मॅसिक बार चीक भार स्ट्रियाः -म्प्यूरेकि निद्यान न क्षेत्राक्षियः, तः -क्की शिवसः ८९: ~स्थातम् वाधिका और पंताः स्थापनसम्बद्धः ४

-स्माक प्रमध्य ४०१-कालीका ४२ --कार्यसर्पका ४२: --यंबीको एवः कम कोर्गेका १५४: --यांबीकी पर रूपे फाररके कराति १ ५: -शाका कसीना १०५. -कावामानियः, १४५: -बीनी क्ष्मका १७९: बानी नावड और बाद कोगोंका १५१: -बानी बारका, १८८: बार्चने थामोतका की विकित्तिकी क्षतान्द्रमे केस १ % -मानकसम्बन्धे और बार्स्टीका ११४-१६, न्यू सेक्स्बा ५६। न्यंबामा ४२। -पीरदिशिकोड कड समलीक्यर पराने बजाकोड क्लावैट २३:--मिरोरियांके मारशीकॉन्स १८९९के कार विकित्सक मार्ग्नेट ४९९: नोस्सार चीची क्याक्टार्स ४९०। -बारवर्रभवा, १४८। -समा रामबीका ११। -मान-कार पॉपराध्य ३ ६: -सक्योगाई स्था प्रशिक्तका बारिय १५८ रॉबरीया कॉबेनसी महाकारों, ३९ ५३: -क्वमेक की छाले. १४४: -क्लाबीका, ४९९:

-times. Rev मिक्ट समा १३

∄ৱ. ২ ৩

सब, वीरा ३२५ याण जि

सरकी, जार कड़ेरी, व क्रमण्डे सी अंदर ६

श्रुरती मनुमरिक्क, देखिए भक्तानी बनुमरिक्क, ४ सुद्धनर वर्षे ३%८ ५४२<sub>१ —</sub>यांचीमीको बद्धान्त तन्द 🛍 वानंब करन व्यासारमें संबन्ध, १५: नारा योगीजी-को मेने को प्रमुख क्षेत्र १५८ ५९। नहीं नेकरी

गांपीबीरी मिक्सक किर कुम्प बार्बंध्ये प्रभौगा अभटा -का केनोरे केरियोंको पर्याप सामा न देनेकी शिकारत ३५९। नेह गोगीशीय कार्रीवर्ष कार्रोके कारम राज्यसम्बद्धीः ५%

ह्यद्रामाद, बराबद, व. ५५ ४ १६ ४५८ ६८ ७५,९४ SO THE TAY HER HER ROWNING THE 116 140 100 162 169, 150 S4

THE BEG BEE YER YEV YEVE - WHE शाहिती अप्रतिर्देश निर्मित्र नेता १९०: नेता अरसीस कोरोसके मानावा १९ । —बीमाद, १८२: क्षेत्रराष्ट्रिक करण विद्या १९४३ -का अलाकासक क्रियोचडी बारवडी प्रश्नविद्य एक्टीमें ब्राप्तव बोनदान.

३५५. -का रास्त्राच्ये स्टब्स विद्या यह परि नासियोंको जनसमान अस्त्रत गाम केन केनाना क्ष्मेंच ७२: -वरी क्षेत्ररोत गांधीबीको स्थल, १६५३ -की शासरपाकका प्रश्न तक होनेस्ट शासरपाक म क्षोत्रमेदी सार्ववसिंह बोक्य ३५५, नदी देवलेगल वर्षिकी, १९ १८१-८२:-की क्टाम्परीचा सम्बन्ध राज्या माराज्या स्थापन अधिक स्थापन स्थापन -वी तेवाजींको वरियाम और मस्वकी शाँखे की मी या सकती में अस्तर्भ १९ -शारा चीमदी मरीबी देशा १९ : -वे क्रेस्सरह केंग्रो सामग्र स्टाईड

सम्बद्धाः पीरत २८७ म्बामकः क्वी -निरोर्शनती क्वक्ते दिश ६९ 15 THE STO BY र**क्र**मक, क्लीम (माक) २४९-५

चौर बन्धानीकी सम्बद्धत १३%

कुरुपार, बामी, १९७, ४४२; -हे जिल्लोकी बाली वर्गन क्य पोण्डको समझ, १८३ ख्यम्बर, इसेन शब्द, ४५२

सुबर ३८८ मुख्ये व व ३२५ वा० दि० स्वम्बी, हीरामी ९४: अही १४ मिनदी सादी सेस्की

BHT 1 Y दक मिनासी संदेशन संब −बा विकासका, stY मधा, ५८ –६६ धीरके करने धीरका बारहर, १३ मुसाबी, जन्म, १५

क्षेत्रजी कालम वन पा दि १८५ तेन —बारा वांचीबीडी १ वींड सुर्यान्त शा **३ मास**बी करी बेस्सी सना केंग्री लिकरिक रान्धा नाय

शरकारकी भीरते देखी १ इ मेन, शरिमाराम नामुकार ४ ९४ १२४ ४६४ ४९४ प्रदेश भर र ज्योगी कार केवार भ का नामा

रोबार शांधि करानेमें करण १५: -४) निर्वातमध EW. YSE

समान. समामात्रे साथ. १३ वेश प्रवासाय (माई कन्द्रसम्य) ११३

मेरीमेंग बाल बोलियर २७२ - ८४ २८६ ३०% ३१३

१४ ३४८) -मा पर रुपाच जैन करकेरका, ३ ३; की सलक्ष्मी कीरिनेंक अति स्थानुभति, रक्क्

-क्षारा व्यंपीजीको राज्यसम्बद्ध सङ्ग्रेकेने प्रश्ने **छ।**नदा देशिक वयन २७०६ -से बदाबारें बारीबी ही मेंट २०० विद्या कामीबारास वर्षाकासः, १९३ विद्या वा मार्कामा वर्षाकासः, १९३ १९७ १९०६८ ४१३, ४१७, ४२०-३८, ४४४-४१ ४१७, ४७०, ४१६, ४, ०, ६१६, नाम वर्षाका मार्वाका स्वास्ता देशेचा स्वास्त्र, ४१६, नाम वर्षाका मार्वाका स्वास्त्र देशेचा स्वास्त्र, ४१६, नाम वर्षाका बीतो विद्या विकास स्वित्य ४४५, नाम स्वास्त्र वर्षाका बीतो क्या ४५; निकामा स्वास्त्र वेरेका विद्या स्वास्त्र, ४४६, नाम विद्यात स्वास्त्र वेरेका विद्या नोह साम का स्वस्त्र सुस्वारहराका स्वस्त्र वर्षा

प्रशः - ने परिवर्धिये वहाँ १८१ - नेवा कार्यो प्रश्न -वेवा कार्यो पुत्रकः १४ वेवा कार्यो ११६, १६० वा वि नेवा कार्योगेकाम ११६, १ व वा वि ११६, १६० वा वि ११४ ४४० वा वि ४४६, - नीत की वीजना विकासको नात् ४ ६। - नात् १ की का नार्योगाना होता ४४८० विकास गार्विकार १११

वेद्यालक रेमनं ४६६ मेचीक कोर्र नारा मिनीका किया कालको रिपेटीक, गोरीकीक सार्व मेचाराज्या निक मही, ४९६३ को माराकी शिवासे कार्यका निकारिक मोद्रामें वर्षामी, ४५६

अप में किस्तार व्यक्त बंध २०० २५१ २६९ मेंके २४४ था जि मेंकिनी, २०० २११ वेड्रक मोर्ड भार या जि मेंत्र ४,९६ मेंब्रिंस २००

भवरत १०० भी० कं तांबी, -इसिन आध्यकाका एक माततित (दम के तांबी एवं इंडियन पर्दिकार हत सध्यका) (२ पा कि मोठर, हरिन २६:-भा स्थास ध्यक्त, १५:-भा पर्दिकान स्थास ४४४॥

п

मोर्ल्स ४३

वासमर्थे (नर निक्त कैम ४८४ वा दि पॉर्वेशांकर वड़ी बारफ़ाउर ३३६ नोटिस १७८ सूमा १ ब्रामीय व्यवसी १६०-व्यक्तिका पर पर अस्त होत वीर का कहा १६६१ -व कि वर्ग जिल्ह होत प्रोक्षेत्रकुर व्यवसी कि करण व्यवस्त १६८ -वी कृष्टात सुरक्षक विवासकी व्यवसी कि केल्क्स १९६

बूरोमा सह २२४ बूरोमीब छोमति २९६ बूग्रेड, ५ बीमकरीच १९

₹

(नगर कोगें -का विश्वतक रहन्त्वर, ना क्यून १९६ रण काम -को तत तिकही देखाँ कर १० एकाम एकती १४ रणके, नगर, नगर बनिस्ट क्यून नोकर्मान्त के गोरे काक्स्मान्त्वर क्यून ने एकती, कृत्ये, १४ रणकी के प्रथान के अन्यानक स्व

प्रस्त १४ भी, ने स्वीतान क्रमणे हुए से प्रित्य प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य स्था ने सीचे क्रमणे के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य क्रमणे के प्रत्य के प्रत्य क्षणा के प्रत्य के प्रत्य क्षण क्षणा कर्मणे क्षणा के प्रत्य के प्रत्य क्षण क्षणा कर्मणे क्षणा के प्रत्य के प्रत्य क्षण क्षणा क्षणा क्षणा क्षणा क्षणा के प्रत्य क्षणा क्ष रामके (बीमर्सी) ४२८

ter

रलक (अस्ता) करते ऐस्ट्रेंस, सेंके, १८ ; न्यारा भारतीवाँका वसीसक शासन स्वतित होनेही स्थिति सुनार हरिका अवसासन करा: -के स्वारा क्रेकेटी प्रार्थना २०११

१९१; -चे रावय केमेर्स प्रार्थना २९१ रॉमिन्टर रोमर, ८२ पा कि ; -का मिनेबड, १६५ राम २ ७,४९९ भ ८; यह महालू काराणि ४९८; -कारा देव-तेनाके किय १२ वर्गके नालाराज कारीण

४९९ रक्कनी सम्बद्ध ल्या विश्वकारी, ११

रामार् रामार्क, १. २४१ ५ ८ रामारक, १. २४१ ५ ८

राज्याद, १२ २४१, ४१८; -चनोजीके महाये वार्तिक बोलकी इक्ति सँख्याँको कवि, २१३

बोलडी इक्टिं बॅलबॉक्टे कॅके, २१३ गलना, बोलेक, १७६, ३८९

रामक, ५८ राज्यीम माराजीम सेन २८३ या कि ३१ रिच काल कामच ९ या कि १८ या कि ८१

या दि २ ४ २८३ हर्रेट शृश्च श्रृश्च हर्या द्वार प्रश्च भागा स्वयं प्रश्च भागा भागा स्वयं द्वार प्रश्च भागा स्वयं स्वय

मेलना स्कूट स्कूरी १९९१ —हो सीमी संग्र वारा ५ सीमची एक्ट मेंड, ६८१ —हो स्वायुम्हिका का विश्वभनी योगीबीडी सम्बारीकी सम्बन्ध १९८५ —की १ सीम क्रिकेट दिवाल १९५ —वारा स्वयुक्तिस-सम्बन्धि विश्वम

येक्सेचा विकास १५५ -वाग्री कामीस-प्रमाणि विकास संकाले मानेची याच्या १ १५-वाग्री कर्मक सीलीत सालाचा करण, ११६५-छे गोगीनी म वाली वर्गालाडी सरमञ्जा २८

रिच (बीमर्टी) १२१ ११८ ५ ८)-का गीलरा नालीवल, १८५५ -का शुक्रा नारतेवल ४८१, ४९१५ -का फिरवे चारतेवल, ४९०५ -को जीमारीवर वांगीबी

भूगत बारायन, ४९०; न्या नामारास्य वागावा १३०-३८; न्यी शास्त्र प्रतास्य, ४१३ रिको सर वामर्ड, न्यो व्यक्तिगत वा विकासा वर्गार

रिक्कं सर पार्ट, -को अधिकार पर विकास धारीर क्योको पांचीमीका छ्रशा १४ ३ -से नमीर म्लीडी मुलकार १ ५

रिस्तृ बॉक्स रिस्तृष ३०५ वा कि ३११ इस्तामी पराधी १ ४ १६ १६,२८ १५,४८ छ। वा कि छद ९४ ९८ १९४ १४९ १६३, २१५ ११८, २२८ २००, १४ ४१० ४२१, ४५१ ४५४; न्यांगी लेक्से २८५; न्या देश्योधी बारते छनेख ८०; न्यो क्ष्मा गुरुक सेकि १११ न्यांग नुरोग वर्गीक क्षमानी क्षिमा सेकि १११ न्यांग कुरोग वर्गीक क्षमानी क्षिमानी

ध्यकेष्ट, ४९४ रेशाबंबट व्यवस्ति वेंड व्यवसी, ११३ रेशाबंबट क्रोसी वेंड बळली, १२४

रतानकार करार पा कमना, १२२ विंड वेडी मेंड, ५० पा दि १४४ १५८ पान्ट देन १५९, ५४१ पा दि १ - वे छनावने क्योंने डाए पाम्मेक्ट १५९१ - वे छनावने पानिनी डाए महर्शानोंडा मामाना छीराँग मस्डा १४४। - वे

मितिमान्द्री गांचीचीचे मेंद्र १६९ रेड पॉचॉलियर, न्द्रो स्थित मना चनरण रूप्स्तान

भावन, ४५४ रोबिक्ट, ने कानुका क्योहर शोका कार्य दुस्ताको कार्य, १९१; –में दुस्ताकनेशा कार्य दुस्ताको कार्य, १९१; –में दुस्ताकनेशा क्या १९१

रोधन कैपेलिक, ४९०

44

### (4 YSS

व्यविद्या ४५ व्यवस्थान

ज्यम सामार संद २७३

कार विकेश २१४ कारकारण जाना —का

व्यवस्थात वाका न्या प्रस्ता ४९९) के प्रवस्तेत गारिया ४९९) के निवा पुत्र वारीत रेडी प्रकारियों महावित्र ४९९) को कीची प्रीति विरोत्ती व्यवसीय हारा होकित ४९९

कॅनक, सर चार्को १२१ मॅरिंड, (मीमती), १९४<sub>)</sub> –सरा मराज्यित मान्त्रेकारे

च्याचा (मानता), व्यक्ष —करा नवास्त्रस्य मान्यस्यः च्याचं चन वस्यः, व्यक्ष चौर्वं समार ४५४ ५३१ ५३१ —चौर विशिष्ण चौक्समाने

संबर्ध, भारता —में बर्वाण व्यक्तियों सब निषेत्रक स्थीता ११८

रवाक्रण १२६ कार कार्या हों कराय, न्योर छर क्रमेन नाम्बीसे सम्बन्धित कारको संबोधने फिल्मानकारी निक्री करिया.

१८१६ −की तथा ४

क्रमण्ड बन्दार कारणार्थः कालानी ९४ १९४

**ध्या**स्त एक भरे९

क्रिकेरराज्य ३९ ४० २२३ —को कंडमें गर्मामीशी सुकादार १२२, २३८ -से प्रांतीजीकी पेकरी करते साम कर नावदारकी शिकारण २३८ किन्द्रम, -हारा स्थितानही राष्ट्रा बरते हुए मारतीरोंडी

ल्बिटियर महानुमृद्धिय बैंद विचार करलेका अध्यक्ष १९३ Gener प्राथीम देखिए बीमरा सम्बीम

कीमदा स्वाहीम भागवर्गः -मिरस्पारः ६, १४ की-बॉर्जर, सर विकास २८१८ इ ४०५ १११।-से क्षिप्रसम्बद्धी सहस्रातं १८१

काँ. (अंतरी) २७ क्रिकेट, ४३६ पार्श्ट

BFL 332

केती, सर केंद्रिय ३०१ भाभ पा• जि पा दि

बन्दि, (बॉमर्स), १८५ कैस्तराजन क्षेत्रे ३२१: न्के मतम बालर-सदक पारण **ल्याना कोरोंको तरह कारतीय औ**. ७१५

धटना न्यौर रंगरार विच्यान्यक, २६७- न्यानियों और प्रधानमंद्रां सामा राजाओं विश्वां करकत संबंध्यम् बोस्कारम् अनं ७४:--४ भन्नक्रम् प्रतिबोध-की भागानंतर एवित्र पानिकाडी कार १२ : लेक क्यों मचर्चल है ही। १९६१ नहीं गोर्वलीया सम्बद्धके इंक्लिप्रको बस्रोगमे क्लेश इसल, १४३: --बेक्ट्री मिरिक्स बारसीम मानग. १९.८ बन्द्र शानस्य - में शतकास्त्रका मारकारकी समात्र ५०%

सरकर, वी ६ कारीम, व के छ:-बार्चीररीक शुक्रमध्ये ववान, ३३

-का बराब श्रीस्वार्गोडी इहिंग सम्बार्गी *संवि*त का बोगद ४०१-२६ ४१४: -को शका परिवास-बीदी निवाक बाजर अरमा भावेड वरोर्माच्या वर्तेच्य ४ ३ ४९६: न्यो कीशर क्या व्यक्त हम् व्यक्ति आसीमा १९८९९ ४ शु:-क मरामशा निरास

प्रोर प्रोर, प्रोरी -इ ब्राज्यका सावत करा सम्बन्धः म विद्याचना दुर्णीयक्षीः नामः ४५२: ००ही र्द्धस्य हत स्टब्स्ट शहर शहर १ ५४ अ न्द्रारा बलकामद परिशेष्ट हौरान भारतीबींही कर्मात्र ४.चर प्रमुख, ३९९

बरमङ वाक्ष<sup>3</sup> २४२ बरतेश न्यें (श्रीमती) शक्यारीम देशर २६

नर्शनकन्, कश्मण कार्य प्रक

सर्वे सर बी॰ भरद कर्मा चील सी भरत क्कामाई, ह्यापामाई, न्हा देशनियक्की एका ९६ क्रमाराम काक्सक, १९ ४६: -स्ट सुकरमा ४ :

भोक प्रतिकारण भी देखिने बाल्डी, ३४४

नारको, सर निक्रियम कर्मन, न्नीर की काल्याकास सम्बद्धिक ब्रामान जिल्लाकाच्या (क्षेट्से स्थित परिक ९८३: -की मरनक्षक बीगरा हारा इसा दे दे। न्धां बल्लोब कार्यको लहे, ३ १; न्हीं बलापर गर्वतिती । ०-३: -व्हां शमासे विकास कार्यकी क्षार ३ ११-मर सामी श्रीकरमन्द्रश मामन ३०६

बाववर्षेत्र ३७६ ३७५ ४२६ वॉपक २८० ३ ८ बॉगल, (बीमर्ता), १ <

बाह्य दिक्सा बहुक्क्मी, इदद धाक्सनेष्ट उपनिषद् (ईवोपनिषद्) २०६ नामा, १६

वाहिया, २८४ ४२० वानिवाद १६ बॉरम ३६३ बर्त्सर, २६९

सिरम्बॅरम (ब्रुमारी) क्यें(स २८१ ३१६, ४२८ प्रयुद्ध पार्क कि प्रयुक्त प्रथम भरेत भरेतः -राम्मवाक्टी स्थितिस वरत रह, २*८४३ -वा कनान* 

वाक्षेत्र कि वॉनिवल बलाहा बार्यस्य २०००के यनमें भारतीय प्रमुद्ध १८४

विक्रोरिया, व्यवसानी, १५३ -ही बारण, १०० वा हि विजय

विकाससमी ४६ ५ ८; -सम्बन्ध नुस्की बार रिकामानी, वरेटा ने दिन दिनाओं हता समस्ते नाम, ४९८६ -मर प्रेनीकी, ४९८

विषयक न्यान्तान परिवर्त रंजीवन संदासन विकेत्य.

१९१। न्नाराजिंदी अर्चात्व समझ् सरक्ष हरा

n पास ३९४। -के भन्तार हरणह पश्चिमाईडी किनान्ती रिख केना नामसम्बद्ध २९९: -पर शत्राव्यके बराह्यार ६५ —से कराज्य मध्य २९४। -वश्चिण माधिकी छंव मिनेन वरभूपा 🗟 वदव. ३०८ पा वि

३९५ नेप्रक परकारा विकेत, ३४ वा दि प्रकारी विभाद्ध १९२. इ

विकित्ती की -की कराकारी राजभी बागीवका सुकरमा

Fast, 299 2 0 वीतेल ३४७ -- में तील सरवालीको करा करवेसे लगाउट, ३४६

नीरका २६२ मीर्निकन ३९

**वैद सन्द संक्रा** २४१

केर्डनिर्मित ६, २२४; न्में हैं पन क्<del>रेक्क</del> स**ल्य**ी नीकामी ६, ४९: --में मारहीयां बारा विद्यानकार

सामत २४९

वेक्सिट, १३१, ४४२

केट. द ल्या १४ . २.७~८ २१२ पा० क्रि ११४ वरर पारु वि वर्दपा वि ४७४: -नमानक मीमार, ४१४३ -रूबा (ब्रुगारी) केवारी में नामनी धारा देखागर ४१६। -सर्वतर विमोरिका-से दीवित ४१२:⊸धे क्रम्मकल गांची तथा मन्त्रिकाक कोची हारा क्ये शेमले सार-गेंगक ४१२५ -ही वीमारीमें संगा करनेके कारण वांबीबीकी अधिकार पर गर्ने ४२७; न्को चंदीलीको (जीनती) तांपीकी नीमारीक प्रतिदिन <del>पुले</del>टिन निश्चक्कोबी विश्वलय १ ४

केस. (शीमती) ए स्था २ ३ २ दः ⊸दी दीमारी. 227 वेच्य (कुमारी) ४३ : न्यारकाव्ये वीविच ४१२

केट, हर रेमंड ४०६ ५४५ वाल हि अन वा दि बीबस कार बीमल ३२३

म्बादारिक परवाले ७८, ४ । -देना वन्द धरीव भारतीय व्यापारी ध्रवारेके शाक्वीति विकास १ नामारी नाम १५८ गा॰ वि

भागाप्रीय, मरनवीर ४२९

MINE OF EAST TO NO. ALCO ASSOCIATED YEY: -एमा देविक वर्नीयाही शीवनाटक वेक्से Red, 335

व्यत (भीमती) २४३ माराको पी १५१ या छि म्मारा व्यासक, २३९ भास, सी वी २५१

वासको —में धेरस्योक्तादिनोदी वकी ३६८

श्रीकरानन, लागी, १२ पाडिं २०५ पाटि २ ६, २, ९, २१४, २४१, ३००६; –की मीज और

रकाते रोक्जेंब्र क्रिय संबोधी क्या फल्यम, रन्ध करण⊸दीव्य वर्षे विश्वद्ध ११

समाँ पॅक्टि नास्टाम २४१; नाशा विकिट ज्यन्तिस्है समिकाका वांबीबीकर करा असल २०%

बराम्हरित, ४३ २४९ बाधारी केंद्र २८५ वा दि

सान्ति और पंच कैसका समिति ४६२ वान्ति रक्षा जवादेव क्यूग्रियन, २३ ८९ शाहरणी सीरामणी ८ १६, ४९ ४% ९४ १ <sup>१</sup>८

ERBAY EES, REG. RRG. SER. WILL WAY ४९४ ४९९ ५१ : - अट मासकी स्था मोन्नेकी वैवाद, ११: -क्षेत्र मीगलेक किए कोल्डरकारी, ४४) ~सरा चावरंतातमधी कराकटमें समाधिका वर्ण ३४) -निर्वासिक ४९३: -वॉक्सी नह केवने, ५ : स बीवनीय बेमले निर्मालन २४ ९६६ -मा जनाती प्रतिकालक वाश्रिवित्रमक जन्तांत राज्यक्रमें मोर्च २४) न्या जैन्यमा वंशीयले किंग गर्नेनलय २४।

न्द्रो राज्यसम्ब क्रोक्सेका सोविस १४: न्द्र ग्रं**गी**नी ११६: -से समाज्यका इतरा कीर सक १९

श्राह्म, वन वी इत्या कि बाब, बीयक्य, १४६

शब, नामाकार, १४६) –का शीमाने नक्षर निकासन Yes: --दो रंजीस्तराबद्ध क्यारेग म बरवेच करन

gc मा<del>श्रदी केन्द्री</del> श्रदा २४६ बाद, करीर, १३५

धार. सारम्बर, १९

विभिन्न भारतीय १५७, ३३९; -जरमारी जनुमन्तिर केवर होता वरतेमें समर्थ ५९४। -पदिवर्ग कामून्ये क्लानैत हैव भगत पर विद्या ७६: - धवरक समहा हारा की वर्ष जवारी प्रतिकारक कविनेकाको भारता से विक्रित अगली, २०३३ -अगीच्य स्थानक्ष्य केलेने भक्तार बाधनाच्ये स्थाती स्वतनेके मन्दर्गत स्थाती

नहीं १९८३ -किरीका माराजिया वर्षा १४-१५

-का निवास स्थानी बना क्षेत्रेस कीई काथ नहीं. १९७३: **-**दा माशाणिका परिवार पाल्यक एर हीं जानेपर स्वानित स्वापित ३३१: ना मन र्थानीको महाल्खार यहा नहीं, ३३१: <del>-का</del> प्रश्न समा होत्रक मारायपर गांगीजा ३३ ३१: न्य म्बा देखिक डोक्नक मतामें बहुत गम्बोर, १८९१ -का स्तरत प्रशासिकोंक करने शासनाकर्म संबंधका समिति मिरिया समित रामना चामरवर, १४%। क व्यविद्यारिया क्षेत्रमा और अवें मणारी कानुनीह बंदार्गेत निर्देश्व प्रशासी मानता विदेशके कार्युत रह करनेत्री छते १६९३ -के बाँके मधक पीछ हाल्लकामें ब्रिटिश मारलीयोंको मा बनेका कोई श्राहा नहीं ३००; - के हर्जेंक बारेंगे मार्चलॉकी महारि १०३। - में प्रस्कृत तस बंबनेडे माने हारे दक्षिण भविष्याचा १८९: - व सम्पन्धी बनरक स्वरंगद्रा कान, १४०० में सम्बन्धे अधितर्थे-दा विकास करना गांपीतांकः सनमें **भन**िष्ण परः -द। दिसी पंजीवत अविज्ञिमांत्र निपन्तवर्गे वानेक कि किस इरमा अञ्चलित व । नहीं कारत स्मरत निरिच्छ अन्यामं आसी निवासके वरवानं देनेकी वैदार ३८%। —हो सनरक धारश रिवायलक क्याने करण भारताची महाप्रतिपत्र स्मार आज देनेकी तैकार १२९. -दो शामनास्य इसरे अवर्तनवीच समान *स्थि*यका व्यविद्वार दिव्यत्या मारतीवीदा व्यवस्य १४४) नदा प्रोपका गविकार इनके समस्य प्रमूत व्यक्तिग्रहरू. ३८४: -पर अवसीय प्रतिकथ क्यानस नार्यासाँची the en

प्राप्त की वी अपन **श**्मिर १५१

संरक्षेत्र १४७

सरिफ, १९७ पा दि ६ -हहा बर्म्बर्म वह बड़ी समझा वर्षापन, ५८०: न्द्री समाहा शादिक दिला वाला र्णे क्रमाक्तर वर्ण १८३; न्द्रा क्षमा स वरतेथी रामडे गरदार्दी काशकूरी अला, ३८०

<del>देशा</del> बनिश संस्त्र मंग्रताम ४ ९४ १२४ २४६ २५१ का वि ४३३ लाग मेर रहेंत्र बनामेर व्यक्ति १९६ न्या सुद्रश्या १६४६ न्या वेदावादी र्गलपर छीरमदा महिता १६४ स्वामणी, ३७२

रोनेपिन (डमारी) कीवा २०० व्हरू हु , इ ८

आहार २७२, ३१८ ३६१ ३६१-६४; -रद विश्वन प्रका १८५४ –का महाल समा ३१ मालार. (मीमर्ता) व्यक्ति ८१ २०

होत्रमः, विका कारावा द्वाम वहनेपर निरक्तार, ४८ क्षलाम्बर् नजीर क्षत्रेनेका कर्मा मी साथ नहीं ४ २०-और वाक्षांकि हातीशी वाद्यानं वादा सन्तर १२६:-वरनेको निर्देश भारतीय समाज तैनार, ४४६ --बीवनदी बद्धान्त्री क्राप्तवीकी वाचक दवा ३६२: --राम्धवस्थ भारताबनमें शहर कुछ केड भारते निर्दित २३६। ा का सकीवाल समाध्य सवाधारियों वाल. २५०० - अञ्चलमें सार्वासीकी शक्ति ३४: - मीर शास्त्रका २५ : -धिरमञ्जल बसेने रूप न्हीं २५८: -सरक सी है और क्षतिन मी ९८: -का दवान डाम्स्याक सरदारपर राज्य अभिन्न, १८९६ -ध्य बचरा बीर सोरा<del>ववी</del>स शहर १९ : -का राध्या कितना आसाच, करना ही बर्टिन मी, १४० -या संबर्ध शुरस्त्राधनं बाव, ८५; -या छको नैप्रसिद्ध जैसा ९२८ लाई बसमेरी नहीं वन्ति सरकारकी कामारी सरक हानेमें गाण्ड. ११५. -का वर्णीयी करना बर्क्सिन ३ ५; -की ब्रासिट बच्चे सर्वेल स्थान करनेकश्यो सर डब बराज २२०० -ही योगीजी हारा व्याप्ता ३४५ -की विशिष्ठ कलसार चरियामक प्रति कार्सीन धाना सम्मन ४८५ -दी सम्बाद १३३, १६८६ -दी रक्षम दी गेट.श्वासी मार्तामीको सुनित ses: -की क्यार्थका कामका काम, १५०: -की ठाउँकी को क्यांस काना सम्मव १२३: की कार्यको गरीम मी बद्धनमें समर्थ, ११०- न्हीं बदर्शने हामानाह-क भगतीन व्यक्त, १६१; न्दी कानी कटाउंछे मार्तामों हा शुन्तवानम् वदुत-बुद्धः देखने-संप्रक्रदेश किय व्यक्तम २२५: -की विका कटनेवाकीया बाहरी वारवाति निक्तुन सदक्त नहीं, ११५; -वी शक्तिक शामने शुक्रमा किंग सरकार विषय १८९३ नेह जनगर मनर्गार्थेको को दाय जिन्ह दुन दुरमा अन्तानक रेडका न्ये अनेक श्रीरण उदाहरण गांधीओहे सामने र्वत्रमी शतको जंकमें वर्षात्मतः २२०३ नोह सर्वेष्ट गोर्थेको इत्रा विवाद ११५२६। -के ज्यारा कार्षिक विवासके दिन और को सम्बा हमाब 14

नहीं १९: और ज्यानका भवकावन राज्यांकी बरना मानस्य इ. १८४६ - के क्योंकी काराजी सभी में स्थानस्यति करण बरमणाकी २७८१ —के प्रयोगते सेटाक्के भारतीमों हो धारीबीजी निर्माणिया तथा कर करके-की एकाइ cv —के क्कड़ो पहुँचानेकाम कसरा कर सरारमें नहीं, ३१६१ -के संबंधि सरावधी करेक-माने कीमों हामा मान केना सविद्यक ११: -के सम्बन्धे उक्कांकि बच्छलसे गांबीबीका सर बनिक रू १८९: न्ये रिकारके कासार विकासकता स्मार्थन कर स्वयना करिया १९७५ - के कारम विकास २३५: न्हो रीयकेंद्र किर फारक स्वया दारा दी कां रिवानत नामान्त ५३६३ -हो हरेका हेक्सी सहामता क्सकन्द्र २४ :-पर गर्थनियो तथा अतदा १४६६: -मर जान बॉनिज्य जिटिय भारतीय संबद्धी बार्स-छमिति कास्य १७४३ -में वसी केकमें तकिका कराव विनेदा कारण, ९३३: -में कारक कारण सेठ भगीतक चेकम, १९१ औं बाह्य वालेकारेका हिम्मत भरा पर, ८८। —में स्क्रामता क्षेत्रेका मानव मानात दारा क्या ४७३: -- मानतीय समावको भिक्नेताके बाम २४% -से विवय पाना गांधी**वर्षि** मतमे ब्लास और एस्टा ९९, न्हे सक्द, १९२

समाज्य कीचा ने क्षेत्र ने ने ने ने ने ने निर्मा क्ष्मा प्रश् समाज्योः --कोडी भागसन्तरा शामान्य शरकारे स्थानता गत वालेंड किए ६१ -क्लोरी क्यारी कारणे २,१११ -स्थेप मिल्ली ८५. -का वैद्या प्रक्रोकर नहीं १९६। -दी क्ली क्रमबोरी लस्काराका कारण २९%: नदी बीटफा परियास करने किय करा बसरेनेड किय मी बस्तालक्षर, १२६६ लई छण २२७, २३६६ लोह किंद पुरुषका मोह क्षेत्रका भागमध्य १२६: नेक किर केम्प्री महश्र मानद्र मानवार, ११३: -वे किर सम्बद्धा क्षेत्रन करणा आगरमञ्जू २१५४ औः सम्बद्धा चिर देविनोरी भी करण करतान र ९० —को वांचीवरीकी कर्ता, ८९० -को समेत होना कर्ताकर. 38% में क्रिटेन्सम्बर निर्मेट व्यक्तिक शहरान्के हिन्तर अभिद्व होता जानस्यद, २२६: -शरपामधियों, और इसरे भारतीकोंको परिकास संदेश, ९४९९: का अन्य बनाय कारत तीर केनेब श्लाह, ४०१। ्या क्रियाम केवल सम्बन्ध, स्थाप<sub>र न</sub>वा विस्त्र<del>ान्स</del> aun: नदी यह मार्गात सेवड क्रांस खाला, पर । न्द्रो समीरी सुन्यसम्बद्धे केल्क लेक बाजरी, २३६।

-की प्रोचें संबद कारोक किए क्यन्तिक कविनकी नर्थी देशका मध्यान २५ । नदी सेक्ट क्लिन्से अञ्चल कामक नहीं २६२: −की संस्थानी**र्म** होनेक कारण गांगीबोको जिला न्यॉ. २३४१ - के अरकारण कान्तिके वरिकासीमें -२४१ के स्वप् पश्चिमी, २५६: —के बेबोर्ने छानेसर भी समानदा समान सबके प्राथमि स्वर्तित १९३: -को वह वह कर पक्कमा सक १९२: न्द्री मोनीजींद्र मध्ये, शिवगण्डकडी कोर समिक भी सबर स्<del>वर्</del>केड जानकारता नहीं, २६ : नहीं केल बालेकी राजने पारेची जानकाला २४ नो से स्वाहरको भारता केवर्ते वांचीवीक हो समान २२४

क्लोक, देखिए गांधी (जीमती) क्लोक

सम्बर्धितः --बॉक्सिनों और बानस्मिति बीच, ४९: --कारण एमअस्ते ही धालेकी सम्पालना Y 31 -मेंट के द्वारा परी शक्ति कालेक्ट सम्मन ४८१। न्हीलंडी गांचीचीकी राजने कर बाका ३५१:-दीनेक ही दिन पार करूक स्वरस्ता सार्वकरिय सराने राजन, १९३। -रीधे एक बाधनवा काथ वेना प्रचारित नहीं १६। -सम्बर्तिते -का अवना भाव निश्चिम सम्बर्तिते हाँस परा किने बालेपर सन्दर्भ भारत शहर प्रारा प्रीक्षण काम एक कर केनेका भौतिक कमरे कम मराग १२८६ -की बाजाने इस कारन, रूपंप न्द्री शांचीवर्षिः वदमे कम सम्माननाः ३७८: न्द्री गाराचीत पास. ३५ : ३५३, ३६३: न्सी गार हाकासमें औ रारक अनुसार क्लिक कर ४४%। न्दी वक्त व्येष्ट्रम् वस्य सारम्यः वश्यः नदी निर्देश क्षेत्र । -दी श्रम चीर विशेषा क्षत्र कमान रुप्त हारा संय, १९३३ नेह मार्चन अग्रांकों वा केंग्रहेरिक विकास हैनेकर करका करकारको *छ*डामग्रह १८: -ो। अकर्मत परिवारमें शरा करने कुछैनकी मधीशीरि पारच, १९१ — बारेंसे मधी क्षेत्रे निजन मार्गी अक्षदर-के किए मनरक स्मारत कराया अ - किसोर वस्त्रमवीकी राजमें स्थानको अस्त्रे हैं। जा<del>गमध्या वर्षी, ८०३ -पर गर्पीकी, १६८</del>

स्तास्त्र ...सारे वर्तिय पावित्रका यह *त्रसा* सालेड क्षेत्रको १८५ -मा निर्मत होतेल सर्वाक स्थाप तमातम होन्दी सम्मानस, १८९ में दरिसम-रक्ष बुसरी सामैश्रीनिक समा, १९५; के बक्रप्यस्य पद तथा विभाव देश २९४३ न्द्रे बलस्स्य क्रमूर्व

बार्की स्थापका प्रतिकी सम्मातना, १८६, न्में बठावा रजा किलिए समरीवाँका प्रश्न कमाक बोधार अनुसार सता १९१ —में देशिक बंदानका निरोध विस्ता १८८६ क्षातिक क्षेत्रेसके क्षेत्र, ३३१ करलाठी स्वामी स्थानकर, २०६ -वारा छवाई गई नेर्हेक राज्यते स्टब्लिकारी प्रातिको स्वीकार करतेसं पांचीकोको दिक्द. २ ह

र्शाल माहिकके किए सेटर और यह प्रश्य भागा-

सर्वेच्य महातान -ने बैस्टब्य महासार शीवरदर किया सरका कारार करनेदा सराय वहाँ व -के कैसके बाहमार विक्रिय करतीय अगायी बाजनक कार्यांत निकित जारी की १६८० और राजने कालिय-समित क्षारा धरीकार्थ कानन रह करनेक बाने बचनेसि स्थाप ११: -असा परकार लिखाओंकी कई पार रीया ३५४ -ने मरीब बरतेका बस्तिय सार्वामीयी क्यों 🗴 १: —में अल्यालवी सोवने काली मने ग्रामकेत चीमी संबदी सहस्ता, ६८

प्रविचय जयजाका कर्तमा (क्यरी ऑड. सिविक डिसमोविडिमेन्स) ३६४ स्रोम क्लेंगल ४४१ ४६४ सार्टर्स -से ग्रांगीका व्यक्तिक सम्बन्ध १२८ सामय वास्तिको इद या दि ४४ या दि इ न्द्रो परिणिद्ध एक ३ ४५६ ३८१-८४: नार्या गाग्यलको सरस्ये सम्बन्धि सम्बन्धि सम्बन्धि सम्बन्ध पेस कर गरवीन समाजेक वर्त गारी कनाव ४८३ साक्त मात्रिका अमेरिनयेश प्रेस क्वेंसी, २४ चाक वि सामा प्रेस पश्चिम श्रीशक्ती, १०४

सती. पंच. ४९८ চন্দদের প্রস্তাদন ১৩৩ ঘাও হি EGT. 3 at समान्य रसारी मरहाना ३९ धामान्य निकेश प्रवासः ४

समी २३ काटि ४५९ समी. के के न्यर चेकरी मधानड जावावर, प्रश्च

सकाम्य सरकार, -जारतीयोको बक्तिय व्यक्तियाने सिंहाकोः के बनार नरमेंने अपन ११२ -का शंकर कानुनक्ष

विकार नारतीय माधीलो सम्बन्धः १९८ ना स्वर र ३ : नी अपनी कानूनो सम्बन्धे भूक १३ : - स बाग नाम्पनको बुखुद गुन्नको जाराजिति प्रचीनचर, ६२५८ च्छ ग्रंश गर्माय सुमान हारा व्यक्तिको कालन स्ट कानोह किए प्रतिकान, ३८१ -के किए असा कारी बालगान सरकार हो कर करते हैं किन स्राचन कराजा महारामा १४९० के विश्वास ९ -हारा नेता साकता आस्त्रीवृक्ति विकास कालन कन नेकी यौंग *नर्पा*स्ट्र, ११८: –इस्रा अस्तीवीके म<del>ना</del>क कारण भी बनासी कालन संबार, १८९ -स नर्पर, बारावारिक बारायार श्रीकोक सिंह अर्थना ए से रीवेदिकानेद कागणको संघरी सम्बनेत्रते शहर कम सम्बादना ११९ -से स्थापका प्राप्त क्राफिक किय समार्का क्लोकी बाधकाता. ९

सर्वेशकः समा -बोहानियर्गः। अवेशमीन ५५५ -विजेरिकारे, Yo -कार्याने, १४९, Y 3 -का सारक्षेत्र बाइनोक्संद्र सम्बन्धी बादोरी सारोपात. ११५० -सी रोक्कर कर्मा सरकार शरा वर्धकराने वर्ण ३९४४ -कारा काहर्किया क्याहिया, कामा तथा पहित्रतकी बार्क्टरम्ब निरक्तप्रीका विशेष, १८९: जी इंबींड क्रामे को दिल्हाकाको प्रतिविधिकांची वालिय सामकाची २८०५ -में हैसा स्मिति सेनामेंबर कागर लीहार. γः⊸ी चार प्रकार पंच⊾ ११३: ⊸ने पास विमे पने धीन प्रचान, २८८: -में भारत बाले-पक्षे विकासम्बद्ध किए प्रतिनिक्तिक समीपर वर्षो ३८० -में मनतीरोंको गानीर प्रतिश १७९: -वे मालीमी द्वारा वंशीकर क्ष्मान्यसंस्थे करमा २९३: -में मतरीमों दश को भी मौतको कारक कार्स द्वारा विकासकारी सेवा ६७। नी गीर्गे स्टीबार होने एक को विकासकी गंबर म बरवे-का अलाम गर्छ, २९४

खांचे कमरकी, १३ १५, १५ - १५३; **-भी सोहानित**्रणी केवन रिक्रार्ट, २१९ संधिका भाषाचील -या खेल्ह्या वंत्रीकांद्र शहेता-

पर्जोकी गापसीची बरम्बास्टार कैसना ३९

सीकारण सर रिवर्ड ५२, २८१ १८४ ३१६। नहरा ध्य गोशनीय वन प्रेरिन इर्ड:-बारा कारक माहत-

स मिक्रोका क्या, १८६१ ने बगौर क्यांका व्यक्तिमा परिषय १८४ -से प्रोपीजीकी सीर scall इतिकी क्यों नजनीत १८६ सॅमियर सान ४ ३

सोंकीमन (बॉमनी) साक्र ४ इ

सम्बद्ध के कम्बर् प्रकारका प्रकार प्रदार ११११४ १ मा नाम क्रिकेट करामकार

सहावता देनेहा वक्त, २००० —रो बहाकरे गोर्थामी-की मेंद्र, २००० सम्बद्धः —का समानवाकी सहात्राकर कोळीका भावत.

४९९ सारे में ५२९

सिंपेटिक किलायकी भाष पाटि चिंद्र, टी भाष

स्त्रित, मी॰ तेनमण्ड, १३६ -का मार्सामीक समञ्ज मानण्ड,

स्तिः काकसादुर, १२८ सिमञ्जू ५ ८, ५३९४

सिपिकियेतन : ब्रद्स कॉंग एंड क्योर ३९६

शीता ४९९ विकिसा ३२६ ४१३

44

चीली, कर्मक, ३६१ ३०१-७२, ३०५। -और गांपीजीकी क्लारक सम्बद्धक्ष कर बार मेरे, ४ ८। -और कोई मार्केस

नेटको शियमण्डको मेंद्र, १८८) - के मानकार शांकीती, ११६; - के महाने गांदी और बाक्रीक मिक्काओ दीजीं हा न सहान ११६)- के सहमें मारहीक बोरीं की ,क्रकों करने-

व वो बोल्प ११६ —के विचार विशिष्ठ मंदिने परिवर्तन के स्पन्न, ११०; —के विचारत विशिष्ठ राज्योतिक कर्मकित दोनेकी सम्मानमा, ११०; —के विचारोंका सम्मानि करना विशिष्ठ सम्मानके सम्मानिक

भागात्म कर्ना मिळा श्राह्मका मान्यक्त बहुन, ११०५ मो विचारीक समर्थेड विक्रिया शामाकको बहुन, ११०५ -द्वारा स्था स्थान केत्र २९६ -से देवली विकासक स्था विक्रिया क्या विक्री प्रार्थना अ

द्वारात २४३ द्वाना १९८

द्वमञ्चल, रेज्य द्वमर (सा दल्की, २८० ४२५: -निकासर क्रमण कर

हमार (ता राषी, २८० ४२९; -विकासत कारण गर ् नास्त, ६४

धुकेसाल, या का १२ सेच्युरी विकास री, ३८९

सेंग्र केम्स भक्त १२३

रेट, कमक्षीन, रुष् सम्बोने कोंके इस्त रुज्य पा कि अवस्थ —की

बोडोसर मारतीन केंग्रिसोंचे काम ३५९; —को बेन्सि रोज्य हारा केवमां गांधीमीक साथ निले कुर ज्यानारीक बामेरे वर्ष १३

सेनुस्त, नारा द्राप्तमान सरकारको बोरसे पैरवी, ११%; नसे बोर्डामा मारतीयोंकी निरकारीके वारेंगे स्वस्, ११% सीम राज्यती मृत्यों ९४ र ४ र १९४ रेटा - प स्थार, ९५

१५२-५ १रेड, -ने हैर्दिड बंकाना यहिताई मनक स्थापने क केट १८८

क्षेत्र, वसन् की ६०%, ६११ स्थानी मस्तिक अनुसंतिक ४१६, २५ स्थानी मस्तिक स्थानकार ४४

लंकर, रही थ २, ५ ४ रोन-सरदार, न्द्री बहुदेशे स्थलीमें समामी सरा मिन्स

SHORT MANAGE

क्यार कराय, इंट ३९, ४८ ५ वर वि ६ ८८ tit the the the tox at B \$ 1075 YES 1944 25 REY 250 E ३०५,३००,३१८,३१४ १९००२८,१३ वा विक 281 939 371, 381, 383 340 34% 100-CC IT TI ROYY YIS YEL YEYEN, YE YED YOU YOU HELD -अधिकामको पाला केवर विक्रित समर्गीमोदो सीमित सकारी जिल्हाके स्थानी प्रमानका देखेंके स्थाप, ३८४। -क्यक्रामक मिरोक्टी क्ष्मकोडे बारेंगे माहाज्या. ४८१: -अन्तिक मन्तिक कलको महिनाने, ४८१ ८२। -पश्चिम विभिन्नमको एव करनेके जिन वक्तवह, छ० ५२३। -पश्चिम्नं कानुसको स कर देनेकी बाद बाका पर काम वागे भादा -और कारण बोलावा व्यक्तिकॉक्ट संद राज्य वसामेक क्रिक्टिकेरे सीम सी कन्दन अस्त्राम, २५२: -- सामून रहे

शॉकामक साथ जारावील क.९. -क क्वन गुरुष्टर परिवर्ष पर्वाचन क्रिक्सिकोंक क्रान्तित क्रान्ति हैनेयर दिक्तित मार्राजीक प्रमास मार्गत नहीं १४% -बानन मालीबॉब्टी बनारकाके विका २२०। ने सर्वाची बांधीर्वाची बालकारी, ३४१: क देवेन और महत्तीवींकी ग्रीमर्ग जनासात सन्तरं, ४०% -क मकाल द्वारा मामका विल्लुक राष्ट्र ५३१ -क महारी भाने 50 का प्रतिनिधिनोंक मान्यानारी कबकर मारतीबाँका बहुमन कानुनोह नामे द्वारा देवते-क्र मक्तर उट्टा - माने मारतीन केरी ही महारात्री अञ्चलक भाषांपुर माप्रति करतेवारे २९६। - के स्वादी डीवर्डीय कालगा विद्यापनक किय भारत महत्त्वारी, ४६ ४६०; - स सम राजनीय क्लक बोलेस गांधीमा क्षारा मिरावा मन्द्र, ५३% -क सामने *लॉबें* क दारा शासनाकी सार्याचीक मक्को सामानको सम्बोध क्याने एक ४१ -को नीवे व ब्रॉक्टे दारव वैद्यालिक स्थानगढा न्याक विकार क्षेत्र वरित्वहर, ३८४: -शिक्षित मार्टालीको पर्श्य वर्षी, ४ ९ -ही बनित विश्वामं मनावित क्षेत्र किर तैवार, १९९६ -क्रिक्ट पारटीबॉकी संगित कामक क्रिके विकास का विकास माहिकी मंत्राम अभिनासके काली समाग्रत केरेकी हैवाद. राकारिको वहत क्रावेदा प्रतान २८४। -ही ४ ४। सम्बद्धिः निय करन्तः ४ ८। -स्टब्स् श्रास परिनामें बीमोंके सर्वात्रमसं राज ५९: - इ हैरोड़ी करके समाप्रविज्ञीका कराव होने केटल स्थानक प्रकार मार्चेत गर्वनाकी क्षारा एक सबार मेकिन ३२ : न्यो -गामका क्रमेकामें बहुत करता ५१३: का करे हों लेज कहा सक्ती बींका पर प्रेक्ति हुई। -हारा कना-वारेने सुदरना २९२; न्दा इंग्ल्टस प्रकार, १०% कामक प्रतिरोक्ति बरायत ४ वर्तीमें से तीन वर्ती पास्त ना काहर स बरनेश विचार, १८९: न्या ब्रह्मम ५१: ~बहर कामिका-सामि भारतीरों**डी भारतत** सेवा विवास पीरमाज्य ५१: -का निश्म दमायपूर्व. क्षा -सारा वर्षानिक-कर्तके स्टाब्टे स्टीका 100; -I After une water floriversal ४७६। -शरा गीमार्थ व्यविशिकाको स्व वरतेके क्यां र्वातम वाण्याको साता होना समाव नहीं ४२४ नारतं रन्द्रसः ५ ४ न्यासः यक्तिस्त्रं कालन स्ट ४२०: -का प्रवाही व्यविभिन्न करना करता करता करता. कालेका करना करना पूरी तरह मंग नरके चार छाउँ ४ ८: -का विकिए मार्शन समझौता **स्वितिको** पेश्व भरे -कारा गोशीशीश संशार मार्मकर ३२ : मॉफ्रें वारेने क्यान १६१, न्या आसीओंडी क्यान न्द्रारा व्यक्तिकी राज्ये श्रीमित संस्थाने स्थानी ६९: -का सकावारके कार्रिमें सर अंबरणीको क्या जनगरिका का सम्बद करु<sup>\*</sup>; −बारा बदावरे १६९। न्या राजसंदी सन्देश १७५८ नदी बायुर्विही रक्ता होनेस खड़े रावज़दों दशान ३८३ ४०६: कर करनेंड किए मकाबित संशासन अवतः नहीं -बार्स करना समझा क्यान २६३: -कारा निर्मेश गरिवर्त कावून रह कानेकी भी शहें. 3321 नकी नारतीन क्षेत्रको भोचक रहत रम्यकाने सारत कराने बोर्गार्जा नेक्से २ वार्निक पुरुष्टे काकन्त्र निर्यासित ३२८। -बारा पेबीहर कामून रह काले ९३८। -ची वर्ष एजेंकी नारतीयों द्वारा समान्त्रो क्या निहित्र संन्यासे मान्डीमीको स्थापी निवासके क्ष्मार २९३: की मार्स्टलेसि हर बार हात ११: प्रमाणिक केनेका प्रकार ५२ : -कारा प्रकारी -की रलमें भारतींकी गाँवे किल्लाक क्यूमें पूर्वे. আস্থান প্ৰভাগনত কিং মন্ত্ৰিয়া সম্মানে । এ। भागा नी की कथ कथान प्रता नी -दारा विशिध मीति और मामबीब विश्वासीको कर

बरतेको तैवार, ३८५, -पांकीशीकी मांगळी मंबर ब्रुलेमें ब्रह्मचे ५२१ ५४४) -गांबीबीके गटमें त्येगोंके तकके सरकार 1: -मा-का देना पातते हैं कास मार्फात समाव सन्तव देशिय मरापर्वे ४ ८ -तना प्रश्तिकाती रक हारा पश्चिमहर्यको पश्चिम कानून रह करनेका पंचन देना जानकार ५६: प्रशासी कानून-म सुवार करनेका रोबार न्यूडि ४ ९: - मार्सालों और विकासरोंकी इहिमें बेरेमार्गीके बारोक्क मपरार्थ। भरे; -मार्टीमॉकी पराणिमोंक बरावर एक केनेकी ग्रीय सक्तर करनेत्र कसमर्थ ५२६६ --मारतीवीकी सार कियान कर क्रम हंगेक श्लाहक भ२१: --मामानेमें विकास करके दिश्यक्तक कार्नेकी सार्वप्रक्रिक पर्याकी राध्येक स्थाप, ११०- न्यॉर्ड ऍस्ट्रीका संबोधन स्रोक्षर करमेक किए व्यक्तिकार, ४ ८ -विकास सहरोहोंकी निर्देश संस्थाने भारते अन्यतिक धर्मक किम तैकाद १८५५ -सिस्तित मात्रतीलोको म्योसका रिवलको क्याँ जरवानी कर्म्मिक्त केवर ही जल

पर **इम्ब**क्षी, ५१% –हारा मौक्षिक बससे बक्किना कीनून रव करानेका करन १२८: -बाग हैंब पाचीनियर को दिना क्या याका ४५४६ -बारा कॉर्ड र्व ६ स्थानको प्रतीवा ४८६३ - स्था विकासको शास्त्रोंको मिरकार कृत्या एक क्वी युक्त २६३३ -प्रशा समझीनेकी स्टब्स और ब्रिडिशन करने जंग २०३: -बारा कर्यालिक दोहरे मणक वरितवासकाय नारतीलाँका सर्वाचनिक संदाधि संबोधन प्रतासका सकता २९३। न्यार सामेश्वीक सवार्थ व्यवसीको इसा की वह माँपही कविलोकाकी संबा करा नहारा स्तीपृत की वार्ते ५२६। न्हारा क्षेत्रका वंकीवन करा केनेकर पश्चिमाई कानून नावस क्लोका पाता २९२। नाग्य की यह बना मारतीबाँक समझ्यी होनेन कारण प्रस्टिमण, ११९: -कारा की को मनासी प्रतिकार अधिवासको अवस्थान विकास अवस्था निर्मित्र श्वासी १७३३ -पर गोबीबीका संघोचन मामनेक किए बीर बाक्नेका और क का पाना ३४९: -पर बासन स्वांके रिका स्वानीक बोकरीकी निवृत्तित करनेक सम्बन्धि विकेशांविकारक क्यानित क्सनोगस्य कारोब, ५४: -से शांकीकी व कर्नेक छीकी-की को कर मेंद्र ४ ८० जो कराबीया जो निर्देश यारवीन समझीता सर्वितिने क्रियसम्बद्धाः सेंड. १३ । न्मे मिक्नेदा सर रिक्ट संक्रिक्टा करत. ३८४ -में कोई क को कारतरी आचा वट ४५४: -से

न्ति क्षेत्र के कार्यार क्षेत्रकार वर्ष १९५०) नी कार्यार क्षेत्रकार १६ वर्ष कार्यार क्षेत्रकार १६ वर्ष कार्यार वर्षका नार्यकार क्षेत्रकार १६ वर्ष वर्ष व कार्ये विकार कार्यार्थका कार्यार वर्ष कार्ये कार्यः १९६१ नार्याः कार्या कार्यार्थका वर्षकार कार्यः कार्यः १९६१ नार्याः कार्या कार्याक्षेत्र कार्यः कार्यं कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्यं वर्ष्ये कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं वर्ष्यं कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं वर्ष्यं कार्यं वर्ष्यः कार्यं कार्यं कार्यं कार्यं वर्ष्यं कार्यं वर्ष्यः कार्यं कार्यं

नेपाला पेत्रीवन प्रयानका १९३ १**२**६

ए होंद्र, हेर्स्सम्बर, -वहीं वस्ताच्य वस्ता वस्ता १९९ होंद्र, कों टड

होता वर विशिक्तम मिक्कल न्या महत्ते निरम्भिक्ता ज्ञा पुरम्भिते सकारमञ्जूष्य कृति विश्वतिहरूपी, ३२० इस्त सम्बद्ध चतुः

श्यासिंह २२८२९ स्वीर योज्य —हो वर्षानीकी व्यास २६४

हरीत हानी ७ ४७ २४९ १५४ २५६ १६६ age on & age age of the ter 1 % 1 6 SENEW SERVER 180 150 in the say stack san say say s 15 YOU Y & YEE YE ASS AND AS ASA ROT ARE ALL प्रक परद वा कि पर पर पर प्रक पर भग्र भग्भ पा हि । जोर वार्यक्रीकी हैकी सुकारक १८ । जोर गांधिकीको स्र रिक शास्त्रमञ्ज्ञ कानी राजनीत १८६: -और पार्शनीले शास्त्राक्ष्मी शत्र विरक्तार कर किने वालंकी सामान्या, ५१२। -वीर वंदीवी द्वारा वर्षे पॉर्ट्सफरो क्लास ४९३: न्हां सुद्ध सन्दर्भ कर्ण १८०० -को क्षत्र गोक्से मानि वर्ष १६९१ -दी क्षेत्र मार्थे से कामती हैंदे, ११३१ -दी सरकारी वांनीची द्वारा बद्धारास अधिकासा मण्यान, १०८। -क वर महालोको बैठक, ४९: -धारा वस्त्रे नामको स्वतंत्रकी वाक्षित १५३: -पामा वानीनीसर सम्बोधा करतेथे कामधी करतेश माराम, १४९। -बार रोक्सको करने नहीं हाती सुद्धानने विक्तेकी कुलाई, बुट्या सारा माराने किंत् तीया कारता. Vest - and Brancok Han were then का योगोपांके का बोगोंके साथ विकास अस्तिसी भिन्न अवन प्रमात स्थापन स्थापन स्थापन गांधीमी रेक्ट रेटर

हमारी क्योरी ४०१

वर्गीतिमा संस्कृतिका है तथा ११२ १९४ १९९ १९९० १९४१ एवं दि । न्या विद्वारणकात्री शर्र १९७० - न्या सेहोत वर्शनीहोता सम्बद्ध देंद ११३ - न्या ६०१, का -या स्वास्त्र इत्यानक क्षत्र वर्शनीहा सम्बद्ध १११ १३ - न्या सम्बद्ध प्रत्यानक क्षण वर्शनीहार क्यारण, १९

दिग्रंको -और मुख्यानीके किए मध्यान बनाइ क्योंने हर्माईरवा मरिका, १५१ पा दि १८९; - व वहलेमें मारतीबीकी समा २८० निधित, ११ दिन्द वर्ग -द्वा रहस्य भागना गांधीर्वतः मान हिन्दुर्जी-इरिक्कर, शहर पा दि का की नहीं सारे व्यक्तीबोंडा कर्नेप, ९९ इक्टनामाः ३२५ दिन्द्र-मुल्मि देवा -कक्टरेवा १३६ दर्शम नहमत् २/९ इब्बंग माई, स्रमाइब ८७ हाराज्यमं २ १२, १११ २२४ २४६, ४००। नो देशियों हो कस्ती वन उपलब्ध, र ९; -के मारतीय इस्त, तुषेमान, न्द्री एक दिनदी समा, १४ हात्म और बामक, चीवर विदेश कोबसमा मललकी रिवर्षक गत केम मलेकी तैयार, २४८। बाइस्टि, बिस्टा बार्सिट, ४२८ था। दि -में शिव स्थापक कीन तथा देखा भारत कान्या-क्षेत्र हर प्रांक्ति, न्यों किने एवस कानिए वर्शनी क्षेपर क्षांना ४२: -में समामई परेक्टी गंबी-हारा और व्यविका प्रेमित ४५९-६ । -चे वर्गक-भीसे सभावता १६४ बीकी करीक्शरिक मेंजर्भ मानंतर, ४६ इनेम १९२, ४१८; -निकीका सीन्त्र मही-दर्शन छहन शास्त्रिकी, बाठम २६९,३३७ ५२ -पर्राशामें प्रस्<u>र</u>प्रभ बाक्यें समर्थ ३२३ DE the UT TO इमेश् (इमारी), ५१९ हाली ८३ २६३ इतेन, स्मारिम ४ ९४ eren fiften, a er fe tat tot ter इसेन महस्तर, -का देश निदानेकी समा ९० १९७, ५२७ ५५ : - ही बध्वक्रमें लिक्क tree, 11

देख्येत ४६२; -म धर्मजीका मानय, ४०४-०६। -में

होता होतिक २८ १९२। नार्याची तराने सरकाति

कैन्सरेक पीछ, वेंड वालिरेक्स सोमाळ**े.** ४४२

THE YES

सम्मानमें भीत ! ९

भी रहित नामिकाले हुआर नामाकी विभावत करहे.

प्रोतील समितिकी मिलकेको भौज्य परिवासक

भारति ५४१; —े साम स्वरंत कारको बहाबीस

दश को रत ५९-६१ दश: -हारा मार्टालींका रत

कारक प्रारमकी बेक्नि १९: -शास सकातिकी

वात प्राच्या ६९

दिल्कु ३५ पा दि**॰** 

संक्रिका

444